

GOVERNMENT OF INDIA
ARCHAEOLOGICAL SURVEY OF INDIA
ARCHAEOLOGICAL
LIBRARY

ACCESSION NO. 13472

CALL No. 910/stx

D.G.A. 79

A 12
9999





NOT TO BE ISSUED
STRABONIS
GEOGRAPHICA - Vol. 3

RECOGNOVIT



AUGUSTUS MEINEKE

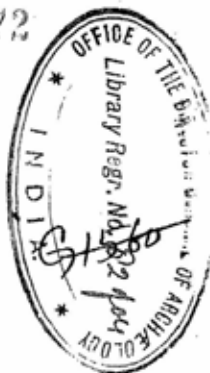
13472

VOLUMEN TERTIUM

EDITIO STEREOTYPA

910
Str

EB



LIPSIAE

IN AEDIBUS B. G. TEUBNERI

d MDCCCXCVIII.

1898

CENTRAL ANTHROPOLOGICAL
LIBRARY, LAMARCA, ILL.

Acc. No. 13472

Date 14.7.1960

Call No. 910 val. (3)
802.



Pergo in indicanda lectionis discrepantia a textu Kramerii:

816, 10. αἰρέσεις 10. τίτλους 817, 14. συστάλλει] Hoc fort. delendum 10. Ἀδραμυττίου 818, 6. post Λεπτόν excidit comma 7. ἢ ante Ἡρα add. 10. post ὁρθῶς add. ea quae in marginem releclimus 28. ἐπιστα] Addendum videtur ἐπὶ τὰ 27. καὶ τὸν Ἐπίσκοπον add. post Μύνητα 822, 9. μὲν delendum videtur 26. καθάπερ [ἐπὶ τὰ πόρους] ὁ Ἐκταπὸρος? 823, 7. Σιδηρῇ 21. ἢ om. 30. καὶ add. ante Καλλιθένης 824, 4. ὁμώνυμος] Malim ἐπώνυμος 5. Πυκάτην] Fort. Παντῶν 6. λιθία 9. κατὰ τὸ μέγεθος ib. ἐξηλείφθη 825, 1. Αἶνον 22. 23. ἐκτιμῆν] Praestat opinor ἐκτιμῆν 826, 12. Ἀρίστη 827, 4. ὅτι ἡ πάλαι — ὁ τόπος] Fort. ὅτι [Περικώτη] Παλαιπερικώτη μετωνομάσθη, omissis ὁ τόπος 15. Ἀρίσθα] Rectius fort. Ἀρίσθα 828, 6. ἀρίστη] Fort. κρατίστη 829, 2. τόποις] Fort. λόγοις 830, 29. τελείως 831, 25. Ἀντιγονίας 832, 15. † μάντι pro βίαν τε ib. ἐνδεκαταίους 833, 6. γνωριμώτατα 834, 2. ἡμῶν] Fort. λιμῶν 3. Πελεός? 20. Ἐλεούσα 836, 12. Ἀντιγονίαν 16. τούτους om. 23. μεταλαμβάνεσθαι 838, 2. † ἀπέοικε 10. εἰς add. post εἰ 23. τὸ om. 24. νῦν προστιθεῖς pro συμπροστιθεῖς ib. πρόσχημα 839, 6. Ἀλεξανδρινὴν Ἑστίαν 15. ἀπὸ om. 840, 4. εἰς μονομαχίαν 25. Παχητίφ 841, 3. οὔτε 19. αἰπὴν. * εἰπερ * βουλῇ καὶ μύθοις [καὶ ἡπεροπηλίδι τέχνη. (πέρ)θετο δὲ 23. post γούνασιν add. quae in marg. posui 842, 1. εἰθ' † ἐκτεμνόντες τε φρένας 13. Σιδηρῇ 843, 19. διάδοσιν 845, 9. μὲν Αἰνίας 14. δ' ἢ pro δὴ 24. Τέννη] Malim Τέννην 29. τῆς . . . αἰας 30. Χρῶσα et hic et in sqq. 846, 24. ὁ Δουκετιῶν 848, 25. Πολυμήδιον 849, 16. δ' om. 17. Περικώτην 27. Πολύτης 854, 19. ὥς τε 855, 1. μέντοι νῦν 856, 8. Αὐδοῖς τοῖς πρότερον 15. οὖν] Malim γοῦν ib. ἔστι pro ἐπὶ 857, 8. οὐδὲ 17. εὐθὺ 27. σμένθιοι 858, 11. καὶ om. 859, 24. Ἐλεούσαν 860, 11. Αἰγῶν 12. Ἀγῶν καὶ Ἀρχῶν 18. Αἰγῶ 19. κεκλιθεῖν] Fort. add. δοκεῖ 861, 24. οὐθ' ὥς] Fort. οὐδ' ὁρθῶς 862, 8. ἐν τῇ μεταξὺ 16. Παλαμῆδιον 863, 1. Εὐρίπον 4. τριηρικός] τριηρεὶ καὶ ἐν 14. παλαίσταν 17. τῶν μνημονομένων? 864, 1. αὐτὴν 5. Μάρκον] Fort. Μάρκων 15. Ἐρεσσός 18. Ἐρεσσού 865, 4. ὁ om. 18. ἐν αὐτῇ] Fort. ἐν

ἀκτῇ 25. Πόρδαϊν 26. Σαπέρδην 867, 9. ἐπὶ om. 871, 14. φυλάσσοντας 27. Ἰννακισχίλια 873, 27. τε [δ] Μηνροδότου εἰς καὶ [τῆς] Ἀδοβογιάνος, [δς] τοῦ 28. γένους ἦν, [ἦν] καὶ 875, 9. ὡς εἴρηται om. 13. Φωκαίαν 16. ὡς εἴρηται add. post πεδία 876, 3. τῷ οὕτως 19. 20. πεντηκοντακιφαλον 879, 21. οὐθ' ἡμῖν 31. Πελτινόν 32. ἔχον τὰς πολίχνας 880, 3. Τριεβάλλουσι 4. κατὰ τὸ τοῦ 7. Ἰεράπολις 27. 28. εἰτε πάντων 881, 2 et 7. Ἰεράπολιν 8. οὖν om. 11. Κίβυρα 882, 3 et 18. Κιβυράται 884, 7. Φιλώτας 13. Φωκαίαν 15. ἐπαγόμενος 24. Σμυρναῖοι κατέκταν om. indicata unius versus lacuna 29. πόλιος ἐν Σμύρῃ 31. Πριών 885, 1. Πριώνος 6. τῆς τῶν πόλεως 15. ἡμεῖς αἰπύ *τε* Πύλου 13. καθάπερ — 20. Αἰολίδα] Haec recte suspectat Kramerus 17. ἐράτην 18. καίθεν + δ' Ἀστίντος 19. Σμύρναν 886, 27. τινα] Τήνιοι Koenius ad Gregorium Cor. p. 402. 887, 26. ὕψει 888, 20. Φιλώτας 23. κρέσσων 889, 23. Μελάμφυλος 25. ἀποικίσαντος 30. οἶον Χίου καὶ Δίεβον καὶ Κω add. post οἶον 890, 5. οὖν om. 6. εὐδαιμονεῖ? 8. καθάπερ πον καὶ Μένανδρος ἔφη add. post γαῖα 891, 24. κλαίει 892, 26. πυγαλγίας] Libri πυγαλλίας vel πυγαίλας, quod correxit Lobeckius 894, 24. Χειροκράτους 895, 3. κρήνη 23. προσσχέσεις 896, 5. μηδὲ 10. Ἀρτεμίδωρος καὶ om. 28. μαντεῖον ἦν ποτε παλαιόν 897, 3. ἐρινιός + δεσους ὀλύνθους 898, 24. 25. ἀποικία 899, 2. πρόσβορον 900, 5. Κυβελία 12. Ἰννακοσίαν 31. μετὰ 901, 4. ἐς 31. στορεννύτης 903, 10. Δελφῶν] Fortasse Αἰολέων 17 — 21. περὶ — ἀδμή] Haec fort. ex margine addita sunt 19. Κορωνίς? 904, 1. 2. εὐτυχίσαντος πολὺν χρόνον + τῷ δ' ἐξῆς ἐτι Μιλησίους 7. κλαίειν θάσσων 15. καθεστηκός 16. Σίμων 20. τῷ om. 26. ἐξῆς] Fortasse ἐπῆς, propter sensus ambiguitatem 26. 27. ἐτι μάλιστα] Scripsi ἐτι μάλιστα. Fort. ἐτι μᾶλλον 29. ἱερώμενον 905, 9. ἐκβάλλουσι γε 14. Μουσίου 906, 24. δὴ καὶ τοὺς 29. ἐγκαλοῦντες 907, 8. τῶν τοσοῦτων 10. ἀπαληλιμένοι 14. Τριῶν] Fort. κατὰ Τριῶν ib. πρὸς τὸν νότον 10. Ἀσίφ 28. Κοσκινία 909, 5. Φοίνι] Imo Φοινί 6. Ἐλεοῦσσα 10. lacunae signa om. 910, 2. ταυτῇ. ἐπ' ἀκρὸς δὲ φρούριον ὁμώνυμον τῷ ὄρει Φοινί 3. Ἐλεοῦσσα 4. τέτρασι 911, 3. δ' ὅμως] Fortasse δὲ πως 4. σιταρχεῖται] Imo σιταρχεῖται 6. ὁφωναζόμενοι] Fortasse ὁφωναζομένων 912, 11. Θελφ] Fortasse φθόνφ 12. [ζών] Fortasse διζών 913, 6. Ρόδον 23. Ἰννακοσίαν 31. Γερνησίας Βαλακίδας 914, 15. φιλοσοφίας 21. γὰρ pro δὲ 31. Ἐλεοῦστος 915, 24. Ζεφύρα 26. lacunam om. Fort. Θαυμαστόν supplendum 32. Ἀρχόννητος 916, 22. 23. ἐπειθόντος — ἐπίμεινεν post Ἀλικαρνασόν 21. 917, 6. τῆς Κῆρας 23. ἱερὸν add. post μεστών 28. προσταχθέντος] Fort. ἐπιταχθέντος 919, 8. Χαλκήτωρ 10. αὐτοῦ] Mallm αὐτῶν 12. Λιδίαν 21. Ὅσोगω 22. Λαβρανθητῶν et Λάβρανθα 920, 28.

Δαβιδῆνον 921, 29. *Κατόκας* 922, 3. *μὲν* fort. delendum 26.
δεύτε 924, 14. *πως* 15. *οὐδ'* 17. *ὀλίγον* 925, 18. *καὶ*
ταύτη μὲν ἐπεστὶν 928, 13. *Τελεμαχίδος* et *Τελεμαχίς* 24. *ὁμώ-*
νυμος] *ὁμογενής* an *ὁμόγονος*? 26. *οἱ* pro *τό* 30. *τὸν* 829,
 23. *δὲ καὶ αἱ* 29. *Φασηλῆς* et sic constanter 930, 2. *τὰ* om.
 931, 13. *σταδίου* pro *Σύλλιον* 932, 7. *προσβόρων* 11. *ὦν*
ib. *πρόσβορον* 934, 8. *ποταμός* pro *πόλις* 11. *Πλατανιστός*
 18. *σταδίων*. *ἐν τούτῳ δ'* 24. *ἐντακοσίους* 27. *διακόσια* *ἐξη-*
κοντα 32. *δ'* om. 935, 11. *εἰς 'Ρώμην*] *Aut haec delenda sunt,*
aut cum Kramero ἐκ 'Ρώμης scribendum 937, 9. *Καλυκάδων*
 939, 6. *δὴ* 9. *ταχὺ* 28. *lac.* om. 30. *ταῖλά τ'* 940, 8.
Βοηθοῦ 941, 15. 16. *τοῦνομα* 942, 19. *Φιλώτας* 27. *Αλ-*
γαῖαι] *Rectius fort. Αλγαῖαι* 943, 8. *Μόψου ἱστία* 9. *καὶ* ante
πύλαι om. 948, 21. *ἐκ τῶν* om. 949, 26. *Σιληνοῦ*] *Operarum*
error pro Σιληνοῦ 950, 20. *προκείμενα* 951, 5. *ἐντακοσίαν*
 30. *ταύτας* 952, 4. *lac.* om. 9. *ἄκρα* om. 17. *ἡϊότος* 19.
δι' ἐλαρινῶν 20. *ξερύρων* 21. *οὕτε ξερύρε* 31. *Ἰεροκηπὶς*
 957, 16. *Ἰδρακας* 29. *αὐτῇ μάτῃ*] *Fortasse αὐτόματῃ* 30. *καὶ*
τὰ ἐξῆς fortasse delenda 959, 20. *δ'* om. 960, 22. *ἂν τι*] *Malim*
ἂν πον 961, 8. *δι' αὐτοῦ τοῦ πεδίου* 962, 18. *ὀκτανισχυλίων*
ib. *Ἀλθιοσιάν*] *Adde πλάτος δὲ πεντανισχυλίων cum Bernharde*
Eratosth. p. 97. 26. *εἰκοσι* 968, 6. *μήτ'* 11. *γὰρ*] *Malim δὲ*
 969, 20. *μορφαῖς*] *Fortasse ὀρμαῖς* 30. *οὕτω πεπισημένως* 974,
 8. *τρυβλίων* 977, 24. *καὶ γὰρ*] *Fortasse καὶ τοι* 978, 14. *μεγέ-*
θους *ib.* 21. *εἰκοσι* 982, 11. *πρώως* 22. *ἔχει* 983, 4. *οὐν*
ib. 8. *τιθασσῶν* 10. *εὐτιθασσέτους* 15. *δ'* om. *Sed fortasse*
omnia haec οὗτος — ἔλεφαντα in marginem reicienda sunt 984, 19.
γίνοιεντο] *Fort. γίνοντο* 985, 20. *δ'* om. 986, 25. *δ'* om.
 987, 25. *τῆς στρατιᾶς* 988, 2. *χρωμένους*] *Fort. χρωμένων* 13.
οὐδ' 17. *γυμνάσιον* 991, 24. *κωδωνοφορεῖσθαι*] *Fort. κωδα-*
νοκροτεῖσθαι 993, 31. *ἰσθῆτος φλοιῶν δένδρεϊων*] *Fort. ἰσθῆ-*
τούς φλοιῶν δένδρεϊων 995, 32. *εἰρηται καὶ ἄλλοις ταῦτα*] *Haec*
fortasse delenda 997, 23. *διαφέρει* 999, 1. *ὁιστούς* 18. *λεθίαν*
 1000, 23. *ἀπὸ* 1001, 11. *τιθασσοί* 14. *τιθασσευμένων*
 1003, 6. *γυμνὸν ἐπαληθιμένον* 1004, 10. *πίσσουνσι* 1005,
 15. *χειροῦμενον* et *ποδοῦντα* 30. *ὅπως* 1007, 1. *ἡϊόνα* 1009,
 25. *Ἀριανῆν* 1011, 30. *ἐκπλέοντας ἀνακαλεῖν δὲ* 1012, 30.
πυκνόρρωγα et *μεγαλόρρωγα* 1013, 29. *δισχυλίων* 1014, 17.
δὴ καὶ κτίσμα 27. *τε* 1016, 1. *καὶ* pro *κατὰ* 1019, 18.
ἀλκαίνεσθαι 20. *τὴν* add. ante *γῆν* 1021, 31. *γὰρ ἔστι τὸ*
 1022, 10 et 11. *Ὁμανοῦ* 1023, 14. *μάζα* 17. *σπενδοουόντες*
 21. *ἄλλων τῶν* om. 1024, 4. *ἀνθινός* 5. *ἢ ἀνθινόν* *ib.*
ἀνθινόν 6. *καὶ* ante *διπλοῦς* add. 9. *δὲ* om. 11. *καὶ* om.
 23. 24. *Πολύκριτος* 1026, 28. *Χαζηνῆ* 1027, 26. *Σαρδανα-*
πίλου 31. 32. *μεταξὺ ἔχουσα τὸν Λύκον* 1028, 25. *ὀγδοή-*
κοντα 29. *ὡς* 1030, 8. *τῇ* om. 12. *Βαβυλωνία* 15. *οὐ κα-*

ταδέχονται 24. Κιθήνα 1032, 23. δὲ om. 1035, 12. τριακο-
 σάχρα. In Vindiciis Strab. p. 232, 2. operarum errore impressum est
 τριακοντοσιάρχων 1036, 7. † πριγέντα 24. aster. om. 1037,
 13. ἐσπέραν καὶ om. 1038, 3. ὅτερον 1040, 15. μεταξὺ τοῦ
 Εὐφράτου 1041, 24. Σάταλκα] Fort. Σάταλα 31. Μεσοποταμία]
 Fort. ποταμία 1042, 3. γαγγίτιν 29. γὰρ pro δὲ 1043, 26.
 lac. om. 1044, 5. Ἀρσακίου] Malim Ἀρσακίου 18. τῷ Ἀγυ-
 πτιακῷ πελάγει 1045, 26. Ἀντιγονίας. Quod scripsi Ἀντιγονείας
 ubique restitutum oportuit, idem de similibus nominibus dictum volo
 1046, 4. μικρῶ 1047, 21. ἰερὸν om. 1049, 26. Κεκίλιος
 1051, 10. Σιδόνος et hic et in seqq. constanter 1053, 2. ἐς
 1054, 5. Κλίμαξ 1056, 15. Σιδόνιοι et hic et in seqq. 1060,
 30. καὶ ante Ἱεροσολύμων om. 1061, 1. εἰσὶν 4. Φιλαδελφίαν
 1063, 14. προσήκει 29. † ὠροσκοποί 1065, 14. μέχρις
 1066, 20. πίσεως 28. αἶ om. 32. † Θάλατταν 1067, 3. Τα-
 ρισίας 8. Ἡρώδη pro Ἰρκανῶ 1068, 15. ἐξ Ἀρδίων, τοῦ τῆς
 Καρμανίας 1069, 4. τὴν lb. τὰς οἰκίας, αἶ, ἐπειδὴ λεπίδες
 1070, 2. ἀμώπειν et γιγνώμενα 11. Λαράκτα 25. Μαικηνή
 1071, 8. ἥτις ἐστὶ πρὸς τῷ Νεῖλῳ μεγάλῳ 1072, 16. ταῦτα δὲ
 καὶ 25. Ἀναξικράτη 1076, 3. ἀναπλάσσειν 8. ἐπὶ] Fort. ἀπὸ
 14. οἰστοῖς 1078, 23. ἀμώπειν 1079, 5. πανοικί 1080,
 26. εἰσὶ (δὲ) καὶ 1081, 6. οὕτε 1082, 16. ὡς om. 20. δὲ
 γυναικας 1083, 12. δὲ] Operarum error τε 13. δὲ add. post δια-
 γνῶνται 1084, 7. δὲ 9. Ναβαταία 12. ἐληίζοντο 1085,
 12. τὰ παλαιὰ 1088, 26. λιθίαν 1091, 21. ἐνναταῖος 1094,
 8. καθάπερ — ἐκβλητότεροι] Haec fort. in marginem reicienda 15 et
 17. Σιδονίων et Σιδόνιοι 1096, 12 et 26. τι om. 1097, 2.
 ἐπὶ 1098, 15. ἐργαζομένους 22. καὶ 2ξ om. 1101, 9. κτερά
 et ψυχόμενῃ 1103, 3. ἐποβαλλόμενος] Ita corrige operarum erro-
 rem 23. ἐπ' αὐτῇ 1104, 16. πλωζομένων pro πλοῖζομένων,
 sic enim volebam 1107, 2. οὖν om. 1108, 23. Καισάριον
 1109, 2. Σαράπιον 15. 16. αἱλλαι] Fort. καλλαι 1112, 24.
 ἔθους] Fort. ἡθους 1114, 22. Λιβυκόν] Fort. βύκιον 1117, 10.
 τῶν [μὲν] ἐν 1120, 20. νιτρίαι] Fort. νιτρίαι et mox Νιτριάτης
 30. δὴ ante διότι fort. add. 1122, 22. Φακκούσης 1126, 16.
 Σαράπιον 1127, 3. μῆς om. 4. σύριγξ 5. ἐστὶ pro ἐπὶ 8.
 δαπάνης] Fort. ἀπὸ δαπάνης 1130, 11. μήτε τὴν 19. ἡ μὲν
 (γὰρ) αἰμυρίς 1131, 14. ἐφ' ἐνός] Fort. ἀφ' ἐνός 25. μεγάλῳ]
 Fort. μέγα τῷ 1132, 4. post τε add. καὶ Θεοδοσίας 17. προ-
 χοῖδιόν 1134, 10. † ὀλόλιθον 1135, 3. διοσημεῖων 19. 20.
 τοῦτον δ' ἐνδοθεν εἶναι οὐκ ὥσπερ 22. 23. ὡς καὶ — Κρο-
 νίων] Haec fort. delenda 1136, 2. εὐγενείας] Fort. διογενείας vel
 Θεογενείας 1138, 25. † Θήκαις 1139, 10. μέχρις 1141, 9.
 ἡ om. 10. θυῖαι 29. φοῖνιξ 1142, 29. οὕτε] Malim οὐδὲ
 1143, 1. γοῦν] Malim γὰρ 1146, 8. καὶ ὅρη συχνὰ 1147, 22.
 κερμαίαις 1148, 32. διάφορος] Non opus videtur ut διάτορος scri

batur 1149, 8. καθαρῶν 1150, 5. ἀφρόν 9. καὶ add. ante
 περὶ 20. τὰς pro τοὺς 1154, 20. † καλεῖται] Hoc fort. non ten-
 tandum, si ἀφρον illam per excellentiam μεγάλην ἀφρον vocatam esse
 statnere licet 1155, 30. Μαυροβαλούς 1156, 10. 11. κατασκευ-
 μένας 1158, 2. lac. om. 1159, 17. Ἦν δὲ 1160, 29. 30. ἐν
 τῷ αὐτῷ 1161, 10. καὶ add. ante στάσεις 1163, 5. κρεωφά-
 γους 1164, 7. om. lac. Excidisse videtur εἶτα ἀκρα 1165, 6.
 διαρμα τὸ [ἐπὶ] Λοκρῶν. Fort. διαρμ' ἀπὸ Λοκρῶν 7. Κίνυψ
 (Κίνυψ?) om. 1167, 11. Τριτωνιάδα 18. καὶ τὸν Χελωνάταν
 om. 1168, 2. Ἀπολλωνιάς 1169, 6. Ἀννικρίαν 27. † Ἀρ-
 δανίλης 29. τρισηλίων 32. Πλέρος.

De aliis locis in Vindiculis dictum est, in quo libro quas proposui
 coniecturas, non omnes in his variatae lectionis indicibus comme-
 morandas duxi. nonnulla, a me ipso dudum reiecta, consulto omisi.

Berolini d. 30. mens. Ianuarii a. MDCCCLIII.

Augustus Meineke.

A d d e n d a

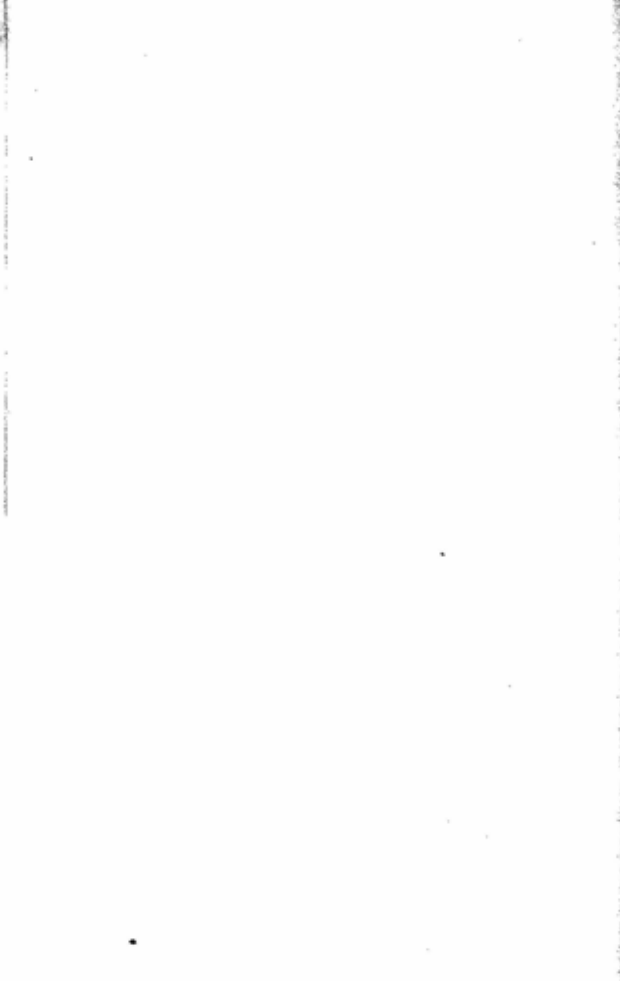
Vol. I p. VIII, 31. post Epl. adde: καὶ βοσκημάτων ἀφθονία παν-
 τῶν καὶ κυνηγέων

P. 9, 1. προσήκει] Libri προσήκει. cf. p. 12, 3. ἡμῖν δὲ προσήκει,
 ubi item libri προσήκει (nisi quod A et habet super ε) ut p. 16,
 17. et 490, 25. quorum locorum primo Spengel προσήκει

P. 52. in margine inferiore adde haec: 28. εὐτυχίας ante εὐτεχνίας

P. 191, 3. Σέξτρος] BCb Σέξτρος, non A, qui Σέξτρος habet p. 258
 et 268. Cas. Hanc scripturam confirmant tituli, in quibus Σέξτρος
 frequentius quam Σέξτρος scribi constat. at Σέξτρος idem A cum
 ceteris libris exhibet p. 161 et 243. Cas. denique p. 178. pro
 Σέξτρια codd. habent Σέξτρια et p. 180. Σέξτριος pro Σέξτρος

P. 384. ἢ πάντας ἀποθανεῖν] V. Lobeckium ad Phryn. p. 751.



Μέχρι μὲν δευρο ἀφωρίσθω τὰ περὶ τῆς Φρυγίας. C.581
 ἐπανιόντες δὲ πάλιν ἐπὶ τὴν Προποντίδα καὶ τὴν ἐφε- 1
 ξῆς τῷ Αἰσηπῷ παραλίαν τὴν αὐτὴν τῆς περιουσίας
 5 τάξιν ἀποδώσομεν. ἔστι δὲ Τρωὰς πρώτη τῆς παρα-
 λίας ταύτης, ἥς τὸ πολυθρύλητον καίπερ ἐν ἐρειπίοις
 καὶ ἐν ἐρημίᾳ λειπομένης ὅμως πολυλογίαν οὐ τὴν τυ-
 χοῦσαν παρέχει τῇ γραφῇ. πρὸς τοῦτο δὲ συγγνώμης
 δεῖ καὶ παρακλήσεως, ὅπως τὴν αἰτίαν τοῦ μήκους μὴ
 10 ἡμῖν μᾶλλον ἀνάπτωσιν οἱ ἐντυγχάνοντες ἢ τοῖς σφό-
 δρα ποθοῦσι τὴν τῶν ἐνδόξων καὶ παλαιῶν γυνῶσιν·
 προσλαμβάνει δὲ τῷ μήκει καὶ τὸ πλῆθος τῶν ἐποικη-
 σάντων τὴν χώραν Ἑλλήνων τε καὶ βαρβάρων, καὶ οἱ
 συγγραφεῖς οὐχὶ τὰ αὐτὰ γράφοντες περὶ τῶν αὐτῶν
 15 οὐδὲ σαφῶς πάντα· ὧν ἐν τοῖς πρώτοις ἐστὶν Ὅμηρος
 εἰκάζειν περὶ τῶν πλείστων παρέχων. δεῖ δὲ καὶ τὰ
 τούτου διαιτᾶν καὶ τὰ τῶν ἄλλων ὑπογράφαντας πρό-
 τερον ἐν κεφαλαίῳ τὴν τῶν τόπων φύσιν.

Ἀπὸ δὲ τῆς Κυζικηνῆς καὶ τῶν περὶ Αἰσηπον τό- 2
 20 πων καὶ Γράνικον μέχρι Ἀβύδου καὶ Σηστοῦ τὴν τῆς
 Προποντίδος παραλίαν εἶναι συμβαίνει, ἀπὸ δὲ Ἀβύδου
 μέχρι Λεκτοῦ τὰ περὶ Ἴλιον καὶ Τένειδον καὶ Ἀλεξάν-
 δρειαν τὴν Τρωάδα· πάντων δὲ τούτων ὑπέρκειται ἡ
 Ἰδὴ τὸ ὄρος μέχρι Λεκτοῦ καθήκουσα· ἀπὸ Λεκτοῦ δὲ
 25 μέχρι Καΐκου ποταμοῦ καὶ τῶν Κανῶν λεγομένων ἔστι
 τὰ περὶ Ἀσσον καὶ Ἀδραμύτιον καὶ Ἀταρνεία καὶ Πι-
 τάνην καὶ τὸν Ἑλατικὸν κόλπον· οἷς πᾶσιν ἀντιπα-
 ρήκει ἡ τῶν Λεσβίων νῆσος· εἰθ' ἔξῃς τὰ περὶ Κύμην C.582

μέχρι Ἑρμου καὶ Φωκαίας, ἥπερ ἀρχὴ μὲν τῆς Ἰωνίας ἐστὶ πέρας δὲ τῆς Αἰολίδος. τοιούτων δὲ τῶν τόπων ὄντων ὁ μὲν ποιητὴς ἀπὸ τῶν περὶ Αἰσηπον τόπων καὶ τῶν περὶ τὴν νῦν Κυζικηνὴν χώραν ὑπαγορεύει μάλιστα τοὺς Τρῶας ἄρξαι μέχρι τοῦ Καϊκου ποταμοῦ 5 διηρημένους κατὰ δυναστείας εἰς ὀκτὼ μερίδας ἢ καὶ ἐννέα· τὸ δὲ τῶν ἄλλων ἐπικούρων πλῆθος ἐν τοῖς συμμάχοις διαριθμεῖται.

- 3 Οἱ δ' ὕστερον τοὺς ὄρους οὐ τοὺς αὐτοὺς λέγουσι καὶ τοῖς ὀνόμασι χρῶνται διηλλαγμένως, διαιρέσεις 10 νέμοντες πλείους. μάλιστα δὲ αἱ τῶν Ἑλλήνων ἀποικίαι παρεσχέκασιν λόγον· ἦττον μὲν ἡ Ἰωνικὴ (πλείονι γὰρ διέστηκε τῆς Τρωάδος), ἢ δὲ τῶν Αἰολίων παντάπασιν· καθ' ὅλην γὰρ ἐσκεδάσθη ἀπὸ τῆς Κυζικηνῆς μέχρι τοῦ Καϊκου καὶ ἐπέλαβεν ἑτι πλεόν, τὴν μεταξὺ τοῦ 15 Καϊκου καὶ τοῦ Ἑρμου ποταμοῦ. τέτταρσι γὰρ δὴ γενεαῖς πρεσβυτέραν φασὶ τὴν Αἰολικὴν ἀποικίαν τῆς Ἰωνικῆς, διατριβὰς δὲ λαβεῖν καὶ χρόνους μακροτέρους. Ὅρίστην μὲν γὰρ ἄρξαι τοῦ στόλου, τούτου δ' ἐν Ἀρκαδίᾳ τελευτήσαντος τὸν βίον διαδέξασθαι τὸν υἱὸν 20 αὐτοῦ Πενθίλον, καὶ προελθεῖν μέχρι Θράκης ἐξήκοντα ἔτεσι τῶν Τρωικῶν ὕστερον, ὑπ' αὐτὴν τὴν τῶν Ἡρακλειδῶν εἰς Πελοπόννησον κάθοδον· εἴτ' Ἀρχέλαον υἱὸν ἐκείνου περαιῶσαι τὸν Αἰολικὸν στόλον εἰς τὴν νῦν Κυζικηνὴν τὴν περὶ τὸ Δασκύλιον· Γραν 25 δὲ τὸν υἱὸν τούτου τὸν νεώτατον προελθόντα μέχρι τοῦ Γρανίκου ποταμοῦ καὶ παρεσκευασμένον ἄμεινον περαιῶσαι τὸ πλεόν τῆς στρατιᾶς εἰς Λέσβον καὶ κατασχεῖν αὐτήν· Κλεῦν δὲ τὸν Δώρου καὶ Μαλαόν, καὶ αὐτοὺς ἀπογόνους ὄντας Ἀγαμέμνονος, συναγαγεῖν 30 μὲν τὴν στρατιάν κατὰ τὸν αὐτὸν χρόνον καθ' ὃν καὶ Πενθίλος, ἀλλὰ τὸν μὲν τοῦ Πενθίλου στόλον φθῆναι

περαιωθέντα ἐκ τῆς Θράκης εἰς τὴν Ἀσίαν, τούτους δὲ περὶ τὴν Λοκρίδα καὶ τὸ Φρίκιον ὄρος διατρεῖναι πολὺν χρόνον, ὕστερον δὲ διαβάοντας κτίσαι τὴν Κύμην τὴν Φρικωνίδα κληθεῖσαν ἀπὸ τοῦ Λοκρικοῦ ὄρους.

- 5 Τῶν Αἰολέων τοίνυν καθ' ὅλην σκεδασθέντων 4
τὴν χώραν, ἣν ἔφαμεν ὑπὸ τοῦ ποιητοῦ λέγεσθαι Τρω-
ικήν, οἱ ὕστερον οἱ μὲν πᾶσαν Αἰολίδα προσαγορεύ-
ουσιν οἱ δὲ μέρος, καὶ Τροίαν οἱ μὲν ὅλην οἱ δὲ μέρος
αὐτῆς, οὐδὲν ὅλως ἀλλήλοις ὁμολογοῦντες. εὐθὺς γὰρ
10 ἐπὶ τῶν κατὰ τὴν Προποντίδα τόπων ὁ μὲν Ὅμηρος ἀπὸ
Αἰσῆπου τὴν ἀρχὴν ποιεῖται τῆς Τρωάδος, Εὐδοξος
δὲ ἀπὸ Πριάπου καὶ Ἀρτάκης τοῦ ἐν τῇ Κυζικηνῶν
νῆσῳ χωρίου ἀνταίροντος τῷ Πριάπῳ, συστέλλων ἐπ'
ἐλαττον τοὺς ὄρους, Λαμάστις δ' ἐτι μᾶλλον συστέλλει C.583
15 ἀπὸ Παρίου· καὶ γὰρ οὗτος μὲν ἕως Λεκτοῦ προάγει,
ἄλλοι δ' ἄλλως· Χάρων δ' ὁ Λαμφακηνὸς τριακοσίους
ἄλλους ἀφαιρεῖ σταδίους, ἀπὸ Πρακτίου ἀρχόμενος
(τοσοῦτοι γὰρ εἰσιν ἀπὸ Παρίου εἰς Πράκτιον), ἕως
μέντοι Ἀτραμυτιτίου πρόεισι· Σκύλαξ δὲ ὁ Καρυαν-
20 δεὺς ἀπὸ Ἀβύδου ἄρχεται· ὁμοίως δὲ τὴν Αἰολίδα
Ἐφορος μὲν λέγει ἀπὸ Ἀβύδου μέχρι Κύμης, ἄλλοι
δ' ἄλλως.

Τοπογραφεῖ δὲ κάλλιστα τὴν ὄντως λεγομένην 5
Τροίαν ἢ τῆς Ἰδης θέσις, ὄρους ὑψηλοῦ βλέποντος
25 πρὸς δύσιν καὶ τὴν ταύτη θάλατταν, μικρὰ δ' ἐπιστρέ-
φοντος καὶ πρὸς ἄρκτον καὶ τὴν ταύτη παραλίαν. ἔστι
δὲ αὕτη μὲν τῆς Προποντίδος ἀπὸ τῶν περὶ Ἀβύδον
στενῶν ἐπὶ τὸν Αἰσῆπον καὶ τὴν Κυζικηνήν· ἢ δ' ἰσπα-
ρία θάλαττα ὃ τε Ἑλλήσποντός ἐστιν ὁ ἔξω καὶ τὸ Αἰ-
30 γαῖον πέλαγος. πολλοὺς δ' ἔχουσα πρόποδας ἢ Ἰδη καὶ
σκολοπενδρώδης οὕσα τὸ σχῆμα ἰσχύοις ἀφορίζεται
τούτοις, τῷ τε περὶ τὴν Ζέλειαν ἀκρωτηρίῳ καὶ τῷ
1*

καλουμένῳ Λεκτῷ, τῷ μὲν τελευτῶντι εἰς τὴν μεσό-
 γαιαν μικρὸν ὑπὲρ τῆς Κυζικηνῆς (καὶ δὴ καὶ ἔστι νῦν
 ἡ Ζέλεια τῶν Κυζικηνῶν)· τὸ δὲ Λεκτὸν εἰς τὸ πέλα-
 γος καθήκει τὸ Αἰγαῖον ἐν παράπλῳ κείμενον τοῖς ἐκ
 Τενέδου πλείουσιν εἰς Λέσβον. „Ἰδην δ' ἴκανον πολυ- 5
 „πίδακα μητέρα θηρῶν, Λεκτόν ὅθι πρῶτον λιπέτην
 „ἄλλα“ Ὑπνος καὶ Ἥρα, τοῖς οὖσιν οἰκείως τοῦ ποιητοῦ
 φράζοντος τὸ Λεκτόν· καὶ γὰρ ὅτι τῆς Ἰδῆς ἔστι τὸ
 Λεκτόν καὶ διότι πρώτη ἀπόβασις ἐκ θαλάττης αὕτη
 τοῖς ἐπὶ τὴν Ἰδὴν ἀνιοῦσιν, εἰρηκεν ὀρθῶς. 10

Τοὺς δὴ πρόποδας τοὺς ἐσχάτους ἐφ' ἐκάτερα φρά-
 ζων οὕτως τὸ Λεκτόν καὶ τὴν Ζέλειαν, οἰκείως τούτων
 ἀκρωρείαν ἀφορίζει Γάργαρον, ἄκρον λέγων· καὶ γὰρ
 καὶ νῦν Γάργαρον ἐν τοῖς ἄνω μέρεσι τῆς Ἰδῆς δείκνυ-
 ται τόπος, ἀφ' οὗ τὰ νῦν Γάργαρα πόλις Αἰολική. ἐντὸς 15
 μὲν οὖν τῆς Ζελείας καὶ τοῦ Λεκτοῦ πρῶτὰ ἔστιν ἀπὸ
 τῆς Προποντίδος ἀρξαμένοις [τὰ] μέχρι τῶν κατ' Ἄβυ-
 δον στενῶν, εἰτ' ἔξω τῆς Προποντίδος τὰ μέχρι Λεκτοῦ.

C.584

6 Κάμψαντι δὲ τὸ Λεκτόν ἀναχέεται κόλπος μέγας,
 ὃν ἡ Ἰδὴ ποιεῖ πρὸς τὴν ἡπειρον ἀποχωροῦσα ἀπὸ τοῦ 20
 Λεκτοῦ, καὶ αἱ Κάναι, τὸ ἐκ θατέρου μέρους ἀντικεί-
 μενον ἀκρωτήριον τῷ Λεκτῷ· καλοῦσι δ' οἱ μὲν Ἰδαῖον
 κόλπον, οἱ δ' Ἀδραμυττηνόν. ἐν τούτῳ δὲ αἱ τῶν Αἰο-
 λέων πόλεις μέχρι τῶν ἐκβολῶν τοῦ Ἑρμοῦ, καθάπερ
 εἰρήκαμεν. εἰρηται δὲ ἐν τοῖς ἐμπροσθεν, ὅτι τοῖς ἐκ 25
 Βυζαντίου πλείουσι πρὸς νότον ἐπ' εὐθείας ἔστιν ὁ
 πλοῦς, πρῶτον ἐπὶ Σησιόν καὶ Ἄβυδον διὰ μέσης τῆς
 Προποντίδος, ἔπειτα * τῆς παραλίας τῆς Ἀσίας μέχρι

10. ποιεῖ ὀρθῶς· καὶ τὸ πολυπίδακον· εὐνδρότατον γὰρ κατὰ
 ταῦτα μάλιστα τὸ ὄρος. δηλοῖ δὲ τὸ πληθὸς τῶν ποταμῶν „ὅσοι
 ἀπ' Ἰδαίων ὄρεων ἄλας προρρέουσι, Ῥῆσός θ' Ἐπτάπορος τε“
 καὶ οἱ ἐξ ἧς, οὗς ἐκεῖνος εἰρηκε καὶ ἡμῖν νυνὶ πάρεστιν ὁρᾶν.

Καρίας. ταύτην δὴ φυλάττοντας χορή τὴν ὑπόθεσιν ἀκούειν τῶν ἐξῆς, καὶ λέγωμεν κόλπους τινὰς ἐν τῇ παραλίᾳ, τὰς τε ἄκρας δεῖ νοεῖν τὰς ποιούσας αὐτοὺς ἐπὶ τῆς αὐτῆς γραμμῆς κειμένας ὥσπερ τινὸς με-

5 σημβρινῆς.
Ἐκ δὴ τῶν ὑπὸ τοῦ ποιητοῦ λεγομένων εἰκάζουσιν 7 οἱ φροντίσαντες περὶ τούτων πλέον τι, πᾶσαν τὴν παραλίαν ταύτην ὑπὸ τοῖς Τρωσὶ γεγονέναι, διηρημένην μὲν εἰς δυναστείας ἐννέα, ὑπὸ δὲ τῷ Πριάμῳ τεταγμέ-
10 νην κατὰ τὸν Ἰλιακὸν πόλεμον καὶ λεγομένην Τροίαν· δῆλον δὲ ἐκ τῶν κατὰ μέρος. οἱ γὰρ περὶ τὸν Ἀχιλλεῖα τειχῆρεις ὀρώντες τοὺς Ἰλίεας κατ' ἀρχάς, ἔξω ποι-
εῖσθαι τὸν πόλεμον ἐπεχείρησαν καὶ περιμόντες ἀφαι-
ρεῖσθαι τὰ κύκλῳ „δῶδεκα δὴ σὺν νηυσὶ πόλεις ἀλά-
15 „παξ' ἀνθρώπων, πεζὸς δ' ἐνδεκά φημι κατὰ Τροίην ἐρίβωλον.“ Τροίαν γὰρ λέγει τὴν πεπορθημένην ἤπειρον· πεπόρθηται δὲ σὺν ἄλλοις τόποις καὶ τὰ ἀντικείμενα τῇ Λέσβῳ τὰ περὶ Θήβην καὶ Λυρνησσὸν καὶ Πή-
δασον τὴν τῶν Αἰλέγων καὶ ἐστὶ ἡ τοῦ Εὐρυπύλου τοῦ
20 Τηλέφου παιδός „ἀλλ' οἷον τὸν Τηλεφίδην κατενή-
„ρατο χαλκῷ“ ὁ Νεοπτόλεμος „ἦρω Εὐρύπυλον.“ ταῦ-
τα δὴ πεπορθηθῆσαι λέγει καὶ αὐτὴν τὴν Λέσβον „ὅτε
„Λέσβον ἐνκτιμένην ἔλεν αὐτός.“ καὶ „πέρσε δὲ Λυρ-
„νησσὸν καὶ Πήδασον.“ καὶ „Λυρνησσὸν διαπορθη-
25 „σας καὶ τείχεα Θήβης.“

Ἐκ μὲν Λυρνησσοῦ ἡ Βρισηὶς ἐάλω „τὴν ἐκ Λυρ-
„νησσοῦ ἐξείλετο.“ ἥς ἐν τῇ ἀλώσει τὸν Μύνητα πε-
σεῖν φησιν, ὥς ἡ Βρισηὶς θρηνοῦσα τὸν Πάτροκλον
δηλοῖ „οὐδὲ μὲν οὐδέ μ' ἱασκας, ὅτ' ἄνδρ' ἐμόν ὦκὺς
30 „Ἀχιλλεὺς ἔκτεινεν, πέρσεν δὲ πόλιν θείοιο Μύνητος;

6.585 „κλαίειν.“ ἐμφαίνει γὰρ τὴν *Λυρνησσὸν* λέγων „πόλιν
 θείοιο Μύνητος,“ ὥς ἂν δυναστευομένην ὑπ’ αὐτοῦ,
 καὶ ἐνταῦθα πεσεῖν αὐτὸν μαχόμενον. ἐκ δὲ τῆς Θή-
 βης ἢ Χρυσῆς ἐλήφθη „ῥόχόμεθ’ ἐς Θήβην ἱερὴν πόλιν
 „*Ἡετίωνος*.“ ἐκ δὲ τῶν ἀχθέντων ἐκεῖθεν φησὶν εἶναι 5
 τὴν Χρυσίδα. „*Ἀνδρομάχη* θυγάτηρ μεγαλήτορος *Ἡε-
 „τίωνος*, *Ἡετίων*, ὃς ἔναιεν ὑπὸ Πλάκῳ ὑλήεσσι, Θήβῃ
 „ὑποπλάκῃ, *Κιλίκισσ’* ἄνδρεσσιν ἀνάσσω.“ δευτέρα
 οὖν αὕτη δυναστεία Τρωικὴ μετὰ τὴν ὑπὸ Μύνητι. οἰ-
 καίως δὲ τούτοις καὶ τὸ ὑπὸ τῆς *Ἀνδρομάχης* λεχθὲν οὐ- 10
 τως „*Ἔκτορ*, ἐγὼ δύστηνος· ἢ ἄρα γεινόμεθ’ αἰσὴ ἀμ-
 „φότεροι, σὺ μὲν ἐν Τροίῃ *Πριάμου* ἐνὶ οἴκῳ, αὐτὰρ
 „ἐγὼ Θήβῃσιν,“ οὐκ οἶονται δεῖν ἐξ εὐθείας ἀκούειν,
 ἀλλὰ καθ’ ὑπερβατόν „ἀμφοτέρω ἐν Τροίῃ, σὺ μὲν
 „*Πριάμου* ἐνὶ οἴκῳ, αὐτὰρ ἐγὼ Θήβῃσι.“ τρίτη δ’ ἐστὶν 15
 ἢ τῶν *Λελέγων*, καὶ αὕτη Τρωικὴ, „*Ἀλτῆω*, ὃς *Λελέ-
 γεσσι* φιλοπτολέμοισιν ἀνάσσει.“ οὐ τῇ θυγατρὶ συνελ-
 θὼν *Πριάμος* γεννᾷ τὸν *Λυκάονα* καὶ *Πολύδωρον*. καὶ
 μὴν οἱ γε ὑπὸ τῷ *Ἔκτορι* ἐν τῷ καταλόγῳ ταττόμενοι
 λέγονται Τρῶες „*Τρῶσι* μὲν ἡγεμόνευε μέγας κορυθαί- 20
 ολος *Ἔκτωρ*.“ εἰδ’ οἱ ὑπὸ τῷ *Αἰνείᾳ* „*Δαρδανίων* αὐτ’
 „ἦρχεν ἐνὺς πάϊς *Ἀγχίσαιος*“ καὶ οὗτοι Τρῶες· φησὶ γοῦν
 „*Αἰνεία*, Τρῶων βουλευφόρε.“ εἰδ’ οἱ ὑπὸ *Πανδάρῳ*
Λύκιοι, οὓς καὶ αὐτοὺς καλεῖ Τρῶας· „οἱ δὲ *Ζέλειαν*
 „ἔναιον ὑπαὶ πόδα νεάτοιν *Ἰδῆς*, *Ἀφνειοί*, πίνοντες 25
 „ὑδὼρ μέλαν *Αἰσῆποιος*, Τρῶες· τῶν αὐτ’ ἦρχε *Λυκάο-
 „νος* ἀγλαὸς υἱός, *Πάνδαρος*.“ ἔκτη δ’ αὕτη δυναστεία.
 καὶ μὴν οἱ γε μεταξὺ τοῦ *Αἰσῆπου* καὶ *Ἀβύδου* Τρῶες·
 ὑπὸ μὲν γὰρ τῷ *Ἀσίῳ* ἐστὶ τὰ περὶ *Ἀβυδὸν* „οἱ δ’ ἄρα
 „*Περκαίτην* καὶ *Πράκτιον* ἀμφενέμοντο, καὶ *Σηστὸν* 30

13. post ἀκούειν: σὺ μὲν ἐν Τροίῃ, αὐτὰρ ἐγὼ Θήβῃσιν ἢ
 Θήβῃσιν

„καὶ Ἀβυδὸν ἔχον καὶ διὰν Ἀρίσβην, τῶν αὐτῶν Τρωακί-
 „δης ἦρχ’ Ἄσιος.“ ἀλλ’ ἐν Ἀβύδῳ μὲν υἱὸς τοῦ Πριά-
 μου διέτριβεν, ἔκπους νέμων, πατροφῆας δηλονότι „ἀλλ’
 „υἱὸν Πριάμοιο νόθον βάλε Δημοκόωντα, ὃς οἱ Ἀβυδό-
 5 „θεν ἦλθε παρ’ Ἰππων ὠκειάων.“ ἐν δὲ Περκώτῃ υἱὸς C.586
 Ἴκετάονος ἐβουνόμει οὐκ ἀλλοτρίας οὐδ’ οὗτος βοῦς
 „πρωτόν δ’ Ἴκεταονίδην ἐνένιπεν, ἰφθιμον Μελά-
 „νιππον· ὁ δ’ ὄφρα μὲν εἰλίποδας βοῦς βόσκ’ ἐν Περ-
 „κώτῃ.“ ὥστε καὶ αὕτη ἂν εἴη Τρωᾶς καὶ ἡ ἐφεξῆς
 10 ἕως Ἀδραστείας· ἦρχον γὰρ αὐτῆς „υἱε δὴ Μέροπος
 „Περκωσίου.“ πάντες μὲν δὴ Τρωᾶς οἱ ἀπὸ Ἀβύδου
 μέχρι Ἀδραστείας, δῖχα μέντοι διηρημένοι, οἱ μὲν ὑπὸ
 τῷ Ἀσίῳ οἱ δ’ ὑπὸ τοῖς Μεροπίδαις· καθάπερ καὶ ἡ
 τῶν Κιλικίων διττή, ἡ μὲν Θηβαϊκὴ ἡ δὲ Λυρνησις·
 15 ἐν αὐτῇ δ’ ἂν λεχθεῖη ἡ ὑπὸ Εὐρυπύλῳ ἐφεξῆς οὖσα
 τῇ Λυρνησιδί. ὅτι δὲ τούτων ἀπάντων ἦρχεν ὁ Πριά-
 μος οἱ τοῦ Ἀχιλλέως λόγοι πρὸς τὸν Πριάμον σαφῶς
 ἐμφανίζουσι „καὶ σε, γέρον, τὸ πρὶν μὲν ἀκούομεν ὄλ-
 „βιον εἶναι, ὅσσον Λέσβος ἄνω Μάκαρος πόλις ἐν-
 20 „τὸς ἰέργει, καὶ Φρυγίῃ καθύπερθε καὶ Ἑλλήσποντος
 „ἀπείρων.“

Τότε μὲν οὖν τοιαῦτα ὑπῆρχεν, ὕστερον δὲ ἦκο- 8
 λούθησαν μεταβολαὶ παντοῖαι. τὰ μὲν γὰρ περὶ Κύζι-
 κον Φρύγες ἐπρόκησαν ἕως Πρακτίου, τὰ δὲ περὶ Ἀβυ-
 25 δον Θρᾷκες· ἐτι δὲ πρότερον τούτων ἀμφοῖν Βέβρυκες
 καὶ Δρύοπες· τὰ δ’ ἐξῆς Τρῆρες, καὶ οὗτοι Θρᾷκες·
 τὸ δὲ Θήβης πεδίον Λυδοί, οἱ τότε Μήρονες, καὶ Μυ-
 σῶν οἱ περιγεγόμενοι τῶν ὑπὸ Τηλέφῳ πρότερον καὶ
 Τεύθραντι. οὕτω δὲ τοῦ ποιητοῦ τὴν Αἰολίδα καὶ τὴν
 30 Τροίαν εἰς ἓν συντιθέντος, καὶ τῶν Αἰολέων τὴν ἀπὸ
 τοῦ Ἑρμοῦ πᾶσαν μέχρι τῆς κατὰ Κύζικον παραλίας
 κατασχόντων καὶ πόλεις κτισάντων, οὐδ’ ἂν ἡμεῖς ἀτό-

πως περιοδεύσαιμεν, εἰς ταὐτὸ συντιθέντες τὴν τε Αἰολίδα νῦν ἰδίως λεγομένην τὴν ἀπὸ τοῦ Ἑρμου μέχρι Λεκτοῦ καὶ τὴν ἑφεξῆς μέχρι τοῦ Αἰσῆπου. ἐν γὰρ τοῖς καθ' ἑκάστα διακρινοῦμεν πάλιν, παρατιθέντες ἅμα τοῖς νῦν οὔσι τὰ ὑπὸ τοῦ ποιητοῦ καὶ τῶν ἄλλων λε- 5 γόμενα.

9 Ἔστιν οὖν μετὰ τὴν τῶν Κυζικηνῶν πόλιν καὶ τὸν Αἰσηπον ἀρχὴ τῆς Τρωάδος καθ' Ὅμηρον. λέγει δ' ἐκείνος μὲν οὕτω περὶ αὐτῆς „οἱ δὲ Ζέλειαν ἔναιον ὑπαί „πόδα νεάτον Ἰδης Ἀφνειοί, πίνοντες ὕδωρ μέλαν 10 „Αἰσῆποιο, Τρῶες· τῶν αὐτ' ἦρχε Ἀνκάονος ἀγλαὸς „υἱός, Πάνδαρος.“ τούτους δὲ ἐκάλει καὶ Ἀνκίους· 0.587 Ἀφνειοὺς δὲ ἀπὸ τῆς Ἀφνίτιδος νομίζουσι λίμνης· καὶ γὰρ οὕτω καλεῖται ἡ Δασκυλίτις.

10 Ἡ μὲν δὲ Ζέλεια ἐν τῇ παρωρείᾳ τῇ ὑστάτῃ τῆς 15 Ἰδης ἔστιν, ἀπέχουσα Κυζίκου μὲν σταδίους ἐνενήκοντα καὶ ἑκατόν, τῆς δ' ἐγγυτάτω θαλάττης καθ' ἣν ἐκδίδωσιν Αἰσηπος ὅσον ὀγδοήκοντα. ἐπιμερίζει δὲ συνεχῶς τὰ κατὰ τὴν μετὰ τὸν Αἰσηπον „οἱ δ' Ἀδρη- „στειάν τ' εἶχον καὶ δῆμον Ἀπαισοῦ, καὶ Πιτύαν εἶχον 20 „καὶ Τηρείης ὄρος αἰπύ, τῶν ἦρχ' Ἀδρηστός τε καὶ Ἀμ- „φιος λινοθάωρηξ, υἱὸς δ' ὦν Μέροπος Παρκωσίου.“ ταῦτα δὲ τὰ χωρία τῇ Ζελεῖᾳ μὲν ὑποπέπτωκεν, ἔχουσι δὲ Κυζικηνοὶ τε καὶ Πριαπηνοὶ μέχρι καὶ τῆς παραλίας. περὶ μὲν οὖν τὴν Ζέλειαν ὁ Τάρσιος ἔστι ποταμός, εἰκο- 25 σιν ἔχων διαβάσεις τῇ αὐτῇ ὁδῷ, καθάπερ ὁ Ἐπτάπορος, ὃν φησιν ὁ ποιητής.

11 Ὑπὲρ δὲ τῆς ἐκβολῆς τοῦ Αἰσῆπου σχεδὸν τι....

27. post ποιητής: ὁ δ' ἐκ Νικομηδείας εἰς Νίκαιαν τέτταρας καὶ εἴκοσι, πολλοὺς δὲ καὶ ὁ ἐκ Φαλῆς εἰς τὴν Ἠλείαν. Σκαρθῶν πέντε καὶ εἴκοσι, πολλοὺς δὲ καὶ ὁ ἐκ Κοσκινίων εἰς Αἰσῆπον, πέντε δὲ καὶ ἑβδομήκοντα ὁ ἐκ Τυάνων εἰς Σόλους διὰ τοῦ Ταύρου.

σταδίοις κολωνὸς ἐστίν, ἐφ' ᾧ τάφος δαίκενται Μέμνο-
 νος τοῦ Τιθωνοῦ· πλησίον δ' ἐστὶ καὶ ἡ Μέμνονος κώ-
 μη. τοῦ δὲ Αἰσίοπου καὶ τοῦ Πριάπου μεταξὺ ὁ Γρανίκος
 ρεῖ τὰ πολλὰ δι' Ἀδραστίας πεδίου, ἐφ' ᾧ Ἀλέξαν-
 5 δρος τοὺς Λαρείου σατράπας ἀνὰ κράτος ἐνίκησε συμ-
 βαλὼν, καὶ πᾶσαν τὴν ἐντὸς τοῦ Ταύρου καὶ τοῦ Εὐ-
 φράτου παρέλαβεν. ἐπὶ δὲ Γρανίκῳ πόλιν ἦν Σιδήνη
 χώραν ἔχουσα πολλὴν ὁμώνυμον, κατέσπασται δὲ νῦν.
 ἐν δὲ τῇ μεθορίᾳ τῆς Κυζικηνῆς καὶ τῆς Πριαπηνῆς
 10 ἐστὶ τὰ Ἀρπάγια τόπος, ἐξ οὗ τὸν Γανυμήδην μυθεύ-
 ουσιν ἠρπάχθαι· ἄλλοι δὲ περὶ Λαρδάνιον ἄκραν πλη-
 σίον Λαρδάνου.

Πριάπος δ' ἐστὶ πόλις ἐπὶ θαλάττῃ καὶ λιμνῇ· 12
 κτισμα δ' οἱ μὲν Μιλησίων φασίν, οἵπερ καὶ Ἄβυδον
 15 καὶ Προκόννησον συνώκισαν κατὰ τὸν αὐτὸν καιρὸν,
 οἱ δὲ Κυζικηνῶν· ἐπώνυμος δ' ἐστὶ τοῦ Πριάπου τι-
 μωμένου παρ' αὐτοῖς, εἰτ' ἐξ Ὀρνειῶν τῶν περὶ Κόριν-
 θον μετενηνεγμένου τοῦ ἱεροῦ, εἰτε τῷ λέγεσθαι Διο-
 νύσου καὶ νύμφης τὸν θεὸν ὀρμησάντων ἐπὶ τὸ τιμᾶν
 20 αὐτὸν τῶν ἀνθρώπων, ἐπειδὴ σφόδρα εὐάμπελός ἐστιν
 ἡ χώρα καὶ αὕτη καὶ [ἡ] ἐφεξῆς ὁμορος, ἥ τε τῶν Παρια-
 νῶν καὶ ἡ τῶν Λαμψακηνῶν· ὁ γοῦν Ξέρξης τῷ Θει-
 στοκλεῖ εἰς οἶνον ἔδωκε τὴν Λάμψακον. ἀπεδείχθη δὲ
 θεὸς οὗτος ὑπὸ τῶν νεωτέρων· οὐδὲ γὰρ Ἡσίοδος οἶδε
 25 Πριάπον, ἀλλ' εἴκει τοῖς Ἀττικοῖς Ὀρθάνῃ καὶ Κονι- C.588
 σάλῳ καὶ Τύχωνι καὶ τοῖς τοιοῦτοις.

Ἐκαλεῖτο δ' ἡ χώρα αὕτη Ἀδραστία καὶ Ἀδρα- 13
 στίας πεδίου, κατὰ ἔθος τι οὕτω λεγόντων τὸ αὐτὸ
 χωρίον διττῶς, ὥς καὶ Θήβην καὶ Θήβης πεδίου, καὶ
 30 Μυγδονίαν καὶ Μυγδονίας πεδίου. φησὶ δὲ Καλλισθέ-

νης ἀπὸ Ἀδράστου βασιλέως, ὃς πρῶτος Νεμέσεως λε-
 ρὸν ἰδρύσατο, καλεῖσθαι Ἀδράστειαν. ἡ μὲν οὖν πό-
 λιν μεταξὺ Πριάπου καὶ Παρίου, ἔχουσα ὑποκείμενον
 πεδῖον ὁμώνυμον, ἐν ᾧ καὶ μαντεῖον ἦν Ἀπόλλωνος
 Ἀκταίου καὶ Ἀρτέμιδος κατὰ τὴν * Πυκάτην· εἰς δὲ 5
 Πάριον μετηνέχθη πᾶσα ἡ κατασκευὴ καὶ λιθεῖα κα-
 τασπασθέντος τοῦ ἱεροῦ, καὶ ῥυκοδομήθη ἐν τῷ Πα-
 ρίῳ βωμὸς, Ἐρμοκρέοντος ἔργον, πολλῆς μνήμης ἄξιον
 κατὰ τὴν μέγεθος καὶ κάλλος· τὸ δὲ μαντεῖον ἐξελείφθη,
 καθάπερ καὶ τὸ ἐν Ζελείᾳ. ἐνταῦθα μὲν οὖν οὐδὲν λε- 10
 ρὸν Ἀδραστείας δεικνύται, οὐδὲ δὴ Νεμέσεως, περὶ
 δὲ Κύζικον ἔστιν Ἀδραστείας ἱερόν. Ἀντίμαχος δ' οὕτω
 φησὶν „ἔστι δὲ τις Νέμεσις μεγάλη θεὸς, ἣ τάδε πάντα
 „πρὸς μακάρων ἔλαχεν· βωμὸν δὲ οἱ εἶσατο πρῶτος
 „Ἀδρηστος, ποταμοῖο παρὰ ῥέον Αἰσὴ ποιοῖ, ἐνθα τε- 15
 τίμηται τε καὶ Ἀδρηστεια καλεῖται.“

- 14 "Ἔστι δὲ καὶ τὸ Πάριον πόλις ἐπὶ θαλάττῃ, λιμένα
 ἔχουσα μείζω τῆς Πριάπου καὶ ὑψηλὴ μὲν γὰρ ἐκ ταύτης·
 θεραπεύοντες γὰρ οἱ Παριανοὶ τοὺς Ἀτταλικούς ὑφ'
 οἷς ἐτέτακτο ἡ Πριαπηνή, πολλὴν αὐτῆς ἀπειτέμοντο 20
 ἐπιτρεπόντων ἐκείνων. ἐνταῦθα μυθεύουσι τοὺς Ὀφι-
 ογενεῖς συγγένειάν τινα ἔχειν πρὸς τοὺς ὄφεις· φασὶ
 δ' αὐτῶν τοὺς ἄρρενας τοῖς ἐχθοδήκτοις ἄκος εἶναι συν-
 εχῶς ἐφαπτομένους ὥσπερ τοὺς ἐπιδούς, πρῶτον μὲν
 τὸ πελῖωμα εἰς ἑαυτοὺς μεταφέροντας, εἰτα καὶ τὴν 25
 φλεγμονὴν παύοντας καὶ τὸν πόνον. μυθεύουσι δὲ τὸν
 ἄρχηγέτην τοῦ γένους ἡρώα τινα ἐξ ὄψεως μεταβαλεῖν·
 τάχα δὲ τῶν Ψύλλων τις ἦν τῶν Λιβυκῶν, εἰς δὲ τὸ
 γένος διέτεινεν ἡ δύναμις μέχρι ποσοῦ. κτίσμα δ' ἐστὶ
 τὸ Πάριον Μιλησίων καὶ Ἐρυθραίων καὶ Παρίων. 30

- 15 Πιτύα δ' ἐστὶν ἐν Πιτυοῦντι τῆς Παριανῆς ὑπερ-
 κείμενον ἔχουσα πιτυῶδες ὄρος· μεταξὺ δὲ κεῖται Πα-

ρίου καὶ Πριάπου κατὰ Λίνον χωρίον ἐπὶ θαλάττῃ, ὅπου οἱ Λινούσιοι κοχλῖαι ἄριστοι τῶν πάντων ἀλίσκονται.

Ἐν δὲ τῷ παράπλῳ τῷ ἀπὸ Παρίου εἰς Πριάπον ἢ 16
5 τε παλαιὰ Προκόννησός ἐστι καὶ ἡ νῦν Προκόννησος, πόλιν ἔχουσα καὶ μέταλλον μέγα λευκοῦ λίθου σφόδρα ἐπαινούμενον· τὰ γοῦν κάλλιστα τῶν ταύτῃ πόλεων ἔργα, ἐν δὲ τοῖς πρῶτα τὰ ἐν Κυζίκῳ ταύτης ἐστὶ τῆς C.589
λίθου. ἐντεῦθεν ἐστὶν Ἀριστείας ὁ ποιητὴς τῶν Ἀριμα-
10 σπείων καλουμένων ἐπῶν, ἀνὴρ γόης εἰ τις ἄλλος.

Τὸ δὲ Τηρείης ὄρος οἱ μὲν τὰ ἐν Πειρωσσῷ ὄρη 17
φασὶν ἃ ἔχουσιν οἱ Κυζικηνοὶ τῇ Ζελεῖα προσεχῇ, ἐν οἷς βασιλικὴ θήρα κατεσκεύαστο τοῖς Λυδοῖς, καὶ Πέρ-
σαις ὕστερον· οἱ δ' ἀπὸ τετταράκοντα σταδίων Λαμ-
15 ψάκου δεικνύουσι λόφον, ἐφ' ᾧ μητρὸς θεῶν ἱερὸν ἐστὶν ἅγιον Τηρείης ἐπικαλούμενον.

Καὶ ἡ Λάμψακος δ' ἐπὶ θαλάττῃ πόλις ἐστὶν εὐλί- 18
μενος καὶ ἀξιόλογος, συμμένουσα καλῶς, ὥσπερ καὶ ἡ Ἄβυδος· διέχει δ' αὐτῆς ὅσον ἐβδομήκοντα καὶ ἑκατὸν
20 σταδίων· ἐκαλεῖτο δὲ πρότερον Πιτυοῦσσα, καθάπερ καὶ τὴν Χίον φασὶν· ἐν δὲ τῇ περὰ τῆς Χερρονήσου πολίχνην ἐστὶ Καλλίπολις· κεῖται δ' ἐπ' ἀκτῆς ἐκκει-
μένη πολὺ πρὸς τὴν Ἀσίαν κατὰ τὴν Λαμψακηνῶν πό-
λιν, ὥστε τὸ διάστημα μὴ πλέον εἶναι τετταράκοντα
25 σταδίων.

Ἐν δὲ τῷ μεταξὺ Λαμψάκου καὶ Παρίου Παισός 19
ἦν πόλις καὶ ποταμός· κατέσπασται δ' ἡ πόλις, οἱ δὲ Παισηνοὶ μετόκησαν εἰς Λάμψακον, Μιλησίων ὄντες ἄποικοι καὶ αὐτοί, καθάπερ καὶ οἱ Λαμψακηνοί. ὁ δὲ
30 ποιητὴς εἰρηκεν ἀμφοτέρως, καὶ προσθεὶς τὴν πρῶ-
την συλλαβὴν „καὶ δῆμον Ἀπαισοῦ,“ καὶ ἀφελὼν „ὅς
„ὅ“ ἐν Παισῷ ναῖε πολυκτῆμων“ καὶ ὁ ποταμός νῦν

οὕτω καλεῖται. Μιλησίων δ' εἰσὶ καὶ αἱ Κολωναὶ αἱ
 ὑπὲρ Λαμφάκου ἐν τῇ μεσογαίᾳ τῆς Λαμφακηνῆς· ἄλ-
 λαι δ' εἰσὶν ἐπὶ τῇ ἐκτὸς Ἑλλησποντίᾳ θαλάττῃ, Ἰλίου
 διέχουσαι σταδίους τετταράκοντα πρὸς τοῖς ἑκατόν· ἐξ
 ὧν τὸν Κύκνον φασίν. Ἀναξιμένης δὲ καὶ ἐν τῇ Ἑρυ- 5
 θραίᾳ φησὶ λέγεσθαι Κολωνὰς καὶ ἐν τῇ Φωκίδι καὶ ἐν
 Θετταλίᾳ· ἐν δὲ τῇ Παριανῇ ἔστιν Ἰλιοκολώνη. ἐν δὲ
 τῇ Λαμφακηνῇ τόπος εὐάμπελος Γεργίθιον· ἦν δὲ καὶ
 πόλις Γέργιθα ἐκ τῶν ἐν τῇ Κυμαίᾳ Γεργίθων· ἦν γὰρ
 κάκει πόλις πληθυντικῶς καὶ θηλυκῶς λεγόμενη αἱ 10
 Γέργιθες, ὅθεν περ ὁ Γεργίθιος ἦν Κεφάλων· καὶ νῦν
 ἐτι δεικνύται τόπος ἐν τῇ Κυμαίᾳ Γεργίθιον πρὸς Λα-
 ρίσση. ἐκ Παρίου μὲν οὖν ὁ γλωσσογράφος κληθεὶς
 ἦν Νεοπτόλεμος μνήμης ἄξιος, ἐκ Λαμφάκου δὲ Χά-
 ρων τε ὁ συγγραφεὺς καὶ Ἀδείμαντος καὶ Ἀναξιμένης 15
 ὁ ῥήτωρ καὶ Μητρόδωρος ὁ τοῦ Ἐπικούρου ἑταῖρος·
 καὶ αὐτὸς δ' Ἐπίκουρος τρόπον τινὰ Λαμφακηνὸς
 ὑπῆρξε, διατρέψας ἐν Λαμφάκῃ καὶ φίλοις χρησάμενος
 τοῖς ἀρίστοις τῶν ἐν τῇ πόλει ταύτῃ, τοῖς περὶ Ἰδομε-
 20 νεία καὶ Λεοντία. ἐντεῦθεν δὲ μετήνεγκεν Ἀγορίππας
 τὸν πεπιτωκότα λέοντα, Λυσίππου ἔργον· ἀνέθηκε δὲ
 ἐν τῷ ἄλλῳ τῷ μεταξὺ τῆς λίμνης καὶ τοῦ εὐρίπου.

20 Μετὰ δὲ Λαμφάκον ἔστιν Ἀβυδος καὶ τὰ μεταξὺ
 χωρία, περὶ ὧν οὕτως εἰρήκε συλλαβῶν ὁ ποιητὴς καὶ
 τὴν Λαμφακηνὴν καὶ τῆς Παριανῆς τινα (οὕτω γὰρ 25
 ἦσαν αὐταὶ αἱ πόλεις κατὰ τὰ Τρωικά), „οἳ δ' ἄρα Περ-
 ,κώτην καὶ Πράκτιον ἀμφενέμοντο, καὶ Σηστὸν καὶ
 „Ἀβυδὸν ἔχον καὶ διὰν Ἀρίσβην“ τῶν αὐτῶν Ἑρτακίδης
 „ἦρχ' Ἀσίος“ φησὶν „ὃν Ἀρίσβηθεν φέρον ἵπποι αἱ-
 „θωνες μεγάλοι ποταμοῦ ἄπο Σελλήεντος.“ οὕτω δ' εἰ- 30
 πὼν ἴσκει τὸ βασιλείων ἀποφαίνειν τοῦ Ἀσίου τὴν Ἀρί-
 σβην, ὅθεν ἤκειν αὐτόν φησιν „ὃν Ἀρίσβηθεν φέρον

„ἵπποι ποταμοῦ ἄπο Σελλήεντος.“ οὕτω δ' ἀφανῆ τὰ χωρία ταῦτά ἐστιν ὥστε οὐδ' ὁμολογοῦσι περὶ αὐτῶν οἱ ἱστοροῦντες, πλὴν ὅτι περὶ Ἀβυδὸν καὶ Λάμψακόν ἐστι καὶ Πάριον, καὶ ὅτι * ἡ πάλαι Περικώτη μετωνομάσθη ὁ τόπος.

Τῶν δὲ ποταμῶν τὸν μὲν Σελλήεντά φησιν ὁ ποιητῆς πρὸς τῇ Ἀρίσβῃ εἶναι, εἰπερ ὁ Ἄσιος Ἀρίσβηθέν τε ἦκε καὶ ποταμοῦ ἄπο Σελλήεντος· ὁ δὲ Πράκτιος ποταμὸς μὲν ἐστὶ, πόλις δ' οὐχ εὐρίσκεται, ὥς τινες ἐνόμισαν· ἔτι δὲ καὶ οὗτος μεταξὺ Ἀβύδου καὶ Λαμψάκου· τὸ οὖν „καὶ Πράκτιον ἀμφενέμοντο“ οὕτω δεκτέον ὡς περὶ ποταμοῦ, καθάπερ κάκεινα „οἷτ' ἄρα παρ ποταμὸν Κηφισὸν ὅσον ἐναίον,“ καὶ „ἀμφὶ τε Παρθένιον ποταμὸν κλυτὰ ἔργ' ἐνέμοντο.“ ἦν δὲ καὶ ἐν Λέσβῳ πόλις Ἀρίσβα, ἧς τὴν χώραν ἔχουσι Μηθυμναῖοι· ἐστὶ δὲ καὶ ποταμὸς Ἀρισβος ἐν Θράκῃ, ὥσπερ εἰρηται, καὶ τούτου πλησίον οἱ Κεβρήνιοι Θραῖκες. πολλὰ δ' ὁμωνυμῖαι Θραζὶ καὶ Τρωσίν, οἷον Σχαιοὶ Θραῖκές τινες καὶ Σχαιὸς ποταμὸς καὶ Σχαιὸν τεῖχος καὶ ἐν Τροίᾳ Σχαιαὶ πύλαι· Ξάνθιοι Θραῖκες, Ξάνθος ποταμὸς ἐν Τροίᾳ· Ἀρισβος ὁ ἐμβάλλων εἰς τὸν Ἐβρον, Ἀρίσβη ἐν Τροίᾳ· Ῥῆσος ποταμὸς ἐν Τροίᾳ, Ῥῆσος δὲ καὶ ὁ βασιλεὺς τῶν Θρακῶν. ἐστὶ δὲ καὶ τῷ Ἀσίῳ ὁμώνυμος ἕτερος παρὰ τῷ ποιητῇ Ἄσιος „ὃς μήτρως ἦν Ἐκτορος ἱποδάμοιο, αὐτοκασίγνητος Ἐκάβης, υἱὸς δὲ Δύμαντος, ὃς Φρυγίην ναίεσκε ῥοῆς ἐπὶ Σαγγαρίοιο.“

Ἀβυδὸς δὲ Μιλησίων ἐστὶ κτίσμα ἐπιτρέφαντος Γύγου τοῦ Λυδῶν βασιλέως· ἦν γὰρ ἐπ' ἐκείνῳ τὰ χωρία καὶ ἡ Τρωὰς ἅπασα, ὀνομάζεται δὲ καὶ ἀκρωτήριόν τι πρὸς Λαρδάνῳ Γύγας· ἐπὶκαίται δὲ τῷ στόματι τῆς Προποντίδος καὶ τοῦ Ἑλλησπόντου, διέχει δὲ τὸ

ἴσον Λαμψάκου καὶ Ἰλίου, σταδίους περὶ ἑβδομήκοντα
 καὶ ἑκατόν. ἐνταῦθα δ' ἔστι τὸ ἑπταστάδιον ὅπερ ἔξευξε
 Ξέρξης, τὸ διορίζον τὴν Εὐρώπην καὶ τὴν Ἀσίαν. κα-
 λεῖται δ' ἡ ἄκρα τῆς Εὐρώπης Χερρόνησος διὰ τὸ σχῆ-
 μα, ἡ ποιοῦσα τὰ στενὰ τὰ κατὰ τὸ ζεῦγμα· ἀντίκειται 5
 δὲ τὸ ζεῦγμα τῇ Ἀβύδῳ. Σηστός δὲ ἀρίστη τῶν ἐν Χερ-
 ρονήσῳ πόλεων· διὰ δὲ τὴν γειτοσύνην ὑπὸ τῷ αὐτῷ
 ἡγεμόνι καὶ αὕτῃ ἐτέτακτο, οὕτω ταῖς ἡγεμονίαις διορι-
 ζόντων τῶν τότε τὰς ἡγεμονίας. ἡ μὲν οὖν Ἀβυδος καὶ
 ἡ Σηστός διέχουσιν ἀλλήλων τριάκοντά που σταδίους 10
 ἐκ λιμένος εἰς λιμένα, τὸ δὲ ζεῦγμα ἔστι μικρὸν ἀπὸ
 τῶν πόλεων παραλλάξαντι ἐξ Ἀβύδου μὲν ὥς ἐπὶ τὴν
 Προποντίδα, ἐκ δὲ Σηστοῦ εἰς τοῦναντίον· ὀνομάζε-
 ται δὲ πρὸς τῇ Σηστῷ τόπος Ἀποβάθρα, καθ' ὃν ἐξεύ-
 γνυτο ἡ σχεδία. ἔστι δὲ ἡ Σηστός ἐνδοτέρω κατὰ τὴν 15
 Προποντίδα ὑπερδύξις τοῦ ῥοῦ τοῦ ἐξ αὐτῆς· διὸ καὶ
 εὐπετίστερον ἐκ τῆς Σηστοῦ διαίρουσι παραλεξάμενοι
 μικρὸν ἐπὶ τὸν τῆς Ἡροῦς πύργον, κάκειθεν ἀφιέντες
 τὰ πλοῖα συμπράττοντος τοῦ ῥοῦ πρὸς τὴν περαιώσιν·
 τοῖς δ' ἐξ Ἀβύδου περαιουμένοις παραλεκτέον ἐστὶν 20
 εἰς τὰναντία ὀκτώ που σταδίους ἐπὶ πύργον τινὰ κατ'
 ἀντικρὺ τῆς Σηστοῦ, ἔπειτα διαίρειν πλάγιον καὶ μὴ
 τελέως ἐναντίον ἔχουσι τὸν ῥοῦν. ὥκουν δὲ τὴν Ἀβυ-
 δον μετὰ τὰ Τρωικὰ Θρᾶκες, εἰτα Μιλήσιοι. τῶν δὲ
 πόλεων ἐμπρησθεισῶν ὑπὸ Λαρείου τοῦ Ξέρξου πα- 25
 τρὸς τῶν κατὰ τὴν Προποντίδα, ἐκοινώνησε καὶ ἡ
 Ἀβυδος τῆς αὐτῆς συμφορᾶς· ἐνέπρησε δὲ πυθόμενος
 μετὰ τὴν ἀπὸ τῶν Σκυθῶν ἐπάνοδον τοὺς νομάδας
 παρασκευάζεσθαι διαβαίνειν ἐπ' αὐτὸν κατὰ τιμωρίαν
 ὧν ἔπαθον, δεδιὼς μὴ αἱ πόλεις κορθμεῖα παράσχοιεν 30
 τῇ στρατιᾷ. συνέβη δὲ πρὸς ταῖς ἄλλαις μεταβολαῖς
 καὶ τῷ χρόνῳ καὶ τοῦτο αἴτιον τῆς συγχύσεως τῶν

τόπων. περὶ δὲ Σηστοῦ καὶ τῆς ὅλης Χερρονήσου προ-
είπομεν ἐν τοῖς περὶ τῆς Θράκης τόποις. φησὶ δὲ τὴν
Σηστόν Θεόπομπος βραχεῖαν μὲν εὐερκή δέ, καὶ σκέ-
λει διπλέθρῳ συνάπτειν πρὸς τὸν λιμένα, καὶ διὰ ταῦτ'
οὖν καὶ διὰ τὸν ῥοῦν κυρίαν εἶναι τῶν παρόδων.

Ἐπέρκειται δὲ τῆς τῶν Ἀβυδηνῶν χώρας ἐν τῇ 23
Τρωάδι τὰ Ἄστυνα, ἃ νῦν μὲν Ἀβυδηνῶν ἐστὶ, κατε-
σκαμμένη πόλις, πρότερον δὲ ἦν καθ' αὐτά, χρυσεῖα
ἔχοντα ἃ νῦν σπάνιά ἐστιν, ἐξαναλωμένα, καθάπερ τὰ
10 ἐν τῷ Τρωίῳ τὰ περὶ τὸν Πακτωλόν. ἀπὸ Ἀβύδου δ'
ἐπὶ Αἰσηπον περὶ ἑπτακοσίους φασὶ σταδίου, εὐθυ-
πλοία δὲ ἐλάττους.

Ἐξω δὲ Ἀβύδου τὰ περὶ τὸ Ἴλιον ἐστὶ, τὰ τε παρὰ C.592
24 ἕως Λεκτοῦ καὶ τὰ ἐν τῷ Τρωικῷ πεδίῳ καὶ τὰ πα-
15 ρώρεια τῆς Ἰδῆς τὰ ὑπὸ τῷ Αἰνείᾳ. διττῶς δὲ ταῦτ'
ὀνομάζει ὁ ποιητής, τοτὲ μὲν οὕτω λέγων „Δαρδανίων
„αὐτ' ἦρχεν ἐὺς πάϊς Ἀγχίσαιο,“ Δαρδανίους καλῶν,
τοτὲ δὲ Δαρδάνους „Τρῶες καὶ Ἀνίκιοι καὶ Δάρδανοι
„ἀγχιμαχῆται.“ εἰκὸς δ' ἐνταῦθα ἰδρυῖσθαι τὸ παλαιὸν
20 τὴν λεγομένην ὑπὸ τοῦ ποιητοῦ Δαρδανίαν „Δάρδα-
„νον αὐτὸν πρῶτον τέκετο νεφεληγερέτα Ζεὺς, κτίσσε δὲ
„Δαρδανίην.“ νῦν μὲν γὰρ οὐδ' ἶχνος πόλεως σώζε-
ται αὐτόθι.

Εἰκάξει δὲ Πλάτων μετὰ τοὺς κατακλυσμοὺς τρία 25
25 πολιτείας εἶδη συνίστασθαι· πρῶτον μὲν τὸ ἐπὶ τὰς
ἀκρωρείας ἀπλοῦν τι καὶ ἄγριον, δεδιότων τὰ ὕδατα
ἐπιπολάζοντα ἀκμὴν ἐν τοῖς πεδίοις· δεύτερον δὲ τὸ
ἐν ταῖς ὑπωρείαις, θαρρούντων ἤδη κατὰ μικρόν, ἅτε
δὴ καὶ τῶν πεδίων ἀρχομένων ἀναψύχουσιν· τρίτον
30 δὲ τὸ ἐν τοῖς πεδίοις. λόγοι δ' ἂν τις καὶ τέταρτον καὶ
πέμπτον ἴσως καὶ πλείω, ὕστατον δὲ τὸ ἐν τῇ παραλίᾳ
καὶ ἐν ταῖς νήσοις, λελυμένου παντὸς τοῦ τοιούτου φό-

βου. τὸ γὰρ μᾶλλον καὶ ἥτιον θαρρεῖν πλησιάζειν τῇ
 θαλάττῃ πλείους ἂν ὑπογράφοι διαφορὰς πολιτειῶν
 καὶ ἡθῶν, καθάπερ τῶν ἀπλῶν τε καὶ τῶν ἀγρίων
 * ἔτι πως ἐπὶ τὸ ἡμερον τῶν δευτέρων ὑποβεβηκότων.
 ἔστι δέ τις διαφορὰ καὶ παρὰ τοῦτοις τῶν ἀγροίκων 5
 καὶ μεσαγροίκων καὶ πολιτικῶν· ἀφ' ὧν ἤδη καὶ ἐπὶ
 τὸ ἀστέιον καὶ ἄριστον ἡθος ἐτελεύτησεν ἡ τῶν ὀνο-
 μάτων κατ' ὀλίγον μετάληψις, κατὰ τὴν τῶν ἡθῶν ἐπὶ
 τὸ κρεῖττον μετάστασιν, παρὰ τὰς τῶν τόπων καὶ τῶν
 βίων μεταβολὰς. ταύτας δὲ τὰς διαφορὰς ὑπογράφειν 10
 φησὶ τὸν ποιητὴν ὁ Πλάτων, τῆς μὲν πρώτης πολιτείας
 παραδειγμα τιθέντα τὸν τῶν Κυκλώπων βίον, αὐτο-
 φρεῖς νεμομένων καρποῦς καὶ τὰς ἀκρωρείας κατεχόν-
 των ἐν σπηλαίοις τισίν· „ἀλλὰ τὰ γ' ἄσπαρτα καὶ ἀνή-
 ροτα πάντα φύονται,“ φησίν, αὐτοῖς· „τοῖσιν δ' οὐκ 15
 „ἀγοραὶ βουλευφόροι, οὔτε θέμιστες· ἀλλ' οἱ γ' ὑψη-
 „λῶν ὀρέων ναίουσι κάρηνα ἐν σπέσσι γλαφυροῖσι,
 „θεμιστεύει δὲ ἕκαστος παίδων ἡδ' ἀλόχων.“ τοῦ δὲ
 δευτέρου τὸν ἐπὶ τοῦ Δαρδάνου „κτίσσε δὲ Δαρδα-
 C. 693 „νίην, ἐπεὶ οὐπὼ Ἴλιος ἱρή ἐν πεδίῳ πεπόλιστο, πόλις 20
 „μερόπων ἀνθρώπων, ἀλλ' ἔθ' ὑπῳρείας ᾤκειον πο-
 „λυπιδάκου Ἰδῆς.“ τοῦ δὲ τρίτου ἐπὶ τοῦ Ἴλου τὸν ἐν
 τοῖς πεδίοις. τοῦτον γὰρ παραδιδόασι τοῦ Ἰλίου κτί-
 στην, ἀφ' οὗ καὶ τὴν ἐπωνυμίαν λαβεῖν τὴν πόλιν· εἰ-
 κὸς δὲ καὶ διὰ τοῦτο ἐν μέσῳ τῷ πεδίῳ τεθάρφθαι αὐ- 25
 τόν, ὅτι πρῶτος ἐθάρρησεν ἐν τοῖς πεδίοις θέσθαι τὴν
 κατοικίαν „οἱ δὲ παρ' Ἴλου σῆμα παλαιοῦ Δαρδανίδαο
 „μίσσον καπ πεδίον παρ' ἐρινεὸν ἐσσεύοντο.“ οὐδ'
 οὗτος δὲ τελέως ἐθάρρησεν· οὐ γὰρ ἐνταῦθα ἰδρυσε
 τὴν πόλιν ὅπου νῦν ἔστιν, ἀλλὰ σχεδὸν τι τριάκοντα 30
 σταδίοις ἀνωτέρω πρὸς ἔω καὶ πρὸς τὴν Ἰδὴν καὶ τὴν
 Δαρδανίαν κατὰ τὴν νῦν καλουμένην Ἰλίων κώμην.

οἱ δὲ νῦν Ἰλισίς φιλοδοξοῦντες καὶ θέλοντες εἶναι ταύτην τὴν παλαιὰν παρεσχέκασιν λόγον τοῖς ἐκ τῆς Ὀμήρου ποιήσεως τεκμαιρομένοις· οὐ γὰρ ἔοικεν αὕτη εἶναι ἢ καθ' Ὀμηρον. καὶ ἄλλοι δὲ ἱστοροῦσι πλείους μεταβεβληκέναι τόπους τὴν πόλιν, ὅστατα δ' ἐνταῦθα συμμεῖναι κατὰ Κροῖσον μάλιστα. τὰς δὲ τοιαύτας μεταβάσεις εἰς τὰ κάτω μέρη τὰς τότε συμβαινούσας ὑπολαμβάνω καὶ βίων καὶ πολιτειῶν ὑπογράφειν διαφοράς. ἀλλὰ ταῦτα μὲν καὶ ἄλλοτε ἐπισκεπτέον.

- 10 Τὴν δὲ τῶν Ἰλίων πόλιν τῶν νῦν τέως μὲν κώμην εἶναι φασὶ τὸ ἱερὸν ἔχουσαν τῆς Ἀθηναῶν μικρὸν καὶ εὐτελές, Ἀλεξανδρον δὲ ἀναβάντα μετὰ τὴν ἐπὶ Γρανίκῃ νίκην ἀναθήμασί τε κοσμήσαι τὸ ἱερὸν καὶ προσαγορεῦσαι πόλιν καὶ οἰκοδομαῖς ἀναλαβεῖν προσταῆσαι τοῖς
15 ἐπιμεληταῖς ἐλευθέραν τε κρῖναι καὶ ἄφορον· ὕστερον δὲ μετὰ τὴν κατάλυσιν τῶν Περσῶν ἐπιστολὴν κατέπεμψαι φιλόανθρωπον, ὑπισχνούμενον πόλιν τε ποιῆσαι μεγάλην καὶ ἱερὸν ἐπισημότατον καὶ ἀγῶνα ἀποδείξειν ἱερόν. μετὰ δὲ τὴν ἐκείνου τελευτὴν Αὐσίμαχος μάλιστα
20 τῆς πόλεως ἐπεμελήθη καὶ νεῶν κατεσκεύασε καὶ τεῖχος περιβάλετο ὅσον τετταράκοντα σταδίων, συνόκισέ τε εἰς αὐτὴν τὰς κύκλῳ πόλεις ἀρχαίας ἤδη κεκακωμένας, ὅτε καὶ Ἀλεξανδρείας ἤδη ἐπεμελήθη, συμφικισμένης μὲν ἤδη ὑπ' Ἀντιγόνου καὶ προσηγορευμένης Ἀντιγο-
25 νεάς, μεταβαλουσῆς δὲ τοῦνομα· ἔδοξε γὰρ εὐσεβὲς εἶναι τοὺς Ἀλεξανδρον διαδεξαμένους ἐκείνου πρότερον κτίζειν ἐπωνύμους πόλεις, εἰθ' ἑαυτῶν· καὶ δὴ καὶ συνέμεινε καὶ αὐξησιν ἔσχε, νῦν δὲ καὶ Ῥωμαίων ἀποικίαν δέδεκται καὶ ἔστι τῶν ἑλλογίμων πόλεων. C.594

- 30 Καὶ τὸ Ἴλιον δ' ὃ νῦν ἔστι κωμόπολις τις ἦν, ὅτε πρῶτον Ῥωμαῖοι τῆς Ἀσίας ἐπέβησαν καὶ ἐξέβαλον Ἀντίοχον τὸν μέγαν ἐκ τῆς ἐντὸς τοῦ Ταύρου. φησὶ

γοῦν Δημήτριος ὁ Σκήψιος, μειράκιον ἐπιδημήσας εἰς
 τὴν πόλιν κατ' ἐκαίνους τοὺς καιροὺς, οὕτως ὀλιγω-
 ρημένην ἰδεῖν τὴν κατοικίαν ὥστε μὴδὲ κεραμωτὰς
 ἔχειν τὰς στέγας· Ἠγησιάναν δὲ τοὺς Γαλάτας περαι-
 ωθέντας ἐκ τῆς Εὐρώπης ἀναβῆναι μὲν εἰς τὴν πόλιν 5
 δειομένους ἐρύματος, παρὰ χρῆμα δ' ἐκλιπεῖν διὰ τὸ
 ἀτείχιστον· ὕστερον δ' ἐπανόρθωσιν ἔσχε πολὺ ἦν. εἴτ'
 ἐκάκωσαν αὐτὴν πάλιν οἱ μετὰ Φιμβρίου Ῥωμαῖοι λα-
 βόντες ἐκ πολιορκίας ἐν τῷ Μιθριδατικῷ πολέμῳ.
 συνεπέμφθη δὲ ὁ Φιμβρίας ὑπάτωρ Ὑαλερίῳ Φλάκκῳ 10
 ταμίας προχειρισθέντι ἐπὶ τὸν Μιθριδάτην· καταστα-
 σιάσας δὲ καὶ ἀνελὼν τὸν ὕπατον κατὰ Βιθυνίαν αὐ-
 τὸς κατεστάθη κύριος τῆς στρατιᾶς, καὶ προελθὼν εἰς
 Ἴλιον, οὐ δεχομένων αὐτὸν τῶν Ἰλίων ὥς ληστήν,
 βίαν τε προσφέρει καὶ δεκαταίους αἰρεῖ· καυχωμένου 15
 δ' ὅτι ἦν Ἀγαμέμνων πόλιν δεκάτῳ ἔτει μόλις εἴλε
 τὸν χιλιόναυτον στόλον ἔχων καὶ τὴν σύμπασαν Ἑλλάδα
 συστρατεύουσαν, ταύτην αὐτὸς δεκάτῃ ἡμέρᾳ χειρώ-
 σατο, εἰπέ τις τῶν Ἰλίων „οὐ γὰρ ἦν Ἐκτωρ ὁ ὑπερ-
 μαχὼν τῆς πόλεως.“ τοῦτον μὲν οὖν ἐπελθὼν Σὺλ- 20
 λας κατέλυσε, καὶ τὸν Μιθριδάτην κατὰ συμβάσεις εἰς
 τὴν οἰκίαν ἀπέπεμψε, τοὺς δ' Ἰλίας παρηνυθήσατο
 πολλοῖς ἐπανορθώμασι. καθ' ἡμᾶς μέντοι Καῖσαρ ὁ
 θεὸς πολὺ πλεον αὐτῶν προϋνόησε ζηλώσας ἅμα καὶ
 Ἀλέξανδρον· ἐκεῖνος γὰρ κατὰ συγγενείας ἀνανέωσιν 25
 ὤρμησε προνοεῖν αὐτῶν, ἅμα καὶ φιλόμηρος ὢν· φέ-
 ρεται γοῦν τις διόρθωσις τῆς Ὀμήρου ποιήσεως, ἣ ἐκ
 τοῦ νάρθηκος λεγομένη, τοῦ Ἀλεξάνδρου μετὰ τῶν
 περὶ Καλλιस्थένῃ καὶ Ἀνάξαρχον ἐπιελθόντος καὶ ση-
 μειωσαμένου τινά, ἔπειτα καταθέντος εἰς νάρθηκα ὃν 30
 ἦν ἐν τῇ Περσικῇ γάξῃ πολυτελῶς κατεσκευασμέ-
 νον. κατὰ τε δὴ τὸν τοῦ ποιητοῦ ζῆλον καὶ κατὰ τὴν

συγγένειαν τὴν ἀπὸ τῶν Αἰακιδῶν τῶν ἐν Μολοττοῖς βασιλευσάντων, παρ' οἷς καὶ τὴν Ἀνδρομάχην ἱστοροῦσι βασιλεῦσαι τὴν Ἐκτορος γενομένην γυναῖκα, ἐφιλοφρονεῖτο πρὸς τοὺς Ἰλίας ὁ Ἀλέξανδρος· ὁ δὲ 5 Καῖσαρ καὶ φιλαλέξανδρος ὦν καὶ τῆς πρὸς τοὺς Ἰλίας συγγενείας γνωριμώτερα ἔχων τεκμήρια, ἐπερρωσθῆ πρὸς τὴν εὐεργεσίαν νεανικῶς· γνωριμώτερα δέ, πρῶτον μὲν ὅτι Ῥωμαῖος, οἱ δὲ Ῥωμαῖοι τὸν Αἰνεῖαν ἀρχη-C.595 γέτην ἡγοῦνται, ἔπειτα ὅτι Ἰούλιος ἀπὸ Ἰούλου τινὸς 10 τῶν προγόνων· ἐκεῖνος δ' ἀπὸ Ἰούλου τὴν προσωνυμίαν ἔσχε ταύτην, τῶν ἀπογόνων εἰς ὧν τῶν ἀπὸ Αἰνείου. χώραν τε θῆ προσένειμεν αὐτοῖς καὶ τὴν ἐλευθερίαν καὶ τὴν ἀλειτουργησίαν αὐτοῖς συνεφύλαξε καὶ μέχρι νῦν συμμένουσιν ἐν τούτοις. ὅτι δ' οὐκ ἐνταῦθα 15 ἴδρυνται τὸ παλαιὸν Ἴλιον καθ' Ὅμηρον σκοποῦσιν, ἐκ τῶν τοιῶνδε τεκμαίρονται. πρότερον δὲ ὑπογραπτίον τοὺς τόπους ἀπὸ τῆς παραλίας ἀρξαμένους ἀφ' ἧσπερ ἐλίπομεν.

Ἔστι τοίνυν μετ' Ἀβυδὸν ἥ τε Δαρδανίς ἄκρα, ἥς 28 20 μικρὸν πρότερον ἐμνήσθημεν, καὶ ἡ πόλις ἡ Δάρδανος, διέχουσα τῆς Ἀβύδου ἐβδομήκοντα σταδίου. μεταξύ τε ὁ Ῥοδῖος ἐκπίπτει ποταμός, καθ' ὃν ἐν τῇ Χερρονήσῳ τὸ Κυνὸς σῆμά ἐστιν, ὃ φασιν Ἐκάβης εἶναι τάφον· οἱ δὲ τὸν Ῥοδῖον εἰς τὸν Αἰσηπον ἐμβάλλειν φασίν· εἰς δ' 25 ἐστὶ τῶν ὑπὸ τοῦ ποιητοῦ λεγομένων καὶ οὗτος, „Ῥῆσός „θ' Ἐπτάπορός τε Κάρησός τε Ῥοδῖος τε.“ ἡ δὲ Δάρδανος κτίσμα ἀρχαῖον, οὕτω δ' εὐκαταφρόνητον ὥστε πολλάκις οἱ βασιλεῖς οἱ μὲν μετῴκιζον αὐτὴν εἰς Ἀβυδὸν οἱ δὲ ἀνῴκιζον πάλιν εἰς τὸ ἀρχαῖον κτίσμα. ἐν- 30 ταῦθα δὲ συνῆλθον Σύλλας τε Κορινθῆλιος ὁ τῶν Ῥωμαίων ἡγεμὼν καὶ Μιθριδάτης ὁ κληθεὶς Εὐπάτωρ, καὶ συνέβησαν πρὸς ἀλλήλους ἐπὶ καταλύσει τοῦ πολέμου.

- 29 Πλησίον δ' ἐστὶ τὸ Ὀφρύνιον, ἐφ' ᾧ τὸ τοῦ Ἐκτο-
ρος ἄλσος ἐν περιφανεί τόπῳ· καὶ ἐφεξῆς * λίμνη
Πτελεώς.
- 30 Ἔτα Ῥοίτειον πόλις ἐπὶ λόφῳ κειμένη καὶ τῷ Ῥοι-
τείῳ συνεχῆς ἡὼν Ἀλιτενῆς, ἐφ' ἧς μνήμα καὶ ἱερὸν δ
Αἰαντος καὶ ἀνδρίας, ὃν ἄφαντος Ἀντωνίου κομισθέν-
τα εἰς Αἴγυπτον ἀπέδωκε τοῖς Ῥοιτειῦσι πάλιν, κα-
θάπερ καὶ ἄλλοις [ἄλλους], ὁ Σεβαστὸς Καῖσαρ. τὰ
γὰρ κάλλιστα ἀναθήματα ἐκ τῶν ἐπιφανιστάτων ἱε-
ρῶν ὁ μὲν ἦρε τῇ Αἴγυπτίᾳ χαριζόμενος, ὁ δὲ θεοῖς 10
ἀπέδωκε.
- 31 Μετὰ δὲ τὸ Ῥοίτειον ἔστι τὸ Σίγειον, κατεσπα-
σμένη πόλις, καὶ τὸ ναύσταθμον καὶ ὁ Ἀχαιῶν λιμὴν
καὶ τὸ Ἀχαϊκὸν στρατόπεδον καὶ ἡ στομαλίμνη καλου-
μένη καὶ αἱ τοῦ Σκαμάνδρου ἐκβολαί. συμπεσόντες 15
γὰρ ὅ τε Σιμόεις καὶ ὁ Σκάμανδρος ἐν τῷ πεδίῳ πολ-
λὴν καταφέροντες ἰλὺν προσχοῦσι τὴν παραλίαν καὶ
τυφλὸν στόμα τε καὶ λιμνοθαλάττης καὶ ἔλη ποιοῦσι.
κατὰ δὲ τὴν Σιγείαδα ἄκραν ἐστὶν ἐν τῇ Χερρονήσῳ τὸ
Πρωτισιλάειον καὶ ἡ Ἐλαιουῦσσα, περὶ ὧν εἰρήκαμεν 20
ἐν τοῖς Θρακίοις.
- 32 Ἔστι δὲ τὸ μῆκος τῆς παραλίας ταύτης ἀπὸ τοῦ
Ῥοιτείου μέχρι Σιγείου καὶ τοῦ Ἀχιλλέως μνήματος
C.596 ἐὺθυπλοούντων ἑξήκοντα σταδίων· ὑποπέπτωκε δὲ
τῷ Ἰλίῳ πᾶσα, τῷ μὲν νῦν κατὰ τὸν Ἀχαιῶν λιμένα 25
ὅσον δώδεκα σταδίους διέχουσα, τῷ δὲ προτέρῳ τρι-
άκοντα ἄλλοις σταδίοις ἀνωτέρῳ κατὰ τὸ πρὸς τὴν
Ἰθὴν μέρος. τοῦ μὲν οὖν Ἀχιλλέως καὶ ἱερὸν ἐστὶ καὶ
μνήμα πρὸς τῷ Σιγείῳ, Πατρόκλου δὲ καὶ Ἀντιλόχου
μνήματα, καὶ ἐναγίζουσιν οἱ Ἰλιεῖς πᾶσι καὶ τούτοις 30

καὶ τῷ Αἴαντι. Ἡρακλῆα δ' οὐ τιμῶσιν αἰτιώμενοι τὴν
 ὑπ' αὐτοῦ πόρῃθσιν. ἀλλ' ἐκεῖνος μὲν, φαίη τις ἄν,
 οὕτως ἐπόρῃθσεν ὥστ' ἀπολιπεῖν τοῖς ὕστερον ἐκπορ-
 5 ῃθῆσουσι κεκακωμένην μὲν, πόλιν δέ· διὸ καὶ οὕτως εἰ-
 „ἄγνιās.“ ἡ γὰρ χηρεία λειπανδρία τίς ἐστίν, οὐκ ἀφα-
 νισμὸς τέλειος· οὗτοι δ' ἠφάνισαν τελέως, οἷς ἐναγί-
 ζειν ἀξιούσι καὶ τιμᾶν ὥς θεούς· εἰ μὴ τοῦτ' αἰτιά-
 σαιτο διότι οὗτοι μὲν δίκαιον πόλεμον ἐξήνεγκαν,
 10 ἐκεῖνος δὲ ἄδικον „ἐνεχ' ἱππῶν Λαομέδοντος.“ πρὸς
 τοῦτο δὲ πάλιν ἀντιτίθεται μῦθος· οὐ γὰρ ἐνεκα ἱπ-
 πῶν, ἀλλὰ μισθοῦ ὑπὲρ τῆς Ἡσιόνης καὶ τοῦ κήτους.
 ἀλλ' εἰσῶμεν ταῦτα· εἰς γὰρ μῦθων ἀνασκευὰς ἐκπί-
 15 ραι δι' ἃς τοῖς Ἰλιεύσιν ἐπῆλθε τοὺς μὲν τιμᾶν τοὺς δὲ
 μῆ. ἰοικε δὲ ὁ ποιητὴς μικρὰν ἀποφαίνειν τὴν πόλιν
 ἐν τῷ περὶ Ἡρακλείους λόγῳ, εἶπερ „ἔξ οἷς σὺν νηυσὶ
 „καὶ ἀνδράσι παυροτέροισιν Ἰλίου ἐξαλάπαξε πόλιν.“
 καὶ φαίνεται ὁ Πρίαμος τῷ τοιοῦτῳ λόγῳ μέγας ἐκ μι-
 20 κροῦ γεγονῶς καὶ βασιλεὺς βασιλείων, ὥς ἔφαμεν. μι-
 κρὸν δὲ προελθούσιν ἀπὸ τῆς παραλίας ταύτης ἐστὶ τὸ
 Ἀχαΐον ἥδη τῆς Τενεδίων περαιᾶς ὑπάρχον.

Τοιούτων δὲ τῶν ἐπὶ τῇ θαλάττῃ τόπων ὄντων 33
 ὑπέρκειται τούτων τὸ Τρωικὸν πεδῖον μέχρι τῆς Ἰδης
 25 ἀνῆκον ἐπὶ πολλοὺς σταδίους κατὰ τὸ πρὸς ἑω μέρος.
 τούτου δ' ἡ μὲν παρώρειός ἐστι στενὴ, τῇ μὲν ἐπὶ τὴν
 μεσημβρίαν τεταμένη μέχρι τῶν κατὰ Σκῆψιν τόπων,
 τῇ δ' ἐπὶ τὰς ἄρκτους μέχρι τῶν κατὰ Ζέλειαν Λυκίων.
 ταύτην δ' ὁ ποιητὴς ὑπ' Αἰνεία τάττει καὶ τοῖς Ἀντη-
 30 νορίδαις, καλεῖ δὲ Λαρδανίαν. ὑπὸ δὲ ταύτῃ Κεβρην-
 νία, πεδιάς ἢ πλειστή, παράλληλός πως τῇ Λαρδανίᾳ·
 ἣν δὲ καὶ πόλις ποτὲ Κεβρήνη. ὑπονοεῖ δ' ὁ Δημήτριος

μέχρι δεῦρο διατείνειν τὴν περὶ τὸ Ἴλιον χώραν τὴν
 ὑπὸ τῷ Ἑκτορι, ἀνήκουσαν ἀπὸ τοῦ ναυστάθμου μέχρι
 Κεβρηνίας· τάφον τε γὰρ Ἀλεξάνδρου δείκνυσθαί φη-
 σιν αὐτόθι καὶ Οἰνώνης, ἣν ἱστοροῦσι γυναῖκα γεγο-
 νέναι τοῦ Ἀλεξάνδρου πρὶν Ἑλένην ἀρπάσαι· λέγειν δ'
 τε τὸν ποιητὴν „Κεβριόνην νόθον υἱὸν ἀγακλήος Πρι-
 C.597 „άμοιο,“ ὃν εἰκὸς εἶναι ἐπώνυμον τῆς χώρας ἢ καὶ πό-
 λεως, ὅπερ πιθανώτερον· τὴν δὲ Κεβρηνίαν διήκειν
 μέχρι τῆς Σκηψίας, ὅριον δ' εἶναι τὸν Σκάμανδρον
 μέσον αὐτῶν ῥέοντα· ἐχθραν δ' αἰεὶ καὶ πόλεμον εἶναι 10
 τοῖς τε Κεβρηνοῖς καὶ τοῖς Σκηψίοις, ἕως Ἀντίγονος
 αὐτοὺς συνῆλκεν εἰς τὴν τότε μὲν Ἀντιγόνοιαν νῦν δὲ
 Ἀλεξανδρείαν· τοὺς μὲν οὖν Κεβρηνίας συμμεῖναι
 τοῖς ἄλλοις ἐν τῇ Ἀλεξανδρείᾳ, τοὺς δὲ Σκηψίους ἐπαν-
 ελθεῖν εἰς τὴν οἰκίαν ἐπιτρέψαντος Λυσιμάχου. 15

34 Ἀπὸ δὲ τῆς κατὰ [τούτους] τοὺς τόπους Ἰδαίας
 ὄρεινῆς δύο φησὶν ἀγκῶνας ἐκτείνεισθαι πρὸς θάλατ-
 ταν, τὸν μὲν εὐθὺ Ροιταίου τὸν δὲ Σιγείου, ποιοῦντας
 εἰς ἀμφοῖν γραμμὴν ἡμικυκλιώδη· τελευτᾶν δ' ἐν τῷ
 πεδίῳ, τοσοῦτον ἀπέχοντας τῆς θαλάττης ὅσον τὸ νῦν 20
 Ἴλιον. τοῦτο μὲν δὴ μεταξὺ τῆς τελευτῆς τῶν λεχθέν-
 των ἀγκῶνων εἶναι, τὸ δὲ παλαιὸν κτίσμα μεταξὺ τῆς
 ἀρχῆς· ἀπολαμβάνεσθαι δ' ἐντὸς τό τε Σιμοείσιον πε-
 δῖον δι' οὗ ὁ Σιμόςεις φέρεται, καὶ τὸ Σκαμάνδριον δι'
 οὗ Σκάμανδρος ῥεῖ. τοῦτο δὲ καὶ ἰδίως Τρωικὸν λέγε- 25
 ται, καὶ τοὺς πλείστους ἀγκῶνας ὁ ποιητὴς ἐνταῦθα
 ἀποδίδωσι· πλατύτερον γὰρ ἐστὶ, καὶ τοὺς ὀνομαζο-
 μένους τόπους ἐνταῦθα δεικνυμένους ὀρωμεν, τὸν
 ἐρινεῖον, τὸν τοῦ Αἰσυνήτου τάφον, τὴν Βατίειαν, τὸ
 τοῦ Ἴλου σῆμα. οἱ δὲ ποταμοὶ ὃ τε Σκάμανδρος καὶ ὁ 30
 Σιμόςεις, ὁ μὲν τῷ Σιγείῳ πλησιάσας ὁ δὲ τῷ Ροιτείῳ,
 μικρὸν ἐμπροσθεν τοῦ νῦν Ἰλίου συμβάλλουσιν, εἰτ'

ἐπὶ τὸ Σίγειον ἐκδιδόασι καὶ ποιοῦσι τὴν στομαλίμνην καλουμένην. διείργει δ' ἑκάτερον τῶν λεχθέντων πεδίων ἀπὸ θατέρου μέγας τις αὐχὴν τῶν εἰρημένων ἀγκώνων ἐπ' εὐθείας, ἀπὸ τοῦ νῦν Ἰλίου τὴν ἀρχὴν 5 ἔχων συμφυῆς αὐτῷ, τεινόμενος δ' ἕως τῆς Κεβρηνίας καὶ ἀποτελῶν τὸ ἑγράμμα πρὸς τοὺς ἐκατέρωθεν ἀγκῶνας.

Ἐπεὶ δὲ τούτου μικρὸν ἢ τῶν Ἰλίων κώμη ἐστίν, 35 ἐν ᾗ νομίζεται τὸ παλαιὸν Ἴλιον ἰδρῦσθαι πρότερον, 10 τριακόντα σταδίους διέχον ἀπὸ τῆς νῦν πόλεως. ὑπὲρ δὲ τῆς Ἰλίων κώμης δέκα σταδίους ἐστίν ἡ Καλλικολώνη, λόφος τις, παρ' ὃν ὁ Σιμόεις ῥεῖ πενταστάδιον διέχων· γίνεται οὖν εὐλογον πρῶτον μὲν τὸ ἐπὶ τοῦ Ἄρεος „ὦρτο δ' Ἄρης ἐτέρωθεν ἐρεμνῇ λαίλαπι ἴσος, 15 „ὅξ' ἔκ' ἀκροτάτης πόλιος Τρώεσσι κελεύων, ἄλλοτε „παρ Σιμόεντι θέων ἐπὶ Καλλικολώνῃ.“ τῆς γὰρ μά-C.598 χης ἐπὶ τῷ Σκαμανδρίῳ πεδίῳ συντελουμένης πῖθωνός ἂν ὁ Ἄρης ἄλλοτε μὲν τὴν ἐγκέλευσιν ἀπὸ τῆς ἀκροπόλεως ποιοῖτο, ἄλλοτε δ' ἐκ τῶν πλησίον τόπων 20 τοῦ τε Σιμόεντος καὶ τῆς Καλλικολώνης, μέχρι οὗ εἰκὸς καὶ τὴν μάχην παρατετάσθαι· τετταράκοντα δὲ σταδίους διεχούσης τῆς Καλλικολώνης ἀπὸ τοῦ νῦν Ἰλίου, τί χρησίμον ἐπὶ τοσοῦτον μεταλαμβάνεσθαι τοὺς τόπους ἐφ' ὅσον ἢ διάταξις οὐ διάτεινε; τό τε „πρὸς Θύμ- 25 „βρης δ' ἔλαχον Λύκιοι“ οἰκειότερόν ἐστι τῷ παλαιῷ κτίσματι· πλησίον γάρ ἐστι τὸ πεδίον ἢ Θύμβρα καὶ ὁ δι' αὐτοῦ ῥέων ποταμὸς Θύμβριος, ἐμβάλλων εἰς τὸν Σκάμανδρον κατὰ τὸ Θυμβραίου Ἀπόλλωνος ἱερὸν, τοῦ δὲ νῦν Ἰλίου καὶ πεντήκοντα σταδίους διέχει. ὃ τε 30 ἐρινεός, τραχὺς τις τόπος καὶ ἐρινεώδης, τῷ μὲν ἀρχαίῳ κτίσματι ὑποπέπτωκεν, ὥστε τὸ „λαὸν δὲ στήσον „παρ' ἐρινεόν, ἐνθα μάλιστα ἀμβατός ἐστι πόλις καὶ

„ἐπιδρομον ἐπλετο τεῖχος“ οἰκείως ἂν λέγοι ἡ Ἀνδρο-
μάχη· τῆς δὲ νῦν πόλεως πάμπολυ ἀφίστηκε· καὶ ὁ φη-
γὸς δὲ μικρὸν κατωτέρω ἐστὶ τοῦ ἐρινεοῦ, ἐφ’ οὗ φη-
σιν ὁ Ἀχιλλεύς „ὄφρα δ’ ἐγὼ μετ’ Ἀχαιοῖσιν πολέμιζον,
„οὐκ ἐθέλεσκε μάχην ἀπὸ τεύχεος ὀρνύμεν Ἐκτωρ, ἀλλ’ ὅ-
„ῃσον ἐς Σκαιάς τε πύλας καὶ φηγὸν ἵκανε.“

- 36 Καὶ μὲν τό γε ναύσταθμον τὸ νῦν ἐτι λεγόμενον
πλησίον οὕτως ἐστὶ τῆς νῦν πόλεως, ὥστε θαυμάζειν
εἰκότως ἂν τινα τῶν μὲν τῆς ἀπονοίας τῶν δὲ τοῦναν-
τίον τῆς ἀψυχίας· ἀπονοίας μὲν, εἰ τοσοῦτον χρόνον 10
ἀτείχιστον αὐτὸ εἶχον, πλησίον οὔσης τῆς πόλεως καὶ
τοσοῦτου πλήθους τοῦ τ’ ἐν αὐτῇ καὶ τοῦ ἐπικουρικοῦ·
νεωστὶ γὰρ γεγονέναι φησὶ τὸ τεῖχος (ἢ οὐδ’ ἐγένετο,
ὁ δὲ πλάσας ποιητὴς ἠφάνισεν, ὡς Ἀριστοτέλης φησὶν)·
ἀψυχίας δὲ, εἰ γενομένου τοῦ τεύχους ἐτειχομάχουν καὶ 15
εἰσέπεσον εἰς αὐτὸ τὸ ναύσταθμον καὶ προσεμάχοντο
ταῖς ναυσίν, ἀτείχιστον δὲ ἔχοντες οὐκ ἐθάρρουν προσ-
ιόντες πολιορκεῖν μικροῦ τοῦ διαστήματος ὄντος· ἐστὶ
γὰρ τὸ ναύσταθμον πρὸς Σιγαίῳ, πλησίον δὲ καὶ ὁ
Σκάμανδρος ἐκδίδωσι διέχων τοῦ Ἰλίου σταδίους εἰκο- 20
σιν. εἰ δὲ φῆσαι τις τὸν νῦν λεγόμενον Ἀχαιῶν λιμένα
εἶναι τὸ ναύσταθμον, ἐγγυτέρω τινὰ λέξει τόπον ὅσον
δώδεκα σταδίους διεστῶτα τῆς πόλεως, [τὸ] ἐπὶ θα-
λάττῃ πεδίον συμπροστιθείς... διότι τοῦτο πᾶν πρό-
χωμα τῶν ποταμῶν ἐστὶ τὸ πρὸ τῆς πόλεως ἐπὶ θα- 25
λάττῃ πεδίον, ὥστε εἰ δωδεκαστάδιον ἐστὶ νῦν τὸ με-
C.599ταξύ, τότε καὶ τῷ ἡμίσει ἐλαττον ὑπῆρχε. καὶ ἡ διή-
γησις δ’ ἡ πρὸς τὸν Εὐμαιον ὑπὸ τοῦ Ὀδυσσεύς δια-
σκευασθεῖσα μέγα ἐμφαίνει τὸ διάστημα τὸ μέχρι τῆς
πόλεως ἀπὸ τοῦ ναυστάθμου „ὥς ὅθ’ ὑπὸ Τροίῃ λό- 30
„χον ἤγομεν.“ φησὶ γὰρ ὑποβάς „λίην γὰρ νηῶν ἐκάς
„ἦλθομεν.“ ἐπὶ τε τὴν κατασκοπὴν πέμπονται γνω-

σόμενοι, πότερον μενούσι παρὰ νηυσὶν ἀπόπροθεν
 πολὺ ἀπεσπασμένοι τοῦ οἰκείου τείχους „ἢ πόλινδε
 „ἄψ ἀναχωρήσουσι.“ καὶ ὁ Πολυδάμας „ἀμφὶ μάλα
 „φράζεσθε, φίλοι· κέλομαι γὰρ ἔγωγε ἄστυδε νῦν ἰ-
 5 „ναι“ φησὶν „ἐκὰς δ' ἀπὸ τείχεός εἰμεν.“ παρατίθησι
 δ' ὁ Δημήτριος καὶ τὴν Ἀλεξανδρίνην Ἑστίαιαν μάρ-
 τυρα, τὴν συγγράψασαν περὶ τῆς Ὀμήρου Ἰλιάδος,
 πυνθανομένην εἰ περὶ τὴν νῦν πόλιν ὁ πόλεμος συν-
 ἔστη, καὶ ... τὸ Τρωικὸν πεδίον, ὃ μεταξὺ τῆς πόλεως
 10 καὶ τῆς θαλάττης ὁ ποιητὴς φράζει· τὸ μὲν γὰρ πρὸ
 τῆς νῦν πόλεως ὁρώμενον πρόχωμα εἶναι τῶν ποτα-
 μῶν ὕστερον γεγονός. ὃ τε Πολίτης „ὅς Τρώων σκο- 37
 „πὸς ἴξε ποδωκείησι πεποιθώς, τύμβῳ ἐπ' ἀκροτάτῳ
 „Αἰσυνήταο γέροντος,“ μάταιος ἦν. καὶ γὰρ εἰ ἐπ'
 15 ἀκροτάτῳ, ὅμως [ἀπὸ] πολὺ ἂν μείζονος ὕψους τῆς
 ἀκροπόλεως ἐσκόπευεν ἐξ ἴσου σχεδὸν τι διαστήματος,
 μὴ δεόμενος μηδὲν τῆς ποδωκείας τοῦ ἀσφαλοῦς χά-
 ριν· πέντε γὰρ διέχει σταδίους ὁ νῦν δεικνύμενος τοῦ
 Αἰσυνήτου τάφος κατὰ τὴν εἰς Ἀλεξάνδρειαν ὁδόν. οὐδ'
 20 ἢ τοῦ Ἑκτορος δὲ περιδρομὴ ἢ περὶ τὴν πόλιν ἔχει τι
 εὐλογον· οὐ γὰρ ἐστὶ περιδρομος ἢ νῦν διὰ τὴν συν-
 εχὴν ῥάχιν· ἢ δὲ παλαιὰ ἔχει περιδρομήν.

Οὐδὲν δ' ἔχνος σώζεται τῆς ἀρχαίας πόλεως. εἰ- 38
 κότεως· ἅτε γὰρ ἐκπεπορημένων τῶν κύκλῳ πόλεων,
 25 οὐ τελείως δὲ κατεσπασμένων, ταύτης δ' ἐκ βάθρων
 ἀνατετραμμένης, οἱ λίθοι πάντες εἰς τὴν ἐκείνων ἀνά-
 ληψιν μετηνεχθήσαν. Ἀρχαιάνακτα γοῦν φασὶ τὸν Μι-
 τυληναῖον ἐκ τῶν ἐκεῖθεν λίθων τὸ Σίγειον τειχίσαι.
 τοῦτο δὲ κατέσχον μὲν Ἀθηναῖοι Φρύνωνα τὸν ὀλυμ-
 30 πιονίκην πέμψαντες, Λεσβίων ἐπιδικαζομένων σχεδὸν
 τι τῆς συμπασης Τρωάδος· ὧν δὴ καὶ κτίσματά εἰσιν
 αἱ πλεῖσται τῶν κατοικιῶν, αἱ μὲν συμμένουσαι καὶ

C.600 νῦν αἱ δ' ἠφάνισμέναι. Πιττακὸς δ' ὁ Μιτυληναῖος, εἰς τῶν ἐπὶ σοφῶν λεγομένων, πλεύσας ἐπὶ τὸν Φρύωνα στρατηγὸν διεπολέμει τέως διατιθεὶς καὶ πάσχων κακῶς, ὕστερον δ' ἐκ μονομαχίας, προκαλεσαμένου τοῦ Φρύωνος, ἀλιευτικὴν ἀναλαβὼν σκευὴν συνέ- 5 δραμε, καὶ τῷ μὲν ἀμφιβλήστρῳ περιέβαλε τῇ τριαίνῃ δὲ καὶ τῷ ξιφιδίῳ ἐπειρε καὶ ἀνείλε. μένοντος δ' ἐτι τοῦ πολέμου Περίανδρος διαιτητὴς αἰρεθεὶς ὑπὸ ἀμφοῖν ἔλυσε τὸν πόλεμον.

39 Τίμαιον δὲ ψεύσασθαί φησιν ὁ Δημήτριος Ἰστο-
ροῦντα ἐκ τῶν λίθων τῶν ἐξ Ἰλίου Περίανδρον ἐπιτει-
χίσαι τὸ Ἀχίλλειον τοῖς Ἀθηναίοις, βοηθοῦντα τοῖς
περὶ Πιττακόν· ἐπιτειχισθῆναι μὲν γὰρ ὑπὸ τῶν Μι-
τυληναίων τὸν τόπον τοῦτον τῷ Σιγείῳ, οὐ μὲν ἐκ λί-
θων τοιούτων οὐδ' ὑπὸ τοῦ Περίανδρου. πῶς γὰρ ἂν 15
αἰρεθῆναι διαιτητὴν τὸν προσπολεμοῦντα; Ἀχίλλειον
δ' ἔστιν ὁ τόπος ἐν ᾧ τὸ Ἀχιλλέως μνῆμα, κατοικία μι-
κρά. κατέσκαπται δὲ καὶ τὸ Σίγειον ὑπὸ τῶν Ἰλιέων
ἀπειθοῦν· ὑπ' ἐκείνοις γὰρ ἦν ὕστερον ἢ παραλία
πᾶσα ἢ μέχρι Λαρδάνου, καὶ νῦν ὑπ' ἐκείνοις ἐστί. τὸ 20
δὲ παλαιὸν ὑπὸ τοῖς Αἰολεῦσιν ἦν τὰ πλεῖστα, ὥστε
Ἐφορος οὐκ ὀκνεῖ πᾶσαν τὴν ἀπὸ Ἀβύδου μέχρι Κύ-
μης καλεῖν Αἰολίδα. Θουκυδίδης δὲ φησιν ἀφαιρεθῆ-
ναι τὴν Τροίαν ὑπὸ Ἀθηναίων τοὺς Μιτυληναίους ἐν
τῷ Πελοποννησιακῷ πολέμῳ τῷ Παχτηεῖ. 25

40 Λέγουσι δ' οἱ νῦν Ἰλιεῖς καὶ τοῦτο ὡς οὐδὲ τελείως
ἠφανίσθαι συνέβαινεν τὴν πόλιν κατὰ τὴν ἄλωσιν ὑπὸ

4. post κακῶς: ὅτε καὶ Ἀλκαῖος φησιν ὁ ποιητής, ἑαυτὸν ἐν
τινὶ ἀγῶνι κακῶς φερόμενον τὰ ὄπλα θίψαντα φυγεῖν· λέγει δὲ
πρὸς τινα κήρυκα κελεύσας ἀγγεῖλαι τοῖς ἐν οἴκῳ „Ἀλκαῖος σὺός
Ἄρει ἔντα δ'· οὐκυτόν ἀληματοῖν ἐς Γλαυκωποῦ ἱερὸν ἀνεκρέ-
μασαν Ἀττικοί“

τῶν Ἀχαιῶν, οὐδ' ἐξελείφθη οὐδέποτε. αἱ γοῦν Λο-
 κρίδες παρθένοι μικρὸν ὕστερον ἀρξάμεναι ἐπέμποντο
 κατ' ἔτος· καὶ ταῦτα δ' οὐχ Ὀμηρικά· οὐδὲ γὰρ τῆς
 Κασάνδρας φθορὰν οἶδεν Ὅμηρος, ἀλλ' ὅτι μὲν παρ-
 5 θένος ἦν ὑπ' ἐκείνον τὸν χρόνον λέγει „πέφυε γὰρ
 „Ὀθρυονῆα, Καβησούθεν ἐνδον ἑόντα, ὅς ῥα νέον πτο-
 „λέμοιο μετὰ κλέος εἰληλούθει. ἦτε δὲ Πριάμοιο θυ-
 „γατρῶν εἶδος ἀρίστην, Κασσάνδρην, ἀνάεδνον.“ βίας
 δὲ οὐδὲ μέμνηται, οὐδ' ὅτι ἡ φθορὰ τοῦ Αἰάντος ἐν τῇ
 10 ναυαγίᾳ κατὰ μῆνιν Ἀθηνᾶς συνέβη ἢ κατὰ τοιαύτην
 αἰτίαν, ἀλλ' ἀπεχθανόμενον μὲν τῇ Ἀθηνᾷ κατὰ τὸ C. 601
 κοινὸν εἰρηκεν (ἀπάντων γὰρ εἰς τὸ ἱερὸν ἀσεβησάν-
 των ἅπασιν ἐμήνιεν), ἀπολέσθαι δὲ ὑπὸ Ποσειδῶνος
 μεγαλορρημονήσαντα· τὰς δὲ Λοκρίδας πεμφθῆναι
 15 Περσῶν ἤδη κρατούντων συνέβη.

Οὕτω μὲν δὴ λέγουσιν οἱ Ἰλιεῖς, Ὅμηρος δὲ ῥητῶς 41
 τὸν ἀφανισμόν τῆς πόλεως εἰρηκεν „ἔσσεται ἡμαρ ὅταν
 „ποτ' ὀλώλῃ Ἴλιος ἱρή.“ „ἡ γὰρ καὶ Πριάμοιο πόλιν
 „διεπέρσαμεν αἰπὴν.“ „πέρθετο δὲ Πριάμοιο πόλις δε-
 20 „κάτῳ ἐνιαυτῷ.“ καὶ τὰ τοιαῦτα δὲ τοῦ αὐτοῦ τίθεν-
 ται τεκμήρια, οἷον ὅτι τῆς Ἀθηνᾶς τὸ ξόανον νῦν μὲν
 ἔστηκός ὁράται, Ὅμηρος δὲ καθήμενον ἐμφαίνει· πέ-
 πλον γὰρ κελεύει „θεῖναι Ἀθηναίης ἐπὶ γούνασιν.“
 βέλτιον γὰρ οὕτως ἢ ὥς τινὲς δέχονται ἀντὶ τοῦ „παρὰ
 25 „τοῖς γόνασι θεῖναι“ παρατιθέντες τὸ „ἡ δ' ἦσται ἐπ'
 „ἑσχάρῃ ἐν πυρὸς ἀνγῇ“ ἀντὶ τοῦ „παρ' ἑσχάρῃ.“ τίς
 γὰρ ἂν νοηθεῖν πέπλου ἀνάθεσις παρὰ τοῖς γόνασι;
 καὶ οἱ τὴν προσφῶδιαν δὲ διαστρέφοντες, „γουνάσιν“
 ὥς θυνιάσιν, ὁποτέρως ἂν δέξωνται, ἀπεραντολογου-

19. post αἰπὴν: βουλῇ καὶ μυθοῖσι 23. post γούνασιν: ὥς
 καὶ „μή ποτε γούνασιν οἷσιν ἐφίξεσθαι φίλον υἱόν.

σιν, εἰθ' ἱκε[τείας ἐρμην]εύοντες [εἴ]τε φρένας. πολλὰ δὲ τῶν ἀρχαίων τῆς Ἀθηναῖς ξοάνων καθήμενα δεικνύται, καθάπερ ἐν Φωκαίᾳ Μασσαλίᾳ Ῥώμῃ Χίῳ ἄλλαις πλείοσιν. ὁμολογοῦσι δὲ καὶ οἱ νεώτεροι τὸν ἀφανισμόν τῆς πόλεως, ὧν ἔστι καὶ Λυκούργος ὁ ῥήτωρ· 5
 μνησθεὶς γὰρ τῆς Ἰλίου πόλεως φησί „τίς οὐκ ἀκήκοεν, ὥς ἅπαξ ὑπὸ τῶν Ἑλλήνων κατεσκάφθη, ἀοίκητον οὖσαν;“

- 42 Εἰκάξουσι δὲ τοὺς ὕστερον ἀνακτίσαι διανοουμένους οἰωνίσασθαι τὸν τόπον ἐκείνον, εἴτε διὰ τὰς συμφορὰς εἴτε καὶ καταρρασαμένου τοῦ Ἀγαμέμνονος κατὰ παλαιὸν ἔθος, καθάπερ καὶ ὁ Κροῖσος ἐξελὼν τὴν Σιδήνην, εἰς ἣν ὁ τύραννος κατέφυγε Γλαυκίας, ἀρὰς ἔθετο κατὰ τῶν τειχιούντων πάλιν τὸν τόπον. ἐκείνου μὲν οὖν ἀποστῆναι τοῦ χωρίου, ἔτερον δὲ τειχίσαι. 15
 πρῶτοι μὲν οὖν Ἀστυπαλαίῃς οἱ τὸ Ῥοῖτειον κατασχόντες συνῴκισαν πρὸς τῷ Σιμόεντι Πόλιον, ὃ νῦν καλεῖται Πόλισμα, οὐκ ἐν εὐερκεῖ τόπῳ· διὸ κατεσπάσθη ταχέως. ἐπὶ δὲ τῶν Λυδῶν ἡ νῦν ἐκτίσθη κατοικία καὶ τὸ ἱερόν· οὐ μὲν πόλις γε ἦν, ἀλλὰ πολλοῖς χρόνοις 20
 ὕστερον καὶ κατ' ὀλίγον, ὥς εἴρηται, τὴν αὐξήσιν
 C. 602 ἔσχεν. Ἑλλάνικος δὲ χαριζόμενος τοῖς Ἰλιῦσιν, οἷος ἐκείνου θυμός, συνηγορεῖ τὸ τὴν αὐτὴν εἶναι πόλιν τὴν νῦν τῇ τότε. τὴν δὲ χώραν ἀφανισθείσης τῆς πόλεως οἱ τὸ Σίγειον καὶ τὸ Ῥοῖτειον ἔχοντες διενείμαντο 25
 καὶ τῶν ἄλλων ὥς ἕκαστοι τῶν πλησιοχώρων, ἀπέδωσαν δ' ἀνοικισθείσης.

- 43 Πολυπίδακον δὲ τὴν Ἰδὴν ἰδίως οἰονταὶ λέγεσθαι διὰ τὸ πλῆθος τῶν ἐξ αὐτῆς ῥεόντων ποταμῶν καθ' ἃ μάλιστα ἡ Λαρδανικὴ ὑποπέπτωκεν αὐτῇ καὶ μέχρι 30
 Σκήψεως καὶ τὰ περὶ Ἴλιον. ἐμπειρος δ' ὢν τῶν τόπων ὥς ἂν ἐπιχώριος ἀνὴρ ὁ Δημήτριος τότε μὲν οὕτως

λέγει περὶ αὐτῶν „ἔστι γὰρ λόφος τις τῆς Ἰδης Κότυ-
 „λος· ὑπέρκειται δ' οὗτος ἑκατόν που καὶ εἰκοσι στα-
 „δίους Σκήψεως, ἐξ οὗ ὃ τε Σκάμανδρος ῥεῖ καὶ ὁ Γρά-
 „νικος καὶ Αἰσηπος, οἱ μὲν πρὸς ἄρκτον καὶ τὴν Προ-
 5 „ποντίδα ἐκ πλείονων πηγῶν συλλειβόμενοι, ὁ δὲ
 „Σκάμανδρος ἐπὶ δύσιν ἐκ μιᾶς πηγῆς· πᾶσαι δ' ἁλ-
 „λήλαις πλησιάζουσιν ἐν εἰκοσι σταδίων περιεχόμεναι
 „διαστήματι· πλείστον δ' ἀφέστηκεν ἀπὸ τῆς ἀρχῆς τὸ
 „τοῦ Αἰσηποῦ τέλος, σχεδόν τι καὶ πεντακοσίους σταδί-
 10 „ους. παρέχει δὲ λόγον πῶς φησὶν ὁ ποιητής „κρουνῶ
 „δ' ἱκανον καλιρρόω, ἐνθα δὲ πηγαι δοιαὶ ἀναΐσσουσι
 „Σκαμάνδρου δινηέντος· ἡ μὲν γὰρ θ' ὕδατι λιαρῶ
 „ῥέει,“ ὃ ἔστι θερμῶ· ἐπιφέρει δὲ „ἀμφὶ δὲ καπνός
 „γίγνεται ἐξ αὐτῆς ὥσει πυρός. ἡ δ' ἑτέρα θέρει προ-
 15 „ῥέει εἰκυῖα χαλάξῃ ἢ χιόνι ψυχρῇ.“ „οὔτε γὰρ θερμὰ
 „νῦν ἐν τῷ τόπῳ εὐρίσκεται, οὔθ' ἡ τοῦ Σκαμάνδρου
 „πηγὴ ἐνταῦθα ἀλλ' ἐν τῷ ὄρει, καὶ μία, ἀλλ' οὐ δύο.
 „τὰ μὲν οὖν θερμὰ ἐκλειεῖσθαι εἰκός, τὸ δὲ ψυχρὸν
 „κατὰ διάδυσιν ὑπεκρέον ἐκ τοῦ Σκαμάνδρου κατὰ
 20 „τοῦτ' ἀνατέλλειν τὸ χωρίον, ἢ καὶ διὰ τὸ πλησίον εἶ-
 „ναι τοῦ Σκαμάνδρου καὶ τοῦτο τὸ ὕδωρ λέγεσθαι τοῦ
 „Σκαμάνδρου πηγὴν· οὕτω γὰρ λέγονται πλείους πη-
 „γαὶ τοῦ αὐτοῦ ποταμοῦ. συμπίπτει δ' εἰς αὐτὸν ὁ Ἄν- 44
 „διρος ἀπὸ τῆς Καρησηνῆς, ὀρεινῆς τινος πολλὰς κώ-
 25 „μαις συνοικουμένης καὶ γεωργουμένης καλῶς, παρα-
 „κειμένης τῇ Λαρδανικῇ μέχρι τῶν περὶ Ζέλειαν καὶ
 „Πιτύειαν τόπων· ὠνομάσθαι δὲ τὴν χώραν φασὶν
 „ἀπὸ τοῦ Καρήσου ποταμοῦ, ὃν ὠνόμακεν ὁ ποιητής
 „Ῥῆσός θ' Ἐπτάπορός τε Κάρησός τε Ῥοδίος τε· τὴν
 30 „δὲ πόλιν κατεσπάσθαι τὴν ὁμώνυμον τῷ ποταμῷ.“
 Πάλιν δ' οὕτως φησὶν „μὲν Ῥῆσος ποταμὸς νῦν
 „καλεῖται Ῥοεΐτης, εἰ μὴ ἄρα ὁ εἰς τὸν Γράνικον ἰμ-

„βάλλων Ῥῆσός ἐστιν. Ἐπτάπορος δέ, ὃν καὶ Πολύπο-
 C.603. ρον λέγουσιν, ἐπτάκις διαβαινόμενος ἐκ τῶν περὶ τὴν
 „καλὴν πεύκην χωρίων ἐπὶ Μελαινὰς κώμην ἰούσι καὶ
 „τὸ Ἀσκληπίειον, ἰδρυμα Λυσιμάχου. περὶ δὲ τῆς κα-
 „λῆς πεύκης Ἀτταλὸς ὁ πρῶτος βασιλεύσας οὕτως γρά- 5
 „φει· τὴν μὲν περίμετρον εἶναι φησι ποδῶν τεττάρων
 „καὶ εἴκοσι, τὸ δὲ ὕψος ἀπὸ μὲν ῥίξης ἀνιέναι ἐπὶ ἐξή-
 „κοντα καὶ ἐπτά πόδας, εἴτ' εἰς τρία σχιζομένην ἴσον
 „ἀλλήλων διέχοντα, εἶτα πάλιν συναγομένην εἰς μίαν
 „κορυφὴν, ἀποτελοῦσαν τὸ πᾶν ὕψος δυεῖν πλέθρων 10
 „καὶ πεντεκαίδεκα πηχῶν· Ἀδραμυττίου δὲ διέχει πρὸς
 „ἄρκτον ἑκατὸν καὶ ὀγδοήκοντα σταδίους. Κάρησος
 „δ' ἀπὸ Μαλοῦντος ῥεῖ, τόπου τινὸς κειμένου μεταξὺ
 „Παλαισκήψεως καὶ Ἀχαιοῦ τῆς Τενεδίων περαιᾶς·
 „ἐμβάλλει δὲ εἰς τὸν Αἰσηπον. Ῥοδῖος δὲ ἀπὸ Κλεαν- 15
 „θρίας καὶ Γόρδου, ἃ διέχει τῆς καλῆς πεύκης ἐξήκοντα
 45 „σταδίους· ἐμβάλλει δ' εἰς τὸν Αἰνιον. τοῦ δ' ἀνυλῶ-
 „νος τοῦ περὶ τὸν Αἰσηπον ἐν ἀριστερᾷ τῆς ὀύσεως ἀν-
 „τοῦ πρῶτον ἔστι Πολίχνα τειχῆρες χωρίον, εἰθ' ἡ Πα-
 „λαισκήψις, εἴτ' Ἀλαζόνιον.“ τοῦτ' ἤδη πεπλασμένον 20
 „πρὸς τὴν τῶν Ἀλιζώνων ὑπόθεσιν, περὶ ᾧν εἰρήκαμεν.
 „εἶτα Κάρησος ἐρήμη καὶ ἡ Καρησηνὴ καὶ ὁμώνυμος
 „ποταμός, ποιῶν καὶ αὐτὸς ἀνυλῶνα ἀξιόλογον, ἐλάττω
 „δὲ τοῦ περὶ τὸν Αἰσηπον. τὰ δ' ἐξῆς ἤδη τὰ τῆς Ζε-
 „λεῖας ἐστὶ πεδία καὶ ὀροπέδια καλῶς γεωργούμενα· 25
 „ἐν δεξιᾷ δὲ τοῦ Αἰσηπον μεταξὺ Πολίχνας τε καὶ Πα-
 „λαισκήψεως ἡ Νέα κώμη καὶ Ἀργυρία.“ καὶ τοῦτο πάλιν
 „πλάσμα πρὸς τὴν αὐτὴν ὑπόθεσιν, ὅπως σωθεῖη
 „τὸ „ὅθεν ἀργύρου ἐστὶ γενέθλη.“ ἡ οὖν Ἀλύβη ποῦ ἢ
 Ἀλόπη ἢ ὅπως βούλονται παρονομάζειν; ἐχρῆν γὰρ καὶ 30

τοῦτο πλάσαι παρατριψαμένους τὸ μέτωπον, καὶ μὴ χω-
λὸν εἶναι καὶ ἔτοιμον πρὸς ἐλεγχον ἅπαξ ἤδη ἀποτετολ-
μηκότας. ταῦτα μὲν οὖν ἐνστασιν ἔχει τοιαύτην, τᾶλλα
δὲ ὑπολαμβάνομεν, ἣ τὰ γε πλεῖστα, δεῖν προσέχειν
5 ὥς ἀνδρὶ ἐμπείρῳ καὶ ἐντοπίῳ, φροντίσαντί τε τοσοῦ-
τον περὶ τούτων ὥστε τριάκοντα βίβλους συγγράφαι
στίχων ἐξήγησιν μικρῶ πλειόνων ἐξήκοντα, τοῦ κατα-
λόγου τῶν Τρώων. φησὶ δ' οὖν τὴν Παλαισκήψιν τῆς
μὲν Νέας διέχειν πεντήκοντα σταδίου, τοῦ δὲ ποταμοῦ
10 τοῦ Αἰσῆπου τριάκοντα· ἀπὸ δὲ τῆς Παλαισκήψεως
ταύτης διατείνει τὴν ὁμωνυμίαν καὶ εἰς ἄλλους πλείους
τόπους. ἐπ' αὐτὴν δὲ ἐπὶ τὴν παραλίαν ὅθεν περ ἀπελί-
πομεν.

Ἔστι δὲ μετὰ τὴν Σιγυιάδα ἄκραν καὶ τὸ Ἀχίλ-^{C.604}
15 λειον ἢ Τενεδίων περαιὰ τὸ Ἀχάϊον καὶ αὐτὴ ἢ Τένε-⁴⁶
δος, οὐ πλείους τῶν τετταράκοντα σταδίων διέχουσα
τῆς ἡπείρου· ἔχει δὲ τὴν περίμετρον ὅσον ὀγδοήκοντα
σταδίων καὶ πόλιν Αἰολίδα καὶ λιμένας δύο καὶ ἱερὸν
τοῦ Σμινθέως Ἀπόλλωνος, καθάπερ καὶ ὁ ποιητῆς
20 μαρτυρεῖ „Τενέδοιό τε ἴφι ἀνάσσεις, Σμινθεῦ.“ περὶ-
κεῖται δ' αὐτῇ νησίᾳ πλείῳ, καὶ δὴ καὶ δύο ἂ καλοῦσι
Καλύδνας, κειμένας κατὰ τὸν ἐπὶ Λεκτὸν πλοῦν· καὶ
αὐτὴν δὲ τὴν Τένεδον Κάλυδναν τινὲς εἶπον, ἄλλοι
δὲ Λεύκοφρον. μυθεύουσι δ' ἐν αὐτῇ τὰ περὶ τὸν Τέν-
25 νη ἅφ' οὗ καὶ τοῦνομα τῇ νήσῳ, καὶ τὰ περὶ τὸν Κύ-
κνον. Θρᾶκα τὸ γένος, πατέρα δ', ὥς τινες, τοῦ Τέν-
νου, βασιλέα δὲ Κολωνῶν.

Ἦν δὲ τῷ Ἀχαΐῳ συνεχὴς ἢ τε Λάρισα καὶ Κολω-⁴⁷
ναί, τῆς [Τενεδίων περ]αίας οὔσαι πρότερον, καὶ ἡ νῦν
30 Χρῦσα, ἐφ' ὅσους τινὲς πετρώδους ὑπὲρ τῆς θαλάτ-
της ἰδρυμένη, καὶ ἡ Ἀμαξιτὸς ἢ τῷ Λεκτῷ ὑποκει-
μένη συνεχὴς· νῦν δ' ἡ Ἀλεξάνδρεια συνεχὴς ἐστὶ τῷ

Ἀχαιῶν· τὰ δὲ πολίσματα ἐκείνα συμφικισμένα τυγχάνει, καθάπερ καὶ ἄλλα πλείω τῶν φρουρίων, εἰς τὴν Ἀλεξάνδρειαν, ὧν καὶ Κεβρήνη καὶ Νεανδρία ἐστὶ καὶ τὴν χώραν ἔχουσιν ἐκεῖνοι· ὁ δὲ τόπος ἐν ᾧ νῦν καίται ἡ Ἀλεξάνδρεια Σιγία ἐκαλεῖτο.

5

- 48 Ἐν δὲ τῇ Χρύσῃ ταύτῃ καὶ τὸ τοῦ Σμινθέως Ἀπόλλωνός ἐστιν ἱερόν, καὶ τὸ σύμβολον τὸ τὴν ἐτυμότητα τοῦ ὀνόματος σῶζον, ὁ μῦς, ὑπόκειται τῷ ποδὶ τοῦ ξοάνου· Σκόπα δ' ἐστὶν ἔργα τοῦ Παρίου· συνοικειοῦσι δὲ καὶ τὴν ἱστορίαν εἰτε μῦθον τούτῳ τῷ τόπῳ τὴν περὶ 10 τῶν μυῶν. τοῖς γὰρ ἐκ τῆς Κρήτης ἀφιγμένοις Τεύκροις (οὗς πρῶτος παρίδωκε Καλλίνος ὁ τῆς ἐλεγείας ποιητής, ἠκολούθησαν δὲ πολλοὶ) χρησμὸς ἦν, αὐτόθι ποιήσασθαι τὴν μονὴν ὅπου ἂν οἱ γηγενεῖς αὐτοῖς ἐπιθῶνται· συμβῆναι δὲ τοῦτ' αὐτοῖς φασι περὶ Ἀμαξι- 15 τόν· νύκτωρ γὰρ πολὺ πλῆθος ἀρουραίων μυῶν ἔξανθῆσαν διαφαγεῖν ὅσα σκύτινα τῶν τε ὀπλῶν καὶ τῶν χρηστηρίων· τοὺς δὲ αὐτόθι μείναι· τούτους δὲ καὶ τὴν Ἰδὴν ἀπὸ τῆς ἐν Κρήτῃ προσονομάσαι. Ἡρακλείδης δ' ὁ Ποντικός πληθύνοντάς φησι τοὺς μύας περὶ τὸ ἱερόν 20 νομισθῆναί τε ἱερούς καὶ τὸ ξόανον οὕτω κατασκευασθῆναι βεβηκὸς ἐπὶ τῷ μυῖ. ἄλλοι δ' ἐκ τῆς Ἀττικῆς ἀφίχθαι τινα Τεύκρον φασιν ἐκ δήμου Τρώων, ὃς νῦν οἱ Ξυπετεῶνες λέγεται, Τεύκρους δὲ μηδένας ἐλθεῖν ἐκ τῆς Κρήτης. τῆς δὲ πρὸς τοὺς Ἀττικούς ἐπιπλοκῆς τῶν 25 Τρώων τιθέασι σημεῖον καὶ τὸ παρ' ἀμφοτέροις Ἐριχθόνιον τινα γενέσθαι τῶν ἀρχηγεῶν. λήγουσι μὲν οὖν οὕτως οἱ νεώτεροι, τοῖς δ' Ὀμήρου μᾶλλον ἐπεσι 30 συμφωνεῖ τὰ ἐν τῷ Θήβης πεδίῳ καὶ τῇ αὐτόθι Χρύσῃ ἰδρυμένη ποτὲ δεικνύμενα ἔχνη, περὶ ὧν ἀντίκα ἱεροῦ- 30 μεν. πολλαχού δ' ἐστὶ τὸ τοῦ Σμινθέως ὄνομα· καὶ γὰρ περὶ αὐτὴν τὴν Ἀμαξιτὸν χωρὶς τοῦ κατὰ τὸ ἱερόν

Σμινθίου δύο τόποι καλοῦνται Σμίνθια· καὶ ἄλλοι δ' ἐν τῇ πλησίον Λαρισαίᾳ· καὶ ἐν τῇ Παριανῇ δ' ἐστὶ χωρίον τὰ Σμίνθια καλούμενον, καὶ ἐν Ῥόδῳ καὶ ἐν Αἰνῶν, καὶ ἄλλοι δὲ πολλαχοῦ· καλοῦσι δὲ νῦν τὸ ἱερὸν Σμίνθιον. χωρὶς γοῦν καὶ τὸ Ἀλήσιον πεδῖον οὐ μέγα ἐντὸς τοῦ Λεκτοῦ καὶ τὸ Τραγασαῖον ἀλοπήγιον αὐτόματον τοῖς ἐτησίαις πηγνύμενον πρὸς Ἀμαξιτῶ. ἐπὶ δὲ τῷ Λεκτῷ βωμοὶ τῶν δώδεκα θεῶν δείκνυνται, καλοῦσι δ' Ἀγαμέμνονος Ἱδρυμα· ἐν ἐπόψει δὲ τῷ Ἰλίῳ 10 ἐστὶ τὰ χωρία ταῦτα, ὡς ἐν διακοσίοις σταδίοις ἢ μικρῷ πλείοσιν· ὡς δ' αὐτῶς καὶ τὰ περὶ Ἀβυδὸν ἐκ θατέρου μέρους, μικρὸν δ' ὅμως ἐγγυτέρω ἢ Ἀβυδος.

Κάμφαντι δὲ τὸ Λεκτὸν ἑλλογιμώταται πόλεις τῶν 49 Αἰολέων καὶ ὁ Ἀδραμυττηνὸς κόλπος ἐκδέχεται, ἐν ᾧ 15 τοὺς πλείους τῶν Αελέγων κατοικίζων ὁ ποιητὴς φαίνεται καὶ τοὺς Κίλικας διτιτοὺς ὄντας. ἐνταῦθα δὲ καὶ ὁ τῶν Μιτυληναίων ἐστὶν αἰγιαλός, κώμας τινὰς ἔχων τῶν κατὰ τὴν ἡπειρον τῶν Μιτυληναίων. τὸν δὲ αὐτὸν κόλπον καὶ Ἰδαῖον λέγουσιν· ἡ γὰρ ἀπὸ τοῦ Λεκτοῦ 20 ῥάχης ἀνατείνουσα πρὸς τὴν Ἰδὴν ὑπέρχεται τῶν πρώτων τοῦ κόλπου μερῶν, ἐν οἷς πρῶτον τοὺς Αελέγας ἱδρυμένους ὁ ποιητὴς πεποίηκεν.

Εἴρηται δὲ περὶ αὐτῶν καὶ πρότερον· καὶ νῦν δὲ 50 προσληπτέον ὅτι Πηδασὸν τινα λέγει πόλιν αὐτῶν ὑπὸ 25 Ἀλτῇ τεταγμένην „Ἀλτεω, ὅς Αελέγεσσι φιλοποτολέμοισιν ἀνάσσει, Πηδασον αἰπήεσσαν ἔχων ἐπὶ Σατνιόεντι.“ καὶ νῦν ὁ τόπος δείκνυται τῆς πόλεως ἐρημος. γράφουσι δὲ τινες οὐκ εὖ „ὑπὸ Σατνιόεντι,“ ὡς ὑπὸ ὄρει Σατνιόεντι κειμένης τῆς πόλεως· οὐδὲν δ' ἐστὶν 30 ὅρος ἐνταῦθα Σατνιόεις προσαγορευόμενον, ἀλλὰ ποταμὸς ἐφ' ᾧ ἱδρυται ἡ πόλις· νῦν δ' ἐστὶν ἐρήμη. ὀνο-

μάξει δὲ τὸν ποταμὸν ὁ ποιητής· „Σάτνιον οὕτως
 „δουρὶ Οἶνοπίδην, ὃν ἄρα νύμφη τέκε Νηὶς ἀμύμων
 „Οἶνοπι βουκολίοντι παρ' ὄχθαις Σατνιόεντος“ καὶ πάλιν
 C. 606 ἔτι „ναὶ δὲ Σατνιόεντος ἐνρρεῖται παρ' ὄχθαις Πηδά-
 „σον αἰπεινήν.“ * Σατνιόεντα δ' ὕστερον εἶπον, οἱ δὲ 5
 Σαφνιόεντα· ἔστι δὲ χεῖμαρρος μέγας· ἄξιον δὲ μνή-
 μης πεποιήκεν ὀνομάζων ὁ ποιητής αὐτόν. οὗτοι δ' οἱ
 τόποι συνεχεῖς εἰσὶ τῇ Λαρδανίᾳ καὶ τῇ Σκηψίᾳ, ὥσπερ
 ἄλλη τις Λαρδανία, ταπεινότερα δέ.

- 51 Ἀσσίῳ δ' ἐστὶ νῦν καὶ Γαργαρίῳ ἕως τῆς κατὰ 10
 Λέσβου θαλάττης περιεχόμενα τῇ τε Ἀντανδρίᾳ καὶ τῇ
 Κεβρηνίῳ καὶ Νεανδριῳ καὶ Ἀμαξιτίῳ. τῆς μὲν
 γὰρ Ἀμαξιτοῦ Νεανδριεὶς ὑπέρκεινται, καὶ αὐτοὶ ὄν-
 τες ἐντὸς Λεκτοῦ, μεσογειότεροι δὲ καὶ πλησιαιότεροι
 τῷ Ἰλίῳ· διέχουσι γὰρ ἑκατὸν καὶ τριάκοντα σταδίους. 15
 τούτων δὲ καθ' ὑπερθε Κεβρήνιοι, τούτων δὲ Λαρ-
 δάνιοι μέχρι Παλαισκήψεως καὶ αὐτῆς τῆς Σκήψεως.
 τὴν δὲ Ἀντανδρον Ἀλκαῖος μὲν καλεῖ Λελέγων πόλιν
 „πρῶτα μὲν Ἀντανδρος Λελέγων πόλις.“ ὁ δὲ Σκή-
 ψιος ἐν ταῖς παρακειμέναις τίθησιν, ὥστ' ἐκπίπτει ἂν 20
 εἰς τὴν τῶν Κιλικίων· οὗτοι γὰρ εἰσὶ συνεχεῖς τοῖς Λέ-
 λεξι μᾶλλον πῶς τὸ νότιον πλευρὸν τῆς Ἰδῆς ἀφορίζοντες·
 ταπεινοὶ δ' ὅμως καὶ οὗτοι καὶ τῇ παραλίᾳ συν-
 άπτοντες μᾶλλον τῇ κατὰ Ἀδραμύτιον. μετὰ γὰρ τὸ
 Λεκτὸν τὸ Πολυμήδειον ἔστι χωρίον τι ἐν τετταράκον- 25
 τα σταδίοις, εἴτ' ἐν ὀγδοήκοντα Ἀσσος μικρὸν ὑπὲρ
 τῆς θαλάττης, εἴτ' ἐν ἑκατὸν καὶ τετταράκοντα Γάρ-
 γαρα· κεῖται δὲ τὰ Γάργαρα ἐπ' ἄκρας ποιούσης τὸν
 ἰδίως Ἀδραμυτηνὸν καλούμενον κόλπον. λέγεται γὰρ
 καὶ πᾶσα ἡ ἀπὸ Λεκτοῦ μέχρι Κανῶν παραλία τῷ 30

1. post Σάτνιον: γὰρ

αὐτῷ τούτῳ ὀνόματι, ἐν ᾧ καὶ ὁ Ἑλαϊτικὸς περιλαμβάνεται· ἰδίως μέντοι τοῦτον φασὶν Ἀδραμυττηνόν, τὸν κλειόμενον ὑπὸ ταύτης τε τῆς ἄκρας ἐφ' ἣ τὰ Γάργαρα, καὶ τῆς Πυρραῆς ἄκρας προσαγορευομένης ἐφ' ἣ καὶ 5 ἀφροδίσιον ἰδρυται. πλάτος δὲ τοῦ στόματός ἐστιν ἀπὸ τῆς ἄκρας ἐπὶ τὴν ἄκραν διάστημα ἑκατὸν καὶ εἰκοσι σταδίων. ἐντὸς δὲ ἣ τε Ἄντανδρός ἐστιν ὑπερκείμενον ἔχουσα ὄρος ὃ καλοῦσιν Ἀλεξάνδρειαν, ὅπου τὰς θεὰς κριθῆναί φασιν ὑπὸ τοῦ Πάριδος, καὶ ὁ Ἀσπανεὺς τὸ 10 ὑλοτόμιον τῆς Ἰθαίας ὕλης· ἐνταῦθα γὰρ διατίθενται κατάγοντες τοῖς δεομένοις. εἴτ' Ἀστυρα, κώμη καὶ ἄλσος τῆς Ἀστυρηνῆς Ἀρτέμιδος ἁγίον. πλησίον δ' εὐθύς τὸ Ἀδραμύττιον, Ἀθηναίων ἀποικος πόλις ἔχουσα καὶ λιμένα καὶ ναύσταθμον· ἔξω δὲ τοῦ κόλπου καὶ τῆς Πυρ- 15 ραῆς ἄκρας ἣ τε Κισθήνη ἐστὶ πόλις ἔρημος ἔχουσα λιμένα. ὑπὲρ αὐτῆς δ' ἐν τῇ μεσογαίᾳ τό τε τοῦ χαλκοῦ C. 607 μέταλλον καὶ Περπερηνὴ καὶ Τράριον καὶ ἄλλαι τοιαῦται κατοικίαι. ἐν δὲ τῇ παραλίᾳ τῇ ἐφεξῆς αἱ τῶν Μιτυληναίων κῶμαι Κορυφαντίς τε καὶ Ἡράκλεια, καὶ 20 μετὰ ταῦτα Ἀττεα, εἴτ' Ἀταρνεὺς καὶ Πιτάνη καὶ αἱ τοῦ Καῖκου ἐκβολαί· ταῦτα δ' ἤδη τοῦ Ἑλαϊτῶν κόλπου· καὶ ἐστὶν ἐν τῇ περαιᾷ ἡ Ἑλαία καὶ ὁ λοιπὸς μέχρι Κανῶν κόλπος. λέγωμεν δὲ ἀναλαβόντες περὶ τῶν καθ' ἕκαστα πάλιν, εἰ τι παραλέλειπται μνήνης ἁξίον, καὶ 25 πρῶτον περὶ τῆς Σκῆψεως.

Ἔστι δ' ἡ μὲν Παλαισκηψις ἐπάνω Κεβρηῆνος κατὰ 52 τὸ μετεωρότατον τῆς Ἰδῆς ἐγγὺς Πολίχνας· ἐκαλεῖτο δὲ τότε Σκῆψις, εἴτ' ἄλλως εἴτ' ἀπὸ τοῦ περισκαεπτον εἶναι τὸν τόπον, εἰ δαὶ τὰ παρὰ τοῖς βαρβάροις ἐν τῷ 30 τότε ὀνόματα ταῖς Ἑλληνικαῖς ἐτυμολογεῖσθαι φωναῖς· ὕστερον δὲ κατωτέρω σταδίοις ἐξήκοντα εἰς τὴν νῦν Σκῆψιν μετωκίσθησαν ὑπὸ Σκαμανδρίου τε τοῦ Ἑκτο-

ρος καὶ Ἀσκανίου τοῦ Αἰνείου παιδός· καὶ δύο γένη ταῦτα βασιλεῦσαι πολὺν χρόνον ἐν τῇ Σκῆψει λέγεται· μετὰ ταῦτα δ' εἰς ὀλιγαρχίαν μετέστησαν, εἰτα Μιλήσιοι συνεπολιτεύθησαν αὐτοῖς καὶ δημοκρατικῶς ᾤκουν· οἱ δ' ἀπὸ τοῦ γένους οὐδὲν ἦττον ἐκαλοῦντο βασιλεῖς, ἔχοντές τινας τιμὰς· εἴτ' εἰς τὴν Ἀλεξάνδρειαν συνεπόλισε τοὺς Σκηψίους Ἀντίγονος, εἴτ' ἀπέλυσε Λυσίμαχος, καὶ ἐπανήλθον εἰς τὴν οἰκίαν.

53

Οἰεται δ' ὁ Σκῆψιος καὶ βασιλείον τοῦ Αἰνείου γεγενῆσθαι τὴν Σκῆψιν, μέσσην οὖσαν τῆς τε ὑπὸ τῷ Αἰ- 10
νεΐᾳ καὶ Λυρνησσοῦ, εἰς ἣν φυγεῖν εἰρηται διωκόμενος ὑπὸ τοῦ Ἀχιλλέως· φησὶ γοῦν ὁ Ἀχιλλεύς „ἢ οὐ μέμνη,
„ὅτε πέρ σε βοῶν ἄπο μούνον ἰόντα σεῦα κατ' Ἰδαίων
„ὁρέων ταχέεσσι πόδεσσι, κείθεν δ' ἐς Λυρνησσὸν
„ὑπέκφυγες· αὐτὰρ ἐγὼ τὴν πέρσα, μεθορμηθεῖς.“ οὐχ 15
ὁμολογεῖ δὲ τῷ περὶ τῶν ἀρχηγετῶν τῆς Σκῆψεως λόγῳ τῷ λεχθέντι νῦν τὰ περὶ τοῦ Αἰνείου θρυλούμενα. πε-
ριγενέσθαι γὰρ δὴ τοῦτον φασιν ἐκ τοῦ πολέμου διὰ τὴν πρὸς Πριάμον δυσμένειαν „αἶε γὰρ Πριάμῳ ἐπε-
„μήνιε δῖφ, οὔνεκ' ἄρ' ἐσθλὸν ἰόντα μετ' ἀνδράσιν οὐ 20
„τι τίεσκε,“ τοὺς δὲ συνάρχοντας Ἀντηνορίδας καὶ αὐ-
τὸν τὸν Ἀντήνορα διὰ τὴν Μενελάου παρ' αὐτῷ ξε-
C.608νίαν. Σοφοκλῆς γοῦν ἐν τῇ ἀλώσει τοῦ Ἰλίου παρδα-
λίαν φησὶ πρὸ τῆς θύρας τοῦ Ἀντήνορος προτεθῆναι σύμβολον τοῦ ἀπόρθητον ἐαθῆναι τὴν οἰκίαν. τὸν μὲν 25
οὖν Ἀντήνορα καὶ τοὺς παῖδας μετὰ τῶν περιγενομέ-
νων Ἐνετῶν εἰς τὴν Θράκην περισωθῆναι κάκειθεν διαπσεῖν εἰς τὴν λεγομένην κατὰ τὸν Ἀδριανὸν Ἐνετι-
κὴν, τὸν δὲ Αἰνεΐαν μετ' Ἀγχίσου τοῦ πατρὸς καὶ τοῦ παιδὸς Ἀσκανίου λαὸν ἀθροίσαντα πλεῦσαι· καὶ οἱ μὲν 30
οἰκῆσαι περὶ τὸν Μακεδονικὸν Ὀλύμπον φασίν, οἱ δὲ περὶ Μαντίνειαν τῆς Ἀρκαδίας κτίσαι Καπύας, ἀπὸ

Κάπυος θέμενον τοῦνομα τῷ πολίσματι, οἱ δ' εἰς Αἰ-
 γεσταν κατάραι τῆς Σικελίας σὺν Ἑλύμῳ Τρωὶ καὶ
 Ἐρυκα καὶ Αἰλύβαιον κατασχεῖν, καὶ ποταμοὺς περὶ
 Αἰγεσταν προσαγορευῆσαι Σκάμανδρον καὶ Σιμόεντα·
 5 ἐνθεν δ' εἰς τὴν Λατίνην ἔλθόντα μείναι κατὰ τι λό-
 γιον τὸ κελεῦον μένειν ὅπου ἂν τὴν τράπεζαν κατα-
 φάγῃ· συμβῆναι δὲ τῆς Λατίνης περὶ τὸ Λακύνιον τοῦ-
 το, ἄρτου μεγάλου τεθέντος ἀντὶ τραπέζης κατὰ ἀπο-
 ρίαν καὶ ἅμα ἀναλωθέντος τοῖς ἐπ' αὐτῷ κρέασιν. Ὅμη-
 10 ρος μέντοι συνηγορεῖν οὐδετέροις ἔοικεν, οὐδὲ τοῖς
 περὶ τῶν ἀρχηγετῶν τῆς Σκῆψεως λιχθεῖσιν· ἐμφαί-
 νει γὰρ μεμνηκότα τὸν Αἰνείαν ἐν τῇ Τροίᾳ καὶ δια-
 δεδεγμένον τὴν ἀρχὴν καὶ παραδεδωκότα παισὶ παί-
 δων τὴν διαδοχὴν αὐτῆς, ἡφανισμένου τοῦ τῶν Πριά-
 15 μιδῶν γένους· „ἤδη γὰρ Πριάμου γενετὴν ἤχθηρε Κρο-
 „νίων. νῦν δὲ δὴ Αἰνείας βίη Τρώεσσι ἀνάξει καὶ παί-
 „δων παῖδες, τοί κεν μετόπισθε γένωνται.“ οὕτω δ'
 οὐδ' ἡ τοῦ Σκαμανδρίου διαδοχὴ σώζοιτ' ἂν. πολὺν δὲ
 20 μᾶλλον τοῖς ἑτέροις διαφωνεῖ τοῖς μέχρι καὶ Ἰταλίας
 αὐτοῦ τὴν πλάνην λέγουσι καὶ αὐτόθι ποιοῦσι τὴν κα-
 ταστροφὴν τοῦ βίου. τινὲς δὲ γράφουσιν „Αἰνείας γέ-
 „νος πάντεσσιν ἀνάξει, καὶ παῖδες παίδων,“ τοὺς Ῥω-
 μαίους λέγοντες.

Ἐκ δὲ τῆς Σκῆψεως οἳ τε Σωκρατικὴν γεγόνασιν 54
 25 Ἐραστος καὶ Κορίσκος καὶ ὁ τοῦ Κορίσκου υἱὸς Νη-
 λεύς, ἀνὴρ καὶ Ἀριστοτέλους ἡκροαμένος καὶ Θεο-
 φράστου, διαδεδεγμένους δὲ τὴν βιβλιοθήκην τοῦ Θεο-
 φράστου, ἐν ᾗ ἦν καὶ ἡ τοῦ Ἀριστοτέλους· ὁ γοῦν
 Ἀριστοτέλης τὴν ἑαυτοῦ Θεοφράστῳ παρέδωκεν, ὅπερ
 30 καὶ τὴν σχολὴν ἀπέλιπε, πρῶτος ὢν ἴσμεν συναγαγὼν
 βιβλία καὶ διδάξας τοὺς ἐν Αἰγύπτῳ βασιλείας βιβλιο-
 θήκης σύνταξιν. Θεόφραστος δὲ Νηλεὶ παρέδωκεν· ὁ C. 609

δ' εἰς Σκῆψιν κομίσας τοῖς μετ' αὐτὸν παρέδωκεν, ἰδι-
 ωταῖς ἀνθρώποις, οἱ κατάκλειστα εἶχον τὰ βιβλία οὐδ'
 ἐπιμελῶς καίμενα· ἐπειδὴ δὲ ἤσθοντο τὴν σπουδὴν
 τῶν Ἀτταλικῶν βασιλέων ὑφ' οἷς ἦν ἡ πόλις, ζητούν-
 των βιβλία εἰς τὴν κατασκευὴν τῆς ἐν Περγὰμφ βι-
 βλιοθήκης, κατὰ γῆς ἐκρυψαν ἐν διαώρυγι τινι· ὑπὸ δὲ
 νοτίας καὶ σιγῶν κακωθέντα ὅψε ποτε ἀπέδοντο οἱ ἀπὸ
 τοῦ γένους Ἀπελλικῶντι τῷ Τηίῳ πολλῶν ἀργυρίων
 τὰ τε Ἀριστοτέλους καὶ τὰ τοῦ Θεοφράστου βιβλία·
 ἦν δὲ ὁ Ἀπελλικῶν φιλόβιβλος μᾶλλον ἢ φιλόσοφος· 10
 διὸ καὶ ζητῶν ἐπανόρθωσιν τῶν διαβρωμάτων εἰς ἀν-
 τίγραφα καινὰ μετήνεγκε τὴν γραφὴν ἀναπληρῶν οὐκ
 εὖ, καὶ ἐξίδωκεν ἀμαρτάδων πλήρη τὰ βιβλία. συνέβη
 δὲ τοῖς ἐκ τῶν περιπάτων τοῖς μὲν πάσαι τοῖς μετὰ Θε-
 όφραστον οὐκ ἔχουσιν ὅλως τὰ βιβλία πλὴν ὀλίγων, 15
 καὶ μάλιστα τῶν ἐξωτερικῶν, μηδὲν ἔχειν φιλοσοφεῖν
 πραγματικῶς, ἀλλὰ θέσεις ληκνυθίζειν· τοῖς δ' ὕστε-
 ρον, ἀφ' οὗ τὰ βιβλία ταῦτα προήλθιν, ἄμεινον μὲν
 ἐκείνων φιλοσοφεῖν καὶ ἀριστοτελίζειν, ἀναγκάζεσθαι
 μέντοι τὰ πολλὰ εἰκότα λέγειν διὰ τὸ πλῆθος τῶν ἀμαρ- 20
 τιῶν. πολὺ δὲ εἰς τοῦτο καὶ ἡ Ῥώμη προσελάβετο· εὐ-
 θὺς γὰρ μετὰ τὴν Ἀπελλικῶντος τελευταίην Σύλλας ἦρε
 τὴν Ἀπελλικῶντος βιβλιοθήκην ὁ τὰς Ἀθήνας ἐλὼν,
 δεῦρο δὲ κομισθεῖσαν Τυραννίων τε ὁ γραμματικὸς
 διεχειρίσατο φιλαριστοτέλης ὢν, θεραπεύσας τὸν ἐπὶ 25
 τῆς βιβλιοθήκης, καὶ βιβλιοπῶλαι τινες γραφεῦσι
 φαύλοις χρώμενοι καὶ οὐκ ἀντιβάλλοντες, ὅπερ καὶ ἐπὶ
 τῶν ἄλλων συμβαίνει τῶν εἰς πρᾶσιν γραφομένων βι-
 βλίων καὶ ἐνθάδε καὶ ἐν Ἀλεξανδρείᾳ. περὶ μὲν οὖν
 τούτων ἀπόχρη.

30

55 Ἐκ δὲ τῆς Σκῆψεως καὶ ὁ Δημήτριος ἔστιν οὗ με-
 μνήμεθα πολλάκις, ὁ τὸν Τρωικὸν διάκοσμον ἐξηγη-

σάμενος γραμματικός, κατὰ τὸν αὐτὸν χρόνον γεγ-
 νῶς Κράτητι καὶ Ἀριστάρχῳ· καὶ μετὰ τοῦτον Μητρό-
 δωρος, ἀνὴρ ἐκ τοῦ φιλοσόφου μεταβεβληκὼς ἐπὶ τὸν
 πολιτικὸν βίον καὶ ῥητορεύων τὸ πλεόν ἐν τοῖς συγ-
 5 γράμμασιν· ἐχρήσατο δὲ φράσεώς τινι χαρακτηρί και-
 νῷ καὶ κατεπλήξατο πολλούς· διὰ δὲ τὴν δόξαν ἐν Χαλ-
 κηδόνι γάμου λαμπροῦ πένης ὧν ἔτυχε καὶ ἐχρημάτιζε
 Χαλκηδόνιος· Μιθριδάτην δὲ θεραπεύσας τὸν Εὐπά-
 10 τορα συναπῆρεν εἰς τὸν Πόντον ἐκείνῳ μετὰ τῆς γυ-
 ναικὸς καὶ ἐτιμήθη διαφερόντως, ταχθεὶς ἐπὶ τῆς δι-
 καιοδοσίας, ἀφ' ἧς οὐκ ἦν τῷ κριθέντι ἀναβολὴ τῆς C.610
 δίκης ἐπὶ τὸν βασιλέα. οὐ μέντοι διηυτύχησεν, ἀλλ'
 ἐμπιστῶν εἰς ἐχθρὰν ἀδικωτέρων ἀνθρώπων ἀπίστη
 τοῦ βασιλέως κατὰ τὴν πρὸς Τιγράνην τὸν Ἀρμένιον
 15 πρεσβείαν· ὁ δ' ἄκοντα ἀνέπεμψεν αὐτὸν τῷ Εὐπά-
 τορι, φεύγοντι ἤδη τὴν προγονικὴν, κατὰ δὲ τὴν ὁδὸν
 κατέστρεψε τὸν βίον εἰθ' ὑπὸ τοῦ βασιλέως εἰθ' ὑπὸ
 νοσοῦ· λέγεται γὰρ ἀμφοτέρω. περὶ μὲν τῶν Σκηψίων
 ταῦτα.

20 Μετὰ δὲ Σκηψίων Ἀνδειρα καὶ Πιονίαι καὶ ἡ Γαρ- 56
 γαρίς. ἔστι δὲ λίθος περὶ τὰ Ἀνδειρα, ὃς καιόμενος σί-
 δηρος γίνεται· εἶτα μετὰ γῆς τινος καμινευθεὶς ἀπο-
 στάζει ψευδάργυρον, ἢ προσλαβοῦσα χαλκὸν τὸ κα-
 λούμενον γίνεται κράμα, ὃ τινες ὀρείχαλκον καλοῦσι·
 25 γίνεται δὲ ψευδάργυρος καὶ περὶ τὸν Τρωῶλον. ταῦτα
 δ' ἔστι τὰ χωρία, ἃ οἱ Ἀέλιες κατεῖχον· ὥς δ' αὐτῶς
 καὶ τὰ περὶ Ἀσσον.

Ἔστι δὲ ἡ Ἀσσος ἐρυμνὴ καὶ εὐτειχὴς, ἀπὸ θαλάττης 57
 καὶ τοῦ λιμένος ὀρθίαν καὶ μακρὰν ἀνάβασιν ἔχουσα,
 30 ὥστ' ἐπ' αὐτῆς οἰκείως εἰρῆσθαι δοκεῖ τὸ τοῦ Στρατονί-
 κου τοῦ κιθαριστοῦ „Ἀσσον εἶθ' ὥς κεν θᾶσσον ὀλέ-
 „θρον πείραθ' ἴκηαι.“ ὁ δὲ λιμὴν χώματι κατεσκεύα-

σται μεγάλην. ἐντεῦθεν ἦν Κλεάνθης, ὁ στωικὸς φιλόσοφος, ὁ διαδεξάμενος τὴν Ζήνωνος τοῦ Κιτιέως σχολήν, καταλιπὼν δὲ Χρυσίππῳ τῷ Σολεῖ· ἐνταῦθα δὲ καὶ Ἀριστοτέλης διέτριψε διὰ τὴν πρὸς Ἑρμείαν τὸν τύραννον κηδεῖαν. ἦν δὲ Ἑρμείας εὐνοῦχος, τραπεζίτου τινὸς οἰ-
 5 κέτης· γενόμενος δ' Ἀθήνησιν ἠκροάσατο καὶ Πλάτωνος καὶ Ἀριστοτέλους· ἐπανελθὼν δὲ τῷ δεσπότῃ συνε-
 τυράννησε, πρῶτον ἐπιθεμένῳ τοῖς περὶ Ἀταρνεία καὶ Ἄσσον χωρίοις· ἔπειτα διεδέξατο ἐκείνον καὶ μετεπέμ-
 ψατο τὸν τε Ἀριστοτέλην καὶ Ξενοκράτην καὶ ἐπεμελή-
 10 θη αὐτῶν, τῷ δ' Ἀριστοτέλει καὶ θυγατέρα ἀδελφοῦ συνῴκισε. Μένων δ' ὁ Ῥόδιος ὑπηρετῶν τότε τοῖς Πέρσαις καὶ στρατηγῶν, προσποιησάμενος φιλίαν καλεῖ
 πρὸς ἑαυτὸν ξενίας τε ἅμα καὶ πραγμάτων προσποιη-
 τῶν χάριν, συλλαβὼν δ' ἀνέπεμψεν ὥς τὸν βασιλέα,
 15 κάκει κρεμασθεὶς ἀπώλετο· οἱ φιλόσοφοι δ' ἐσώθησαν φεύγοντες τὰ χωρία ἃ οἱ Πέρσαι κατέσχον.

- 58 Φησὶ δὲ Μυρσίλος Μηθυμναίων κτίσμα εἶναι τὴν Ἄσσον, Ἑλλάνικόν τε καὶ Αἰολίδα φησὶν, ὥσπερ καὶ τὰ Γάργαρα καὶ ἡ Λαμπωνία Αἰολέων. Ἀσσίων γάρ
 C.611λέσσι κτίσμα τὰ Γάργαρα, οὐκ εὖ συνοικούμενα· ἐποί-
 κους γάρ οἱ βασιλεῖς εἰσήγαγον ἐκ Μιλητουπόλεως ἰσθημῶσαντες ἐκείνην, ὥστε ἡμιβαρβάρους γενέσθαι
 φησὶ Δημήτριος αὐτοὺς ὁ Σκήψιος ἀντὶ Αἰολέων. καθ' Ὁμηρον μέντοι ταῦτα πάντα ἦν Αἰελέων, οὓς τινὲς
 25 μὲν Κᾶρας ἀποφαίνουσιν, Ὅμηρος δὲ χωρίζει „πρὸς
 „μὲν ἁλὸς Κᾶρες καὶ Παῖονες ἀγκυλότοξοι καὶ Ἀέλεγες
 „καὶ Καύκωνες.“ ἑτεροὶ μὲν τοίνυν τῶν Καρῶν ὑπῆρ-
 ξαν, ὥκουν δὲ μεταξὺ τῶν ὑπὸ τῷ Αἰνείᾳ καὶ τῶν κα-
 λουμένων ὑπὸ τοῦ ποιητοῦ Κιλίκων· ἐκπορθηθέντες
 30 δὲ ὑπὸ τοῦ Ἀχιλλέως μετέστησαν εἰς τὴν Καρίαν, καὶ κατέσχον τὰ περὶ τὴν νῦν Ἀλικαρνασὸν χωρία.

Ἡ μὲν τοίνυν ἐκλειφθεῖσα ὑπ' αὐτῶν πόλις Πή- 59
 δασος οὐκέτ' ἐστίν, ἐν δὲ τῇ μεσογαίᾳ τῶν Ἀλικαρνα-
 σέων τὰ Πηδάσα ὑπ' αὐτῶν ὀνομασθέντα ἦν πόλις,
 καὶ νῦν ἡ χώρα Πηδασίς λέγεται. φασὶ δ' ἐν αὐτῇ καὶ
 5 ὀκτὼ πόλεις ᾠκίσθαι ὑπὸ τῶν Αελέγων πρότερον εὐ-
 ανδρησάντων, ὥστε καὶ τῆς Καρίας κατασχεῖν τῆς μέ-
 χρι Μύνδου καὶ Βαργυλίων, καὶ τῆς Πισιδίας ἀποτε-
 μέσθαι πολλήν. ὕστερον δ' ἅμα τοῖς Καρσὶ στρατευό-
 μενοι κατεμερίσθησαν εἰς ὅλην τὴν Ἑλλάδα καὶ ἤφα-
 10 νίσθη τὸ γένος, τῶν δ' ὀκτὼ πόλεων τὰς ἑξ Μάυσωλος
 εἰς μίαν τὴν Ἀλικαρνασὸν συνήγαγεν, ὡς Καλλισθέ-
 νης ἱστορεῖ. Συναγγεῖλα δὲ καὶ Μύνδον διεφύλαξε.
 τοῖς δὲ Πηδασεῦσι τούτοις φησὶν Ἡρόδοτος ὅτε μέλλοι
 τι ἀνεπιτήδειον ἔσεσθαι καὶ τοῖς περιοίκοις, τὴν ἰέρειαν
 15 τῆς Ἀθηνᾶς πάγωνα ἰσχεῖν· τρις δὲ συμβῆναι τοῦτο
 αὐτοῖς. Πηδάσον δὲ καὶ ἐν τῇ νῦν Στρατονικέων πο-
 λίχνιόν ἐστιν. ἐν ὅλῃ δὲ Καρίᾳ καὶ ἐν Μιλήτῳ Αελέ-
 γων τάφοι καὶ ἐρύματα καὶ ἱχνη κατοικιῶν δείκνυνται.

Μετὰ δὲ τοὺς Αελέγας τὴν ἐξῆς παραλίαν ᾠκουν 60
 20 Κίλικες καθ' Ὅμηρον, ἣν νῦν ἔχουσιν Ἀδραμυττηνοί
 τε καὶ Ἀταρνεῖται καὶ Πιταναῖοι μέχρι τῆς ἐκβολῆς τοῦ
 Καΐκου. διήρηντο δ' εἰς δύο δυναστείας οἱ Κίλικες,
 καθάπερ εἶπομεν, τὴν τε ὑπὸ τῷ Ἡετίωνι καὶ τὴν ὑπὸ
 Μύνητι. τοῦ μὲν οὖν Ἡετίωνος λέγει πόλιν Θήβην 61
 25 „φρόμεθ' εἰς Θήβην ἱερὴν πόλιν Ἡετίωνος.“ τούτου
 δὲ καὶ τὴν Χρῦσαν [τὴν ἔχουσαν] τὸ ἱερὸν τοῦ Σμιν-
 θέως Ἀπόλλωνος ἐμφαίνει, εἶπερ ἡ Χρυσῆς ἐκ τῆς
 Θήβης ἐάλω· „φρόμεθα“ γάρ, φησὶν, „εἰς Θήβην· τὴν
 „δὲ διεπράθομέν τε καὶ ἤγομεν ἐνθάδε πάντα. καὶ τὰ C.612
 30 „μὲν εὐ δάσσαντο μετὰ σφίσις [υἱὲς Ἀχαιῶν], ἐκ δ'
 „ἔλον Ἀτρεΐδῃ Χρυσήϊδα.“ τοῦ δὲ Μύνητος τὴν Λυρ-
 νησσόν· ἐπειδὴ „Λυρνησσὸν διαπορθήσας καὶ τείχεα

„Θήβης“ τόν τε Μύνητα καὶ τὸν Ἐπίστροφον ἀνείλεν Ἀχιλλεύς, ὥστε ὅταν φῇ ἡ Βρισηΐς „οὐδέ μ' ἔασκες, „ὅτ' ἄνδρ' ἐμὸν ὤκυνς Ἀχιλλεύς ἔκτεινεν, πέρσεν δὲ „πόλιν θείοιο Μύνητος,“ οὐ τὴν Θήβην λέγοι ἂν (αὕτη γὰρ Ἡετίωνος) ἀλλὰ τὴν Αὐρνησσόν· ἀμφοτέ- 5 ραι δ' ἦσαν ἐν τῷ κληθέντι μετὰ ταῦτα Θήβης πεδίῳ, ὃ διὰ τὴν ἀρετὴν περιμάχητον γενέσθαι φασὶ Μυσοῖς μὲν καὶ Αὐδοῖς τὸ πρότερον, τοῖς δ' Ἑλλήσιν ὕστερον τοῖς ἐποικῆσασιν ἐκ τῆς Αἰολίδος καὶ τῆς Λέσβου. ἔχουσι δὲ νῦν Ἀδραμυττηνοὶ τὸ πλεόν· ἐνταῦθα γὰρ 10 καὶ ἡ Θήβη καὶ ἡ Αὐρνησσός, ἐρυμνὸν χωρίον· ἔρημοι δ' ἀμφοτέραι· διέχουσι δὲ Ἀδραμυττίου σταδίους ἡ μὲν ἐξήκοντα ἡ δὲ ὀγδοήκοντα καὶ ὀκτὼ ἐπὶ θάτερα.

- 62 Ἐν δὲ τῇ Ἀδραμυττηνῇ ἔστι καὶ ἡ Χρῦσα καὶ ἡ Κίλλα· πλησίον οὖν τῆς Θήβης ἐτι νῦν Κίλλα τις τό- 15 πος λέγεται, ἐν ᾧ Κιλλαίου Ἀπόλλωνος ἔστιν ἱερόν· παραρρεῖ δ' αὐτῷ ἐξ Ἰδης φερόμενος ὁ Κίλλαιος ποταμός· ταῦτα δ' ἐστὶ κατὰ τὴν Ἀντανδρίαν· καὶ τὸ ἐν Λέσβῳ δὲ Κίλλαιον ἀπὸ ταύτης τῆς Κίλλης ὠνόμασται· ἔστι δὲ καὶ Κίλλαιον ὄρος μεταξὺ Γαργάρων καὶ Ἀν- 20 τάνδρου. φησὶ δὲ Δάης ὁ Κολωναεὺς ἐν Κολωναῖς ἰδρυθῆναι πρῶτον ὑπὸ τῶν ἐκ τῆς Ἑλλάδος πλευσάντων Αἰολέων τὸ τοῦ Κιλλαίου Ἀπόλλωνος ἱερόν· καὶ ἐν Χρῦσῃ δὲ λέγουσι Κίλλαιον Ἀπόλλωνα ἰδρῦσθαι, ἄδηλον εἴτε τὸν αὐτὸν τῷ Σμινθεὶ εἰδ' ἕτερον. 25

- 63 Ἡ δὲ Χρῦσα ἐπὶ θαλάττῃ πολίχνην ἦν ἔχον λι- 30 μένα, πλησίον δὲ ὑπέρκειται ἡ Θήβη· ἐνταῦθα δ' ἦν καὶ τὸ ἱερόν τοῦ Σμινθέως Ἀπόλλωνος καὶ ἡ Χρυσή· ἠρήμωται δὲ νῦν τὸ χωρίον τελείως· εἰς δὲ τὴν νῦν Χρῦσαν τὴν κατὰ Ἀμαξιτὸν μεθίδρυνται τὸ ἱερόν, τῶν 30 Κιλικίων τῶν μὲν εἰς τὴν Παμφυλίαν ἐκπεσόντων τῶν δὲ εἰς Ἀμαξιτόν. οἱ δ' ἀπειρότεροι τῶν παλαιῶν ἱστο-

ριῶν ἐνταῦθα τὸν Χρῦσιν καὶ τὴν Χρυσήϊδα γερονέ-
 ναι φασὶ καὶ τὸν Ὅμηρον τούτου τοῦ τόπου μεμνη-
 σθαι. ἀλλ' οὔτε λιμὴν ἐστὶν ἐνταῦθα, ἐκεῖνος δὲ φη-
 σιν „οἱ δ' ὅτε δὴ λιμένος πολυβενθέος ἐντὸς ἴκοντο,“
 5 οὔτ' ἐπὶ θαλάττῃ τὸ ἱερόν ἐστιν, ἐκεῖνος δ' ἐπὶ θα-
 λάττῃ ποιεῖ τὸ ἱερόν „ἐκ δὲ Χρυσῆϊς νηὸς βῆ ποντο-
 „πόροιο· τὴν μὲν ἔπειτ' ἐπὶ βωμὸν ἄγων πολύμητις 0.613
 „Ὀδυσσεὺς πατρὶ φίλῳ ἐν χερσὶ τίθει,“ οὔτε Θήβης
 πλησίον, ἐκεῖνος δὲ πλησίον· ἐκεῖθεν γοῦν ἀλοῦσαν
 10 λέγει τὴν Χρυσήϊδα. ἀλλ' οὐδὲ Κίλλα τόπος οὐδεὶς ἐν
 τῇ Ἀλεξανδρείᾳ χωρὰ δαίκνυται, οὐδὲ Κιλλαίου Ἀπόλ-
 λωνος ἱερόν· ὁ ποιητὴς δὲ συζεύγνυσιν „ὅς Χρῦσιν
 ἀμφιβέβηκας Κίλλαν τε ζαθέην.“ ἐν δὲ τῷ Θήβης πε-
 δίῳ δαίκνυται πλησίον· ὃ τε πλοῦς ἀπὸ μὲν τῆς Κιλι-
 15 κίου Χρῦσῆς ἐπὶ τὸ ναύσταθμον ἐπτακοσίων πονο στα-
 δίων ἐστὶν ἡμερήσιός πως, ὅσον φαίνεται πλεύσας ὁ
 Ὀδυσσεύς. ἐκβὰς γὰρ εὐθύς παρίστησι τὴν θυσίαν τῷ
 θεῷ καὶ τῆς ἐσπέρας ἐπιλαβούσης μένει αὐτόθι, πρῶτ'
 δὲ ἀποπλεῖ· ἀπὸ δὲ Ἀμαξιτοῦ τὸ τρίτον μόλις τοῦ λε-
 20 χθέντος διαστήματός ἐστιν, ὥστε παρῇν τῷ Ὀδυσσεὶ
 αὐθημερὸν ἀναπλεῖν ἐπὶ τὸ ναύσταθμον τελέσαντι τὴν
 θυσίαν. ἐστὶ δὲ καὶ Κίλλου μνηῆμα περὶ τὸ ἱερόν τοῦ
 Κιλλαίου Ἀπόλλωνος, χῶμα μέγα· ἡνίοχον δὲ τοῦτον
 Πέλοπός φασιν ἡγησάμενον τῶν τόπων, ἀφ' οὗ ἴσως
 25 ἡ Κιλικία ἦ ἔμπαλιν.

Τὰ οὖν περὶ τοὺς Τεύκρους καὶ τοὺς μύας, ἀφ' 64
 ὧν ὁ Σμινθεύς, ἐπειδὴ σμίνθοι οἱ μύες, δεῦρο με-
 νεεκτέον. παραμυθοῦνται δὲ τὴν ἀπὸ μικρῶν ἐπίκλη-
 σιν τοιούτοις τισί· καὶ γὰρ ἀπὸ τῶν παρνόπων, οὓς οἱ
 30 Οἰταῖοι κόρνοπας λέγουσι, κορνεπίωνα τιμᾶσθαι παρ'
 ἐκείνοις Ἡρακλέα ἀπαλλαγῆς ἀκρίδων χάριν· ἱποκτό-
 νον δὲ παρ' Ἐρυθραίοις τοῖς τὸν Μίμαντα οἰκοῦσιν.

ὅτι φθαρτικὸς τῶν ἀμπελοφάγων ἰπῶν· καὶ δὴ παρ' ἐκείνοις μόνοις τῶν Ἑρυθραίων τὸ θηρίον τοῦτο μὴ γίνεσθαι. Ῥόδιοι δὲ ἐρυθριβίου Ἀπόλλωνος ἔχουσιν ἐν τῇ χώρᾳ ἱερὸν, τὴν ἐρυσίβην καλοῦντες ἐρυθίβην· παρ' Αἰολεῦσι δὲ τοῖς ἐν Ἀσίᾳ μίς τις καλεῖται πορνο- 5 πίων, οὕτω τοὺς πάρνοπας καλούντων Βοιωτῶν, καὶ θυσία συντελεῖται πορνοπίωνι Ἀπόλλωνι.

65 Μυσία μὲν οὖν ἐστὶν ἡ περὶ τὸ Ἀδραμύτιον· ἦν δέ ποτε ὑπὸ Λυδοῖς, καὶ νῦν πύλαι Λύδαι καλοῦνται ἐν Ἀδραμυτιῷ, Λυδῶν (ὡς φασι) τὴν πόλιν ἐκτικό- 10 των. Μυσίας δὲ [καὶ] Ἀστυρα τὴν πλησίον κώμην φασίν. ἦν δὲ πολίχνη ποτιέ, ἐν ἣ τὸ τῆς Ἀστυρηνῆς Ἀρτέμιδος ἱερὸν ἐν ἄλσει, προστατούμενον μετὰ ἀγιστείας ὑπ' Ἀντανδρίων, οἷς μᾶλλον γειννᾷ· διέχει δὲ τῆς παλαιᾶς Χρύσης εἰκοσι σταδίους, καὶ αὐτῆς ἐν ἄλσει 15 τὸ ἱερὸν ἐχούσης. αὐτοῦ δὲ καὶ ὁ Ἀχιλλεὺς χάραξ· ἐν C.514 δὲ τῇ μεσογαίᾳ ἀπὸ πεντήκοντα σταδίων ἐστὶν ἡ Θήβη ἔρημος, ἦν φησὶν ὁ ποιητὴς „ὑπὸ Πλάκῳ ὑλήεσση.“ οὔτε δὲ Πλάκος ἢ Πλάξ ἐκεῖ τι λέγεται, οὔθ' ὕλη ὑπερ- 20 κείται καίτοι πρὸς τῇ Ἰδῇ. Ἀστύρων δ' ἡ Θήβη διέχει 20 εἰς ἑβδομήκοντα σταδίους, Ἀνδείρων δὲ ἐξήκοντα. πάντα δὲ ταῦτά ἐστι τὰ ὀνόματα τόπων ἐρήμων ἢ φαύλως οἰκουμένων ἢ ποταμῶν χειμάρρων· τεθρύληται δὲ διὰ τὰς παλαιὰς ἱστορίας.

66 Πόλεις δ' εἰσὶν ἀξιόλογοι Ἄσσος τε καὶ Ἀδραμύτ- 25 τιον. ἠτύχησε δὲ τὸ Ἀδραμύτιον ἐν τῷ Μιθριδατικῷ πολέμῳ· τὴν γὰρ βουλὴν ἀπέσφαξε τῶν πολιτῶν Διόδωρος στρατηγὸς χαριζόμενος τῷ βασιλεῖ, προσποιούμενος δ' ἅμα τῶν τε ἐξ Ἀκαδημίας φιλοσόφων εἶναι καὶ δίκας λέγειν καὶ σοφιστεύειν τὰ ῥητορικά· καὶ δὴ 30 καὶ συναπῆρεν εἰς τὸν Πόντον τῷ βασιλεῖ· καταλυθέντος δὲ τοῦ βασιλέως ἔτισε δίκας τοῖς ἀδικηθεῖσιν·

ἐγκλημάτων γὰρ ἐπανεχθέντων ἅμα πολλῶν, ἀπεκαρ-
 τέρησεν αἰσχροῦς οὐ φέρων τὴν δυσφημίαν ἐν τῇ ἡμε-
 τέρᾳ πόλει. ἀνὴρ δὲ Ἀδραμυττηνὸς ῥήτωρ ἐπιφανὴς
 γεγέννηται Ξενοκλῆς, τοῦ μὲν Ἀσιανοῦ χαρακτηῆρος,
 5 ἀγωνιστῆς δὲ εἰ τις ἄλλος καὶ εἰρηκῶς ὑπὲρ τῆς Ἀσίας
 ἐπὶ τῆς συγκλήτου καθ' ὃν καιρὸν αἰτίαν εἶχε Μιθρι-
 δατισμοῦ.

Πρὸς δὲ τοῖς Ἀστύροις λίμνη καλεῖται Σάπρα 67
 βαραθρώδης εἰς ῥαχιδίῃ τῆς θαλάττης αἰγιαλὸν τὸ
 10 ἐκρηγμα ἔχουσα. ὑπὸ δὲ τοῖς Ἀνδείροις ἱερὸν ἐστὶ μη-
 τρὸς θεῶν Ἀνδειρηνῆς ἅγιον καὶ ἄντρον ὑπόνομον
 μέχρι Παλαιᾶς. ἐστὶ δ' ἡ Παλαιὰ κατοικία τις οὕτω
 καλουμένη, διέχουσα τῶν Ἀνδείρων ἑκατὸν καὶ τριά-
 κοντα σταδίους· ἰδὲξε δὲ τὴν ὑπονομήν χίμαρος ἐμ-
 15 πεισὼν εἰς τὸ στόμα καὶ ἀνενρευθεὶς τῇ ὑστεραίᾳ κατὰ
 Ἀνδειρα ὑπὸ τοῦ ποιμένος κατὰ τύχην ἐπὶ θυσίαν
 ἦκοντος. Ἀταρνεὺς δ' ἐστὶ τὸ τοῦ Ἑρμείου τυραννεῖον,
 εἰτα Πιτάνη πόλις Αἰολικὴ, δύο ἔχουσα λιμένας, καὶ
 ὁ παραρρέων αὐτὴν ποταμὸς Εὐήνος, ἐξ οὗ τὸ ὕδρα-
 20 γωγεῖον πεποιήται τοῖς Ἀδραμυττηνοῖς. ἐκ δὲ τῆς Πι-
 τάνης ἐστὶν Ἀρκεσίλαος ὁ ἐκ τῆς Ἀκαδημίας, Ζήνωνος
 τοῦ Κιτιέως συσχολαστῆς παρὰ Πολέμωνι. καλεῖται δὲ
 καὶ ἐν τῇ Πιτάνῃ τις τόπος ἐπὶ θαλάττῃ Ἀταρνεὺς ὑπὸ
 τῇ Πιτάνῃ κατὰ τὴν καλουμένην νῆσον Ἐλαιούσσαν.
 25 φασὶ δ' ἐν τῇ Πιτάνῃ τὰς πλίνθους ἐπιπολάζειν ἐν τοῖς
 ὕδασι, καθάπερ καὶ ἐν τῇ Τυρρηνίᾳ νησίς πέπονθε·
 κουφοτέρα γὰρ ἡ γῆ τοῦ ἐπισόγκου ὕδατός ἐστιν ὥστ'
 ἐποχεῖσθαι. ἐν Ἰβηρίᾳ δὲ φησὶν ἰδεῖν Ποσειδῶνιος ἐκ
 τινος γῆς ἀργιλοῶδους, ἣ τὰ ἀργυρώματα ἐκμάττεται, 0.61
 30 πλίνθους πηγνυμένας καὶ ἐπιπλεύσας. μετὰ δὲ τὴν
 Πιτάνην ὁ Κάικος εἰς τὸν Ἐλαίτην καλούμενον κόλ-
 πον ἐν τριάκοντα σταδίοις ἐκδίδωσιν. ἐν δὲ τῷ πέραν

τοῦ Καΐκου δώδεκα διέχουσα τοῦ ποταμοῦ σταδίους
Ἐλαία πόλις Αἰολικὴ καὶ αὕτη, Περγαμηνῶν ἐπίνειον,
ἑκατὸν καὶ εἰκοσι σταδίους διέχουσα τοῦ Περγάμου.

- 68 *Ἐστ' ἐν ἑκατὸν σταδίοις ἡ Κάνη, τὸ ἀνταῖρον ἀ-*
κρωτήριον τῷ Λεκτῷ καὶ ποιοῦν τὸν Ἀδραμυττηνὸν 5
κόλπον, οὗ μέρος καὶ ὁ Ἐλαϊτικὸς ἐστί. Κάναι δὲ πο-
λίηνιον Λοκρῶν τῶν ἐκ Κύνου κατὰ τὰ ἄκρα τῆς Λέ-
σβου τὰ νοτιώτατα κείμενον ἐν τῇ Καναίᾳ· αὕτη δὲ μέ-
χρι τῶν Ἀργινουσσῶν διήκει καὶ τῆς ὑπερκειμένης
ἄκρας, ἣν Αἰγά τινες ὀνομάζουσιν ὁμωνύμως τῷ ζῳῳ. 10
δεῖ δὲ μακρῶς τὴν δευτέραν συλλαβὴν ἐκφέρειν Αἰγάν,
ὡς ἀκτάν καὶ ἀρχάν· οὕτω γὰρ καὶ τὸ ὄρος ὅλον ὠνο-
μάζετο, ὃ νῦν Κάνην καὶ Κάνας λέγουσι. κύκλω δὲ
περὶ τὸ ὄρος πρὸς νότον μὲν καὶ δύσιν ἡ θάλαττα,
πρὸς ἑω δὲ τὸ Καΐκου πεδίου ὑπόκειται, πρὸς ἄρκτον 15
δὲ ἡ Ἐλαΐτις· αὐτὸ δὲ καθ' αὐτὸ ἱκανῶς συνέσταλται,
προσνεύει δὲ ἐπὶ τὸ Αἰγαῖον πέλαγος, ὅθεν αὐτῷ καὶ
*τοῦνομα· ὕστερον δὲ αὐτὸ τὸ ἀκρωτήριον Αἰγὰ * κε-*
κλησθαι, τὸ δὲ λοιπὸν Κάνη καὶ Κάναι.

- 69 *Μεταξὺ δὲ Ἐλαίας τε καὶ Πιτάνης καὶ Ἀταρνέως 20*
καὶ Περγάμου Τευθρανία ἐστί, διέχουσα οὐδεμιᾶς ἀν-
τῶν ὑπὲρ ἑβδομήκοντα σταδίους ἐντὸς τοῦ Καΐκου, καὶ
ὁ Τεύθρας Κιλικῶν καὶ Μυσῶν ἱστορεῖται βασιλεὺς.
Εὐριπίδης δ' ὑπὸ Ἀλίου φησὶ τοῦ τῆς Αὖγης πατρὸς
εἰς λάρνακα τὴν Αὖγην κατατεθεισαν ἅμα τῷ παιδί 25
Τηλέφῳ καταποντωθῆναι, φωράσαντος τὴν ἐξ Ἡρα-
κλείους φθοράν· Ἀθηναῖς δὲ προνοίᾳ τὴν λάρνακα πε-
ραιωθεῖσαν ἐκπεσεῖν εἰς τὸ στόμα τοῦ Καΐκου, τὸν δὲ
Τεύθραντα ἀναλαβόντα τὰ σώματα τῇ μὲν ὥς γαμετῇ
χρησασθαι τῷ δ' ὥς ἑαυτοῦ παιδί. τοῦτο μὲν οὖν μὴ- 30

- θος, ἄλλην δὲ τινα δεῖ γεγονέναι συντυχίαν, δι' ἣν ἡ τοῦ Ἀρκάδος θυγάτηρ τῷ Μυσῶν βασιλεῖ συνῆλθε καὶ ὁ ἐξ αὐτῆς διεδέξατο τὴν ἐκείνου βασιλείαν. πεπίστυνται δ' οὖν ὅτι καὶ ὁ Τευθρας καὶ ὁ Τηλεφος ἐβασίλευσαν τῆς χώρας τῆς περὶ τὴν Τευθρανίαν καὶ τὸν Κάικον, ὁ δὲ ποιητὴς ἐπὶ τοσοῦτον μέμνηται μόνον τῆς ἱστορίας ταύτης „ἀλλ' οἶον τὸν Τηλεφίδην κατενῆρατο „χαλκῷ ἦρω Εὐρύπυλον, πολλοὶ δ' ἄμφ' αὐτὸν ἑταῖροι Κήτειοι κτείνοντο γυναίων εἵνεκα δώρων,“ αἰ-σ. 616
- 10 νιγμα τιθεὶς ἡμῖν μᾶλλον ἢ λέγων τι σαφές. οὔτε γὰρ τοὺς Κητείους ἴσμεν οὔστινας δέξασθαι δεῖ, οὔτε τὸ „γυναίων εἵνεκα δώρων.“ ἀλλὰ καὶ οἱ γραμματικοὶ μυθάρια παραβάλλοντες εὐρεσιλογοῦσι μᾶλλον ἢ λύουσι τὰ ζητούμενα.
- 15 Ἐάσθω δὴ ταῦτα, ἐκεῖνο δ' ὅπερ ἐστὶ μᾶλλον ἐν 70 φανερῷ λαβόντες λέγωμεν, ὅτι ἐν τοῖς περὶ τὸν Κάικον τόποις φαίνεται βεβασιλευκῶς καθ' Ὅμηρον ὁ Εὐρύπυλος, ὥστ' ἴσως καὶ τῶν Κιλικίων τι μέρος ἦν ὑπ' αὐτῷ, καὶ οὐ δύο θυναστέλαι μόνον ἀλλὰ καὶ τρεῖς ὑπῆρ-20 ξαν ἐν αὐτοῖς. τῷ δὲ λόγῳ τούτῳ συνηγορεῖ τὸ ἐν τῇ Ἐλαϊτιδι χειμαρρῶδες ποτάμιον δείκνυσθαι Κήτειον· ἐμπίπτει δ' οὗτος εἰς ἄλλον ὅμοιον, εἰτ' ἄλλον, καταστρέφουσι δὲ εἰς τὸν Κάικον· ὁ δὲ Κάικος οὐκ ἀπὸ τῆς Ἰδης ρεῖ, καθάπερ εἶρηκε Βακχυλίδης, * οὔθ' ὥς 25 Εὐριπίδης τὸν Μαρσύαν φησί „τὰς διανομασμένας „ναίειν Κελαινὰς ἐσχάτοις Ἰδης τόποις.“ πολὺ γὰρ τῆς Ἰδης ἄπωθεν αἱ Κελαιναί, πολὺ δὲ καὶ αἱ τοῦ Κάικου πηγαί· δείκνυνται γὰρ ἐν πεδίῳ. Τῆμνον δ' ἐστὶν ὄρος ὃ διορίζει τοῦτό τε καὶ τὸ καλούμενον Ἀπίας πε-30 δίον, ὃ ὑπέρεκται ἐν τῇ μεσογαίᾳ τοῦ Θήβης πεδίου· ρεῖ δ' ἐκ τοῦ Τῆμνον ποταμὸς Μύσιος ἐμβάλλων εἰς τὸν Κάικον ὑπὸ ταῖς πηγαῖς αὐτοῦ, ἀφ' οὗ δέχονται

τινες εἶπεν Αἰσχύλον κατὰ τὴν εἰσβολὴν τοῦ ἐν Μυρμιδόσι προλόγου „ὡς Κάικε Μύσιαί τ' ἐπιρροαί.“ ἐγγὺς δὲ τῶν πηγῶν κώμη Γέργιθα ἐστίν, εἰς ἣν μετῴκισεν Ἀτταλος τοὺς ἐν τῇ Τρωάδι τὸ χωρίον ἐξελῶν.

- 2 Ἐπεὶ δὲ τῇ παραλίᾳ τῇ ἀπὸ Λεκτοῦ μέχρι Κανῶν 5 ἀντιπαρατίθεται νῆσος ἡ Λέσβος λόγου ἄξια πλείστου, περικεῖται δὲ αὐτῇ καὶ νησία τὰ μὲν ἔξωθεν τὰ δὲ καὶ ἐντὸς μεταξὺ αὐτῆς τε καὶ τῆς ἡπείρου, καιρὸς ἦδη περὶ τούτων εἶπεν· καὶ γὰρ ταῦτά ἐστιν Αἰολικά, σχεδὸν δέ τι καὶ μητρόπολις ἡ Λέσβος ὑπάρχει τῶν 10 Αἰολικῶν πόλεων. ἀρκτεῖον δ' ἀφ' ὧν περ καὶ τὴν παραλίαν ἐπήλθομεν τὴν κατ' αὐτήν.

- 2 Ἀπὸ Λεκτοῦ τοίνυν ἐπὶ Ἄσσον πλείουσιν ἀρχὴ τῆς 15 Λεσβίας ἐστὶ κατὰ Σίγριον τὸ πρὸς ἄρκτον αὐτῆς ἄκρον. ἐνταῦθα δέ που καὶ Μῆθυμνα πόλις Λεσβίων ἐστίν 15 ἀπὸ ἐξήκοντα σταδίων τῆς ἐκ Πολυμηδείου πρὸς τὴν Ἄσσον παραλίας. οὗσης δὲ τῆς περιμέτρου σταδίων χιλίων ἑκατὸν ἦν ἡ σύμπασα ἐκπληροῖ νῆσος, τὰ καθ' ἕκαστα οὕτως ἔχει· ἀπὸ Μηθύμνης εἰς Μαλίαν τὸ νοτιώτατον ἄκρον ἐν δεξιᾷ ἔχουσι τὴν νήσον, καθ' ὅ 20 αἱ Κάναι μάλιστα ἀντίκεινται τῇ νήσῳ καὶ συναπαρτί-
C.617 ζουσι, στάδιοί εἰσι τριακόσιοι τετταράκοντα· ἐντεῦ-
θεν δ' ἐπὶ Σίγριον, ὅπερ ἐστὶ τῆς νήσου τὸ μῆκος, πεντακόσιοι ἐξήκοντα· εἰτ' ἐπὶ τὴν Μῆθυμναν διακό-
σιοι δέκα. Μιτυλήνη δὲ κεῖται μεταξὺ Μηθύμνης καὶ 25 τῆς Μαλίας ἡ μεγίστη πόλις, διέχουσα τῆς Μαλίας ἑβδομήκοντα σταδίους, τῶν δὲ Κανῶν ἑκατὸν εἰκοσιν, ὅσους καὶ τῶν Ἀργινουσσῶν, αἱ τρεῖς μὲν εἰσιν οὐ με-
γάλοι νῆσοι, πλησιάζουσι δὲ τῇ ἡπείρῳ, παρακειμέ-
ναι ταῖς Κάναις. ἐν δὲ τῇ μεταξὺ Μιτυλήνης καὶ τῆς 30 Μηθύμνης κατὰ κώμην τῆς Μηθυμναίας καλουμένην Αἰγίρον στενωπάτη ἐστὶν ἡ νῆσος, ὑπέρβασιν ἔχουσα

εἰς τὸν Πυρραίων εὐριπον σταδίων εἰκοσιν. ἴδρυνται δ' ἡ Πύρρα ἐν τῷ ἱσπερίῳ πλευρῷ τῆς Αἰσβου, διέχουσα τῆς Μαλίας ἑκατὺν. ἔχει δ' ἡ Μιτυλήνη λιμένας δύο, ὧν ὁ νότιος κλειστός τριηρικός ναυσι πεντήκοντα, 5 ὁ δὲ βόρειος μέγας καὶ βαθύς, χώματι σκεπαζόμενος· πρόκειται δ' ἀμφοῖν νησίον μέρος τῆς πόλεως ἔχον αὐτόθι συνοικούμενον· κατεσκευάζεται δὲ τοῖς πᾶσι καλῶς.

Ἄνδρας δ' ἔσχεν ἐνδόξους τὸ παλαιὸν μὲν Πι- 3
 10 τακόν, ἓνα τῶν ἐπὶ σοφῶν, καὶ τὸν ποιητὴν Ἀλκαῖον καὶ τὸν ἀδελφὸν Ἀντιμενίδαν, ὃν φησιν Ἀλκαῖος Βαβυλωνίοις συμμαχοῦντα τελείσαι μέγαν ἄθλον καὶ ἐκ πόνων αὐτοὺς ῥύσασθαι κτείναντα „ἄνδρα μαχαίταν „βασιλῆων παλάστιαν (ὧς φησιν) ἀπολείποντα μόνον 15 „μίαν παχέων ἀπὺ πέμπων.“ συνήκμασε δὲ τούτοις καὶ ἡ Σαπφώ, θαυμαστόν τι χρῆμα· οὐ γὰρ ἴσμεν ἐν τῷ τοσούτῳ χρόνῳ τῷ μνημονευομένῳ φανείσαντινα γυναῖκα ἐνάμιλλον οὐδὲ κατὰ μικρὸν ἐκείνη ποιήσεως χάριν. ἐτυραννήθη δὲ ἡ πόλις κατὰ τοὺς χρόνους τού- 20 τους ὑπὸ πλειόνων διὰ τὰς διχοστασίας, καὶ τὰ στασιωτικὰ καλούμενα τοῦ Ἀλκαίου ποιήματα περὶ τούτων ἐστίν· ἐν δὲ τοῖς τυράννοις καὶ ὁ Πιπτακὸς ἐγένετο. Ἀλκαῖος μὲν οὖν ὁμοίως ἐλοιδορεῖτο καὶ τούτῳ καὶ τοῖς ἄλλοις, Μυρσίλῳ καὶ Μελάγχρῳ καὶ τοῖς Κλεανα- 25 κτίδαις καὶ ἄλλοις τισίν, οὐδ' αὐτὸς καθαρῶς τῶν τοιούτων νεωτερισμῶν. Πιπτακὸς δ' εἰς μὲν τὴν τῶν δυναστειῶν κατάλυσιν ἐχρήσατο τῇ μοναρχίᾳ καὶ αὐτός, καταλύσας δὲ ἀπέδωκε τὴν αὐτονομίαν τῇ πόλει. ὕστερον δ' ἐγένετο χρόνοις πολλοῖς Διοφάνης ὁ ῥή- 30 τωρ, καθ' ἡμᾶς δὲ Ποτάμων καὶ Λεσβοκλῆς καὶ Κριναγόρας καὶ ὁ συγγραφεὺς Θεοφάνης. οὗτος δὲ καὶ πολιτικὸς ἀνὴρ ὑπῆρξε καὶ Πομπηίῳ τῷ Μάγνῳ κα-

τέστη φίλος μάλιστα διὰ τὴν ἀρετὴν ταύτην, καὶ πά-
 σας συγκατάρθωσεν αὐτῷ τὰς πράξεις, ἀφ' ὧν τὴν τε
 πατρίδα ἐκόσμησε τὰ μὲν δι' ἐκείνου τὰ δὲ δι' ἑαυτοῦ,
 C. 618 καὶ ἑαυτὸν πάντων τῶν Ἑλλήνων ἐπιφανέστατον ἀνέ-
 δειξεν· υἱὸν τε ἀπέλιπε Μάρκον Πομπήιον, ὃν τῆς 5
 Ἀσίας ἐπίτροπον κατέστησέ ποτε Καῖσαρ ὁ Σεβαστός,
 καὶ νῦν ἐν τοῖς πρώτοις ἐξετάζεται τῶν Τιβερίου φί-
 λων. Ἀθηναῖοι δ' ἐκινδύνευσαν μὲν ἀνηκέστῳ ψόγῳ
 περιπεσεῖν ψηφισάμενοι Μιτυληναίους ἡβηδὸν ἀπο-
 σφαγῆναι, μετέγνωσαν δὲ καὶ ἐφθη μιᾷ θάττον ἡμέρᾳ 10
 τὸ ψηφισμα ἀφυγμένον ὥς τοὺς στρατηγούς πρὶν ἢ
 πράξαι τὸ προσταχθέν.

- 4 Ἡ δὲ Πύρρα κατέστραπται, τὸ δὲ προάστειον οἰ-
 κεῖται καὶ ἔχει λιμένα, ὅθεν εἰς Μιτυλήνην ὑπέρβασις
 σταδίων ὀγδοήκοντα. εἰτ' Ἐρεσος ἐστὶ μετὰ τὴν Πύρ- 15
 ραν· ἰδρυταὶ δ' ἐπὶ λόφον καθήκει τε ἐπὶ θάλατταν·
 εἰτ' ἐπὶ τὸ Σίγριον ἐντεῦθεν στάδιοι εἰκοσιοκτώ· ἐξ
 Ἐρέσου δ' ἦσαν Θεόφραστός τε καὶ Φανίας οἱ ἐκ τῶν
 περιπάτων φιλόσοφοι, Ἀριστοτέλους γινώριμοι. Τύρ-
 ταμος δ' ἐκαλεῖτο ἔμπροσθεν ὁ Θεόφραστος, μετωνό- 20
 μασε δ' αὐτὸν Ἀριστοτέλης Θεόφραστον, ἅμα μὲν
 φεύγων τὴν τοῦ προτέρου ὀνόματος κακοφωνίαν, ἅμα
 δὲ τὸν τῆς φράσεως αὐτοῦ ζῆλον ἐπισημαινόμενος·
 ἅπαντας μὲν γὰρ λογίους ἐποίησε τοὺς μαθητάς Ἀρι-
 στοτέλης, λογιώτατον δὲ Θεόφραστον. Ἀντισσα δ' 25
 ἐφεξῆς ἐστὶ τῷ Σιγρίῳ πόλις ἔχουσα λιμένα, ἔπειτα
 Μήθυμνα· ἐντεῦθεν δ' ἦν Ἀρίων ὁ ἐπὶ τῷ δελφίνι
 μυθευόμενος ὑπὸ τῶν περὶ Ἡρόδοτον εἰς Ταίναρον
 σωθῆναι, καταποντωθεὶς ὑπὸ τῶν ληστῶν· οὗτος μὲν
 οὖν κιθααρφδός. καὶ Τέρπανδρον δὲ τῆς αὐτῆς μουσι- 30
 κῆς τεχνίτην γεγονέναι φασὶ καὶ τῆς αὐτῆς νήσου, τὸν
 πρῶτον ἀντὶ τῆς τετραχόρδου λύρας ἑπταχόρδῳ χρη-

σάμενον, καθάπερ καὶ ἐν τοῖς ἀναφερομένοις ἔπεισιν εἰς αὐτὸν λέγεται „σοὶ δ' ἡμεῖς τετράγηνρυν ἀποστρέψαντες ἀοιδὴν ἐπιτατόνρ φόρμιγγι νίους κελαδήσομεν ὕμνους.“ καὶ Ἑλλάνικος δὲ Λέσβιος ὁ συγγραφεὺς καὶ Καλλίας ὁ τὴν Σαπφῶ καὶ τὸν Ἀλκαῖον ἐξηγησάμενος.

Κατὰ δὲ τὸν πορθμὸν τὸν μεταξὺ τῆς Ἀσίας καὶ τῆς Λέσβου νησία ἐστὶ περὶ εἴκοσιν, ὡς δὲ Τιμοσθένης φησί, τετταράκοντα· καλοῦνται δ' Ἑκατόννησοι συνθέτως, ὡς Πελοπόννησος, κατὰ ἔθος τι τοῦ ὕψους γράμματος πλεονάζοντος ἐν τοῖς τοιούτοις, ὡς Μυόννησος καὶ Προκόννησος λέγεται καὶ Ἀλόννησος, ὥστε Ἑκατόννησοί εἰσιν, οἷον Ἀπολλωνόννησοι. Ἑκατος γὰρ ὁ Ἀπόλλων· παρὰ πᾶσαν γὰρ δὴ τὴν παραλίαν ταύτην ὁ Ἀπόλλων ἐκτετίμηται μέχρι Τενέδου, Σμινθεὺς ἢ Κιλλαῖος καλούμενος ἢ Γρυνεὺς ἢ τινα ἄλλην ἐπωνυμίαν ἔχων. πλησίον δὲ τούτων ἐστὶ καὶ ἡ Πορδοσελήνη, πόλιν ὁμώνυμον ἔχουσα ἐν αὐτῇ· καὶ πρὸ τῆς πόλεως ταύτης ἄλλη νῆσος* πόλις μεῖζων αὐτῆς, καὶ πόλις ὁμώνυμος ἔρημος, ἱερὸν ἅγιον ἔχουσα Ἀπόλλωνος.

Τὰς δὲ δυσφημίας τῶν ὀνομάτων φεύγοντες τινες ἐνταῦθα μὲν Πορδοσελήνην δεῖν λέγειν φασί, τὸ δ' Ἀσπορδηνὸν ὄρος τὸ περὶ Πέργαμον, τραχὺ καὶ λυπρὸν ὄν, Ἀσπορηνόν, καὶ τὸ ἱερὸν τὸ ἐνταῦθα τῆς μητρὸς τῶν θεῶν Ἀσπορηνῆς. τί οὖν φήσομεν τὴν πόρδαλιν καὶ τὸν σαπέρδην καὶ τὸν Περδίκκαν καὶ τὸ Σμινθέου „σὺν πορδακοῖσιν ἐκπείσόντες εἵμασιν“ ἀντὶ τοῦ διαβρόχοις, καὶ ἐν τῇ ἀρχαίᾳ που κωμῳδίᾳ „πορδακὸν „τὸ χωρίον“ τὸ λιμνάζον;

Διέχει δ' ἡ Λέσβος τὸ ἴσον ἀπὸ τῆς Τενέδου καὶ Λήμνου καὶ Χίου σχεδόν τι τῶν πεντακοσίων ἐνδοτέρω σταδίων.

- 3 Τοιαύτης δὲ τῆς πρὸς τοὺς Τρῶας οἰκειότητος ὑπαρχούσης τοῖς τε Αἰελεξι καὶ τοῖς Κίλιξι, ζητοῦσιν αἰτίαν δι' ἣν οὐ συγκαταλέγονται καὶ οὗτοι ἐν τῷ καταλόγῳ. εἰκὸς δὲ διὰ τὴν τῶν ἡγεμόνων διαφθορὰν καὶ τὴν τῶν πόλεων ἐκπόρθησιν ὀλίγους ὑπολειφθέντας 5 τοὺς Κίλικας ὑπὸ τῷ Ἑκτορι τάττεσθαι· ὃ τε γὰρ Ἡετίων καὶ οἱ παῖδες αὐτοῦ λέγονται πρὸ τοῦ καταλόγου διαφθορῆναι „ἦτοι μὲν πατέρ' ἀμὸν ἀπέκτανε διὸς „Ἀχιλλεύς, ἐκ δὲ πόλιν πέρσεν Κίλικων, Θήβην ὑψί- „πυλον.“ „οἳ δέ μοι ἐπὶ κασίγνητοι ἔσαν ἐν μεγάροι- 10 „σιν, οἳ μὲν πάντες ἰὼ κίον ἡματι Ἀἰδὸς εἰσω· πάν- „τας γὰρ κατέπεφνε ποδάρκης διὸς Ἀχιλλεύς.“ ὥς δ' αὐτως καὶ οἱ ὑπὸ Μύνητι τοὺς τε ἡγεμόνας ἀποβεβλή- κασι καὶ τὴν πόλιν „καθδὲ Μύνητ' ἔβαλεν καὶ Ἐπί- „στροφον, πέρσεν δὲ πόλιν θείοιο Μύνητος.“ τοὺς δὲ 15 Αἰελεγας τοῖς μὲν ἀγῶσι παρόντας ποιῇ, ὅταν οὕτω λέγῃ „πρὸς μὲν ἄλλος Κᾶρες καὶ Παῖονες ἀγκυλότοξοι „καὶ Αἰελεγες καὶ Καύκωνες,“ καὶ πάλιν „Σάτιιον „οὐτάσσε δουρὶ Οἶνοπίδην, ὃν ἄρα νύμφη τέκε Νῆις „ἀμύμων Οἶνοπι βουκολέοντι παρ' ὄχθας Σατνιόεν- 20 „τος.“ οὐ γὰρ οὕτως ἐξελελοίπεσαν τελείως ὥστε μὴ καὶ καθ' αὐτοὺς ἔχειν τι σύστημα, ἅτε τοῦ βασιλείως αὐτῶν ἔτι περιόντος „Ἄλτεω, ὃς Αἰελέγεσσι φιλοπτο- „λέμοισιν ἀνάσσει,“ καὶ τῆς πόλεως οὐ τελείως ἡφανε- σμένης· ἐπιφέρει γὰρ „Πήδασον αἰπήεσσαν ἔχων ἐπὶ 25 C. 620 „Σατνιόεντι.“ ἐν μέντοι τῷ καταλόγῳ παραλείπειν αὐτούς, οὐχ ἱκανὸν ἡγούμενος τὸ σύστημα ὥστ' ἐν καταλόγῳ τάττεσθαι, ἢ καὶ ὑπὸ τῷ Ἑκτορι καὶ τού- τους συγκαταλέγων οὕτως ὄντας οἰκείους. ὃ γὰρ Λυ- κάων φησὶν ἀδελφὸς ὦν Ἑκτορος „μινυνθάδιον δέ με 30

„μήτηρ γαίνατο Λαοθόη, θυγάτηρ Ἄλταο γέροντος,
 „Ἄλτεω, ὃς Λελέγεσσι φιλοπολέμοισιν ἀνάσσει.“
 ταῦτα μὲν οὖν τοιαύτην τινὰ ἔχει τὴν εἰκοτολογίαν.

Εἰκοτολογεῖν δ' ἔστι καὶ εἰ τις τὸν ἀκριβῆ ζητεῖ 2
 5 κατὰ τὸν ποιητὴν ὅρον μέχρι τίνος οἱ Κίλικες διέτει-
 νον καὶ οἱ Πελασγοὶ καὶ ἔτι οἱ μεταξὺ τούτων Κήτειοι
 λεγόμενοι οἱ ὑπὸ τῷ Εὐρυπύλῳ. περὶ μὲν οὖν τῶν Κι-
 λίκων καὶ τῶν ὑπ' Εὐρυπύλῳ τὰ ἐνόντα εἰρηται, καὶ
 διότι [ἐπὶ] τὰ περὶ τὸν Κάικον μάλιστα περατοῦνται.
 10 τοὺς δὲ Πελασγοὺς εὖλογον τούτοις ἐφεξῆς τιθέναι
 ἔκ τε τῶν ὑπ' Ὀμήρου λεγομένων καὶ ἐκ τῆς ἄλλης
 ἱστορίας. ὁ μὲν γὰρ οὕτω φησὶν „Ἰππόθοος δ' ἄγε
 „φῦλα Πελασγῶν ἐγγεσιμῶρων, τῶν οὐ Λάρισαν ἐρι-
 „βώλακα ναιετάασκον· τῶν ἥρχ' Ἰππόθοός τε Πύ-
 15 „λαιός τ' ὄζος Ἄρρηος, νῆς δ' ὧο Λήθιοιο Πελασγοῦ Τευ-
 „ταμίδαο.“ ἐξ ὧν πληθὺς τε ἐμφαίνει ἀξιόλογον τὸ
 τῶν Πελασγῶν (οὐ γὰρ φῦλον, ἀλλὰ φῦλα ἔφη) καὶ
 τὴν οἰκησιν ἐν Λαρίσῃ φράζει. πολλὰ μὲν οὖν αἱ Λά-
 ρισαι, δεῖ δὲ τῶν ἐγγύς τινα δέξασθαι, μάλιστα δ' ἂν
 20 τὴν περὶ Κύμην ὑπολάβοι τις ὀρθῶς· τριῶν γὰρ οὐ-
 σῶν ἡ μὲν καθ' Ἀμαξιτὸν ἐν ὕψει τελέως ἐστὶ τῷ Ἰλίῳ,
 καὶ ἐγγὺς σφόδρα ἐν διακοσίοις πού σταδίοις, ὥστ'
 οὐκ ἂν λέγοιτο πιθανῶς ὁ Ἰππόθοος πεσεῖν ἐν τῷ ὑπὲρ
 Πατρόκλου ἀγῶνι „τῇλ' ἀπὸ Λαρίσης,“ ταύτης γε,
 25 ἀλλὰ μᾶλλον τῆς περὶ Κύμην· χίλιοι γὰρ πού στάδιοι
 μεταξὺ· τρίτη δ' ἐστὶ Λάρισα κώμη τῆς Ἐφεσίας ἐν
 τῷ Καῦστρίῳ πεδίῳ, ἣν φασὶ πόλιν ὑπάρχει πρότε-
 ρον, ἔχουσιν καὶ ἱερὸν Ἀπόλλωνος Λαρισηνοῦ, πλη-
 σιάζουσιν τῷ Τρωάῳ μᾶλλον ἢ τῇ Ἐφέσῳ· ταύτης
 30 γὰρ ἑκατὸν καὶ ὀγδοήκοντα διέχει σταδίους, ὥστε ὑπὸ
 τοῖς Μήροσιν ἂν τις τάττοι ταύτην. Ἐφέσιοι δ' αὐξη-
 θέντες ὕστερον πολλὴν τῆς τῶν Μηρόνων, οὓς νῦν

Λυδοὺς φαμέν, ἀπετίμοντο, ὥστ' οὐδ' αὐτὴ ἂν ἡ τῶν Πελασγῶν Λάρισα εἴη, ἀλλ' ἐκείνη μᾶλλον. καὶ γὰρ τῆς μὲν ἐν τῇ Καῦστριανῇ Λαρίσῃ οὐδὲν ἔχομεν τεκμήριον ἰσχυρὸν ὥς ἦν ἤδη τότε· οὐδὲ γὰρ τῆς Ἐφέσου.

α. 621 τῆς δὲ περὶ τὴν Κύμην μαρτύριόν ἐστι πᾶσα ἡ Αἰολικὴ ἱστορία μικρὸν ὕστερον τῶν Τρωικῶν γενομένη.

3 Φασὶ γάρ τοὺς ἐκ τοῦ Φρικίου τοῦ ὑπὲρ Θερμοπυλῶν Λοκρικοῦ ὄρους ὀρμηθέντας καταῤῥαι μὲν εἰς τὸν τόπον ὅπου νῦν ἡ Κύμη ἐστὶ, καταλαβόντας δὲ τοὺς Πελασγοὺς κεκακωμένους ὑπὸ τοῦ Τρωικοῦ πολέμου, 10 κατέχοντας δ' ὅμως ἐτι τὴν Λάρισαν διέχουσαν τῆς Κύμης ὅσον ἐβδομήκοντα σταδίους, ἐπιτειχίσαι αὐτοῖς τὸ νῦν ἐτι λεγόμενον Νέον τεῖχος ἀπὸ τριάκοντα σταδίων τῆς Λαρίσῃς, ἐλόντας δὲ κτίσαι τὴν Κύμην καὶ τοὺς περιγενομένους ἀνθρώπους ἐκείσε ἀνοικίσαι· 15 ἀπὸ δὲ τοῦ Λοκρικοῦ ὄρους τὴν τε Κύμην Φρικωνίδα καλοῦσιν, ὁμοίως δὲ καὶ τὴν Λάρισαν· ἐρήμη δ' ἐστὶ νῦν. ὅτι δ' οἱ Πελασγοὶ μέγα ἦν ἔθνος, καὶ ἐκ τῆς ἄλλης ἱστορίας οὕτως ἐκμαρτυρεῖσθαι φασι· Μενικράτης γοῦν ὁ Ἐλαίτης ἐν τοῖς περὶ κτίσεων φησὶ τὴν 20 παραλίαν τὴν νῦν Ἰωνικὴν πᾶσαν ἀπὸ Μυκάλῃς ἀρξαμένην ὑπὸ Πελασγῶν οἰκείσθαι πρότερον καὶ τὰς πλησίον νήσους. Λέσβιοι δ' ὑπὸ Πυλαίῳ τετάχθαι λέγουσι σφᾶς τῷ ὑπὸ τοῦ ποιητοῦ λεγομένῳ τῶν Πελασγῶν ἄρχοντι, ἀφ' οὗ καὶ τὸ παρ' αὐτοῖς ὄρος ἐτι 25 Πύλαιον καλεῖσθαι. καὶ Χιοὶ δὲ οἰκιστάς ἐαυτῶν Πελασγοὺς φασὶ τοὺς ἐκ τῆς Θετταλίας. πολὺ πλανοὺν δὲ καὶ ταχὺ τὸ ἔθνος πρὸς ἀπαναστάσεις, ἠϋξήθη τε ἐπὶ πολὺ καὶ ἀθρόαν ἔλαβε τὴν ἔκλειψιν καὶ μάλιστα κατὰ τὴν τῶν Αἰολέων καὶ τῶν Ἰώνων περαιώσιν εἰς τὴν 30 Ἀσίαν.

4 Ἴδιον δέ τι τοῖς Λαρισαίοις συνέβη τοῖς τε Καῦ-

στριανοῖς καὶ τοῖς Φρικωνεύσι καὶ τρίτοις τοῖς ἐν Θε-
 ταλλίᾳ· ἅπαντες γὰρ ποταμόχωστον τὴν χώραν ἔσχον
 οἱ μὲν ὑπὸ τοῦ Καῦστρου, οἱ δ' ὑπὸ τοῦ Ἑρμου, οἱ δ'
 ὑπὸ τοῦ Πηνειοῦ. ἐν δὲ τῇ Φρικωνίδι Λαρίσῃ τετιμη-
 5 σθαι λέγεται Πιάσος, ὃν φασιν ἄρχοντα Πελασγῶν
 ἐρασθῆναι τῆς θυγατρὸς Λαρίσης, βιασάμενον δ' αὐ-
 τὴν τίσαι τῆς ὕβρεως δίκην· ἐγκύψαντα γὰρ εἰς πίθον
 οἴνου καταμαθοῦσαν τῶν σκελῶν λαβομένην ἐξᾶραι
 καὶ καθεῖναι αὐτὸν εἰς τὸν πίθον. τὰ μὲν οὖν ἀρχαῖα
 10 τοιαῦτα.

Ταῖς δὲ νῦν Αἰολικαῖς πόλεσιν ἔτι καὶ τὰς Αἰγὰς 5
 προσληπτέον καὶ τὴν Τήμνον, ὅθεν ἦν Ἑρμαγόρας ὁ
 τὰς ἡγετορικὰς τέχνας συγγράψας· ἴδρυνται δ' αἱ πό-
 λεις αὗται κατὰ τὴν ὀρεινὴν τὴν ὑπερκειμένην τῆς τε
 15 Κυμαίας καὶ τῆς Φωκαέων καὶ Σμυρναίων γῆς, παρ'
 ἣν ὁ Ἑρμος ῥεῖ. οὐκ ἄπωθεν δὲ τούτων τῶν πόλεων
 οὐδ' ἡ Μαγνησία ἐστὶν ἡ ὑπὸ Σικυλῶ, ἐλευθέρα πόλις
 ὑπὸ Ῥωμαίων κεκριμένη. καὶ ταύτην δ' ἐκάκωσαν οἱ
 νεωστὶ γενόμενοι σεισμοί. εἰς δὲ τάναντία τὰ ἐπὶ τὸν 0.622
 20 Κάικον νεύοντα ἀπὸ Λαρίσης μὲν διαβάντι τὸν Ἑρμον
 εἰς Κύμην ἑβδομήκοντα στάδιοι, ἐντεῦθεν δ' εἰς Μύ-
 ριναν τετταράκοντα στάδιοι, τὸ δ' ἴσον ἐντεῦθεν εἰς
 Γρύνιον κάκειθεν εἰς Ἑλαίαν· ὥς δ' Ἀρτεμίδωρος,
 ἀπὸ τῆς Κύμης εἰσὶν Ἀδαι, εἰτ' ἄκρα μετὰ τετταρά-
 25 κοντα σταδίους ἦν καλοῦσιν Ὑδραν, ἡ ποιοῦσα τὸν
 κόλπον τὸν Ἑλαϊτικὸν πρὸς τὴν ἀπεναντίον ἄκραν
 Ἀρματοῦντα. τοῦ μὲν οὖν στόματος τὸ πλάτος περὶ
 ὀγδοήκοντα σταδίους ἐστίν, ἐγκολπιζοντι δὲ Μύρινα
 ἐν ἑξήκοντα σταδίοις, Αἰολὶς πόλις ἔχουσα λιμένα, εἰτ'
 30 Ἀχαιῶν λιμὴν, ὅπου οἱ βῶμοι τῶν δώδεκα θεῶν, εἴτα
 πολίχνην Μυριναίων Γρύνιον καὶ ἱερὸν Ἀπόλλωνος
 καὶ μαντεῖον ἀρχαῖον καὶ νεὸς πολυτελεῖς λίθου λευ-

κοῦ, στάδιοι δ' ἐπ' αὐτὴν τετταράκοντα· εἴθ' ἑβδομή-
 κοντα εἰς Ἑλαίαν, λιμένα ἔχουσαν καὶ ναύσταθμον
 τῶν Ἀτταλικῶν βασιλείων, Μενεσθέως κτίσμα καὶ τῶν
 σὺν αὐτῷ Ἀθηναίων τῶν συστρατευσάντων ἐπὶ Ἴλιον.
 τὰ δ' ἐξῆς εἴρηται τὰ περὶ Πιτάνην καὶ Ἀταρνέα καὶ ὁ
 τὰλλα τὰ ταύτη·

- 6 Μεγίστη δέ ἐστι τῶν Αἰολικῶν καὶ ἀρίστη Κύμη
 καὶ σχεδὸν μητρόπολις αὕτη τε καὶ ἡ Λέσβος τῶν ἄλ-
 λων πόλεων περὶ τριάκοντά που τὸν ἀριθμὸν, ὧν
 ἐκλελοίπασιν οὐκ ὀλίγαι. σκώπεται δ' εἰς ἀναισθη- 10
 σίαν ἡ Κύμη κατὰ τοιαύτην τινά, ὥς φασιν ἔνιοι,
 δοῖξαν, ὅτι τριακοσίοις ἔτεσιν ὕστερον τῆς κτίσεως
 ἀπέδοντο τοῦ λιμένος τὰ τέλη, πρότερον δ' οὐκ ἔκαρ-
 ποῦτο τὴν πρόσοδον ταύτην ὁ δῆμος· κατέσχευεν οὖν
 δοῖξα ὥς ὅψε ἤσθημένων ὅτι ἐπὶ θαλάττῃ πόλιν οἶ- 15
 κοῖεν. ἐστὶ δὲ καὶ ἄλλος λόγος, ὅτι δανεισάμενοι χρή-
 ματα δημοσίᾳ τὰς στοὰς ὑπέθεντο, εἴτ' οὐκ ἀποδι-
 δύντες κατὰ τὴν ὠρισμένην ἡμέραν εἴργοντο τῶν
 περιπάτων· ὅτε μέντοι ὄμβρος εἶη, κατ' αἰδῶ τινα
 κηρύττοιεν οἱ δανεισταί, κελεύοντες ὑπὸ τὰς στοὰς 20
 ὑπέρχεσθαι· τοῦ δὲ κήρυκος οὕτω φθειγγομένου „ὑπὸ
 τὰς στοὰς ὑπέλθατε,“ ἐκπεσεῖν λόγον ὥς Κυμαίων οὐκ
 αἰσθανομένων ὥς ἐν τοῖς ὄμβροις ὑπὸ τὰς στοὰς
 ὑπελθετέον, ἂν μὴ σημάνῃ τις αὐτοῖς διὰ κηρύγματος.
 ἀνὴρ δ' ἄξιος μνήμης ἐκ τῆσδε τῆς πόλεως ἀναντι- 25
 λέκτως μὲν ἐστὶν Ἐφορος, τῶν Ἰσοκράτους γνωρίμων
 τοῦ ῥήτορος, ὁ τὴν ἱστορίαν συγγράψας καὶ τὰ περὶ
 τῶν εὐρημάτων· καὶ ἔτι πρότερος τούτου Ἡσιόδος ὁ
 ποιητής· αὐτὸς γὰρ εἴρηκεν ὅτι ὁ πατήρ αὐτοῦ Δῖος
 μετῴκησεν εἰς Βοιωτοὺς Κύμην Αἰολίδα προλιπών 30
 „νάσσατο δ' ἄγχ' Ἑλικῶνος διζυρεῇ ἐνὶ κώμῃ Ἀσκηρῇ,
 C.623..χεῖμα κακῇ, θέρει ἀργαλήν, οὐδέ ποτ' ἐσθλῇ.“ Ὀμη-

ρος δ' οὐχ ὁμολογουμένως· πολλοὶ γὰρ ἀμφισβητοῦσιν αὐτοῦ. τὸ δ' ὄνομα ἀπὸ Ἀμαζόνος τῇ πόλει τεθεῖσθαι, καθάπερ καὶ τῇ Μυρίνῃ ἀπὸ τῆς ἐν τῷ Τρωικῷ πεδίῳ κειμένης ὑπὸ τῇ Βατιείᾳ „τὴν ἦτοι ἄνδρες Βατίειαν
 5 „κικλήσκουσιν, ἀθάνατοι δὲ τε σῆμα πολυσκάρθοιο „Μυρίνης.“

Σκώπεται δὲ καὶ ὁ Ἔφορος, διότι τῆς πατρίδος ἔργα οὐκ ἔχων φράζειν ἐν τῇ διαριθμήσει τῶν ἄλλων πράξεων, οὐ μὴν οὐδ' ἀμνημόνευτον αὐτὴν εἶναι θέ-
 10 λων, οὕτως ἐπιφωνεῖ „κατὰ δὲ τὸν αὐτὸν καιρὸν Κυ- „μαῖοι τὰς ἡσυχίας ἤγον.“

Ἐπεὶ δὲ διεληλύθαμεν τὴν Τρωικὴν ἅμα καὶ τὴν Αἰολικὴν παραλίαν, ἐφεξῆς ἂν εἴη τὴν μεσόγαιαν ἐπι-
 δραμεῖν μέχρι τοῦ Ταύρου, φυλάττοντας τὴν αὐτὴν
 15 τῆς ἐφόδου τάξιν.

Ἐχει δὲ τινα ἡγεμονίαν πρὸς τοὺς τόπους τούτους ἡ
 τὸ Πιέργαμον, ἐπιφανὲς πόλις καὶ πολλὴν συνενετυχή-
 σασα χρόνον τοῖς Ἀτταλικοῖς βασιλεῦσι· καὶ δὴ καὶ
 ἐντεῦθεν ἀρκτεῖον τῆς ἐξῆς περιοδείας, καὶ πρῶτον
 20 περὶ τῶν βασιλέων ὁπόθεν ὠρμήθησαν καὶ εἰς ἃ κατέ-
 στρεψαν ἐν βραχέσι δηλωτέον. ἦν μὲν δὴ τὸ Πιέργα-
 μον Λυσιμάχου γαζοφυλάκιον τοῦ Ἀγαθοκλέους, ἐνὸς
 τῶν Ἀλεξάνδρου διαδόχων, αὐτὴν τὴν ἄκραν τοῦ
 ὄρους συνοικουμένην ἔχον· ἐστὶ δὲ στροβιλοειδὲς τὸ
 25 ὄρος εἰς ὁρεῖαν κορυφὴν ἀποληγόν. ἐπεπίστευτο δὲ
 τὴν φυλακὴν τοῦ ἐρύματος τούτου καὶ τῶν χρημάτων
 (ἦν δὲ τάλαντα ἑνακισχίλια) Φιλέταιρος, ἀνὴρ Τιανός,
 θλιβίας ἐκ παιδός· συνέβη γὰρ ἐν τινι ταφῇ θείας οὐ-
 σης καὶ πολλῶν παρόντων ἀποληφθεῖσαν ἐν τῷ ὄχλῳ
 30 τὴν κομίζουσαν τροφὸν τὸν Φιλέταιρον ἐτι νήπιον
 συνθλιβῆναι μέχρι τοσοῦδε ὥστε πηρωθῆναι τὸν παῖ-
 δα. ἦν μὲν δὴ εὐνοῦχος, τραφεὶς δὲ καλῶς ἐφάνη τῆς

πίστεως ταύτης ἄξιος. τέως μὲν οὖν εὖνους διέμεινε
 τῷ *Λυσιμάχῳ*, διανεχθεὶς δὲ πρὸς *Ἀρσινόην* τὴν γυ-
 ναῖκα αὐτοῦ διαβάλλουσαν αὐτὸν ἀπίστησε τὸ χωρίον
 καὶ πρὸς τοὺς καιροὺς ἐπολιτεύετο ὁρῶν ἐπιτηδείους
 πρὸς νεωτερισμόν· ὃς τε γὰρ *Λυσιμάχος* κακοῖς οἰκείοις 5
 περιπεσὼν ἠναγκάσθη τὸν υἱὸν ἀνελεῖν *Ἀγαθοκλέα*,
Σέλευκός τε ἐπελθὼν ὁ *Νικάτωρ* ἐκεῖνόν τε κατέλυσε
 καὶ αὐτὸς κατελύθη δολοφονηθεὶς ὑπὸ *Πτολεμαίου*
 τοῦ *Κεραυνοῦ*. τοιούτων δὲ θορύβων ὄντων διεγένετο
 μένων ἐπὶ τοῦ ἐρύματος ὁ εὐνούχος, καὶ πολιτευόμε- 10
 νος δι' ὑποσχέσεων καὶ τῆς ἄλλης θεραπείας ἀεὶ πρὸς
 τὸν ἰσχύοντα καὶ ἐγγὺς παρόντα· διτέλεσε γοῦν ἔτη
 εἴκοσι κύριος ὢν τοῦ φρουρίου καὶ τῶν χρημάτων.

C.624
 2 Ἦσαν δ' αὐτῷ δύο ἀδελφοί, πρεσβύτερος μὲν *Εὐ-*
μένης νεώτερος δ' *Ἀτταλος*. ἐκ μὲν οὖν τοῦ *Εὐμένους* 15
 ἐγένετο ὁμῶνυμος τῷ πατρὶ *Εὐμένης*, ὅσπερ καὶ δι-
 δέξατο τὸ *Πέργαμον*, καὶ ἦν ἤδη δυνάστης τῶν κύκλῳ
 χωρίων ὥστε καὶ περὶ *Σάρδεις* ἐνίκησε μάχῃ συμβα-
 λὼν *Ἀντίοχον* τὸν *Σελεύκον*. δύο δὲ καὶ εἴκοσιν ἄρξας
 ἔτη τελευτᾷ τὸν βίον. ἐκ δὲ *Ἀττάλου* καὶ *Ἀντιοχίδος* 20
 τῆς *Ἀχαιοῦ* γεγονῶς *Ἀτταλος* διεδέξατο τὴν ἀρχήν,
 καὶ ἀνηγορεύθη βασιλεὺς πρῶτος νικήσας *Γαλάτας*
 μάχῃ μεγάλῃ. οὗτος δὲ καὶ *Ῥωμαίοις* κατέστη φίλος καὶ
 συνεπολέμησε πρὸς *Φίλιππον* μετὰ τοῦ *Ῥοδίων* ναυτι-
 κοῦ· γηραιὸς δὲ ἐτελεύτα βασιλεύσας ἔτη τρία καὶ τετ- 25
 τάρακοντα, κατέλιπε δὲ τέτταρας υἱοὺς ἐξ *Ἀπολλωνί-*
δος Κυζικηνῆς γυναικός, *Εὐμένην* *Ἀτταλον* *Φιλέταιρον*
Ἀθηναίων. οἱ μὲν οὖν νεώτεροι διετέλεσαν ἰδιῶται,
 τῶν δ' ἄλλων ὁ πρεσβύτερος *Εὐμένης* ἐβασίλευσε·
 συνεπολέμησε δὲ οὗτος *Ῥωμαίοις* πρὸς τε *Ἀντίοχον* 30
 τὸν μέγαν καὶ πρὸς *Περσεία*, καὶ ἔλαβε παρὰ τῶν *Ῥω-*
μαίων ἅπασαν τὴν ὑπ' *Ἀντιόχῳ* τὴν ἐντὸς τοῦ *Ταύρου*.

πρότερον δ' ἦν τὰ περὶ Πέργαμον οὐ πολλὰ χωρία
 μέχρι τῆς θαλάττης τῆς κατὰ τὸν Ἑλαίτην κόλπον καὶ
 τὸν Ἀδραμυτιηνόν. κατεσκεύασε δ' οὗτος τὴν πόλιν
 καὶ τὸ Νικηφόριον ἄλσει κατεφύτευσε, καὶ ἀναθήματα
 5 καὶ βιβλιοθήκας καὶ τὴν ἐπὶ τοσόνδε κατοικίαν τοῦ
 Περγάμου τὴν νῦν οὖσαν ἐκείνος προσεφιλοκάλησε·
 βασιλεύσας [δὲ] ἔτη τετταράκοντα καὶ ἑννέα ἀπέλιπεν
 νῆφ' τὴν ἀρχὴν Ἀττάλῳ, γεγονότι ἐκ Στρατονίκης τῆς
 Ἀριαράθου θυγατρὸς τοῦ Καππαδόκων βασιλέως. ἐπί-
 10 τροπον δὲ κατέστησε καὶ τοῦ παιδὸς νέου τελέως ὄντος
 καὶ τῆς ἀρχῆς τὸν ἀδελφὸν Ἀτταλον. ἔν δὲ καὶ εἰκοσιν
 ἔτη βασιλεύσας γέρων οὗτος τελευτᾷ κατορθώσας
 πολλὰ· καὶ γὰρ Δημήτριον τὸν Σελεύκου συγκατεπο-
 λέμησεν Ἀλεξάνδρῳ τῷ Ἀντιόχου καὶ συνεμάχησε Ῥω-
 15 μαίοις ἐπὶ τὸν Ψευδοφίλιππον, ἐχειρώσατο δὲ καὶ
 Λιγγυλιν τὸν Καινῶν βασιλεῖα στρατεύσας εἰς τὴν
 Θράκην, ἀνείλε δὲ καὶ Προυσίαν ἐπισυστήσας αὐτῷ
 Νικομήδῃ τὸν υἱόν, κατέλιπε δὲ τὴν ἀρχὴν τῷ ἐπιτρο-
 πευθέντι Ἀττάλῳ· βασιλεύσας δὲ οὗτος ἔτη πέντε καὶ
 20 κληθεὶς Φιλομήτωρ ἐτελεύτα νόσῳ τὸν βίον, κατέλιπε
 δὲ κληρονόμους Ῥωμαίους· οἱ δ' ἐπαρχίαν ἀπέδειξαν
 τὴν χώραν Ἀσίαν προσαγορεύσαντες ὁμώνυμον τῇ
 ἡπείρῳ. παραρρεῖ δ' ὁ Κάικος τὸ Πέργαμον, διὰ τοῦ
 Καϊκου πεδίου προσαγορευομένου σφόδρα εὐδαίμονα
 25 γῆν διεξιὼν σχεδὸν δέ τι καὶ τὴν ἀρίστην τῆς Μυσίας.
 Ἄνδρες δ' ἐγένοντο ἐλλόγιμοι καθ' ἡμᾶς Περγα-
 30 μνηοὶ Μιθριδάτης τε Μηνοδότου υἱὸς καὶ Ἀδοβο-
 ργωνίδος τοῦ τετραρχικοῦ τῶν Γαλατῶν γένους, ἦν καὶ
 παλλακεῦσαι τῷ βασιλεῖ Μιθριδάτῃ φασίν· ὅθεν καὶ
 τοῦνομα τῷ παιδὶ θίεσθαι τοὺς ἐπιτηδεῖους προσποιη-
 σαμένους ἐκ τοῦ βασιλείως αὐτὸν γεγονέναι. οὗτος
 γοῦν Καίσαρι τῷ θεῷ γενόμενος φίλος εἰς τοσόνδε

προήλθε τιμῆς ὥστε καὶ τετραρχῆς ἀπεδείχθη [ἀπὸ] τοῦ μητρῷου γένους καὶ βασιλεὺς ἄλλων τε καὶ τοῦ Βοσπόρου· κατελύθη δ' ὑπὸ Ἀσάνδρου τοῦ καὶ Φαρνάκην ἀνελόντος τὸν βασιλέα καὶ κατασχόντος τὸν Βόσπορον. οὗτός τε δὴ ὀνόματος ἡξίωται μεγάλου, 5 καὶ Ἀπολλόδωρος ὁ ῥήτωρ ὁ τὰς τέχνας συγγράψας καὶ τὴν Ἀπολλοδώρειον αἵρεσιν παραγαγών, ἥτις ποτ' ἐστὶ· πολλὰ γὰρ ἐπικράτει, μείζονα δὲ ἢ καθ' ἡμᾶς ἔχοντα τὴν κρίσιν, ὧν ἔστι καὶ ἡ Ἀπολλοδώρειος αἵρεσις καὶ ἡ Θεοδώρειος. μάλιστα δὲ ἐξῆρε τὸν Ἀπολλό- 10 δωρον ἡ τοῦ Καίσαρος φιλία τοῦ Σεβαστοῦ, διδάσκαλον τῶν λόγων γενόμενον· μαθητὴν δ' ἔσχεν ἀξιόλογον Διονύσιον τὸν ἐπικληθέντα Ἀττικόν, πολίτην αὐτοῦ· καὶ γὰρ σοφιστὴς ἦν ἱκανὸς καὶ συγγραφεὺς καὶ λογογράφος.

4 Προϋντι δ' ἀπὸ τοῦ πεδίου καὶ τῆς πόλεως ἐπὶ μὲν τὰ πρὸς ἑω μέρη πόλις ἐστὶν Ἀπολλωνία, μετεώροις ἐπικειμένη τόποις· ἐπὶ δὲ τὸν νότον ὄρεινὴ ῥάχis ἐστὶν, ἣν ὑπερβάσι καὶ βαδίζουσιν ἐπὶ Σάρδεων πόλις ἐστὶν ἐν ἀριστερᾷ Θυάτειρα, κατοικία Μακεδόνων, ἣν 20 Μυσῶν ἰσχάτην τινὲς φασίν. ἐν δεξιᾷ δ' Ἀπολλωνίς, διέχουσα Περγάμου τριακοσίους σταδίους, τοὺς δὲ ἰσους καὶ τῶν Σάρδεων· ἐπώνυμος δ' ἐστὶ τῆς Κυζικηνῆς Ἀπολλωνίδος· εἰτ' ἐκδέχεται τὸ Ἑρμου πεδίον καὶ Σάρδεις· τὰ δὲ προσάρκτια τῷ Περγάμῳ τὰ πλεῖ- 25 στα ὑπὸ Μυσῶν ἔχεται τὰ ἐν δεξιᾷ τῶν Ἀβαιτῶν λεγομένων, οἷς συνάπτει ἡ Ἐπίκτητος μέχρι Βιθυνίας.

5 Αἱ δὲ Σάρδεις πόλις ἐστὶ μεγάλη, νεωτέρα μὲν τῶν Τρωικῶν ἀρχαία δ' ὅμως, ἄκραν ἔχουσα εὐερκῇ· βασιλείον δ' ὑπῆρξε τῶν Λυδῶν, οὓς ὁ ποιητὴς καλεῖ 30 Μήονας οἱ δ' ὕστερον Μαίονας, οἱ μὲν τοὺς αὐτοὺς τοὺς Λυδοὺς οἱ δ' ἐτέρους ἀποφαίνοντες· τοὺς δ' αὐ-

τοὺς ἄμεινόν ἐστι λέγειν. ὑπέρκειται δὲ τῶν Σάρδεων
 ὁ Τρωῖλος, εὐδαιμον ὄρος, ἐν τῇ ἀκρωρεῖα σκοπὴν
 ἔχον, ἐξέδραν λευκοῦ λίθου, Περσῶν ἔργον, ἀφ' οὗ
 κατοπτεύεται τὰ κύκλω πεδία καὶ μάλιστα τὸ Καῦ-
 5 στριανόν· περιοικοῦσι δὲ Ἀνδοὶ καὶ Μυσοὶ καὶ Μακε-
 δόνες. ῥεῖ δ' ὁ Πακτωλὸς ἀπὸ τοῦ Τρωῖλου, καταφέρων
 τὸ παλαιὸν ψῆγμα χρυσοῦ πολὺ, ἀφ' οὗ τὸν Κροίσου λε- C.626
 γόμενον πλοῦτον καὶ τῶν προγόνων αὐτοῦ διονομα-
 σθῆναι φασί· νῦν δ' ἐκλείπει τὸ ψῆγμα, ὥς εἴρηται.
 10 καταφέρεται δ' ὁ Πακτωλὸς εἰς τὸν Ἑρμον, εἰς ὃν καὶ ὁ
 Ἕλλος ἐμβάλλει, Φρύγιος νυνὶ καλούμενος· συμπεσόν-
 τες δ' οἱ τρεῖς καὶ ἄλλοι ἀσημότεροι σὺν αὐτοῖς εἰς τὴν
 κατὰ Φώκαιαν ἐκδιδόασι θάλατταν, ὥς Ἡρόδοτός φη-
 σιν. ἄρχεται δ' ἐκ Μυσίας ὁ Ἑρμος, ἐξ ὄρους ἱεροῦ τῆς
 15 Δινδυμήνης, καὶ διὰ τῆς Κατακεκαυμένης εἰς τὴν
 Σαρδιανὴν φέρεται καὶ τὰ συνεχῇ πεδία μέχρι τῆς θα-
 λάττης. ὑπόκειται δὲ τῇ πόλει τό τε Σαρδιανόν πεδίον
 καὶ τὸ τοῦ Κύρου καὶ τὸ τοῦ Ἑρμου καὶ τὸ Καῦστρια-
 νόν, συνεχῇ τε ὄντα καὶ πάντων ἄριστα πεδίων. ἐν δὲ
 20 σταδίοις τετταράκοντα ἀπὸ τῆς πόλεως ἐστὶν ἡ Γυγαία
 μὲν ὑπὸ τοῦ ποιητοῦ λεγομένη [λίμνη], Κολύη δ' ὕστε-
 ρον μετονομασθεῖσα, ὅπου τὸ ἱερὸν τῆς Κολοηνῆς
 Ἀρτέμιδος μεγάλην ἀγιστεῖαν ἔχον. φασὶ δ' ἐνταῦθα
 χορεύειν τοὺς καλάθους κατὰ τὰς ἐορτάς, οὐκ οἶδ'
 25 ὅπως ποτὲ παραδοξολογοῦντες μᾶλλον ἢ ἀληθεύοντες.
 Κειμένων δ' οὕτω πως τῶν ἐπῶν παρ' Ὀμήρῳ 6
 „Μήροσιν αὖ Μίεσθλης τε καὶ Ἀντιφρος ἡγησάσθην, υἱέ
 „Ταλαιμένεος, τῷ Γυγαίῃ τέκε λίμνη, οἷ καὶ Μήρονας
 „ἦγον ὑπὸ Τρωῖλῳ γεγαῶτας,“ προσγράφουσιν τινες
 30 τοῦτο τέταρτον ἔπος „Τρωῖλῳ ὑπὸ νιφόεντι, Ἵδης ἐν
 „πίονι δῆμῳ.“ οὐδεμία δ' εὐρίσκεται Ἵδης ἐν τοῖς Ἀν-
 δοῖς. οἱ δὲ καὶ τὸν Τυχίον ἐνθένδε ποιοῦσιν ὅν φησιν

ὁ ποιητής „σκυτοτόμων ὃχ' ἄριστος ὕδην ἐνι.“ προστι-
 θέασι δὲ καὶ διότι θρυμώδης ὁ τόπος καὶ κεραυνόβολος,
 καὶ ὅτι ἐνταῦθα οἱ Ἄριμοι· καὶ γὰρ τῷ „εἰν' Ἀρίμοις,
 „ὅθι φασὶ Τυφώος ἔμμεναι εὐνὰς“ ἐπεισφέρουσι
 „χωρῶ ἐνὶ θρυόεντι, ὕδης ἐν πίονι δήμῳ.“ ἄλλοι δ' 5
 ἐν Κιλικίᾳ, τινὲς δ' ἐν Συρίᾳ πλάττουσι τὸν μῦθον
 τοῦτον, οἱ δ' ἐν Πιθηκούσσαις, οἱ καὶ τοὺς πιθήκους
 φασὶ παρὰ τοῖς Τυρρηνοῖς ἀρίμους καλεῖσθαι· οἱ δὲ
 τὰς Σάρδεϊς ὕδην ὀνομάζουσιν, οἱ δὲ τὴν ἀκρόπολιν
 αὐτῆς. πιθανωτάτους δ' ὁ Σκῆψιος ἡγῆται τοὺς ἐν τῇ 10
 Κατακεκαυμένη τῆς Μυσίας τοὺς Ἀρίμους τιθέντας.
 Πίνδαρος δὲ συνοικιστοὶ τοῖς ἐν τῇ Κιλικίᾳ τὰ ἐν Πιθη-
 κούσσαις, ἅπερ ἐστὶ πρὸ τῆς Κυμαίας, καὶ τὰ ἐν Σικε-
 λίᾳ· καὶ γὰρ τῇ Αἰτνῇ φησὶν ὑποκίεσθαι τὸν Τυφῶνα
 „τόν ποτε Κιλικίον θρέψεν πολυνύκμον ἄντρον· νῦν 15
 C.627 „γε μὰν ταί θ' ὑπὲρ Κύμας ἀλιερκέες ὄχθαι Σικελία τ'
 „αὐτοῦ πῖξαι στέρνα λαχνάεντα.“ καὶ πάλιν „κείνῳ
 „μὲν Αἶτνα δεσμός ὑπερφίαλος ἀμφίκειται.“ καὶ πάλιν
 „ἀλλ' οἷος ἅπλατον κεραίῃζε θεῶν Τυφῶνα πεντηκον-
 „τακάρανον ἀνάγκῃ Ζεὺς πατὴρ ἐν' Ἀρίμοις ποτέ.“ οἱ 20
 δὲ τοὺς Σύρους Ἀρίμους δέχονται, οὓς νῦν Ἀραμαίους
 λέγουσι, τοὺς δὲ Κίλικας τοὺς ἐν Τροίᾳ μεταναστάντας
 εἰς Συρίαν ἀνφικισμένους ἀποτεμέσθαι παρὰ τῶν Σύ-
 ρων τὴν νῦν λεγομένην Κιλικίαν. Καλλισθένης δ' ἐγ-
 γὺς τοῦ Καλυκάδνου καὶ τῆς Σαρπηδόνης ἄκρας παρ' 25
 αὐτὸ τὸ Κωρύκιον ἄντρον εἶναι τοὺς Ἀρίμους, ἀφ' ὧν
 τὰ ἐγγὺς ὄρη λέγεσθαι Ἄριμα.

- 7 Περιέχεται δὲ τῇ λίμνῃ τῇ Κολόῃ τὰ μνήματα τῶν
 βασιλέων· πρὸς δὲ ταῖς Σάρδεϊσιν ἐστὶ τὸ τοῦ Ἀλυσίου
 ἐπὶ κρηπίδος ὑψηλῆς χῶμα μέγα, ἐργασθέν, ὥς φησιν 30
 Ἡρόδοτος, ὑπὸ τοῦ πλήθους τῆς πόλεως, οὗ τὸ πλεῖστον
 ἔργον αἱ παιδίσκαι συνετέλεισαν· λέγει δ' ἐκεῖνος καὶ

πορνεύεσθαι πάσας· τινὲς δὲ καὶ πόρνης μνήμα λέγουσι τὸν τάφον. χειροποιήτων δὲ τὴν λίμνην ἐνιοὶ ἱστοροῦσι τὴν Κολόην πρὸς τὰς ἐκδοχὰς τῶν πλημμυρίδων, αἱ συμβαίνουσι τῶν ποταμῶν πληρουμένων. Ἐπαιπα δὲ πόλις ἐστὶ καταβαίνουσιν ἀπὸ τοῦ Τρωῶλου πρὸς τὸ τοῦ Καῦστρου πεδίον.

Φησὶ δὲ Καλλισθένης ἀλῶναι τὰς Σάρδεις ὑπὸ 8
Κιμμερίων πρῶτον, εἰθ' ὑπὸ Τρηρῶν καὶ Λυκίων,
ὅπερ καὶ Καλλίνον δηλοῦν τὸν τῆς ἐλεγκτίας ποιητὴν,
10 ὅστις δὲ τὴν ἐπὶ Κύρου καὶ Κροίσου γενέσθαι ἄλω-
σιν. λέγοντος δὲ τοῦ Καλλίνου τὴν ἐφοδὸν τῶν Κιμ-
μερίων ἐπὶ τοὺς Ἑσιονῆας γεγονέναι καθ' ἣν αἱ Σάρ-
δεις ἐάλωσαν, εἰκάζουσιν οἱ περὶ τὸν Σκῆψιον ἱαστὶ
λέγεσθαι Ἑσιονεῖς τοὺς Ἀσιονεῖς· „τάχα γὰρ ἡ Μη-
15 „νία“ φησὶν „Ἀσία ἐλέγετο, καθ' ὃ καὶ Ὅμηρος εἰρη-
κεν „Ἀσίῳ ἐν λειμῶνι Καῦστρίου ἀμφὶ ῥέεθρα.“
ἀναληφθεῖσα δ' ἀξιολόγως ὕστερον διὰ τὴν ἀρετὴν τῆς
χώρας ἡ πόλις καὶ οὐδεμιᾶς λειπομένη τῶν ἀστυγειό-
νων, νεωστὶ ὑπὸ σεισμῶν ἀπέβαλε πολλὴν τῆς κατοι-
20 κίας. ἡ δὲ τοῦ Τιβερίου πρόνοια τοῦ καθ' ἡμᾶς ἡγε-
μόνος καὶ ταύτην καὶ τῶν ἄλλων συχνὰς ἀνέλαβε ταῖς
εὐεργεσίαις, ὅσαι περὶ τὸν αὐτὸν καιρὸν ἐκοινώνησαν
τοῦ αὐτοῦ πάθους.

Ἄνδρες δ' ἀξιόλογοι γέγονασι τοῦ αὐτοῦ γένους 9
25 Διόδωροι δύο οἱ ῥήτορες, ὧν ὁ πρεσβύτερος ἐκαλεῖτο C.628
Ζωνᾶς, ἀνὴρ πολλοὺς ἀγῶνας ἡγωνισμένος ὑπὲρ τῆς
Ἀσίας, κατὰ δὲ τὴν Μιθριδάτου τοῦ βασιλέως ἐφοδὸν
αἰτίαν ἐσχληκῶς ὡς ἀφιστάς παρ' αὐτοῦ τὰς πόλεις ἀπε-
λύσατο τὰς διαβολὰς ἀπολογησάμενος· τοῦ δὲ νεωτέ-
30 ρου φίλου ἡμῖν γενομένου καὶ ἱστορικὰ συγγράμματα
ἐστὶ καὶ μῆλη καὶ ἄλλα ποιήματα τὴν ἀρχαίαν γραφὴν

ἐπιφαίνονται ἰκανῶς. Ξάνθος δὲ ὁ παλαιὸς συγγραφεὺς
 Λυδὸς μὲν λέγεται, εἰ δὲ ἐκ Σάρδεων οὐκ ἴσμεν.

- 0 Μετὰ δὲ Λυδοὺς εἰσιν οἱ Μυσοὶ καὶ πόλις Φιλαδέλ-
 φεια σεισμῶν πλήρης. οὐ γὰρ διαλείπουσιν οἱ τοῖχοι
 διστάμενοι καὶ ἄλλοτ' ἄλλο μέρος τῆς πόλεως κακο-6
 παθοῦν· οἰκοῦσιν οὖν ὀλίγοι διὰ τοῦτο τὴν πόλιν, οἱ
 δὲ πολλοὶ καταβιοῦσιν ἐν τῇ χώρᾳ γεωργοῦντες, ἔχοντες
 εὐδαίμονα γῆν· ἀλλὰ καὶ τῶν ὀλίγων θαυμάζειν ἔστιν
 ὅτι οὕτω φιλοχωροῦσιν, ἐπισφαλεῖς τὰς οἰκῆσεις ἔχον-
 τες· ἐτι δ' ἂν τις μᾶλλον θαυμάσειε τῶν κτισάντων 10
 αὐτήν.

- 11 Μετὰ δὲ ταῦτ' ἔστιν ἡ Κατακεκαυμένη λεγομένη
 χώρα μῆκος μὲν καὶ πεντακοσίων σταδίων πλάτος δὲ
 τετρακοσίων, εἴτε Μυσίαν χρή καλεῖν εἴτε Μηονίαν
 (λέγεται γὰρ ἀμφοτέρως), ἅπαντα ἄδενδρος πλὴν ἀμ- 15
 πέλου τῆς τὸν Κατακεκαυμένην φερούσης οἶνον οὐ-
 δεινὸς τῶν ἐλλογίμων ἀρετῇ λειπόμενον. ἔστι δὲ ἡ ἐπι-
 φάνεια τεφρώδης τῶν πεδίων, ἣ δ' ὀρεινὴ καὶ πετρώ-
 δης μέλαινα ὥς ἂν ἐξ ἐπικαύσεως. εἰκάζουσι μὲν οὖν
 τινες ἐκ κεραυνοβολιῶν καὶ πρηστήρων συμβῆναι τοῦ- 20
 το, καὶ οὐκ ὀκνοῦσι τὰ περὶ τὸν Τυφῶνα ἐνταῦθα μυ-
 θολογεῖν. Ξάνθος δὲ καὶ Ἀριμοῦν τινα λέγει τῶν τό-
 πων τούτων βασιλεία. οὐκ εὐλογον δὲ ὑπὸ τοιούτων πα-
 θῶν τὴν τοσαύτην χώραν ἐμπρησθῆναι ἀθρόως, ἀλλὰ
 μᾶλλον ὑπὸ γηγενοὺς πυρός, ἐκλιπεῖν δὲ νῦν τὰς πη- 25
 γὰς· δείκνυνται δὲ καὶ βόθροι τρεῖς, οὓς φύσας κα-
 λοῦσιν, ὅσον τετταράκοντα ἀλλήλων διεστῶτες στα-
 δίους· ὑπέρκεινται δὲ λόφοι τραχεῖς, οὓς εἰκὸς ἐκ τῶν
 ἀναφυσθηέντων σεσωρεῦσθαι μύδρων. τὸ δ' εὐάμπε-
 λον τὴν τοιαύτην ὑπάρχειν γῆν, λάβοι τις ἂν καὶ ἐκ 30
 τῆς Καταναίας τῆς χωσθείσης τῇ σποδῷ καὶ νῦν ἀπο-
 διδούσης οἶνον δαφιλῇ καὶ καλόν. ἀστειζόμενοι δέ τινες

εἰκότως πυριγενῇ τὸν Διώνυσον λέγεσθαι φασιν, ἐκ τῶν τοιούτων χωρίων τεκμαιρόμενοι.

Τὰ δ' ἐξῆς ἐπὶ τὰ νότια μέρη τοῖς τόποις τούτοις 12
 ἐμπλοπὰς ἔχει μέχρι πρὸς τὸν Ταῦρον, ὥστε καὶ τὰ
 5 Φρύγια καὶ τὰ Καρικὰ καὶ τὰ Λυδία καὶ ἔτι τὰ τῶν
 Μυσῶν δυσδιάκριτα εἶναι παραπίπτοντα εἰς ἄλληλα. 0.629
 εἰς δὲ τὴν σύγχυσιν ταύτην οὐ μικρὰ συλλαμβάνει τὸ
 τοὺς Ῥωμαίους μὴ κατὰ φύλα διελεῖν αὐτούς, ἀλλὰ
 ἕτερον τρόπον διατάξαι τὰς διοικήσεις, ἐν αἷς τὰς ἀγο-
 10 ραίους ποιοῦνται καὶ τὰς δικαιοδοσίας. ὁ μὲν γὰρ Τρω-
 λος ἱκανῶς συνῆκται καὶ περιγραφὴν ἔχει μετρίαν ἐν
 αὐτοῖς ἀφοριζόμενος τοῖς Λυδίοις μέρεσιν, ἡ δὲ Μεσω-
 γίς εἰς τὸ ἀντικείμενον μέρος διατείνει μέχρι Μυκάλης
 ἀπὸ Κελαινῶν ἀρξάμενον, ὥς φησι Θεόπομπος, ὥστε
 15 τὰ μὲν αὐτοῦ Φρύγες κατέχουσι τὰ πρὸς ταῖς Κελαι-
 ναῖς καὶ τῇ Ἀπαμείᾳ, τὰ δὲ Μυσοὶ καὶ Λυδοί, τὰ δὲ
 Κᾶρες καὶ Ἴωνες. οὕτω δὲ καὶ οἱ ποταμοὶ καὶ μάλιστα
 ὁ Μαίανδρος τὰ μὲν διορίζοντες τῶν ἐθνῶν, δι' ὧν δὲ
 μέσοι φερόμενοι δύσληπτον ποιοῦσι τὰκριβές· καὶ περὶ
 20 τῶν πεδίων δὲ τῶν ἐφ' ἑκάτερα τῆς τε ὀρεινῆς καὶ τῆς
 ποταμίας ὁ αὐτὸς λόγος. οὐδ' ἡμῖν ἴσως ἐπὶ τοσοῦτον
 φροντιστέον ὥς ἀναγκαῖον χωρομετροῦσιν, ἀλλὰ το-
 σοῦτον μόνον ὑπογραπτέον ὅσον καὶ οἱ πρὸ ἡμῶν πα-
 ραδεδώκασι.

25 Τῷ δὲ Καῦστριανῷ πεδίῳ μεταξὺ πίπτοντι τῆς τε 13
 Μεσωγίδος καὶ τοῦ Τρωῶλου συνεχές ἐστι πρὸς ἕω τὸ
 Κιλβιανὸν πεδίου πολὺ τε καὶ συνοικούμενον εὖ καὶ
 χώραν ἔχον σπουδαίαν· εἴτα τὸ Ὑρκάνιον πεδίον, Περ-
 σῶν ἐπονομασάντων καὶ ἐποίκους ἀγαρόντων ἐκεῖθεν
 30 (ὁμοίως δὲ καὶ τὸ Κύρου πεδίου Πέρσαι κατωνόμασαν)·
 εἴτα τὸ Πελτηνὸν πεδίου, ἥδη Φρύγιον, καὶ τὸ Κιλ-
 λάνιον καὶ τὸ Ταβηνόν, ἔχοντα πόλιν καὶ μιξοφρυ-

γίους ἐχούσας τι καὶ Πισιδικόν, ἀφ' ὧν αὐτὰ κατωνομάσθη.

- 14 Ὑπερβαλοῦσι δὲ τὴν Μεσσηνίδα τὴν μεταξὺ Καραῶν τε καὶ τῆς Νυσαίδος, ἣ ἐστὶ χώρα κατὰ τὰ τοῦ Μαιάνδρου πέραν μέχρι τῆς Κιβυράτιδος καὶ τῆς Καβαλίδος, πόλεις εἰσὶ πρὸς μὲν τῇ Μεσσηνίδι καταντικρὺ Λαοδικαίας Ἱερὰ πόλεις, ὅπου τὰ θερμὰ ὕδατα καὶ τὸ Πλουτώνιον, ἄμφω παραδοξολογίαν τινὰ ἔχοντα· τὸ μὲν γὰρ ὕδωρ οὕτω ῥαδίως εἰς πῶρον μεταβάλλει πηττόμενον ὥστ' ὀχετοὺς ἐπάγοντες φραγμοὺς ἀπεργάζονται μονολίθους, τὸ δὲ Πλουτώνιον ὑπ' ὀφρύϊ μικρᾷ τῆς ὑπερκειμένης ὄρεινῆς στόμιόν ἐστι σύμμετρον ὅσον ἀνθρώπου δέξασθαι δυνάμενον, βεβᾶθυνται δ' ἐπὶ πολὺ· πρόκειται δὲ τούτου δρυφάκτωμα τετράγωνον ὅσον ἡμιπλέθρου τὴν περίμετρον· τοῦτο δὲ πληρὲς 15 ἐστὶν ὀμιχλῶδους παχείας ἀχλύος ὥστε μόγις τοῦδαφος καθορᾶν. τοῖς μὲν οὖν κύκλῳ πλησιάζουσι πρὸς τὸν δρυφάκτον ἄλυπός ἐστιν ὁ ἀήρ, καθαρεύων ἐκείνης τῆς ἀχλύος ἐν ταῖς νηνεμίαις· συμμένει γὰρ ἐντὸς τοῦ 0.630 περιβόλου· τῷ δ' εἰσὼ παριόντι ζῶν θάνατος παρα- 20 χρῆμα ἀπαντᾷ· ταῦτοι γοῦν εἰσαχθέντες πίπτουσι καὶ ἐξέλκονται νεκροί, ἡμεῖς δὲ στρουθία ἐπέμψαμεν καὶ ἐπεσεν εὐθὺς ἐκπνεύσαντα· οἱ δ' ἀπόκοποι Γάλλοι παρίασιν ἀπαθεῖς, ὥστε καὶ μέχρι τοῦ στομίου πλησιάζειν καὶ ἐγκύπτειν καὶ καταδύνειν μέχρι ποσοῦ συνέ- 25 χοντας ὥς ἐπὶ τὸ πολὺ τὸ πνεῦμα· ἐωρῶμεν γὰρ ἐκ τῆς ὄψεως ὥς ἂν πνιγῶδους τινὸς πάθους ἔμφρασιν, εἴτ' ἐπὶ πάντων [τῶν] οὕτω πεπηρωμένων * τοῦτο εἴτε μόνων τῶν περὶ τὸ ἱερόν, καὶ εἴτε θείᾳ προνοίᾳ, καθάπερ ἐπὶ τῶν ἐνθουσιασμάτων εἰκός, εἴτε ἀντιδότοις τισὶ δυ- 30 νάμεσι τούτου συμβαίνοντος. τὸ δὲ τῆς ἀπολιθώσεως καὶ ἐπὶ τῶν ἐν Λαοδικαίᾳ ποταμῶν φασὶ συμβαίνειν

καίπερ ὄντων ποτίμων. ἔστι δὲ καὶ πρὸς βαφὴν ἐρίων
θαυμασιῶς σύμμετρον τὸ κατὰ τὴν Ἱερὰν πόλιν ὕδωρ,
ὥστε τὰ ἐκ τῶν ῥιζῶν βαπτόμενα ἐνάμιλλα εἶναι τοῖς
ἐκ τῆς κόκκου καὶ τοῖς ἀλουργίσιν· οὕτω δ' ἔστιν
5 ἄφθονον τὸ πλῆθος τοῦ ὕδατος ὥστε ἡ πόλις μεστὴ
τῶν αὐτομάτων βαλανείων ἐστί.

Μετὰ δὲ τὴν Ἱερὰν πόλιν τὰ πέραν τοῦ Μαιάν- 15
δρου. τὰ μὲν οὖν περὶ Λαοδίκειαν καὶ Ἀφροδισιάδα
καὶ τὰ μέχρι Καρούρων εἰρηται· τὰ δ' ἐξῆς ἐστί τὰ μὲν
10 πρὸς δύσιν ἢ τῶν Ἀντιοχείων πόλις τῶν ἐπὶ Μαιάνδρῳ,
τῆς Καρίας ἥδη· τὰ δὲ πρὸς νότον ἢ Κιβύρα ἐστὶν ἡ
μεγάλη καὶ ἡ Σίνδα καὶ ἡ Καβαλὶς μέχρι τοῦ Ταύρου
καὶ τῆς Λυκίας. ἡ μὲν οὖν Ἀντιόχεια μετρία πόλις ἐστὶν
ἐπ' αὐτῷ κειμένη τῷ Μαιάνδρῳ κατὰ τὸ πρὸς τῇ Φρυ-
15 γίᾳ μέρος, ἐπέξενκται δὲ γέφυρα· χώραν δ' ἔχει πολλὴν
ἐφ' ἐκάτερα τοῦ ποταμοῦ πᾶσαν εὐδαίμονα, πλείστην
δὲ φέρει τὴν καλουμένην Ἀντιοχικὴν ἰσχάδα· τὴν δὲ
αὐτὴν καὶ τριφυλλὸν ὀνομάζουσιν· εὖσειστος δὲ καὶ
οὗτός ἐστιν ὁ τόπος. σοφιστὴς δὲ παρὰ τούτοις ἐνδοξος
20 γεγένηται Διοτρέφης, οὗ διήκουσεν Ἐβρέας ὁ καθ'
ἡμᾶς γενόμενος μέγιστος ῥήτωρ.

Σολύμους δ' εἶναι φασὶ τοὺς Καβαλεῖς· τῆς γοῦν 16
Τερμησέων ἄκρας ὁ ὑπερκείμενος λόφος καλεῖται Σό-
λυμος, καὶ αὐτοὶ δὲ οἱ Τερμησσεῖς Σόλυμοι καλοῦνται.
25 πλησίον δ' ἐστὶ καὶ ὁ Βελλεροφόντου χάραξ καὶ ὁ Πει-
σάνδρου τάφος τοῦ υἱοῦ [αὐτοῦ] πεσόντος ἐν τῇ πρὸς
Σολύμους μάχῃ. ταῦτα δὲ καὶ τοῖς ὑπὸ τοῦ ποιητοῦ
λεγομένοις ὁμολογεῖται· περὶ μὲν γὰρ τοῦ Βελλερο-
φόντου φησὶν οὕτως „δεύτερον αὖ Σολύμοισι μαχίσ-
30 „σατο κυδαλίμοισι.“ περὶ δὲ τοῦ παιδὸς αὐτοῦ „Πεί-C.631
„σανδρον δὲ οἱ υἱὸν Ἄρης ἄτος πολέμοιο μαρνάμενον
„Σολύμοισι κατεκτανεν.“ ἡ δὲ Τερμησσός ἐστι Πισι-
5*

δικη πόλις ἢ μάλιστα καὶ ἔγγιστα ὑπερκειμένη τῆς Κιβύρας.

- 17 Λέγονται δὲ ἀπόγονοι *Αυδῶν* οἱ *Κιβυράται* τῶν κατασχόντων τὴν *Καβαλίδα*· ὕστερον δὲ *Πισιδῶν* τῶν ὁμόρων ἐποικησάντων καὶ μετακτισάντων εἰς ἕτερον 5 τόπον εὐεργέστατον ἐν κύκλῳ σταδίων περὶ ἑκατόν. ἠϋξήθη δὲ διὰ τὴν εὐνομίαν, καὶ αἱ κῶμαι παρεξέτειναν ἀπὸ *Πισιδίας* καὶ τῆς ὁμόρου *Μιλυάδος* ἕως *Αυκίας* καὶ τῆς *Ροδίων* περαιάς· προσγενομένων δὲ τριῶν πόλεων ὁμόρων, *Βουβαῶνος* *Βαλβούρων* *Οἰνοάνδων*, τετράπο- 10 λιν τὸ σύστημα ἐκλήθη, μίαν ἐκάστης ψῆφον ἐχούσης, δύο δὲ τῆς *Κιβύρας*· ἔστειλε γὰρ αὕτη πεζῶν μὲν πρεῖς μυριάδας ἱππέας δὲ δισχιλίους· ἐτυραννεῖτο δ' αἰεὶ, σωφρόνως δ' ὅμως· ἐπὶ *Μοαγέτου* δ' ἡ τυραννὶς τέλος ἔσχε, καταλύσαντος αὐτὴν *Μουρηνᾶ* καὶ *Αυκίοις* προσ- 15 ορίσαντος τὰ *Βάμβουρα* καὶ τὴν *Βουβῶνα*· οὐδὲν δ' ἦπτον ἐν ταῖς μεγίσταις ἐξετάζεται διοικήσεις τῆς *Ἀσίας* ἢ *Κιβυρατικῆς*. τέτταρσι δὲ γλώτταις ἐχρῶντο οἱ *Κιβυράται*, τῇ *Πισιδικῇ* τῇ *Σολύμων* τῇ *Ἑλληνίδι* τῇ *Αυδῶν*· δὲ οὐδ' ἔχνος ἐστὶν ἐν *Αυδίᾳ*. ἴδιον δ' ἐστὶν 20 ἐν *Κιβύρᾳ* τὸ τὸν σίδηρον τορεύεσθαι ῥαδίως. *Μιλύα* δ' ἐστὶν ἢ ἀπὸ τῶν κατὰ *Τερμησσὸν* στενῶν καὶ τῆς εἰς τὸ ἐντὸς τοῦ *Ταύρου* ὑπερθέσεως δι' αὐτῶν ἐπὶ *Ἰσινδα* παρατείνουσα ὁρεινὴ μέχρι *Σαγαλασσοῦ* καὶ τῆς *Ἀπαμέων* χώρας.

25

- C.632 *Λοικόν* δ' ἐστὶν εἰπεῖν περὶ *Ἰώνων* καὶ *Καρῶν* καὶ τῆς ἔξω τοῦ *Ταύρου* παραλίας, ἣν ἔχουσι *Αὐκιοί* τε 30 καὶ *Πάμφυλοι* καὶ *Κίλικες*· οὕτω γὰρ ἂν ἔχοι τέλος ἡ πᾶσα τῆς χειρρονήσου περιήγησις, ἥς ἰσθμὸν ἔφαμεν

τὴν ὑπέρβασιν τὴν ἐκ τῆς Ποντικῆς θαλάττης ἐπὶ τὴν Ἰσσικὴν.

Ἔστι δὲ τῆς Ἰωνίας ὁ μὲν περίπλους ὁ παρὰ γῆν 2
σταδίων που τρισχιλίων τετρακοσίων τριάκοντα διὰ
6 τοὺς κόλπους καὶ διὰ τὸ χερρονησίειν ἐπὶ πλεον τὴν
χώραν, τὸ δ' ἐπ' εὐθείας μῆκος οὐ πολὺ. αὐτὸ οὖν τὸ
ἐξ Ἐφέσου μέχρι Σμύρνης ὁδὸς μὲν ἐστὶν ἐπ' εὐθείας
τριακόσιοι εἰκοσι στάδιοι· εἰς γὰρ Μητρόπολιν ἑκατὸν
καὶ εἰκοσι στάδιοι, οἱ λοιποὶ δὲ εἰς Σμύρναν· περί-
10 πλους δὲ μικρὸν ἀπολείπων τῶν δισχιλίων καὶ διακο-
σίων. ἔστι δ' οὖν ἀπὸ τοῦ Ποσειδίου τοῦ Μιλησίων
καὶ τῶν Καρικῶν ὄρων μέχρι Φωκαίας καὶ τοῦ Ἑρμου
τὸ πέρας τῆς Ἰωνικῆς παραλίας.

Ταύτης δὲ φησι Φερεκύδης Μίλητον μὲν καὶ Μυ- 3
15 οὔντα καὶ τὰ περὶ Μυκάλην καὶ Ἐρεσον Κᾶρας ἔχειν
πρότερον, τὴν δ' ἐξῆς παραλίαν μέχρι Φωκαίας καὶ
Χίον καὶ Σάμον, ἧς Ἀγκαῖος ἤρχε, Αἰλέγας· ἐκβληθῆ-
ναι δ' ἀμφοτέρους ὑπὸ τῶν Ἰώνων καὶ εἰς τὰ λοιπὰ
μέρη τῆς Καρίας ἐκπασεῖν. ἄρξαι δὲ φησιν Ἀνδροκλον
20 τῆς τῶν Ἰώνων ἀποικίας, ὕστερον τῆς Αἰολικῆς, υἱὸν
γνήσιον Κόδρου τοῦ Ἀθηναίων βασιλέως, γενέσθαι δὲ
τοῦτον Ἐφέσου κτίστην. διόπερ τὸ βασίλειον τῶν Ἰω- 0.633
νων ἐκεῖ συστήναί φασι, καὶ ἔτι νῦν οἱ ἐκ τοῦ γένους
ὀνομάζονται βασιλεῖς ἔχοντές τινας τιμὰς, προεδρίαν
25 τε ἐν ἀγῶσι καὶ πορφύραν ἐπίσημον τοῦ βασιλικοῦ γέ-
νους, σκίπωνα ἀντὶ σκήπτρου, καὶ τὰ ἱερὰ τῆς Ἐλευσι-
νίας Διήμητρος. καὶ Μίλητον δ' ἔκτισεν Νηλεὺς ἐκ
Πύλου τὸ γένος ὧν· οἳ τε Μεσσήνιοι καὶ οἱ Πύλιοι
συγγένειάν τινα προσποιοῦνται, καθ' ἣν καὶ Μεσσή-
30 νιον τον Νέστορα οἱ νεώτεροί φασι ποιηταί, καὶ τοῖς
περὶ Μέλανθον τὸν Κόδρου πατέρα πολλοὺς καὶ τῶν
Πυλίων συνεξᾶραι φασιν εἰς τὰς Ἀθήνας· τοῦτον δὲ

πάντα τὸν λαὸν μετὰ τῶν Ἰωάνων κοινῇ στείλαι τὴν ἀποικίαν· τοῦ δὲ Νηλείως ἐπὶ τῷ Ποσειδίῳ βωμὸς ἱδρυμα δαίνυνται. Κυδρηῆλος δὲ νόθος υἱὸς Κόδρου Μνῶντα κτίζει· Ἀνδρόπομπος δὲ Λέβεδον καταλαβόμενος τόπον τινα Ἄρτιν· Κολοφῶνα δ' Ἀνδραίμων 5 Πύλιος, ὃς φησι καὶ Μίμνερμος ἐν Ναννοί· Πριήνην δ' Αἴπυτος ὁ Νηλείως, εἰθ' ὕστερον Φιλωτᾶς ἐκ Θηβῶν λαὸν ἀγαγών· Τέω δὲ Ἀθάμας μὲν πρότερον, διόπερ Ἀθαμαντίδα καλεῖ αὐτὴν Ἀνακρέων, κατὰ δὲ τὴν Ἰω- νικὴν ἀποικίαν Ναυκλὸς υἱὸς Κόδρου νόθος, καὶ μετὰ 10 τοῦτον Ἀποικὸς καὶ Λάμασος Ἀθηναῖοι καὶ Γέρης ἐκ Βοιωτῶν· Ἐρυθρὰς δὲ Κνώπος, καὶ οὗτος υἱὸς Κόδρου νόθος· Φώκαιαν δ' οἱ μετὰ Φιλογένοὺς Ἀθηναῖοι· Κλαζομενάς δὲ Πάραλος· Χίον δὲ Ἐγέρτιος, σύμμικτον ἐπαγαγόμενος πλῆθος· Σάμον δὲ Τεμβρίων, εἰθ' ὕστε- 15 ρον Προκλής.

- 4 Αὗται μὲν δώδεκα Ἰωνικαὶ πόλεις, προσελήφθη δὲ χρόνοις ὕστερον καὶ Σμύρνα εἰς τὸ Ἰωνικὸν ἐναγα- γόντων Ἐφεσίων· ἦσαν γὰρ αὐτοῖς σύνοικοι τὸ πα- λαιόν, ἥνίκα καὶ Σμύρνα ἐκαλεῖτο ἡ Ἐφεσος· καὶ Καλ- 20 λινός που οὕτως ὠνόμακεν αὐτήν, Σμυρναίους τοὺς Ἐφεσίους καλῶν ἐν τῷ πρὸς τὸν Δία λόγῳ „Σμυρ- „ναίους δ' ἐλέησον“ καὶ πάλιν „μνησάμενοι δ' εἰκοτέ τοι „μηρία καλὰ βοῶν [Σμυρναῖοι κατέκταναν].“ Σμύρνα δ' ἦν Ἀμαζῶν ἡ κατασχοῦσα τὴν Ἐφεσον, ἀφ' ἧς τοῦ- 25 νομα καὶ τοῖς ἀνθρώποις καὶ τῇ πόλει, ὥς καὶ ἀπὸ Σι- σύρβης Σισυρβίται τινὲς τῶν Ἐφεσίων ἐλέγοντο· καὶ τόπος δὲ τις τῆς Ἐφεσον Σμύρνα ἐκαλεῖτο, ὥς δηλοῖ Ἰππῶναξ „ᾧκει δ' ὀπισθε τῆς πόλιος ἐν Σμύρνη με- „ταξὺ Τρηχέης τε καὶ Λεπρῆς ἀκτῆς.“ ἐκαλεῖτο γὰρ 30 Λεπρὴ μὲν ἀκτὴ ὁ πρηγὼν ὁ ὑπερκείμενος τῆς νῦν πό- λιος, ἔχων μέρος τοῦ τείχους αὐτῆς· τὰ γοῦν ὀπισθεν

- τοῦ προηῶνος κτήματα ἔτι νυνὶ λέγεται ἐν τῇ Ὀπισθο-C 634
 λεπρία· Τραχεῖα δ' ἐκαλεῖτο ἡ περὶ τὸν Κορησσὸν πα-
 ρώρειος· ἡ δὲ πόλις ἦν τὸ παλαιὸν περὶ τὸ Ἀθήναιον
 τὸ νῦν ἔξω τῆς πόλεως ὃν κατὰ τὴν καλουμένην Τρέ-
 5 λαιον, ὥστε ἡ Σμύρνα ἦν κατὰ τὸ νῦν γυμνάσιον ὀπι-
 σθεν μὲν τῆς τότε πόλεως, μεταξὺ δὲ Τρηχέης τε καὶ
 Λεπρῆς ἀκτῆς. ἀπελθόντες δὲ παρὰ τῶν Ἐφεσίων οἱ
 Σμυρναῖοι στρατεύουσιν ἐπὶ τὸν τόπον, ἐν ᾧ νῦν ἔστιν
 ἡ Σμύρνα, Λελέγων κατεχόντων· ἐκβαλόντες δ' αὖ-
 10 τοὺς ἔκτισαν τὴν παλαιὰν Σμύρναν διέχουσιν τῆς νῦν
 περὶ εἴκοσι σταδίους· ὕστερον δὲ ὑπὸ Αἰολέων ἐκπε-
 σόντες κατέφυγον εἰς Κολοφῶνα, καὶ μετὰ τῶν ἐν-
 θένδε ἐπιόντες τὴν σφετέρην ἀπέλαβον· καθάπερ καὶ
 Μίμνερος ἐν τῇ Ναννοῖ φράζει μνησθεὶς τῆς Σμύρνης
 15 ὅτι περιμάχτος αἰεὶ „ἡμεῖς δὴν τε Πύλον Νηλήιον
 „ἄστυ λιπόντες ἱμερτὴν Ἀσίην νηυσὶν ἀφικόμεθα· ἐς
 „δ' ἐρατὴν Κολοφῶνα βίην ὑπέροπλον ἔχοντες ἐξό-
 „μεθ' ἀργαλέης ὕβριος ἡγεμόνες· κείθεν δ' *ἀστήεν-
 „τος ἀπορνύμενοι ποταμοῖο θεῶν βουλῇ Σμύρνην αἶ-
 20 „λομεν Αἰολίδα.“ ταῦτα μὲν περὶ τούτων· ἐφοδευτέον
 δὲ πάλιν τὰ καθ' ἕκαστα, τὴν ἀρχὴν ἀπὸ τῶν ἡγεμονι-
 κωτέρων τόπων ποιησαμένους, ἐφ' ὧν περ καὶ πρῶτον
 αἱ κτίσεις ἐγένοντο, λέγω δὲ τῶν περὶ Μίλητον καὶ
 Ἐφεσον· αὗται γὰρ ἄρισται πόλεις καὶ ἐνδοξόταται.
- 25 Μετὰ δὲ τὸ Ποσειδῖον τὸ Μιλησίων ἔστιν ἐστὶ τὸ 5
 μαντεῖον τοῦ Διδυμῆος Ἀπόλλωνος τὸ ἐν Βραγχίδαῖς
 ἀναβάντι ὅσον ὀκτωκαίδεκα σταδίους· ἐνεπρήσθη δ'
 ὑπὸ Ξέρξου, καθάπερ καὶ τὰ ἄλλα ἱερὰ πλὴν τοῦ ἐν
 Ἐφέσῳ· οἱ δὲ Βραγχίδαι τοὺς θησαυροὺς τοῦ θεοῦ
 30 παραδόντες τῷ Πέρσῃ φεύγοντι συναπῆραν τοῦ μη-
 τίσαι δίκας τῆς ἱεροσυλίας καὶ τῆς προδοσίας· ὕστερον
 δ' οἱ Μιλήσιοι μέγιστον νεῶν τῶν πάντων κατεσκεύα-

σαν, διέμεινε δὲ χωρὶς ὀροφῆς διὰ τὸ μέγεθος· κώμης γοῦν κατοικίαν ὁ τοῦ σηκοῦ περίβολος δέδεκται καὶ ἄλλος ἐντός τε καὶ ἐκτὸς πολυτελής· ἄλλοι δὲ σηκοὶ τὸ μαντεῖον καὶ τὰ ἱερὰ συνέχουσιν· ἐνταῦθα δὲ μυθεύεται τὰ περὶ τὸν Βράγχον καὶ τὸν ἔρωτα τοῦ Ἀπόλλωνος· κεκόσμηται δ' ἀναθήμασι τῶν ἀρχαίων τεχνῶν πολυτελέστατα· ἐνταῦθεν δ' ἐπὶ τὴν πόλιν οὐ πολλὴ ὁδὸς ἐστὶν οὐδὲ πλουῦς.

- 6 Φησὶ δ' Ἐφορος τὸ πρῶτον κτίσμα εἶναι Κρητικόν, ὑπὲρ τῆς θαλάττης τετειχισμένον, ὅπου νῦν ἡ 10
 πάλαι Μίλητος ἐστὶ, Σαρπηδόνης ἐκ Μιλήτου τῆς Κρητικῆς ἀγαρόντος οἰκήτορας καὶ θεμένου τοῦνομα τῇ
 0.633 πόλει τῆς ἐκεῖ πόλεως ἐπώνυμον, κατεχόντων πρότερον
 Ἀελέγων τὸν τόπον· τοὺς δὲ περὶ Νηλέα ὕστερον τὴν
 νῦν τειχίσαι πόλιν. ἔχει δὲ τέτταρας λιμένας ἡ νῦν, ὧν 15
 ἓνα καὶ στόλῳ ἱκανόν. πολλὰ δὲ τῆς πόλεως ἔργα ταύτης,
 μέγιστον δὲ τὸ πλῆθος τῶν ἀποικιῶν· ὃ τε γὰρ
 Εὐξείνιος πόντος ὑπὸ τούτων συνφύκισται πᾶς καὶ ἡ
 Προποντὶς καὶ ἄλλοι πλείους τόποι. Ἀναξιμένης γοῦν
 ὁ Λαμψακηνὸς οὕτω φησὶν ὅτι καὶ Ἰκαρον τὴν νῆσον 20
 καὶ Αἴρον Μιλήσιοι συνφύκισαν καὶ περὶ Ἑλλήσποντον
 ἐν μὲν τῇ Χερρονήσῳ Αἰμνας, ἐν δὲ τῇ Ἀσίᾳ Ἀβυδὸν
 Ἀρισβαν Παισόν, ἐν δὲ τῇ Κυζικηνῶν νήσῳ Ἀρτάκην
 Κύζικον, ἐν δὲ τῇ μεσογαίᾳ τῆς Τρωάδος Σκῆψιν·
 ἡμεῖς δ' ἐν τοῖς καθ' ἕκαστα λέγομεν καὶ τὰς ἄλλας τὰς 25
 ὑπὸ τούτου παραλειμμένας.

Οὐλίον δ' Ἀπόλλωνα καλοῦσιν τινὰ καὶ Μιλήσιοι καὶ Ἀῆλιοι, οἷον ὑγιαστικὸν καὶ παιωνικόν· τὸ γὰρ οὐλεῖν ὑγιαίνειν, ἀφ' οὗ καὶ τὸ οὐλή καὶ τό „οὐλέ τε „καὶ μέγα χαῖρε.“ ἰατρικὸς γὰρ ὁ Ἀπόλλων· καὶ ἡ Ἀρ- 30
 τεμις ἀπὸ τοῦ ἀρτεμέας ποιεῖν· καὶ ὁ Ἥλιος δὲ καὶ ἡ Σελήνη συνοικιοῦνται τούτοις, ὅτι τῆς περὶ τοὺς αἴρας

εὐκρασίας αἰτιοί· καὶ τὰ λοιμικὰ δὲ πάθη καὶ τοὺς αὐτομάτους θανάτους τούτοις ἀνάπτουσι τοῖς θεοῖς.

Ἄνδρες δ' αἷιοι μνήμης ἐγένοντο ἐν τῇ Μιλήτῳ 7
Θαλῆς τε εἰς τῶν ἐπὶ σοφῶν, ὁ πρῶτος φυσιολογίας
5 ἄρξας ἐν τοῖς Ἑλλήσι καὶ μαθηματικῆς, καὶ ὁ τούτου
μαθητὴς Ἀναξίμανδρος καὶ ὁ τούτου πάλιν Ἀναξιμέ-
νης, ἔτι δ' Ἐκτατος ὁ τὴν ἱστορίαν συντάξας, καθ'
ἡμᾶς δὲ Αἰσχίνης ὁ ῥήτωρ, ὃς ἐν φυγῇ διετέλεσε, παρ-
ρησιασάμενος πέρα τοῦ μετρίου πρὸς Πομπήιον Μά-
10 γνον. ἠτύχησε δ' ἡ πόλις ἀποκλείσασα Ἀλέξανδρον
καὶ βίᾳ ληφθεῖσα, καθάπερ καὶ Ἀλικαρνασός· ἔτι δὲ
πρότερον ὑπὸ Περσῶν· καὶ φησί γε Καλλισθένης ὑπ'
Ἀθηναίων χιλίαις δραχμαῖς ζημιωθῆναι Φρύνιχον τὸν
τραγικόν, διότι δραῖμα ἐποίησε Μιλήτου ἄλωσιν ὑπὸ
15 Λαρείου.

Πρόκειται δ' ἡ Λάδη νῆσος πλησίον καὶ τὰ περὶ
τὰς Τραγαίας νησίᾳ ὑφόρους ἔχοντα λησταῖς. ἔξης δ' 8
ἐστὶν ὁ Λατμικὸς κόλπος, ἐν ᾧ Ἡράκλεια ἡ ὑπὸ Λάτμω
λεγομένη, πολίχνην ὑφορμον ἔχον· ἐκαλεῖτο δὲ πρό-
20 τερον Λάτμος ὁμωνύμως τῷ ὑπερκειμένῳ ὄρει, ὅπερ
Ἐκτατος μὲν ἐμφαίνει τὸ αὐτὸ εἶναι νομίζων τῷ ὑπὸ
τοῦ ποιητοῦ Φθειρῶν ὄρει λεγομένῳ (ὑπὲρ γὰρ τῆς
Λάτμου φησὶ τὸ Φθειρῶν ὄρος καῖσθαι), τινὲς δὲ τὸ
Γρίον φασίν, ὥς ἂν παράλληλον τῷ Λάτμῳ ἀνῆκον
25 ἀπὸ τῆς Μιλησίας πρὸς ἕω διὰ τῆς Καρίας μέχρι Εὐ-
C.636
ρώμου καὶ Καλκητόρων· ὑπέρεται δὲ ταύτης ἐν ὄψει.
μικρὸν δ' ἄπωθεν διαβάντι ποταμίσκον πρὸς τῷ Λάτμῳ
δείκνυται τάφος Ἐνδυμίωνος ἐν τινὶ σπηλαίῳ· εἰτα
ἀφ' Ἡρακλείας ἐπὶ Πύρραν πολίχνην πλοῦς ἑκατόν
30 πον σταδίων. μικρὸν δὲ πλεον τὸ ἀπὸ Μιλήτου εἰς 9
Ἡράκλειαν ἐγκολπίζοντι, εὐθυπλοία δ' εἰς Πύρραν ἐκ
Μιλήτου τριάκοντα· τοσαύτην ἔχει μακροπορίαν ὁ

παρὰ γῆν πλοῦς. ἀνάγκη δ' ἐπὶ τῶν ἐνδόξων τόπων
ὑπομένειν τὸ περισκελεῖς τῆς τοιαύτης γεωγραφίας.

- 10 Ἐκ δὲ Πύρρας ἐπὶ τὴν ἐκβολὴν τοῦ Μαιάνδρου
πεντήκοντα· τεναγώδης δ' ὁ τόπος καὶ ἐλώδης· ἀνα-
πλεύσαντι δ' ὑπηρετικοῖς σκάφεσι τριάκοντα σταδίους 5
πόλιν Μυοῦς, μία τῶν Ἰάδων τῶν δώδεκα, ἣ νῦν δι'
ὀλιγανδρίαν Μιλησίοις συμπεπόλισται. ταύτην ὄψον
λέγεται Θεμιστοκλεῖ δοῦναι Ξέρξης, ἄρτον δὲ Μαγνη-
σίαν, οἶνον δὲ Λάμφακον.

- 11 Ἐνθεν ἐν σταδίοις τέτταρσι κόμῃ Καρικῇ Θυμ-10
βρία, παρ' ἣν ἄορνόν ἐστι σπήλαιον ἱερὸν, Χαρώνιον
λεγόμενον, ὀλεθρίους ἔχον ἀποφοράς. ὑπέρκειται δὲ
Μαγνησία ἢ πρὸς Μαιάνδρῳ, Μαγνήτων ἀποικία τῶν
ἐν Θετταλίᾳ καὶ Κρητῶν, περὶ ἧς ἀντίκα ἐροῦμεν.

- 12 Μετὰ δὲ τὰς ἐκβολὰς τοῦ Μαιάνδρου ὁ κατὰ 15
Πριήνην ἐστὶν αἰγιαλός· ὑπὲρ αὐτοῦ δ' ἡ Πριήνη καὶ
Μυκάλη τὸ ὄρος εὐθηρον καὶ εὐδενδρον. ἐπείκειται δὲ
τῇ Σαμία καὶ ποιεῖ πρὸς αὐτὴν ἐπέκεινα τῆς Τρωγίλιου
καλουμένης ἄκρας ὅσον ἐπταστάδιον πορθμόν. λέγεται
δ' ὑπὸ τινων ἡ Πριήνη Κάδμη, ἐπειδὴ Φιλωτᾶς ὁ ἐπι-20
κτίσας αὐτὴν Βοιωτίας ὑπῆρχεν· ἐκ Πριήνης δ' ἦν Βίας
εἰς τῶν ἐπτὰ σοφῶν, περὶ οὗ φησιν οὕτως Ἰππῶναξ
„καὶ δικάσασθαι Βίαντος τοῦ Πριηνέως κρίσσον.“

- 13 Τῆς δὲ Τρωγίλιου πρόκειται νησίον ὁμώνυμον·
ἐντεῦθεν δὲ τὸ ἐγγυτάτω διάρμα ἐστὶν ἐπὶ Σούνιον 25
σταδίων χιλίων ἑξακοσίων, κατ' ἀρχὰς μὲν Σάμον ἐν
δεξιᾷ ἔχοντι καὶ Ἰκαρίαν καὶ Κορσίαν, τοὺς δὲ Μελαν-
τίους σκοπέλους ἐξ εὐωνύμων, τὸ λοιπὸν δὲ διὰ μέσων
τῶν Κυκλάδων νήσων. καὶ αὐτὴ δ' ἡ Τρωγίλιος ἄκρα
πρόπους τις τῆς Μυκάλης ἐστί. τῇ Μυκάλῃ δ' ὄρος 30
ἄλλο πρόσκειται τῆς Ἐφεσσίας Πακτύης· καὶ ἡ Μεσωγίς
δὲ εἰς αὐτὴν καταστρέφει.

Ἀπὸ δὲ τῆς Τρωγίλλου στάδιοι τετταράκοντα εἰς 14
 τὴν Σάμον· βλέπει δὲ πρὸς νότον καὶ αὐτὴ καὶ ὁ λιμὴν
 ἔχων ναύσταθμον. ἔστι δ' αὐτῆς ἐν ἐπιπέδῳ τὸ πλέον C.637
 ὑπὸ τῆς θαλάττης κλυζόμενον, μέρος δέ τι καὶ εἰς τὸ
 5 ὄρος ἀνέχει τὸ ὑπερκείμενον. ἐν δεξιᾷ μὲν οὖν προσ-
 πλείουσι πρὸς τὴν πόλιν ἔστι τὸ Ποσειδίδιον ἄκρα ἣ
 ποιοῦσα πρὸς τὴν Μυκάλην τὸν ἐπταστάδιον πορθμόν,
 ἔχει δὲ νεῶν Ποσειδῶνος· πρόκειται δ' αὐτοῦ νησιδίων
 ἣ Ναρθηκίς· ἐπ' ἀριστερᾷ δὲ τὸ προάστειον τὸ πρὸς
 10 τῷ Ἡραίῳ καὶ ὁ Ἰμβρασος ποταμὸς καὶ τὸ Ἡραῖον, ἀρ-
 χαῖον ἱερὸν καὶ νεὸς μέγας, ὃς νῦν πινακοθήκη ἐστὶ·
 χωρὶς δὲ τοῦ πλήθους τῶν ἐνταῦθα κειμένων πινάκων
 ἄλλαι πινακοθήκαι καὶ ναῦσχοι τινὲς εἰσι πλήρεις τῶν
 ἀρχαίων τεχνῶν· τό τε ὑπαιθρὸν ὁμοίως μεστὸν ἀν-
 15 δριάντων ἐστὶ τῶν ἀρίστων· ὧν τρία Μύρωνος ἔργα
 κολοσσικὰ ἰδρυμένα ἐπὶ μιᾷ βάσει, ἣ ἦρε μὲν Ἀντώ-
 νιος ἀνέθηκε δὲ πάλιν ὁ Σεβαστὸς Καῖσαρ εἰς τὴν αὐ-
 τὴν βάσιν τὰ δύο, τὴν Ἀθηναῖν καὶ τὸν Ἡρακλεῖα, τὸν
 δὲ Δία εἰς τὸ Καπετώλιον μετήνεγκε κατασκευάσας
 20 αὐτῷ ναῦσχον.

Περίπλους δ' ἐστὶ τῆς Σαμίων νήσου σταδίων 15
 ἑξακοσίων. ἐκαλεῖτο δὲ Παρθενία πρότερον οἰκούντων
 Καρῶν, εἰτα Ἀνθεμουῖς, εἰτα Μελάμφυλλος, εἰτα Σά-
 25 μος, εἰτ' ἀπὸ τινος ἐπιχωρίου ἥρωος εἰτ' ἐξ Ἰθάκης καὶ
 Κεφαλληνίας ἀποικίσαντος. καλεῖται μὲν οὖν καὶ ἄκρα
 τις Ἀμπελος βλέπουσά πως πρὸς τὸ τῆς Ἰκαρίας Δρέπα-
 νον, ἀλλὰ καὶ τὸ ὄρος ἅπαν ὃ ποιεῖ τὴν ὅλην νήσον ὀρει-
 νὴν ὁμωνύμως λέγεται· ἔστι δ' οὐκ εὖοινος, καίπερ εὖ-
 30 τῆς προσεχοῦς πάσης τοὺς ἀρίστους ἐκφερούσης οἶνους·

30. post οἶνους: οἶον Χίου καὶ Λέσβου καὶ Κῶ.

καὶ μὴν καὶ ὁ Ἐπίσιος καὶ Μητροπολίτης ἀγαθοί, ἥ τε Μεισωγίς καὶ ὁ Τρωῖλος καὶ ἡ Κατακεκαυμένη καὶ Κνίδος καὶ Σμύρνα καὶ ἄλλοι ἀσημότεροι τόποι διαφόρως χρηστοικοῦσιν ἢ πρὸς ἀπόλαυσιν ἢ πρὸς διαίτας ἰατρικάς. περὶ μὲν [οὖν] οἶνους οὐ πάνυ εὐτυχεῖ Σάμος, τὰ δ' ἄλλα εὐδαίμων, ὥς δηλὸν ἐκ τε τοῦ περιμάχητον γενέσθαι καὶ ἐκ τοῦ τοὺς ἐπαινοῦντας μὴ ὀκνεῖν ἐφαρμόττειν αὐτῇ τὴν λέγουσαν παροιμίαν ὅτι φέροι καὶ ὀρνίθων γάλα. τοῦτο δὲ καὶ τῶν τυραννίδων αἴτιον αὐτῇ κατέστη καὶ τῆς πρὸς Ἀθηναίους ἐχθρας. 10

16 Αἱ μὲν οὖν τυραννίδες ἤκμασαν κατὰ Πολυκράτη μάλιστα καὶ τὸν ἀδελφὸν αὐτοῦ Συλοσῶντα· ἣν δ' ὁ μὲν καὶ τύχη καὶ δυνάμει λαμπρὸς ὥστε καὶ θαλαττο-
 0.638κρατῆσαι· τῆς δ' εὐτυχίας αὐτοῦ σημεῖον τιθέασιν ὅτι ῥίψαντος εἰς τὴν θάλατταν ἐπίτηδες τὸν δακτύλιον λί- 15
 θου καὶ γλύμματος πολυτελοῦς, ἀνήνεγκε μικρὸν ὕστερον τῶν ἀλιέων τις τὸν καταπιόντα ἰχθὺν αὐτόν· ἀνατμηθέντος δ' εὗρέθη ὁ δακτύλιος· πυθόμενον δὲ τοῦτο τὸν Αἰγυπτίων βασιλέα φασὶ μαντικῶς πῶς ἀποφθίγγασθαι ὥς ἐν βραχεὶ καταστρέφει τὸν βίον εἰς 20
 οὐκ εὐτυχὲς τέλος ὁ τοσοῦτον ἐξηρμένος ταῖς εὐπραγίαις· καὶ δὴ καὶ συμβῆναι τοῦτο· ληφθέντα γὰρ ἐξ ἀπάτης ὑπὸ τοῦ σατράπου τῶν Περσῶν κρεμασθῆναι. τούτῳ συνεβίωσεν Ἀνακρέων ὁ μελοποιός· καὶ δὴ καὶ πᾶσα ἡ ποιήσις πλήρης ἐστὶ τῆς περὶ αὐτοῦ μνήμης. 25
 ἐπὶ τούτου δὲ καὶ Πυθαγόραν ἱστοροῦσιν ἰδόντα φρυγμένην τὴν τυραννίδα ἐκλιπεῖν τὴν πόλιν καὶ ἀπελθεῖν εἰς Αἴγυπτον καὶ Βαβυλῶνα φιλομαθείας χάριν· ἐπανιόντα δ' ἐκείθεν, ὁρῶντα ἔτι συμμένουσιν τὴν τυ-

9. πρὸς γάλα: καθάπερ πον καὶ Μένανδρος ἔφη.

ραννίδα, πλεύσαντα εἰς Ἰταλίαν ἐκεῖ διατελέσαι τὸν βίον. περὶ Πολυκράτους μὲν ταῦτα.

Συλοσῶν δ' ἀπειλείφθη μὲν ἰδιώτης ὑπὸ τοῦ ἀδελ- 17
φροῦ, Δαρείῳ δὲ τῷ Ὑστάσπειω χαρισάμενος ἐσθῆτα, ἧς
ἐπέθύμησεν ἐκείνος φοροῦντα ἰδὼν, οὐπω δ' ἐβασί-
λευς τότε, βασιλεύσαντος ἀντέλαβε δῶρον τὴν τυραν-
νίδα. πικρῶς δ' ἤρξεν, ὥστε καὶ ἐλειπάνδρησεν ἡ πό-
λις· κάκειθεν ἐκπεσεῖν συνέβη τὴν παροιμίαν „ἐκhti
„Συλοσῶντος εὐρυχωρίη.“

- 10 Ἀθηναῖοι δὲ πρότερον μὲν πέμψαντες στρατηγὸν 18
Περικλέα καὶ σὺν αὐτῷ Σοφοκλέα τὸν ποιητὴν πολιορ-
κία κακῶς διέσθηκαν ἀπειθοῦντας τοὺς Σαμίους, ὥστε-
ρον δὲ καὶ κληρούχους ἐπεμψαν δισχιλίους ἐξ ἑαυτῶν,
ὧν ἦν καὶ Νεοκλῆς ὁ Ἐπικούρου τοῦ φιλοσόφου πα-
15 τήρ, γραμματοδιδάσκαλος, ὥς φασι· καὶ δὴ καὶ τρα-
φῆναι φασιν ἐνθάδε καὶ ἐν Τέῳ καὶ ἐφηβεῦσαι Ἀθή-
νησι· γενέσθαι δ' αὐτῷ συνέφηβον Μένανδρον τὸν
κωμικόν· Σάμιος δ' ἦν καὶ Κρεώφυλος, ὃν φασι δεξά-
μενον ξενίᾳ ποτὲ Ὅμηρον λαβεῖν δῶρον τὴν ἐπιγραφὴν
20 τοῦ ποιήματος ὃ καλοῦσιν Οἰχαλίας ἄλωσιν. Καλλίμα-
χος δὲ τὸν ἀντίον ἐμφαίνει δι' ἐπιγράμματός τινος, ὥς
ἐκείνου μὲν ποιήσαντος λεγομένου δ' Ὁμήρου διὰ τὴν
λεγομένην ξενίαν „τοῦ Σαμίου πόνος εἰμί, δόμῳ ποτὲ
„θεῖον Ὅμηρον δεξαμένον· κλείω δ' Εὐρυτον ὅσσ'
25 „ἐπαθεν, καὶ ξανθὴν Ἰόλειαν· Ὁμήρειον δὲ καλεῦμαι
„γράμμα· Κρεωφύλῳ, Ζεῦ φίλε, τοῦτο μέγα.“ τινὲς C. 639
δὲ διδάσκαλον Ὁμήρου τοῦτόν φασιν, οἱ δ' οὐ τοῦτον
ἀλλ' Ἀριστίαν τὸν Προκοννήσιον.

Παράκειται δὲ τῇ Σάμῳ νῆσος Ἰκαρία ἀφ' ἧς τὸ 19
30 Ἰκάριον πέλαγος. αὕτη δ' ἐπώνυμός ἐστιν Ἰκάρου παι-
δὸς τοῦ Δαυδάλου, ὃν φασι τῷ πατρὶ κοινωνήσαντα
τῆς φυγῆς, ἥνίκα ἀμφοτέροι περὶ θέντες ἀπῆραν ἐκ

Κρήτης, πεσεῖν ἐνθάδε μὴ κρατήσαντα τοῦ δρόμου· μεταωρισθέντι γὰρ πρὸς τὸν ἥλιον ἐπὶ πλείον περιρρηναί τὰ πτερὰ τακέντος τοῦ κηροῦ. τριακοσίων δ' ἐστὶ τὴν περιμέτρον σταδίων ἡ νῆσος ἅπασα καὶ ἀλίμενος πλὴν ὑφόρων, ὧν ὁ κάλλιστος Ἴστοι λέγονται· 5 ἄκρα δ' ἐστὶν ἀνατείνουσα πρὸς ζέφυρον. ἐστὶ δὲ καὶ Ἀρτέμιδος ἱερὸν καλούμενον Ταυροπόλιον ἐν τῇ νήσῳ καὶ πολισμάτιον Οἰνότη, καὶ ἄλλο Ἀράκανον ὁμώνυμον τῇ ἄκρᾳ ἐφ' ἣ ἰδρυται, πρόσορμον ἔχον· ἡ δὲ ἄκρα διέχει τῆς Σαμίων ἄκρας τῆς Κανθαρίου καλουμένης 10 ὀγδοήκοντα σταδίους, ὅπερ ἐστὶν ἐλάχιστον διάστημα τὸ μεταξύ. νυνὶ μέντοι λειπανδροῦσαν Σάμιοι νέμονται τὰ πολλὰ βοσκημάτων χάριν.

- 20 Μετὰ δὲ τὸν Σάμιον πορθμὸν τὸν πρὸς Μυκάλη πλέουσιν εἰς Ἐφεσον ἐν δεξιᾷ ἐστὶν ἡ Ἐφεσίων παρα- 15 λία· μέρος δέ τι ἔχουσιν αὐτῆς καὶ οἱ Σάμιοι. πρῶτον δ' ἐστὶν ἐν τῇ παραλίᾳ τὸ Πανιώνιον τρισὶ σταδίοις ὑπερκείμενον τῆς θαλάττης, ὅπου τὰ Πανιώνια, κοινὴ πανήγυρις τῶν Ἰώνων, συντελεῖται τῷ Ἑλικωνίῳ Ποσειδῶνι καὶ Θυσία· ἱερῶνται δὲ Πριηνεῖς· εἰρηται δὲ 20 περὶ αὐτῶν ἐν τοῖς Πελοποννησιακοῖς. εἰτα Νεάπολις, ἡ πρότερον μὲν ἦν Ἐφεσίων νῦν δὲ Σαμίων διαλλαζαμένων πρὸς τὸ Μαραθήσιον, τὸ ἐγγυτέρω πρὸς τὸ ἀπωτέρω· εἰτα Πύγελος πολίχνη, ἱερὸν ἔχον Ἀρτέμιδος Μουνυχίας, ἰδρυμα Ἀγαμέμνονος, οἰκούμενον ὑπὸ 25 μέρους τῶν ἐκείνου λαῶν· πυγαλγίας γάρ τινος καὶ γενέσθαι καὶ κληθῆναι, κάμνοντας δ' ὑπὸ τοῦ πάθους καταμεῖναι, καὶ τυχεῖν οἰκείου τοῦδε τοῦ ὀνόματος τὸν τόπον. εἰτα λιμὴν Πάνορμος καλούμενος ἔχων ἱερὸν τῆς Ἐφεσίας Ἀρτέμιδος· εἰδ' ἡ πόλις. ἐν δὲ τῇ αὐτῇ 30 παραλίᾳ μικρὸν ὑπὲρ τῆς θαλάττης ἐστὶ καὶ ἡ Ὀρτυγία, διαπρεπὲς ἄλσος παντοδαπῆς ὕλης, κυπαρίττου δὲ τῆς

πλείστης. διαφρεῖ δὲ ὁ Κεγχριος ποταμός, οὗ φασὶ
 νίψασθαι τὴν Ἀητῶ μετὰ τὰς ὠδίνας. ἐνταῦθα γὰρ
 μυθεύουσι τὴν λοχείαν καὶ τὴν τροφὸν τὴν Ὀρτυγίαν
 καὶ τὸ ἄδυτον ἐν ᾧ ἡ λοχεία, καὶ τὴν πλησίον ἐλαίαν, ἣ
 5 πρῶτον ἐπαναπαύσασθαι φασὶ τὴν θεὸν ἀπολυθείσαν
 τῶν ὠδίνων. ὑπέρκειται δὲ τοῦ ἄλσους ὄρος ὁ Σολ-
 μισσός, ὅπου στάντας φασὶ τοὺς Κουρήτας τῷ ψόφῳ
 τῶν ὅπλων ἐκπλήξαι τὴν Ἥραν ξηλοτύπως ἐφεδρεύου-
 σαν, καὶ λαθεῖν συμπράξαντας τὴν λοχείαν τῇ Ἀητοῖ.
 10 ὄντων δ' ἐν τῷ τόπῳ πλειόνων ναῶν, τῶν μὲν ἀρχαίων
 τῶν δ' ὕστερον γενομένων, ἐν μὲν τοῖς ἀρχαίοις ἀρχαῖά
 ἔστι ξόανα, ἐν δὲ τοῖς ὕστερον Σκόπα ἔργα· ἡ μὲν Ἀητῶ
 σκηπτρον ἔχουσα, ἡ δ' Ὀρτυγία παρέστηκεν ἑκατέρᾳ
 τῇ χειρὶ παιδίον ἔχουσα. πανήγυρις δ' ἐνταῦθα συντε-
 15 λείται κατ' ἔτος, ἔθει δέ τιμι οἱ νέοι φιλοκαλοῦσι μάλι-
 στα περὶ τὰς ἐνταῦθα εὐωχίας λαμπρυνόμενοι· τότε
 δὲ καὶ τῶν Κουρήτων ἀρχεῖον συνάγει συμπόσια καὶ
 τινὰς μυστικὰς θυσίας ἐπιτελεῖ.

Τὴν δὲ πόλιν ὥκουν μὲν Κᾶρές τε καὶ Ἀέλεγες, 21
 20 ἐκβαλὼν δ' ὁ Ἄνδροκλος τοὺς πλείστους ὥκισεν ἐκ
 τῶν συνελθόντων αὐτῷ περὶ τὸ Ἀθήναιον καὶ τὴν
 Ὑπέλαιον, προσπεριλαβὼν καὶ τῆς περὶ τὸν Κορησ-
 σὸν παρωρείας. μέχρι μὲν δὴ τῶν κατὰ Κροῖσον οὐ-
 τως ὥκειτο, ὕστερον δ' ἀπὸ τῆς παρωρείου καταβαί-
 25 ντες περὶ τὸ νῦν ἱερὸν ὥκησαν μέχρι Ἀλεξάνδρου. Ἀν-
 σίμαχος δὲ τὴν νῦν πόλιν τειχίσας, ἀηδῶς τῶν ἀνθρώ-
 πων μεθισταμένων, τηρήσας καταρράκτην ὄμβρον
 συνήργησε καὶ αὐτὸς καὶ τοὺς ῥινοῦχους ἐνέφραξεν
 ὥστε κατακλύσαι τὴν πόλιν· οἱ δὲ μετέστησαν ἄσμενοι.
 30 ἐκάλεσε δ' Ἀρσινόην ἀπὸ τῆς γυναικὸς τὴν πόλιν, ἐπε-
 κράτησε μέντοι τὸ ἀρχαῖον ὄνομα. ἦν δὲ γερούσια κα-

ταγραφομένη, τούτοις δὲ συνήεσαν οἱ ἐπικλητοὶ καλούμενοι καὶ διώκουν πάντα.

- 22 Τὸν δὲ νεῶν τῆς Ἀρτέμιδος πρῶτος μὲν Χερσίφρων ἡρχιτεκτόνησεν, εἰτ' ἄλλος ἐποίησε μείζω· ὥς δὲ τοῦτον Ἡρόστρατός τις ἐνέπρησεν, ἄλλον ἀμείνω κα-
 3 τασκεύασαν συνενέγκαντες τὸν τῶν γυναικῶν κόσμον καὶ τὰς ἰδίας οὐσίας, διαθέμενοι δὲ καὶ τοὺς προτέρους κίονας· τούτων δὲ μαρτυρία ἐστὶ τὰ γενηθέντα τότε ψηφίσματα, ἅπερ ἀγνοοῦντά φησιν ὁ Ἀρτεμίδωρος τὸν Ταυρομενίτην Τίμαιον καὶ ἄλλως βάσκανον ὄντα καὶ 10
 συκοφάντην (διὸ καὶ Ἐπιτίμαιον κληθῆναι) λέγειν ὥς ἐκ τῶν Περσικῶν παρακαταθηκῶν ἐποίησαντο τοῦ ἱεροῦ τὴν ἐπισκευήν· οὔτε δὲ ὑπάρξει παρακαταθήκας τότε, εἰ τε ὑπῆρξαν, συνεμπεπερησθαι τῷ ναῷ· μετὰ δὲ τὴν ἐμπρησιν τῆς ὀροφῆς ἠφανισμένης, ἐν ὑπαίθρῳ 15
 τῷ σηκῷ τίνα ἂν ἐθελῆσαι παρακαταθήκην κειμένην ἔχειν; Ἀλέξανδρον δὲ τοῖς Ἐφεσίοις ὑποσχέσθαι τὰ
 C.641 γεγονότα καὶ τὰ μέλλοντα ἀναλώματα, ἐφ' ᾧ τε τὴν ἐπιγραφὴν αὐτὸν ἔχειν, τοὺς δὲ μὴ ἐθελῆσαι, πολὺ μᾶλλον οὐκ ἂν ἐθελῆσαντας ἐξ ἱεροσυλίας καὶ ἀποστε- 20
 ρήσεως φιλοδοξεῖν· ἐπαινεῖ τε τὸν εἰπόντα τῶν Ἐφεσίων πρὸς τὸν βασιλέα, ὥς οὐ πρόποι θεῶ θεοῖς ἀναθήματα κατασκευάζειν.

- 23 Μετὰ δὲ τὴν τοῦ νεῶ συντέλειαν, ὃν φησιν εἶναι Δεινοκράτους ἔργον (τοῦ δ' αὐτοῦ καὶ τὴν Ἀλεξαν- 25
 δρείας κτίσιν· τὸν δ' αὐτὸν ὑποσχέσθαι Ἀλεξάνδρῳ τὸν Ἄθω διασκευάσειν εἰς αὐτόν, ὥσαντι ἐκ πρόχου τινὸς εἰς φιάλην καταχέοντα σπονδὴν, ποιήσοντα πό-
 λεις δύο, τὴν μὲν ἐκ δεξιῶν τοῦ ὄρους τὴν δ' ἐν ἀρι-
 στερᾷ, ἀπὸ δὲ τῆς ἐτέρας εἰς τὴν ἐτέραν ῥέοντα ποτα- 30
 μόν), μετὰ δ' οὖν τὸν νεῶν τὸ τῶν ἄλλων ἀναθημάτων πλῆθος εὐρέσθαι τῇ ἐκτιμῇσει τῶν δημιουργῶν, τὸν

δὲ δὴ βωμὸν εἶναι τῶν Πραξιτέλους ἔργων ἅπαντα
 σχεδόν τι πλήρη. ἡμῖν δ' εἰδείκνυτο καὶ τῶν Θράσωνός
 τινα, οὐπερ καὶ τὸ Ἑκατήσιόν ἐστι καὶ ἡ κηρίνη Πηνε-
 λόπη καὶ ἡ πρεσβῦτις ἡ Εὐρύκλεια. ἱερέας δ' εὐνού-
 5 χους εἶχον οὓς ἐκάλουν Μεγαβύζους, καὶ ἀλλαχόθεν
 μετιόντες αἰετίνους τῆς τοιαύτης προστασίας,
 καὶ ἦγον ἐν τιμῇ μεγάλη· συνιεῖσθαι δὲ τοῦτοις ἐχρῆν
 παρθένους. νυνὶ δὲ τὰ μὲν φυλάττεται τῶν νομίμων
 τὰ δ' ἦττον, ἄσυλον δὲ μένει τὸ ἱερὸν καὶ νῦν καὶ πρό-
 10 τερον· τῆς δ' ἀσυλίας τοὺς ὅρους ἀλλαγῆναι συνέβη
 πολλάκις, Ἀλεξάνδρου μὲν ἐπὶ στάδιον ἐκτείναντος,
 Μιθριδάτου δὲ τόξευμα ἀφέντος ἀπὸ τῆς γωνίας τοῦ
 κεράμου καὶ δόξαντος ὑπερβαλίσθαι μικρὰ τὸ στάδιον,
 Ἀντωνίου δὲ διπλασιάσαντος τοῦτο καὶ συμπεριλα-
 15 βόντος τῇ ἀσυλίᾳ μέρος τι τῆς πόλεως· ἐφάνη δὲ τοῦτο
 βλαβερόν καὶ ἐπὶ τοῖς κακούργοις ποιοῦν τὴν πόλιν,
 ὥστ' ἠκύρωσεν ὁ Σεβαστὸς Καῖσαρ.

Ἔχει δ' ἡ πόλις καὶ νεώρια καὶ λιμένα· βραχύστο- 24
 μον δ' ἐποίησαν οἱ ἀρχιτέκτονες, συνεξαπατηθέντες
 20 τῷ κελεύσαντι βασιλεῖ. οὗτος δ' ἦν Ἀτταλος ὁ φιλά-
 δελφος· οἰήθει γὰρ οὗτος βαθὺν τὸν εἰσπλουν ὀλκάσι
 μεγάλαις ἔσεσθαι καὶ αὐτὸν τὸν λιμένα τεναγῶδη ὄντα
 πρότερον διὰ τὰς ἐκ τοῦ Καῦστρου προχώσεις, εἰς πα-
 ραβληθῇ χῶμα τῷ στόματι πλατεῖ τελείως ὄντι, ἐκέλευσε
 25 γενέσθαι τὸ χῶμα. συνέβη δὲ τὸναντίον· ἐντὸς γὰρ
 ἡ χεὺς εἰργομένη τεναγίζειν μᾶλλον ἐποίησε τὸν λιμένα
 σύμπαντα μέχρι τοῦ στόματος· πρότερον δ' ἱκανῶς αἱ
 πλημμυρίδες καὶ ἡ καλίσροια τοῦ πελάγους ἀφήρει
 τὴν χεὺν καὶ ἀνίσπα πρὸς τὸ ἐκτός. ὁ μὲν οὖν λιμὴν
 30 τοιοῦτος· ἡ δὲ πόλις τῇ πρὸς τὰ ἄλλα εὐκαιρίᾳ τῶν τό-
 πων αὖξεται καθ' ἑκάστην ἡμέραν, ἐμπορίον οὖσα μέ-
 γιστον τῶν κατὰ τὴν Ἀσίαν τὴν ἐντὸς τοῦ Ταύρου.

25 "Ανδρες δ' ἀξιόλογοι γεγόνασιν ἐν αὐτῇ τῶν μὲν παλαιῶν Ἡράκλειτός τε ὁ σκοτεινὸς καλούμενος καὶ Ἑρμοδωρος, περὶ οὗ ὁ αὐτὸς οὗτός φησιν, „ἀξιον Ἐφε-
 „σίοις ἡβηδὸν ἀπάγξασθαι, οἵτινες Ἑρμοδωρον ἄνδρα
 „ἑαυτῶν ὀνήιστον ἐξέβαλον, φάντες ἡμέων μηδὲ εἰς 5
 „ὀνήιστος ἔστω, εἰ δὲ μή, ἄλλη τε καὶ μετ' ἄλλων.“ δο-
 κεῖ δ' οὗτος ὁ ἀνὴρ νόμους τινας Ῥωμαίοις συγγράφαι.
 καὶ Ἰππῶναξ δ' ἐστὶν ὁ ποιητὴς ἐξ Ἐφέσου καὶ Παρθρά-
 σιος ὁ ζωγράφος καὶ Ἀπελλῆς, τῶν δὲ νεωτέρων (Ἀρτε-
 μίδωρος καὶ) Ἀλεξανδρος ῥήτωρ ὁ Ἀύχνης προσαγορευ- 10
 θεὸς, ὃς καὶ ἐπολιτεύσατο καὶ συνέγραψεν ἱστορίαν καὶ
 ἔπη κατέλιπεν, ἐν οἷς τὰ τε οὐράνια διατίθεται καὶ τὰς
 ἡπείρους γεωγραφεῖ, καθ' ἑκάστην ἐκδοὺς ποιήμα.

26 Μετὰ δὲ τὴν ἐκβολὴν τοῦ Καῦστρου λίμνη ἐστὶν
 ἐκ τοῦ πελάγους ἀναχαισμένη (καλεῖται δὲ Σελινουσία) 15
 καὶ ἐφεξῆς ἄλλη σύρρους αὐτῇ μεγάλας ἔχουσαι προσ-
 ὄδους, ἃς οἱ βασιλεῖς μὲν ἱερὰς οὔσας ἀφείλοντο τὴν
 θεόν, Ῥωμαῖοι δ' ἀπέδωσαν· πάλιν δ' οἱ δημοσιῶναι
 βιασάμενοι περιέστησαν εἰς ἑαυτοὺς τὰ τέλη, πρεσβεύ-
 σας δὲ ὁ Ἀρτεμίδωρος, ὥς φησι, τὰς τε λίμνας ἀπέλαβε 20
 τῇ θεῷ καὶ τὴν Ἡρακλεῶτιν ἀφισταμένην ἐξενίκησε
 κριθεὶς ἐν Ῥώμῃ· ἀντὶ δὲ τούτων εἰκόνα χρυσὴν ἀνέ-
 στησεν ἡ πόλις ἐν τῷ ἱερῷ. τῆς δὲ λίμνης ἐν τῷ κοι-
 λοτάτῳ βασιλέως ἐστὶν ἱερὸν· φασὶ δ' Ἀγαμέμνονος
 ἴδρυμα.

25

27 Εἴτα τὸ Γαλλήσιον ὄρος καὶ ἡ Κολοφῶν πόλις Ἰω-
 νικῇ καὶ τὸ πρὸ αὐτῆς ἄλσος τοῦ Κλαρίου Ἀπόλλωνος,
 ἐν ᾧ καὶ μαντεῖόν ἐστι παλαιόν. λέγεται δὲ Κάλχας ὁ
 μάντις μετ' Ἀμφιλόχου τοῦ Ἀμφιαράου κατὰ τὴν ἐκ
 Τροίας ἐπάνοδον πεζῇ δεῦρο ἀφικέσθαι, περιτυχὼν δ' 30
 ἑαυτοῦ κρείττονι μάντι κατὰ τὴν Κλάρων, Μόψω τῷ
 Μαντοῦς τῆς Τειρεσίου θυγατρὸς, διὰ λύπην ἀποθα-

νεῖν. Ἡσίοδος μὲν οὖν οὕτω πως διασκευάζει τὸν μῦ-
 θον· προτείνει γάρ τι τοιοῦτο τῷ Μόφῳ τὸν Κάλχαντα
 „θαῦμά μ' ἔχει κατὰ θυμόν, ὅσους ἐρινειὸς ὀλύνθους
 „οὗτος ἔχει μικρὸς περ ἰών· εἰποῖς ἂν ἀριθμόνι.“ τὸν
 5 δ' ἀποκρίνασθαι „μῦριοί εἰσιν ἀριθμόν, ἀτὰρ μέτρον
 „γε μέδιμνος· εἰς δὲ περισσεύει, τὸν ἐπενθέμεν οὐ κε
 „δύναιο. ὥς φάτο· καὶ σφιν ἀριθμὸς ἐτήτυμος εἶδετο
 „μέτρου. καὶ τότε δὴ Κάλχανθ' * ὕπνος θανάτοιο κά-
 „λυψε.“ Φερεκύδης δὲ φησιν ὕν προβαλεῖν ἐγκυον 0.643
 10 τὸν Κάλχαντα πόσους ἔχει χοίρους, τὸν δ' εἰπεῖν ὅτι
 τρεῖς, ὧν ἓνα θῆλυν· ἀληθεύσαντος δ' ἀποθανεῖν ὑπὸ
 λύπης. οἱ δὲ τὸν μὲν Κάλχαντα προβαλεῖν τὴν ὕν φασι
 τὸν δὲ ἐρινεόν, καὶ τὸν μὲν εἰπεῖν τάληθες τὸν δὲ μή,
 ἀποθανεῖν δὲ ὑπὸ λύπης καὶ κατὰ τι λόγιον. λέγει δ'
 15 αὐτὸ Σοφοκλῆς ἐν Ἑλένης ἀπαιτήσῃ ὥς εἰμαρμένον
 εἶη ἀποθανεῖν, ὅταν κρείττονι ἑαυτοῦ μάντι περικτύχῃ·
 οὗτος δὲ καὶ εἰς Κιλικίαν μεταφέρει τὴν ἔριν καὶ τὸν
 θάνατον τοῦ Κάλχαντος. τὰ μὲν παλαιὰ τοιαῦτα.

Ἐκτῆσαντο δὲ ποτε καὶ ναυτικὴν ἀξιόλογον δύνα- 28
 20 μιν Κολοφώνιοι καὶ ἱππικὴν, ἐν ᾗ τοσοῦτον διέφερον
 τῶν ἄλλων ὥσθ', ὅπου ποτὲ ἐν τοῖς δυσκαταλύτοις
 πολέμοις τὸ ἱππικὸν τῶν Κολοφωνίων ἐπικουρήσειε,
 λύεσθαι τὸν πόλεμον· ἀφ' οὗ καὶ τὴν παροιμίαν ἐκδο-
 θῆναι τὴν λέγουσαν „τὸν Κολοφῶνα ἐπέθηκεν“ ὅταν
 25 τέλος ἐπιτεθῇ βέβαιον τῷ πράγματι. ἄνδρες δ' ἐγέ-
 νοντο Κολοφώνιοι τῶν μνημονευομένων Μίμνερος
 αὐλητῆς ἄμα καὶ ποιητῆς ἐλεγείας, καὶ Ξενοφάνης ὁ
 φυσικός, ὁ τοὺς σίλλους ποιήσας διὰ ποιημάτων· λέγει
 δὲ Πίνδαρος καὶ Πολύμναστόν τινα τῶν περὶ τὴν μου-
 30 σικὴν ἐλλογίμων „φθέγμα μὲν πάγκοινον ἐγνώκας
 „Πολυμνάστου Κολοφωνίου ἀνδρός.“ καὶ Ὀμηρον δὲ
 τινες ἐντεῦθεν εἰναί φασιν.

Εὐθυπλοία μὲν οὖν ἐβδομήκοντα στάδιοι εἰσιν ἐξ
 29 Ἐφέσου, ἐγκολπιζοντι δὲ ἑκατὸν καὶ εἰκοσι. μετὰ δὲ
 Κολοφῶνα ὄρος Κοράκιον καὶ νησίον Ἰερὸν Ἀρτέμιδος,
 εἰς ὃ διανηχομένης τέκτειν τὰς ἐλάφους πεπιστευκάσιν.
 εἰτα Λέβιδος διέχουσα Κολοφῶνος ἑκατὸν καὶ εἰκοσιν· 5
 ἐνταῦθα τῶν περὶ τὸν Διόνυσον τεχνιτῶν ἡ σύνοδος
 καὶ κατοικία τῶν ἐν Ἰωνίᾳ μέχρι Ἑλλησπόντου, ἐν ἧ
 πανήγυρις τε καὶ ἀγῶνες κατ' ἔτος συντελοῦνται τῷ
 Διονύσῳ. ἐν Τέῳ δὲ ὄκουν πρότερον τῇ ἐφεξῆς πόλει
 τῶν Ἰώνων, ἐμπεσούσης δὲ στάσεως εἰς Ἐφεσον κατέ- 10
 φυγον· Ἀττάλου δ' εἰς Μυόννησον αὐτοὺς καταστή-
 σαντος μεταξὺ Τέῳ καὶ Λεβέδου, πρεσβεύονται Τήιοι
 δεόμενοι Ῥωμαίων μὴ περιδεῖν ἐπιτελιζομένην σφίσι
 τὴν Μυόννησον, οἱ δὲ μετέστησαν εἰς Λέβεδον δεξαμέ-
 νων τῶν Λεβεδίων ἀσμένως διὰ τὴν κατέχουσαν αὐ- 15
 τοὺς ὀλιγανδρίαν. καὶ Τέως δὲ Λεβέδου διέχει ἑκατὸν
 εἰκοσι, μεταξὺ δὲ νῆσος Ἀσπίς, οἱ δ' Ἀρκόννησον κα-
 λοῦσι· καὶ ἡ Μυόννησος δὲ ἐφ' ὕψους χερρονησίζον-
 τος κατοικεῖται.

C.644
 30 Καὶ ἡ Τέως δὲ ἐπὶ χερρονήσῳ ἴδρυται λιμένα 20
 ἔχουσα· ἐνθενδ' ἐστὶν Ἀνακρέων ὁ μελοποιός, ἐφ' οὗ
 Τήιοι τὴν πόλιν ἐκλιπόντες εἰς Ἀβδηρα ἀπώκησαν
 Θρακίαν πόλιν, οὗ φέροντες τὴν τῶν Περσῶν ὕβριν,
 ἀφ' οὗ καὶ τοῦτ' εἴρηται, Ἀβδηρα καλὴ Τηίων ἀποι-
 „κή.“ πάλιν δ' ἐπανῆλθόν τινες αὐτῶν χρόνῳ ὅσπερ 25
 ρον· εἴρηται δὲ καὶ περὶ Ἀπελλικῶντος ὅτι Τήιος ἦν
 κάκεινος· γέγονε δὲ καὶ συγγραφεὺς Ἑκατατος ἐκ τῆς
 αὐτῆς πόλεως. ἔστι καὶ ἄλλος λιμὴν ὁ πρόσβορος ἀπὸ
 τριάκοντα σταδίων τῆς πόλεως Γερραῖδαι.

31 Εἰτα Χαλκιδεῖς [καὶ] ὁ τῆς χερρονήσου ἰσθμός τῆς 30
 Τηίων καὶ Ἐρυθραίων· ἐντὸς μὲν οὖν τοῦ ἰσθμοῦ οἰ-
 κοῦσιν οὗτοι, ἐπ' αὐτῷ δὲ τῷ ἰσθμῷ Τήιοι καὶ Κλαζο-

μένιοι· τὸ μὲν γὰρ νότιον τοῦ ἰσθμοῦ πλευρὸν ἔχουσι
 Τήιοι τοὺς Χαλκιδέας, τὸ δὲ πρὸς βορρὸν Κλαζομένιοι,
 καθ' ὃ συνάπτουσι τῇ Ἐρυθραίᾳ. κεῖται δ' Ἐπόκρημνος
 ὁ τόπος ἐπὶ τῇ ἀρχῇ τοῦ ἰσθμοῦ, ἐντὸς μὲν ἀπολαμβά-
 5 νων τὴν Ἐρυθραίαν ἐκτὸς δὲ τὴν τῶν Κλαζομενίων.
 ὑπέρκειται δὲ τῶν Χαλκιδέων ἄλσος καθιερωμένον
 Ἀλεξάνδρῳ τῷ Φιλίππου, καὶ ἀγὼν ὑπὸ τοῦ κοινοῦ
 τῶν Ἰωάνων Ἀλεξάνδρεια καταγγέλλεται, συντελούμε-
 νος ἐνταῦθα. ἡ δ' ὑπερβάσις τοῦ ἰσθμοῦ τοῦ ἀπὸ τοῦ
 10 Ἀλεξανδρείου καὶ τῶν Χαλκιδέων μέχρι τοῦ Ἐποκρή-
 μνου πεντήκοντά εἰσι στάδιοι, ὁ δὲ περίπλους πλείους
 ἢ χίλιοι. κατὰ μέσον δὲ ποντὸν περίπλου αἱ Ἐρυθραί,
 πόλις Ἰωνικὴ λιμένα ἔχουσα καὶ νησιῖδας προκειμένας
 τέτταρας Ἴππους καλουμένας.

15 Πρὶν δ' ἔλθειν ἐπὶ τὰς Ἐρυθράς, πρῶτον μὲν Ἐραι 32
 πολίχνιον ἐστὶ Τηίων· εἴτα Κώρυκος ὄρος ὑψηλὸν καὶ
 λιμὴν ὑπ' αὐτῷ Κασύστης καὶ ἄλλος Ἐρυθρᾶς λιμὴν
 καλούμενος καὶ ἐφεξῆς πλείους ἕτεροι. φασὶ δὲ τὸν
 παράπλου τοῦ Κωρύκου πάντα ληστήριον ὑπάρχειν
 20 τῶν Κωρυκαίων καλουμένων, εὐρομένων τρόπον και-
 νὸν τῆς ἐπιβουλῆς τῶν πλοῖζομένων· κατεσπαρμένους
 γὰρ ἐν τοῖς λιμέσι τοῖς καθορμιζομένοις ἐμπόροις προσ-
 φοιτᾶν καὶ ὠτακουστέιν τί φέροιεν καὶ ποῦ πλείοιεν,
 εἴτα συνελθόντας ἀναχθεῖσι τοῖς ἀνθρώποις ἐπιτίθε-
 25 σθαι καὶ καθαρχάζειν· ἀφ' οὗ δὴ πάντα τὸν πολυ-
 πράγμονα καὶ κατακούειν ἐπιχειροῦντα τῶν λάθρα
 καὶ ἐν ἀπορρήτῳ διαλεγομένων Κωρυκαίων καλοῦμεν,
 καὶ ἐν παροιμίᾳ φαμέν „τοῦ δ' ἄρ' ὁ Κωρυκαῖος ἡκροά-
 „ξετο,“ ὅταν δοκῇ τις πράττειν δι' ἀπορρήτων ἢ λα-
 30 λείν, μὴ λανθάνῃ δὲ διὰ τοὺς κατασκοποῦντας καὶ φι-
 λοπευστιοῦντας τὰ μὴ προσήκοντα.

Μετὰ δὲ Κώρυκον Ἀλόννησος νησίον· εἴτα τὸ 33

- C.645 Ἀργεννον, ἄκρα τῆς Ἐρυθραίας πλησιάζουσα μάλιστα
 τῷ Χίῳ Ποσειδίῳ ποιοῦντι πορθμὸν ὅσον ἐξήκοντα
 σταδίων. μετὰ δὲ τῶν Ἐρυθρῶν καὶ τοῦ Ἵπποκρή-
 μνου Μίμας ἐστὶν ὄρος ὑψηλὸν εὐθὲρον πολύδενδρον·
 εἰτα κῶμη Κυβέλεια καὶ ἄκρα Μέλαινα καλουμένη μύ- 5
 λων ἔχουσα λατόμιον.
- 34 Ἐκ δ' Ἐρυθρῶν Σίβυλλά ἐστίν, ἐνθους καὶ μαν-
 τικὴ γυνὴ τῶν ἀρχαίων τις· κατ' Ἀλέξανδρον δὲ ἄλλη
 ἦν τὸν αὐτὸν τρόπον μαντικὴ, καλουμένη Ἀθηναῖς, ἐκ
 τῆς αὐτῆς πόλεως· καὶ καθ' ἡμᾶς Ἡρακλείδης Ἡροφί- 10
 λειος ἱατρὸς συσχολαστὴς Ἀπολλωνίου τοῦ Μυός.
- 35 Ἡ δὲ Χίος τὸν μὲν περίπλουν ἐστὶ σταδίων ἑνακο-
 σίων παρὰ γῆν φερομένῳ, πόλιν δ' ἔχει εὐλίμενον καὶ
 ναύσταθμον ναυσὶν ὀγδοήκοντα. ἐν δὲ τῷ περίπλῳ
 δεξιὰν τὴν νῆσον ἔχοντι ἀπὸ τῆς πόλεως πρῶτον μὲν 15
 ἐστὶ τὸ Ποσειδίου, εἰτα Φάναι λιμὴν βαθύς, καὶ νεῶς
 Ἀπόλλωνος καὶ ἄλλος φοινίκων· εἰτα Νότιον ὑφορμος
 αἰγιαλός· εἰτα * Λαῖους, καὶ οὗτος ὑφορμος αἰγιαλός,
 ὅθεν εἰς τὴν πόλιν ἐξήκοντα σταδίων ἰσθμός· περί-
 πλους δὲ τριακοσίων ἐξήκοντα ὃν ἐπήλθομεν. εἰτα 20
 Μέλαινα ἄκρα, καθ' ἣν τὰ Ψύρα νῆσος ἀπὸ πεντή-
 κοντα σταδίων τῆς ἄκρας, ὑψηλὴ, πόλιν ὁμώνυμον
 ἔχουσα· κύκλος δὲ τῆς νήσου τετταράκοντα στάδιοι.
 εἰθ' ἡ Ἀριουσία χώρα τραχεῖα καὶ ἀλίμενος σταδίων
 ὅσον τριάκοντα, οἶνον ἄριστον φέρουσα τῶν Ἑλληνι- 25
 κῶν. εἰτα τὸ Πελιναιὸν ὄρος ὑψηλότατον τῶν ἐν τῇ
 νήσῳ. ἔχει δ' ἡ νῆσος καὶ λατόμιον μαρμάρου λίθου.
 ἄνδρες δὲ Χῖοι γεγόνασιν ἐλλόγιμοι Ἴων τε ὁ τραγικός
 καὶ Θεόπομπος ὁ συγγραφεὺς καὶ Θεόκριτος ὁ σοφι-
 στής· οὗτοι δὲ καὶ ἀντεπολιτεύσαντο ἀλλήλοις. ἀμ- 30
 φισβητοῦσι δὲ καὶ Ὀμήρου Χῖοι, μαρτύριον μέγα τοὺς
 Ομηρίδας καλουμένους ἀπὸ τοῦ ἐκείνου γένους προ-

χειριζόμενοι, ὧν καὶ Πίνδαρος μέμνηται „ὄθεν περ
 „καὶ Ὀμηρίδαι ῥαπτῶν ἐπέων τὰ πόλλ' αἰοῖτοί.“ ἐκέ-
 κτηντο δὲ καὶ ναυτικόν ποτε Χίοι, καὶ ἀνθήπτοντο τῆς
 κατὰ θάλατταν ἀρχῆς καὶ ἐλευθερίας. ἐκ Χίου δ' εἰς
 5 Λέσβον νότῳ τετρακόσιοι πονεῖν στάδιοι.

Ἐκ δὲ τοῦ Ἑποκρήμνου Χύτριόν ἐστι τόπος, ὅπου 36
 πρότερον ἴδρυντο Κλαζομεναί· εἰθ' ἡ νῦν πόλις νησία
 ἔχουσα προκείμενα ὀκτὼ γεωργούμενα· Κλαζομένιος
 δ' ἦν ἀνὴρ ἐπιφανὴς Ἀναξαγόρας ὁ φυσικός, Ἀναξιμέ-
 10 νους ὁ μιλητής τοῦ Μιλησίου· διήκουσαν δὲ τούτου
 Ἀρχέλαος ὁ φυσικός καὶ Εὐριπίδης ὁ ποιητής. εἰθ'
 Ἰερὸν Ἀπόλλωνος καὶ θερμὰ ὕδατα καὶ ὁ Σμυρναίων
 κόλπος καὶ ἡ πόλις.

Ἐξῆς δὲ ἄλλος κόλπος, ἐν ᾧ ἡ παλαιὰ Σμύρνα ἀπὸ C.646
 15 εἰκοσι σταδίων τῆς νῦν. Αὐδῶν δὲ κατασπασάντων 37
 τὴν Σμύρναν περὶ τετρακόσια ἔτη διετέλεσεν οἰκου-
 μένη κωμηδόν· εἰτα ἀνήγειρεν αὐτὴν Ἀντίγονος, καὶ
 μετὰ ταῦτα Αὐσίμαχος, καὶ νῦν ἐστι καλλίστη τῶν πα-
 σῶν, μέρος μὲν τι ἔχουσα ἐπ' ὄρει τετειχισμένον, τὸ δὲ
 20 πλεόν ἐν πεδίῳ πρὸς τῷ λιμένι καὶ πρὸς τῷ μητροῦ
 καὶ πρὸς γυμνασίῳ. ἔστι δ' ἡ ὁμοτομία διάφορος ἐπ'
 εὐθειῶν εἰς δύνάμιν καὶ αἱ ὁδοὶ λιθοστρωτοὶ στοαὶ τε
 μεγάλαι τετράγωνοι, ἐπίπεδοί τε καὶ ὑπερφῶι· ἔστι δὲ
 καὶ βιβλιοθήκη καὶ τὸ Ὀμήρειον, στοὰ τετράγωνος,
 25 ἔχουσα νεῶν Ὀμήρου καὶ ξόανον· μεταποιοῦνται γὰρ
 καὶ οὗτοι διαφερόντως τοῦ ποιητοῦ, καὶ δὴ καὶ νόμι-
 σμά τι χαλκοῦν παρ' αὐτοῖς Ὀμήρειον λέγεται. ῥεῖ δὲ
 πλησίον τοῦ τείχους ὁ Μέλης ποταμός. ἔστι δὲ πρὸς τῇ
 ἄλλῃ κατασκευῇ τῆς πόλεως καὶ λιμὴν κλειστός. ἔν δ'
 30 ἐλάττωμα τῶν ἀρχιτεκτόνων οὐ μικρόν, ὅτι τὰς ὁδοὺς
 στορνύντες ὑπορρύσεις οὐκ ἔδωκαν αὐταῖς, ἀλλ' ἐπι-
 πολάζει τὰ σκύβαλα καὶ μάλιστα ἐν τοῖς ὄμβροις ἐπ-

αφιμεμένων τῶν ἀποσκευῶν. ἐνταῦθα Δολοβέλλας Τρεβόνιον ἐκπολιορκήσας ἀνείλεν, ἕνα τῶν δολοφονησάντων Καίσαρα τὸν Θεόν, καὶ τῆς πόλεως παρέλυσε πολλὰ μέρος.

- 38 Μετὰ δὲ Σμύρναν αἱ Λεύκαι πολίχνην, ὃ ἀπίστη-
 σεν Ἀριστόνικος μετὰ τὴν Ἀττάλου τοῦ φιλομήτορος
 τελευτήν, δοκῶν τοῦ γένους εἶναι τοῦ τῶν βασιλέων
 καὶ διανοούμενος εἰς ἑαυτὸν ποιεῖσθαι τὴν ἀρχήν· ἐν-
 τεῦθεν μὲν οὖν ἐξέπεσεν ἡττηθεὶς ναυμαχία περὶ τὴν
 Κυμαίαν ὑπὸ Ἐφεσίων, εἰς δὲ τὴν μεσόγαιαν ἀνιῶν 10
 ἡθροισε διὰ ταχείων πληθὸς ἀπόρων τε ἀνθρώπων καὶ
 δούλων ἐπ' ἐλευθερίᾳ κατακεκλημένων, οὓς Ἡλιοπο-
 λίτας ἐκάλεσε. πρῶτον μὲν οὖν παρεισέπεισεν εἰς Θυά-
 τειρα, εἰτ' Ἀπολλωνίδα ἔσχεν, εἰτ' ἄλλων ἐφίετο φρου-
 ρίων· οὐ πολὺν δὲ διεγένετο χρόνον, ἀλλ' εὐθύς αἶ τε 15
 πόλεις ἐπεμψαν πληθὸς, καὶ Νικομήδης ὁ Βιθυνὸς
 ἐπεκούρησε καὶ οἱ τῶν Καππαδόκων βασιλεῖς. ἔπειτα
 πρὸς βίαις Ῥωμαίων πέντε ἦκον, καὶ μετὰ ταῦτα στρατιὰ
 καὶ ὕπατος Πόπλιος Κράσσος, καὶ μετὰ ταῦτα Μάρκος
 Περπέρνας, ὃς καὶ κατέλυσε τὸν πόλεμον ζωγρία λαβὼν 20
 τὸν Ἀριστόνικον καὶ ἀναπέμψας εἰς Ῥώμην. ἐκεῖνος
 μὲν οὖν ἐν τῷ δεσμοτηρίῳ κατέστρεψε τὸν βίον, Περ-
 πέρναν δὲ νόσος διέφθειρε, Κράσσος δὲ περὶ Λεύκας
 ἐπιθεμένων τινῶν ἔπεσεν ἐν μάχῃ. Μάνιος δ' Ἀκύλ-
 λιος ἐπελθὼν ὕπατος μετὰ δέκα πρεσβευτῶν διέταξε 25
 τὴν ἐπαρχίαν εἰς τὸ νῦν ἔτι συμμένον τῆς πολιτείας
 σχῆμα.

- 0.647 Μετὰ δὲ Λεύκας Φώκαια ἐν κόλπῳ· περὶ δὲ ταύ-
 τῃς εἰρήκαμεν ἐν τῷ περὶ Μασσαλίας λόγῳ. εἶθ' οἱ
 ὄροι τῶν Ἰώνων καὶ τῶν Αἰολέων· εἰρηται δὲ καὶ περὶ 30
 τούτων. ἐν δὲ τῇ μεσογαίᾳ τῆς Ἰωνικῆς παραλίας λοιπὰ
 ἔστι τὰ περὶ τὴν ὁδὸν τὴν ἐξ Ἐφέσου μέχρι Ἀντιοχείας

καὶ τοῦ Μαιάνδρου. ἔστι δὲ καὶ τὰ χωρία ταῦτα *Λυδοὶς*
καὶ *Καρσίην* ἐπίμικτα καὶ τοῖς Ἑλλήσι.

Πρώτη δ' ἐστὶν ἐξ Ἐφέσου *Μαγνησία πόλις* *Αἰο-* 39
λῖς, λεγομένη δὲ ἐπὶ Μαιάνδρῳ· πλησίον γὰρ αὐτοῦ
ἵδρυνται· πολὺ δὲ πλησιαιτέρον ὁ *Ἀθηθαῖος* ἐμβάλλων
εἰς τὸν *Μαίανδρον*, τὴν δ' ἀρχὴν ἔχων ἀπὸ *Πακτύου*
τοῦ τῶν Ἐφεσίων ὄρους· ἕτερος δ' ἐστὶ *Ἀθηθαῖος* ὁ ἐν
Γορτύνῃ καὶ ὁ περὶ *Τρίκκην*, ἐφ' ᾧ ὁ Ἀσκληπιὸς γεν-
νηθῆναι λέγεται, καὶ ἔτι ἐν τοῖς Ἑσπερίταις *Λίβυσι*.
10 κεῖται δ' ἐν πεδίῳ πρὸς ὄρει καλουμένῳ *Θώρακι* ἡ πό-
λις, ἐφ' ᾧ σταυρωθῆναι φασὶ *Δαφτίαν* τὸν γραμματι-
κὸν λοιδορήσαντα τοὺς βασιλέας διὰ διστίχου „πορ-
„φύρσοι μάλωπες, ἀπορφνηήματα γάζης *Λυσιμάχου*,
„*Λυδῶν* ἄρχετε καὶ *Φρυγίης*.“ καὶ λόγιον δ' ἐκπεσεῖν
15 αὐτῷ λέγεται φυλάττεσθαι τὸν *Θώρακα*.

Δοκοῦσι δ' εἶναι *Μάγνητες* * *Δελφῶν* ἀπόγονοι 40
τῶν ἐποικησάντων τὰ *Δίδυμα* ὄρη ἐν *Θετταλίᾳ*, περὶ
ᾧ φησὶν Ἡσίοδος „ἢ οἷη *Διδύμους* ἱερὸς ναίου-
„σα * *κολωνούς*, *Δωτίῳ* ἐν πεδίῳ πολυβότρουος ἄντ'
20 „*Ἀμύροιο*, νίφατο *Βοιβιάδος* λίμνης πόδα παρθένος
„*ἀδμής*.“

Ἐνταῦθα δ' ἦν καὶ τὸ τῆς *Λινδυμήνης* ἱερὸν μη-
τρὸς θεῶν· ἱεράσασθαι δ' αὐτοῦ τὴν *Θεμιστοκλείους*
γυναῖκα, οἱ δὲ θυγατέρα παραδιδόασιν· νῦν δ' οὐκ ἔστι
25 τὸ ἱερὸν διὰ τὸ τὴν πόλιν εἰς ἄλλον μετεκίσθαι τόπον·
ἐν δὲ τῇ νῦν πόλει τὸ τῆς *Λευκοφρυγῆνης* ἱερὸν ἔστιν
Ἀρτέμιδος, ὃ τῷ μὲν μεγέθει τοῦ ναοῦ καὶ τῷ πλήθει
τῶν ἀναθημάτων λείπεται τοῦ ἐν Ἐφέσῳ, τῇ δ' εὐ-
φυθμῷ καὶ τῇ τέχνῃ τῇ περὶ τὴν κατασκευὴν τοῦ ση-
30 κοῦ πολὺ διαφέρει· καὶ τῷ μεγέθει ὑπεραίρει πάντα
τοὺς ἐν Ἀσίᾳ πλὴν *Δυιῖν*, τοῦ ἐν Ἐφέσῳ καὶ τοῦ ἐν *Δι-*
δύμοις. καὶ τὸ παλαιὸν δὲ συνέβη τοῖς *Μάγνησιν* ὑπὸ

Τρηρῶν ἄρδην ἀναιρεθῆναι, Κιμμερικοῦ ἔθνους, εὐ-
 τυχήσαντας πολὺν χρόνον, τὸ δ' ἐξῆς τοὺς Ἑφεισίους
 κατασχεῖν τὸν τόπον. Καλλίνος μὲν οὖν ὥς εὐτυχούν-
 των ἐτι τῶν Μαγνήτων μέμνηται καὶ κατορθούντων
 ἐν τῷ πρὸς τοὺς Ἑφεισίους πολέμῳ, Ἀρχίλοχος δὲ ἤδη 5
 φαίνεται γνωρίζων τὴν γενομένην αὐτοῖς συμφορὰν
 „κλαίει * θάσων οὐ τὰ Μαγνήτων κακά.“ ἐξ οὗ καὶ
 C.648[αὐ]τὸν νεώτερον εἶναι τοῦ Καλλίνου τεκμαίρεσθαι
 πάρεστιν. ἄλλης δὲ τινος ἐφόδου τῶν Κιμμερίων μέ-
 μνηται πρὶς βυτιέρας ὁ Καλλίνος ἐπὶ φῆ „νὺν δ' ἐπὶ 10
 „Κιμμερίων στρατὸς ἔρχεται ὀβριμοεργῶν,“ ἐν ᾗ τὴν
 Σάρδεων ἄλωσιν δηλοῖ.

- 41 Ἄνδρες δ' ἐγένοντο γνώριμοι Μάγνητες Ἡγησίας
 τε ὁ ῥήτωρ, ὃς ἤρξε μάλιστα τοῦ Ἀσιανοῦ λεγομένου
 ξήλου παραφθείρας τὸ καθεστὼς ἔθος τὸ Ἀττικόν, καὶ 15
 Σίμος ὁ μελοποιὸς παραφθείρας καὶ αὐτὸς τὴν τῶν
 προτέρων μελοποιῶν ἀγωγὴν καὶ τὴν συμφδίαν εἰσα-
 γαγών (καθάπερ ἐτι μᾶλλον λυσιφθοὶ καὶ μαγροὶ),
 καὶ Κλεόμαχος ὁ πύκτης, ὃς εἰς ἔρωτα ἐμπεσὼν κιναι-
 δου τινὸς καὶ παιδίσκης ὑπὸ [τῷ] κιναιδῷ τρεφομένης 20
 ἀπεμιμήσατο τὴν ἀγωγὴν τῶν παρὰ τοῖς κιναιδοῖς
 διαλέκτων καὶ τῆς ἡθοποιίας· ἤρξε δὲ Σωτάδης μὲν
 πρῶτος τοῦ κιναιδολογεῖν, ἔπειτα Ἀλέξανδρος ὁ Αἰτω-
 λός· ἀλλ' οὗτοι μὲν ἐν φιλῷ λόγῳ, μετὰ μέλους δὲ Αὐ-
 σις, καὶ ἐτι πρότερος τούτου ὁ Σίμος. Ἀναξήνορα δὲ 25
 τὸν κιθαροφθὸν ἐξῆρε μὲν καὶ τὰ θεάτρα, ἀλλ' ὅτι μάλ-
 ιστα Ἀντώνιος, ὃς γε καὶ τεττάρων πόλεων ἀπέδειξε
 φορολόγον στρατιώτας αὐτῷ συστήσας. καὶ ἡ πατρίς
 δ' ἱκανῶς αὐτὸν ἠϋξῆσε πορφύραν ἐνδύσασα ἱερωμέ-
 νον τοῦ σωσιπόλιδος Διός, καθάπερ καὶ ἡ γραπτὴ εἰ- 30
 κὼν ἐμφανίζει ἢ ἐν τῇ ἀγορᾷ. ἔστι δὲ καὶ χαλκῇ εἰκὼν
 ἐν τῷ θεάτρῳ ἐπιγραφὴν ἔχουσα „ἦτοι μὲν τόδε καλὸν

„ἀκουέμεν ἐστὶν ἀοιδοῦ τοιοῦδ', οἷος ὃδ' ἐστί, θεοῖς
 „ἐναλίγκιος αὐδῇ.“ οὐ στοχασάμενος δὲ ὁ ἐπιγράψας τὸ
 τελευταῖον γράμμα τοῦ δευτέρου ἔπους παρέλιπε τοῦ
 πλάτους τῆς βάσεως μὴ συνεξαρκούντος, ὥστε τῆς πό-
 5 λεως ἀμαθίαν καταγινώσκειν παρέσχε διὰ τὴν ἀμφι-
 βολίαν τὴν περὶ τὴν γραφήν, εἴτε τὴν ὀνομαστικὴν
 δέχοιτο πτωσιν τῆς ἐσχάτης προσηγορίας εἴτε τὴν δο-
 τικὴν· πολλοὶ γὰρ χωρὶς τοῦ ἰ γράφουσι τὰς δοτικὰς,
 καὶ ἐκβάλλουσι δὲ τὸ ἔθος φυσικὴν αἰτίαν οὐκ ἔχον.

- 10 Μετὰ δὲ Μαγνησίαν ἢ ἐπὶ Τράλλεις ἐστὶν ὁδὸς ἐν 42
 ἀριστερᾷ μὲν τὴν Μεσωγίδα ἔχουσιν, ἐν αὐτῇ δὲ τῇ
 ὁδῷ καὶ ἐν δεξιᾷ τὸ Μαιάνδρου πεδίον, Λυδῶν ἅμα
 καὶ Καρῶν νεμομένων καὶ Ἰώνων Μιλησίων τε καὶ
 Μυησίων, ἐτι δὲ Αἰολέων τῶν ἐν Μαγνησίᾳ· ὁ δ' αὐ-
 15 τὸς τρόπος τῆς τοποθεσίας καὶ μέχρι Νύσσης καὶ Ἀν-
 τιοχείας. Ἰδρυται δ' ἡ μὲν τῶν Τραλλιανῶν πόλις ἐπὶ
 τραπεζίου τινὸς ἄκραν ἔχοντος ἐρυμνῆν· καὶ τὰ κύκλω
 δ' ἱκανῶς εὐερκῇ· συνοικεῖται δὲ καλῶς εἰ τις ἄλλη C.649
 τῶν κατὰ τὴν Ἀσίαν ὑπὸ εὐπόρων ἀνθρώπων, καὶ αἰεί
 20 τινες ἐξ αὐτῆς εἰσιν οἱ πρωτεύοντες κατὰ τὴν ἐπαρχίαν,
 οὓς Ἀσιάρχας καλοῦσιν· ὧν Πυθοδωρός τε ἦν, ἀνὴρ
 Νυσσεὺς τὸ ἐξ ἀρχῆς, ἐκείσε δὲ μεταβεβηκὼς διὰ τὴν
 ἐπιφάνειαν καὶ ἐν τῇ πρὸς Πομπήιον φιλίᾳ διαπρέπων
 μετ' ὀλίγων· περιεβέβλητο δὲ καὶ οὐσίαν βασιλικὴν
 25 πλειόνων ἢ δισχιλίων ταλάντων, ἣν ὑπὸ Καίσαρος τοῦ
 θεοῦ πραθεῖσαν διὰ τὴν πρὸς Πομπήιον φιλίαν ἐξωνη-
 σάμενος οὐχ ἥτις τοῖς παισὶ κατέλιπε· τούτου δ' ἐστὶ
 θυγάτηρ Πυθοδωρὶς ἡ νῦν βασιλεύουσα ἐν τῷ Πόντῳ,
 περὶ ἧς εἰρήκαμεν. οὗτός [τε] δὴ καθ' ἡμᾶς ἤκμασε καὶ
 30 Μηνόδωρος, ἀνὴρ λόγιος καὶ ἄλλως σεμνὸς καὶ βαρὺς,
 ἔχων τὴν ἱερωσύνην τοῦ Διὸς τοῦ * Λαρισαίου· κατε-
 στασιάσθη δ' ὑπὸ τῶν Δομετίου τοῦ Ἀηνοβάρβου φί-

λων, καὶ ἀνείλεν αὐτὸν ἐκεῖνος ὡς ἀφιστάντα τὸ ναυ-
τικόν, πιστεύσας τοῖς ἐνδειξαμένοις. ἐγένοντο δὲ καὶ
ρήτορες ἐπιφανεῖς Διονυσοκλῆς τε καὶ μετὰ ταῦτα Δά-
μασος ὁ σκόμβρος. κτίσμα δὲ φασιν εἶναι τὰς Τράλλεις
Ἀργείων καὶ τινων Θρακῶν Τραλλίων, ἀφ' ὧν τοῦ- 5
νομα. τυραννηθῆναι δ' ὀλίγον συνέπεσε χρόνον τὴν
πόλιν ὑπὸ τῶν Κρατίππου παίδων κατὰ τὰ Μιθρι-
δατικά.

- 43 Νῦσα δ' ἴδρυται πρὸς τῇ Μεσωγίδι τὸ πλεόν τῷ
ὄρει προσανακεικλιμένη, ἔστι δ' ὥσπερ δίπολις· διαιρεῖ 10
γὰρ αὐτὴν χαράδρα τις ποιούσα φάραγγα, ἥς τὸ μὲν
γέφυραν ἐπικειμένην ἔχει συνάπτουσιν τὰς δύο πό-
λεις, τὸ δ' ἀμφιθεάτρῳ κεκόσμηται κρυπτὴν ἔχοντι
τὴν ὑπόρουσιν τῶν χαράδρων ὑδάτων· τῷ δὲ θεά-
τρῳ δύο ἄκραι, ὧν τῇ μὲν ὑπόκειται τὸ γυμνάσιον τῶν 15
νέων, τῇ δ' ἀγορὰ καὶ τὸ γεροντικόν· πρὸς δὲ νότον
ὑποπέπτωκε τῇ πόλει τὸ πεδίον, καθάπερ καὶ ταῖς
Τράλλεσιν.

- 44 Ἐν δὲ τῇ ὁδῷ τῇ μεταξὺ τῶν Τράλλεων καὶ τῆς
Νύσης κώμη τῶν Νυσαίων ἔστιν οὐκ ἄπωθεν τῆς πό- 20
λεως Ἀχάρακα, ἐν ᾗ τὸ Πλουτώνιον ἔχον καὶ ἄλλος
πολυτελὲς καὶ νεῶν Πλούτωνός τε καὶ Κόρης, καὶ τὸ
Χαράνιον ἄντρον ὑπερκείμενον τοῦ ἄλλους θαυμα-
στὸν τῇ φύσει· λέγουσι γὰρ δὴ τοὺς νοσώδεις καὶ προσ-
έχοντας ταῖς τῶν θεῶν τούτων θεραπαίαις φοιτᾶν 25
ἐκεῖσε καὶ διαιτᾶσθαι ἐν τῇ κώμῃ πλησίον τοῦ ἄντρον
παρὰ τοῖς ἐμπείροις τῶν ἱερέων, οἳ ἐγκοιμῶνται τε
ὑπὲρ αὐτῶν καὶ διατάττουσιν ἐκ τῶν ὀνείρων τὰς θε-
ραπείας. οὗτοι δ' εἰσὶ καὶ οἱ ἐπικαλοῦντες τὴν τῶν
θεῶν ἰατρείαν· ἄγουσι δὲ πολλάκις εἰς τὸ ἄντρον καὶ 30

ἰδρύνουσι μένοντας καθ' ἡσυχίαν ἐκεῖ καθάπερ ἐν φω-
 λαῷ σιτίων χωρὶς ἐπὶ πλείους ἡμέρας. ἔστι δ' ὅτε καὶ C. 650
 ἰδίους ἐνυπνίοις οἱ νοσηλευόμενοι προσέχουσι, μυστα-
 γωγοῖς δ' ὅμως καὶ συμβούλοις ἐκείνοις χρῶνται ὡς ἂν
 5 ἱερεῦσι· τοῖς δ' ἄλλοις ἄδυστός ἐστιν ὁ τόπος καὶ ὀλέ-
 θριος. πανήγυρις δ' ἐν τοῖς Ἀχαράκοις συντελεῖται
 κατ' ἔτος, καὶ τότε μάλιστα ὁρᾶν ἔστι καὶ ἀκούειν περὶ
 τῶν νοσούντων τοὺς πανηγυρίζοντας· τότε δὲ καὶ περὶ
 τὴν μεσημβρίαν ὑπολαβόντες ταῦρον οἱ ἐκ τοῦ γυμνα-
 10 σίου νέοι καὶ ἑφηβοὶ γυμνοὶ λίπ' ἀληλιμμένοι μετὰ
 σπουδῆς ἀνακομίζουσιν εἰς τὸ ἄντρον· ἀφεθείς δὲ μι-
 κρὸν προελθὼν πίπτει καὶ ἐκπνοὺς γίνεται.

Ἀπὸ δὲ τριάκοντα σταδίων τῆς Νύσης ὑπερβᾶσι 45
 * Τρωῶλον τὸ ὄρος τὴν Μεσσωγίδα ἐπὶ τὰ πρὸς νότον
 15 μέρη καλεῖται τόπος Λειμῶν, εἰς ὃν ἐξοδεύουσι πανη-
 γυριοῦντες Νυσσαῖς τε καὶ οἱ κύκλῳ πάντες· οὐ πόρρω
 δὲ τούτου στόμιόν ἐστιν ἱερὸν τῶν αὐτῶν θεῶν, ὃ φασὶ
 καθήκειν μέχρι τῶν Ἀχαράκων. τοῦτον δὲ τὸν λει-
 μῶνα ὀνομάζειν τὸν ποιητὴν φασιν ὅταν φῇ „Ἀσίῳ ἐν
 20 „λειμῶνι,“ δεικνύντες Καῦστρίου καὶ Ἀσίου τινὸς
 ἡρῶν καὶ τὸν Κάυστρον πλησίον ἀπορρέοντα.

Ἱστοροῦσι δὲ τρεῖς ἀδελφοὺς, Ἀθυμβρόν τε καὶ 46
 Ἀθύμβραδον καὶ Ὑδρηλον, ἐλθόντας ἐκ Λακεδαιμόνος
 τὰς ἐπωνύμους ἑαυτῶν κτίσαι πόλεις, λειπανδρῆσαι δ'
 25 ὕστερον, ἐξ ἐκείνων δὲ συνοικισθῆναι τὴν Νῦσαν·
 καὶ νῦν Ἀθυμβρον ἀρχηγέτην νομίζουσιν οἱ Νυσσαῖς.

Περίκεινται δὲ ἀξιόλογοι κατοικίαι πέραν τοῦ 47
 Μαιάνδρου, Κοσκίνια καὶ Ὀρθωσία· ἐντὸς δὲ Βορίουλα
 Μάσταυρα Ἀχάρακα καὶ ὑπὲρ τῆς πόλεως ἐν τῷ ὄρει
 30 τὰ Ἀρομα, ὅθεν ἄριστος Μεσσωγίτης οἶνος ὁ Ἀρομεύς.

30. post Ἀρομα: συστέλλοντες τὸ ῥῶ γράμμα.

48 Ἄνδρες δὲ γεγόνασιν ἐνδοξοὶ Νυσαεῖς Ἀπολλωνίος τε ὁ στωικὸς φιλόσοφος τῶν Παναιτίου γνωρίμων ἄριστος, καὶ Μενεκράτης Ἀριστάρχου μαθητής, καὶ Ἀριστόδημος ἐκείνου υἱός, οὗ διηκούσαμεν ἡμεῖς ἐσχάτῳ γηγῶ νέοι παντελῶς ἐν τῇ Νύσῃ· καὶ Σώστρατος δὲ ὁ ἄδελφός τοῦ Ἀριστοδήμου καὶ ἄλλος Ἀριστόδημος ἀνεψιὸς αὐτοῦ ὁ παιδεύσας Μάγνον Πομπήιον ἀξιόλογοι γεγόνασι γραμματικοί· ὁ δ' ἡμέτερος καὶ ἐρρητόρευε καὶ ἐν τῇ Ρόδῳ καὶ ἐν τῇ πατρίδι δύο σχολὰς συνεῖχε, πρῶτὴ μὲν τὴν ῥητορικὴν δειλὴς δὲ τὴν γραμματικὴν σχολήν· ἐν δὲ τῇ Ρώμῃ τῶν Μάγνου παιδῶν ἐπιστατῶν ἤρκαίτο τῇ γραμματικῇ σχολῇ.

2 Τὰ δὲ πέραν ἤδη τοῦ Μαιάνδρου τὰ λειπόμενα C.651 τῆς περιουσίας πάντ' ἐστὶ Καρικά, οὐκ ἐτι τοῖς Ἀνδοῖς ἐπιμειγμένων ἐνταῦθα τῶν Καρῶν ἀλλ' ἤδη καθ' 15 αὐτοὺς ὄντων, πλὴν εἴ τι Μιλήσιοι καὶ Μνυόσιοι τῆς παραλίας ἀποτέμνηνται. ἀρχὴ μὲν οὖν τῆς Καρίας ἐστὶν ἡ τῶν Ῥοδίων περαιὰ πρὸς θαλάττης, τέλος δὲ τὸ Ποσειδῖον τῶν Μιλησίων, ἐν δὲ τῇ μεσογαίᾳ τὰ ἄκρα τοῦ Ταύρου μέχρι Μαιάνδρου. λέγουσι γὰρ ἀρχὴν 20 εἶναι τοῦ Ταύρου τὰ ὑπερκείμενα ὄρη τῶν Χελιδονίων καλουμένων νήσων, αἵ περ ἐν μεθορίῳ τῆς Παμφυλίας καὶ τῆς Λυκίας πρόκεινται· ἐντεῦθεν γὰρ ἐξαίρεται πρὸς ὕψος ὁ Ταῦρος· τὸ δ' ἀληθὲς καὶ τὴν Λυκίαν ἅπασαν ὄρεινὴ χάσις τοῦ Ταύρου διείργει πρὸς τὰ 25 ἐκτὸς καὶ τὸ νότιον μέρος ἀπὸ τῶν Κιβυρατικῶν μέχρι τῆς περαιᾶς τῶν Ῥοδίων. κἀνταῦθα δ' ἐστὶ συνεχὴς ὄρεινὴ, πολὺ μέντοι ταπεινότερα καὶ οὐκ ἐτι τοῦ Ταύρου νομιζέται, οὐδὲ τὰ μὲν ἐκτὸς αὐτοῦ τὰ δ' ἐντός, διὰ το σποράδας εἶναι τὰς ἐξοχὰς καὶ τὰς εἰσοχὰς ἐπίσης 30 * τε πλάτος καὶ μῆκος τῆς χώρας ἀπάσης καὶ μηδὲν ἔχειν ὅμοιον διατειχίσματι. ἐστὶ δ' ἅπας μὲν ὁ περὶ-

πλους κατακολπίζοντι σταδίων τετρακισχιλίων ἑνακοσίων, αὐτὸς δὲ ὁ τῆς περαιᾶς τῶν Ῥοδίων ἐγγὺς χιλίων καὶ πεντακοσίων.

Ἀρχὴ δὲ τὰ Λαϊδάλα τῆς Ῥοδιάς χωρίον, πέρας δὲ 2
5 τὸ καλούμενον ὄρος Φοίνιξ, καὶ τοῦτο τῆς Ῥοδιάς.
πρόκειται δ' Ἐλαιούσσα νῆσος διέχουσα τῆς Ῥόδου
σταδίους ἑκατὸν εἰκοσι. μεταξὺ δὲ πρῶτον μὲν ἀπὸ
Λαιδάλων πλείουσιν ἐπὶ τὴν δύσιν ἐπ' εὐθείας τῇ ἐκ
Κιλικίας καὶ Παμφυλίας καὶ Λυκίας παραλία κόλπος
10 ἔστιν ἐνλίμενος Γλαῦκος καλούμενος, εἴτα τὸ Ἀρτεμί-
σιον ἄκρα καὶ ἱερὸν, εἴτα τὸ Αἰτῶν ἄλσος· ὑπὲρ αὐ-
τοῦ δὲ καὶ τῆς θαλάττης ἐν ἐξήκοντα σταδίοις Κάλυνδα
πόλις· εἴτα Καῦνος καὶ ποταμὸς πλησίον Κάλβις βα-
θὺς ἔχων εἰσαγωγὴν, καὶ μεταξὺ Πίσιλις.

15 Ἐχει δ' ἡ πόλις νεώρια καὶ λιμένα κλειστόν· ὑπὲρ 3
κεῖται δὲ τῆς πόλεως ἐν ὕψει φρούριον Ἰμβρος. τῆς δὲ
χώρας εὐδαίμονος οὕσης ἡ πόλις τοῦ θέρους ὁμολο-
γεῖται παρὰ πάντων εἶναι δυσάερος καὶ τοῦ μετο-
πώρου . . . διὰ τὰ καύματα καὶ τὴν ἀφθονίαν τῶν
20 ὥραιων· καὶ δὴ καὶ τὰ τοιαῦτα διηγημάτια θρυλεῖται,
ὅτι Στρατόνικος ὁ κιθαριστὴς ἰδὼν * ἐπιμελῶς χλω-
ροὺς τοὺς Καννίους, τοῦτ' εἶναι ἔφη τὸ τοῦ ποιητοῦ
„οἷα περ φύλλων γενεή, τοιήδε καὶ ἀνδρῶν.“ μεμφο-
μένων δὲ ὥς σκώπτοιο αὐτῷ ἡ πόλις ὥς νοσερά „ἐγώ“
25 ἔφη „ταύτην θαρρήσαιμ' ἂν λέγειν νοσεράν, ὅπου καὶ
„οἱ νεκροὶ περιπατοῦσιν;“ ἀπέστησαν δὲ ποτε Καὺ-C.652
νιοι τῶν Ῥοδίων· κριθέντες δ' ἐπὶ τῶν Ῥωμαίων ἀπε-
λήφθησαν πάλιν· καὶ ἔστι λόγος Μόλωνος κατὰ Καν-
νίων. φασὶ δ' αὐτοὺς ὁμογλώττους μὲν εἶναι τοῖς
30 Καρσίν, ἀφίχθαι δ' ἐκ Κρήτης καὶ χρῆσθαι νόμοις
ἰδίοις.

Ἐξῆς δὲ Φύσκος πολίχνη λιμένα ἔχουσα καὶ ἄλσος 4

Λητώων· εἶτα Λώρυμα παραλία τραχεῖα, καὶ ὄρος
 ὑψηλότετον τῶν ταύτῃ (ἐπ' ἄκρῳ δὲ φρούριον ὁμώνυ-
 μον τῷ ὄρει) Φοῖνιξ· πρόκειται δ' ἡ Ἐλαιουῦσσα νῆσος
 ἐν τέτταρσι σταδίοις κύκλον ἔχουσα ὅσον ὀκτωστάδιον.

- 6 Ἡ δὲ τῶν Ῥοδίων πόλις κεῖται μὲν ἐπὶ τοῦ ἰωθινοῦ 5
 ἀκρωτηρίου, λιμένι δὲ καὶ ὁδοῖς καὶ τείχεσι καὶ τῇ ἄλλῃ
 κατασκευῇ τοσοῦτον διαφέρει τῶν ἄλλων ὥστ' οὐκ ἔχο-
 μεν εἰπεῖν ἑτέραν ἀλλ' οὐδὲ πάρισον, μὴ τί γε κρείττω
 ταύτης τῆς πόλεως. θαυμαστὴ δὲ καὶ ἡ εὐνομία καὶ ἡ
 ἐπιμέλεια πρὸς τε τὴν ἄλλην πολιτείαν καὶ τὴν περὶ τὰ 10
 ναυτικά, ἀφ' ἧς ἐθαλαττοκράτησε πολὺν χρόνον καὶ τὰ
 ληστήρια καθεῖλε καὶ Ῥωμαίοις ἐγένετο φίλη καὶ τῶν
 βασιλέων τοῖς φιλορωμαίοις τε καὶ φιλέλλησιν· ἀφ'
 ὧν αὐτόνομός τε διετέλεσε καὶ πολλοῖς ἀναθημασιν
 ἐκοσμήθη, αὖ κεῖται τὰ μὲν πλεῖστα ἐν τῷ Διονυσίῳ 15
 καὶ τῷ γυμνασίῳ, ἄλλα δ' ἐν ἄλλοις τόποις. ἄριστα δὲ
 ὁ τε τοῦ Ἥλιου κολοσσός, ὃν φησὶν ὁ ποιήσας τὸ ἱαμ-
 βεῖον ὅτι „ἐπτάκις δέκα Χάρης ἐποίει πηχέων ὁ Δίν-
 „διος.“ κεῖται δὲ νῦν ὑπὸ σεισμοῦ πεσὼν περικλα-
 σθεὶς ἀπὸ τῶν γονάτων· οὐκ ἀνέστησαν δ' αὐτὸν κατὰ 20
 τι λόγιον. τοῦτό τε δὴ τῶν ἀναθημάτων κράτιστον
 (τῶν γοῦν ἐπὶ αἰμαμάτων ὁμολογεῖται) καὶ αἱ τοῦ
 Πρωτογένους γραφαί, ὃ τε Ἰάλυσος καὶ ὁ Σάτυρος πα-
 ριστώς στύλῳ, ἐπὶ δὲ τῷ στύλῳ πέρδιξ ἐφειστήκει,
 πρὸς ὃν οὕτως ἐκεχήμεσαν ὥς ἔοικεν οἱ ἄνθρωποι 25
 νεωστὶ ἀνακειμένου τοῦ πίνακος, ὥστ' ἐκείνον ἐθαύ-
 μαζον, ὁ δὲ Σάτυρος παρεωρᾶτο καίτοι σφόδρα κα-
 ταρθωμένος· ἐξέπληττον δ' ἐτι μᾶλλον οἱ περδιχο-
 τρόφοι κομίζοντες τοὺς τιθασοὺς καὶ τιθέντες καταν-
 τικρὶ· ἐφθέγγοντο γὰρ πρὸς τὴν γραφὴν οἱ πέρδικες 30
 καὶ ὠχλαγῶνουν. ὁρῶν δὲ ὁ Πρωτογένης τὸ ἔργον πά-
 ρεργον γεγονὸς ἰδεῖσθαι τῶν τοῦ τεμένους προεστῶτων

ἐπιτρέψαι παρελθόντα ἐξαλεῖψαι τὸν ὄρνιν καὶ ἐποίησε.
 δημοκρατεῖς δ' εἰσὶν οἱ Ῥόδιοι καίπερ οὐ δημοκρατού-
 μενοι, συνέχειν δ' ὅμως βουλόμενοι τὸ τῶν πενήτων
 πληθος. σιταρχεῖται δὴ ὁ δῆμος καὶ οἱ εὐποροὶ τοὺς 5
 ἐνδεεῖς ὑπολαμβάνουσιν ἔθει τινὶ πατρίῳ, λειτουργίαι
 τέ τινές εἰσιν ὁψωνιαζόμενοι, ὥσθ' ἅμα τὸν τε πένητα
 ἔχειν τὴν διατροφήν καὶ τὴν πόλιν τῶν χρεῶν μὴ κα-
 θυστερεῖν καὶ μάλιστα πρὸς τὰς ναυστολίας. τῶν δὲ
 ναυστάθμων τινὰ καὶ κρυπτὰ ἦν καὶ ἀπόρρητα τοῖς
 10 πολλοῖς, τῷ δὲ κατοπτεύσαντι ἢ παρελθόντι εἰσω θά-
 νατος ὄριστο ἢ ζημία. κἀνταῦθα δὲ ὥσπερ ἐν Μασσα-
 λία καὶ Κυζίκῳ τὰ περὶ τοὺς ἀρχιτέκτονας καὶ τὰς ὀρ-
 γανοποιίας καὶ θησαυροὺς ὀπλων τε καὶ τῶν ἄλλων
 ἐσπούδασται διαφερόντως, καὶ ἐτι γε τῶν παρ' ἄλλοις
 15 μᾶλλον.

Δωριεῖς δ' εἰσὶν ὥσπερ καὶ Ἀλικαρνασεῖς καὶ Κνί- 6
 διοὶ καὶ Κῳοί. οἱ γὰρ Δωριεῖς οἱ τὰ Μέγαρα κτίσαντες
 μετὰ τὴν Κόδρου τελευτὴν οἱ μὲν ἔμειναν αὐτόθι, οἱ
 δὲ σὺν Ἀλθαίμεινι τῷ Ἀργεῖῳ τῆς εἰς Κρήτην ἀποικίας
 20 ἐκοινώνησαν, οἱ δ' εἰς τὴν Ῥόδον καὶ τὰς λεχθεῖσας
 ἀρτίως πόλεις ἐμερίσθησαν. ταῦτα δὲ νεώτερα τῶν ὑφ'
 Ὀμήρου λεγομένων ἐστί· Κνίδος μὲν γὰρ καὶ Ἀλικαρ-
 νασὸς οὐδ' ἦν πω, Ῥόδος δ' ἦν καὶ Κῶς, ἀλλ' ὥκειτο
 ὑφ' Ἡρακλειδῶν. Τληπόλεμος μὲν οὖν ἀνδρωθεὶς
 25 „αὐτίκα πατρὸς ἑοῖο φίλον μήτρωα κατέκτα ἥδη γη-
 „ράσκοντα, Λικύμνιον. αἶψα δὲ νῆας ἐπηξε, πολὺν δ'
 „ὄγε λαὸν ἀγείρας βῆ φεύγων.“ εἰτά φησιν „εἰς Ῥόδον
 „ἔξεν ἀλώμενος,“ „τριχθὰ δὲ ᾤκηθεν καταφυλαδόν.“
 καὶ τὰς πόλεις ὀνομάζει τὰς τότε „Λίνδον Ἰηλυσὸν τε
 30 „καὶ ἀργινόντα Κάμειρον,“ τῆς Ῥοδίων πόλεως οὕτω
 συνφικισμένης. οὐδαμοῦ δὲ ἐνταῦθα Δωριέας ὀνομά-
 ζει, ἀλλ' εἰ ἄρα Αἰολίας ἐμφαίνει καὶ Βοιωτοὺς, εἶπερ

ἐκεῖ ἡ κατοικία τοῦ Ἡρακλείους καὶ τοῦ Λικυμνίου· εἰ δ' ὥσπερ καὶ ἄλλοι φασίν, ἐξ Ἀργεὺς καὶ Τίρυνθος ἀπῆρκεν ὁ Τληπόλεμος, οὐδ' οὕτω Δωρικὴ γίνεται ἡ ἐκεῖθεν ἀποικία· πρὸ γὰρ τῆς Ἡρακλειδῶν καθόδου γεγέννηται. καὶ τῶν Κρῶν δὲ „Φεῖδιππὸς τε καὶ Ἄντι-
 „φρος ἡγησάσθην, Θεσσαλοῦ υἱὲ δ' ὧν Ἡρακλείδαο ἀνα-
 „κτος,“ καὶ οὗτοι τὸ Αἰολικὸν μᾶλλον ἢ τὸ Δωρικὸν γένος ἐμφαίνοντες.

7 Ἐκαλεῖτο δ' ἡ Ῥόδος πρότερον Ὀφιοῦσσα καὶ Στα-
 δία, εἰτα Τελχινὺς ἀπὸ τῶν οἰκησάντων Τελχίνων τὴν 10
 C.664 νῆσον, οὓς οἱ μὲν βασκανοὺς φασὶ καὶ γόητας * θείῳ
 καταρρέοντας τὸ τῆς Στυγὸς ὕδαρ ζῶων τε καὶ φυτῶν
 ὀλέθρου χάριν, οἱ δὲ τέχναις διαφέροντας τούναντιον
 ὑπὸ τῶν ἀντιτέχνων βασκανθῆναι καὶ τῆς δυσφημίας
 τυχεῖν ταύτης, ἐλθεῖν δ' ἐκ Κρήτης εἰς Κύπρον πρῶ- 15
 τον, εἰτ' εἰς Ῥόδον, πρῶτους δ' ἐργάσασθαι σίδηρόν
 τε καὶ χαλκόν, καὶ δὴ καὶ τὴν ἄρπην τῷ Κρόνῳ δι-
 μιουργῆσαι. εἰρηται μὲν οὖν καὶ πρότερον περὶ αὐτῶν,
 ἀλλὰ ποιεῖ τὸ πολύμυθον ἀναλαμβάνειν πάλιν ἀνα-
 πληροῦντας εἰ τι παρελίπομεν. 20

8 Μετὰ δὲ τοὺς Τελχίνας οἱ Ἡλιάδαι μυθεύονται
 κατασχεῖν τὴν νῆσον, ὧν ἐνὸς Κέρκafου καὶ Κυδίπ-
 πης γενέσθαι παῖδας τοὺς τὰς πόλεις κτίσαντας ἐπω-
 νύμους αὐτῶν „Αἰνδὸν Ἰηλυσόν τε καὶ Ἀργινόεντα
 „Κάμειρον.“ ἐνιοὶ δὲ τὸν Τληπόλεμον κτίσαι φασί, 25
 θέσθαι δὲ τὰ ὀνόματα ὁμωνύμως τῶν Δαναοῦ θυγα-
 τέρων τισίν.

9 Ἡ δὲ νῦν πόλις ἐκτίσθη κατὰ τὰ Πελοπόννησιακὰ
 ὑπὸ τοῦ αὐτοῦ ἀρχιτέκτονος, ὥς φασιν, ὑφ' οὗ καὶ ὁ
 Πειραιεύς· οὐ συμμένει δ' ὁ Πειραιεύς, κακῶθις ὑπὸ 30
 τε Λακιδαιμονίων πρότερον τῶν τὰ σκέλη καθελόντων
 καὶ ὑπὸ Σύλλα τοῦ Ῥωμαίων ἡγεμόνος.

Ἱστοροῦσι δὲ καὶ ταῦτα περὶ τῶν Ῥοδίων, ὅτι οὐ 10
μόνον ἀφ' οὗ χρόνου συνώκισαν τὴν νῦν πόλιν εὐτύ-
χουν κατὰ θάλατταν, ἀλλὰ καὶ πρὸ τῆς Ὀλυμπικῆς θέ-
σεως συχνοῖς ἔτισιν ἐπλεον πόρρω τῆς οἰκείας ἐπὶ σω-
5 τηρίᾳ τῶν ἀνθρώπων· ἀφ' οὗ καὶ μέχρι Ἰβηρίας ἐπλευ-
σαν, κακεῖ μὲν τὴν Ῥόδην ἐκτίσαν ἣν ὕστερον Μασσα-
λιῶται κατέσχον, ἐν δὲ τοῖς Ὀπικοῖς τὴν Παρθενόπην,
ἐν δὲ Λαυνίοις μετὰ Κώων Ἐλπίας. τινὲς δὲ μετὰ τὴν
ἐκ Τροίας ἄφοδον τὰς Γυμνησίας νήσους ὑπ' αὐτῶν
10 κτισθῆναι λέγουσιν, ὧν τὴν μείζω φησὶ Τίμαιος με-
γίστην εἶναι μετὰ τὰς ἑπτὰ, Σαρδῶ Σικελίαν Κύπρον
Κρήτην Εὐβοίαν Κύρνον Δέσβον, οὐ τάληθ' ἔλγων·
πολὺ γὰρ ἄλλαι μείζους. τινὲς δὲ τῶν Ῥοδίων καὶ περὶ
Σύβαριν ὥκησαν κατὰ τὴν Χωνίαν. ἔοικε δὲ καὶ ὁ
15 ποιητὴς μαρτυρεῖν τὴν ἐκ παλαιοῦ παροῦσαν τοῖς Ῥο-
δίοις εὐδαιμονίαν εὐθύς ἀπὸ τῆς πρώτης κτίσεως τῶν
τριῶν πόλεων „τριχθὰ δὲ ὥκηθεν καταφυλαδόν, ἡδ'
„ἐφίληθεν ἐκ Διός, ὅστε θεοῖσι καὶ ἀνθρώποισιν ἀνάσ-
„σει, καὶ σφιν θεσπέσιον πλοῦτον κατέχευε Κρονίων.“
20 οἱ δ' εἰς μῦθον ἀνήγαγον τὸ ἔπος καὶ χρυσὸν ὑσθῆναίC.665
φασιν ἐν τῇ νήσῳ κατὰ τὴν Ἀθηνᾶς γένεσιν ἐκ τῆς κε-
φαλῆς τοῦ Διός, ὥς εἰρηκε Πίνδαρος. ἡ δὲ νῆσος
κύκλον ἔχει σταδίων ἑνακοσίων εἴκοσιν.

Ἔστι δὲ πρώτη μὲν Αἰνδος ἀπὸ τῆς πόλεως πλέου- 11
25 σιν ἐν δεξιᾷ ἔχουσι τὴν νῆσον, πόλις ἐπὶ ὄρους Ἰδρυ-
μένη, πολὺ πρὸς μεσημβρίαν ἀνατείνουσα καὶ πρὸς
Ἀλεξάνδρειαν μάλιστα· ἱερὸν δὲ ἐστὶν Ἀθηνᾶς Αἰνδίας
αὐτόθι ἐπιφανὲς τῶν Δαναίδων Ἱδρυμα. πρότερον
μὲν οὖν καθ' αὐτοὺς ἐπολιτεύοντο οἱ Αἰνδιοὶ, καθάπερ

13. ποῖ μείζους; φασὶ δὲ τοὺς γυμνήτας ὑπὸ Φοινίκων βα-
λαρίδας λέγεσθαι, διότι τὰς Γυμνασίας Βαλαρίδας λεχθῆναι.

καὶ Καμειρεῖς καὶ Ἰαλύσιοι, μετὰ ταῦτα δὲ συνήλθον ἅπαντες εἰς τὴν Ῥόδον. ἐντεῦθεν δ' ἐστὶν εἰς τῶν ἐπὶ ταῖς σοφῶν Κλεόβουλος

- 12 Μετὰ δὲ Αἰνδὸν Ἰξία χωρίον καὶ Μνασύριον· εἰθ' ὁ Ἀτάβυρις, ὄρος τῶν ἐνταῦθα ὑψηλότατον, ἱερὸν δὲ Διὸς Ἀταβυρίου· εἶτα Κάμειρος· εἰτ' Ἰαλυσὸς κώμη, καὶ ὑπὲρ αὐτὴν ἀκρόπολις ἐστὶν Ὀχύρωμα καλουμένη· εἰθ' ἡ τῶν Ῥοδίων πόλις ἐν ὀγδοήκοντά που σταδίοις. μεταξὺ δ' ἐστὶ τὸ Θοάντειον ἀκτὴ τις, ἧς μάλιστα πρό-
κεινται αἱ Σποράδες αἱ περὶ τὴν Χαλκίαν, ὧν ἐμνή- 10
σθημεν πρότερον.
- 13 Ἄνδρες δ' ἐγένοντο μνήμης ἄξιοι πολλοὶ στρατη-
λάται τε καὶ ἀθληταί, ὧν εἰσι καὶ οἱ Παναιτίου τοῦ
φιλοσόφου πρόγονοι· τῶν δὲ πολιτικῶν καὶ τῶν περὶ
λόγους καὶ φιλοσοφίαν ὅ τε Παναιτίος αὐτὸς καὶ Στρα- 15
τοκλῆς καὶ Ἀνδρόνικος ὁ ἐκ τῶν περιπάτων καὶ Λεω-
νίδης ὁ στωικός, ἔτι δὲ πρότερον Πραξιφάνης καὶ Ἰε-
ρωννυμος καὶ Εὐδημος. Ποσειδώνιος δ' ἐπολιτεύσατο
μὲν ἐν Ῥόδῳ καὶ ἐσοφίστευσεν, ἦν δ' Ἀπαμεὺς ἐκ τῆς
Συρίας, καθάπερ καὶ Ἀπολλώνιος ὁ μαλακὸς καὶ Μό- 20
λων, ἦσαν δὲ Ἀλαβανδεῖς, Μενεκλείους μαθηταὶ τοῦ
ρήτορος. ἐπεδήμησε δὲ πρότερον Ἀπολλώνιος, ὅψε δ'
ἦκεν ὁ Μόλων, καὶ ἔφη πρὸς αὐτὸν ἐκεῖνος „ὄψε μο-
„λὼν“ ἀντὶ τοῦ ἐλθῶν· καὶ Πείσανδρος δ' ὁ τὴν Ἡρά-
κλειαν γράφας ποιητὴς Ῥόδιος, καὶ Σιμμίας ὁ γραμμα- 25
τικός καὶ Ἀριστοκλῆς ὁ καθ' ἡμᾶς· Διονύσιος δὲ ὁ
Θοῤῃς καὶ Ἀπολλώνιος ὁ τοὺς Ἀργοναύτας ποιήσας
Ἀλεξανδρεῖς μὲν, ἐκαλοῦντο δὲ Ῥόδιοι. περὶ μὲν Ῥόδου
ἀποχρώντως εἴρηται.
- 14 Πάλιν δὲ τῆς Καρικῆς παραλίας τῆς μετὰ τὴν 30
Ῥόδον ἀπὸ Ἐλαιουίντος καὶ τῶν Λωρύνμων καμπτήρ τις
ἐπὶ τὰς ἄρκτους ἐστί, καὶ λοιπὸν ἐπ' εὐθείας ὁ πλοῦς

μέχρι τῆς Προποντίδος, ὥς ἂν μεσημβρινήν τινα ποιῶν γραμμὴν ὅσον πεντακισχιλίων σταδίων ἢ μικρόν ἀπολείπουσαν. ἐνταῦθα δ' ἐστὶν ἡ λοιπὴ τῆς Καρίας καὶ Ἰωνες καὶ Αἰολεῖς καὶ Τροία καὶ τὰ περὶ Κύζικον καὶ 5 Βυζάντιον.

Μετὰ δ' οὖν τὰ Λώρυμα τὸ Κυνὸς σῆμα ἐστὶ καὶ C.656 Σύμη νῆσος. εἶτα Κνίδος δύο λιμένας ἔχουσα, ὧν τὸν 16 ἕτερον κλειστὸν τριηρικὸν καὶ ναύσταθμον ναυσὶν εἰκοσι. πρόκειται δὲ νῆσος ἑπταστάδιός πως τὴν περι-
10 μετρον ὑψηλὴ θεατροειδὴς συναπτομένη χώμασι πρὸς τὴν ἡπειρον καὶ ποιούσα δίπολιν τρόπον τινὰ τὴν Κνίδον· πολὺ γὰρ αὐτῆς μέρος οἰκεῖ τὴν νῆσον σκεπάζουσιν ἀμφοτέρους τοὺς λιμένας. κατ' αὐτὴν δ' ἐστὶν ἡ Νίσυρος πελαγία. ἄνδρες δ' ἀξιόλογοι Κνίδιοι
15 πρῶτον μὲν Εὐδοξος ὁ μαθηματικὸς τῶν Πλάτωνος ἐταίρων, εἰτ' Ἀγαθαρχίδης ὁ ἐκ τῶν περιπάτων, ἀνὴρ συγγραφεύς, καθ' ἡμᾶς δὲ Θεόπομπος, ὁ Καῖσαρος τοῦ θεοῦ φίλος τῶν μέγα δυναμένων, καὶ υἱὸς Ἀρτεμίδωρος. ἐντεῦθεν δὲ καὶ Κτησίας ὁ ἰατρεύσας μὲν
20 Ἀρταξέρξην, συγγράψας δὲ τὰ Ἀσσυρικὰ καὶ τὰ Περσικά. εἶτα μετὰ Κνίδον Κέραμος καὶ Βάργασα πολέχνια ὑπὲρ θαλάττης.

Εἰδ' Ἀλικαρνασός, τὸ βασίλειον τῶν τῆς Καρίας 16 δυναστῶν, Ζεφυρία καλουμένη πρότερον. ἐνταῦθα δ' 25 ἐστὶν ὁ τε τοῦ Μανσώλου τάφος, [ἐν] τῶν ἐπὶ θεαμάτων, ἔργον, ὅπερ Ἀρτεμισία τῷ ἀνδρὶ κατεσκεύασε, καὶ ἡ Σαλμακίς κρήνη, διαβεβλημένη οὐκ οἶδ' ὁπόθεν ὥς μαλακίζουσα τοὺς πίνοντας ἀπ' αὐτῆς. εἰκε δ' ἡ τρυφή τῶν ἀνθρώπων αἰτιασθαι τοὺς αἴρας ἢ τὰ ὕδατα·
30 τρυφῆς δ' αἰτία οὐ ταῦτα, ἀλλὰ πλοῦτος καὶ ἡ περὶ τὰς διαίτας ἀκολασία. ἔχει δ' ἀκρόπολιν ἢ Ἀλικαρνασός· πρόκειται δ' αὐτῆς ἡ Ἀρκόνησος. οἰκιστὰι δ' αὖ-

τῆς ἐγένοντο ἄλλοι τε καὶ Ἀνθης μετὰ Τροϊζηνίων. ἄνδρες δὲ γεγόνασιν ἐξ αὐτῆς Ἡρόδοτος τε ὁ συγγραφεύς, ὃν ὕστερον Θούριον ἐκάλεσαν διὰ τὸ κοινωνῆσαι τῆς εἰς Θουρίου ἀποικίας, καὶ Ἡράκλειτος ὁ ποιητῆς ὁ Καλλιμάχου ἑταῖρος, καὶ καθ' ἡμᾶς Διονύσιος ὁ 5 συγγραφεύς.

- 17 Ἐπταίσι δὲ καὶ αὕτη ἡ πόλις βίᾳ ληφθεῖσα ὑπὸ Ἀλεξάνδρου. Ἐκατόμνω γὰρ τοῦ Καρῶν βασιλείᾳ ἦσαν υἱοὶ τρεῖς, Μαύσωλος καὶ Ἰδριεὺς καὶ Πιζώδαρος, καὶ θυγατέρες δύο, ὧν τῇ πρεσβυτέρᾳ Ἀρτεμισίᾳ Μαύ- 10 σωλος συνώκησεν ὁ πρεσβύτατος τῶν ἀδελφῶν, ὁ δὲ δεύτερος Ἰδριεὺς Ἀδᾶ τῇ ἐτέρᾳ ἀδελφῇ· ἐβασίλευσε δὲ Μαύσωλος· τελευτῶν δ' ἄτεκνος τὴν ἀρχὴν κατέλιπε τῇ γυναικί, ὑφ' ἧς αὐτῷ κατεσκευάσθη ὁ λεχθεὶς τάφος· φθίσει δ' ἀποθανούσης διὰ πένθος τοῦ ἀνδρὸς 15 Ἰδριεὺς ἤρξε· καὶ τοῦτον ἡ γυνὴ Ἀδᾶ διεδέξατο νόσφ' τελευτήσαντα· ἐξέβαλε δὲ ταύτην Πιζώδαρος, ὁ λοιπὸς 0.657 τῶν Ἐκατόμνω παίδων· περσίσας δὲ μεταπέμπεται σατραπὴν ἐπὶ κοινωνίᾳ τῆς ἀρχῆς· ἀπελθόντος δ' ἐκ τοῦ ζῆν καὶ τούτου κατεῖχεν ὁ σατραπὴς τὴν Ἀλικαρ- 20 νασὸν ἔχων Ἀδαν γυναῖκα, ἣτις θυγάτηρ ἦν Πιζωδάρου ἐξ Ἀφνηίδος Καππαδοκίσης γυναικός. ἐπελθόντος δὲ Ἀλεξάνδρου πολιορκίαν ὑπέμεινεν, ἣ δὲ τοῦ Ἐκατόμνω θυγάτηρ Ἀδᾶ, ἣν ὁ Πιζώδαρος ἐξέβαλεν, ἰκετεύει τὸν Ἀλέξανδρον καὶ πείθει κατάγειν αὐτὴν εἰς 25 τὴν ἀφαιρεθεῖσαν βασιλείαν ὑποσχομένη ἐπὶ τὰ ἀφεστώτα συμπράξειν αὐτῷ· τοὺς γὰρ ἔχοντας οἰκείους ὑπάρχειν αὐτῇ· παριδίδου δὲ καὶ τὰ Ἀλινθα, ἐν ᾗ διέτριβεν αὐτῇ· ἐπαινέσας δὲ καὶ βασίλισσαν ἀναδείξας, ἀλύσης τῆς πόλεως πλὴν τῆς ἄκρας (διττὴ δ' 30 ἦν), ἐκείνῃ πολιορκεῖν ἔδωκεν· ἑάλω δὲ ὀλίγῳ ὕστερον

καὶ ἡ ἄκρα, πρὸς ὁργὴν ἤδη καὶ ἀπέχθειαν τῆς πολιορκίας γενομένης.

Ἐξῆς δ' ἐστὶν ἄκρα Τερμέριον Μυνδίων, καθ' ἣν 18 ἀντίκειται τῆς Κῷας ἄκρα Σκανδαρία διέχουσα τῆς ἑπείρου σταδίους τετταράκοντα· ἐστὶ δὲ καὶ χωρίον Τέρμερον ὑπὲρ τῆς ἄκρας.

Ἡ δὲ τῶν Κῷων πόλις ἐκαλεῖτο τὸ παλαιὸν Ἀστν- 19 πάλαια, καὶ ὤκειτο ἐν ἄλλῳ τόπῳ ὁμοίως ἐπὶ θαλάττῃ· ἔπειτα διὰ στάσιν μετόκησαν εἰς τὴν νῦν πόλιν περὶ 10 τὸ Σκανδάριον, καὶ μετωνόμασαν Κῶν ὁμωνύμως τῇ νήσῳ. ἡ μὲν οὖν πόλις οὐ μεγάλη, κάλλιστα δὲ πασῶν συνφοκισμένη καὶ ιδέσθαι τοῖς καταπλέουσιν ἡδίστη. τῆς δὲ νήσου τὸ μέγεθος ὅσον πεντακοσίων σταδίων καὶ πεντήκοντα· εὐκαρπος δὲ πᾶσα, οἰνῷ δὲ καὶ ἀρίστη, 15 καθάπερ Χίος καὶ Λέσβος· ἔχει δὲ πρὸς νότον μὲν ἄκραν τὸν Λακητῆρα (ἀφ' οὗ ἐξήκοντα εἰς Νίσυρον), πρὸς δὲ τῷ Λακητῆρι χωρίον Ἀλίσαρνα, ἀπὸ δύσεως δὲ τὸ Δρέκανον καὶ κώμην καλουμένην Στομαλίμνην· τοῦτο μὲν οὖν ὅσον διακοσίους τῆς πόλεως διέχει στα- 20 δίους· ὁ δὲ Λακητῆρ προσλαμβάνει πέντε καὶ τριάκοντα τῷ μήκει τοῦ πλοῦ. ἐν δὲ τῷ προαστείῳ τὸ Ἀσκληπιεῖον ἐστὶ, σφόδρα ἐνδοξον καὶ πολλῶν ἀναθημάτων μεστόν, ἐν οἷς ἐστὶ καὶ ὁ Ἀπελλοῦ Ἀντίγονος. ἦν δὲ καὶ ἡ ἀναδυομένη Ἀφροδίτη, ἣ νῦν ἀνάκειται τῷ 25 θεῷ Καίσαρι ἐν Ῥώμῃ, τοῦ Σεβαστοῦ ἀναθέντος τῷ πατρὶ τὴν ἀρχηγέτιν τοῦ γένους αὐτοῦ· φασὶ δὲ τοῖς Κῷοις ἀντὶ τῆς γραφῆς ἑκατὸν ταλάντων ἄφειδιν γενέσθαι τοῦ προσταχθέντος φόρου. φασὶ δ' Ἰπποκράτην μάλιστα ἐκ τῶν ἐνταῦθα ἀνακειμένων θεραπειῶν γυ- 30 μνάσασθαι τὰ περὶ τὰς διαίτας· οὗτός τε δὴ ἐστὶ τῶν ἐνδόξων Κῷος ἀνὴρ καὶ Σῆμος ὁ ἰατρός, Φιλητᾶς τε ποιητῆς ἄμα καὶ κριτικός, καὶ καθ' ἡμᾶς Νικίας ὁ καὶ C. 658

τυραννήσας Κῶων, καὶ Ἀρίστων ὁ ἀκροασάμενος τοῦ περιπατητικοῦ καὶ κληρονομήσας ἐκείνον· ἦν δὲ καὶ Θεόμνηστος ὁ ψάλτης ἐν ὀνόματι, ὃς καὶ ἀντεπολιτεύσατο τῷ Νικίᾳ.

- 20 Ἐν δὲ τῇ παραλίᾳ τῆς ἡπείρου κατὰ τὴν Μυνδίαν Ἰστυπάλαιά ἐστιν ἄκρα καὶ Ζεφύριον· εἴτ' εὐθύς ἡ Μύνδος λιμένα ἔχουσα, καὶ μετὰ ταύτην Βαργύλια, καὶ αὕτη πόλις· ἐν δὲ τῷ μεταξὺ Καρύανδα λιμὴν καὶ νῆσος ὁμώνυμος, ἣν ᾤκουν Καρυανδαῖς. ἐνταῦθεν δ' ἦν καὶ Σκύλαξ ὁ παλαιὸς συγγραφεύς. πλησίον δ' ἐστὶ 10 τῶν Βαργυλίων τὸ τῆς Ἀρτέμιδος ἱερὸν τῆς Κινδυάδος, ὃ πεπιστεύκασι * περιύεσθαι· ἦν δέ ποτε καὶ χωρίον Κινδύη. ἐκ δὲ τῶν Βαργυλίων ἀνὴρ ἐλλόγιμος ἦν ὁ Ἐπικούρειος Πρώταρχος, ὁ Δημητρίου καθηγησάμενος τοῦ Λάκωνος προσαγορευθέντος. 15

- 21 Εἴτ' Ἰασὸς ἐπὶ νήσῳ κεῖται προσκειμένη τῇ ἡπείρῳ· ἔχει δὲ λιμένα, καὶ τὸ πλεῖστον τοῦ βίου τοῖς ἐνθάδε ἐκ θαλάττης· εὐοφεῖ γὰρ χώραν τ' ἔχει παράλυπρον. καὶ δὴ καὶ διηγήματα τοιαῦτα πλάττουσιν εἰς αὐτήν· κιθαρωδοῦ γὰρ ἐπιδεικνυμένου τέως μὲν 20 ἀκροᾶσθαι πάντας· ὥς δ' ὁ κώδων ὁ κατὰ τὴν ὄψοπωλίαν ἐφόφησε, καταλιπόντας ἀπελθεῖν ἐπὶ τὸ ὄψον πλὴν ἐνὸς δυσκώφου· τὸν οὖν κιθαρωδὸν προσιόντα εἰπεῖν ὅτι „ὦ ἄνθρωπε πολλήν σοι χάριν οἶδα τῆς πρὸς 25 „με τιμῆς καὶ φιλομουσίας· οἱ μὲν γὰρ ἄλλοι ἅμα τῷ „κώδωνος ἀκοῦσαι ἀπιδόντες οἰχονται.“ ὁ δὲ „τί λέ- „γεις;“ ἔφη „ἤδη γὰρ ὁ κώδων ἐφόφηκεν;“ εἰπόντος δὲ „εὐ σοι εἴη“ ἔφη καὶ ἀναστὰς ἀπῆλθε καὶ αὐτός. ἐνταῦθεν δ' ἦν ὁ διαλεκτικὸς Διόδωρος ὁ Κρόνος 30 προσαγορευθεὶς, κατ' ἀρχὰς μὲν ψευδῶς· Ἀπολλώνιος

γὰρ ἐκαλεῖτο ὁ Κρόνος, ὁ ἐπιστατήσας ἐκείνου· μετήνεγκαν δ' ἐπ' αὐτὸν διὰ τὴν ἀδοξίαν τοῦ κατ' ἀλήθειαν Κρόνου.

- Μετὰ δ' Ἰασὸν τὸ τῶν Μιλησίων Ποσειδῖον ἔστιν. 22
 5 ἐν δὲ τῇ μεσογαίᾳ τρεῖς εἰσι πόλεις ἀξιόλογοι, Μύλασα Στρατονίκεια Ἀλάβανδα· αἱ δὲ ἄλλαι περιπόλιοι τούτων ἢ τῶν παραλίων, ὧν εἰσιν Ἀμυζῶν Ἡράκλεια Εὐρωμος Χαλκήτορες· τούτων μὲν οὖν ἐλάττων λόγος. τὰ δὲ Μύλασα ἰδρυταὶ ἐν πεδίῳ σφόδρα εὐδαίμονι· 23
 10 ὑπέρεκκεται δὲ κατὰ κορυφὴν ὄρος αὐτοῦ, λατόμιον λευκοῦ λίθου κάλλιστον ἔχον· τοῦτο μὲν οὖν ὄφελός ἐστιν οὐ μικρόν, τὴν λιθείαν πρὸς τὰς οἰκοδομίας ἄφθονον καὶ ἰγγύθεν ἔχον καὶ μάλιστα πρὸς τὰς τῶν ἱερῶν καὶ τῶν ἄλλων δημοσίων ἔργων κατασκευάς·
 15 τοιγάρτοι στοαῖς τε καὶ ναοῖς εἰ τις ἄλλη κεκόσμηται 0.659 παγκάλως. θαυμάζειν δ' ἔστι τῶν ὑποβαλόντων οὕτως ἀλόγως τὸ κτίσμα ὀρθίῳ καὶ ὑπερδεξίῳ κρημνῷ· καὶ δὴ τῶν ἡγεμόνων τις εἰπεῖν λέγεται θαυμάσας τὸ πρᾶγμα „ταύτην γάρ“ ἔφη „τὴν πόλιν ὁ κτίσας, εἰ μὴ
 20 „ἐφοβεῖτο, ἄρ' οὐδ' ἡσχύνετο;“ ἔχουσι δ' οἱ Μυλασεῖς ἱερὰ δύο τοῦ Διὸς, τοῦ τε Ὀσογῶα καλουμένου καὶ Λαβραυνδηνοῦ, τὸ μὲν ἐν τῇ πόλει, τὰ δὲ Λάβραυνδα κώμη ἐστὶν ἐν τῷ ὄρει κατὰ τὴν ὑπέρθεισιν τὴν ἐξ Ἀλαβάνδων εἰς τὰ Μύλασα ἄπωθεν τῆς πόλεως· ἐν-
 25 ταῦθα νεῶς ἐστὶν ἀρχαῖος καὶ ξόανον Διὸς Στρατίου· τιμᾶται δὲ ὑπὸ τῶν κύκλῳ καὶ ὑπὸ τῶν Μυλασέων, ὁδός τε ἱστρῶται σχεδόν τι καὶ ἐξήκοντα σταδίων μέχρι τῆς πόλεως ἱερὰ καλουμένη, δι' ἧς πομποστολεῖται τὰ ἱερά· ἱερῶνται δ' οἱ ἐκίφανέστατοι τῶν πολιτῶν ἀεὶ
 30 διὰ βίον. ταῦτα μὲν οὖν ἴδια τῆς πόλεως. τρίτον δ' ἐστὶν ἱερὸν τοῦ Καρίου Διὸς κοινὸν ἀπάντων Καρῶν, οὐ μέτεστι καὶ Λυδοῖς καὶ Μυσοῖς ὥς ἀδελφοῖς. ἱστο-

ρείται δὲ κώμη ὑπάρξαι τὸ παλαιόν, πατρὶς δὲ καὶ βασιλείον τῶν Καρῶν τῶν περὶ τὸν Ἐκατόμνω· πλησιάζει δὲ μάλιστα τῇ κατὰ Φύσκον θαλάττῃ ἢ πόλιν, καὶ τοῦτ' ἐστὶν αὐτοῖς ἐπίνειον.

- 24 Ἀξιολόγους δ' ἔσχεν ἄνδρας καθ' ἡμᾶς τὰ Μύ-
 λασα, ῥήτοράς τε ἅμα καὶ δημαγωγούς τῆς πόλεως,
 Εὐθύδημόν τε καὶ Ἰβρίαν. ὁ μὲν οὖν Εὐθύδημος ἐκ
 προγόνων παραλαβὼν οὐσίαν τε μεγάλην καὶ δόξαν,
 προσθεὶς καὶ τὴν δεινότητα, οὐκ ἐν τῇ πατρίδι μόνον
 μέγας ἦν ἀλλὰ καὶ ἐν τῇ Ἀσίᾳ τῆς πρώτης ἡξιοῦτο τι- 10
 μῆς· Ἰβρία δ' ὁ πατήρ, ὡς αὐτὸς διηγείτο ἐν τῇ σχολῇ
 καὶ παρὰ τῶν πολιτῶν ὁμολόγητο, ἡμίονον κατέλιπε
 ξυλοφοροῦντα καὶ ἡμιονηρόν· διοικούμενος δ' ὑπὸ
 τούτων ὀλίγον χρόνον, Διοτρέφους τοῦ Ἀντιοχέως
 ἀκροασάμενος ἐπανῆλθε καὶ τῷ ἀγορανομίῳ παρέδω- 15
 κεν αὐτόν· ἐνταῦθα δὲ κυλινδρηθεὶς καὶ χρηματισάμε-
 νος μικρὰ ὥρμησεν ἐπὶ τὸ πολιτεύεσθαι καὶ τοῖς ἀγο-
 ραίοις συνακολουθεῖν, ταχὺ δὲ αὐξήσιν ἔσχε καὶ ἐθαν-
 μάσθη ἔτι μὲν καὶ Εὐθύδημον ζῶντος, ἀλλὰ τελευτή-
 σαντος μάλιστα, κύριος γενόμενος τῆς πόλεως. ζῶν δ' 20
 ἐπεκράτει πολὺ ἐκείνος, δυνατὸς ὢν ἅμα καὶ χρήσιμος
 τῇ πόλει, ὥστ' εἰ καὶ τι τυραννικὸν προσῆν, τοῦτ'
 ἀπελύετο τῷ παρακολουθεῖν τὸ χρήσιμον. ἐπαινοῦσι
 γοῦν τοῦτο τοῦ Ἰβρίου ὅπερ δημηγορῶν ἐπὶ τελευτῆς
 εἶπεν „Εὐθύδημε, κακὸν εἴ τῆς πόλεως ἀναγκαῖον· 25
 „οὔτε γὰρ μετὰ σοῦ θυνάμεθα ζῆν οὔτ' ἄνευ σοῦ.“
 C.660 αὐξήθεις οὖν ἐπὶ πολὺ καὶ δόξας καὶ πολίτης ἀγαθὸς
 εἶναι καὶ ῥήτορ ἐπαισεν ἐν τῇ πρὸς Λαβνηνὸν ἀντι-
 πολιτείᾳ. οἱ μὲν γὰρ ἄλλοι μεθ' ὅπλων ἐπιόντι καὶ
 Παρθικῆς συμμαχίας, ἥδη τῶν Παρθυαίων τὴν Ἀσίαν 30

ἔχόντων, εἶξαν ἅτε ἄοπλοι καὶ εἰρηνικοί· Ζήνων δ' ὁ
 Λαοδικεύς καὶ Ὑβρέας οὐκ εἶξαν, ἀμφοτέροι ῥήτορες,
 ἀλλὰ ἀπέστησαν τὰς ἑαυτῶν πόλεις· ὁ δ' Ὑβρέας καὶ
 προσπαρώξυνε φωνῇ τινι μειράκιον εὐερέθιστον καὶ
 ἀνοίας πλήρες. ἐκείνου γὰρ ἀνειπόντος ἑαυτὸν Παρ-
 θικὸν αὐτοκράτορα, „οὐκοῦν“ ἔφη „κἀγὼ λέγω ἑμαυ-
 τὸν Καρικὸν αὐτοκράτορα.“ ἐκ τούτου δὲ ἐπὶ τὴν πό-
 λιν ὤρμησε τάγματα ἔχων ἥδη συντεταγμένα Ῥωμαίων
 τῶν ἐν τῇ Ἀσίᾳ· αὐτὸν μὲν οὖν οὐ κατέλαβε παραχω-
 10 ρήσαντα εἰς Ῥόδον, τὴν δ' οἰκίαν αὐτοῦ διελυμήνατο
 πολυτελεῖς ἔχουσαν κατασκευὰς καὶ διήρπασεν· ὥς δ'
 αὐτῶς καὶ τὴν πόλιν ὅλην ἐκάκωσεν. ἐκλιπόντος δ'
 ἐκείνου τὴν Ἀσίαν ἐπανήλθε καὶ ἀνέλαβεν ἑαυτὸν τε
 καὶ τὴν πόλιν. περὶ μὲν οὖν Μυλάσων ταῦτα.

15 Στρατονίκεια δ' ἐστὶ κατοικία Μακεδόνων· ἐκο- 25
 σμήθη δὲ καὶ αὕτη κατασκευαῖς πολυτελείσιν ὑπὸ τῶν
 βασιλέων. ἐστὶ δ' ἐν τῇ χώρᾳ τῶν Στρατονικέων δύο
 ἱερά, ἐν μὲν Λαγίνοις τὸ τῆς Ἑκάτης ἐπιφανέστατον
 πανηγύρεις μεγάλας συνάγον κατ' ἐνιαυτόν, ἐγγὺς δὲ
 20 τῆς πόλεως τὸ τοῦ Χρυσαιορέως Διὸς κοινὸν ἀπάντων
 Καρῶν, εἰς ὃ συνίασι θύσοντές τε καὶ βουλευσόμενοι
 περὶ τῶν κοινῶν· καλεῖται δὲ τὸ σύστημα αὐτῶν Χρυ-
 σαιορέων, συνιστηκὸς ἐκ κωμῶν· οἱ δὲ πλείστας παρ-
 χόμενοι κώμας προέχουσι τῇ ψήφῳ, καθάπερ Κιρα-
 25 μιῆται· καὶ Στρατονικεῖς δὲ τοῦ συστήματος μετέχου-
 σιν οὐκ ὄντες τοῦ Καρικοῦ γένους, ἀλλ' ὅτι κώμας
 ἔχουσι τοῦ Χρυσαιορικοῦ συστήματος. κἀνταῦθα δ'
 ἀνὴρ ἀξιόλογος γεγένηται ῥήτωρ Μένιππος κατὰ τοὺς
 πατέρας ἡμῶν Κοτοκᾶς ἐπικαλούμενος, ὃν μάλιστα
 30 ἐπαινεῖ τῶν κατὰ τὴν Ἀσίαν ῥητόρων ὧν ἡκροάσατο
 Κικέρων, ὧς φησιν ἐν τινι γραφῇ αὐτὸς συγκρίνων
 Ξενοκλεῖ καὶ τοῖς κατ' ἐκεῖνον ἀκμάζουσιν. ἐστὶ δὲ καὶ

ἄλλη Στρατονίκηια ἢ πρὸς τῷ Ταύρῳ καλουμένη, πολίχνιον προσκαίμενον τῷ ὄρει.

- 26 Ἀλάβανδα δὲ καὶ αὕτῃ μὲν ὑπόκειται λόφοις δυσὶ συγκειμένοις οὕτως ὥστ' ὄψιν παρέχεσθαι κανθήλιον κατεστρωμένου. καὶ δὴ καὶ ὁ μαλακὸς Ἀπολλώνιος 5 σκώπτων τὴν πόλιν εἰς τε ταῦτα καὶ εἰς τὸ τῶν σκορπίων πλήθος, ἔφη αὐτὴν εἶναι σκορπίων κανθήλιον κατεστρωμένον· μεστὴ δ' ἐστὶ καὶ αὕτη καὶ ἡ τῶν Μυλασίων πόλις τῶν θηρίων τούτων καὶ ἡ μεταξὺ C.661 πᾶσα ὄρεινῃ. τρυφητῶν δ' ἐστὶν ἀνθρώπων καὶ καπυ- 10 ριστῶν ἔχουσα ψαλτρίας πολλάς. ἄνδρες δ' ἐγένοντο λόγου ἄξιοι δύο ῥήτορες ἀδελφοὶ Ἀλαβανδεῖς, Μενεκλῆς τε οὗ ἐμνήσθημεν μικρὸν ἐπάνω καὶ Ἰεροκλῆς, καὶ οἱ μετοικήσαντες εἰς τὴν Ῥόδον ὃ τε Ἀπολλώνιος καὶ ὁ Μόλων.

15

- 27 Πολλῶν δὲ λόγων εἰρημένων περὶ Καρῶν ὁ μάλιστα ὁμολογούμενός ἐστιν οὗτος ὅτι οἱ Κᾶρες ὑπὸ Μίνῳ ἐτάττοντο, τότε Λέλεγες καλούμενοι, καὶ τὰς νήσους ᾤκουν· εἰτ' ἠπειρῶται γενόμενοι πολλὴν τῆς παραλίας καὶ τῆς μεσογαίας κατέσχον τοὺς προκατέ- 20 χοντας ἀφειλόμενοι· καὶ οὗτοι δ' ἦσαν οἱ πλείους Λέλεγες καὶ Πελασγοί· πάλιν δὲ τούτους ἀφείλοντο μέρος οἱ Ἕλληνες, Ἰωνεῖς τε καὶ Δωριεῖς. τοῦ δὲ περὶ τὰ στρατιωτικὰ ζήλου τά τε ὄχανα ποιοῦνται τεκμήρια καὶ τὰ ἐπίσημα καὶ τοὺς λόφους· ἅπαντα γὰρ λέγεται 25 Καρικὰ· Ἀνακρίων μὲν γε φησὶν „διὰ θηῦτε καρι- „κοιργεὸς ὄχανου χεῖρα τιθέμεναι,“ ὁ δ' Ἀλκαῖος „λόφον τε σείων Καρικόν.“

- 28 Τοῦ ποιητοῦ δ' εἰρηκότος οὕτωςί „Μάσθλης αὖ „Καρῶν ἡγήσατο βαρβαροφάνων,“ οὐκ ἔχει λόγον 30 πῶς τοσαῦτα εἰδὼς ἔθνη βάρβαρα μόνους εἰρηκε βαρβαροφάνους τοὺς Κᾶρας, βαρβάρους δ' οὐδένας· οὗτ'

οὐν Θουκυδίδης ὀρθῶς· οὐδὲ γὰρ λέγεσθαι φησι βαρ-
 βάρους διὰ τὸ μηδὲ Ἑλληνάς πω ἀντίπαλον εἰς ἓν
 ὄνομα ἀποκεκρίσθαι· τό τε γὰρ μηδὲ Ἑλληνάς πω ψευ-
 δος αὐτὸς ὁ ποιητὴς ἀπελέγχει „ἀνδρός, τοῦ κλέος εὐρὺν
 5 „καθ' Ἑλλάδα καὶ μέσον Ἄργος.“ καὶ πάλιν „εἰτ' ἐθέ-
 „λεις τραφθῆναι ἀν' Ἑλλάδα καὶ μέσον Ἄργος.“ μὴ
 λεγομένων τε βαρβάρων πῶς ἐμελλεν εὐ λεχθήσεσθαι
 τὸ βαρβαροφώνων; οὔτε δὴ οὗτος εὐ οὔτ' Ἀπολλόδω-
 ρος ὁ γραμματικὸς, ὅτι τῷ κοινῷ ὀνόματι ἰδίως καὶ
 10 λαιδόρως ἐχῶντο οἱ Ἕλληνες κατὰ τῶν Καρῶν, καὶ
 μάλιστα οἱ Ἴωνες μισοῦντες αὐτοὺς διὰ τὴν ἐχθραν
 καὶ τὰς συνεχεῖς στρατείας· ἐχρην γὰρ οὕτως βαρβά-
 ρους ὀνομάζειν. ἡμεῖς δὲ ζητοῦμεν διὰ τί βαρβαροφώ-
 νους καλεῖ, βαρβάρους δ' οὐδ' ἅπαξ. „ὅτι“ φησί „τὸ
 15 „πληθυντικὸν εἰς τὸ μέτρον οὐκ ἐμπίπτει, διὰ τοῦτ' οὐκ
 „εἰρηκε βαρβάρους.“ ἀλλ' αὕτη μὲν ἡ πτῶσις οὐκ ἐμπί-
 πτει, ἡ δ' ὀρθὴ οὐ διαφέρει τῆς Δάρδανοι „Τρῶες καὶ C.662
 „Ἀύκιοι καὶ Δάρδανοι.“ τοιοῦτον δὲ καὶ τό „οἶοι Τρῶιοι
 ἵπποι.“ οὐδὲ γε ὅτι τραχυτάτη ἡ γλῶττα τῶν Καρῶν·
 20 οὐ γὰρ ἐστὶν ἀλλὰ καὶ πλεῖστα Ἑλληνικὰ ὀνόματα ἔχει
 καταμειγμένα, ὥς φησι Φίλιππος ὁ τὰ Καρικὰ γράψας.
 οἶμαι δὲ τὸ βάρβαρον κατ' ἀρχὰς ἐκπεφωνησθαι οὕτως
 κατ' ὀνοματοποιίαν ἐπὶ τῶν δυσεικφόρων καὶ σκλη-
 ρῶς καὶ τραχέως λαλούντων, ὥς τὸ βατταρίζειν καὶ
 25 τραυλίζειν καὶ ψελλίζειν. εὐφυνέστατοι γὰρ ἐσμὲν
 τὰς φωνὰς ταῖς ὁμοίαις φωναῖς κατονομάζειν διὰ τὸ
 ὁμογενές· ἥ δὴ καὶ πλεονάζουσιν ἐνταῦθα αἱ ὀνομα-
 τοποιαί, οἷον τὸ κελαρύζειν καὶ κλαγγὴ δὲ καὶ ψό-
 φος καὶ βοή καὶ κρότος, ὧν τὰ πλεῖστα ἤδη καὶ
 30 κυρίως ἐκφέρεται· πάντων δὴ τῶν παχυστομούντων
 οὕτως βαρβάρων λεγομένων, ἐφάνη τὰ τῶν ἀλλοεθνῶν
 στόματα τοιαῦτα, λέγω δὲ τὰ τῶν μὴ Ἑλλήνων. ἐκείνους

οὖν ἰδίως ἐκάλεσαν βαρβάρους, ἐν ἀρχαῖς μὲν κατὰ τὸ
 λοῖδορον, ὥς ἂν παχυστόμους ἢ τραχυστόμους, εἴτα
 κατεχρησάμεθα ὥς ἐθνικῷ κοινῷ ὀνόματι ἀντιδια-
 ροῦντες πρὸς τοὺς Ἑλληνας. καὶ γὰρ δὴ τῇ πολλῇ συν-
 ηθείᾳ καὶ ἐπιπλοκῇ τῶν βαρβάρων οὐκέτι ἐφαίνεται
 κατὰ παχυστομίαν καὶ ἀφυῖαν τινὰ τῶν φωνητηρίων
 ὀργάνων τοῦτο συμβαῖνον, ἀλλὰ κατὰ τὰς τῶν διαλέ-
 κτων ἰδιότητας. ἄλλη δέ τις ἐν τῇ ἡμετέρᾳ διαλέκτῳ
 ἀνεφάνη κακοστομία καὶ οἷον βαρβαροστομία, εἴ τις
 ἑλληνίζων μὴ κατορθοίῃ, ἀλλ' οὕτω λέγοι τὰ ὀνόματα 10
 ὥς οἱ βάρβαροι οἱ εἰσαγόμενοι εἰς τὸν ἑλληνισμόν οὐκ
 ἰσχύοντες ἀρτιστομεῖν, ὥς οὐδ' ἡμεῖς ἐν ταῖς ἐκείνων
 διαλέκτοις. τοῦτο δὲ μάλιστα συνέβη τοῖς Καρσί· τῶν
 γὰρ ἄλλων οὐτ' ἐπιπλεκομένων πῶ σφόδρα τοῖς Ἑλλη-
 σιν, οὐτ' ἐπιχειροῦντων ἑλληνικῶς ζῆν ἢ μανθάνειν 15
 τὴν ἡμετέραν διάλεκτον, πλὴν εἴ τινες σπάνιοι καὶ
 κατὰ τύχην ἐπεμίχθησαν καὶ κατ' ἄνδρα ὀλέγοις τῶν
 Ἑλλήνων τισίν· οὗτοι δὲ καθ' ὅλην ἐπλανήθησαν τὴν
 Ἑλλάδα μισθοῦ στρατεύοντες. ἤδη οὖν τὸ βαρβαρό-
 φωνον ἐπ' ἐκείνων πυκνὸν ἦν ἀπὸ τῆς εἰς τὴν Ἑλλάδα 20
 αὐτῶν στρατείας· καὶ μετὰ ταῦτα ἐπεπόλασε πολὺ
 μᾶλλον, ἀφ' οὗ τὰς τε νήσους μετὰ τῶν Ἑλλήνων ᾤκη-
 σαν, κάκειθεν εἰς τὴν Ἀσίαν ἐκπεσόντες οὐδ' ἐνταῦθα
 χωρὶς Ἑλλήνων οἰκεῖν ἠδύναντο, ἐπιδιαβάντων τῶν
 0.663 Ἰωνῶν καὶ τῶν Λωρῖῶν. ἀπὸ δὲ τῆς αὐτῆς αἰτίας καὶ 25
 τὸ βαρβαρίζειν λέγεται· καὶ γὰρ τοῦτο ἐπὶ τῶν κακῶς
 ἑλληνιζόντων εἰώθαμεν λέγειν, οὐκ ἐπὶ τῶν καριστί
 λαλούντων. οὕτως οὖν καὶ τὸ βαρβαροφώνειν καὶ τοὺς
 βαρβαροφώνους δεκτέον τοὺς κακῶς ἑλληνιζοντας·
 ἀπὸ δὲ τοῦ καρίζειν καὶ τὸ βαρβαρίζειν μετήνεγκαν εἰς 30
 τὰς περὶ ἑλληνισμοῦ τέχνας καὶ τὸ σολοικίζειν, εἰτ' ἀπὸ
 Σόλων εἰτ' ἄλλως τοῦ ὀνόματος τούτου πεπλασμένου.

Φησὶ δὲ Ἀρτεμίδωρος ἀπὸ Φύσκου τῆς Ῥοδίων πε- 29
 ραίας ἰοῦσιν εἰς Ἐφεσον μέχρι μὲν Λαγίνων ὀκτακο-
 σίους εἶναι καὶ πεντήκοντα σταδίου, ἐντεῦθεν δ' εἰς
 Ἀλάβανδα πεντήκοντα ἄλλους καὶ διακοσίους, εἰς δὲ
 5 Τράλλεις ἑκατὸν ἐξήκοντα· ἄλλ' ἢ εἰς Τράλλεις ἐστὶ δια-
 βάντι τὸν Μαίανδρον κατὰ μέσσην ποὺ τὴν ὁδὸν ὅπου τῆς
 Καρίας οἱ ὄροι· γίνονται δ' οἱ πάντες ἀπὸ Φύσκου ἐπὶ
 τὸν Μαίανδρον κατὰ τὴν εἰς Ἐφεσον ὁδὸν χίλιοι ἑκατὸν
 ὀγδοήκοντα. πάλιν ἀπὸ τοῦ Μαίανδρου τῆς Ἰωνίας
 10 ἐφεξῆς μῆκος ἐπιόντι κατὰ τὴν αὐτὴν ὁδὸν ἀπὸ μὲν τοῦ
 ποταμοῦ εἰς Τράλλεις ὀγδοήκοντα, εἰτ' εἰς Μαγνησίαν
 ἑκατὸν τετταράκοντα, εἰς Ἐφεσον δ' ἑκατὸν εἰκοσιν, εἰς
 δὲ Σμύρναν τριακόσιοι εἰκοσιν, εἰς δὲ Φώκαιαν καὶ τοὺς
 ὄρους τῆς Ἰωνίας ἐλάττους τῶν διακοσίων, ὥστε τὸ ἐπ'
 15 εὐθείας μῆκος τῆς Ἰωνίας εἴη ἂν κατ' αὐτὸν μικρῷ
 πλείον τῶν ὀκτακοσίων. ἐπεὶ δὲ κοινὴ τις ὁδὸς τέτριπται
 ἅπασιν τοῖς ἐπὶ τὰς ἀνατολὰς ὁδοιποροῦσιν ἐξ Ἐφέσου,
 καὶ ταύτην ἐπεισιν. ἐπὶ μὲν τὰ Κάρουρα τῆς Καρίας
 ὄριον πρὸς τὴν Φρυγίαν διὰ Μαγνησίας καὶ Τραλλέων
 20 Νύσης Ἀντιοχείας ὁδὸς ἑπτακοσίων καὶ τετταράκοντα
 σταδίων· ἐντεῦθεν δὲ ἡ Φρυγία διὰ Λαοδικείας καὶ
 Ἀπαμείας καὶ Μητροπόλεως καὶ * Χελιδονίων· ἐπὶ μὲν
 οὖν τὴν ἀρχὴν τῆς Παρωρείου, τοὺς Ὀλμους, στάδιοι
 περὶ ἑνακοσίους καὶ εἰκοσιν ἐκ τῶν Καρούρων· ἐπὶ δὲ
 25 τὸ πρὸς τῇ Λυκαονίᾳ πέρας τῆς Παρωρείου τὸ Τυ-
 ριαῖον διὰ Φιλομηλίου μικρῷ πλείους τῶν πεντακο-
 σίων, εἰδ' ἡ Λυκαονία μέχρι Κοροπασσοῦ διὰ Λαοδι-
 κείας τῆς κατακεκαυμένης ὀκτακόσιοι τετταράκοντα,
 ἐκ δὲ Κοροπασσοῦ τῆς Λυκαονίας εἰς Γαρσαύουρα, πο-
 30 λίχνιον τῆς Καππαδοκίας ἐπὶ τῶν ὄρων αὐτῆς ἰδρυμέ-
 νον, ἑκατὸν εἰκοσιν· ἐντεῦθεν δ' εἰς Μᾶζακα τὴν μη-
 τρώπολιν τῶν Καππαδόκων διὰ Σοάνδου καὶ Σαδα-

κόρων εξακόσιοι ὀγδοήκοντα· ἐντεῦθεν δ' ἐπὶ τὸν Εὐφράτην μέχρι Τομίσων χωρίου τῆς Σωφηνῆς διὰ Ἑρφῶν πολίχνης χίλιοι τετρακόσιοι τετταράκοντα. τὰ δ' ἐπ' εὐθείας τούτοις μέχρι τῆς Ἰνδικῆς τὰ αὐτὰ κεῖται καὶ παρὰ τῷ Ἀρτεμιδιῳρῳ ἄπερ καὶ παρὰ τῷ Ἐρατο-
 C.664 δειν πιστεύειν ἐκείνῳ. ἄρχεται δὲ ἀπὸ Σαμοσάτων τῆς Κορμαγηνῆς, ἣ πρὸς τῇ διαβάσει καὶ τῷ Ζεύγματι κεῖται· εἰς δὲ Σαμόσατα ἀπὸ τῶν ὄρων τῆς Καππαδοκίας τῶν περὶ Τόμισα ὑπερθέντι τὸν Ταῦρον σταδίους εἰ-
 10 ρηκε τετρακοσίους καὶ πεντήκοντα.

8 Μετὰ δὲ τὴν Ῥοδίῳν περαιῶν ἥς ὄριον τὰ Δαίδαλα ἐφεξῆς πλείουσι πρὸς ἀνίσχοντα ἥλιον ἢ Λυκία κεῖται μέχρι Παμφυλίας, εἰθ' ἡ Παμφυλία μέχρι Κιλικίων τῶν τραχέων, εἰθ' ἡ τούτων μέχρι τῶν ἄλλων Κιλικίων τῶν
 15 περὶ τὸν Ἰσικὸν κόλπον· ταῦτα δ' ἐστὶ μέρη μὲν τῆς χειρρονήσου, ἥς τὸν ἰσθμὸν ἔφαμεν τὴν ἀπὸ Ἰσσοῦ ὁδὸν μέχρι Ἀμισοῦ ἢ Σινώπης, ὥς τινες, ἐκτὸς δὲ τοῦ Ταύρου ἐν στενῇ παραλίᾳ τῇ ἀπὸ Λυκίας μέχρι τῶν περὶ Σόλους τόπων, τὴν νῦν Πομπησιόπολιν· ἔπειτα
 20 ἤδη εἰς πεδία ἀναπέπταται ἢ κατὰ τὸν Ἰσικὸν κόλπον παραλία ἀπὸ Σόλων καὶ Ταρσοῦ ἀρξαμένη. ταύτην οὖν ἐπελθοῦσιν ὁ πᾶς περὶ τῆς χειρρονήσου λόγος ἐσται περιωδευμένος· εἰτα μεταβησόμεθα ἐπὶ τὰ ἄλλα μέρη τῆς Ἀσίας τὰ ἐκτὸς τοῦ Ταύρου. τελευταῖα δ' ἐκδήσο-
 25 μεν τὰ περὶ τὴν Λιβύην.

2 Μετὰ τοίνυν Δαίδαλα τὰ τῶν Ῥοδίῳν ὄρος ἐστὶ τῆς Λυκίας ὁμώνυμον αὐτοῖς Δαίδαλα, ἀφ' οὗ λαμβάνει τὴν ἀρχὴν ὁ παράπλους ἅπας ὁ Λυκιακός, σταδίων μὲν ὧν χιλίων ἑπτακοσίων εἴκοσι, τραχὺς δὲ καὶ χαλε-
 30 πός, ἀλλ' εὐλίμενος σφόδρα καὶ ὑπὸ ἀνθρώπων συν-
 οικούμενος σωφρόνων· ἐπεὶ ἡ γε τῆς χώρας φύσις

παραπλησία καὶ τοῖς Παμφύλοις ἐστὶ καὶ τοῖς Τρα-
χειώταις Κίλιξιν· ἀλλ' ἐκεῖνοι μὲν ὁρμητηρίοις ἐχρή-
σαντο τοῖς τόποις πρὸς τὰ ληστήρια, αὐτοὶ πειρατεύον-
τες ἢ τοῖς πειραταῖς λαφυροπώλια καὶ ναύσταθμα πα-
5 ρέχοντες· ἐν Σίδῃ γοῦν πόλει τῆς Παμφυλίας τὰ ναυ-
πήγια συνίστατο τοῖς Κίλιξιν, ὑπὸ κήρυκά τε ἐπώλουν
ἐκεῖ τοὺς ἀλόντας ἐλευθέρους ὁμολογοῦντες· Ἀνίκιοι
δ' οὕτω πολιτικῶς καὶ σωφρόνως ζῶντες διατέλεσαν
ὥστ' ἐκείνων διὰ τὰς εὐτυχίας θαλαττοκρατησάντων
10 μέχρι τῆς Ἰταλίας ὅμως ὑπ' οὐδενὸς ἐξήρθησαν αἰσχροῦ
κέρδους, ἀλλ' ἔμειναν ἐν τῇ πατρίᾳ διοικήσει τοῦ Ἀν-
κιακοῦ συστήματος.

Εἰσὶ δὲ τρεῖς καὶ εἰκοσι πόλεις αἱ τῆς ψήφου μετέ- 3
χουσαι· συνέρχονται δὲ ἐξ ἐκάστης πόλεως εἰς κοινὸν
15 συνέδριον, ἣν ἂν δοκιμάσωσι πόλιν ἐλόμενοι· τῶν δὲ
πόλεων αἱ μέγισται μὲν τριῶν ψήφων ἐστὶν ἐκάστη
κυρία, αἱ δὲ μέσαι δυεῖν, αἱ δ' ἄλλαι μιᾶς· ἀνὰ λόγον C.665
δὲ καὶ τὰς εἰσφορὰς εἰσφέρουσι καὶ τὰς ἄλλας λειτουρ-
γίας. Ἐξ δὲ τὰς μεγίστας ἔφη ὁ Ἀρτεμίδωρος, Ξάνθον
20 Πάταρα Πίναρα Ὀλυμπον Μύρα Τλῶν κατὰ τὴν
[ὑπέρ]θεσιν τὴν εἰς Κιβύραν κειμένην. ἐν δὲ τῷ συνε-
δρίῳ πρῶτον μὲν Ἀνικάρχης αἰρεῖται, εἴτ' ἄλλαι ἀρχαὶ
αἱ τοῦ συστήματος· δικαστήριά τε ἀποδείκνυνται κοινῇ·
καὶ περὶ πολέμου δὲ καὶ εἰρήνης καὶ συμμαχίας ἐβου-
25 λεύοντο πρότερον, νῦν δ' οὐκ εἰκός, ἀλλ' ἐπὶ τοῖς Ῥω-
μαίοις ταῦτ' ἀνάγκη κείσθαι, πλην εἰ ἐκείνων ἐπι-
τρεψάντων, ἢ ὑπὲρ αὐτῶν εἴη χρήσιμον· ὁμοίως δὲ
καὶ δικασταὶ καὶ ἄρχοντες ἀνὰ λόγον ταῖς ψήφοις ἐξ
ἐκάστης προχειρίζονται πόλεως. οὕτω δ' ἐννομουμέ-
30 νοις αὐτοῖς συνέβη παρὰ Ῥωμαίοις ἐλευθέροις διατε-
λέσαι τὰ πάτρια νέμουςι, τοὺς δὲ ληστὰς ἐπιδεῖν ἄρδην
ἠφρανισμένους, πρότερον μὲν ὑπὸ Σεργιλίου τοῦ Ἰσαν-
STRABO III.

ρικοῦ, καθ' ὃν χρόνον καὶ τὰ Ἰσαύρα ἐκείνος καθεῖλεν, ὕστερον δὲ Πομπηίου τοῦ Μάγνου, πλείω τῶν χιλίων καὶ τριακοσίων σκαφῶν ἐμπρήσαντος τὰς δὲ κατοικίας ἐκκόψαντος, τῶν δὲ περιγενομένων ἀνθρώπων ἐν ταῖς μάχαις τοὺς μὲν καταγαγόντος εἰς Σόλους, ἣν ἐκείνος 5 Πομπηίοπολιν ὠνόμασε, τοὺς δ' εἰς Λύμην λειπανδρήσασαν, ἣν νυνὶ Ῥωμαίων ἀποικία νέμεται. οἱ ποιηταὶ δὲ μάλιστα οἱ τραγικοὶ συγγέοντες τὰ ἔθνη, καθάπερ τοὺς Τρωᾶς καὶ τοὺς Μυσοὺς καὶ τοὺς Αὐδοὺς Φρύγας προσαγορεύουσιν, οὕτω καὶ τοὺς Λυκίους 10 Κᾶρας.

- 4 Μετὰ δ' οὖν τὰ Λαίδαλα τὸ τῶν Λυκίων ὄρος πλησίον ἐστὶ Τελεμησσὸς πολίχνη Λυκίων, καὶ Τελεμησσις ἄκρα λιμένα ἔχουσα. ἔλαβε δὲ τὸ χωρίον τοῦτο παρὰ Ῥωμαίων Εὐμένης ἐν τῷ Ἀντιοχικῷ πολέμῳ, κα- 15 ταλυνθείσης δὲ τῆς βασιλείας ἀπέλαβον πάλιν οἱ Λύκιοι.

- 5 Εἰδ' ἐξῆς ὁ Ἀντίκραγος, ὄρθιον ὄρος, ἐφ' ᾧ Καρμυλησσὸς χωρίον ἐν φάραγγι φηκνύμενον, καὶ μετὰ τοῦτον ὁ Κράγος, ἔχων ἄκρας ὀκτὼ καὶ πόλιν ὁμώνυμον. περὶ ταῦτα μυθεύεται τὰ ὄρη τὰ περὶ τῆς Χιμαιράς· 20 ἐστὶ δ' οὐκ ἄπωθεν καὶ ἡ Χίμαιρα φάραγξ τις ἀπὸ τοῦ αἰγιαλοῦ ἀνατείνουσα. ὑπόκειται δὲ τῷ Κράγι Πίναρα ἐν μεσογαίᾳ, τῶν μεγίστων οὖσα πόλεων ἐν τῇ Λυκίᾳ. ἐνταῦθα δὲ Πάνδαρος τιμᾶται, τυχὸν ἰσως ὁμώνυμος τῷ Τρωϊκῷ· καὶ γὰρ τοῦτον ἐκ Λυκίας φασίν. 25

- 6 Εἰδ' ὁ Ξάνθος ποταμός, ὃν Σίρβιν ἐκάλουν τὸ πρότερον· ἀναπλεύσαντι δ' ὑπηρετικοῖς δέκα σταδίους τὸ Αἰτῶν ἐστιν· ὑπὲρ δὲ τοῦ ἱεροῦ προελθόντι ἐξή- 30 666κοντα ἡ πόλις ἡ τῶν Ξανθίων ἐστὶ μέγιστη τῶν ἐν Λυκίᾳ. μετὰ δὲ τὴν Ξάνθον Πάταρα, καὶ αὕτη μεγάλη 30

25. post Τρωϊκῷ: ὡς καὶ Πανδαρίου κόρη χλωρῆς ἀηδών.

πόλις λιμένα ἔχουσα καὶ ἱερὰ Ἀπόλλωνος, κτίσμα Πα-
τάρου. Πτολεμαῖος δ' ὁ φιλάδελφος ἐπισκευάσας Ἀρ-
σινόην ἐκάλεσε τὴν ἐν Λυκίᾳ, ἐπεκράτησε δὲ τὸ ἐξ ἀρ-
χῆς ὄνομα.

5 Ἔτα Μύρα ἐν εἰκοσι σταδίοις ὑπὲρ τῆς θαλάττης 7
ἐπὶ μετεώρου λόφου. εἰθ' ἡ ἐκβολὴ τοῦ Λιμύρου πο-
ταμοῦ καὶ ἀνιόντι περὶ σταδίου εἰκοσι τὰ Λίμυρα πο-
λίχνη. μεταξὺ δ' ἐν τῷ λεχθέντι παράπλῳ νησία πολλὰ
καὶ λιμένες, ὧν καὶ Μερίστη νήσος καὶ πόλις ὁμώνυ-
10 μος, * ἡ Κισθήνη. ἐν δὲ τῇ μεσογαίᾳ χωρία Φελλὸς καὶ
Ἀντίφελλος καὶ ἡ Χίμαιρα, ἧς ἐμνήσθημεν ἐπάνω.

Ἐλθ' Ἱερὰ ἄκρα καὶ αἱ Χελιδόνιαι τρεῖς νῆσοι 8
τραχεῖαι, ἅριστοι τὸ μέγεθος, ὅσον πέντε σταδίοις ἀλ-
λήλων διέχουσαι· τῆς δὲ γῆς ἀφροσπᾶσιν ἐξαστάδιον·
15 μία δ' αὐτῶν καὶ πρόσορμον ἔχει. ἐντεῦθεν νομίζουσιν
οἱ πολλοὶ τὴν ἀρχὴν λαμβάνειν τὸν Ταῦρον διὰ τε τὴν
ἄκραν ὑψηλὴν οὖσαν καὶ καθήκουσαν ἀπὸ τῶν Πισι-
δικῶν ὄρων τῶν ὑπερκειμένων τῆς Παμφυλίας καὶ διὰ
τὰς προκειμένας νήσους ἐχούσας ἐπιφανές τι σημεῖον
20 ἐν τῇ θαλάττῃ κρασπέδου δίκην. τὸ δ' ἀληθὲς ἀπὸ τῆς
Ῥοδίων περαίας ἐπὶ τὰ πρὸς Πισιδίαν μέρη συνεχῆς
ἐστὶν ἡ ὄρεινὴ, καλεῖται δὲ καὶ αὕτη Ταῦρος. δοκοῦσι
δὲ αἱ Χελιδόνιαι κατὰ Κάνωβόν πως πίπτειν· τὸ δὲ
διάγραμμα λέγεται τετρακισχιλίων σταδίων. ἀπὸ δὲ τῆς
25 Ἱερᾶς ἄκρας ἐπὶ τὴν Ὀλβίαν λείπονται στάδιοι τριακό-
σιοι ἐξήκοντα ἐπτά· ἐν τούτοις δ' ἴσθιν ἡ τε Κράμ-
βουσα καὶ Ὀλυμπος πόλις μεγάλη καὶ ὄρος ὁμώνυμον,
ὁ καὶ Φοινικοῦς καλεῖται· εἰτα Κώρυνκος ὁ αἰγιαλός.

Ἔτα Φάσηλις τρεῖς ἔχουσα λιμένας, πόλις ἀξιόλο- 9
30 γος καὶ λίμνη. ὑπέρεκται δ' αὐτῆς τὰ Σόλυμα ὄρος
καὶ Τερμησσὸς Πισιδικὴ πόλις, ἐπικειμένη τοῖς στενοῖς
δι' ὧν ὑπέρβασίς ἐστὶν εἰς τὴν Μιλυάδα. καὶ ὁ Ἀλέξαν-

δρος διὰ τοῦτο ἐξέλεν αὐτὴν ἀνοῖξαι βουλόμενος τὰ στενά. περὶ Φασήλιδα δ' ἐστὶ τὰ κατὰ θάλατταν στενά, δι' ὧν Ἀλέξανδρος παρήγαγε τὴν στρατιάν. ἐστὶ δ' ὄρος Κλίμαξ καλούμενον, ἐπικείται δὲ τῷ Παμφυλίῳ πελάγει, στενὴν ἀπολείπον πάροδον ἐπὶ τῷ αἰγιαλῷ. ταῖς μὲν νηνεμίαις γυμνουμένην ὥστε εἶναι βάσιμον τοῖς ὁδεύουσι, πλημμύροντος δὲ τοῦ πελάγους ὑπὸ τῶν κυμάτων καλυπτομένην ἐπὶ πολὺ· ἡ μὲν οὖν διὰ τοῦ ὄρους ὑπέρβασις περίοδον ἔχει καὶ προσάντης ἐστί, τῷ δ' αἰγιαλῷ χρῶνται κατὰ τὰς εὐδίας. ὁ δὲ Ἀλέξανδρος εἰς χειμῆριον ἐμπεσὼν καιρὸν καὶ τὸ πλεον ἐπιτρέπων
 Q. 667 τῇ τύχῃ πρὶν ἀνεῖναι τὸ κύμα ὤρμησε, καὶ ὅλην τὴν ἡμέραν ἐν ὕδατι γενέσθαι τὴν πορείαν συνέβη μέχρι ὁμφαλοῦ βαптиζομένων. ἐστὶ μὲν οὖν καὶ αὕτη ἡ πόλις Λυκία ἐπὶ τῶν ὄρων ἰδρυμένη τῶν πρὸς Παμφυλίαν, τοῦ δὲ κοινοῦ τῶν Λυκίων οὐ μετέχει, καθ' αὐτὴν δὲ συνέστηκεν.

- 10 Ὁ μὲν οὖν ποιητὴς ἐτέρους τῶν Λυκίων ποιεῖ τοὺς Σολύμους· ὑπὸ γὰρ τοῦ τῶν Λυκίων βασιλέως πεμφθεὶς ὁ Βελλεροφόντης ἐπὶ δεύτερον τοῦτον ἄθλον „Σολύμοισι μαχίσσατο κυδαλίμοισιν.“ οἱ δὲ τοὺς Λυκίους πρότερον καλεῖσθαι Σολύμους φάσκοντες, ὕστερον δὲ Τερμίλας ἀπὸ τῶν ἐκ Κρήτης συγκατελθόντων τῷ Σαρπηδόνι, μετὰ δὲ ταῦτα Λυκίους ἀπὸ Λύκου τοῦ Πανδίωνος, ὃν ἐκπαισόντα τῆς οἰκείας ἐδέξατο Σαρπηδὼν ἐπὶ μέρει τῆς ἀρχῆς, οὐχ ὁμολογούμενα λέγουσιν Ὅμηρος· βελτίους δ' οἱ φάσκοντες λέγεσθαι Σολύμους ὑπὸ τοῦ ποιητοῦ τοὺς νῦν Μιλύας προσαγορευόμενους, περὶ ὧν εἰρήκαμεν.

- 4 Μετὰ Φασήλιδα δ' ἔστιν ἡ Ὀλβία, τῆς Παμφυλίας ἀρχή, μέγα ἔρυμα, καὶ μετὰ ταύτην ὁ Καταράκτης λεγόμενος ἀφ' ὑψηλῆς πέτρας καταράττων ποταμὸς πο-

λὺς καὶ χειμαρρῶδης ὥστε πόρρωθεν ἀκούεσθαι τὸν
 φόφον. εἶτα πόλις Ἀττάλεια, ἐπώνυμος τοῦ κτίσαντος
 Φιλαδέλφου καὶ οἰκίσαντος εἰς Κώρυκον, πολίχνιον
 ὁμορον, ἄλλην κατοικίαν καὶ μείζω περίβολον περι-
 5 θέντος. φασὶ δ' ἐν τῷ μεταξὺ Φασήλιδος καὶ Ἀτταλείας
 δείκνυσθαι Θήβην τε καὶ Λυρνησσόν, ἐκπεσόντων ἐκ
 τοῦ Θήβης πεδίου τῶν Τρωικῶν Κιλικίων εἰς τὴν Παμ-
 φυλίαν ἐκ μέρους, ὡς εἶρηκε Καλλισθένης.

Εἰθ' ὁ Κίστρος ποταμός, ὃν ἀναπλεύσαντι στα- 2
 10 δίους ἐξήκοντα Πέργη πόλις καὶ πλησίον ἐπὶ μετεώρου
 τόπου τὸ τῆς Περγαίας Ἀρτέμιδος ἱερόν, ἐν ᾧ πανή-
 γυρις κατ' ἔτος συντελεῖται. εἰθ' ὑπὲρ τῆς θαλάττης
 ὅσον τετταράκοντα Σύλλιον πόλις ἐστὶν ὑψηλὴ τοῖς ἐκ
 Πέργης ἑκοπτος· εἶτα λίμνη εὐμεγέθης Καπρία καὶ
 15 μετὰ ταῦτα ὁ Εὐρυμέδων ποταμός, ὃν ἀναπλεύσαντι
 ἐξήκοντα σταδίους Ἀσπενδος πόλις εὐάνδρουσα ἱκα-
 νῶς, Ἀργείων κτίσμα· ὑπέρεκται δὲ ταύτης Πετνη-
 λισσός· εἰτ' ἄλλος ποταμός καὶ νησία προκείμενα
 πολλά· εἶτα Σίδη Κυμαίων ἄποικος· ἔχει δ' Ἀθηναῖς
 20 ἱερόν. πλησίον δ' ἐστὶ καὶ ἡ Κιβυρατῶν παραλία τῶν
 μικρῶν· εἰθ' ὁ Μέλας ποταμός καὶ ὕφορμος· εἶτα
 Πτολεμαῖς πόλις· καὶ μετὰ ταῦθ' οἱ ὅροι τῆς Παμφυ-
 λίας καὶ τὸ Κορακήσιον, ἀρχὴ τῆς τραχείας Κιλικίας.
 ὁ δὲ παράπλους ἅπας ὁ Παμφύλιος στάδιοι εἰσὶν ἑξα-
 25 κόσιοι τεσσαράκοντα.

Φησὶ δ' Ἡρόδοτος τοὺς Παμφύλους τῶν μετὰ ^{0.668}
 Ἀμφιλόχου καὶ Κάλχαντος εἶναι λαῶν μιγάδων τινῶν ³
 ἐκ Τροίας συνακολουθησάντων· τοὺς μὲν δὴ πολλοὺς
 ἐνθάδε καταμείναι, τινὰς δὲ σκεδασθῆναι πολλαχοῦ τῆς
 30 γῆς. Καλλίνος δὲ τὸν μὲν Κάλχαντα ἐν Κλάρῳ τελευ-
 τῆσαι τὸν βίον φησί, τοὺς δὲ λαοὺς μετὰ Μόφου τὸν
 Ταῦρον ὑπερθέοντας τοὺς μὲν ἐν Παμφυλίᾳ μείναι

τοὺς δ' ἐν Κιλικίᾳ μερισθῆναι καὶ Συρίᾳ μέχρι καὶ Φοινίκης.

- 5 Τῆς Κιλικίας δὲ τῆς ἔξω τοῦ Ταύρου ἡ μὲν λέγεται τραχεῖα ἡ δὲ πεδιάς· τραχεῖα μὲν, ἥς ἡ παραλία στενὴ ἐστὶ καὶ οὐδὲν ἢ σπανίως ἔχει τι χωρίον ἐπίπεδον, καὶ 5 ἔτι ἥς ὑπέρκειται ὁ Ταῦρος οἰκούμενος κακῶς μέχρι καὶ τῶν προσβόρων πλευρῶν τῶν περὶ Ἰσαυρα καὶ τοὺς Ὀμοναδίας μέχρι τῆς Πισιδίας· καλεῖται δ' ἡ αὐτὴ καὶ Τραχειώτις καὶ οἱ ἐνοικούντες Τραχειῶται· πεδιάς δ' ἡ ἀπὸ Σόλων καὶ Ταρσοῦ μέχρι Ἰσσοῦ, καὶ 10 ἔτι ἥς ὑπέρκεινται κατὰ τὸ πρόσβορον τοῦ Ταύρου πλευρὸν Καππάδοκες· αὕτη γὰρ ἡ χώρα τὸ πλέον πεδίων εὐπορεῖ καὶ χώρας ἀγαθῆς. ἐπεὶ δὲ τούτων τὰ μὲν ἐστὶν ἐντὸς τοῦ Ταύρου τὰ δ' ἐκτός, περὶ μὲν τῶν ἐντὸς εἴρηται, περὶ δὲ τῶν ἐκτός λέγωμεν ἀπὸ τῶν 15 Τραχειωτῶν ἀρξάμενοι.

- 2 Πρῶτον τοίνυν ἐστὶ τῶν Κιλικίων φρούριον τὸ Κορακήσιον ἰδρυμένον ἐπὶ πέτρας ἀπορροῶγος, ᾧ ἐχρήσατο Διόδωτος ὁ Τρύφων προσαγορευθεὶς ὁρμητηρίῳ καθ' ὃν καιρὸν ἀπέστησε τὴν Συρίαν τῶν βασιλέων 20 καὶ διεπολέμει πρὸς ἐκείνους, τοτὲ μὲν κατορθῶν τοτὲ δὲ πταίων. τοῦτον μὲν οὖν Ἀντίοχος ὁ Δημητρίου κατακλείσας εἰς τι χωρίον ἠνάγκασε διεργάσασθαι τὸ σῶμα· τοῖς δὲ Κίλιξιν ἀρχὴν τοῦ τὰ πειρατικά συνίστασθαι Τρύφων αἵτιος κατέστη καὶ ἡ τῶν βασιλέων 25 οὐδένεια τῶν τότε ἐκ διαδοχῆς ἐπιστατούντων τῆς Συρίας ἅμα καὶ τῆς Κιλικίας· τῷ γὰρ ἐκείνου νεωτερισμῷ συνενεωτέρισαν καὶ ἄλλοι, διχοστατοῦντές τε ἀδελφοὶ πρὸς ἀλλήλους ὑποχείριον ἐποιοῦν τὴν χώραν τοῖς ἐπιτιθεμένοις. ἡ δὲ τῶν ἀνδραπόδων ἑξαγωγὴ 30 προὔκαλετο μάλιστα εἰς τὰς κακουργίας ἐπικερδεστάτη γενομένη· καὶ γὰρ ἡλίσκοντο ῥαδίως, καὶ τὸ ἐμπόριον

οὐ παντελῶς ἄπωθεν ἦν μέγα καὶ πολυχρήματον, ἡ
 Δῆλος, δυναμένη μυριάδας ἀνδραπόδων αὐθημερόν
 καὶ δεῖξασθαι καὶ ἀποπέμψαι, ὥστε καὶ παροιμίαν γενέ-
 σθαι διὰ τοῦτο „ἐμπορε, κατάπλευσον, ἐξελοῦ, πάντα
 5 „πέπραται.“ αἴτιον δ' ὅτι πλούσιοι γενόμενοι Ῥωμαῖοι
 μετὰ τὴν Καρχηδόνας καὶ Κορίνθου κατασκαφὴν οἰκε-
 τείαις ἐχρῶντο πολλαῖς· ὁρῶντες δὲ τὴν εὐπέτειαν οἱ C.669
 λησται ταύτην ἐξήνθησαν ἀθρόως, αὐτοὶ καὶ ληξόμενοι
 καὶ σωματεμποροῦντες. συνήρουν δ' εἰς ταῦτα καὶ
 10 οἱ τῆς Κύπρου καὶ οἱ τῆς Αἰγύπτου βασιλεῖς ἐχθροὶ
 τοῖς Σύροις ὄντες· οὐδ' οἱ Ῥόδιοι δὲ φίλοι ἦσαν αὐτοῖς
 ὥστ' οὐδὲν ἐβοήθουν· ἅμα δὲ καὶ οἱ λησται προσποιού-
 μενοι σωματεμπορεῖν ἄλυστον τὴν κακουργίαν εἶχον.
 ἀλλ' οὐδὲ Ῥωμαῖοί πω τοσοῦτον ἐφρόντιζον τῶν ἔξω
 15 τοῦ Ταύρου, ἀλλ' ἐπεμψαν μὲν καὶ Σκιπίωνα τὸν Αἰ-
 μιλιανὸν ἐπισκεψόμενον τὰ ἔθνη καὶ τὰς πόλεις καὶ
 πάλιν ἄλλους τινάς, ἔγνωσαν δὲ κακίᾳ τῶν ἀρχόντων
 συμβαῖνον τοῦτο, εἰ καὶ τὴν κατὰ γένος διαδοχὴν τὴν
 ἀπὸ Σελεύκου τοῦ Νικάτορος αὐτοὶ κεκυρωκότες
 20 ἤδοῦντο ἀφαιρεῖσθαι. τοῦτο δὲ συμβὰν τῆς μὲν χώρας
 ἐποίησε κυρίους Παρθυαίους, οἱ τὰ πέραν τοῦ Εὐφρά-
 του κατέσχον, τὸ τελευταῖον δὲ καὶ Ἀρμενίους, οἱ καὶ
 τὴν ἐκτὸς τοῦ Ταύρου προσέλαβον μέχρι καὶ Φοινίκης,
 καὶ τοὺς βασιλέας κατέλυσαν εἰς δύναμιν καὶ τὸ γένος
 25 αὐτῶν σύμπαν, τὴν δὲ θάλατταν τοῖς Κίλιξι παρέδω-
 καν. εἰτ' αὐξηθέντας ἠναγκάσθησαν καταλύειν Ῥω-
 μαῖοι πολέμῳ καὶ μετὰ στρατιᾶς οὓς αὐξομένους οὐκ
 ἐκάλυσαν. ὀλιγωρίαν μὲν οὖν αὐτῶν χαλεπὸν κα-
 ταγνώσκειν· πρὸς ἑτέροις δὲ ὄντες τοῖς ἐγγυτέρῳ καὶ
 30 κατὰ χεῖρα μᾶλλον οὐχ οἰοί τε ἦσαν τὰ ἀπωτέρῳ σκο-
 πεῖν. ταῦτα μὲν οὖν ἔδοξεν ἡμῖν ἐν παρεκβάσει διὰ
 βραχείων εἰπεῖν.

- 3 Μετὰ δὲ τὸ Κορακήσιον * Ἀρσινόη πόλις, εἴθ' Ἀμαζία ἐπὶ βουνοῦ κατοικία τις ὕφορμον ἔχουσα, ὅπου κατάγεται ἡ ναυπηγήσιμος ὕλη. κέδρος δ' ἐστὶν ἡ πλείστη, καὶ δοκεῖ ταῦτα τὰ μέρη πλεονεκτεῖν τῇ τοιαύτῃ ξυλείᾳ· καὶ διὰ τοῦτ' Ἀντώνιος Κλεοπάτρας τὰ 5 χωρία ταῦτα προσένειμεν ἐπιτήδεια ὄντα πρὸς τὰς τῶν στόλων κατασκευάς. εἴτα Λαέρτης φρούριον ἐπὶ λόφου μαστοειδοῦς ὕφορμον ἔχον· εἴτα Σελινοῦς πόλις· εἴτα Κράγος πέτρα περικερήμενος πρὸς θαλάττῃ· εἴτα Χα- ραδροῦς ἔρυμα καὶ αὐτὸ ὕφορμον ἔχον (ὑπερκείται δ' 10 ὄρος Ἀνδρικλος) καὶ παράπλους τραχὺς Πλατανιστῆς καλούμενος· εἴτ' Ἀνιμούριον ἄκρα καθ' ἣν ἡ ἡπειρος ἐγγυτάτω τῆς Κυπρίας ἐστὶν ἐπὶ Κρομμύου ἄκραν ἐν διάρματι σταδίων τριακοσίων πεντήκοντα. εἰς μὲν οὖν τὸ Ἀνιμούριον ἀπὸ τῶν ὄρων τῆς Παμφυλίας ὁ Κιλί- 15 κιος παράπλους σταδίων ἐστὶν ὀκτακοσίων εἴκοσι, λοι- πὸς δ' ἐστὶ μέχρι Σόλων ὅσον πεντακοσίων παράπλους C.670 σταδίων. τούτου δ' ἐστὶ Νάγιδος πρώτη μετὰ τὸ Ἀνε- μούριον πόλις· εἴτ' Ἀρσινόη πρόσορμον ἔχουσα· εἴτα τόπος Μελανία καὶ Κελένδερις πόλις λιμένα ἔχουσα. 20 τινὲς δὲ ταύτην ἀρχὴν τίθενται τῆς Κιλικίας, οὐ τὸ Κορακήσιον, ὃν ἐστὶ καὶ ὁ Ἀρτεμίδωρος· καὶ φησιν ἀπὸ μὲν τοῦ Πηλουσιακοῦ στόματος εἶναι τρισχιλίους ἑξακοσίους σταδίους εἰς Ὀρθωσίαν, ἐπὶ δὲ τὸν Ὀρόντην ποταμὸν χίλια ἑκατὸν τριάκοντα, ἐπὶ δὲ τὰς πύλας ἐξῆς 25 πεντακόσια εἴκοσιπέντε, ἐπὶ δὲ τοὺς ὄρους τῶν Κιλί- κων χίλια ἑνακόσια εἴκοσιν.
- 4 Εἰθ' Ὀλμοι, ὅπου πρότερον ὤκουν οἱ νῦν Σελευ- κεῖς, κτισθείσης δ' ἐπὶ τῷ Καλυκάδνῳ τῆς Σελευκείας ἐκεῖ μετακίσθησαν. εὐθὺς γάρ ἐστιν ἡ τοῦ Καλυ- 30 κάδνου ἐκβολὴ κάμψαντι ἥονα ποιοῦσαν ἄκραν ἢ κα- λεῖται Σαρπηδών. πλησίον δ' ἐστὶ τοῦ Καλυκάδνου

καὶ τὸ Ζεφύριον καὶ αὕτη ἄκρα· ἔχει δὲ ὁ ποταμὸς ἀνάπλουν εἰς τὴν Σελεύκειαν πόλιν εὖ συνοικουμένην καὶ πολὺ ἀφεστῶσαν τοῦ Κιλικίου καὶ Παμφυλίου τρόπου. ἐνταῦθα ἐγένοντο καθ' ἡμᾶς ἄνδρες ἀξιόλογοι 5 τῶν ἐκ τοῦ περιπάτου φιλοσόφων Ἀθηναῖός τε καὶ Ξέναρχος, ὧν ὁ μὲν Ἀθηναῖος καὶ ἐπολιτεύσατο καὶ ἰδημαγωγῆσε χρόνον τινὰ ἐν τῇ πατρίδι, εἰτ' ἐμπεσὼν εἰς τὴν Μουρήνα φιλίαν ἐκείνῳ συνεάλω φεύγων φωραθείσης τῆς κατὰ Καίσαρος τοῦ Σεβαστοῦ συσταθεί- 10 σης ἐπιβουλῆς· ἀναίτιος δὲ φανεῖς ἀφείθη ὑπὸ Καίσαρος. ὥς δ' ἐπανιόντα * εἰς Ῥώμην ἡσπάζοντο καὶ ἐπυνθάνοντο οἱ πρῶτοι ἐντυγχάνοντες, τὸ Εὐριπίδου ἔφη „ἦκω νεκρῶν κευθμῶνα καὶ σκότου πύλας λιπῶν.“ ὀλίγον δ' ἐπιβιούς χρόνον ἐν συμπτώσει τῆς οἰκίας ἐν 15 ἣ ὧκει διεφθάρη νύκτωρ γενομένη, Ξέναρχος δέ, οὗ ἡκροασάμεθα ἡμεῖς, ἐν οἴκῳ μὲν οὐ πολὺ διέτριψεν, ἐν Ἀλεξανδρείᾳ δὲ καὶ Ἀθήνησι καὶ τὸ τελευταῖον ἐν Ῥώμῃ, τὸν παιδευτικὸν βίον ἐλόμενος· χρησάμενος δὲ καὶ τῇ Ἀρείου φιλίᾳ καὶ μετὰ ταῦτα τῇ Καίσαρος τοῦ 20 Σεβαστοῦ διατέλεσε μέχρι γήρως ἐν τιμῇ ἀγόμενος· μικρὸν δὲ πρὸ τῆς τελευτῆς πηρωθεὶς τὴν ὄψιν κατέστρεψε νόσφ' τὸν βίον.

Μετὰ δὲ τὸν Καλύκαδον ἡ Ποικίλη λεγομένη 5 πέτρα κλίμακα ἔχουσα λατομητὴν ἐπὶ Σιλεύκειαν 25 ἄγουσαν. εἰτ' Ἀνεμούριον ἄκρα ὁμώνυμος τῇ προτέρᾳ, καὶ Κράμβουσα νῆσος καὶ Κώρυκος ἄκρα, ὑπὲρ ἧς ἐν εἰκοσι σταδίοις ἔστι τὸ Κωρύκιον ἄντρον, ἐν ᾧ ἡ ἀρίστη κρόκος φύεται. ἔστι δὲ κοιλὰς μεγάλη κυκλωτερῆς ἔχουσα περικειμένην ὄφρ' οὐκ πετρώδῃ πανταχόθεν ἰκα- 30 νῶς ὑψηλὴν· καταβάντι δ' εἰς αὐτὴν ἀνώμαλόν ἐστιν ἔδαφος καὶ τὸ πολὺ πετρώδες, μεστὸν δὲ τῆς θαμνώδους ὕλης ἀειθαλοῦς τε καὶ ἡμέρου· παρέσπαρται δὲ

καὶ τὰ ἐδάφη τὰ φέροντα τὴν κρόκον. ἔστι δὲ καὶ ἄν-
τρον αὐτόθι ἔχον πηγὴν μεγάλην ποταμὸν ἐξελθάν
καθαροῦ τε καὶ διαφανοῦς ὕδατος, εὐθὺς καταπίπτοντα
ὑπὸ γῆς· ἐνεχθεὶς δ' ἀφανῆς ἐξέρχεται εἰς τὴν θάλατταν·
καλοῦσι δὲ πικρὸν ὕδωρ.

5

- 6 Εἰδ' ἡ Ἐλαιούσσα νῆσος μετὰ τὴν Κώρυκον,
προσκειμένη τῇ ἡπείρῳ, ἣν συνώκισεν Ἀρχέλαος καὶ
κατεσκευάσατο βασιλεῖον λαβὼν τὴν Τραχειῶτιν Κι-
λικίαν ὅλην πλὴν Σελευκείας, καθ' ὃν τρόπον καὶ
Ἀμύντας πρότερον εἶχε καὶ ἔτι πρότερον Κλεοπάτρα. 10
εὐφυοῦς γὰρ ὄντος τοῦ τόπου πρὸς τὰ ληστήρια καὶ
κατὰ γῆν καὶ κατὰ θάλατταν (κατὰ γῆν μὲν διὰ τὸ μέ-
γεθος τῶν ὄρων καὶ τῶν ὑπερκειμένων ἔθνων, πεδία
καὶ γεώργια ἐχόντων μεγάλα καὶ εὐκατατρόχαστα,
κατὰ θάλατταν δὲ διὰ τὴν εὐπορίαν τῆς τε ναυπηγησί- 15
μου ὕλης καὶ τῶν λιμένων καὶ ἐρυμάτων καὶ ὑποδυ-
τηρίων), ἐδόκει πρὸς ἅπαν τὸ τοιοῦτο βασιλεύεσθαι
μᾶλλον τοὺς τόπους ἢ ὑπὸ τοῖς Ῥωμαίοις ἡγεμόσιν
εἶναι τοῖς ἐπὶ τὰς κρίσεις πεμπομένοις, οἳ μὲν ἄει πα-
ρεῖναι ἐμελλον μῆτε μεθ' ὅπλων. οὕτω μὲν Ἀρχέλαος 20
ἔλαβε πρὸς τῇ Καππαδοκίᾳ τὴν τραχείαν Κιλικίαν.
εἰσὶ δ' ὄροι ταύτης μεταξὺ Σόλων τε καὶ Ἐλαιούσσης
ὁ Λάμος ποταμὸς καὶ κώμη ὁμώνυμος.

- 7 Κατὰ δὲ τὰς ἀκρωρείας τοῦ Ταύρου τὸ Ζηνικέτου
πειρατήριον ἔστιν ὁ Ὀλυμπος ὄρος τε καὶ φρούριον 25
ὁμώνυμον, ἀφ' οὗ κατοπτεύεται πᾶσα Ἀνκία καὶ Παμ-
φυλία καὶ Πισιδία καὶ Μιλυάς· ἀλόντος δὲ τοῦ ὄρους
[ὑπὸ] τοῦ Ἰσαυρικοῦ, ἐνέπρησεν ἑαυτὸν πανοίκιον.
τούτου δ' ἦν καὶ ὁ Κώρυκος καὶ ἡ Φάσηλις καὶ πολλὰ
τῶν Παμφύλων χωρία· πάντα δ' εἶλεν ὁ Ἰσαυρικός. 30

- 8 Μετὰ δὲ Λάμον Σόλοι πόλις ἀξιόλογος, τῆς ἄλλης
Κιλικίας ἀρχὴ τῆς περὶ τὸν Ἰσσόν, Ἀχαιῶν καὶ Ῥοδίων

κτίσμα τῶν ἐκ Αἰνδου· εἰς ταύτην λειπανδρήσασαν Πομπήιος Μάγνος κατῴκισε τοὺς περιγενομένους τῶν πειρατῶν, οὓς μάλιστα ἔγνω σωτηρίας καὶ προνοίας τινὸς ἀξίους, καὶ μετωνόμασε Πομπηιοπολιν. γεγόνασι 5 δ' ἄνδρες ἐνθένδε τῶν ὀνομαστῶν Χρύσιππός τε ὁ στωικὸς φιλόσοφος πατρὺς ὦν Ταρσέως ἐκεῖθεν μετοικήσαντος, καὶ Φιλήμων ὁ κωμικὸς ποιητής, καὶ Ἀρατος ὁ τὰ φαινόμενα συγγράφας ἐν ἔπεσιν.

Ἔτα Ζεφύριον ὁμώνυμον τῷ πρὸς Καλύδνῳ· εἰτ' 9
10 Ἀγχιάλη μικρὸν ὑπὲρ τῆς θαλάττης, κτίσμα Σαρδαναπάλλου, φησὶν Ἀριστόβουλος· ἐνταῦθα δ' εἶναι 0.672
μνημα τοῦ Σαρδαναπάλλου καὶ τύπον λίθινον συμβάλλοντα τοὺς τῆς δεξιᾶς χειρὸς δακτύλους ὥς ἂν ἀποκροτοῦντα, καὶ ἐπιγραφὴν εἶναι Ἀσσυρίοις γράμ-
15 μασι τοιάνδε, „Σαρδανάπαλλος ὁ Ἀνακυνδαράξειω παῖς
„Ἀγχιάλην καὶ Ταρσὸν ἔδωκεν ἡμέρῃ μιῇ. ἔσθιε πίνε
„παῖξε, ὥς τὰλλα τούτου οὐκ ἄξια,“ τοῦ ἀποκροτήμα-
τος. μέμνηται δὲ καὶ Χοιρίλος τούτων· καὶ δὴ καὶ πε-
ριφέρεται τὰ ἔπη ταυτί „ταῦτ' ἔχω, ὅσσ' ἔφαγον καὶ
20 „ἀφύβρισα, καὶ μετ' ἔρωτος τέρπν' ἔπαθον, τὰ δὲ
„πολλὰ καὶ ὄλβια κεῖνα λέλειπται.“

Ἐπέρκεται δὲ τὰ Κύινδα τῆς Ἀγχιάλης ἔρυμα, ᾧ 10
ἐχρήσαντό ποτε οἱ Μακεδόνες γαζοφυλακίῳ· ἦρε δὲ
τὰ χρήματα Εὐμένης ἀποστάς Ἀντιγόνου. ἐτι δ' ὕπερ-
25 θεν τούτου τε καὶ τῶν Σόλων ὁρεινὴ ἔστιν, ἐν ᾗ Ὀλβη
πόλις Διὸς ἱερὸν ἔχουσα, Αἰαντος ἱδρυμα τοῦ Τεύκρου·
καὶ ὁ ἱερεὺς δυνάστης ἐγίνετο τῆς Τραχειώτιδος· εἰτ'
ἐπέθεντο τῇ χώρᾳ τύραννοι πολλοί, καὶ συνέστη τὰ
ληστήρια. μετὰ δὲ τὴν τούτων κατάλυσιν ἐφ' ἡμῶν
30 ἤδη τὴν τοῦ Τεύκρου δυναστείαν ταύτην ἐκάλουν, τὴν
δ' αὐτὴν καὶ ἱερωσύνην· καὶ οἱ πλεῖστοί γε τῶν ἱερα-
σάμενων ὠνομάζοντο Τεῦκροί ηἴ Αἰαντες. εἰσιούσα δὲ

Ἄβρα κατ' ἐπιγαμίαν εἰς τὸν οἶκον τοῦτον, ἡ Ζηνοφά-
 νους θυγάτηρ ἐνὸς τῶν τυράννων, αὐτὴ κατέσχε τὴν
 ἀρχὴν προλαβόντος τοῦ πατρὸς ἐν ἐπιτρόπου σχήματι·
 ὕστερον δὲ καὶ Ἀντώνιος καὶ Κλεοπάτρα κατεχαρί-
 σαντο ἐκείνη θεραπείαις ἐκλιπαρηθέντες· ἔπειθ' ἡ μὲν
 κατελύθη τοῖς δ' ἀπὸ τοῦ γένους διέμεινεν ἡ ἀρχή.
 μετὰ δὲ τὴν Ἀγχιάλην αἱ τοῦ Κύδνου ἐκβολαὶ κατὰ τὸ
 Ῥῆγμα καλούμενον. ἔστι δὲ λιμναῖον τόπος ἔχων καὶ
 παλαιὰ νειώρια, εἰς ὃν ἐκπίπτει ὁ Κύδνος ὁ διαρρέων
 μέσσην τὴν Ταρσὸν τὰς ἀρχὰς ἔχων ἀπὸ τοῦ ὑπερκει-
 μένου τῆς πόλεως Ταύρου· καὶ ἔστιν ἐπίνειον ἡ λίμνη
 τῆς Ταρσοῦ.

C. 673
11

Μέχρι μὲν δὴ δεῦρο ἡ παραλία πᾶσα ἀπὸ τῆς Ῥο-
 δίας περαιὰς ἀρξαμένη πρὸς ἰσημερινὰς ἀνατολὰς ἀπὸ
 τῶν ὁμωνύμων ἐκτείνεται δύσεων, εἰτ' ἐπὶ τὴν χειμε-
 ρινὴν ἀνατολὴν ἐπιστρέφει μέχρι Ἰσοῦ, κἀντεῦθεν
 ἤδη καμπὴν λαμβάνει πρὸς νότον μέχρι Φοινίκης, τὸ
 δὲ λοιπὸν πρὸς δύσιν μέχρι στηλῶν τελευτᾷ. τὸ μὲν
 οὖν ἀληθὲς ὁ ἰσθμὸς τῆς περιωδευμένης χειρρονήσου
 οὗτός ἐστιν ὁ ἀπὸ Ταρσοῦ καὶ τῆς ἐκβολῆς τοῦ Κύδνου
 μέχρι Ἀμισοῦ· τὸ γὰρ ἐλάχιστον ἐξ Ἀμισοῦ διάστημα
 ἐπὶ τοὺς Κιλικίων ὄρους τοῦτ' ἐστιν· ἐντεῦθεν δὲ ἑκα-
 τὸν εἰκοσὶν εἰσιν εἰς Ταρσὸν στάδιοι, κἀκεῖθεν οὐ
 πλείους ἐπὶ τὴν ἐκβολὴν τοῦ Κύδνου. καὶ μὴν ἐπὶ γε
 Ἰσὸν καὶ τὴν κατ' αὐτὴν θάλατταν οὔτ' ἄλλη ὁδὸς
 συντομωτέρα ἐστὶν ἐξ Ἀμισοῦ τῆς διὰ Ταρσοῦ, οὔτ' ἐκ
 Ταρσοῦ ἐπὶ Ἰσὸν ἐγγυτέρω ἐστὶν ἢ ἐπὶ Κύδνον, ὥστε
 δῆλον ὅτι ταῖς μὲν ἀληθείαις οὗτος ἂν εἴη ὁ ἰσθμὸς,
 λέγεται δ' ὁμως ὁ μέχρι τοῦ Ἰσσυκοῦ κόλπον, παρα-
 κλεπτόντων διὰ τὸ σημειῶδες. διὰ δὲ τοῦτ' αὐτὸ καὶ
 τὴν ἐκ τῆς Ῥοδίας γραμμὴν, ἣν μέχρι τοῦ Κύδνου κα-
 τηγάγομεν, τὴν αὐτὴν ἀποφαίνομεν τῇ μέχρι Ἰσοῦ.

οὐδὲν παρὰ τοῦτο ποιούμενοι, καὶ τὸν Ταῦρόν φραμεν
διήκειν ἐπ' εὐθείας τῇδε τῇ γραμμῇ μέχρι τῆς Ἰνδικῆς.

Ἡ δὲ Ταρσὸς κεῖται μὲν ἐν πεδίῳ κτίσμα δ' ἐστὶ 12
τῶν μετὰ Τριπτολέμου πλανηθέντων Ἀργείων κατὰ
5 ζήτησιν Ἰοῦς· διαρρεῖ δ' αὐτὴν μέσην ὁ Κῦδνος παρ'
αὐτὸ τὸ γυμνάσιον τῶν νέων· ἅτε δὲ τῆς πηγῆς οὐ
πολὺ ἄπωθεν οὔσης, καὶ τοῦ ῥεῖθρου διὰ φάραγγος
βαθείας ἰόντος, εἴτ' εὐθὺς εἰς τὴν πόλιν ἐκπίπτοντος,
ψυχρόν τε καὶ τραχὺ τὸ ῥεῦμά ἐστιν, ὅθεν καὶ τοῖς πα-
10 χυνευροῦσι * ῥοιζομένοις καὶ κτήνεσι καὶ ἀνθρώποις
ἐπικουρεῖ.

Τοσαύτη δὲ τοῖς ἐνθάδε ἀνθρώποις σπουδὴ πρὸς 13
τε φιλοσοφίαν καὶ τὴν ἄλλην παιδείαν ἐγκύκλιον ἄπα-
σαν γέγονεν ὥσθ' ὑπερβέβληνται καὶ Ἀθήνας καὶ
15 Ἀλεξάνδρειαν καὶ εἴ τινα ἄλλον τόπον δυνατὸν εἰπεῖν,
ἐν ᾧ σχολαὶ καὶ διατριβαὶ φιλοσόφων γεγόνاسι. δια-
φέρει δὲ τοσοῦτον ὅτι ἐνταῦθα μὲν οἱ φιλομαθοῦντες
ἐπιχώριοι πάντες εἰσὶ, ξένοι δ' οὐκ ἐπιδημοῦσι ῥαδίως·
οὐδ' αὐτοὶ οὔτοι μένουσιν αὐτόθι, ἀλλὰ καὶ τελειοῦνται
20 ἐκδημήσαντες καὶ τελειωθέντες ξενιτεύουσιν ἡδέως,
κατέρχονται δ' ὀλίγοι. ταῖς δ' ἄλλαις πόλεσιν ἄς ἄρ-
τίως εἶπον πλὴν Ἀλεξανδρείας συμβαίνει τάναντία·
φοιτῶσι γὰρ εἰς αὐτὰς πολλοὶ καὶ διατρίβουσιν αὐτόθι C.674
ἄσμενοι, τῶν δ' ἐπιχωρίων οὐ πολλοὺς οὔτ' ἂν ἔξω
25 φοιτῶντας ἰδοῖς κατὰ φιλομάθειαν, οὔτ' αὐτόθι περὶ
τοῦτο σπουδάζοντας· Ἀλεξανδρεῦσι δ' ἀμφοτέρω συμ-
βαίνει· καὶ γὰρ δέχονται πολλοὺς τῶν ξένων καὶ ἐκ-
πέμπουσι τῶν ἰδίων οὐκ ὀλίγους καὶ εἰσὶ σχολαὶ
παρ' αὐτοῖς παντοδαπαὶ τῶν περὶ λόγους τεχνῶν, καὶ
30 τᾶλλα δ' εὐανδρεῖ καὶ πλεῖστον δύναται τὸν τῆς μη-
τροπόλεως ἐπέχουσα λόγον.

Ἄνδρες δ' ἐξ αὐτῆς γεγόνاسι τῶν μὲν στωικῶν 14

Ἀντίπατρός τε καὶ Ἀρχέδημος καὶ Νέστωρ, ἔτι δ' Ἀθηνόδωροι δύο, ὧν ὁ μὲν Κορδυλλίων καλούμενος συνεβίωσε Μάρκῳ Κάτωνι καὶ ἐτελεύτα παρ' ἐκείνῳ, ὁ δὲ τοῦ Σάνδωνος, ὃν καὶ Κανανίτην φασὶν ἀπὸ κόμης τινός, Καίσαρος καθηγήσατο καὶ τιμῆς εἵτυχε μεγάλης, 5 κατιῶν τε εἰς τὴν πατρίδα ἤδη γηραιὸς κατέλυσε τὴν καθεστῶσαν πολιτείαν κακῶς φερομένην ὑπὸ τε ἄλλων καὶ Βοήθου, κακοῦ μὲν ποιητοῦ κακοῦ δὲ πολίτου, δημοκοπίαις ἰσχύσαντος τὸ πλεόν. ἐπῆρε δ' αὐτὸν καὶ Ἀντώνιος κατ' ἀρχὰς ἀποδεξάμενος τὸ γραφὴν εἰς τὴν 10 ἐν Φιλίπποις νίκην ἔπος, καὶ ἔτι μᾶλλον ἢ εὐχέρεια ἢ ἐπιπολάζουσα παρὰ τοῖς Ταρσειῦσιν ὥστ' ἀπαύστως σχεδιάζειν παρὰ χρῆμα πρὸς τὴν δεδομένην ὑπόθεσιν· καὶ δὴ καὶ γυμνασιαρχίαν ὑποσχόμενος Ταρσειῦσι τοῦτον ἀντὶ γυμνασιάρχου κατέστησε, καὶ τὰ ἀναλώματα 15 ἐπίστευσεν αὐτῷ. ἐφωράθη δὲ νοσφισάμενος τὰ τε ἄλλα καὶ τοῦλαιον· ἐλεγχόμενος δ' ὑπὸ τῶν κατηγορῶν ἐπὶ τοῦ Ἀντωνίου παρητεῖτο τὴν ὀργήν, σὺν ἄλλοις καὶ ταῦτα λέγων ὅτι „ὥσπερ Ὀμηρος ἐξῆμνησεν „Ἀχιλλέα καὶ Ἀγαμέμνονα καὶ Ὀδυσσεά, οὕτως ἐγὼ 20 „σέ· οὐ δίκαιος οὖν εἰμι εἰς τοιαύτας ἄγισθαι διαβολὰς ἐπὶ σοῦ.“ παραλαβὼν οὖν ὁ κατήγορος τὸν λόγον „ἀλλ' Ὀμηρος μὲν“ ἔφη „ἐλαιον Ἀγαμέμνονος οὐκ „ἐκλεψεν, ἀλλ' οὐδὲ Ἀχιλλέως, σὺ δέ· ὥστε δώσεις „δίκην.“ διακρουσάμενος δ' οὖν θεραπαίαις τισὶ τὴν 25 ὀργὴν οὐδὲν ἥττον διατέλεισιν ἄγων καὶ φέρων τὴν πόλιν μέχρι τῆς καταστροφῆς τοῦ Ἀντωνίου. τοιαύτην δὲ τὴν πόλιν καταλαβὼν ὁ Ἀθηνόδωρος τέως μὲν ἐπείχει λόγῳ μετάγειν κάκεινον καὶ τοὺς συστασιώτας· ὥς δ' οὐκ ἀπείχοντο ὑβρεως οὐδεμιᾶς, ἐχρήσατο τῇ 30 δοθείσῃ ὑπὸ τοῦ Καίσαρος ἐξουσίᾳ καὶ ἐξέβαλεν αὐτοὺς καταγνοὺς φυγὴν. οἱ δὲ πρῶτον μὲν κατετοιχογράφη-

σαν αὐτοῦ τοιαῦτα „ἔργα νέων, βουλαὶ δὲ μέσων, C.675
 „πορδαὶ δὲ γερόντων.“ ἐπεὶ δ' ἐκεῖνος ἐν παιδιᾷς μέρει
 δεξιόμενος ἐκέλευσε παρεπιγράψαι „βρονταὶ δὲ γερόν-
 „των,“ καταφρονήσας τις τοῦ ἐπιεικοῦς εὖλυτον τὸ
 5 κοιλίδιον ἔχων προσέφρανε πολὺ τῇ θύρᾳ καὶ τῷ τοίχῳ
 νύκτωρ παριῶν τὴν οἰκίαν· ὁ δὲ τῆς στάσεως κατηγο-
 ρῶν ἐν ἐκκλησίᾳ „τὴν νόσον τῆς πόλεως“ ἔφη „καὶ
 „τὴν καχεξίαν πολλαχόθεν σκοπεῖν ἔξεσσι, καὶ δὴ καὶ
 „ἐκ τῶν διαχωρημάτων.“ οὗτοι μὲν στωικοὶ ἄνδρες·
 10 ἀκαδημαϊκὸς δὲ Νέστωρ ὁ καθ' ἡμᾶς, ὁ Μαρκέλλου
 καθηγησάμενος τοῦ Ὀκτασίας παιδός, τῆς Καίσαρος
 ἀδελφῆς. καὶ οὗτος δὲ προέστη τῆς πολιτείας διαδεξά-
 μενος τὸν Ἀθηνόδωρον, καὶ διατέλεσε τιμώμενος παρὰ
 τε τοῖς ἡγεμόσι καὶ ἐν τῇ πόλει.

15 Τῶν δ' ἄλλων φιλοσόφων „οὓς κεν ἐν γνοίην καὶ 15
 „τ' οὖνομα μυθησαίμην,“ Πλουτιάδης τε ἐγένετο καὶ
 Διογένης τῶν περιπολιζόντων καὶ σχολὰς διατιθεμέ-
 νων εὐφυνῶς· ὁ δὲ Διογένης καὶ ποιήματα ὥσπερ ἀπε-
 φοίβαζε τεθείσης ὑποθέσεως, τραγικὰ ὥς ἐπὶ πολὺ·
 20 γραμματικοὶ δὲ ὧν καὶ συγγράμματα ἔστιν, Ἀρτεμί-
 δωρός τε καὶ Διόδωρος· ποιητὴς δὲ τραγωδίας ἄριστος
 τῶν τῆς Πλειάδος καταριθμουμένων Διονυσίδης. μά-
 λιστα δ' ἡ Ῥώμη δύναται διδάσκειν τὸ πλῆθος τῶν ἐκ
 τῆσδε τῆς πόλεως φιλολόγων· Ταρσεῶν γὰρ καὶ Ἀλε-
 25 ξανδρέων ἐστὶ μεστή. τοιαύτη μὲν ἡ Ταρσός.

Μετὰ δὲ τὸν Κύδνον ὁ Πύραμος ἐκ τῆς Καταονίας 16
 ῥέων, οὐπερ καὶ πρότερον ἐμνήσθημεν· φησὶ δ' Ἀρ-
 τεμίδωρος ἐντεῦθεν εἰς Σόλους εὐθυπλοία σταδίους
 εἶναι πεντακοσίους. πλησίον δὲ καὶ Μαλλὸς ἐφ' ὕψους
 30 κειμένη, κτίσμα Ἀμφιλόχου καὶ Μόφου τοῦ Ἀπόλλω-
 νος καὶ Μαντοῦς, περὶ ὧν πολλὰ μυθολογεῖται· καὶ
 δὴ καὶ ἡμεῖς ἐμνήσθημεν αὐτῶν ἐν τοῖς περὶ Κάλχαν-

τοσ λόγοις καὶ τῆς ἐριδος ἦν ἤρισαν περὶ τῆς μαντικῆς
 ὃ τε Κάλχας καὶ ὁ Μόψος· ταύτην τε γὰρ τὴν ἔριν με-
 ταφέρουσιν ἔνιοι, καθάπερ καὶ Σοφοκλῆς, εἰς τὴν Κι-
 λικίαν, καλίσας ἐκείνος αὐτὴν Παμφυλίαν τραγικῶς,
 καθάπερ καὶ τὴν Λυκίαν Καρίαν καὶ τὴν Τροίαν καὶ ὁ
 Λυδῖαν Φρυγίαν· καὶ τὸν θάνατον δὲ τοῦ Κάλχαντος
 ἐνταῦθα παραδιδόασιν ἄλλοι τε καὶ Σοφοκλῆς. οὐ μόνον
 δὲ τὴν περὶ τῆς μαντικῆς ἔριν μεμνησκάσιν ἀλλὰ
 καὶ τῆς ἀρχῆς. τὸν γὰρ Μόψον φασὶ καὶ τὸν Ἀμφίλο-
 χον ἐκ Τροίας ἐλθόντας κτίσαι Μαλλόν· εἴτ' Ἀμφίλο-
 χον εἰς Ἄργος ἀπελθεῖν, δυσαρεστήσαντα δὲ τοῖς ἐκεῖ
 πάλιν ἀναστρέφει δεῦρο, ἀποκλειόμενον δὲ τῆς κοινω-
 νίας συμβαλεῖν εἰς μονομαχίαν πρὸς τὸν Μόψον, πε-
 σόντας δ' ἀμφοτέρους ταφῆναι μὴ ἐν ἐπόψει ἀλλήλοις·
 καὶ νῦν οἱ τάφοι δείκνυνται περὶ Μάγαρσα τοῦ Πυ-
 ράμου πλησίον. ἐντεῦθεν δ' ἦν Κράτης ὁ γραμματικός,
 οὗ φησι γενέσθαι μαθητῆς Παναίτιος.

- 17 Ὑπέρκειται δὲ τῆς παραλίας ταύτης Ἀλήιον πε-
 δῖον, δι' οὗ Φιλωτᾶς διήγαγεν Ἀλεξάνδρῳ τὴν Ἰακκον,
 ἐκείνου τὴν φάλαγγα ἀγαγόντος ἐκ τῶν Σόλων διὰ τῆς
 παραλίας καὶ τῆς Μαλλώτιδος ἐπὶ τε Ἰσδὸν καὶ τὰς
 Λαρεῖον δυνάμεις. φασὶ δὲ καὶ ἐναγίσαι τῷ Ἀμφιλόχῳ
 τὸν Ἀλέξανδρον διὰ τὴν ἐξ Ἄργους συγγένειαν. Ἡσιό-
 δος δ' ἐν Σόλοις ὑπὸ Ἀπόλλωνος ἀναιρεθῆναι τὸν
 Ἀμφιλόχον φησιν, οἱ δὲ περὶ τὸ Ἀλήιον πεδῖον, οἱ δ'
 ἐν Συρίᾳ, ἀπὸ τοῦ Ἀλίου ἀπλέοντα διὰ τὴν ἔριν.

- 18 Μετὰ δὲ Μαλλὸν Αἰγαῖαι πολίχνιον ὕφορμον
 ἔχον· εἴτ' Ἀμανίδες πύλαι ὕφορμον ἔχουσαι, εἰς ἃς
 τελευτᾷ τὸ Ἀμανὸν ὄρος ἀπὸ τοῦ Ταύρου καθήκον, ὃ
 τῆς Κιλικίας ὑπέρκειται κατὰ τὸ πρὸς ἕω μέρος, αἰεὶ
 μὲν ὑπὸ πλειόνων δυναστευόμενον τυράννων ἔχόντων
 ἐρύματα· καθ' ἡμᾶς δὲ κατέστη κύριος πάντων ἀνὴρ

ἀξιόλογος καὶ βασιλεὺς ὑπὸ Ῥωμαίων ὀνομάσθη διὰ τὰς ἀνδραγαθίας Ταρκονδίμοτος, καὶ τὴν διαδοχὴν τοῖς μετ' αὐτὸν παρέδωκε.

Μετὰ δὲ Αἰγαίας Ἰσσοὺς πολίχνιον ὕφορμον ἔχον 19
5 καὶ ποταμὸς Πίναρος. ἐνταῦθα ὁ ἀγὼν συνέπεσεν Ἀλεξάνδρῳ καὶ Δαρείῳ· καὶ ὁ κόλπος εἰρηται Ἰσσι-
κός· ἐν αὐτῷ δὲ πόλις Ῥωσὸς καὶ Μυριάνδρος πόλις
καὶ Ἀλεξάνδρεια καὶ Νικόπολις καὶ Μοφουεστία καὶ
[αἱ] πύλαι λεγόμεναι, ὅριον Κιλικίων τε καὶ Σύρων. ἐν
10 δὲ τῇ Κιλικίᾳ ἐστὶ καὶ τὸ τῆς Σαρπηδονίας Ἀρτέμιδος
ἱερὸν καὶ μαντεῖον, τοὺς δὲ χρησμοὺς ἐνθεοὶ προθεσπί-
ζουσιν.

Μετὰ δὲ τὴν Κιλικίαν πρώτη πόλις ἐστὶ τῶν Σύ- 20
ρων Σελεύκεια ἥ ἐν Πιερίᾳ, καὶ πλησίον Ὀρόντης ἐκ-
15 δίδωσι ποταμός. ἐστὶ δ' ἀπὸ Σελευκείας εἰς Σόλους
ἐπ' εὐθείας πλοῦς ὀλίγον ἀπολείπων τῶν χιλίων στα-
δίων.

Τῶν δ' ἐν Τροίᾳ Κιλικίων ὧν Ὅμηρος μέμνηται 21
πολὺν διεστώτων ἀπὸ τῶν ἔξω τοῦ Ταύρου Κιλικίων,
20 οἱ μὲν ἀποφαίνουσιν ἀρχηγέτας τοὺς ἐν τῇ Τροίᾳ τού-
των καὶ δεικνύουσί τινας τόπους κἀνταῦθα, ὥσπερ ἐν
τῇ Παμφυλίᾳ Θήβην καὶ Αὐρνησσόν, οἱ δ' ἐμπαλιν
καὶ Ἀλήϊόν τι πεδίον κἀκεῖ δεικνύουσι. περιωδευμέ-
νων δὲ καὶ τῶν ἔξω τοῦ Ταύρου μερῶν τῆς προειρημέ-
25 νης χειρρονήσου, προσθετέον ἐστὶ καὶ ταῦτα.

Ὁ γὰρ Ἀπολλόδωρος ἐν τοῖς περὶ νεῶν ἐτι καὶ C.677
τοιαῦτα λέγει· τοὺς γὰρ ἐκ τῆς Ἀσίας ἐπικούρους τῶν 22
Τρώων ἅπαντας καταριθμεῖσθαι φησιν ὑπὸ τοῦ ποιη-
τοῦ τῆς χειρρονήσου κατοίκους ὄντας, ἧς ὁ στενωτάτος
30 ἰσθμός ἐστι τὸ μεταξὺ τοῦ κατὰ Σινώπην μυχοῦ καὶ
Ἰσσοῦ· „αἱ δ' ἐκτὸς πλευραὶ“ φησί „τριγωνοειδοὺς
„οὔσης, εἰσὶ μὲν ἄνισοι, παρήκουσι δὲ ἡ μὲν ἀπὸ Κιλι-
ΣΤΡΑΒΟ ΙΙΙ.

„κίας ἐπὶ Χελιδονίας, ἥ δ' ἐνθένδε ἐπὶ τὸ στόμα τοῦ
 „Εὐξείνου, ἥ δ' ἐπὶ Σινώπην πάλιν ἐνθένδε.“ τὸ μὲν
 οὖν μόνους τοὺς ἐν τῇ χειρρονήσῳ διὰ τῶν αὐτῶν
 ἐλέγχοιτ' ἂν ψεῦδος ὃν δι' ὧν ἡλέξαμεν πρότερον
 μὴ μόνους τοὺς ἐντὸς Ἄλυσ. οἱ γὰρ περὶ Φαρνακίαν 5
 τόποι ἐν οἷς τοὺς Ἀλιζώνους ἔφαμεν, ὥσπερ ἔξω τοῦ
 Ἄλυσ εἰσιν, οὕτω καὶ ἔξω τοῦ ἰσθμοῦ, εἴπερ καὶ τῶν
 στενῶν τῶν μεταξὺ Σινώπης καὶ Ἰσσοῦ, καὶ οὐ τούτων
 γε μόνων ἀλλὰ καὶ τῶν κατ' ἀλήθειαν στενῶν τῶν
 μεταξὺ Ἀμισοῦ τε καὶ Ἰσσοῦ· οὐδὲ γὰρ ἐκεῖνος ὀρθῶς 10
 ἀφώρισται τὸν ἰσθμὸν καὶ τὰ κατ' αὐτὸν στενά, ἐκείνα
 ἀντὶ τούτων τιθεῖς. πάντων δ' εὐηθέστατον τὸ τὴν
 χειρρόνησον τριγωνοειδῇ φήσαντα τρεῖς ἀποφύνασθαι
 τὰς ἔξω πλευράς· ὁ γὰρ τὰς ἔξω λέγων πλευράς ἔοικεν
 ὑπεξαίρουμένῳ τὴν κατὰ τὰ στενά, ὥς καὶ ταύτην οὐ- 15
 σαν πλευράν, οὐκ ἔξω δὲ οὐδ' ἐπὶ θαλάττῃ. εἰ μὲν
 τοίνυν τὰ στενά ταῦτα οὕτως ἦν συνηγμένα ὥστε μι-
 κρὸν ἀπολείπειν τοῦ συνάπτειν * ἐπ' ἀλλήλαις τὴν τε
 ἐπὶ Ἰσθὸν καὶ τὴν ἐπὶ Σινώπην πίπτουσιν πλευράν,
 συνεχώρει ἂν τριγωνοειδῇ λέγεσθαι τὴν χειρρόνησον· 20
 νῦν δὲ γε τρισχιλίους σταδίους ἀπολειπόντων μεταξὺ
 τῶν ὑπ' αὐτοῦ λεγομένων στενῶν, ἀμαθία τὸ λέγειν
 τριγωνοειδὲς τὸ τοιοῦτον τετράπλευρον, οὐδὲ χωρο-
 γραφικόν. ὁ δὲ καὶ χωρογραφίαν ἐξέδωκεν ἐν κωμικῷ
 μέτρῳ γῆς περίοδον ἐπιγράψας. μένει δ' ἡ αὐτὴ ἀμα- 25
 θία καὶ εἰς τοῦλάχιστον καταγάγῃ διάστημα τις τὸν
 ἰσθμὸν, ὅσον εἰρήκασιν οἱ πλείστον ψευδάμενοι τὸ
 ἥμισυ τοῦ παντός, ὅσον εἰρηκε καὶ Ἀρτεμίδωρος, χι-
 λίους καὶ πεντακοσίους σταδίους· οὐδὲ γὰρ τοῦτο συν-
 αγωγὴν πω τριγωνοειδοῦς ποιεῖ σχήματος. ἀλλ' οὐδὲ 30
 τὰς πλευράς ὀρθῶς διήρηται τὰς ἔξω τὴν ἀπὸ Ἰσσοῦ
 μέχρι Χελιδονίων εἰπών· λοιπὴ γὰρ ἐστὶν ὅλη ἐπ' εὐ-

θείας ἡ Λυκιακὴ παραλία ταύτη, καὶ ἡ τῶν Ῥοδίων πε-
ραία μέχρι Φύσκου· ἐντεῦθεν δὲ καμπὴν λαβοῦσα ἡ
ἡπειρος ἄρχεται τὴν δευτέραν καὶ δυσμικὴν ποιεῖν
πλευρὰν ἄχρι Προποντίδος καὶ Βυζαντίου.

- 5 Φήσαντος δὲ τοῦ Ἐφόρου διότι τὴν χειρόνησον ^{C.678}
κατοικεῖ ταύτην ἐκκαίδεκα γένη, τρία μὲν Ἑλληνικά ²³
τὰ δὲ λοιπὰ βάρβαρα χωρὶς τῶν μιγάδων, ἐπὶ θαλάττῃ
μὲν Κίλικες καὶ Πάμφυλοι καὶ Λύκιοι καὶ Βιθυνοὶ καὶ
Παφλαγόνες καὶ Μαριανδυνοὶ καὶ Τρωῆς καὶ Κᾶρες,
10 Πισίδαι δὲ καὶ Μυσοὶ καὶ Χάλυβες καὶ Φρύγες καὶ
Μιλύαι ἐν τῇ μεσογαίᾳ, διαιτῶν ταῦτα ὁ Ἀπολλόδω-
ρος ἑπτακαίδεκάτὸν φησὶν εἶναι τὸ τῶν Γαλατῶν, ὃ
νεώταρόν ἐστι τοῦ Ἐφόρου, τῶν δ' εἰρημένων τὰ μὲν
Ἑλληνικά μῆπω κατὰ τὰ Τρωικά κατακρίσθαι, τὰ δὲ
15 βάρβαρα πολλὴν ἔχειν σύγχυσιν διὰ τὸν χρόνον· κα-
ταλέγεσθαι δ' ὑπὸ τοῦ ποιητοῦ τό τε τῶν Τρωῶν καὶ
τῶν νῦν ὀνομαζομένων Παφλαγόνων καὶ Μυσῶν καὶ
Φρυγῶν καὶ Καρῶν καὶ Λυκίων, Μήονάς [τε] ἀντὶ
Λυδῶν καὶ ἄλλους ἀγνώτας, οἷον Ἀλιζῶνας καὶ Καύ-
20 κωνας· ἐκτὸς δὲ τοῦ καταλόγου Κητείους τε καὶ Σο-
λύμους καὶ Κίλικας τοὺς ἐκ Θήβης πεδίου καὶ Αἰελας·
Παμφύλους δὲ καὶ Βιθυνοὺς καὶ Μαριανδυνοὺς καὶ
Πισίδας καὶ Χάλυβας καὶ Μιλύας καὶ Καππάδοκας
μηδ' ὠνομάσθαι, τοὺς μὲν διὰ τὸ μηδέπω τοὺς τόπους
25 κατακρηκνῆναι τούτους, τοὺς δὲ διὰ τὸ ἑτέροις γένεσι
περιέχεσθαι, ὥς Ἰδριεῖς μὲν καὶ Τερμίλαι Καρσί, Λο-
λίονες δὲ καὶ Βέβρυκες Φρυγί.

- Φαίνεται δ' οὕτε τοῦ Ἐφόρου τὴν ἀπόφασιν διαι- ²⁴
τῶν ἱκανῶς τά τε τοῦ ποιητοῦ ταράττων καὶ καταψευ-
30 δόμενος. Ἐφόρου τε γὰρ τοῦτο πρῶτον ἀπαιτεῖν
ἐχρῆν, τί δὴ τοὺς Χάλυβας τίθησιν ἐντὸς τῆς χειρόνη-
σου τοσοῦτον ἀφιστῶτας καὶ Σινώπης καὶ Ἀμισοῦ
9.

πρὸς ἑω; οἱ γὰρ λέγοντες τὸν ἰσθμὸν τῆς χειρρονήσου
 ταύτης τὴν ἀπὸ Ἰσσοῦ γραμμὴν ἐπὶ τὸν Εὐξείνιον, ὥς
 ἂν μεσημβρινὴν τινα τιθέασι ταύτην, [ἦν] οἱ μὲν εἶναι
 νομίζουσι τὴν ἐπὶ Σινώπης οἱ δὲ τὴν ἐπ' Ἀμισοῦ, ἐπὶ
 δὲ τῶν Χαλύβων οὐδεὶς· λοξὴ γάρ ἐστι τελέως. ὁ γὰρ 5
 δὴ διὰ Χαλύβων μεσημβρινὸς διὰ τῆς μικρᾶς Ἀρμενίας
 γράφοιτ' ἂν καὶ τοῦ Εὐφράτου τὴν Καππαδοκίαν ὅλην
 ἐντὸς ἀπολαμβάνων καὶ τὴν Κομμαγηνὴν καὶ τὸν
 Ἀμανὸν καὶ τὸν Ἰσσικὸν κόλπον. εἰ δ' οὖν καὶ τὴν
 λοξὴν γραμμὴν ὀρίζειν τὸν ἰσθμὸν συγχωρήσαιομεν, 10
 τὰ πλεῖστά γε τούτων καὶ μάλιστα ἡ Καππαδοκία ἐν-
 τὸς ἀπολαμβάνοιτ' ἂν καὶ ὁ νῦν ἰδίως λεγόμενος Πόν-
 τος τῆς Καππαδοκίας μέρος ὢν τὸ πρὸς τῷ Εὐξείνῳ,
 ὥστ' εἰ τοὺς Χάλυβας τῆς χειρρονήσου θετέον μέρος,
 πολὺ μᾶλλον τοὺς Κατάονας καὶ Καππάδοκας ἀμφο- 15
 τέρους καὶ Λυκάονας δέ, οὓς καὶ αὐτοὺς παρήκε. διὰ
 τί δ' ἐν τοῖς μεσογαίοις ἔταξε τοὺς Χάλυβας, οὓς ὁ
 C. 679 ποιητὴς Ἀλκιῶνας ἐκάλεσεν, ὥσπερ καὶ ἡμεῖς ἀπεδεί-
 ξαμεν; ἄμεινον γὰρ ἦν διελεῖν καὶ τοὺς μὲν ἐπὶ τῇ θα-
 λάττῃ φάναι τοὺς δὲ ἐν τῇ μεσογαίᾳ· ὅπερ καὶ ἐπὶ τῆς 20
 Καππαδοκίας ποιητέον καὶ τῆς Κιλικίας. ὁ δὲ τὴν μὲν
 οὐδ' ὠνόμακε, τοὺς Κίλικας δὲ τοὺς ἐπὶ τῇ θαλάττῃ
 μόνον εἰρηκεν. οἱ οὖν ἐπ' Ἀντιπάτρῳ τῷ Δερβήτῃ καὶ
 οἱ Ὀμοναδεῖς καὶ ἄλλοι πλείους οἱ συνάπτοντες τοῖς
 Πισίδαις, „οἳ οὐκ ἴσασι θάλατταν ἀνέρες, οὐδέ θ' 25
 „ἄλισσι μεμιγμένον εἶδαρ ἔδουσι“ τίνα λάβωσι τάξιν;
 ἀλλ' οὐδὲ Ἀνδούς οὐδὲ Μήρονας εἰρηκεν, εἴτε δύο εἶθ'
 οἱ αὐτοὶ εἰσι, καὶ εἴτε καθ' ἑαυτοὺς εἴτ' ἐν ἑτέρῳ γένει
 περιοχομένους. οὕτω γὰρ ἐπίσημον ἔθνος οὐκ ἀπο-
 κρύφαι δυνατόν, ὅ τε μὴ λέγων περὶ αὐτοῦ μηδὲν οὐκ 30
 ἂν δόξειε παραλιπεῖν τι τῶν κυριωτάτων;

παρὰ τοὺς λεχθέντας τόπους ἢ ὠνομάσθαι ὑπ' αὐτοῦ
ἢ παραλείφθαι ἄλλους οὓς ἀποδώσομεν τοῖς μιγάσιν,
οὐδέ γε αὐτῶν τινες τούτων ὧν ἢ εἶπεν ἢ παρέλιπε.
καὶ γὰρ εἰ κατεμήχθησαν, ἀλλ' ἡ ἐπικράτεια πεποίηκεν
5 ἢ Ἑλλήνας ἢ βαρβάρους· τρίτον δὲ γένος οὐδὲν ἴσμεν
τὸ μικτόν.

Πῶς δὲ τρία γένη τῶν Ἑλλήνων ἐστὶ τὰ τὴν χειρρό- 26
νησον οἰκοῦντα; εἰ γάρ, ὅτι τὸ παλαιὸν οἱ αὐτοὶ ἦσαν
Ἴωνες καὶ Ἀθηναῖοι, λεγέσθωσαν καὶ οἱ Δωριεῖς καὶ οἱ
10 Αἰολεῖς οἱ αὐτοί, ὥστε δύο ἔθνη γίνοιτ' ἂν· εἰ δὲ διαι-
ρετέον κατὰ τὰ ὕστερα ἔθνη, καθάπερ καὶ τὰς διαλέ-
κτους, τέτταρα ἂν εἴη καὶ τὰ ἔθνη, καθάπερ καὶ αἱ
διάλεκτοι. οἰκοῦσι δὲ τὴν χειρρόνησον ταύτην, καὶ μά-
λιστα κατὰ τὸν τοῦ Ἐφόρου διορισμόν, οὐκ Ἴωνες μό-
15 νον ἀλλὰ καὶ Ἀθηναῖοι, καθάπερ ἐν τοῖς καθ' ἕκαστα
δεδηλωται. τοιαῦτα μὲν δὴ πρὸς τὸν Ἐφορον διαπορεῖν
ἄξιον· Ἀπολλόδωρος δὲ τούτων μὲν ἐφρόντισεν οὐδέν,
τοῖς δὲ ἑκκαίδεκα ἔθνεσι προστίθῃσιν ἑπτακαιδέκατον,
τὸ τῶν Γαλατῶν, ἄλλως μὲν χρήσιμον λεχθῆναι, πρὸς
20 δὲ τὴν δίαίταν τῶν ὑπὸ τοῦ Ἐφόρου λεγομένων ἢ πα-
ραλειπομένων οὐ δέον· εἰρηκε δὲ τὴν αἰτίαν αὐτός, ὅτι
ταῦτα πάντα νεώτερα τῆς ἐκείνου ἡλικίας.

Μεταβὰς δ' ἐπὶ τὸν ποιητὴν τοῦτο μὲν ὀρθῶς 27
λέγει, διότι πολλὴ σύγχυσις γεγένηται τῶν βαρβάρων
25 ἔθνων ἀπὸ τῶν Τρωικῶν εἰς τὰ νῦν διὰ τὰς μεταπτώ-
σεις· καὶ γὰρ προσγέγονέ τινα καὶ ἐλλέλοιπε καὶ διέ-
σπασται καὶ συνῆκται εἰς ἓν. οὐκ εὖ δὲ τὴν αἰτίαν
διττὴν ἀποφαίνει δι' ἣν οὐ μέννηται τινων ὁ ποιητής·
ἢ τῷ μήπω τότε οἰκίσθαι ὑπὸ τοῦ ἔθνους τούτου, ἢ C. 680
30 τῷ ἐν ἐτέρῳ γένει περιέχεσθαι. τὴν γὰρ Καππαδοκίαν
οὐκ εἰρηκεν, οὐδὲ τὴν Καταονίαν, ὥς δ' αὐτως τὴν
Λυκαονίαν, δι' οὐδέτερον τούτων· οὐ γὰρ ἔχομεν

τοιαύτην ἱστορίαν ἐπ' αὐτῶν οὐδεμίαν. γελοῖόν τε τὸ τοὺς Καππάδοκας καὶ Λυκάονας διὰ τί μὲν Ὅμηρος παρίεπε φροντίσαι καὶ ἀπολογήσασθαι, διὰ τί δ' Ἐφορος παρῆλθε παρελθεῖν καὶ αὐτόν, καὶ ταῦτα παραθέμενον πρὸς αὐτὸ τοῦτο τὴν ἀπόφασιν τάνδρός, 5 πρὸς τὸ ἐξετάσαι καὶ διαιτῆσαι· καὶ διότι μὲν Μήονας ἀντὶ Λυδῶν Ὅμηρος εἶπε διδάξαι, ὅτι δ' οὔτε Λυδοὺς οὔτε Μήονας εἰρηκεν Ἐφορος μὴ ἐπισημῆνασθαι.

- 28 Φήσας δὲ ἀγνώτων τινῶν μεμνησθαι τὸν ποιητὴν, Καύκωνας μὲν ὀρθῶς λέγει καὶ Σολύμους καὶ Κητείους 10 καὶ Λέλεγας καὶ Κίλικας τοὺς ἐκ Θήβης πεδίου, τοὺς δ' Ἀλιζῶνας αὐτὸς πλάττει, μᾶλλον δ' οἱ πρῶτοι τοὺς Ἀλιζῶνας ἀγνοήσαντες τίνες εἰσὶ, καὶ μεταγράφοντες πλεοναχῶς καὶ πλάττοντες τὴν τοῦ ἀργύρου γενέθλην καὶ ἄλλα πολλὰ μέταλλα, ἐκλελειμμένα ἅπαντα. πρὸς 15 ταύτην δὲ τὴν φιλοτιμίαν κάκεινας συνήγαγον τὰς ἱστορίας, ἃς ὁ Σκῆψιος τίθησι παρὰ Καλλισθένους λαβὼν καὶ ἄλλων τινῶν, οὐ καθαρευόντων τῆς περὶ τῶν Ἀλιζῶνων ψευδοδοξίας· ὥς ὁ μὲν Ταντάλου πλοῦτος καὶ τῶν Πελοπιδῶν ἀπὸ τῶν περὶ Φρυγίαν 20 καὶ Σίπυλον μετάλλων ἐγένετο· ὁ δὲ Κάδμου [ἐκ τῶν] περὶ Θράκην καὶ τὸ Παγγαῖον ὄρος· ὁ δὲ Πριάμου ἐκ τῶν ἐν Ἀστυροῖς περὶ Ἀβυδὸν χρυσείων, ὧν καὶ νῦν ἐτι μικρὰ λείπεται· πολλὴ δ' ἡ ἐκβολὴ καὶ τὰ ὀρύγματα σημεῖα τῆς πάλαι μεταλλείας· ὁ δὲ Μίδου ἐκ τῶν περὶ 25 τὸ Βέρμιον ὄρος· ὁ δὲ Γύγου καὶ Ἀλυάττου καὶ Κροίσου ἀπὸ τῶν ἐν Λυδίᾳ . . . * τῆς μεταξὺ Ἀταρνέως τε καὶ Περγάμου πολέχνη ἐρήμη ἐκμεταλλευμένα ἔχουσα τὰ χωρία.

- 29 Ἐτι καὶ ταῦτα μέμφαιτο ἂν τις τοῦ Ἀπολλοδώρου, 30 ὅτι τῶν νεωτέρων καινοτομούντων πολλὰ παρὰ τὰς Ὀμηρικὰς ἀποφάσεις, εἰωθῶς ταῦτ' ἐλέγχειν ἐπὶ πλεόν,

ἐνταῦθα οὐκ ὀλιγώρηκε μόνον, ἀλλὰ καὶ τάναντία εἰς
 ἐν συνάγει τὰ μὴ ὡσαύτως λεγόμενα. ὁ μὲν γὰρ Ξάν-
 θος ὁ Αὐδὸς μετὰ τὰ Τρωικὰ φησιν ἐλθεῖν τοὺς Φρύ-
 γας ἐκ τῆς Εὐρώπης καὶ τῶν ἀριστερῶν τοῦ Πόντου,
 5 ἀγαγεῖν δ' αὐτοὺς Σκαμάνδριον ἐκ Βερεκύντων καὶ
 Ἀσκανίας. ἐπιλέγει δὲ τούτοις ὁ Ἀπολλόδωρος, ὅτι
 τῆς Ἀσκανίας ταύτης μνημονεύει καὶ Ὅμηρος ἥς ὁ
 Ξάνθος „Φόρκυς δὲ Φρύγας ἤγε καὶ Ἀσκάnios θεοει-
 „δῆς τῇλ' ἐξ Ἀσκανίης.“ ἀλλ' εἰ οὕτως ἔχει, ἡ μὲν με-
 10 τανάστασις ὕστερον ἂν εἴη τῶν Τρωικῶν γεγονυῖα, ἐν
 δὲ τοῖς Τρωικοῖς τὸ λεγόμενον ὑπὸ τοῦ ποιητοῦ ἐπι-
 κουρικὸν ἦκεν ἐκ τῆς περαίας ἐκ τῶν Βερεκύντων καὶ
 τῆς Ἀσκανίας. τίνες οὖν Φρύγες ἦσαν „οἳ ῥα τότε
 „ἱστρατόωντο παρ' ὄχθας Σαγγαρίοιο,“ ὅτε ὁ Πρία-
 15 μος „ἐπίκουρος ἐὼν μετὰ τοῖσιν ἐλέγμην“ φησί; πῶς
 δὲ ἐκ μὲν Βερεκύντων μετεπέμπετο Φρύγας ὁ Πρίαμος,
 πρὸς οὓς οὐδὲν ἦν αὐτῷ συμβόλαιον, τοὺς δ' ὁμόρους
 καὶ οἷς αὐτὸς πρότερον ἐπεκούρησε παρέλιπεν; οὕτω
 δὲ περὶ τῶν Φρυγῶν εἰπὼν ἐπιφέρει καὶ τὰ περὶ τῶν
 20 Μυσῶν οὐχ ὁμολογούμενα τούτοις· λέγεσθαι γάρ φησι
 καὶ τῆς Μυσίας κώμην Ἀσκανίαν περὶ λίμνην ὁμώνυ-
 μον, ἐξ ἥς καὶ τὸν Ἀσκάνιον ποταμὸν ῥεῖν, οὗ μνημο-
 νεύει καὶ Εὐφορίων „Μυσοῖο παρ' ὕδασι νῆσας Ἀσκα-
 „νίοιο.“ καὶ ὁ Αἰτωλὸς Ἀλέξανδρος „οἳ καὶ ἐπ' Ἀσκα-
 25 „νίῳ δῶματ' ἔχουσι ῥόφ, λίμνης Ἀσκανίης ἐπὶ χεῖλεσιν·
 „ἐνθα Δολίων νιὸς Σειληνοῦ νάσσατο καὶ Μελίης.“
 καλοῦσι δέ, φησί, Δολιονίδα καὶ Μυσίαν τὴν περὶ Κύν-
 ξικον ἰόντι εἰς Μιλητούπολιν. εἰ οὖν οὕτως ἔχει ταῦτα,
 καὶ ἐκμαρτυρεῖται ὑπὸ τῶν δεικνυμένων νῦν καὶ ὑπὸ
 30 τῶν ποιητῶν, τί ἐκώλυε τὸν Ὅμηρον ταύτης μεμνη-
 σθαι τῆς Ἀσκανίας, ἀλλὰ μὴ τῆς ὑπὸ Ξάνθου λεγομέ-

νης· εἴρηται δὲ καὶ πρότερον περὶ τούτων ἐν τῷ περὶ
Μουσῶν καὶ Φρυγῶν λόγῳ, ὥστε ἐχέτω πέρας.

- 6 Λοικὸν δὲ τὴν πρὸς νότου παρακειμένην τῇ χει-
ρονήσῳ ταύτῃ περιοδεῦσαι νῆσον τὴν Κύπρον. εἴρη-
ται δ' ὅτι ἡ περιεχομένη θάλαττα ὑπὸ τῆς Αἰγυπτίου 5
καὶ Φοινίκης καὶ Συρίας καὶ τῆς λοιπῆς παραλίας μέχρι
τῆς Ῥοδίας σύνθετός πῶς ἐστὶν ἐκ τε τοῦ Αἰγυπτίου
πελάγους καὶ τοῦ Παμφυλίου καὶ τοῦ κατὰ τὸν Ἰσσι-
κὸν κόλπον. ἐν δὲ ταύτῃ ἐστὶν ἡ Κύπρος, τὰ μὲν προσ-
άρκτια μέρη συνάπτοντα ἔχουσα τῇ Τραχείᾳ Κιλικίᾳ, 10
καθ' ἃ δὴ καὶ προσεχιστάτῃ τῇ ἡπείρῳ ἐστὶ, τὰ δὲ ἐφ' αὐ-
τῷ Ἰσσικῷ κόλπῳ, τὰ δ' ἐσπέρια τῷ Παμφυλίῳ κλυζό-
μενα πελάγει, τὰ δὲ νότια τῷ Αἰγυπτίῳ. τοῦτο μὲν
οὖν σύρρουν ἐστὶν ἀπὸ τῆς ἐσπέρας τῷ Λιβυκῷ καὶ τῷ
Καρπαθίῳ πελάγει, ἀπὸ δὲ τῶν νοτίων καὶ τῶν ἐφ' ὧν 15
μερῶν ἡ τε Αἰγυπτὸς ἐστὶ καὶ ἡ ἐφεξῆς παραλία μέχρι
Σελευκείας τε καὶ Ἰσσοῦ, πρὸς ἄρκτον δ' ἡ τε Κύπρος
καὶ τὸ Παμφύλιον πέλαιος. τοῦτο δὲ ἀπὸ μὲν τῶν
ἄρκτιων περιέχεται τοῖς τε ἄκροις τῆς Τραχείας Κιλι-
κίας καὶ τῆς Παμφυλίας καὶ Λυκίας μέχρι τῆς Ῥοδίας, 20
ἀπὸ δὲ τῆς δύσεως τῇ Ῥοδίῳ νήσῳ, ἀπὸ δὲ τῆς ἀνα-
τολῆς τῇ Κύπρῳ τῇ κατὰ Πάφον καὶ τὸν Ἀκάμαντα,
ἀπὸ δὲ τῆς μεσημβρίας σύρρουν ἐστὶ τῷ Αἰγυπτίῳ
πελάγει.

- 2 Ἔστι δ' ὁ μὲν κύκλος τῆς Κύπρου σταδίων τρισχι- 25
λίων καὶ τετρακοσίων εἴκοσι κατακολπίζοντι· μῆκος
δὲ ἀπὸ Κλειδῶν ἐπὶ τὸν Ἀκάμαντα περὶ σταδίων χι-
λίων τετρακοσίων ὁδεύοντι ἀπ' ἀνατολῆς ἐπὶ δύσιν.
εἰσὶ δὲ αἱ μὲν Κλειίδες νησίᾳ δύο προσκείμενα τῇ Κύ-
πρῳ κατὰ τὰ ἐωθινὰ μέρη τῆς νήσου, τὰ διέχοντα τοῦ 30
Πυράμου σταδίους ἑπτακοσίους· ὁ δ' Ἀκάμας ἐστὶν
ἄκρα δύο μαστοὺς ἔχουσα καὶ ὕλην πολλήν, κείμενος

μὲν ἐπὶ τῶν ἐσπερίων τῆς νήσου μερῶν, ἀνατείνων δὲ πρὸς ἄρκτους, ἐγγυτάτω μὲν πρὸς Σελινούντα τῆς Τραχείας Κιλικίας ἐν διάρματι χιλίων σταδίων, πρὸς Σίδην δὲ τῆς Παμφυλίας χιλίων καὶ ἑξακοσίων, πρὸς 5 δὲ Χελιδονίας χιλίων ἑνακοσίων. ἔστι δὲ ἑτερόμηκες τὸ ὅλον τῆς νήσου σχῆμα, καὶ πον καὶ ἰσθμούς ποιεῖ κατὰ τὰς τὸ πλάτος διοριζούσας πλευράς· ἔχει δὲ καὶ τὰ καθ' ἑκάστα ὡς ἐν βραχέσιν εἰπεῖν οὕτως, ἀρξα- μένοις ἀπὸ τοῦ προσεχισταίου σημείου τῇ ἡπείρῳ.

- 10 Ἐφαμεν δὲ πον κατὰ τὸ Ἀνεμούριον ἄκραν τῆς 3 Τραχείας Κιλικίας ἀντικεῖσθαι τὸ τῶν Κυπρίων ἀκρω- τήριον τὴν Κρομμύου ἄκραν ἐν τριακοσίοις καὶ πεν- τήκοντα σταδίοις· ἐντεῦθεν δ' ἤδη δεξιὰν τὴν νήσον ἔχουσιν, ἐν ἀριστερᾷ δὲ τὴν ἡπειρον, πρὸς ἄρκτον ὁ 15 πλοῦς ἔστι καὶ πρὸς Ἴω καὶ πρὸς τὰς Κλεΐδας εὐθυπλοία σταδίων ἑπτακοσίων. ἐν δὲ τῷ μεταξὺ Λάπαθός τε ἔστι πόλις ὑφορμον ἔχουσα καὶ νεώρια, Λακώνων κτίσμα καὶ Πραξάνδρου, καθ' ἣν ἡ Νάγιδος· εἰτ' Ἀφροδίσιον, καθ' ὃ στενὴ ἡ νῆσος· εἰς γὰρ Σαλαμίνα ὑπέρβασις 20 σταδίων ἑβδομήκοντα· εἰτ' Ἀχαιῶν ἀκτὴ, ὅπου Τεῦ- κρος προσωρμίσθη πρῶτον ὁ κτίσας Σαλαμίνα τὴν ἐν Κύπρῳ, ἐκβληθείς, ὥς φασιν, ὑπὸ τοῦ πατρὸς Τελα- μῶνος· εἰτα Καρπασία πόλις λιμένα ἔχουσα, κεῖται δὲ κατὰ τὴν ἄκραν τὴν Σαρπηδόνα· ἐκ δὲ τῆς Καρπασίας 25 ὑπέρβασις ἔστιν ἰσθμοῦ τριάκοντα σταδίων πρὸς τὰς νήσους τὰς Καρπασίας καὶ τὸ νότιον πέλαγος· εἰτ' ἄκρα καὶ ὄρος· ἡ δ' ἀκρώρεια καλεῖται Ὀλυμπος, ἔχουσα Ἀφροδίτης Ἀκραίας ναόν, ἄδυτον γυναιξὶ καὶ ἀόρατον. πρόκεινται δὲ πλησίον αἱ Κλεΐδες καὶ ἄλλαι δὲ 30 πλείους, εἰθ' αἱ Καρπασίαι νῆσοι, καὶ μετὰ ταῦτα ἡ Σαλαμίς, ὅθεν ἦν Ἀριστος ὁ συγγραφεύς· εἰτ' Ἀρσι- νόη πόλις καὶ λιμὴν· εἰτ' ἄλλος λιμὴν Λεύκολλα· εἰτ'

ἄκρα Πηδάλιον, ἧς ὑπέρκειται λόφος τραχὺς ὑψηλὸς
 τραπεζοειδής, ἱερὸς Ἀφροδίτης, εἰς ὃν ἀπὸ Κλειδῶν
 στάδιοι ἑξακόσιοι ὀγδοήκοντα· εἶτα κολπώδης καὶ
 τραχὺς παράπλους ὁ πλείων εἰς Κίτιον ἔχει δὲ λι-
 μένα κλειστόν· ἐντεῦθεν ἐστὶ Ζήνων τε ὁ τῆς στωικῆς 5
 C.683 αἰρέσεως ἀρχηγέτης καὶ Ἀπολλώνιος ἰατρός· ἐντεῦθεν
 εἰς Βηρυτὸν στάδιοι χίλιοι πεντακόσιοι. εἰτ' Ἀμαθοῦς
 πόλις καὶ μεταξὺ πολίχνη Παλαιὰ καλουμένη, καὶ ὄρος
 μαστοειδὲς Ὀλυμπος· εἶτα Κουριάς [ἄκρα] χειρρονη-
 σῶδης, εἰς ἣν ἀπὸ Θρόνων στάδιοι ἑπτακόσιοι. εἶτα 10
 πόλις Κούριον ὄρμον ἔχουσα, Ἀργείων κτίσμα. ἦδη
 οὖν πάρεισι σκοπεῖν τὴν ῥαθυμίαν τοῦ ποιήσαντος τὸ
 ἔλεγειν τοῦτο οὐ ἡ ἀρχὴ „ἰσραὶ τῷ Φοίβῳ, πολλὸν διὰ
 „κῦμα θέουσai, ἦλθομεν αἱ ταχίναί τόξα φνυγεῖν ἑλα-
 „φοι,“ εἰδ' Ἡδύλος ἐστὶν εἰδ' ὅστισοῦν· φησὶ μὲν 15
 γὰρ ὀρμηθῆναι τὰς ἐλάφους Κωρυκίης ἀπὸ δειράδος,
 ἐκ δὲ Κιλίσσης ἥονος εἰς ἀκτὰς διανήξασθαι Κουριά-
 δας, καὶ ἐπιφθέγγεται διότι „μυρίον ἀνδράσι θαῦμα
 „νοεῖν πάρα, πῶς ἀνύδεντον χεῦμα δι' εἰαρινῷ ἐδρά-
 „μομεν ξεφύρω.“ ἀπὸ γὰρ Κωρύκου περίπλους μὲν 20
 ἐστὶν εἰς Κουριάδα ἀκτὴν, οὐ ξεφύρω δὲ οὔτε ἐν δεξιᾷ
 ἔχοντι τὴν νῆσον οὔτε ἐν ἀριστερᾷ, διάγραμμα δ' οὐδέν.
 ἀρχὴ δ' οὖν τοῦ δυσμικοῦ παράπλου τὸ Κούριον τοῦ
 βλέποντος πρὸς Ῥόδον, καὶ εὐθύς ἐστὶν ἄκρα ἀφ' ἧς
 ῥίπτουσι τοὺς ἀψαμένους τοῦ βωμοῦ τοῦ Ἀπόλλωνος· 25
 εἶτα Τρήτα καὶ Βοόσουρα καὶ Παλαίπαφος, ὅσον ἐν
 δέκα σταδίοις ὑπὲρ τῆς θαλάττης ἰδρυμένη, ὑφορμον
 ἔχουσα καὶ ἱερὸν ἀρχαῖον τῆς Παφίας Ἀφροδίτης· εἰτ'
 ἄκρα Ζεφυρία πρόσορμον ἔχουσα, καὶ ἄλλη Ἀρσινόη
 ὁμοίως πρόσορμον ἔχουσα καὶ ἱερὸν καὶ ἄλσος· μικρὸν 30
 δ' ἀπὸ τῆς θαλάττης καὶ ἡ Ἱεροκηπία. εἰδ' ἡ Πάφος,
 κτίσμα Ἀγαπήνορος καὶ λιμένα ἔχουσα καὶ ἱερὰ εὐ

- κατεσκευασμένα· διέχει δὲ περὶ σταδίους ἐξήκοντα τῆς Παλαιάφου, καὶ πανηγυρίζουσι διὰ τῆς ὁδοῦ ταύτης κατ' ἔτος ἐπὶ τὴν Παλαιάφου ἄνδρες ὁμοῦ γυναιξὶν συνιόντες καὶ ἐκ τῶν ἄλλων πόλεων. φησὶ δ' εἰς Ἀλε-
 5 ξάνδρειάν τινες ἐκ Πάφου σταδίους εἶναι τρισχιλίους ἑξακοσίους. εἶθ' ὁ Ἀκάμας ἐστὶ μετὰ Πάφον· εἴτα πρὸς ἑω μετὰ τὸν Ἀκάμαντα πλοῦς εἰς Ἀρσινόην πόλιν καὶ τὸ τοῦ Διὸς ἄλσος· εἴτα Σόλοι πόλις λιμένα ἔχουσα καὶ ποταμὸν καὶ ἱερὸν Ἀφροδίτης καὶ Ἰσιδος· κτίσμα
 10 δ' ἐστὶ Φαλήρου καὶ Ἀκάμαντος Ἀθηναίων· οἱ δ' ἐνοικοῦντες Σόλοι καλοῦνται. ἐντεῦθεν ἦν Στασάνωρ τῶν Ἀλεξάνδρου ἐταίρων, ἀνὴρ ἡγεμονίας ἡξιωμένος· ὑπέρκειται δ' ἐν μεσογαίᾳ Λιμενία πόλις· εἶθ' ἡ Κρομμύου ἄκρα.
- 15 Τί δὲ δεῖ τῶν ποιητῶν θαυμάζειν, καὶ μάλιστα 4 τῶν τοιούτων οἷς ἡ πᾶσα περὶ τὴν φράσιν ἐστὶ σπουδῇ, τὰ τοῦ Δαμάστου συγκρίνοντας, ὅστις τῆς νήσου τὸ C.684 μῆκος ἀπὸ τῶν ἄρκτων πρὸς μεσημβρίαν ἀποδίδωσιν, ἀπὸ Ἰεροκηπίας, ὥς φησιν, εἰς Κλεῖδας; οὐδὲ ὁ Ἐρα-
 20 τοσθένης εὖ· αἰτιώμενος γὰρ τοῦτον οὐκ ἀπ' ἄρκτων φησὶν εἶναι τὴν Ἰεροκηπίαν, ἀλλ' ἀπὸ νότου· οὐδὲ γὰρ ἀπὸ νότου, ἀλλ' ἀπὸ δύσεως, εἴπερ ἐν τῇ δυσμικῇ πλευρᾷ κεῖται, ἐν ᾗ καὶ ἡ Πάφος καὶ ὁ Ἀκάμας.
- Διάκειται μὲν οὕτως ἡ Κύπρος τῇ θέσει. κατ' 6
 25 ἀρετὴν δ' οὐδεμιᾶς τῶν νήσων λείπεται· καὶ γὰρ εὖοι-
 νός ἐστι καὶ εὐέλαιος σίτω τε αὐτάρκει χρηταί· μέταλλά
 τε χαλκοῦ ἐστὶν ἄφθονα τὰ ἐν Ταμασσῶ, ἐν οἷς τὸ χαλ-
 κανθὲς γίνεται καὶ ὁ λόγος τοῦ χαλκοῦ, πρὸς τὰς ἰατρι-
 κάς δυνάμεις χρήσιμα. φησὶ δ' Ἐρατοσθένης τὸ πα-
 30 λαιὸν ὑλομανούντων τῶν πεδίων ὥστε κατέχεσθαι
 θρυμοῖς καὶ μὴ γεωργεῖσθαι, μικρὰ μὲν ἐπωφελεῖν πρὸς
 τοῦτο τὰ μέταλλα δεινδροτομούντων πρὸς τὴν καῦσιν

τοῦ χαλκοῦ καὶ τοῦ ἀργύρου, προσγενέσθαι δὲ καὶ τὴν ναυπηγίαν τῶν στόλων ἥδη πλεομένης ἀδεῶς τῆς θαλάττης καὶ μετὰ θυνάμεων· ὥς δ' οὐκ ἐξενίκων, ἐπιτρέψαι τοῖς βουλομένοις καὶ δυναμένοις ἐκκόπτειν καὶ ἔχειν ιδιόκτητον καὶ ἀτελῇ τὴν διακαθαρθείσαν γῆν. 5

- 6 Πρῶτερον μὲν οὖν κατὰ πόλεις ἐτυραννοῦντο οἱ Κύπριοι, ἀφ' οὗ δ' οἱ Πτολεμαῖοι βασιλεῖς κύριοι τῆς Αἰγύπτου κατέστησαν, εἰς ἐκείνους καὶ ἡ Κύπρος περιέσθη συμπραττόντων πολλάκις καὶ τῶν Ῥωμαίων. ἐπεὶ δ' ὁ τελευταῖος ἄρξας Πτολεμαῖος, ἀδελφὸς τοῦ Κλεοπάτρας 10 πατρὸς τῆς καθ' ἡμᾶς βασιλίσσης, ἔδοξε πλημμελὲς τε εἶναι καὶ ἀχάριστος εἰς τοὺς εὐεργέτας, ἐκεῖνος μὲν κατελύθη, Ῥωμαῖοι δὲ κατέσχον τὴν νῆσον, καὶ γέγονε στρατηγικὴ ἐπαρχία καθ' αὐτήν. μάλιστα δ' αἴτιος τοῦ ὀλέθρου κατέστη τῷ βασιλεῖ Πόπλιος Κλαύδιος Ποῦλ- 15 χερ· ἐμπεσὼν γὰρ εἰς τὰ ληστήρια, τῶν Κιλικίων ἀκμαζόντων τότε, λῦτρον αἰτούμενος ἐπέστειλε τῷ βασιλεῖ δεόμενος πέμψαι καὶ ῥύσασθαι αὐτόν· ὁ δ' ἐπεμψε μὲν μικρὸν δὲ τελείως ὥστε καὶ τοὺς ληστὰς αἰδεσθῆναι λαβεῖν ἀλλὰ ἀναπέμψαι πάλιν, τὸν δ' ἄνευ λύτρων 20 ἀπολῦσαι. σωθεὶς δ' ἐκεῖνος ἀπεμνημόνευσεν ἀμφοτέροις τὴν χάριν, καὶ γενόμενος δήμαρχος ἰσχυσε τοσοῦτον ὥστε ἐπέμφθη Μάρκος Κάτων ἀφαιρησόμενος τὴν Κύπρον τὸν κατέχοντα. ἐκεῖνος μὲν οὖν ἐφθη διαχειρισάμενος αὐτόν, Κάτων δ' ἐπελθὼν παρέλαβε τὴν 25
- 6.686 Κύπρον καὶ τὴν βασιλικὴν οὐσίαν διέθετο καὶ τὰ χρήματα εἰς τὸ δημόσιον ταμιεῖον τῶν Ῥωμαίων ἐκόμισεν· ἐξ ἐκείνου δ' ἐγένετο ἐπαρχία ἡ νῆσος καθάπερ καὶ νῦν ἴσθι στρατηγική· ὀλίγον δὲ χρόνον τὸν μεταξὺ Ἀντώνιος Κλεοπάτρα καὶ τῇ ἀδελφῇ αὐτῆς Ἀρσινόῃ 30 παρέδωκε, καταλυθέντος δὲ ἐκείνου συγκατελύθησαν καὶ αἱ διατάξεις αὐτοῦ πᾶσαι.

Τὰ περιλειπούμενα τῆς Ἀσίας ἐστὶ τὰ ἐκτὸς τοῦ 1
 5 Ταύρου, πλὴν Κιλικίας καὶ Παμφυλίας καὶ Λυκίας, τὰ
 ἀπὸ τῆς Ἰνδικῆς μέχρι Νείλου μεταξὺ τοῦ Ταύρου καὶ
 τῆς ἔξω θαλάττης τῆς νοτίου κείμενα. μετὰ δὲ τὴν
 Ἀσίαν ἡ Λιβύη ἐστὶ, περὶ ἧς ἐροῦμεν ὕστερον, νῦν δ'
 ἀπὸ τῆς Ἰνδικῆς ἀρκτέιον· πρώτη γὰρ ἐκκεῖται πρὸς
 10 ταῖς ἀνατολαῖς καὶ μεγίστη.

Λεὶ δ' εὐγνωμόνως ἀκούειν περὶ αὐτῆς· καὶ γὰρ 2
 ἀπωτάτω ἐστὶ, καὶ οὐ πολλοὶ τῶν ἡμετέρων κατώπτευ-
 σαν αὐτήν· οἱ δὲ καὶ ἰδόντες μέρη τινὰ εἶδον, τὰ δὲ
 πλείω λέγουσιν ἐξ ἀκοῆς· καὶ ἃ εἶδον δὲ ἐν παρόδῳ στρα-
 15 τιωτικῇ καὶ θρόμφῳ κατέμαθον· διόπερ οὐδὲ τὰ αὐτὰ
 περὶ τῶν αὐτῶν ἐξαγγέλλουσι, καὶ ταῦτα συγγράφαντες
 ὥς ἂν πεφροντισμένως ἐξητασμένα, τινὲς δ' αὐτῶν καὶ
 συστρατεύσαντες ἀλλήλοις καὶ συνεπιδημήσαντες, κα-
 θάπερ οἱ Ἀλεξάνδρῳ συγκαταστρεφάμενοι τὴν Ἀσίαν·
 20 ἀλλ' ἕκαστος ἑκάστῳ τάναντία λέγει πολλάκις. ὅπου
 δὲ καὶ περὶ τῶν ὀραθέντων οὕτω διαφέρονται, τί δεῖ
 νομίζειν περὶ τῶν ἐξ ἀκοῆς;

Καὶ μὴν οὐδ' οἱ πολλοῖς χρόνοις ὕστερον συγ- 3
 γράψαντές τι περὶ τούτων, οὐδ' οἱ νῦν πλείοντες ἐκεῖσε,
 25 ἀποφαίνονται τι ἀκριβές. Ἀπολλόδορος γοῦν ὁ τὰ
 Παρθικά ποιήσας, μεμνημένος καὶ τῶν τὴν Βακτρια-C.68
 νὴν ἀποστησάντων Ἑλλήνων παρὰ τῶν Συριακῶν βα-
 σιλέων τῶν ἀπὸ Σελεύκου τοῦ Νικάτορος, φησὶ μὲν
 αὐτοὺς αὐξηθέντας ἐπιθίσθαι καὶ τῇ Ἰνδικῇ· οὐδὲν
 30 δὲ προσανακαλύπτει * τῶν πρότερον ἐγνωσμένων, ἀλλὰ

καὶ ἐναντιολογεῖ πλείω τῆς Ἰνδικῆς ἐκείνους ἢ Μακεδό-
νας καταστρέφασθαι λόγων· Εὐκρατίδαν γοῦν πόλεις
χιλίας ὕφ' ἑαυτῷ ἔχειν· ἐκεῖνοι δὲ γε αὐτὰ τὰ μεταξὺ
ἔθνη τοῦ τε Ὑδάσπου καὶ τοῦ Ὑπάνιος τὸν ἀριθμὸν
ἐννέα, πόλεις τε σχεῖν πεντακισχιλίας, ὧν μηδεμίαν δ
εἶναι Κῶ τῆς Μεροπίδος ἐλάττω· ταύτην δὲ πᾶσαν
τὴν χώραν καταστρεφάμενον Ἀλέξανδρον παραδοῦναι
Πῶρον.

- 4 Καὶ οἱ νῦν δὲ ἐξ Αἰγύπτου πλείοντες ἐμπορικοὶ
τῷ Νεῖλῳ καὶ τῷ Ἀραβίῳ κόλπῳ μέχρι τῆς Ἰνδικῆς 10
σπάνιοι μὲν καὶ περιπεπλευκασί μέχρι τοῦ Γάγγου,
καὶ οὗτοι δ' ἰδιῶται καὶ οὐδὲν πρὸς ἱστορίαν τῶν τό-
πων χρήσιμοι. κάκειθεν δὲ ἀφ' ἐνὸς τόπου καὶ παρ'
ἐνὸς βασιλείας, Πανδίωνος κατ' ἄλλους Πῶρου, ἦκεν
ὡς Καίσαρα τὸν Σεβαστὸν δῶρα καὶ πρεσβεῖα καὶ ὁ 15
κατακαύσας ἑαυτὸν Ἀθήνησι σοφιστῆς Ἰνδός, καθάπερ
καὶ ὁ Κάλανος Ἀλεξάνδρῳ τὴν τοιαύτην θίαν ἐπι-
δειξάμενος.

- 5 Εἰ τοίνυν ταῦτ' ἀφείς τις τὴν πρὸ τῆς Ἀλεξάνδρου
στρατείας ἐπιβλέποι μνήμην, πολὺ ἂν εὖροι τούτων 20
τυφλότερα. Ἀλέξανδρον μὲν οὖν πιστεύειν τοῖς τοιού-
τοις εἰκός, τετυφωμένον ταῖς τοσαύταις εὐτυχίαις. φησὶ
γοῦν Νέαρχος φιλονεικῆσαι αὐτὸν διὰ τῆς Γεδρωσίας
ἀγαγεῖν τὴν στρατιάν, πεπυσμένον διότι καὶ Σεμίραμις
ἐστράτευσεν ἐπὶ Ἰνδοῦς καὶ Κύρου· ἀλλ' ἡ μὲν ἀνέ- 25
στρεψε φεύγουσα μετὰ εἰκοσιν ἀνθρώπων, ἐκεῖνος δὲ
μεθ' ἑκτά· ὡς σεμνὸν τὸ ἐκείνων τοσαῦτα παθόντων
αὐτὸν καὶ στρατόπεδον διασῶσαι μετὰ νίκης διὰ τῶν
αὐτῶν ἔθνων τε καὶ τόπων.

- 6 Ἐκεῖνος μὲν δὴ ἐπίστευσεν· ἡμῖν δὲ τίς ἂν δικαία 30
γένοιτο πίστις περὶ τῶν Ἰνδικῶν ἐκ τῆς τοιαύτης στρα-
τείας τοῦ Κύρου ἢ τῆς Σεμιράμιδος; συναποφαίνεται

δέ πως καὶ Μεγασθένης τῷ λόγῳ τούτῳ κελεύων ἀπι-
 στεῖν ταῖς ἀρχαίαις περὶ Ἰνδῶν ἱστορίαις· οὔτε γὰρ
 παρ' Ἰνδῶν ἔξω σταλῆναί ποτε στρατιάν, οὔτ' ἐπελθεῖν
 ἔξωθεν καὶ κρατῆσαι πλὴν τῆς μεθ' Ἡρακλέους καὶ
 5 Διονύσου καὶ τῆς νῦν μετὰ Μακεδόνων. καίτοι Σέ-
 σωστριν μὲν τὸν Αἰγύπτιον καὶ Τεάρκωνα τὸν Αἰθίοπα
 ἕως Εὐρώπης προελθεῖν, Ναβοκοδρόσορον δὲ τὸν παρὰ C.687
 Χαλδαίοις εὐδοκιμήσαντα Ἡρακλέους μᾶλλον καὶ ἕως
 Στηλῶν ἐλάσαι. μέχρι μὲν δὴ δεῦρο καὶ Τεάρκωνα
 10 ἀφικέσθαι, ἐκεῖνον δὲ καὶ ἐκ τῆς Ἰβηρίας εἰς τὴν Θρά-
 κην καὶ τὸν Πόντον ἀγαγεῖν τὴν στρατιάν· Ἰδάνθυρ-
 σον δὲ τὸν Σκύθην ἐπιδραμεῖν τῆς Ἀσίας μέχρι Αἰγύ-
 πτου· τῆς δὲ Ἰνδικῆς μηδένα τούτων ἄφασθαι· καὶ
 Σεμίραμιν δ' ἀποθανεῖν πρὸ τῆς ἐπιχειρήσεως· Πέρ-
 15 σας δὲ μισθοφόρους μὲν ἐκ τῆς Ἰνδικῆς μεταπέμψασθαι
 Ὑδράκας, ἐκεῖ δὲ μὴ στρατεῦσαι, ἀλλ' ἐγγὺς ἐλθεῖν
 μόνον ἥνίκα Κῦρος ἤλαυνεν ἐπὶ Μασσαγέτας.

Καὶ τὰ περὶ Ἡρακλέους δὲ καὶ Διονύσου Μεγασθέ- 7
 νης μὲν μετ' ὀλίγων πιστὰ ἡγρεῖται, τῶν δ' ἄλλων οἱ πλεί-
 20 οὺς, ὧν ἐστὶ καὶ Ἐρατοσθένης, ἄπιστα καὶ μυθώδη,
 καθάπερ καὶ τὰ παρὰ τοῖς Ἑλλήσιν. ὁ μὲν γὰρ ἐν ταῖς
 Βάκχαις ταῖς Εὐριπίδου Διόνυσος τοιαῦτα νεανιεύεται
 „λιπὼν δὲ Ἀνδῶν τὰς πολυχρύσους γύας Φρυγῶν τε
 „Περσῶν θ' ἡλιοβλήτους πλάκας Βάκτριά τε τείχη τὴν
 25 „τε δύσχειμον χθόνα Μήδων ἐπῆλθον Ἀραβίαν τ' εὐ-
 „δαίμονα Ἀσίαν τε πᾶσαν.“ παρὰ Σοφοκλεῖ δέ τίς ἐστι
 τὴν Νῦσαν καθυμνῶν ὥς τὸ Διονύσῳ καθιερωμένον
 ὄρος „ὅθεν κατεῖδον τὴν βεβακχιωμένην βροτοῖσι κλει-
 „νὴν Νῦσαν, ἣν ὁ βούκερως Ἰακχος * αὐτῷ μαίαν ἡδί-
 30 „στην νέμει, ὅπου τίς ὄρνις οὐχὶ κλαγγάνει;“ καὶ τὰ ἐξῆς.

30. post ἐξῆς: καὶ μεροτραφῆς δὲ λέγεται·

καὶ ὁ ποιητὴς περὶ Λυκούργου τοῦ Ἡδωνοῦ φησιν οὕτως „ὅς ποτε μακρομένοιο Διωνύσοιο τιθήνας σιῦε „κατ' ἡγάθειον Νυσήμιον.“ τοιαῦτα μὲν τὰ περὶ Διονύσου. περὶ δὲ Ἡρακλέους οἱ μὲν ἐπὶ τάναντία μόνον μέχρι τῶν ἐσπερίων περάτων ἱστοροῦσιν, οἱ δ' ἐφ' ἑκάτερα. 5

8 Ἐκ δὲ τῶν τοιούτων Νυσαίους δὴ τινας ἔθνος προσωνόμασαν καὶ πόλιν παρ' αὐτοῖς Νῦσαν Διονύσου κτίσμα, καὶ ὄρος τὸ ὑπὲρ τῆς πόλεως Μηρόν, αἰτιασάμενοι καὶ τὸν αὐτόθι κισσὸν καὶ ἄμπελον, οὐδὲ ταύτην τελειοκαρπον· ἀπορρεῖ γὰρ ὁ βότρυς πρὶν 10 περκάσαι διὰ τοὺς ὄμβρους τοὺς ἄδην· Διονύσου δ' ἀπογόνους τοὺς Συδράκας ἀπὸ τῆς ἀμπέλου τῆς παρ' αὐτοῖς καὶ τῶν πολυτελῶν ἐξόδων, βακχικῶς τὰς τε 0.688 ἐκστρατείας ποιουμένων τῶν βασιλέων καὶ τὰς ἄλλας ἐξόδους μετὰ τυμπανισμοῦ καὶ εὐανθοῦς στολῆς· ὅπερ 15 ἐπιπολάζει καὶ παρὰ τοῖς ἄλλοις Ἰνδοῖς. Ἄορνον δὲ τινα πέτραν, ἧς τὰς ῥίζας ὁ Ἰνδὸς ὑπορρεῖ πλησίον τῶν πηγῶν, Ἀλεξάνδρου κατὰ μίαν προσβολὴν ἰλόντος, σειμνύνοντες ἔφασαν τὸν Ἡρακλέα πρὶς μὲν προσβαλεῖν τῇ πέτρᾳ ταύτῃ τρὶς δ' ἀποκρουσθῆναι. τῶν δὲ 20 κοινωνησάντων αὐτῷ τῆς στρατείας ἀπογόνους εἶναι τοὺς Σίβας, σύμβολα τοῦ γένους σώζοντας τό τε δορὰς ἀμπέχεσθαι, καθάπερ τὸν Ἡρακλέα, καὶ τὸ σκυταληφορεῖν καὶ ἐπικεκαῦσθαι βουσί καὶ ἡμιόνοις ῥόπαλον. βεβαιοῦνται δὲ τὸν μῦθον τοῦτον καὶ ἐκ τῶν περὶ τὸν 25 Καύκασον καὶ τὸν Προμηθεά· καὶ γὰρ ταῦτα μετεηνόχασιν ἐκ τοῦ Πόντιου δεῦρο ἀπὸ μικρᾶς προφάσεως, ἰδόντες σπήλαιον ἐν τοῖς Παροπαμισάδαις ἱερὸν· τοῦτο γὰρ ἀνεδείξαντο Προμηθεὺς δεσμοκτήριον, καὶ δεῦρο ἀφιγμένον τὸν Ἡρακλέα ἐπὶ τὴν ἐλευθέρωσιν τοῦ 30 Προμηθεὺς, καὶ τοῦτον εἶναι τὸν Καύκασον ὃν Ἕλληνις Προμηθεὺς δεσμοκτήριον ἀπέφηναν.

Ὅτι δ' ἐστὶ πλάσματα ταῦτα τῶν κολακευόντων 9
 Ἀλέξανδρον πρῶτον μὲν ἐκ τοῦ μὴ ὁμολογεῖν ἀλλή-
 λους τοὺς συγγραφείας δῆλον, ἀλλὰ τοὺς μὲν λέγειν
 τοὺς δὲ μὴδ' ἀπλῶς μεμνησθαι· οὐ γὰρ εἰκὸς τὰ οὐ-
 5 τως ἐγδοῶ καὶ τύφου πλήρη μὴ πεπύσθαι, ἢ πεπύ-
 σθαι μὲν μὴ ἄξια δὲ μνήμης ὑπολαβεῖν, καὶ ταῦτα
 τοὺς πιστοτάτους αὐτῶν· ἔπειτα ἐκ τοῦ μὴδὲ τοὺς με-
 ταξύ, δι' ὧν ἐχρῆν τὴν ἐς Ἰνδοὺς ἀφίξιν γενέσθαι
 τοῖς περὶ τὸν Διόνυσον καὶ τὸν Ἡρακλέα, μὴδὲν ἔχειν
 10 τεκμήριον δεικνύναι τῆς ἐκείνων ὁδοῦ διὰ τῆς σφετέ-
 ρας γῆς. καὶ ἡ τοῦ Ἡρακλέους δὲ στολὴ ἢ τοιαύτη πολὺ
 νεωτέρα τῆς Τρωικῆς μνήμης ἐστὶ, πλάσμα τῶν τὴν
 Ἡράκλειαν ποιησάντων, εἴτε Πείσανδρος ἦν εἴτ' ἄλ-
 λος τις· τὰ δ' ἀρχαῖα ξόανα οὐχ οὕτω διεσκεύασται.
 15 Ὡς ἐν τοῖς τοιούτοις οὖν ἀποδέχεσθαι δεῖ πᾶν τὸ 10
 ἐγγυτάτω πίστεως. ἐποιησάμεθα δ' ἡμεῖς καὶ ἐν τοῖς
 πρῶτοις λόγοις τοῖς περὶ γεωγραφίας δίαίταν ἦν δυνα-
 τὸν ἦν περὶ τούτων, καὶ νῦν ἐκείνοις τε εἰς ἐτοίμου
 χρῆσόμεθα καὶ ἕτερα προσθήσομεν, ὅσων ἂν δεῖν δοῖται
 20 πρὸς τὴν σαφήνειαν. μάλιστα δ' ἐκ τῆς διαίτης ἐδόκει
 τῆς τότε πιστότατα εἶναι τὰ ὑπὸ τοῦ Ἐρατοσθένους ἐν
 τῷ τρίτῳ τῶν γεωγραφικῶν ἐκτεθέντα κεφαλαιωδῶς
 περὶ τῆς τότε νομιζομένης Ἰνδικῆς, ἥνικα Ἀλέξανδρος
 ἐπῆλθε· καὶ ἦν ὁ Ἰνδὸς ὄριον ταύτης τε καὶ τῆς Ἀσια-
 25 νῆς ἦν ἐφεξῆς πρὸς τῇ ἐσπέρᾳ κειμένην Πέρσαι κα-
 τὰ C.689 τείχον· ὕστερον γὰρ δὴ καὶ τῆς Ἀριανῆς πολλὴν ἔσχον
 οἱ Ἰνδοὶ λαβόντες παρὰ τῶν Μακεδόνων. ἐστὶ δὲ τοι-
 αῦτα ἃ λέγει ὁ Ἐρατοσθένης.

Τὴν Ἰνδικὴν περιώρικεν ἀπὸ μὲν τῶν ἄρκτων 11
 30 τοῦ Ταύρου τὰ ἔσχατα ἀπὸ τῆς Ἀριανῆς μέχρι τῆς
 ἐφ' ἃς θαλάττης, ἅπερ οἱ ἐπιχώριοι κατὰ μέρος Παρο-
 πάμισόν τε καὶ Ἡμωδὸν καὶ Ἰμαον καὶ ἄλλα ὀνομάζου-

σι, Μακεδόνες δὲ Καύκασον· ἀπὸ δὲ τῆς ἐσπέρας ὁ Ἰνδὸς ποταμός· τὸ δὲ νότιον καὶ τὸ προσεῶν πλευρόν, πολὺ μείζω τῶν ἐτέρων ὄντα, προπέπτωκεν εἰς τὸ Ἀτλαντικὸν πέλαγος, καὶ γίνεται ῥομβοειδὲς τὸ τῆς χώρας σχῆμα τῶν μειζόνων πλευρῶν ἑκατέρου πλεονεκτοῦντος παρὰ τὸ ἀπεναντίον πλευρὸν καὶ τρισχίλοις σταδίοις, ὅσων ἐστὶ τὸ κοινὸν ἄκρον τῆς τε ἰωθινῆς παραλίας καὶ τῆς μεσημβρινῆς, ἔξω προπεπτωκὸς ἐξ ἰσῆς ἐφ' ἑκάτερον παρὰ τὴν ἄλλην ἥονα. τῆς μὲν οὖν ἐσπερίου πλευρᾶς ἀπὸ τῶν Καυκασίων ὁρῶν ἐπὶ τὴν νότιον θάλατταν στάδιοι μάλιστα λέγονται μύριοι τρισχίλιοι παρὰ τὸν Ἰνδὸν ποταμὸν μέχρι τῶν ἐκβολῶν αὐτοῦ, ὥστ' ἀπεναντίον ἢ ἰωθινῇ προσλαβοῦσα τοὺς τῆς ἄκρας τρισχιλίους ἐστὶ μυρίων καὶ ἑξακισχιλίων σταδίων. τοῦτο μὲν οὖν πλάτος τῆς χώρας τό τ' ἐλάχιστον καὶ τὸ μέγιστον. μήκος δὲ τὸ ἀπὸ τῆς ἐσπέρας ἐπὶ τὴν ἑω· τούτου δὲ τὸ μὲν μέχρι Παλιβόθρων ἔχει τις ἂν βεβαιότερως εἰπεῖν· καταμεμέτρηται γὰρ σχοινίοις καὶ ἐστὶν ὁδὸς βασιλικὴ σταδίων μυρίων· τὰ δ' ἐπέκεινα στοχασμῷ λαμβάνεται διὰ τῶν ἀνάπλων τῶν ἐκ θαλάττης διὰ τοῦ Γάγγου ποταμοῦ μέχρι Παλιβόθρων· εἴη δ' ἂν τι σταδίων ἑξακισχιλίων. ἐστὶ δὲ τὸ πᾶν ἢ βραχυτάτον μυρίων ἑξακισχιλίων, ὥς ἐκ τε τῆς ἀναγραφῆς τῶν σταθμῶν τῆς πεπιστευμένης μάλιστα λαβεῖν Ἑρατοσθένους φησί, καὶ ὁ Μεγασθένης οὕτως συναποφαίνεται, Πατροκλῆς δὲ χιλίοις ἔλαττον φησί. τούτῳ δὲ πάλιν τῷ διαστήματι προστεθὲν τὸ τῆς ἄκρας διάστημα τὸ προπίπτον ἐπὶ πλείον πρὸς τὰς ἀνατολάς, οἱ τρισχίλιοι στάδιοι ποιήσουσι τὸ μέγιστον μήκος· ἐστὶ δὲ τοῦτο τὸ ἀπὸ τῶν ἐκβολῶν τοῦ Ἰνδοῦ ποταμοῦ

παρὰ τὴν ἐξῆς ἥونا μέχρι τῆς λεχθείσης ἄκρας καὶ τῶν ἀνατολικῶν αὐτῆς τερμόνων· οἰκοῦσι δ' ἐνταῦθα οἱ Κωνιακοὶ καλούμενοι.

Ἐκ δὲ τούτων πάρεστιν ὁρᾶν ὅσον διαφέρουσιν 12
5 αἱ τῶν ἄλλων ἀποφάσεις, Κτησίῳ μὲν οὐκ ἐλάττω
τῆς ἄλλης Ἀσίας τὴν Ἰνδικὴν λέγοντος, Ὀνησικρίτου
δὲ τρίτον μέρος τῆς οἰκουμένης, Νεάρχου δὲ μηνῶν
ὁδὸν τεττάρων τὴν διὰ τοῦ πεδίου, Μεγασθένους δὲ 0.690
καὶ Δημιάχου μετριασάντων μᾶλλον· ὑπὲρ γὰρ δις μυ-
10 ρίους τιθέασι σταδίους τὸ ἀπὸ τῆς νοτίου θαλάττης
ἐπὶ τὸν Καύκασον, Δημάχος δ' ὑπὲρ τοὺς τρισμυρί-
ους κατ' ἐνίους τόπους· πρὸς οὓς ἐν τοῖς πρώτοις λό-
γοις εἴρηται, νῦν δὲ τοσοῦτον εἰπεῖν ἱκανόν, ὅτι καὶ
ταῦτα συνηγορεῖ τοῖς αἰτουμένοις συγγνώμην, εἴαν τι
15 περὶ τῶν Ἰνδικῶν λέγοντες μὴ δυσχυρῶνται.

Ἄπαντα δ' ἐστὶ κατάρρυτος ποταμοῖς ἡ Ἰνδική, 13
τοῖς μὲν εἰς δύο τοὺς μεγίστους συρρηγνυμένοις τὸν
τε Ἰνδὸν καὶ τὸν Γάγγην, τοῖς δὲ κατ' ἴδια στόματα
ἐκδιδοῦσιν εἰς τὴν θάλατταν· ἅπαντες δ' ἀπὸ τοῦ
20 Καυκάσου τὴν ἀρχὴν ἔχουσι καὶ φέρονται μὲν ἐπὶ τὴν
μεσημβρίαν τὸ πρῶτον, εἰθ' οἱ μὲν μένουσιν ἐπὶ τῆς αὐ-
τῆς φορᾶς καὶ μάλιστα οἱ εἰς τὸν Ἰνδὸν συμβάλλοντες,
οἱ δ' ἐπιστρέφονται πρὸς ἑω, καθάπερ καὶ ὁ Γάγγης
ποταμός. οὗτος μὲν οὖν καταβὰς ἐκ τῆς ὄρεινῆς, ἐπει-
25 δὴν ἄφηται τῶν πεδίων ἐπιστρέψας πρὸς ἑω καὶ ὅσους
παρὰ τὰ Παλίβοθρα μεγίστην πόλιν πρόεισιν ἐπὶ τὴν
ταύτην θάλατταν καὶ μίαν ἐκβολὴν ποιεῖται, μέγιστος
ὢν τῶν κατὰ τὴν Ἰνδικὴν ποταμῶν· ὁ δὲ Ἰνδὸς δυσὲς
στόμασιν εἰς τὴν μεσημβρινὴν ἐκπίπτει θάλατταν, ἐμ-
30 περιλαμβάνων τὴν Παταληνὴν καλουμένην χώραν
παρὰ πηλσίαν τῇ κατ' Αἴγυπτον Δέλτα. ἐκ δὲ τῆς ἀνα-
θυμιάσεως τῶν τοσοῦτων ποταμῶν καὶ ἐκ τῶν ἐτησι-

ων, ὡς Ἐρατοσθένης φησί, βρέχεται τοῖς θερινοῖς ὄμβροις ἢ Ἰνδικῇ, καὶ λιμνάζει τὰ πεδία· ἐν μὲν οὖν τοῦτοῖς τοῖς ὄμβροις λίνον σπείρεται καὶ κέγγρος, πρὸς τοῦτοῖς σήσαμον ὄρυζα βόσμορον· τοῖς δὲ χειμερινοῖς καιροῖς πυροὶ κριθαὶ ὄσπρια καὶ ἄλλοι καρποὶ ἐδώδι- 5 μοι, ὧν ἡμεῖς ἀπειροί. σχεδὸν δέ τι τοῖς ἐν Αἰθιοπία καὶ κατ' Αἴγυπτον ... τὰ αὐτὰ φύεται καὶ ἐν τῇ Ἰνδικῇ, καὶ τῶν ἐν τοῖς ποταμοῖς πλήν ἵππου ποταμίον τὰ ἄλλα φέρουσι καὶ οἱ Ἰνδικοί· Ὀνησίκριτος δὲ καὶ τοὺς ἵππους γίνεσθαι φησι. τῶν δ' ἀνθρώπων οἱ μὲν με- 10 σημβρινοὶ τοῖς Αἰθίοφιν εἰσιν ὅμοιοι κατὰ τὴν χοιραν, κατὰ δὲ τὴν ὄψιν καὶ τὴν τρίχωσιν τοῖς ἄλλοις (οὐδὲ γὰρ οὐλοτριχοῦσι διὰ τὴν ὑγρότητα τοῦ ἀέρος), οἱ δὲ βόρειοι τοῖς Αἰγυπτίοις.

- 14 Τὴν δὲ Ταπροβάνην πελαγίαν εἶναι φασι νῆσον 15 ἀπέχουσαν τῶν νοτιωτάτων τῆς Ἰνδικῆς τῶν κατὰ τοὺς Κωνιακοὺς πρὸς μεσημβρίαν ἡμερῶν ἑπτὰ πλοῦν, μήκος μὲν ὡς πεντακισχιλίων σταδίων ἐπὶ τὴν Αἰθιοπίαν ἔχειν δὲ καὶ ἐλέφαντας.

Τοιαῦται μὲν αἱ τοῦ Ἐρατοσθένους ἀποφάσεις. 20 προστεθεῖσαι δὲ καὶ αἱ τῶν ἄλλων, εἴ πού τι προσ-
C.691 κριβοῦσιν, εἰδοποιήσουσι τὴν γραφὴν. οἷον περὶ τῆς
15 Ταπροβάνης Ὀνησίκριτός φησι μέγεθος μὲν εἶναι πεντακισχιλίων σταδίων, οὐ διορίσας μήκος οὐδὲ πλάτος, διέχειν δὲ τῆς ἡπείρου πλοῦν ἡμερῶν εἰκοσιν· 25 ἄλλα κακοπλοεῖν τὰς ναῦς, φαύλως μὲν ἰστιοπεποιημένας κατεσκευασμένας δὲ ἀμφοτέρωθεν [πρώραις] ἐγκοιλίων μητρῶν χωρὶς. εἶναι δὲ καὶ ἄλλας νήσους αὐτῆς μεταξὺ καὶ τῆς Ἰνδικῆς, νοτιωτάτην δ' ἐκείνην. κήτη δ' ἀμφίβια περὶ αὐτὴν γίνεσθαι, τὰ μὲν 20 βουσι τὰ δ' ἵπποις τὰ δ' ἄλλοις χερσαίοις εἰκότα.

- 16 Νέαρχος δὲ περὶ τῆς ἐκ τῶν ποταμῶν ἐπιχοῆς πα-

ραδείγματα φέρει τὰ τοιαῦτα, ὅτι καὶ τὸ Ἑρμου καὶ
 Καῦστρου πεδίον καὶ Μαιάνδρου καὶ Καΐκου παρα-
 πλησίως εἰρηται διὰ [τὸ] τὴν ἐπιφορουμένην τοῖς πε-
 δίοις χοῦν αὖξιν αὐτά, μᾶλλον δὲ γεννᾶν, ἐκ τῶν
 5 ὀρῶν καταφερομένην, ὅση εὐγεως καὶ μαλακῇ· κατα-
 φέρειν δὲ τοὺς ποταμούς, ὥστε τούτων ὡς ἂν γεννή-
 ματα ὑπάρχειν τὰ πεδία· καὶ εὖ λέγεσθαι ὅτι τούτων
 ἐστὶ τὰ πεδία. τοῦτο δὲ ταυτόν ἐστι τῷ ὑπὸ τοῦ Ἑρο-
 δότου λεχθέντι ἐπὶ τοῦ Νείλου καὶ τῆς ἐπ' αὐτῷ γῆς
 10 ὅτι ἐκείνου δῶρόν ἐστι· διὰ τοῦτο δ' ὀρθῶς καὶ ὁμώ-
 νυμον τῇ Αἰγύπτῳ φησὶ λεχθῆναι τὸν Νεῖλον ὁ Νέ-
 αρχος.

Ἀριστόβουλος δὲ μόνα καὶ ὕεσθαι καὶ νίφεσθαι 17
 τὰ ὄρη καὶ τὰς ὑψωρίας φησί, τὰ πεδία δὲ καὶ ὄμβρων
 15 ὁμοίως ἀπηλλάχθαι καὶ νιφετῶν, ἐπικλύζεσθαι δὲ μό-
 νον κατὰ τὰς ἀναβάσεις τῶν ποταμῶν· νίφεσθαι μὲν
 οὖν τὰ ὄρη κατὰ χειμῶνα, τοῦ δὲ ἔαρος ἀρχομένου καὶ
 τοὺς ὄμβρους ἐνάρχεσθαι καὶ αἰεὶ καὶ μᾶλλον λαμβά-
 νειν ἐπίδοσιν· τοῖς δ' ἐτησίαις καὶ ἀδιαλείπτως νύ-
 20 κτωρ καὶ μεθ' ἡμέραν ἐκχεῖσθαι καὶ λάβρους ἕως ἐπι-
 τολῆς ἀρκτούρου· ἐκ τε δὴ τῶν χιόνων καὶ τῶν ὑετῶν
 πληρουμένους [ποταμούς] ποτίζειν τὰ πεδία. κατανοη-
 θῆναι δὲ ταῦτα καὶ ὑφ' ἑαυτοῦ καὶ ὑπὸ τῶν ἄλλων φη-
 σίν, ὠρμηκότων μὲν εἰς τὴν Ἰνδικὴν ἀπὸ Παροπαμι-
 25 σαδῶν, μετὰ δὲ δυσμᾶς πληιάδων, καὶ διατριψάντων
 κατὰ τὴν ὀρεινὴν ἐν τε τῇ Ὑπασίων καὶ τῇ Ἀσσακα-
 νοῦ γῇ τὸν χειμῶνα, τοῦ δ' ἔαρος ἀρχομένου καταβε-
 βηκότων εἰς τὰ πεδία καὶ πόλιν Ταξιλα εὐμεγέθη, ἐν-
 τεῦθεν δ' ἐπὶ Ὑδάσπην καὶ τὴν Πώρου χώραν· τοῦ
 30 μὲν οὖν χειμῶνος ὕδωρ οὐκ ἰδεῖν ἀλλὰ χιόνας μόνον·
 ἐν δὲ τοῖς Ταξιλοῖς πρῶτον ὑσθῆναι, καὶ ἐπειδὴ κατα-
 βᾶσιν ἐπὶ τὸν Ὑδάσπην καὶ νικήσασιν Πῶρον ὁδὸς ἦν

ἐπὶ τὸν Ὑπαννιν πρὸς ἑω κάκειθεν ἐπὶ τὸν Ὑδάσπην
 πάλιν, ὕεσθαι συνεχῶς καὶ μάλιστα τοῖς ἐτησίαις,
 ἐπιτείλαντος δὲ ἀρκτούρου γενέσθαι παῦλαν· διατρί-
 φοντας δὲ περὶ τὴν ναυπηγίαν ἐπὶ τῷ Ὑδάσπῃ καὶ
 0.692 πλεῖν ἀρξαμένους πρὸ δύσεως πληιάδος οὐ πολλαῖς 5
 ἡμέραις, καὶ τὸ φθινόπωρον πᾶν καὶ τὸν χειμῶνα καὶ
 τὸ ἐπιὸν ἔαρ καὶ θέρος ἐν τῷ κατάπλῳ πραγματευθέν-
 τας ἔλθειν εἰς τὴν Παταληνὴν περὶ κυνὸς ἐπιτολήν·
 δέκα μὲν δὴ τοῦ κατάπλου γενέσθαι μῆνας, οὐδαμοῦ
 δ' ὑετῶν αἰσθίσθαι οὐδ' ὅτε ἐπήκμασαν οἱ ἐτησῖαι, 10
 τῶν δὲ ποταμῶν πληρουμένων τὰ πεδία κλύζεσθαι·
 τὴν δὲ θάλατταν ἄπλου εἶναι τῶν ἀνέμων ἀντιπνεόν-
 των, ἀπογαίας δὲ μηδεμιᾶς πνοῆς ἐκδεξαμένης.

- 18 Τοῦτο μὲν οὖν αὐτὸ καὶ ὁ Νέαρχος λέγει, περὶ δὲ
 τῶν θερινῶν ὄμβρων οὐχ ὁμολογεῖ, ἀλλὰ φησιν ὕε- 15
 σθαι τὰ πεδία θέρους, χειμῶνος δ' ἄνομβρα εἶναι.
 λέγουσι δ' ἀμφοτέρω καὶ τὰς ἀναβάσεις τῶν ποταμῶν.
 ὁ μὲν γε Νέαρχος τοῦ Ἀκεσίνου πλησίον στρατοπεδεύ-
 οντάς φησιν ἀναγκασθῆναι μεταλαβεῖν τόπον ἄλλον
 ὑπερδῆξιον κατὰ τὴν ἀνάβασιν, γενέσθαι δὲ τοῦτο 20
 κατὰ θερινὰς τροπὰς. ὁ δ' Ἀριστόβουλος καὶ μέτρα
 τῆς ἀναβάσεως ἐκτίθεται τετταράκοντα πήχεις, ὧν
 τοὺς μὲν εἰκοσιν ὑπὲρ τὸ προὔπαρχον βάθος πληροῦν
 μέχρι χείλους τὸ ρεῖθρον, τοῖς δ' εἰκοσιν ὑπέρχουσιν
 εἶναι εἰς τὰ πεδία. ὁμολογοῦσι δὲ καὶ διότι συμβαίνει 25
 νησιζεῖν τὰς πόλεις ἐπάνω χωμάτων ἰδρυμένας, κα-
 θάπερ καὶ ἐν Αἰγύπτῳ καὶ Αἰθιοπία· μετὰ δὲ ἀρκτού-
 ρον παύεσθαι τὴν πλήμμυραν ἀποβαίνοντος τοῦ ὕδα-
 τος· ἔτι δ' ἡμίψυκτον σπαίρεσθαι τὴν γῆν ὑπὸ τοῦ
 τυχόντος ὀρύκτου χαραχθεῖσαν, καὶ ὁμῶς φύεσθαι 30
 τὸν καρπὸν τέλειον καὶ καλόν. τὴν δ' ὄρυξάν φησιν ὁ
 Ἀριστόβουλος ἐστάναι ἐν ὕδατι κλειστῷ, πρασιὰς δ'

εἶναι τὰς ἐχούσας αὐτήν· ὕψος δὲ τοῦ φυτοῦ τετρα-
 πηχυ πολύσταχύ τε καὶ πολύκαρπον· θερίζεσθαι δὲ
 περὶ δύοσιν πληιάδος καὶ πτίσσεσθαι ὡς τὰς ξιᾶς· φύ-
 εσθαι δὲ καὶ ἐν τῇ Βακτριανῇ καὶ Βαβυλωνίᾳ καὶ Σου-
 σίδι· καὶ ἡ κάτω δὲ Συρία φύει. Μίγιλλος δὲ τὴν ὄρυ-
 ζαν σπείρεσθαι μὲν πρὸ τῶν ὄμβρων φησὶν, ἀρδεΐας
 δὲ καὶ φυτείας [μὴ] δεῖσθαι ἀπὸ τῶν κλειστῶν ποτιζο-
 μένην ὑδάτων. περὶ δὲ τοῦ βοσμόρου φησὶν Ὀνησί-
 κριτος διότι σῖτός ἐστι μικρότερος τοῦ πυροῦ, γεννα-
 10 ται δ' ἐν ταῖς μεσοποταμίαις, φρύγεται δ' ἐπὶ ἀλοη-
 θῇ, προσομνύντων μὴ ἀποίσειν ἄπυρον ἐκ τῆς ἄλλω τοῦ
 μὴ ἐξάγεσθαι σπέριμα.

Τὴν δ' ὁμοιότητα τῆς χώρας ταύτης πρὸς τε τὴν 19
 Αἰγυπτου καὶ τὴν Αἰθιοπίαν καὶ πάλιν τὴν ἐναντιό-
 15 τητα παραθεῖς ὁ Ἀριστόβουλος, διότι τῷ Νεῖλῳ μὲν
 ἐκ τῶν νοτίων ὄμβρων ἐστὶν ἡ πλήρωσις τοῖς Ἰνδικοῖς
 δὲ ποταμοῖς ἀπὸ τῶν ἀρκτικῶν, ζητεῖ πῶς οἱ μεταξὺ 0.693
 τόποι οὐ κατομβροῦνται· οὔτε γὰρ ἡ Θηβαῖς μέχρι
 Συήνης καὶ τῶν ἐγγὺς Μερόης οὔτε τῆς Ἰνδικῆς τὰ
 20 ἀπὸ τῆς Παταληνῆς μέχρι τοῦ Ὑδάσπου· τὴν δ' ὑπὲρ
 ταῦτα τὰ μέρη χώραν ἐν ἣ καὶ ὄμβροι καὶ νιφετοί, πα-
 ραπλησίως ἐφη γεωργεῖσθαι τῇ ἄλλῃ τῇ ἔξω τῆς Ἰνδι-
 κῆς χώρας· ποτιζεσθαι γὰρ ἐκ τῶν ὄμβρων καὶ χιόνων.
 εἰκὸς δ' οἷς εἰρηκεν οὗτος καὶ εὐσειστον εἶναι τὴν
 25 γῆν, χαυνουμένην ὑπὸ τῆς πολλῆς ὑγρασίας καὶ ἐκρήγ-
 ματα λαμβάνουσαν ὥστε καὶ ρεῖθρα ποταμῶν ἀλλάτ-
 τεσθαι. πεμφθεὶς γοῦν ἐπὶ τινα χρεῖαν ἰδεῖν φησιν
 ἐρημωθεῖσαν χώραν πλειόνων ἢ χιλίων πόλεων σὺν
 κώμαις, ἐκλιπόντος τοῦ Ἰνδοῦ τὸ οἰκεῖον ρεῖθρον ἐκ-
 30 τραπομένου δ' εἰς τὸ ἕτερον ἐν ἀριστερᾷ κοιλότερον

πολύ, καὶ οἶον καταρράξαντος, ὥς τὴν ἀπολειφθεῖσαν ἐν δεξιᾷ χώραν μηκέτι ποτίζεσθαι ταῖς ὑπερχύσει, μεταωροτέραν οὖσαν οὐ τοῦ ῥείθρου τοῦ καινοῦ μόνον ἀλλὰ καὶ τῶν ὑπερχύσεων.

- 20 Ταῖς δὲ τῶν ποταμῶν πληρώσει καὶ τῷ τοὺς 5 ἀπογαίους μὴ πνεῖν ὁμολογεῖ καὶ τὸ λεχθὲν ὑπὸ τοῦ Ὀνησικρίτου· τεναγώδη γάρ φησιν εἶναι τὴν παραλίαν καὶ μάλιστα κατὰ τὰ στόματα τῶν ποταμῶν, διὰ τε τὴν χοῦν καὶ τὰς πλημμυρίδας καὶ τὴν τῶν πελαγίων ἀνέμων ἐπικράτειαν. Μεγασθένης δὲ τὴν εὐδαι- 10 μονίαν τῆς Ἰνδικῆς ἐπισημαίνεται τῷ δίκαιρον εἶναι καὶ δίφορον· καθάπερ καὶ Ἐρατοσθένης ἔφη, τὸν μὲν εἰπὼν σπόρον χειμερινὸν τὸν δὲ θερινόν, καὶ ὄμβρον ὁμοίως· οὐδὲν γὰρ ἔτος εὐρίσκεισθαι φησι πρὸς ἀμφοτέρους καιροὺς ἄνομβρον· ὥστ' εὐετηρίαν ἐκ τούτου 15 συμβαίνειν ἀφόρου μηδέποτε τῆς γῆς οὕσης· τοὺς τε ξυλίνους καρποὺς γενναῖσθαι πολλοὺς καὶ τὰς ῥίζας τῶν φυτῶν καὶ μάλιστα τῶν μεγάλων καλάμων, γλυκείας καὶ φύσει καὶ ἐφήσει χλιανομένου τοῦ ὕδατος τοῖς ἡλίοις τοῦ τ' ἐκπίπτοντος ἐκ Διὸς καὶ τοῦ ποτα- 20 μίου. τρόπον δὴ τινα λέγειν βούλεται διότι ἡ παρὰ τοῖς ἄλλοις λεγομένη πέψις καὶ καρπῶν καὶ χυμῶν παρ' ἐκείνοις ἐψησίς ἐστι, καὶ κατεργάζεται τοσοῦτον εἰς εὐστομίαν ὅσον καὶ ἡ διὰ πυρός· διὸ καὶ τοὺς κλάδους φησὶν εὐκαμπεῖς εἶναι τῶν δένδρων ἐξ ὧν οἱ τρο- 25 χοί· ἐκ δὲ τῆς αὐτῆς αἰτίας ἐνίοις καὶ ἐπανθεῖν ἔριον. ἐκ τούτου δὲ Νίλαρχός φησι τὰς εὐητριούς ὑφαίνεσθαι σινδόνας, τοὺς δὲ Μακεδόνας ἀντὶ κναφάλλων αὐτοῖς χρησθαι καὶ τοῖς σάγμασι σάγης· τοιαῦτα δὲ καὶ τὰ
- C.694 Σηρικὰ ἐκ τινων φλοιῶν ξαινομένης βύσσου. εἰρηκε 30 δὲ καὶ περὶ τῶν καλάμων ὅτι ποιοῦσι μέλι μελισσῶν μὴ οὖσῶν· καὶ γὰρ δένδρον εἶναι καρποφόρον, ἐκ δὲ

τοῦ καρποῦ συντίθεται μέλι, τοὺς δὲ φαγόντας ὤμου τοῦ καρποῦ μεθύειν.

Πολλὰ γὰρ δὴ δένδρα παράδοξα ἢ Ἰνδικῇ τρέφει, 21
 ὧν ἐστὶ καὶ τὸ κάτω νεύοντας ἔχον τοὺς κλάδους τὰ δὲ
 5 φύλλα ἀσπίδος οὐκ ἐλάττω. Ὀνησίκριτος δὲ καὶ περι-
 εργότερον τὰ ἐν τῇ Μουσικανοῦ διεξιῶν, ἃ φησι νο-
 τιώτατα εἶναι τῆς Ἰνδικῆς, διηγεῖται μεγάλα δένδρα
 τινά, ὧν τοὺς κλάδους αὐξηθέντας ἐπὶ πήχεις καὶ δώ-
 δεκα, ἔπειτα τὴν λοιπὴν αὐξησιν καταφερῇ λαμβάνειν
 10 ὥς ἂν κατακαμπτομένους, ἕως ἂν ἄψωνται τῆς γῆς·
 ἔπειτα κατὰ γῆς διαδοθέντας ῥιζοῦσθαι ὁμοίως ταῖς
 κατώρυξιν, εἰτ' ἀναδοθέντας στελεχοῦσθαι· ἐξ οὗ πά-
 λιν ὁμοίως τῇ αὐξήσει κατακαμφθέντας ἄλλην κατώ-
 ρυγα ποιεῖν, εἰτ' ἄλλην, καὶ οὕτως ἐφεξῆς, ὥστ' ἀφ'
 15 ἐνὸς δένδρου σκιάδιον γίνεσθαι μακρὸν πολυστύλῳ
 σκηνῇ ὅμοιον. λέγει δὲ καὶ μεγέθη δένδρων ὥστε πέντε
 ἀνθρώποις δυσπερίληπτα εἶναι τὰ στελέχη. κατὰ δὲ
 τὸν Ἀκισίνην καὶ τὴν συμβολὴν τὴν πρὸς Τάρωτιν
 καὶ Ἀριστόβουλος εἶρηκε περὶ τῶν κατακαμπτομένων
 20 ἐχόντων τοὺς κλάδους καὶ περὶ τοῦ μεγέθους ὥσθ' ὑφ'
 ἐνὶ δένδρῳ μεσημβρίζειν σκιαζομένους ἰκπίας πεντή-
 κοντα· οὗτος δὲ τετρακοσίους. λέγει δὲ ὁ Ἀριστόβου-
 λος καὶ ἄλλο δένδρον οὐ μέγα, λοπούς ἔχον ὥς ὁ κύα-
 μος δεκαδακτύλους τὸ μήκος πλήρεις μέλιτος, τοὺς δὲ
 25 φαγόντας οὐ ῥαδίως σώζεσθαι. ἅπαντας δ' ὑπερβέ-
 βληνται περὶ τοῦ μεγέθους τῶν δένδρων οἱ φήσαντες
 ἑωρᾶσθαι πέραν τοῦ Ταρώτιδος δένδρον ποιοῦν σκιάν
 ταῖς μεσημβρίαις πενταστάδιον. καὶ τῶν ἐριοφόρων
 δένδρων φησὶν οὗτος τὸ ἄνθος ἔχειν πυρῆνα· ἐξαιρε-

θέντος δὲ τούτου ξαίνεισθαι τὸ λοιπὸν ὁμοίως ταῖς ἐρέαις.

- 22 Ἐν δὲ τῇ Μουσικανοῦ καὶ σῖτον αὐτοφυῆ λέγει πυρρῷ παραπλήσιον καὶ ἄμπελον, ὥστ' οἰνοφορεῖν τῶν ἄλλων αἰνον λεγόντων τὴν Ἰνδικήν· ὥστε μὴδ' αὐ- 5 λὸν εἶναι κατὰ τὸν Ἀνάχαρσιν μὴδ' ἄλλο τῶν μουσικῶν ὀργάνων μὴδὲν πλὴν κυμβάλων καὶ τυμπάνων καὶ κροτάλων ἅ τοὺς θαυματοποιοὺς κεκτησθαι. καὶ πολυφάρμακον δὲ καὶ πολύρριζον τῶν τε σωτηρίων καὶ τῶν ἐναντίων, ὥσπερ καὶ πολυχρώματον, καὶ οὗτος 10 εἰρηκε καὶ ἄλλοι γε· προστίθῃσι δ' οὗτος ὅτι καὶ νόμος εἴη τὸν ἀνευρόντα τι τῶν ὀλεθρίων, ἐὰν μὴ προσανεύρῃ καὶ τὸ ἄκος αὐτοῦ, θανατοῦσθαι· ἀνευρόντα C.695 δὲ τιμῆς τυγχάνειν παρὰ τοῖς βασιλεῦσιν. ἔχειν δὲ καὶ κιννάμωμον καὶ νάρκδον καὶ τὰ ἄλλα ἀρώματα τὴν νό- 15 τιον γῆν τὴν Ἰνδικήν ὁμοίως ὥσπερ τὴν Ἀραβίαν καὶ τὴν Αἰθιοπίαν ἔχουσάν τι ἐμπερὶς ἐκείναις κατὰ τοὺς ἡλίους· διαφέρειν δὲ τῷ πλεονασμῷ τῶν ὑδάτων ὥστ' ἐνικμον εἶναι τὸν αἶρα καὶ τροφιμώτερον παρὰ τοῦτο καὶ γόνιμον μᾶλλον, ὥς δ' αὐτῶς καὶ τὴν γῆν καὶ τὸ 20 ὕδωρ, ἥ δὴ καὶ μείζω τὰ τε χερσαῖα τῶν ζώων καὶ τὰ καθ' ὕδατος τὰ ἐν Ἰνδοῖς τῶν παρ' ἄλλοις εὐρίσκεσθαι. καὶ τὸν Νεῖλον δ' εἶναι γόνιμον μᾶλλον ἐτέρων καὶ μεγαλοφυῆ γεννᾶν καὶ τάλλα καὶ τὰ ἀμφίβια, τὰς τε 25 γυναῖκας ἔσθ' ὅτε καὶ τετράδυμα τίκτειν τὰς Αἰγυπτίας· Ἀριστοτέλης δὲ τινα καὶ ἐπτάδυμα ἱστορεῖ τετοκέναι, καὶ αὐτὸς πολύγονον καλῶν τὸν Νεῖλον καὶ τρόφιμον διὰ τὴν ἐκ τῶν ἡλίων μετρίαν ἐφησιν αὐτὸ καταλειπόντων τὸ τρόφιμον τὸ δὲ περιττὸν ἐκθυμίωντων.

- 23 Ἀπὸ δὲ τῆς αὐτῆς αἰτίας καὶ τοῦτο συμβαίνειν εἰ- κὸς ὅπερ φησὶν οὗτος, ὅτι τῷ ἡμίσει πυρὶ ἔψει τὸ τοῦ

Νείλου ὕδωρ ἢ τὰ ἄλλα. ὅσῳ δὲ γε φησὶ τὸ μὲν τοῦ Νείλου ὕδωρ δι' εὐθείας ἐπεισι πολλήν χώραν καὶ στενήν καὶ μεταβάλλει πολλὰ κλίματα καὶ πολλοὺς ἀέρας, τὰ δ' Ἰνδικὰ ρεύματα ἐς πεδία ἀναχεῖται μεῖζω καὶ 5 πλατύτερα ἐνδιατρίβοντα πολὺν χρόνον τοῖς αὐτοῖς κλίμασι, τοσῶδε ἐκείνα τούτου τροφιμώτερα, διότι καὶ τὰ κήτη μεῖζω τε καὶ πλείω· καὶ ἐκ τῶν νεφῶν δὲ ἐφθὸν ἤδη χεῖσθαι τὸ ὕδωρ.

Τοῦτο δ' οἱ μὲν περὶ Ἀριστόβουλον οὐκ ἂν συγ- 24
 10 χωροῖεν οἱ φάσκοντες μὴ ὕεσθαι τὰ πεδία. Ὀνησικρί-
 τῳ δὲ δοκεῖ τόδε τὸ ὕδωρ αἴτιον εἶναι τῶν ἐν τοῖς ζώ-
 οῖς ἰδιωμάτων, καὶ φέρει σημεῖον τὸ καὶ τὰς χροάς τῶν
 πινόντων βοσκημάτων ξενικῶν ἀλλάττεσθαι πρὸς τὸ
 ἐπιχώριον. τοῦτο μὲν οὖν εὖ, οὐκέτι δὲ καὶ [τὸ] τοῦ
 15 μέλανας εἶναι καὶ οὐλότριχας τοὺς Αἰθίοπας ἐν ψιλοῖς
 τοῖς ὕδασι τὴν αἰτίαν τιθέναι, μέμφεσθαι δὲ τὸν Θεο-
 δέκτην εἰς αὐτὸν τὸν ἥλιον ἀναφέροντα τὸ αἴτιον, ὅς
 φησιν οὕτως „οἷς ἀρχιτέρμων ἥλιος διαφορηλατῶν σκο-
 „τεινὸν ἄνθος ἐξέχρωσε λιγνύος εἰς σώματ' ἀνδρῶν,
 20 „καὶ συνέστρεψεν κόμας μορφαῖς ἀνανυξήτοισι συν-
 „τήξας πυρός.“ ἔχει δ' ἂν τινα λόγον· φησὶ γὰρ μήτε
 ἐγγυτέρω τοῖς Αἰθίοσιν εἶναι τὸν ἥλιον ἢ τοῖς ἄλλοις,
 ἀλλὰ μᾶλλον κατὰ κάθετον εἶναι, καὶ διὰ τοῦτο ἐπικαί-
 εσθαι πλέον, ὥστ' οὐκ εὖ λέγεσθαι ἀρχιτέρμονα αὐ-
 25 τοῖς τὸν ἥλιον ἴσον πάντων διέχοντα· μήτε τὸ θάλαππος
 εἶναι τοῦ τοιούτου πάθους αἴτιον· μηδὲ γὰρ τοῖς ἐν 0.696
 γαστρὶ, ὧν οὐχ ἅπτεται ἥλιος. βελτίους δὲ οἱ τὸν ἥλιον
 αἰτιώμενοι καὶ τὴν ἐξ αὐτοῦ ἐπίκαιυσιν κατ' ἐπίλειψιν
 σφοδρὰν τῆς ἐπιπολῆς ἰκμάδος· καθ' ὃ καὶ τοὺς Ἰν-
 30 δοὺς μὴ οὐλότριχεῖν φαμεν, μηδ' οὕτως ἀπεφεισμέ-
 νως ἐπικεκαῦσθαι τὴν χροάν, ὅτι ὑγροῦ κοινωνοῦσιν
 ἀέρος. ἐν δὲ τῇ γαστρὶ ἤδη κατὰ σπερματικὴν διάδοσιν

τοιαῦτα γίνεται οἷα τὰ γεννῶντα· καὶ γὰρ πάθη συγγενικά οὕτω λέγεται καὶ ἄλλαι ὁμοιότητες. καὶ τὸ πάντων δ' ἴσον ἀπέχειν τὸν ἥλιον πρὸς αἰσθησιν λέγεται, οὐ πρὸς λόγον· καὶ πρὸς αἰσθησιν, οὐχ ὥς ἐτυχεν ἀλλ' ὥς φαμεν σημείου λόγον ἔχειν τὴν γῆν πρὸς τὴν τοῦ ἡλίου σφαῖραν· ἐπεὶ πρὸς γε τὴν τοιαύτην αἰσθησιν καθ' ἣν θάλλπους ἀντιλαμβάνομεθα, ἐγγύθεν μὲν μᾶλλον πόρρωθεν δὲ ἦτον, οὐκ ἴσον· οὕτω δ' ἀγγιγμάτων ὁ ἥλιος λέγεται τοῖς Αἰθίοψιν, οὐχ ὥς Ὀνησικρίτῳ δέδοκται.

10

- 25 Καὶ τοῦτο δὲ τῶν ὁμολογουμένων ἐστὶ καὶ τῶν σωζόντων τὴν πρὸς τὴν Αἴγυπτον ὁμοιότητα καὶ τὴν Αἰθιοπίαν, ὅτι τῶν πεδίων ὅσα μὴ ἐπέκλυστα, ἄκαρπά ἐστὶ διὰ τὴν ἀνυδρίαν. Νέερχος δὲ τὸ ζητούμενον πρότερον ἐπὶ τοῦ Νείλου πόθεν ἢ πλήρωσις αὐτοῦ, δι-15 δάσκειν ἔφη τοὺς Ἰνδικοὺς ποταμοὺς ὅτι ἐκ τῶν θερινῶν ὄμβρων συμβαίνει· Ἀλέξανδρον δ' ἐν μὲν τῷ Τδάσπῃ κροκοδείλους ἰδόντα, ἐν δὲ τῷ Ἀκείσινῃ κυάμους Αἴγυπτίους, εὐρηκέναι δόξαι τὰς τοῦ Νείλου πηγὰς, καὶ παρασκευάζεσθαι στόλον εἰς τὴν Αἴγυπτον 20 ὥς τῷ ποταμῷ τούτῳ μέχρι ἐκεῖσε πλευσόμενον· μικρὸν δ' ὕστερον γινῶναι διότι οὐ δύναται ὁ ἥλιος· „μέσσω γὰρ μεγάλοι ποταμοὶ καὶ δεινὰ ῥέεθρα, Ὡκεανὸς μὲν πρῶτον,“ εἰς ὃν ἐκδιδόασιν οἱ Ἰνδικοὶ πάντες ποταμοί, ἔπειτα ἡ Ἀριανὴ καὶ ὁ Περσικὸς κόλπος καὶ 25 ὁ Ἀράβιος καὶ αὐτὴ ἡ Ἀραβία καὶ ἡ Τρωγλοδυτικὴ. τὰ μὲν οὖν περὶ τῶν ἀνέμων καὶ τῶν ὄμβρων τοιαῦτα λέγεται καὶ τῆς πληρώσεως τῶν ποταμῶν καὶ τῆς ἐπικλύσεως τῶν πεδίων.

- 26 Δεῖ δὲ καὶ τὰ καθ' ἑκάστα περὶ τῶν ποταμῶν εἰ-30 πεῖν ὅσα πρὸς τὴν γεωγραφίαν χρήσιμα καὶ ὧν ἱστορίαν παρειλήφαμεν. ἄλλως τε γὰρ οἱ ποταμοὶ φυ-

σικοί τινες ὄροι καὶ μεγεθῶν καὶ σχημάτων τῆς χώρας
 ὄντες ἐπιτηδειότητα πολλὴν παρέχουσι πρὸς ὅλην τὴν
 νῦν ὑπόθεσιν. ὁ δὲ Νεῖλος καὶ οἱ κατὰ τὴν Ἰνδικὴν C.697
 πλεονέκτημά τι ἔχουσι παρὰ τοὺς ἄλλους διὰ τὸ τὴν
 5 χώραν ἀοίκητον εἶναι χωρὶς αὐτῶν, πλωτὴν ἄμα καὶ
 γεωργήσιμον οὖσαν, καὶ μὴτ' ἐφοδεύεσθαι δυναμένην
 ἄλλως μὴτ' οἰκεῖσθαι τὸ παράπαν. τοὺς μὲν οὖν εἰς
 τὸν Ἰνδὸν καταφερομένους ἱστοροῦμεν τοὺς ἀξίους
 μνήμης καὶ τὰς χώρας, δι' ὧν ἡ φορὰ, τῶν δ' ἄλλων
 10 ἐστὶν ἄγνοια πλείων ἢ γνώσις. Ἀλέξανδρος γὰρ ὁ μάλ-
 ιστα ταῦτ' ἀνακαλύψας κατ' ἀρχὰς μὲν, ἥνίκα οἱ Λα-
 ρειον δολοφονήσαντες ὤρμησαν ἐπὶ τὴν τῆς Βακτρια-
 νῆς ἀπόστασιν, ἔγνω προουργιαίτατον ὃν διώκειν καὶ
 καταλύειν ἐκείνους. ἦκε μὲν οὖν τῆς Ἰνδικῆς πλησίον
 15 δι' Ἀριανῶν, ἀφελὶς δ' αὐτὴν ἐν δεξιᾷ ὑπερέβη τὸν
 Παροπάμισον εἰς τὰ προσάρκτια μέρη καὶ τὴν Βακτρι-
 ανήν· καταστρεφάμενος δὲ τάνκετ' πάντα ὅσα ἦν ὑπὸ
 Πέρσαις καὶ ἔτι πλείω, τότε ἦδη καὶ τῆς Ἰνδικῆς ὠρέ-
 χθη, λεγόντων μὲν περὶ αὐτῆς πολλῶν οὐ σαφῶς δέ.
 20 ἀνέστρεψε δ' οὖν ὑπερθεῖς τὰ αὐτὰ ὄρη κατ' ἄλλας
 ὁδοὺς ἐπιτομωτέρας ἐν ἀριστερᾷ ἔχων τὴν Ἰνδικὴν,
 εἴτ' ἐπίστρεψεν εὐθύς ἐπ' αὐτὴν καὶ τοὺς ὄρους τοὺς
 ἐσπερίους αὐτῆς καὶ τὸν Κώφην ποταμὸν καὶ τὸν Χο-
 ἀσπην, ὅς εἰς τὸν Κώφην ἐμβάλλει ποταμὸν κατὰ
 25 Πλημύριον πόλιν, ὅνεις παρὰ * Γῶρυνδι ἄλλην πόλιν,
 καὶ διεξιὼν τὴν τε Βανδοβηνὴν καὶ τὴν Γανδαρτικὴν.
 ἐπυνθάνετο δ' οἰκήσιμον εἶναι μάλιστα καὶ εὐκαρπον
 τὴν ὀρεινὴν καὶ προσάρκτιον· τὴν δὲ νότιον τὴν μὲν
 ἄνυδρον τὴν δὲ ποταμόκλυστον καὶ τελείως ἐκπυρον,
 30 θηρίοις τε μᾶλλον ἢ ἀνθρώποις σύμμετρον. ὤρμησεν

οὖν τὴν ἐπαινουμένην κατακτᾶσθαι πρότερον, ἅμα καὶ τοὺς ποταμοὺς εὐπερατοτέρους νομίσας τῶν πηγῶν πλησίον, οὓς ἀναγκαῖον ἦν διαβαίνειν, ἐπικαρσίσους ὄντας καὶ τέμνοντας ἦν ἐπήει γῆν. ἅμα δὲ καὶ ἤκουσεν εἰς ἕν πλείους συνιόντας ῥεῖν, καὶ τοῦτ' αἶε 5 καὶ μᾶλλον συμβαῖνον ὅσῳ πλεον εἰς τὸ πρόσθεν προῖοιεν, ὥστ' εἶναι δυσπερατοτέραν, καὶ ταῦτα ἐν πλοίων ἀπορία. δεδιὼς οὖν τοῦτο διέβη τὸν Κώφην, καὶ κατεστρέφετο τὴν ὄρεινὴν ὅση ἐτέτραπτο πρὸς ἑω.

27 Ἦν δὲ μετὰ τὸν Κώφην ὁ Ἰνδός, εἰθ' ὁ Ὑδάσπης, 10 εἰθ' ὁ Ἀκισίνης καὶ ὁ Ὑάρωτις, ὕστατος δ' ὁ Ὑπάνιος. περαιτέρω γὰρ προελθεῖν ἐκωλύθη, τοῦτο μὲν μαντείσις τισὶ προσέχων τοῦτο δ' ὑπὸ τῆς στρατιᾶς ἀπηγορευκυίας ἤδη πρὸς τοὺς πόρους ἀναγκασθεῖς· μάλιστα δ' ἐκ τῶν ὑδάτων ἔκαμνον συνεχῶς ὑόμενοι. 15 ταῦτ' οὖν ἐγένετο γνώριμα ἡμῖν τῶν ἐωθινῶν τῆς Ἰνδοῦ δικῆς μερῶν, ὅσα ἐντὸς τοῦ Ὑπάνιος, καὶ εἰ τινα προσιστόρησαν οἱ μετ' ἐκείνον περαιτέρω τοῦ Ὑπάνιος προελθόντες μέχρι τοῦ Γάγγου καὶ Παλιβόθρων. μετὰ μὲν οὖν τὸν Κώφην ὁ Ἰνδὸς ῥεῖ· τὰ δὲ μεταξὺ τούτων 20 τῶν δυεῖν ποταμῶν ἔχουσιν Ἀστακηνοὶ τε καὶ Μασσιανοὶ καὶ Νυσαῖοι καὶ Ὑπάσιοι· εἰθ' ἡ Ἀσσακανοῦ, ὅπου Μασόγα πόλις, τὸ βασίλειον τῆς χώρας. ἤδη δὲ πρὸς τῷ Ἰνδῷ πάλιν ἄλλη πόλις Πευκολαῖτις, πρὸς ἣ ζευγμα γενηθὲν ἐπεραίωσε τὴν στρατιάν. 25

28 Μεταξὺ δὲ τοῦ Ἰνδοῦ καὶ τοῦ Ὑδάσπου Τάξιλα 30 ἔστι πόλις μεγάλη καὶ εὐνομωτάτη, καὶ ἡ περικειμένη χώρα συχνὴ καὶ σφόδρα εὐδαίμων, ἤδη συνάπτουσα καὶ τοῖς πεδίοις. ἐδέξαντό τε δὴ φιλανθρωπῶς τὸν Ἀλέξανδρον οἱ ἄνθρωποι καὶ ὁ βασιλεὺς αὐτῶν Ταξί- 30 λης· ἐτυχόν τε πλειόνων ἢ αὐτοὶ παρέσχον, ὥστε φθονεῖν τοὺς Μακεδόνας καὶ λέγειν ὡς οὐκ εἶχεν, ὡς εἰ-

κεν, Ἀλέξανδρος οὓς εὐεργετήσῃ πριν ἢ διέβη τὸν Ἰν-
 δόν. φασὶ δ' εἶναι τινες τὴν χώραν ταύτην Αἰγύπτου
 μείζονα. ὑπὲρ δὲ ταύτης ἐν τοῖς ὄρεσιν ἢ τοῦ Ἀβισά-
 ρου χώρα, παρ' ᾧ δύο δράκοντας ἀπήγγελλον οἱ παρ'
 5 αὐτοῦ πρέσβεις τρέφεισθαι, τὸν μὲν ὀγδοήκοντα πη-
 χῶν τὸν δὲ τετταράκοντα πρὸς τοῖς ἑκατόν, ὥς εἰρη-
 κεν Ὀνησίκριτος, ὃν οὐκ Ἀλεξάνδρου μᾶλλον ἢ τῶν
 παραδόξων ἀρχικυβερνήτην προσεΐποι τις ἄν. πάντες
 μὲν γὰρ οἱ περὶ Ἀλέξανδρον τὸ θαυμαστὸν ἀντὶ τάλη-
 10 θοῦς ἀπεδέχοντο μᾶλλον, ὑπερβάλλεσθαι δὲ δοκεῖ
 τοὺς τοσούτους ἐκείνος τῇ τερατολογίᾳ· λέγει δ' οὖν
 τινα καὶ πιθανὰ καὶ μνήμης ἄξια ὥστε καὶ ἀπιστοῦντα
 μὴ παρελθεῖν αὐτά. περὶ δ' οὖν τῶν δρακόντων καὶ
 ἄλλοι λέγουσιν ὅτι ἐν τοῖς Ἡμῶδοις ὄρεσι θηρεύουσι
 15 καὶ τρέφουσιν ἐν σπηλαίοις.

Μεταξὺ δὲ τοῦ Ὑδάσπου καὶ τοῦ Ἀχεσίνου ἦ τε 29
 τοῦ Πῶρου ἰστί, πολλὴ καὶ ἀγαθὴ, σχεδόν τι καὶ τρι-
 ακοσίων πόλεων, καὶ ἡ πρὸς τοῖς Ἡμῶδοις ὄρεσιν ὕλη,
 ἐξ ἧς Ἀλέξανδρος κατήγαγε τῷ Ὑδάσπῃ κόψας ἐλάτην
 20 τε πολλὴν καὶ πεύκην καὶ κέδρον καὶ ἄλλα παντοῖα
 στελέχη ναυπηγήσιμα, ἐξ ὧν στόλον κατασκευάσατο
 ἐπὶ τῷ Ὑδάσπῃ πρὸς ταῖς ἐκτισμέναις ὑπ' αὐτοῦ πόλε-
 σιν ἐφ' ἑκάτερα τοῦ ποταμοῦ, ὅπου τὸν Πῶρον ἐνίκα
 διαβάς· ὧν τὴν μὲν Βουκεφαλίαν ὠνόμασεν ἀπὸ τοῦ
 25 πεσόντος ἵππου κατὰ τὴν μάχην τὴν πρὸς τὸν Πῶρον
 (ἐκαλεῖτο δὲ Βουκεφάλας ἀπὸ τοῦ πλάτους τοῦ μετώ-
 που· πολεμιστῆς δ' ἦν ἀγαθός, καὶ αἰεὶ τούτῳ ἐκέ- C.699
 χρητο κατὰ τοὺς ἀγῶνας), τὴν δὲ Νίκαιαν ἀπὸ τῆς νί-
 κης ἐκάλεσεν. ἐν δὲ τῇ λεχθείσῃ ὕλη καὶ τὸ τῶν κερ-
 30 κοπιθήκων διηγοῦνται πλῆθος ὑπερβάλλον καὶ τὸ μέ-
 γεθος ὁμοίως· ὥστε τοὺς Μακεδόνας ποτὲ ἰδόντας ἐν
 τισιν ἀκρολοφίαις ψιλαῖς ἰστῶτας ἐν τάξει κατὰ μέτω-

πον πολλοὺς (καὶ γὰρ ἀνθρωπονούστατον εἶναι το
ζῶον, οὐχ ἦντιον τῶν ἐλεφάντων) στρατοπέδου λαβεῖν
φαντασίαν καὶ ὁρμῆσαι μὲν ἐπ' αὐτοὺς ὡς πολεμίους,
μαθόντας δὲ παρὰ Ταξίλου συνόντος τότε τῷ βασιλεῖ
τὴν ἀλήθειαν παύσασθαι. ἡ δὲ θήρα τοῦ ζῴου διττή· 5
μιμητικὸν δὲ καὶ ἐπὶ τὰ δένδρα ἀναφευκτικόν· οἱ οὖν
θηρεύοντες, ἐπὰν ἴδωσιν ἐπὶ δένδρων ἰδρυμένον, ἐν
ὄψει θέντες τρύβλιον ὕδωρ ἔχον τοὺς ἑαυτῶν ὀφθαλ-
μοὺς ἐναλείφουσιν ἐξ αὐτοῦ· εἰτ' ἀντὶ τοῦ ὕδατος ἑξοῦ
τρύβλιον θέντες ἀπίασι καὶ λοχῶσι πόρρωθεν· ἐπὰν 10
δὲ καταπηθῇσαν τὸ θηρίον ἐγγρίσῃται τοῦ ἑξοῦ, * κα-
ταμύσαντος δ' ἀποληφθῇ τὰ βλέφαρα, ἐπιόντες ζω-
γροῦσιν. εἰς μὲν οὖν τρόπος οὗτος, ἄλλος δέ· ὑποδυ-
σάμενοι θυλάκους ὡς ἀναξυρίδας ἀπίασιν, ἄλλους κα-
ταλιπόντες δασεῖς τὰ ἐντὸς κεχρισμένους ἑξῶ· ἐνδύν- 15
τας δὲ εἰς αὐτοὺς ῥαδίως αἰροῦσι.

- 30 Καὶ τὴν Κάθαιαν δέ τινες [καὶ] τὴν Σωπείδους,
τῶν νομαρχῶν τινος, κατὰ τήνδε τὴν μεσοποταμίαν
τιθέασιν· ἄλλοι δὲ καὶ τοῦ Ἀκεσίνου πέραν καὶ τοῦ
Ταρσίτιδος, ὁμορον τῇ Πάφρου τοῦ ἐτέρου, ὅς ἦν ἀνε- 20
ψιὸς τοῦ ὑπ' Ἀλεξάνδρου ἀλόντος· καλοῦσι δὲ Γαν-
δαρίδα τὴν ὑπὸ τούτῳ χώραν. ἐν δὲ τῇ Καθαίᾳ καινό-
τατον ἱστορεῖται τὸ περὶ τοῦ κάλλους ὅτι τιμᾶται δια-
φερόντως, ὡς ἱππῶν καὶ κυνῶν· βασιλέα τε γὰρ τὸν
κάλλιστον αἰρεῖσθαι φησιν Ὀνησίκριτος, γενόμενόν 25
τε παιδίον μετὰ δέμηνον κρίνεσθαι δημοσίᾳ πότερον
ἔχει τὴν ἐννομον μορφὴν καὶ τοῦ ζῆν ἀξίαν ἢ οὐ, κρι-
θέντα δ' ὑπὸ τοῦ ἀποδειχθέντος ἄρχοντος ζῆν ἢ θαν-
νατοῦσθαι· βάπτεσθαι τε πολλοῖς εὐνανθεστάτοις χρώ-
μασι τοὺς πῶγωνας αὐτοῦ τούτου χάριν καλλωπιζο- 30
μένους· τοῦτο δὲ καὶ ἄλλους ποιεῖν ἐπιμελῶς συχνοὺς
τῶν Ἰνδῶν (καὶ γὰρ δὴ φέρειν τὴν χώραν χρόας θαν-

μαστάς) καὶ θριξὶ καὶ ἰσθησί· τοὺς δ' ἀνθρώπους τὰ
 ἄλλα μὲν εὐταλαῖς εἶναι φιλοκόσμους δέ. ἴδιον δὲ τῶν
 Καθαίων καὶ τοῦτο ἱστορεῖται τὸ αἰρεῖσθαι νυμφίον
 καὶ νύμφην ἀλλήλους καὶ τὸ συγκατακαίεσθαι τεθνεώ-
 5 σι τοῖς ἀνδράσι τὰς γυναῖκας κατὰ τοιαύτην αἰτίαν,
 ὅτι ἐρῶσαι ποτε τῶν νέων ἀφίσταντο τῶν ἀνδρῶν ἢ 0.700
 φαρμακεύοιεν αὐτούς· νόμον οὖν θέσθαι τοῦτον ὡς
 παυσομένης τῆς φαρμακείας· οὐ πιθανῶς μὲν οὖν ὁ
 νόμος οὐδ' ἡ αἰτία λέγεται. φασὶ δ' ἐν τῇ Σωπείδους
 10 χώρᾳ ὀρυκτῶν ἁλῶν ὄρος εἶναι ἀρκεῖν δυνάμενον ὅλην
 τῇ Ἰνδικῇ· καὶ χρυσεῖα δὲ καὶ ἀργυρεῖα οὐ πολὺ ἄπω-
 θεν ἐν ἄλλοις ὄρεσιν ἱστορεῖται καλὰ, ὡς ἐδήλωσε
 Γόργος ὁ μεταλλευτής. οἱ δ' Ἰνδοὶ μεταλλείας καὶ χω-
 νείας ἀπείρως ἔχοντες οὐδ' ὦν εὐποροῦσιν ἰσασιν, ἀλλ'
 15 ἀπλούστερον μεταχειρίζονται τὸ πρᾶγμα.

Ἐν δὲ τῇ Σωπείδους καὶ τὰς τῶν κυνῶν ἀρετὰς 31
 διηγοῦνται θαυμαστάς· λαβεῖν γοῦν τὸν Ἀλέξανδρον
 παρὰ τοῦ Σωπείδους κύνας πεντήκοντα καὶ ἑκατόν·
 διαπείρας δὲ χάριν λείοντι προσαφέντας δύο, κρατου-
 20 μένων αὐτῶν, δύο ἄλλους ἐπαφεῖναι· τότε δ' ἤδη κα-
 θεστώτων εἰς ἀντίπαλα τὸν μὲν Σωπείδην κελεῦσαι
 τῶν κυνῶν ἕνα ἀποσπᾶν τοῦ σκέλους τινα λαβόμενον,
 εἰάν δὲ μὴ ὑπακούῃ ἀποτεμεῖν· τὸν Ἀλέξανδρον δὲ κατ'
 ἀρχὰς μὲν οὐ συγχωρεῖν ἀποτεμεῖν φειδόμενον τοῦ
 25 κυνός, εἰπόντος δ' ὅτι τέτταρας ἀντιδώσω σοι, συγχω-
 ρῆσαι καὶ τὸν κύνα περιιδεῖν ἀποτμηθέντα τὸ σκέλος
 βραδείᾳ τομῇ πρὶν ἀνεῖναι τὸ δῆγμα.

Ἡ μὲν οὖν μέχρι τοῦ Ὑδάσπου ὁδὸς τὸ πλεόν ἦν 32
 ἐπὶ μεσημβρίαν, ἡ δ' ἐνθένδε πρὸς ἑω μᾶλλον μέχρι
 30 τοῦ Ὑπάνιος, ἅπασα δὲ τῆς ὑπώρειας μᾶλλον ἢ τῶν
 πεδίων ἐχομένη. ὁ δ' οὖν Ἀλέξανδρος ἀπὸ τοῦ Ὑπά-
 νιος ἀναστρέψας ἐπὶ τὸν Ὑδάσπην καὶ τὸν ναύσταθμον

ἡρτικρότεϊ τὸν στόλον, εἴτ' ἐπλεῖ τῷ Ὑδάσπῃ. πάντες δ' οἱ λεχθέντες ποταμοὶ συμβάλλουσιν εἰς ἓνα τὸν Ἰνδόν, ὕστατος δ' ὁ Ὑπανις· πεντεκαίδεκα δὲ τοὺς σύμπαντας συρρεῖν φασὶ τοὺς γε ἀξιολόγους· πληρωθεῖς δ' ἐκ πάντων ὥστε καὶ ἐφ' ἑκατὸν σταδίους, ὥς οἱ μὴ 5 μετριάζοντές φασιν, εὐρύνεσθαι κατὰ τινας τόπους, ὥς δ' οἱ μετριοῦτεροι, πεντήκοντα τὸ πλεῖστον ἐλάχιστον δὲ ἐπτά, ἔπειτα δυσὶ στόμασιν εἰς τὴν νοτίαν ἐκδίδωσι θάλατταν καὶ τὴν Παταληνὴν προσαγορευομένην ποιεῖ νήσον. ταύτην δ' ἔσχε τὴν διάνοιαν Ἀλέξαν- 10 δρος, ἀφελὺς τὰ πρὸς ἑω μέρη πρῶτον μὲν διὰ τὸ κωλυθῆναι διαβῆναι τὸν Ὑπανιν, ἔπειτα καὶ ψευδῇ καταμαθὼν τῇ πείρᾳ τὸν προκατέχοντα λόγον ὥς ἐκπυρα εἶη καὶ θηρίοις μᾶλλον οἰκήσιμα τὰ ἐν τοῖς πεδίοις ἢ ἀνθρωπείῳ γένει· διόπερ ὤρμησεν ἐπὶ ταῦτα ἀφελὺς 15 ἐκεῖνα, ὥστε καὶ ἐγνωσθῇ ταῦτα ἀντ' ἐκείνων ἐπὶ πλείον.

- 33 Ἡ μὲν οὖν μεταξὺ τοῦ Ὑπάνιος καὶ τοῦ Ὑδάσπου
C.701 λέγεται ἐννέα ἔχειν ἔθνη, πόλεις δὲ εἰς πεντακισχιλίας
οὐκ ἐλάττους Κῶ τῆς Μεροπίδος· δοκεῖ δὲ πρὸς ὑπερ- 20
βολὴν εἰρησθαι τὸ πλῆθος· ἡ δὲ μεταξὺ τοῦ Ἰνδοῦ καὶ
τοῦ Ὑδάσπου εἰρηται σχεδόν τι ὑφ' ὧν οἰκεῖται τῶν
ἀξίων μνήμης. κάτω δ' ἐξῆς εἰσιν οἱ τε Σίβαι λεγόμε-
νοι, περὶ ὧν καὶ πρότερον ἐμνήσθημεν, καὶ Μαλλοὶ
καὶ Σινδράκαι μεγάλα ἔθνη· καὶ Μαλλοὶ μὲν παρ' οἷς 25
ἀποθανεῖν ἐκινδύνευσεν Ἀλέξανδρος τρωθεὶς ἐν ἀλώ-
σει πολίχνης τινός, Σινδράκαι δὲ οὓς τοῦ Διονύσου
συγγενεῖς ἔφαμεν μεμυθεῦσθαι. πρὸς αὐτῇ δ' ἦδη τῇ
Παταληνῇ τὴν τε τοῦ Μουσικανοῦ λέγουσι καὶ τὴν
Σάβου, τὰ Σινδόμανα, καὶ ἐτι τὴν Πορτικανοῦ καὶ ἄλ- 30

λων ὧν ἐκράτησεν ἀπάντων Ἀλέξανδρος, τὴν τοῦ Ἰνδοῦ
 παροικούντων ποταμίαν, ὑστάτης δὲ τῆς Παταληνῆς
 ἦν ὁ Ἰνδὸς ποιεῖ σχισθεὶς εἰς δύο προχοάς. Ἀριστόβου-
 λος μὲν οὖν εἰς χιλίους σταδίους διέχειν ἀλλήλων φησὶν
 5 αὐτάς, Νέαρχος δ' ὀκτακοσίους προστίθησιν, Ὀνησί-
 κριτος δὲ τὴν πλευρὰν ἐκάστην τῆς ἀπολαμβανομένης
 νήσου τριγώνου τὸ σχῆμα δισχιλίων, τοῦ δὲ ποταμοῦ
 τὸ πλάτος καθ' ὃ σχίζεται εἰς τὰ στόματα ὅσον διακο-
 σίων· καλεῖ δὲ τὴν νῆσον Δέλτα καὶ φησιν ἴσην εἶναι
 10 τοῦ κατ' Αἴγυπτον Δέλτα, οὐκ ἀληθὲς τοῦτο λέγων.
 τὸ γὰρ κατ' Αἴγυπτον Δέλτα χιλίων καὶ τριακοσίων
 λέγεται σταδίων ἔχειν τὴν βάσιν, τὰς δὲ πλευρὰς ἐκα-
 τέραν ἐλάττω τῆς βάσεως. ἐν δὲ τῇ Παταληνῇ πόλις
 ἐστὶν ἀξιόλογος τὰ Πάταλα, ἀφ' ἧς καὶ ἡ νῆσος κα-
 15 λεῖται.

Φησὶ δ' Ὀνησίκριτος τὴν πλείστην παραλίαν τὴν 34
 ταύτῃ πολὺ τὸ τεναγῶδες ἔχειν καὶ μάλιστα κατὰ τὰ
 στόματα τῶν ποταμῶν διὰ τε τὴν χοῦν καὶ τὰς πλημ-
 μυρίδας καὶ τὸ μὴ πνεῖν ἀπογαίους ἀλλ' ὑπὸ τῶν πε-
 20 λαγίων ἀνέμων κατέχεσθαι τούτους τοὺς τόπους τὸ
 πλεόν. λέγει δὲ καὶ περὶ τῆς Μουσικανοῦ χώρας ἐπὶ
 πλεόν ἐγκωμιάζων αὐτήν, ὧν τινα κοινὰ καὶ ἄλλοις
 Ἰνδοῖς ἱστορεῖται, ὥς τὸ μακρόβιον ὥστε καὶ τριάκοντα
 ἐπὶ τοῖς ἑκατον προσλαμβάνειν (καὶ γὰρ τοὺς Σῆρας
 25 ἐτι τούτων μακροβιωτέρους τινές φασι) καὶ τὸ λιτόβιον
 καὶ τὸ ὑγιεινόν, καίπερ τῆς χώρας ἀφθονίαν ἀπάντων
 ἐχούσης. ἴδιον δὲ τὸ συσσεῖν τινα Λακωνικὰ αὐτοῖς
 εἶναι δημοσίᾳ σιτουμένων ὅσα δ' ἐκ θήρας ἐχόντων,
 καὶ τὸ χρυσῷ μὴ χρῆσθαι μηδ' ἀργύρῳ μετάλλων ὄν-
 30 των, καὶ τὸ ἀντὶ δούλων τοῖς ἐν ἀκμῇ χρῆσθαι νέοις,
 ὥς Κρηῖτες μὲν τοῖς Ἀφαιμιώταις Λάκωνες δὲ τοῖς Εὐ-
 λωσι· μὴ ἀκριβοῦν δὲ τὰς ἐπιστήμας πλὴν λατρικῆς·

ἐπὶ τινων γὰρ κακουργίαν εἶναι τὴν ἐπὶ πλεον ἄσκησιν,
 C.702010ν ἐπὶ τῆς πολεμικῆς καὶ τῶν ὁμοίων· δίκην δὲ μὴ
 εἶναι πλὴν φόνου καὶ ὕβρεως· οὐκ ἐπ' αὐτῷ γὰρ τὸ
 μὴ παθεῖν ταῦτα, τὰ δ' ἐν τοῖς συμβολαίοις ἐπ' αὐτῷ
 ἐκάστω, ὥστε ἀνέχεσθαι δεῖ εἰάν τις παραβῇ τὴν πίστιν, ὅ
 ἀλλὰ καὶ προσέχειν ὅτῳ πιστευτέον, καὶ μὴ δικῶν πλη-
 ροῦν τὴν πόλιν.

Ταῦτα μὲν οἱ μετ' Ἀλεξάνδρου στρατεύσαντες λέ-
 35 γουσιν. ἐκδίδονται δὲ τις καὶ Κρατεροῦ πρὸς τὴν μη-
 τέρα Ἀριστοπάτραν ἐπιστολὴ πολλά τε ἄλλα παράδοξα 10
 φράζουσα καὶ οὐχ ὁμολογοῦσα οὐδενὶ καὶ δὴ καὶ τὸ
 μέχρι τοῦ Γάγγου προελθεῖν τὸν Ἀλέξανδρον· αὐτὸς
 τέ φησιν ἰδεῖν τὸν ποταμὸν καὶ * κήτη τὰ ἐπ' αὐτῷ καὶ
 μέγεθος καὶ πλάτους καὶ βάθους πόρρω πίστεως μάλ-
 λον ἢ ἐγγύς. ὅτι μὲν γὰρ μέγιστος τῶν μνημονευομέ- 15
 νων κατὰ τὰς τρεῖς ἡπείρους καὶ μετ' αὐτὸν ὁ Ἰνδός,
 τρίτος δὲ καὶ τέταρτος ὁ Ἰστρος καὶ ὁ Νεῖλος, ἱκανῶς
 συμφωνεῖται· τὰ καθ' ἕκαστα δ' ἄλλοι ἄλλως περὶ
 αὐτοῦ λέγουσιν, οἱ μὲν τριάκοντα σταδίων τοῦλάχιστον
 πλάτος οἱ δὲ καὶ τριῶν, Μεγασθένης δέ, ὅταν ἦ μέτριος, 20
 καὶ εἰς ἑκατὸν εὐρύνεσθαι, βάθος δὲ εἰκοσιν ὀργυῶν
 τοῦλάχιστον.

36 Ἐπὶ δὲ τῇ συμβολῇ τούτου τε καὶ τοῦ ἄλλου ποτα-
 μοῦ [Ἐρανοβοῖα] τὰ Παλίβοθρα ἰδρῦσθαι σταδίων
 ὀγδοήκοντα τὸ μήκος πλάτος δὲ πεντεκαίδεκα ἐν πα- 25
 ραλληλογράμμῳ σχήματι, ξύλινον περίβολον ἔχουσαν
 κατατετρημένον ὥστε διὰ τῶν ὁπῶν τοξεύειν· προ-
 κείσθαι δὲ καὶ τάφρον φυλακῆς τε χάριν καὶ ὑποδοχῆς
 τῶν ἐκ τῆς πόλεως ἀπορροῶν. τὸ δ' ἔθνος ἐν ᾧ ἡ πό-
 λις αὕτη καλεῖσθαι Πρασίους, διαφορώτατον τῶν πάν- 30
 των· τὸν δὲ βασιλεύοντα ἐπώνυμον δεῖν τῆς πόλεως
 εἶναι, Παλίβοθρον καλούμενον πρὸς τῷ ἰδίῳ τῷ ἐκ γε-

μετῆς ὀνόματι, καθάπερ τὸν Σανδρόκοττον, πρὸς ὃν ἦκεν ὁ Μεγασθένης πεμφθείς. τοιοῦτο δὲ καὶ τὸ παρὰ τοῖς Παρθυαίοις· Ἀρσάκαι γὰρ καλοῦνται πάντες, ἰδίᾳ δὲ ὁ μὲν Ὀρώδης ὁ δὲ Φραάτης ὁ δ' ἄλλο τι.

- 5 Ἀρίστη δ' ὁμολογεῖται πᾶσα ἡ τοῦ Ὑπάνιος πέ- 37
ραν· οὐκ ἀκριβοῦνται δέ, ἀλλὰ διὰ τὴν ἄγνοιαν καὶ
τὸν ἐκτοπισμὸν λέγεται πάντ' ἐπὶ τὸ μείζον ἢ τὸ τερα-
τωδέστερον· οἷα τὰ τῶν χρυσωρύχων μυρμῆκων καὶ
ἄλλων θηρίων τε καὶ ἀνθρώπων ἰδιομόρφων καὶ δυ-
10 νάμεσί τιςιν ἐξηλλαγμένων, ὥς τοὺς Σήρας μακρο-
βίους φασὶ πέρα καὶ διακοσίων ἐτῶν παρατείνοντας.
λέγουσι δὲ καὶ ἀριστοκρατικὴν τινα σύνταξιν πολιτείας
αὐτόθι ἐκ πεντακισχιλίων βουλευτῶν συνεσταῶσαν, ὧν
ἕκαστον παρέχεται τῷ κοινῷ ἐλέφαντα. καὶ τίγρεις δ' C.703
15 ἐν τοῖς Πρασίοις φησὶν ὁ Μεγασθένης μεγίστους γίνε-
σθαι, σχεδὸν δέ τι καὶ διπλασίους λεόντων, δυνατοὺς
δὲ ὥστε τῶν ἡμέρων τινὰ ἀγόμενον ὑπὸ τεττάρων τῷ
ὀπισθίῳ σκέλει δραξάμενον ἡμίονου βιάσασθαι καὶ
ἐλκύσαι πρὸς ἑαυτόν. κερκοπιθήκους δὲ μείζους τῶν
20 μεγίστων κυνῶν, λευκοὺς πλὴν τοῦ προσώπου, τοῦτο
δ' εἶναι μέλαν, παρ' ἄλλοις δ' ἀνάπαλιν· τὰς δὲ κέρ-
κους μείζους δεῖν πηχέων· ἡμερωτάτους δὲ καὶ οὐ
κακοήθεις περὶ ἐπιθέσεις καὶ κλοπᾶς. λίθους δ' ὀρύτ-
τεσθαι λιβανόχρους γλυκυτέρους σύκων ἢ μέλιτος.
25 ἀλλαχοῦ δὲ διπήχεις ὄφεις ὑμενοπτέρους ὥσπερ αἱ
νυκτερίδες· καὶ τούτους δὲ νύκτωρ πέτεσθαι, στα-
λαγμοὺς ἀφιέντας οὖρων, τοὺς δὲ ἰδρώτων, διασήπον-
τας τὸν χρῶτα τοῦ μὴ φυλαξαμένου· καὶ σκορπίους εἶ-
ναι πτηνοὺς, ὑπερβάλλοντας μεγέθεσι· φύεσθαι δὲ
30 καὶ ἔβενον· εἶναι δὲ καὶ κύνας ἀλκίμους, οὐ πρότερον
μεθιέντας τὸ δηχθὲν πρὶν εἰς τοὺς ῥώθωνας ὕδωρ
καταχυθῆναι· ἐνίους δ' ὑπὸ προθυμίας ἐν τῷ δήγματι

διαστρέφεισθαι τοὺς ὀφθαλμούς, τοῖς δὲ καὶ ἐκπίπτειν, κατασχεθῆναι δὲ καὶ λέοντα ὑπὸ κυνὸς καὶ ταῦρον, τὸν δὲ ταῦρον καὶ ἀποθανεῖν κρατούμενον τοῦ ῥύγγους πρότερον ἢ ἀφελθῆναι.

- 38 Ἐν δὲ τῇ ὀρεινῇ Σίλαν ποταμὸν εἶναι ᾧ μηδὲν 5 ἐπιπλεῖ· Δημόκριτον μὲν οὖν ἀπιστεῖν ἅτε πολλὴν τῆς Ἀσίας πεπλανημένον· καὶ Ἀριστοτέλης δὲ ἀπιστεῖ, καίπερ αἰφῶν ὄντων λεπτῶν οἷς οὐδὲν ἐποχεῖται πτηνόν· ἔτι δὲ τῶν ἀναφερομένων ἀτμῶν ἐπισπαστικοί τινές εἰσι πρὸς ἑαυτοὺς καὶ οἷον ὁσπητικοὶ τοῦ ὑπερ- 10 πετοῦς, ὡς τὸ ἤλεκτρον τοῦ ἀχύρου καὶ ἡ σιδηρεῖς τοῦ σιδήρου· τάχα δὲ καὶ καθ' ὕδατος τοιαῦταί τινες εἰεν ἂν θυνάμεις. ταῦτα μὲν οὖν φυσιολογίας ἔχεται τινος καὶ τῆς περὶ τῶν ὀχουμένων πραγματείας, ὥστε ἐν ἐκαίνοις ἐπισκεπτέον· νυνὶ δ' ἔτι καὶ ταῦτα προσλη- 15 πτέον καὶ ὅσα ἄλλα τῆς γεωγραφίας ἐγγυτέρω.

- 39 Φησὶ δὴ τὸ τῶν Ἰνδῶν πλῆθος εἰς ἑπτὰ μέρη διη- 10 ρῆσθαι, καὶ πρώτους μὲν τοὺς φιλοσόφους εἶναι κατὰ τιμὴν, ἐλαχίστους δὲ κατ' ἀριθμόν· χρῆσθαι δ' αὐτοῖς ἰδίᾳ μὲν ἐκάστῳ τοὺς θύοντας ἢ τοὺς ἐναγίζοντας, 20 κοινῇ δὲ τοὺς βασιλέας κατὰ τὴν μεγάλην λεγομένην σύνοδον, καθ' ἣν τοῦ νέου ἔτους ἅπαντες οἱ φιλόσοφοι τῷ βασιλεῖ συνελθόντες ἐπὶ θύρας ὅ τι ἂν αὐτῶν ἑκα- 30 στος συντάξῃ τῶν χρησίμων ἢ τηρήσῃ πρὸς εὐετηρίαν καρπῶν τε καὶ ζώων καὶ περὶ πολιτείας, προσφέρει 25 τοῦτ' εἰς τὸ μέσον· ὅς δ' ἂν τρεῖς ἐψευσμένος ἄλῳ, νό- 30 μος ἐστὶ σιγᾶν διὰ βίου· τὸν δὲ κατορθώσαντα ἄφο- 35 ρον καὶ ἀτελῆ κρίνουσι.

- 40 Δεύτερον δὲ μέρος εἶναι τὸ τῶν γεωργῶν, οἳ πλεῖ- 30 στοί τε εἰσι καὶ ἐπιεικέστατοι ἀστρατεία καὶ ἀδεία τοῦ 35 ἐργάζεσθαι, πόλει μὴ προσιόντες μηδ' ἄλλῃ χρεία μηδ' ὀχλήσει κοινῇ· πολλάκις γοῦν ἐν τῷ αὐτῷ χρόνῳ καὶ

τόπω τοῖς μὲν παρατετάχθαι συμβαίνει καὶ διακινδυνεύειν πρὸς τοὺς πολεμίους, οἱ δ' ἀρούσιν ἢ σκάπτουσιν ἀκινδύνως, προμάχους ἔχοντες ἐκείνους. ἔστι δ' ἡ χώρα βασιλικὴ πᾶσα· μισθοῦ δ' αὐτὴν ἐπὶ τετάρταις 5 ἐργάζονται τῶν καρπῶν.

Τρίτον τὸ τῶν ποιμένων καὶ θηρευτῶν, οἷς μόνοις 41 ἔξεστι θηρεύειν καὶ θρεμματοτροφεῖν ὧνά τε παρέχειν καὶ μισθοῦ ζεύγῃ· ἀντὶ δὲ τοῦ τὴν γῆν ἐλευθεροῦν θηρίων καὶ τῶν σπερμολόγων ὀρνέων μετροῦνται 10 παρὰ τοῦ βασιλέως σῆτον, πλάνητα καὶ σκηνίτην νεμόμενοι βίον. Ἰππον δὲ καὶ ἐλέφαντα τρέφειν οὐκ ἔξεστιν ἰδιώτῃ· βασιλικὸν δ' ἐκάτερον νενόμεσται τὸ κτήμα, καὶ εἰσὶν αὐτῶν ἐπιμεληταί.

Θήρα δὲ τῶν θηρίων τούτων τοιάδε. χωρίον ψιλὸν 42 15 ὅσον τεττάρων ἢ πέντε σταδίων τάφρῳ περιχαράξαντες βαθεῖα γεφυροῦσι τὴν εἰσοδὸν στενωτάτῃ γεφύρᾳ· εἰτ' εἰσαφιάσι θηλείας τὰς ἡμερωτάτας τρεῖς ἢ τέτταρας, αὐτοὶ δ' ἐν καλυβίοις κρυπτοὶς ὑποκάθηνται λοχῶντες· ἡμέρας μὲν οὖν οὐ προσίασιν οἱ ἄγριοι, νύ- 20 κτωρ δ' ἐφ' ἓνα ποιοῦνται τὴν εἰσοδὸν· εἰσιόντων δὲ κλείουσι τὴν εἰσοδὸν λάθρᾳ, εἰτα τῶν ἡμέρων ἀθλητῶν τοὺς ἀλκιμωτάτους εἰσάγοντες διαμάχονται πρὸς αὐτούς, ἅμα καὶ λιμῶ καταπονοῦντες· ἤδη δὲ καμνόντων οἱ εὐθαρσέστατοι τῶν ἡνιόχων λάθρᾳ καταβαί- 25 νοντες ὑποδύνουσιν ἕκαστος τῇ γαστρὶ τοῦ οἰκείου ὀχήματος· ὀρμώμενος δ' ἐνθένδε ὑποδύνει τῷ ἀγρίῳ καὶ σύμποδα δεσμεῖ· γενομένου δὲ τούτου κελεύουσι τοῖς τιθασοῖς τύπτειν τοὺς συμποδισθέντας ἕως ἄν πείσωσιν εἰς τὴν γῆν, πεσόντων δ' ὠμοβοῶνις ἱμάσι 30 προσλαμβάνονται τοὺς ἀνέχνας αὐτῶν πρὸς τοὺς τῶν τιθασῶν· ἵνα δὲ μὴ σειόμενοι τοὺς ἀναβαίνειν ἐπ' αὐτοὺς ἐπιχειροῦντας ἀποσεύοιντο, τοῖς τραχήλοις αὐτῶν

ἐμβαλλονται κύκλῳ τομάς καὶ κατ' αὐτάς τοὺς ἱμάντας
 περιτιθέασιν ὥσθ' ὑπ' ἀλγηδόνων εἶλκειν τοῖς δεσμοῖς
 καὶ ἡσυχάζειν· τῶν δ' ἀλόντων ἀπολέξαντες τοὺς προ-
 σβυτέρους ἢ νεωτέρους τῆς χρείας τοὺς λοιποὺς ἀπά-
 γουσιν εἰς τοὺς σταθμούς, δῆσαντες δὲ τοὺς μὲν πόδας 5
 πρὸς ἀλλήλους τοὺς δὲ αὐχένας πρὸς κίονα εἴ πεπη-
 0.706 γότα, δαμάζουσι λιμῶ· ἔπειτα χλόη καλάμου καὶ πόας
 ἀναλαμβάνουσι· μετὰ δὲ ταῦτα παιθαρχεῖν διδάσκουσι,
 τοὺς μὲν διὰ λόγου τοὺς δὲ μελισμῶ τινι καὶ τυμπα-
 νισμῶ κηλοῦντες· σπάνιοι δ' οἱ δυστιθάσεντοι· φύσει 10
 γὰρ διάκεινται πράως καὶ ἡμέρως, ὥστ' ἐγγυὲς εἶναι
 λογικῶ ζῶν· οἱ δὲ καὶ ἐξαίμους τοὺς ἡνιόχους ἐν τοῖς
 ἀγῶσι πεσόντας ἀνελόμενοι σώζουσιν ἐκ τῆς μάχης,
 τοὺς δὲ ὑποδύντας μεταξὺ τῶν προσθίων ποδῶν ὑπερ-
 μαχόμενοι διέσωσαν· τῶν δὲ χορτοφόρων καὶ διδασκά- 15
 λων εἴ τινα παρὰ θυμὸν ἀπέχτειναν, οὕτως ἐπιποθοῦ-
 σιν ὥσθ' ὑπ' ἀνίας ἀπέχεσθαι τροφῆς, ἔστι δ' ὅτε καὶ
 ἀποκαρτερεῖν.

- 43 Βιβάζονται δὲ καὶ τίκτουσιν ὥς ἵπποι τοῦ ἑαρος
 μάλιστα· καιρὸς δ' ἐστὶ τῷ μὲν ἄρρενι, ἐπειδὴν οἰστρῷ 20
 κατέχηται καὶ ἀγριαίνῃ· τότε δὴ καὶ λίπους τι διὰ τῆς
 ἀναπνοῆς ἀνίησιν, ἣν ἴσχει παρὰ τοὺς κροτάφους· ταῖς
 δὲ θηλείαις, ὅταν ὁ αὐτὸς οὗτος πόρος ἀνεργῶς τυγ-
 χάνῃ. κύουσι δὲ τοὺς μὲν πλείστους ὀκτωκαίδεκα μῆ-
 νας ἐλαχίστους δ' ἑκκαίδεκα· τρέφει δ' ἡ μήτηρ 25
 ἕξ ἔτη· ζῶσι δ' ὅσον μακροβιῶτατοι ἄνθρωποι οἱ πολλοί, τινὲς
 δὲ καὶ ἐπὶ διακόσια διατείνουσιν ἔτη· πολύνουσοι δὲ
 καὶ δυσίατοι. ἄκος δὲ πρὸς ὀφθαλμίαν μὲν βόειον γάλα
 προσκλυζόμενον, τοῖς πλείστοις δὲ τῶν νόσημάτων ὁ
 μέλας οἶνος πινόμενος, τραύμασι δὲ ποτὸν μὲν βούτυ- 30
 ρον (ἐξάγει γὰρ τὰ σιδήρια), τὰ δ' ἔλκη σαρκὴν ὑεῖαις
 πυριῶσιν. Ὀνησίκριτος δὲ καὶ ἕως τριακοσίων ἐτῶν

ζῆν φησι, σπάνιον δὲ καὶ ἕως πεντακοσίων, κρατίστους
 δ' εἶναι περὶ τὰ διακόσια ἔτη, κυῖσκεσθαι δὲ δεκαετίαν.
 μείζους δὲ τῶν λιβυκῶν καὶ ἑρρωμενεσιτέρους ἐκείνους
 τε εἶρηκε καὶ ἄλλοι· ταῖς γοῦν προβοσκίαις ἐπάλλεαις
 5 καθαιρεῖν καὶ δένδρα ἀνασπᾶν πρόρριζα διανισταμέ-
 νους εἰς τοὺς ὑπισθίους πόδας. Νέαρχος δὲ καὶ ποδά-
 γρας ἐν ταῖς θήραις τίθεσθαι κατὰ τινας συνδρόμους
 φησί, συναυνέσθαι δ' ὑπὸ τῶν τιθασῶν τοὺς ἀγρίους
 εἰς ταύτας, κρειττόνων ὄντων καὶ ἡνιοχουμένων. οὐ-
 10 τως δ' εὐτιθασεύτους εἶναι, ὥστε καὶ λιθάζειν ἐπὶ σκο-
 πὸν μανθάνειν καὶ ὅπλοις χρῆσθαι νεῖν τε κάλλιστα·
 μέγιστόν τε νομίζεσθαι κτῆμα ἐλεφάντων ἄρμα· ἄγε-
 σθαι δ' ὑπὸ ζυγὸν * καὶ καμήλους· γυναῖκα δ' εὐδο-
 κιμεῖν εἰ λάβοι παρὰ ἐραστοῦ δῶρον ἐλέφαντα. οὗτος
 15 [δ'] ὁ λόγος οὐχ ὁμολογεῖ τῷ φήσαντι μόνων βασιλέων
 εἶναι κτῆμα ἵππον καὶ ἐλέφαντα.

Τῶν δὲ μυρμήκων τῶν χρυσωρύχων δέρματα ἰδεῖν 44
 φησιν οὗτος παρδαλείς ὅμοια. Μεγασθένης δὲ περὶ
 τῶν μυρμήκων οὕτω φησὶν ὅτι ἐν Λέρδαις, ἔθνει με-C.706
 20 γάλῳ τῶν προσεφίων καὶ ὀρεινῶν Ἰνδῶν, ὀροπέδιον
 εἶη τρισχιλίων πῶς τὸν κύκλον σταδίων· ὑποκειμένων
 δὲ τούτῳ χρυσωρυχείων οἱ μεταλλεύοντες εἰεν μύρμη-
 κες, θηρία ἀλωπέκων οὐκ ἐλάττω, τάχος ὑπερφυῖς
 ἔχοντα καὶ ζῶντα ἀπὸ θήρας· ὀρύττει δὲ χειμῶνι τὴν
 25 γῆν, σωρεύει τε πρὸς τοῖς στομίαις, καθάπερ οἱ ἀσφά-
 λακες· ψῆγμα δ' ἐστὶ χρυσοῦ μικρᾶς ἐψήσεως δεόμε-
 νον· τοῦθ' ὑποζυγίοις μετίασιν οἱ πλησιόχωροι λά-
 θρα· φανερώς γὰρ διαμάχονται καὶ διώκουσι φεύγον-
 τας, καταλαβόντες δὲ διαχρῶνται καὶ αὐτοὺς καὶ τὰ
 30 ὑποζύγια. πρὸς δὲ τὸ λαθεῖν κρία θήρεια προτιθέασι
 κατὰ μέρη· περισπασθέντων δ' ἀναιροῦνται τὸ ψῆγμα

καὶ τοῦ τυχόντος τοῖς ἐμπόροις ἀργὸν διατίθενται, χω-
νεύειν οὐκ εἰδότες.

- 45 Ἐπεὶ δ' ἐν τῷ περὶ τῶν θηρευτῶν λόγῳ καὶ περὶ
τῶν θηρίων ἐμνήσθημεν ὧν τε Μεγασθένης εἶπε καὶ
ἄλλοι, προσθετέον καὶ ταῦτα. ὁ μὲν γὰρ Νέαρχος τὸ 5
τῶν ἐρπετῶν θαυμάζει πλῆθος καὶ τὴν κακίαν· ἀνα-
φεύγειν γὰρ ἐκ τῶν πεδίων εἰς τὰς κατοικίας τὰς δια-
λανθανούσας ἐν ταῖς ἐπικλύσεσι καὶ πληροῦν τοὺς οἴ-
κους· διὰ δὲ τοῦτο καὶ ὑψηλὰς ποιεῖσθαι τὰς κλίνας,
ἔστι δ' ὅτε καὶ ἐξοικίζεσθαι πλεονασάντων· εἰ δὲ μὴ 10
τὸ πολὺ τοῦ πλῆθους ὑπὸ τῶν ὑδάτων διεφθείρετο,
κἂν ἐρημωθῆναι τὴν χώραν. καὶ τὴν μικρότητα δ' αὐ-
τῶν εἶναι χαλεπὴν καὶ τὴν ὑπερβολὴν τοῦ μεγέθους,
τὴν μὲν διὰ τὸ δυσφύλακτον τὴν δὲ δι' ἰσχύν, ὅπου
καὶ ἐκκαϊδεκαπήχεις ἐχίδνας ὀρᾶσθαι· ἐπ' αὐτοὺς δὲ πε- 15
ριφοιτᾶν ἰᾶσθαι πεπιστευμένους, καὶ εἶναι σχεδόν τι
μόνην ταύτην ἰατρικὴν· μὴ δὲ γὰρ νόσους εἶναι πολλὰς
διὰ τὴν λιτότητα τῆς διαίτης καὶ τὴν αἰνίαν· εἰ δὲ γέ-
νοιντο, ἰᾶσθαι τοὺς σοφιστάς. Ἀριστόβουλος δὲ τῶν
θρυλουμένων μεγεθῶν οὐδὲν ἰδεῖν φησιν, ἐχίδναν δὲ 20
μόνον ἐννέα πηχῶν καὶ σπιθαμῆς. καὶ ἡμεῖς δ' ἐν Αἰ-
γύπτῳ κομισθεῖσαν ἐκεῖθεν τηλικαύτην πῶς εἶδομεν.
ἔχεις δὲ πολλοὺς φησι πολὺ ἐλάττους καὶ ἀσπίδας,
σκορπίους δὲ μεγάλους. οὐδὲν δὲ τούτων οὕτως ὀχλεῖν
ὥς τὰ λεπτὰ ὀφείδια οὐ μείζω σπιθαμιαίων· εὗρίσκει- 25
σθαι γὰρ ἐν σκηναῖς, ἐν σκεύεσιν, ἐν θριγγοῖς ἐγκε-
κρυμμένα· τοὺς δὲ πληγέντας αἰμορροεῖν ἐκ παντὸς
πόρου μετὰ ἐπωδυνίας, ἔπειτα ἀποθνήσκειν, εἰ μὴ
βοηθήσει τις εὐθύς· τὴν δὲ βοήθειαν ῥαδίαν εἶναι διὰ
C.707 τὴν ἀρετὴν τῶν Ἰνδικῶν ῥιζῶν καὶ φαρμάκων. κρο- 30
κοδείλους τε οὔτε πολλοὺς οὔτε βλαπτικούς ἀνθρώ-
πων ἐν τῷ Ἰνδῷ φησιν εὗρίσκεισθαι, καὶ τὰ ἄλλα δὲ

ζῶα τὰ πλεῖστα τὰ αὐτὰ ἄπερ ἐν τῷ Νεῖλῳ γεννᾶσθαι
 πλὴν ἵππου ποταμίου· Ὀνησίκριτος δὲ καὶ τοῦτόν φησι
 γεννᾶσθαι. τῶν δ' ἐκ θαλάττης φησὶν ὁ Ἀριστοβούλος
 εἰς μὲν τὸν Νεῖλον ἀνατρέχειν μηδὲν ἔξω θρίσσης καὶ
 5 κιστρίως καὶ δελφίνος διὰ τοὺς κροκοδείλους, ἐν δὲ τῷ
 Ἰνδῷ πλῆθος· τῶν δὲ καρίδων τὰς μὲν μικρὰς μέχρι
 * ὄρους ἀναθεῖν, τὰς δὲ μεγάλας μέχρι τῶν συμβολῶν
 τοῦ τε Ἰνδοῦ καὶ τοῦ Ἀκεσίνου. περὶ μὲν οὖν τῶν θη-
 ρίων τοσαῦτα λέγεται· ἐπανιώντες δ' ἐπὶ τὸν Μεγα-
 10 σθένη λέγωμεν τὰ ἐξῆς ὧν ἀπελίπομεν.

Μετὰ γὰρ τοὺς θηρευτὰς καὶ τοὺς ποιμένας τέ- 46
 ταρτόν φησιν εἶναι μέρος τοὺς ἐργαζομένους τὰς τέχνας
 καὶ τοὺς καπηλικοὺς καὶ οἷς ἀπὸ τοῦ σώματος ἡ ἐργα-
 σία· ὧν οἱ μὲν φόρον τελοῦσι καὶ λειτουργίας παρέ-
 15 χονται τακτῆς, τοῖς δ' ὀπλοποιοῖς καὶ ναυπηγοῖς μισθοὶ
 καὶ τροφαὶ παρὰ βασιλέως ἐκκείνται· μόνῳ γὰρ ἐργά-
 ζονται· παρέχει δὲ τὰ μὲν ὄπλα τοῖς στρατιώταις ὁ
 στρατοφύλαξ, τὰς δὲ ναῦς μισθοῦ τοῖς πλείουσιν ὁ
 ναύαρχος καὶ τοῖς ἐμπόροις.

20 Πέμπτον [δ'] ἐστὶ τὸ τῶν πολεμιστῶν, οἷς τὸν ἄλλον 47
 χρόνον ἐν σχολῇ καὶ πότοις ὁ βίος ἐστὶν ἐκ τοῦ βασιλι-
 κοῦ διαττωμένοις, ὥστε τὰς ἐξόδους ὅταν ἡ χρεία τα-
 χέως ποιεῖσθαι, πλὴν τῶν σωματίων μηδὲν ἄλλο κομί-
 ζοντας παρ' ἑαυτῶν.

25 Ἐκτοὶ δ' εἰσὶν οἱ ἔφοροι· τούτοις δ' ἐποπτεύειν 48
 δέδοται τὰ πραττόμενα καὶ ἀναγγέλλειν λάθρα τῷ βα-
 σιλεῖ συνεργοὺς ποιουμένοις τὰς ἐταίρας, τοῖς μὲν ἐν
 τῇ πόλει τὰς ἐν τῇ πόλει τοῖς δὲ ἐν στρατοπέδῳ τὰς αὐ-
 τόθι· καθίστανται δ' οἱ ἄριστοι καὶ πιστότατοι.

30 Ἑβδομοὶ δ' οἱ σύμβουλοι καὶ σύνεδροι τοῦ βασι- 49
 λέως, ἐξ ὧν τὰ ἀρχεῖα καὶ δικαστήρια καὶ ἡ διοίκησις
 τῶν ὅλων. οὐκ ἐστὶ δ' οὔτε γαμεῖν ἐξ ἄλλου γένους

οὐτ' ἐπιτήδευμα οὐτ' ἐργασίαν μεταλαμβάνειν ἄλλην
 ἐξ ἄλλης, οὐδὲ πλείους μεταχειρίζεσθαι τὸν αὐτὸν πλὴν
 εἰ τῶν φιλοσόφων τις εἴη· ἐᾶσθαι γὰρ τοῦτον δι'
 ἀρετήν.

50 Τῶν δ' ἀρχόντων οἱ μὲν εἰσιν ἀγορανόμοι οἱ δ' 5
 ἀστυνόμοι οἱ δ' ἐπὶ τῶν στρατιωτῶν· ὧν οἱ μὲν ποτα-
 μούς ἐξεργάζονται καὶ ἀναμετροῦσι τὴν γῆν ὥς ἐν Αἴ-
 γύπτῳ, καὶ τὰς κλειστάς διώρυγας, ἀφ' ὧν εἰς τὰς ὀχε-
 τεῖας ταμιεύεται τὸ ὕδωρ, ἐπισκοποῦσιν ὅπως ἐξ ἰσῆς
 708 πᾶσιν ἢ τῶν ὑδάτων παρείη χρήσις. οἱ δ' αὐτοὶ καὶ 10
 τῶν θηριευτῶν ἐπιμελοῦνται καὶ τιμῆς καὶ κολάσεώς
 εἰσι κύριοι τοῖς ἐπαξίοις· καὶ φορολογοῦσι δὲ καὶ τὰς
 τέχνας τὰς περὶ τὴν γῆν ἐπιβλέπουσιν ὑλοτόμων τε-
 κτόνων χαλκίων μεταλλευτῶν· ὁδοποιοῦσι δὲ καὶ κατὰ
 δέκα στάδια στήλην τιθέασι τὰς ἐκτροπὰς καὶ τὰ δια- 15
 στήματα δηλοῦσαν.

51 Οἱ δ' ἀστυνόμοι εἰς ἑξ πεντάδας διήρηνται· καὶ
 οἱ μὲν τὰ δημιουργικὰ σκοποῦσιν οἱ δὲ ξενοδοχοῦσιν·
 καὶ γὰρ καταγωγὰς νέμουνσι καὶ τοῖς βίοις παρακολου-
 θοῦσι παρέδρους δόντες, καὶ προπέμπουσιν ἢ αὐτοὺς 20
 ἢ τὰ χρήματα τῶν ἀποθανόντων, νοσοῦντων τε ἐπιμε-
 λοῦνται καὶ ἀποθανόντας θάπτουσι. τρίτοι δ' εἰσὶν οἱ
 τὰς γενέσεις καὶ θανάτους ἐξετάζουσι πότε καὶ πῶς,
 τῶν τε φόρων χάριν καὶ ὅπως μὴ ἀφανεῖς εἶεν αἱ κρείτ-
 τους καὶ χείρους γοναὶ καὶ θάνατοι. τέταρτοι [δ'] οἱ περὶ 25
 τὰς καπηλείας καὶ μεταβολάς, οἷς μέτρων μέλει καὶ τῶν
 ὥραιων, ὅπως ἀπὸ συσσήμου πωλοῖτο. οὐκ ἔστι δὲ
 πλείω τὸν αὐτὸν μεταβάλλεσθαι πλὴν εἰ διττοὺς ὑπο-
 τελοῖη φόρους. πέμπτοι δ' οἱ προεισιτῶτες τῶν δημιουρ-
 γουμένων καὶ πωλοῦντες ταῦτ' ἀπὸ συσσήμου, χωρὶς 30
 μὲν τὰ καινὰ χωρὶς δὲ τὰ παλαιά· τῷ μιν γίννντι δὲ ζη-
 μία. ἕκτοι δὲ καὶ ὕστατοι οἱ τὰς δεκάτας ἐκλέγοντες

τῶν πωλουμένων· θάνατος δὲ τῷ κλέψαντι τὸ τέλος.
 ἰδίᾳ μὲν ἕκαστοι ταῦτα, κοινῇ δ' ἐπιμελοῦνται τῶν τε
 ἰδίων καὶ τῶν πολιτικῶν καὶ τῆς τῶν δημοσίων ἐπι-
 σκευῆς, τειχῶν τε καὶ ἀγορᾶς καὶ λιμένων καὶ ἱερῶν.

- 5 Μετὰ δὲ τοὺς ἀστυνόμους τρίτη ἐστὶ συναρχία ἡ 52
 περὶ τὰ στρατιωτικά, καὶ αὕτη ταῖς πεντάσιν ἐξαχῇ
 διωρισμένη· ὧν τὴν μὲν μετὰ τοῦ ναυάρχου τάττουσι
 τὴν δὲ μετὰ τοῦ ἐπὶ τῶν βοϊκῶν ζευγῶν, δι' ὧν ὄργανα
 κομίζεται καὶ τροφή αὐτοῖς τε καὶ κτήνεσι καὶ τὰ ἄλλα
 10 τὰ χρήσιμα τῇ στρατιᾷ. οὗτοι δὲ καὶ τοὺς διακόνους
 παρέχουσι, τυμπανιστάς, κωδωνοφόρους, ἔτι δὲ καὶ
 ἱπποκόμους καὶ μηχανοποιούς καὶ τοὺς τούτων ὑπη-
 ρέτας· ἐκπέμπουσί τε πρὸς κώδωνα τοὺς χορτολόγους,
 τιμὴ καὶ κολάσει τὸ τάχος κατασκευαζόμενοι καὶ τὴν
 15 ἀσφάλειαν. τρίτοι δὲ εἰσὶν οἱ τῶν πεζῶν ἐπιμελούμενοι·
 τέταρτοι δ' οἱ τῶν ἵππων· πέμπτοι δ' ἄρμάτων· ἕκτοι
 δὲ ἐλεφάντων· βασιλικοὶ τε σταθμοὶ καὶ ἵπποις καὶ
 θηρίοις, βασιλικὸν δὲ καὶ ὄπλοφυλάκιον· παραδίδωσι C.709
 γὰρ ὁ στρατιώτης τὴν τε σκευὴν εἰς τὸ ὄπλοφυλάκιον
 20 καὶ τὸν ἵππον εἰς τὸν ἱππῶνα καὶ τὸ θηρίον ὁμοίως·
 χρῶνται δ' ἀχαλινώτοις· τὰ δ' ἄρματα ἐν ταῖς ὁδοῖς
 βόες ἔλκουσιν, οἱ δὲ ἵπποι ἀπὸ φορβειᾶς ἄγονται τοῦ
 μὴ παρεμπίπρασθαι τὰ σκέλη, μὴδὲ τὸ πρόθυμον αὐ-
 τῶν τὸ ὑπὸ τοῖς ἄρμασιν ἀμβλύνεσθαι. δύο δ' εἰσὶν ἐπὶ
 25 τῷ ἄρματι παραβάται πρὸς τῷ ἡνιόχῳ· ὁ δὲ τοῦ ἐλέφαν-
 τος ἡνιόχος τέταρτος, τρεῖς δ' οἱ ἀπ' αὐτοῦ τοξεύοντες.

Εὐτελεῖς δὲ κατὰ τὴν διαίταν Ἴνδοι πάντες, μάλ- 53
 λον δ' ἐν ταῖς στρατείαις· οὐδ' ὄχλῳ περιττῷ χαίρουσι,
 διόπερ εὐκοσμοῦσι. πλείστη δ' ἐκχειρία περὶ τὰς κλο-
 30 πὰς· γενόμενος γοῦν ἐν τῷ Σανδροκόττου στρατοπέδῳ
 φησὶν ὁ Μεγασθένης, τετταράκοντα μυριάδων πλῆ-
 θους ἰδρυμένου μηδεμίαν ἡμέραν ἰδεῖν ἀνηνεγμένα

κλέμματα πλειόνων ἢ διακοσίων δραχμῶν ἄξια, ἀγράφους καὶ ταῦτα νόμοις χρωμένοις. οὐδὲ γὰρ γράμματα εἰδέναι αὐτοὺς, ἀλλ' ἀπὸ μνήμης ἕκαστα διοικεῖσθαι· εὐπραγεῖν δ' ὁμῶς διὰ τὴν ἀπλότητα καὶ τὴν εὐτέλειαν· οἶνόν τε γὰρ οὐ πίνειν ἀλλ' ἐν θυσίαις μόνον, πίνειν δ' ἀπ' ὀρύξης ἀντὶ κριθίνων συντιθέντας· καὶ σιτία δὲ τὸ πλεόν ὄρουσαν εἶναι ῥοφητήν. καὶ ἐν τοῖς νόμοις δὲ καὶ συμβολαίοις τὴν ἀπλότητα ἐλέγχεσθαι ἐκ τοῦ μὴ πολυδίκους εἶναι· οὔτε γὰρ ὑποθήκης οὔτε παρακαταθήκης εἶναι δίκας, οὐδὲ μαρτύρων οὐδὲ σφραγίδων αὐτοῖς δεῖν, ἀλλὰ πιστεύειν παραβαλλομένους· καὶ τὰ οἴκοι δὲ τὸ πλεόν ἀφρουρεῖν. ταῦτα μὲν δὴ σωφρονικά, τὰλλα δ' οὐκ ἂν τις ἀποδέξαιτο, τὸ μόνους διαιταῖσθαι αἰεὶ καὶ τὸ μὴ μίαν εἶναι πᾶσιν ὥραν κοινὴν δεῖπνον τε καὶ ἀρίστου, ἀλλ' ὅπως ἑκάστῳ φίλον· πρὸς γὰρ τὸν κοινωρικὸν καὶ τὸν πολιτικὸν βίον ἐκείνως κρεῖττον.

54 Γυμνασίων δὲ μάλιστα τρεῖς δοκιμάζουσι καὶ ἄλλως καὶ διὰ σκυταλίδων ἐβενίνων λείων ἐξομαλίζονται τὰ σώματα. λιταὶ δὲ καὶ αἱ ταφαὶ καὶ μικρὰ χώματα· ὑπεναντίως δὲ τῇ ἄλλῃ λιτότητι κοσμοῦνται· χρυσοφοροῦσι γὰρ καὶ διαλίθῳ κόσμῳ χρωῶνται σινδόνας τε φοροῦσιν εὐανθεῖς, καὶ σκιάδια αὐτοῖς ἔπεται· τὸ γὰρ κάλλος τιμῶντες ἀσχοῦσιν ὅσα καλλωπίζει τὴν ὥσιν· ἀλήθειάν τε ὁμοίως καὶ ἀρετὴν ἀποδέχονται, διόπερ οὐδὲ τῇ ἡλικίᾳ τῶν γερόντων προνομίαν διδόασιν ἂν μὴ καὶ τῷ φρονεῖν πλεονεκτῶσι. πολλὰς δὲ γαμοῦσιν ὦνητάς παρὰ τῶν γονέων, λαμβάνουσι τε ἀντιδιδόντες ξεῦγος βοῶν, ὧν τὰς μὲν εὐπειθείας χάριν τὰς δ' ἄλλας ἡδονῆς καὶ πολυτεκνίας· εἰ δὲ μὴ σωφρονεῖν ἀναγκά-
C.710σαιεν, πορνεύειν ἔξεστι. θύει δὲ οὐδεὶς ἐστεφανωμένος οὐδὲ θυμῷ οὐδὲ σπένδει, οὐδὲ σφάττουσι τὸ λερεῖον ἀλλὰ πνίγουσιν, ἵνα μὴ λελωβημένον ἀλλ' ὀλόκληρον

διδῶται τῷ θεῷ· ψευδομαρτυρίας δ' ὁ ἄλoυς ἀκρωτη-
 ριάζεται, ὃ τε πηρώσας οὐ τὰ αὐτὰ μόνον ἀντιπάσχει
 ἀλλὰ καὶ χειροκοπεῖται· ἐὰν δὲ καὶ τεχνίτου χεῖρα ἢ
 ὀφθαλμὸν ἀφείληται, θανατοῦται. δούλοις δὲ οὗτος
 5 μὲν φησι μηδένα Ἰνδῶν χρῆσθαι, Ὀνησίκριτος δὲ τῶν
 ἐν τῇ Μουσικανοῦ τοῦτ' ἰδίον ἀποφαίνει καὶ ὡς κατόρ-
 θωμά γε· καθάπερ καὶ ἄλλα πολλὰ λέγει τῆς χώρας
 ταύτης κατορθώματα ὡς εὐνομωτάτης.

Τῷ βασιλεῖ δ' ἢ μὲν τοῦ σώματος θεραπεία δια 55
 10 γυναικῶν ἐστίν, ὠνητῶν καὶ αὐτῶν παρὰ τῶν πατέρων·
 ἔξω δὲ τῶν θυρῶν οἱ σωματοφύλακες καὶ τὸ λοιπὸν
 στρατιωτικόν· μεθύοντα δὲ κτείνασα γυνὴ βασιλέα
 γέρας ἔχει συνεῖναι τῷ ἐκείνῳ διαδεξαμένῳ· διαδέχον-
 ται δ' οἱ παῖδες· οὐδ' ὑπνοῖ μεθ' ἡμέραν ὁ βασιλεὺς·
 15 καὶ νύκτωρ δὲ καθ' ὥραν ἀναγκάζεται τὴν κοίτην ἀλ-
 λάττειν διὰ τὰς ἐπιβουλάς. τῶν τε μὴ κατὰ πόλεμον
 ἐξόδων μία μὲν ἐστίν ἢ ἐπὶ τὰς κρίσεις, ἐν αἷς διημε-
 ρεῖε διακούων οὐδὲν ἦτιον καὶ ὥρα γένηται τῆς τοῦ
 σώματος θεραπείας· αὕτη δ' ἐστίν ἢ διὰ τῶν σκυτα-
 20 λίδων τρίψις· ἅμα γὰρ καὶ διακούει καὶ τριβέται τετ-
 τάρων περιστάντων τριβέων· ἑτέρα δ' ἐστίν ἢ ἐπὶ τὰς
 θυσίας ἐξοδος· τρίτη δ' ἐπὶ θήραν βακχική τις κύκλω
 γυναικῶν περικεχυμένων, ἔξωθεν δὲ τῶν δορυφόρων·
 παρεσχοίνισται δ' ἢ ὁδός, τῷ δὲ παρελθόντι ἐντὸς μέτρι
 25 γυναικῶν θάνατος· προηγοῦνται δὲ τυμπανισταὶ καὶ
 κωδωνοφόροι. κυνηγεῖται δ' ἐν μὲν τοῖς περιφράγμασιν
 ἀπὸ βήματος τοξεύων (παρεστᾶσι δ' ἐνοπλοὶ δύο ἢ
 τρεῖς γυναῖκες), ἐν δὲ ταῖς ἀφράκτοις θήραις ἀπ' ἐλέ-
 φαντος· αἱ δὲ γυναῖκες αἱ μὲν ἐφ' ἀρμάτων, αἱ δ' ἐφ'
 30 ἵππων αἱ δὲ καὶ ἐπ' ἐλεφάντων, ὡς καὶ συστρατεύου-
 σιν, ἡσχημένοι παντὶ ὄπλῳ.

Ἔχει μὲν οὖν καὶ ταῦτα πολλὴν ἀήθειαν πρὸς τὰ 56

παρ' ἡμῖν, ἐτι μέντοι μᾶλλον τὰ τοιάδε. φησὶ γὰρ τοὺς
 τὸν Καύκασον οἰκοῦντας ἐν τῷ φανερωῷ γυναιξὶ μίσγε-
 σθαι καὶ σαρκοφαγεῖν τὰ τῶν συγγενῶν σώματα· πε-
 τροκυλιστὰς δ' εἶναι κερκοπιθήκους, οἳ λίθους κατα-
 κυλίουσι κρημνοβατοῦντες ἐπὶ τοὺς διώκοντας· τὰ τε 5
 παρ' ἡμῖν ἡμεῖς ξῶα τὰ πλείστα παρ' ἐκείνοις ἄγρια
 εἶναι· ἱπποὺς τε λέγει μονοκέρωτας ἐλαφοκράνους·
 καλάμους δέ, μῆκος μὲν τριάκοντα ὀργυιῶν τοὺς ὀρ-
 C.711 θίους, τοὺς δὲ χαμαικλινεῖς πεντήκοντα, πάχος δὲ
 ὥστε τὴν διάμετρον τοῖς μὲν εἶναι τρίπηχυν τοῖς δὲ 10
 διπλασίαν.

- 57 Ὑπερικρίπτων δ' ἐπὶ τὸ μυθῶδες πεντασπιθά-
 μους ἀνθρώπους λέγει καὶ τρισπιθάμους, ὧν τινὰς
 ἀμύκτηρας, ἀναπνοὰς ἔχοντας μόνον δύο ὑπὲρ τοῦ
 στόματος· πρὸς δὲ τοὺς τρισπιθάμους πόλεμον εἶναι 15
 ταῖς γεράνοισι (ὧν καὶ Ὅμηρον δηλοῦν) καὶ τοῖς πέρ-
 διξιν, οὓς χηνομεγέθεις εἶναι· τούτους δ' ἐκλέγειν αὐ-
 τῶν τὰ φᾶ καὶ φθείρειν· ἐκεῖ γὰρ φῶτοκεῖν τὰς γερά-
 νους· διόπερ μηδαμοῦ μήτ' φᾶ εὐρίσκεισθαι γεράνων,
 μήτ' οὖν νεόττια· πλειστάκις δ' ἐκπίπτειν γέρανον 20
 χαλκῇν ἔχουσαν ἀκίδα ἀπὸ τῶν ἐκείθεν πληγμάτων.
 ὅμοια δὲ καὶ τὰ περὶ τῶν ἐνωτοκοιτῶν καὶ τῶν ἀγρίων
 ἀνθρώπων καὶ ἄλλων τερατωδῶν. τοὺς μὲν οὖν ἀγρίους
 μὴ κομισθῆναι παρὰ Σανδρόκοιτον· ἀποκαρτερεῖν
 γάρ· ἔχειν δὲ τὰς μὲν πτέρνας πρόσθεν, τοὺς δὲ ταρ- 25
 σοὺς ὀπισθεν καὶ τοὺς δακτύλους. ἀστόμους δὲ τινὰς
 ἀχθῆναι ἡμέρους ἀνθρώπους· οἰκεῖν δὲ περὶ τὰς πηγὰς
 τοῦ Γάγγου, τρέφεισθαι δ' ἀτμοῖς ὀπτῶν κρεῶν καὶ
 καρπῶν καὶ ἀνθέων ὀσμαῖς, ἀντὶ τῶν στομάτων ἔχον-
 τας ἀναπνοὰς, χαλεπαίνειν δὲ τοῖς δυσώδεσι, καὶ διὰ 30
 τοῦτο περιγίνεσθαι μόλις καὶ μάλιστα ἐν στρατοπέδῳ.
 περὶ δὲ τῶν ἄλλων διηγείσθαι τοὺς φιλοσόφους, ἀκύ-

ποδάς τε ἱστοροῦντας ἵππων μᾶλλον ἀπιόντας, ἐνω-
τοκοίτας τε ποδήρη τὰ ὧτα ἔχοντας ὥς ἐγκαθεύ-
δειν, ἰσχυροὺς δ' ὥστ' ἀνασπᾶν δένδρα καὶ ῥήτ-
τειν νευράν, μονομάτους τε ἄλλους ὧτα μὲν ἔχοντας
5 κυνὸς ἐν μέσῳ δὲ τῷ μετώπῳ τὸν ὀφθαλμόν, ὀρθοχαί-
τας, λασίους τὰ στήθη· τοὺς δὲ ἀμύκτηρας εἶναι παμ-
φάγους ὁμοφάγους ὀλιγοχρονίους πρὸ γήρως θνή-
σκοντας· τοῦ δὲ στόματος τὸ ἄνω προχειλότερον εἶναι
πολύ. περὶ δὲ τῶν χιλιετῶν Τπερβορέων τὰ αὐτὰ λέγει
10 Σιμωνίδῃ καὶ Πινδάρῳ καὶ ἄλλοις μυθολόγοις. μῦθος
δὲ καὶ τὸ ὑπὸ Τιμαγένους λεχθὲν ὅτι χαλκὸς ὕιοτο
σταλαγμοῖς χαλκοῖς καὶ σύροιο. ἐγγυτέρῳ δὲ πίστεως
φησὶν ὁ Μεγασθένης ὅτι οἱ ποταμοὶ καταφέρουσιν ψήγ-
μα χρυσοῦ καὶ ἀπ' αὐτοῦ φόρος ἀπάγοιτο τῷ βασιλεῖ·
15 τοῦτο γὰρ καὶ ἐν Ἰβηρίᾳ συμβαίνει.

Περὶ δὲ τῶν φιλοσόφων λέγων τοὺς μὲν ὄρεινους 58
αὐτῶν φησὶν ὑμνητὰς εἶναι τοῦ Διονύσου, δεικνύν-
τας τεκμήρια τὴν ἀγρίαν ἄμπελον παρὰ μόνοις φρυμέ-
νην καὶ κιττὸν καὶ δάφνην καὶ μυρρίνην καὶ πύξον
20 καὶ ἄλλα τῶν ἀειθαλῶν, ὧν μηδὲν εἶναι πέραν Εὐ-
φράτου πλὴν ἐν παραδείσοις σπάνια καὶ μετὰ πολλῆς
ἐπιμελείας σωζόμενα. Διονυσιακὸν δὲ καὶ τὸ σινδοно-C.712
φορεῖν καὶ τὸ μιτροῦσθαι καὶ μυροῦσθαι καὶ βάπτε-
σθαι ἄνθινα καὶ τοὺς βασιλεῖς κωδωνοφορεῖσθαι καὶ
25 τυμπανίζεσθαι κατὰ τὰς ἐξόδους. τοὺς δὲ πεδιασίους
τὸν Ἡρακλῆα τιμᾶν. ταῦτα μὲν οὖν μυθώδη καὶ ὑπὸ
πολλῶν ἐλεγχόμενα, καὶ μάλιστα [τὰ] περὶ τῆς ἀμπελὸν
καὶ τοῦ οἴνου· πέραν γὰρ τοῦ Εὐφράτου καὶ τῆς Ἀρ-
μενίας ἐστὶ πολλή καὶ ἡ Μεσοποταμία ὅλη καὶ ἡ Μη-
30 δία ἐξῆς μέχρι καὶ Περσίδος καὶ Καρμανίας· τούτων

δὲ τῶν ἐθνῶν ἐκάστου πολὺ μέρος εὐάμπελον καὶ εὖ-
οιονον λέγεται.

- 59 Ἄλλην δὲ διαίρεσιν ποιεῖται * περὶ τῶν φιλοσό-
φων, δύο γένη φάσκων, ὧν τοὺς μὲν Βραχμαῖνας κα-
λεῖ τοὺς δὲ Γαρμαῖνας. τοὺς μὲν οὖν Βραχμαῖνας εὐδο- 5
κιμεῖν [μᾶλλον]· μᾶλλον γὰρ καὶ ὁμολογεῖν ἐν τοῖς
δόγμασιν· ἤδη δ' εὐθύς καὶ κυομένους ἔχειν ἐπιμελη-
τὰς λογίους ἄνδρας, οὓς προσιόντας λόγῳ μὲν ἐπάδειν
δοκεῖν καὶ τὴν μητέρα καὶ τὸν κύομενον εἰς εὐτεκνίαν,
τὸ δ' ἀληθὲς σωφρονικὰς τινὰς παραινέσεις καὶ ὑπο- 10
θήκας διδόναι· τὰς δ' ἥδιστα ἀκροαμένας μάλιστα
εὐτέκνους εἶναι νομίζεσθαι. μετὰ δὲ τὴν γένεσιν ἄλ-
λους καὶ ἄλλους διαδέχεσθαι τὴν ἐπιμέλειαν, αἰετὴς
μειζονος ἡλικίας χαριστέρων τυγχανούσης διδασκά-
λων. διατρίβειν δὲ τοὺς φιλοσόφους ἐν ἄλλῃ πρὸ τῆς 15
πόλεως ὑπὸ περιβόλῳ συμμέτρῳ, λιτῶς ζῶντας ἐν σι-
βάσι καὶ δοραῖς, ἀπεχομένους ἐμψύχων καὶ ἀφροδι-
σιῶν, ἀκροαμένους λόγων σπουδαίων, μεταδιδόντας
καὶ τοῖς ἐθέλουσι· τὸν δ' ἀκροώμενον οὔτε λαλῆσαι
θέμις οὔτε χρεῖμασθαι ἀλλ' οὐδὲ πτύσαι, ἢ ἐκβάλ- 20
λῃσθαι τῆς συνουσίας τὴν ἡμέραν ἐκείνην ὥς ἀκολα-
σταίνοντα. ἐτη δ' ἐπὶ καὶ τριάκοντα οὕτως ζήσαντα
ἀναχωρεῖν εἰς τὴν ἑαυτοῦ κτῆσιν ἑκάστον καὶ ζῆν ἀδε-
ῶς καὶ ἀνεμμένως μᾶλλον, σινδονοφοροῦντα καὶ χρυ-
σοφοροῦντα μετρίως ἐν τοῖς ὥσι καὶ ταῖς χερσί, προσ- 25
φερόμενον σάρκας τῶν μὴ πρὸς τὴν χρεῖαν συνεργῶν
ζώων, θριμύτων καὶ ἀρτυτῶν ἀπεχόμενον· γαμεῖν δ'
ὅτι πλείστας εἰς πολυτεκνίαν· ἐκ πολλῶν γὰρ καὶ τὰ
σπουδαῖα πλείω γίνεσθαι ἂν, ἀδουλοῦσί τε τὴν ἐκ τέ-
κνων ὑπηρεσίαν ἐγγυτάτῳ οὖσαν πλείω δεῖν παρα- 30
σκευάζεσθαι. ταῖς δὲ γυναιξὶ ταῖς γαμεταῖς μὴ συμφι-
λοσοφεῖν τοὺς Βραχμαῖνας, εἰ μὲν μοχθηραὶ γένοιοντο,

ἵνα μή τι τῶν οὐ θειμνῶν ἐκφέρουσιν εἰς τοὺς βεβήλους
 εἰ δὲ σπουδαῖται, μὴ καταλείπουσιν αὐτούς. οὐδένα γὰρ
 ἡδονῆς καὶ πόνου καταφρονούντα, ὥς δ' αὖτως ζωῆς
 καὶ θανάτου, ἐθέλειν ὑφ' ἐτέρῳ εἶναι· τοιοῦτον δ' εἶ-
 5 ναι τὸν σπουδαῖον καὶ τὴν σπουδαίαν. πλείστους δ' C.713
 αὐτοῖς εἶναι λόγους περὶ τοῦ θανάτου· νομίζειν γὰρ
 δὴ τὸν μὲν ἐνθάδε βίον ὥς ἂν ἀκμὴν κυομένων εἶναι,
 τὸν δὲ θάνατον γένεσιν εἰς τὸν ὄντως βίον καὶ τὸν εὐ-
 δαίμονα τοῖς φιλοσοφήσασιν· διὸ τῇ ἀσκήσει πλείστη
 10 χρῆσθαι πρὸς τὸ ἐτοιμοθάνατον· ἀγαθὸν δὲ ἢ κακὸν
 μὴδὲν εἶναι τῶν συμβαινόντων ἀνθρώποις· οὐ γὰρ
 ἂν τοῖς αὐτοῖς τοὺς μὲν ἄχθεσθαι τοὺς δὲ χαίρειν ἐνυ-
 πνιώδεις ὑπολήψεις ἔχοντας, καὶ τοὺς αὐτοὺς τοῖς αὐ-
 τοῖς τοτὲ μὲν ἄχθεσθαι τοτὲ δ' αὖ χαίρειν μεταβαλλο-
 15 μένους. τὰ δὲ περὶ φύσιν τὰ μὲν εὐήθειαν ἐμφαίνειν
 φησὶν· ἐν ἔργοις γὰρ αὐτοὺς κρείττους ἢ λόγοις εἶναι,
 διὰ μύθων τὰ πολλὰ πιστουμένους· περὶ πολλῶν δὲ
 τοῖς Ἑλλήσιν ὁμοδοξεῖν· ὅτι γὰρ γεννητὸς ὁ κόσμος καὶ
 φθαρτὸς λέγειν κακείνους, καὶ ὅτι σφαιροειδὴς ὁ τε
 20 διοικῶν αὐτὸν καὶ ποιῶν θεὸς δι' ὅλου διαπεφοίτηκεν
 αὐτοῦ· ἀρχαὶ δὲ τῶν μὲν συμπάντων ἑτεραί, τῆς δὲ
 κοσμοποιίας τὸ ὕδωρ· πρὸς δὲ τοῖς τέτταρσι στοιχεί-
 οῖς πέμπτη τις ἐστὶ φύσις, ἐξ ἧς ὁ οὐρανὸς καὶ τὰ
 ἄστρον· γῆ δ' ἐν μέσῳ ἴδρυται τοῦ παντός· καὶ περὶ
 25 σπέρματος δὲ καὶ ψυχῆς ὁμοία λέγεται καὶ ἄλλα πλείω·
 παραπλέκουσι δὲ καὶ μύθους, ὥσπερ καὶ Πλάτων περὶ
 τε ἀφθαρσίας ψυχῆς καὶ τῶν καθ' ἄδου κρίσεων καὶ
 ἄλλα τοιαῦτα. περὶ μὲν τῶν Βραχμάνων ταῦτα λέγει.

Τοὺς δὲ Γαρμᾶνας τοὺς μὲν ἐντιμωτάτους ὕλοβι- 60
 30 οὺς φησὶν ὀνομάζεσθαι, ζῶντας ἐν ταῖς ὕλαις ἀπὸ
 φύλλων καὶ καρπῶν ἀγρίων, * ἐσθίητος φλοιῶν δέν-
 δρεϊων, ἀφροδισίων χωρὶς καὶ οἴνου· τοῖς δὲ βασιλεῦσι

- συνείναι, δι' ἀγγέλων πυνθανομένοις περὶ τῶν αἰτίων
 καὶ δι' ἐκείνων θεραπεύουσι καὶ λιτανεύουσι τὸ θεῖον.
 μετὰ δὲ τοὺς ὑλοβίους δευτερεύειν κατὰ τιμὴν τοὺς
 ἱατρικοὺς καὶ ὥς περὶ τὸν ἄνθρωπον φιλοσόφους, λι-
 τοὺς μὲν μὴ ἀγραύλους δέ, ὀρύξῃ καὶ ἀλφίτοις τριφο- 5
 μένους, ἃ παρέχειν αὐτοῖς πάντα τὸν αἰτηθέντα καὶ
 ὑποδεξάμενον ξενίᾳ· δύνασθαι δὲ καὶ πολυγόνους
 ποιεῖν καὶ ἀρρενογόνους καὶ θηλυγόνους διὰ φαρμα-
 κευτικῆς· τὴν δὲ ἱατρειάν διὰ σιτίων τὸ πλεόν, οὐ διὰ
 φαρμάκων ἐπιτελεῖσθαι· τῶν φαρμάκων δὲ μάλιστα 10
 εὐδοκίμεῖν τὰ ἐπίχριστα καὶ τὰ καταπλάσματα, τᾶλλα
 δὲ κακουργίας πολὺ μετέχειν. ἀσκεῖν δὲ καὶ τούτους
 κἀκείνους καρτερίαν τὴν τε ἐν πόνοις καὶ τὴν ἐν ταῖς
 ἐπιμοναῖς, ὥστ' ἐφ' ἐνὸς σχήματος ἀκίνητον διατελέ-
 σαι τὴν ἡμέραν ὅλην. ἄλλους δ' εἶναι τοὺς μὲν μαντι- 15
 κοὺς καὶ ἐπωδοὺς καὶ τῶν περὶ τοὺς κατοικομένους
 C.714 λόγων καὶ νομίμων ἱμπείρους, ἐπαιτοῦντας κατὰ κώ-
 μας καὶ πόλεις, τοὺς δὲ χαριστέρους μὲν τούτων καὶ
 ἀσταιοτέρους, οὐδ' αὐτοὺς δὲ ἀπεχομένους τῶν καθ'
 ἁδὴν θρυλουμένων ὅσα δοκεῖ πρὸς εὐσέβειαν καὶ ὅσι- 20
 ὄτητα· συμφιλοσοφεῖν δ' ἐνίοις καὶ γυναῖκας ἀπεχο-
 μένας καὶ αὐτὰς ἀφροδισίων.
 61 Ἀριστόβουλος δὲ τῶν ἐν Ταξίλοις σοφιστῶν ἰδεῖν
 δύο φησί, Βραχμαῖνας ἀμφοτέρους, τὸν μὲν πρεσβύ-
 τερον ἐξυρημένον τὸν δὲ νεώτερον κομήτην, ἀμφοτέ- 25
 ροις δ' ἀκολουθεῖν μαθητάς· τὸν μὲν οὖν ἄλλον χρό-
 νον κατ' ἀγορὰν διατρίβειν, τιμωμένους ἀντὶ συμβού-
 λων, ἐξουσίαν ἔχοντας ὅ τι βούλονται τῶν ὀνίων φέ-
 ρεσθαι ὁρωεάν· ὅτῳ δ' ἂν προσίωσι, καταχεῖν αὐτῶν
 τοῦ σησαμίνου λίπους ὥστε καὶ κατὰ τῶν ὀμμάτων 30

ρεῖν· τοῦ τε μέλιτος πολλοῦ προκειμένου καὶ τοῦ ση-
 σάμου μάζας ποιουμένους τρέφεσθαι δωρεάν· παρερ-
 χομένους δὲ καὶ πρὸς τὴν Ἀλεξάνδρου τράπεζαν, πα-
 ραστάντας δειπνεῖν [καὶ] καρτερίαν διδάσκειν, παρα-
 5 χωροῦντας εἰς τινὰ τόπον πλησίον, ὅπου τὸν μὲν
 πρεσβύτερον πιδόντα ὕπτιον ἀνέχεσθαι τῶν ἡλίων
 καὶ τῶν ὄμβρων (ἥδη γὰρ ὕειν ἀρχομένου τοῦ ἔαρος),
 τὸν δ' ἐστάναι μονοσκελῇ ξύλον ἐπηρμένον ἀμφοτέ-
 ραις ταῖς χερσὶν ὅσον τρίπηχυν, κάμνοντος δὲ τοῦ σκέ-
 10 λους ἐπὶ θάταρον μεταφέρειν τὴν βάσιν καὶ διατελεῖν
 οὕτως τὴν ἡμέραν ὅλην· φανῆναι δ' ἐγκρατέστερον
 μακρῷ τὸν νεώτερον· συνακολουθήσαντα γὰρ μικρὰ
 τῷ βασιλεῖ ταχὺ ἀναστρέφαι πάλιν ἐπ' οἴκου, μετιόν-
 τος τε αὐτὸν κελεῦσαι ἤκειν εἰς τοῦ βούλεται τυγχάνειν·
 15 τὸν δὲ συναπᾶραι μέχρι τέλους καὶ μεταμφιάσασθαι
 καὶ μεταθέσθαι τὴν δίαιταν συνόντα τῷ βασιλεῖ· ἐπι-
 τιμώμενον δ' ὑπὸ τινων λέγειν ὥς ἐκπληρώσειε τὰ
 τετταράκοντα ἔτη τῆς ἀσκήσεως, ἃ ὑπέσχετο, Ἀλέξαν-
 δρον δὲ τοῖς παισὶν αὐτοῦ δοῦναι δωρεάν.

20 Τῶν δ' ἐν Ταξίλοις νομίμων καινὰ καὶ ἀήθη λέ- 62
 γει τό τε τοὺς μὴ δυναμένους ἐκδιδόναι τὰς παῖδας
 ὑπὸ πενίας προάγειν εἰς ἀγορὰν ἐν ἀκμῇ τῆς ὥρας, κό-
 χλω τε καὶ τυμπάνοις οἷσπερ καὶ τὸ πολεμικὸν σημαί-
 νουσιν ὄχλου προσκληθέντος, τῷ δὲ προσελθόντι τὰ
 25 ὀπίσθια πρῶτον ἀνασύρεισθαι μέχρι τῶν ὤμων εἴτα
 τὰ πρόσθεν, ἀρέσασαν δὲ καὶ συμπεισθεῖσαν ἐφ' οἷς
 αἶν δοκῇ συνοικεῖν· καὶ τὸ γυψὶ ῥίπτεσθαι τὸν τετε-
 λευτηκότα. τὸ δὲ πλείους ἔχειν γυναῖκας κοινὸν καὶ
 ἄλλων. παρὰ τισι δ' ἀκούειν φησὶ καὶ συγκατακαιο-
 30 μένας τὰς γυναῖκας τοῖς ἀνδράσιν ἀσμένως, τὰς δὲ μὴ
 ὑπομενουσας ἀδοξεῖν. εἴρηται καὶ ἄλλοις ταῦτα.

Ὀνησίκριτος δὲ πεμφθῆναι φησιν αὐτὸς διαλεξό- 63

Ο.715 μενος τοῖς σοφισταῖς τούτοις· ἀκούειν γὰρ τὸν Ἀλέξανδρον ὥς γυμνοὶ διατελοῖεν καὶ καρτερίας ἐπιμελοῖντο οἱ ἄνθρωποι ἐν τιμῇ τε ἄγοιντο πλείστη, παρ' ἄλλους δὲ μὴ βαδίζοιεν κληθέντες, ἀλλὰ κελεύοιεν ἐκείνους φοιτᾶν παρ' αὐτούς, εἰ τοῦ μετασχεῖν ἐθέλοισιν τῶν πραττομένων ἢ λεγομένων ὑπ' αὐτῶν· τοιούτων δὴ ὄντων, ἐπειδὴ οὔτε αὐτῷ πρέπειν ἰδόκει παρ' ἐκείνους φοιτᾶν οὔτε ἐκείνους βιάζεσθαι παρὰ τὰ πάτρια ποιεῖν τι ἄκοντας, αὐτὸς ἔφη πεμφθῆναι καταλαβεῖν δὲ ἄνδρας πεντεκαίδεκα ἀπὸ σταδίων εἰκοσι τῆς πόλεως, ἄλλον ἐν ἄλλῳ σχήματι ἐστῶτα ἢ καθήμενον ἢ κείμενον γυμνὸν ἀκίνητον ἕως ἐσπέρας, εἴτ' ἀπερχόμενον εἰς τὴν πόλιν· χαλεπώτατον δ' εἶναι τὸ τὸν ἥλιον ὑπομεῖναι οὕτω θερμὸν ὥστε τῶν ἄλλων μηδένα ὑπομένειν γυμνοῖς ἐπιβῆναι τοῖς ποσὶ τῆς γῆς ἰσχυρῶς κατὰ μεσημβρίαν.

- 64 Διαλεχθῆναι δ' ἐν τούτων Καλάνῳ, ὃν καὶ συνακολουθῆσαι τῷ βασιλεῖ μέχρι Περσίδος καὶ ἀποθάνειν τῷ πατρίῳ νόμῳ τεθέντα ἐπὶ πυρκαϊάν· τότε δ' ἐπὶ λίθων τυχεῖν κείμενον. προσιὼν οὖν καὶ προσαγορεύσας εἰπεῖν ἔφη, διότι πεμφθείη παρὰ τοῦ βασιλέως ἀκροασόμενος τῆς σοφίας αὐτῶν καὶ ἀπαγγελῶν πρὸς αὐτόν· εἰ οὖν μηδεὶς εἴη φθόνος, ἔτοιμος εἴη μετασχεῖν τῆς ἀκροάσεως. ἰδόντα δ' ἐκείνον χλαμύδα καὶ καυσίαν φοροῦντα καὶ κρηπίδα, καταγελάσαντα
 „τὸ παλαιόν“ φάναι „πάντ' ἦν ἀλφίτων καὶ ἀλεύρων
 „πλήρη καθάπερ νῦν κόνεως· καὶ κρῆναι δ' ἔρρεον
 „αἱ μὲν ὕδατος γάλακτος δ' ἄλλαι καὶ ὁμοίως μέλιτος,
 „αἱ δ' οἶνου τινὲς δ' ἐλαίου· ὑπὸ πλησμονῆς δ' οἱ ἄνθρωποι καὶ τρυφῆς εἰς ὕβριν ἐξέπεσον. Ζεὺς δὲ μισήσας τὴν κατάστασιν ἠφάνισε πάντα καὶ διὰ πόνου
 „τὸν βίον ἀπέδειξε· σωφροσύνης δὲ καὶ τῆς ἄλλης

„ἀρετῆς παρελθούσης εἰς μέσον πάλιν εὐπορία τῶν
 „ἀγαθῶν ὑπῆρξεν· ἐγγὺς δ' ἐστὶν ἤδη νυνὶ κόρου καὶ
 „ὑβρεως τὸ πρᾶγμα, κινδυνεύει τε ἀφανισμὸς τῶν
 „ὄντων γενέσθαι.“ ταῦτα εἰπόντα κελεύειν, εἰ βού-
 5 λοιτο ἀκροάσασθαι, καταθέμενον τὴν σκευὴν γυμνὸν
 ἐπὶ τῶν αὐτῶν λίθων κείμενον μετέχειν τῶν λόγων.
 ἀπορουμένου δὲ αὐτοῦ, Μάνθανιν ὅσπερ ἦν πρεσβύ-
 τatos καὶ σοφώτατος αὐτῶν, τὸν μὲν ἐπιπλήξαι ὡς
 ὑβριστήν, καὶ ταῦτα ὑβρεως κατηγορήσαντα, αὐτὸν
 10 δὲ προσκαλέσασθαι καὶ εἰπεῖν ὡς τὸν μὲν βασιλέα ἐπαι-
 νοίη, διότι ἀρχὴν τοσαύτην διοικῶν ἐπιθυμοίη σο-
 φίας· μόνον γὰρ ἴδοι αὐτὸν ἐν ὅπλοις φιλοσοφοῦντα·
 ὀφελιμώτατον δ' εἶη τῶν ἀπάντων, εἰ οἱ τοιοῦτοι
 φρονοῖεν οἷς πάρεστι δύναμις τοὺς μὲν ἐκουσίους C.716
 15 πείθειν σωφρονεῖν τοὺς δ' ἀκουσίους ἀναγκάζειν·
 αὐτῷ δὲ συγγνώμη εἴη, εἰ δι' ἐρμηνέων τριῶν διαλε-
 γόμενος πλήν φωνῆς μηδὲν συνιέντων πλέον ἢ οἱ
 πολλοί, μηδὲν ἰσχύσει τῆς ὀφελείας ἐπίδειξιν ποιή-
 σασθαι· ὅμοιον γὰρ ὡς ἂν εἰ διὰ βορβόρου καθαρὸν
 20 ἀξιοί τις ὕδωρ ρεῖν.

Τὰ γοῦν λεχθέντα εἰς τοῦτ' ἔφη συντείνειν ὡς 66
 εἴη λόγος ἄριστος, ὅς ἡδονὴν καὶ λύπην ψυχῆς ἀφαι-
 ρήσεται· καὶ ὅτι λύπη καὶ πόνος διαφέροι· τὸ μὲν γὰρ
 πολέμιον τὸ δὲ φίλιον αὐτοῖς τά γε σώματα ἀσκούσι
 25 πρὸς πόνον, ἵν' αἱ γινῶμαι ῥωννύοιντο, ἀφ' ὧν καὶ
 στάσεις παύοιεν καὶ σύμβουλοι πᾶσιν ἀγαθῶν παρτεῖν
 καὶ κοινῇ καὶ ἰδίᾳ· καὶ δὴ καὶ Ταξίλῃ νῦν συμβουλεύ-
 σεις δέχεσθαι τὸν Ἀλέξανδρον· κρείττω μὲν γὰρ αὐτοῦ
 δεξιόμενον εὐ πείσεσθαι, χείρω δὲ εὐ διαθήσειν. ταῦτ'
 30 εἰπόντα ἐξερέσθαι εἰ καὶ ἐν τοῖς Ἑλλήσι λόγοι τοιοῦτοι
 λέγοντο, εἰπόντος δ' ὅτι καὶ Πυθαγόρας τοιαῦτα λέ-
 γοι κελεύοι τε ἐμψύχων ἀπέχεσθαι, καὶ Σωκράτης καὶ

Διογένης οὐ καὶ αὐτὸς ἀκροάσαιοτο, ἀποκρίνασθαι ὅτι
 τᾶλλα μὲν νομίζοι φρονίμως αὐτοῖς δοκεῖν, ἐν δ' ἁμαρ-
 τάνειν νόμον πρὸ τῆς φύσεως τιθεμένους· οὐ γὰρ [ἂν]
 αἰσχύνεσθαι γυμνοὺς ὥσπερ αὐτὸν διάγειν ἀπὸ λιτῶν
 ζῶντας· καὶ γὰρ οἰκίαν ἀρίστην εἶναι ἥτις ἂν ἐπισκευ- 5
 ῆς ἐλαχίστης δέηται· ἔφη δ' αὐτοὺς καὶ τῶν περὶ φύ-
 σιν πολλὰ ἐξετάσαι καὶ προσημασιῶν, ὁμβριῶν αὐχμῶν
 νόσων· ἀπιόντας δ' εἰς τὴν πόλιν κατὰ τὰς ἀγορὰς
 σκεδάννυσθαι· ὅτῳ δ' ἂν κομίζοντι σῦκα ἢ βότρυς
 παρατύχῃσι, λαμβάνειν δωρεὰν παρέχοντος· εἰ δ' 10
 ἔλαιον εἴη, καταχεῖσθαι αὐτῶν καὶ ἀλείφεσθαι· ἅπα-
 σαν δὲ πλουσίαν οἰκίαν ἀνεῖσθαι αὐτοῖς μέχρι γυναι-
 κωνίτιδος, εἰσιόντας δὲ δεῖπνον κοινωνεῖν καὶ λόγων.
 αἰσχιστον δ' αὐτοῖς νομίζεσθαι νόσον σωματικὴν· τὸν
 δ' ὑπονοήσαντα καθ' αὐτοῦ τοῦτο, ἐξάγειν ἑαυτὸν διὰ 15
 πυρὸς νήσαντα πυρᾶν, ὑπαλειψάμενον δὲ καὶ καθί-
 σαντα ἐπὶ τὴν πυρᾶν ὑφάψαι κελεύειν, ἀκίνητον δὲ
 καίεσθαι.

- 66 Νέαρχος δὲ περὶ τῶν σοφιστῶν οὕτω λέγει· τοὺς
 μὲν Βραχμαῖνας πολιτεύεσθαι καὶ παρακολουθεῖν τοῖς 20
 βασιλεῦσι συμβούλους, τοὺς δ' ἄλλους σκοπεῖν τὰ περὶ
 τὴν φύσιν, τούτων δ' εἶναι καὶ Κάλανον· συμφιλο-
 σοφεῖν δ' αὐτοῖς καὶ γυναῖκας, τὰς δὲ διαίτας ἀπάντων
 σκληράς. περὶ δὲ τῶν κατὰ τοὺς ἄλλους νομίμων τοι-
 αῦτα ἀποφαίνεται· τοὺς μὲν νόμους ἀγράφους εἶναι, 25
 τοὺς μὲν κοινούς τοὺς δ' ἰδίους, ἀήθειαν ἔχοντας πρὸς
 C.717 τοὺς τῶν ἄλλων, οἷον τὸ τὰς παρθένους ἄθλον παρὰ
 τισὶ προκείσθαι τῷ πυγμὴν νικήσαντι ὥστ' ἀπροίκους
 συνεῖναι· παρ' ἄλλοις δὲ κατὰ συγγένειαν κοινῇ τοὺς
 καρποὺς ἐργασαμένους, ἐπὶ ἀν συγκομίσωσιν, αἰρεσθαι 30
 φορτίον ἕκαστον εἰς διατροφήν τοῦ ἔτους, τὸν δ' ἄλ-
 λον ἐμπιπράναι τοῦ ἔχειν εἰσαυθις ἐργάζεσθαι καὶ μὴ

ἀργὸν εἶναι. ὀπλισμὸν δ' εἶναι τόξον καὶ οἰστοὺς τρι-
πήχεις, ἢ σαύνιον, καὶ πέλτην καὶ μάχαιραν πλατεῖαν
τρίπηχυν· ἀντὶ δὲ χαλινῶν φιμοῖς χρῆσθαι κημῶν μι-
κρὸν διαφέρουσιν· ἥλοις δὲ τὰ χεῖλη διαπεπάρθαι.

6 Τὴν δὲ φιλοτεχνίαν τῶν Ἰνδῶν ἐμφανίζων σπόγ- 67
γους φησὶν ἰδόντας παρὰ τοῖς Μακεδόσι μιμήσασθαι,
τρίχας καὶ σχοινία λεπτὰ καὶ ἀρπεδόνας διαρράψαντας
εἰς ἔρια, καὶ μετὰ τὸ πιλῆσαι τὰ μὲν ἐξελκύσαντας τὰ
δὲ βάψαντας χροιαῖς· στλεγγιδοποιούς τε καὶ ληκυθο-
10 ποιούς ταχὺ γενέσθαι πολλούς· ἐπιστολὰς δὲ γράφειν
ἐν σινδόσι λίαν κεκροτημέναις, τῶν ἄλλων γράμμασιν
αὐτοὺς μὴ χρῆσθαι φαιμένων· χαλκῷ δὲ χρῆσθαι χυ-
τῷ, τῷ δ' ἐλατῷ μὴ· τὴν δ' αἰτίαν οὐκ εἶπε, καίτοι
τὴν ἀτοπίαν εἰπὼν τὴν παρακολουθοῦσαν, ὅτι θραύ-
15 εται κεράμον δίκην τὰ σκεύη πεισόντα. τῶν δὲ περὶ
τῆς Ἰνδικῆς λεγομένων καὶ τοῦτ' ἐστίν, ὅτι ἀντὶ τοῦ
προσκυνεῖν προσεύχεσθαι τοῖς βασιλεῦσι καὶ πᾶσι τοῖς
ἐν ἐξουσίᾳ καὶ ὑπεροχῇ νόμος. φέρει δὲ καὶ λιθεῖαν
ἢ χώρα πολυτελῇ κρυστάλλων καὶ ἀνθράκων παντοί-
20 ων, καθάπερ τῶν μαργαριτῶν.

Τῆς δ' ἀνομολογίας τῶν συγγραφέων ἔστω παρά- 68
δειγμα καὶ ὁ περὶ τοῦ Καλάνου λόγος· ὅτι μὲν γὰρ συν-
ῆλθεν Ἀλεξάνδρῳ καὶ ἀπέθανεν ἑκὼν παρ' αὐτῷ δια-
πυρὸς ὁμολογοῦσι· τὸν δὲ τρόπον οὐ τὸν αὐτὸν φα-
25 σιν οὐδὲ κατὰ τὰς αὐτὰς αἰτίας, ἀλλ' οἱ μὲν οὕτως εἴ-
ρηκασιν· συνακολουθῆσαι γὰρ ὥς ἐγκωμιαστὴν τοῦ
βασιλέως ἔξω τῶν τῆς Ἰνδικῆς ὄρων παρὰ τὸ κοινὸν
ἔθος τῶν ἐκεί φιλοσόφων· ἐκείνους γὰρ τοῖς αὐτόθι
συνεῖναι βασιλεῦσιν ὑφηγουμένους τὰ περὶ τοὺς θεοὺς,
30 ὥς τοὺς μάγους τοῖς Πέρσαις. ἐν Πασαργάδαις δὲ νο-
σήσαντα, τότε πρῶτον αὐτῷ νόσου γενομένης, ἐξαγα-
γεῖν ἑαυτόν, ἄγοντα ἔτος ἑβδομηκοστὸν καὶ τρίτον,

- μὴ προσέχοντα ταῖς τοῦ βασιλέως δεήσεσι· γενομένης δὲ πυρᾶς καὶ τεθείσης ἐπ' αὐτῆς χρυσῆς κλίνης, κατακλιθέντα εἰς αὐτήν, ἐγκαλυψάμενον ἐμπρησθῆναι· οἱ δὲ ξύλινον οἶκον γενέσθαι, φυλλάδος δ' ἐμπλησθέντος καὶ ἐπὶ τῆς στέγης πυρᾶς γενομένης ἐγκλεισθέντα, ὥσπερ ἐκέλευσε, μετὰ τὴν πομπὴν μεθ' ἧς ἦκε, ὄψαντα C.718 αὐτὸν ὥς ἂν δοκὸν συνεμπρησθῆναι τῷ οἴκῳ. Μεγασθένης δ' ἐν τοῖς μὲν φιλοσόφοις οὐκ εἶναι δόγμα φησὶν ἑαυτοὺς ἐξάγειν· τοὺς δὲ ποιοῦντας τοῦτο νεανικοὺς κρίνισθαι, τοὺς μὲν σκληροὺς τῇ φύσει φερό- 10 μένους ἐπὶ πληγὴν ἢ κρημνόν, τοὺς δ' ἀπόνους ἐπὶ βυθόν, τοὺς δὲ πολυπόνους ἀπαγχομένους, τοὺς δὲ πυρῶδεις εἰς πῦρ ὠθομένους· οἷος ἦν καὶ ὁ Κάλανος, ἀκόλαστος ἄνθρωπος καὶ ταῖς Ἀλεξάνδρου τραπέζαις δεδουλωμένος· τοῦτον μὲν οὖν φέγεσθαι, τὸν δὲ 15 Μάνθανιν ἐπαινέσθαι, ὅς τῶν τοῦ Ἀλεξάνδρου ἀγγέλων καλούντων πρὸς τὸν Διὸς υἱὸν πειθομένῳ τε δῶρα ἔσεσθαι ὑπισχνουμένων ἀπειθοῦντι δὲ κόλασιν μήτ' ἐκείνον φαίη Διὸς υἱὸν ὃν γε ἄρχειν μηδὲ πολλοστοῦ μέρους τῆς γῆς, μήτε αὐτῷ δεῖν τῶν παρ' ἐκεῖ- 20 νου δωρεῶν ὧν οὐδεὶς κόρος, μήτε δὲ ἀπειλῆς εἶναι φόβον ὃ ζῶντι μὲν ἀρκοῦσα εἴη τροφὸς ἡ Ἰνδική, ἀποθανῶν δὲ ἀπαλλάξαιτο τῆς τετραχωμένης ὑπὸ γῆρας σαρκός, μεταστὰς εἰς βελτίω καὶ καθαρώτερον βίον· ὥστ' ἐπαινέσαι τὸν Ἀλεξάνδρον καὶ συγχωρῆσαι. 25
- 69 Λέγεται δὲ καὶ ταῦτα παρὰ τῶν συγγραφέων, ὅτι σέβονται μὲν τὸν ὁμβριον Δία Ἴνδοι καὶ τὸν Γάγγην ποταμὸν καὶ τοὺς ἐγγχωρίους δαίμονας. ὅταν δὲ βασιλεὺς λούῃ τὴν τρίχα, μεγάλην ἐορτὴν ἄγουσι καὶ μέγαλα δῶρα πέμπουσι τὸν ἑαυτοῦ πλοῦτον ἕκαστος ἐπι- 30 δεικνύμενος κατὰ ἄμιλλαν. τῶν τε μυρμηκῶν τινὰς καὶ πτερωτοὺς λέγουσι τῶν χρυσορύχων· ψήγματά

τε χρυσοῦ καταφέρειν τοὺς ποταμούς, καθάπερ τοὺς
 Ἰβηρικοὺς· ἐν δὲ ταῖς κατὰ τὰς ἑορτὰς πομπαῖς πολλοὶ
 μὲν ἐλέφαντες πέμπονται χρυσοῦ κεκοσμημένοι καὶ
 ἀργύρῳ, πολλὰ δὲ τέθριππα καὶ βοϊκὰ ζεύγη· εἰθ' ἡ
 5 στρατιὰ κεκοσμημένη· καὶ χρυσώματα δὲ τῶν μεγά-
 λων λεβήτων καὶ κρατήρων ὀργυιαίων· καὶ τοῦ Ἰνδι-
 κοῦ χαλκοῦ τράπεζαί τε καὶ θρόνοι καὶ ἐκπώματα καὶ
 λουτήρες, λιθοκόλλητα τὰ πλεῖστα σμαράγδοις καὶ βη-
 ρύλλοις καὶ ἄνθραξιν Ἰνδικοῖς· καὶ ἐσθῆς δὲ ποικίλη
 10 χρυσόπαστος, καὶ βόνασοι καὶ παρδάλεις καὶ λέοντες
 τιθασοὶ καὶ τῶν ποικίλων ὀρνέων καὶ εὐφθόγγων πλῆ-
 θος. ὁ δὲ Κλείταρχος φησιν ἀμάξας τετρακύκλους,
 δένδρα κομιζούσας τῶν μεγαλοφύλλων, ἐξ ὧν ἀπήρ-
 τηται γένη τετιθασευμένων ὀρνέων, ὧν εὐφωνότατον
 15 μὲν εἶρηκε τὸν ὠρίωνα, λαμπρότατον δὲ κατὰ τὴν
 ὄψιν καὶ πλείστην ἔχοντα ποικιλίαν τὸν καλούμενον
 κατρεία· τὴν γὰρ ἰδέαν ταῦ μάλιστα ἐγγίξουσιν. τὴν δὲ
 λοιπὴν εἰκονογραφίαν παρ' ἐκείνου ληπτέον.

Φιλοσόφους τε τοῖς Βραχμαῖσιν ἀντιδιαφουῦνται 70
 20 Πράμνας, ἱριστικούς τινας καὶ ἐλεγκτικούς· τοὺς δὲ C.719
 Βραχμαῖνας φυσιολογίαν καὶ ἀστρονομίαν ἀσκήν, γε-
 λωμένους ὑπ' ἐκείνων ὥς ἀλαζόνας καὶ ἀνοήτους.
 τούτων δὲ τοὺς μὲν ὀρεινοὺς καλεῖσθαι τοὺς δὲ γυμνή-
 τας τοὺς δὲ πολιτικούς καὶ προσχωρίους· τοὺς μὲν ὀρει-
 25 νοὺς δοραῖς ἐλάφω χρῆσθαι, πῆρας δ' ἔχειν ὄξω καὶ
 φαρμάκων μεστάς, προσποιουμένους ἰατρικὴν μετὰ
 γοητείας καὶ ἐπιδῶν καὶ περιάπτων. τοὺς δὲ γυμνήτας
 κατὰ τοῦνομα γυμνοὺς διαξῆν, ὑπαιθρίους τὸ πλεόν,
 καρτερίαν ἀσκούντας ἣν ἔφαμεν πρότερον μέχρι ἑπτὰ
 30 [ἔτων] καὶ τριάκοντα· γυναῖκας δὲ συνεῖναι μὴ μιγνυ-
 μένας αὐτοῖς· τούτους δὲ θαυμάζεσθαι διαφερόν-
 τως. τοὺς δὲ πολιτικούς σινδονίτας κατὰ πόλιν ξῆν ἢ 71

καὶ κατ' ἀγρούς, καθημένους νεβρίδας ἢ δορκάδων
δοράς· ὥς δ' εἰπεῖν, Ἰνδοὺς ἐσθῆτι λευκῇ χρῆσθαι
καὶ σινδόσι λευκαῖς καὶ καρπάσοις, ὑπεναντίως τοῖς
εἰποῦσιν εὐανθέστατα αὐτοὺς ἀμπέχεσθαι φορήματα·
κομᾶν δὲ καὶ παγωνοτροφεῖν πάντας, ἀναπλεκομέ- 5
νους δὲ μιτροῦσθαι τὰς κόμας.

- 72 Ἀρτεμίδωρος δὲ τὸν Γάγγην φησὶν ἐκ τῶν Ἡμω-
δῶν ὁρῶν καταφερόμενον πρὸς νότον, ἐπειδὴν κατὰ
τὴν Γάγγην γένηται πόλιν, ἐπιστρέφειν πρὸς ἑω μέχρι
Παλιβόθρων καὶ τῆς εἰς τὴν θάλατταν ἐκβολῆς· τῶν 10
δὲ συρρεόντων εἰς αὐτὸν * Οἰδάνην τινὰ καλεῖ· τρέ-
φειν δὲ καὶ κροκοδείλους καὶ δελφίνας· λέγει δὲ καὶ
ἄλλα τινά, συγκεχυμένως δὲ καὶ ἀργῶς, ὧν οὐ φρον-
τιστέον. προσθεῖη δ' ἂν τις τούτοις καὶ τὰ παρὰ τοῦ
Λαμασκηνοῦ Νικολάου.

15

- 73 Φησὶ γὰρ οὗτος ἐν Ἀντιοχείᾳ τῇ ἐπὶ Λάφνῃ πα-
ρατυχεῖν τοῖς Ἰνδῶν πρέσβεσιν ἀφιγμένοις παρὰ Καί-
σαρα τὸν Σεβαστόν· οὓς ἐκ μὲν τῆς ἐπιστολῆς πλείους
δηλοῦσθαι, σωθῆναι δὲ τρεῖς μόνους, οὓς ἰδεῖν φησι,
τοὺς δ' ἄλλους ὑπὸ μήκους τῶν ὁδῶν διαφθαρῆναι τὸ 20
πλέον· τὴν δ' ἐπιστολὴν ἐλληνίζειν ἐν διφθέρᾳ γε-
γραμμένην, δηλοῦσαν ὅτι Πῶρος εἶη ὁ γράψας, ἑξα-
κοσίων δὲ ἄρχων βασιλείων ὅμως περὶ πολλοῦ ποιοῖτο
φίλος εἶναι Καίσαρι, καὶ ἔτοιμος εἶη δίοδόν τε παρέ-
χειν ὅπῃ βούλεται καὶ συμπράττειν ὅσα καλῶς ἔχει. 25
ταῦτα μὲν εἶφη λέγειν τὴν ἐπιστολὴν, τὰ δὲ κομι-
σθέντα δῶρα προσενεγκεῖν ὅκτω οἰκέτας γυμνοὺς, ἐν
περιζώμασι καταπεπασμένους ἀρώμασιν· εἶναι δὲ τὰ
δῶρα τόν τε ἐρμαῖν, ἀπὸ τῶν ὤμων ἀφηρευμένον ἐκ
νηπίου τοὺς βραχίονας, ὃν καὶ ἡμεῖς εἶδομεν, καὶ ἐχί- 30
δνας μεγάλας καὶ ὄφιν πηχῶν δέκα καὶ χελώνην ποτα-
μίαν τρίπηχυν πέριδικά τε μεῖζω γυπός. συνῆν δέ, ὥς

- φησι, καὶ ὁ Ἀθήνησι κατακαύσας ἑαυτὸν· ποιεῖν δὲ C. 720
 τοῦτο τοὺς μὲν ἐπὶ κακοπραγία ζητοῦντας ἀπαλλαγὴν
 τῶν παρόντων, τοὺς δ' ἐπ' εὐπραγία, καθάπερ τοῦ-
 τον· ἅπαντα γὰρ κατὰ γνώμην πράξαντα μέχρι νῦν
 5 ἀπιεναὶ δεῖν, μὴ τι τῶν ἀβουλήτων χρονίζοντι συμπέ-
 σοι· καὶ δὴ καὶ γελῶντα ἀλέσθαι γυμνὸν λίπ' ἀλη-
 λιμμένον ἐν περιζώματι ἐπὶ τὴν πυράν· ἐπιγεγράφθαι
 δὲ τῷ τάφῳ „Ζαρμανοχηγὰς Ἰνδὸς ἀπὸ Βαργόσης κατὰ
 „τὰ πάτρια Ἰνδῶν ἔθῃ ἑαυτὸν ἀπαθανάτισας κεῖται.“
- 10 Μετὰ δὲ τὴν Ἰνδικὴν ἐστὶν ἡ Ἀριανή, μερὶς πρώτη 2
 τῆς ὑπὸ Πέρσαις τῆς μετὰ τὸν Ἰνδὸν ποταμὸν καὶ
 τῶν ἄνω σατραπειῶν τῶν ἐκτὸς τοῦ Ταύρου, τὰ μὲν
 νότια καὶ τὰ ἀρκτικά μέρη τῇ αὐτῇ θαλάττῃ καὶ τοῖς
 αὐτοῖς ὄρεσιν ἀφοριζομένη οἷσπερ καὶ ἡ Ἰνδική, καὶ
 15 τῷ αὐτῷ ποταμῷ τῷ Ἰνδῷ, μέσον ἔχουσα αὐτὸν ἑαυ-
 τῆς τε καὶ τῆς Ἰνδικῆς, ἐντεῦθεν δὲ πρὸς τὴν ἐσπέραν
 ἐκτεινομένη μέχρι τῆς ἀπὸ Κασπίων πυλῶν εἰς Καρ-
 μανίαν γραφομένης γραμμῆς, ὥστε εἶναι τετράπλευ-
 ρον τὸ σχῆμα. τὸ μὲν οὖν νότιον πλευρὸν ἀπὸ τῶν
 20 ἐκβολῶν ἀρχεται τοῦ Ἰνδοῦ καὶ τῆς Παταληνῆς, τε-
 λευτὰ δὲ πρὸς Καρμανίαν καὶ τοῦ Περσικοῦ κόλπου
 τὸ στόμα, ἄκραν ἔχον ἐκκειμένην ἱκανῶς πρὸς νότον·
 εἰτα εἰς τὸν κόλπον λαμβάνει καμπὴν ὡς ἐπὶ τὴν Περ-
 σίδα. οἰκοῦσι δὲ Ἀρβιες πρῶτον, ὁμώνυμοι τῷ πο-
 25 ταμῷ Ἀρβει τῷ ὀρίζοντι αὐτοὺς ἀπὸ τῶν ἐξῆς Ὀριτῶν,
 ὅσον χιλίων σταδίων ἔχοντες παραλίαν, ὡς φησι Νέ-
 αρχος· Ἰνδῶν δ' ἐστὶ μερὶς καὶ αὕτη. εἰ' Ὀρίται ἔθνος
 αὐτόνομον· τοῦτων δ' ὁ παράπλους χιλίων ὀκτακο-
 30 σίοιοι, ὁ δὲ τῶν Καρμανίων τρισχίλιοι ἑπτακόσιοι μέ-
 χρι Περσίδος· ὥσθ' οἱ σύμπαντες μύριοι τρισχίλιοι
 ἐννακόσιοι.

- 2 Ἀλιτενῆς δ' ἐστὶν ἡ τῶν Ἰχθυοφάγων καὶ ἄδεν-
δρος ἢ πλείστη [πλήν] φοινίκων καὶ ἀκάνθης τινὸς καὶ
μυρίκης· καὶ ὕδατων δὲ καὶ τροφῆς ἡμέρου σπάνις·
τοῖς δ' ἰχθύσι χρώνται καὶ αὐτοὶ καὶ θρέμματα καὶ
τοῖς ὀμβρίοις ὕδασι καὶ ὀρυκτοῖς· καὶ τὰ κρέα δὲ τῶν
θρεμμάτων ἰχθύων προσβάλλει· οἰκήσεις δὲ ποιουν-
ται τοῖς ὀστέοις τῶν κητῶν χρώμενοι καὶ κόγχοις
ὀστρέων τὸ πλέον, δοκοῖς μὲν ταῖς πλευραῖς καὶ ὑπερ-
εῖσμασι, θυρώμασι δὲ ταῖς σιαγόνσιν· οἱ σπόνδυλοι δ'
αὐτοῖς εἰσιν ὄλμοι, ἐν οἷς πίττουσι τοὺς ἰχθύας ἐν 10
ἡλίῳ κατοπτήσαντες, εἴτ' ἀρτοποιοῦνται σίτου μικρὰ
C.721 καταμιζαντες· καὶ γὰρ μύλοι αὐτοῖς εἰσι, σιδήρου μὴ
ὄντος· καὶ τοῦτο μὲν ἦττον θαυμαστόν· καὶ γὰρ ἄλλο-
θεν ἐνέγκασθαι δυνατόν· ἀλλὰ πῶς ἐπικόπτουσιν
ἀποτριβέντα; λίθοις μέντοι φασίν, οἷς καὶ τὰ βέλη 15
καὶ τὰ ἀκοντίσματα πεφυρακτωμένα ἀποξύνουσι· τοὺς
δ' ἰχθύας τοὺς μὲν ἐν κλιβάνοις κατοπτῶσι, τοὺς δὲ
πλείστους ὠμοφαγοῦσι· περιβάλλονται δὲ δικτύοις
φλοιοῦ φοινικίνου.
- 3 Ὑπέρκειται δὲ τούτων ἡ Γεδρωσία, τῆς μὲν Ἰνδι- 20
κῆς ἦττον ἔμπυρος τῆς δ' ἄλλης Ἀσίας μᾶλλον, καὶ
τοῖς καρποῖς καὶ τοῖς ὕδασιν ἐνδεῆς πλήν θέρους, οὐ
πολὺ ἀμείνων τῆς τῶν Ἰχθυοφάγων· ἀρωματοφόρος
δὲ νάρδου μάλιστα καὶ σμύρνης, ὥστε τὴν Ἀλεξάν-
δρου στρατιὰν ὀδεύουσαν ἀντὶ ὀρόφου καὶ στρωμάτων 25
τούτοις χρῆσθαι, εὐωδιαζομένην ἅμα καὶ ὑγιεινότε-
ρον τὸν ἀέρα ἔχουσαν παρὰ τοῦτο· γενέσθαι δ' αὐ-
τοῖς θέρους τὴν ἐκ τῆς Ἰνδικῆς ἀφοδὸν ἐπίτηδες συν-
εῖρη· τότε γὰρ ὀμβροὺς ἔχειν τὴν Γεδρωσίαν καὶ
τοὺς ποταμοὺς πληροῦσθαι καὶ τὰ ὕδρευα, χειμῶνος 30

δ' ἐπιλείπειν· πίπτειν δὲ τοὺς ὄμβρους ἐν τοῖς ἄνω
μέρεσι τοῖς προσαρκτίοις καὶ ἐγγὺς τῶν ὁρῶν· πλη-
ρουμένων δὲ τῶν ποταμῶν καὶ τὰ πεδία τὰ πλησιάζοντα
τῇ θαλάττῃ ποτίζεσθαι καὶ ὑδρείων εὐπορεῖν.
5 προέπεμψε δ' εἰς τὴν ξρημον μεταλλευτὰς τῶν ὑδρείων
ὁ βασιλεὺς καὶ τοὺς ναύσταθμα αὐτῷ καὶ τῷ στόλῳ
κατασκευάσοντας.

Τριχῇ γὰρ διελὼν τὰς δυνάμεις, τῇ μὲν αὐτὸς ἄ-
ωρησε διὰ τῆς Γεδρωσίας, ἀφιστάμενος τῆς θαλάτ-
της τὸ πλείστον πεντακοσίους σταδίους, ἔν' ἅμα καὶ
10 τῷ ναυτικῷ τὴν παραλίαν ἐπιτηδεῖαν παρασκευάζει,
πολλάκις δὲ καὶ συνάπτων τῇ θαλάττῃ καίπερ ἀπό-
ρους καὶ τραχείας ἐχούσῃ τὰς ἀκτὰς· τὴν δὲ προέ-
πεμψε μετὰ Κρατεροῦ διὰ τῆς μεσογαίας, ἅμα χειρου-
15 μένου τε τὴν Ἀριανὴν καὶ προϊόντος ἐπὶ τοὺς αὐτοὺς
τόπους ἐφ' οὓς Ἀλέξανδρος τὴν πορείαν εἶχε· τὸ δὲ
ναυτικὸν Νεάρχῳ καὶ Ὀνήσιρκίτῳ τῷ ἀρχικυβερνήτῃ
παραδοὺς ἐκέλευσεν οἰκείας στάσεως ἐπιλαμβανο-
μένους ἐπακολουθεῖν καὶ ἀντιπαραπλεῖν αὐτοῦ τῇ
20 πορείᾳ.

Καὶ δὴ καὶ φησιν ὁ Νεάρχος, ἤδη τοῦ βασιλέως ὁ-
τελοῦντος τὴν ὁδόν, αὐτὸς μετοπώρου κατὰ πλειάδος
ἐπιτολὴν ἐσπερίαν ἄρξασθαι τοῦ πλοῦ, μήπω μὲν τῶν
πνευμάτων οἰκείων ὄντων, τῶν δὲ βαρβάρων ἐπιχει-
25 ρούντων αὐτοῖς καὶ ἐξελαυνόντων· καταθαρορῆσαι
γὰρ ἀπελθόντος τοῦ βασιλέως καὶ ἐλευθεριάσαι. Κρα-
τερὸς δ' ἀπὸ τοῦ Ὑδάσκου ἀρξάμενος δι' Ἀραχωτῶν
ἦει καὶ Δραγγῶν εἰς Καρμανίαν. πολλὰ δ' ἑταλαιπώ-
ρει ὁ Ἀλέξανδρος καθ' ὅλην τὴν ὁδὸν διὰ λυπρῶς.
30 ἰῶν· πόρρωθεν δ' ὁμοίως ἐπεχορηγεῖτο μικρὰ καὶ
σπάνια ὥστε λιμώττειν τὸ στράτευμα· καὶ τὰ ὑποζύ-
για ἐπέλιπε, καὶ τὰ σκευὴ καταλείπετο ἐν ταῖς ὁδοῖς

καὶ τοῖς στρατοπέδοις· ἀπὸ δὲ τῶν φοινίκων ἦν ἡ σω-
τηρία τοῦ τε καρποῦ καὶ τοῦ ἐγκειφάλου. φασὶ δὲ φι-
λονεικῆσαι τὸν Ἀλέξανδρον καίπερ εἰδότα τὰς ἀπο-
ρίας πρὸς τὴν κατέχουσαν δόξαν, ὥς Σαμίραμις μὲν
ἐξ Ἰνδῶν φεύγουσα σωθεῖη μετὰ ἀνδρῶν ὥς εἰκοσι, 5
Κῦρος δὲ ἐπτά, εἰ δύναίτο αὐτὸς τοσοῦτο στρατεύμα
διασῶσαι διὰ τῆς αὐτῆς χώρας, νικῶν καὶ ταῦτα.

- 6 Πρὸς δὲ τῇ ἀπορίᾳ χαλεπὸν ἦν καὶ τὸ καῦμα καὶ
τὸ βάθος τῆς ψάμμου καὶ ἡ θερμότης, ἔστι δ' ὅπου
καὶ θῖνες ὑψηλοὶ ὥστε πρὸς τῷ δυσχερῶς ἀναφέρειν 10
τὰ σκέλη καθάπερ ἐκ βυθοῦ καὶ ἀναβάσεις εἶναι καὶ
καταβάσεις· ἀνάγκη δ' ἦν καὶ σταθμοὺς ποιεῖσθαι μα-
κροὺς διὰ τὰ ὑδρεῖα διακοσίων καὶ τετρακοσίων στα-
δίων, ἔστι δ' ὅτε καὶ ἑξακοσίων, νυκτοποροῦντας τὸ
πλέον. πόρρω δὲ τῶν ὑδρείων ἐστρατοπεδεύοντο ἐν 15
τριάκοντα σταδίοις πολλάκις τοῦ μὴ ἐμπορεῖσθαι κατὰ
δίψος· πολλοὶ γὰρ ἐμπίπτοντες σὺν ὅπλοις ἐπινον ὥς
ἂν ὑποβρύχιοι, φυσώμενοι δ' ἐπέπλεον ἐκπεπνευκό-
τες καὶ τὰ ὑδρεῖα βραχέα ὄντα διεφθειρον· οἱ δ' ἐν τῷ
ἡλίῳ κατὰ μέσην τὴν ὁδὸν ἀπηγορευκότες ἔκειντο ὑπὸ 20
δίψους· ἔπειτα τρομῶδεις μετὰ παλμοῦ χειρῶν καὶ
σκελῶν ἐθνησκον παραπλησίως ὥς ἂν [ὑπὸ] ῥίγους
καὶ φρίκης ἐχόμενοι. συνέβαινε δέ τισι καὶ ἐκτραπο-
μένοις τὴν ὁδὸν καταδαρθεῖν κρατουμένοις ὑπὸ ὕπνου
καὶ κόπου, ὕστερήσαντες δ' οἱ μὲν ἀπώλοντο πλάνη 25
τῶν ὁδῶν καὶ ὑπὸ ἀπορίας ἀπάντων καὶ καύματος,
οἱ δ' ἐσώθησαν πολλὰ ταλαιπωρήσαντες· πολλὰ δὲ
κατέκλυσε καὶ τῶν σωμάτων καὶ τῶν χρηστηρίων ἐπι-
πιστῶν χειμάρρους νύκτωρ· καὶ τῆς βασιλικῆς δὲ κα-
τασκευῆς ἐξηλείφθη πολλή· καὶ τῶν καθοδηγῶν δὲ 30
κατ' ἄγνοιαν πολὺ εἰς τὴν μεσόγαιαν ἐκτραπομένων
ὥστε μηκέτι ὁρᾶν τὴν θάλατταν, συνεῖς ὁ βασιλεὺς

ἐξαυτῆς ὥρμησε ζητήσων τὴν ἥονα, καὶ ἐπειδὴ εὗρε καὶ ὀρύξας εἶδεν ὕδωρ πότιμον, μεταπέμπεται τὸ στρατόπεδον, καὶ λοιπὸν μέχρι ἡμερῶν ἐπὶ πηλσίον ἦει τῆς ἥονος εὐπορῶν ὕδρεϊας· ἔπειτ' αὐτὸς εἰς τὴν με-
 5 σόγαιαν ἀνεχώρησεν.

Ἦν δέ τι ὅμοιον τῇ δάφνῃ φυτόν, οὗ τὸ γευσάμε- 7
 νον τῶν ὑποζυγίων ἀπέθνησκε μετὰ ἐπιληψίας καὶ
 ἀφροῦ· ἄκανθα δὲ τοὺς καρποὺς ἐπὶ γῆς κεχυμένη,
 καθάπερ οἱ σίκυοι, πλήρης ἦν ὀποῦ· τούτου δὲ ῥανί- 0.723
 10 δες εἰς ὀφθαλμὸν ἐμπεσοῦσαι πᾶν ἀπετύφλουν ζῶον·
 οἷ τε ὥμοι φοίνικες ἐπυγον πολλοὺς. ἦν δὲ κίνδυνος
 καὶ ἀπὸ τῶν ὄψεων· ἐν γὰρ τοῖς θισὶν ἐπεφύκει βο-
 τάνη, ταύτῃ δ' ὑποδεδυκότες ἐλάνθανον τοὺς δὲ πλη-
 γέντας ἀπέκτεινον. ἐν δὲ τοῖς Ὠρίταις τὰ τοξεύματα
 15 χρίεσθαι θανασίμοις φαρμάκοις ἔφασαν, ξύλινα ὄντα
 καὶ πεφυρακτωμένα· τρωθέντα δὲ Πτολεμαίων κινδυ-
 νεύειν· ἐν ὕπνῳ δὲ παραστάντα τινὰ τῷ Ἀλεξάνδρῳ
 δεῖξαι ῥίζαν αὐτόπρεμνον, ἣν κελεῦσαι τρίβοντα ἐπι-
 τιθέναι τῷ τρωθέντι· ἐκ δὲ τοῦ ὕπνου γενόμενον,
 20 μεμνημένον τῆς ὄψεως εὐρεῖν ζητοῦντα τὴν ῥίζαν πολ-
 λὴν πεφυκυῖαν καὶ χρήσασθαι καὶ αὐτὸν καὶ τοὺς ἄλ-
 λους· ἰδόντας δὲ τοὺς βαρβάρους εὐρημένον τὸ ἀλεξήμα
 ὑπηκόους γενέσθαι τῷ βασιλεῖ. εἰκὸς δέ τινα μηνῦσαι
 τῶν εἰδότων, τὸ δὲ μυθῶδες προστετέθη κολακείας
 25 χάριν. ἐλθὼν δ' εἰς τὸ βασίλειον τῶν Γεδρωσίων ἐξη-
 κοστατοῦς ἀπὸ Ὠρῶν, διαναπαύσας τὰ πλήθη μικρόν,
 ἀπῆρεν εἰς τὴν Καρμανίαν.

Τὸ μὲν δὴ νότιον τῆς Ἀριανῆς πλευρὸν τοιαύτην 8
 τινὰ ἔχει τὴν τῆς παραλίας διάθεσιν καὶ τῆς ὑπερκαι-
 30 μένης πηλσίον γῆς τῆς τῶν Γεδρωσίων καὶ Ὠριτῶν.
 πολλή δ' ἐστὶ καὶ εἰς τὴν μεσόγαιαν ἀνέχουσα καὶ ἡ
 Γεδρωσία μέχρι τοῦ συνάψαι Ἀράγγαις τε καὶ Ἀραχω-

τοῖς καὶ Παροπαμισάδαις, περὶ ὧν Ἐρατοσθένης οὕτως εἶρηκεν· οὐ γὰρ ἔχομέν τι λέγειν βέλτιον περὶ αὐτῶν. ὀφείσθαι μὲν γὰρ φησι τὴν Ἀριανὴν ἐκ μὲν τῶν πρὸς ἑω τῷ Ἰνδῷ, πρὸς νότον δὲ τῇ μεγάλῃ θαλάττῃ, πρὸς ἄρκιον δὲ τῷ Παροπαμισῷ καὶ τοῖς ἐξῆς ὄρεσι· μέχρι 5 Κασπίων πυλῶν, τὰ δὲ πρὸς ἐσπέραν τοῖς αὐτοῖς ὄροις οἷς ἡ μὲν Παρθυηνὴ πρὸς Μηδίαν ἡ δὲ Καρμανία πρὸς τὴν Παρατακηνὴν καὶ Περσίδα διώρισται· πλάτος δὲ τῆς χώρας τὸ τοῦ Ἰνδοῦ μῆκος τὸ ἀπὸ τοῦ Παροπαμισοῦ μέχρι τῶν ἐκβολῶν μυριοὶ καὶ δισχίλιοι 10 σταδίοι (οἱ δὲ τρισχίλιους φασί)· μῆκος δὲ ἀπὸ Κασπίων πυλῶν, ὡς ἐν τοῖς Ἀσιατικοῖς σταθμοῖς ἀναγέγραπται, διττόν· μέχρι μὲν Ἀλεξανδρείας τῆς ἐν Ἀρίοις ἀπὸ Κασπίων πυλῶν διὰ τῆς Παρθυαίας μία καὶ ἡ αὕτη ὁδός· εἰθ' ἡ μὲν ἐπ' εὐθείας διὰ τῆς Βακτριανῆς 15 καὶ τῆς ὑπερβάσεως τοῦ ὄρους εἰς Ὀρτόσπανα ἐπὶ τὴν ἐκ Βάκτρων τρίοδον ἣτις ἐστὶν ἐν τοῖς Παροπαμισάδαις· ἡ δ' ἐκτρέπεται μικρὸν ἀπὸ τῆς Ἀρίας πρὸς νότον εἰς Προφθασίαν τῆς Δραγγιανῆς· εἰτα πάλιν ἡ λοιπὴ μέχρι τῶν ὄρων τῆς Ἰνδικῆς καὶ τοῦ Ἰνδοῦ· ὥστε 20 μακροτέρα ἐστὶν αὕτη ἡ διὰ τῶν Δραγγῶν καὶ Ἀραχωτῶν, σταδίων μυρίων πεντακισχιλίων τριακοσίων ἢ 0.724 πᾶσα· εἰ δὴ τις ἀφέλοι τοὺς χίλιους τριακοσίους, ἔχοι ἂν τὸ λοιπὸν τὸ ἐπ' εὐθείας μῆκος τῆς χώρας, μυρίων καὶ τετρακισχιλίων· οὐ πολὺ γὰρ ἔλαττον [τὸ] τῆς πα- 25 ραλίας, καὶ παραυξασί τινες αὐτὸ πρὸς τοῖς μυρίοις τὴν Καρμανίαν ἑξακισχιλίων τιθέντες· ἡ γὰρ σὺν τοῖς κόλποις φανοῦνται τιθέντες ἢ σὺν τῇ ἐντὸς τοῦ Περσικοῦ κόλπου παραλίᾳ τῇ Καρμανικῇ· ἐπεκτείνεται δὲ τοῦνομα τῆς Ἀριανῆς μέχρι μέρους τινὸς καὶ Περσῶν 30 καὶ Μήδων καὶ ἐν τῶν πρὸς ἄρκιον Βακτρίων καὶ Σογδιανῶν· εἰσὶ γὰρ πῶς καὶ ὁμόγλωττοι παρὰ μικρόν.

Ἡ δὲ τάξις τῶν ἐθνῶν τοιαύτη· παρὰ μὲν τὸν Ἰν- 9
δὸν οἱ Παροπαμισάδαι, ὧν ὑπέρκειται ὁ Παροπαμισὸς
ὄρος, εἴτ' Ἀραχωτοὶ πρὸς νότον, εἴτ' ἐφεξῆς πρὸς νότον
Γεδρωσηνοὶ σὺν τοῖς ἄλλοις τοῖς τὴν παραλίαν ἔχου-
6 σιν· ἅπασιν δὲ παρὰ τὰ πλάτη τῶν χωρίων παράκειται
ὁ Ἰνδός. * τούτων δ' ἐκ μέρους τῶν παρὰ τὸν Ἰνδὸν
ἔχουσί τινα Ἰνδοὶ πρότερον ὄντα Περσῶν, ἃ ἀφείλετο
μὲν ὁ Ἀλέξανδρος τῶν Ἀριανῶν καὶ κατοικίας ἰδίας
συνεστήσατο, ἔδωκε δὲ Σέλευκος ὁ Νικάτωρ Σανδρο-
10 κόττω, συνθέμενος ἐπιγαμίαν καὶ ἀντιλαβὼν ἐλέφαν-
τας πεντακοσίους. τοῖς Παροπαμισάδαις δὲ παράκειν-
ται πρὸς τὴν ἐσπέραν Ἀριοὶ, τοῖς δὲ Ἀραχωτοῖς Δράγ-
γαι καὶ τοῖς Γεδρωσίοις· οἱ δ' Ἀριοὶ τοῖς Δράγγαις ἅμα
καὶ πρὸς ἄρκτον παράκεινται καὶ πρὸς ἐσπέραν, ἐγκυ-
15 κλούμενοι μικρὰ πῶς· ἡ δὲ Βακτριανὴ τῇ τε Ἀρίᾳ πρὸς
ἄρκτον παράκειται καὶ τοῖς Παροπαμισάδαις, δι' ὧν περ
Ἀλέξανδρος ὑπερέβαλε τὸν Καύκασον ἐλαύνων τὴν
ἐπὶ Βάκτρων· πρὸς ἐσπέραν δὲ ἐφεξῆς εἰσι τοῖς Ἀρίοις
Παρθυαῖοι καὶ τὰ περὶ τὰς Κασπίους πύλας· πρὸς νό-
20 τον δὲ τούτοις ἡ ἐρημος τῆς Καρμανίας, εἰθ' ἡ λοιπὴ
Καρμανία καὶ Γεδρωσία.

Γνοίη δ' ἂν τις τὰ περὶ τὴν λεχθεῖσαν ὄρεινὴν ἐτι 10
μᾶλλον προσιστορήσας τὴν ὁδὸν ἣ ἐχρήσατο διώκων
τοὺς περὶ Βησσὸν ὡς ἐπὶ Βάκτρων Ἀλέξανδρος ἐκ τῆς
25 Παρθυηνῆς· εἰς γὰρ τὴν Ἀρίαν ἦκεν, εἴτ' εἰς Δράγ-
γας, ὅπου Φιλώταν ἀνείλε τὸν Παρμενίωνος υἱὸν φω-
ράσας ἐπιβουλήν· ἐπεμψε δὲ καὶ εἰς Ἐκβάτανα τοὺς
καὶ τὸν πατέρα αὐτοῦ ἀνελοῦντας ὡς κοινωνὸν τῆς
ἐπιβουλῆς· φασὶ δ' αὐτοὺς ἐπὶ δρομάδων καμῆλων
30 ὁδὸν ἡμερῶν τριάκοντα ἢ καὶ τετταράκοντα ἐνδεκα-
ταίους διανύσαι καὶ τελευτῆσαι τὴν προᾶξιν. οἱ δὲ
Δράγγαι περσιζόντες τᾶλλα κατὰ τὸν βίον οἴνου σπα-

νίζουσι, γίνεται δὲ παρ' αὐτοῖς καττίτερος. εἰτ' ἐκ
Δραγγῶν ἐπὶ τε τοὺς *Εὐεργέτας* ἦκεν, οὓς ὁ *Κῦρος*
 οὕτως ὠνόμασε, καὶ τοὺς *Ἀραχωτούς*, εἰτα διὰ τῶν
 C.725 *Παροπαμισαδῶν* ὑπὸ πλειάδος δύσιν· ἐστὶ δ' ὄρεινῇ
 καὶ κεχιονοβόλητο τότε ὥστε χαλεπῶς ὠδεύετο· πυκναὶ δ'
 μέντοι κῶμαι δεχόμεναι πάντων εὐποροὶ πλὴν ἐλαίου
 παρεμυθούντο τὰς δυσκολίας· εἶχόν τε ἐν ἀριστερᾷ
 τὰς ἀκρωρείας. ἐστὶ δὲ τὰ μεσημβρινὰ μὲν τοῦ ὄρους
 τοῦ *Παροπαμισοῦ* *Ἰνδικά* τε καὶ *Ἀριανά*· τὰ δὲ προσ-
 ἀρκτια τὰ μὲν πρὸς ἐσπέραν *Βάκτρια* τοῖς *Βακ-*
 10 *τρίοις* βαρβάρων. διαχειμάσας δ' αὐτόθι ὑπερδέξιον
 ἔχων τὴν *Ἰνδικήν* καὶ πόλιν κτίσας ὑπερήκρισεν εἰς
 τὴν *Βακτριανήν* διὰ ψιλῶν ὁδῶν πλὴν τερμίνθου θα-
 μνώδους ὀλγῆς, ἀπορούμενος καὶ τροφῆς ὥστε ταῖς
 τῶν κτηνῶν σαρκὶ χρῆσθαι, καὶ ταύταις ὥμαῖς διὰ τὴν 15
 ἀξυλίαν· πρὸς δὲ τὴν ὠμοσιτίαν πεπτικὸν ἦν αὐτοῖς
 τὸ σίλφιον πολὺ πεφυκός. πεντεκαίδεκαταῖος δὲ ἀπὸ
 τῆς κτισθείσης πόλεως καὶ τῶν χειμαδίων ἦκεν εἰς
 Ἀδραφα, πόλιν τῆς *Βακτριανῆς*.

- 11 Περὶ ταῦτα δὲ πού τὰ μέρη τῆς ὁμόρου τῇ *Ἰνδικῇ* 20
 καὶ τὴν *Χααρηνὴν* εἶναι συμβαίνει· ἐστὶ δὲ τῶν ὑπὸ
 τοῖς *Παρθναίοις* αὕτη προσεχεσιτάτη τῇ *Ἰνδικῇ*· διέχει
 δὲ τῆς **Ἀριανῆς* δι' *Ἀραχωτῶν* καὶ τῆς λεχθείσης ὄρει-
 νῆς σταδίους μυρίου * ἑνακισχιλίου. ταύτην δὲ τὴν
 χώραν διεξιὼν *Κρατερός* καταστρεφόμενος ἅμα τοὺς 25
 ἀπειθούντας ἦμιν συμμῆξαι τὴν ταχίστην σπεύδων τῷ
Βασιλεῖ· καὶ δὴ περὶ τοὺς αὐτοὺς χρόνους σχεδόν τι
 συνέδραμον εἰς τὴν *Καρχμανίαν* αἱ πεζαὶ δυνάμεις ἀμ-
 φότεραι· καὶ μικρὸν ὕστερον οἱ περὶ *Νέαρχον* εἰσέπλεον
 εἰς τὸν *Περσικὸν* κόλπον, πολλὰ ταλαιπωρήσαντες διὰ 30
 τὴν ἄλλην καὶ τὴν ταλαιπωρίαν καὶ τὰ μεγέθη τῶν
 κητῶν.

Εἰκὸς μὲν οὖν πρὸς ὑπερβολὴν ἡδολεσχηκέναι 12
πολλὰ τοὺς πλεύσαντας, ὅμως δ' οὖν εἰρήκασι παρα-
δηλοῦντες ἅμα καὶ τὸ παραστὰν αὐτοῖς πάθος, διότι
προσδοκία μᾶλλον ἢ κίνδυνος ὑπῆρχε τοῖς ἀληθέσι. τὸ
5 δὲ μάλιστα ταραττον φουσητήρων μεγέθη ῥοῦν ἀπερ-
γαζομένων μέγαν ἀθρόον καὶ ἀχλὺν ἐκ τῶν ἀναφυση-
μάτων, ὥστε τὰ πρὸ ποδῶν μέρη μὴ ὁρᾶσθαι· ἐπεὶ δ'
οἱ καθηγυμένοι τοῦ πλοῦ, δεδιότων ταῦτα τῶν ἀνθρώ-
πων τὴν δ' αἰτίαν οὐχ ὁρῶντων, ἐμήνυσαν ὅτι θηρία
10 εἴη, τάχα δ' ἀπαλλάττοιο σάλπιγγος ἀκούσαντα καὶ
κρότου, ἐκ τούτου Νέαρχος ταῖς ναυσὶν ἐπῆγε μὲν τὸ
ῥόθιον καθ' ἅπερ ἐκώλυον, καὶ ἅμα ταῖς σάλπιγγιν
ἐφόβει, τὰ δὲ θηρία ἔδυνεν· εἰτ' ἀνεφαίνετο κατὰ
πρύμναν ὥστε ναυμαχίας ἀγωνίαν παρεῖχεν, ἀλλ' αὐ-
15 τίκα ἀφίστατο.

Λέγουσι μὲν οὖν καὶ οἱ νῦν πλείοντες εἰς Ἴνδους 13
μεγέθη θηρίων καὶ ἐπιφανείας, ἀλλ' οὔτε ἀθρόων οὔτ'
ἐπιφερομένων πολλάκις, ἀλλ' ἀποσοβηθέντα τῇ κραυγῇ
καὶ τῇ σάλπιγγι ἀπαλλάττεσθαι. φασὶ δ' αὐτὰ μὲν μὴ C.726
20 πλησιάζειν τῇ γῇ, τὰ δ' ὅσα διαλυθέντων ψιλωθέντα
ἐκκυμαίνεσθαι ῥαδίως καὶ χορηγεῖν τὴν λεχθεῖσαν
ὑλὴν τοῖς Ἰχθυοφάγοις περὶ τὰς καλυβοποιίας. μέγε-
θος δὲ τῶν κητῶν φησιν ὁ Νέαρχος τριῶν καὶ εἰκοσιν
ὀργυιῶν. πιστευθὲν τι δὲ ἱκανῶς ὑπὸ τῶν ἐν τῷ στόλῳ
25 φησὶν ὁ Νέαρχος ἐξελέγξαι ψεῦδος ὄν, ὥς εἴη τις ἐν τῷ
πόρῳ νῆσος ἢ ἀφανίζοι τοὺς προσορμισθέντας· κέρ-
κουρον γάρ τινα πλείοντα, ἐπειδὴ κατὰ τὴν νῆσον ταύ-
την ἐγεγόνει, μηκέτι ὁραθῆναι· πεμφθέντας δὲ τινὰς
ἐπὶ τὴν ζήτησιν ἐκβῆναι μὲν μὴ θαρρεῖν εἰς τὴν νῆσον,
30 * ἐκπλέοντας δ' ἀνακαλεῖν κραυγῇ τοὺς ἀνθρώπους,
μηδεὶν δ' ὑπακούοντος ἐπανελθεῖν. ἀπάντων δ' αἰ-
τιωμένων τὴν νῆσον αὐτὸς ἔφη πλεῦσαι καὶ προσορ-

μισθὸς ἐκβῆναι μετὰ μέρους τῶν συμπλευσάντων καὶ περιελθεῖν τὴν νῆσον· ὥς δ' οὐδὲν εὗρισκεν ἔχνος τῶν ζητουμένων, ἀπογνόντα ἐπανελθεῖν καὶ διδάξαι τοὺς ἀνθρώπους ὥς ἡ μὲν νῆσος ψευδῇ τὴν αἰτίαν ἔχοι (καὶ γὰρ αὐτῷ καὶ τοῖς συνεκβάσιν ὁ αὐτὸς ὑπάρ- 5 ξαι [ἂν] φθόρος), ἄλλος δὲ τις τῷ κερκούρῳ τρόπος τοῦ ἀφανισμοῦ συμβαίη, μυρίων ὄντων δυνατῶν.

- 14 Ἡ δὲ Καρμανία τελευταία μὲν ἐστὶ τῆς ἀπὸ τοῦ Ἰνδοῦ παραλίας, ἀρκτικωτέρα δ' ἐστὶ πολὺ τῆς τοῦ Ἰνδοῦ ἐκβολῆς· τὸ μέντοι πρῶτον αὐτῆς ἄκρον ἔκκειται 10 πρὸς νότον εἰς τὴν μεγάλην θάλατταν, ποιήσασα δὲ τὸ στόμα τοῦ Περσικοῦ κόλπου πρὸς τὴν ἀπὸ τῆς εὐδαίμονος Ἀραβίας ἄκραν ἐν ἀπόψει οὖσαν, κάμπτεται πρὸς τὸν Περσικὸν κόλπον ἕως ἂν συνάψῃ τῇ Περσίδι· πολλὴ δὲ καὶ τῇ μεσογαίᾳ ἐστὶν ἐκτεινόμενη 15 μεταξὺ τῆς Γεδρωσίας καὶ τῆς Περσίδος, παραλλάτουσα πλεον τῆς Γεδρωσίας πρὸς τὴν ἄρκτον. ὅλοϊ δ' ἡ εὐκαρπία· καὶ γὰρ πάμφορος καὶ μεγαλόδενδρος πλὴν ἐλαίας καὶ ποταμοῖς κατάρρυντος. ἡ δὲ Γεδρωσία διαφέρει μικρὸν τῆς τῶν Ἰχθυοφάγων, ὥστ' ἀκαρπία 20 κατέχει πολλάκις· διὸ φυλάττουσι τὸν ἐνιαύσιον καρπὸν εἰς ἔτη πλείω ταμιευόμενοι. Ὀνησίκριτος δὲ λέγει ποταμὸν ἐν τῇ Καρμανίᾳ καταφέροντα ψήγματα χρυσοῦ· καὶ ὄρυκτοῦ δὲ εἶναι μέταλλον καὶ ἀργύρου καὶ χαλκοῦ καὶ μίλτου· ὅρη τε εἶναι δύο τὸ μὲν ἀρσενικοῦ 25 τὸ δὲ ἀλός. ἔχει δὲ τινα καὶ ἔρημον συνάπτουσιν ἡδὴ τῇ Παρθυαίᾳ καὶ τῇ Παραιτακηνῇ. γεωργία δ' ἔχει παραπλήσια τοῖς Περσικοῖς τά τε ἄλλα καὶ ἄμπελον· ταύτης δ' ἡ Καρμανία λεγομένη παρ' ἡμῖν καὶ δίκηχυν ἔχει πολλάκις τὸν βότρυν πυκνορρῶγά τε ὄντα καὶ με- 30
- C.727 γαλορρῶγα, ἣν εἰκὸς ἐκεῖ εὐεργιστέραν εἶναι. χρῶνται δ' ὄνοις οἱ πολλοὶ καὶ πρὸς πόλεμον σπάνει τῶν ἵππων·

ὄνον τε θύουσι τῷ Ἄρει, ὅνπερ σέβονται θεῶν μόνον,
καὶ ἱεὶ πολέμισται· γαμῆ δ' οὐδείς πρὶν ἂν πολέμιον
κεφαλὴν ἀποτεμὼν ἀνενέγκῃ ἐπὶ τὸν βασιλεῖα· ὁ δὲ τὸ
κρανίον μὲν ἐπὶ τῶν βασιλείων ἀνατίθῃσι, τὴν δὲ
5 γλῶτταν λεπτοτομήσας [καὶ] καταμιξας ἀλεύρω γευσά-
μενος αὐτὸς δίδωσι τῷ ἀνενέγκαντι καὶ τοῖς οἰκείοις
κατασιτήσασθαι· ἐνδοξότατος δ' ἐστὶν ὃ πλείστα κε-
φαλαὶ ἀννήχθησαν. Νέαρχος δὲ τὰ πλείστα ἔθῃ καὶ
τὴν διάλεκτον τῶν Καρμανιτῶν Περσικά τε καὶ Μη-
10 δικὰ εἰρηκε. τὸ δὲ στόμα τοῦ Περσικοῦ κόλπου [οὔ]
μείζον διαρματος ἡμερησίου.

Μετὰ δὲ Καρμανίαν ἡ Περσίς ἐστι, πολλὴ μὲν ἐν 3
τῇ παραλίᾳ τοῦ ἀπ' αὐτῆς ὀνομαζομένου κόλπου, πολὺ
δὲ μείζων ἐν τῇ μεσογαίᾳ, καὶ μάλιστα ἐπὶ μῆκος τὸ ἀπὸ
15 τοῦ νότου καὶ τῆς Καρμανίας ἐπὶ τὰς ἄρκτους καὶ τὰ
περὶ Μηδίαν ἔθνη. τριττὴ δ' ἐστὶ καὶ τῇ φύσει καὶ τῇ
τῶν ἀέρων κράσει. ἡ μὲν γὰρ παραλία καυματηρά τε
καὶ ἀμμώδης καὶ σπανιστὴ καρποῖς ἐστὶ πλὴν φοινί-
κων, ὅσον ἐν τετρακισχιλίοις καὶ τετρακοσίοις ἢ τρια-
20 κοσίοις ἐξεταζομένη σταδίοις, καταστρέφουσα εἰς πο-
ταμὸν μέγιστον τῶν ταύτῃ καλούμενον Ὀρόατιν· ἡ δ'
ὑπὲρ ταύτης ἐστὶ πάμφορος καὶ πεδινὴ καὶ θρεμμάτων
ἀρίστη τροφός, ποταμοῖς τε καὶ λίμναις πληθύνει. τρίτη
δ' ἐστὶν ἡ πρὸς βορρᾶν χειμέριος καὶ ὄρεινῇ· πρὸς δὲ
25 ταῖς ἐσχατιαῖς εἰσὶν οἱ καμηλοβοσκοί. μῆκος μὲν οὖν
ἐστὶ κατ' Ἐρατοσθένει τὸ ἐπὶ τὰς ἄρκτους καὶ * τὰς
Κασπίους πύλας περὶ ὀκτακισχιλίων κατὰ τινὰς
προπιπτούσας ἄκρας. λοιπὴ δ' ἐστὶν ἐπὶ Κασπίους πύ-
λας οὐ πλείον ἢ τῶν τρισχιλίων. πλάτος δὲ τὸ ἐν τῇ
30 μεσογαίᾳ τὸ ἀπὸ Σούσων εἰς Περσέπολιν στάδιοι τε-
τρακισχιλιοὶ διακόσιοι, κἀντεῦθεν ἐπὶ τοὺς τῆς Καρ-
μανίας ὄρους ἄλλοι χίλιοι ἑξακόσιοι. φύλα δὲ οἰκεῖ τὴν

χώραν οἱ τε Πατεισχορεῖς λεγόμενοι καὶ οἱ Ἀχαιμενίδαι καὶ [οἱ] Μάγοι· οὗτοι μὲν οὖν σεμνοῦ τινός εἰσι βίου ζηλωταί, Κύρτιοι δὲ καὶ Μάρδοι ληστροικοί, ἄλλοι δὲ γεωργικοί.

2 Σχεδὸν δέ τι καὶ ἡ Σουσίς μέρος γεγένηται τῆς 5

Περσίδος μεταξὺ αὐτῆς κειμένη καὶ τῆς Βαβυλωνίας, ἔχουσα πόλιν ἀξιολογωτάτην τὰ Σοῦσα. οἱ γὰρ Πέρσαι κρατήσαντες Μήδων καὶ ὁ Κύρος, ὁρῶντες τὴν μὲν οἰκίαν γῆν ἐπ' ἐσχάτοις που ταπτομένην, τὴν δὲ Σουσίδα ἐνδοτέρω καὶ πλησιαιτέραν τῇ Βαβυλωνίᾳ καὶ τοῖς 10 ἄλλοις ἔθνεσιν, ἐνταῦθα ἔθεντο τὸ τῆς ἡγεμονίας βασιλείον· ἅμα καὶ τὸ ὅμορον τῆς χώρας ἀποδεξάμενοι

0.728 καὶ τὸ ἀξίωμα τῆς πόλεως καὶ * κρεῖττον τὸ μηδέποτε καθ' ἑαυτὴν τὴν Σουσίδα πραγμάτων μεγάλων ἐπήβολον γεγονέναι, ἀλλ' αἰεὶ ὑφ' ἑτέροις ὑπάρξαι καὶ ἐν 15 μέρει τετάχθαι συστήματος μείζονος, πλὴν εἰ ἄρα τὸ παλαιὸν τὸ κατὰ τοὺς ἥρωας. λέγεται γὰρ δη κτίσμα Τιθωνοῦ τοῦ Μέμνονος πατρός, κύκλον ἔχουσα ἑκατὸν καὶ εἴκοσι σταδίων, παραμῆκης τῷ σχήματι· ἡ δ' ἀκρόπολις ἑκαλεῖτο Μειμνόνιον· λέγονται δὲ καὶ Κίσσιοι οἱ 20 Σούσιοι· φησὶ δὲ καὶ Αἰσχύλος τὴν μητέρα Μέμνονος Κισσίαν. ταφῆναι δὲ λέγεται Μέμνων περὶ Πάλτον τῆς Συρίας παρὰ Βαδᾶν ποταμόν, ὡς εἶρηκε Σιμωνίδης ἐν Μέμνονι διθυράμβῳ τῶν Ἀηλιακῶν. τὸ δὲ τεῖχος ὠκοδόμητο τῆς πόλεως καὶ ἱερὰ καὶ βασιλεία παραπλησίως 25 ὥσπερ τὰ τῶν Βαβυλωνίων ἐξ ὁπτιῆς πλίνθου καὶ ἀσφάλτου, καθάπερ εἰρήκασί τινες· Πολύκλειτος δὲ διακοσίων φησὶ τὸν κύκλον καὶ ἀτείχιστον.

3 Κοσμήσαντες δὲ τὰ ἐν Σούσοις βασίλεια μάλιστα τῶν ἄλλων οὐδὲν ἦττον καὶ τὰ ἐν Περσεπόλει καὶ τὰ 30 ἐν Πασαργάδαις ἐξετίμησαν· καὶ ἡ γε γάζα καὶ οἱ θησαυροὶ καὶ τὰ μνήματα ἐνταῦθα ἦν τοῖς Πέρσαις, ὡς

ἐν τόποις ἐρυμνοτέροις καὶ ἅμα προγονικοῖς. ἦν δὲ καὶ ἄλλα βασιλεία τὰ ἐν Γάβαις ἐν τοῖς ἀνωτέρω που μέρει τῆς Περσίδος καὶ τὰ ἐν τῇ παραλίᾳ τὰ κατὰ τὴν Ταόκην λεγομένην· ταῦτα μὲν τὰ κατὰ τὴν τῶν Περσῶν ἀρχήν, οἱ δ' ὕστερον ἄλλοις καὶ ἄλλοις ἐχρήσαντο, ὥς εἰκός, εὐτελεστέροις τισίν, ἅτε καὶ τῆς Περσίδος ἡλατωμένης ὑπὸ τε τῶν Μακεδόνων καὶ ἔτι μᾶλλον ὑπὸ τῶν Παρθυαίων. καὶ γὰρ εἰ βασιλεύονται μέχρι νῦν ἰδιον βασιλεία ἔχοντες οἱ Πέρσαι, τῇ γε δυνάμει πλεί-
 10 στον ἀπολείπονται καὶ τῷ Παρθυαίων προσέχουσι βασιλεῖ.

Τὰ μὲν οὖν Σοῦσα ἐν μεσογαίῳς κεῖται ἐπὶ τῷ 4
 Χοάσπῃ ποταμῷ περαιτέρω κατὰ τὸ ξεῦγμα, ἡ δὲ χώρα μέχρι τῆς θαλάττης καθήκει· καὶ ἔστιν αὐτῆς ἡ παρα-
 16 λία μέχρι τῶν ἐκβολῶν σχεδόν τι τοῦ Τύγριος ἀπὸ τῶν ὄρων τῆς Περσικῆς παραλίας σταδίων ὥς τρισχιλίων. ῥεῖ δὲ διὰ τῆς χώρας ὁ Χοάσπης εἰς τὴν αὐτὴν τελευτῶν παραλίαν, ἀπὸ τῶν Οὐξίων τὰς ἀρχὰς ἔχων. παρεμπίπτει γάρ τις ὄρεινὴ τραχεῖα καὶ ἀπότομος μεταξὺ τῶν
 20 Σουσίων καὶ τῆς Περσίδος, στενὰ ἔχουσα δυσπάροδοι καὶ ἀνθρώπους ληστάς, οἳ μισθοὺς ἐπράττοντο καὶ αὐτοὺς τοὺς βασιλέας κατὰ τὴν ἐκ Σούσων εἰς Πέρσας εἰσβολήν. φησὶ δὲ Πολύκλειτος εἰς λίμνην τινὰ συμβάλλειν τὸν τε Χοάσπην καὶ τὸν Εὐλαιοι καὶ ἔτι τὸν
 25 Τύγριν, εἴτ' ἐκεῖθεν εἰς τὴν θάλατταν ἐκδιδόναι· πρὸς δὲ τῇ λίμνῃ καὶ ἐμπόριον εἶναι, τῶν ποταμῶν μὲν οὐ δεχομένων τὰ ἐκ τῆς θαλάττης, οὐδὲ καταπεμπόντων C.729
 διὰ τοὺς καταράκτας ἐπίτηδες γενομένους, περὶ δ' ἐμπορευομένων· ὀκτακοσίους γὰρ εἶναι σταδίους εἰς
 30 Σοῦσα * λέγουσιν ἄλλοι· ἄλλοι δὲ φασὶ τοὺς διὰ Σούσων ποταμοὺς εἰς ἓν ῥεῦμα τὸ τοῦ Τύγριος συμπίπτειν κατὰ τὰς μεταξὺ διώρυγας τοῦ Εὐφράτου·

διὰ δὲ τοῦτο κατὰ τὰς ἐκβολὰς ὀνομάζεσθαι Πασί-
τιγριν.

- 5 Νέαρχος δὲ τὸν παράπλουν τῆς Σουσίδος τενα-
γώδη φήσας πέρας αὐτοῦ λέγει τὸν Εὐφράτην ποτα-
μόν· πρὸς δὲ τῷ στόματι κώμην οἰκεῖσθαι τὴν ὑποδε- 5
χομένην τὰ ἐκ τῆς Ἀραβίας φορτία· συνάπτειν γὰρ
ἐφεξῆς τὴν τῶν Ἀράβων παραλίαν τῷ στόματι τοῦ
Εὐφράτου καὶ τοῦ Πασιτίγριος, τὸ δὲ μεταξὺ πᾶν ἐπέ-
χειν λίμνην τὴν ὑποδεχομένην τὸν Τίγριν. ἀναπλεύ-
σαντι δὲ τῷ Πασιτίγρει σταδίους πεντήκοντα καὶ ἑκα- 10
τὸν τὴν σχεδίαν εἶναι τὴν ἄγουσαν ἐπὶ Σούσων ἐκ τῆς
Περσίδος, ἀπέχουσαν Σούσων σταδίους * ἐξήκοντα·
τὸν δὲ Πασίτιγριν ἀπὸ τοῦ Ὀροάτιδος διέχειν περὶ
δισχιλίους σταδίους· διὰ δὲ τῆς λίμνης ἐπὶ τὸ στόμα 15
τοῦ Τίγριος τὸν ἀνάπλουν εἶναι σταδίων ἑξακοσίων· 15
πλησίον δὲ τοῦ στόματος κώμην οἰκεῖσθαι * τὴν Σου-
σιαντὴν διέχουσαν τῶν Σούσων σταδίους πεντακο-
σίους· ἀπὸ δὲ τοῦ στόματος τοῦ Εὐφράτου καὶ μέχρι
Βαβυλῶνος τὸν ἀνάπλουν εἶναι διὰ γῆς οἰκουμένης
καλῶς σταδίων πλειόνων ἢ τρισχιλίων. Ὀνησίκριτος 20
δὲ πάντας φησὶν ἐκβάλλειν εἰς τὴν λίμνην τὸν τε Εὐ-
φράτην καὶ τὸν Τίγριν, ἐκπεσόντα δὲ πάλιν τὸν Εὐ-
φράτην ἐκ τῆς λίμνης ἰδίῳ στόματι πρὸς τὴν θάλατταν
συνάπτειν.

- 6 Ἔστι δὲ καὶ ἄλλα πλείω στενὰ διεκβάλλοντι τὰ ἐν 25
τοῖς Οὐξίοις κατ' αὐτὴν τὴν Περσίδα, ἃ καὶ αὐτὰ βία
διήλθεν Ἀλέξανδρος, κατὰ τε τὰς Περσικὰς πύλας καὶ
κατ' ἄλλους τόπους διεξιὼν τὴν χώραν, καὶ κατοπτεῦ-
σαι σπεύδων τὰ κυριώτατα μέρη καὶ τὰ γαζοφυλάκια,
ἃ τοσοῦτοις χρόνοις ἐξεπεπλήρωτο, οἷς ἰδασμολόγησαν 30
Πέρσαι τὴν Ἀσίαν· ποταμοὺς δὲ διέβη πλείους τοὺς
διαρρέοντας τὴν χώραν καὶ καταφερομένους εἰς τὸν

Περσικὸν κόλπον. μετὰ γὰρ τὸν Χοάσπην ὁ Κοπράτας
 ἐστὶ καὶ ὁ Πασίτιγρις, ὃς ἐκ τῆς Οὐξίας καὶ αὐτὸς ῥεῖ·
 ἐστὶ δὲ καὶ Κῦρος ποταμὸς διὰ τῆς κοίτης καλουμένης
 Περσίδος ῥέων περὶ Πασαργάδας, οὗ μετέλαβε τὸ ὄνο-
 5 μα βασιλεὺς ἀντὶ Ἀγραδάτου μετονομασθεὶς Κῦρος.
 πρὸς αὐτῇ δὲ τῇ Περσεπόλει τὸν Ἀράξην διέβη· ἦν δὲ
 ἡ Περσέπολις μετὰ Σοῦσα κάλλιστα κατεσκευασμένη
 μεγίστη πόλις, ἔχουσα βασιλεία ἐκπρεπῇ, καὶ μάλιστα
 τῇ πολυτελείᾳ τῶν κειμένων. ῥεῖ δ' ὁ Ἀράξης ἐκ τῶν
 10 Παραιτακῶν· συμβάλλει δ' εἰς αὐτὸν ὁ Μῆδος ἐκ Μη-
 δίας ὀρμηθεὶς. φέρονται δὲ δι' αὐλῶνος παμφόρου
 συνάπτοντος τῇ Καρμανίᾳ καὶ τοῖς ἑωθινοῖς μέρεσι
 τῆς χώρας, καθάπερ καὶ αὐτῇ ἡ Περσέπολις. ἐνέπρησε
 δὲ ὁ Ἀλέξανδρος τὰ ἐν Περσεπόλει βασιλεία τιμωρῶν. 730
 15 τοῖς Ἑλλήσιν, ὅτι κἀκείνων ἱερὰ καὶ πόλεις οἱ Πέρσαι
 πυρὶ καὶ σιδήρῳ διεπόρθησαν.

Εἴτ' εἰς Πασαργάδας ἦκε· καὶ τοῦτο δ' ἦν βασί- 7
 λειον ἀρχαῖον. ἐνταῦθα δὲ καὶ τὸν Κύρου τάφον εἶδεν
 ἐν παραδείσῳ, πύργον οὐ μέγαν, τῷ δάσει τῶν δένδρων
 20 ἐναποκεκρυμμένον, κάτω μὲν στερεὸν ἄνω δὲ στέγην
 ἔχοντα καὶ σηκὸν στενὴν τελείως ἔχοντα τὴν εἰσοδον,
 δι' ἧς παρελθεῖν εἰσω φησὶν Ἀριστόβουλος κελεύσαν-
 τος τοῦ βασιλέως καὶ κοσμεῖν τὸν τάφον· ἰδεῖν δὲ
 κλίνην τε χρυσοῦν καὶ τράπεζαν σὺν ἐκπώμασι καὶ
 25 πύελον χρυσοῦν καὶ ἐσθῆτα πολλὴν κόσμον τε λιθοκόλ-
 λητον· κατὰ μὲν οὖν τὴν πρώτην ἐπιδημίαν ταῦτ'
 ἰδεῖν, ὕστερον δὲ συληθῆναι, καὶ τὰ μὲν ἄλλα ἐκκομι-
 σθῆναι τὴν δὲ κλίνην θραυσθῆναι μόνον καὶ τὴν
 πύελον, μεταθέντων τὸν νεκρὸν, δι' οὗ δῆλον γενέσθαι
 30 διότι προνομευτῶν ἔργον ἦν, οὐχὶ τοῦ σατράπου, κα-
 ταλιπόντων ἃ μὴ δυνατόν ἦν ῥαδίως ἐκκομίσαι· συμ-
 βῆναι δὲ ταῦτα, καίπερ φυλακῆς περικειμένης Μάγων,

σίτισιν λαμβανόντων καθ' ἡμέραν πρόβατον, διὰ μηνὸς δ' ἵππον. ἀλλ' ὁ ἔκτοπισμὸς τῆς Ἀλεξάνδρου στρατιᾶς εἰς Βάκτρα καὶ Ἰνδοὺς πολλά τε ἄλλα νεωτερισθῆναι παρεσκεύασε, καὶ δὴ καὶ τοῦθ' ἐν τῶν νεωτερισθέντων ὑπῆρξεν. οὕτω μὲν οὖν Ἀριστόβουλος εἰρηκε, 5 καὶ τὸ ἐπίγραμμα δὲ ἀπομνημονεύει τοῦτο „ὦ ἄν-
 „θρῳπε, ἐγὼ Κύρος εἰμι, ὁ τὴν ἀρχὴν τοῖς Πέρσας
 „κτησάμενος καὶ τῆς Ἀσίας βασιλεὺς· μὴ οὖν φθονή-
 „σης μοι τοῦ μνήματος.“ Ὀνησίκριτος δὲ τὸν μὲν πύργον δεκάστεγον εἰρηκε· καὶ ἐν μὲν τῇ ἀνωτάτῃ 10
 στέγῃ κεῖσθαι τὸν Κύρον· ἐπίγραμμα δ' εἶναι Ἑλληνι-
 κόν, Περσικοῖς κεχαραγμένον γράμμασιν „ἐνθάδ' ἐγὼ
 „κείμει Κύρος βασιλεὺς βασιλῆων.“ καὶ ἄλλο περσίζον πρὸς τὸν αὐτὸν νοῦν.

- 8 Μέννηται δ' Ὀνησίκριτος καὶ τὸ ἐπὶ τοῦ Λαρείου 15
 τάφῳ γράμμα τόδε „φίλος ἦν τοῖς φίλοις· ἵππεὺς καὶ
 „τοξότης ἄριστος ἐγενόμην· κυνηγῶν ἐκράτουν· πάντα
 „ποιεῖν ἠδυνάμην.“ Ἀριστος δ' ὁ Σαλαμίνιος πολὺ μὲν ἔστι νεώτερος τούτων, λέγει δὲ δίστεγον τὸν πύρ-
 γον καὶ μέγαν, ἐν δὲ τῇ Περσῶν διαδοχῇ ἰδρῦσθαι, 20
 φυλάττεσθαι δὲ τὸν τάφον· ἐπίγραμμα δὲ τὸ λεχθὲν
 Ἑλληνικόν καὶ ἄλλο Περσικόν πρὸς τὸν αὐτὸν νοῦν.
 τοὺς δὲ Πασαργάδας ἐτίμησε Κύρος, ὅτι τὴν ὑστάτην
 μάχην ἐνίκησεν Ἀστυάγην ἐνταῦθα τὸν Μῆδον, καὶ
 τὴν ἀρχὴν τῆς Ἀσίας μετήνεγκεν εἰς ἑαυτὸν καὶ πόλιν 25
 ἔκτισε καὶ βασιλείον κατασκεύασε τῆς νίκης μνημεῖον.

9 Πάντα δὲ τὰ ἐν τῇ Περσίδι χρήματα ἐξεσκεύασατο
 C.731 εἰς τὰ Σοῦσα καὶ αὐτὰ θησαυρῶν καὶ κατασκευῆς
 μιστά· οὐδὲ τοῦθ' ἠγείτο τὸ βασιλείον, ἀλλὰ τὴν Βα-
 βυλῶνα, καὶ διενοεῖτο ταύτην προσκατασκευάζειν· 30
 κἀνταῦθα δ' ἔκειντο θησαυροί. φασὶ δὲ χωρὶς τῶν ἐν
 Βαβυλῶνι καὶ τῶν ἐν τῷ στρατοπέδῳ τῶν παρὰ ταῦτα

μὴ ληφθέντων αὐτὰ τὰ ἐν Σούσοις καὶ τὰ ἐν Περσίδι
τέτταρας μυριάδας ταλάντων ἔξετασθῆναι· τινὲς δὲ
καὶ πέντε λέγουσιν· ἄλλοι δὲ πάντα πάντοθεν συνα-
χθῆναι παραδεδώκασιν εἰς Ἑκβάτανα ὀκτωκαίδεκα
5 μυριάδας ταλάντων· τὰ δὲ Δαρείῳ φυγόντι ἐκ τῆς
Μηδίας συνεκκομισθέντα τάλαντα ὀκτακισχίλια διήρ-
πασαν οἱ δολοφονήσαντες αὐτόν.

Τὴν γοῦν Βαβυλῶνα ὁ Ἀλέξανδρος προέκρινεν 10
ὁρῶν καὶ τῷ μεγέθει πολὺ ὑπερβάλλουσαν καὶ τοῖς
10 ἄλλοις. εὐδαίμων δ' οὐσα ἢ Σουσίς ἐκκυρον τὸν ἀέρα
ἔχει [καὶ] καυματηρὸν καὶ μάλιστα τὸν περὶ τὴν πόλιν,
ὥς φησιν * ἐκεῖνος· τὰς γοῦν σαύρας καὶ τοὺς ὄφεις
θέρους ἀκμάζοντος τοῦ ἡλίου κατὰ μεσημβρίαν δια-
βῆναι μὴ φθάνειν τὰς ὁδοὺς τὰς ἐν τῇ πόλει, ἀλλ' ἐν
15 μέσαις περιφλέγεσθαι, ὅπερ τῆς Περσίδος μηδαμοῦ
συμβαίνειν καίπερ νοτιωτέρας οὐσῆς· λουτρὰ δὲ ψυχρὰ
προτεθέντα ἐκθερμαίνεσθαι παραχρηῖμα, τὰς δὲ κριθὰς
διασπαρείσας εἰς τὸν ἥλιον ἄλλεσθαι καθάπερ ἐν τοῖς
ἵπνοις τὰς κάχρους· διὸ καὶ ταῖς στέγαις ἐπὶ δύο πῆχεις
20 γῆν ἐπιτίθεσθαι, ὑπὸ δὲ τοῦ βάρους ἀναγκάζεσθαι
στενοὺς μὲν μακροὺς δὲ ποιεῖσθαι τοὺς οἴκους, ἀπο-
ρουμένους μακρῶν μὲν δοκῶν δεομένους δὲ μεγάλων
οἰκῶν διὰ τὸ πνῆγος. ἴδιον δέ τι πάσχειν τὴν φοινικί-
νην δοκόν· στερεὰν γὰρ οὐσαν, παλαιουμένην οὐκ εἰς
25 τὸ κάτω τὴν ἐνδοσιν λαμβάνειν, ἀλλ' εἰς τὸ ἄνω μέρος
κυρτουσθαι τῷ βάρει καὶ βέλτιον ἀνέχειν τὴν ὀροφήν.
αἷτιον δὲ τῶν καυμάτων λέγεται τὸ ὑπερκεῖσθαι πρὸς
ἄρκτον ὄρη ὑψηλὰ τὰ προεκδεχόμενα ἅπαντας τοὺς
βορείους ἀνέμους· ὑπερπετεῖς δὲ πνέοντες ἀπὸ τῶν
30 ἀκρωτηρίων μετέωροί τε τῶν πεδίων οὐ προσάπτονται,
ἀλλὰ παρελαύνουσιν εἰς τὰ νοτιώτερα τῆς Σουσίδος·
αὕτη δὲ νηνεμία κατέχεται, καὶ μάλιστα τότε ἡνίκα

ἐτησίαι τὴν ἄλλην γῆν καταψύχουσιν ἐκκαομένην ὑπὸ τῶν καυμάτων.

- 11 Πολύσιτος δ' ἄγαν ἐστὶν ὥστε ἑκατοντάχουν δι' ὀμαλοῦ καὶ κριθὴν καὶ πυρὸν ἐκτρέφειν, ἔστι δ' ὅτε καὶ διακοσιοντάχουν· διόπερ οὐδὲ πυκνὰς τὰς αὐλακὰς 5 τέμνουσι· πυκνούμεναι γὰρ κωλύουσιν αἱ ῥίζαι τὴν βλάστην. τὴν δ' ἄμπελον οὐ φνομένην πρότερον Μακεδόνες κατεφύτευσαν κάκει καὶ ἐν Βαβυλῶνι, οὐ ταφρεύοντες ἀλλὰ παττάλους κατασεισισθρωμένους ἐξ

C.782 ἄκρων πῆττοντες, εἰτ' ἐξαιροῦντες, ἀντὶ δ' αὐτῶν τὰ 10 κλήματα καθιέντες εὐθείως. ἡ μὲν δὴ μεσόγαια τοιαύτη· ἡ δὲ παραλία τεναγώδης ἐστὶ καὶ ἀλίμενος· διὰ τοῦτο γοῦν καὶ φησὶν ὁ Νέαρχος μηδὲ καθοδηγῶν ἐπιχωρίων τυγχάνειν ἡνίκα τῷ στόλῳ παρέπλει πρὸς τὴν Βαβυλωνίαν ἐκ τῆς Ἰνδικῆς, ὅτι προσόρμους οὐκ εἶχεν, 15 οὐδ' ἀνθρώπων εὐπορεῖν οἷός τ' ἦν τῶν ἡγησομένων κατ' ἐμπειρίαν.

- 12 Γεντιᾶ δὲ τῇ Σουσίδι τῆς Βαβυλωνίας ἢ Σιτακηνὴ μὲν πρότερον Ἀπολλωνιάτις δὲ ὕστερον προσαγορευθεῖσα. ἀπὸ τῶν ἄρκτων δ' ὑπέρκεινται ἀμφοῖν πρὸς 20 ἰσὺ Ἐλυμαῖοί τε καὶ Παραιτακηνοί, ληστρικοὶ ἄνδρες καὶ ὀρεινῇ τραχείᾳ πεποιθότες· μᾶλλον δ' οἱ Παραιτακηνοὶ τοῖς Ἀπολλωνιάταις ἐπίκεινται, ὥστε καὶ χειρὸν ἐκείνους διατιθέασιν. οἱ δὲ Ἐλυμαῖοι κάκεινους καὶ τοῖς Σουσίοις, τούτοις δὲ καὶ οἱ Οὐξιοὶ προσπολεμοῦ- 25 σιν· ἦττον δὲ νῦν, ὥς εἰκός, διὰ τὴν τῶν Παρθυαίων ἰσχύν, ὑφ' οἷς εἰσὶν ἅπαντες οἱ ταύτη. εὐ μὲν οὖν πραττόντων ἐκείνων, εὐ πράττουσιν ἅπαντες καὶ οἱ ὑπήκοοι αὐτῶν· στασιαζόντων δέ, ὅπερ συμβαίνει πολλάκις, καὶ δὴ καὶ ἐφ' ἡμῶν, ἄλλοτ' ἄλλως συμβαίνει 30 καὶ οὐ τὰ αὐτὰ πᾶσι· τοῖς μὲν γὰρ συνήνεγκεν ἡ τα-

ραχή, τοῖς δὲ παρα γνώμην ἀπήντησεν. ἡ μὲν δὴ χώρα
ἢ τε Περσὶς καὶ ἡ Σουσιανὴ τοιαύτη.

Τὰ [δ'] ἔθη τὰ Περσικὰ καὶ τούτοις καὶ Μήδοις τὰ 13
αὐτὰ καὶ ἄλλοις πλείοσι, περὶ ὧν εἰρήκασι μὲν πλείους,
5 τὰ δὲ καίρια καὶ ἡμῖν λεκτέον. Πέρσαι τοίνυν ἀγάλματα
μὲν καὶ βωμοὺς οὐχ ἰδρύονται, θύουσι δ' ἐν ὑψηλῷ
τόπῳ τὸν οὐρανὸν ἡγούμενοι Δία· τιμῶσι δὲ καὶ
ἥλιον, ὃν καλοῦσι Μίθρην, καὶ σελήνην καὶ Ἀφροδί-
την καὶ πῦρ καὶ γῆν καὶ ἀνέμους καὶ ὕδωρ· θύουσι δ'
10 ἐν καθαρῷ τόπῳ κατευξάμενοι παραστησάμενοι τὸ
ιερεῖον ἐστεμμένον· μελίσαντος δὲ τοῦ Μάγου τὰ κρέα
τοῦ ὑψηγομένου τὴν ιερουργίαν ἀπίασι διαλόμενοι,
τοῖς θεοῖς οὐδὲν ἀπονείμαντες μέρος· τῆς γὰρ ψυχῆς
φασὶ τοῦ ιερέου δεῖσθαι τὸν θεόν, ἄλλου δὲ οὐθενός·
15 ὁμῶς δὲ τοῦ ἐπίπλου τι μικρὸν τιθέασιν, ὥς λέγουσί
τινες, ἐπὶ τὸ πῦρ.

Διαφερόντως δὲ τῷ πυρὶ καὶ τῷ ὕδατι θύουσι, 14
τῷ μὲν πυρὶ, προστιθέντες ξηρὰ ξύλα τοῦ λέπους χωρὶς
πιμελὴν ἐπιτιθέντες ἄνωθεν· εἰθ' ὑφάπτουσιν ἐλαιον
20 καταχέοντες, οὐ φυσῶντες ἀλλὰ ῥιπίζοντες· τοὺς δὲ
φυσήσαντας ἢ νεκρὸν ἐπὶ πῦρ θέντας ἢ βόλβητον θα-
νατοῦσι· τῷ δ' ὕδατι, ἐπὶ λίμνην ἢ ποταμὸν ἢ κρήνην
ἐλθόντες, βόθρον ὀρύξαντες εἰς τοῦτον σφαγιάζονται,
φυλαττόμενοι μὴ τι τοῦ πλησίον ὕδατος αἵμαχθῆι, ὥς 733
25 μιανοῦντες· εἰτ' ἐπὶ μυρρίνην ἢ δάφνην διαθέντες τὰ
κρέα ῥάβδοις λεπτοῖς * ἐφάπτονται οἱ Μάγοι καὶ ἐπῶ-
δουσιν, ἀποσπένδοντες ἐλαιον ὁμοῦ γάλακτι καὶ μέλιτι
κεκραμένον οὐκ εἰς πῦρ οὐδ' ὕδωρ, ἀλλ' εἰς τοῦδαφος·
τὰς δ' ἐπὶ φάδ' ποιοῦνται πολὺν χρόνον ῥάβδων μυρι-
30 κίωνων λεπτῶν δέσμην κατέχοντες.

Ἐν δὲ τῇ Καππαδοκίᾳ (πολὺ γὰρ ἕκαστὸ τῶν Μά- 15
γων φύλον, οἳ καὶ πύραιθοι καλοῦνται· πολλὰ δὲ καὶ

τῶν Περσικῶν θεῶν ἱερά), οὐδὲ μαχαίρα θύουσιν, ἀλλὰ κορμῷ τινι ὥς ἂν ὑπέρω τύποντες. ἔστι δὲ καὶ πυρραιθεῖα, σηκοὶ τινες ἀξιόλογοι· ἐν δὲ τούτοις μέσοις βωμός, ἐν ᾧ πολλή τε σποδός, καὶ πῦρ ἄσβεστον φυλάττουσιν οἱ Μάγοι· καὶ καθ' ἡμέραν δὲ εἰσιόντες, ἐπάδουσιν ὥραν σχεδόν τι πρὸ τοῦ πυρὸς τὴν δέσμην τῶν ῥάβδων ἔχοντες, τιάρας περικείμενοι πιλωτὰς καθεικυίας ἐκατέρωθεν μέχρι τοῦ καλύπτειν τὰ χεῖλη τὰς παραγναθίδας. ταῦτα δ' ἐν τοῖς τῆς Ἀναϊτιδος καὶ τοῦ Ὁμάνου ἱεροῖς νενόμεσται· τούτων δὲ καὶ σηκοὶ 10 εἰσι, καὶ ξόανον τοῦ Ὁμάνου πομπεύει. ταῦτα μὲν οὖν ἡμεῖς ἑωράκαμεν, ἐκεῖνα δ' ἐν ταῖς ἱστορίαις λέγεται καὶ τὰ ἐφεξῆς.

16 Εἰς γὰρ ποταμὸν οὗτ' οὐροῦσιν οὔτε νίπτονται Πέρσαι, οὐδὲ λούονται, οὐδὲ νεκρὸν ἐμβάλλουσιν οὐδ' 15 ἄλλα τῶν δοκούντων εἶναι μυσαρῶν· ὅτῳ δ' ἂν θύσῃσι θεῷ, πρῶτῳ τῷ πυρὶ εὐχονται.

17 Βασιλεύονται δ' ὑπὸ τῶν ἀπὸ γένους· ὁ δ' ἀπαιθῶν ἀποτμηθεὶς κεφαλὴν καὶ βραχίονα ῥίπτεται. γαμοῦσι δὲ πολλὰς καὶ ἅμα παλλακὰς τρέφουσι πλείους 20 πολυτεκνίας χάριν. τιθέασιν δὲ καὶ οἱ βασιλεῖς ἄθλα πολυτεκνίας κατ' ἔτος· τὰ δὲ τρεφόμενα μέχρι ἐτῶν τεττάρων οὐκ ἄγεται τοῖς γονεῦσιν εἰς ὄψιν. οἱ δὲ γάμοι κατὰ τὰς ἀρχὰς τῆς ἐαρινῆς ἰσημερίας ἐπιτελοῦνται.... παρέρχεται δ' ἐπὶ τὸν θάλαμον προφαγῶν μῆ- 25 λον ἢ καμήλου μυελόν, ἄλλο δ' οὐδὲν τὴν ἡμέραν ἐκείνην.

18 Ἀπὸ δὲ πέντε ἐτῶν ἕως τετάρτου καὶ εἰκοστοῦ παιδεύονται τοξεύειν καὶ ἀκοντίζειν καὶ ἱππάζεσθαι καὶ ἀληθεύειν, διδασκάλοις τε λόγων τοῖς σωφρονε- 30 στάτοις χρῶνται, οἳ καὶ τὸ μυθῶδες πρὸς τὸ συμφέρον ἀνάγοντες παραπλέκουσι, καὶ μέλους χωρὶς καὶ μετ'

- φθῆς ἔργα θεῶν τε καὶ ἀνδρῶν τῶν ἀρίστων ἀναδι-
δόντες. συνάγουσι δ' εἰς ἓνα τόπον, ψόφῳ χαλκοῦ
πρὸ ὄρθρου διεγείροντες ὥς ἐπὶ ἐξοπλισίαν ἢ θήραν·
τάξαντες δ' ἀνὰ πεντήκοντα ἡγεμόνα τῶν βασιλείως
5 τινὰ παίδων αὐτοῖς ἢ σατράπου τρέχοντι καλεῖουσιν C.734
ἐπεσθαι, χωρίον ἀφορίσαντες τριάκοντα ἢ τετταρά-
κοντα σταδίων. ἀπαιτοῦσι δὲ καὶ λόγον ἐκάστου μα-
θήματος, ἅμα καὶ μεγαλοφωνίαν καὶ πνεῦμα καὶ πλε-
ρὰν ἀσχοῦντες, καὶ πρὸς καῦμα δὲ καὶ πρὸς ψῦχος καὶ
10 ὄμβρους καὶ χειμάρρων διαβάσεις ὥστ' ἄβροχα φυ-
λάττειν καὶ ὕπλα καὶ ἐσθῆτα, καὶ ποιμαίνειν δὲ καὶ
ἀγραυλεῖν καὶ καρποῖς ἀγρίοις χρῆσθαι, τερμίνθῳ
δροσβαλάνοις ἀχράδι. ἢ δὲ καθ' ἡμέραν δίαίτα ἄρτος
μετὰ τὸ γυμνάσιον καὶ μᾶζα καὶ κάρδαμον καὶ ἁλῶν
15 χόνδρος καὶ κρέα ὅπτα ἢ ἐφθὰ ἐξ ὕδατος, ποτὸν δ'
ὑδωρ. θηρεύουσι δὲ σαύνια ἀφ' ἱππῶν βάλλοντες καὶ
τοξεύματα καὶ σφενδονῶντες. θείλης δὲ φυτουργεῖν καὶ
ῥιζοτομεῖν ἀσχοῦσι καὶ ὀπλοποιεῖν καὶ λῖνα καὶ ἄρκυς
φιλοτεχνεῖν. οὐχ ἄπτονται δὲ τῶν θηρευμάτων οἱ παῖ-
20 δες, ἀλλὰ κομίζειν οἰκαδὲ ἔθος. τίθεται δ' ὑπὸ τοῦ
βασιλείως ἄθλα δρόμου καὶ τῶν [ἄλλων τῶν] ἐν τοῖς
πεντάθλοις. κοσμοῦνται δ' οἱ παῖδες χρυσῷ, τὸ πυ-
ρωπὸν τιθεμένων ἐν τιμῇ· διὸ οὐδὲ νεκρῷ προσφέ-
ρουσι καθάπερ οὐδὲ τὸ πῦρ κατὰ τιμὴν.
- 25 Στρατεύονται δὲ καὶ ἄρχουσιν ἀπὸ εἴκοσιν ἐτῶν 19
ἕως πεντήκοντα πεξοί τε καὶ ἱππεῖς· ἀγορᾶς δὲ οὐχ
ἄπτονται· οὔτε γὰρ πωλοῦσιν οὔτ' ὠνοῦνται. ὀπλί-
ζονται δὲ γέροφ ῥομβοειδεῖ, παρὰ δὲ τὰς φαρέτρας
σαγάρεις ἔχουσι καὶ κοπίδας, περὶ δὲ τῇ κεφαλῇ πί-

13. post ἀχράδι: καλοῦνται δ' οὔτοι Κάρδακες, ἀπὸ κλο-
πείας τρεφόμενοι· κάρδα γὰρ τὸ ἀνδρεῖδες καὶ πολεμικὸν λέ-
γεται.

λημα πυργωτόν, θώραξ δ' ἐστὶν αὐτοῖς φολιδωτός. ἐσθῆς δὲ τοῖς ἡγεμόσι μὲν ἀναξυρὶς τριπλῇ, χιτῶν δὲ χειριδωτὸς διπλοῦς ἕως γόνατος, ὁ ὑπενδύτης μὲν λευκός, ἄνθινος δ' ὁ ἐπάνω· ἱμάτιον δὲ θέρους μὲν πορφυροῦν ἢ ἰάνθινον, χιμαῶνος δ' ἄνθινον, τιᾶραι 5 παραπλήσιαι ταῖς τῶν Μάγων, ὑπόδημα κοῖλον διπλοῦν, τοῖς δὲ πολλοῖς χιτῶν ἕως μεσοκνημίου διπλοῦς, ῥάκος δὲ σινδύνιον τι περὶ τῇ κεφαλῇ· ἔχει δ' ἕκαστος τόξον καὶ σφενδόνην. δειπνοῦσι [δὲ] πολυτελῶς Πέρσαι τιθέντες καὶ ὀλομελῇ καὶ πολλὰ καὶ ποι- 10 κίλα· κόσμος τε λαμπρὸς στρωμνῆς ἐκπωμάτων τε [καὶ] τῶν ἄλλων ὥστε χρυσῷ καὶ ἀργύρῳ καταλάμπεσθαι.

- 20 Ἐν οἶνῳ τὰ μέγιστα βουλευνται, καὶ βεβαιότερα τῶν ἐν νήφει τίθενται. τῶν κατὰ τὰς ὁδοὺς συναντώντων τοὺς μὲν γνωρίζουσιν καὶ ἰσοτίμους φιλοῦσι 16 προσιόντες, τοῖς δὲ ταπεινότεροις παραβάλλουσι τὴν γνάθον καὶ δέχονται ταύτη τὸ φίλημα· οἱ δ' ἔτι τα- 1735 πεινότεροι προσκυνοῦσι μόνον. θάπτουσι δὲ κηρῷ περιπλάσαντες τὰ σώματα, τοὺς δὲ Μάγους οὐ θάπτουσιν, ἀλλ' οἰωνοβρώτους ἐῷσι· τούτοις δὲ καὶ 20 μητράσι συνέρχεσθαι πάτριον νενόμισται. τοιαῦτα μὲν τὰ ἔθνη.

- 21 Ἔστι δ' ἰσως καὶ ταῦτα τῶν ἐθίμων, ἃ φησι Πολύκλειτος. ἐν γὰρ Σούσοις ἑκάστῳ τῶν βασιλέων ἐπὶ τῆς ἄκρας ἰδία πεποιῆσθαι οἰκησιν καὶ θησαυροὺς καὶ 25 παραθέσεις ὧν ἐπράττοντο φόρων, ὑπομνήματα τῆς οἰκονομίας· πράττεσθαι δ' ἐκ μὲν τῆς παραλίας ἀργύριον, ἐκ δὲ τῆς μεσογαίας ἃ φέρει ἑκάστη χώρα. ὥστε καὶ χρώματα καὶ φάρμακα καὶ τρίχα [ἢ] ἐρέαν ἢ 30 τι τοιοῦθ' ἕτερον καὶ θρέμματα ὁμοίως. τὸν δὲ δια-

τάξαντα τοὺς φόρους Δαρείον εἶναι. τὸν δὲ πλείστον
 χρυσὸν καὶ ἄργυρον ἐν κατασκευαῖς εἶναι, νομίσματι δὲ
 οὐ πολλῶ· πρὸς τε τὰς δωρεὰς ἐκεῖνα κεχαρισμένα
 νομίζειν μᾶλλον καὶ πρὸς κειμηλίων ἀπόθεσιν· τὸ δὲ
 5 νόμισμα τὸ πρὸς τὰς χρείας ἀρκοῦν ἱκανὸν εἶναι, κό-
 πτειν δὲ πάλιν τὸ τοῖς ἀναλώμασι σύμμετρον.

Τὰ μὲν οὖν ἐθῆ σωφρονικὰ τὰ πλείω, διὰ δὲ τὸν 22
 πλοῦτον εἰς τρυφὴν ἐξέπεσον οἱ βασιλεῖς, ὥστε πυρὸν
 μὲν ἐξ Ἀσσοῦ τῆς Αἰολίδος μετῆσαν, οἶνον δ' ἐκ Συ-
 10 ρίας τὸν Χαλυβώνιον, ὕδωρ δὲ ἐκ τοῦ Εὐλαίου πάν-
 των ἐλαφρότατον ὥστ' ἐν Ἀττικῇ κοτύλῃ δραχμῇ ἀφολ-
 κύτερον εἶναι.

Συνέβη δὲ τοῖς Πέρσαις ἐνδοξοτάτοις γενέσθαι 23
 τῶν βαρβάρων παρὰ τοῖς Ἑλλήσιν, ὅτι τῶν μὲν ἄλλων
 15 οὐδένες τῶν τῆς Ἀσίας ἀρξάντων Ἑλλήνων ἠρξαν,
 οὐδ' ἤδεισαν οὔτ' ἐκεῖνοι τούτους οὔθ' οἱ Ἕλληνες
 τοὺς βαρβάρους ἀλλ' ἐπὶ μικρὸν μόνον ἐκ τῆς πόρρω-
 θεν ἀκοῆς. Ὀμηρος γοῦν οὔτε τὴν τῶν Σύρων οὔτε
 τὴν τῶν Μήδων ἀρχὴν οἶδεν· οὐδὲ γὰρ ἂν Θήβας Αἰ-
 20 γυπτίας ονομάζων καὶ τὸν ἐκεῖ καὶ τὸν ἐν Φοινίκῃ
 πλοῦτον, τὸν ἐν Βαβυλῶνι καὶ Νίνῳ καὶ Ἐκβατάνοις
 παρσιώπησε. πρῶτοι δὲ Πέρσαι Ἑλλήνων ἐπῆρξαν,
 Ἀνδοὶ δὲ ἐπῆρξαν μὲν, ἀλλ' οὔτε τῆς Ἀσίας ὅλης ἀλλὰ
 μέρους τινὸς μικροῦ τοῦ ἐντὸς Ἄλφειος μόνον, καὶ ταῦτ'
 25 ἐπ' ὀλίγον χρόνον τὸν κατὰ Κροῖσον καὶ Ἀλυάτιν.
 κρατηθέντες δ' ὑπὸ Περσῶν, εἰ καὶ τι τῆς δόξης ἦν
 αὐτοῖς, ἀφηρέθησαν τοῦθ' ὑπ' ἐκείνων. Πέρσαι δ'
 ἀφ' οὗ κατέλυσαν τὰ Μήδων εὐθὺς καὶ Ἀνδῶν ἐκρά-
 τησαν καὶ τοὺς κατὰ τὴν Ἀσίαν Ἕλληνας ὑπηκόους

1. post εἶναι: τὸν μακρόχειρα, καὶ καλλίστον ἀνθρώπων
 πλὴν τοῦ μήκου τῶν βραχιόνων καὶ τῶν πήχεων· ἄπτεσθαι
 γὰρ καὶ τῶν γονάτων. 22. καὶ ante Ἑλλήνων

ἔσχον· ὕστερον δὲ καὶ διέβησαν εἰς τὴν Ἑλλάδα, καὶ
 C. 736 ἡττηθέντες πολλοῖς καὶ *πολλάκις ἀγῶσιν ὁμῶς διετέ-
 λεσαν τὴν Ἀσίαν μέχρι τῶν ἐπὶ θαλάττῃ τόπων κατέ-
 χοντες ἕως ὑπὸ Μακεδόνων κατεπολεμήθησαν.

- 24 Ὁ μὲν οὖν εἰς τὴν ἡγεμονίαν καταστήσας αὐτοὺς 5
 Κῦρος ἦν· διαδεξάμενος δὲ τοῦτον Καμβύσης υἱὸς
 ὑπὸ τῶν Μάγων κατελύθη· τούτους δ' ἀνελόντες οἱ
 ἐπὶ Πέρσαι Δαρεῖω τῷ Ὑστάσπειω παρέδοσαν τὴν
 ἀρχήν· εἰθ' οἱ ἀπὸ τούτου διαδεχόμενοι κατέληξαν εἰς
 Ἀρσην, ὃν ἀποκτείνας Βαγῶος ὁ εὐνούχος κατέστησε 10
 Δαρεῖον οὐκ ὄντα τοῦ γένους τῶν βασιλέων. τοῦτον
 δὲ καταλύσας Ἀλέξανδρος αὐτὸς ἤρξε *δέκα ἢ ἔνδεκα
 ἔτη· εἰτ' εἰς πλείους τοὺς διαδεξαμένους καὶ τοὺς ἐπι-
 γόνους τούτων μερισθεῖσα ἡ ἡγεμονία τῆς Ἀσίας διε-
 λύθη· συνέμεινε δ' ὅσον πεντήκοντα ἐπὶ τοῖς διακο- 15
 σίοις ἔτη. νῦν δ' ἤδη καθ' αὐτοὺς συνεστῶτες οἱ Πέρ-
 σαι βασιλέας ἔχουσιν ὑπηκόους ἑτέροις βασιλεῦσι,
 πρότερον μὲν Μακεδόσι νῦν δὲ Παρθυαίοις.

- 1 Τῇ δὲ Περσίδι καὶ τῇ Σουσιανῇ συνάπτουσιν οἱ
 Ἀσσύριοι· καλοῦσι δ' οὕτω τὴν Βαβυλωνίαν καὶ πολ-
 λὴν τῆς κύκλω γῆς, ἥς ἐν μέρει καὶ ἡ Ἀτουρία ἐστίν,
 ἐν ἧπερ ἡ Νίνος καὶ ἡ Ἀπολλωνιάτις καὶ Ἐλυμαῖοι καὶ 25
 Παρατάκαι καὶ ἡ περὶ τὸ Ζάγγρον ὄρος Χαλωνίτις καὶ
 τὰ περὶ τὴν Νίνον πεδία, Δολομηνή τε καὶ Καλαχηνή
 καὶ Χαζήνη καὶ Ἀδιαβηνή, καὶ τὰ τῆς Μεσοποταμίας
 ἔθνη τὰ περὶ Γορδυαίους καὶ τοὺς περὶ Νίσιβιν Μυγ-
 δόνας μέχρι τοῦ Ζεύγματος τοῦ κατὰ τὸν Εὐφράτην 30
 καὶ τῆς πέραν τοῦ Εὐφράτου πολλὴ ἦν Ἀραβες κα-
 τέχουσι, καὶ οἱ ἰδίως ὑπὸ τῶν νῦν λεγόμενοι Σύροι

μέχρι Κιλίκων καὶ Φοινίκων καὶ Ἰουδαίων καὶ τῆς θα-0.737
λάττης τῆς κατὰ τὸ Αἰγύπτιον πέλαγος καὶ τὸν Ἰσσι-
κὸν κόλπον.

Δοκεῖ δὲ τὸ τῶν Σύρων ὄνομα διατεῖναι ἀπὸ μὲν 2
5 τῆς Βαβυλωνίας μέχρι τοῦ Ἰσσηκοῦ κόλπου, ἀπὸ δὲ
τούτου μέχρι τοῦ Εὐξείνου τοῦ παλαιῶν. οἱ γοῦν Καπ-
πάδοκες ἀμφοτέρω, οἱ τε πρὸς τῷ Ταύρῳ καὶ οἱ πρὸς
τῷ Πόντῳ, μέχρι νῦν Λευκόσυροι καλοῦνται, ὥς ἂν
ὄντων τινῶν Σύρων καὶ μελάνων· οὗτοι δ' εἰσὶν οἱ
10 ἐκτὸς τοῦ Ταύρου· λέγω δὲ Ταῦρον μέχρι τοῦ Ἀμα-
νοῦ διατεῖναι τοῦτομα. οἱ δ' ἱστοροῦντες τὴν Σύρων
ἀρχὴν ὅταν φῶσι Μήδους μὲν ὑπὸ Περσῶν καταλυ-
θῆναι Σύρους δὲ ὑπὸ Μήδων, οὐκ ἄλλους τινὰς τοὺς
Σύρους λέγουσιν ἀλλὰ τοὺς ἐν Βαβυλῶνι καὶ Νίνῳ
15 κατεσκευασμένους τὸ βασίλειον· ὧν ὁ μὲν Νίνος ἦν ὁ
τὴν Νίνον ἐν τῇ Ἀτουρίᾳ κτίσας, ἡ δὲ τούτου γυνή,
ἥπερ καὶ διεδέξατο τὸν ἄνδρα, Σεμίραμις, ἥς ἐστὶ
κτίσμα ἡ Βαβυλῶν. οὗτοι δὲ ἐκράτησαν τῆς Ἀσίας, καὶ
τῆς Σεμιράμιδος χωρὶς τῶν ἐν Βαβυλῶνι ἔργων πολλὰ
20 καὶ ἄλλα κατὰ πᾶσαν γῆν σχεδὸν δεικνύται ὅση τῆς
ἡπείρου ταύτης ἐστί, τὰ τε χῶματα ἃ δὴ καλοῦσι Σε-
μιράμιδος, καὶ τεῖχη καὶ ἱερμάτων κατασκευαὶ καὶ
συρίγγων τῶν ἐν αὐτοῖς καὶ ὑδρείων καὶ κλιμάκων
καὶ διωρυγῶν ἐν ποταμοῖς καὶ λίμναις καὶ ὁδῶν καὶ γε-
25φυρῶν. ἀπέλιπον δὲ τοῖς μεθ' ἑαυτοὺς τὴν ἀρχὴν μέ-
χρι * τῆς Σαρδαναπάλλου καὶ Ἀρβάκου· μετέστη δ'
εἰς Μήδους ὕστερον.

Ἡ μὲν οὖν Νίνος πόλις ἠφανίσθη παραχοῆμα μετὰ 3
τὴν τῶν Σύρων κατάλυσιν. πολὺ δὲ μείζων ἦν τῆς Βα-
30βυλῶνος, ἐν πεδίῳ κειμένη τῆς Ἀτουρίας· ἡ δ' Ἀτουρία
τοῖς περὶ Ἀρβηλα τόποις ὁμορὸς ἐστὶ μετὰ τὸν Ἀύκον
ἔχουσα ποταμόν. τὰ μὲν οὖν Ἀρβηλα τῆς Βαβυλωνίας

ὑπάρχει * ἃ κατ' αὐτὴν ἐστίν· ἐν δὲ τῇ περαιᾷ τοῦ Λύκου τὰ τῆς Ἀτουρίας πεδία τῇ Νίνῳ περικείται. ἐν δὲ τῇ Ἀτουρίᾳ ἐστὶ Γαυγάμηλα κώμη, ἐν ᾗ συνέβη νικηθῆναι καὶ ἀποβαλεῖν τὴν ἀρχὴν Δαρείου. ἐστὶ μὲν οὖν τόπος ἐπίσημος οὗτος καὶ τοῦνομα· μεθερμηνευθὲν 5 γάρ ἐστι καμήλου οἶκος· ὠνόμασε δ' οὕτω Δαρείος ὁ Ὑστάσπειω, κτήμα δούς εἰς διατροφὴν τῇ καμήλῳ τῇ συνεκπεπονηκυῖα μάλιστα τὴν ὁδὸν τὴν διὰ τῆς ἐρήμου Σκυθίας μετὰ τῶν φορτίων, ἐν οἷς ἦν καὶ ἡ διατροφή τῷ βασιλεῖ. οἱ μὲντοι Μακεδόνες τοῦτο μὲν 10 ὁρῶντες κώμιον εὐτελές, τὰ δὲ Ἀρβηλα κατοικίαν ἀξιόλογον, κτίσμα ὥς φασιν Ἀρβήλου τοῦ Ἀθμονέως, περὶ Ἀρβηλα τὴν μάχην καὶ νίκην κατεφήμισαν καὶ τοῖς συγγραφεῦσιν οὕτω παρίδωκαν.

4 Μετὰ δὲ Ἀρβηλα καὶ τὸ Νικατόριον ὄρος (ὃ προσ- 15 ὠνόμασεν Ἀλέξανδρος νικήσας τὴν περὶ Ἀρβηλα μάχην) ὁ Κάπρος ἐστὶ ποταμὸς ἐν ἴσῳ διαστήματι ὅσῳ 0.738 καὶ ὁ Λύκος· ἡ δὲ χώρα * Ἀρτακηνὴ λέγεται. περὶ Ἀρβηλα δὲ ἐστὶ καὶ Δημητριάς πόλις· εἰθ' ἡ τοῦ νάφθα πηγὴ καὶ τὰ πυρὰ καὶ τὸ τῆς * Ἀναίας ἱερὸν καὶ 20 Σαδράκαι, τὸ Δαρείου τοῦ Ὑστάσπειω βασίλειον, καὶ ὁ Κυπαρισσῶν καὶ ἡ τοῦ Κάπρου διάβασις συνάπτουσα ἡδὴ Σελευκείᾳ καὶ Βαβυλῶνι.

6 Ἡ δὲ Βαβυλῶν καὶ αὐτὴ μὲν ἐστὶν ἐν πεδίῳ, τὸν δὲ κύκλον ἔχει τοῦ τείχους τριακοσίων ἐξήκοντα πέντε 25 σταδίων, πάχος δὲ τοῦ τείχους ποδῶν δύο καὶ τριάκοντα, ὕψος δὲ τῶν μὲν μεσοπυργίων πήχεις πεντήκοντα τῶν δὲ πύργων ἐξήκοντα, ἡ δὲ πάροδος τοῖς ἐπὶ τοῦ τείχους ὥστε τέθριππα ἐναντιοδρομεῖν ἀλλήλοις ῥαδίως· διόπερ τῶν ἐπὶ θεαμάτων λέγεται καὶ τοῦτο 30 καὶ ὁ κρεμαστός κῆπος ἔχων ἐν τετραγώνῳ σχήματι ἐκάστην πλευρὰν τεττάρων πλῆθρων· συνέχεται δὲ

ψαλιδῶμασι καμαρωτοῖς ἐπὶ πετιτῶν ἰδρυμένοις κυβο-
 ειδῶν ἄλλοις ἐπ' ἄλλοις· οἱ δὲ πετιτοὶ κοῖλοι πλήρεις
 γῆς ὥστε δέξασθαι φυτόν τε δένδρων τῶν μεγίστων, ἐξ
 ὁπτιῆς πλίνθου καὶ ἀσφάλτου κατεσκευασμένοι καὶ
 5 αὐτοὶ καὶ αἱ ψαλίδες καὶ τὰ καμαρώματα. ἡ δ' ἀνω-
 τάτω στέγη προσβάσεις κλιμακωτάς ἔχει, παρακειμέ-
 νους δ' αὐταῖς καὶ κοιλίας δι' ὧν τὸ ὕδωρ ἀνῆγον
 εἰς τὸν κῆπον ἀπὸ τοῦ Εὐφράτου συνεχῶς οἱ πρὸς
 τοῦτο τεταγμένοι. ὁ γὰρ ποταμὸς διὰ μέσης ῥεῖ τῆς
 10 πόλεως σταδιατὸς τὸ πλάτος, ἐπὶ δὲ τῷ ποταμῷ ὁ κῆ-
 πος. ἔστι δὲ καὶ ὁ τοῦ Βήλου τάφος αὐτόθι, νῦν μὲν
 κατεσκαμμένος, Ξέρξης δ' αὐτὸν κατέσπασεν, ὥς φα-
 σιν· ἦν δὲ πυραμὶς τετράγωνος ἐξ ὁπτιῆς πλίνθου καὶ
 αὐτὴ σταδιαία τὸ ὕψος, σταδιαία δὲ καὶ ἑκάστη τῶν
 15 πλευρῶν· ἦν Ἀλέξανδρος ἐβούλετο ἀνασκευάσαι, πο-
 λὺν δ' ἦν ἔργον καὶ πολλοῦ χρόνου (αὐτὴ γὰρ ἡ χοῦς
 εἰς ἀνακάθαρσιν μυρίοις ἀνδράσι δυεῖν μηνῶν ἔργον
 ἦν), ὥστ' οὐκ ἔφθη τὸ ἐγχειρηθὲν ἐπιτελεῖσαι· παρα-
 χοῖμα γὰρ ἡ νόσος καὶ ἡ τελευταῖα συνέπεσε τῷ βασιλεῖ,
 20 τῶν δ' ὕστερον οὐδεὶς ἐφρόντισεν. ἀλλὰ καὶ τὰ λοιπὰ
 ὀλιγορῆθη καὶ κατήρειψαν τῆς πόλεως τὰ μὲν οἱ Πέρ-
 σαι τὰ δ' ὁ χρόνος καὶ ἡ τῶν Μακεδόνων ὀλιγορῖα
 περὶ τὰ τοιαῦτα, καὶ μάλιστα ἐπειδὴ τὴν Σελεύκειαν
 ἐπὶ τῷ Τίγρει πλησίον τῆς Βαβυλῶνος ἐν τριακοσίοις
 25 πού σταδίοις ἐτείχισε Σέλευκος ὁ Νικάτωρ. καὶ γὰρ
 ἐκεῖνος καὶ οἱ μετ' αὐτὸν ἅπαντες περὶ ταύτην ἐσπού-
 δασαν τὴν πόλιν καὶ τὸ βασίλειον ἐνταῦθα μετήνεγκαν·
 καὶ δὴ καὶ νῦν ἡ μὲν γέγονε Βαβυλῶνος μείζων ἢ δ'
 ἔρημος ἢ πολλή, ὥστ' ἐπ' αὐτῆς μὴ ἂν ὀκνήσαι τινα
 30 εἰπεῖν ὅπερ ἔφη τις τῶν κωμικῶν ἐπὶ τῶν Μεγαλο-
 πολιτῶν τῶν ἐν Ἀρκαδίᾳ „ἐρημία μεγάλη" στὶν ἡ Με-
 γάλη πόλις.“ διὰ δὲ τὴν τῆς ὕλης σπάνιν ἐκ φουνικί-C.739

νων ξύλων αἱ οἰκοδομαὶ συντελοῦνται καὶ δοκοῖς καὶ
 στύλοις· περὶ δὲ τοὺς στύλους στρέφοντες ἐκ τῆς κα-
 λάμης σχοινία περιτιθέασιν, εἰτ' ἐπαλείφοντες χρώ-
 μασι καταγράφουσι, τὰς δὲ θύρας ἀσφάλτῳ· ὑψηλαὶ
 δὲ καὶ αὐταὶ καὶ οἱ οἶκοι καμαρωτοὶ πάντες διὰ τὴν 5
 ἀξυλίαν· ψιλὴ γὰρ ἡ χώρα καὶ θαμνωδὴς ἢ πολλή
 πλὴν φοίνικος· οὗτος δὲ πλείστος ἐν τῇ Βαβυλωνίᾳ,
 πολὺς δὲ καὶ ἐν Σούσοις καὶ ἐν τῇ παραλίᾳ [τῇ] Περ-
 σίδι καὶ ἐν τῇ Καρμανίᾳ. κεράμῳ δ' οὐ χρωῶνται· οὐδὲ
 γὰρ κατομβροῦνται. παραπλήσια δὲ καὶ τὰ ἐν Σού- 10
 σοις καὶ τῇ Σιτακηνῇ.

- 6 Ἀφώριστο δ' ἐν τῇ Βαβυλῶνι κατοικία τοῖς ἐπι-
 χωρίοις φιλοσόφοις τοῖς Χαλδαίοις προσαγορευομέ-
 νοις, οἱ περὶ ἀστρονομίαν εἰσὶ τὸ πλεόν· προσποιούν-
 ται δὲ τινες καὶ γενεθλιαλογεῖν, οὓς οὐκ ἀποδέχονται 15
 οἱ ἕτεροι. ἔστι δὲ καὶ φῦλόν τι τὸ τῶν Χαλδαίων καὶ
 χώρα τῆς Βαβυλωνίας ὑπ' ἐκείνων οἰκουμένη, πλη-
 σιάζουσα καὶ τοῖς Ἀραβί καὶ τῇ κατὰ Πέρσας λεγομένη
 θαλάττῃ. ἔστι δὲ καὶ τῶν Χαλδαίων τῶν ἀστρονομι-
 κῶν γένη πλείω· καὶ γὰρ Ὀρχηνοὶ τινες προσαγορεύον- 20
 ται καὶ Βορσιππηνοὶ καὶ ἄλλοι πλείους ὥς ἂν κατὰ αἰ-
 ρέσεις ἄλλα καὶ ἄλλα νέμοντες περὶ τῶν αὐτῶν δόγματα.
 μέμνηνται δὲ καὶ τῶν ἀνδρῶν ἐνίων οἱ μαθηματικοί,
 καθάπερ Κιθηνᾶ τε καὶ Ναβουριανοῦ καὶ Σουδίνου·
 καὶ Σέλευκος δ' ὁ ἀπὸ τῆς Σελευκείας Χαλδαῖός ἐστι 25
 καὶ ἄλλοι πλείους ἀξιόλογοι ἄνδρες.

- 7 Τὰ δὲ Βόρσιππα ἱερὰ πόλις ἐστὶν Ἀρτέμιδος καὶ
 Ἀπόλλωνος, λινουργεῖον μέγα. πληθύνουσι δὲ ἐν αὐτῇ
 νυκτερίδες μείζους πολὺ τῶν ἐν ἄλλοις τόποις· ἀλί-
 σκονται δ' εἰς βρωσιν καὶ ταριχεύονται. 30

- 8 Περιέχεται δ' ἡ χώρα τῶν Βαβυλωνίων ἀπὸ μὲν
 τῆς ἑοῦς ὑπὸ τε Σουσίων καὶ Ἐλυμαίων καὶ Παραϊτα-

κηνῶν, ἀπὸ δὲ τῆς μεσημβρίας ὑπὸ τοῦ Περσικοῦ κόλ-
που καὶ τῶν Χαλδαίων μέχρι Ἀράβων τῶν Μεσηνῶν,
ἀπὸ δὲ τῆς ἐσπέρας ὑπὸ τε Ἀράβων τῶν σκηνιτῶν
μέχρι τῆς Ἀδιαβηνῆς καὶ τῆς Γορδυναίας, ἀπὸ δὲ τῶν
5 ἄρκτων ὑπὸ τε Ἀρμενίων καὶ Μήδων μέχρι τοῦ Ζάγρου
καὶ τῶν περὶ αὐτὸ ἐθνῶν.

Διαρρεῖται δ' ὑπὸ πλειόνων μὲν ποταμῶν ἡ χώρα, 9
μεγίστων δὲ τοῦ τε Εὐφράτου καὶ τοῦ Τύγριος· μετὰ
γὰρ τοὺς Ἰνδικοὺς οὗτοι λέγονται δευτερεύειν κατὰ
10 τὰ νότια μέρη τῆς Ἀσίας οἱ ποταμοί· ἔχουσι δ' ἀνά-
πλους ὁ μὲν ἐπὶ τὴν Ὠπιν καὶ τὴν νῦν Σελεύκειαν (ἣ
δὲ Ὠπὶς κόμη ἐμπόριον τῶν κύκλῳ τόπων) ὁ δ' ἐπὶ
Βαβυλῶνα πλειόνων ἢ τρισχιλίων σταδίων. οἱ μὲν οὖν C. 740
Πέρσαι τοὺς ἀνάπλους ἐπέτηδες κωλύειν θέλοντες
15 φόβῳ τῶν ἔξωθεν ἐφόδων καταράκτας χειροποιήτους
κατεσκευάκεισαν· ὁ δὲ Ἀλέξανδρος ἐπιὼν ὅσους οἷός
τε ἦν ἀνεσκεύασε, καὶ μάλιστα τοὺς ἐπὶ τὴν Ὠπιν.
ἐπεμελήθη δὲ καὶ τῶν διωρύνων· πλημμυρεῖ γὰρ ὁ
Εὐφράτης κατὰ τὴν ἀρχὴν τοῦ θέρους ἀπὸ τοῦ ἔαρος
20 ἀρξάμενος, ἡνίκα τήκονται αἱ χιόνες αἱ ἀπὸ τῆς Ἀρμε-
νίας, ὥστ' ἀνάγκη λιμνάζειν καὶ κατακλύζεσθαι τὰς
ἀρούρας, εἰ μὴ διοχτεύει τις ταφρεῖαις καὶ διώρουξι τὸ
ἐκπίπτον τοῦ ῥοῦ καὶ ἐπιπολάζον ὕδωρ, καθάπερ καὶ
ἐν Αἰγύπτῳ τὸ τοῦ Νείλου· ἐντεῦθεν μὲν οὖν αἱ διώ-
25 ρυγες γηγένηται. χρεῖα δὲ ἐστὶν ὑπουργίας μεγάλας·
βαθεῖα γὰρ ἡ γῆ καὶ μαλακὴ καὶ εὐένδοτος ὥστε καὶ
ἐκσύρεται ῥαδίως ὑπὸ τῶν ρευμάτων καὶ γυμνοὶ τὰ
πεδία, πληροὶ δὲ τὰς διώρυγας καὶ τὰ στόματα αὐτῶν
ἐμφράττει ῥαδίως ἡ χοῦς· οὕτω δὲ συμβαίνει πάλιν
30 τὴν ὑπέρχουσιν τῶν ὑδάτων εἰς τὰ πρὸς τῇ θαλάττῃ
πεδία ἐκπίπτουσιν λίμνας ἀποτελεῖν καὶ ἔλη καὶ κα-
λαμῶνας, ἐξ ὧν καλάμινα πλέκεται παντοῖα σκεύη, τὰ

μὲν ὑγροῦ δεκτικὰ τῇ ἀσφάλτῳ περιλειφόντων, τοῖς δ' ἄλλοις ψιλῶς χρωμένων· καὶ ἱστία δὲ ποιοῦνται κα-
λάμινα ψιάθοις ἢ ῥίπῃ παραπλήσια.

- 10 Τὸ μὲν οὖν παντάπασι κωλύειν τὴν τοιαύτην
πλήμμυραν οὐχ οἷόν τε ἴσως, τὸ δὲ τὴν δυνατὴν προσ- 5
φέρειν βοήθειαν ἡγεμόνων ἀγαθὴν ἐστίν. ἡ δὲ βοή-
θεια αὕτη, τὴν μὲν πολλὴν παρέκχυσιν ἐμφράξει κω-
λύειν, τὴν δὲ πλήρωσιν ἣν ἡ χεὺς ἐργάζεται, τούναν-
τίον ἀνακαθάρσει τῶν διωρύνων καὶ ἐξανοίξει τῶν
στοματων. ἡ μὲν οὖν ἀνακάθαρσις ῥαδία ἡ δὲ ἐμφρα- 10
ξις πολυχειρίας δεῖται· εὐένδοτος γὰρ οὔσα ἡ γῆ καὶ
μαλακὴ τὴν ἐπιφορηθεῖσαν οὐχ ὑπομένει χεὺν, ἀλλ'
εἰκουσα συνεφέλκεται κάκεινν καὶ ποιεῖ δυσέγχωστον
τὸ στόμα. καὶ γὰρ καὶ τάχους δεῖ πρὸς τὸ ταχέως κλει-
σθῆναι τὰς διώρυγας καὶ μὴ πᾶν ἐκπεσεῖν ἐξ αὐτῶν τὸ 15
ὔδωρ. ξηρανθεῖσαι γὰρ τοῦ θέρους ξηραίνουσι καὶ τὸν
ποταμόν· ταπεινωθεῖς δὲ τὰς ἐποχετείας οὐ δύναται
παρέχεσθαι κατὰ καιρὸν ὧν δεῖται πλεῖστον τοῦ θέ-
ρους ἐμπυρος οὔσα ἡ χώρα καὶ καυματηρά· διαφέρει
δ' οὐδὲν ἢ τῷ πλήθει τῶν ὑδάτων κατακλύζεσθαι τοὺς 20
καρπούς, ἢ τῇ λειψυδρίᾳ τῷ δίψει διαφθείρεσθαι· ἅμα
δὲ καὶ τοὺς ἀνάπλους, πολὺ τὸ χρήσιμον ἔχοντας αἰεὶ
[δὲ] λυμαιομένους ὑπ' ἀμφοτέρων τῶν λεχθέντων
παθῶν, οὐχ οἷόν τε ἐπανορθοῦν, εἰ μὴ ταχὺ μὲν ἐξ-
ανοίγοιτο τὰ στόμια τῶν διωρύνων, ταχὺ δὲ κλείοιτο, 25
καὶ αἱ διώρυγες αἰεὶ μετριάξοιεν ὥστε μήτε πλεονάζειν
ἐν αὐταῖς τὸ ὔδωρ μήτ' ἐλλείπειν.

- C.741 Φησὶ δ' Ἀριστοβούλος τὸν Ἀλέξανδρον αὐτὸν
11 ἀναπλέοντα καὶ κυβερνῶντα τὸ σκάφος ἐπισκοπεῖν
καὶ ἀνακαθαίρειν τὰς διώρυγας μετὰ τοῦ πλήθους τῶν 30
συνακολουθησάντων· ὥς δ' αὐτως καὶ τὰ στόμια ἐμ-
φράττειν, τὰ δ' ἀνοίγειν· κατανοήσαντα δὲ μίαν τὴν

μάλιστα τείνουσαν ἐπὶ τὰ ἔλη καὶ τὰς λίμνας τὰς πρὸ
 τῆς Ἀραβίας, δυσμεταχείριστον ἔχουσιν τὸ στόμα καὶ
 μὴ ῥαδίως ἐμφράττεσθαι δυναμένην διὰ τὸ εὐένδοτον
 καὶ μαλακόγειον, ἄλλο ἀνοῖξαι καὶ νὸν στόμα, ἀπὸ στα-
 5 δίων τριάκοντα ὑπόπετρον λαβόντα χωρίον, κάκει με-
 ταγαγεῖν τὸ ῥεῖθρον· ταῦτα δὲ ποιεῖν προνοοῦντα
 ἅμα καὶ τοῦ μὴ τὴν Ἀραβίαν δυσεἰσβολὸν τελέως ὑπὸ
 τῶν λιμνῶν ἢ καὶ τῶν ἐλῶν ἀποτελεσθῆναι, νησιζου-
 σαν ἤδη διὰ τὸ πλῆθος τοῦ ὕδατος· διανοεῖσθαι γὰρ
 10 δὴ κατακτᾶσθαι τὴν χώραν ταύτην καὶ στόλους καὶ
 ὁρμητήρια ἤδη κατεσκευάσθαι, τὰ πλοῖα τὰ μὲν ἐν
 Φοινίκῃ τε καὶ Κύπρῳ ναυπηγησάμενον διάλυτά τε
 καὶ γομφωτά, ἃ κομισθέντα εἰς Θάψακον σταθμοῖς
 ἐπὶ τὰ εἶτα τῷ ποταμῷ κατακομισθῆναι μέχρι Βαβυλῶ-
 15 νος, τὰ δ' ἐν τῇ Βαβυλωνίᾳ συμπηξάμενον τῶν ἐν τοῖς
 ἄλσεσι καὶ τοῖς παραδείσοις κυπαρίττων· σπάνις γὰρ
 ὕλης ἐνταῦθα, ἐν δὲ Κοσσαίοις καὶ ἄλλοις τισὶ μετρία
 τίς ἐστὶν εὐπορία. σκήψασθαι μὲν οὖν αἰτίαν τοῦ πο-
 λέμου φησὶν, ἐπειδὴ μόνοι τῶν ἀπάντων οὐ πρεσβεύ-
 20 σαιτο οἱ Ἀραβες ὡς αὐτόν, τὸ δ' ἀληθὲς ὁρεγόμενον
 πάντων εἶναι κύριον· καὶ ἐπεὶ δύο θεοὺς ἐπυνθάνετο
 τιμᾶσθαι μόνους ὑπ' αὐτῶν, τὸν τε Δία καὶ τὸν Διό-
 νυσον, τοὺς τὰ κυριώτατα πρὸς τὸ ζῆν παρέχοντας,
 τρίτον ὑπολαβεῖν ἑαυτὸν τιμῆσεσθαι, κρατήσαντα καὶ
 25 ἐπιτρέψαντα τὴν πάτριον αὐτονομίαν ἔχειν ἣν εἶχον
 πρότερον. ταῦτά τε δὴ πραγματεύεσθαι περὶ τὰς διώ-
 ρυγας τὸν Ἀλέξανδρον, καὶ τοὺς τάφους σκευωρεῖσθαι
 τοὺς τῶν βασιλέων καὶ δυναστῶν· τοὺς γὰρ πλείστους
 ἐν ταῖς λίμναις εἶναι.
 30 Ἐρατοσθένους δὲ τῶν λιμνῶν μνησθεὶς τῶν πρὸς 12
 τῇ Ἀραβίᾳ, φησὶ τὸ ὕδωρ ἀπορούμενον διεξόδων
 ἀνοῖξαι πόρους ὑπὸ γῆς καὶ δι' ἐκείνων ὑποφέρεισθαι

- μέχρι Κοιλοσύρων· ἀναθλίβεσθαι δὲ εἰς τοὺς περὶ
 Ῥινοκόρουρα καὶ τὸ Κάσιον ὄρος τόπους καὶ ποιεῖν τὰς
 ἐκεῖ λίμνας καὶ τὰ βάραθρα· οὐκ οἶδα δ' εἰ πιθανῶς
 εἰρηκεν. αἱ γὰρ τοῦ Εὐφράτου παρεκχύσεις αἱ ποιοῦ-
 σαι τὰς πρὸς τῇ Ἀραβίᾳ λίμνας καὶ τὰ ἔλη πλησίον εἰσὶ 5
 τῆς κατὰ Πέρσας θαλάττης, ὃ δὲ διείργων ἰσθμὸς οὔτε
 πολὺς ἐστὶν οὔτε πετρῶδης, ὥστε ταύτη μᾶλλον εἰκὸς
 0.742 ἦν βιάσασθαι τὸ ὕδωρ εἰς τὴν θάλατταν, εἰτ' ὑπὸ γῆς
 εἰτ' ἐπικολῆς, ἥ πλείους τῶν ἑξακισχιλίων σταδίων
 διανύειν, ἄνυδρον καὶ ξηρὰν οὕτω, καὶ ταῦτα ὕδωρ ἐν 10
 μέσῳ κειμένων, τοῦ τε Λιβάνου καὶ τοῦ Ἀντιλιβάνου
 καὶ τοῦ Κασίου· οἱ μὲν δὴ τοιαῦτα λέγουσι.
- 13 Πολύκλειτος δὲ φησι μὴ πλημμυρεῖν τὸν Εὐφρά-
 την· διὰ γὰρ πεδίων φέρεσθαι μεγάλων, τὰ δ' ὄρη τὰ
 μὲν δισχιλίους ἀφεστάναι σταδίους τὰ δὲ Κοσσαῖα μό- 15
 λης χιλίους, οὐ πάνυ ὑψηλὰ οὐδὲ νιφόμενα σφοδρῶς
 οὐδ' ἀθρόαν ἐπιφέροντα τῇ χιόνι τὴν τῆξιν· εἶναι γὰρ
 καὶ τὰ ὕψη τῶν ὀρέων ἐν τοῖς ὑπὲρ Ἑκβατάνων μέρεσι
 τοῖς προσβορείοις· ἐν δὲ τοῖς πρὸς νότον σχιζόμενα καὶ
 πλατυνόμενα πολὺ ταπεινοῦσθαι, ἅμα δὲ καὶ τὸ πολὺ 20
 τοῦ ὕδατος ἐκδέχεσθαι τὸν Τίγριν καὶ οὕτως πλημμυ-
 ρεῖν. τὸ μὲν οὖν ὕστατον ῥηθὲν φανερώς ἄτοπον· εἰς
 γὰρ τὰ αὐτὰ κατέρχεται πεδία· τὰ δὲ λεχθέντα ὕψη
 τῶν ὀρέων ἀνωμαλίαν ἔχει, πῇ μὲν ἐξηομένα μᾶλλον τὰ
 βόρεια, πῇ δὲ πλατυνόμενα τὰ μεσημβρινά· ἡ δὲ χιὼν 25
 οὐ τοῖς ὕψει κρίνεται μόνον ἀλλὰ καὶ τοῖς κλίμασι·
 τό τε αὐτὸ ὄρος τὰ βόρεια μέρη νίφεται μᾶλλον ἢ τὰ
 νότια, καὶ τὴν χιόνα συμμένουσιν ἔχει μᾶλλον ἐκεῖνα
 ἢ ταῦτα. ὁ μὲν οὖν Τίγρις ἐκ τῶν νοτιωτάτων μερῶν
 τῆς Ἀρμενίας, αἱ πλησίον ἐστὶ τῆς Βαβυλωνίας, δεχό- 30
 μενος τὸ ἐκ τῶν χιόνων ὕδωρ οὐ πολὺ ὄν, αἵτε ἐκ τῆς
 νοτίου πλευρᾶς, ἦττον ἂν πλημμύροι· ὃ δὲ Εὐφράτης

τὸ ἐξ ἀμφοτέρων δέχεται τῶν μερῶν, καὶ οὐκ ἐξ ἐνὸς ὅρους ἀλλὰ πολλῶν, ὥς ἐδηλοῦμεν ἐν τῇ περιηγήσει τῆς Ἀρμενίας, προστιθεὶς τὸ μήκος τοῦ ποταμοῦ, ὅσον μὲν τὸ ἐν τῇ μεγάλῃ Ἀρμενίᾳ διέξεισι καὶ τῇ μικρᾷ, 5 ὅσον δὲ τὸ ἐκ τῆς μικρᾷς Ἀρμενίας καὶ τῆς Καππαδοκίας διὰ τοῦ Ταύρου διεκβαλὼν ἕως Θαψάκου φέρεται, τὴν κάτω Συρίαν καὶ τὴν Μεσοποταμίαν ἀφορίζων, ὅσον δὲ τὸ λοιπὸν μέχρι Βαβυλῶνος καὶ τῆς ἐκβολῆς ὁμοῦ τρισμυρίων καὶ ἑξακισχιλίων σταδίων. τὰ μὲν 10 οὖν περὶ τὰς διώρυγας τοιαῦτα.

Ἡ δὲ χώρα φέρει κριθὰς μὲν ὅσας οὐκ ἄλλη (καὶ 14 γὰρ τριακοσιοντάχουν λέγουσι), τὰ δὲ ἄλλα ἐκ τοῦ φοίνικος παρέχεται· καὶ γὰρ ἄρτον καὶ οἶνον καὶ ὄξος καὶ μέλι καὶ ἄλφιτα· τὰ τε πλεῖστα παντοῖα ἐκ τούτου· 15 τοῖς δὲ πυρῆσιν ἀντ' ἀνθρώπων οἱ χαλκεῖς χρῶνται, βρεχόμενοι δὲ τοῖς σιτιζομένοις εἰς τροφήν βουσί καὶ προβάτοις. φασὶ δ' εἶναι καὶ Περσικὴν ῥόδον, ἐν ᾗ τὰς ὠφελείας τριακόσιας καὶ ἑξήκοντα διαριθμοῦνται· ἐλαίῳ δὲ χρῶνται τῷ σησαμίνῳ τὸ πλέον· οἱ δ' ἄλλοι 20 τόποι σπανίζονται τούτου τοῦ φυτοῦ.

Γίνεται δ' ἐν τῇ Βαβυλωνίᾳ καὶ ἄσφαλτος πολλή, 15 περὶ ἧς Ἑρατοσθένης μὲν οὕτως εἰρηκεν ὅτι „ἡ μὲν ὑγρὰ ἦν καλοῦσι νάφθαν, γίνεται ἐν τῇ Σουσίδι, ἡ δὲ „ξηρὰ δυναμένη πῆττεσθαι ἐν τῇ Βαβυλωνίᾳ· ταύτης 25 „δ' ἐστὶν ἡ πηγὴ τοῦ Εὐφράτου πλησίον· πλημμύροντος δὲ τούτου κατὰ τὰς τῶν χιόνων τήξεις καὶ αὐτὴ „πληροῦται καὶ ὑπέρχυσιν εἰς τὸν ποταμὸν λαμβάνει· „ἐνταῦθα δὲ συνίστανται βῶλοι μεγάλοι πρὸς τὰς „οἰκοδομὰς ἐπιτήδειαί τας διὰ τῆς ὀπτῆς πλίνθου.“ 30 ἄλλοι δὲ καὶ τὴν ὑγρὰν ἐν τῇ Βαβυλωνίᾳ γίνεσθαι φασι. περὶ μὲν οὖν τῆς ξηρᾶς εἰρηται πόσον τὸ χρήσιμον τὸ ἐκ τῶν οἰκοδομιῶν μάλιστα· φασὶ δὲ καὶ πλοῖα

πλέκισθαι, ἐμπλασθέντα δ' ἀσφάλτῳ πυκνοῦσθαι. τὴν δὲ ὑγρὰν ἣν νάφθαν καλοῦσι, παράδοξον ἔχειν συμβαίνει τὴν φύσιν· προσαχθεὶς γὰρ ὁ νάφθας πυρὶ πλησίον ἀναρπάξει τὸ πῦρ, καὶ ἐπιχρίσας αὐτῷ σῶμα προσαγάγῃς, φλέγεται· σβέσαι δ' ὕδατι οὐχ οἷόν τε 5 (ἐκκαίεται γὰρ μᾶλλον) πλὴν εἰ πάνυ πολλῷ, ἀλλὰ πηλῷ καὶ ὄξει καὶ στυπτηρίᾳ καὶ ἑξὼ πνιγείς σβέννυται. πείρας δὲ χάριν φασὶν Ἀλέξανδρον ἐν λουτρῷ προσχέαι παιδί τοῦ νάφθα καὶ προσαγαγεῖν λύχνον· φλεγόμενον δὲ τὸν παῖδα ἐγγὺς ἐλθεῖν τοῦ ἀπολείσθαι, 10 πλὴν πολλῷ σφόδρα καταντλοῦντες τῷ ὕδατι ἐξίσχυσαν καὶ διέσωσαν οἱ περιεστῶτες. Ποσειδώνιος δὲ φησι τοῦ ἐν τῇ Βαβυλωνίᾳ νάφθα τὰς πηγὰς τὰς μὲν εἶναι λευκοῦ τὰς δὲ μέλανος· τούτων δὲ τὰς μὲν εἶναι θαίου ὑγροῦ (λέγω δὲ τὰς τοῦ λευκοῦ· ταύτας δ' εἶναι τὰς 15 ἐπισπῶσας τὰς φλόγας), τὰς δὲ τοῦ μέλανος ἀσφάλτου ὑγρᾶς, ὧς ἀντ' ἐλαίου τοὺς λύχνους κάουσι.

- 16 Πάλαι μὲν οὖν ἡ Βαβυλὼν ἦν μητρόπολις τῆς Ἀσσυρίας, νῦν δὲ Σελεύκεια ἡ ἐπὶ τῷ Τύγρει λεγομένη. πλησίον δ' ἐστὶ κώμη Κτησιφῶν λεγομένη, μεγάλη· 20 ταύτην δ' ἐποιοῦντο χειμάδιον οἱ τῶν Παρθυαίων βασιλεῖς φειδόμενοι τῶν Σελευκέων, ἵνα μὴ κατασταθμεύοιντο ὑπὸ τοῦ Σκυθικοῦ φύλου καὶ στρατιωτικοῦ· δυνάμει οὖν Παρθικῇ πόλις ἀντὶ κώμης ἐστὶ * καὶ τὸ μέγεθος, τοσοῦτόν γε πλῆθος δεχομένη καὶ τὴν κατα- 25 σκευὴν ὑπ' ἐκείνων αὐτῶν κατεσκευασμένη καὶ τὰ ὄνια καὶ τὰς τέχνας προσφόρους ἐκείνοις πεπορισμένη. ἠώθησιν γὰρ ἐνταῦθα τοῦ χειμῶνος διάγειν οἱ βασιλεῖς θιὰ τὸ εὐάερον· θέρους δὲ ἐν Ἐκβατάνοις καὶ τῇ Ἰρ- 30 κανίᾳ διὰ τὴν ἐπικράτειαν τῆς παλαιᾶς δόξης. ὥσπερ δὲ Βαβυλωνίαν τὴν χώραν καλοῦμεν, οὕτω καὶ τοὺς ἄνδρας τοὺς ἐκεῖθεν Βαβυλωνίους καλοῦμεν, οὐκ ἀπὸ

τῆς πολέως, ἀλλ' ἀπὸ τῆς χώρας· ἀπὸ δὲ τῆς Σελευ-^{C.744}
καίας ἦττον, καὶ ἐκεῖθεν ὥσι, καθάπερ Διογένη τὸν
στωικὸν φιλόσοφον.

Ἔστι δὲ καὶ Ἀρτεμίτα πόλις ἀξιόλογος, διέχουσα ¹⁷
5 πεντακοσίους τῆς Σελευκαίας σταδίου, πρὸς ἕω τὸ
πλέον, καθάπερ καὶ ἡ Σιτακηνή· καὶ γὰρ αὕτη πολλή
τε καὶ ἀγαθὴ μέση Βαβυλωνος τέτακται καὶ τῆς Σου-
σίδος, ὥστε τοῖς ἐκ Βαβυλωνος εἰς Σούσα βαδίζουσι
διὰ τῆς Σιτακηνῆς ἡ ὁδὸς ἅπασα πρὸς ἕω· πρὸς ἕω δ'
10 ἐστὶ καὶ τοῖς ἐκ Σούσων εἰς τὴν μεσόγαίαν τῆς Περσί-
δος διὰ τῆς Οὐξίας καὶ τοῖς ἐκ τῆς Περσίδος εἰς τὰ μέσα
τῆς Καρμανίας. τὴν μὲν οὖν Καρμανίαν ἐγκυκλοῦται
πρὸς [ἐσπέραν καὶ] ἄρκτον ἡ Περσίς πολλή οὔσα· ταύτη
δὲ συνάπτει ἡ Παραιτακηνή καὶ ἡ Κοσσαία μέχρι
15 Κασπίων πυλῶν, ὄρεινὰ καὶ ληστρικὰ ἔθνη· τῇ δὲ
Σουσίδι ἡ Ἐλυμαῖς καὶ αὕτη τραχεῖα ἡ πολλή καὶ λη-
στρική· τῇ δὲ Ἐλυμαῖδι τὰ περὶ τὸν Ζάγρον καὶ ἡ
Μηδία.

Κοσσαῖοι μὲν οὖν εἰσι τοξόται τὸ πλέον, καθάπερ ¹⁸
20 καὶ οἱ συνεχεῖς ὄρεινοί, προνομεύοντες αἰεὶ· χώραν
γὰρ ἔχουσιν ὀλίγην τε καὶ λυπρὰν ὥστ' ἐκ τῶν ἄλλο-
τρίων ἀνάγκη ζῆν· ἀνάγκη δὲ καὶ ἰσχύειν· ἅπαντες
γὰρ εἰσι μάχιμοι· τοῖς γοῦν Ἐλυμαίοις συνεμάχουν
μύριοι καὶ τρισχίλιοι πολεμοῦσι πρὸς τε Βαβυλωνίους
25 καὶ Σουσίους. οἱ δὲ Παραιτακηνοὶ μᾶλλον μὲν τῶν
Κοσσαίων ἐπιμελοῦνται γῆς· ὅμως δὲ καὶ αὐτοὶ ληστη-
ρίων οὐκ ἀπέχονται. Ἐλυμαῖοι δὲ καὶ μείζω τούτων
κέκτηνται χώραν καὶ ποικιλωτέραν. ὅση μὲν οὖν ἀγαθὴ
γεωργοὺς ἔχει τοὺς ἐνοικοῦντας, ἡ δ' ὄρεινὴ στρατιω-
30 τας τρέφει τοξότας τοὺς πλείστους· πολλή δὲ οὔσα
πολὺ καὶ τὸ στρατιωτικὸν παρέχεται, ὥστε καὶ ὁ βασι-
λεὺς αὐτῶν δύναμιν κεκτημένος μεγάλην οὐκ ἀξιοῖ

τῷ τῶν Παρθυαίων βασιλεὶ παραπλησίως τοῖς ἄλλοις
 ὑπήκοος εἶναι· ὁμοίως δὲ καὶ πρὸς τοὺς Μακεδόνας
 πρότερον τοὺς τῆς Συρίας ἄρχοντας διέκειτο. Ἀντίοχον
 μὲν οὖν τὸν μέγαν τὸ τοῦ Βήλου συλᾶν ἱερὸν ἐπιχει-
 ρήσαντα ἀνείλον ἐπιθέμενοι καθ' αὐτοὺς οἱ πλησίον
 βάρβαροι. ἐκ δὲ τῶν ἐκείνῳ συμβάντων παιδευθεὶς
 ὁ Παρθυαῖος χρόνοις ὕστερον ἀκούων τὰ ἱερὰ πλούσια
 παρ' αὐτοῖς, ὁρῶν δ' ἀπειθοῦντας, ἐμβάλλει μετὰ θυ-
 νάμειος μεγάλης, καὶ τό τε τῆς Ἀθηνᾶς ἱερὸν εἴλε
 καὶ τὸ τῆς Ἀρτέμιδος, τὰ Ἄξαρα, καὶ ἦρε ταλάντων 10
 μυρίων γάζαν· ἠρώθη δὲ καὶ πρὸς τῷ Ἡδυνῶντι πο-
 ταμῷ Σελεύκεια, μεγάλη πόλις· Σολόκη δ' ἐκαλεῖτο
 πρότερον. τρεῖς δ' εἰσὶν εἰς τὴν χώραν εὐφυεῖς εἰσβολαί·
 ἐκ μὲν τῆς Μηδίας καὶ τῶν περὶ τὸν Ζάγγρον τόπων διὰ
 τῆς Μασσαβατικῆς, ἐκ δὲ τῆς Σουσίδος διὰ τῆς Γαβια- 15
 C.743 νῆς (ἐπαρχίαι δ' εἰσὶν αὗται τῆς Ἐλυμαίας ἢ τε Γαβιανῆ
 καὶ ἡ Μασσαβατικῇ), τρίτη δ' ἐστὶν ἡ ἐκ τῆς Περσίδος.
 ἔστι δὲ καὶ Κορβιανῇ ἐπαρχία τῆς Ἐλυμαίδος. ὅμοροι
 δ' εἰσὶ τούτοις Σαραπηνοὶ τε καὶ Σιλακηνοί, δυναστεῖται
 μικραί. τοσαῦτα μὲν καὶ τοιαῦτα ἔθνη πρὸς ἑω τὰ 20
 ὑπερκείμενα τῆς Βαβυλωνίας. πρὸς ἄρκτον δὲ τὴν
 Μηδίαν ἔφαμεν καὶ τὴν Ἀρμενίαν· ἀπὸ δὲ δύσεώς
 ἐστὶν ἡ Ἀδιαβηνῇ καὶ ἡ Μεσοποταμία.

- 19 Τῆς μὲν οὖν Ἀδιαβηνῆς ἡ πλείστη πεδιάς ἐστὶ, καὶ
 αὐτὴ τῆς Βαβυλωνίας μέρος οὖσα ἔχουσα δ' ὅμως ἄρ- 25
 χοντα ἰδιον, ἐστὶν ὅπη καὶ τῇ Ἀρμενίᾳ προσχωροῦσα.
 οἱ γὰρ Μηδοὶ καὶ οἱ Ἀρμένιοι τρίτοι δὲ Βαβυλώνιοι
 τὰ μέγιστα τῶν ἔθνων τῶν ταύτῃ διατέλουν οὕτως ἐξ
 ἀρχῆς συνεσιτῶτες ὥστ' ἀλλήλοις ἐπιτίθεσθαι κατὰ
 καιροὺς τοὺς οἰκίους ἕκαστοι καὶ πάλιν διαλύεσθαι· 30
 καὶ τοῦτο καὶ μέχρι τῆς τῶν Παρθυαίων ἐπικρατείας
 διέμεινε. τῶν μὲν οὖν Μηδων καὶ τῶν Βαβυλωνίων

ἐπάρχουσι Παρθυαῖοι, τῶν δ' Ἀρμενίων οὐδ' ἄπαξ· ἀλλ' ἐφοδοὶ μὲν γηγόνασι πολλάκις, ἀνὰ κράτος δ' οὐχ ἐάλωσαν, ἀλλ' ὁ γε Τιγράνης καὶ ἐρρωμένως ἀντεπεκράτησεν, ὡς ἐν τοῖς Ἀρμενιοκοῖς εἴρηται. ἡ μὲν οὖν
 5 Ἀδιαβηνὴ τοιαύτη· περὶ δὲ τῆς Μεσοποταμίας ἐροῦμεν ἐφεξῆς καὶ τῶν πρὸς μεσημβρίαν ἐθνῶν, ἐπιόντες ἐπὶ μικρὸν πρότερον τὰ λεγόμενα περὶ τῶν ἐθνῶν τῶν παρὰ τοῖς Ἀσσυριοῖς.

Τάλλα μὲν οὖν ἔοικε τοῖς Περσικοῖς, ἴδιον δὲ τὸ
 10 καθεστάναι τρεῖς ἄνδρας σῶφρονας ἐκάστης ἄρχοντας φυλῆς, οἱ τὰς ἐπιγάμους κόρας προσάγοντες εἰς τὸ πλῆθος ἀποκηρύττουσι τοῖς νυμφίοις αἱ τὰς ἐντιμότητας πρώτας. οὕτω μὲν αἱ συζυγαὶ τελοῦνται· ὁσάκις δ' ἂν μιχθῶσιν ἀλλήλοις, ἐπιθυμιάσοντες ἐξανίστανται
 15 ἐκάτερος χωρὶς· ὁρθρον δὲ λούονται πρὶν ἀγγεῖον τι νὸς ἄφασθαι· παραπλησίως γὰρ ὥσπερ ἀπὸ νεκροῦ τὸ λουτρὸν ἐν ἔθει ἐστίν, οὕτω καὶ ἀπὸ συνουσίας. πάσαις δὲ ταῖς Βαβυλωνίαις ἔθος κατὰ τι λόγιον ξένφ μίγνυσθαι πρὸς τι ἀφροδίσιον ἀφικομέναις μετὰ πολ-
 20 λῆς θεραπείας καὶ ὄχλου· θώμιγγι δ' ἐστεπται ἐκάστη· ὁ δὲ προσιὼν καταθεὶς ἐπὶ τὰ γόνατα ὅσον καλῶς ἔχει ἀργύριον, συγγίνεται ἅπωθεν τοῦ τεμένου ἀπαγαγών· τὸ δ' ἀργύριον ἱερὸν τῆς Ἀφροδίτης νομίζεται. ἀρχεῖα δ' ἐστὶ τρία, τὸ τῶν ἀφειμένων ἤδη τῆς στρα-
 25 τείας καὶ τὸ τῶν ἐνδοξοτάτων καὶ τὸ τῶν γερόντων, χωρὶς τοῦ ὑπὸ τοῦ βασιλέως καθισταμένου. τούτου δ' ὁ. 746
 ἐστὶ τὸ τὰς παρθένους ἐκδιδόναι καὶ τὸ τὰς περὶ τῆς μοιχείας δικάζειν δίκας, ἄλλου δὲ τὸ τὰς τῆς κλοπῆς, τρίτου τὸ περὶ τῶν βιαίων. τοὺς δ' ἀρρώστους εἰς τὰς
 30 τριόδους ἐκτιθέντες πυνθάνονται τῶν παριόντων εἰ

γ. post τοιαύτη: καλοῦνται δ' οἱ Ἀδιαβηνοὶ καὶ Σακκόποδες·
 STRABO III. 15

τίς τι ἔχει λέγειν τοῦ πάθους ἄκος· οὐδείς τί ἐστιν οὕτω κακὸς τῶν παριόντων, ὃς οὐκ ἐντυχὼν εἰ τι φρονεῖ σωτήριον ὑποτίθεται. ἐσθῆς δ' αὐτοῖς ἐστι χιτῶν λινοῦς ποδήρης καὶ ἐπενδύτης ἐρεοῦς, ἱμάτιον λευκόν, κόμη μακρά, ὑπόδημα ἐμβάδι ὅμοιον. φοροῦσι δὲ καὶ σφραγίδα καὶ σκήπτρον οὐ λιτὸν ἀλλ' ἐπίσημον, ἔχον ἐπάνω μῆλον ἢ ῥόδον ἢ κρίνον ἢ τι τοιοῦτον· ἀλείφονται δ' ἐκ τοῦ σησάμου· θρηνοῦσι δὲ τοὺς ἀποθανόντας, ὥς Αἰγύπτιοι καὶ πολλοὶ τῶν ἄλλων· θάπτουσι δ' ἐν μέλιτι κηρῷ περιπλάσαντες. τρεῖς δ' εἰσὶ φρατρίαί 10 τῶν ἀπόρων σίτου· ἔλαιοι δ' εἰσὶν οὗτοι καὶ ἰχθυοφάγοι, διακτώμενοι παραπλησίως τοῖς κατὰ τὴν Γεδρωσίαν.

- 21 Μεσοποταμία δ' ἀπὸ τοῦ συμβεβηκότος ὠνόμασται· εἰρηται δ' ὅτι κεῖται τοῦ Εὐφράτου μεταξὺ καὶ 15 τοῦ Τίγριος καὶ διότι ὁ μὲν Τίγρις τὸ ἐσθινὸν αὐτῆς μόνον κλύζει πλευρόν, τὸ δ' ἐσπέριον καὶ νότιον ὁ Εὐφράτης· πρὸς ἄρκτον δὲ ὁ Ταῦρος ὁ τοὺς Ἀρμενίους διορίζων ἀπὸ τῆς Μεσοποταμίας. τὸ μὲν οὖν μέγιστον ὃ ἀφίστανται διάστημα ἀπ' ἀλλήλων τὸ πρὸς 20 τοῖς ὄρεσιν ἐστι· τοῦτο δ' ἂν εἴη τὸ αὐτὸ ὅπερ εἰρηκεν Ἐρατοσθένους, τὸ ἀπὸ Θαψάκου, καθ' ὃ ἦν τὸ ζευγμα τοῦ Εὐφράτου τὸ παλαιόν, ἐπὶ τὴν τοῦ Τίγριος διαβάσιν, καθ' ἣν διέβη Ἀλέξανδρος αὐτόν, δισχιλίων τετρακοσίων· τὸ δ' ἐλάχιστον μικρῷ πλεον τῶν διακο- 25 σίων κατὰ Σελεύκειάν που καὶ Βαβυλῶνα. διαρρεῖ δ' ὁ Τίγρις τὴν Θωπίτιν καλουμένην λίμνην κατὰ πλάτος μέσην· περαιωθεὶς δ' ἐπὶ θάτερον χεῖλος κατὰ γῆς δύεται μετὰ πολλοῦ ψόφου καὶ ἀναφυσημάτων, ἐπὶ πολὺ δ' ἐνεχθεὶς ἀφανὴς ἀνίσχει πάλιν οὐ πολὺ ἅπω- 30 θεν τῆς Γορδυναίας· οὕτω δὲ σφοδρῶς διεκβάλλει τὴν λίμνην, ὥς φησιν Ἐρατοσθένης, ὥστε ἀλμυρὰν αὐτὴν

οὐσαν καὶ ἀνιχθὺν γλυκεῖαν κατὰ τοῦτ' εἶναι τὸ μέρος καὶ ῥοώδη καὶ ἰχθύων πλήρη.

Ἐπὶ μῆκος δὲ συχνὸν προπέπτωκεν ἡ συναγωγὴ 22
τῆς Μεσοποταμίας καὶ πλοῖα πῶς ἔοικε· ποιεῖ δὲ τὸ
5 πλεῖστον τῆς περιφερείας ὁ Εὐφράτης· καὶ ἔστι τὸ μὲν
ἀπὸ τῆς Θαψάκου μέχρι Βαβυλῶνος, ὡς εἰρηκεν Ἑρα-
τοσθένης, τετρακισχίλιοι καὶ ὀκτακόσιοι στάδιοι· τὸ δ'
ἀπὸ τοῦ κατὰ Κομμαγηνὴν ζεύγματος, ἥπερ ἐστὶν
ἀρχὴ τῆς Μεσοποταμίας, οὐκ ἔλαττον τῶν δισχιλίων C.747
10 σταδίων ἕως ἐπὶ Θάψακον.

Ἔστι δ' ἡ μὲν παρόρειος εὐδαίμων ἱκανῶς· ἔχουσι 23
δ' αὐτῆς τὰ μὲν πρὸς τῷ Εὐφράτῃ καὶ τῷ ζεύγματι,
τῷ τε νῦν τῷ κατὰ τὴν Κομμαγηνὴν καὶ τῷ πάλαι τῷ
κατὰ τὴν Θάψακον, οἱ Μυγδόνες κατονομασθέντες
15 ὑπὸ τῶν Μακεδόνων· ἐν οἷς ἐστὶν ἡ Νίσιβις, ἣν καὶ
αὐτὴν Ἀντιόχειαν τὴν ἐν τῇ Μυγδονίᾳ προσηγόρευ-
σαν, ὑπὸ τῷ Μασίῳ ὄρει κειμένην, καὶ Τιγρανόκερτα
καὶ τὰ περὶ Κάρρας καὶ Νικηφόριον χωρία καὶ Χορ-
δίραξα καὶ Σίννακα, ἐν ᾗ Κράσσος διεφθάρη, δόλω
20 ληφθεὶς ὑπὸ Σουρήνα τοῦ τῶν Παρθυαίων στρα-
τηγοῦ.

Πρὸς δὲ τῷ Τίγρει τὰ τῶν Γορδυαίων χωρία οὗς 24
οἱ πάλαι Καρδούχους ἔλεγον, καὶ αἱ πόλεις [αὐτῶν]
Σάρεισά τε καὶ Σάταλκα καὶ Πίνακα, κράτιστον ἔρυνμα,
25 τρεῖς ἄκρας ἔχουσα, ἐκάστην ἰδίῳ τείχει τετειχισμένην,
ὥστε οἷον τρίπολιν εἶναι. ἀλλ' ὅμως καὶ ὁ Ἀρμένιος
εἶχεν ὑπήκοον καὶ οἱ Ῥωμαῖοι βία παρέλαβον, καίπερ
ἔδοξαν οἱ Γορδυαῖοι διαφερόντως ἀρχιτεκτονικοὶ τινες
εἶναι καὶ πολιορκητικῶν ὀργάνων ἔμπειροι· διόπερ
30 αὐτοῖς εἰς ταῦτα ὁ Τιγράνης ἐχρῆτο. ἐγένετο δὲ καὶ ἡ
λοιπὴ Μεσοποταμία ὑπὸ Ῥωμαίοις, Πομπήιος δ' αὐ-
τῆς τὰ πολλὰ τῷ Τιγράνῃ προσένειμεν ὅσα ἦν ἀξιά·

λογα· ἔστι γὰρ εὐβοτος ἡ χώρα καὶ εὐερνῆς ὥστε καὶ τὰ ἀειθαλῆ τρέφειν καὶ ἄρωμα τὸ ἄμωμον· καὶ λεοντοβότος ἔστι· φέρει δὲ καὶ τὸν νάφθαν καὶ τὴν γαγγήτιν λίθον, ἣν φεύγει τὰ ἐρπετά.

- 25 *Λέγεται δὲ Γόρδυς ὁ Τριπτολέμου τὴν Γορδυηνὴν οἰκῆσαι, ὕστερον δὲ καὶ Ἑρετριεῖς οἱ ἀναρπασθέντες ὑπὸ Περσῶν. περὶ μὲν οὖν Τριπτολέμου δηλώσομεν*
 26 *ἐν τοῖς Συριακοῖς αὐτίκα. τὰ δὲ πρὸς μεσημβρίαν κεκλιμένα τῆς Μεσοποταμίας καὶ ἀπωτέρω τῶν ὁρῶν ἀνδρα καὶ λυπρὰ ὄντα ἔχουσιν οἱ σκηνῖται Ἀραβες, 10*
ληστρικοὶ τινες καὶ ποιμενικοί, μεθιστάμενοι ῥαδίως εἰς ἄλλους τόπους, ὅταν ἐπιλείψωσιν αἱ νομαὶ καὶ αἱ λεηλασίαι. τοῖς οὖν παρορείοις ὑπὸ τε τούτων κακοῦσθαι συμβαίνει καὶ ὑπὸ τῶν Ἀρμενίων· ὑπέρκεινται δὲ καὶ καταδυναστεύουσι διὰ τὴν ἰσχύ· τέλος δ' ὑπ' 15
ἐκείνοις εἰσὶ τὸ πλεον ἢ τοῖς Παρθυαίοις· ἐν πλευραῖς γάρ εἰσι κάκεινοι τὴν τε Μηδίαν ἔχοντες καὶ τὴν Βαβυλωνίαν.

- 27 *Μεταξὺ δὲ τοῦ Εὐφράτου καὶ τοῦ Τίγριος ἔσθ' καὶ ἄλλος ποταμὸς Βασίλειος καλούμενος, καὶ περὶ τὴν 20*
 C.748 *Ἀνθιμουσίαν ἄλλος Ἀβόρρας· διὰ δὲ τῶν Σκηνιτῶν, * ὑπὸ τῶν Μαλίων νυνὲ λεγομένων, καὶ τῆς ἐκείνων ἐρημίας ἡ ὁδὸς τοῖς ἐκ τῆς Συρίας εἰς Σελεύκειαν καὶ Βαβυλῶνα ἐμπορευομένοις ἔστιν. ἡ μὲν οὖν διάβασις τοῦ Εὐφράτου κατὰ τὴν Ἀνθιμουσίαν ἔστιν αὐτοῖς, 25*
τόπον τῆς Μεσοποταμίας· ὑπέρκειται δὲ τοῦ ποταμοῦ σχοίνους τέτταρας διέχουσα ἡ Βαμβύκη, ἣν καὶ Ἐδεσσαν καὶ Ἱερὰν πόλιν καλοῦσιν, ἐν ἣ ἱμιῶσι τὴν Συρίαν θεὸν τὴν Ἀταργάτιν. διαβάντων δὲ ἡ ὁδὸς ἔστι διὰ τῆς ἐρήμου ἐπὶ τοὺς τῆς Βαβυλωνίας ὄρους μέχρι Σκη- 30
νῶν, ἀξιολόγου πόλεως ἐπὶ τινος διώρυγος ἰδρυμένης. ἔστι δ' ἀπὸ τῆς διαβάσεως μέχρι Σκηνῶν ἡμερῶν πέντε

καὶ εἰκοσιν ὁδός. καμηλῖται δ' εἰσὶ, καταγωγὰς ἔχοντες
 τοτὲ μὲν ὑδρείων εὐπόρους τῶν λακκαίων τὸ πλεόν,
 τοτὲ δ' ἐπακτοῖς χρώμενοι τοῖς ὕδασι. παρέχουσι δ'
 αὐτοῖς οἱ Σκηνῖται τὴν τε εἰρήνην καὶ τὴν μετριότητα
 5 τῆς τῶν τελῶν πράξεως, ἧς χάριν φεύγοντες τὴν πα-
 ραποταμίαν διὰ τῆς ἐρήμου παραβάλλονται, καταλι-
 πόντες ἐν δεξιᾷ τὸν ποταμὸν ἡμερῶν σχεδόν τι τριῶν
 ὁδόν. οἱ γὰρ παροικοῦντες ἐκατέρωθεν τὸν ποταμὸν
 φύλαρχοι, χώραν οὐκ εὐπορον ἔχοντες, ἦττον δὲ ἄπο-
 10 ρον νεμόμενοι, δυναστείαν ἕκαστος ἰδίᾳ περιβεβλημέ-
 νος ἰδίου καὶ τελώνιον ἔχει, καὶ τοῦτ' οὐ μέτριον.
 χαλεπὸν γὰρ ἐν τοῖς τοσούτοις καὶ τούτοις αὐθάδεσι
 κοινὸν ἀφορισθῆναι μέτρον τὸ τῷ ἐμπόρῳ λυσιτελές.
 διέχουσι δὲ τῆς Σελευκείας αἱ Σκηναὶ σχολίους ὄκτω-
 15 καὶ δέκα.

Ὅριον δ' ἐστὶ τῆς Παρθυαίων ἀρχῆς ὁ Εὐφράτης 28
 καὶ ἡ περαία· τὰ δ' ἐντὸς ἔχουσι Ῥωμαῖοι καὶ τῶν Ἀρά-
 βων οἱ φύλαρχοι μέχρι Βαβυλωνίας, οἱ μὲν μᾶλλον
 ἐκείνοις οἱ δὲ τοῖς Ῥωμαίοις προσέχοντες, οἷσπερ καὶ
 20 πλησιόχωροί εἰσιν, ἦττον μὲν Σκηνῖται οἱ νομάδες οἱ
 τῷ ποταμῷ πλησίον, μᾶλλον δ' οἱ ἄνωθεν καὶ πρὸς τῇ
 εὐδαίμονι Ἀραβίᾳ. οἱ δὲ Παρθυατοὶ καὶ πρότερον μὲν
 ἐφρόντιζον τῆς πρὸς Ῥωμαίους φιλίας, τὸν δὲ ἄρξαντα
 πολέμου Κράσσον ἡμύναντο· καὶ αὐτοὶ ἄρξαντες τῆς
 25 μάχης τῶν ἰσῶν ἔτυχον, ἥνίκα ἐπεμψαν ἐπὶ τὴν Ἀσίαν
 Πάκορον Ἀντώνιος δὲ συμβούλῳ τῷ Ἀρμενίῳ
 χρώμενος προϋδόθη καὶ κακῶς ἐπολέμησεν· ὁ δ' ἐκεί-
 νον διαδεξάμενος Φραάτης τοσοῦτον ἰσπούδασε περὶ
 τὴν φιλίαν τὴν πρὸς Καίσαρα τὸν Σεβαστὸν ὥστε καὶ
 30 τὰ τρόπαια ἐπεμψεν ἅ κατὰ Ῥωμαίων ἀνίστησαν Παρ-
 θυατοὶ, καὶ καλέσας εἰς σύλλογον Τίτιον τὸν ἐπιστα-
 τοῦντα τότε τῆς Συρίας, τέτταρας παῖδας γνησίους

ἐνχειρίσειεν ὄμηρα αὐτῶ, Σεραспаδάνην καὶ Ῥωδά-
σπην καὶ Φραάτην καὶ Βονώνην, καὶ γυναῖκας τούτων
δύο καὶ υἱεὺς τέτταρας, δεδιῶς τὰς στάσεις καὶ τοὺς
ἐπιτιθεμένους αὐτῶ· ἦδαι γὰρ μηδένα ἰσχύσοντα καθ'
C.749 ἑαυτὸν, ἂν μὴ τινα ἐπιλάβῃ τοῦ Ἀρσακίου γένους διὰ
τὸ εἶναι σφόδρα φιλαρσάκας τοὺς Παρθυαίους· ἐκπο-
δῶν οὖν ἐποίησε τοὺς παῖδας, ἀφελίσθαι ζητῶν τὴν
ἐλπίδα ταύτην τοὺς κακουργοῦντας. τῶν μὲν οὖν παί-
δων ὅσοι περιείσιν ἐν Ῥώμῃ δημοσίᾳ βασιλικῶς τημε-
λοῦνται· καὶ οἱ λοιποὶ δὲ βασιλεῖς πρεσβευόμενοι καὶ 10
εἰς συλλόγους ἀφικνούμενοι διατετελέκασιν.

2 Ἡ δὲ Συρία πρὸς ἄρκτον μὲν ἀφώρισται τῇ Κιλι-
κίᾳ καὶ τῷ Ἀμανῶ· ἀπὸ θαλάττης δ' ἐπὶ τὸ ζεύγμα τοῦ
Εὐφράτου στάδιοί εἰσιν οἱ τὸ λεχθὲν πλευρὸν ἀφορί-
ζοντες οὐκ ἐλάττους τῶν [χιλίων καὶ] τετρακοσίων· 15
πρὸς ἑω δὲ τῷ Εὐφράτῃ καὶ τοῖς ἐντὸς τοῦ Εὐφράτου
σκηνίταις Ἀραβί· πρὸς δὲ νότον τῇ εὐδαίμονι Ἀραβίᾳ
καὶ τῇ Αἰγύπτῳ· πρὸς δύσιν δὲ τῷ Αἰγυπτίῳ τε καὶ
Συριακῷ πελάγει μέχρι Ἰσσοῦ.

2 Μέρη δ' αὐτῆς τίθεμεν ἀπὸ τῆς Κιλικίας ἀρξάμε- 20
νοι καὶ τοῦ Ἀμανοῦ τὴν τε Κομμαγενὴν καὶ τὴν Σε-
λευκίδα καλουμένην τῆς Συρίας, ἔπειτα τὴν κόλην
Συρίαν, τελευταίαν δ' ἐν μὲν τῇ παραλίᾳ τὴν Φοινί-
κην, ἐν δὲ τῇ μεσογαίᾳ τὴν Ἰουδαίαν. ἐνιοὶ δὲ τὴν Συ-
ρίαν ὅλην εἰς τε Κοιλοσύρους [καὶ Σύρους] καὶ Φοίνι- 25
κας διελόντες τούτοις ἀναμεμῖχθαι φασὶ τέτταρα ἔθνη,
Ἰουδαίους Ἰδουμαίους Γαζαίους Ἀζωτίους, γεωργικοὺς
μὲν, ὥς τοὺς Σύρους καὶ Κοιλοσύρους, ἐμπορικοὺς δέ,
ὥς τοὺς Φοίνικας.

14. post εἰσιν: ἀπὸ τοῦ Ἰσσηκοῦ κόλπου μέχρι τοῦ ζεύγματος τοῦ κατὰ Κομμαγενὴν

Καθόλου μὲν οὕτω, καθ' ἑκαστα δὲ ἡ Κομμαγενὴ 3
 μικρά τις ἐστίν· ἔχει δ' ἐρυμνὴν πόλιν Σαμώσατα ἐν
 ἣ τὸ βασίλειον ὑπῆρχε, νῦν δ' ἐπαρχία γέγονε· χώρα
 δὲ περικείται σφόδρα εὐδαίμων, ὀλίγη [δέ]. ἐνταῦθα
 5 δὲ νῦν ἐστὶ τὸ ξεῦγμα τοῦ Εὐφράτου· κατὰ τοῦτο δὲ
 Σελεύκεια ἰδρύται φρούριον τῆς Μεσοποταμίας προσ-
 ωρισμένον ὑπὸ Πομπηίου τῷ Κομμαγενῶ, ἐν ᾧ τὴν
 Σελήνην ἐπικληθεῖσαν Κλεοπάτρην Τιγράνης ἀνείλε,
 καθείρξας χρόνον τινὰ ἡνίκα τῆς Συρίας ἐξέπεισεν.
 10 Ἡ δὲ Σελευκίς ἀρίστη μὲν ἐστὶ τῶν λεχθεῖσων 4
 μερίδων, καλεῖται δὲ τετράπολις καὶ ἐστὶ κατὰ τὰς
 ἐξεχούσας ἐν αὐτῇ πόλεις, ἐπεὶ πλείους γέ εἰσι, μέγισται
 δὲ τέτταρες, Ἀντιόχεια ἡ ἐπὶ Λάφνῃ καὶ Σελεύκεια ἡ
 ἐν Πιερίᾳ καὶ Ἀπάμεια δὲ καὶ Λαοδίκεια, αἵπερ καὶ
 15 ἐλέγοντο ἀλλήλων ἀδελφαὶ διὰ τὴν ὁμόνοιαν, Σελεύ-
 κου τοῦ Νικάτορος κτίσματα· ἡ μὲν οὖν μεγίστη τοῦ
 πατρὸς αὐτοῦ ἐπώνυμος, ἡ δ' ἐρυμνοτάτη αὐτοῦ, αἱ
 δ' ἄλλαι ἡ μὲν Ἀπάμεια τῆς γυναικὸς αὐτοῦ Ἀπάμας, C.750
 ἡ δὲ Λαοδίκεια τῆς μητρός. οἰκίως δὲ τῇ τετραπόλει
 20 καὶ εἰς σατραπείας διήρητο τέτταρας ἡ Σελευκίς, ὥς
 φησι Ποσειδώνιος, εἰς ὅσας καὶ ἡ κοίλη Συρία, * εἰς
 μίαν δ' ἡ Μεσοποταμία. ἐστὶ δ' ἡ μὲν Ἀντιόχεια καὶ
 αὕτη τετράπολις, ἐκ τεττάρων συνεστῶσα μερῶν· τε-
 τείχισται δὲ καὶ κοινῶς τείχει καὶ ἰδίῳ καθ' ἑκαστον τὸ
 25 κτίσμα· τὸ μὲν οὖν πρῶτον αὐτῶν ὁ Νικάτωρ συνή-
 κισε μεταγαγὼν ἐκ τῆς Ἀντιγονείας τοὺς οἰκητόρας, ἣν
 πλησίον ἐτείχισεν Ἀντίγονος ὁ Φιλίππου μικρὸν πρό-
 τερον, τὸ δὲ δεύτερον τοῦ πλήθους τῶν οἰκητόρων ἐστὶ
 30 κτίσμα, τὸ δὲ τρίτον Σελεύκου τοῦ Καλλινίκου, τὸ δὲ
 τετάρτον Ἀντιόχου τοῦ Ἐπιφανοῦς.

Καὶ δὴ καὶ μητρόπολις ἐστὶν αὕτη τῆς Συρίας, καὶ 5
 τὸ βασίλειον ἐνταῦθα ἰδρύτο τοῖς ἄρχουσι τῆς χώρας·

οὐ πολὺ τε λείπεται καὶ δυνάμει καὶ μεγέθει Σελευ-
κείας τῆς ἐπὶ τῷ Τύγρει καὶ Ἀλεξανδρείας τῆς πρὸς
Αἰγύπτῳ. συνώκισε δ' ὁ Νικάτωρ ἐνταῦθα καὶ τοὺς
ἀπογόνους Τριπτολέμου, περὶ οὗ μικρὸν πρόσθεν
ἐμνήσθημεν· διόπερ Ἀντιοχεῖς ὡς ἤρωα τιμῶσι, καὶ
ἄγουσιν ἑορτὴν ἐν τῷ Κασίῳ ὅρει τῷ περὶ Σελεύκειαν.
φασὶ δ' αὐτὸν ὑπ' Ἀργείων πεμφθέντα ἐπὶ τὴν Ἰοῦς
ζήτησιν, ἐν Τύρῳ πρῶτον ἀφανοῦς γενηθείσης, πλα-
νᾶσθαι κατὰ τὴν Κιλικίαν· ἐνταῦθα δὲ τῶν σὺν αὐτῷ
τινας Ἀργείων κτίσαι τὴν Ταρσὸν ἀπελθόντας παρ'
αὐτοῦ· τοὺς δ' ἄλλους συνακολουθήσαντας εἰς τὴν
ἐξῆς παραλίαν, ἀπογνόντας τῆς ζητήσεως ἐν τῇ ποτα-
μῇ τοῦ Ὀρόντου καταμεῖναι σὺν αὐτῷ· τὸν μὲν οὖν
υἱὸν τοῦ Τριπτολέμου Γόρδυν ἔχοντά τινας τῶν σὺν
τῷ πατρὶ λαῶν εἰς τὴν Γορδυαίαν ἀποικῆσαι, τῶν δ'
ἄλλων τοὺς ἀπογόνους συνοίκους γενέσθαι τοῖς Ἀν-
τιοχεῦσιν.

6 Ὑπέρκειται δὲ τετταράκοντα σταδίοις ἡ Δάφνη,
κατοικία μετρία, μέγα δὲ καὶ συνηρηφὲς ἄλσος διαρ-
ρεόμενον πηγαίοις ὕδασιν, ἐν μέσῳ δὲ ἄσυχλον τέμενος
καὶ νεῶς Ἀπόλλωνος καὶ Ἀρτέμιδος. ἐνταῦθα δὲ πα-
νηγυρίζειν ἔθος τοῖς Ἀντιοχεῦσι καὶ τοῖς ἀστυγαίτοσι·
κύκλος δὲ τοῦ ἄλσους ὀγδοήκοντα στάδιοι.

7 Ρεῖ δὲ τῆς πόλεως πλησίον Ὀρόντης ποταμός·
οὗτος δ' ἐκ τῆς κοίτης Συρίας τὰς ἀρχὰς ἔχων εἰθ' ὑπὸ
γῆν ἐνεχθεὶς ἀναδίδωσι πάλιν τὸ ρεῦμα, καὶ διὰ τῆς
Ἀπαμείων εἰς τὴν Ἀντιόχειαν προσελθὼν πλησιάσας τῇ
πόλει πρὸς τὴν θάλατταν καταφέρεται τὴν κατὰ Σε-
λεύκειαν· τὸ δ' ὄνομα τοῦ γειφυρώσαντος αὐτὸν
Ὀρόντου μετέλαβε, καλούμενος πρότερον Τυφῶν. μυ-
θεύουσι δ' ἐνταῦθά που τὰ περὶ τὴν κεραυνῶσιν τοῦ
Τυφῶνος καὶ τοὺς Ἀρίμους, περὶ ὧν εἰπομεν καὶ πρό-

τερον· φασί δὲ τυπτόμενον τοῖς κεραυνοῖς (εἶναι δὲ 0.751
 δράκοντα) φεύγειν κατάδυσιν ζητοῦντα· τοῖς μὲν οὖν
 ὁλοκοῖς ἐντεμεῖν τὴν γῆν καὶ ποιῆσαι τὸ ρεῖθρον τοῦ
 ποταμοῦ, καταδύντα δ' εἰς γῆν ἀναρρῆξαι τὴν πηγὴν·
 5 ἐκ δὲ τούτου γενέσθαι τοῦνομα τῷ ποταμῷ. πρὸς δὲ
 σιν μὲν οὖν θάλαττα ὑπόκειται τῇ Ἀντιοχείᾳ κατὰ Σε-
 λεύκειαν, πρὸς ἣ καὶ τὰς ἐκβολὰς ὁ Ὀρόντης ποιεῖται,
 διεχούσῃ τῶν μὲν ἐκβολῶν σταδίους τετταράκοντα,
 τῆς δ' Ἀντιοχείας ἑκατὸν εἰκοσιν. ἀνάπλους δ' ἐκ θα-
 10 λάττης ἐστὶν εἰς τὴν Ἀντιόχειαν αὐθημερόν. πρὸς ἔω
 δ' ὁ Εὐφράτης ἐστὶ καὶ ἡ Βαμβύκη καὶ ἡ Βέροια καὶ ἡ
 Ἡράκλεια τῇ Ἀντιοχείᾳ, πολέχνια τυραννούμενά ποτε
 ὑπὸ Διονυσίου τοῦ Ἡρακλείωνος. διέχει δ' ἡ Ἡράκλεια
 σταδίους εἰκοσι τοῦ τῆς Ἀθηνᾶς ἱεροῦ τῆς Κυρρη-
 15 στίδος.

Ἐῖτα ἡ Κυρρηστικὴ μέχρι τῆς Ἀντιοχίδος· ἀπὸ δὲ 8
 τῶν ἄρκτων ἐστὶ τό τε Ἀμανὸν πλησίον καὶ ἡ Κομμα-
 γηνή· συνάπτει δὲ τούτοις ἡ Κυρρηστικὴ μέχρι δεῦρο
 παραταίνουσα. ἐνταῦθα δ' ἐστὶ πόλις Γίνδαρος, ἀκρό-
 20 πολις τῆς Κυρρηστικῆς καὶ ληστήριον εὐφνές, καὶ
 Ἡράκλειόν τι καλούμενον πλησίον ἱερὸν· περὶ οὓς
 τόπους ὑπὸ Δεντιδίου Πάκορος διεφθάρη, ὁ πρεσβύ-
 τatos τῶν τοῦ Παρθυαίου παιδῶν, ἐπιστρατεύσας τῇ
 Συρίᾳ. τῇ δὲ Γινδάρῳ συνάπτουσιν αἱ Πάγραι τῆς
 25 Ἀντιοχίδος, χωρίον ἐρυμνὸν κατὰ τὴν ὑπέρθεισιν τοῦ
 Ἀμανοῦ τὴν ἐκ τῶν Ἀμανίδων πυλῶν εἰς τὴν Συρίαν
 καίμενον. ὑποπίπτει μὲν οὖν ταῖς Πάγραις τὸ τῶν
 Ἀντιοχείων πεδίον, δι' οὗ ῥεῖ ὁ Ἀρκευθος ποταμὸς καὶ
 ὁ Ὀρόντης καὶ ὁ Λαβώτας. ἐν δὲ τούτῳ ἐστὶ τῷ πεδίῳ
 30 καὶ ὁ Μελεάγρου χάραξ καὶ ὁ Οἰνοπάρας ποταμός, ἐφ'
 ᾧ τὸν Βάλαν Ἀλέξανδρον μάχῃ νικήσας ὁ φιλομήτωρ
 Πτολεμαῖος ἐτελεύτησεν ἐκ τραύματος. ὑπέρεκειται δ'

αὐτῶν λόφος Τραπεζῶν ἀπὸ τῆς ὁμοιότητος καλούμε-
νος, ἐφ' ᾧ Ξεντίδιος πρὸς Φρανικάτην τὸν Παρθυαίων
στρατηγὸν ἔσχε τὸν ἀγῶνα. πρὸς θαλάττῃ δὲ τούτων
ἐστὶν ἡ Σελεύκεια καὶ ἡ Πιερία, ὄρος συνεχὲς τῷ Ἀμα-
νῷ, καὶ ἡ Ῥωσὸς μεταξὺ Ἰσσοῦ καὶ Σελευκείας ἰδρυ- 5
μένη. ἐκαλεῖτο δ' ἡ Σελεύκεια πρότερον Ὑδατος πο-
ταμοί· ἔρυμα δὲ ἐστὶν ἀξιόλογον καὶ κρεῖττον βίας ἢ
πόλις. διόπερ καὶ ἐλευθέραν αὐτὴν ἔκρινε Πομπήιος
ἀποκλείσας Τιγράνην. πρὸς νύτον δ' ἐστὶ τοῖς μὲν
Ἀντιοχεῦσιν Ἀπάμεια ἐν μεσογαίᾳ κειμένη, τοῖς δὲ Σε- 10
λευκεῦσι τὸ Κάσιον ὄρος καὶ τὸ Ἀντικάσιον· ἐτι δὲ
πρότερον μετὰ τὴν Σελεύκειαν αἱ ἐκβολαὶ τοῦ Ὀρόν-
του· εἴτα τὸ νυμφαῖον, σπήλαιόν τι ἱερὸν· εἴτα τὸ
Κάσιον· ἐφεξῆς δὲ Ποσειδίου πόλιν καὶ Ἡράκλεια.

9 Εἴτα Λαοδίκεια, ἐπὶ τῇ θαλάττῃ κάλλιστα ἐκτι- 15
σμένη καὶ εὐλίμενος πόλις χώραν τε ἔχουσα πολυοῖνον
C.762 πρὸς τῇ ἄλλῃ εὐκαρπία. τοῖς μὲν οὖν Ἀλεξανδρεῦσιν
αὕτη παρέχει τὸ πλεῖστον τοῦ οἴνου, τὸ ὑπερκείμενον
τῆς πόλεως ὄρος πᾶν κατάμπελον ἔχουσα μέχρι σχεδόν
τι τῶν κορυφῶν· αἱ δὲ κορυφαὶ τῆς μὲν Λαοδικείας 20
πολὺ ἄπωθέν εἰσιν, ἡρέμα ἀπ' αὐτῆς καὶ κατ' ὀλίγον
ἀνακλινόμεναι, τῆς Ἀπαμείας δ' ὑπερκύπτουσιν ἐπ'
ὄρθιον ὕψος ἀνατεταμέναι. ἐλύπησε δ' οὐ μετρίως
Δολαβέλλας καταφυγὼν εἰς αὐτὴν καὶ ἐμπολιορκηθεὶς
ὑπὸ Κασσίου μέχρι θανάτου, συνδιαφθείρας ἑαυτῷ 25
καὶ τῆς πόλεως πολλὰ μέρη.

10 Ἡ δ' Ἀπάμεια καὶ πόλιν ἔχει τὸ πλέον εὐερκή·
λόφος γάρ ἐστιν ἐν πεδίῳ κοίλῳ τετειχισμένος καλῶς,
ὃν ποιεῖ χειρωνακίζοντα ὁ Ὀρόντης καὶ λίμνη περικει-
μένη μεγάλη καὶ ἔλη πλατεία λειμῶνάς τε βουβότους 30
καὶ ἱπποβότους διαχεομένους ὑπερβάλλοντας τὸ μέγε-
θος· ἢ τε δὴ πόλις οὕτως ἀσφαλῶς κεῖται (καὶ δὴ καὶ

Χερρόνησος ἐκλήθη διὰ τὸ συμβεβηκός) καὶ χώρας
 εὐπορεῖ παμπόλλης εὐδαίμονος, δι' ἧς ὁ Ὀρόντης ῥεῖ·
 καὶ περιπόλια συχνὰ ἐν ταύτῃ. ἐνταῦθα δὲ καὶ ὁ Νι-
 κάτωρ Σέλευκος τοὺς πεντακοσίους ἐλέφαντας ἔτρεφε
 5 καὶ τὸ πλεόν τῆς στρατιᾶς καὶ οἱ ὕστερον βασιλεῖς.
 ἐκαλεῖτο δὲ καὶ Πέλλα ποτὲ ὑπὸ τῶν πρώτων Μακεδό-
 νων διὰ τὸ τοὺς πλείστους τῶν Μακεδόνων ἐνταῦθα
 οἰκῆσαι τῶν στρατευομένων, τὴν δὲ Πέλλαν ὥσπερ
 μητρόπολιν γεγονέναι τῶν Μακεδόνων τὴν Φιλίππου
 10 καὶ Ἀλεξάνδρου πατρίδα. ἐνταῦθα δὲ καὶ τὸ λογιστή-
 ριον τὸ στρατιωτικὸν καὶ τὸ ἱπποτροφεῖον, θήλειαι
 μὲν ἵπποι βασιλικά πλείους τῶν τρισμυρίων, ὄχλαι δὲ
 τούτων τριακόσια· ἐνταῦθα δὲ καὶ πωλοδάμναι καὶ
 ὀπλομάχοι καὶ ὅσοι παιδεύται τῶν πολεμικῶν ἐμισθο-
 15 δοτοῦντο. δηλοῖ δὲ τὴν δύναμιν ταύτην ἡ τε τοῦ Τρύ-
 φωνος ἐπικληθέντος Διοδότου παραυξήσις καὶ ἐπίθε-
 σις τῇ βασιλείᾳ τῶν Σύρων, ἐντεῦθεν ὀρμηθέντος.
 ἐγγέγεννητο μὲν γὰρ ἐν Κασιανοῖς, φρουρίῳ τινὶ τῆς
 Ἀπαμείων γῆς, τραφεὶς δ' ἐν τῇ Ἀπαμείᾳ καὶ συστα
 20 θεὶς τῷ βασιλεὶ καὶ τοῖς περὶ αὐτόν, ἐπειδὴ νεωτερίζειν
 ὤρμησεν, ἐκ τῆς πόλεως ταύτης ἔσχε τὰς ἀφορμὰς καὶ
 τῶν περιοικίδων, Λαρίσης τε καὶ τῶν Κασιανῶν καὶ
 Μεγάρων καὶ Ἀπολλωνίας καὶ ἄλλων τοιούτων, αἱ
 συνετέλουν εἰς τὴν Ἀπάμειαν ἅπασαι· ἐκεῖνός τε δὴ
 25 βασιλεὺς τῆσδε τῆς χώρας ἀνεδείχθη καὶ ἀντίσχε πο-
 λὺν χρόνον, Βάσσος τε Καικίλιος μετὰ δυεῖν ταγμάτων
 ἀποστήσας τὴν Ἀπάμειαν διεκαρτέρησε τοσοῦτον χρό-
 νον πολιορκούμενος ὑπὸ δυεῖν στρατοπέδων μεγάλων
 Ῥωμαϊκῶν ὥστ' οὐ πρότερον εἰς τὴν ἐξουσίαν ἦκε πρὶν
 30 ἑκὼν ἐνχειρίσειν ἑαυτὸν ἐφ' οἷς ἐβεβούλητο· καὶ γὰρ 753
 τὴν στρατιὰν ἀπέτρεφεν ἡ χώρα καὶ συμμάχων εὐπό-
 ρει τῶν πλησίων φυλάρχων ἐχόντων εὐερκῇ χωρίᾳ· ὧν

ἔστι καὶ ἡ *Αυσιάς*, ὑπὲρ τῆς λίμνης καίμένη τῆς πρὸς
Ἀπαμεία, καὶ *Ἀρίθουσα* ἡ *Σαμφικεράμου* καὶ *Γαμβλί-*
χου τοῦ ἐκείνου παιδός, φυλάρχων τοῦ *Ἐμισσηνῶν*
ἔθνους. οὐ πόρρω δ' οὐδ' *Ἡλιούπολις* καὶ *Χαλκίς* ἡ
 ὑπὸ *Πτολεμαίῳ* τῷ *Μενναίου* τῷ τὸν *Μασσύναν* κατέ- 5
 χοντι καὶ τὴν *Ἰτουραίων* ὀρεινήν. τῶν δὲ συμμαχοῦν-
 των τῷ *Βάσσῳ* ἦν καὶ *Ἀλχαίδαμνος*, ὁ τῶν *Ραμβαίων*
βασιλεὺς τῶν ἐντὸς τοῦ *Εὐφράτου* νομάδων. ἦν δὲ
 φίλος *Ρωμαίων*, ἀδικεῖσθαι δὲ νομίσας ὑπὸ τῶν ἡγε-
 μόνων, ἐκπεσὼν εἰς τὴν *Μεσοποταμίαν* ἐμισθοφόρει 10
 τότε τῷ *Βάσσῳ*. ἐντεῦθεν δ' ἔστι *Ποσειδώνιος* ὁ στωι-
 κός, ἀνὴρ τῶν καθ' ἡμᾶς φιλοσόφων πολυμαθέστατος.

- 11 Ὅμορος δ' ἔστι τῇ *Ἀπαμείν* πρὸς ἑω μὲν ἡ τῶν
 φυλάρχων *Ἀράβων* καλουμένη *Παραποταμία* καὶ ἡ
Χαλκιδική ἀπὸ τοῦ *Μασσύνου* καθήκουσα καὶ πᾶσα ἡ 15
 πρὸς νότον τοῖς *Ἀπαμεύσιν*, ἀνδρῶν σκηνιτῶν τὸ
 πλεόν. παραπλήσιοι δ' εἰσὶ τοῖς ἐν τῇ *Μεσοποταμίᾳ*
 νομάσιν. αἶε δ' οἱ πλησιαιτέροι τοῖς *Σύροις* ἡμερώτε-
 ροι καὶ ἦττον *Ἀραβες* καὶ σκηνῖται, ἡγεμονίας ἔχοντες
 συντεταγμένους μᾶλλον, καθάπερ ἡ *Σαυφικεράμου* καὶ 20
 ἡ *Γαμβάρου* καὶ ἡ *Θίμελλα* καὶ ἄλλων τοιούτων.

- 12 Τοιαύτη μὲν ἡ μεσόγαια τῆς *Σελευκίδος*, ὁ δὲ πα-
 ράκλους ὁ λοιπὸς ἀπὸ τῆς *Λαοδικείας* ἔστι τοιοῦτος·
 τῇ γὰρ *Λαοδικείᾳ* πλησιάζει πολίχνια, τό τε *Ποσειδίον*
 καὶ τὸ *Ἡράκλειον* καὶ τὰ *Γάβαλα*. εἰτ' ἤδη ἡ τῶν *Ἀρα-* 25
δίων παραλία, *Πάλτος* καὶ *Βαλαναία* καὶ *Κάρνος*, τὸ
 ἐπίνμιον τῆς *Ἀράδου* λιμένιον ἔχον. εἰτ' *Ἐνυδρα* καὶ
Μάραθος πόλις *Φοινίκων* ἀρχαία κατεσπασμένη. τὴν
 δὲ χώραν *Ἀράδιοι* κατεκληρούχησαν καὶ τὰ *Σίμυρα* τὸ
 ἐφεξῆς χωρίον. τούτοις δ' ἡ *Ὀρθωσία* συνεχῆς ἔστι 30

καὶ ὁ Ἐλεύθερος ὁ πλησίον ποταμός, ὃν περ ὄριον ποιοῦνται τινες Σελευκίδος πρὸς τὴν Φοινίκην καὶ τὴν κοίλην Συρίαν.

- Πρόκειται δ' ἡ Ἀραβὸς ῥαχιδῶδους τινὸς καὶ ἀλι- 13
 5 μένου παραλίης μεταξὺ τοῦ τε ἐπινείου αὐτῆς μάλιστα καὶ τῆς Μαράθου, διέχουσα τῆς γῆς σταδίους εἴκοσιν. ἔστι δὲ πέτρα περίκλυστος ὅσον ἐπὶ τὸν κύκλον σταδίων, πλήρης κατοικίας· τοσαύτη δ' εὐανδρία κέχρηται μέχρι καὶ νῦν ὥστε πολυορόφους οἰκοῦσι τὰς οἰκίας.
- 10 ἔκτισαν δ' αὐτὴν φυγάδες, ὥς φασιν, ἐκ Σιδῶνος· τὴν δ' ὑδραίαν τὴν μὲν ἐκ τῶν ὀμβρίων καὶ λακκαίων ὑδάτων ἔχουσι τὴν δ' ἐκ τῆς περαιᾶς· ἐν δὲ τοῖς πολέμοις C. 754
 ἐκ τοῦ πόρου μικρὸν πρὸ τῆς πόλεως ὑδρεύονται πηγὴν ἔχοντος ἀφθόνου ὕδατος, εἰς ἣν περικαταστρέφε-
 15 ται κλίβανος καθεθεὶς ἀπὸ τοῦ ὑδρευομένου σκάφους, μολιβδῆς, εὐρύστομος, εἰς πυθμένα συνηγμένος στενὸν ἔχοντα τρήμα μέτριον, τῷ δὲ πυθμένι περιέσφιγκται σωλὴν σκύτινος, εἰτεᾶ σκωμα δεῖ λέγειν, ὁ δεχόμενος τὸ ἀναθλιβόμενον ἐκ τῆς πηγῆς διὰ τοῦ κλι-
 20 βάνου ὕδωρ. τὸ μὲν οὖν πρῶτον ἀναθλιβὲν τὸ τῆς θαλάττης ἐστί, περιμείναντες δὲ τὴν τοῦ καθαροῦ καὶ ποτίμου ὕδατος ῥύσιν, ὑπολαμβάνουσιν εἰς ἀγγεῖα παρσκευασμένα ὅσον ἂν δέῃ, καὶ πορθμεύουσιν εἰς τὴν πόλιν.
- 25 Τὸ παλαιὸν μὲν οὖν οἱ Ἀράδιοι καθ' αὐτοὺς ἔβα- 14
 σιλεύοντο παραπλησίως ὥσπερ καὶ τῶν ἄλλων ἐκάστη πόλεων τῶν Φοινικίδων· ἔπειτα τὰ μὲν οἱ Πέρσαι τὰ δ' οἱ Μακεδόνες τὰ δὲ νῦν Ῥωμαῖοι μετέθηκαν εἰς τὴν παροῦσαν τάξιν. οἱ δ' οὖν Ἀράδιοι μετὰ τῶν ἄλλων
 30 Φοινικῶν ὑπήκουον τῶν Συριακῶν βασιλέων ἅτε φίλων· ἔπειτα στασιασάντων ἀδελφῶν δεῖν τοῦ τε Καλλινίκου Σελεύκου καὶ Ἀντιόχου τοῦ Ἰέρακος προσ-

αγορευθέντος, προσθέμενοι τῷ Καλλινίκῳ ποιοῦνται συμβάσεις ὥστ' ἐξεῖναι δέχεσθαι τοὺς καταφεύγοντας ἐκ τῆς βασιλείας παρ' αὐτοὺς, καὶ μὴ ἐκδιδόναι ἄκοντας· μὴ μέντοι μὴδ' ἐκπλεῖν ἂν ἄνευ τοῦ ἐπιτρέψαι βασιλεία. συνέβη δὲ ἐκ τούτου μεγάλα αὐτοῖς πλεονε- 5 κτήματα· οἱ γὰρ καταφεύγοντες ἐπ' αὐτοὺς οὐχ οἱ τυχόντες ἦσαν ἀλλ' οἱ τὰ μέγιστα πεπιστευμένοι καὶ περὶ τῶν μεγίστων δεδιότες· ἐπιξενούμενοι δ' αὐτοῖς εὐεργέτας ἡγοῦντο καὶ σωτήρας τοὺς ὑποδεξαμένους, ἀπεμνημόνευόν τε τὴν χάριν καὶ μάλιστα ἐπανελθόν- 10 τες εἰς τὴν οἰκίαν· ὥστ' ἐκ τούτου χώραν τε ἐκτήσαντο τῆς περαιᾶς πολλήν, ἧς τὴν πλείστην ἔχουσι καὶ νῦν, καὶ τὰλλα εὐθύνουν. προσέθεσαν δὲ τῇ εὐτυχίᾳ ταύτῃ καὶ πρόνοιαν καὶ φιλοπονίαν πρὸς τὴν θαλαττουργίαν· ὁρῶντές τε τοὺς γειτονεύοντας Κίλικας τὰ 15 πειρατήρια συνισταμένους οὐδ' ἄπαξ ἐκοινώνουν αὐτοῖς τῆς τοιαύτης ἐπιτηδεύσεως.

- 15 Μετὰ δὲ Ὀρθωσίαν ἐστὶ καὶ τὸν Ἐλεῦθερον Τρί-
πολις ἀπὸ τοῦ συμβεβηκότος τὴν ἐπίκλησιν εἰληφυῖα·
τριῶν γάρ ἐστι πόλεων κτίσμα, Τύρου Σιδῶνος Ἀρά- 20
δου· τῇ δὲ Τριπόλει συνεχές ἐστὶ τὸ τοῦ Θεοῦ πρόσω-
πον, εἰς ὃ τελευτᾷ ὁ Αἰβανος τὸ ὄρος· μεταξὺ δὲ Τριή-
ρης χωρίον τι.

- 16 Δύο δὲ ταῦτ' ἐστὶν ὄρη τὰ ποιοῦντα τὴν κοίλην
καλουμένην Συρίαν ὡς ἂν παράλληλα, ὃ τε Αἰβανος 25
καὶ ὁ Ἀντιλίβανος μικρὸν ὑπερθεῖν τῆς θαλάττης ἀρ-
C.755 χόμενα ἄμφω, ὁ μὲν Αἰβανος τῆς κατὰ Τρίπολιν, κατὰ
τὸ τοῦ Θεοῦ μάλιστα πρόσωπον, ὁ δ' Ἀντιλίβανος τῆς
κατὰ Σιδῶνα· τελευτᾷσι δ' ἐγγύς πως τῶν Ἀραβίων
ὁρῶν τῶν ὑπὲρ τῆς Λαμασκηνῆς καὶ τῶν τραχύνων 30
ἐκεῖ λεγομένων εἰς ἄλλη ὄρη γεώλοφα καὶ καλλίκαρπα.
ἀπολείπουσι δὲ μεταξὺ πεδίων κοῖλον πλάτος μὲν τὸ

ἐπὶ τῇ θαλάττῃ διακοσίων σταδίων, μῆκος δὲ τὸ ἀπο
 τῆς θαλάττης εἰς τὴν μεσόγαιαν ὁμοῦ τι διπλάσιον.
 διαρρεῖται δὲ ποταμοῖς ἄρδουσι χώραν εὐδαίμονα καὶ
 πάμπορον, μεγίστῳ δὲ τῷ Ἰορδάνῃ. ἔχει δὲ καὶ λίμνην,
 5 ἣ φέρει τὴν ἀρωματῖτιν σχοῖνον καὶ κάλαμον, ὥς δ'
 αὐτῶς καὶ ἔλη· καλεῖται δ' ἡ λίμνη Γεννησαρίτις·
 φέρει δὲ καὶ βάλσαμον. τῶν δὲ ποταμῶν ὁ μὲν Χρυ-
 σορροῦς ἀρξάμενος ἀπὸ τῆς Λαμασκηνῶν πόλεως καὶ
 χώρας εἰς τὰς ὀχτείας ἀναλίσκεται σχεδόν τι· πολλὴν
 10 γὰρ ἐπάρδει καὶ βαθεῖαν σφόδρα· τὸν δὲ Λύκον καὶ
 τὸν Ἰορδάνην ἀναπλέουσι φορτίους, Ἀραῖδιοι δὲ μά-
 λιστα.

Τῶν δὲ πεδίων τὸ μὲν πρῶτον τὸ ἀπὸ τῆς θαλάτ- 17
 τῆς Μάκρας καλεῖται καὶ Μάκρα πεδίον· ἐν τούτῳ δὲ
 15 Ποσειδῶνιος ἱστορεῖ τὸν δράκοντα πεπτωκότα ὀραθῆ-
 ναι νεκρόν, μῆκος σχεδόν τι καὶ πλεθριαῖον, πάχος δ'
 ὥσθ' ἱππίας ἐκατέρωθεν παραστάντας ἀλλήλους μὴ
 καθορᾶν, χάσμα δὲ ὥστ' ἐπιπικον δεξασθαι, τῆς δὲ
 φολίδος λεπίδα ἐκάστην ὑπεραίρουσαν θυρεοῦ.
 20 Μετὰ δὲ τὸν Μάκραν ἐστὶν ὁ Μασσύας ἔχων τινὰ 18
 καὶ ὄρεινā, ἐν οἷς ἡ Χαλκὶς ὥσπερ ἀκρόπολις τοῦ Μασ-
 σύου· ἀρχὴ δ' αὐτοῦ Λαοδίκεια ἡ πρὸς Αἰβάνῳ. τὰ
 μὲν οὖν ὄρεινā ἔχουσι πάντα Ἰτουραῖοί τε καὶ Ἀραβες,
 κακοῦργοι πάντες, οἱ δ' ἐν τοῖς πεδίοις γεωργοί· κα-
 25 κούμενοι δ' ὑπ' ἐκείνων ἄλλοτε ἄλλης βοηθείας δέον-
 ται. ὁρμητηρίοις δ' ἐρυμνοῖς χρῶνται, καθάπερ οἱ τὸν
 Αἰβανὸν ἔχοντες ἄνω μὲν ἐν τῷ ὄρει Σιννᾶν καὶ Βορ-
 ραμὰ καὶ ἄλλα τοιαῦτα ἔχουσι τείχη, κάτω δὲ Βότρυν
 καὶ Γύγαρτον καὶ τὰ ἐπὶ τῆς θαλάττης σπήλαια καὶ τὸ
 30 ἐπὶ τῷ Θεοῦ προσώπῳ φρούριον ἐπιτεθέν, ἃ κατέσπασε
 Πομπήιος, ἀφ' ὧν τὴν τε Βύβλον κατέτρεχον καὶ τὴν
 ἐφεξῆς ταύτῃ Βηρυτόν, αἱ μεταξὺ κίνται Σιδῶνος καὶ

τοῦ Θεοῦ προσώπου. ἡ μὲν οὖν Βύβλος, τὸ τοῦ Κινύρου βασίλειον, ἱερὰ ἐστὶ τοῦ Ἀδωνίδος, ἣν τυραννομένην ἠλευθέρωσε Πομπήιος πελεκίσας ἐκεῖνον· κείται δ' ἐφ' ὕψους τινὸς μικρὸν ἄνωθεν τῆς θαλάττης.

19 *Εἶτα μετὰ ταύτην Ἀδωνις ποταμὸς καὶ ὄρος Κλῆμαξ καὶ Παλαίβυβλος· εἶθ' ὁ Ἀνύκος ποταμὸς καὶ Βηρυτός·* αὕτη δὲ κατεσπάσθη μὲν ὑπὸ Τρύφωνος, ἀνελήφθη δὲ νῦν ὑπὸ Ῥωμαίων, δεξαμένη δύο τάγματα ἃ ἰδρυσεν Ἀγρίππας ἐνταῦθα προσθεὶς καὶ τοῦ Μασσέου πολλήν μέχρι καὶ τῶν τοῦ Ὀρόντου πηγῶν, αἱ πλησίον τοῦ τε Λιβάνου καὶ τοῦ Παραδείσου καὶ τοῦ Αἰγυπτίου τείχους περὶ τὴν Ἀπαμείων γῆν εἰσι. ταῦτα μὲν οὖν τὰ ἐπὶ θαλάττῃ.

20 Ὑπὲρ δὲ τοῦ Μασσέου ἐστὶν ὁ καλούμενος αὐλῶν βασιλικὸς καὶ ἡ Λαμασκηνὴ χώρα διαφερόντως ἐπαινουμένη· ἐστὶ δὲ καὶ ἡ Λαμασκὸς πόλις ἀξιόλογος, σχεδόν τι καὶ ἐπιφανεστάτη τῶν ταύτῃ κατὰ τὰ Περσικά· ὑπέρκεινται δ' αὐτῆς δύο λεγόμενοι λόφοι τραχῆνες· ἐπειτα πρὸς τὰ Ἀράβων μέρη καὶ τῶν Ἰουραίων ἀναμιξὺ ὄρη δύσβατα, ἐν οἷς καὶ σπήλαια βαθύστομα, ὧν ἐν καὶ τετρακισχιλίους ἀνθρώπους δεξασθαι δυνάμενον ἐν καταδρομαῖς, αἱ τοῖς Λαμασκηνοῖς γίνονται πολλαχόθεν. τὸ μέντοι πλεον τοὺς ἀπὸ τῆς εὐδαίμονος Ἀραβίας ἐμπόρους λεηλατοῦσιν οἱ βάρβαροι· ἥτιον δὲ συμβαίνει καταλυθέντων νυνὶ τῶν περὶ 25 Ζηνόδορον ληστῶν διὰ τὴν ἐκ τῶν Ῥωμαίων εὐνομίαν καὶ διὰ τὴν ἐκ τῶν στρατιωτῶν ἀσφάλειαν τῶν ἐν τῇ Συρίᾳ τρεφομένων.

21 Ἀπασα μὲν οὖν ἡ ὑπὲρ τῆς Σελευκίδος ὥς ἐπὶ τὴν Αἰγυπτον καὶ τὴν Ἀραβίαν ἀνίσχουσα χώρα κοίλῃ Συ- 30

ρία καλεῖται, ἰδίως δ' ἡ τῷ Λιβάνῳ καὶ τῷ Ἀντιλιβάνῳ ἀφωρισμένη. τῆς δὲ λοιπῆς ἡ μὲν ἀπὸ Ὀρθωσίας μέχρι Πηλουσίου παραλία Φοινίκη καλεῖται, στενὴ τις καὶ ἀλιτενής· ἡ δ' ὑπὲρ ταύτης μεσόγαια μέχρι τῶν Ἀρά-
 5 βων ἡ μεταξὺ Γάζης καὶ Ἀντιλιβάνου Ἰουδαία λέγεται.

Ἐπειοὺν τὴν ἰδίως λεγομένην κοίλην Συρίαν ἐπε- 22
 ληλύθαμεν, ἐπὶ τὴν Φοινίκην μέτιμεν. ταύτης δὲ τὰ
 μὲν ἀπὸ Ὀρθωσίας μέχρι Βηρυτοῦ λόγου τετύχηκε.
 μετὰ δὲ Βηρυτὸν ἔστι Σιδῶν ὅσον ἐν τετρακοσίοις στα-
 10 δίοις· μεταξὺ δὲ ὁ Ταμύρας ποταμὸς καὶ τὸ τοῦ Ἀσκλη-
 πιοῦ ἄλσος καὶ Λεόντων πόλις. μετὰ δὲ Σιδῶνα μεγί-
 στη τῶν Φοινίκων καὶ ἀρχαιοτάτη [πόλις] Τύρος ἐστίν,
 ἐνάμιλλος αὐτῇ κατὰ τε μέγεθος καὶ κατὰ τὴν ἐπιφά-
 νειαν καὶ τὴν ἀρχαιότητα ἐκ πολλῶν μύθων παραδε-
 15 δομένην. οἱ μὲν οὖν ποιηταὶ τὴν Σιδῶνα τεθρυλήκασι
 μᾶλλον (Ὅμηρος δὲ οὐδὲ μέμνηται τῆς Τύρου), αἱ δ'
 εἰς τὴν Λιβύην καὶ τὴν Ἰβηρίαν ἀποικίαι μέχρι καὶ ἔξω
 στηλῶν τὴν Τύρον πλέον ἐξυμνοῦσιν. ἀμφοτέραι δ' οὖν
 ἐνδοξοὶ καὶ λαμπραὶ καὶ πάλαι καὶ νῦν· ὁποτέραν δ'
 20 ἂν τις εἰποι μητρόπολιν Φοινίκων ἕρις ἐν ἀμφοτέραις
 ἐστίν. ἡ μὲν οὖν Σιδῶν ἐπὶ εὐφρεῖ λιμένι τῆς ἡπείρου
 τὴν ἰδρυσιν ἔχει. Τύρος δ' ἐστὶν ὅλη νῆσος σχεδόν τι 23
 συμφωκισμένη παραπλησίως ὥσπερ ἡ Ἀραδος, συνῆ-
 πται δὲ χώματι πρὸς τὴν ἡπειρον, ὃ κατεσκεύασε πο-
 C.757
 25 λιορκῶν Ἀλέξανδρος· δύο δ' ἔχει λιμένας τὸν μὲν
 κλειστὸν τὸν δ' ἀνειμένον, ὃν Αἰγύπτιον καλοῦσιν.
 ἐνταῦθα δὲ φασὶ πολυστέγους τὰς οἰκίας * ὥστε καὶ
 τῶν ἐν Ρώμῃ μᾶλλον· διὸ καὶ σεισμοὺς γενομένους
 ἀπολιπεῖν μικρὸν τοῦ ἄρδην ἀφανίσαι τὴν πόλιν. ἡτὺ-
 30 χησε δὲ καὶ ὑπ' Ἀλεξάνδρου πολιορκία ληφθεῖσα·

ἀλλὰ τῶν τοιούτων συμφορῶν κατέστη κρείττων καὶ ἀνέλαβεν αὐτὴν τῇ τε ναυτιλίᾳ, καθ' ἣν ἀπάντων τῶν αἰεὶ κρείττους εἰσὶ κοινῇ Φοίνικες, καὶ τοῖς πορφυρείοις· πολὺ γὰρ ἐξήτασται πασῶν ἡ Τυρία καλλίστη πορφύρα· καὶ ἡ θήρα πλησίον καὶ τὰλλα εὖπορα τὰ πρὸς βαφὴν ἐπιτήδεια· καὶ δυσδιάγωγον μὲν ποιεῖ τὴν πόλιν ἡ πολυπληθία τῶν βαφείων, πλουσίαν δὲ διὰ τὴν τοιαύτην ἀνδρείαν. οὐχ ὑπὸ τῶν βασιλέων δ' ἐκρίθησαν αὐτόνομοι μόνον μικρὰ ἀναλώσαντες, ἀλλὰ καὶ ὑπὸ τῶν Ῥωμαίων βεβαιωσάντων τὴν ἐκείνων γνώ-
μην. τιμᾶται δὲ καθ' ὑπερβολὴν Ἡρακλῆς ὑπ' αὐτῶν. τῆς δὲ περὶ τὰς ναυστολίας δυνάμεως τὸ πλῆθος καὶ τὸ μέγεθος τῶν ἀποικίδων ἐστὶ πόλεων τεκμήριον· οὗτοι μὲν οὖν τοιοῦτοι.

- 24 Σιδῶνιοι δὲ πολύτεχνοί τινες παραδέδονται καὶ 15
καλλιτέχνοι, καθάπερ καὶ ὁ ποιητὴς δηλοῖ· πρὸς δὲ καὶ φιλόσοφοι περὶ τε ἀστρονομίαν καὶ ἀριθμητικὴν, ἀπὸ τῆς λογιστικῆς ἀρξάμενοι καὶ τῆς νυκτιπλοίας· ἐμπορικὸν γὰρ καὶ ναυκληρικὸν ἑκάτερον· καθάπερ καὶ τῶν Αἰγυπτίων εὗρεμα γεωμετρίαν φασὶν ἀπὸ τῆς χω-
ρομετρίας, ἣν ὁ Νεῖλος ἀπεργάζεται συγχέων τοὺς ὄρους κατὰ τὰς ἀναβάσεις. τοῦτο μὲν οὖν παρ' Αἰ-
γυπτίων ἦκειν εἰς τοὺς Ἕλληνας πεπιστεύκασιν, ἀστρο-
νομίαν δὲ καὶ ἀριθμητικὴν παρὰ Φοινίκων· νυνὶ δὲ πάσης καὶ τῆς ἄλλης φιλοσοφίας εὖπορίαν πολὺ πλεί-
στην λαβεῖν ἐστὶν ἐκ τούτων τῶν πόλεων· εἰ δὲ δεῖ Ποσειδωνίῳ πιστεῦσαι, καὶ τὸ περὶ τῶν ἀτόμων δόγμα παλαιὸν ἐστὶν ἀνδρὸς Σιδωνίου Μώχου πρὸ τῶν Τρωϊ-
κῶν χρόνων γεγονότος. τὰ μὲν οὖν παλαιὰ ἐάσθω· καθ' ἡμᾶς δὲ ἐκ Σιδῶνος μὲν ἐνδοξοὶ φιλόσοφοι γεγό-
νασι Βόηθός τε, ᾧ συνεφιλοσοφήσαμεν ἡμεῖς τὰ Ἀρι-
στοτέλεια, καὶ Διόδωτος ἀδελφὸς αὐτοῦ· ἐκ Τύρου δὲ

Ἀντίπατρος καὶ μικρὸν πρὸ ἡμῶν Ἀπολλώνιος ὁ τὸν
 πίνακα ἐκθεῖς τῶν ἀπὸ Ζήνωνος φιλοσόφων καὶ τῶν
 βιβλίων. διέχει δὲ τῆς Σιδωνος ἢ Τύρος οὐ πλείους τῶν
 διακοσίων σταδίων· ἐν δὲ τῷ μεταξὺ πολίχνιον Ὀρνί-C.758
 5 θων πόλις λεγομένη· εἰτα πρὸς Τύρῳ ποταμὸς ἐξίησι·
 μετὰ δὲ τὴν Τύρον ἢ Παλαίτυρος ἐν τριάκοντα στα-
 δίοις.

Εἰθ' ἡ Πτολεμαῖς ἐστὶ μεγάλη πόλις ἣν Ἀκην ὠνό- 25
 μαζον πρότερον, ἣ ἐχρῶντο ὁρμητηρίῳ πρὸς τὴν Αἴ-
 10 γυπτον οἱ Πέρσαι. μεταξὺ δὲ τῆς Ἀκῆς καὶ Τύρου θι-
 νώδης αἰγιαλὸς ἐστὶν ὁ φέρων τὴν ὑαλτὶν ἄμμον· ἐν-
 ταῦθα μὲν οὖν φασι μὴ χεῖσθαι, κομισθεῖσαν εἰς
 Σιδῶνα δὲ τὴν χωνεῖαν δέχεσθαι· τινὲς δὲ καὶ τοῖς Σι-
 δωνίοις εἶναι τὴν ὑαλτὶν ψάμμον ἐπιτηδεῖαν εἰς χύσιν,
 15 οἱ δὲ πᾶσαν πανταχοῦ χεῖσθαι φασιν. ἤκουσα δ' ἐν τῇ
 Ἀλεξανδρείᾳ παρὰ τῶν ὑαλουργῶν εἶναι τινα καὶ κατ'
 Αἰγυπτον ὑαλτὶν γῆν, ἥς χωρὶς οὐχ οἷόν τε τὰς πολυ-
 χροοὺς καὶ πολυτελεῖς κατασκευὰς ἀποτελεσθῆναι,
 καθάπερ καὶ ἄλλοις ἄλλων μιγμάτων δεῖν· καὶ ἐν
 20 Ῥώμῃ δὲ πολλὰ παρευρίσκεισθαι φασι καὶ πρὸς τὰς
 χροὰς καὶ πρὸς τὴν ῥαστώνην τῆς κατασκευῆς, καθά-
 περ ἐπὶ τῶν κρυσταλλοφανῶν· ὅπου γε καὶ τρύβλιον
 χαλκοῦ πρίασθαι καὶ ἐκπωμάτιον ἐστίν.

Ἱστορεῖται δὲ παράδοξον πάθος τῶν πάνυ σπα- 26
 25 νίων κατὰ τὸν αἰγιαλὸν τοῦτον τὸν μεταξὺ τῆς τε Τύ-
 ρου καὶ τῆς Πτολεμαίδος. καθ' ὃν γὰρ καιρὸν οἱ Πτο-
 λεμαεῖς μάχην συνάψαντες πρὸς Σαρπηδόνα τὸν στρα-
 τηγὸν ἐλείφθησαν ἐν τῷ τόπῳ τούτῳ τροπῆς γενομέ-
 νης λαμπρᾶς, ἐπέκλυσεν ἐκ τοῦ πελάγους κύμα τοὺς
 30 φεύγοντας ὅμοιον πλημμυρίδι, καὶ τοὺς μὲν εἰς τὸ πέ-
 λαγος ἀπῆρπασε καὶ διέφθειρεν, οἱ δ' ἐν τοῖς κοίλοις
 τόποις ἔμειναν νεκροί· διαδεξαμένη δὲ ἡ ἄμπωτις πά-

λιν ἀνεκάλυψε καὶ ἔδειξε τὰ σώματα τῶν κειμένων ἀναμῖξ ἐν νεκροῖς ἰχθύσι. τοιαῦτα δὲ καὶ περὶ τὸ Κάσιον συμβαίνει τὸ πρὸς Αἰγύπτῳ, σπασμῷ τινι ὅξει καὶ ἀπλῶ περικιπτούσης τῆς γῆς καὶ εἰς ἑκάτερον μεταβαλλομένης ἅπαξ, ὥστε τὸ μὲν μετεωρισθὲν αὐτῆς 5 μέρος ἐπαγαγεῖν τὴν θάλατταν, τὸ δὲ συνιζῆσαν δέξασθαι, τραπομένης δὲ τὴν ἀρχαίαν πάλιν ἔδραν ἀπολαβεῖν τὸν τόπον, τότε μὲν οὖν καὶ ἐξαλλάξειός τινος γενομένης τότε δ' οὐ, τάχα καὶ περιόδοις τισὶν ἐνδεδεμένων τῶν τοιούτων παθῶν ἀδῆλοις ἡμῖν, καθάπερ 10 τοῦτο καὶ ἐπὶ τῶν κατὰ τὸν Νεῖλον ἀναβάσεων λέγεται διαφόρων γινομένων, ἀδῆλον δὲ τὴν τάξιν ἔχουσῶν.

- 27 Μετὰ δὲ τὴν Ἀκην Στράτωνος πύργος πρόσορμον ἔχων. μεταξὺ δὲ ὅ τε Κάρμηλος τὸ ὄρος καὶ πολυχνίων ὀνόματα, πλεόν δ' οὐδέν, Συκαμίνων πόλις, 15 Βουκόλων καὶ Κροκοδείλων πόλις καὶ ἄλλα τοιαῦτα· εἴτα δρυμὸς μέγας τις.

C. 769

28

Εἴτα Ἰόπη, καθ' ἣν ἡ ἀπὸ τῆς Αἰγύπτου παραλία σημειωδῶς ἐπὶ τὴν ἄρκτον κάμπτεται, πρότερον ἐπὶ τὴν ἑω τεταμένη. ἐνταῦθα δὲ μυθεύουσί τινες τὴν Ἀν- 20 δρομέδαν ἐκτεθῆναι τῷ κήτει· ἐν ὕψει δὲ ἐστὶν ἱκανῶς τὸ χωρίον ὥστ' ἀφορᾶσθαι φασιν ἀπ' αὐτοῦ τὰ Ἱεροσόλυμα τὴν τῶν Ἰουδαίων μητρόπολιν· καὶ δὴ καὶ ἐπινείφ τούτῳ κέχρηται καταβάντες μέχρι θαλάττης οἱ Ἰουδαῖοι· τὰ δ' ἐπίνεια τῶν ληστῶν ληστήρια 25 δῆλον ὅτι ἐστί. τούτων δὲ καὶ ὁ Κάρμηλος ὑπῆρξε καὶ ὁ δρυμὸς· καὶ δὴ καὶ εὐάνδρησεν οὗτος ὁ τόπος, ὥστ' ἐκ τῆς πλησίον κώμης Ἰαμνείας καὶ τῶν κατοικιῶν τῶν κύκλῳ τέτταρας μυριάδας ὀπλίξασθαι. εἰσὶ δ' ἐντεῦθεν εἰς τὸ Κάσιον τὸ πρὸς Πηλουσίῳ μικρῷ πλείους 30 ἢ χίλιοι στάδιοι, τριακόσιοι δ' ἄλλοι πρὸς αὐτὸ τὸ Πηλούσιον.

Ἐν δὲ τῷ μεταξὺ καὶ ἡ Γαδαρίς ἐστίν, ἣν καὶ αὐ- 29
τὴν ἐξειδιάσαντο οἱ Ἰουδαῖοι· εἰτ' Ἀζωτὸς καὶ Ἀσκά-
λων. ἀπὸ δὲ Ἰαμνείας εἰς Ἀζωτὸν καὶ Ἀσκάλωνα εἰσιν
ὅσον διακόσιοι στάδιοι. κρομμυὼν τ' ἀγαθὸς ἐστίν ἡ
5 χάρα τῶν Ἀσκαλωνιτῶν, πόλισμα δὲ μικρόν. ἐντεῦθεν
ἦν Ἀντίοχος ὁ φιλόσοφος μικρόν πρὸ ἡμῶν γεγονώς.
ἐκ δὲ τῶν Γαδάρων Φιλόδημός τε ὁ Ἐπικούρειος καὶ
Μελίαργρος καὶ Μένιππος ὁ σπουδογέλοιος καὶ Θεόδω-
ρος ὁ καθ' ἡμᾶς ῥήτωρ.

10 Εἰθ' ὁ τῶν Γαζαίων λιμὴν πλησίον· ὑπέρεκται 30
δὲ καὶ ἡ πόλις ἐν ἑπτὰ σταδίοις, ἐνδοξὸς ποτε γενο-
μένη, κατεσπασμένη δ' ὑπὸ Ἀλεξάνδρου καὶ μένουσα
ἐρημος. ἐντεῦθεν δ' ὑπέρβασις λέγεται χιλίων διακο-
σίων ἐξήκοντα σταδίων εἰς Αἰλανα πόλιν ἐπὶ τῷ μυχῷ
15 τοῦ Ἀραβίου κόλπου κειμένην· διττὸς δ' ἐστίν, ὁ μὲν
ἔχων εἰς τὸ πρὸς τῇ Ἀραβίᾳ καὶ τῇ Γάζῃ μέρος, ὃν Αἰ-
λανίτην προσαγορεύουσιν ἀπὸ τῆς ἐν αὐτῷ πόλεως, ὁ
δ' εἰς τὸ πρὸς Αἰγύπτῳ κατὰ τὴν Ἡρώων πόλιν, εἰς ὃν
ἐκ Πηλουσίου ἡ ὑπέρθεις ἐπιτομωτέρα· δι' ἐρήμων
20 δὲ καὶ ἀμμοδῶν χωρίων αἱ ὑπερβάσεις ἐπὶ καμήλων·
πολὺ δὲ καὶ τὸ τῶν ἐρπετῶν ἐν αὐταῖς πλῆθος.

Μετὰ δὲ Γάζαν Ῥαφία, ἐν ᾗ μάχη συνέβη Πτολε- 31
μαίῳ τε τῷ τετάρτῳ καὶ Ἀντιόχῳ τῷ Μεγάλῳ. εἰτα
Ῥινοκόρουρα, ἀπὸ τῶν εἰσφικισμένων ἐκεῖ τὸ παλαιὸν
25 ἀνθρώπων ἡκρωτηριασμένων τὰς ῥίνας οὕτω καλου-
μένη· τῶν γὰρ Αἰθιοπῶν τις ἐπελθὼν ἐπὶ τὴν Αἰγυ-
πτον ἀντὶ τοῦ ἀναιρεῖν τοὺς κακούργους ἀποτέμνων
τὰς ῥίνας ἐνταῦθα κατῴκιζεν, ὥς οὐκ ἂν ἔτι τολμήσον-
τας κακουργεῖν διὰ τὴν αἰσχύνην τῆς ὀφείας.

30 Καὶ αὕτη μὲν οὖν ἡ ἀπὸ Γάζης λυπρὰ πᾶσα [καὶ] 32

ἀμμάδης· ἔτι δὲ μᾶλλον τοιαύτη ἢ ἐφεξῆς ὑπερκει-
 C.760 μένη, ἔχουσα τὴν Σιρβωνίδα λίμνην παράλληλόν πως
 τῇ θαλάττῃ μικρὰν δίοδον ἀπολείκουσαν μεταξὺ μέχρι
 τοῦ ἐκρήγματος καλουμένου, μῆκος ὅσον διακοσίων
 σταδίων, πλάτος δὲ τὸ μέγιστον πεντήκοντα· τὸ δ' 5
 ἐκρήγμα συγκέχωσται. εἰτα συνεχῆς ἄλλη τοιαύτη ἢ
 ἐπὶ τὸ Κάσιον, κάκειθεν ἐπὶ τὸ Πηλούσιον.

- 33 Ἔστι δὲ τὸ Κάσιον θινώδης τις λόφος ἀκρωτηριά-
 ζων ἄνυδρος, ὅπου τὸ Πομπηίου τοῦ Μάγνου σῶμα
 κεῖται καὶ Διός ἐστιν ἱερὸν Κασίου· πλησίον δὲ καὶ 10
 ἐσφάγη ὁ Μάγνος δολοφονηθεὶς ὑπὸ τῶν Αἰγυπτίων.
 εἰθ' ἢ ἐπὶ Πηλούσιον ὁδός, ἐν ᾗ τὰ Γέγρα καὶ ὁ Χα-
 βρίου λεγόμενος χάραξ καὶ τὰ πρὸς τῷ Πηλουσίῳ βάρ-
 ραθρα ἃ ποιεῖ παρεκχέομενος ὁ Νεῖλος, φύσει κοίλων
 καὶ ἑλωδῶν ὄντων τῶν τόπων. 15

Τοιαύτη μὲν ἡ Φοινίκη. φησὶ δ' Ἀρτεμίδωρος εἰς
 τὸ Πηλούσιον ἐκ μὲν Ὀρθωσίας εἶναι σταδίου τρισχι-
 λίους ἑξακοσίους πεντήκοντα κατακολπίζοντι· ἐκ δὲ
 Μελαινῶν ἢ Μελανιῶν τῆς Κιλικίας τῶν πρὸς Κελέν-
 δεριν ἐπὶ μὲν τὰ μεθόρια τῆς Κιλικίας καὶ Συρίας χι- 20
 λίους καὶ ἑνακοσίους· ἐντεῦθεν δ' ἐπὶ τὸν Ὀρόντην
 πεντακοσίους εἰκοσιν· εἰτ' ἐπὶ Ὀρθωσίαν χιλίους ἑκα-
 τὸν τριάκοντα.

- 34 Τῆς δ' Ἰουδαίας τὰ μὲν ἐσπέρια ἄκρα τὰ πρὸς τῷ
 Κασίῳ κατέχουσιν Ἰδουμαῖοί τε καὶ ἡ λίμνη. Ναβα- 25
 ταῖοι δ' εἰσὶν οἱ Ἰδουμαῖοι, κατὰ στάσιν δ' ἐκπαιδόν-
 τες ἐκείθεν προσεχώρησαν τοῖς Ἰουδαίοις καὶ τῶν νο-
 μίμων τῶν αὐτῶν ἐκείνοις ἐκοινώνησαν· πρὸς θαλάττῃ
 δὲ ἡ Σιρβωνὶς τὰ πολλὰ κατέχει καὶ ἡ συνεχῆς μέχρι
 καὶ Ἱεροσολύμων· καὶ γὰρ ταῦτα πρὸς θαλάττῃ ἐστίν· 30
 ἀπὸ γὰρ τοῦ ἐπινείου τῆς Ἰόπης εἴρηται ὅτι ἐστὶν ἐν
 ὄψει· ταῦτα μὲν προσάρκτια· τὰ πολλὰ δ' ὥς ἕκαστα

ἐστὶν ὑπὸ φύλων οἰκούμενα μικτῶν ἐκ τε Αἰγυπτίων
 ἔθνων καὶ Ἀραβίων καὶ Φοινίκων· τοιοῦτοι γὰρ οἱ
 τὴν Γαλιλαίαν ἔχοντες καὶ τὸν Ἱερικουῖντα καὶ τὴν Φι-
 λαδέλφειαν καὶ Σαμάρειαν, ἣν Ἡρώδης Σεβαστὴν
 5 ἐκωνόμασεν. οὕτω δ' ὄντων μιγάδων ἡ κρατούσα μά-
 λιστα φήμη τῶν περὶ τὸ ἱερὸν τὸ ἐν τοῖς Ἱεροσολύμοις
 πιστευομένων Αἰγυπτίους ἀποφαίνει τοὺς προγόνους
 τῶν νῦν Ἰουδαίων λεγομένων.

Μωσῆς γάρ τις τῶν Αἰγυπτίων ἱερέων ἔχων τι μέ- 35
 10 ρος τῆς [κάτω] καλουμένης χώρας, ἀπῆρεν ἐκεῖσε ἐν-
 θένδε δυσχεράνας τὰ καθιστώτα, καὶ συνεξῆραν αὐ-
 τῷ πολλοὶ τιμῶντες τὸ θεῖον. ἔφη γὰρ ἐκεῖνος καὶ ἐδί-
 δασκεν, ὥς οὐκ ὀρθῶς φρονοῖεν οἱ Αἰγύπτιοι θηρίοις
 εἰκάζοντες καὶ βοσκήμασι τὸ θεῖον, οὐδ' οἱ Αἴβυες·
 15 οὐκ εὖ δὲ οὐδ' οἱ Ἕλληνες ἀνθρωπομόρφους τυποῦν-
 τες· εἴη γὰρ ἐν τούτῳ μόνον θεὸς τὸ περιέχον ἡμᾶς^{C.761}
 ἅπαντας καὶ γῆν καὶ θάλατταν, ὃ καλοῦμεν οὐρανὸν
 καὶ κόσμον καὶ τὴν τῶν ὄντων φύσιν. τούτου δὴ τίς
 ἂν εἰκόνα πλάττειν θαρρήσειε νοῦν ἔχων ὁμοίαν τινὶ
 20 τῶν παρ' ἡμῖν; ἀλλ' ἔαν δεῖν πᾶσαν ξοανοποιίαν, τέ-
 μενος [δ'] ἀφορίσαντας καὶ σηκὸν ἀξιόλογον τιμᾶν
 ἔδους χωρίς. ἐγκοιμᾶσθαι δὲ καὶ αὐτοὺς ὑπὲρ ἑαυτῶν
 καὶ ὑπὲρ τῶν ἄλλων ἄλλους τοὺς εὐνοείρους· καὶ
 προσδοκᾶν δεῖν ἀγαθὸν παρὰ τοῦ θεοῦ καὶ δῶρον ἀεὶ
 25 τι καὶ σημείον τοὺς σωφρόνως ζῶντας καὶ μετὰ δικαιο-
 σύνης, τοὺς δ' ἄλλους μὴ προσδοκᾶν.

Ἐκεῖνος μὲν οὖν τοιαῦτα λέγων ἐπεισεν εὐγνώ- 36
 μονας ἄνδρας οὐκ ὀλίγους καὶ ἀπήγαγεν ἐπὶ τὸν τόπον
 τούτον, ὅπου νῦν ἐστὶ τὸ ἐν τοῖς Ἱεροσολύμοις κτίσμα.
 30 κατέσχε δὲ ῥαδίως οὐκ ἐπίφθονον ὃν τὸ χωρίον οὐδ'
 ὑπὲρ οὗ ἂν τις ἐσπουδασμένως μαχέσαιο· ἐστὶ γὰρ
 πετρῶδες, αὐτὸ μὲν εὐὺδρον τὴν δὲ κυκλῶ χάραν

ἔχον λυπρὰν καὶ ἄνυδρον, τὴν δ' ἐντὸς ἐξήκοντα σταδίων καὶ ὑπόπειτρον. ἅμα δ' ἀντὶ τῶν ὀπλῶν τὰ ἱερὰ προὔβαλλετο καὶ τὸ θεῖον, ἰδρυσιν τούτου ζητεῖν ἀξιῶν, καὶ παραδώσειν ὑπισχνούμενος τοιοῦτον σεβασμὸν καὶ τοιαύτην ἱεροποιάν ἣτις οὔτε δαπάναις ὀχλήσει τοὺς χρωμένους οὔτε θεοφορίαις οὔτε ἄλλαις πραγματείαις ἀτόποις. οὗτος μὲν οὖν εὐδοκιμήσας τούτοις συνεστήσατο ἀρχὴν οὐ τὴν τυχοῦσαν, ἀπάντων προσχωρησάντων ῥαδίως τῶν κύκλῳ διὰ τὴν ὁμιλίαν καὶ τὰ προτεινόμενα.

10

- 37 Οἱ δὲ διαδεξάμενοι χρόνους μὲν τινες ἐν τοῖς αὐτοῖς διέμενον δικαιοπραγοῦντες καὶ θεοσεβεῖς ὡς ἀληθῶς ὄντες, ἔπειτ' ἐφισταμένων ἐπὶ τὴν ἱερωσύνην τὸ μὲν πρῶτον δεισιδαιμόνων, ἔπειτα τυραννικῶν ἀνθρώπων, ἐκ μὲν τῆς δεισιδαιμονίας αἱ τῶν βρωμάτων ἀποσχίσεις, ὥνπερ καὶ νῦν ἔθος ἐστὶν αὐτοῖς ἀπέχεσθαι, καὶ [αἱ] περιτομαὶ καὶ αἱ ἐκτομαὶ καὶ εἴ τινα τοιαῦτα ἐνομίσθη, ἐκ δὲ τῶν τυραννίδων τὰ ληστήρια. οἱ μὲν γὰρ ἀφιστάμενοι τὴν χώραν ἐκάκουν καὶ αὐτὴν καὶ τὴν γειννῶσαν, οἱ δὲ συμπράττοντες τοῖς ἄρχουσι καθήρπαζον τὰ ἀλλότρια καὶ τῆς Συρίας κατεστρέφοντο καὶ τῆς Φοινίκης πολλήν. ἦν δ' ὅμως εὐπρέπεια τις περὶ τὴν ἀκρόπολιν αὐτῶν, οὐχ ὡς τυραννεῖον βδελυττομένων, ἀλλ' ὡς ἱερὸν σεμνυνόντων καὶ σεβομένων.

25

- 38 Πέφυκε γὰρ οὕτω καὶ κοινόν ἐστι τοῦτο καὶ τοῖς Ἑλλήσι καὶ τοῖς βαρβάροις. πολιτικοὶ γὰρ ὄντες ἀπὸ προστάγματος κοινοῦ ζῶσιν· ἄλλως γὰρ οὐχ οἷόν τε τοὺς πολλοὺς ἐν τι καὶ ταὐτὸ ποιεῖν ἡρμοσμένως ἀλλήλοις, ὅπερ ἦν τὸ πολιτεύεσθαι, καὶ ἄλλως πῶς νέμειν βίον κοινόν. τὸ δὲ πρόσταγμα διττόν, ἢ γὰρ παρὰ θεῶν ἢ παρὰ ἀνθρώπων· καὶ οἱ γε ἀρχαῖοι τὸ παρὰ

C.762

τῶν θεῶν ἐπράσβευον μᾶλλον καὶ ἐσίμνυνον, καὶ διὰ
 τοῦτο καὶ ὁ χρηστηριαζόμενος ἦν τότε πολὺς καὶ τρέ-
 χων εἰς μὲν Δωδώνην, ὅπως „ἐκ θρυῶς ὑψικόμοιο
 „Διὸς βουλὴν ἐπακούσῃ,“ συμβούλῳ τῷ Διὶ χρώμενος,
 5 εἰς δὲ Δελφοὺς „τὸν ἐκτεθέντα παῖδα μαστεύων μα-
 „θεῖν, εἰ μὴκέτ' εἴη,“ αὐτὸς δ' ὁ παῖς „ἔστειχε τοὺς
 „τεκόντας ἐκμαθεῖν θέλων πρὸς δῶμα Φοῖβον.“ καὶ
 ὁ Μίνως παρὰ τοῖς Κρησὶν „ἐννέωρος βασιλεὺς Διὸς
 „μεγάλου ὀαριστῆς,“ δι' ἐννέα ἔτων, ὥς φησι Πλά-
 10 των, ἀναβαίνων ἐπὶ τὸ ἄντρον τοῦ Διὸς καὶ παρ' ἐκεί-
 νου τὰ προστάγματα λαμβάνων καὶ παρακομίζων εἰς
 τοὺς ἀνθρώπους. τὰ δ' ὅμοια ἐποίει καὶ Λυκοῦργος ὁ
 ξηλωτὴς αὐτοῦ· πυκνὰ γάρ, ὥς ἔοικεν, ἀποδημῶν
 ἐπυνθάνετο παρὰ τῆς Πυθίας ἃ προσῆκεν παραγγέλ-
 15 λειν τοῖς Λακεδαιμονίοις. ταῦτα γὰρ ὅπως ποτὲ ἀλη- 39
 θείας ἔχει, παρὰ γε τοῖς ἀνθρώποις ἐπεπίστευτο καὶ
 ἐνενόμιστο, καὶ διὰ τοῦτο καὶ οἱ μάντις ἐτιμῶντο
 ὥστε καὶ βασιλείας ἀξιουῖσθαι, ὥς τὰ παρὰ τῶν θεῶν
 ἡμῖν ἐκφέροντες παραγγέλματα καὶ ἐπανορθώματα καὶ
 20 ζῶντες καὶ ἀποθανόντες· τοιοῦτος δὲ ὁ Ἀμφιάρεως
 καὶ ὁ Τροφῶνιος καὶ [ὁ] Ὀρφεὺς καὶ ὁ Μουσαῖος καὶ ὁ
 παρὰ τοῖς Γέταις θεός, τὸ μὲν παλαιὸν Ζάμολξις Πυ-
 θαγόρειός τις, καθ' ἡμᾶς δὲ ὁ τῷ Βυρεβίστῃ θεσπίζων
 Λεκαίνεος· παρὰ δὲ τοῖς Βοσπορηνοῖς Ἀχαῖκαρος,
 25 παρὰ δὲ τοῖς Ἰνδοῖς οἱ γυμνοσοφισταί, παρὰ δὲ τοῖς
 Πέρσαις οἱ μάγοι καὶ νεκνομάντις καὶ ἔτι οἱ λεγόμε-
 νοι λεκανομάντις καὶ ὕδρομάντις, παρὰ δὲ τοῖς Ἀσσυ-
 ρίοις οἱ Χαλδαῖοι, παρὰ δὲ τοῖς Ῥωμαίοις οἱ Τυρρηני-
 κοὶ οἰωνοσκόποι. τοιοῦτος δὲ τις ἦν καὶ ὁ Μωσῆς καὶ

20. post ἀποθανόντες: καθάπερ καὶ ὁ Τιτυρεσίης, „τῷ καὶ
 „τεθνηῶτι νόον πόρε Περσεφόνηα οἴῳ πεπνῶσθαι· τοὶ δὲ
 „σικαὶ ἀίσσουσι.“

οἱ διαδεξάμενοι ἐκείνον, τὰς μὲν ἀρχὰς λαβόντες οὐ φαύλας ἐκτραπόμενοι δ' ἐπὶ τὸ χεῖρον.

- 40 Ἦδη δ' οὖν φανερώς τυραννουμένης τῆς Ἰουδαίας
 πρῶτος ἀνθ' ἱερέως ἀνέδειξεν ἑαυτὸν βασιλεῖα Ἀλέ-
 ξανδρος· τούτου δ' ἦσαν υἱοὶ Τρκανός τε καὶ Ἀριστό- 5
 βουλος· διαφερομένων δὲ περὶ τῆς ἀρχῆς, ἐπῆλθε
 Πομπήιος καὶ κατέλυσε αὐτοὺς καὶ τὰ ἐρύματα αὐ-
 τῶν κατέσπασε καὶ αὐτὰ ἐν πρώτοις τὰ Ἱεροσόλυμα
 βία καταλαβών· ἦν γὰρ πετρῶδες καὶ εὐερκές ἔρυμα,
 C.763 ἐντὸς μὲν εὐυδρον ἐκτὸς δὲ παντελῶς διψηρόν, τὰ- 10
 φρον λατομητὴν ἔχον βάθος μὲν ἐξήκοντα ποδῶν, πλά-
 τος δὲ πεντήκοντα καὶ διακοσίων· ἐκ δὲ τοῦ λίθου τοῦ
 λατομηθέντος ἐπεπύργωτο τὸ τεῖχος τοῦ ἱεροῦ. κατε-
 λάβετο δ', ὥς φασι, τηρήσας τὴν τῆς νηστείας ἡμέραν,
 ἡνίκα ἀπείχοντο οἱ Ἰουδαῖοι παντὸς ἔργου, πληρώσας 15
 τὴν τάφρον καὶ ἐπιβαλὼν τὰς διαβάθρας· κατασπά-
 σαι δ' οὖν ἐκέλευσε τὰ τεῖχη πάντα καὶ ἀνείλεν εἰς δύ-
 ναμιν τὰ ληστήρια καὶ τὰ γαζοφυλάκια τῶν τυράννων.
 ἦν δὲ δύο μὲν τὰ ταῖς εἰσβολαῖς ἐπικείμενα τοῦ Ἱερι-
 κοῦντος Θρηῆ τε καὶ Ταῦρος, ἄλλα δὲ Ἀλεξάνδριόν 20
 τε καὶ Τρκανίον καὶ Μαχαιροῦς καὶ Λυσιᾶς καὶ τὰ
 περὶ τὴν Φιλαδέλφειαν καὶ ἡ περὶ Γαλιλαίαν Σκυθό-
 πολις.

- 41 Ἱερικοῦς δ' ἐστὶ πεδίον κύκλῳ περιεχόμενον ὀρεινῇ
 τινι καὶ πον καὶ θιατροειδῶς πρὸς αὐτὸ κεκλιμένη· 25
 ἐνταῦθα δ' ἐστὶν ὁ φοινικῶν, μεμιγμένην ἔχων καὶ
 ἄλλην ὕλην ἡμερον καὶ εὐκαρπον, πλεονάζων δὲ τῷ
 φοίνικι, ἐπὶ μῆκος σταδίων ἑκατόν, διάφρυντος ἅπας
 καὶ μεστὸς κατοικιῶν· ἔστι δ' αὐτοῦ καὶ βασιλείον καὶ
 ὁ τοῦ βαλσάμου παράδεισος· ἔστι δὲ τὸ φυτὸν θα- 30
 μνώδες, κυτίσῳ ἑοικὸς καὶ τερμίνθῳ, ἀρωματίζον· οὐ
 τὸν φλοιὸν ἐπισχίσαντες ὑπολαμβάνουσιν ἀγγαίους τὸν

ὅπον γλίσχρῳ γάλακτι παραπλήσιον· ἀναληφθεὶς δ' εἰς κογχάρια λαμβάνει πῆξιν· λύει δὲ κεφαλαλγίας θαυμαστῶς καὶ ὑποχύσεις ἀρχομένας καὶ ἀμβλυωπίας· τίμιος οὖν ἐστὶ καὶ διότι ἐνταῦθα μόνον γιννᾶται· καὶ
 5 ὁ φοινικῶν δὲ τοιοῦτος, ἔχων τὸν καρυωτὸν φοίνικα ἐνταῦθα μόνον, πλὴν τοῦ Βαβυλωνίου καὶ τοῦ ἐπέ-
 κεινα πρὸς τὴν ἔω· μεγάλη οὖν ἀπ' αὐτῶν ἡ πρόσο-
 δος· καὶ τῷ ξυλοβαλσάμῳ δὲ ὡς ἀρώματι χρῶνται.

Ἡ δὲ Σιρβωνὶς λίμνη πολλὴ μὲν ἐστὶ· καὶ γὰρ χι- 42
 10 λίων σταδίων εἰρήκασί τινες τὸν κύκλον· τῇ μέντοι παραλίᾳ παρεκτέταται μικρῷ τι πλείον τῶν διακοσίων σταδίων μῆκος ἐπιλαμβάνουσα, ἀγγιβαθῆς, βαρύντα-
 τον ἔχουσα ὕδωρ, ὥστε μὴ δεῖν κολύμβου, ἀλλὰ τὸν ἐμβάντα καὶ μέχρι ὀμφαλοῦ εὐθὺς εξαίρεσθαι· μεστὴ
 15 δ' ἐστὶν ἀσφάλτου· αὕτη δὲ ἀναφυσᾶται κατὰ καιροὺς ἀτάκτους ἐκ μέσου τοῦ βάθους μετὰ πομπολύγων ὡς ἂν ζέοντος ὕδατος· κυρτουμένη δ' ἡ ἐπιφάνεια λόφου φαντασίαν παρέχει· συναναφέρεται δὲ καὶ ἄσβολος πολλή, καπνώδης μὲν πρὸς δὲ τὴν ὕψιν ἄδηλος, ὅφ'
 20 ἥς κατιοῦται καὶ χαλκὸς καὶ ἄργυρος καὶ πᾶν τὸ στιλ-
 πνὸν μέχρι καὶ χρυσοῦ· ἀπὸ δὲ τοῦ κατιοῦσθαι τὰ σκευὴ γνωρίζουσιν οἱ περιοικοῦντες ἀρχομένην τὴν ἀναβολὴν τοῦ ἀσφάλτου, καὶ παρασκευάζονται πρὸς τὴν μεταλλείαν αὐτοῦ, ποιησάμενοι σχεδίας καλαμί-
 25 νας· ἐστὶ δ' ἡ ἄσφαλτος γῆς βῶλος, ὑγραιομένη μὲν 0.764
 ὑπὸ θερμοῦ καὶ ἀναφυσωμένη καὶ διαχεομένη, πάλιν δὲ μεταβάλλουσα εἰς πάγον ἰσχυρὸν ὑπὸ τοῦ ψυχροῦ ὕδατος, οἷον ἐστὶ τὸ τῆς λίμνης ὕδωρ, ὥστε τομῆς καὶ κοπῆς δεῖσθαι· εἴτ' ἐπιπολάζουσα διὰ τὴν φύσιν τοῦ
 30 ὕδατος, καθ' ἣν ἔφαμεν μηδὲ κολύμβου δεῖσθαι, μηδὲ

βαπτίζεσθαι τὸν ἑμβάντα ἀλλ' ἐξαίρεσθαι· προσπλεύσαντες δὲ ταῖς σχεδίαις κόπτουσι καὶ φέρονται τῆς ἀσφάλτου ὅσον ἕκαστος δύναται.

- 43 Τὸ μὲν οὖν συμβαῖνον τοιοῦτον· γόητας δὲ ὄντας σκήπτεσθαι φησιν ἐπ' ὁδῶς ὁ Ποσειδώνιος τοὺς ἀνθρώ- 5
πους καὶ οὐρα καὶ ἄλλα θυσώδη ὕγρα, ἃ περικαταχέ-
αντας καὶ ἐκπιάσαντας πῆττειν τὴν ἀσφαλτον, εἴτα
τέμνειν· εἰ μὴ τίς ἐστὶν ἐπιτηδειότης τῶν οὐρῶν τοι-
αύτη, καθάπερ καὶ ἐν ταῖς κύστεσι τῶν λιθιῶντων,
καὶ ἐκ τῶν παιδικῶν οὐρῶν ἢ χρυσόκολλα συνίσταται· 10
ἐν μέσῃ δὲ τῇ λίμνῃ τὸ πάθος συμβαίνειν εὐλογον, ὅτι
καὶ ἡ πηγὴ τοῦ πυρὸς καὶ τῆς ἀσφάλτου κατὰ μέσον
ἐστὶ καὶ τὸ πληθὺς· ἄτακτος δὲ ἡ ἀναφύσησις, ὅτι καὶ
ἡ τοῦ πυρὸς κίνησις οὐκ ἔχει τάξιν ἡμῖν φανεράν,
ὥσπερ καὶ ἄλλων πνευμάτων πολλῶν. τοιαῦτα δὲ καὶ 15
τὰ ἐν Ἀπολλωνίᾳ τῇ Ἑπειρώτιδι.

- 44 Τοῦ δ' ἐμπυρον τὴν χώραν εἶναι καὶ ἄλλα τεκμή-
ρια φέρουσι πολλά· καὶ γὰρ πέτρας τινὰς ἐπικεκαυμέ-
νας δεικνύουσι τραχείας περὶ Μοασάδα καὶ σήραγγας
πολλαχού καὶ γῆν τεφρώδη, σταγόνας τε πίττης ἐκ 20
λίσσάδων λειβομένας καὶ θυσώδεις πόρρωθεν ποτα-
μοὺς ζέοντας, κατοικίας τε ἀνατετραμμένας σποράδην·
ὥστε πιστεύειν τοῖς θρυλουμένοις ὑπὸ τῶν ἐγχωρίων,
ὡς ἄρα ὅκουντό ποτε τρισκαίδεκα πόλεις ἐνταῦθα, ὧν
τῆς μητροπόλεως Σοδόμων σῶζοιτο κύκλος ἐξήκοντά 25
που σταδίων· ὑπὸ δὲ σεισμῶν καὶ ἀναφυσημάτων
πυρὸς καὶ θερμῶν ὑδάτων ἀσφαλτωδῶν τε καὶ θειω-
δῶν ἢ λίμνη προπέσοι καὶ [αἱ] πέτραι πυρίληπτοι γέ-
νοιτο, αἱ τε πόλεις αἱ μὲν καταποθεῖεν, ἃς δ' ἐκλί-
ποιεν οἱ δυνάμενοι φυγεῖν. Ἐρατοσθένης δὲ φησι 30
τάναντία, λιμναζούσης τῆς χώρας ἐκρήγμασιν ἀνακα-
λυφθῆναι τὴν πλείστην, καθάπερ τὴν Θετταλίαν.

Ἔστι δὲ καὶ ἐν τῇ Γαδαρίδι ὕδωρ μοχθηρὸν λι- 45
 μναῖον, οὗ τὰ γευσάμενα κτήνη τρέχας καὶ ὀπλὰς καὶ
 κέρατα ἀποβάλλει. ἐν δὲ ταῖς καλουμέναις ταριχεύαις
 ἡ λίμνη μὲν ταριχεύας ἐχθύων ἀστείας παρέχει, φύει δὲ
 5 δένδρα καρποφόρα μηλείαις ἐμφορῇ· χρῶνται δ' Αἰ-
 γύπτιοι τῇ ἀσφάλτῳ πρὸς τὰς ταριχεύας τῶν νεκρῶν.

Πομπήσιος μὲν οὖν περικόφας τινὰ τῶν ἐξειδυσθέν- 46
 των ὑπὸ τῶν Ἰουδαίων κατὰ βίαν ἀπέδειξεν Ἑρκανῶ 0.765
 τὴν ἱερωσύνην· τῶν δ' ἀπὸ γένους τις ὕστερον Ἡρώ-
 10 δης, ἀνὴρ ἐπιχώριος, παραδύς εἰς τὴν ἱερωσύνην το-
 σοῦτον διήνεγκε τῶν πρὸ αὐτοῦ καὶ μάλιστα τῇ πρὸς
 Ῥωμαίους ὁμιλίᾳ καὶ πολιτείᾳ, ὥστε καὶ βασιλεὺς ἐχρη-
 μάτισε, δόντος τὸ μὲν πρῶτον Ἀντωνίου τὴν ἐξουσίαν
 ὕστερον δὲ καὶ Καίσαρος τοῦ Σεβαστοῦ· τῶν δ' υἱῶν
 15 τοὺς μὲν αὐτὸς ἀνείλεν ὥς ἐπιβουλεύσαντας αὐτῷ,
 τοὺς δὲ τελευτῶν διαδόχους ἀπέλιπε μερίδας αὐτοῖς
 ἀποδοῦς. Καῖσαρ δὲ καὶ τοὺς υἱοὺς ἐτίμησε τοῦ Ἡρώ-
 δου καὶ τὴν ἀδελφὴν Σαλώμην καὶ τὴν ταύτης θυγα-
 τέρα Βερενίκην· οὐ μέντοι εὐτύχησαν οἱ παῖδες, ἀλλ'
 20 ἐν αἰτίαις ἐγένοντο, καὶ ὁ μὲν ἐν φυγῇ διετέλει παρὰ
 τοῖς Ἀλλόβοριξι Γαλάταις λαβὼν οἴκησιν, οἱ δὲ θερα-
 πείᾳ πολλῇ μόλις εὗροντο κάθοδον, τετραρχίας ἀπο-
 δειχθείσης ἑκατέρῳ.

Ἐπίρκεται δὲ τῆς Ἰουδαίας καὶ τῆς κοίλης Συρίας 3
 25 μέχρι Βαβυλωνίας καὶ τῆς τοῦ Εὐφράτου ποταμίας
 πρὸς νότον Ἀραβία πᾶσα χωρὶς τῶν ἐν τῇ Μεσοποτα-
 μίᾳ σκηνιτῶν. περὶ μὲν οὖν τῆς Μεσοποταμίας καὶ
 τῶν νεμομένων αὐτὴν ἔθνων εἰρηται· τὰ δὲ πέραν τοῦ
 Εὐφράτου τὰ μὲν πρὸς ταῖς ἐκβολαῖς αὐτοῦ νέμονται
 30 Βαβυλώνιοι καὶ τὸ τῶν Χαλδαίων ἔθνος (εἰρηται δὲ
 περὶ τούτων), τὰ δ' ἐξῆς τῆς Μεσοποταμίας μέχρι κοί-
 λης Συρίας, τὸ μὲν πλησιάζον τῷ ποταμῷ * καὶ τὴν

Μεσοποταμίαν σκηνῖται κατέχουσιν Ἀραβες, δυνα-
στείας ἀποτετμημένοι μικρὰς ἐν λυπροῖς χωρίοις διὰ
τὰς ἀνυδρίας, γεωργοῦντες μὲν ἢ οὐδὲν ἢ μικρά, νο-
μὰς δὲ ἔχοντες παντοδαπῶν θρεμμάτων καὶ μάλιστα
καμήλων· ὑπὲρ δὲ τούτων ἔρημός ἐστι πολλή· τὰ δὲ 5
τούτων ἐτι νοτιώτερα ἔχουσιν οἱ τὴν εὐδαίμονα καλου-
μένην Ἀραβίαν οἰκοῦντες. ταύτης δὲ τὸ μὲν προσάρ-
κτιον πλευρὸν ἢ λεχθεῖσά ἐστιν ἔρημος, τὸ δ' ἔφον ὁ
Περσικὸς κόλπος, τὸ δὲ ἐσπέριον ὁ Ἀράβιος, τὸ δὲ
νότιον ἢ μεγάλη θάλαττα ἢ ἔξω τῶν κόλπων ἀμφοῖν, 10
ἦν ἅπασαν Ἐρυθρὰν καλοῦσιν.

- 2 Ὁ μὲν οὖν Περσικὸς κόλπος λέγεται καὶ ἡ κατὰ
Πέρσας θάλαττα. φησὶ δὲ περὶ αὐτῆς Ἐρατοσθένης
οὕτως, ὅτι τὸ μὲν στόμα φησὶν εἶναι στενὸν οὕτως
ὥστ' ἐξ Ἀρμόξοντος, τῆς Καρμανίας ἀκρωτηρίου, τῆς 15
Ἀραβίας ἀφορᾶται τὸ ἐν Μάκαις· ἀπὸ δὲ τοῦ στόμα-
τος ἡ ἐν δεξιᾷ παραλία περιφερὴς οὖσα κατ' ἀρχὰς μὲν
ἀπὸ τῆς Καρμανίας πρὸς ἕω μικρὸν, εἴτα πρὸς ἄρκτον
νεύει, καὶ μετὰ ταῦτα πρὸς τὴν ἐσπέραν μέχρι Τερη-
δόνος καὶ τῆς ἐκβολῆς τοῦ Εὐφράτου· περιέχει δὲ τὴν 20
τε Καρμανίων παραλίαν καὶ τὴν Περσῶν καὶ Σουσίων
C.766 καὶ Βαβυλωνίων ἀπὸ μέρους, ὅσον μυρίων οὖσα στα-
δίων· περὶ ὧν καὶ ἡμεῖς εἰρήκαμεν· τὸ δ' ἐντεῦθεν
ἐξῆς ἐπὶ τὸ στόμα πάλιν ἄλλοι τοσοῦτοι, καθάπερ καὶ
Ἀνδροσθένη λέγειν φησὶ τὸν Θάσιον, τὸν καὶ Νεάρχω 25
συμπλεύσαντα καθ' αὐτόν· ὥστε δῆλον ἐκ τού-
των εἶναι διότι μικρὸν ἀπολείπεται τῷ μεγέθει τῆς
κατὰ τὸν Εὐξείνιον θαλάττης αὕτη ἢ θάλαττα· λεγὶν
δὲ φησὶν ἐκεῖνον περιπεπλευκότα στόλῳ τὸν κόλπον,
ὅτι ἀπὸ Τερηδόνος ἐξῆς ἐν δεξιᾷ ἔχοντι τὴν ἡπειρον ὁ 30
παράπλους ἔχει προκειμένην νῆσον Ἰκαρον, καὶ ἱερὸν
Ἀπόλλωνος ἄγιον ἐν αὐτῇ καὶ μαντεῖον Ταυροπόλου.

Παραπλεύσαντι δὲ τῆς Ἀραβίας εἰς δισχιλίους καὶ 3
 τετρακοσίους σταδίους ἐν βαθεῖ κόλῳ κεῖται πόλις
 Γέρρα, Χαλδαίων φυγάδων ἐκ Βαβυλῶνος οἰκούντων
 γῆν ἄλμυρίδα καὶ ἐχόντων ἄλλαν τὰς οἰκίας. ἐπεὶ δὲ
 6 λεπίδες τῶν ἄλων ἀφιστάμεναι κατὰ τὴν ἐπέκασιν τὴν
 ἐκ τῶν ἡλίων συνεχεῖς ἀποπίπτουσι, καταρραίνοντες
 ὕδασι πυκνὰ τοὺς τοίχους συνέχουσι. διέχει δὲ τῆς θα-
 λάττης διακοσίους σταδίους ἢ πόλις· πεζέμποροι δ'
 εἰσὶν οἱ Γερραῖοι τὸ πλεον τῶν Ἀραβίων φορτίων καὶ
 10 ἁρωμάτων. Ἀριστόβουλος δὲ τοῦναντίον φησὶ τοὺς
 Γερραίους τὰ πολλὰ σχεδία εἰς τὴν Βαβυλωνίαν ἐμ-
 πορεύεσθαι, ἐκεῖθεν δὲ τῷ Εὐφράτῃ τὰ φορτία ἀνα-
 πλεῖν εἰς Θάψακον, εἰτα πεζῇ κομίζεσθαι πάντη.

Πλεύσαντι δ' ἐπὶ πλεον ἄλλαι νῆσοι Τύρος καὶ 4
 15 Ἀραδος εἰσὶν, ἱερὰ ἔχουσαι τοῖς Φοινικικοῖς ὅμοια· καὶ
 φασὶ γὰρ οἱ ἐν αὐταῖς οἰκούντες τὰς ὁμωνύμους τῶν
 Φοινίκων νήσους καὶ πόλεις ἀποίκους ἑαυτῶν. διέ-
 χουσι δὲ αἱ νῆσοι αὐταὶ Τερηδόνης μὲν δεχήμερον
 πλοῦν, τῆς δὲ κατὰ τὸ στόμα ἄκρας τῆς ἐν Μάκαις
 20 ἡμερήσιον.

Ἀπὸ δὲ τῆς Καρμανίας εἰρήκασι καὶ Νέαρχος καὶ 5
 Ὀρθαγόρας νήσον Ὠγυριν κείσθαι πρὸς νότον πελα-
 γίαν ἐν δισχιλίοις σταδίοις, ἐν ᾗ τάφος Ἐρυθρα δει-
 κνυται, χῶμα μέγα ἀγρίοις φοῖνιξι κατάφυτον· τοῦ-
 25 τον δὲ βασιλεῦσαι τῶν τόπων καὶ ἀπ' αὐτοῦ τὴν θά-
 λατταν ἐπώνυμον καταλιπεῖν· δηλῶσαι δὲ ταῦτά φησιν
 αὐτοῖς Μιθρωπάστην τὸν Ἀρσίτου τοῦ Φρυγίας σα-
 τράπου, φυγόντα μὲν Δαρεῖον, διατρέψαντα δ' ἐν τῇ
 νήσῳ, συμμίζαντα δὲ αὐτοῖς καταχθεῖσιν εἰς τὸν Περ-
 30 σικὸν κόλπον καὶ ζητοῦντα κάθοδον δι' αὐτῶν εἰς τὴν
 οἰκίαν.

Καθ' ὅλην δὲ τὴν τῆς Ἐρυθραῆς παραλίαν κατὰ 6

βυθοῦ φύεται δένδρα ὅμοια δάφνη καὶ ἐλαία, ταῖς μὲν ἀμπώτεσιν ὅλα ὑπερφανῇ γινόμενα, ταῖς δὲ πλημμυρίσιν ἔσθ' ὅτε ὅλα καλυπτόμενα, καὶ ταῦτα τῆς ὑπερκειμένης γῆς ἀδένδρου οὔσης, ὥστε ἐπιτείνεσθαι τὸ C.767 παραδόξον. περὶ μὲν οὖν τῆς κατὰ Πέρσας θαλάττης, ἣν ἔφ' ἂν πλευρὰν ἔφαμεν εἶναι τῆς εὐδαίμονος Ἀραβίας, τοιαῦτα εἰρηκεν Ἑρατοσθένης.

7 Φησὶ δ' ὁ Νέαρχος τὸν Μιθρωπάστην ἐντυχεῖν αὐτοῖς μετὰ Μαζήνου· τὸν δὲ Μαζήνην ἐπάρχειν νήσου τινὸς τῶν ἐν τῷ Περσικῷ κόλῳ· καλεῖσθαι δὲ τὴν νῆσον Ὀάρακτα· εἰς ταύτην δὲ τὸν Μιθρωπάστην καταφυγόντα ξενίας τυχεῖν κατὰ τὴν ἐξ Ὠγύριος γενομένην ἄφοδον, καὶ δὴ καὶ συνελθεῖν τῷ Μαζήνῃ συσταθῆσόμενον τοῖς ἐν τῷ στόλῳ Μακεδόσι, τὸν δὲ Μαζήνην καὶ καθηγεμόνα τοῦ πλοῦ γενέσθαι. λέγει δὲ καὶ ἐν ἀρχῇ τοῦ Περσικοῦ παράπλου νῆσον, ἐν ᾗ μαργαρίτης πολὺς καὶ πολυτίμητός ἐστιν, ἐν ἄλλαις δὲ ψῆφοι τῶν διανγῶν καὶ λαμπρῶν· ἐν δὲ ταῖς πρὸ τοῦ Εὐφράτου νήσοις δένδρα φύεσθαι λιβάνου πνέοντα, ὧν τὰς ῥίζας κλωμένων ὁπὸν ῥεῖν· παγούρων δὲ καὶ ἐχίνων μεγέθη, ὅπερ κοινὸν ἐν πάσῃ τῇ ἔξω θαλάττῃ· τοὺς μὲν γὰρ εἶναι μείζους καυσίων, τοὺς δὲ καὶ δικτύλους· ἐποκεῖλαν δὲ κῆτος ἰδεῖν πεντήκοντα πηγῶν.

4 Ἀρχὴ δὲ τῆς Ἀραβίας ἀπὸ τῆς Βαβυλωνίας ἐστὶν ἡ Μαικήνη· πρόκειται δὲ ταύτης τῇ μὲν ἡ ἔρημος τῶν Ἀράβων τῇ δὲ τὰ ἔλη τὰ κατὰ Χαλδαίους, ἃ ποιεῖ παρικχεόμενος ὁ Εὐφράτης, τῇ δὲ ἡ κατὰ Πέρσας θάλαττα. θυσαίρος [δὲ] οὔσα καὶ ὁμιχλώδης καὶ ἐκομβρος ἅμα καὶ καυματηρά, καλλίκαρπός ἐστιν ὅμως· ἡ δ' ἄμπελος ἐν ἔλεσι φύεται, καλαμέναις ῥιπὶν ἐπιβαλλομένης γῆς, ὅση δέξαιτ' ἂν τὸ φυτόν, ὥστε φορητὴν

γίνεσθαι πολλάκις, εἴτα κοντοῖς ἀπωθεῖσθαι πάλιν εἰς τὴν οἰκίαν ἔδραν.

Ἐπάνειμι δὲ ἐπὶ τὰς Ἑρατοσθένους ἀποφάσεις 2
 αὖς ἐξῆς περὶ τῆς Ἀραβίας ἐκτίθεται. φησὶ δὲ περὶ τῆς
 5 προσαρκτίου καὶ ἐρήμης ἣτις ἐστὶ μεταξὺ τῆς τε εὐ-
 δαίμονος Ἀραβίας καὶ τῆς Κοιλοσύρων καὶ τῶν Ἰου-
 δαίων μέχρι τοῦ μυχοῦ τοῦ Ἀραβίου κόλπου, διότι ἀπὸ
 Ἡρώων πόλεως, ἣτις ἐστὶν [ἐν τῷ] πρὸς τὸν Νεῖλλον μυχῷ
 τοῦ Ἀραβίου κόλπου, πρὸς μὲν τὴν Ναβαταίων Πέτραν
 10 εἰς Βαβυλῶνα πεντακισχίλιοι ἑξακόσιοι, πᾶσα μὲν πρὸς
 ἀνατολὰς θερινάς, διὰ δὲ τῶν παρακειμένων Ἀραβίων
 ἔθνων Ναβαταίων τε καὶ Χανλοταίων καὶ Ἀγραίων·
 ὑπὲρ δὲ τούτων ἡ εὐδαίμων ἐστίν, ἐπὶ μυρίους καὶ
 δισχιλίους ἐκκειμένη σταδίους πρὸς νότον μέχρι τοῦ
 15 Ἀτλαντικοῦ πελάγους. ἔχουσι δ' αὐτὴν οἱ μὲν πρῶτοι
 μετὰ τοὺς Σύρους καὶ τοὺς Ἰουδαίους ἄνθρωποι γεωρ-
 γοί· μετὰ δὲ τούτους διάμμος ἐστὶ γῆ καὶ λυπρά, φοί-
 νικας ἔχουσα ὀλίγους καὶ ἄκανθαν καὶ μυρίκην καὶ
 ὀρυκτὰ ὕδατα, καθάπερ καὶ ἡ Γεδρωσία· σκηνῖται δ'
 20 ἔχουσιν αὐτὴν Ἀραβες καὶ καμηλοβοσκοί. τὰ δ' ἑσχατα 0.768
 πρὸς νότον καὶ ἀνταίρουντα τῇ Αἰθιοπία βρέχεται τε
 θερινοῖς ὄμβροις καὶ δισπορεῖται παραπλησίως τῇ Ἰν-
 δικῇ, ποταμοὺς δ' ἔχει καταναλισκομένους εἰς πεδία
 καὶ λίμνας, εὐκαρπία δ' ἐστὶν ἥ τε ἄλλη καὶ μελιτουρ-
 25 γεῖα δαφυλῇ, βοσκημάτων τε ἀφθονία πλὴν ἱππῶν καὶ
 ἡμιόνων καὶ ὄνων, ὄρνεά τε παντοῖα πλὴν χηνῶν καὶ
 ἀλεκτοριδῶν. κατοικεῖ δὲ τὰ μέγιστα τέτταρα ἔθνη τὴν
 ἑσχάτην λεχθεῖσαν χώραν, Μιναῖοι μὲν ἐν τῷ πρὸς
 τὴν Ἑρυθρὰν μίρει, πόλις δ' αὐτῶν ἡ μεγίστη Κάρνα
 30 ἢ Κάρνανα· ἐχόμενοι δὲ τούτων Σαβαῖοι, μητρόπολις
 δ' αὐτῶν Μαρίαβα· τρίτοι δὲ Κατταβανεῖς καθήκον-
 τες πρὸς τὰ στενὰ καὶ τὴν διάβασιν τοῦ Ἀραβίου κόλ-

που, τὸ δὲ βασίλειον αὐτῶν Τάμνα καλεῖται· πρὸς ἑω
δὲ μάλιστα Χατραμωτῖται, πόλιν δ' ἔχουσι Σάβαταν.

- 3 Μοναρχοῦνται δὲ πᾶσαι καὶ εἰσὶν εὐδαίμονες, κα-
τεσκευασμέναι καλῶς ἱεροῖς τε καὶ βασιλείοις, αἷ τε
οἰκίαι ταῖς Αἰγυπτίαις ὁμοίαι κατὰ τὴν τῶν ξύλων ἔν- 5
δεσιν· χώραν δ' ἐπέχουσιν οἱ τέτταρες νομοὶ μείζω τοῦ
κατ' Αἴγυπτον Δέλτα· διαδέχεται δὲ τὴν βασιλείαν οὐ
παῖς παρὰ πατρός, ἀλλ' ὅς ἂν πρῶτος γεννηθῇ τινι
τῶν ἐπιφανῶν παῖς μετὰ τὴν κατάστασιν τοῦ βασι-
λέως· ἅμα γὰρ τῷ κατασταθῆναί τινα εἰς τὴν ἀρχὴν 10
ἀναγράφονται τὰς ἐγκύους γυναῖκας τῶν ἐπιφανῶν
ἀνδρῶν καὶ ἐφιστάσι φύλακας, ἧτις [δ'] ἂν πρώτη
τέκῃ, τὸν ταύτης υἱὸν νόμος ἐστὶν ἀναληφθέντα τρέ-
φεσθαι βασιλικῶς ὡς διαδεξόμενον.

- 4 Φέρει δὲ λιβανωτὸν μὲν ἡ Κατταβανία, σμύρναν 15
δὲ ἡ Χατραμωτῖτις· καὶ ταῦτά τε καὶ τὰ ἄλλα ἀρώματα
μεταβάλλονται τοῖς ἐμπόροις. ἔρχονται δὲ πρὸς αὐτοὺς
ἐξ Αἰλάνων μὲν εἰς Μιναίαν ἐν ἑβδομήκοντα ἡμέραις·
ἔστι δ' ἡ Αἰλανα πόλις ἐν θατέρῳ μυχῷ τοῦ Ἀραβίου
κόλπου τῷ κατὰ Γάζαν, τῷ Αἰλανίτῃ καλουμένῳ, κα- 20
θάπερ εἰρήκαμεν· Γερραῖοι δ' εἰς τὴν Χατραμωτῖτιν
ἐν τετταράκοντα ἡμέραις ἀφικνοῦνται. τοῦ δ' Ἀραβίου
κόλπου τὸ μὲν παρὰ τὴν Ἀραβίαν πλευρὸν ἀρχομένοις
ἀπὸ τοῦ Αἰλανίτου μυχοῦ, καθάπερ οἱ περὶ Ἀλέξαν-
δρον ἀνέγραψαν καὶ Ἀναξικράτης, μυρίων καὶ τετρα- 25
κισχιλίων σταδίων ἐστίν· εἰρηται δὲ ἐπὶ πλεόν. τὸ δὲ
κατὰ τὴν Τρωγλοδυτικὴν, ὅπερ ἐστὶν ἐν δεξιᾷ ἀπο-
πλεύουσιν ἀπὸ Ἠρώων πόλεως, μέχρι μὲν Πτολεμαῖδος
καὶ τῆς τῶν ἐλεφάντων θήρας ἑνακισχίλιοι πρὸς με-
σημβρίαν στάδιοι καὶ μικρὸν ἐπὶ τὴν ἑω· ἐντεῦθεν δὲ 30
μέχρι τῶν στενῶν ὡς τετρακισχίλιοι καὶ πεντακόσιοι
C.769 πρὸς τὴν ἑω μᾶλλον. ποιεῖ δὲ ἄκρα τὰ στενὰ πρὸς τὴν

- Αἰθιοπίαν Δειρὴν καλουμένην, καὶ πολίχνιον ὁμώνυμον αὐτῇ· κατοικοῦσι δὲ ἰχθυοφάγοι. καὶ φασιν ἐνταῦθα στήλην εἶναι Σεσώστριος τοῦ Αἰγυπτίου μηνύουσαν ἱεροῖς γράμμασι τὴν διάβασιν αὐτοῦ· φαίνεται γὰρ 5 τὴν Αἰθιοπίδα καὶ τὴν Τρωγλοδυτικὴν πρῶτος καταστρεψάμενος οὗτος, εἴτα διαβὰς εἰς τὴν Ἀραβίαν κἀντεῦθεν τὴν Ἀσίαν ἐπιλθὼν τὴν σύμπασαν· διὸ δὴ πολλαχοῦ Σεσώστριος χάρακες προσαγορεύονται, καὶ ἀφιδρύματά ἐστιν Αἰγυπτίων θεῶν ἱερῶν. τὰ δὲ κατὰ 10 Δειρὴν στενὰ συνάγεται εἰς σταδίους ἐξήκοντα· οὐ μὴν ταῦτά γε καλεῖται νυνὶ στενά, ἀλλὰ προσπλεύσασιν ἀπωτέρω, καθὼ τὸ μὲν διάρμά ἐστι τὸ μεταξὺ τῶν ἡπείρων διακοσίων πον σταδίων, ἔξ δὲ νῆσοι συνεχεῖς ἀλλήλαις τὸ διάρμα ἐκπληροῦσαι στενοὺς τελείως διά-
- 15 πλους ἀπολείπουσι, δι' ὧν σχεδίαὶ τὰ φορτία κομίζουσι δεῦρο κάκειῃσε, καὶ λέγουσι ταῦτα στενά. μετὰ δὲ τὰς νήσους ὁ ἐξῆς πλοῦς ἐστὶν ἐγκολπίζουσι παρὰ τὴν σμυρνοφόρον ἐπὶ τὴν μεσημβρίαν ἅμα καὶ τὴν ἕω μέχρι πρὸς τὴν τὸ κιννάμωμον φέρουσαν, ὅσον πεν-
- 20 τακισχιλίων σταδίων· πέρα δὲ ταύτης οὐδένα ἀφῆχθαί φησι μέχρι νῦν. πόλεις δ' ἐν μὲν τῇ παραλίᾳ μὴ πολλὰς εἶναι, κατὰ δὲ τὴν μεσόγαιαν πολλὰς οἰκουμένας καλῶς. τὰ μὲν δὴ τοῦ Ἐρατοσθένους περὶ τῆς Ἀραβίας τοιαῦτα· προσθετέον δὲ καὶ τὰ παρὰ τῶν ἄλλων.
- 25 Φησὶ δ' Ἀρτεμίδωρος τὸ ἀντικείμενον ἐκ τῆς 5 Ἀραβίας ἀκρωτήριον τῇ Δειρῇ καλεῖσθαι * Ἀκίλαν· τοὺς δὲ περὶ τὴν Δειρὴν κολοβοὺς εἶναι τὰς βαλάνους. ἀπὸ δὲ Ἡρώων πόλεως πλείουσι κατὰ τὴν Τρωγλοδυτικὴν πόλιν εἶναι Φιλωτέραν ἀπὸ τῆς ἀδελφῆς τοῦ δευ-
- 30 τέρου Πτολεμαίου προσαγορευθεῖσαν, Σατύρου κτίσμα τοῦ πεμφθέντος ἐπὶ τὴν διερεύνησιν τῆς τῶν ἐλεφάντων θήρας καὶ τῆς Τρωγλοδυτικῆς· εἴτα ἄλλην πόλιν

Ἀρσινόην· εἶτα θερμῶν ὑδάτων ἐκβολὰς πικρῶν καὶ ἄλμυρῶν, κατὰ πέτρας τινὸς ὑψηλῆς ἐκδιδόντων εἰς τὴν θάλατταν, καὶ πλησίον ὅρος ἐστὶν ἐν πεδίῳ μι-
τῶδες· εἶτα Μυὸς ὄρμον ὃν καὶ Ἀφροδίτης ὄρμον
καλεῖσθαι, λιμένα μέγαν, τὸν εἰσπλοὺν ἔχοντα σκο- 5
λίον· προκεῖσθαι δὲ νήσους τρεῖς, δύο μὲν ἐλαίαις κα-
τασκίους, μίαν δ' ἦττον κατὰσκιον, μελισταγρίδων με-
στήν· εἰδ' ἐξῆς τὸν Ἀκάθαρτον κόλπον καὶ αὐτὸν
κατὰ τὴν Θηβαῖδα κείμενον, καθάπερ τὸν Μυὸς ὄρμον,
ὄντως δὲ ἀκάθαρτον· καὶ γὰρ ὑφάλοις χοιράσι καὶ 10
ῥαχλαῖς ἐκτετράχυνται καὶ πνοιαῖς καταγιγινούσαις τὸ
C.770πλέον. ἐνταῦθα δὲ ἰδρῦσθαι Βερενίκην πόλιν ἐν βάθει
τοῦ κόλπου.

6 Μετὰ δὲ τὸν κόλπον ἡ Ὀφριάδης καλουμένη νῆσος
ἀπὸ τοῦ συμβεβηκότος, ἣν ἡλευθέρωσε τῶν ἐρπετῶν 15
ὁ βασιλεὺς, ἅμα καὶ διὰ τὰς φθορὰς τῶν προσορμιζο-
μένων ἀνθρώπων τὰς ἐκ τῶν θηρίων καὶ διὰ τὰ τοπά-
ξια. λίθος δὲ ἐστὶ διαφανὴς χρυσοειδὲς ἀποστίλβων
φέγγος, ὅσον μεθ' ἡμέραν μὲν οὐ ῥαδίον ἰδεῖν ἐστὶ
(ὑπερανγείται γάρ), νύκτωρ δ' ὀρώσιν οἱ συλλέγον- 20
τες· περικαθάψαντες δὲ ἀγγεῖον σημείου χάριν μεθ'
ἡμέραν ἀνορύττουσι· καὶ ἦν σύστημα ἀνθρώπων ἀπο-
δεδειγμένων εἰς τὴν φυλακὴν τῆς λιθείας ταύτης καὶ
τὴν συναγωγὴν, σιταρχούμενον ὑπὸ τῶν τῆς Αἰγύπτου
βασιλέων.

7 Μετὰ δὲ τὴν νῆσον ταύτην πολλά ἐστὶν ἰχθυοφά- 25
γων γένη καὶ νομάδων· εἰδ' ὁ τῆς Σωτείρας λιμὴν, ὃν
ἐκ κινδύνων μεγάλων τινὲς σωθέντες τῶν ἡγεμόνων
ἀπὸ τοῦ συμβεβηκότος οὕτως ἐκάλεσαν. μετὰ δὲ ταῦτα
ἐξάλλαξις πολλὴ τῆς παραλίας καὶ τοῦ κόλπου· τὸν 30
γὰρ παράπλοον οὐκέτι συμβαίνει τραχὺν εἶναι, συνά-
πτειν τέ πως τῇ Ἀραβίᾳ καὶ τὸ πέλαγος ταπεινὸν εἶναι

- σχεδόν τι καὶ ἐπὶ δύο ὀργυιάς, ποιάζειν τε τὴν ἐπιφά-
 νειαν διαφαινομένου τοῦ μνίου καὶ τοῦ φύκου· ὅπερ
 πλεονάζει κατὰ τὸν πόρον, ὅπου γε καὶ δένδρα φύεται
 καθ' ὕδατος παρὰ τοῖς ἐνταῦθα· ἔχει δὲ καὶ κυνῶν
 5 πλῆθος τῶν θαλαττίων ὁ πόρος· εἶθ' οἱ Ταῦροι, δύο
 ὄρη τύπον τινὰ πόρρωθεν δεικνύντα τοῖς ξέοις ὁμοιον·
 εἶτ' ἄλλο ὄρος ἱερὸν ἔχον τῆς Ἰσιδος, Σεσώστριος ἀφί-
 δρυμα· εἶτα νῆσος ἐλαία κατάφυτος ἐπικλυζομένη,
 μεθ' ἣν ἡ Πτολεμαῖς πρὸς τῇ θήρᾳ τῶν ἐλεφάντων,
 10 κτίσμα Εὐμήδους τοῦ πεμφθέντος ἐπὶ τὴν θήραν ὑπὸ
 Φιλαδέλφου, λάθρᾳ περιβαλομένου χειρρονήσῳ τινὶ
 τάφρῳ καὶ περίβολῳ, εἶτ' ἐκθεραπεύσαντος τοὺς κω-
 λύνοντας καὶ κατεσκευασμένου φίλους ἀντὶ θυσμενῶν.
 Ἐν δὲ τῷ μεταξὺ ἐκδίδωσιν ἀπόσπασμα τοῦ Ἄστα- 8
 15 βόρα καλουμένου ποταμοῦ, ὃς ἐκ λίμνης τὴν ἀρχὴν
 ἔχων μέρος μὲν τι ἐκδίδωσι, τὸ δὲ πλεόν συμβάλλει τῷ
 Νεῖλῳ· εἶτα νῆσοι ἕξ Λατομῖαι καλούμεναι· καὶ μετὰ
 ταῦτα τὸ Σαβαίτικόν στόμα λεγόμενον καὶ ἐν τῇ μεσο-
 γαίᾳ φρούριον, Τοσοῦχου ἵδρυμα· εἶτα λιμὴν καλού-
 20 μενος Ἐλαία καὶ ἡ Στράτωνος νῆσος· εἶτα λιμὴν Σαβὰ
 καὶ κυνήγιον ἐλεφάντων ὁμώνυμον αὐτῷ· ἡ δ' ἐν βά-
 θει τούτων χώρα Τηνισσίς λέγεται· ἔχουσι δ' αὐτὴν
 οἱ παρὰ Ψαμμιτίχου φυγάδες Αἰγυπτίων· ἐπονομά-
 ζονται δὲ Σεμβρίται, ὥς ἂν ἐπήλυδες· βασιλεύονται δ' C. 771
 25 ὑπὸ γυναικός, ὅψ' ἦν ἔστι καὶ ἡ Μερόη, πλησίον τῶν
 τόπων οὕσα τούτων ἐν τῷ Νεῖλῳ νῆσος, ὑπὲρ ἧς ἄλλη
 ἔστι νῆσος οὐ πολὺ ἄπωθεν ἐν τῷ ποταμῷ, κατοικία
 τῶν αὐτῶν τούτων φυγάδων. ἀπὸ δὲ Μερόης ἐπὶ
 τήνδε τὴν θάλατταν εὐζώνῳ ὁδὸς ἡμερῶν πεντεκαί-
 30 δεκα. περὶ δὲ τὴν Μερόην καὶ ἡ συμβολὴ τοῦ τε Ἄστα-
 βόρα καὶ τοῦ Ἀστάπου καὶ ἐτι τοῦ Ἀστασόβα πρὸς τὸν
 Νεῖλον.

9 Παροικοῦσι δὲ τούτοις οἱ ῥιζοφάγοι καὶ ἔλαιοι
 προσαγορευόμενοι διὰ τὸ ἐκ τοῦ παρακειμένου ῥιζοτο-
 μούντας ἔλους κόπτειν λίθοις καὶ ἀναπλάττειν μάζας,
 ἡλιάσαντας δὲ σιτεῖσθαι· λεοντοβότα δ' ἐστὶ τὰ χωρία·
 ταῖς δ' ὑπὸ κυνὸς ἐπιτολὴν ἡμέραις ὑπὸ κωνώπων με- 5
 γάλων ἐξελαύνεται τὰ θηρία ἐκ τῶν τόπων· εἰσὶ δὲ καὶ
 σπερμοφάγοι πλησίον, οἱ τῶν σπερμάτων ἐπιλιπόντων
 ὑπὸ τῶν ἀκροδρύων τρέφονται, σκευάζοντες παραπλη-
 σίως ὥσπερ τὰς ῥίζας οἱ ῥιζοφάγοι. μετὰ δὲ τὴν Ἑλαιάν
 αἱ Δημητρίου σκοπιαὶ καὶ βωμοὶ Κόνωνος· ἐν δὲ τῇ 10
 μεσογαίᾳ καλάμων Ἰνδικῶν φύεται πλῆθος· καλεῖται
 δὲ ἡ χώρα Κορακίον· ἦν δὲ τις ἐν βάθει Ἐνδέρα γυ-
 μνητῶν ἀνθρώπων κατοικία, τόξοις χρωμένων καλα-
 μένοις καὶ πεπυρακτωμένοις οἰστοῖς· ἀπὸ δένδρων δὲ
 τοξεύουσι τὰ θηρία τὸ πλεόν, ἐστὶ δ' ὅτε καὶ ἀπὸ γῆς· 15
 πολὺ δ' ἐστὶ παρ' αὐτοῖς πλῆθος τῶν ἀγρίων βοῶν·
 ἀπὸ δὲ τῆς τούτων καὶ τῶν ἄλλων θηρίων κρεοφαγίας
 ζῶσιν, ἐπὰν δὲ μηδὲν θηρεύσωσι, τὰ ξηρὰ δέρματα ἐπ'
 ἀνθρακιᾷς ὀπτῶντες ἀρκοῦνται τῇ τοιαύτῃ τροφῇ.
 ἔθος δ' ἐστὶν αὐτοῖς ἀγῶνα τοξείας προτιθέναι τοῖς 20
 ἀνήβοις παισὶ. μετὰ δὲ τοὺς Κόνωνος βωμοὺς ὁ Μήλι-
 νος λιμὴν· ὑπέρεκειται δ' αὐτοῦ φρούριον Κοράου κα-
 λούμενον καὶ κυνήγιον τοῦ Κοράου καὶ ἄλλο φρούριον
 καὶ κυνήγια πλείω· εἰτα ὁ Ἀντιφίλου λιμὴν καὶ οἱ
 ὑπὲρ τούτου κρεοφάγοι, κολοβοὶ τὰς βαλάνους καὶ αἱ 25
 γυναῖκες ἰουδαϊκῶς ἐκτετρημέναι.

10 Ἔτι δ' ὑπὲρ τούτων ὡς πρὸς μεσημβρίαν οἱ κυνα-
 μολγοί, ὑπὸ δὲ τῶν ἐντοπίων ἄγριοι καλούμενοι, κα-
 τάκομοι, καταπώγωνες, κύνας ἐκτρέφοντες εὐμεγέθεις,
 οἷς θηρεύουσι τοὺς ἐπερχομένους ἐκ τῆς πλησιοχώρου 30
 βόας Ἰνδικούς, εἰδ' ὑπὸ θηρίων ἐξελαυνομένους εἰτε
 σπάνει νομῆς· ἡ δ' ἐφοδος αὐτῶν ἀπὸ θερινῶν τρο-

πῶν μέχρι μέσου χειμῶνος. τῷ δ' Ἀντιφίλου λιμένι
 ἐξῆς ἔστι λιμὴν καλούμενος κολοβῶν ἄλσος καὶ Βερε-
 νίκη πόλις ἢ κατὰ Σαβὰς καὶ Σαβαί, πόλις εὐμεγέθης,
 εἴτα τὸ τοῦ Εὐμένους ἄλσος. ὑπέρκειται δὲ πόλις Λά-
 5 ραδα καὶ κυνήγιον ἐλεφάντων τὸ πρὸς τῷ φρεῖτι κα-
 λούμενον· κατοικοῦσι δ' ἐλεφαντοφάγοι, τὴν θήραν
 ποιοῦμενοι τοιαύτην· ἀπὸ τῶν δένδρων ἰδόντες ἀγέ- C. 772
 λην διὰ τοῦ δρυμοῦ φερομένην τῇ μὲν οὐκ ἐπιτίθενται,
 τοὺς δ' ἀποπλανηθέντας ἐκ τῶν ὀπισθεν λάθρα προσ-
 10 ιόντες νευροκοποῦσι· τινὲς δὲ καὶ τοξεύμασιν ἀναι-
 ροῦσιν αὐτοὺς χολῇ βεβαμμένοις ὄφειων· ἡ δὲ τοξεία
 διὰ τριῶν ἀνδρῶν συντελεῖται, τῶν μὲν κατεχόντων
 τὸ τόξον καὶ προβεβηκότων τοῖς ποσὶ, τοῦ δ' ἔλκοντος
 τὴν νευράν· ἄλλοι δὲ σημειωσάμενοι τὰ δένδρα οἷς
 15 εἰώθασι προσαναπαύεσθαι, προσιόντες ἐκ θατέρου
 μέρους τὸ στέλεχος ὑποκόπτουσιν· ἐπὰν οὖν προσιὼν
 τὸ θηρίον ἀποκλίνῃ πρὸς αὐτό, πεσόντος τοῦ δένδρου
 πίπτει καὶ αὐτό, ἀναστῆναι δὲ μὴ θυναμένου διὰ τὸ τὰ
 σκέλη διηνεκὲς ὅσπου ἔχειν καὶ ἀκαμπές, καταπηδή-
 20 σαντες ἀπὸ τῶν δένδρων ἀνατίμνουσιν αὐτό· τοὺς δὲ
 κυνηγοὺς οἱ νομάδες ἀκαθάτους καλοῦσιν.

Ὑπέρκειται δὲ τούτων ἔθνος οὐ μέγα στρουθο- 11
 φάγων, παρ' οἷς ὄρνεις εἰσὶ μέγεθος ἐλάφων ἔχοντες,
 πέτασθαι μὲν οὐ θυνάμενοι, θέοντες δὲ ὀξέως καθάπερ
 25 οἱ στρουθοκάμηλοι· θηρεύουσι δ' αὐτοὺς οἱ μὲν τόξοις,
 οἱ δὲ ταῖς δοραῖς τῶν στρουθῶν σκεπασθέντες τὴν μὲν
 δεξιὰν καλύπτουσι τῷ τραχηλιμαίῳ μέρει καὶ κινοῦσιν
 οὕτως ὥσπερ τὰ ζῷα κινεῖται τοῖς τραχήλοις, τῇ δὲ
 ἀριστερᾷ σπέρμα προχέουσιν ἀπὸ πῆρας παρηρητημέ-
 30 νης, καὶ τούτῳ δαλεάσαντες τὰ ζῷα εἰς φάραγγας συν-
 ωθοῦσιν· ἐνταῦθα δ' ἐφ'esτῶτες ξυλοκόποι κατὰκό-
 πουσιν· καὶ ἀμπέχονται δὲ καὶ ὑποστόρνυνται τὰ δέερ-

ματα ταῦτα· πολιμουῖσι δὲ τούτοις οἱ σιμοὶ καλούμενοι
Αἰθίοπες, κέρασιν ὀρύγων ὄπλοις χρωόμενοι.

- 12 Πλησιόχωροι δὲ τούτοις εἰσὶ μελανώτεροί τε τῶν
 ἄλλων καὶ βραχύτεροι καὶ βραχυβιῶτατοι ἀκριδοφάγοι·
 τὰ γὰρ τετταράκοντα ἔτη σπανίως ὑπερτιθέασιν, ἀπο- 5
 θηριουμένης αὐτῶν τῆς σαρκός· ζῶσι δ' ἀπὸ ἀκριδῶν,
 ἃς οἱ ἱερῖνοι λίβες καὶ ξέφυροι πνέοντες μεγάλοι
 συνελαύνουσιν εἰς τοὺς τόπους τούτους· ἐν ταῖς χα-
 ράδραις δὲ ἐμβαλόντες ὕλην καπνώδη καὶ ὑφάψαντες
 μικρὸν ὑπερπετάμεναι γὰρ τὸν καπνὸν σκο- 10
 τοῦνται καὶ πίπτουσι· συγκόψαντες δ' αὐτὰς μεθ' ἄλ-
 μυρίδος μάζας ποιοῦνται καὶ χρωῶνται. τούτων δ' ἔρη-
 μος ὑπέρκειται μεγάλη, νομὰς δαψιλεῖς ἔχουσα, ἐκλει-
 φθεῖσα δ' ὑπὸ πλήθους σκορπίων καὶ φαλαγγίων τῶν
 τετραγνάθων καλουμένων, ἐπιπολάσαντός ποτε καὶ 15
 ἀπεργασαμένου τοῖς ἀνθρώποις φυγὴν παντελῆ.

- 13 Μετὰ δὲ Εὐμένους λιμένα μέχρι Λειρῆς καὶ τῶν
 κατὰ τὰς ἔξ νήσους στενῶν ἰχθυοφάγοι καὶ κρεοφάγοι
 C.773κατοικοῦσι καὶ κολοβοὶ μέχρι τῆς μεσογαίας. εἰσὶ δὲ
 καὶ θῆραι πλείους ἐλεφάντων καὶ πόλεις ἄσημοι καὶ 20
 νησία πρὸ τῆς παραλίας· νομάδες δ' οἱ πλείους, ὀλίγοι
 δ' οἱ γεωργοῦντες· παρὰ τισὶ δὲ τούτων φύεται στύραξ
 οὐκ ὀλίγος. συνάγουσι δὲ ταῖς ἀμπώτεσιν οἱ ἰχθυοφά-
 γοι τοὺς ἰχθῦς· ἐπιρρίψαντες δὲ ταῖς πέτραις κατο-
 πιῶσι πρὸς τὸν ἥλιον, εἰτ' ἐξοπτήσαντες τὰς ἀκάνθας 25
 μὲν σωρεύουσι, τὴν δὲ σάρκα πατήσαντες μάζας ποι-
 οῦνται, πάλιν δὲ ταύτας ἠλιάζοντες σιτοῦνται· χειμῶ-
 νος δ' ἀδυνατήσαντες συνάγειν τοὺς ἰχθῦς τὰς σεσω-
 ραυμένας ἀκάνθας κόψαντες μάζας ἀναπλάττονται καὶ
 χρωῶνται, τὰς δὲ νεαρὰς ἐκμυζῶσιν· ἐνιοὶ δὲ τὰς κόγχας 30
 ἔχουσας τὴν σάρκα σιτεύουσι, καταβάλλοντες εἰς χα-
 ράδρια καὶ συστάδας θαλάττης, εἰτ' ἰχθυῖδια παραρ-

ριπτοῦντες τροφήν αὐταῖς χρῶνται ἐν τῇ τῶν ἰχθύων
 σπάνει· ἔστι δ' αὐτοῖς καὶ ἰχθυοτροφεῖα παντοία, ἀφ'
 ὧν ταμιεύονται. ἔνιοι δὲ τῶν τὴν ἄνυδρον παραλίαν
 οἰκούντων διὰ πάντε ἡμερῶν ἐπὶ τὰ ὑδρεῖα ἀναβαί-
 5 νουσι πανοίκιοι μετὰ παιανισμοῦ, ῥιφέντες δὲ πρηνεῖς
 πίνουσι βοῶν δίκην ἕως ἐκτυμπανώσεως τῆς γαστρούς,
 εἰτ' ἀπίασιν ἐπὶ θάλατταν πάλιν· οἰκοῦσι δ' ἐν σπη-
 λαίοις ἢ μάνδραις στεγασταῖς ἀπὸ δοκῶν μὲν καὶ στρω-
 τήρων τῶν κητείων ὀστέων καὶ ἀκανθῶν, φυλλάδος δ'
 10 ἐλατνης.

Οἱ δὲ χελωνοφάγοι τοῖς ὀστράκοις αὐτῶν σκεπά- 14
 ζονται μεγάλοις οὖσιν ὥστε καὶ πλεῖσθαι ἐν αὐτοῖς·
 ἔνιοι δὲ τοῦ φύκους ἀποβεβλημένου πολλοῦ καὶ θίνας
 ὑψηλὰς καὶ λοφώδεις ποιοῦντος, ὑπορύττοντες ταύτας
 15 ὑποικοῦσι· τοὺς δὲ νεκροὺς ῥίπτουσι τροφήν τοῖς
 ἰχθύσιν, ἀναλαμβανομένους ὑπὸ τῶν πλημμυρίδων.
 τῶν δὲ νήσων τινὲς τρεῖς ἐφεξῆς κεῖνται, ἡ μὲν χελω-
 νῶν ἡ δὲ φωκῶν ἡ δ' ἱεράκων λεγομένη. πᾶσα δ' ἡ
 παραλία φοίνικας τε ἔχει καὶ ἐλαιῶνας καὶ θαφνῶνας,
 20 οὐχ ἡ ἐντὸς τῶν στενῶν μόνον ἀλλὰ καὶ τῆς ἐκτὸς
 πολλή. ἔστι δὲ τις καὶ Φιλίππου νῆσος, καθ' ἣν ὑπέρ-
 κειται τὸ Πυθαγγέλου καλούμενον τῶν ἐλεφάντων
 κυνήγιον· εἰτ' Ἀρσινόῃ πόλις καὶ λιμὴν, καὶ μετὰ
 ταῦτα ἡ Δειρή· καὶ τούτων ὑπέρκειται θήρα τῶν ἐλε-
 25 φάντων. ἀπὸ δὲ τῆς Δειρήs ἡ ἐφεξῆς ἐστὶν ἀρωματο-
 φόρος, πρώτη μὲν ἡ τὴν σμύρναν φέρουσα, καὶ αὕτη
 μὲν ἰχθυοφάγων καὶ κρεοφάγων· φύει δὲ καὶ περσέαν
 καὶ συκάμινον Αἰγύπτιον· ὑπέρκειται δ' ἡ Λίχα θήρα
 τῶν ἐλεφάντων· πολλαχοῦ δ' εἰσὶ συστάδες τῶν ὀμ-
 30 βρίων ὑδάτων, ὧν ἀναξηρανθεῖσιν οἱ ἐλέφαντες ταῖς
 προβοσκήσι καὶ τοῖς ὁδοῦσι φρεορρυχοῦσι καὶ ἀνευρί-
 σκουσιν ὕδωρ. ἐν δὲ τῇ παραλίᾳ ταύτῃ μέχρι τοῦ Πυ-C.774

θολάου ἀκρωτηρίου δύο λίμναι εἰσὶν εὐμεγέθεις· ἡ
 μὲν ἄλμυροῦ ὕδατος, ἣν καλοῦσι θάλατταν, ἡ δὲ γλυ-
 κέος, ἣ τρέφει καὶ ἱπποὺς ποταμίους καὶ κροκοδείλους,
 περὶ τὰ χεῖλη δὲ πάπυρον· ὀρῶνται δὲ καὶ ἱβεῖς περὶ
 τὸν τόπον. ἤδη δὲ καὶ οἱ πλησίον τῆς ἄκρας τῆς Πυ- 5
 θολάου τὰ σώματα ὀλόκληροί εἰσι. μετὰ δὲ τούτους ἡ
 λιβανωτοφόρος· ἐνταῦθα ἄκρα ἐστὶ καὶ ἱερὸν αἰγι-
 ρῶνα ἔχον. ἐν δὲ τῇ μεσογαίᾳ ποταμία τις Ἰσιδος λε-
 γομένη καὶ ἄλλη τις Νεῖλος, ἄμφω καὶ σμύρναν καὶ
 λίβανον παραπεφυκότεα ἔχουσαι. ἐστὶ δὲ καὶ δεξαμενὴ 10
 τις τοῖς ἐκ τῶν ὀρῶν ὕδασι πληρουμένη καὶ μετὰ ταῦτα
 Λέοντος σκοπὴ καὶ Πυθαγγέλου λιμὴν· ἡ δ' ἐξῆς ἔχει
 καὶ ψευδοκασίαν. συνεχῶς δ' εἰσὶ ποτάμιοι τε πλείους
 ἔχουσαι λίβανον παραπεφυκότεα καὶ ποταμοὶ μέχρι τῆς 15
 κινναμωμοφόρου· ὁ δ' ὀρίζων ταύτην ποταμὸς φέρει 15
 καὶ φλοῦν ἀμπολυν· εἰτ' ἄλλος ποταμὸς καὶ Λαφνοῦς
 λιμὴν καὶ ποταμία Ἀπόλλωνος καλουμένη, ἔχουσα
 πρὸς τῇ λιβάνῳ καὶ σμύρναν καὶ κιννάμωμον· τοῦτο
 δὲ πλεονάζει μᾶλλον περὶ τοὺς ἐν βάθει τόπους· εἰθ' ὁ
 Ἑλέφας τὸ ὄρος ἐκκείμενον εἰς θάλατταν, καὶ δι᾽ οὗ 20
 καὶ ἐφεξῆς Ψυγμοῦ λιμὴν μέγας καὶ ὕδρευμα τὸ κυνο-
 κιφάλων καλούμενον, καὶ τελευταῖον ἀκρωτήριον τῆς
 παραλίας ταύτης, τὸ Νότου κέρας. κάμψαντι δὲ τοῦτο
 ὥς ἐπὶ μισημβρίαν οὐκέτι, φησὶν, ἔχομεν λιμένων
 ἀναγραφὰς οὐδὲ τόπων διὰ τὸ μηκέτι εἶναι γινώριμον 25
 15 * ἐν δὲ τῇ ἐξῆς παραλίᾳ. εἰσὶ καὶ στήλαι καὶ βωμοὶ Πυ-
 θολάου καὶ Λίχα καὶ Πυθαγγέλου καὶ Λέοντος καὶ Χα-
 ριμόρτου κατὰ τὴν γινώριμον παραλίαν τὴν ἀπὸ Λειρῆς
 μέχρι Νότου κέρας, τὸ δὲ διάστημα οὐ γινώριμον. πλη-
 θύνει δ' ἐλέφασιν ἡ χώρα καὶ λείουσι τοῖς καλουμένοις 30
 μύρμηξιν· ἀπεστραμμένα δ' ἔχουσι τὰ αἰδοῖα * καὶ χρυ-
 σοειδεῖς τὴν χροάν, ψιλότεροι δὲ τῶν κατὰ τὴν Ἀρα-

βίαν· φέρει δὲ καὶ παρδάλεις ἀλκίμους καὶ ῥινοκέρωτας·
 οὗτοι δὲ μικρὸν ἀπολείπονται τῶν ἐλεφάντων· οἱ ῥινο-
 κέρωτες, [οὐχ] ὥσπερ Ἀρτεμίδωρος φησιν, ἐπὶ σειρὰν
 τῷ μήκει, καίπερ ἑωρακέναι φήσας ἐν Ἀλεξανδρείᾳ,
 5 ἀλλὰ σχεδὸν τι ὅσον τῷ ὕψει, ἀπὸ γε τοῦ ὕψ'
 ἡμῶν ὀραθέντος· οὐδὲ πύξω τὸ χρώμα ἐμφερές, ἀλλ'
 ἐλέφαντι μᾶλλον· μέγεθος δ' ἐστὶ ταύρου· μορφὴ δ'
 ἐγγυτάτω σάγγρου καὶ μάλιστα κατὰ τὴν προτομὴν
 πλὴν τῆς ῥινός, ὅτι ἔστι κέρας σιμὸν στερεώτερον
 10 ὁστέου παντός· χρῆται δ' ὄπλῳ, καθάπερ καὶ τοῖς
 ὀδοῦσιν ὁ σύαγρος· ἔχει δὲ καὶ τύλους δύο ὥς ἂν σπεί- C.775
 ρας δρακόντων ἀπὸ τῆς ῥάχεως μέχρι τῆς γαστρὸς πε-
 ρικειμένας, τὴν μὲν πρὸς τῷ λόφῳ τὴν δὲ πρὸς τῇ
 ὀσφύϊ. ἐκ μὲν δὴ τοῦ ὕψ' ἡμῶν ὀραθέντος ταῦτά φα-
 15 μεν ἡμεῖς, ἐκεῖνος δὲ προσδιασαφεῖ διότι καὶ ἐλεφαν-
 τομάχον ἰδίως ἐστὶ τὸ ζῶον περὶ τῆς νομῆς, ὑποδύνον
 τῇ προτομῇ καὶ ἀνακείρον τὴν γαστέρα, ἐὰν μὴ προ-
 ληφθῇ τῇ προβοσκίδι καὶ τοῖς ὀδοῦσι.

Γίνονται δ' ἐν τούτοις τοῖς τόποις καὶ αἱ καμηλο- 16
 20 παρδάλεις, οὐδὲν ὅμοιον ἔχουσai παρδάλει· τὸ γὰρ
 ποικίλον τῆς χροῆς νεβρίσι μᾶλλον ἔοικε ἡβαθωτοῖς
 σπύλοις κατεστιγμέναις· τελέως δὲ τὰ ὑπίσθια ταπει-
 νότερα τῶν ἐμπροσθίων ἐστίν, ὥστε δοκεῖν συγκαθῆ-
 σθαι τῷ οὐραίῳ μέρει τὸ ὕψος βοὸς ἔχοντι, τὰ δὲ ἐμ-
 25 πρόσθια σκέλη τῶν καμηλείων οὐ λείπεται· τράχηλος
 δ' εἰς ὕψος ἐξηρμένος ὀρθός, τὴν κορυφὴν δὲ πολὺν
 ὑπερπετεστέραν ἔχει τῆς καμήλου· διὰ δὲ τὴν ἀσυμμε-
 τρίαν ταύτην οὐδὲ τάχος οἶμαι τοσοῦτον εἶναι περὶ
 τὸ ζῶον, ὅσον εἴρηκεν Ἀρτεμίδωρος ἀνυπέρβλητον
 30 φήσας· ἀλλ' οὐδὲ θηρίον ἐστίν, ἀλλὰ βόσκημα μάλ-
 λον· οὐδεμίαν γὰρ ἀγριότητα ἐμφαίνει· γίνονται δέ,
 φησί, καὶ σφίγγες καὶ κυνοκέφαλοι καὶ κῆβοι λείοντος

μὲν πρόσωπον ἔχοντες τὸ δὲ λοιπὸν σῶμα πάνθηρος, μέγεθος δὲ δορκάδος· καὶ ταῦροι δ' εἰσὶν ἄγριοι καὶ σαρκοφάγοι, μεγέθει πολὺ τοὺς παρ' ἡμῖν ὑπερβεβλημένοι καὶ τάχει, πυρροὶ τὴν χροάν· κροκύντας δ' ἐστὶ μέγα λύκου καὶ κυνός, ὥς φησιν οὗτος. ἃ δ' ὁ Σκῆψιος 5 λέγει Μητροδώρος ἐν τῷ περὶ συνηθείας βιβλίῳ μύθοις δοικε καὶ οὐ φροντιστέον αὐτῶν. καὶ δρακόντων δ' εἰρηκε μεγέθη τριάκοντα πηχῶν ὁ Ἀρταμίδωρος ἐλέφαντας καὶ ταύρους χειρουμένων, μετριάσας ταύτη γε· οἱ γὰρ Ἰνδοικοὶ μυθωδέστεροι καὶ οἱ Λιβυκοί, οἷς γε καὶ 10 πόα ἐπιπεφυκέναι λέγεται.

- 17 Νομαδικὸς μὲν οὖν ὁ βίος τῶν Τρωγλοδυτῶν, τυραννοῦνται δὲ καθ' ἕκαστα, κοιναὶ δὲ καὶ γυναῖκες καὶ τέκνα πλὴν τοῖς τυράννοις, τῷ δὲ τὴν τυράννου φθείραντι πρόβατον ἢ ζημία ἐστί· στιβίζονται δ' ἐπι- 15 μελῶς [ὥς] αἱ γυναῖκες, περικεῖνται δὲ τοῖς τραχήλοις κογχία ἀντὶ βασκανίων. πολемоῦσι δὲ περὶ τῆς νομῆς, κατ' ἀρχὰς μὲν διωθόμενοι ταῖς χερσίν, εἴτα λίθοις, ὅταν δὲ τραῦμα γένηται, καὶ τοξεύμασι καὶ μαχαιρίσι· διαλύουσι δ' αἱ γυναῖκες εἰς μέσους προτοῦσαι καὶ 20 δεήσεις προσενέγκασαι· τροφή δ' ἐκ τε σαρκῶν καὶ τῶν ὀστέων κοπτομένων ἀναμιξ καὶ εἰς τὰς δορὰς ἐνείλουμένων, εἴτ' ὀπτωμένων καὶ ἄλλως πολλαχῶς σκευαζομένων ὑπὸ τῶν μαγείρων, οὓς καλοῦσιν ἀκαθάρτους·

C.776 ὥστε μὴ κρεοφαγεῖν μόνον ἀλλὰ καὶ ὀστοφαγεῖν καὶ 25 δερματοφαγεῖν· χρῶνται δὲ καὶ τῷ αἵματι καὶ τῷ γάλακτι καταμιζαντες. ποτὸν δὲ τοῖς μὲν πολλοῖς ἀπόβρεγμα παλιούρου, τοῖς δὲ τυράννοις μελίκρατον, ἀπ' ἄνθους τινὸς ἐκπιεζομένου τοῦ μέλιτος. ἐστὶ δ' αὐτοῖς χειμῶν μὲν ἡνίκα οἱ ἐτησίαί πνέουσι (κατομβροῦνται 30 γάρ), θέρος δ' ὁ λοιπὸς χρόνος. γυμνῆται δὲ καὶ δερματοφόροι καὶ σκυταληφόροι διατελοῦσιν· εἰσὶ δ' οὐ

- κολοβοὶ μόνον ἀλλὰ καὶ περιτετμημένοι τινὲς καθάπερ Αἰγύπτιοι. οἱ δὲ Μεγαβάροι Αἰθίοπες τοῖς ῥοπάλοις καὶ τύλους προστιθέασι σιδηροῦς, χρῶνται δὲ καὶ λόγ-
 χαις καὶ ἀσπίσιν ὁμοβυσίνοις, οἱ δὲ λοιποὶ Αἰθίοπες
 5 τόξοις καὶ λόγχαις. θάπτουσι δὲ τινες τῶν Τρωγλοδυ-
 τῶν ῥάβδοις παλιουρίναις δήσαντες τὸν αὐχένα τῶν
 νεκρῶν πρὸς τὰ σκέλη, ἔπειτα εὐθὺς καταλείουσιν
 ἱλαροί, γελῶντες ἅμα, ἕως ἂν τοῦ τὴν ὄψιν σώματος
 ἀποκρῦψωσιν· εἴτ' ἐπιθέντες κέρας αἰγείου ἀπιάσιν.
 10 ὁδοιποροῦσι δὲ νύκτωρ ἐκ τῶν ἀρρένων θρεμμάτων
 κώδωνας ἐξάψαντες, ὥστ' ἐξίστασθαι τὰ θηρία τῷ
 ψόφῳ· καὶ λαμπάσι δὲ καὶ τόξοις ἐπὶ τὰ θηρία χρῶνται,
 καὶ διαγρυπνοῦσι τῶν ποιμνίων χάριν ᾧδῃ τιτι χρώ-
 μениοι πρὸς τῷ πυρί.
 15 Ταῦτ' εἰπὼν περὶ τῶν Τρωγλοδυτῶν καὶ τῶν 18
 προσχώρων Αἰθιόπων ἐπάνεισιν ἐπὶ τοὺς Ἀραβας· καὶ
 πρῶτους ἐπεισι τοὺς τὸν Ἀράβιον κόλπον ἀφορίζοντας
 καὶ ἀντικειμένους τοῖς Τρωγλοδύταις, ἀρξάμενος ἀπὸ
 τοῦ Ποσειδίου. φησὶ δὲ ἐνδοτέρῳ κεῖσθαι τοῦτο τοῦ
 20 μυχοῦ· συνεχῇ δὲ τοῦ Ποσειδίου φοινικῶνα εἶναι
 εὐνδρον, τιμᾶσθαι τε κομιδῇ διὰ τὸ πᾶσαν τὴν κύκλῳ
 καυματηράν τε καὶ ἄνυδρον καὶ ἄσκιον ὑπάρχειν, ἐν-
 ταῦθα δὲ καὶ τὴν εὐκαρπίαν τῶν φοινίκων εἶναι θαν-
 μαστὴν· προεστῆκασι δὲ τοῦ ἄλσους ἀνὴρ καὶ γυνή
 25 διὰ γένους ἀποδεδειγμένοι δερματοφόροι, τροφὴν ἀπὸ
 τῶν φοινίκων ἔχοντες· κοιτάζονται δ' ἐπὶ δένδρων
 καλυβοποιησάμενοι διὰ τὸ πλῆθος τῶν θηρίων. εἰθ'
 ἐξῆς ἔστι νῆσος φωκῶν, ἀπὸ τοῦ πλῆθους τῶν θηρίων
 τούτων ὠνομασμένη. πλησίον δ' αὐτῆς ἀκρωτήριον, ὃ
 30 διατείνει πρὸς τὴν Πέτραν τὴν τῶν Ναβαταίων καλου-

μένων Ἀράβων καὶ τὴν Παλαιστίνην χώραν, εἰς ἣν Μιναῖοι τε καὶ Γερραῖοι καὶ πάντες οἱ πλησιόχωροι τὰ τῶν ἀρωμάτων φορτία κομίζουσιν. εἰτ' ἄλλη παραλία πρότερον μὲν Μαρανιτῶν καλουμένη, ὣν οὐ μὲν ἦσαν γεωργοὶ τινὲς δὲ σκηνῆται, νῦν δὲ Γαρινθαίων ἀνελόν- 5
 C.777 τῶν ἐκείνους δόλω· ἐπέθεντο γὰρ αὐτοῖς πενταετηρικὴν τινα πανήγυριν ἐπιτελοῦσι, καὶ τούτους τε διέφθειραν καὶ τοὺς ἄλλους ἐπελθόντες ἄρδην διελυμνῆναντο. εἰθ' ὁ Αἰλανίτης κόλπος καὶ ἡ Ναβαταίων, πολύανδρος οὐσα χώρα καὶ εὐβοτος· οἰκοῦσι δὲ καὶ νῆ- 10
 σους προκειμένας πλησίον· οἱ πρότερον μὲν καθ' ἡσυχίαν ἦσαν, ὕστερον δὲ σχεδίας ἐλήζοντο τοὺς ἐκ τῆς Αἰγύπτου πλείοντας· δίκας δ' ἔτισαν ἐπελθόντος στόλου καὶ ἐκπορθήσαντος αὐτούς. ἐξῆς δ' ἐστὶ πεδῖον εὐθενδρόν τε καὶ εὐνδρον καὶ βοσκημάτων παντοίων 15
 μεστὸν ἄλλων τε καὶ ἡμιόνων· καὶ καμήλων ἀγρίων καὶ ἐλάφων καὶ δορκάδων πλῆθος ἐν αὐτῷ, λέοντες τε καὶ παρθάλεις καὶ λύκοι συχνοί. πρόκειται δὲ νήσος καλουμένη Δία· εἰτα κόλπος ὅσον πεντακοσίων σταδίων ὄρεσι περικλειόμενος καὶ δυσεισβόλω στό- 20
 ματι· περιοικοῦσι δὲ θηρευτικοὶ ἄνδρες τῶν χειρσαίων ἀγρευμάτων. εἰτ' ἔρημοι τρεῖς νῆσοι πλήρεις ἐλαιῶν, οὐ τῶν παρ' ἡμῖν ἀλλὰ τῶν ἐντοπίων, αἷς καλοῦμεν Αἰθιοπικαῖς, ὣν τὸ δάκρυον καὶ ἰατρικῆς δυνάμεως ἐστίν. ἐφεξῆς δ' ἐστὶν αἰγιαλὸς λιθώδης, καὶ μετὰ τοῦ- 25
 τον τραχεῖα καὶ δυσπαράπλευστος ὅσον χιλίων σταδίων παραλία σπάνει λιμένων καὶ ἀγκυροβολίων· ὄρος γὰρ παρατείνει τραχὺ καὶ ὑψηλόν· εἰθ' ὑπώρεια σπιλαδῶδεις μέχρι τῆς θαλάττης, τοῖς ἐτησίαις μάλιστα καὶ ταῖς τότε ἐπομβρίαις ἀβοήθητον παρέχουσαι τὸν 30
 κίνδυνον. ἐξῆς δ' ἐστὶ κόλπος νήσους ἔχων σκοράδας, καὶ συνεχῶς θῖνες ψάμμου μελαίνης τρεῖς ἄγαν ὑψηλοί,

καὶ μετὰ τούτους Χαρμοθαῆς λιμὴν ὅσον σταδίων τὸν
κύκλον ἑκατόν, στενὸν καὶ ἐπικίνδυνον ἔχων τὸν
εἰσπλοῦν παντὶ σκάφει, ῥεῖ δὲ καὶ ποταμὸς εἰς αὐτόν·
ἐν μέσῳ δὲ νῆσος εὐδαιονδος καὶ γεωργήσιμος. εἴτ' ἐστὶ
5 παραλία τραχεῖα καὶ μετὰ ταύτην κόλποι τινὲς καὶ
χώρα νομάδων ἀπὸ καμῆλων ἐχόντων τὸν βίον· καὶ
γὰρ πολεμοῦσιν ἀπ' αὐτῶν καὶ ὁδεύουσι καὶ τρέφονται
τῷ τε γάλακτι χρῶμενοι καὶ ταῖς σαρκί. ῥεῖ δὲ ποταμὸς
δι' αὐτῶν ψῆγμα χρυσοῦ καταφέρων, οὐκ ἴσασι δ'
10 αὐτὸ καταργάζεσθαι· καλοῦνται δὲ Λέβαι, οἱ μὲν νο-
μάδες οἱ δὲ καὶ γεωργοί. οὐ λέγω δὲ τῶν ἔθνων τὰ
ὀνόματα τὰ πολλὰ διὰ τὴν ἀδοξίαν καὶ ἄμα ἀτοπίαν
τῆς ἐκφορᾶς αὐτῶν. ἐχόμενοι δ' εἰσὶν ἡμερώτεροι τού-
των ἄνδρες εὐκρατοτέραν οἰκοῦντες γῆν· καὶ γὰρ εὐν-
15 δρός ἐστὶ καὶ εὐομβρός· χρυσός τε ὀρυκτὸς γίνεται
παρ' αὐτοῖς οὐ ψήγματος ἀλλὰ βωλαρίων χρυσοῦ κα- C.778
θάρσεως οὐ πολλῆς δεομένων, μέγεθος δ' ἐχόντων
ἐλάχιστον μὲν πυρῆνος μέσον δὲ μεσπίλου μέγιστον
δὲ καρύου· τηρήσαντες δὲ ταῦτα ἐναλλάξ λίθοις διαφα-
20 νέσιν ὄρμους ποιοῦνται διείροντες λίνον, περιτίθενται
δὲ περὶ τοὺς τραχήλους καὶ καρπούς· παλοῦσι δὲ καὶ
πρὸς τοὺς ἀστρυγείτονας εὐωνον τὸν χρυσόν, τριπλά-
σιον ἀντιδιδόντες τοῦ χαλκοῦ, διπλάσιον δὲ τοῦ * ἄρ-
γύρου, διὰ τε τὴν ἀπειρίαν τῆς ἐργασίας καὶ τὴν σπάνιν
25 τῶν ἀντιλαμβανομένων, ὧν ἡ χρεῖα πρὸς τοὺς βίους
ἀναγκαιοτέρα.

Συνάπτει δ' ἡ τῶν Σαβαίων εὐδαιμονεστάτη, με- 19
γίστου ἔθνους, παρ' οἷς καὶ σμύρνα καὶ λίβανος καὶ
κιννάμωμον· ἐν δὲ τῇ παραλίᾳ καὶ βάλσαμον καὶ ἄλλη
30 τις πόα σφόδρα εὐώδης, ταχὺ δ' ἐξίτηλον τὴν ὁδὴν
ἔχουσα· εἰσὶ δὲ καὶ φοίνικες εὐώδεις καὶ κάλαμος,
ὅφρως δὲ σπιθαμιαῖοι φοινικοὶ τὴν χροάν, προσυλλό-

μενοι καὶ μέχρι λαγόνος, τὸ δῆγμα ἔχοντες ἀνήκεστον. διὰ δὲ τὴν ἀφθονίαν τῶν καρπῶν ἀργοὶ καὶ ῥάθυμοι τοῖς βίοις εἰσὶν οἱ ἄνθρωποι· κοιτάζονται δὲ ἐπὶ * τῶν ῥιζῶν τῶν δένδρων ἐκτέμνοντες οἱ πολλοὶ καὶ δημοτικοί· διαδεχόμενοι δ' οἱ σύνεγγυς αἰεὶ τὰ φορτία, τοῖς 5 μετ' αὐτοὺς παραδιδόασιν μέχρι Συρίας καὶ Μεσοποταμίας· καρούμενοι δ' ὑπὸ τῶν εὐωδιῶν αἰρουσι τὸν κάρον ἀσφάλτου θυμιάματι καὶ τράγου πάγωνος. ἡ δὲ πόλις τῶν Σαβαίων, ἡ Μαρίαβα, κεῖται μὲν ἐπ' ὄρους εὐδένδρου. βασιλέα δ' ἔχει κύριον τῶν κρίσεων καὶ 10 τῶν ἄλλων, ἐκ δὲ τῶν βασιλείων οὐ θέμις ἐξιέναι, ἣ καταλεύουσιν αὐτὸν παραχοῆμα οἱ ὄχλοι κατὰ τι λόγιον· ἐν χλιδῇ δ' ἐστὶ γυναικεία καὶ αὐτὸς καὶ οἱ περὶ αὐτόν· τὰ δὲ πλήθη τὰ μὲν γεωργεῖ τὰ δ' ἐμπορεύεται τὰ ἀρώματα τὰ τε ἐπιχώρια καὶ τὰ ἀπὸ τῆς Αἰθιοπίας, 15 πλείοντες ἐπ' αὐτὰ διὰ τῶν στενῶν δερματίνους πλοοῖς· τοσαῦτα δ' ἐστὶ τὸ πλῆθος ὥστ' ἀντὶ φρυγάνων καὶ τῆς καυσίμου ὕλης χρῆσθαι κινναμώμῳ καὶ κασίᾳ καὶ τοῖς ἄλλοις. γίνεται δ' ἐν τοῖς Σαβαίοις καὶ τὸ λάριμον. εὐωδέστατον θυμίαμα. ἐκ δὲ τῆς ἐμπορίας οὗτοί τε καὶ 20 Γερραῖοι πλουσιώτατοι πάντων εἰσὶν, ἔχουσί τε παμπληθῇ κατασκευὴν χρυσωμάτων τε καὶ ἀργυρωμάτων, κλινῶν τε καὶ τριπόδων καὶ κρατήρων σὺν ἐκπώμασι καὶ τῇ τῶν οἰκῶν πολυτελείᾳ· καὶ γὰρ θυρώματα καὶ τοῖχοι καὶ ὀροφαὶ δι' ἐλέφαντος καὶ χρυσοῦ καὶ ἀργύ- 25 ρου λιθοκολλήτου τυγχάνει διαπεποικιλμένα. ταῦτα μὲν περὶ τούτων εἰρηκε, τᾶλλα δὲ τὰ μὲν παραπλησίως τῷ Ἑρατοσθένει λέγει, τὰ δὲ παρὰ τῶν ἄλλων ἱστορικῶν παρατίθησιν.

C. 779
20

* Εὐρυθρὰν γὰρ λέγειν τινὰς τὴν θάλατταν ἀπὸ τῆς 30

χροιάς τῆς ἐμφαινομένης κατ' ἀνάκλασιν, εἴτε ἀπὸ τοῦ
 ἡλίου κατὰ κορυφὴν ὄντος εἴτε ἀπὸ τῶν ὀρῶν ἐρυθραι-
 νομένων ἐκτὴς ἀποκαύσεως· ἀμφοτέρως γὰρ εἰκάζειν·
 Κτησίαν δὲ τὸν Κνίδιον πηγὴν ἱστορεῖν ἐκδιδοῦσαν
 5 εἰς τὴν θάλατταν ἐρευθὲς καὶ μιλιῶδες ὕδωρ· Ἀγα-
 θαρχίδην δὲ τὸν ἐκείνου πολίτην παρὰ τινος Βόξου,
 [Πέρσου] τὸ γένος, ἱστορῆσαι διότι Πέρσης τις Ἐρύ-
 θρας, ἱπποφορβίου τινὸς ὑπὸ λεαίνης οἰστρῶν κατα-
 σχομένης ἐξελαθέντος μέχρι θαλάττης κάκειθεν εἰς νῆ-
 10 σὸν τινα διάραντος, σχεδίαν πηξάμενος πρῶτος πε-
 ραιωθεὶς πρὸς τὴν νῆσον· ἰδὼν δὲ καλῶς οἰκῆσιμον
 τὴν μὲν ἀγέλην εἰς τὴν Περσίδα ἀπαγάγοι πάλιν, ἀποί-
 κους δ' ἐκαὶ στέλλαι τε καὶ τὰς ἄλλας νήσους καὶ τὴν
 παραλίαν, ἐπώνυμον δὲ ποιήσειεν ἑαυτοῦ τὸ πέλαγος.
 15 τοὺς δὲ Περσέως υἱὸν ἀποφαίνεσθαι τὸν Ἐρύθραν,
 ἡγήσασθαι τε τῶν τόπων. λέγεται δ' ὑπὸ τινων τὰ
 ἀπὸ τῶν στενῶν τοῦ Ἀραβίου κόλπου μέχρι τῆς κιννα-
 μωμοφόρου τῆς ἐσχάτης πεντακισχίλων σταδίων, οὐκ
 εὐκρινῶς, εἴτ' ἐπὶ νότον εἴτ' ἐπὶ τὰς ἀνατολάς. λέγε-
 20 ται δὲ καὶ διότι ὁ σμάραγδος καὶ ὁ βήρυλλος ἐν τοῖς
 τοῦ χρυσοῦ μεταλλοῖς ἐγγίνεται. εἰσὶ δὲ καὶ ἄλλες εὐώ-
 δεις ἐν Ἀραβίᾳ, ὥς φησι Ποσειδώνιος.

Πρῶτοι δ' ὑπὲρ τῆς Συρίας Ναβαταῖοι καὶ Σα- 21
 βαῖοι τὴν εὐδαίμονα Ἀραβίαν νέμονται, καὶ πολλὰς
 25 κατέτρεχον αὐτῆς πρὶν ἢ Ῥωμαίων γενέσθαι· νῦν δὲ
 κάκεινοι Ῥωμαίοις εἰσὶν ὑπήκοοι καὶ Σύροι. μητρό-
 πολις δὲ τῶν Ναβαταίων ἐστὶν ἡ Πέτρα καλουμένη·
 κεῖται γὰρ ἐπὶ χωρίου τᾶλλα ὀμαλοῦ καὶ ἐπιπέδου, κύ-
 κλω δὲ πέτρα φρουρουμένου τὰ μὲν ἐκτὸς ἀποκρήμνου
 30 καὶ ἀποτόμου τὰ δ' ἐντὸς πηγὰς ἀφθόνους ἔχοντος εἰς
 τε ὕδρεϊαν καὶ κηπείαν. ἔξω δὲ τοῦ περιβόλου χωρὰ
 ἔρημος ἢ πλείστη καὶ μάλιστα ἢ πρὸς Ἰουδαίᾳ· ταύτῃ

δὲ καὶ ἐγγυτάτω ἐστὶ τριῶν ἢ τεττάρων ὁδὸς ἡμερῶν εἰς Ἱερικουῦντα, εἰς δὲ τὸν φοινικῶνα πέντε. βασιλεύεται μὲν οὖν ὑπὸ τινοσάων τῶν ἐκ τοῦ βασιλικοῦ γένους, ἔχει δ' ὁ βασιλεὺς ἐπίτροπον τῶν ἐταίρων τινὰ καλούμετον ἀδελφόν· σφόδρα δ' εὐνομεῖται· γενόμενος γοῦν παρὰ τοῖς Πιτραίοις Ἀθηνόδωρος, ἀνὴρ φιλόσοφος καὶ ἡμῖν ἐταῖρος, διηγείτο θαυμάζων· εὐρεῖν γὰρ ἐπιδημοῦντας ἔφη πολλοὺς μὲν Ῥωμαίων πολλοὺς δὲ καὶ τῶν ἄλλων ξένων· τοὺς μὲν οὖν ξένους ὁρᾶν κρινομένους πολλάκις καὶ πρὸς ἀλλήλους καὶ πρὸς τοὺς 10 ἐπιχωρίους, τῶν δ' ἐπιχωρίων οὐδένας ἀλλήλοις ἐγκαλοῦντας, ἀλλὰ τὴν πᾶσαν εἰρήνην ἄγοντας πρὸς ἑαυτούς.

C. 789
22

Πολλὰ δὲ καὶ ἡ τῶν Ῥωμαίων ἐπὶ τοὺς Ἀραβας στρατεία νεωστὶ γενηθεῖσα ἐφ' ἡμῶν, ὧν ἡγεμῶν ἦν 15 Αἴλιος Γάλλος, διδάσκει τῶν τῆς χώρας ἰδιωμάτων. τοῦτον δ' ἐπεμψεν ὁ Σεβαστὸς Καῖσαρ διαπειρασόμενον τῶν ἔθνων καὶ τῶν τόπων τούτων τε καὶ τῶν Αἰθιοπικῶν, ὁρᾶν τὴν τε Τρωγλοδυτικὴν τὴν προσεχῆ τῇ Αἰγύπτῳ γειτονεύουσαν τούτοις, καὶ τὸν Ἀράβιον 20 κόλπον σιενὸν ὄντα τελέως τὸν διεύγοντα ἀπὸ τῶν Τρωγλοδυτῶν τοὺς Ἀραβας· προσοικειοῦσθαι δὲ διανοήθη τούτους ἢ καταστρέφεισθαι· ἦν δέ τι καὶ τὸ πολυχρημάτους ἀκούειν ἐκ παντὸς χρόνου, πρὸς ἄργυρον καὶ χρυσὸν τὰ ἀρώματα διατιθεμένους καὶ τὴν 25 πολυτελεστάτην λιθίαν, ἀναλίσκοντας τῶν λαμβανόμενων τοῖς ἔξω μηδέν· ἢ γὰρ φίλοις ἤλπιζε πλουσίους χρῆσεσθαι ἢ ἐχθρῶν κρατήσειν πλουσίων· ἐπῆρε δ' αὐτὸν καὶ ἡ παρὰ τῶν Ναβαταίων ἐλπίς φίλων ὄντων καὶ συμπράξειν ἅπανθ' ὑπισχνουμένων. 30

23

Ἐπὶ τούτοις μὲν οὖν ἔστειλε τὴν στρατείαν ὁ Γάλλος. ἐξηπάτησε δ' αὐτὸν ὁ τῶν Ναβαταίων ἐπίτροπος

Συλλαῖος, ὑποσχόμενος μὲν ἡγήσεσθαι τὴν ὁδὸν καὶ
 χορηγήσειν ἅπαντα καὶ συμπράξειν, ἅπαντα δ' ἐξ ἐπι-
 βουλῆς πράξας, καὶ οὔτε παράπλουν ἀσφαλῆ μηνύων
 οὐθ' ὁδόν, ἀλλὰ ἀνοδίαις καὶ κυκλοπορίαις καὶ πάν-
 5 των ἀπόροις χωρίοις ἢ ῥαχίαις ἀλιμένοις παραβάλλον
 ἢ χοιράδων ὑφάλων μεσταῖς ἢ ταναγώδεσι· πλεῖστον
 δὲ αἱ πλημμυρίδες ἐλύπουν ἐν τοιούτοις καὶ ταῦτα
 χωρίοις καὶ αἱ ἀμπώτεις. πρῶτον μὲν δὴ τοῦθ' ἀμάρ-
 τημα συνέβη τὸ μακρὰ κατασκευάσασθαι πλοῖα, μη-
 10 δυνὸς ὄντος μηδ' ἰσομένου κατὰ θάλατταν πολέμου.
 οὐδὲ γάρ κατὰ γῆν σφόδρα πολεμισταὶ εἰσιν ἀλλὰ κά-
 πηλοι μᾶλλον οἱ Ἀραβες καὶ ἐμπορικοί, μῆτι γε κατὰ
 θάλατταν· ὁ δ' οὐκ ἔλαττον ὀγδοήκοντα ἐναυπηγή-
 σατο δίκροτα καὶ τριήρεις καὶ φασήλους κατὰ Κλεο-
 15 πατρίδα τὴν πρὸς τῇ παλαιᾷ διώρυγι τῇ ἀπὸ τοῦ Νεί-
 λου. γνοὺς δὲ διεψευσμένος ἐναυπηγήσατο σκευαγωγὰ
 ἑκατὸν καὶ τριάκοντα, οἷς ἐπλευσεν ἔχων περὶ μυρίου
 πεζοὺς τῶν ἐκ τῆς Αἰγύπτου Ῥωμαίων καὶ τῶν συμμά-
 χων, ὧν ἦσαν Ἰουδαῖοι μὲν πεντακόσιοι Ναβαταῖοι δὲ
 20 χίλιοι μετὰ τοῦ Συλλαίου. πολλὰ δὲ παθὼν καὶ ταλαι-
 πωρηθεὶς πεντεκαιδεκαταῖος ἦκεν εἰς Λευκὴν κώμην
 τῆς Ναβαταίων γῆς, ἐμπόριον μέγα, πολλὰ τῶν πλοίων
 ἀποβαλὼν (ὧν ἕνια καὶ αὐτανδρα) ὑπὸ δυσπλοίας, πο-
 λεμίου δ' οὐδενός· τοῦτο δ' ἀπειργάσατο ἢ τοῦ Συλ-
 25 λαίου κακία τοῦ περὶ φήσαντος ἀνόδευτα εἶναι στρα- C.781
 τοπέδοις εἰς τὴν Λευκὴν κώμην, εἰς ἣν καὶ ἐξ ἧς οἱ
 καμηλέμποροι τοσούτῳ πλήθει ἀνδρῶν καὶ καμήλων
 ὁδεύουσιν ἀσφαλῶς καὶ εὐπόρως εἰς Πέτραν [καὶ] ἐκ
 Πέτρας, ὥστε μὴ διαφέρειν μηδὲν στρατοπέδου.
 30 Συνέβαινε δὲ τοῦτο τοῦ μὲν βασιλέως τοῦ Ὀρόδα 24
 μὴ πολὺ φροντίζοντος τῶν κοινῶν καὶ μάλιστα τῶν
 κατὰ πόλεμον (κοινὸν δὲ τοῦτο πᾶσι τοῖς Ἀράβων βα-

σιλεῦσιν), ἅπαντα δὲ ἐπὶ τῇ τοῦ ἐπιτρόπου ποιουμέ-
 νου [ἐξουσίᾳ] τοῦ Συλλαίου· τούτου δ' ἅπαντα δόλω
 στρατηγούντος καὶ ζητούντος, ὥς οἶμαι, κατοπτεύσαι
 μὲν τὴν χώραν καὶ συνεξελεῖν τινας αὐτῶν πόλεις καὶ
 ἔθνη μετὰ τῶν Ῥωμαίων, αὐτὸν δὲ καταστῆναι κύριον
 πάντων, ἀφανισθέντων ἐκείνων ὑπὸ λιμοῦ καὶ κό-
 που καὶ νόσων καὶ ἄλλων ὅσων δόλω παρεσκύασεν
 ἐκεῖνος· εἰς γοῦν τὴν Λευκὴν κόμην κατήρην, ἥδη
 στομακάκκη τε καὶ σκαλοτύρβη πειραζομένης τῆς στρα-
 τιᾶς, ἐπιχωρίοις πάθεισι, τῶν μὲν περὶ τὸ στόμα τῶν δὲ 10
 περὶ τὰ σκέλη παράλυσιν τινὰ δηλούντων ἐκ τε τῶν
 ὑδρείων καὶ βοτανῶν. ἠναγκάσθη γοῦν τό τε θέρος
 καὶ τὸν χειμῶνα διατελέσαι αὐτόθι τοὺς ἀσθενούντας
 ἀνακτώμενος. ἐκ μὲν οὖν τῆς Λευκῆς κόμης εἰς Πέ-
 τραν, ἐντεῦθεν δ' εἰς Πανοκόλουρα τῆς πρὸς Αἰγύπτῳ 15
 Φοινίκης τὰ φορτία κομίζεται κἀντεῦθεν εἰς τοὺς ἄλ-
 λους, νυνὶ δὲ τὸ πλεόν εἰς τὴν Ἀλεξάνδρειαν τῷ Νεί-
 λῳ· κατὰγεται δ' ἐκ τῆς Ἀραβίας καὶ τῆς Ἰνδικῆς εἰς
 Μυδὸς ὄρμον· εἰθ' ὑπέρθεσις εἰς Κοπτὸν τῆς Θηβαΐ-
 δος καμήλοις ἐν διαώρυγι τοῦ Νείλου κειμένην· [εἰτ'] 20
 εἰς Ἀλεξάνδρειαν. πάλιν ἐκ τῆς Λευκῆς κόμης ὁ Γάλ-
 λος ἀναξεύξας τὴν στρατιὰν διὰ τοιούτων ἤει χωρίων
 ὥστε καὶ ὕδωρ καμήλοις κομίζειν μοχθηρίᾳ τῶν ἡγε-
 μόνων τῆς ὁδοῦ· διόπερ πολλαῖς ἡμέραις ἦκεν εἰς τὴν
 Ἀρέτα γῆν συγγενοῦς τῷ Ὀβόδα· ἐδέξατο μὲν οὖν 25
 αὐτὸν Ἀρέτας φιλικῶς καὶ δῶρα προσήνεγκεν, ἡ δὲ
 τοῦ Συλλαίου προδοσία κἀκαίνην ἐποίησε τὴν χώραν
 δυσπόρευτον· τριάκοντα γοῦν ἡμέραις διῆλθεν αὐ-
 τήν, ξειᾶς καὶ φοίνικας ὀλίγους παρέχουσιν καὶ βού-
 τυρον ἀντ' ἐλαίου, διὰ τὰς ἀνοδίας· ἡ δ' ἐξῆς ἦν ἐπ' ἡμέ-
 ραις νομάδων ἦν καὶ ἔρημος τὰ πολλὰ ὥς ἀληθῶς, ἐκαλεῖτο
 δὲ Ἀραρηνή· βασιλεὺς δ' ἦν Σάβως· καὶ ταύτην ἀνο-

δίαίς διήλθε κατατρίψας ἡμέρας πεντήκοντα μέχρι πό-
 λεως Νεγράνων καὶ χώρας εἰρηνικῆς τε καὶ ἀγαθῆς· ὁ
 μὲν οὖν βασιλεὺς ἐφυγεν, ἡ δὲ πόλις ἐξ ἐφόδου κατε-
 λήφθη· ἐκείθεν ἡμέραις ἕξ ἦκεν ἐπὶ τὸν ποταμὸν ...
 5 συναψάντων δ' αὐτόθι τῶν βαρβάρων εἰς μάχην, περὶ
 μυρίους αὐτῶν ἔπесον τῶν δὲ Ῥωμαίων δύο· ἐχρῶντο C.782
 γὰρ ἀπείρως τοῖς ὅπλοις ἀπόλεμοι τελείως ὄντες, τύχοις
 τε καὶ λόγχαις [καὶ] ξίφεσι καὶ σφενδύταις, οἱ πλείστοι
 δ' αὐτῶν ἀμφιστόμοις πελέκεσιν· εὐθύς δὲ καὶ τὴν
 10 πόλιν εἴλε καλουμένην Ἀσκᾶ * συλληφθεῖσαν ὑπὸ τοῦ
 βασιλέως. ἐντεῦθεν εἰς Ἀθρουλα πόλιν ἦκε, [καὶ] κρα-
 τήσας αὐτῆς ἀκοντὶ φρουρὰν ἐμβαλὼν καὶ παρασκευ-
 άσας σίτου καὶ φοινίκων εἰς πόλιν Μαρίαβα προ-
 ῆλθεν ἔθνη τοῦ Ῥαμμανιτῶν, οἳ ἦσαν ὑπὸ Ἰλασάρφ.
 15 ἕξ μὲν οὖν ἡμέρας προσβαλὼν ἐπολιόρκει, λειψυδρίας
 δ' οὔσης ἀπέστη· δύο μὲν οὖν ἡμερῶν ὁδὸν ἀπίσχε
 τῆς ἀρωματοφόρου, καθάπερ τῶν αἰχμαλώτων ἀκού-
 εις ἦν. ἕξ δὲ μηνῶν χρόνον ἐν ταῖς ὁδοῖς κατέτριψε
 φάυλως ἀγόμενος· ἔγνω δ' ἀναστρέφων, ὅψθ' ἐπὶ ἐπι-
 20 βουλὴν καταμαθὼν καὶ καθ' ἐτέρας ὁδοὺς ἐπανελθὼν·
 ἐναταῖος μὲν γὰρ εἰς Νέγρανα ἦκεν ὅπου ἡ μάχη συμ-
 βεβήκει, ἐνδεκαταῖος δ' ἐκείθεν εἰς Ἑπτὰ φρέατα κα-
 λούμενα ἀπὸ τοῦ συμβεβηκότος· ἐντεῦθεν ἦδη δι' εἰ-
 ρηνικῆς εἰς Χάαλλα κώμην καὶ πάλιν ἄλλην Μαλόθαν
 25 πρὸς ποταμῷ κειμένην ἀφικνεῖται· εἰτα δι' ἐρήμης
 ὀλίγα ὕδρευα ἐχούσης ὁδὸς μέχρι Ἐγρᾶς κώμης· ἔστι
 δὲ τῆς Ὀβόδα· κείται δ' ἐπὶ θαλάττης· τὴν δὲ πᾶσαν
 ὁδὸν ἐξηκοσταῖος ἐξήνυσε κατὰ τὴν ἐπάνοδον, ἀναλώ-
 σας ἕξ μῆνας ἐν τῇ ἕξ ἀρχῇ ὁδοῦ· ἐντεῦθεν δ' ἐπικραί-
 30 ωσε τὴν στρατιὰν ἐνδεκαταῖος εἰς Μυὸς ὕρμον, εἰθ'
 ὑπερθεῖς εἰς Κοπτὸν μετὰ τῶν σωθῆναι δυναμένων
 κατήρην εἰς Ἀλεξάνδρειαν· τοὺς δ' ἄλλους ἀπέβαλεν,

οὐχ ὑπὸ πολεμίων ἀλλὰ νόσων καὶ κόπων καὶ λιμοῦ καὶ μοχθηρίας τῶν ὁδῶν· ἐπεὶ κατὰ πόλεμον ἐπτά γε μόνους διαφθαρεῖναι συνέβη, δι' ἧς αἰτίας οὐδ' ἐπὶ πολὺ πρὸς τὴν γνῶσιν τῶν τόπων ὤνησεν ἡ στρατεία αὕτη· μικρὰ δ' ὅμως συνήργησεν. ὁ δ' αἰτιος τούτων ὁ Σύλλατος ἐτίσε δίκας ἐν Ῥώμῃ, προσποιούμενος μὲν φιλίαν ἐλεγχθεὶς δὲ πρὸς ταύτη τῇ πονηρίᾳ καὶ ἄλλα κακουργῶν καὶ ἀποτμηθεὶς τὴν κεφαλὴν.

- 25 Τὴν μὲν οὖν ἀρωματοφόρον διαιροῦσιν εἰς τέτταρας μερίδας, ὥσπερ εἰρήκαμεν· τῶν ἀρωμάτων δὲ λίβανον μὲν καὶ σμύρναν ἐκ δένδρων γίνεσθαι φασί, κασίαν δὲ καὶ ἐκ θάμνων· τινὲς δὲ τὴν πλείω ἐξ Ἰνδῶν εἶναι, τοῦ δὲ λιβάνου βέλτιστον τὸν πρὸς τῇ Περσίδι. κατ' ἄλλην δὲ διαίρεσιν σύμπασαν τὴν εὐδαίμονα πενταχῇ σχίζουσιν εἰς βασιλείας, ὧν ἡ μὲν τοὺς μαχίμους 15 ἔχει καὶ προαγωνιστάς ἀπάντων, ἡ δὲ τοὺς γεωργοὺς παρ' ὧν ὁ σῖτος εἰς τοὺς ἄλλους εἰσάγεται, ἡ δὲ τοὺς βανανσοτεχνούντας, καὶ ἡ μὲν σμυρνοφόρος, ἡ δὲ λιβανωτοφόρος· αἱ δ' αὖται καὶ τὴν κασίαν καὶ τὸ κιννάμωμον καὶ τὴν νάρδον φέρουσι· παρ' ἀλλήλων δ' οὐ μεταφοιτᾷ τὰ ἐπιτηδεύματα, ἀλλ' ἐν τοῖς πατρίοις διαμένουσιν ἕκαστοι. οἶνος δ' ἐκ φοινίκων ὁ πλείων. ἀδελφοὶ τιμιώτεροι τῶν τέκνων· κατὰ πρεσβυγένειαν καὶ βασιλεύουσιν οἱ ἐκ τοῦ γένους καὶ ἄλλας ἀρχὰς 20 ἀρχοῦσι· κοινὴ κτῆσις ἅπασιν τοῖς συγγενέσι, κύριος δὲ ὁ πρεσβύτατος· μία δὲ καὶ γυνὴ πᾶσιν, ὁ δὲ φθάσας εἰσιῶν μίγνυται προθεὶς τῆς θύρας τὴν ῥάβδον· ἐκάστῳ γὰρ δεῖν ῥαβδοφορεῖν ἔθος· νυκτιρεῦει δὲ παρὰ τῷ πρεσβυτάτῳ· διὸ καὶ πάντες ἀδελφοὶ πάντων εἰσὶ· μίγνυνται δὲ καὶ μητράσι· μοιχῶ δὲ ζημία 30 θάνατος· μοιχὸς δ' ἐστὶν ὁ ἐξ ἄλλου γένους. θυγάτηρ δὲ τῶν βασιλέων τινὸς θαυμαστὴ τὸ κάλλος, ἔχουσα

- ἀδελφοὺς πεντεκαίδεκα ἐρωῶντας αὐτῆς πάντας, καὶ
 διὰ τοῦτ' ἀδιαλείπτως ἄλλον ἐπ' ἄλλῳ παριόντα ὡς
 αὐτήν, κάμνουσα ἤδη παραδέδοται νοήματι χρῆσασθαι
 τοιούτῳ· ποιησαμένη ῥάβδους ὁμοίας ταῖς ἐκείνων,
 5 ὅτ' ἐξίοι παρ' αὐτῆς τις, αἰετινα προϋτίθει τῆς θύρας
 τὴν ὁμοίαν ἐκείνη, καὶ μικρὸν ὕστερον ἄλλην, εἴτ'
 ἄλλην, στοχαζομένη ὅπως μὴ ἐκείνη τὴν παραπλησίαν
 ἔχοι ὁ μέλλων προσιέναι· καὶ δὴ πάντων ποτὲ κατ'
 ἀγορὰν ὄντων, ἕνα προσιόντα τῇ θύρᾳ καὶ ἰδόντα τὴν
 10 ῥάβδον, ἐκ μὲν ταύτης εἰκάσαι διότι παρ' αὐτὴν τις
 εἶη· ἐκ δὲ τοῦ τοὺς ἀδελφοὺς πάντας ἐν τῇ ἀγορᾷ κα-
 ταλιπεῖν ὑπονοῆσαι μοιχόν· δραμόντα δὲ πρὸς τὸν
 πατέρα καὶ ἐπαγαγόντα ἐκείνον ἐλεγχθῆναι καταφει-
 σάμενον τῆς ἀδελφῆς.
- 15 Σώφρονες δ' εἰσὶν οἱ Ναβαταῖοι καὶ κτητικοί, 26
 ὥστε καὶ δημοσίᾳ τῷ μὲν μειώσαντι τὴν οὐσίαν ζημίᾳ
 κεῖται, τῷ δ' αὐξήσαντι τιμαί. ὀλιγόδουλοι δ' ὄντες
 ὑπὸ τῶν συγγενῶν διακονοῦνται τὸ πλεον ἢ ὑπ' ἄλ-
 λήλων ἢ αὐτοδιάκονοι, ὥστε καὶ μέχρι τῶν βασιλείων
 20 διατείνειν τὸ ἔθος. συσσίτια δὲ ποιοῦνται κατὰ τρισ-
 καίδεκα ἀνθρώπους, μουσουργοὶ δὲ δύο τῷ συμπο-
 σίῳ ἐκάστῳ. ὁ δὲ βασιλεὺς ἐν οἴκῳ μεγάλῳ πολλὰ συν-
 ἔχει συμπόσια· πίνει δ' οὐδείς πλεον τῶν ἑνδεκα ποτη-
 ρίων ἄλλῳ καὶ ἄλλῳ χρυσῷ ἐκπώματι. οὕτω δ' ὁ βασι-
 25 λεὺς ἐστὶ δημοτικὸς ὥστε πρὸς τῷ αὐτοδιακόνῳ καὶ ποτ'
 ἀντιδιάκονον τοῖς ἄλλοις καὶ αὐτὸν γίνεσθαι· πολλάκις
 δὲ καὶ ἐν τῷ δήμῳ δίδωσιν εὐθύνας, ἔσθ' ὅτε καὶ ἐξε-
 τάσσεται τὰ περὶ τὸν βίον· οἰκήσεις δὲ διὰ λίθου πολυτε-
 λεις, αἱ δὲ πόλεις ἀτείχιστοι δι' εἰρήνην· εὐκαρπος ἡ
 30 πολλὴ πλὴν ἐλαίου, χρῶνται δὲ σησαμίνῳ. πρόβατα
 λευκότριχα, βόες μεγάλοι, ἵππων ἄφορος ἡ χώρα· κά- C.784
 μηλοι δὲ τὴν ὑπουργίαν αὐτ' ἐκείνων παρέχονται.

ἀχίτωνες δ' ἐν περιζώμασι καὶ βλαυτίοις προΐασι καὶ οἱ βασιλεῖς, ἐν πορφύρᾳ δ' οὗτοι· εἰσαγωγήμι δ' ἐστὶ τὰ μὲν τελέως τὰ δ' οὐ παντελῶς, ἄλλως τε καὶ ἐπιχωριάζει, καθάπερ χρυσὸς καὶ ἄργυρος καὶ τὰ πολλὰ τῶν ἀρωμάτων· χαλκὸς δὲ καὶ σίδηρος καὶ ἔτι πορ- 5
φυρὰ ἐσθῆς στύραξ κρόκος κοστάρια τόρευμα γραφή πλάσμα οὐκ ἐπιχώρια· ἴσα κοπρίαις ἡγοῦνται τὰ νεκρὰ σώματα, καθάπερ Ἡράκλειτός φησι νέκυνες κοπρίων ἐκβλητότεροι. διὸ καὶ παρὰ τοὺς κοπρῶνας κατορύττουσι καὶ τοὺς βασιλεῖς. ἥλιον τιμῶσιν ἐπὶ τοῦ 10
δώματος ἰδρυσάμενοι βωμόν, σπένδοντες ἐν αὐτῷ καθ' ἡμέραν καὶ λιβανωτίζοντες.

- 27 Τοῦ δὲ ποιητοῦ λέγοντος „Αἰθίοπας θ' ἰκόμην
„καὶ Σιδονίους καὶ Ἐρεμβούς,“ διαποροῦσι· καὶ περὶ
τῶν Σιδωνίων μὲν, εἴτε τινὰς χρὴ λέγειν τῶν ἐν τῷ 15
Περσικῷ κόλπῳ κατοικούντων, ὧν ἄποικοι οἱ παρ' ἡμῖν Σιδώνιοι, καθάπερ καὶ Τυρίους τινὰς ἐκαὶ νησιώτας ἱστοροῦσι καὶ Ἀραδίους, ὧν ἀποίκους τοὺς παρ' ἡμῖν φασιν, εἰτ' αὐτοὺς τοὺς Σιδωνίους· ἀλλὰ μᾶλλον περὶ τῶν Ἐρεμβῶν ἡζήτησις, εἴτε τοὺς Τρω- 20
γλοδίτας ὑπονοητέον λέγεσθαι, καθάπερ οἱ τὴν ἐτυμολογίαν βιαζόμενοι ἀπὸ τοῦ εἰς τὴν ἔραν ἐμβαίνειν, ὅπερ ἐστὶν εἰς τὴν γῆν, εἴτε τοὺς Ἀραβας. ὁ μὲν οὖν Ζήνων ὁ ἡμέτερος μεταγράφει οὕτως „καὶ Σιδονίους Ἀραβάς τε.“ πιθανώτερον δὲ Ποσειδώνιος 25
γράφει τῷ παρὰ μικρὸν ἀλλάξαι „καὶ Σιδονίους καὶ Ἀραμβούς,“ ὥς τοῦ ποιητοῦ τοὺς νῦν Ἀραβας οὕτω καλέσαντος, καθάπερ καὶ ὑπὸ τῶν ἄλλων ὠνομάζοντο κατ' αὐτόν. φησὶ δὲ ταῦτα τρία ἔθνη συνεχῇ ἀλλήλοις ἰδρυσμένα ὁμογένειάν τινα ἐμφαίνειν πρὸς 30
ἄλληλα, καὶ διὰ [τοῦ]το παρακειμένοις ὀνόμασι κεκλησθαι, τοὺς μὲν Ἀρμενίους τοὺς δὲ Ἀραμαίους τοὺς δὲ

Ἀραμβούς· ὥσπερ δὲ ἀπὸ ἔθνους [ένος] ὑπολαμβάνειν ἐστὶν εἰς τρία διηροῦσθαι κατὰ τὰς τῶν κλιμάτων διαφορὰς αἰεὶ καὶ μᾶλλον ἐξαλλαττομένων, οὕτω καὶ τοῖς ὀνόμασι χρῆσασθαι πλείοσιν ἀνθ' ἑνός. οὐδ' οἱ
 5 Ἑρεμνοὺς γράφοντες πιθανοί· τῶν γὰρ Αἰθιοπῶν μᾶλλον ἰδιον. λέγει δὲ καὶ τοὺς Ἀρίμους ὁ ποιητής, οὓς φησι Ποσειδώνιος δέχεσθαι δεῖν μὴ τόπον τινὰ τῆς Συρίας ἢ τῆς Κιλικίας ἢ ἄλλης τινὸς γῆς, ἀλλὰ τὴν Συρίαν αὐτήν· Ἀραμαῖοι γὰρ οἱ ἐν αὐτῇ· τάχα δ' C. 785
 10 οἱ Ἕλληνες Ἀριμαίους ἐκάλουν ἢ Ἀρίμους. αἱ δὲ τῶν ὀνομάτων μεταπτώσεις καὶ μάλιστα τῶν βαρβαρικῶν πολλαί· καθάπερ τὸν Δαριήκην Δαρεῖον ἐκάλεσαν, τὴν δὲ Φάρξιριν Παρύσατιν, Ἀταργάτιν δὲ τὴν Ἀθάραν· Δερκετῶ δ' αὐτὴν Κτησίας καλεῖ. τῆς δὲ τῶν
 15 Ἀράβων εὐδαιμονίας καὶ Ἀλέξανδρον ἂν τις ποιήσαιο μάρτυρα τὸν διανοηθέντα, ὥς φασι, καὶ βασιλεῖον αὐτὴν ποιήσασθαι μετὰ τὴν ἐξ Ἰνδῶν ἐπάνοδον. πᾶσαι μὲν οὖν αἱ ἐπιχειρήσεις αὐτοῦ κατελύθησαν τελευτήσαντος παραχρῆμα τὸν βίον· μία δ' οὖν καὶ
 20 αὕτη τῶν ἐπιχειρήσεων ἦν, εἰ μὲν ἐκόντες παραδέχοιντο αὐτόν, εἰ δὲ μὴ, ὥς πολεμήσοντος· καὶ δὴ ὁρῶν μῆτε πρότερον μὴθ' ὕστερον πέμψαντας ὥς αὐτὸν πρέσβεις, παρεσκευάζετο πρὸς τὸν πόλεμον, ὥσπερ εἰρήκαμεν ἐν τοῖς ἐμπροσθεν.

25

Ἐπεὶ δὲ τὴν Ἀραβίαν ἐφοδεύοντες καὶ τοὺς κόλ- 1
 πους συμπεριελάβομεν τοὺς σφίγγοντας αὐτὴν καὶ
 20 ποιοῦντας χειρόνησον, τὸν Περσικὸν καὶ τὸν Ἀράβιον, τούτῳ δὲ τινα συμπεριωδεδύθη καὶ τῆς Αἰγύπτου καὶ τῆς Αἰθιοπίας, τὰ τῶν Τρωγλοδυτῶν καὶ τῶν ἐξῆς

μέχρι τῶν ἐσχάτων τῆς κινναμωμοφόρου· τὰ λειπό-
μενα καὶ συνεχῇ τοῖς ἔθνεσι τούτοις, ταῦτα δ' ἐστὶ τὰ
περὶ τὸν Νεῖλον, ἐκθετέον· μετὰ δὲ ταῦτα τὴν Λιβύην
ἐπιμεν, ἥπερ ἐστὶ λοιπὴ τῆς συμπάσης γεωγραφίας.
κάνταυθα δ' Ἑρατοσθένους ἀποφάσεις προεκθετέον. 5

2 Φησὶ δὴ τοῦ Ἀραβίου κόλπου πρὸς τὴν ἐσπέραν
χιλίους σταδίους διέχειν τὸν Νεῖλον, παραπλήσιον ὄντα
C. 186 τῷ γράμματι τῷ Ν κειμένῳ ἀνάπαλιν. ὅνεις γάρ, φη-
σὶν, ἀπὸ Μερόης ἐπὶ τὰς ἄρκτους ὥς δισχιλίους καὶ
ἐπτακοσίους σταδίους, πάλιν ἀναστρέφει πρὸς μεσημ- 10
βρίαν καὶ τὴν χειμερινὴν δύσιν ὥς τρισχιλίους καὶ
ἐπτακοσίους σταδίους, καὶ σχεδόν [τι] ἀντάρας τοῖς κατὰ
Μερὸν τόποις καὶ εἰς τὴν Λιβύην πολὺ προπεσὼν καὶ
τὴν ἐτέρα ἐπιστροφὴν ποιησάμενος πρὸς τὰς ἄρ-
κτους φέρεται πεντακισχιλίους μὲν καὶ τριακοσίους 15
σταδίους ἐπὶ τὸν μέγαν καταράκτην μικρὸν παρεπι-
στρέφων πρὸς τὴν ἑω, χιλίους δὲ καὶ διακοσίους τοὺς
ἐπὶ τὸν ἐλάτιον τὸν κατὰ Συήνην, πεντακισχιλίους δὲ
ἄλλους καὶ τριακοσίους ἐπὶ τὴν θάλατταν. ἐμβάλλουσι
δ' εἰς αὐτὸν δύο ποταμοί, φερόμενοι μὲν ἐκ τινων λι- 20
μνῶν ἀπὸ τῆς ἑω, περιλαμβάνοντες δὲ νῆσον εὐμε-
γέθη τὴν Μερὸν· ὣν ὁ μὲν Ἀσταβόρας καλεῖται κατὰ
τὸ πρὸς ἑω πλευρὸν ῥέων, ἄτερος δ' Ἀστάπους· οἱ δ'
Ἀστασόβαν καλοῦσι, τὸν δ' Ἀστάπουν ἄλλον εἶναι,
ῥέοντα ἐκ τινων λιμνῶν ἀπὸ μεσημβρίας καὶ σχεδόν 25
[τι] τὸ κατ' εὐθείαν σῶμα τοῦ Νεῖλου τοῦτον ποιεῖν·
τὴν δὲ πλήρῳσιν αὐτοῦ τοὺς θερινοὺς ὄμβρους παρα-
σκευάζειν. ὑπὲρ δὲ τὰς συμβολὰς τοῦ Ἀσταβόρα καὶ
τοῦ Νεῖλου σταδίοις ἐπτακοσίοις Μερὸν εἶναι πόλιν
ὁμώνυμον τῇ νήσῳ· ἄλλην δ' εἶναι νῆσον ὑπὲρ τῆς 30

Μερόης, ἣν ἔχουσιν οἱ Αἰγυπτίων φρυγάδες οἱ ἀπο-
 στάντες ἀπὸ Ψαμμίτιχου, καλοῦνται δὲ Σεμβρίται, ὡς
 ἂν ἐπὶ ἡλυδες· βασιλεύονται δὲ ὑπὸ γυναικός, ὑπακού-
 ονσι δὲ τῶν ἐν Μερόῃ. τὰ δὲ κατωτέρω ἐκατέρωθεν
 5 Μερόης παρὰ μὲν τὸν Νεῖλον πρὸς τὴν Ἐρυθρὰν Με-
 γάβαροι καὶ Βλέμνυες, Αἰθιοπῶν ὑπακούοντες, Αἰ-
 γυπτίοις δ' ὁμοροί· παρὰ θάλατταν δὲ Τρωγλοδύται·
 διεστᾶσι δὲ εἰς δέκα ἢ δώδεκα ἡμερῶν ὁδὸν οἱ κατὰ
 τὴν Μερόην Τρωγλοδύται τοῦ Νείλου. ἐξ ἀριστερῶν
 10 δὲ τῆς ῥύσεως τοῦ Νείλου Νοῦβαι κατοικοῦσιν ἐν τῇ
 Αἰβύνῃ, μέγα ἔθνος, ἀπὸ τῆς Μερόης ἀρξάμενοι μέχρι
 τῶν ἀγκώνων, οὐχ ὑποταττόμενοι τοῖς Αἰθίοσιν, ἀλλ'
 ἰδίᾳ κατὰ πλείους βασιλείας διειλημμένοι. τῆς δ' Αἰ-
 γύπτου τὸ παρὰ τὴν θάλατταν ἐστὶν ἀπὸ τοῦ Πηλου-
 15 σιακοῦ στόματος πρὸς τὸ Κανωβικὸν στάδιοι χίλιοι
 τριακόσιοι.

Ἐρατοσθένους μὲν οὖν οὕτως. δεῖ δὲ ἐπὶ πλέον εἰ- 3
 πεῖν καὶ πρῶτον τὰ περὶ τὴν Αἴγυπτον, ὅπως ἀπὸ τῶν
 γνωριμωτέρων ἐπὶ τὰ ἐξῆς προῖωμεν. κοινὰ μὲν γάρ
 20 τινα καὶ ταύτῃ τῇ χώρᾳ καὶ τῇ συνεχεῖ καὶ ὑπὲρ αὐτὴν
 τῇ τῶν Αἰθιοπῶν ὁ Νεῖλος παρασκευάζει, ποτίζων τε
 αὐτὰς κατὰ τὰς ἀναβάσεις καὶ τοῦτ' οἰκήσιμον αὐτῶν
 τὸ μέρος ἀπολείπων μόνον τὸ καλυπτόμενον ἐν ταῖς
 πλημμυρίσι, τὸ δ' ὑπερδέξιον καὶ μετεωρότερον τοῦ
 25 ῥεύματος πᾶν ἀοίκητον διεξιὼν ἐκατέρωθεν καὶ ἐρη-
 μον διὰ τὴν αὐτὴν ἀνδρίαν. ἀλλὰ τὴν μὲν ΑἰθιοπίανC.787
 οὔτε πᾶσαν διέξεισιν ὁ Νεῖλος οὔτε μόνος οὐτ' ἐπ' εὐ-
 θείας οὐτ' οἰκουμένην καλῶς· τὴν δὲ Αἴγυπτον καὶ
 μόνος καὶ πᾶσαν καὶ ἐπ' εὐθείας ἀπὸ τοῦ μικροῦ κα-
 30 τάρακτου ὑπὲρ Συήνης καὶ Ἐλεφαντίνης ἀρξάμενος,
 οἵπερ εἰσὶν ὄροι τῆς Αἰγύπτου καὶ τῆς Αἰθιοπίας, ἕως

τῶν ἐπὶ θάλατταν ἐκβολῶν. καὶ μὴν οἷ γε Αἰθίοπες το
 πλείον νομαδικῶς ζῶσι καὶ ἀπόρως διὰ τε τὴν λυπρό-
 τητα τῆς χώρας καὶ τὴν τῶν ἀέρων ἀσυμμετρίαν καὶ
 τὸν ἀφ' ἡμῶν ἐκτοπισμόν, τοῖς δ' Αἰγυπτίοις ἅπαντα
 τὰναντία συμβέβηκε· καὶ γὰρ πολιτικῶς καὶ ἡμέρως ὁ
 ἐξ ἀρχῆς ζῶσι καὶ ἐν γνωρίμοις ἴδρυνται τόποις, ὥστε
 καὶ αἱ διατάξεις αὐτῶν μνημονεύονται· καὶ ἐπαινοῦν-
 ται γε δοκοῦντες ἀξίως χρήσασθαι τῇ τῆς χώρας εὐ-
 δαιμονίᾳ, μερίσαντές τε εὖ καὶ ἐπιμεληθέντες. βασι-
 λεία γὰρ ἀποδείξαντες τριχῇ τὸ πλῆθος διεῖλον καὶ τοὺς 10
 μὲν στρατιώτας ἐκάλεσαν τοὺς δὲ γεωργοὺς τοὺς δὲ
 ἱερέας· καὶ τοὺς μὲν τῶν ἱερῶν ἐπιμελητὰς τοὺς δ'
 ἄλλους τῶν περὶ τὸν ἄνθρωπον· καὶ τοὺς μὲν [τὰ] ἐν
 τῷ πολέμῳ τοὺς δ' ὅσα ἐν εἰρήνῃ, γῆν τε καὶ τέχνας
 ἐργαζομένων· ἀφ' ὧν περ καὶ αἱ πρόσοδοι συνήγοντο 15
 τῷ βασιλεῖ. οἱ δ' ἱερεῖς καὶ φιλοσοφίαν ἥσκουν καὶ
 ἀστρονομίαν, ὁμιλεῖται τε τῶν βασιλέων ἦσαν. ἡ δὲ
 χώρα τὴν μὲν πρώτην διαίρεισιν εἰς νομοὺς ἔσχε, δέκα
 μὲν ἡ Θηβαῖς, δέκα δ' ἡ ἐν τῷ Δέλτα, ἐκκαίδεκα δ' ἡ
 μεταξύ· ὥς δὲ τινες, τοσοῦτοι ἦσαν οἱ σύμπαντες νο- 20
 μοὶ ὅσαι αἱ ἐν τῷ λαβυρίνθῳ ἀύλαι· αὗται δ' ἐλάτ-
 τους τῶν τριάκοντα [καὶ ἑξ]· πάλιν δ' οἱ νομοὶ τομὰς
 ἄλλας ἔσχον· εἰς γὰρ τοπαρχίας οἱ πλεῖστοι διήρηντο,
 καὶ αὗται δ' εἰς ἄλλας τομὰς· ἐλάχισται δ' αἱ ἄρουραι
 μερίδες. ἐδέησε δὲ τῆς ἐπ' ἀκριβὲς καὶ κατὰ λεπτὸν διαι- 25
 ρίσεως διὰ τὰς συνεχεῖς τῶν ὄρων συγχύσεις ἃς ὁ Νεῖ-
 λος ἀπεργάζεται κατὰ τὰς ἀνυψήσεις, ἀφαιρῶν καὶ προσ-
 τιθεῖς καὶ ἐναλλάττων τὰ σχήματα καὶ τὰλλα σημεῖα
 ἀποκρύπτων οἷς διακρίνεται τό τε ἄλλότριον καὶ τὸ
 ἴδιον· ἀνάγκη δὴ ἀναμετρεῖσθαι πάλιν καὶ πάλιν. ἐν-30

1. post ἐκβολῶν: τοῦ Νεῖλου.

τεῦθεν δὲ καὶ τὴν γεωμετρίαν συστήναί φασιν, ὡς τὴν
 λογιστικὴν καὶ ἀριθμητικὴν παρὰ Φοινίκων διὰ τὰς
 ἐμπορίας. τριχῇ δὲ διήρητο ὥσπερ τὸ σύμπαν καὶ τὸ
 ἐν ἐκάστω τῷ νομῷ πληθὺς, εἰς τρία ἴσα μερισθείσης
 5 τῆς χώρας. ἡ δὲ περὶ τὸν ποταμὸν πραγματεία διαφέ-
 ρει τοσοῦτον ὅσον τῇ ἐπιμελείᾳ νικᾶν τὴν φύσιν. φύ-
 σει γὰρ πλείονα φέρει καρπὸν καὶ ποτισθεῖσα μᾶλλον C.788
 φύσει δὲ καὶ ἡ μείζων ἀνάβασις τοῦ ποταμοῦ πλείω
 ποτίζει γῆν, ἀλλ' ἡ ἐπιμέλεια πολλάκις καὶ τῆς φύσεως
 10 ἐξίσχυσεν ἐπιλιπούσης, ὥστε καὶ κατὰ τὰς ἐλάτιους
 ἀναβάσεις τοσαύτην ποτισθῆναι γῆν ὅσην ἐν ταῖς μεί-
 ζοσι, διὰ τε τῶν διωρύγων καὶ τῶν παραχωμάτων·
 ἐπὶ γοῦν τῶν πρὸ Πετρωνίου χρόνων ἡ μεγίστη μὲν
 ἦν φορὰ καὶ ἀνάβασις, ἡνίκα ἐπὶ τεσσαρεσκαίδεκα πῆ-
 15 χεῖς ἀνέβαινεν ὁ Νεῖλος, ἡνίκα δ' ἐπ' ὀκτώ, συνέβαινε
 λιμός· ἐπ' ἐκείνου δὲ ἄρξαντος τῆς χώρας καὶ δώδεκα
 μόνον πληρώσαντος πῆχεις τοῦ Νείλου μέτρου, με-
 γίστη ἦν ἡ φορὰ, καὶ ὀκτώ ποτε μόνον πληρώσαντος
 λιμοῦ οὐδεὶς ἤσθετο. τοιαύτη μὲν ἡ διάταξις· τὰ δ'
 20 ἐξῆς λέγωμεν νυνί.

Ἀπὸ γὰρ τῶν Αἰθιοπικῶν τερμόνων ῥεῖ ἐκ' εὐ- +
 θείας ὁ Νεῖλος πρὸς ἄρκτους ἕως τοῦ καλουμένου χω-
 ρίου Δέλτα· εἴτ' ἐπὶ κορυφὴν σχιζόμενος, ὡς φησιν ὁ
 Πλάτων, ὡς ἂν τριγώνου κορυφὴν ἀποτελεῖ τὸν τό-
 25 πον τοῦτον· πλευρὰς δὲ τοῦ τριγώνου τὰ σχιζόμενα
 ἐφ' ἐκάτερα ῥεῖθρα καθήκοντα μέχρι τῆς θαλάττης,
 τὸ μὲν ἐν δεξιᾷ τῆς κατὰ Πηλουσίον, τὸ δ' ἐν ἀρι-
 στερᾷ τῆς κατὰ Κάνωβον καὶ τὸ πλησίον Ἡρά-
 κλειον προσαγορευόμενον· βάσιν δὲ τὴν παραλίαν
 30 τὴν μεταξὺ τοῦ Πηλουσίου καὶ τοῦ Ἡρακλείου. γέ-

γουνε δὴ νῆσος ἐκ τε τῆς θαλάττης καὶ τῶν φευσμάτων ἀμφοῖν τοῦ ποταμοῦ, καὶ καλεῖται Δέλτα διὰ τὴν ὁμοιότητα τοῦ σχήματος· τὸ δ' ἐπὶ τῇ κορυφῇ χωρίον ὁμωνύμως κέκληται διὰ τὸ ἀρχὴν εἶναι τοῦ λεχθέντος σχήματος, καὶ ἡ κώμη δὲ ἡ ἐπ' αὐτῷ καλεῖται Δέλτα. 5
 δύο μὲν οὖν ταῦτα τοῦ Νεῖλου στόματα, ὧν τὸ μὲν Πηλουσιακὸν καλεῖται, τὸ δὲ Κανωβικὸν καὶ Ἡρακλειωτικόν· μεταξὺ δὲ τούτων ἄλλαι πέντε εἰσὶν ἐκβολαὶ αἱ γὰρ ἀξιόλογοι, λεπτότεραι δὲ πλείους· ἀπὸ γὰρ τῶν πρώτων μερῶν ἀπορροῶντες πολλαὶ καθ' ὅλην μερι- 10
 σθεῖσαι τὴν νῆσον πολλὰ καὶ ρεῖθρα καὶ νήσους ἐποίησαν, ὥσθ' ὅλην γενέσθαι πλωτὴν διωρύνων ἐπὶ διώρυξι τμηθεῖσων, αἱ κατὰ ῥαστώνην πλείοντα τοσαύτην ὥστε καὶ ὀστράκινα ἐνίοις εἶναι πορθμεῖα· τὴν μὲν οὖν περιμέτρον ὅσον τρισχιλίων σταδίων ἐστὶν ἡ 15
 σύμπασα νῆσος· καλοῦσι δ' αὐτὴν καὶ τὴν κάτω χώραν σὺν ταῖς ἀπαντικρὺ ποταμίαις τοῦ Δέλτα· ἐν δὲ ταῖς ἀναβάσεσι τοῦ Νεῖλου καλύπτεται πᾶσα καὶ πελαγίζει πλὴν τῶν οἰκήσεων· αὗται δ' ἐπὶ λόφων ἀυτοφυῶν ἢ χωμάτων ἰδρυνται, πόλεις τε ἀξιόλογοι καὶ 20
 C.789 κῶμαι, νησίζουσιν κατὰ τὴν πόρρωθεν ὄψιν. πλείους δὲ τετταράκοντα ἡμέρας τοῦ θέρους διαμεῖναν τὸ ὕδωρ ἐπειθ' ὑπόβασιν λαμβάνει κατ' ὀλίγον, καθάπερ καὶ τὴν αὔξησιν ἔσχεν· ἐν ἐξήκοντα δὲ ἡμέραις τελείως γυμνοῦνται καὶ ἀναψύχεται τὸ πεδίον· ὅσῳ δὲ θᾶττον 25
 ἢ ἀνάψυξις, τοσῷδε θᾶττον ὁ ἄροτος καὶ ὁ σπόρος· θᾶττον δέ, παρ' οἷς τὰ μείζω θάλλῃ. τὸν αὐτὸν τρόπον καὶ τὰ ἐπάνω τοῦ Δέλτα ποτίζεται, πλὴν ὅτι ἐπ' εὐθείας ὅσον τετρακισχιλίους σταδίους δι' ἐνὸς ρεῖθρου τοῦ ποταμοῦ φερομένου, πλὴν εἰ πού τις ἐντρέχει νῆ- 30
 σος, ὧν ἀξιολογωτάτη ἡ τὸν Ἡρακλειωτικὸν νομὸν περιέχουσα, ἢ εἰ πού τις ἐκτροπὴ διώρυγι ἐπὶ πλεόν

εἰς λίμνην μεγάλην καὶ χώραν, ἣν ποτιζειν δύναται,
καθάπερ ἐπὶ τῆς τὸν Ἀρσινοΐτην νομὸν ποτιζούσης
καὶ τὴν Μοίριδος λίμνην καὶ τῶν εἰς τὴν Μαριώτιν
ἀναχεομένων. συλλήβδην δ' εἰπεῖν, ἡ ποταμία μόνον
5 ἐστὶν Αἴγυπτος ἡ ἐκατέρωθεν * ἐσχάτη τοῦ Νείλου,
σπάνιον εἰ ποὺ τριακοσίων σταδίων ἐπέχουσα συνεχῶς
πλάτος τὸ οἰκήσιμον ἀρξαμένη ἀπὸ τῶν ὄρων τῆς Αἰ-
θιοπίας μέχρι τῆς κορυφῆς τοῦ Δέλτα. ἔοικεν οὖν
κειρία * ψυχομένη ἐπὶ μῆκος, ὑπεξαίρουμένων τῶν
10 ἐπὶ πλεόν ἐκτροπῶν. ποιεῖ δὲ τὸ σχῆμα τοῦτο τῆς πο-
ταμίας ἥς λέγω καὶ τῆς χώρας τὰ ὄρη τὰ ἐκατέρωθεν
ἀπὸ τῶν περὶ Συήνην τόπων καταγόμενα μέχρι τοῦ
Αἰγυπτίου πελάγους· ἐφ' ὅσον γὰρ ταῦτα παρατεί-
νει καὶ διεστήκεν ἀπ' ἀλλήλων, ἐπὶ τοσοῦτον καὶ ὁ πο-
15 ταμὸς συνάγεται τε καὶ διαχεῖται καὶ διασχηματίζει
τὴν χώραν διαφόρως τὴν οἰκήσιμον· ἡ δὲ ὑπὲρ τῶν
ὄρων ἐπὶ συχνὸν ἀοίκητός ἐστιν.

Οἱ μὲν οὖν ἀρχαῖοι στοχασμῷ τὸ πλεόν, οἱ δ' ὅστε- 5
ρον αὐτόπται γενηθέντες ᾗσθοντο ὑπὸ ὄμβρων θει-
20 ρῶν πληρούμενον τὸν Νεῖλον, τῆς Αἰθιοπίας τῆς ἄνω
κλυζομένης, καὶ μάλιστα ἐν τοῖς ἐσχάτοις ὄρεσι, παυ-
σαμένων δὲ τῶν ὄμβρων παυομένην κατ' ὀλίγον τὴν
πλημμυρίδα· τοῦτο δ' ὑπῆρξε μάλιστα δῆλον τοῖς
πλείουσι τὸν Ἀράβιον κόλπον μέχρι τῆς κινναμώμοφό-
25 ρου καὶ τοῖς ἐκπεμπομένοις ἐπὶ τὴν τῶν ἐλιφάντων
θήραν, καὶ εἰ τινες ἄλλαι χρεῖται παρῶξινον ἐκείσε
ἄνδρας προχειρίζεσθαι τοὺς τῆς Αἰγύπτου βασιλείας
τοὺς Πτολεμαῖκούς. οὗτοι γὰρ ἐφρόντισαν τῶν τοι-
ούτων, διαφερόντως δ' ὁ Φιλάδελφος ἐπικληθεὶς, φι-
30 λιστορῶν καὶ διὰ τὴν ἀσθένειαν τοῦ σώματος διαγω-
γὰς αἰετίνους καὶ τέρψεις ζητῶν καινοτέρας. οἱ πάλαι
δὲ βασιλεῖς οὐ πάνν ἐφρόντισαν τῶν τοιούτων· καί-

C.790 περ οἰκεῖοι σοφίας γεγονότες καὶ αὐτοὶ καὶ οἱ ἱερεῖς, μεθ' ὧν ἦν αὐτοῖς ὁ πλείων βίος· ὥστε καὶ θαυμάζειν ἄξιον καὶ διὰ τοῦτο καὶ διότι Σίσωστρις τὴν Αἰθιοπίαν ἐκῆλθεν ἅπασαν μέχρι τῆς κινναμωμοφόρου, καὶ ὑπομνήματα τῆς στρατείας αὐτοῦ καὶ νῦν ἐτι δείκνυται στήλαι καὶ ἐπιγραφαί. Καμβύσης τε τὴν Αἰγύπτον κατασχὼν προῆλθε καὶ μέχρι τῆς Μερόης μετὰ τῶν Αἰγυπτίων· καὶ δὴ καὶ τοῦνομα τῇ τε νήσῳ καὶ τῇ πόλει τοῦτο παρ' ἐκείνου τεθῆναι φασιν, ἐκεί τῆς ἀδελφῆς ἀποθανούσης αὐτῷ Μερόης· οἱ δὲ γυναῖκά 10 φασιν· τὴν ἐπωνυμίαν οὖν ἐχαρίσατο αὐτῇ τιμῶν τὴν ἄνθρωπον. θαυμαστὸν οὖν πῶς ἐκ τῶν τοιούτων ἀφορμῶν οὐ τελέως ἐναργῆς ἦν ἡ περὶ τῶν ὄμβρων ἱστορία τοῖς τότε, καὶ ταῦτα τῶν ἱερέων φιλοπραγμονέστερον ἀναφερόντων εἰς τὰ ἱερὰ γράμματα καὶ ἀποτιθεμένων, 15 ὅσα μάθησιν περιττὴν ἐπιφαίνει. εἰ γὰρ ἄρα, τοῦτ' ἐχρῆν ζητεῖν ὅπερ καὶ νῦν ἐτι ζητεῖται, τί δὴ ποτε θεοὺς, χειμῶνος δὲ οὐ, καὶ ἐν τοῖς νοτιωτάτοις, ἐν δὲ τῇ Θηβαίδι καὶ τῇ περὶ Σύνηνην οὐ συμπέπτουσιν ὄμβροι· τὸ δ' ὅτι ἐξ ὄμβρων αἱ ἀναβάσεις μὴ ζητεῖν, 20 μὴδὲ τοιούτων δεῖσθαι μαρτύρων οἷους Ποσειδώνιος εἰρηκε. φησὶ γὰρ Καλλισθένη λέγειν τὴν ἐκ τῶν ὄμβρων αἰτίαν τῶν θερινῶν παρὰ Ἀριστοτέλους λαβόντα, ἐκείνον δὲ παρὰ Θρασύαλκου τοῦ Θασίου (τῶν ἀρχαίων δὲ φυσικῶν εἰς οὗτος) ἐκείνον δὲ παρ' ἄλλου, τὸν δὲ 25 παρ' Ὀμήρου διπετέα φάσκοντος τὸν Νεῖλον „ἂψ δ' „εἰς Αἰγύπτιο διπετέος ποταμοῖο.“ ἀλλ' ἐὼ ταῦτα πολλῶν εἰρηκότων ὧν ἀρκέσει δύο μηνῦσαι τοὺς ποιήσαντας καθ' ἡμᾶς τὸ περὶ τοῦ Νεῖλου βιβλίον, Εὐδωρόν τε καὶ Ἀρίστωνα τὸν ἐκ τῶν περιπάτων· πλὴν γὰρ 30 τῆς τάξεως τά γε ἄλλα καὶ τῇ φράσει καὶ τῇ ἐπιχειρήσει ταυτὰ ἴσθι κείμενα παρ' ἀμφοτέροις. ἐγὼ γοῦν

ἀπορούμενος ἀντιγράφων εἰς τὴν ἀντιβολὴν ἐκ θατέ-
 ρου θατέρον ἀντίβαλον· πότερος δ' ἦν ὁ τὰλλότρια
 ὑποβαλόμενος, ἐν Ἀμμωνος εὖροι τις ἄν. Εὐδωρος δ'
 ἡττίατο τὸν Ἀρίστωναν· ἡ μέντοι φράσις Ἀριστώνειος
 5 μᾶλλον ἐστίν. οἱ μὲν οὖν ἀρχαῖοι τὸ οἰκούμενον αὐτὸ
 καὶ ποτιζόμενον ὑπὸ τοῦ Νείλου μόνον Αἴγυπτον ἐκά-
 λουν ἀπὸ τῶν περὶ Συήνην τόπων ἀρξάμενοι μέχρι τῆς
 θαλάττης, οἱ δ' ὕστερον μέχρι νῦν προσέλαβον ἐκ μὲν
 τῶν πρὸς ἑω μερῶν [τὰ] μεταξὺ τοῦ Ἀραβίου κόλπου
 10 καὶ τοῦ Νείλου σχεδὸν τι πάντα (οἱ δ' Αἰθίοπες οὐκ οὐκ
 πάνυ χρῶνται τῇ Ἐρυθρᾷ θαλάττῃ), ἐκ δὲ τῶν ἐσπε-
 ρίων τὰ μέχρι τῶν ἀνάσεων καὶ ἐν τῇ παραλίᾳ τὰ ἀπὸ
 τοῦ Κανωβικοῦ στόματος μέχρι Καταβαθμοῦ καὶ τῆς
 Κυρηναίων ἐπικρατείας. οἱ τε γὰρ ἀπὸ τοῦ Πτολεμαίων
 15 βασιλεῖς ἰσχυσαν τοσοῦτον, οἱ γε καὶ τὴν Κυρηναίαν
 αὐτὴν κατέσχον καὶ διενείμαντο πρὸς τὴν Αἴγυπτον
 καὶ τὴν Κύπρον, Ῥωμαῖοί τε οἱ διαδεξάμενοι τὴν ἐκεί-
 νων ἐπαρχίαν κρίναντες τὴν Αἴγυπτον ἐν τοῖς αὐτοῖς
 ὅροις διεφύλαξαν. ἀνάσεις δ' οἱ Αἰγύπτιοι καλοῦσι τὰς
 20 οἰκουμένας χώρας περιεχομένας κύκλῳ μεγάλαις ἐρη-
 μίαις ὥς ἂν νήσους πελαγίας· πολὺ δὲ τοῦτ' ἐστὶ κατὰ
 τὴν Λιβύην, τρεῖς δ' εἰσὶν αἱ πρόσχωροι τῇ Αἰγύπτῳ
 καὶ ὑπ' αὐτῇ τεταγμέναι.

Τὰ μὲν οὖν καθ' ὅλου καὶ ἀνωτάτω περὶ τῆς Αἰ-
 25 γύπτου ταῦτα λέγομεν, τὰ καθ' ἕκαστα δὲ καὶ τὰς ἀρε-
 τὰς αὐτῆς νῦν διεξιμεν. ἐπεὶ δὲ τὸ πλεῖστον τοῦ ἔργου
 τούτου καὶ τὸ κυριώτατον ἡ Ἀλεξάνδρεια ἐστὶ καὶ τὰ
 περὶ αὐτήν, ἐντεῦθεν ἀρκτέον. ἐστὶ τοίνυν ἡ ἀπὸ Πη-
 λουσίῳ παραλίᾳ πρὸς τὴν ἐσπέραν πλείουσι μέχρι μὲν
 30 τοῦ Κανωβικοῦ στόματος χιλίων πον καὶ τριακοσίων
 σταδίων, ὃ δὴ καὶ βάσιν τοῦ Δέλτα ἔφαμεν· ἐντεῦθεν
 δ' ἐπὶ Φάρον τὴν νῆσον ἄλλοι στάδιοι πεντήκοντα

πρὸς τοῖς ἑκατόν. ἡ δὲ Φάρος νησίον ἐστὶ παράμηνες, προσεχέστατον τῇ ἡπείρῳ, λιμένα πρὸς αὐτὴν ποιοῦν ἀμφίστομον. ἡὼν γὰρ ἐστὶ κολπώδης, ἄκρας εἰς τὸ πέλαγος προβεβλημένη δύο· τούτων δὲ μεταξὺ ἡ νήσος ἰδρυται κλείουσα τὸν κόλπον, παραβεβλήται γὰρ αὐτῇ 5 κατὰ μήκος· τῶν δ' ἄκρων τῆς Φάρου τὸ μὲν ἐφ' ὃν μᾶλλον ἐστὶ προσεχὲς τῇ ἡπείρῳ καὶ τῇ κατ' αὐτὴν ἄκρᾳ (καλεῖται δ' ἄκρα Λοχιάς), καὶ ποιεῖ τὸν λιμένα ἀρτίστομον· πρὸς δὲ τῇ στενότητι τοῦ μεταξὺ πόρου καὶ πέτραι εἰσὶν αἱ μὲν ὕφαλοι αἱ δὲ καὶ ἐξέχουσαι, 10 τραχύνουσαι πᾶσαν ὥραν τὸ προσπίπτον ἐκ τοῦ πελάγους κλυδώνιον. ἐστὶ δὲ καὶ αὐτὸ τὸ τῆς νησιδος ἄκρον πέτρα περίκλυτος, ἔχουσα πύργον θαυμασιῶς κατασκευασμένον λευκοῦ λίθου πολυώροφον, ὁμώνυμον τῇ νήσῳ· τοῦτον δ' ἀνέθηκε Σώστρατος Κνίδιος, φίλος 15 τῶν βασιλέων, τῆς τῶν πλοιομένων σωτηρίας χάριν, ὥς φησιν ἡ ἐπιγραφὴ. ἀλιμένου γὰρ οὕσης καὶ ταπεινῆς τῆς ἐκατέρωθεν παραλίας, ἐχούσης δὲ καὶ χοιράδας καὶ βράχη τινά, ἔδει σημείου τινὸς ὑψηλοῦ καὶ λαμπροῦ τοῖς ἀπὸ τοῦ πελάγους προσπλέουσιν ὥστ' εὐστοχεῖν 20 C.792 τῆς εἰσβολῆς τοῦ λιμένος. καὶ τὸ ἐσπέριον δὲ στόμα οὐκ εὐεῖσβολόν ἐστιν, οὐ μὲν τοσαύτης γε δαῖται προνοίας· ποιεῖ δὲ καὶ τοῦτο ἄλλον λιμένα τὸν τοῦ Εὐνόστου καλούμενον· πρόκειται δ' οὗτος τοῦ ὀρυκτοῦ καὶ κλειστοῦ λιμένος· ὁ μὲν γὰρ ἐκ τοῦ λεχθέντος πύργου 25 τῆς Φάρου τὸν εἰσπλουν ἔχων ὁ μέγας ἐστὶ λιμὴν· οὗτοι δὲ συνεχεῖς ἐν βράθει ἐκείνῳ, τῷ ἐπτασταδίῳ καλουμένῳ χώματι διειργόμενοι ἀπ' αὐτοῦ παράκεινται· τὸ δὲ χώμά ἐστιν ἀπὸ τῆς ἡπείρου γέφυρα ἐπὶ τὴν νῆ-

17. post ἐπιγραφὴν: σῶστρατος κνίδιος Δεξιφάνους θεοῖς σωτήρσιν ὑπὲρ τῶν πλοιομένων.

σον κατὰ τὸ ἐσπέριον αὐτῆς μέρος ἐκτεταμένη, δύο
 διάπλους ἀπολείπουσα μόνον εἰς τὸν Εὐνόστου λιμένα
 καὶ αὐτοὺς γεγεφυρωμένους· ἦν δ' οὐ γέφυρα μόνον
 ἐπὶ τὴν νῆσον τὸ ἔργον τοῦτο, ἀλλὰ καὶ ὑδραγῶγιον,
 5 ὅτε γε ὤκειτο· νῦν δ' ἡρήμωσεν αὐτὴν ὁ θεὸς Καίσαρ
 ἐν τῷ πρὸς Ἀλεξανδρείας πολέμῳ τεταγμένην μετὰ τῶν
 βασιλέων· ὀλίγοι δ' οἰκοῦσι πρὸς τῷ πύργῳ ναυτικοὶ
 ἄνδρες. ὁ γοῦν μέγας λιμὴν πρὸς τῷ κεκλεισθαι καλῶς
 τῷ τε χώματι καὶ τῇ φύσει ἀγχιβαθῆς τέ ἐστίν ὥστε
 10 τὴν μεγίστην ναῦν ἐπὶ κλίμακος ὁρμεῖν, καὶ εἰς πλείους
 σχίζεται λιμένας. οἱ μὲν οὖν πρότεροι τῶν Αἰγυπτίων
 βασιλεῖς ἀγαπῶντες οἷς εἶχον καὶ οὐ πάνυ ἐπισάκτων
 δεόμενοι, διαβεβλημένοι πρὸς ἅπαντας τοὺς πλείοντας
 καὶ μάλιστα τοὺς Ἕλληνας (πορθηταὶ γὰρ ἦσαν καὶ
 15 ἐπιθυμηταὶ τῆς ἀλλοτρίας κατὰ σπάνιν γῆς), ἐπέστη-
 σαν φυλακὴν τῷ τόπῳ τούτῳ κελεύσαντες ἀπείργειν
 τοὺς προσιόντας· κατοικίαν δ' αὐτοῖς ἔδωσαν τὴν
 προσαγορευομένην Ῥακῶτιν, ἣ νῦν μὲν τῆς Ἀλεξαν-
 δρείων πόλεως ἐστὶ μέρος τὸ ὑπερκείμενον τῶν νεω-
 20 ρίων, τότε δὲ κώμη ὑπῆρχε· τὰ δὲ κύκλῳ τῆς κώμης
 βουκόλοις παρέδωσαν δυναμένοις καὶ αὐτοῖς κωλύειν
 τοὺς ἔξωθεν ἐπιόντας. ἐπελθὼν δὲ Ἀλέξανδρος, ἰδὼν
 τὴν εὐκαιρίαν ἐγνω τευχίζειν ἐπὶ τῷ λιμένι τὴν πόλιν·
 τῆς δ' ὕστερον ἐπηκολουθηκυίας εὐδαιμονίας τῇ πόλει
 25 μνημονεύουσί τι σημεῖον κατὰ τὴν ὑπογραφὴν τοῦ
 κτίσματος συμβάν· τῶν γὰρ ἀρχιτεκτόνων γῇ λευκῇ
 διασημαινομένων τὴν τοῦ περιβόλου γραμμὴν, ἐπιλι-
 πούσης τῆς γῆς καὶ τοῦ βασιλέως ἐπιόντος, οἱ διοικηταὶ
 τῶν ἀλφείτων μέρος τῶν παρσκευασμένων τοῖς ἐργά-
 30 ταις παρέσχον, δι' ὧν καὶ αἱ ὁδοὶ κατετεμήθησαν εἰς
 πλείους· τοῦτ' οὖν οἰωνίσθαι λέγονται πρὸς ἀγαθοῦ
 γεγονός.

- 7 Ἡ δ' εὐκαιρία πολύτροπος· ἀμφίκλυστόν τε γάρ
 ἐστὶ τὸ χωρίον δυοὶ πελάγεσι, τῷ μὲν ἀπὸ τῶν ἄρκτων
 C.793 τῷ Αἰγυπτίῳ λεγομένῳ τῷ δ' ἀπὸ μεσημβρίας τῷ τῆς
 λίμνης τῆς Μαρείας ἣ καὶ Μαρεῶτις λέγεται· πληροῖ
 δὲ ταύτην πολλαῖς διώρυξιν ὁ Νεῖλος ἄνωθεν τε καὶ 5
 ἐκ πλαγίων, δι' ὧν τὰ εἰσχομιζόμενα πολλῷ πλείω τῶν
 ἀπὸ θαλάττης ἐστὶν ὥσθ' ὁ λιμὴν ὁ λιμναῖος ὑπῆρχε
 πλουσιώτερος τοῦ θαλαττίου· ταύτῃ δὲ καὶ τὰ ἐκχομι-
 ζόμενα ἐξ Ἀλεξανδρείας πλείω τῶν εἰσχομιζομένων
 ἐστί· γνοίῃ δ' ἂν τις ἐν τε τῇ Ἀλεξανδρείᾳ καὶ τῇ Δι- 10
 καιαρχείᾳ γενόμενος, ὅρῳ τὰς ὀλκάδας ἐν τε τῷ κατά-
 πλῳ καὶ ἐν ταῖς ἀναγωγαῖς ὅσον βαρύτεραι τε καὶ κου-
 φότεραι δεῦρο κἀκείσε πλείοιεν· πρὸς δὲ τῷ πλούτῳ
 τῶν καταγομένων ἐκατέρωσε εἰς τε τὸν κατὰ θάλαττιαν
 λιμένα καὶ εἰς τὸν λιμναῖον καὶ τὸ εὐναιερον ἄξιον ση- 15
 μειώσειώς ἐστίν, ὃ καὶ αὐτὸ συμβαίνει διὰ τὸ ἀμφίκλυ-
 στόν καὶ τὸ εὐκαιρον τῆς ἀναβάσεως τοῦ Νείλου· αἱ
 μὲν γὰρ ἄλλαι πόλεις αἱ ἐπὶ λιμναῶν ἰδρυμέναι βαρεῖς
 καὶ πνιγώδεις ἔχουσι τοὺς ἀέρας ἐν τοῖς καύμασι τοῦ
 θέρους· ἐπὶ γὰρ τοῖς χεῖλεσιν αἱ λίμναι τελματοῦνται 20
 διὰ τὴν ἐκ τῶν ἡλίων ἀναθυμίασιν· βορβορώδους οὖν
 ἀναφερομένης τοσαύτης ἰκμάδος, νοσώδης ὁ ἀὴρ ἔλκε-
 ται καὶ λοιμικῶν κατάρχει παθῶν· ἐν Ἀλεξανδρείᾳ δὲ
 τοῦ θέρους ἀρχομένου πληρούμενος ὁ Νεῖλος πληροῖ
 καὶ τὴν λίμνην καὶ οὐδὲν ἑᾶ τελματοῦδες τὸ τὴν ἀνα- 25
 φορὰν ποιῆσον μοχθηράν· τότε δὲ καὶ οἱ ἐτησῖαι πνέ-
 ουσιν ἐκ τῶν βορείων καὶ τοῦ τοσοῦτου πελάγους, ὥστε
 κάλλιστα τοῦ θέρους Ἀλεξανδρεῖς διάγουσιν.
- 8 Ἔστι δὲ χλαμυδοειδὲς τὸ σχῆμα τοῦ ἰδάφους τῆς
 πόλεως, οὗ τὰ μὲν ἐπὶ μήκος πλευρὰ ἐστὶ τὰ ἀμφίκλυ- 30
 στα ὅσον τριάκοντα σταδίων ἔχοντα διάμετρον, τὰ δὲ
 ἐπὶ πλάτος οἱ ἰσθμοί, ἑπτὰ ἢ ὀκτὼ σταδίων ἐκάτερος,

σφιγγόμενος τῇ μὲν ὑπὸ θαλάττης τῇ δ' ὑπὸ τῆς λίμνης.
 ἅπαντα μὲν οὖν ὁδοῖς κατατέμνεται ἐκπηλάτοις καὶ ἄρ-
 ματηλάτοις, δυσὶ δὲ πλατυτάταις ἐπὶ πλεόν ἢ πλέθρον
 ἀναπεπταμέναις, αἱ δὲ δίχα καὶ πρὸς ὀρθὰς τέμνουσιν
 5 ἀλλήλας. ἔχει δ' ἡ πόλις τεμένην τε κοινὰ κάλλιστα καὶ
 τὰ βασίλεια, τέταρτον ἢ καὶ τρίτον τοῦ παντὸς περι-
 βόλου μέρος· τῶν γὰρ βασιλείων ἕκαστος ὥσπερ τοῖς
 κοινοῖς ἀναθήμασι προσεφιλοκάλει τινὰ κόσμον, οὕτω
 καὶ οἰκησιν ἰδίᾳ περιεβάλλετο πρὸς ταῖς ὑπαρχού-
 10 σαις, ὥστε νῦν τὸ τοῦ ποιητοῦ ἐξ ἐτέρων ἕτερόν ἐστιν·
 ἅπαντα μέντοι συναφῇ καὶ ἀλλήλοις καὶ τῷ λιμένι καὶ
 ὅσα ἔξω αὐτοῦ. τῶν δὲ βασιλείων μέρος ἐστὶ καὶ τὸ
 Μουσεῖον, ἔχον περίπατον καὶ ἐξέδραν καὶ οἶκον μέγαν. 794
 ἐν ᾧ τὸ συσσίτιον τῶν μετεχόντων τοῦ Μουσείου φι-
 15 λολόγων ἀνδρῶν. ἐστὶ δὲ τῇ συνόδῳ ταύτῃ καὶ χρήματα
 κοινὰ καὶ ἱερεὺς ὁ ἐπὶ τῷ Μουσείῳ τεταγμένος τότε
 μὲν ὑπὸ τῶν βασιλείων νῦν δ' ὑπὸ Καίσαρος. μέρος δὲ
 τῶν βασιλείων ἐστὶ καὶ τὸ καλούμενον Σῆμα, ὃ περί-
 βολος ἦν ἐν ᾧ αἱ τῶν βασιλείων ταφαὶ καὶ ἡ Ἀλεξάν-
 20 δρον· ἐφθῇ γὰρ τὸ σῶμα ἀφελόμενος Περδίκκαν ὁ τοῦ
 Λάγου Πτολεμαῖος κατακομίζοντα ἐκ τῆς Βαβυλῶνος
 καὶ ἐκτρεπόμενον ταύτῃ κατὰ πλεονεξίαν καὶ ἐξιδια-
 σμὸν τῆς Αἰγύπτου· καὶ δὴ καὶ ἀπώλετο διαφθαρεῖς
 ὑπὸ τῶν στρατιωτῶν, ἐπελθόντος τοῦ Πτολεμαίου καὶ
 25 κατακλίσαντος αὐτὸν ἐν νήσῳ ἐρήμῃ· ἐκεῖνος μὲν οὖν
 ἀπέθανεν ἐμπεριπαρεῖς ταῖς σαρίσσαις ἐπελθόντων ἐπ'
 αὐτὸν τῶν στρατιωτῶν· σὺν αὐτῷ δὲ ... καὶ οἱ βασι-
 λεῖς Ἀριδαῖός τε καὶ τὰ παιδιά τὰ Ἀλεξάνδρου καὶ ἡ
 γυνὴ Ῥωξάνη ἀπῆραν εἰς Μακεδονίαν· τὸ δὲ σῶμα τοῦ
 30 Ἀλεξάνδρου κομίσας ὁ Πτολεμαῖος ἐκήδευσεν ἐν τῇ
 Ἀλεξανδρείᾳ ὅπου νῦν ἐτι κεῖται, οὐ μὴν ἐν τῇ αὐτῇ
 πυέλῳ· ὑαλίνη γὰρ αὕτη, ἐκεῖνος δ' ἐν χρυσῇ κατέθη-

κεν· ἐσύλησε δ' αὐτὴν ὁ Κόκκης καὶ Παρεΐσαντος ἐπικληθεὶς Πτολεμαῖος, ἐκ τῆς Συρίας ἐπαλθὼν καὶ ἐκπεσὼν εὐθύς, ὥστ' ἀνόνητα αὐτῷ τὰ σῦλα γενέσθαι.

- 9 Ἔστι δ' ἐν τῷ μεγάλῳ λιμένι κατὰ μὲν τὸν εἰσπλουν ἐν δεξιᾷ ἡ νῆσος καὶ ὁ πύργος ὁ Φάρος, κατὰ δὲ τὴν 5 ἐτέραν χεῖρα αἱ τε χοιράδες καὶ ἡ Λοχιάς ἄκρα ἔχουσα βασιλείον. εἰσπλεύσαντι δ' ἐν ἀριστερᾷ ἐστὶ συνεχῇ τοῖς ἐν τῇ Λοχιάδι τὰ ἐνδοτέρω βασιλεία, πολλὰς καὶ ποικίλας ἔχοντα διαίτας καὶ ἄλσῃ· τούτοις δ' ὑπόκειται ὅ τε ὀρυκτὸς λιμὴν καὶ κλειστός, ἴδιος τῶν βασιλείων, 10 καὶ ἡ Ἀντίρροδος νησίον προκείμενον τοῦ ὀρυκτοῦ λιμένος, βασιλείον ἅμα καὶ λιμένιον ἔχον· ἐκάλεσαν δ' οὕτως ὡς ἂν τῇ Ῥόδῳ ἐνάμιλλον. ὑπέρκειται δὲ τούτου τὸ θέατρον· εἶτα τὸ Ποσειδῖον, ἀγκών τις ἀπὸ τοῦ ἐμπορίου καλουμένου προπεπτωκώς, ἔχων ἱερὸν Πο- 15 σειδῶνος· ᾧ προσθεὶς χῶμα Ἀντωνίου ἐτι μᾶλλον προνεύον εἰς μέσον τὸν λιμένα ἐπὶ τῷ ἄκρῳ κατασκεύασε διάιταν βασιλικὴν ἣν Τιμώνιον προσηγόρευσε. τοῦτο δ' ἐπραξε τὸ τελευταῖον, ἥνικα προλειφθεὶς ὑπὸ τῶν φίλων ἀπῆρεν εἰς Ἀλεξάνδρειαν μετὰ τὴν ἐν Ἀκτίῳ 20 κακοπραγίαν, Τιμώνειον αὐτῷ κρίνας τὸν λοιπὸν βίον, ὃν διάξειν ἐμελλεν ἔρημος τῶν τοσούτων φίλων. εἶτα τὸ Καισάρειον καὶ τὸ ἐμπόριον καὶ ἀποστάσεις, καὶ μετὰ ταῦτα τὰ νεώρια μέχρι τοῦ ἑπτασταδίου. ταῦτα μὲν τὰ περὶ τὸν μέγαν λιμένα.

- C.795 Ἐξῆς δ' Εὐνόστου λιμὴν μετὰ τὸ ἑπταστάδιον, 25 10 καὶ ὑπὲρ τούτου ὁ ὀρυκτὸς ὃν καὶ Κιβωτὸν καλοῦσιν, ἔχων καὶ αὐτὸς νεώρια. ἐνδοτέρω δὲ τούτου διώρυξ πλωτὴ μέχρι τῆς λίμνης τεταμένη τῆς Μαρεώτιδος· ἔξω μὲν οὖν τῆς διώρυγος μικρὸν ἐτι λείπεται τῆς πό- 30 λεως· εἶθ' ἡ Νεκρόπολις τὸ προάστιον, ἐν ᾧ κῆποι τε πολλοὶ καὶ ταφαὶ καὶ καταγωγὰς πρὸς τὰς ταριχείας

τῶν νεκρῶν ἐπιτήδεια. ἐντὸς δὲ τῆς διώρυγος τό τε
 Σαράπειον καὶ ἄλλα τεμένη ἀρχαῖα ἐκλειμμένα πως
 διὰ τὴν τῶν νέων κατασκευὴν τῶν ἐν Νικοπόλει· καὶ
 γὰρ ἀμφιθέατρον καὶ στάδιον καὶ οἱ πεντετηρικοὶ ἀγῶ-
 5 νες ἐκεῖ συντελοῦνται· τὰ δὲ παλαιὰ ὀλιγώρηται.
 συλλήβδην δ' εἰπεῖν ἡ πόλις μεστή ἐστὶν ἀναθημάτων
 καὶ ἱερῶν· κάλλιστον δὲ τὸ γυμνάσιον μείζους ἢ στα-
 διαίας ἔχον τὰς στοάς· ἐν μέσῳ [δὲ] τό τε δικαστήριον
 καὶ τὰ ἄλλα. ἐστὶ δὲ καὶ Πάνειον, ὕψος τι χειροποίητον
 10 στροβιλοειδὲς ἐμφερὲς ὃχθῳ πετρῶδει διὰ κοχλίου τὴν
 ἀνάβασιν ἔχον· ἀπὸ δὲ τῆς κορυφῆς ἐστὶν ἀπιδεῖν ὅλην
 τὴν πόλιν ὑποκειμένην αὐτῷ πανταχόθεν. ἀπὸ δὲ τῆς
 Νεκροπόλεως ἡ ἐπὶ τὸ μῆκος πλατεῖα διατείνει παρὰ
 τὸ γυμνάσιον μέχρι τῆς πύλης τῆς Κανωβικῆς· εἰθ'
 15 ἵπποδρομος καλούμενός ἐστι καὶ αἱ παρακείμεναι ἄλ-
 λαι μέχρι τῆς διώρυγος τῆς Κανωβικῆς. διὰ δὲ τοῦ ἱπ-
 ποδρόμου διελθόντι ἡ Νικόπολις ἐστὶν, ἔχουσα κατοι-
 κίαν ἐπὶ θαλάττῃ πόλεως οὐκ ἐλάττω· τριάκοντα δέ
 εἰσιν ἀπὸ τῆς Ἀλεξανδρείας στάδιοι. τοῦτον δὲ ἐτίμη-
 20 σεν ὁ Σεβαστὸς Καῖσαρ τὸν τόπον, ὅτι ἐνταῦθα ἐνίκα
 τῇ μάχῃ τοὺς ἐπεξιόντας ἐπ' αὐτὸν μετὰ Ἀντωνίου, καὶ
 λαβὼν ἐξ ἐφόδου τὴν πόλιν ἠνάγκασε τὸν μὲν Ἀντώ-
 νιον ἑαυτὸν διαχειρίσασθαι, τὴν δὲ Κλαιοπάτραν ζῶσαν
 ἐλθεῖν εἰς τὴν ἐξουσίαν· μικρὸν δ' ὕστερον κάκεινῃ
 25 ἑαυτὴν ἐν τῇ φρουρᾷ διεχειρίσατο λάθρα δῆγματι
 ἀσπίδος ἢ φαρμάκῳ ἐπιχρίστω (λέγεται γὰρ ἀμφοτέ-
 ρως), καὶ συνέβη καταλυθῆναι τὴν τῶν Λαγιδῶν ἀρ-
 χὴν πολλὰ συμμείναςαν ἔτη.

Πτολεμαῖος γὰρ ὁ Λάγου διεδέξατο Ἀλέξανδρον, 11
 30 ἐκείνον δὲ [ὁ] Φιλάδελφος, τοῦτον δὲ ὁ Εὐεργέτης, εἰθ'
 ὁ Φιλοπάτωρ ὁ τῆς Ἀγαθοκλείας, εἰθ' ὁ Ἐπιφανής,
 εἰθ' ὁ Φιλομήτωρ, παῖς παρὰ πατρὸς αἰὲ διαδεχόμενος·

τοῦτον δ' ἀδελφὸς διεδέξατο ὁ δεύτερος Εὐεργέτης ὃν
 καὶ Φύσκωνα προσαγορεύουσι, τοῦτον δ' ὁ Λάθουρος
 ἐπικληθεὶς Πτολεμαῖος, τοῦτον δ' ὁ Αὐλητῆς ὁ καθ'
 C. 796 ἡμᾶς, ὅσπερ ἦν τῆς Κλεοπάτρας πατήρ. ἅπαντες μὲν
 οὖν οἱ μετὰ τὸν τρίτον Πτολεμαῖον ὑπὸ τρυφῆς διε- 5
 φθαρμένοι χεῖρον ἐπολιτεύσαντο, χεῖριστα δ' ὁ τέταρ-
 τος καὶ [ὁ] ἑβδομος καὶ ὁ ὕστατος ὁ Αὐλητῆς, ὃς χωρὶς
 τῆς ἄλλης ἀσελγείας χοραυλεῖν ἤσκησε, καὶ ἐπ' αὐτῷ
 γε ἐσεμνύνετο τοσοῦτον ὥστ' οὐκ ὤκνει συντελεῖν ἀγῶ-
 νας ἐν τοῖς βασιλείοις, εἰς οὓς παρῆι διαμιλλησόμενος 10
 τοῖς ἀνταγωνισταῖς. τοῦτον μὲν οὖν οἱ Ἀλεξανδρεῖς
 ἐξέβαλον, τριῶν δ' αὐτῷ θυγατέρων οὓσων, ὣν μία
 γνησία ἢ πρεσβυτάτη, ταύτην ἀνέδειξαν βασίλισσαν·
 οἱ υἱοὶ δ' αὐτοῦ δύο νήπιοι τῆς τότε χρείας ἐξέπιπτον
 τελέως. τῇ δὲ κατασταθείσῃ μετεπέμψαντο ἄνδρα ἐκ 15
 τῆς Συρίας κυβισάκτην τινά, προσποιησάμενον τοῦ
 γένους εἶναι τῶν Συριακῶν βασιλέων· τοῦτον μὲν
 οὖν ὀλίγων ἡμερῶν ἀπεστραγγάλισεν ἡ βασίλισσα οὐ
 φέρουσα τὸ βάνανσον καὶ τὸ ἀνελεύθερον. ἦκε δ' αὐτ'
 ἐκείνου προσποιησάμενος καὶ αὐτὸς εἶναι Μιθριδάτου 20
 υἱὸς τοῦ Εὐπάτορος Ἀρχέλαος, ὃς ἦν μὲν Ἀρχελάου
 υἱὸς τοῦ πρὸς Σύλλαν διαπολεμήσαντος καὶ μετὰ ταῦτα
 τιμηθέντος ὑπὸ Ῥωμαίων, πάππος δὲ τοῦ βασιλεύσαν-
 τος Καππαδόκων ὑστάτου καθ' ἡμᾶς, λερεὺς δὲ τῶν ἐν
 Πόντῳ Κομάνων. Γαβινίῳ δὲ τότε συνδιέτριψεν ὥς 25
 συστρατεύσων ἐπὶ Παρθυαίους, λαθὼν δὲ τοῦτον κο-
 μίζεται διὰ τινων εἰς τὴν βασίλισσαν καὶ ἀναδείκνυται
 βασιλεὺς. ἐν τούτῳ τὸν Αὐλητὴν ἀφικόμενον εἰς Ῥώ-
 μην δεξάμενος Πομπήιος Μάγνος συνίστησι τῇ συγ-
 κλήτῳ καὶ διαπράττεται κάθοδον μὲν τούτῳ, τῶν δὲ 30
 πρέσβειων τῶν πλείστων, ἑκατὸν ὄντων, ὅλεθρον τῶν
 καταπρεσβευσάντων αὐτοῦ· τούτων δ' ἦν καὶ Δίων ὁ

Ἀκαδημαϊκὸς ἀρχιπρεσβευτῆς γεγονώς. καταχθεὶς οὖν
 ὑπὸ Γαβινίου Πτολεμαῖος τὸν τε Ἀρχέλαον ἀναιρεῖ καὶ
 τὴν θυγατέρα, χρόνον δ' οὐ πολὺν τῇ βασιλείᾳ προσ-
 θεὶς τελευτᾷ νόσῳ, καταλιπὼν δύο μὲν υἱεὶς δύο δὲ
 5 θυγατέρας, πρεσβυτάτην δὲ Κλεοπάτραν. οἱ μὲν οὖν
 Ἀλεξανδρεῖς ἀπέδειξαν βασιλέας τὸν τε πρεσβύτερον
 τῶν παίδων καὶ τὴν Κλεοπάτραν, οἱ δὲ συνόντες τῷ
 παιδί καταστασιάσαντες ἐξέβαλον τὴν Κλεοπάτραν,
 καὶ ἀπῆρε μετὰ τῆς ἀδελφῆς εἰς τὴν Συρίαν. ἐν τούτῳ
 10 Πομπήιος Μάγνος ἦκε φεύγων ἐκ Παλαιφαρσάλου
 πρὸς τὸ Πηλούσιον καὶ τὸ Κάσιον ὄρος· τοῦτον μὲν
 οὖν δολοφονοῦσιν οἱ μετὰ τοῦ βασιλέως· ἐπελθὼν δὲ
 Καῖσαρ τὸν τε μεираκίσκον διαφθείρει καὶ καθίστησι
 τῆς Αἰγύπτου βασίλισσαν τὴν Κλεοπάτραν μεταπεμφά-
 15 μενος ἐκ τῆς φυγῆς· συμβασιλεύειν δ' ἀπέδειξε τὸν
 λοιπὸν ἀδελφὸν αὐτῇ νέον παντελῶς ὄντα. μετὰ δὲ τήν 797
 Καῖσαρος τελευτὴν καὶ τὰ ἐν Φιλίπποις διαβὰς Ἀντώ-
 νιος εἰς τὴν Ἀσίαν ἐξετίμησεν ἐπὶ πλεον τὴν Κλεοπά-
 τραν ὥστε καὶ γυναῖκα ἔκρινε καὶ ἐτεκνοποιήσατο ἐξ
 20 αὐτῆς, τὸν τε Ἀκτιακὸν πόλεμον συνήρατο ἐκείνῃ καὶ
 συνέφυγε· καὶ μετὰ ταῦτα ἐπακολουθήσας ὁ Σεβαστὸς
 Καῖσαρ ἀμφοτέρους κατέλυσε καὶ τὴν Αἴγυπτον ἐπαυσε
 παροινουμένην. ἐπαρχία δὲ νῦν ἐστὶ, φόρους μὲν τε- 12
 λούσα ἀξιολόγους, ὑπὸ σωφρόνων δὲ ἀνδρῶν διοικου-
 25 μένῃ τῶν πεμπομένων ἐπαρχῶν ἀεί. ὁ μὲν οὖν πεμφθεὶς
 τὴν τοῦ βασιλείως ἔχει τάξιν, ὑπ' αὐτῷ δ' ἐστὶν ὁ δικαιο-
 δότης ὁ τῶν πολλῶν κρίσεων κύριος· ἄλλος δ' ἐστὶν ὁ
 προσαγορευόμενος ἰδιόλογος, ὃς τῶν ἀδеспότων καὶ
 τῶν εἰς Καῖσαρα πίπτειν ὀφειλόντων ἐξαταστὴς ἐστὶ·
 30 καρέπονται δὲ τούτοις ἀπελεύθεροι Καῖσαρος καὶ οἰκο-
 νόμοι, μείζω καὶ ἐλάττω πεπιστευμένοι πράγματα. ἐστὶ
 δὲ καὶ στρατιωτικὸν τρία τέγματα, ὧν τὸ ἓν κατὰ τὴν

πολιν ἰδρυται τᾶλλα δ' ἐν τῇ χώρᾳ· χωρὶς δὲ τούτων ἐννέα μὲν εἰσὶ σπεῖραι Ῥωμαίων, τρεῖς μὲν ἐν τῇ πόλει τρεῖς δ' ἐπὶ τῶν ὄρων τῆς Αἰθιοπίας ἐν Συήνῃ, φρουρὰ τοῖς τόποις, τρεῖς δὲ κατὰ τὴν ἄλλην χώραν. εἰσὶ δὲ καὶ ἱππαρχίαι τρεῖς ὁμοίως διατεταγμέναι κατὰ τοὺς ἐπι- 5 καιρίους τόπους. τῶν δ' ἐπιχωρίων ἀρχόντων κατὰ πόλιν μὲν ὅ τε ἐξηγητὴς ἐστί, πορφύραν ἀμπερόμενος καὶ ἔχων πατρίους τιμὰς καὶ ἐπιμέλειαν τῶν τῇ πόλει χρησίμων, καὶ ὁ ὑπομνηματογράφος καὶ [ὁ] ἀρχιδικαστής, τέταρτος δὲ ὁ νυκτερινὸς στρατηγός. ἦσαν μὲν 10 οὖν καὶ ἐπὶ τῶν βασιλέων αὐταὶ αἱ ἀρχαί, κακῶς δὲ πολιτευομένων τῶν βασιλέων ἠφανεῖτο καὶ ἡ τῆς πόλεως εὐκαιρία διὰ τὴν ἀνομίαν. ὁ γοῦν Πολύβιος γεγωνὼς ἐν τῇ πόλει βδελύττεται τὴν τότε κατάστασιν καὶ φησι τρία γένη τὴν πόλιν οἰκεῖν, τὸ τε Αἰγύπτιον καὶ ἐπι- 15 χώριον φύλον ὃξὺ καὶ * πολιτικόν, καὶ τὸ μισθοφορικὸν βαρὺ καὶ πολὺ καὶ ἀνάγωγον· ἐξ ἔθους γὰρ παλαιοῦ ξένους ἐτρεφον τοὺς τὰ ὄπλα ἔχοντας, ἄρχειν μᾶλλον ἢ ἄρχεσθαι δεδιδαγμένους διὰ τὴν τῶν βασιλέων οὐδένειαν· τρίτον δ' ἦν γένος τὸ τῶν Ἀλεξαν- 20 δρέων οὐδ' αὐτὸ εὐκρινῶς πολιτικὸν διὰ τὰς αὐτὰς αἰτίας, κρεῖττον δ' ἐκείνων ὅμως· καὶ γὰρ εἰ μιγάδες, Ἕλληνες ὅμως ἀνέκαθεν ἦσαν καὶ ἐμμένοντο τοῦ κοινοῦ τῶν Ἑλλήνων ἔθους· ἠφανισμένου δὲ καὶ τούτου τοῦ πλήθους μάλιστα ὑπὸ τοῦ Εὐεργέτου τοῦ Φύσκω- 25 C.798νος, καθ' ὃν ἦκεν εἰς τὴν Ἀλεξάνδρειαν ὁ Πολύβιος (καταστασιαζόμενος γὰρ ὁ Φύσκων πλειονάκις τοῖς στρατιώταις ἐφίει τὰ πλήθη καὶ διέφθειρε), τοιούτων δὴ, φησὶν, ὄντων τῶν ἐν τῇ πόλει λοιπὸν ἦν τῷ ὄντι τὸ τοῦ ποιητοῦ „Αἰγυπτὸνδ' ἰέναι δολιχὴν ὁδὸν ἀρ- 30 „γαλέην τε.“

13 Τοιαῦτα δ' ἦν, εἰ μὴ χεῖρω, καὶ τὰ τῶν ὕστερον

βασιλείων. Ῥωμαῖοι δ' εἰς δύναμιν, ὥς εἰπεῖν, ἐπηνώρ-
 θωσαν τὰ πολλά, τὴν μὲν πόλιν διατάξαντες ὥς εἶπον,
 κατὰ δὲ τὴν χώραν ἐπιστρατήγους τινὰς καὶ νομάρχας
 καὶ ἐθνάρχας καλουμένους ἀποδείξαντες, πραγμάτων
 5 οὐ μεγάλων ἐπιστατεῖν ἡξιωμένους. τῆς δ' εὐκαιρίας
 τῆς κατὰ τὴν πόλιν τὸ μέγιστόν ἐστιν ὅτι τῆς Αἰγύπτου
 πάσης μόνος ἐστὶν οὗτος ὁ τόπος πρὸς ἄμφω πεφυκὼς
 εὖ, τὰ τε ἐκ θαλάττης διὰ τὸ εὐλίμενον, καὶ τὰ ἐκ τῆς
 χώρας ὅτι πάντα εὐμαρῶς ὁ ποταμὸς πορθιμεύει συνά-
 10 γει τε εἰς τοιοῦτον χωρίον ὑπερ μέγιστον ἐμπόριον τῆς
 οἰκουμένης ἐστί. τῆς μὲν οὖν πόλεως ταύτας ἂν τις
 λέγοι τὰς ἀρετάς· τῆς Αἰγύπτου δὲ τὰς προσόδους ἐν
 τινὶ λόγῳ Κικέρων φράζει φήσας κατ' ἐνιαυτὸν τῷ τῆς
 Κλεοπάτρας πατρὶ τῷ Αὐλήτῃ προσφέρεισθαι φόρον
 15 ταλάντων μυρίων δισχιλίων πεντακοσίων. ὅπου οὖν
 ὁ κάκιστα καὶ ῥαθυμότατα τὴν βασιλείαν διοικῶν το-
 σαῦτα προσωδεύετο, τί χρὴ νομίσαι τὰ νῦν διὰ τοσαύ-
 της ἐπιμελείας οἰκονομούμενα καὶ τῶν Ἰνδικῶν ἐμπο-
 ριῶν καὶ τῶν Τρωγλοδυτικῶν ἐπηνυξημένων ἐπὶ τοσοῦ-
 20 τον; πρότερον μὲν γε οὐδ' εἰκοσι πλοῖα ἐθάρρει τὸν
 Ἀράβιον κόλπον διαπερᾶν ὥστε ἔξω τῶν στενῶν ὑπερ-
 κύπτειν, νῦν δὲ καὶ στόλοι μεγάλοι στέλλονται μέχρι
 τῆς Ἰνδικῆς καὶ τῶν ἄκρων τῶν Αἰθιοπικῶν, ἐξ ὧν ὁ
 πολυτιμώτατος κομίζεται φόρτος εἰς τὴν Αἴγυπτον,
 25 κἀντεῦθεν πάλιν εἰς τοὺς ἄλλους ἐκπέμπεται τόπους,
 ὥστε τὰ τέλη διπλάσια συνάγεται τὰ μὲν εἰσαγωγικά
 τὰ δὲ ἐξαγωγικά· τῶν δὲ βαρυτίμων βαρέα καὶ τὰ
 τέλη. καὶ γὰρ δὴ καὶ μονοπωλίας ἔχει· μόνη γὰρ ἡ
 Ἀλεξάνδρεια τῶν τοιούτων ὥς ἐπὶ τὸ πολὺ καὶ ὑποδο-
 30 χεῖρόν ἐστι καὶ χορηγεῖ τοῖς ἐκτός. ἔτι δὲ μᾶλλον κατι-

δεῖν ἔστι τὴν εὐφυῖαν ταύτην περιοδεύοντι τὴν χώραν, καὶ πρῶτον τὴν παραλίαν ἀρξαμένην ἀπὸ τοῦ Καταβαθμοῦ· μέχρι δεῦρο γάρ ἐστιν ἡ Αἴγυπτος, ἡ δ' ἐξῆς ἐστὶ Κυρηναία καὶ οἱ περιοικῶντες βάρβαροι Μαρμαρίδαι.

5

14 Ἀπὸ μὲν οὖν Καταβαθμοῦ εἰς Παραιτόνιον εὐθυπλοοῦντι σταδίῳ ἐστὶν ἑνακοσίῳ ὁ δρόμος· πόλις δ' ἐστὶ καὶ λιμὴν μέγας τετταράκοντά που σταδίων.

C.799 καλοῦσι δ' οἱ μὲν Παραιτόνιον τὴν πόλιν οἱ δ' Ἀμμωνίαν. μεταξὺ δὲ ἡ τε Αἴγυπτίων κώμη καὶ ἡ Αἴνη-
 10 σίσφυρα ἄκρα, καὶ Τυνθάρειοι σκόπελοι, νησίδια τέταρα ἔχοντα λιμένα· εἰθ' ἐξῆς ἄκρα Δρέπανον καὶ νήσος Αἰνησίπεια ἔχουσα λιμένα καὶ κώμη Ἀπιδ, ἀφ' ἧς εἰς μὲν Παραιτόνιον στάδιοι ἑκατὸν εἰς δὲ Ἀμμωνος ὁδὸς ἡμερῶν πέντε· ἀπὸ δὲ τοῦ Παραιτονίου [εἰς Ἀλε-
 15 ξάνδρειαν] χίλιοι που καὶ τριακόσιοι στάδιοι. μεταξὺ δὲ πρῶτον μὲν ἄκρα λευκόγειος, Λευκὴ ἀκτὴ καλούμενη· ἔπειτα Φοινικοῦς λιμὴν καὶ Πνιγεὺς κώμη· εἰτα νήσος Σιδωνία λιμένα ἔχουσα· εἰτ' Ἀντίφραι μικρὸν ἀπωτέρω τῆς θαλάττης· ἅπασα μὲν ἡ χώρα αὕτη οὐκ
 20 εὖοινος, πλείω δεχομένου τοῦ κεράμου θάλατταν ἢ οἶνον ὃν δὴ καλοῦσι Λιβυκόν, ὃ δὴ καὶ τῷ ζύθῳ τὸ πολὺ φύλον χρῆται τῶν Ἀλεξανδρέων· σκώπτονται δὲ μάλιστα αἱ Ἀντίφραι. εἰθ' ὁ Δέρρις λιμὴν καλούμενος οὕτως διὰ τὴν πλησίον πέτραν μέλαιναν δέρρει ἰοί-
 25 κῦαν· ὀνομάζουσι δὲ καὶ Ζεφύριον τὸν πλησίον τόπον· εἰτ' ἄλλος λιμὴν Λεύκασπις καὶ ἄλλοι πλείους· εἰτα Κυνὸς σῆμα· εἰτα Ταπόσειρις οὐκ ἐπὶ θαλάττῃ, πανήγυριν δεχομένη μεγάλην· καὶ ἄλλη δ' ἐστὶ Ταπόσειρις ἐπέκεινα τῆς πόλεως ἱκανῶς· αὐτῆς δὲ πλησίον
 30 πετρῶδες ἐπὶ τῇ θαλάττῃ χωρίον καὶ αὐτὸ δεχόμενον πολλοὺς τοὺς κωμάζοντας ἅπασαν ὥραν ἔτους· εἰθ' ἡ

Πλινθίνῃ καὶ Νικίου κώμῃ καὶ Χερρόνησος φρούριον, πλησίον ἤδη τῆς Ἀλεξανδρείας καὶ τῆς Νεκροπόλεως ἐν ἑβδομήκοντα σταδίοις. ἡ δὲ Μάρεια λίμνη παρατείνουσα μέχρι καὶ δεῦρο πλάτος μὲν ἔχει πλειόνων ἢ 5 πεντήκοντα καὶ ἑκατὸν σταδίων, μῆκος δ' ἐλαττόνων ἢ τριακοσίων. ἔχει δ' ὀκτὼ νήσους καὶ τὰ κύκλω πάντ' οἰκούμενα καλῶς· εὐοινία τέ ἐστὶ περὶ τοὺς τόπους ὥστε καὶ διαχεῖσθαι πρὸς παλαιώσεις τὸν Μαριώτην οἶνον.

- 10 Φύεται δ' ἐν τοῖς Αἰγυπτιακοῖς ἔλεσι καὶ ταῖς λίμναις ἢ τε βύβλος καὶ ὁ Αἰγύπτιος κύαμος ἐξ οὗ τὸ κιβώριον, σχεδόν τι ἰσοῦψεις ῥάβδοι ὅσον δεκάπαδες. ἀλλ' ἡ μὲν βύβλος ψιλὴ ῥάβδος ἐστὶν ἐπ' ἄκρῳ χαίτην ἔχουσα, ὁ δὲ κύαμος κατὰ πολλὰ μέρη φύλλα καὶ ἄνθη
15 ἐκφέρει καὶ καρπὸν ὅμοιον τῷ παρ' ἡμῖν κυάμῳ, μεγέθει μόνον καὶ γεύσει διαλλάττοντα. οἱ οὖν κυαμῶνες ἠδείαν ὄψιν παρέχουσι καὶ τέρψιν τοῖς ἐνευωχεῖσθαι βουλομένοις· εὐωχοῦνται δ' ἐν σκάφαις θαλαμηγοῖς, ἐνδύνοντες εἰς τὸ πύκνωμα τῶν κυάμων καὶ σκιαζόμε- C.800
20 νοι τοῖς φύλλοις· ἐστὶ γὰρ σφόδρα μεγάλα ὥστε καὶ ἀντὶ ποτηρίων καὶ τρυβλίων χρῆσθαι· ἔχει γὰρ τινα καὶ κοιλότητα ἐπιτηδείαν πρὸς τοῦτο· καὶ δὴ καὶ ἡ Ἀλεξάνδρεια μεστὴ τούτων ἐστὶ κατὰ τὰ ἐργαστήρια ὥς σκεύεσι χρωμένων· καὶ οἱ ἄγροὶ μίαν τινὰ τῶν
25 προσόδων καὶ ταύτην ἔχουσι τὴν ἀπὸ τῶν φύλλων. ὁ μὲν δὴ κύαμος τοιοῦτος, ἡ δὲ βύβλος ἐνταῦθα μὲν οὐ πολλὴ φύεται (οὐ γὰρ ἀσκεῖται), ἐν δὲ τοῖς κάτω μέρεσι τοῦ Δέλτα πολλή, ἡ μὲν χείρων, ἡ δὲ βελτίων ἢ ἱερατικῇ· κἀνταῦθα δὲ τινες τῶν τὰς προσόδους ἐπεκτεί-
30 νειν βουλομένων μετήνεγκαν τὴν Ἰουδαϊκὴν ἐντρέχειαν, ἣν ἐκεῖνοι παρεῦρον ἐπὶ τοῦ φοίνικος καὶ μάλιστα τοῦ καρυωτοῦ, καὶ τοῦ βαλσάμου· οὐ γὰρ ἰῶσι

πολλαχοῦ φύεσθαι, τῇ δὲ σπάνει τιμὴν ἐπιτιθέντες τὴν πρόσοδον οὕτως αὖξουσιν, τὴν δὲ κοινὴν χρεῖαν διαλυμαίνονται.

- 16 Ἐν δεξιᾷ δὲ τῆς Κανωβικῆς πύλης ἐξιώντι ἡ διώρυξ ἔστιν ἡ ἐπὶ Κάνωβον συνάπτουσα τῇ λίμνῃ· 5 ταύτῃ δὲ καὶ ἐπὶ Σχεδίαν ὁ πλοῦς ἐπὶ τὸν μέγαν ποταμὸν καὶ ἐπὶ τὸν Κάνωβον, πρῶτον δὲ ἐπὶ τὴν Ἐλευσίνα· ἔστι δ' αὕτη κατοικία πλησίον τῆς τε Ἀλεξανδρείας καὶ τῆς Νικοπόλεως ἐπ' αὐτῇ τῇ Κανωβικῇ διώρυγι κειμένη, διαίτας ἔχουσα καὶ ἀπόψεις τοῖς κα- 10 πυριζέειν βουλομένοις καὶ ἀνδράσι καὶ γυναιξίν, ἀρχὴ τις Κανωβισμοῦ καὶ τῆς ἐκεῖ λαμυρίας. ἀπὸ δὲ τῆς Ἐλευσίνος προελθούσι μικρὸν ἐν δεξιᾷ ἔστιν ἡ διώρυξ ἀνάγουσα ἐπὶ τὴν Σχεδίαν· διέχει δὲ τετράσχοι- 15 νον τῆς Ἀλεξανδρείας ἡ Σχεδία, κατοικία πόλεως, ἐν ᾗ τὸ ναύσταθμον τῶν θαλαμηγῶν πλοίων, ἐφ' οἷς οἱ ἡγεμόνες εἰς τὴν ἄνω χώραν ἀναπλέουσιν· ἐνταῦθα δὲ καὶ τὸ τελώνιον τῶν ἄνωθεν καταγομένων καὶ ἀναγομένων· οὗ χάριν καὶ σχεδία ἐξενκται ἐπὶ τῷ ποταμῷ, ἀφ' ἧς καὶ τοῦνομα τῷ τόπῳ. μετὰ δὲ τὴν διώρυγα 20 τὴν ἐπὶ Σχεδίαν ἄγουσαν ὁ ἐξῆς ἐπὶ τὸν Κάνωβον πλοῦς ἔστι παράλληλος τῇ παραλίᾳ τῇ ἀπὸ Φάρου μέχρι τοῦ Κανωβικοῦ στόματος· στενὴ γάρ τις ταινία μεταξὺ διήκει τοῦ τε πελάγους καὶ τῆς διώρυγος, ἐν ᾗ ἔστιν ἡ τε μικρὰ Ταπόσειρις μετὰ τὴν Νικόπολιν καὶ 25 τὸ Ζεφύριον, ἄκρα ναῖσκον ἔχουσα Ἀρσινόης Ἀφροδίτης· τὸ δὲ παλαιὸν καὶ Θῶνιν τινα πόλιν ἐνταῦθ' αὖ φασιν, ἐκώνυμον τοῦ βασιλέως τοῦ δεξαμένου Μενελάου τε καὶ Ἑλένης ξενία. περὶ οὖν τῶν τῆς Ἑλένης φαρ- 30 μάκων φησὶν οὕτως ὁ ποιητής „ἐσθλά, τά οἱ Πολύ- 30 „δαμνα πόρεν Θῶνος παράκοιτις.“

- 17 Κάνωβος δ' ἔστι πόλις ἐν εἴκοσι καὶ ἑκατὸν στα-

5 δίοις ἀπὸ Ἀλεξανδρείας πεζῇ ἰούσιν, ἐπώνυμος Κανώ-
 βου τοῦ Μενελάου κυβερνήτου ἀποθανόντος αὐτόθι,
 ἔχουσα τὸ τοῦ Σαράπιδος ἱερὸν πολλῇ ἀγιστεῖα τιμώ-
 μενον καὶ θεραπείας ἐκφέρων, ὥστε καὶ τοὺς ἔλλογιμω-
 10 τάτους ἄνδρας πιστεύειν καὶ ἐγκοιμᾶσθαι αὐτοὺς ὑπὲρ
 ἑαυτῶν ἢ ἐτέρους. συγγράφουσι δὲ τινες καὶ τὰς θε-
 ραπείας, ἄλλοι δὲ ἀρετὰς τῶν ἐνταῦθα λογίων. ἀντὶ
 πάντων δ' ἐστὶν ὁ τῶν πανηγυριστῶν ὄχλος τῶν ἐκ
 τῆς Ἀλεξανδρείας κατιόντων τῇ διώρυγι· πᾶσα γὰρ
 15 ἡμέρα καὶ πᾶσα νύξ πληθύνει τῶν ἐν τοῖς πλοιαρίοις
 καταυλουμένων καὶ κατορχοιμένων ἀνέδην μετὰ τῆς
 ἐσχάτης ἀκολασίας καὶ ἀνδρῶν καὶ γυναικῶν, τῶν δ'
 ἐν αὐτῷ τῷ Κανώβῳ καταγωγὰς ἔχόντων ἐπικειμένους
 τῇ διώρυγι εὐφυνεῖς πρὸς τὴν τοιαύτην ἄνεσιν καὶ
 20 εὐωχίαν.

Μετὰ δὲ τὸν Κανώβον ἔστι τὸ Ἡράκλειον Ἡρα- 18
 κλέους ἔχον ἱερὸν· εἴτα τὸ Κανωβικὸν στόμα καὶ ἡ
 ἀρχὴ τοῦ Δέλτα. τὰ δ' ἐν δεξιᾷ τῆς Κανωβικῆς διώρυ-
 γος ὁ Μενελαΐτης ἐστὶ νομὸς ἀπὸ τοῦ ἀδελφοῦ τοῦ
 25 πρώτου Πτολεμαίου καλούμενος, οὐ μὰ Δία ἀπὸ τοῦ
 ἥρωος, ὡς ἐνιοὶ φασιν ὦν καὶ Ἀρτεμίδωρος. μετὰ δὲ
 τὸ Κανωβικὸν στόμα ἔστι τὸ Βολβιτικόν, εἴτα τὸ Σε-
 βεννυτικὸν καὶ τὸ Φατνιτικόν, τρίτον ὑπάρχον τῷ με-
 γέθει παρὰ τὰ πρῶτα δύο, οἷς ὠρισταὶ τὸ Δέλτα· καὶ
 30 γὰρ οὐ πόρρω τῆς κορυφῆς σχίζεται εἰς τὸ ἐντὸς τοῦ
 Δέλτα. τῷ δὲ Φατνιτικῷ συνάπτει τὸ Μενδήσιον, εἴτα
 τὸ Τανιτικὸν καὶ τελευταῖον τὸ Πηλουσιακόν. ἔστι δὲ
 καὶ ἄλλα τούτων μεταξὺ ὥς ἂν ψευδοστόματα ἀσημό-
 τερα. ἔχει μὲν οὖν εἰσαγωγὰς τὰ στόματα, ἀλλ' οὐκ
 35 εὐφυνεῖς οὐδὲ μεγάλους πλοίοις ἀλλ' ὑπηρετικοῖς διὰ
 τὸ βράχια εἶναι καὶ ἐλώδη. μάλιστα μέντοι τῷ Κανω-
 βικῷ στόματι ἐχρῶντο ὡς ἐμπορίῳ, τῶν κατ' Ἀλεξάν-

- δρειαν λιμένων ἀποκεκλειμένων, ὥς προείπομεν. μετὰ δὲ τὸ Βολβίτινον στόμα ἐπὶ πλεόν ἐκκεῖται ταπεινὴ καὶ ἀμμώδης ἄκρα· καλεῖται δὲ Ἀγνοῦ κέρας· εἰθ' ἡ Περσέως σκοπὴ καὶ τὸ Μιλησίων τεῖχος· πλεύσαντες γὰρ ἐπὶ Φαρμυτίχου τριάκοντα ναυσὶ Μιλήσιοι (κατὰ 5 Κυαζάρη δ' οὗτος ἦν τὸν Μῆδον) κατέσχον εἰς τὸ στόμα τὸ Βολβίτινον, εἰτ' ἐκβάντες ἐτείχισαν τὸ λεχθὲν κτίσμα· χρόνῳ δ' ἀναπλεύσαντες εἰς τὸν Σαῖτικὸν νομὸν καταναυμαγήσαντες Ἰνάρων πόλιν ἐκτισαν Ναύ-
 C.802κρατιν οὐ πολὺ τῆς Σχεδίας ὑπερθεν. μετὰ δὲ τὸ τῶν 10 Μιλησίων τεῖχος ἐπὶ τὸ Σεβεννυτικὸν προϊόντι στόμα λίμναι εἰσίν, ὧν ἡ ἐτέρα Βουτικὴ καλεῖται ἀπὸ Βούτου πόλεως, καὶ ἡ Σεβεννυτικὴ δὲ πόλις καὶ ἡ Σαῖς, μητρόπολις τῆς κάτω χώρας, ἐν ἣ τιμῶσι τὴν Ἀθηναῖαν· ἐν δὲ τῷ ἱερῷ αὐτῆς ἡ θήκη κεῖται τοῦ Φαρμυτίχου· περὶ 15 δὲ τὴν Βούτον καὶ Ἑρμοῦ πόλις ἐν νήσῳ κειμένη· ἐν δὲ τῇ Βούτῳ Ἀητοῦς ἐστὶ μαντεῖον.
- 19 Ἐν δὲ τῇ μεσογείῳ τῇ ὑπὲρ τοῦ Σεβεννυτικοῦ καὶ Φατυντικοῦ στόματος Ξοῖς ἐστὶ καὶ νήσος καὶ πόλις ἐν τῷ Σεβεννυτικῷ νομῷ. ἐστὶ δὲ καὶ Ἑρμοῦ πόλις καὶ 20 Ἀνκου πόλις καὶ Μένδης, ὅπου τὸν Πᾶνα τιμῶσι καὶ τῶν ζώων τράγον· ὥς δὲ Πίνδαρός φησιν, οἱ τράγοι ἐνταῦθα γυναιξὶ μέγνυνται. πλησίον δὲ Μένδητος καὶ Διὸς πόλις καὶ αἱ περὶ αὐτὴν λίμναι καὶ Λεοντόπολις· εἰτ' ἀπωτέρῳ ἡ Βούσιφρις πόλις ἐν τῷ Βουσιφρίτῃ νομῷ 25 καὶ Κυνὸς πόλις. φησὶ δ' Ἑρατοσθένης κοινὸν μὲν εἶναι τοῖς βαρβάροις πᾶσιν ἔθος τὴν ξηνηλασίαν, τοὺς δ' Αἰγυπτίους ἐλέγχεσθαι διὰ τῶν περὶ τὸν Βούσιφριν μεμυθευμένων ἐν τῷ Βουσιφρίτῃ νομῷ, διαβάλλειν τὴν

23. post μέγνυνται: Μένδητα παρὰ κρημνὸν θαλάσσης Ἰσχατον Νεῖλου κέρας, αἰγίβατοι ὄθι τράγοι γυναιξὶ μέλονται.

ἀξενίαν βουλομένων του τοῦ τόπου τούτου τῶν ὕστερον, οὐ βασιλείῳς μὰ Δία οὐδὲ τυράννου γενομένου τινὸς Βουσίριδος· προσεπιφημισθῆναι δὲ καὶ τὸ „Αἴγυ-
 „πτὸνδ' ἰέναι δολιχὴν ὁδὸν ἀργαλέην τε,“ προσλαμ-
 5 βάνοντος πρὸς τοῦτο πάμπολυ καὶ τοῦ ἀλιμένου καὶ τοῦ μηδὲ τὸν ὄντα λιμένα ἀνείσθαι τὸν πρὸς τῇ Φάρῳ, φρουρεῖσθαι δ' ὑπὸ βουκόλων ληστῶν ἐπιτιθεμένων τοῖς προσορμιζομένοις, Καρχηδονίους δὲ καταπον-
 10 τοῦν εἰ τις τῶν ξένων εἰς Σαρδῶ παραπλεύσειεν ἢ ἐπὶ στήλας· διὰ δὲ ταῦτ' ἀπιστεῖσθαι τὰ πολλὰ τῶν ἑσπερίων· καὶ τοὺς Πέρσας δὲ κακῶς ἡγεῖσθαι τοῖς πρέσβεισι τὰς ὁδοὺς κύκλῳ καὶ διὰ δυσκόλων.

Συνάπτει δὲ καὶ ὁ Ἀθριβίτης νομὸς καὶ Ἀθριβις 20 πόλις καὶ ἔτι ὁ Προσωπίτης νομὸς, ἐν ᾧ Ἀφροδίτης πόλις. ὑπὲρ δὲ τὸ Μενδήσιον στόμα καὶ τὸ Ταντικὸν λίμνη μεγάλη καὶ ὁ Μενδήσιός ἐστι νομὸς καὶ ὁ Λεον-
 15 τοπολίτης καὶ πόλις Ἀφροδίτης καὶ ὁ Φαρβητίτης νο- μὸς· εἰτα τὸ Ταντικὸν στόμα ὃ τινες Σαλτικὸν λέγουσι, καὶ ὁ Τανίτης νομὸς καὶ πόλις ἐν αὐτῷ μεγάλη Τάνις.
 20 Μεταξὺ δὲ τοῦ Ταντικοῦ καὶ τοῦ Πηλουσιακοῦ 21 λίμναι καὶ ἔλη μεγάλα καὶ συνεχῇ κώμας πολλὰς ἔχον-
 25 ται· καὶ αὐτὸ δὲ τὸ Πηλούσιον κύκλῳ περικείμενα ἔχει C.803 ἔλη, ἃ τινες βάραθρα καλοῦσι, καὶ τέλματα· ὥκισται δ' ἀπὸ θαλάττης ἐν πλείοσιν ἢ εἰκοσι σταδίοις, τὸν δὲ
 30 κύκλον ἔχει τοῦ τείχους σταδίων εἰκοσιν· ὠνόμασται δ' ἀπὸ τοῦ πηλοῦ καὶ τῶν τελμάτων. ταύτῃ δὲ καὶ δυσείσβολός ἐστιν ἡ Αἴγυπτος ἐκ τῶν ἐωθινῶν τόπων τῶν κατὰ Φοινίκην καὶ τὴν Ἰουδαίαν· καὶ ἐκ τῆς Ἀραβίας δὲ τῆς Ναβαταίων ἥπερ ἐστὶ προσεχρῆς, διὰ
 τοῦτων ἐπὶ τὴν Αἴγυπτον ἡ ὁδός. ἡ δὲ μεταξὺ τοῦ Νείλου καὶ τοῦ Ἀραβίου κόλπου Ἀραβία μὲν ἐστὶ, καὶ ἐπὶ γε τῶν ἄκρων αὐτῆς ἴδονται τὸ Πηλούσιον· ἀλλ'

ἔρημος ἅπασά ἐστι καὶ ἄβατος στρατοπέδῳ. ὁ δὲ μεταξὺ ἰσθμὸς Πηλουσίου καὶ τοῦ μυχοῦ τοῦ καθ' Ἡρώων πόλιν χιλίων μὲν ἐστὶ σταδίων, ὥς δὲ Ποσειδώνιος φησιν ἐλαττόνων ἢ χιλίων καὶ πεντακοσίων· πρὸς δὲ τῷ ἄνδρῳ εἶναι καὶ ἀμμόδης ἐρπειῶν πλήθος ἔχει 5 τῶν ἀμμοδυντῶν.

- 22 Ἀπὸ δὲ Σχεδίας ἀναπλείουσιν ἐπὶ Μέμφιν ἐν δεξιᾷ μὲν εἰσὶ πάμπολλαι κῶμαι μέχρι τῆς Μαρείας λίμνης, ὧν ἐστὶ καὶ ἡ Χαβρίου κώμη καλουμένη· ἐπὶ δὲ τῷ ποταμῷ Ἐρμου πόλις ἐστίν· εἰτα Γυναικῶν πόλις 10 καὶ νομὸς Γυναικοπολίτης· ἐφεξῆς δὲ Μώμεμφις καὶ Μωμεμφίτης νομὸς· μεταξὺ δὲ διώρυνγες πλείους εἰς τὴν Μαρεώτιν. οἱ δὲ Μωμεμφῖται τὴν Ἀφροδίτην τιμῶσι, καὶ τρέφεται θήλεια βοῦς ἱερά, καθάπερ ἐν Μέμφει ὁ Ἄπις, ἐν Ἠλίου δὲ πόλει ὁ Μνεῦις· οὗτοι 15 μὲν οὖν θεοὶ νομίζονται, οἱ δὲ παρὰ τοῖς ἄλλοις, παρὰ πολλοῖς γὰρ δὴ ἐν τε τῷ Δέλτα καὶ ἄλλῳ αὐτοῦ τοῖς μὲν ἄρρην τοῖς δὲ θήλεια τρέφεται, οὗτοι δὲ θεοὶ μὲν οὐ νομίζονται ἱεροὶ δέ.

- 23 Ὑπὲρ δὲ Μωμέμφεώς εἰσὶ δύο νιτρίαι πλείστον 20 νίτρον ἔχουσαι καὶ νομὸς Νιτριώτης. τιμᾶται δ' ἐν ταῦθα ὁ Σάραπις καὶ παρὰ μόνοις τούτοις θύεται ἐν Αἰγύπτῳ πρόβατον· πλησίον δὲ καὶ ἐν ταῦθα πόλις Μενέλαος, ἐν ἀριστερᾷ δὲ ἐν τῷ Δέλτα ἐπὶ μὲν τῷ ποταμῷ Ναύκρατις, ἀπὸ δὲ τοῦ ποταμοῦ δίσχοινον διέ- 25 χουσα ἡ Σαῖς καὶ μικρὸν ταύτης ὑπερθε τὸ τοῦ Ὀσίριδος ἄσυλον, ἐν ᾧ καίσθαι τὸν Ὀσίριν φασιν. ἀμφισβητοῦσι δὲ τούτου πολλοί, καὶ μάλιστα οἱ τὰς Φιλὰς οἰκοῦντες τὰς ὑπὲρ Συήνης καὶ τῆς Ἐλεφαντίνης. μυθεύουσι γὰρ δὴ διότι ἡ Ἴσις κατὰ πολλοὺς τόπους κατὰ 30 γῆς θαίη σοροὺς τοῦ Ὀσίριδος (μία δὲ τούτων ἦν ἔχουσα τὸν Ὀσίριν ἀφανῆς πᾶσι), τοῦτο δὲ πράξεις λαθεῖν

βουλομένη τὸν Τυφῶνα, μὴ ἐπελθὼν ἐκρίψει το
σῶμα τῆς θήκης.

Ἀπὸ μὲν δὴ τῆς Ἀλεξανδρείας ἐπὶ τὴν τοῦ Δέλτα 24
κορυφὴν αὕτη ἡ περιήγησις. φησὶ δ' ὁ Ἀρτεμίδωρος
5 σχοίνων ὀκτῶ καὶ εἰκοσι τὸν ἀνάπλου, τοῦτο δ' εἶναι C.804
σταδίους ὀκτακοσίους τετταράκοντα, λογιζόμενος τρια-
κονταστάδιον τὴν σχοῖνον· ἡμῖν μὲντοι πλέουσιν ἄλ-
лот' ἄλλῳ μέτρῳ χρώμενοι τῶν σχοίνων ἀπεδίδουσιν
τὰ διαστήματα, ὥστε καὶ τετταρακοντασταδίους καὶ
10 ἔτι μείζους κατὰ τόπους ὁμολογεῖσθαι παρ' αὐτῶν. καὶ
διότι παρὰ τοῖς Αἰγυπτίοις ἄστατόν ἐστι τὸ τῆς σχοί-
νου μέτρον, αὐτὸς ὁ Ἀρτεμίδωρος ἐν τοῖς ἐξῆς δηλοῖ.
ἀπὸ μὲν γὰρ Μέμφιδος μέχρι Θηβαίδος τὴν σχοῖνον
ἐκάστην φησὶν εἶναι σταδίων ἑκατὸν εἰκοσιν, ἀπὸ δὲ
15 τῆς Θηβαίδος μέχρι Συήνης ἐξήκοντα, ἀπὸ δὲ Πηλου-
σίου πρὸς τὴν αὐτὴν ἀναπλέουσι κορυφὴν σχοίνους
μὲν πέντε καὶ εἰκοσὶ φησι σταδίους δὲ ἑπτακοσίους
πεντήκοντα, τῷ αὐτῷ μέτρῳ χρησάμενος. πρώτην δ'
ἐκ τοῦ Πηλουσίου προελθοῦσιν εἶναι διώρυγα τὴν
20 πληροῦσαν τὰς κατὰ τὰ ἔλη καλουμένας λίμνας, αἱ δύο
μὲν εἰσιν, ἐν ἀριστερᾷ δὲ κεῖνται τοῦ μεγάλου ποτα-
μοῦ ὑπὲρ τὸ Πηλούσιον ἐν τῇ Ἀραβίᾳ· καὶ ἄλλας δὲ
λέγει λίμνας καὶ διώρυγας ἐν τοῖς αὐτοῖς μέρεσιν ἔξω
τοῦ Δέλτα. ἐστι δὲ καὶ νομὸς Σεθρῳίτης παρὰ τὴν
25 ἐτέραν λίμνην· ἕνα δὲ τῶν δέκα τῶν ἐν τῷ Δέλτα δια-
ριθμεῖται καὶ τοῦτον· εἰς δὲ τὰς αὐτὰς λίμνας συμβάλ-
λουσι καὶ ἄλλαι δύο διώρυγες.

Ἄλλη δ' ἐστὶν ἐκδιδοῦσα εἰς τὴν Ἐρυθρὰν καὶ τὸν 25
Ἀράβιον κόλπον κατὰ πόλιν Ἀρσινόην ἣν ἐνιοὶ Κλεο-
30 πατρίδα καλοῦσι. διαρρεῖ δὲ καὶ διὰ τῶν πικρῶν κα-
λουμένων λιμνῶν, αἱ πρότερον μὲν ἦσαν πικραί, τμη-
θείσης δὲ τῆς διώρυγος τῆς λεχθείσης μετεβάλλοντο τῇ

κράσει τοῦ ποταμοῦ, καὶ νῦν εἰσιν εὐνοί, μεστὰ δὲ καὶ τῶν λιμναίων ὀρνέων. ἐτμήθη δὲ ἡ διώρυξ κατ' ἀρχὰς μὲν ὑπὸ Σεσώστριος πρὸ τῶν Τρωικῶν, οἱ δὲ ὑπὸ τοῦ Φαμμιτίχου παῖδος, ἀρξαμένου μόνον, εἴτ' ἐκλιπόντος τὸν βίον, ὕστερον δὲ ὑπὸ Δαρείου τοῦ 5 πρώτου, διαδεξαμένου τὸ ἐξῆς ἔργον. καὶ οὗτος δὲ δόξῃ ψευδεὶ πεισθεὶς ἀφῆκε τὸ ἔργον περὶ συντέλειαν ἦδη· ἐπίσθη γὰρ μετεωροτέραν εἶναι τὴν Ἐρυθρὰν θάλατταν τῆς Αἰγύπτου καὶ εἰ διακοπήν πᾶς ὁ μεταξὺ ἰσθμός, ἐπικλυσθήσεσθαι τῇ θαλάττῃ τὴν Αἰ- 10 γύπτον· οἱ μὲντοι Πτολεμαῖκοι βασιλεῖς διακόψαντες κλειστὸν ἐποίησαν τὸν εὐριπον ὥστε ὅτε βούλοιντο ἐκπλεῖν ἀκωλύτως εἰς τὴν ἔξω θάλατταν καὶ εἰσπλεῖν πάλιν. εἰρηται δὲ καὶ περὶ τῆς τῶν ὑδάτων ἐπιφανείας καὶ ἐν τοῖς πρώτοις ὑπομνήμασι. 15

26 Πλησίον δὲ τῆς Ἀρσινόης καὶ ἡ τῶν Ἡρώων ἐστὶ πόλις καὶ ἡ Κλεοπατρίς ἐν τῷ μυχῷ τοῦ Ἀραβίου κόλ- C.806 πον τῷ πρὸς Αἶγυπτον καὶ λιμένες καὶ κατοικίαι διώρυγες τε πλείους καὶ λίμναι πλησιάζουσαι τούτοις· ἐνταῦθα δ' ἐστὶ καὶ ὁ Φαγρωριοπολίτης νομὸς καὶ πόλις 20 Φαγρωριόπολις. ἡ δὲ ἀρχὴ τῆς διώρυγος τῆς ἐκδιδούσης εἰς τὴν Ἐρυθρὰν ἀπὸ κώμης ἄρχεται Φακούσης, ἥ συννεχὴς ἐστὶ καὶ ἡ Φίλωνος κώμη· πλάτος δ' ἔχει πηχῶν ἑκατὸν ἡ διώρυξ, βάθος δ' ὅσον ἀρκεῖν μυριοφόρῳ νηί· οὗτοι δ' οἱ τόποι πλησιάζουσι τῇ κορυφῇ τοῦ Δέλτα. 25

27 Αὐτοῦ δὲ καὶ ἡ Βούβαστος πόλις καὶ ὁ Βουβαστί- της νομὸς καὶ ὑπὲρ αὐτὸν ὁ Ἡλιοπολίτης νομὸς. ἐνταῦθα δ' ἐστὶν ἡ τοῦ Ἥλιου πόλις ἐπὶ χώματος ἀξιο- λόγου κειμένη, τὸ ἱερὸν ἔχουσα τοῦ Ἥλιου καὶ τὸν βουὺν τὸν Μνεῦιν ἐν σηκῷ τινι τρεφόμενον, ὃς παρ' 30 αὐτοῖς νενόμισται θεός, ὥσπερ καὶ ἐν Μέμφει ὁ Ἄπις. πρόκεινται δὲ τοῦ χώματος λίμναι τὴν ἀνάχυσιν ἐκ

- τῆς πλησίον διαώρυγος ἔχουσαι. νυνὶ μὲν οὖν ἐστὶ παν-
 ἔρημος ἢ πόλις, τὸ ἱερὸν ἔχουσα τῷ Αἰγυπτίῳ τρόπῳ
 κατεσκευασμένον ἀρχαῖον, ἔχον πολλὰ τεκμήρια τῆς
 Καμβύσου μανίας καὶ ἱεροσυλίας, ὅς τὰ μὲν πυρὶ τὰ
 5 δὲ σιδήρῳ διαλωβᾶτο τῶν ἱερῶν, ἀκρωτηριάζων καὶ
 περικαίων, καθάπερ καὶ τοὺς ὀβελίσκους, ὧν δύο καὶ
 εἰς Ῥώμην ἐκομίσθησαν οἱ μὴ κεκακωμένοι τελείως, ἄλ-
 λοι δ' εἰσὶ κακεῖ καὶ ἐν Θήβαις, τῇ νῦν Διοσπόλει, οἱ
 μὲν ἐστῶτες ἀκμὴν πυρίβρωτοι οἱ δὲ καί μενοι.
- 10 Τῆς δὲ κατασκευῆς τῶν ἱερῶν ἡ διάθεσις τοιαύ- 28
 τη· κατὰ τὴν εἰσβολὴν τὴν εἰς τὸ τέμενος λιθόστρω-
 τὸν ἐστὶν ἔδαφος, πλάτος μὲν ὅσον πλεθριαῖον ἢ καὶ
 ἑλαττον, μῆκος δὲ καὶ τριπλάσιον καὶ τετραπλάσιον,
 ἐστὶν ὅπου καὶ μείζον· καλεῖται δὲ τοῦτο δρόμος, κα-
 15 θάπερ Καλλίμαχος εἰρηκεν „ὁ δρόμος ἱερὸς οὗτος
 „Ἀνούβιδος.“ διὰ δὲ τοῦ μήκους παντὸς ἐξῆς ἐφ' ἐκά-
 τερα τοῦ πλάτους σφίγγες ἰδρυνταὶ λίθιναι, πῆχεις
 εἰκοσιν ἢ μικροῦ πλείους ἀπ' ἀλλήλων διέχουσαι, ὥσθ'
 ἓνα μὲν ἐκ δεξιῶν εἶναι στίχον τῶν σφιγγῶν ἓνα δ' ἐξ
 20 εὐωνύμων· μετὰ δὲ τὰς σφίγγας πρόπυλον μέγα, εἴτ'
 ἄλλο προελθόντι πρόπυλον, εἴτ' ἄλλο· οὐκ ἐστὶ δὲ
 διωρισμένος ἀριθμὸς οὔτε τῶν προπύλων οὔτε τῶν
 σφιγγῶν· ἄλλα δ' ἐν ἄλλοις ἱεροῖς, ὥσπερ καὶ τὰ μήκη
 καὶ τὰ πλάτη τῶν δρόμων. μετὰ δὲ τὰ προπύλαια ὁ
 25 νεῶς πρόναον ἔχων μέγα καὶ ἀξιώλογον, τὸν δὲ σηκὸν
 σύμμετρον, ξόανον δ' οὐδέν, ἢ οὐκ ἀνθρωπόμορφον,
 ἀλλὰ τῶν ἀλόγων ζώων τινός· τοῦ δὲ προνάου παρ'
 ἑκάτερον πρόκειται τὰ λεγόμενα πτερά· ἐστὶ δὲ ταῦτα
 ἰσοῦψῃ τῷ νεῷ τείχη δύο, κατ' ὕψος μὲν ἀφεισιτῶτα 805
 30 ἀπ' ἀλλήλων μικρὸν πλέον ἢ τὸ πλάτος ἐστὶ τῆς κρη-
 πίδος τοῦ νεῶ, ἔπειτ' εἰς τὸ πρόσθεν προΐοντι κατ'
 ἐπινευούσας γραμμὰς μέχρι πηχῶν πεντήκοντα ἢ ἐξή-

κοντα· ἀναγλυφὰς δ' ἔχουσιν οἱ τοῖχοι οὗτοι μεγάλων εἰδώλων, ὁμοίων τοῖς Τυρρηνικοῖς καὶ τοῖς ἀρχαίοις σφόδρα τῶν παρὰ τοῖς Ἑλλήσι δημιουργημάτων. ἔστι δέ τις καὶ πολύστυλος οἶκος, καθάπερ ἐν Μίμφει, βαρβαρικὴν ἔχων τὴν κατασκευὴν· πλὴν γὰρ τοῦ * μεγάλων εἶναι καὶ πολλῶν καὶ πολυστίχων τῶν στύλων οὐδὲν ἔχει χαρίεν οὐδὲ γραφικόν, ἀλλὰ ματαιοπονίαν ἐμφαίνει μᾶλλον.

- 29 Ἐν δὲ τῇ Ἠλίου πόλει καὶ οἶκους εἶδομεν μεγάλους ἐν οἷς διέτριβον οἱ ἱερεῖς· μάλιστα γὰρ δὴ ταύτην 10 κατοικίαν ἱερέων γεγονέναι φασὶ τὸ παλαιὸν φιλοσόφων ἀνδρῶν καὶ ἀστρονομικῶν· ἐκλέλοιπε δὲ καὶ τοῦτο νυνὶ τὸ σύστημα καὶ ἡ ἀσκήσις. ἐκεῖ μὲν οὖν οὐδεὶς ἡμῖν ἐδείκνυτο τῆς τοιαύτης ἀσκήσεως προεστώς, ἀλλ' οἱ ἱεροποιοὶ μόνον καὶ ἐξηγηταὶ τοῖς ξένοις τῶν 15 περὶ τὰ ἱερά. παρηκολούθει δέ τις ἐξ Ἀλεξανδρείας ἀναπλέοντι εἰς τὴν Αἴγυπτον Αἰλίῳ Γάλλῳ τῷ ἡγεμόνι Χαιρήμων τοῦνομα, προσποιούμενος τοιαύτην τινὰ ἐπιστήμην, γελώμενος δὲ τὸ πλεόν ὥς ἀλαζών καὶ ἰδιώτης· ἐκεῖ δ' οὖν ἐδείκνυντο οἱ τε τῶν ἱερέων 20 οἶκοι καὶ Πλάτωνος καὶ Εὐδόξου διατριβαί. συνανέβη γὰρ δὴ τῷ Πλάτῳ ὁ Εὐδόξος δεῦρο, καὶ συνδιέτριψαν τοῖς ἱερεῦσιν ἐνταῦθα ἐκεῖνοι τρισκαίδεκα ἔτη, ὥς εἰρηταί τισι· περιτιτοὺς γὰρ ὄντας κατὰ τὴν ἐπιστήμην τῶν οὐρανίων, μυστικὸς δὲ καὶ δυσμεταδό- 25 τους, τῷ χρόνῳ καὶ ταῖς θεραπείαις ἐξελιπάρησαν ὥστε τινὰ τῶν θεωρημάτων ἱστορεῖν· τὰ πολλὰ δὲ ἀπεκρύψαντο οἱ βάρβαροι. οὗτοι δὲ τὰ ἐπιτρέχοντα τῆς ἡμέρας καὶ τῆς νυκτὸς μόρια ταῖς τριακοσίαις ἐξήκοντα πέντε ἡμέραις εἰς τὴν ἐκπλήρωσιν τοῦ ἐνιαυ- 30 σίου χρόνου παρέδωκαν· ἀλλ' ἡγνοεῖτο τέως ὁ ἐνιαυτὸς παρὰ τοῖς Ἑλλήσιν ὥς καὶ ἄλλα πλείω, ἕως οἱ νεώ-

τεροι ἀστρολόγοι παρέλαβον παρὰ τῶν μεθερμηνευσάντων εἰς τὸ Ἑλληνικὸν τὰ τῶν ἱερέων ὑπομνήματα· καὶ ἔτι νῦν παραλαμβάνουσι τὰ ἀπ' ἐκείνων, ὁμοίως καὶ τὰ τῶν Χαλδαίων.

- 5 Ἐντεῦθεν δὴ ὁ Νεῖλός ἐστιν ὁ ὑπὲρ τοῦ Δέλτα· 30
 τούτου δὴ τὰ μὲν δεξιὰ καλοῦσι Λιβύην ἀναπλήνonti, ὥσπερ καὶ τὰ περὶ τὴν Ἀλεξανδρείαν καὶ τὴν Μαρεώτιν, τὰ δ' ἐν ἀριστερᾷ Ἀραβίαν. ἡ μὲν οὖν Ἡλίου πόλις ἐν τῇ Ἀραβίᾳ ἐστίν, ἐν δὲ τῇ Λιβύῃ Κερκίσουρα
 10 πόλις κατὰ τὰς Εὐδύξου κειμένη σκοπᾶς· δείκνυται 0.807
 γὰρ σκοπὴ τις πρὸ τῆς Ἡλίου πόλεως, καθάπερ καὶ πρὸ τῆς Κνίδου, πρὸς ἣν ἐσημειοῦτο ἐκεῖνος τῶν οὐρανίων τινὰς κινήσεις· ὁ δὲ νομὸς Αἰγυπιοῦ οὗτος ἀναπλεύσαντι δ' ἐστὶ Βαβυλῶν, φρούριον ἐρυθ-
 15 μόν, ἀποστάντων ἐνταῦθα Βαβυλωνίων τινῶν, εἴτα διαπραξαμένων ἐνταῦθα κατοικίαν παρὰ τῶν βασιλέων· νυνὶ δ' ἐστὶ στρατόπεδον ἑνὸς τῶν τριῶν ταγμάτων τῶν φρουρούντων τὴν Αἴγυπτον· ῥάχης δ' ἐστὶν ἀπὸ τοῦ στρατοπέδου καὶ μέχρι Νείλου καθή-
 20 κουςα, δι' ἧς ἀπὸ τοῦ ποταμοῦ τροχοὶ καὶ κοχλῖαι τὸ ὕδωρ ἀνάγουσιν, ἀνδρῶν ἑκατὸν πεντήκοντα ἐργαζομένων δεσμίων· ἀφορῶνται δ' ἐνθένδε τηλαυγῶς αἱ πυραμίδες ἐν τῇ περὶ τὴν Μίμφρι καὶ εἰς τὴν πλησίον.

- Ἐγγὺς δὲ καὶ ἡ Μίμφρις αὐτὴ τὸ βασίλειον τῶν 31
 25 Αἰγυπτίων· ἐστὶ γὰρ ἀπὸ τοῦ Δέλτα τρεῖς χοῖνον εἰς αὐτήν· ἔχει δὲ ἱερά, τό τε τοῦ Ἀπίδος ὅς ἐστιν ὁ αὐτὸς καὶ Ὅσιρις, ὅπου ὁ βοῦς ὁ Ἀπὶς ἐν σηκῷ τιμὴν τρέφεται, θεὸς ὡς ἔφην νομιζόμενος, διάλευκος τὸ μέτωπον καὶ ἄλλα τινὰ μικρὰ τοῦ σώματος, τὰλλα δὲ
 30 μέλας· οἷς σημείοις αἱ κρίνουσι τὸν ἐπιτήδειον εἰς τὴν διαδοχὴν, ἀπογενομένου τοῦ τὴν τιμὴν ἔχοντος. ἐστὶ δ' αὐλὴ προκειμένη τοῦ σηκοῦ, ἐν ᾗ καὶ ἄλλος σηκὸς

τῆς μητρὸς τοῦ βοός· εἰς ταύτην δὲ τὴν αὐλὴν ἐξα-
φιασι τὸν Ἀπιν καθ' ὅραν τινὰ καὶ μάλιστα πρὸς ἐπί-
δειξιν τοῖς ξένοις· ὁρῶσι μὲν γὰρ καὶ διὰ θυρίδος ἐν
τῷ σηκῷ, βούλονται δὲ καὶ ἔξω· ἀποσκιρτήσαντα δ'
ἐν αὐτῇ μικρὰ ἀναλαμβάνουσι πάλιν εἰς τὴν οἰκίαν
στάσιν. τό τε δὴ τοῦ Ἀπιδός ἐστιν ἱερὸν παρακαίμε-
νον τῷ Ἡφαιστείῳ καὶ αὐτὸ τὸ Ἡφαιστειον πολυτε-
λῶς κατεσκευασμένον ναοῦ τε μεγέθει καὶ τοῖς ἄλλοις.
πρόκειται δ' ἐν τῷ δρόμῳ καὶ μονόλιθος κολοσσός·
ἔθος δ' ἐστὶν ἐν τῷ δρόμῳ τούτῳ ταύρων ἀγῶνας συν- 10
τελειεσθαι πρὸς ἀλλήλους, οὓς ἐπίτηδες τρέφουσιν τι-
νες, ὥσπερ οἱ ἵπποτρόφοι· συμβάλλουσι γὰρ εἰς μά-
χην ἀφέντες, ὁ δὲ κρείττων νομισθεὶς ἄθλου τυγχάνει.
ἔστι δ' ἐν Μέμφει καὶ Ἀφροδίτης ἱερὸν, θεᾶς Ἑλληνί-
δος νομιζομένης· τινὲς δὲ Σελήνης ἱερὸν εἶναι φασιν. 15

32 Ἔστι δὲ καὶ Σαράπειον ἐν Ἀμμόδει τόπῳ σφόδρα
ᾧσθ' ὑπ' ἀνέμων θίνας ἄμμων σωρεύεσθαι, ὑφ' ὧν
αἰσφίγγες αἱ μὲν καὶ μέχρι κεφαλῆς ἐωρῶντο ὑφ' ἡμῶν
κατακεχωσμέναι αἱ δ' ἡμιφανεῖς· ἐξ ὧν εἰκάζειν πα-
ρῆν τὸν κίνδυνον, εἰ τῷ βαδίζοντι πρὸς τὸ ἱερὸν λαί- 20
λαψ ἐπιπίσοι. πόλις δ' ἐστὶ μεγάλη τε καὶ εὐανδρος,
δευτέρα μετὰ Ἀλεξάνδρειαν, μυγᾶδων ἀνδρῶν, κα-
θάπερ καὶ τῶν ἐκεῖ συνφοκισμένων· πρόκεινται δὲ καὶ
λίμναι τῆς πόλεως καὶ τῶν βασιλείων, αἱ νῦν μὲν κα-
C.808τέσπασται καὶ ἐστὶν ἐρημα· ἰδρυται δ' ἐφ' ὕψους κα- 25
θήκοντα μέχρι τοῦ κάτω τῆς πόλεως ἐδάφους· συνά-
πτει δ' ἄλσος αὐτῇ καὶ λίμνη.

33 Τετταράκοντα δ' ἀπὸ τῆς πόλεως σταδίου προ-
ελθόντι ὁρεινὴ τις ὄφρυς ἐστίν, ἐφ' ἣ πολλὰ μὲν εἰσι
πυραμίδες, τάφοι τῶν βασιλείων, τρεῖς δ' ἀξιόλογοι· 30
τὰς δὲ δύο τούτων καὶ ἐν τοῖς ἐπὶ θεάμασι καταριθ-
μοῦνται· εἰσὶ γὰρ σταδιαλαὶ τὸ ὕψος, τετράγωνοι τῷ

σχήματι, τῆς πλευρᾶς ἐκάστης μικρῷ μείζον τὸ ὕψος
 ἔχουσαι· μικρῷ δὲ καὶ ἡ ἑτέρα τῆς ἑτέρας ἐστὶ μείζων·
 ἔχει δ' ἐν ὕψει μέσως πῶς [μιάς] τῶν πλευρῶν λίθον
 ἐξαιρέσιμον· ἀρθέντος δὲ σὺρίγξ ἐστὶ σκολιὰ μέχρι
 5 τῆς θήκης· αὐταὶ μὲν οὖν ἐγγὺς ἀλλήλων ἐπὶ τῷ αὐτῷ
 ἐπιπέδῳ, ἀπωτέρω δ' ἐστὶν ἐν ὕψει μείζονι τῆς ὀρει-
 νῆς ἡ τρίτη πολὺ ἐλάττων τῶν δυεῖν, πολὺ δὲ μείζο-
 νος δαπάνης κατεσκευασμένη· ἀπὸ γὰρ θεμελίων μέ-
 χρι μέσου σχεδόν τι μέλανος λίθου ἐστίν, ἐξ οὗ καὶ τὰς
 10 θυῖας κατασκευάζουσι, κομίζοντες πόρρωθεν· ἀπὸ
 γὰρ τῶν τῆς Αἰθιοπίας ὄρων· καὶ τῷ σκληρὸς εἶναι καὶ
 δυσκατέργαστος πολυτελὴ τὴν πραγματείαν παρίσχει·
 λέγεται δὲ τῆς ἐταίρας τάφος γεγονῶς ὑπὸ τῶν ἑρα-
 στῶν, ἣν Σαπφὴ μὲν ἡ τῶν μελῶν ποιήτρια καλεῖται·
 15 ῥίχαν, ἑρωμένην τοῦ ἀδελφοῦ αὐτῆς Χαράξου γεγο-
 νυῖαν, οἶνον κατάγοντος εἰς Ναύκρατιν Λέσβιον κατ'
 ἐμπορίαν, ἄλλοι δ' ὀνομάζουσι Ροδῶπιν· μυθεύουσι
 δ' ὅτι λουομένης αὐτῆς ἐν τῶν ὑποδημάτων αὐτῆς ἀρ-
 πάσας ἀετὸς παρὰ τῆς θεραπαίνης κομίσειεν εἰς Μίμ-
 20 φιν καὶ τοῦ βασιλέως δικαιοδοτοῦντος ὑπαιθρίου, γε-
 νόμενος κατὰ κορυφὴν αὐτοῦ ῥίψει τὸ ὑπόδημα εἰς τὸν
 κόλπον· ὁ δὲ καὶ τῷ ῥυθμῷ τοῦ ὑποδήματος καὶ τῷ πα-
 ραδόξῳ κινηθεὶς περιπέμψειεν εἰς τὴν χώραν κατὰ ζή-
 τησιν τῆς φορούσης ἀνθρώπου τοῦτο, εὗρεθεῖσα δ' ἐντῇ
 25 πόλει τῶν Ναυκρατιτῶν ἀναχθείη καὶ γένοιτο γυνὴ τοῦ
 βασιλέως, τελευτήσασα δὲ τοῦ λεχθέντος τύχοι τάφου.
 Ἐν δέ τι τῶν ὀραθέντων ὑφ' ἡμῶν ἐν ταῖς πυρα- 34
 μίσιν παραδόξων οὐκ ἄξιον παραλιπεῖν. ἐκ γὰρ τῆς λα-
 τύπης σωροὶ τινες πρὸ τῶν πυραμίδων κεῖνται· ἐν
 30 τούτοις δ' εὗρίσκεται ψήγματα καὶ τύφω καὶ μεγέθει
 φακοειδῇ· ἐνίοις δὲ καὶ ὥς ἂν πτίσμα οἶον ἡμιλεπί-
 στων ὑποτρέχει· φασὶ δ' ἀπολιθωθῆναι λείψανα τῆς

τῶν ἐργαζομένων τροφῆς· οὐκ ἀπέοικε δέ· καὶ γὰρ οἴκοι παρ' ἡμῖν λόφος ἐστὶν ἐν πεδίῳ παραμῆκης, οὗτος δ' ἐστὶ μεστὸς ψῆφων φακοειδῶν λίθου πωρείας· καὶ αἱ θαλάττιαι δὲ καὶ αἱ ποτάμια ψῆφοι σχεδόν τι τὴν αὐτὴν ἀπορίαν ὑπογράφουσιν· ἀλλ' αὐταὶ μὲν ἐν δὲ τῇ κινήσει τῇ διὰ τοῦ ῥεύματος εὐρεσιλογίαν τινὰ ἔχουσιν, ἐκεῖ δ' ἀπορωτέρα ἡ σκέψις· εἴρηται δ' ἐν ἄλλοις καὶ διότι περὶ τὸ μέταλλον τῶν λίθων, ἐξ ὧν αἱ πυραμίδες γεγόνασιν, ἐν ὅψει ταῖς πυραμίδων ὄν περὶ ἐν τῇ Ἀραβίᾳ, Τρωικόν τι καλεῖται πετρωῶδες ἱκανῶς ὕψος καὶ σπήλαια ὑπ' αὐτῷ καὶ κώμη πλησίον καὶ τούτοις καὶ τῷ ποταμῷ, Τροία καλουμένη, κατοικία παλαιὰ τῶν Μενελάῳ συγκατακολουθησάντων αἰχμαλώτων Τρώων, καταμεινάντων δ' αὐτόθι.

- 35 Μετὰ δὲ Μέμφιν Ἀκανθος πόλις ὁμοίως ἐν τῇ Αἰβύῃ καὶ τὸ τοῦ Ὀσίριδος ἱερὸν καὶ τὸ τῆς ἀκάνθης ἄλσος τῆς Θηβαϊκῆς ἐξ ἧς τὸ κόμμι. εἴθ' ὁ Ἀφροδιτοπολίτης νομὸς καὶ ἡ ὁμώνυμος πόλις ἐν τῇ Ἀραβίᾳ, ἐν ἣ λευκὴ βοῦς ἱερὰ τρέφεται. εἴθ' ὁ Ἡρακλεώτης νομὸς ἐν νήσῳ μεγάλῃ, καθ' ἣν ἡ διωρὺς ἐστὶν ἐν δεξιᾷ εἰς τὴν Αἰβύην ἐπὶ τὸν Ἀρσινοῖτην νομόν, ὥστε καὶ δίστομον εἶναι τὴν διώρυγα, μεταξὺ μέρους τινὸς τῆς νήσου παρεμπύπτοντος. ἐστὶ δ' ὁ νομὸς οὗτος ἀξιολογώτατος τῶν ἀπάντων κατὰ τε τὴν ὕψιν καὶ τὴν ἀρετὴν καὶ τὴν κατασκευὴν· ἐλαιόφυτός τε γὰρ μόνος ἐστὶ μεγάλους καὶ τελείους δένδρεσι καὶ καλλικάρποις, εἰ δὲ συγκομιζοὶ καλῶς τις, καὶ εὐέλαιος· ὀλιγορροῦντες δὲ τούτου πολὺ μὲν ποιοῦσιν ἔλαιον, μοχθηρὸν δὲ κατὰ τὴν ὁδμὴν· ἡ δ' ἄλλη Αἴγυπτος ἀνέλαιος ἐστὶ πλὴν τῶν κατ' Ἀλεξάνδρειαν κήπων, οἳ μέχρι τοῦ ἐλαίαν χορηγεῖν ἱκανοὶ εἰσιν, ἔλαιον δ' οὐχ ὑπουργοῦσιν· οἶνόν τε οὐκ ὀλίγον ἐκφέρει σῖτόν τε καὶ ὕσπρια

καὶ τὰ ἄλλα σπέρματα πάμπολλα. θαυμαστὴν δὲ καὶ
 τὴν λίμνην ἔχει τὴν Μοίριδος καλουμένην, πελαγίαν
 τῷ μεγέθει καὶ τῇ χροῇ θαλαττοειδῇ· καὶ τοὺς αἰγια-
 λούς δὲ ἔστιν ὁρᾶν εὐκρίτως τοῖς θαλαττίοις, ὥς ὑπο-
 5 νοεῖν τὰ αὐτὰ περὶ τῶν κατὰ Ἀμμωνα τόπων καὶ τού-
 των (καὶ γὰρ οὐδὲ πάμπολυ ἀφιστάσιν ἀλλήλων καὶ
 τοῦ Παραιτονίου) μὴ ὥσπερ τὸ ἱερὸν ἐκεῖνο εἰκάξειν
 ἔστι πρότερον ἐπὶ τῇ θαλάττῃ ἰδρῦσθαι διὰ τὸ πλῆθος
 τῶν τεκμηρίων, καὶ ταυτ' ὁμοίως τὰ χωρία πρότερον
 10 ἐπὶ τῇ θαλάττῃ ὑπῆρχεν, ἣ δὲ κάτω Αἴγυπτος καὶ τὰ
 μέχρι τῆς λίμνης τῆς Σιρβωνίτιδος πέλαγος ἦν, σύρ-
 ρουν τυχὸν ἰσως τῇ Ἐρυθρᾷ τῇ κατὰ Ἡρώων πόλιν
 καὶ τὸν Αἰλλανίτην μυχόν.

Εἰρηται δὲ περὶ τούτων διὰ πλειόνων ἐν τῷ πρώ- 36
 15 τῷ ὑπομνήματι τῆς γεωγραφίας, καὶ νῦν δ' ἐπὶ τοσοῦ-
 τον ὑπομνηστέον [τὸ] τῆς φύσεως ἅμα καὶ τὸ τῆς προ-
 νοίας ἔργον εἰς ἓν συμφέροντας· τὸ μὲν τῆς φύσεως,
 ὅτι τῶν πάντων ὑφ' ἓν συννευόντων τὸ τοῦ ὅλου μέ-
 σον καὶ σφαιρουμένων περὶ τοῦτο, τὸ μὲν πυκνύτα-
 20 τον καὶ μεσαίτατόν ἐστιν ἡ γῆ, τὸ δ' ἦτοιν τοιοῦτον C.810
 καὶ ἐφεξῆς τὸ ὕδωρ, ἐκάτερον δὲ σφαῖρα, ἡ μὲν στε-
 ρεά, ἡ δὲ κοίλῃ ἐντὸς ἔχουσα τὴν γῆν· τὸ δὲ τῆς προ-
 νοίας, ὅτι βεβούληται καὶ αὐτὴ ποικίλτριά τις οὔσα
 καὶ μυρίων ἔργων δημιουργὸς ἐν τοῖς πρώτοις ζῶα
 25 γενεῶν ὥς πολὺ διαφέροντα τῶν ἄλλων καὶ τούτων
 τὰ κράτιστα θεοὺς τε καὶ ἀνθρώπους, ὧν ἐνεκεν καὶ
 τὰ ἄλλα συνέστηκε. τοῖς μὲν οὖν θεοῖς ἀπέδειξε τὸν
 οὐρανὸν τοῖς δ' ἀνθρώποις τὴν γῆν, τὰ ἅκρα τῶν τοῦ
 κόσμου μερῶν· ἅκρα δὲ τῆς σφαίρας τὸ μῖσον καὶ τὸ
 30 ἐξωτάτω. ἀλλ' ἐπειδὴ τῇ γῇ περικείται τὸ ὕδωρ, οὐκ
 ἔστι δ' ἐνυδρον ζῶον ὁ ἄνθρωπος, ἀλλὰ χερσαίον καὶ
 ἐναέριον καὶ πολλοῦ κοινωνικὸν φῶτός, ἐποίησεν

ἔξοχας ἐν τῇ γῇ πολλὰς καὶ εἰσοχάς, ὥστ' ἐν αἷς μὲν ἀπολαμβάνεσθαι τὸ σύμπαν ἢ καὶ τὸ πλεον ὕδωρ ἀποκρύπτειν τὴν ὑπ' αὐτῷ γῆν, ἐν αἷς δ' ἔξέχειν τὴν γῆν ἀποκρύπτουσιν ὑφ' ἑαυτῇ τὸ ὕδωρ, πλὴν ὅσον χρησίμῳ τῷ ἀνθρωπείῳ γένει καὶ τοῖς περὶ αὐτὸ ζώοις καὶ φυτοῖς. ἐπεὶ δ' ἐν κινήσει συνεχεῖ τὰ σύμπαντα καὶ μεταβολαῖς μεγάλαις (οὐ γὰρ οἷόν τε ἄλλως τὰ τοιαῦτα καὶ τοσαῦτα καὶ τηλικαῦτα ἐν τῷ κόσμῳ διοικεῖσθαι), ὑποληπτέον μήτε τὴν γῆν ἀεὶ συμμένειν οὕτως ὥστ' ἀεὶ τηλικαύτην εἶναι μηδὲν προστιθεῖσθαι 10 ἑαυτῇ μηδ' ἀφαιρουῖσαν, μήτε τὸ ὕδωρ, μηδὲ τὴν ἔδραν ἔχειν τὴν αὐτὴν ἐκάτερον, καὶ ταῦτα εἰς ἄλληλα φυσικωτάτης οὐσης καὶ ἐγγυτάτῳ τῆς μεταπτώσεως, ἀλλὰ καὶ τῆς γῆς πολλὴν εἰς ὕδωρ μεταβάλλειν, καὶ τῶν ὑδάτων πολλὰ χερσοῦσθαι τὸν αὐτὸν τρόπον 15 ὅνπερ καὶ ἐν τῇ γῇ, καθ' ἣν αὐτὴν τοσαῦται διαφοραί· ἡ μὲν γὰρ εὐθρυπτος ἡ δὲ στερεὰ καὶ πετρώδης καὶ σιδηρεῖς καὶ οὕτως ἐπὶ τῶν ἄλλων. ὁμοίως δὲ καὶ ἐπὶ τῆς ὑγρᾶς οὐσίας, ἡ μὲν ἀλμυρὴ ἡ δὲ γλυκεῖα καὶ πότιμος, ἡ δὲ φαρμακώδης καὶ σωτήριος καὶ ὀλέθριος 20 καὶ ψυχρὰ καὶ θερμή. τί οὖν θαυμαστόν εἴ τινα μέρη τῆς γῆς ἃ νῦν οἰκεῖται θαλάττῃ πρότερον κατεῖχeto, τὰ δὲ νῦν πελάγῃ πρότερον ὤκειτο; καθάπερ καὶ πηγὰς τὰς πρότερον ἐκλιπεῖν συνίβη, τὰς δ' ἀνείσθαι, καὶ ποταμοὺς καὶ λίμνας, οὕτω δὲ καὶ ὄρη καὶ πεδιάς 25 εἰς ἄλληλα μεταπίπτειν· περὶ ὧν καὶ πρότερον εἰρήκαμεν πολλὰ καὶ νῦν εἰρήσθω.

- 37 Ἡ δ' οὖν Μοίριδος λίμνη διὰ τὸ μέγεθος καὶ τὸ βάθος ἰκανή ἐστι κατὰ τὰς ἀναβάσεις τὴν πλημμυρίδα φέρειν καὶ μὴ ὑπερπολάζειν εἰς τὰ οἰκούμενα καὶ πεφυτευμένα, εἴτα ἐν τῇ ἀποβάσει τὸ πλεονάζον ἀποδοῦσα τῇ αὐτῇ διώρυγῃ κατὰ θάτερον τῶν στομάτων

ἔχειν ὑπολειπόμενον τὸ χρήσιμον πρὸς τὰς ἐποχτείας C.811
 καὶ αὐτὴ καὶ ἡ διώρυξ. ταῦτα μὲν φυσικά, ἐπίκειται
 δὲ τοῖς στόμασιν ἀμφοτέροισι τῆς διώρυγος κλειθρα
 οἷς ταμιεύουσιν οἱ ἀρχιτέκτονες τὸ τε εἰσρεῖον ὕδωρ
 5 καὶ τὸ ἐκρεῖον. πρὸς δὲ τούτοις ἡ τοῦ λαβυρίνθου κα-
 τασκευὴ πάρισον ταῖς πυραμίσιν ἐστὶν ἔργον καὶ ὁ πα-
 ρακείμενος τάφος τοῦ κατασκευάσαντος βασιλέως τὸν
 λαβύρινθον. ἔστι δὲ κατὰ τὸν πρῶτον εἰσπλουν τὸν
 εἰς τὴν διώρυγα προελθόντι ὕσον τριάκοντα ἢ τεττα-
 10 ράκοντα σταδίους ἐπίπεδόν τι τραπεζῶδες χωρίον,
 ἔχον κώμην τε καὶ βασιλίειον μέγα ἐκ πολλῶν βασιλεί-
 ων, ὅσοι πρότερον ἦσαν νομοί· τοσαῦται γάρ εἰσιν
 αὐλαὶ περιστυλοὶ συνεχεῖς ἁλλήλαις ἐφ' ἓνα στέγον
 πᾶσαι καὶ ἐφ' ἑνὸς τοίχου ὥς ἂν τείχους μακροῦ προ-
 15 κειμένας ἔχοντος τὰς αὐλάς· αἱ δ' εἰς αὐτὰς ὁδοὶ κα-
 ταντικρὺ τοῦ τείχους εἰσὶ· πρόκεινται δὲ τῶν εἰσόδων
 κρυπαὶ τινες μακრაὶ καὶ πολλαί, δι' ἁλλήλων ἔχου-
 σαι σχολιὰς τὰς ὁδοὺς ὥστε χωρὶς ἡγεμόνος μηδενὶ
 τῶν ξένων εἶναι δυνατὴν τὴν εἰς ἐκάστην αὐλὴν πᾶ-
 20 ροδὸν τε καὶ ἔξοδον. τὸ δὲ θαυμαστόν, ὅτι αἱ στέγαι
 τῶν οἰκῶν ἐκάστου μονόλιθοι, καὶ τῶν κρυπτῶν τὰ
 πλάτη μονολίθοις ὡσαύτως ἐστέγασται πλαξὶν ὑπερ-
 βαλλούσαις τὸ μέγεθος, ξύλων οὐδαμοῦ καταμειγμέ-
 νων οὐδ' ἄλλης ὕλης οὐδεμιᾶς· ἀναβάντα τε ἐπὶ τὸ
 25 στέγος οὐ μέγαλῳ ὕψει ἅτε μονοστέγῳ ἔστιν ἰδεῖν
 πεδίον λίθινον ἐκ τηλικούτων λίθων, ἐντεῦθεν δὲ πάλιν
 εἰς τὰς αὐλάς ἐκπίπτοντα ἐξῆς ὁρᾶν κειμένας ὑπὸ
 μονολίθων κιόνων ὑψηρεσμένας ἐπὶ τὰ καὶ εἰκοσι· καὶ
 οἱ τοῖχοι δὲ οὐκ ἐξ ἐλαττόνων τῷ μεγέθει λίθων σύγ-
 30 κεινται. ἐπὶ τέλει δὲ τῆς οἰκοδομίας ταύτης πλείον ἢ
 στάδιον ἐπεχούσης ὁ τάφος ἐστί, πυραμὶς τετράγωνος,
 ἐκάστην τετράπλευρον πῶς ἔχουσα τὴν πλευρὰν καὶ

τὸ ἴσον ὕψος· Ἰμάνθης δ' ὄνομα ὁ ταφείς. πεποιῆσθαι δέ φασι τὰς αὐλὰς τοσαύτας, ὅτι τοὺς νομοὺς ἔθρος ἦν ἐκείσε συνέρχεσθαι πάντας ἀριστίνδην μετὰ τῶν οἰκείων ἱερέων καὶ ἱερείων, θυσίας τε καὶ δικαιοδοσίας περὶ τῶν μεγίστων χάριν· κατήγετο δὲ τῶν νομῶν ἕκαστος εἰς τὴν ἀποδειχθεῖσαν αὐλὴν αὐτῷ.

- 38 Παραπλεύσαντι δὲ ταῦτα ἐφ' ἑκατὸν σταδίους πόλις ἐστὶν Ἀρσινόη· κροκοδείλων δὲ πόλις ἐκαλεῖτο πρότερον, σφόδρα γὰρ ἐν τῷ νομῷ τούτῳ τιμῶσι τὸν κροκόδειλον, καὶ ἔστιν ἱερὸς παρ' αὐτοῖς ἐν λίμνῃ καθ' αὐτὸν τρεφόμενος, χειροήθης τοῖς ἱερεῦσι· καλεῖται δὲ Σοῦχος· τρέφεται δὲ σιτίοις καὶ κρέασι καὶ οἴνῳ, προσφερόντων αἰεὶ τῶν ξένων τῶν ἐπὶ τὴν θείαν ἀφικνουμένων. ὁ γοῦν ἡμέτερος ξένος, ἀνὴρ τῶν ἐντίμων, αὐτόθι μυσταγωγῶν ἡμᾶς, συνῆλθεν ἐπὶ τὴν 15 λίμνην, κομίζων ἀπὸ τοῦ δείπνου πλακουντάριον τι καὶ κρέας ὀπίον καὶ προχοϊδίον τι μελικράτου· εὐρομεν δὲ ἐπὶ τῷ χεῖλει κείμενον τὸ θηρίον· προσιόντες δὲ οἱ ἱερεῖς οἱ μὲν διέστησαν αὐτοῦ τὸ στόμα, ὁ δὲ ἐνέθηκε τὸ πέμμα καὶ κάλιν τὸ κρέας, εἶτα τὸ μελίκρατον 20 κατήρασε· καθαλούμενος δὲ εἰς τὴν λίμνην διῆξεν εἰς τὸ πέραν· ἐπιλθόντος δὲ καὶ ἄλλου τῶν ξένων κομίζοντος ὁμοίως ἀπαρχήν, λαβόντες περιῆλθον δρόμῳ καὶ καταλαβόντες προσήνεγκαν ὁμοίως τὰ προσενηχθέντα.

- 39 Μετὰ δὲ τὸν Ἀρσινοῖτην καὶ τὸν Ἡρακλεωτικὸν νομὸν Ἡρακλέους πόλις, ἐν ᾗ ὁ ἰχνεύμων τιμᾶται ὑπεναντίως τοῖς Ἀρσινοῖταις· οἱ μὲν γὰρ τοὺς κροκοδείλους τιμῶσι, καὶ διὰ τοῦτο ἢ τε διῶρυξ αὐτῶν ἐστὶ μεστή τῶν κροκοδείλων καὶ ἢ τοῦ Μοίριδος λίμνη· σέ- 30

βονται γὰρ καὶ ἀπέχονται αὐτῶν· οἱ δὲ τοὺς ἰχνεύμονας τοὺς ὀλεθριωτάτους τοῖς κροκοδείλοις, καθάπερ καὶ ταῖς ἀσπίσι· καὶ γὰρ τὰ ὡς διαφθείρουσιν αὐτῶν καὶ αὐτὰ τὰ θηρία, τῷ πληρῷ θωρακισθέντες· κυλίσθεντες γὰρ ἐν αὐτῷ ξηραίνονται πρὸς τὸν ἥλιον, εἴτα τὰς ἀσπίδας μὲν ἢ τῆς κεφαλῆς ἢ τῆς οὐρᾶς λαβόμενοι κατασπῶσιν εἰς τὸν ποταμὸν καὶ διαφθείρουσι· τοὺς δὲ κροκοδείλους ἐνεδρεύσαντες, ἥνικ' ἂν ἡλιζονται κεκηνότες, ἐμπίπτουσιν εἰς τὰ χάσματα καὶ διαφράγοντες τὰ σπλάγχνα καὶ τὰς γαστέρας ἐκδύνουσιν ἐκ νεκρῶν τῶν σωματίων.

Ἐξῆς δ' ἐστὶν ὁ Κυνοπολίτης νομὸς καὶ Κυνῶν πόλις, ἐν ᾗ ὁ Ἄνουβις τιμᾶται καὶ τοῖς κυσὶ τιμὴ καὶ σίτισις τέτακται τις ἱερά. ἐν δὲ τῇ περαιᾷ Ὁξύρυγχος πόλις καὶ νομὸς ὁμώνυμος· τιμῶσι δὲ τὸν ὀξύρυγχον καὶ ἔστιν αὐτοῖς ἱερὸν ὀξύρυγχου, καίτοι καὶ τῶν ἄλλων Αἰγυπτίων κοινῇ τιμώντων τὸν ὀξύρυγχον. τινὰ μὲν γὰρ τῶν ζώων ἅπαντες κοινῇ τιμῶσιν Αἰγύπτιοι, καθάπερ τῶν μὲν πεζῶν τρία, βούν κύνα αἰλουρον, τῶν δὲ πτηνῶν δύο, ἱέρακα καὶ ἴβιν, τῶν δ' ἐνύδρων δύο, λεπιδωτὸν ἰχθὺν καὶ ὀξύρυγχον· ἄλλα δ' ἐστὶν ἃ τιμῶσι καθ' ἑαυτοὺς ἕκαστοι, καθάπερ Σαῖται πρόβατον καὶ Θηβαῖται, λάτον δὲ τῶν ἐν τῷ Νεῖλῳ τινὰ ἰχθὺν Λατοπολῖται, λύνον τε Λυκοπολῖται, κυνοκέφαλον δὲ Ἐρμοπολῖται, κῆβον δὲ Βαβυλώνιοι οἱ κατὰ Μέμφιν· ἔστι δ' ὁ κῆβος τὸ μὲν πρόσωπον ὀϊκῶς σατύρῳ, τᾶλλα δὲ κυνὸς καὶ ἄρκτου μεταξύ, γεννᾶται δ' ἐν Αἰθιοπία· αἰτὸν δὲ Θηβαῖτοι, λέοντα δὲ Αἰοντοπολῖται, αἶγα δὲ καὶ τράγον Μενδήσιοι, μυγαλὴν δὲ Ἀθριβῖται, ἄλλοι δ' ἄλλο τι· τὰς δ' αἰτίας οὐχ ὁμολογουμένας λέγουσιν.

Ἐξῆς δ' ἐστὶν Ἐρμοπολιτικὴ φυλακὴ, τελώνιον τε

τῶν ἐκ τῆς Θηβαίδος καταφερομένων· ἐντεῦθεν ἀρχὴ
τῶν ἐξηκοντασταδίων σχοίνων ἕως Συήνης καὶ Ἐλε-
φαντίνης· εἶτα ἡ Θηβαϊκὴ φυλακὴ καὶ διῶρυξ φέρουσα
ἐπὶ Τάνιν· εἶτα Ἀύκων πόλις καὶ Ἀφροδίτης καὶ Πα-
νῶν πόλις, λινοουργῶν καὶ λιθοουργῶν κατοικία παλαιά. 5

- 42 Ἐπεὶτα Πτολεμαϊκὴ πόλις, μεγίστη τῶν ἐν τῇ Θη-
βαίδι καὶ οὐκ ἐλάττων Μέρφως, ἔχουσα καὶ σύστημα
πολιτικὸν ἐν τῷ ἑλληνικῷ τρόπῳ. ὑπὲρ δὲ ταύτης ἡ
Ἄβυδος, ἐν ᾗ τὸ Μεμνόνιον βασίλειον θαυμαστῶς κα-
τεσκευασμένον ὁλόλιθον τῇ αὐτῇ κατασκευῇ ἤπερ τὸν 10
λαβύρινθον ἔφαμεν, οὐ πολλαπλοῦν δέ· καὶ κρήνη
ἐν βάθει κειμένη ὥστε καταβαίνειν εἰς αὐτήν· κατα-
καμφθεῖσων ψαλίδων διὰ μονολίθων ὑπερβαλλόντων
τῷ μεγέθει καὶ τῇ κατασκευῇ. ἔστι δὲ διῶρυξ ἄγουσα
ἐπὶ τὸν τόπον ἀπὸ τοῦ μεγάλου ποταμοῦ. περὶ δὲ τὴν 15
διῶρυγα ἀκανθῶν τῶν Αἰγυπτίων ἄλσος ἔστιν ἱερὸν
τοῦ Ἀπόλλωνος. ἔοικε δὲ ὑπάρχειν ποτὲ ἡ Ἄβυδος πόλις
μεγάλῃ, δευτερεύουσα μετὰ τὰς Θήβας, νυνὶ δ' ἔστι
κατοικία μικρά· εἰ δ' ὥς φασιν ὁ Μέρμων ὑπὸ τῶν
Αἰγυπτίων Ἰσμάνδης λέγεται, καὶ ὁ λαβύρινθος Με- 20
μνόνιον ἂν εἴη καὶ τοῦ αὐτοῦ ἔργον οὐπερ καὶ τὰ ἐν
Ἄβυδῳ καὶ τὰ ἐν Θήβαις· καὶ γὰρ ἐκεῖ λέγεται τινα
Μεμνόνια. κατὰ δὲ τὴν Ἄβυδον ἔστιν ἡ πρώτη αὔασις
ἐκ τῶν λεχθεῖσων τριῶν ἐν τῇ Αἰβύῃ, διέχουσα ὁδὸν
ἡμερῶν ἐπὶ ἐνθένδε δι' ἐρημίας, εὐνδρός τε κατοι- 25
κία καὶ εὐοῖνος καὶ τοῖς ἄλλοις ἱκανή, δευτέρα δ' ἡ
κατὰ τὴν Μοίριδος λίμνην, τρίτη δὲ ἡ κατὰ τὸ μαν-
τεῖον τὸ ἐν Ἀμμωνί· καὶ αὗται δὲ κατοικίαι εἰσὶν ἀξιό-
λογοι.

- 43 Πολλὰ δ' εἰρηκότες περὶ τοῦ Ἀμμωνος τοσοῦτον 30
εἰπεῖν βουλόμεθα ὅτι τοῖς ἀρχαίοις μᾶλλον ἢ ἐν τιμῇ
καὶ ἡ μαντικὴ καθόλου καὶ τὰ χρηστήρια, νυνὶ δ' ὅλι-

γωρία κατέχει πολλή, τῶν Ῥωμαίων ἀρκουμένων τοῖς
 Σιβύλλης χρησμοῖς καὶ τοῖς Τυρρηνικοῖς θεοπροπίοις
 διὰ τε σπλάγγνων καὶ ὀρνιθείας καὶ διοσημιῶν. διόπερ
 καὶ τὸ ἐν Ἀμμωνι σχεδόν τι ἐκλέλειπται χρηστήριον,
 5 πρότερον δὲ ἐτετίμητο. δηλοῦσι δὲ μάλιστα τοῦτο οἱ
 τὰς Ἀλεξάνδρου πράξεις ἀναγράφαντες, προστιθέντες
 μὲν πολὺ καὶ τὸ τῆς κολακείας εἶδος ἐμφαίνοντες δέ τι
 καὶ πίστεως ἄξιον. ὁ γοῦν Καλλισθένης φησὶ τὸν Ἀλέ- C.814
 ξάνδρον φιλοδοξῆσαι μάλιστα ἀνελθεῖν ἐπὶ τὸ χρηστή-
 10 ριον, ἐπειδὴ καὶ Περσέα ἤκουσε πρότερον ἀναβῆναι
 καὶ Ἡρακλέα· ὁρμήσαντα δ' ἐκ Παραιτονίου καίπερ
 νότων ἐπιπεσόντων βιάσασθαι, πλανώμενον δ' ὑπὸ
 τοῦ κονιορτοῦ σωθῆναι γενομένων ὄμβρων καὶ θυεῖν
 κοράκων ἡγησαμένων τὴν ὁδόν, ἥδη τούτων κολακευ-
 15 τικῶς λεγομένων· τοιαῦτα δὲ καὶ τὰ ἐξῆς· μόνῳ γάρ
 δὴ τῷ βασιλεῖ τὸν ἱερέα ἐπιτρέψαι παρελθεῖν εἰς τὸν
 νεῶ μετὰ τῆς συνήθους στολῆς, τοὺς δ' ἄλλους μετεν-
 δῦναι τὴν ἐσθῆτα, ἐξωθέν τε τῆς θεμιστείας ἀκροάσα-
 σθαι πάντας πλὴν Ἀλεξάνδρου, τοῦτον δ' ἐνδοθεν.
 20 εἶναι δ' οὐχ ὥσπερ ἐν Δελφοῖς καὶ Βραγχίδαῖς τὰς
 ἀποθεσπίσεις διὰ λόγων, ἀλλὰ νεύμασι καὶ συμβόλοις
 τὸ πλεον, ὥς καὶ παρ' Ὀμήρῳ „ἢ καὶ κυανέησιν ἐπ'
 „ὄφρυσιν νεῦσε Κρονίων,“ τοῦ προφήτου τὸν Δία
 ὑποκριναμένου· τοῦτο μέντοι ῥητῶς εἰπεῖν τὸν ἄν-
 25 ὄθρωπον πρὸς τὸν βασιλέα ὅτι εἴη Διὸς υἱός. προστρα-
 γῶδει δὲ τούτοις ὁ Καλλισθένης, ὅτι τοῦ Ἀπόλλωνος
 τὸ ἐν Βραγχίδαῖς μαντεῖον ἐκλελοιπότες, ἐξ ὅτου τὸ
 ἱερὸν ὑπὸ τῶν Βραγχιδῶν σειςύλητο ἐπὶ Ξέρξου περσι-
 σάντων, ἐκλελοιπυίας δὲ καὶ τῆς κρήνης, τότε ἢ τε
 30 κρήνη ἀνάσχοι καὶ μαντεῖα πολλὰ οἱ Μιλησίων πρέσβεις
 κομίσαιεν εἰς Μέμφιν περὶ τῆς ἐκ Διὸς γενέσεως τοῦ
 Ἀλεξάνδρου καὶ τῆς ἐσομένης περὶ Ἀρβηλα νίκης καὶ

τοῦ Λακρίου θανάτου καὶ τῶν ἐν Λακεδαιμόνι νεω-
τερισμῶν· περὶ δὲ τῆς εὐγενείας καὶ τὴν Ἑρυθραίαν
Ἀθηναῖδα φησὶν ἀνείπειν· καὶ γὰρ ταύτην ὁμοίαν γε-
νέσθαι τῇ παλαιᾷ Σιβύλλῃ τῇ Ἑρυθραίᾳ. τὰ μὲν δὴ
τῶν συγγραφέων τοιαῦτα.

- 44 Ἐν δὲ τῇ Ἀβυδῷ τιμῶσι τὸν Ὅσιριν· ἐν δὲ τῷ
Ιερῷ τοῦ Ὀσίριδος οὐκ ἔξεστιν οὔτε φθόνον οὔτε αὐλή-
την οὔτε ψάλτην ἀπάρχεσθαι τῷ θεῷ, καθάπερ τοῖς
ἄλλοις θεοῖς ἔθος. μετὰ δὲ τὴν Ἀβυδὸν Διὸς πόλις ἡ
μικρά, εἰτα Τέντυρα πόλις· ἐνταῦθα δὲ διαφερόντως 10
παρὰ τοὺς ἄλλους Αἰγυπτίους ὁ κροκοδείλιος ἡτίμωται
καὶ ἐχθιστος τῶν ἀπάντων θηρίων νερόμισται. οἱ μὲν
γὰρ ἄλλοι καίπερ εἰδότες τὴν κακίαν τοῦ ζώου καὶ ὡς
ὀλέθριον τῷ ἀνθρωπίνῳ γένει, σέβονται ὅμως καὶ ἀπέ-
χονται· οὗτοι δὲ πάντα τρόπον ἀνιχνεύουσι καὶ ἐκ- 15
φθείρουσιν αὐτούς· ἐνιοὶ δ' ὥσπερ τοὺς Ψύλλους
φασὶ τοὺς πρὸς τῇ Κυρηναίᾳ φυσικὴν τινα ἀντιπάθειαν
ἔχειν πρὸς τὰ ἐρπετά, οὕτω καὶ τοὺς Τεντυρίτας πρὸς
τοὺς κροκοδείλους, ὥστε μηδὲν ὑπ' αὐτῶν πάσχειν
ἀλλὰ καὶ κολυμβᾶν ἀδεῶς καὶ διαπερᾶν, μηδεὶν ἄλλου 20
θαρροῦντος· εἰς τε τὴν Ρώμην κομισθεῖσι τοῖς κροκο-
C.815 δείλοις ἐπιδειξέως χάριν συνηκολούθουν οἱ Τεντυρί-
ται· γενομένης τε δεξαμενῆς καὶ πηγματοῦ τινος ὑπὲρ
μᾶς τῶν πλευρῶν, ὥστε τοῖς θηρίοις ἐκβᾶσι τοῦ ὕδα-
τος ἡλιαστήριον εἶναι, ἐκεῖνοι ἦσαν οἱ τότε μὲν ἐξέλ- 25
κοντες δικτύῳ πρὸς τὸ ἡλιαστήριον, ὥς καὶ ὑπὸ τῶν
θεατῶν ὁραθῆναι, ἐμβαίνοντες ἅμα εἰς τὸ ὕδωρ, τότε
δὲ πάλιν εἰς τὴν δεξαμενὴν κατασπῶντες. τιμῶσι δὲ
Ἀφροδίτην· ὅπισθεν δὲ τοῦ νεῷ τῆς Ἀφροδίτης Ἴσιδος
ἔστιν ἱερὸν· εἰτα τὰ Τυφώνια καλούμενα καὶ ἡ εἰς 30
Κοπτὸν διῶρυξ, πόλιν κοινὴν Αἰγυπτίων τε καὶ
Ἀράβων.

Ἐντεῦθεν ἐστὶν ἰσθμὸς εἰς τὴν Ἐρυθρὰν κατὰ 45
 πόλιν Βερενίκην, ἀλίμενον μὲν τῇ δ' εὐκαιρίᾳ τοῦ
 ἰσθμοῦ καταγωγὰς ἐπιτηδείους ἔχουσιν. λέγεται δ' ὁ
 Φιλάδελφος πρῶτος στρατοπέδῳ τεμεῖν τὴν ὁδὸν ταύ-
 5 τὴν ἄνυδρον οὖσαν, καὶ κατασκευάσαι σταθμούς, τοῦτο
 δὲ πράξαι διὰ τὸ τὴν Ἐρυθρὰν δύσπλουν εἶναι καὶ μά-
 λιστα τοῖς ἐκ τοῦ μυχοῦ πλοῖζομένοις. ἐφάνη δὲ τῇ
 πείρᾳ πολὺ τὸ χρήσιμον, καὶ νῦν ὁ Ἰνδικὸς φόρτος
 ἅπας καὶ ὁ Ἀράβιος καὶ τοῦ Αἰθιοπικοῦ ὁ τῷ Ἀραβίῳ
 10 κόλπῳ κατακομιζόμενος εἰς Κοπτὸν φέρεται, καὶ τοῦτ'
 ἐστὶν ἐμπόριον τῶν τοιούτων φορτίων. οὐκ ἄπωθεν
 δὲ τῆς Βερενίκης ἐστὶ Μυὸς ὄρμος, πόλις ἔχουσα τὸ
 ναύσταθμον τῶν πλοῖζομένων, καὶ τῆς Κοπτοῦ οὐ πολὺ
 ἀφίστηκεν ἢ καλουμένη Ἀπόλλωνος πόλις, ὥστε καὶ αἱ
 15 διορίζουσαι τὸν ἰσθμὸν δύο πόλεις ἐκατέρωθεν εἰσιν.
 ἀλλὰ νῦν ἡ Κοπτὸς καὶ ὁ Μυὸς ὄρμος εὐδοκίμει, καὶ
 χρῶνται τοῖς τόποις τούτοις. πρότερον μὲν οὖν ἐνυ-
 κτοπόρουσαν πρὸς τὰ ἄστρα βλέποντες οἱ καμηλέμποροι
 καὶ καθάπερ οἱ πλείοντες ὠθεύον κομιζόντες καὶ ὑῤωρ,
 20 νυνὶ δὲ καὶ ὑδρεῖα κατεσκευάκασιν, ὀρυζάντες πολὺ
 βάθος, καὶ ἐκ τῶν οὐρανίων καίπερ ὄντων σπανίων
 ὅμως δεξαμενὰς πεποιήνται· ἡ δ' ὁδὸς ἐστὶν ἕξ ἢ ἐπὶ
 ἡμερῶν. ἐπὶ δὲ τῷ ἰσθμῷ τούτῳ καὶ τὰ τῆς σμαράγδου
 μέταλλά ἐστι, τῶν Ἀράβων ὀρυκτῶν βαθεῖς τινὰς
 25 ὑπονόμους, καὶ ἄλλων λίθων πολυτελῶν.

Μετὰ δὲ τὴν Ἀπόλλωνος πόλιν αἱ Ὠῆβαι (καλεῖται 46
 δὲ νῦν Διὸς πόλις) „αἰθ' ἐκατόμπυλοι εἰσι, διηκόσιοι
 „δ' ἀν' ἐκάστην ἀνέρες ἐξοιχνεῦσι σὺν ἵπποισιν καὶ
 „ὄχεσφιν.“ Ὅμηρος μὲν οὕτω· λέγει δὲ καὶ τὸν πλοῦ-

5. πρὸς σταθμούς: ὥστε τοῖς ἐμπορίοις ὁδὸν ἔμασι καὶ διὰ
 τῶν καμηλίων

τον „οὐδ' ὅσα Θήβας Αἰγυπτίας, ὅθι πλείστα δόμοις
 C.816, „ἐνὶ κτήματα κεῖται.“ καὶ ἄλλοι δὲ τοιαῦτα λέγουσι,
 μητρόπολιν τιθέντες τῆς Αἰγύπτου ταύτην· καὶ νῦν δ'
 ἔχνη δείκνυνται τοῦ μεγέθους αὐτῆς ἐπὶ ὀγδοήκοντα
 σταδίοις τὸ μῆκος· ἐστὶ δ' ἱερὰ [τὰ] πλείω. καὶ τούτων
 δὲ τὰ πολλὰ ἠκρωτηρίασε Καμβύσης· νυνὶ δὲ κωμη-
 δὸν συνοικεῖται, μέρος μὲν τι ἐν τῇ Ἀραβίᾳ ἐν ἧπερ ἡ
 πόλις, μέρος δὲ τι καὶ ἐν τῇ περαίᾳ ὅπου τὸ Μεμνόνιον·
 ἐνταῦθα δὲ δυεῖν κολοσσῶν ὄντων μονολίθων ἀλλήλων
 πλησίον, ὁ μὲν σώζεται, τοῦ δ' ἑτέρου τὰ ἄνω μέρη τὰ 10
 ἀπὸ τῆς καθέδρας πέπτωκε σεισμοῦ γεννηθέντος, ὥς
 φασι. πεπίστευται δ' ὅτι ἅπαξ καθ' ἡμέραν ἐκάστην
 ψόφος ὥς ἂν πληγῆς οὐ μεγάλης ἀποτελεῖται ἀπὸ τοῦ
 μένοντος ἐν τῷ θρόνῳ καὶ τῇ βάσει μέρους· καὶ γὰρ δὲ
 παρὼν ἐπὶ τῶν τόπων μετὰ Γάλλου Αἰλίου καὶ τοῦ 15
 πλήθους τῶν συνόντων αὐτῷ φίλων τε καὶ στρατιω-
 τῶν περὶ ὧραν πρώτην ἤκουσα τοῦ ψόφου· εἴτε δὲ
 ἀπὸ τῆς βάσεως εἴτε ἀπὸ τοῦ κολοσσοῦ εἴτ' ἐπίτηδες
 τῶν κύκλῳ καὶ περὶ τὴν βάσιν ἰδρυμένων τινὸς ποιή-
 σαντος τὸν ψόφον, οὐκ ἔχω δυσχυρίσασθαι· διὰ γὰρ 20
 τὸ ἄδηλον τῆς αἰτίας πᾶν μᾶλλον ἐπέρχεται πιστεύειν
 ἢ τὸ ἐκ τῶν λίθων οὕτω τεταγμένων ἐκπέμπεσθαι τὸν
 ἦχον. ὑπὲρ δὲ τοῦ Μεμνονίου θῆκαι βασιλέων ἐν σπη-
 λαίοις λατομηταὶ περὶ τετταράκοντα, θαυμαστῶς κα-
 τεσκευασμένοι καὶ θείας ἀξίαι· ἐν δὲ ταῖς Θήβαις ἐπὶ 25
 τινων ὀβελίσκων ἀναγραφὰι δηλοῦσαι τὸν πλοῦτον
 τῶν τότε βασιλέων καὶ τὴν ἐπικράτειαν, ὥς μέχρι Σκυ-
 θῶν καὶ Βακτριῶν καὶ Ἰνδῶν καὶ τῆς νῦν Ἰωνίας δια-
 τεύσαντες, καὶ φόρων πληθὺς καὶ στρατιᾶς περὶ ἑκατὸν
 μυριάδας. λέγονται δὲ καὶ ἀστρονόμοι καὶ φιλόσοφοι 30
 μάλιστα οἱ ἐνταῦθα ἱερεῖς· τούτων δ' ἐστὶ καὶ τὸ τὰς
 ἡμέρας μὴ κατὰ σελήνην ἄγειν ἀλλὰ κατὰ ἥλιον, τοῖς

τριακονθημέροις δώδεκα μηνὶν ἐπαγόντων πέντε ἡμέ-
 ρας κατ' ἐνιαυτὸν ἕκαστον· εἰς δὲ τὴν ἐκπλήρωσιν τοῦ
 ὅλου ἐνιαυτοῦ, ἐπιτρέχοντος μορίου τινὸς τῆς ἡμέρας,
 περίοδόν τινα συντιθέασιν ἕξ ὅλων ἡμερῶν καὶ ὅλων
 5 ἐνιαυτῶν τοσούτων ὅσα μόρια τὰ ἐπιτρέχοντα συνελ-
 θόντα ποιεῖ ἡμέραν. ἀνατιθέασι δὲ τῷ Ἑρμῇ πᾶσαν
 τὴν τοιαύτην μάλιστα σοφίαν· τῷ δὲ Διὶ οὖν μάλιστα
 τιμῶσιν, εὐειδεδεσάτῃ καὶ γένους λαμπροτάτου παρθέ-
 νος ἱερᾶται, ἃς καλοῦσιν οἱ Ἕλληνες παλλάδας· αὕτη
 10 δὲ καὶ παλλακεύει καὶ σύνεστιν οἷς βούλεται μέχρι αὐτῇ
 ἢ φυσικῇ γένηται κάθαρσις τοῦ σώματος· μετὰ δὲ τὴν
 κάθαρσιν δίδεται πρὸς ἄνδρα, πρὶν δὲ δοθῆναι πένθος
 αὐτῆς ἄγεται μετὰ τὸν τῆς παλλακείας καιρὸν.

Μετὰ δὲ Θήβας Ἑρμωνθὶς πόλις, ἐν ᾗ ὅ τε Ἀπόλ-
 15 λων τιμᾶται καὶ ὁ Ζεὺς· τρέφεται δὲ καὶ ἐνταῦθα βούς·
 ἔπειτα Κροκοδείλων πόλις τιμῶσα τὸ θηρίον· εἶτα
 Ἀφροδίτης πόλις καὶ μετὰ ταῦτα Λατόπολις τιμῶσα
 Ἀθηνᾶν καὶ τὸν λάτον· εἶτα Εἰλειθυίας πόλις καὶ
 ἱερὸν· ἐν δὲ τῇ περαιᾷ Ἰεράκων πόλις τὸν ἱέρακα τι-
 20 μῶσα· εἶτ' Ἀπόλλωνος πόλις καὶ αὕτη πολεμοῦσα τοῖς
 κροκοδείλοις.

Ἡ δὲ Συήνη καὶ [ἡ] Ἑλεφαντίνη ἡ μὲν ἐπὶ τῶν 48
 ὄρων τῆς Αἰθιοπίας καὶ τῆς Αἰγύπτου πόλις, ἡ δ' ἐν
 τῷ Νεῖλῳ προκειμένη τῆς Συήνης νῆσος ἐν ἡμισταδίῳ
 25 καὶ ἐν ταύτῃ πόλις ἔχουσα ἱερὸν Κνούφιδος καὶ νειλο-
 μέτριον, καθάπερ Μίμφις. ἔστι δὲ τὸ νειλομέτριον
 συννόμῳ λίθῳ κατεσκευασμένον ἐπὶ τῇ ὄχθῃ τοῦ Νεῖ-
 λου φρέαρ, ἐν ᾧ τὰς ἀναβάσεις τοῦ Νεῖλου σημειοῦν-
 ται τὰς μεγίστας τε καὶ ἐλαχίστας καὶ τὰς μέσας· συν-
 30 ἀναβαίνει γὰρ καὶ συνταπεινοῦται τῷ ποταμῷ τὸ ἐν
 τῷ φρέατι ὕδωρ. εἰσὶν οὖν ἐν τῷ τοίχῳ τοῦ φρέατος
 παραγραφαί, μέτρα τῶν τελείων καὶ τῶν ἄλλων ἀνα-

βάσεων· ἐπισκοποῦντες οὖν ταύτας διασημαίνουσι τοῖς ἄλλοις, ὅπως εἶδειν· πρὸ πολλοῦ γὰρ ἴσασιν ἐκ τῶν τοιούτων σημείων * καὶ τῶν ἡμερῶν τὴν ἰσομένην ἀνάβασιν καὶ προδηλοῦσι. τοῦτο δὲ καὶ τοῖς γεωργοῖς χρήσιμον τῆς τῶν ὑδάτων ταμείας χάριν καὶ παραχω- μάτων καὶ διωρύγων καὶ ἄλλων τοιούτων, καὶ τοῖς ἡγεμόσι τῶν προσόδων χάριν· αἱ γὰρ μείζους ἀναβάσεις μείζους καὶ τὰς προσόδους ὑπαγορεύουσιν. ἐν δὲ τῇ Συήνῃ καὶ τὸ φρέαρ ἐστὶ τὸ διασημαίνον τὰς θερινὰς τροπὰς, διότι τῷ τροπικῷ κύκλῳ ὑπόκεινται οἱ τό- ποι οὗτοι· ἀπὸ γὰρ τῶν ἡμετέρων τόπων, λέγω δὲ τῶν Ἑλλαδικῶν, προτοῦσιν ἐπὶ τὴν μεσημβρίαν ἐνταῦθα πρῶτον ὁ ἥλιος κατὰ κορυφὴν ἡμῶν γίνεται καὶ ποιεῖ τοὺς γινώμονας ἀσκίους κατὰ μεσημβρίαν· ἀνάγκη δὲ κατὰ κορυφὴν ἡμῶν γινομένου καὶ εἰς τὰ φρέατα βάλ- λειν μέχρι τοῦ ὕδατος τὰς αὐγάς, καὶ βαθυτάτα ἢ κατὰ κάθετον γὰρ ἡμεῖς τε ἔσταμεν καὶ τὰ ὀρύγματα τῶν φρεάτων κατεσκευάσται. εἰσὶ δ' ἐνταῦθα τρεῖς σπείραι Ῥωμαίων ἰδρυμέναι φρουρᾶς χάριν.

- 49 Μικρὸν δ' ὑπὲρ τῆς Ἐλεφαντίνης ἐστὶν ὁ μικρὸς καταράκτης, ἐφ' ᾧ καὶ θεῖαν τινὰ οἱ σκαφεῖται τοῖς ἡγεμόσιν ἐπιδείκνυνται· ὁ μὲν γὰρ καταράκτης ἐστὶ κατὰ μέσον τὸν ποταμόν, πετρώδης τις ὄφρυς, ἐπίπεδος μὲν ἄνωθεν ὥστε δέχεσθαι τὸν ποταμόν, τελευτῶσα δ' εἰς κρημνόν, καθ' οὗ καταρρήγνυνται τὸ ὕδωρ, ἐκατέρωθεν δὲ πρὸς τῇ γῇ ῥεῖθρον, ὃ μάλιστα καὶ ἀνάπλουν
C.818 ἔχει· ἀναπλεύσαντες οὖν ταύτῃ καταρρέουσιν ἐπὶ τὸν καταράκτην καὶ ὠθοῦνται μετὰ τῆς σκάφης ἐπὶ τὸν κρημνὸν καὶ σώζονται σὺν αὐτῇ ἀπαθεῖς. τοῦ δὲ κα-

10. καὶ ante διότι 11. post οὗτοι: καὶ προτοῦσιν ἀσκίους τοὺς γινώμονας κατὰ μεσημβρίαν

ταράκτου μικρὸν ἐπάνω τὰς Φιλὰς εἶναι συμβαίνει, κοινήν κατοικίαν Αἰθιοπῶν τε καὶ Αἰγυπτίων, κατασκευασμένην ὥσπερ καὶ τὴν Ἐλεφαντίνην καὶ τὸ μέγεθος Ἰσην, ἱερὰ ἔχουσαν Αἰγύπτια· ὅπου καὶ ὕρνεον 5 τιμᾶται ὃ καλοῦσι μὲν ἰέρακα, οὐδὲν δὲ ὅμοιον ἔμοιγε ἐφαίνεται ἔχειν τοῖς παρ' ἡμῖν καὶ ἐν Αἰγύπτῳ ἰέραξιν, ἀλλὰ καὶ τῷ μεγέθει μίξον ἦν καὶ τῇ ποικιλίᾳ πολὺ ἐξηλλαγμένον· Αἰθιοπικὸν δ' ἔφασαν εἶναι, κάκειθεν κομιζέσθαι, ὅταν ἐκλείπῃ [ἡ] καὶ πρότερον· καὶ δὴ καὶ 10 τότε ἐδείχθη ἡμῖν πρὸς ἐκλείψει ὃν διὰ νόσον.

Ἦλθομεν δ' εἰς Φιλὰς ἐκ Συήνης ἀπὴν δι' ὅμα- 50
λου σφόδρα πεδίου σταδίους ὁμοῦ τι ἑκατόν. παρ' ὅλην δὲ τὴν ὁδὸν ἦν ἰδεῖν ἑκατέρωθεν πολλαχοῦ ὥσπερ ἑρμαῖα πέτρων ἡλίβατον στρογγύλον, λεῖτον ἱκανῶς, ἐγγὺς 15 σφαιροειδοῦς, τοῦ μέλανος καὶ σκληροῦ λίθου, ἐξ οὗ αἱ θυταὶ γίνονται, ἐπὶ πέτρῳ κείμενον μίξον καὶ ἐπ' ἐκείνῳ πάλιν ἄλλον· ἔστι δ' ὅτε αὐτοὶ καθ' αὐτοὺς ἔκαιτο οἱ πέτροι· ἦν δ' ὁ μὲν μέγιστος τὴν διάμετρον ποδῶν οὐκ ἐλαττόνων ἢ δώδεκα, ἅπαντες δὲ μίξους ἢ 20 ἡμίσεις τούτων. διέβημεν δὲ εἰς τὴν νῆσον ἐπὶ πάκτωνος· ὁ δὲ πάκτων διὰ σκυταλίδων πεπηγὸς ἔστι σκάφιον ὥστ' εἰοικέναι διαπλοκίνῳ· ἑστῶτες δ' ἐν ὕδατι ἢ καὶ σανιδίοις τισὶ προσκαθήμενοι ῥαδίως ἐπεραιώθημεν δεδιότες μάτην· ἀκίνδυνα γάρ ἐστιν, ἂν μὴ τις 25 ὑπέργομον ποιήσῃ τὸ πορθμεῖον.

Καθ' ὅλην δὲ τὴν Αἰγυπτὸν τοῦ φοίνικος ἀγεν- 51
νοὺς ὄντος καὶ ἐκφέροντος καρπὸν οὐκ εὐβρωτον ἐν τοῖς περὶ τὸ Δέλτα τόποις καὶ περὶ τὴν Ἀλεξάνδρειαν, ὁ ἐν τῇ Θηβαίδι φοῖνιξ ἄριστος τῶν ἄλλων φύεται. 30 θαυμάζειν οὖν ἄξιον πῶς ταὐτὸ κλίμα οἰκοῦντες τῇ Ἰουδαίᾳ καὶ ὅμοροι οἱ περὶ τὸ Δέλτα καὶ τὴν Ἀλεξάνδρειαν τοσοῦτον διαλλάττουσιν, ἐκείνης πρὸς ἄλλῃ

φοίνικι καὶ τὸν καρυωτὸν γεννώσης, * οὐ πολὺν κρείτ-
 τουα τοῦ Βαβυλωνίου. διττὸς δ' ἐστὶν ὁ τε ἐν τῇ Θη-
 βαίδι καὶ ὁ ἐν τῇ Ἰουδαίᾳ, ὁ τε ἄλλος καὶ ὁ καρυωτός·
 σκληρότερος δ' ὁ Θηβαϊκός, ἀλλὰ τῇ γεύσει εὐστομα-
 τερος. ἐστὶ δὲ καὶ νῆσος ἡ μάλιστα ἐκφέρουσα τὸν ἄρι- 5
 στον, μεγίστην τελοῦσα πρόσοδον τοῖς ἡγεμόσι· βασι-
 λικὴ γὰρ ἦν, ἰδιώτῃ δ' οὐ μετῆν, καὶ νῦν τῶν ἡγεμό-
 νων ἐστί.

52 Πολλὰ δ' Ἡρόδοτός τε καὶ ἄλλοι φλυαροῦσιν,
 ὥσπερ μέλος ἢ ὀνυθμὸν ἢ ἡδυσμά τι τῷ λόγῳ τὴν τετρα- 10
 C.819 τείαν προσφέροντες· οἷον καὶ τὸ φάσκειν περὶ τὰς νή-
 σους τὰς πρὸς τῇ Σύνῃ καὶ τῇ Ἐλεφαντίνῃ (πλείους
 δ' εἰσὶ) τὰς πηγὰς τοῦ Νεῖλου εἶναι, καὶ βάθος ἄβυσ-
 σον ἔχειν τὸν πόρον κατὰ τοῦτον τὸν τόπον. νήσους δ'
 ὁ Νεῖλος κατεσπαρμένας ἔχει παμπόλλας, τὰς μὲν κα- 15
 λυπτομένας ὅλας ἐν ταῖς ἀναβάσεσι, τὰς δ' ἐκ μέρους,
 ἐποχετεύεται δὲ τοῖς κοιλίαις τὰ λίαν ἔξαλα.

53 Ἦν μὲν οὖν ἡ Αἴγυπτος εἰρηνικὴ τὸ πλεον ἐξ ἀρ-
 χῆς διὰ τὸ αὐταρκες τῆς χώρας καὶ τὸ δυσεῖσβολον τοῖς
 ἔξωθεν, ἀπὸ μὲν τῶν ἄρκτων ἀλιμένῳ παραλίᾳ καὶ 20
 πελάγει τῷ Αἰγυπτίῳ φρουρουμένη, ἀπὸ δὲ τῆς ἑω καὶ
 τῆς ἐσπέρας ἐρήμοις ὄρεισι, τοῖς τε Αἰβυκοῖς καὶ τοῖς
 Ἀραβίοις, ὥσπερ ἔφαμεν· λοιπὰ δὲ τὰ πρὸς νότον
 Τρωγλοδύται [καὶ] Βλέμυνες καὶ Νοῦβαι καὶ Μεγάβα-
 ροὶ οἱ ὑπὲρ Σύνῃς Αἰθίοπες· εἰσὶ δ' οὗτοι νομάδες 25
 καὶ οὐ πολλοὶ οὐδὲ μάχιμοι, δοκοῦντες δὲ τοῖς πάλαι
 διὰ τὸ ληστρικῶς ἀφυλάκτοις ἐπιτίθεσθαι πολλάκις·
 οἱ δὲ πρὸς μισημβρίαν καὶ Μερόην ἀνήκοντες Αἰθίο-
 πες, οὐδ' οὗτοι πολλοὶ οὔτε ἐν συστροφῇ, ἅτε ποταμίαν
 μακρὰν καὶ στενὴν καὶ σκολιὰν οἰκοῦντες, οἷαν προεί- 30
 πομεν· οὐδὲ παρεσκευασμένοι καλῶς οὔτε πρὸς πό-
 λημον οὔτε πρὸς τὸν ἄλλον βίον. καὶ νῦν δὲ διάκειται

παραπλησίως ἡ χώρα πᾶσα· σημειον δέ· τρισὶ γοῦν
 σπείραις οὐδὲ ταύταις ἐντελέσιν Ικανῶς ὑπὸ τῶν Ῥω-
 μαίων ἡ χώρα φρουρεῖται· τολμήσασι δὲ τοῖς Αἰθίοψιν
 ἐπιθέσθαι κινδυνεύσαι τῇ χώρᾳ συνέπεσε τῇ σφετέρᾳ.
 5 καὶ αἱ λοιπαὶ δὲ δυνάμεις αἱ ἐν Αἰγύπτῳ οὔτε τοσαῦται
 τινὲς εἰσιν οὔτε ἀθρόαις ἐχρήσαντο οὐδ' ἅπαξ Ῥωμαῖοι·
 οὐ γάρ εἰσιν οὔτ' αὐτοὶ Αἰγύπτιοι πολεμισταί, καίπερ
 ὄντες παμπληθεῖς, οὔτε τὰ περίξ ἔθνη. Γάλλος μὲν γε
 Κορνήλιος, ὁ πρῶτος κατασταθεὶς ἑπαρχος τῆς χώρας
 10 ὑπὸ Καίσαρος, τὴν τε Ἡρώων πόλιν ἀποσταῆσαν ἐπελ-
 θὼν δι' ὀλίγων εἴλε, στάσιν τε γεννηθεῖσαν ἐν τῇ Θη-
 βαῖδι διὰ τοὺς φόρους ἐν βραχεὶ κατέλυσε. Πετρώνιος
 τε ὕστερον τοῦ Ἀλεξανδρέων πλήθους τοσούτων μυ-
 ριάδων ὁρμήσαντος ἐπ' αὐτὸν μετὰ λίθων βολῆς, αὐ-
 15 τοῖς τοῖς περὶ ἑαυτὸν στρατιώταις ἀντέσχε, καὶ δια-
 φθείρας τινὰς αὐτῶν τοὺς λοιποὺς ἔπαυσε. Γάλλος τε
 Αἴλιος μέρει τῆς ἐν Αἰγύπτῳ φρουρᾶς εἰς τὴν Ἀραβίαν
 ἐμβαλὼν εἰρηταιτῖνα τρόπον ἐξηλεγε τοὺς ἀνθρώπους
 ἀπολέμους ὄντας· εἰ δὴ μὴ ὁ Συλλαῖος αὐτὸν προὔδι-
 20 δου, καὶν κατεστρέψατο τὴν εὐδαίμονα πᾶσαν.

C.820

54
 Ἐπειδὴ δὲ οἱ Αἰθίοπες καταφρονήσαντες τῷ μέρος
 55
 56
 57
 58
 59
 60
 61
 62
 63
 64
 65
 66
 67
 68
 69
 70
 71
 72
 73
 74
 75
 76
 77
 78
 79
 80
 81
 82
 83
 84
 85
 86
 87
 88
 89
 90
 91
 92
 93
 94
 95
 96
 97
 98
 99
 100
 101
 102
 103
 104
 105
 106
 107
 108
 109
 110
 111
 112
 113
 114
 115
 116
 117
 118
 119
 120
 121
 122
 123
 124
 125
 126
 127
 128
 129
 130
 131
 132
 133
 134
 135
 136
 137
 138
 139
 140
 141
 142
 143
 144
 145
 146
 147
 148
 149
 150
 151
 152
 153
 154
 155
 156
 157
 158
 159
 160
 161
 162
 163
 164
 165
 166
 167
 168
 169
 170
 171
 172
 173
 174
 175
 176
 177
 178
 179
 180
 181
 182
 183
 184
 185
 186
 187
 188
 189
 190
 191
 192
 193
 194
 195
 196
 197
 198
 199
 200
 201
 202
 203
 204
 205
 206
 207
 208
 209
 210
 211
 212
 213
 214
 215
 216
 217
 218
 219
 220
 221
 222
 223
 224
 225
 226
 227
 228
 229
 230
 231
 232
 233
 234
 235
 236
 237
 238
 239
 240
 241
 242
 243
 244
 245
 246
 247
 248
 249
 250
 251
 252
 253
 254
 255
 256
 257
 258
 259
 260
 261
 262
 263
 264
 265
 266
 267
 268
 269
 270
 271
 272
 273
 274
 275
 276
 277
 278
 279
 280
 281
 282
 283
 284
 285
 286
 287
 288
 289
 290
 291
 292
 293
 294
 295
 296
 297
 298
 299
 300
 301
 302
 303
 304
 305
 306
 307
 308
 309
 310
 311
 312
 313
 314
 315
 316
 317
 318
 319
 320
 321
 322
 323
 324
 325
 326
 327
 328
 329
 330
 331
 332
 333
 334
 335
 336
 337
 338
 339
 340
 341
 342
 343
 344
 345
 346
 347
 348
 349
 350
 351
 352
 353
 354
 355
 356
 357
 358
 359
 360
 361
 362
 363
 364
 365
 366
 367
 368
 369
 370
 371
 372
 373
 374
 375
 376
 377
 378
 379
 380
 381
 382
 383
 384
 385
 386
 387
 388
 389
 390
 391
 392
 393
 394
 395
 396
 397
 398
 399
 400
 401
 402
 403
 404
 405
 406
 407
 408
 409
 410
 411
 412
 413
 414
 415
 416
 417
 418
 419
 420
 421
 422
 423
 424
 425
 426
 427
 428
 429
 430
 431
 432
 433
 434
 435
 436
 437
 438
 439
 440
 441
 442
 443
 444
 445
 446
 447
 448
 449
 450
 451
 452
 453
 454
 455
 456
 457
 458
 459
 460
 461
 462
 463
 464
 465
 466
 467
 468
 469
 470
 471
 472
 473
 474
 475
 476
 477
 478
 479
 480
 481
 482
 483
 484
 485
 486
 487
 488
 489
 490
 491
 492
 493
 494
 495
 496
 497
 498
 499
 500
 501
 502
 503
 504
 505
 506
 507
 508
 509
 510
 511
 512
 513
 514
 515
 516
 517
 518
 519
 520
 521
 522
 523
 524
 525
 526
 527
 528
 529
 530
 531
 532
 533
 534
 535
 536
 537
 538
 539
 540
 541
 542
 543
 544
 545
 546
 547
 548
 549
 550
 551
 552
 553
 554
 555
 556
 557
 558
 559
 560
 561
 562
 563
 564
 565
 566
 567
 568
 569
 570
 571
 572
 573
 574
 575
 576
 577
 578
 579
 580
 581
 582
 583
 584
 585
 586
 587
 588
 589
 590
 591
 592
 593
 594
 595
 596
 597
 598
 599
 600
 601
 602
 603
 604
 605
 606
 607
 608
 609
 610
 611
 612
 613
 614
 615
 616
 617
 618
 619
 620
 621
 622
 623
 624
 625
 626
 627
 628
 629
 630
 631
 632
 633
 634
 635
 636
 637
 638
 639
 640
 641
 642
 643
 644
 645
 646
 647
 648
 649
 650
 651
 652
 653
 654
 655
 656
 657
 658
 659
 660
 661
 662
 663
 664
 665
 666
 667
 668
 669
 670
 671
 672
 673
 674
 675
 676
 677
 678
 679
 680
 681
 682
 683
 684
 685
 686
 687
 688
 689
 690
 691
 692
 693
 694
 695
 696
 697
 698
 699
 700
 701
 702
 703
 704
 705
 706
 707
 708
 709
 710
 711
 712
 713
 714
 715
 716
 717
 718
 719
 720
 721
 722
 723
 724
 725
 726
 727
 728
 729
 730
 731
 732
 733
 734
 735
 736
 737
 738
 739
 740
 741
 742
 743
 744
 745
 746
 747
 748
 749
 750
 751
 752
 753
 754
 755
 756
 757
 758
 759
 760
 761
 762
 763
 764
 765
 766
 767
 768
 769
 770
 771
 772
 773
 774
 775
 776
 777
 778
 779
 780
 781
 782
 783
 784
 785
 786
 787
 788
 789
 790
 791
 792
 793
 794
 795
 796
 797
 798
 799
 800
 801
 802
 803
 804
 805
 806
 807
 808
 809
 810
 811
 812
 813
 814
 815
 816
 817
 818
 819
 820
 821
 822
 823
 824
 825
 826
 827
 828
 829
 830
 831
 832
 833
 834
 835
 836
 837
 838
 839
 840
 841
 842
 843
 844
 845
 846
 847
 848
 849
 850
 851
 852
 853
 854
 855
 856
 857
 858
 859
 860
 861
 862
 863
 864
 865
 866
 867
 868
 869
 870
 871
 872
 873
 874
 875
 876
 877
 878
 879
 880
 881
 882
 883
 884
 885
 886
 887
 888
 889
 890
 891
 892
 893
 894
 895
 896
 897
 898
 899
 900
 901
 902
 903
 904
 905
 906
 907
 908
 909
 910
 911
 912
 913
 914
 915
 916
 917
 918
 919
 920
 921
 922
 923
 924
 925
 926
 927
 928
 929
 930
 931
 932
 933
 934
 935
 936
 937
 938
 939
 940
 941
 942
 943
 944
 945
 946
 947
 948
 949
 950
 951
 952
 953
 954
 955
 956
 957
 958
 959
 960
 961
 962
 963
 964
 965
 966
 967
 968
 969
 970
 971
 972
 973
 974
 975
 976
 977
 978
 979
 980
 981
 982
 983
 984
 985
 986
 987
 988
 989
 990
 991
 992
 993
 994
 995
 996
 997
 998
 999
 1000

λεγόντων δ' ὥς ἀδικοῦντο ὑπὸ τῶν νομάρχων, ἀλλ' οὐκ
 ἔφη τούτους ἡγεμόνας εἶναι τῆς χώρας ἀλλὰ Καίσαρα·
 αἰτησαμένων δ' ἡμέρας τρεῖς εἰς βουλὴν καὶ μηδὲν ὧν
 ἐχρὴν ποιούντων, προσβαλὼν ἠνάγκασε προελθεῖν εἰς
 μάχην, ταχὺ δὲ τροπὴν ἐποίησε συντεταγμένων τε κα- 6
 κῶς καὶ ὀπλισμένων· μεγάλους γὰρ εἶχον θυρεοὺς,
 καὶ τούτους ὁμοβολῆνους, ἀμυντήρια δὲ πελέκεις, οἱ δὲ
 κοντούς, οἱ δὲ καὶ ξίφη, τινὲς μὲν οὖν εἰς τὴν πόλιν
 συνηλάθησαν, οἱ δ' εἰς τὴν ἐρημίαν ἔφυγον, τινὰς δὲ
 νῆσος πλησίον ὑπέδεξατο ἐμβάντας εἰς τὸν πόρον· οὐ 10
 γὰρ πολλοὶ ἦσαν ἐνταῦθα οἱ κροκόδειλοι διὰ τὸν ῥοῦν.
 τούτων δ' ἦσαν καὶ οἱ τῆς βασιλίσσης στρατηγοὶ τῆς
 Κανδάκης, ἣ καθ' ἡμᾶς ἤρξε τῶν Αἰθιοπῶν, ἀνδρική
 τις γυνὴ πεπηρωμένη τὸν ἕτερον τῶν ὀφθαλμῶν· τού-
 τους τε δὴ ζωγρίᾳ λαμβάνει ἅπαντας ἐπιπλεύσας σχε- 15
 δαῖς τε καὶ ναυσί, καὶ καταπέμπει παραχρῆμα εἰς Ἀλε-
 ξάνδρειαν, ἐπελθὼν τε τὴν Ψέλχιν αἰρεῖ· προσαριθ-
 μουμένου δὲ τοῖς ἐαλωκόσι τοῦ πλήθους τῶν πεσόν-
 των ἐν τῇ μάχῃ, τοὺς σωθέντας ὀλίγους παντάπασι
 γενέσθαι συνέβη. ἐκ δὲ Ψέλχιος ἦκεν εἰς Πρῆμνιν 20
 ἐρυμνὴν πόλιν διελθὼν τοὺς θῆνας, ἐν οἷς ὁ Καμβύσου
 κατεχώσθη στρατὸς ἐμπεσόντος ἀνέμου· προσβαλὼν
 δὲ ἐξ ἐφόδου τὸ φρούριον αἰρεῖ, καὶ μετὰ ταῦτα ὥρμη-
 σεν ἐπὶ Ναπάτων· τοῦτο δ' ἦν τὸ βασίλειον τῆς Καν-
 δάκης, καὶ ἦν ἐνταῦθα υἱὸς αὐτῆς· καὶ αὐτὴ δ' ἐν τινι 25
 πλησίον ἰδρυτο χωρίῳ. πρεσβευσαμένης δὲ περὶ φιλίας
 καὶ ἀποδούσης τοὺς ἐκ Συήνης αἰχμαλώτους καὶ τοὺς
 ἀνδριάντας, ἐπελθὼν λαμβάνει καὶ τὰ Νάπατα φυγόν-
 τος τοῦ παιδὸς καὶ κατασκάπτει· ἑξανδραποδισάμενος
 δ' ἀναστρέφει πάλιν εἰς τοὺς πίσω μετὰ τῶν λαφύρων, 30
 δύοσθα κρίνας τὰ προσωτέρω· τὴν δὲ Πρῆμνιν τει-
 χίσας βέλτιον, φρουρὰν ἐμβαλὼν καὶ τροφὴν δεῖν

ἐνιαυτῶν τετρακοσίοις ἀνδράσιν, ἀπῆρεν εἰς Ἀλεξάνδρειαν· καὶ τῶν αἰχμαλώτων τοὺς μὲν ἐλαφυροπόω-
 λησε, χιλλίους δὲ Καίσαρι ἐπέμψε νεωστὶ ἐκ Καντάβρων
 ἦκοντι, τοὺς δὲ νόσοι διεχρήσαντο. ἐν τούτῳ μυριάσι
 5 Κανθάκη πολλαῖς ἐπὶ τὴν φρουρὰν ἐπῆλθε· Πετρῶνιος
 δ' ἐξεβοήθησε καὶ φθάνει προσελθὼν εἰς τὸ φρούριον,
 καὶ πλείοσι παρασκευαῖς ἐξασφαλισάμενος τὸν τόπον,
 πρεσβευσαμένων, ἐκέλευσεν ὥς Καίσαρα πρεσβεύε-
 σθαι· οὐκ εἰδέναι δὲ φασκόντων ὅστις εἴη Καίσαρ καὶ
 10 ὅπη βαδιστέον εἴη παρ' αὐτόν, ἔδωκε τοὺς παραπέμ-
 φοντας· καὶ ἦκον εἰς Σάμον, ἐνταῦθα τοῦ Καίσαρος
 ὄντος καὶ μέλλοντος εἰς Συρίαν ἐντεῦθεν προτείνει,
 Τιβέριον εἰς Ἀρμενίαν στέλλοντος. πάντων δὲ τυχόν-
 των ὧν ἐδέοντο, ἀφῆκεν αὐτοῖς καὶ τοὺς φόρους οὓς
 15 ἐπέστησε.

Πολλὰ δ' εἴρηται περὶ τῶν Αἰθιοπικῶν ἐν τοῖς 2
 πρότερον, ὥστε συμπεριωδευμένα ἂν εἴη τῇ Αἰγύπτῳ
 καὶ τὰ τούτων. ὥς δ' εἰπεῖν, τὰ ἄκρα τῆς οἰκουμένης
 τὰ παρακείμενα τῇ δυσκρατῇ καὶ ἀοικίῃ διὰ καὶ
 20 ἡ ψυχὸς ἀνάγκη ἀποτεύγματα εἶναι τῆς εὐκρατοῦ καὶ
 ἐλαττώματα· ταῦτα δ' ἐκ τῶν βίων δῆλα καὶ τῆς πρὸς
 τὰς χρείας τὰς ἀνθρωπικὰς ἀπορίας. κακόβιοί τε δὴ
 καὶ γυμνήτες εἰσι τὰ πολλὰ καὶ νομάδες· τὰ τε βοσκή-
 ματα αὐτοῖς ἔστι μικρά, πρόβατα καὶ αἰγες καὶ βόες·
 25 καὶ κύνες μικροί, τραχεῖς δὲ καὶ μάχιμοι. τάχα δὲ καὶ
 τοὺς Πυγμαίους ἀπὸ τῆς τούτων μικροφυίας ὑπενόη-
 σαν καὶ ἀνέπλασαν· ἰωρακῶς μὲν γὰρ οὐδεὶς ἐξηγεῖται
 τῶν πίστεως ἀξίων ἀνδρῶν. ζῶσί τ' ἀπὸ κέγχρου καὶ 2
 κριθῆς, ἀφ' ὧν καὶ ποτὸν ποιοῦσιν * αὐτοῖς ἔστιν·
 30 ἔλαιον δὲ βούτυρον καὶ στέαρ· οὐδ' ἀκρόδρυα ἔχουσι
 πλὴν φοινίκων ὀλίγων ἐν κήποις βασιλικοῖς· ἐνιοὶ δὲ
 καὶ πόαν σιτοῦνται καὶ κλῶνας ἀπαλοὺς καὶ λωτὸν καὶ

- καλάμου ῥίξαν· κρέασι δὲ χρῶνται καὶ αἵματι καὶ γά-
λακτι καὶ τυρῷ. σέβονται δ' ὡς θεοὺς τοὺς βασιλέας
κατακλείστους ὄντας καὶ οἰκουροὺς τὸ πλεόν. ἔστι δὲ
τὸ μέγιστον αὐτοῖς βασιλεῖον ἡ Μερόη, πόλις ὁμώνυ-
μος τῇ νήσῳ· τὴν δὲ νῆσον θυρσοειδῆ φασι τὸ σχῆμα, 5
τό τε μέγεθος τάχα πρὸς ὑπερβολὴν εἴρηται μήκος μὲν
ὅσον τρισχιλίων σταδίων εὖρος δὲ χιλίων. ἔχει δ' ἡ
νῆσος συχνὰ καὶ ὕρη καὶ δάση μεγάλα· οἰκοῦσι δ' οἱ
μὲν νομάδες οἱ δὲ θηρευτικοὶ οἱ δὲ γεωργοί· ἔστι δὲ
καὶ χαλκωρυγεία καὶ σιδηρουργεία καὶ χρυσεία καὶ 10
λίθων γένη πολυτελῶν· περιέχεται δ' ἀπὸ μὲν τῆς
Λιβύης θισὶ μεγάλοις, ἀπὸ δὲ τῆς Ἀραβίας κρημνοῖς
συνεχέσιν, ἄνωθεν δ' ἐκ νότου ταῖς * συμβολαῖς τῶν
ποταμῶν, τοῦ τε Ἀσταβόρα καὶ τοῦ Ἀστάποδος καὶ τοῦ
C.822 Ἀστασόβα· πρὸς ἄρκτον δ' ἡ ἐφεξῆς ῥύσις τοῦ Νείλου 15
καὶ μέχρι Αἰγύπτου κατὰ τὴν λεχθεῖσαν πρότερον σκο-
λιότητα τοῦ ποταμοῦ. ἐν δὲ ταῖς πόλεσιν αἱ οἰκῆσεις ἐκ
φοινικίνων σχιζῶν * διαπλεκόμεναι τοίχων ἢ πλίνθων·
ὄρυκτοί δὲ ἅλεις καθάπερ ἐν τοῖς Ἀραβί· πλεονάζει δὲ
τῶν φυτῶν ὅ τε φοῖνιξ καὶ ἡ περσία καὶ ὁ ἔβενος καὶ 20
ἡ κερατία· θήρα δὲ καὶ ἐλεφάντων ἔστι καὶ λεόντων
καὶ παρδάλειων· εἰσὶ δὲ καὶ δράκοντες οἱ ἐλεφαντομά-
χοι καὶ ἄλλα θηρία πλείω· καταφεύγει γὰρ ἀπὸ τῶν
ἐμπυρωτέρων καὶ ἀνχηροτέρων ἐπὶ τὰ ὑδρηλὰ καὶ
ἐλωῶδη. 25
- 3 Ἐπείκειται δὲ τῆς Μερόης ἡ Ψεβὼ λίμνη μεγάλη
νῆσον ἔχουσα οἰκουμένην ἱκανῶς. συμβαίνει δὲ τοῦ
Νείλου τὴν μὲν δυσμικὴν παραποταμίαν ἐχόντων τῶν
Λιβύων, τὴν δὲ πέραν Αἰθιοπῶν, παρὰ μέρος αὐτῶν
τὴν ἐπικράτειαν εἶναι τῶν νήσων καὶ τῆς ποταμίας, 30

ἐξελαυνομένων τῶν ἐτέρων καὶ παραχωρούντων τοῖς
 κρείττοσι γενομένοις. χρώνται δὲ καὶ τόξοις Αἰθίοπες
 τετραπήχεσι ξυλίνοις πεφυρακτωμένοις· ὀπλίζουσι δὲ
 καὶ τὰς γυναῖκας, ὧν αἱ πλείους κεκρίκωνται τὸ χεῖ-
 5 λος τοῦ στόματος χαλκῷ κρίκῳ· κωδιοφόροι δ' εἰσὶν,
 ἑρέαν οὐκ ἔχοντες, τῶν προβάτων αἰγοτριχούντων· οἱ
 δὲ γυμνήτης εἰσιν, οἳ καὶ περιέζωνται μικρὰ κώδια ἢ
 τρίχινα πλέγματα εὐνυῆ. θεὸν δὲ νομίζουσι τὸν μὲν
 ἀθάνατον (τοῦτον δ' εἶναι τὸν αἷτιον τῶν πάντων)
 10 τὸν δὲ θνητὸν ἀνώνυμόν τινα καὶ οὐ σαφεῖ· ὥς δ' ἐπὶ
 τὸ πολὺ τοὺς εὐεργέτας καὶ βασιλικούς θεοὺς νομί-
 ζουσι, καὶ τούτων τοὺς μὲν βασιλέας κοινούς ἀπάν-
 των σωτήρας καὶ φύλακας, τοὺς δ' ἰδιώτας ἰδίως τοῖς
 εὖ παθοῦσιν ὑπ' αὐτῶν. τῶν δὲ πρὸς τῇ διακεκαν-
 15 μένῃ τινὲς καὶ ἄθεοι νομίζονται, οὓς γε καὶ τὸν ἥλιόν
 φασιν ἐχθαίρειν καὶ κακῶς λέγειν ἐπειδὰν προσίδωσιν
 ἀνίσχοντα, ὥς καίοντα καὶ πολεμοῦντα αὐτοῖς, κατα-
 φεύγειν τε εἰς τὰ ἔλη. οἱ δ' ἐν Μερόῃ καὶ Ἡρακλέα
 καὶ Πᾶνα καὶ Ἴσιν σέβονται πρὸς ἄλλῳ τινὶ βαρβα-
 20 ρικῷ θεῷ. τοὺς δὲ νεκροὺς οἱ μὲν εἰς τὸν ποταμὸν
 ἐκρίπτουσιν, οἱ δ' οἴκοι κατέχουσι περιχέαντες ὕαλον·
 τινὲς δὲ ἐν κεραμίαις σοροῖς κατορύττουσι κύκλῳ τῶν
 ἱερῶν, ὅρκον τε τὸν ὑπὲρ αὐτῶν ἀπαιτοῦσι καὶ πάν-
 των ἀγιστεύουσι μάλιστα. βασιλέας τε καθιστᾶσι τοὺς
 25 κάλλει διαφέροντας ἢ ἀρετῇ κτηνοτροφίας ἢ ἀνδρείᾳ
 ἢ πλούτῳ. ἐν δὲ τῇ Μερόῃ κυριωτάτην τάξιν ἐπειχον
 οἱ ἱερεῖς τὸ παλαιόν, οἳ γε καὶ τῷ βασιλεὶ προσέτατον
 ἔσθ' ὅτε ἀποθνήσκειν πέμψαντες ἄγγελον καὶ καθί-
 στασαν ἀντ' αὐτοῦ ἕτερον· ὕστερον δὲ κατέλυσέ τις^{C.823}
 30 τῶν βασιλέων τὸ ἔθος, ἐπιὼν μεθ' ὀπλων ἐπὶ τὸ ἱε-

ρόν, ὅπου ὁ χρυσοῦς νεῶς ἐστὶ, καὶ τοὺς ἱερέας ἀποσφάξας πάντας. ἐστὶ δὲ καὶ τοῦτο ἔθος Αἰθιοπικόν· ὅς γάρ ἂν τῶν βασιλέων πηρωθῇ μέρος τι τοῦ σώματος ὁπώσουν, τὸ αὐτὸ πάσχουσιν οἱ συνόντες αὐτῷ μάλιστα, οἱ δ' αὐτοὶ καὶ συναποθνήσκουσιν· ἐκ δὲ τούτου φυλακὴ τοῦ βασιλέως ἐστὶ πλείστη παρ' αὐτῶν. περὶ μὲν Αἰθιοπῶν ἀρκίσει ταῦτα.

- 4 Τοῖς δ' Αἰγυπτιακοῖς καὶ ταῦτα προσθετέον ὅσα ἰδιάζοντα, οἷον ὁ Αἰγύπτιος λεγόμενος κύαμος ἐξ οὗ τὸ κιβώριον, καὶ ἡ βύβλος· ἐνταῦθα γὰρ καὶ παρ' Ἰνδοῖς μόνον· ἡ δὲ περσέα ἐνταῦθα μόνον καὶ παρ' Αἰθίοφι, δένδρον μέγα, καρπὸν ἔχον γλυκὺν καὶ μέγαν, καὶ ἡ συκάμινος ἡ ἐκφέρουσα τὸν λεγόμενον καρπὸν συκόμορον· σύκῳ γὰρ ἔοικεν· ἄτιμον δ' ἐστὶ κατὰ τὴν γεῦσιν· γίνεται δὲ καὶ τὸ κόρσιον καὶ ὁμοίον τι πεπέραει τράγῃμα, μικρῷ αὐτοῦ μεῖζον. ἰχθύες δ' ἐντῷ Νεῖλῳ πολλοὶ μὲν καὶ ἄλλοι χαρακτῆρα ἔχοντες ἰδιον καὶ ἐπιχώριον, γνωριμώτατοι δὲ ὅ τε ὀξύρυγχος καὶ ὁ λεπιδωτὸς καὶ λάτος καὶ ἀλάβρης καὶ κορακῆνος καὶ χοῦρος καὶ φαργώριος ὃν καὶ φάγγρον καλοῦσιν, ἐτι σῖλουρος κιθαρὸς θρίσσα κιστρεὺς λύχνος φῦσα βοῦς· ὀστρακίων δὲ κοχλίας μεγάλοι φωνὴν ὀλολυγόσιν ὁμοίαν φθειγγόμενοι· ζῶα [δ'] ἐπιχώρια καὶ ὁ ἰχνεύμων καὶ ἡ ἄσπις ἡ Αἰγυπτία ἰδιὸν τι ἔχουσα παρὰ τὰς ἐν ἄλλοις· διττὴ δ' ἐστίν, ἡ μὲν σπιθαμιαία ἥπερ καὶ ὀξυθανατωτέρα, ἡ δ' ἑγγὺς ὀργυιᾶς, ὡς καὶ Νίκανδρος ὁ τὰ θηριακὰ γράψας εἰρηκε· καὶ τῶν ὀρνέων ἴβις καὶ ἰέραξ ὁ Αἰγύπτιος, ἡμερος παρὰ τοὺς ἄλλοθι, ὡς καὶ ἡ αἰλουρος· καὶ ὁ νυκτικόραξ ἰδιότροπος ἐνθάδε· παρ' ἡμῖν μὲν γὰρ ἀετοῦ μέγεθος ἴσχει καὶ φθέγγεται βαρὺ, ἐν Αἰγύπτῳ δὲ κολοιοῦ μέγεθος καὶ φθογγὴ διάφορος· ἡμερώτατον δ' ἡ ἴβις, πελαργώ-

δης μὲν κατὰ σχῆμα καὶ μέγεθος, διττὴ δὲ τὴν χρόαν,
ἥ μὲν πελαργώδης ἡ δὲ ὅλη μέλαινα· μεστὴ δ' αὐτῶν
ἅπαντα τριόδος ἐν Ἀλεξανδρείᾳ, πῇ μὲν χρησίμως πῇ
δ' οὐ χρησίμως· χρησίμως μὲν ὅτι πᾶν θηρίον ἐκλέ-
5 γει καὶ τὰ ἐν τοῖς κρεωπωλίοις καὶ τοῖς ὀψοπωλίοις
ἀποκαθάρματα, δυσχρήστως δὲ ὅτι παμφάγον καὶ
ἀκάθαρτον καὶ δυσκόλως ἀπειργόμενον ἀπὸ τῶν κα-
θαρείων καὶ τῶν ἀλλοτριῶν μολυσμοῦ παντός.

Ἀληθὲς δὲ καὶ τὸ Ἡροδότου καὶ ἔστιν Αἰγυπτια- 5
κὸν τὸ τὸν μὲν πηλὸν ταῖς χερσὶ φυρᾶν, τὸ δὲ στέαρ
τὸ εἰς τὴν ἀρτοποιίαν τοῖς ποσί. καὶ οἱ * κάρκεις δὲ C.824
ἰδιὸν τι ἄρτου γένος, στατικὸν κοιλίας, καὶ τὸ κῆκι
καρπὸς τις σπειρόμενος ἐν ἀρούραις, ἐξ οὗ ἔλαιον
ἀποθλίβεται εἰς μὲν λύχνον τοῖς ἀπὸ τῆς χώρας σχε-
15 δόν τι πᾶσιν, εἰς ἄλειμμα δὲ τοῖς πενεστέροις καὶ ἐρ-
γατικωτέροις καὶ ἀνδράσι καὶ γυναιξί· καὶ τὰ κοῖκινα
δὲ πλέγματα Αἰγυπτιακά ἐστι φυτοῦ τινος, ὅμοια τοῖς
σχοινίνοις ἢ φοινικίνοις. τὸ δὲ ζύθος ἰδίως μὲν σκευ-
άζεται παρ' ἐκείνοις, κοινὸν δ' ἐστὶ πολλοῖς, καὶ παρ'
20 ἐκάστοις δὲ αἱ σκευασαί διάφοροι. καὶ τοῦτο δὲ τῶν
μάλιστα ζηλουμένων παρ' αὐτοῖς τὸ πάντα τρέφειν τὰ
γεννώμενα παιδία καὶ τὸ περιτέμνειν καὶ τὰ θήλεα
ἐκτέμνειν, ὅπερ καὶ τοῖς Ἰουδαίοις νόμιμον· καὶ οὗτοι
δ' εἰσὶν Αἰγύπτιοι τὸ ἀνέκαθεν, καθάπερ εἰρήκαμεν
25 ἐν τῷ περὶ ἐκείνων λόγῳ. φησὶ δ' Ἀριστοβούλος ἐκ
τῆς θαλάττης μὴδὲν ἀνατρέχειν ὄψον εἰς τὸν Νεῖλον
πλὴν κιστρίως καὶ θρίσσης καὶ δελφίνος διὰ τοὺς κρο-
κοδείλους, τοὺς μὲν δελφίνας διὰ τὸ κρείττους εἶναι,
τοὺς δὲ κιστρίας τῷ παραπέμπεσθαι ὑπὸ τῶν χοίρων
30 παρὰ γῆν κατὰ τινα οἰκείωσιν φυσικὴν· τῶν δὲ χοί-
ρων ἀπέχεσθαι τοὺς κροκοδείλους στρογγύλων ὄντων
καὶ ἐχόντων ἀκάνθας ἐπὶ τῇ κεφαλῇ φερούσας κίν-

δυνον τοῖς θηρίοις· ἀναθεῖν μὲν οὖν ἕαρος τοὺς κε-
στρέας γόνον ἔχοντας, μικρὸν δὲ πρὸ δύσεως πλειά-
δος καταβαίνειν τεξομένους ἀθρόους, ὅτε καὶ ἡ ἄλω-
σις αὐτῶν γίνεται περιπιπτόντων τοῖς φράγμασιν
ἀθρόων· τοιαύτην δὲ τινα εἰκάζειν ἔστι καὶ περὶ τῆς
θρίσσης αἰτίαν. ταῦτα καὶ περὶ Αἰγύπτου.

- 3 Περὶ δὲ Λιβύης ἐφεξῆς λέγωμεν, ὅπερ λείπεται
μέρος τῆς συμπάσης γεωγραφίας. εἰρηται μὲν οὖν καὶ
πρότερον πολλὰ περὶ αὐτῆς, ἀλλὰ καὶ νῦν ὅσα καίρια
προσυπομνηστέον, προστιθέντας καὶ τὰ μὴ λεχθέντα 10
πρότερον. οἱ μὲν οὖν πρὸς τὰς ἡπείρους τὴν οἰκουμέ-
νην διελόντες ἀνίσως διεῖλον· ἐμφαίνει γὰρ τὸ τριχῇ
τὸ εἰς τρία ἴσα· τοσοῦτο δ' ἀπολείπεται τοῦ τρίτου
εἶναι μέρος τῆς οἰκουμένης ἡ Λιβύη ὥστε καὶ συντε-
θεῖσα μετὰ τῆς Εὐρώπης οὐκ ἂν ἐξισάζειν δόξειε τῇ 16
Ἀσίᾳ· τάχα δὲ καὶ τῆς Εὐρώπης ἐλάττων ἔστί, κατὰ δὲ
τὴν δύναμιν καὶ πολλῷ τι· ἔρημος γάρ ἐστιν ἡ
πολλὴ τῆς μεσογαίας καὶ τῆς παρωκεανίτιδος, κατοι-
κίαις δὲ κατάστικτός ἐστι μικραῖς καὶ σποράσι καὶ νο-
μαδικαῖς ταῖς πλείσταις· πρὸς δὲ τῇ ἐρημίᾳ καὶ τὸ θη- 20
ριοτρόφον ἐξελαύνει καὶ ἐκ τῆς δυναμένης οἰκεῖσθαι·
C.82B πολὺ δὲ καὶ τῆς διακεκαυμένης ἐπιλαμβάνει ζώνης. ἡ
μέντοι καθ' ἡμᾶς εὐδαιμόνως οἰκεῖται πᾶσα παραλία
ἡ μεταξὺ Νείλου καὶ στηλῶν, καὶ μάλιστα ἡ ὑπὸ Καρ-
χηδονίοις γενομένη· ἀνδρῶν δὲ τινες κάνταῦθα πα- 25
ρεμπίπτουσιν, οἳ περὶ τε τὰς Σύρτας καὶ τοὺς Μαρ-
μαρίδας καὶ τὸν Καταβαθμόν. ἔστι δὲ ὀρθογωνίου
τριγώνου τὸ σχῆμα, ὥς ἂν τις ἐν ἐπιπέδῳ νοήσῃ, βά-
σιν μὲν ἔχον τὴν καθ' ἡμᾶς παραλίαν τὴν ἀπὸ τῆς Αἰ-
γύπτου καὶ Νείλου μέχρι Μαυρουσίας καὶ στηλῶν, 30
πρὸς ὀρθὰς δὲ ταύτῃ πλευρὰν ἣν ὁ Νεῖλος ποιεῖ μέχρι
Αἰθιοπίας, προσεκβαλλόντων ἡμῶν ἕως Ὠκεανοῦ,

τὴν δ' ὑποτείνουσιν τῇ ὄρθῃ τὴν παρωικανῆτιν ἀπα-
 σαν τὴν μεταξὺ Αἰθιοπῶν καὶ Μαυρουσίων. τὸ μὲν
 οὖν κατ' αὐτὴν τὴν κορυφὴν τοῦ λεχθέντος σχήματος
 ἦδη πῶς ὑποπίπτει τῇ διακεκαυμένῃ λέγομεν ἐξ εἰκα-
 5 σμοῦ διὰ τὸ ἀπρόσιτον, ὥστ' οὐδὲ τὸ μέγιστον πλά-
 τος τῆς χώρας ἔχοιμεν ἂν λέγειν· τὸ μὲντοι τοσοῦτον
 ἐν τοῖς πρόσθεν λόγοις ἔφαμεν ὅτι ἐξ Ἀλεξανδρείας
 εἰς Μερὸν τὸ βασίλειον τῶν Αἰθιοπῶν πρὸς νότον
 ἰόντι σταδίοι εἰσι περὶ μυρίους, ἐκείθεν δ' ἐπ' εὐθείας
 10 ἐπὶ τοὺς ὄρους τῆς διακεκαυμένης καὶ τῆς οἰκουμένης
 ἄλλοι τρισχίλιοι· τὸ γοῦν αὐτὸ θετίον τὸ μέγιστον
 πλάτος τῆς Αἰβύης, μυρίους καὶ τρισχιλίους ἢ τετρα-
 κισχιλίους σταδίους, μήκος δὲ μικρῶ ἑλάττω ἢ δι-
 πλάσιον. τὰ καθ' ὅλου μὲν ταῦτα περὶ Αἰβύης· τὰ
 15 καθ' ἕκαστα δὲ λεκτίον ἀρξαμένοις ἀπὸ τῶν ἐσπερίων
 μερῶν καὶ τῶν ἐπιφανεστέρων.

Οἰκοῦσι δ' ἐνταῦθα Μαυρούσιοι μὲν ὑπὸ τῶν 2
 Ἑλλήνων λεγόμενοι, Μαῦροι δ' ὑπὸ τῶν Ῥωμαίων καὶ
 τῶν ἐπιχωρίων, Αἰβυκὸν ἔθνος μέγα καὶ εὐδαιμον,
 20 ἀντίπορθμον τῇ Ἰβηρίᾳ. κατὰ τοῦτο δὲ καὶ ὁ κατὰ τὰς
 στήλας τὰς Ἡρακλείους πορθμός ἐστι, περὶ οὗ πολλὰ
 εἴρηται. ἔξω δὲ προελθόντι τοῦ κατὰ τὰς στήλας πορθ-
 μοῦ, τὴν Αἰβύην ἐν ἀριστερᾷ ἔχοντι ὄρος ἐστίν, ὅπερ
 οἱ μὲν Ἕλληνες Ἀτλαντα καλοῦσιν οἱ βάρβαροι δὲ Δύ-
 25 ριν. ἐντεῦθεν δὲ πρόπους ἐκκεῖται τις ὕστατος πρὸς
 δύσιν τῆς Μαυρουσίας αἱ Κώταις λεγόμεναι· πλησίον
 δὲ καὶ πολίχνιον μικρὸν ὑπὲρ τῆς θαλάττης, ὅπερ
 Τρίγγα καλοῦσιν οἱ βάρβαροι, Δύγγα δ' ὁ Ἀρτεμίδω-
 ρος προσηγόρευκε, Ἐρατοσθένους δὲ Αἴξον· κίτται δ'
 30 ἀντίπορθμον τοῖς Γαδείροις ἐν διάρματι σταδίων
 ὀκτακοσίων, ὅσον ἑκάτερα διέχει τοῦ κατὰ τὰς στήλας
 πορθμοῦ· πρὸς νότον δὲ τῇ Αἴξῳ καὶ ταῖς Κώταις

παράκειται κόλπος Ἐμπορικὸς καλούμενος, ἔχων Φοι-
 C.826νικικὰς ἐμπορικὰς κατοικίας. ἔστι μὲν οὖν πᾶσα ἡ συν-
 εχὴς τῷ κόλπῳ τούτῳ παραλία κολπώδης, ὑπεξαιρου-
 μένῳ δὲ τοὺς κόλπους καὶ τὰς ἐξοχὰς κατὰ τὸ σχῆμα
 τὸ τριγωνοειδὲς ὃ ὑπέγραψα, νοεῖσθω μᾶλλον ἐπὶ τὴν 5
 μεσημβρίαν ἅμα καὶ τὴν ἑω λαμβάνουσα τὴν αὐξησιν
 ἢ ἡπειρος. τὸ δ' ὄρος διὰ μέσης ἐκτεινόμενον τῆς
 Μαυρουσίας τὸ ἀπὸ τῶν Κώτεων μέχρι καὶ Σύρτειων
 οἰκεῖται καὶ αὐτὸ καὶ ἄλλα παράλληλα αὐτῷ κατ' ἀρ-
 χὰς μὲν ὑπὸ τῶν Μαυρουσίων, ἐν βάθει δὲ τῆς χώρας 10
 ὑπὸ τοῦ μεγίστου τῶν Λιβυκῶν ἰθνῶν, οἱ Γαίτουλοι
 λέγονται.

- 3 Πλείστα δὲ πλάσματα τῇ Λιβυκῇ παραλίᾳ τῇ ἐκτὸς
 προσεφεύσαντο οἱ συγγραφεῖς ἀρξάμενοι ἀπὸ τοῦ
 Ὀφέλα περίπλου, περὶ ὧν ἐμνήσθημὲν πρὶν καὶ πρό- 15
 τερον, καὶ νῦν δὲ λέγομεν, συγγνώμην αἰτούμενοι τῆς
 τερατολογίας, ἵαν πρὶν βιασθῶμεν ἐκπεσεῖν εἰς τι τοι-
 οῦτο, φεύγοντες τὸ πάντα σιγῇ παραπέμπειν καὶ τρό-
 πον τινὰ πηροῦν τὴν ἱστορίαν. φασὶ δ' οὖν τὸν Ἐμπο-
 ρικὸν κόλπον αὐτὸν ἔχειν εἰσω δεχόμενον τὴν θά- 20
 λατταν ἐν ταῖς πλημμυρίσι μέχρι καὶ ἑπτὰ σταδίων,
 προκείμενον δὲ τούτου ταπεινὸν καὶ ὁμαλὸν χωρίον
 ἔχον Ἡρακλέους βωμόν, ὃν οὐκ ἐπικλύζεσθαι φασιν
 ὑπὸ τῆς πλημμυρίδος. Ἐν δὲ δὴ τι τῶν πλασμάτων νο-
 μίζω τοῦτο, ἐγγὺς δὲ τούτῳ τὸ ἐν τοῖς ἑξῆς κόλποις 25
 κατοικίας λέγεσθαι παλαιὰς Τυρίων, ἃς ἐρήμους εἶναι
 νῦν, οὐκ ἐλαττόνων ἢ τριακοσίων πόλεων, ἃς οἱ Φα-
 ρούσιοι καὶ οἱ Νιγρῆται ἐξεπόρθησαν· διέχειν δὲ τού-
 τος τῆς Λυγγὸς φασιν ἡμερῶν τριάκοντα ὁδόν.

- 4 Τὸ μέντοι τὴν Μαυρουσίαν εὐδαίμονα εἶναι χώ- 30
 ραν πλὴν ὀλίγης ἐρήμου, καὶ ποταμοῖς τε καὶ λίμναις
 κεχορηγηθῆσαι παρὰ πάντων ὁμολογεῖται. μεγαλόδεν-

δρός τε καὶ πολὺδενδρος ὑπερβαλλόντως ἐστὶ καὶ πάμ-
 φορος· τὰς γοῦν μονοξύλους τραπέζας ποικιλωτάτας
 καὶ μεγίστας ἐκείνη τοῖς Ῥωμαίοις χορηγεῖ. τοὺς δὲ
 ποταμοὺς ἔχειν φασὶ καὶ κροκοδείλους καὶ ἄλλα γένη
 5 ζῴων ἐμπερὶ τοῖς ἐν τῷ Νεῖλῳ· τινὲς δὲ καὶ τὰς τοῦ
 Νεῖλου πηγὰς πλησιάζειν οἶονται τοῖς ἄκροις τῆς Μαν-
 ρουσίας. ἐν ποταμῷ δὲ τινὶ γεννᾶσθαι βδέλλας ἐπτα-
 πήχεις, κατατετρημένα ἐχούσας τὰ βραγχία δι' ὧν
 ἀναπνέουσι. καὶ ταῦτα δὲ λέγουσι περὶ τῆς χώρας ὅτι
 10 ἄμπελος φύεται δυσὶν ἀνδράσι τὸ πάχος δυσπερίλη-
 πτος, βότρυν πηχυαῖον πῶς ἀποδιδοῦσα· βοτάνη τε
 ὑψηλὴ πᾶσα καὶ λάχανον * νεαρόν καὶ δρακόντιον, οἱ
 δὲ τῶν σταφυλίνων καυλοὶ καὶ ἱπομαράθου καὶ σκο-
 λύμων δωδεκαπήχεις, τὸ δὲ πάχος παλαιστῶν τεττά-
 15 ρων· καὶ δρακόντων δὲ καὶ ἐλεφάντων καὶ δορκάδων C.827
 καὶ βουβάλων καὶ τῶν παραπλησίων ζῴων, λεόντων
 τε καὶ παρδάλεων, παντοδαπὴ τροφὸς ἡ χώρα ἐστί.
 φέρει δὲ καὶ γαλαῖς αἰλούροις ἰσας καὶ ὁμοίας πλὴν ὅτι
 τὰ φύγῃ προπέπτωκε μᾶλλον, πιθήκων τε πάμπολυ
 20 πλῆθος, περὶ ὧν καὶ Ποσειδώνιος εἰρηκεν ὅτι πλέων
 ἐκ Γαδείρων εἰς τὴν Ἰταλίαν προσενεχθεῖη τῇ Λιβυκῇ
 παραλίᾳ καὶ ἴδοι τῶν θηρίων μεστὸν τινα τούτων ἀλι-
 τενη δρυμόν, τῶν μὲν ἐπὶ τοῖς δένδροις τῶν δ' ἐπὶ
 γῆς, ἐχόντων ἐνίων καὶ σκύμνους καὶ ἐπεχόντων μα-
 25 στόν· γελαῖν οὖν ὁρῶν βαρυμάστους, ἐνίους δὲ φαλα-
 κρούς, τοὺς δὲ κηλήτας καὶ ἄλλα τοιαῦτα ἐπιφαίνον-
 τας σίνη.

Ὅτι τὴν ταύτην δ' ἐστὶν ἐπὶ τῇ ἔξω θαλάττῃ ἡ τῶν 5
 ἐσπερίων καλουμένων Αἰθιοπῶν χώρα κακῶς οἰκου-
 30 μένη τὸ πλεον. ἐνταῦθα δὲ καὶ καμηλοπαρδάλεις φη-
 σὶν * Ἰφικράτης γεννᾶσθαι καὶ ἐλέφαντας καὶ τοὺς κα-
 λουμένους ῥίξεις, οἱ ταυροειδεῖς μὲν εἰσι τὴν μορφήν,
 22*

κατὰ δὲ τὴν δίαίταν καὶ τὸ μέγεθος καὶ τὴν ἀλκὴν τὴν
 πρὸς μάχην ἐλέφασιν εἰκόασι· δράκοντάς τε λέγει με-
 γάλους ὥστε καὶ πόαν ἐπιπεφυκέναι· τοὺς δὲ λέοντας
 τοῖς πώλοις τῶν ἐλεφάντων ἐπιτίθεσθαι, αἱμάζοντας
 δὲ φεύγειν ἐπιουσῶν τῶν μητέρων· τὰς δ' ἐπειδὰν ὁ
 ἰδῶσιν ἡμαγμένους, κτείνειν. ἐπανιόντας δὲ τοὺς λέ-
 οντας ἐπὶ τὰ πτώματα νεκροφαγεῖν. Βόγον δὲ τὸν βα-
 σιλίαν τῶν Μαυρουσίων ἀναβάντα ἐπὶ τοὺς ἐσπερίους
 Αἰθίοπας καταπέμψαι τῇ γυναικὶ δῶρα καλάμους τοῖς
 Ἰνδικοῖς ὁμοίους, ὧν ἕκαστον γόνυ χόλινικας χωροῦν 10
 ὀκτώ· καὶ ἀσπαράγων δ' ἐμπερῇ μεγέθῃ.

6 Εἰς δὲ τὴν ἐντὸς θάλατταν πλείουσιν ἀπὸ *Λυγγὸς*
 πόλιν ἐστὶ *Ζήλις* καὶ * *Τίγα*, εἴτα τῶν ἐπὶ ἀδελφῶν
 μνήματα καὶ τὸ ὑπερκείμενον ὄρος ὄνομα *Ἀβίλη* πο-
 λύθηρον καὶ μεγαλόδεδρον. τοῦ δὲ κατὰ τὰς στήλας 15
 πορθμοῦ τὸ μὲν μῆκος λέγεται σταδίων ἑκατὸν εἰκοσι,
 τὸ δ' ἐλάχιστον πλάτος κατὰ τὸν *Ἐλέφαντα* ἐξήκοντα.
 εἰσπλεύσαντι δ' ἐξῆς πόλεις τε καὶ ποταμοὶ πλείους
 μέχρι *Μολοχάθ* ποταμοῦ, ὃς ὀρίζει τὴν *Μαυρουσίαν*
 καὶ τὴν *Μασαυσίαν* γῆν. καλεῖται δὲ καὶ ἄκρα με- 20
 γάλη πλησίον τοῦ ποταμοῦ καὶ *Μεταγώνιον* τόπος
 ἄνδρος καὶ λυπρός, σχεδὸν δέ τι καὶ τὸ ὄρος τὸ ἀπὸ
 τῶν *Κώτεων* μέχρι δεῦρο, παρατείνει· μῆκος δὲ τὸ
 ἀπὸ τῶν *Κώτεων* ἐπὶ τοὺς ὄρους τοὺς τῶν *Μασαυσί-
 ῶν* στάδιοι πεντακισχίλιοι· ἐστὶ δὲ τὸ *Μεταγώνιον* 25
 κατὰ νέαν ποῦ *Καρχηδόνα* ἐν τῇ περαίᾳ· *Τιμοσθένης*
 δ' οὐκ εὖ κατὰ *Μασσαλίαν* φησὶν· ἐστὶ δ' ἐκ *Καρχη-
 0.828*δόνος νέας διάγραμμα εἰς *Μεταγώνιον* στάδιοι τρισχίλιοι,
 παράπλους δὲ εἰς *Μασσαλίαν* ὑπὲρ ἑξακισχιλίων.

7 Οὕτω δ' εὐδαίμονα χώραν οἰκοῦντες τὴν πλείστην 30
 οἱ *Μαυρούσιοι* διατελοῦσιν ὅμως καὶ μέχρι δεῦρο τοῦ
 χρόνου νομαδικῶς ζῶντες οἱ πολλοί· καλλωπίζονται

δ' ὁμως κόμης ἐμκλοκῇ καὶ πώγωνι καὶ χρυσοφορίᾳ
 σμήξει τε ὀδόντων καὶ ὀνυχισμῷ· σπάνιόν τε ἂν ἰδοῖς
 ἀπομένους ἀλλήλων ἐν τοῖς περιπάτοις τοῦ παραμέ-
 νειν αὐτοῖς ἄθικτον τὸν κόσμον τῶν τριχῶν. μάχονται
 5 δ' ἱππότες τὸ πλεον ἀπὸ ἄκοντος, σχοινοχαλίνους χρώ-
 μενοι τοῖς ἵπποις καὶ γυμνοῖς· ἔχουσι δὲ καὶ μαχαί-
 ρας· οἱ δὲ πεζοὶ τὰς τῶν ἐλεφάντων δορὰς ὥς ἀσπίδας
 προβάλλονται· τὰς δὲ τῶν λεόντων καὶ παρθάλεων
 καὶ ἄρκτων ἀμπέχονται καὶ ἐγκοιμῶνται. σχεδὸν δέ τι
 10 καὶ οὗτοι καὶ οἱ ἐφεξῆς Μασαῖσϋλιοι καὶ κοινῶς Αἰ-
 βυες κατὰ τὸ πλεον ὁμοιόσκευοί εἰσι καὶ τὰ ἄλλα ἐμ-
 φερεῖς, μικροῖς ἵπποις χρώμενοι, ὅξεσι δὲ καὶ εὐπει-
 θέσιν ὥστ' ἀπὸ φαβδίου οἰακίζεσθαι· περιτραχήλια
 δὲ ξύλινα ἢ τρίχινα, ἀφ' ὧν ὁ ὀνυτὴρ ἀπήρτηται· ἐνιοὶ
 15 δὲ καὶ χωρὶς ὀλκῆς ἔπονται ὥς κύνες· πέλτη μικρὰ βυρ-
 σίνη, πλατύλογχα μικρά, ἄξωστοι πλατύσημοι χιτῶ-
 νες, ἐπιπόρημα, ὥς ἔφην, δορὰ καὶ προθωράκιον.
 Φαρούσιοι δὲ καὶ Νίγηρες οἱ ὑπὲρ τούτων οἰκοῦντες
 πρὸς τοῖς ἐσπερίοις Αἰθίοψι καὶ τοξεύουσι, καθάπερ
 20 καὶ οἱ Αἰθίοπες· χρῶνται δὲ καὶ θρεπανηφόροις ἄρ-
 μασι· μίσγονται δὲ καὶ τοῖς Μαυρουσίοις οἱ Φαρούσιοι
 διὰ τῆς ἐρήμου σπανίως, ὑπὸ ταῖς κοιλαῖς τῶν ἵππων
 ὑπαρτῶντες τοὺς ἀσκούς τοῦ ὕδατος· ἔστι δ' ὅτε καὶ
 εἰς Κίρταν ἀφικνοῦνται διὰ τινων τόπων ἐλωδῶν καὶ
 25 λιμνῶν. τινὰς δ' αὐτῶν καὶ τραυλοδυτικῶς οἰκεῖν
 φασιν ὀρύττοντας τὴν γῆν. λέγεται δὲ κάνταῦθα τοὺς
 θερινοὺς ὄμβρους ἐπιπολάζειν, χειμῶνος δὲ εἶναι ἀνυ-
 δρίαν. ἐνίοις δὲ τῶν ταύτη βαρβάρων καὶ ὄφρων καὶ
 ἰχθύων δορᾶς ἀμπεχόνας τε καὶ στρώμασι χρῆσθαι.
 30 τοὺς δὲ Φαρουσίους ἐνιοὶ φασιν Ἰνδοὺς εἶναι τοὺς συγ-
 κατελθόντας Ἡρακλεῖ δεῦρο. μικρὸν μὲν οὖν πρὸ
 ἡμῶν οἱ περὶ Βόγον βασιλεῖς καὶ Βόκχον κατεῖχον αὐ-

τήν, φίλοι Ῥωμαίων ὄντες· ἐκλιπόντων δὲ τούτων,
 Ἰούβας παρέλαβε τὴν ἀρχήν, δόντος τοῦ Σεβαστοῦ
 Καίσαρος καὶ ταύτην αὐτῷ τὴν ἀρχὴν πρὸς τῇ πατρὶδι·
 υἱὸς δ' ἦν Ἰούβα τοῦ πρὸς Καίσαρα τὸν θεὸν πολεμή- 5
 σαντος μετὰ Σικιπίωνος. Ἰούβας μὲν οὖν νεωστὶ ἐτε-
 λεύτα τὸν βίον, διαδέδεται δὲ τὴν ἀρχὴν υἱὸς Πτολε-
 μαῖος γεγονώς ἐξ Ἀντωνίου θυγατρὸς καὶ Κλεοπάτρας.
 0.829⁸ Ἀρτεμίδωρος δ' Ἐρατοσθένει μὲν ἀντιλέγει, διότι
 Αἴξον τινὰ φησὶ πόλιν περὶ τὰ ἄκρα τῆς Μαυρουσίας
 τὰ ἱσπερία ἀντὶ Ἀνγγός· Φοινικικὰς δὲ πόλεις κατε- 10
 σπασμέναις παμπόλλαις τινάς, ὧν οὐδὲν ἰδεῖν ἔστιν
 ἔχνος· ἐν δὲ τοῖς ἱσπερίοις Αἰθίοφι ταῖς τε ὀρθριναῖς
 ὥραις καὶ ταῖς δειλιναῖς παχεῖς καὶ ἀχλυνώδεις εἶναι
 τοὺς αἴρας· πῶς γὰρ ἐν ἀνχμώδεσι καὶ καυματηροῖς
 τόποις ταῦτ' εἶναι; αὐτὸς δὲ τούτων πολὺ χεῖρω λέγει 15
 περὶ τοὺς αὐτοὺς τόπους· μετανάστας γὰρ τινὰς ἱστο-
 ρεῖ Λωτοφάγους, οἳ τὴν ἀνυδρον νέμοιντο, σιτοῦντο
 δὲ λωτόν, πόαν τινὰ καὶ ῥίζαν, ἀφ' ἧς οὐδὲν δέοιντο
 ποιοῦ. παρήκειν δ' αὐτοὺς μέχρι τῶν ὑπὲρ Κυρήνης
 τόπων· τοὺς δ' ἐκεῖ καὶ γαλακτοποιεῖν καὶ κρεωφα- 20
 γεῖν, καίπερ ταυτοκλινεῖς ὄντας. καὶ Γαβίνιος δὲ ὁ
 τῶν Ῥωμαίων συγγραφεὺς οὐκ ἀπέχεται τῆς τερατολο-
 γίας τῆς περὶ τὴν Μαυρουσίαν· πρὸς γὰρ τῇ Ἀνγγί
 Ἀνταίου μνημα ἱστορεῖ καὶ σκελετὸν πηχῶν ἐξήκοντα,
 ὃν Σερατώριον γυμνῶσαι καὶ πάλιν ἐπιβαλεῖν γῆν. καὶ 25
 τὰ περὶ τῶν ἐλεφάντων μυθώδη· φησὶ γὰρ τάλλα μὲν
 θηρία φεύγειν τὸ πῦρ, τοὺς δ' ἐλέφαντας πολεμεῖν
 καὶ ἀμύνεσθαι, διότι τὴν ὕλην φθείρει· πρὸς δὲ τοὺς
 ἀνθρώπους διαμάχεσθαι, κατασκόπους προπύμπον-
 τας, καὶ ὅταν ἰδῶσιν ἐκείνους [φεύγοντας], φεύγειν 30

καὶ αὐτοὺς, ἐπειδὴν δὲ τραύματα λάβωσιν, ἱκετηρίαν
προτείνουσιν κλάδους ἢ βοτάνην ἢ κόνιν.

Μετὰ δὲ τὴν τῶν Μαυρουσίων γῆν ἢ τῶν Μασαι- 9
συλίων ἐστίν, ἀπὸ τοῦ Μολοχὰθ ποταμοῦ τὴν ἀρχὴν
δ λαμβάνουσα, τελευτῶσα δὲ ἐπὶ τὴν ἄκραν, ἣ καλεῖται
[Τρητόν], ὄριον τῆς τε Μασαισύλων καὶ τῆς Μασυλι-
έων γῆς· στάδιοι δ' εἰσὶν ἀπὸ τοῦ Μεταγωνίου μέχρι
τοῦ Τρητοῦ ἑξακισχίλιοι· οἱ δ' ἐλάττους φασίν. ἔχει
δ' ἡ παραλία πόλεις τε πλείους καὶ ποταμοὺς καὶ χώ-
10 ραν εὐφυῆ, τῶν δ' ἐν ὀνόματι ἀρκεῖ μνησθῆναι. ἔστι
δὲ πόλις Σίγα ἐν χιλίοις σταδίοις ἀπὸ τῶν λεχθέντων
ὄρων, βασιλεῖον Σόφακος· κατέσπασται δὲ νῦν· τὴν
δὲ χώραν μετὰ Σόφακα κατέσχε Μασανάσσης, εἰτα Μι-
κίφας, εἰτα καὶ οἱ ἐκείνον διαδεξάμενοι, καθ' ἡμᾶς δὲ
15 Ἰούβας ὁ πατὴρ τοῦ νεωστὶ τελευτήσαντος Ἰούβα· κα-
τέσπασται δὲ καὶ Ζάμα τὸ τούτου βασιλεῖον ὑπὸ Ρω-
μαίων· μετὰ δὲ τὴν Σίγαν Θεῶν λιμὴν ἐν ἑξακοσίοις
σταδίοις· εἰτ' ἄλλοι ἄσημοι τόποι. τὰ μὲν οὖν ἐν βά-
θει τῆς χώρας ὄρεινὰ καὶ ἔρημα . . . ἔσθ' ὅτε παρέ-
20 σπαρται, ἃ κατέχουσιν οἱ Γαίτουλοι μέχρι καὶ Σύρ-
τειων· τὰ δ' ἐκεῖ πρὸς θαλάττῃ καὶ πεδία εὐδαίμονα
ἐστὶ καὶ πόλεις πολλαὶ καὶ ποταμοὶ καὶ λίμναι.

Ποσειδώνιος δ' οὐκ οἶδ' εἰ ἀληθεύει φήσας ὅλλ- C.830
γοις καὶ μικροῖς διαρρεῖσθαι ποταμοῖς τὴν Λιβύην· 10
25 αὐτοὺς γάρ, οὓς Ἀρτεμίδωρος εἰρηκε, τοὺς μεταξὺ
τῆς Αὐγγὸς καὶ Καρχηδόνης καὶ πολλοὺς εἰρηκε καὶ
μεγάλους. ἐν δὲ τῇ μεσογαίᾳ ταυτ' ἀληθέστερον εἴ-
πειν· εἰρηκε δὲ τούτου τὴν αἰτίαν αὐτός· μὴ γὰρ κα-
τομβρεῖσθαι τοῖς ἀρκτικοῖς μέρεσι, καθάπερ οὐδὲ τὴν
30 Αἰθιοπίαν φασί· διὸ πολλάκις λοιμικὰ ἐμπίπτειν ὑπὲρ
αὐχμῶν καὶ τὰς λίμνας τελεμάτων πίμπλασθαι καὶ τὴν
ἀκρίδα ἐπιπολάζειν. ἔτι φησὶ τὰ μὲν ἀνατολικά ὑγρά

εἶναι, τὸν γὰρ ἥλιον ἀνίσχοντα ταχὺ παραλλάττειν, τὰ δ' ἐσπέρια ξηρά, ἐκεῖ γὰρ καταστρέφειν ὕγρα γὰρ καὶ ξηρά, τὰ μὲν παρ' ὑδάτων ἀφθονίαν ἢ σπάνιν λέγεται, τὰ δὲ παρὰ τὴν τῶν ἡλίων· βούλεται δὲ λέγειν τὰ παρὰ τοὺς ἡλίους· ταῦτα δὲ πάντες ἀρκτικοὶς δ καὶ μεσημβρινοῖς κλίμασιν ἀφορίζουσι· καὶ μὴν ἀνατολικά τε καὶ δυσμικά, τὰ μὲν πρὸς τὰς οἰκήσεις λεγόμενα, καθ' ἐκάστην τὴν οἰκῆσιν καὶ τὴν μετάπτωσιν τῶν ὀριζόντων ἄλλα καὶ ἄλλα ἐστίν, ὥστ' οὐδ' ἐνεσσι καθολικῶς εἰπεῖν ἐπὶ τῶν ἀπεριλήπτων τὸ πλῆθος, ὅτι 10 τὰ μὲν ἀνατολικά ὕγρα, τὰ δὲ δυσμικά ξηρά. ὥς δὲ λέγεται πρὸς τὴν οἰκουμένην ὅλην καὶ τὰς ἐσχατίας τὰς τοιαύτας, οἷα καὶ ἡ Ἰνδικὴ καὶ ἡ Ἰβηρία, λέγοι ἂν εἰ ἄρα τὴν τοιαύτην ἀπόφασιν. τίς οὖν ἡ πιθανότης τῆς αἰτιολογίας; ἐν γὰρ περιφορᾷ συνεχεῖ τε καὶ ἀδια- 15 λείπτῳ τοῦ ἡλίου τίς ἂν εἴη καταστροφή; τό τε τάχος τῆς παραλλαγῆς πανταχοῦ ἴσον. ἄλλως τε παρὰ τὴν ἐνάργειάν ἐστι, τὰ ἐσχατα τῆς Ἰβηρίας ἢ τῆς Μαυρουσίας τὰ πρὸς δύσιν ξηρὰ λέγειν ἀπάντων μάλιστα· καὶ γὰρ τὸ περιέχον εὐκρατον ἔχει καὶ πλείστων ὑδάτων 20 εὐπορεῖ. εἰ δὲ τὸ καταστρέφειν τοιοῦτον εἴληπται, ὅτι ἐνταῦθα * τὰ ὕστατα τῆς οἰκουμένης ὑπὲρ γῆς γίνε-ται, τί τοῦτο συντείνει πρὸς ξηρασίαν; καὶ γὰρ ἐνταῦθα καὶ ἐν τοῖς ἄλλοις τόποις τῆς οἰκουμένης τοῖς ταυτοκλινέσι τὸν ἴσον διαλιπὼν χρόνον τὸν τῆς νυ- 25 κτὸς ἐπάνεισι πάλιν καὶ θερμαίνει τὴν γῆν.

- 11 Ἔστι δὲ πού αὐτόθι καὶ ἀσφάλτου πηγὴ καὶ χαλκωρυχεῖα· καὶ σκορπίων δὲ καὶ πτηνῶν καὶ ἀπτέρων λέγεται πλῆθος, μεγέθει δὲ ἐπτασπονδύλων, ὁμοίως δὲ καὶ φαλάγγια καὶ μεγέθει καὶ πλῆθει διαφέροντα· 30 σαύρας δὲ διπῆχεις φασίν. ἐν μὲν οὖν τῇ παρορείῳ λίθους εὐρίσκεσθαι φασὶ τοὺς λυχνίτας καὶ καρχήδο-

νίους λεγομένους· ἐν δὲ τοῖς πεδίοις ὄστρακίων καὶ
 χηραμύδων πλήθος, οἷον ἐν τοῖς περὶ τοῦ Ἀμμωνος
 λόγοις εἰρήκαμεν· καὶ δένδρον δὲ ἐστὶ μελίλωτον κα- C.831
 λούμενον, ἐξ οὗ σκευάζουσιν οἶνον· τινὲς δ' αὐτῶν
 5 καὶ δίκαρπον ἔχουσι τὴν γῆν, καὶ δύο θεριστικά καρ-
 ποῦνται, τὰ μὲν θερινὰ τὰ δ' ἑαρινὰ· ἐστὶ δὲ ἡ καλάμη
 πεντάπηχυς τὸ ὕψος, πάχος δὲ τοῦ μικροῦ δακτύλου,
 τὸν δὲ καρπὸν διακοσιοκαίτετταρακοντάχουν ἀποδί-
 δωσι· τοῦ δὲ ἔαρος οὐδὲ σπείρουσιν, ἀλλὰ παλιούροις
 10 συνδεδεμέναις ἐπικαταψήσαντες τὴν χώραν τῷ ἐκπε-
 σόντι στάχτι κατὰ τὸν θερισμὸν ἀρκοῦνται· τελει-
 καρπεῖ γάρ τὸν θερινὸν καρπὸν· διὰ δὲ το πλῆθος τῶν
 θηρίων κνημίδας ἔχοντες ἐργάζονται καὶ τὰλλα δὲ μέρη
 διψθεροῦνται· καθεύδοντες δὲ περιχρίουσι τοὺς κλι-
 15 νόποδας σκοροδοῖς τῶν σκορπίων χάριν καὶ παλιού-
 ροις περιδοῦσιν.

Ἐν δὲ τῇ παραλίᾳ ταύτῃ πόλις Ἰὼλ ὄνομα, ἣν ἐπι- 12
 κτίσας Ἰούβας ὁ τοῦ Πτολεμαίου πατὴρ μετωνόμασε
 Καισάρειαν, ἔχουσα καὶ λιμένα καὶ πρὸ τοῦ λιμένος
 20 νησίον· μεταξὺ δὲ τῆς Καισαρείας καὶ τοῦ Τρητοῦ μέ-
 γας ἐστὶ λιμὴν, ὃν Σάλδαν καλοῦσι· τοῦτο δ' ἐστὶν
 ὄριον τῆς ὑπὸ τῷ Ἰούβᾳ καὶ τῆς ὑπὸ τοῖς Ῥωμαίοις·
 πολυτρόπως γὰρ οἱ μερισμοὶ γεγέννηται τῆς χώρας,
 ἅτε τῶν νεμομένων αὐτὴν πλειόνων γενομένων καὶ
 25 τῶν Ῥωμαίων ἄλλοι ἄλλως τούτων τοῖς μὲν φίλοις
 χρωμένων, τοῖς δὲ καὶ πολεμοῖς, ὥστε καὶ ἀφαιρεῖσθαι
 καὶ χαρίζεσθαι συνέβαινεν ἄλλοις ἄλλα καὶ οὐ τὸν αὐ-
 τὸν τρόπον· ἦν δὲ ἡ μὲν πρὸς τῇ Μαυρουσίᾳ προσοδι-
 κωτέρα τε καὶ δυναμικωτέρα, ἡ δὲ πρὸς τῇ Καρχηδονίᾳ
 30 καὶ τῇ Μασυλίᾳ ἀνθηροτέρα τε καὶ κατεσκευασμένη
 βέλτιον, καίπερ κεκακωμένη διὰ τὰ Καρχηδόνια τὸ
 πρῶτον, ἔπειτα διὰ τὸν πρὸς Ἰουγούρθαν πόλεμον·

ἐκεῖνος γὰρ Ἀδάρβαλα ἐκπολιορκήσας ἐν Ἰτύκῃ καὶ ἀνελών, φίλον ὄντα Ῥωμαίων, ἐνέπλησε τὴν χώραν πολέμου· εἰτ' ἄλλοι ἐπ' ἄλλοις συνέστησαν πόλεμοι, τελευταῖος δὲ ὁ πρὸς Σκιπίωνα Καίσαρι τῷ θεῷ συστάς, ἐν ᾧ καὶ Ἰούβας ἀπέθανε· συνηφανίσθησαν δὲ 5 τοῖς ἡγεμόσι καὶ αἱ πόλεις, Τισιαοὺς τε καὶ Θάγα καὶ Θάλα, ἐτι δὲ καὶ Κάψα, τὸ γαζοφυλάκιον τοῦ Ἰουγοῦρθα, καὶ Ζάμα καὶ Ζίγγα καὶ πρὸς αἷς κατεπολέμησε Καῖσαρ Σκιπίωνα ὁ θεός, πρὸς Ρουσπίνῳ μὲν πρῶτον νικῶν, εἶτα πρὸς Οὐξίτοις, εἶτα πρὸς Θάψῳ καὶ τῇ 10 πλησίον λίμνῃ καὶ ταῖς ἄλλαις· πλησίον δὲ καὶ Ζέλλα καὶ Ἀρόλλα, ἐλεύθεραι πόλεις· εἶλε δ' ἐξ ἐφόδου Καῖσαρ τὴν [Κέρκινναν] νῆσον καὶ Θέναν, πολίχνην ἐπιθαλαττιδίαν. τούτων πασῶν αἱ μὲν τελείως ἡφανίσθησαν, αἱ δ' ἡμίσπαστοι κατελείφθησαν· Φαράν δ' οἱ 15 Σκιπίωνος ἱππεῖς ἐνέπρησαν.

C.832 Μετὰ δ' οὖν Τρητὸν ἢ Μασυλιέων ἐστὶ καὶ ἡ
13 Καρχηδονίων παραπλησία χώρα. Κίρτα τέ ἐστιν ἐν μεσογαίᾳ, τὸ Μασανάσσου καὶ τῶν ἐξῆς διαδόχων βασιλειον, πόλις εὐεργεστάτη καὶ κατεσκευασμένη καλῶς 20 τοῖς πᾶσι καὶ μάλιστα ὑπὸ Μικίφα, ὅστις καὶ Ἕλληνας συνήκτισεν ἐν αὐτῇ καὶ τοσαύτην ἐποίησεν ὥστ' ἐκπέμπειν μυρίους ἱππέας, διπλασίους δὲ πεζοὺς. ἢ τε δὴ Κίρτα ἐνταῦθα καὶ οἱ δύο Ἰππῶνες, ὁ μὲν πλησίον Ἰτύκης ὁ δὲ ἀπωτέρω πρὸς τῷ Τρητῷ μᾶλλον, ἄμφω 25 βασιλεια. ἢ δὲ Ἰτύκῃ δευτέρα μετὰ Καρχηδόνα τῷ μεγέθει καὶ τῷ ἀξιώματι· καταλυνθείσης δὲ Καρχηδόνης ἐκείνη ἦν ὡς ἂν μητρόπολις τοῖς Ῥωμαίοις καὶ ὁρμητήριον πρὸς τὰς ἐν Λιβύῃ πράξεις· ἴδονται δ' ἐν αὐτῷ τῷ κόλπῳ τῷ Καρχηδονιακῷ πρὸς θατέρῳ τῶν ἄκρω- 30 τηρίων τῶν ποιούντων τὸν κόλπον, ὧν τὸ μὲν πρὸς τῇ Ἰτύκῃ καλοῦσιν Ἀπολλώνιον, θάτερον δ' Ἐρμαῖαν,

καὶ εἰσὶν ἐν ἐπόψει ἀλλήλαις αἱ πόλεις. ἔτι δὲ τῆς Ἰτυ-
κης πλησίον ὁ Βαγράδας ποταμός· εἰσὶ δ' ἀπὸ Τρητοῦ
μέχρι Καρχηδόνης σταδίοι δισχίλιοι πεντακόσιοι· οὔτε
τοῦθ' ὁμολογεῖται δὲ τὸ διάστημα οὔτε τὸ μέχρι Σύρ-
5 τειων.

Καὶ Καρχηδὼν δὲ ἐπὶ χειρρονήσου τινὸς ἴδρυται, 14
περιγραφούσης κύκλον τριακοσίων ἐξήκοντα σταδίων
ἔχοντα τεῖχος, οὗ τὸ ἐξηκονταστάδιον μῆκος αὐτὸς ὁ
αὐχὴν ἐπέχει, καθήκον ἀπὸ θαλάττης ἐπὶ θάλατταν,
10 ὅπου τοῖς Καρχηδονίοις ἦσαν αἱ τῶν ἐλεφάντων στά-
σεις, τόπος εὐρυχωρής. κατὰ μέσην δὲ τὴν πόλιν ἡ
ἀκρόπολις ἦν ἐκάλουν Βύρσαν, ὀφρὺς ἱκανῶς ὀρθία,
κύκλῳ περιρικουμένη, κατὰ δὲ τὴν κορυφὴν ἔχουσα
Ἀσκληπιεῖον, ὅπερ κατὰ τὴν ἄλωσιν ἡ γυνὴ τοῦ
15 Ἀσδρούβα συνέπερσεν αὐτῇ. ὑπόκεινται δὲ τῇ ἀκρο-
πόλει οἱ τε λιμένες καὶ ὁ Κώθων, νησίον περιφερὲς
εὐρίκῳ περιεχόμενον, ἔχοντι νειωσοίκους ἐκατέρωθεν
κύκλῳ.

Κτίσμα δ' ἐστὶ Λιδουῶς ἀγαγούσης ἐκ Τύρου λαόν· 16
20 οὕτω δ' εὐτυχῆς ἡ ἀποικία τοῖς Φοίνιξιν ὑπῆρξε καὶ
αὕτη καὶ ἡ μέχρι τῆς Ἰβηρίας τῆς τε ἄλλης καὶ τῆς ἔξω
στηλῶν ὥστε τῆς Εὐρώπης ἐτι νῦν τὴν ἀρίστην νέμον-
ται Φοίνικες κατὰ τὴν ἡπειρον καὶ τὰς προσειχεῖς νή-
σους, τὴν τε Λιβύην κατεκτήσαντο πᾶσαν, ὅσον μὴ
26 νομαδικῶς οἷόν τ' ἦν οἰκεῖν. ἀφ' ἧς δυνάμεως πόλιν
τε ἀντίπαλον τῇ Ῥώμῃ κατεσκευάσαντο καὶ τρεῖς ἐπο-
λέμησαν μεγάλους πρὸς αὐτοὺς πολέμους. γένοιτο δ'
ἂν εὐθελος ἡ δύναμις αὐτῶν ἐκ τοῦ ὑστάτου πολέμου,
ἐν ᾧ κατελύθησαν ὑπὸ Σκιπίωνος τοῦ Αἰμιλιανοῦ, καὶ
30 ἡ πόλις ἄρδην ἠφανίσθη. ὅτε γὰρ ἤρξαντο πολεμεῖν C. 833

τοῦτον τὸν πόλεμον, πόλεις μὲν εἶχον τριακοσίας ἐν τῇ
 Λιβύῃ, ἀνθρώπων δ' ἐν τῇ πόλει μυριάδας ἐβδομή-
 κοντα· πολιορκούμενοι δὲ καὶ ἀναγκασθέντες τραπέ-
 σθαι πρὸς ἐνδοσιν πανοπλιῶν μὲν ἔδοσαν μυριάδας
 εἰκοσι καταπελτικά δὲ ὄργανα τρισχίλια, ὥς οὐ πολὺ- 5
 μνηθησόμενοι. κριθέντος δὲ πάλιν τοῦ ἀναπολεμεῖν,
 ἐξαίφνης ὀπλοποιίαν συνεστήσαντο, καὶ ἐκάστης ἡμέ-
 ρας ἀνεφέροντο θυρεοὶ μὲν ἑκατὸν καὶ τετραράκοντα
 πεπηγότες, μάχαιραι δὲ τριακόσiai καὶ λόγχοι πεντα-
 κόσiai, χίλια δὲ βέλη καταπελτικά, τρίχα δὲ τοῖς κατα- 10
 πέλταις αἱ θεράπαιναι παρείχον· ἔτι τοίνυν ναῦς ἔχον-
 τες δῶδεκα ἐξ ἑτῶν πεντήκοντα κατὰ τὰς ἐν τῷ δευτέρῳ
 πολέμῳ συνθήκας, τότε καίπερ ἤδη συμπεφευγότες εἰς
 τὴν Βύρσαν ἐν διμήνῳ κατέσκευάσαντο ναῦς ἑκατὸν
 εἰκοσι καταφράκτους, καὶ τοῦ στόματος τοῦ Κῳθωνος 15
 φρουρουμένου διώρυξαν ἄλλο στόμα, καὶ προῆλθεν
 αἰφνιδίως ὁ στόλος· ὕλη γὰρ ἦν ἀποκειμένη παλαιὰ
 καὶ τεχνιτῶν πλῆθος προσεδρεῦον καὶ σιταρχούμενον
 δημοσίᾳ. τοιαύτη δ' οὐσα Καρχηδῶν ὅμως ἰάλω καὶ
 κατεσκάφη. τὴν δὲ χώραν τὴν μὲν ἐπαρχίαν ἀπέδειξαν 20
 Ῥωμαῖοι τὴν ὑπὸ τοῖς Καρχηδονίοις, τῆς δὲ Μασανάσ-
 σην ἀπέδειξαν κύριον καὶ τοὺς ἀπογόνους τοὺς περὶ
 Μικίψαν. μάλιστα γὰρ ἐσπουδάσθη παρὰ τοῖς Ῥω-
 μαίοις ὁ Μασανάσσης δι' ἀρετὴν καὶ φιλίαν· καὶ γὰρ
 δὴ καὶ οὗτός ἐστιν ὁ τοὺς νομάδας πολιτικούς κατα- 25
 σκευάσας καὶ γεωργούς, ἔτι δ' ἀντὶ τοῦ ληστεύειν δι-
 δάξας στρατεύειν. ἴδιον γὰρ τι τοῖς ἀνθρώποις συνέβη
 τούτοις· χώραν γὰρ οἰκοῦντες εὐδαίμονα πλὴν τοῦ
 θηρίοις πλεονάζειν, ἑάσαντες ἐκφέρειν ταῦτα καὶ τὴν
 γῆν ἐργάζεσθαι μετὰ ἀδείας ἐπ' ἀλλήλοις ἐτρέποντο, 30
 τὴν δὲ γῆν τοῖς θηρίοις ἀφείσαν. οὕτω δ' αὐτοῖς συνέ-
 βαινε πλάνητα καὶ μετανάστην· βίον ζῆν μὴδὲν ἤτιον

τῶν ὑπὸ ἀπορίας καὶ λυπρότητος τόπων ἢ ἀέρων εἰς
 τοῦτο περισταμένων τῶν βίων, ὥστε καὶ ἰδίον τοῦθ'
 εὐρίσκεισθαι τοῦνομα τοὺς Μασαισυλίου· καλοῦνται
 γὰρ Νομάδες. ἀνάγκη δὲ τοὺς τοιοῦτους εὐτελεῖς εἶναι
 5 τοῖς βίοις καὶ τὸ πλέον ῥιζοφάγους ἢ κροτοφάγους, γά-
 λακτι δὲ καὶ τυρῷ τρεφομένους. ἡρημωμένης δ' οὖν
 ἐπὶ πολὺν χρόνον τῆς Καρχηδόνης, καὶ σχεδὸν τι τὸν
 αὐτὸν χρόνον ὄνπερ καὶ Κόρινθος, ἀνελήφθη πάλιν
 περὶ τοὺς αὐτοὺς πῶς χρόνους ὑπὸ Καίσαρος τοῦ θεοῦ
 10 πέμψαντος ἐποίκους Ῥωμαίων τοὺς προαιρουμένους
 καὶ τῶν στρατιωτῶν τινας, καὶ νῦν εἴ τις ἄλλη καλῶς
 οἰκεῖται τῶν ἐν Λιβύῃ πόλεων.

Διάπλους δ' ἐστὶν ἐκ Καρχηδόνης ἐξήκοντα στα-
 16 δίων εἰς τὴν προσεχῆ περαίαν, ὅθεν εἰς Νέφεριν ἀνά-
 15 βασίς σταδίων ἑκατὸν εἴκοσι, πόλιν ἐρυμνὴν ἐπὶ πέτρᾳ
 ῥωκισμένην. ἐν αὐτῷ δὲ τῷ κόλπῳ ἐν ᾧ περ καὶ ἡ Καρ-
 χηδὼν, Τύνις ἐστὶ πόλις καὶ θεοῦ καὶ λατομίαι τινές·
 εἰδ' ἡ Ἑρμαία ἄκρα τραχεῖα καὶ ἐπ' αὐτῇ πόλις ὁμώ-
 νυμος· εἴτα Νεάπολις· εἴτ' ἄκρα Ταφίτις, καὶ ἐπ'
 20 αὐτῇ λόφος Ἀσπίς καλούμενος ἀπὸ τῆς ὁμοιότητος,
 ὄνπερ συνώκισεν ὁ τῆς Σικελίας τύραννος Ἀγαθυκλῆς
 καθ' ὃν καιρὸν ἐπέπλευσε τοῖς Καρχηδονίοις· συγκα-
 τασπάσθησαν δὲ τῇ Καρχηδονίᾳ ὑπὸ Ῥωμαίων αἱ πό-
 λεις αὗται. ἀπὸ δὲ τῆς Ταφίτιδος ἐν τετρακοσίοις στα-
 25 δίοις νῆσός ἐστι Κόσσουρος κατὰ Σελινούντα τῆς Σι-
 κελίας ποταμόν, καὶ πόλιν ἔχουσα ὁμώνυμον, ἑκατὸν

12. post πόλεων: Κατὰ μέσον δὲ τὸ στόμα τοῦ Καρχηδο-
 νίου κόλπου νῆσός ἐστι Κόσσουρα. ἀντίπορθμος δ' ἐστὶν ἡ
 Σικελία τοῖς τόποις τοῦτοις ἢ κατὰ Αἰλύβατον, ὅσον ἐν δια-
 στήματι χιλίων καὶ πεντακοσίων σταδίων· τοσοῦτον γάρ φησι
 τὸ ἐκ Αἰλύβατον μέχρι Καρχηδόνης· οὐ πολὺ δὲ τῆς Κορ-
 σούρας διέχουσιν οὐδὲ τῆς Σικελίας ἄλλαι τι νῆσοι καὶ Αἰγί-
 μουρος.

καὶ πεντήκοντα σταδίων οὕσα τὴν περίμετρον, διέ-
 χουσα τῆς Σικελίας περὶ ἑξακοσίους σταδίους· ἔστι δὲ
 καὶ Μελίτη νῆσος ἐν πεντακοσίοις σταδίοις ἀπὸ τῆς
 Κοσσούρου. εἶτα Ἀδρύμης πόλις, ἐν ᾗ καὶ νεώρια ἦν·
 εἰδ' αἱ Ταριχεῖαι λεγόμεναι, νησία πολλὰ καὶ πυκνά· 5
 εἶτα Θάψος πόλις, καὶ μετὰ ταύτην νῆσος πελαγία Λο-
 παδοῦσσα· εἶτα ἄκρα Ἀμμωνος Βαλίθωνος, πρὸς
 ἣ θυννοσκοπεῖον· εἶτα Θένα πόλις παρὰ τὴν ἀρχὴν
 κειμένη τῆς μικρᾶς σύρτεως· πολλαὶ δ' εἰσὶ καὶ ἄλλαι
 μεταξὺ πολίχναι οὐκ ἄξιαι μνήμης· παράκειται δὲ τῇ 10
 ἀρχῇ τῆς σύρτεως νῆσος παραμήκης ἡ Κέρκιννα εὐ-
 μεγέθης ἔχουσα ὁμώνυμον πόλιν, καὶ ἄλλη ἐλάττων
 Κερκιννίτις.

- 17 Συνεχῆς δ' ἐστὶν ἡ μικρὰ σύρτις, ἣν καὶ Λωτοφα-
 γίτιν σύρτιν λέγουσιν. ἔστι δ' ὁ μὲν κύκλος τοῦ κόλ- 15
 που τούτου σταδίων χιλίων ἑξακοσίων, τὸ δὲ πλάτος
 τοῦ στόματος ἑξακοσίων· καθ' ἑκατέραν [δὲ] τὴν ἄκραν
 τὴν ποιοῦσαν τὸ στόμα προσεχεῖς εἰσὶ τῇ ἡπίερω νῆσοι,
 ἣ τε λεχθεῖσα Κέρκιννα καὶ ἡ Μῆνιγξ, πάρισοι τοῖς
 μεγέθεσι. τὴν δὲ Μῆνιγγα νομίζουσιν εἶναι τὴν τῶν 20
 Λωτοφάγων γῆν τὴν ὑφ' Ὀμήρου λεγομένην, καὶ δεῖ-
 κνυταὶ τινὰ σύμβολα, καὶ βωμὸς Ὀδυσσεύος καὶ αὐτὸς
 ὁ καρπός· πολὺ γάρ ἐστι τὸ δένδρον ἐν αὐτῇ τὸ κα-
 λούμενον λωτόν, ἔχον ἡδιστον καρπὸν· πλείους δ'
 εἰσὶν ἐν αὐτῇ πολίχναι, μία δ' ὁμώνυμος τῇ νήσῳ· καὶ 25
 C.835 ἐν αὐτῇ δὲ τῇ σύρτι πολίχναι τινές εἰσι. κατὰ δὲ τὸν
 μυχὸν ἔστι παμμέγεθες ἐμπόριον, ποταμὸν ἔχον ἐμ-
 βάλλοντα εἰς τὸν κόλπον. διατείνει δὲ μέχρι δεῦρο τὰ
 τῶν ἀμπώτεων πάθη καὶ τῶν πλημμυρίδων, καθ' ὃν
 καιρὸν ἐπὶ τὴν θήραν τῶν ἰχθύων ἐπιπηδῶσιν οἱ 30
 πρόσχωροι κατὰ σπουδὴν θιόντες.

- 18 Μετὰ δὲ τὴν σύρτιν Ζοῦχis ἔστι λίμνη σταδίων

- τετρακοσίων στενὸν ἔχουσα εἰσπλουν καὶ παρ' αὐτὴν
 πόλις ὁμώνυμος πορφυροβαφεῖα ἔχουσα καὶ ταριχείας
 παντοδαπὰς· εἰτ' ἄλλη λίμνη πολὺ ἐλάττων· καὶ μετὰ
 ταύτην Ἀβρότονον πόλις καὶ ἄλλαι τινές, συνεχῶς δὲ
 5 Νεάπολις, ἣν καὶ Λέπτιν καλοῦσιν· ἐντεῦθεν δ' ἐστὶ
 διάγραμμα τὸ Λοκρῶν τῶν Ἐπιξεφυρίων τρισχίλιοι ἑξα-
 κόσιοι στάδιοι. ἑξῆς δ' ἐστὶ [Κίνυψ] ποταμός· καὶ
 μετὰ ταῦτα διατείχισμά τι, ὃ ἐποίησαν Καρχηδόνιοι
 γειφυροῦντες βάραθρά τινα εἰς τὴν χώραν ἀνέχοντα·
 10 εἰσὶ δὲ καὶ ἀλίμενοί τινες ἐνταῦθα τόποι, τῆς ἄλλης
 παραλίας ἐχούσης λιμένας· εἰτ' ἄκρα ὑψηλὴ καὶ ὑλῶ-
 δης, ἀρχὴ τῆς μεγάλης σύρτεως, καλοῦσι δὲ Κεφαλὰς·
 εἰς ταύτην δὲ τὴν ἄκραν ἐκ Καρχηδόνης στάδιοι εἰσι
 μικρῷ πλείους τῶν πεντακισχιλίων.
 15 Ὑπέρκειται δὲ τῆς ἀπὸ Καρχηδόνης παραλίας 19
 μέχρι Κεφαλῶν καὶ μέχρι τῆς Μασαισυλίων ἢ τῶν Λι-
 βοφοινίκων γῆς μέχρι τῆς τῶν Γαιτούλων ὄρεινῆς ἤδη
 Λιβυκῆς οὔσης· ἣ δ' ὑπὲρ τῶν Γαιτούλων ἐστὶν ἡ τῶν
 Γαραμάντων γῆς παράλληλος ἐκείνῃ, ὅθεν οἱ καρχη-
 20 δόνιοι κομίζονται λίθοι· τοὺς δὲ Γαράμαντας ἀπὸ τῶν
 Αἰθιοπῶν τῶν παρωκεανιτῶν ἀφιστάναί φασιν ἡμε-
 ρῶν ἐννέα ἢ καὶ δέκα ὁδόν, τοῦ δὲ Ἀμμωνος καὶ πεν-
 τεκαίδεκα. μετὰ τὴν Γαιτούλων καὶ τῆς ἡμετέρας
 παραλίας πολλὰ μὲν πεδία, πολλὰ δὲ ὄρη καὶ λίμναι
 25 μεγάλα καὶ ποταμοί, ὧν τινες καὶ καταδύντες ὑπὸ γῆς
 ἀφανεῖς γίνονται· λιτοὶ δὲ σφόδρα τοῖς βίοις εἰσὶ καὶ
 τῷ κόσμῳ, πολυγύναικες δὲ καὶ πολὺπαιδες, τὰλλα δὲ
 ἐμφερεῖς τοῖς νομάσι τῶν Ἀράβων· καὶ ἵπποι δὲ καὶ
 βόες μακροτραχηλότεροι τῶν παρ' ἄλλοις· ἱπποφόρ-
 30 βια δ' ἐστὶν ἐσπουδασμένα διαφερόντως τοῖς βασιλεῦ-

σιν, ὥστε καὶ ἀριθμὸν ἐξετάζεσθαι πῶλων κατ' ἔτος εἰς μυριάδας δέκα. τὰ δὲ πρόβατα γάλακτι καὶ κρέασιν ἐκτρέφεται, καὶ μάλιστα πρὸς τοῖς Αἰθίοψι. τοιαῦτα μὲν τὰ ἐν τῇ μεσογαίᾳ.

20 Ἡ δὲ μεγάλη σύρτις τὸν μὲν κύκλον ἔχει σταδίων 5

[τρισεχιλίων] ἑνακοσίων τριάκοντά που, τὴν δ' ἐπὶ τὸν μυχὸν διάμετρον χιλίων πεντακοσίων, τοσοῦτον δέ που καὶ τὸ τοῦ στόματος πλάτος. ἡ χαλεπότης δὲ καὶ ταύτης τῆς σύρτεως καὶ τῆς μικρᾶς ὅτι πολλαχοῦ τενα-

C.836 γῶδης ἐστὶν ὁ βυθὸς καὶ κατὰ τὰς ἀμπώτεις καὶ τὰς 10

πλημμυρίδας συμβαίνει τισὶν ἐμπίπτειν εἰς τὰ βράχη καὶ καθίζειν, σπάνιον δ' εἶναι τὸ σωζόμενον σκάφος. διόπερ πόρρωθεν τὸν παράπλουιν ποιοῦνται φυλαττόμενοι μὴ ἐμπέσοιεν εἰς τοὺς κόλπους ὑπ' ἀνέμων ἀφύ-

λακτοὶ ληφθέντες· τὸ μέντοι παρακίνδυνον τῶν ἀν- 15

θρώπων ἀπάντων διαπειρᾶσθαι ποιεῖ, καὶ μάλιστα τῶν παρὰ γῆν παράπλων. εἰσπλέοντι δὲ τὴν μεγάλην σύρτιν ἐν δεξιᾷ μετὰ τὰς Κεφαλὰς ἐστὶ λίμνη τριακοσίων που σταδίων τὸ μῆκος ἑβδομήκοντα δὲ τὸ πλάτος, ἐκδιδοῦσα εἰς τὸν κόλπον, ἔχουσα καὶ νησία καὶ 20 ὕφορμον πρὸ τοῦ στόματος. μετὰ δὲ τὴν λίμνην τόπος ἐστὶν Ἀσις καὶ λιμὴν κάλλιστος τῶν ἐν τῇ σύρτι.

συνεχῆς δὲ ὁ Εὐφράντας πύργος ἐστίν, ὄριον τῆς πρό- 25

τερον Καρχηδονίας γῆς καὶ τῆς Κυρηναίας τῆς ὑπὸ Πτολεμαίῳ· εἴτ' ἄλλος τόπος Χάραξ καλούμενος, ᾧ ἐμπορίῳ ἐχρῶντο Καρχηδόνιοι κομίζοντες οἶνον, ἀν-

τιφορτιζόμενοι δὲ ὀπὸν καὶ σίλφιον παρὰ τῶν ἐκ Κυρήνης λάθρα παρακομίζόντων· εἴθ' οἱ Φιλαίνων βωμοί· καὶ μετὰ δὲ τούτους Ἀυτόμαλα φρούριον φυλακὴν ἔχον, ἰδρυμένον κατὰ τὸν μυχὸν τοῦ κόλπου παντός. 30

ἐστὶ δ' ὁ διὰ τοῦ μυχοῦ τούτου παράλληλος τοῦ μὲν δι' Ἀλεξανδρείας μικρῷ νοτιώτερος χιλίοις σταδίοις, τοῦ

- δὲ διὰ Καρχηδόνης ἐλάττωσιν ἢ δισχιλίους· πίπτοι δ' ἂν τῇ μὲν καθ' Ἡρώων πόλιν τὴν ἐν τῷ μυχῷ τοῦ Ἀραβίου κόλπου, τῇ δὲ κατὰ τὴν μεσόγαιαν τῶν Μασισυλίων καὶ τῶν Μαυρουσίων· ὅπου τὸ λειπόμενον 5 ἤδη τῆς παραλίας ἐστὶν εἰς πόλιν Βερενίκην σταδίοι χίλιοι πεντακόσιοι. ὑπέρκεινται δὲ τοῦ μήκους τοῦδε παρήκοντες καὶ μέχρι τῶν Φιλαίνου βωμῶν οἱ προσαγορευόμενοι Νασαμαῶνες, Λιβυκὸν ἔθνος· ἔχει δὲ το μεταξὺ διάστημα καὶ λιμένας οὐ πολλοὺς ὑδροῖά τε 10 σπάνια. ἔστι δὲ ἄκρα λεγομένη Ψευδοπενιάς, ἐφ' ἧς ἡ Βερενίκη τὴν θέσιν ἔχει παρὰ λίμνην τινὰ Τριτωνίδα, ἐν ᾗ μάλιστα νησίον ἐστὶ καὶ ἱερὸν τῆς Ἀφροδίτης ἐν αὐτῷ· ἐστὶ δὲ καὶ λίμνη Ἑσπερίδων, καὶ ποταμὸς ἐμβάλλει Λάθων. ἐνδοτέρω δὲ τῆς Βερενίκης ἐστὶ τὸ 15 μικρὸν ἄκρωτήριον λεγόμενον Βόρειον ὃ ποιεῖ τὸ στόμα τῆς σύρτως πρὸς τὰς Κεφαλὰς· κεῖται δὲ ἡ Βερενίκη κατὰ τὰ ἄκρα τῆς Πελοποννήσου, κατὰ τὸν καλούμενον Ἰχθύνη [καὶ τὸν Χελωνάταν,] καὶ ἐτι κατὰ τὴν Ζάκυνθον, ἐν διάγραμματι σταδίων τρισχιλίων ἑξακοσίων. ἐκ ταύτης 20 τῆς πόλεως τριακοσταῖος πεζῇ περιώδευσε τὴν σύρτιν Μάρκος Κάτων, κατάγων στρατιὰν πλειόνων ἡμιμυρίων ἀνδρῶν, εἰς μέρη διελὼν τῶν ὑδροίων χάριν· ὤδευσε δὲ πεζὸς ἐν ἄμμῳ βαθείᾳ καὶ καύμασι. μετὰ δὲ Βερενίκην πόλιν ἐστὶ Ταύχειρα ἣν καὶ Ἀρσινόην καλοῦσιν· 25 εἴθ' ἡ Βάρκη πρότερον, νῦν δὲ Πτολεμαῖς· εἴτα Φυ-0.837 κοῦς ἄκρα, ταπεινὴ μὲν πλεῖστον δ' ἐκκειμένη πρὸς ἄρκτον παρὰ τὴν ἄλλην τὴν Λιβυκὴν παραλίαν· κεῖται δὲ κατὰ Ταίναρον τῆς Λακωνικῆς ἐν διάγραμματι δισχιλίων ὀκτακοσίων σταδίων· ἔστι δὲ καὶ πολίχνιον ὁμώνυμον

5. post σταδίοι: ἑννακισ 6. post τοῦδε: πλάτους 22. ante εἰς: ὁ

- τῇ ἄκρῃ. οὐ πολὺ δὲ τοῦ Φυκοῦντος ἀπέχει τὸ τῶν Κυρηναίων ἐπίνειον ἢ Ἀπολλωνία, ὅσον ἑκατὸν καὶ ἑβδομήκοντα σταδίοις, τῆς δὲ Βερενίκης χιλίοις, τῆς δὲ Κυρήνης ὀγδοήκοντα, πόλεως μεγάλης ἐν τραπεζοειδεῖ πεδίῳ κειμένης, ὥς ἐκ τοῦ πελάγους ἐωρῶμεν αὐτήν. 5
- 21 ἔστι δὲ Θηραίων κτίσμα, Λακωνικῆς νήσου, ἣν καὶ Καλλίστην ὠνόμαζον τὸ παλαιόν, ὥς φησι καὶ Καλλίμαχος „Καλλίστη τὸ πάροιθε, τὸ δ' ὕστερον οὐνόμα „Θήρη, μήτηρ εὐίππου πατρίδος ἡμετέρης.“ καίται δὲ τὸ τῶν Κυρηναίων ἐπίνειον κατὰ τὸ ἐσπέρειον τῆς 10 Κρήτης ἄκρον, τὸ τοῦ Κριοῦ μέτωπον, ἐν διάρματι [δισ]χιλίων σταδίων· ὁ δὲ πλὺς λευκονότῳ. λέγεται δὲ ἡ Κυρήνη κτίσμα Βάττου· πρόγονον δὲ τοῦτον ἑαυτοῦ φάσκει Καλλίμαχος· ἠϋξήθη δὲ διὰ τὴν ἀρετὴν τῆς χώρας· καὶ γὰρ ἱπποτρόφος ἐστὶν ἀρίστη καὶ καλ- 15 λίκαρπος, καὶ πολλοὺς ἄνδρας ἀξιολόγους ἔσχε καὶ δυναμένους ἐλευθερίας ἀξιολόγως μροῖσταςθαι καὶ πρὸς τοὺς ὑπερκειμένους βαρβάρους ἰσχυρῶς ἀντέχειν. τὸ μὲν οὖν παλαιὸν αὐτόνομος ἦν ἡ πόλις· εἴτα οἱ τὴν Αἰγυπτίον κατασχόντες Μακεδόνες αὐξηθέντες ἐπέ- 20 θεντο αὐτοῖς, ἀρξάντων τῶν περὶ Θίβρωνά τῶν ἀνελόντων τὸν Ἀρπαλον. βασιλευθέντες δὲ χρόνους τινὰς εἰς τὴν Ῥωμαίων ἐξουσίαν ἦλθον, καὶ νῦν ἐστὶν ἐπαρχία τῇ Κρήτῃ συνευγμένη· τῆς δὲ Κυρήνης ἐστὶ πε- 25 ριπόλια ἢ τε Ἀπολλωνία καὶ ἡ Βάρκη καὶ ἡ Ταύχειρα
- 22 καὶ Βερενίκη καὶ τὰ ἄλλα πολέχνια τὰ πλησίον. ὁμορεῖ δὲ τῇ Κυρηναίᾳ ἡ τὸ σίλφιον φέρουσα καὶ τὸν ὄπον τὸν Κυρηναῖον, ὃν ἐκφέρει τὸ σίλφιον ὀπισθέν· ἐγγὺς δ' ἦλθε τοῦ ἐκλιπεῖν ἐπελθόντων τῶν βαρβάρων κατὰ ἐχθραν τινὰ καὶ φθειράντων τὰς ῥίζας τοῦ φυτοῦ· 30 εἰσὶ δὲ νομάδες.

Ἄνδρες δ' ἐγένοντο γνώριμοι Κυρηναῖοι Ἀρίστιπ-

πός τε ὁ Σωκρατικός, ὅστις καὶ τὴν Κυρηναϊκὴν κατε-
 βάλετο φιλοσοφίαν, καὶ θυγάτηρ Ἀρήτη τοῦνομα, ἥπερ
 διεδέξατο τὴν σχολὴν, καὶ ὁ ταύτην πάλιν διαδεξάμε-
 νος υἱὸς Ἀρίστιππος ὁ κληθεὶς Μητροδίδακτος, καὶ
 5 Ἀννικερις ὁ δοκῶν ἐπανορθῶσαι τὴν Κυρηναϊκὴν αἵ-
 ρεσιν καὶ παραγαγεῖν αὐτ' αὐτῆς τὴν Ἀννικεριάν.
 Κυρηναῖος δ' ἐστὶ καὶ Καλλίμαχος καὶ Ἐρατοσθένης, C. 834
 ἀμφοτέρω ἐτιμημένοι παρὰ τοῖς Αἰγυπτίω βασιλεῦ-
 σιν, ὁ μὲν ποιητὴς ᾄμα καὶ περὶ γραμματικὴν ἐσπου-
 10 δακώς, ὁ δὲ καὶ ταῦτα καὶ περὶ φιλοσοφίαν καὶ τὰ μα-
 θήματα εἰ τις ἄλλος διαφέρειν. ἀλλὰ μὴν καὶ Καρνεά-
 δης (οὗτος δὲ τῶν ἐξ Ἀκαδημίας ἄριστος φιλοσόφων
 ὁμολογεῖται) καὶ ὁ Κρόνος δὲ Ἀπολλώνιος ἐκεῖθεν
 ἐστίν, ὁ τοῦ διαλεκτικοῦ Διοδώρου διδάσκαλος τοῦ καὶ
 15 αὐτοῦ Κρόνου προσαγορευθέντος, μετενεγκάντων τι-
 νῶν τὸ τοῦ διδασκάλου ἐπίθετον ἐπὶ τὸν μαθητὴν.
 Μετὰ δὲ τὴν Ἀπολλωνίαν ἐστὶν ἡ λοιπὴ τῶν Κυρη-
 ναίων παραλία μέχρι Καταβαθμοῦ σταδίων δισχιλίων
 διακοσίων, οὐ πάνυ εὐπαράπλους· καὶ γὰρ λιμένες
 20 ὀλίγοι καὶ ὕφορμοι καὶ κατοικίαι καὶ ὕδρεα. τῶν δὲ μί-
 λιστα ὀνομαζομένων κατὰ τὸν παράπλου τόπων τό τε
 Ναύσταθμόν ἐστι καὶ τὸ Ζεφύριον πρόσορμον ἔχον καὶ
 ἄλλο Ζεφύριον καὶ ἄκρα Χερρόνησος λιμένα ἔχουσα·
 κεῖται δὲ κατὰ * Κύκλον τῆς Κρήτης ἐν διάρματι χιλίων
 25 καὶ πεντακοσίων σταδίων νότῳ· εἴτα Ἡράκλειόν τι
 ἱερὸν καὶ ὑπὲρ αὐτοῦ κόμη Παλίουρος· εἴτα λιμὴν Με-
 νέλαος καὶ Ἀρδανίς ἄκρα ταπεινὴ ὕφορμον ἔχουσα·
 εἴτα μέγας λιμὴν καθ' ὃν ἡ ἐν τῇ Κρήτῃ Χερρόνησος
 ἴδρυται, δισχιλίων πού σταδίων διάγραμμα ἀπολείπουσα
 30 μεταξύν· ὅλη γὰρ σχεδόν τι τῇ παραλίᾳ ταύτῃ ἀντίκει-
 ται παράλληλος ἡ Κρήτη στενὴ καὶ μακρά. μετὰ δὲ τὸν
 μέγαν λιμένα ἄλλος λιμὴν Πλυτός, καὶ ὑπὲρ αὐτοῖ

Τετραπυργία. καλεῖται δὲ ὁ τόπος Κατάβαθμος· μέχρι δεῦρο ἡ Κυρηναία. τὸ δὲ λοιπὸν ἤδη μέχρι Παραιτονίου ἀκκέσθαι εἰς Ἀλεξάνδρειαν εἰρηται ἡμῖν ἐν τοῖς Αἰγυπτιακοῖς.

- 23 Τὴν δ' ὑπερκειμένην ἐν βάθει χώραν τῆς σύρτεως ὁ καὶ τῆς Κυρηναίας κατέχουσιν οἱ Αἴβυες, παράλυπρον καὶ αὐχμηράν· πρῶτοι μὲν οἱ Νασαμῶνες, ἔπειτα Ψύλλοι καὶ τινες Γαίτουλοι, ἔπειτα Γαράμαντες· πρὸς ἑω δ' ἐτι μᾶλλον οἱ Μαρμαρίδαι, προσχωροῦντες ἐπὶ πλέον τῇ Κυρηναίᾳ καὶ παρατείνοντες μέχρι Ἀμμωνος. 10 τεταρταίους μὲν οὖν φασιν ἀπὸ τοῦ μυχοῦ τῆς μεγάλης σύρτεως τοῦ κατ' Αὐτόμαλά πως βαδίζοντας ὡς ἐπὶ χειμερινὰς ἀνατολὰς [εἰς Αὐγίλα] ἀφικνεῖσθαι. ἔστι δὲ ὁ τόπος οὗτος ἐμφερὲς τῷ Ἀμμωνί, φοινικοτρόφος τε καὶ εὐνδρος, ὑπέρκειται δὲ τῆς Κυρηναίας πρὸς 15 μεσημβρίαν· μέχρι μὲν σταδίων ἑκατὸν καὶ δεινδροφόρος ἐστὶν ἡ γῆ, μέχρι δ' ἄλλων ἑκατὸν σπείρεται μόνον, [οὐκ] ὀρυζοτροφεῖ δ' ἡ γῆ διὰ τὸν αὐχμόν. ὑπὲρ δὲ τούτων ἡ τὸ σίλφιον [φέρουσα] ἐστίν· εἰδ' ἡ ἀοίκη- C.839:ος καὶ ἡ τῶν Γαραμάντων· ἔστι δ' ἡ τὸ σίλφιον φέ- 20 ρουσα στενὴ καὶ παραμήκης καὶ παράξηρος, μῆκος μὲν ὡς ἐπὶ τὰς ἀνατολὰς ἰόντι ὅσον σταδίων χιλίων, πλάτος δὲ τριακοσίων ἢ μικρῷ πλείονων τό γε γνώριμον. εἰκάζειν μὲν γὰρ ἅπασαν πάριστι διηνεκῶς τὴν ἐπὶ τοῦ αὐτοῦ παραλλήλου κειμένην τοιαύτην εἶναι κατὰ 25 τε τοὺς ἀέρας καὶ τὴν τοῦ φυτοῦ φοράν· ἐπεὶ δ' ἐμπύπτουσιν ἐρημίαι πλείους, [οὐ] τοὺς πάντας τόπους ἴσμεν· παραπλησίως δ' ἀγνοεῖται καὶ τὰ ὑπὲρ τοῦ Ἀμμωνος καὶ τῶν ἀνάσεων μέχρι τῆς Αἰθιοπίας. οὐδ' ἂν ἔχοιμεν λέγειν τοὺς ὄρους οὔτε τῆς Αἰθιοπίας οὔτε 30

τῆς Λιβύης, ἀλλ' οὐδὲ τῆς πρὸς Αἰγύπτῳ τρανωῶς, μή
τί γε τῆς πρὸς τῷ ὠκεανῷ.

Τὰ μὲν οὖν μέρη τῆς καθ' ἡμᾶς οἰκουμένης οὕτω 24
διάκειται· ἐπεὶ δ' οἱ Ῥωμαῖοι τὴν ἀρίστην αὐτῆς καὶ
6 γνωριμωτάτην κατέχουσιν, ἅπαντας ὑπερβεβλημένοι
τοὺς πρότερον ἡγεμόνας ὧν μνήμην ἴσμεν, ἄξιον διὰ
βραχείων καὶ τὰ τούτων εἰπεῖν. ὅτι μὲν οὖν ἐκ μιᾶς
ὁρμηθέντες πόλεως τῆς Ῥώμης ἅπασαν τὴν Ἰταλίαν
ἔσχον διὰ τὸ πολεμεῖν καὶ πολιτικῶς ἄρχειν εἰρηται,
10 καὶ διότι μετὰ τὴν Ἰταλίαν τὰ κύκλω προσεκτίησαντο
τῇ αὐτῇ ἀρετῇ χρώμενοι. τριῶν δὲ ἡπείρων οὐσῶν τὴν
μὲν Εὐρώπην σχεδὸν τι πᾶσαν ἔχουσι πλὴν τῆς ἔξω
τοῦ Ἰστροῦ καὶ τῶν μεταξὺ τοῦ Ῥήνου καὶ τοῦ Τανάι-
δος παρωκεανιτῶν, τῆς δὲ Λιβύης ἡ καθ' ἡμᾶς παραλία
15 πᾶσα ὑπ' αὐτοῖς ἐστίν, ἡ δὲ ἄλλη ἀοίκητος ἐστίν ἢ λυ-
πρῶς καὶ νομαδικῶς οἰκεῖται. ὁμοίως δὲ καὶ τῆς Ἀσίας
ἡ καθ' ἡμᾶς παραλία πᾶσα ὑποχείριός ἐστιν, εἰ μὴ τις
τὰ τῶν Ἀχαιῶν καὶ Ζυγῶν καὶ Ἠνιόχων ἐν λόγῳ τίθε-
ται, ληστρικῶς καὶ νομαδικῶς ζώντων ἐν στενοῖς καὶ
20 λυπροῖς χωρίοις. τῆς δὲ μεσογαίας καὶ τῆς ἐν βάθει
τὴν μὲν ἔχουσιν αὐτοί, τὴν δὲ Παρθυαῖοι καὶ οἱ ὑπὲρ
τούτων βάρβαροι, πρὸς τε ταῖς ἀνατολαῖς καὶ ταῖς ἄρ-
κτοῖς Ἰνδοὶ καὶ Βάκτριοι καὶ Σκύθαι, εἰτ' Ἀραβες καὶ
Αἰθίοπες· προστίθεται δὲ αἰεὶ τι παρ' ἐκείνων αὐτοῖς.
25 ταύτης δὲ τῆς συμπάσης χώρας τῆς ὑπὸ Ῥωμαίοις ἡ
μὲν βασιλεύεται, ἣν δ' ἔχουσιν αὐτοὶ καλέσαντες ἐπαρ-
χίαν, καὶ πέμπουσιν ἡγεμόνας καὶ φορολόγους. εἰσὶ δὲ
τινες καὶ ἐλεύθεραι πόλεις, αἱ μὲν ἐξ ἀρχῆς κατὰ φιλίαν
προσελθούσαι, τὰς δ' ἡλευθέρωσαν αὐτοὶ κατὰ τιμὴν.
30 εἰσὶ δὲ καὶ δυνάσται τινὲς καὶ φύλαρχοι καὶ ἱερεῖς

ὑπ' αὐτοῖς· οὗτοι μὲν δὴ ζῶσι κατὰ τινὰς πατρίους νόμους.

C.840
25

Αἱ δ' ἐπαρχίαι διήρηνται ἄλλοτε μὲν ἄλλως, ἐν δὲ τῷ παρόντι ὡς Καῖσαρ ὁ Σεβαστὸς διέταξεν. ἐπειδὴ γὰρ ἡ πατρίς ἐπέτρεψεν αὐτῷ τὴν προστασίαν τῆς ἡγεμονίας, καὶ πολέμου καὶ εἰρήνης κατέστη κύριος διὰ βίου, δέχα διεῖλε πᾶσαν τὴν χώραν καὶ τὴν μὲν ἀπέδειξεν ἑαυτῷ τὴν δὲ τῷ δήμῳ, ἑαυτῷ μὲν ὅση στρατιωτικῆς φρουρᾶς ἔχει χρεῖαν· αὕτη δ' ἐστὶν ἡ βάρβαρος καὶ πλησιόχωρος τοῖς μήπω κεχειρωμένοις ἔθνεσιν ἢ 10 λυπρὰ καὶ δυσγεώργητος, ὥσθ' ὑπὸ ἀπορίας τῶν ἄλλων ἐρυμάτων δ' εὐπορίας ἀφηνιάζειν καὶ ἀπειθεῖν, τῷ δήμῳ δὲ τὴν ἄλλην ὅση εἰρηνικὴ καὶ χωρὶς ὀπλων ἀρχεσθαι ῥαδία· ἑκατέραν δὲ τὴν μερίδα εἰς ἐπαρχίας διένειμε πλείους, ὧν αἱ μὲν καλοῦνται Καίσαρος αἱ δὲ 15 τοῦ δήμου. καὶ εἰς μὲν τὰς Καίσαρος ἡγεμόνας καὶ διοικητὰς Καῖσαρ πέμπει, διαιρῶν ἄλλοτε ἄλλως τὰς χώρας καὶ πρὸς τοὺς καιροὺς πολιτευόμενος, εἰς δὲ τὰς δημοσίας ὁ δῆμος στρατηγούς ἢ ὑπάτους· καὶ αὗται δ' εἰς μερισμοὺς ἄγονται διαφόρους, ἐπειδὴ καλεῖται τὸ 20 συμφέρον. ἀλλ' ἐν ἀρχαῖς γε διέθηκε ποιήσας ὑπατικὰς μὲν δύο, Λιβύην τε ὅση ὑπὸ Ῥωμαίοις ἔξω τῆς ὑπὸ Ἰούβρα μὲν πρότερον νῦν δὲ Πτολεμαίῳ τῷ ἐκείνου παιδί, καὶ Ἀσίαν τὴν ἐντὸς Ἄλνυος καὶ τοῦ Ταύρου πλὴν Γαλατῶν καὶ τῶν ὑπὸ Ἀμύντα γενομένων ἐθνῶν, ἔτι 25 δὲ Βιθυνίας καὶ τῆς Προποντιδὸς· δέκα δὲ στρατηγικὰς, κατὰ μὲν τὴν Εὐρώπην καὶ τὰς πρὸς αὐτῇ νήσους τὴν τε ἐκτὸς Ἰβηρίαν λεγομένην, ὅση περὶ τὸν Βαῖτιν ποταμόν, καὶ τῆς Κελτικῆς τὴν Ναρβωνίτιν, τρίτην δὲ Σαρδὼ μετὰ Κύρνον, καὶ Σικελίαν τετάρτην, πέμπτην 30

δὲ καὶ ἑκτην τῆς Ἰλλυρίδος τὴν πρὸς τῇ Ἠπείρῳ καὶ
 Μακεδονίαν, ἑβδόμην δ' Ἀχαΐαν μέχρι Θετταλίας καὶ
 Αἰτωλῶν καὶ Ἀκαρνανῶν καὶ τινῶν Ἠπειρωτικῶν
 ἔθνων ὅσα τῇ Μακεδονίᾳ προσώριστο, ὀγδόην δὲ
 5 Κρήτην μετὰ τῆς Κυρηναίας, ἐνάτην δὲ Κύπρον, δε-
 κάτην δὲ Βιθυνίαν μετὰ τῆς Προποντιίδος καὶ τοῦ
 Πόντου τινῶν μερῶν· τὰς δὲ ἄλλας ἐπαρχίας ἔχει
 Καῖσαρ, ὧν εἰς ἃς μὲν πέμπει τοὺς ἐπιμελησομένους
 ὑπατικούς ἄνδρας, εἰς ἃς δὲ στρατηγικούς, εἰς ἃς δὲ καὶ
 10 ἱππικούς· καὶ βασιλεῖς δὲ καὶ δυνάσται καὶ δεκαρχίαι
 τῆς ἐκείνου μερίδος καὶ εἰσὶ καὶ ὑπῆρξαν αἰεί.

INDEX NOMINUM.

A.

Aaraneus opp. Pisidian 570.
 Aba filia Zenophanis 672.
 Aba vel Abae opp. Phocidis 423, 445.
 Abaitae et Abaitae in Phrygia 578, 625.
 Abantes in Euboea 445.
 Abaris Scythia 301.
 Abas Argivus 431; Euboicus 445.
 Abdera opp. Thraciae 331, frg. 44, 45, 47, 531, 540, 544. opp. Hispaniae 156, 158.
 Abderus heros 331 frg. 44, 47.
 Abeacus Siracum rex 506.
 Abella opp. Campaniae 243.
 Abili 296, 298, 300, 303, 311, 553.
 Abille s. Ablyx Mauritaniae mons 170, 827
 Abissarus rex Indiae 608.
 Ἀβύρου τῆρος opp. Paphlagoniae 545.
 Aberace opp. Sindorum 495.
 Aberigines 228, 229, 231.
 Aberrhas s. Mesopotamiae 747.
 Abus Armeniae mons 527, 531.
 Abrethene regio Mysiae 574, 576.
 Abrodonum opp. Africae 835.
 Abydon castellum Paconum 330 frg. 20.
 Abydos opp. Mysiae 108, 124, 331, frg. 52, 583, 585-587, 589-591, 595, 600, 635, 680. opp. Aegypti 813, 814.
 Acacaeum 295.
 Academia 391, 614, 838.
 Acalandras s. prope Thurica, 280.
 Acamas Atheniensis 683. prom. Cypr 681-683.
 Acanthius sinus 330, frg. 31.
 Acanthus opp. Macedoniae 330. frg. 31, 331, frg. 33, 35. opp. Aegypti 809.
 Acarnan Alcmaeonis f. 402, 405.
 Acarnanes et Acarnania 321, 325, 417, 427, 429, 449-452, 460-463, 465.
 Acahasti venatores Troglodytici 777.
 Acahastus sinus Troglodyticae 769.
 Acaulines s. Indiae 692, 694, 696, 699, 707.
 Ace cf. Ptolemaeus.
 Acaes (fort. Chaeae) rupes in Elide 347.
 Aaei 35, 61, 262, 383-387. Bosphorani 29, 493, 495-497. Philistae 365, 383, 39, 433, 495. Pontici 416. Achaeorum Itae in insula Cypro 683. murus 102. oppida 282, 341, 387. portus in Troade 295, 598, 599. in Aeolide 672.

Achaicum opp. Troadis 595, 603, 604.
 Achaemenidae 727.
 Achala 329, 365, 383-388, 840. oppida Bosphori Cimmerii 495. opp. Asiae 516.
 Achaeus Xuthi f. 383. Antiochidis pater 624.
 Achalcus Bosphororum vates 702.
 Acharaca opp. Lydiae 579, 649, 650.
 Achardeus s. Caucasi 505.
 Achelus s. Acarnaniae 28, 59, 271, 327, 335, 336, 349, 351, 450, 458-461, 465, s. Achaliae 342, 450. s. Thessaliae 434, 436.
 Acheron s. Triphylliae 344. Italiae 256. Epiri 314.
 Acherusia palus in Campania 26, 243-246. in Epiro 314.
 Acherrae opp. Galliae cisalpiniae 247. opp. Campaniae 247, 249.
 Achilles 830-833. Ἀχιλλεύς δούμος peninsula 307. γόργος in Mysia 613.
 Achilleum vicus Troadis 600, 604. vicus ad Bosphorum Cimmerium 310, 494.
 Acholia opp. Carthaginiensium 831.
 Aeidon s. Triphylliae 348, 351.
 Acila prom. Arabiae 769.
 Acillense regio Armeniae 503, 521, 527, 529, 530, 532, 535.
 Aciris s. Lucaniae 264.
 Aconites pop. Sardiniae 225.
 Acontia vel Acutia opp. Hispaniae 152.
 Acontium mons Boeotiae 416.
 Acra vicus Panticapaeorum 494.
 Acrata Venus 682.
 Acratae opp. Laconicae 343, 363.
 Acraciphiae s. Acraciphium opp. Boeotiae 410, 413.
 Acrathos prom. 330 frg. 32.
 Acridophagi pop. Troglodyticae 772.
 Acrisius 420, 487.
 Acris prom. Messeniae 330.
 Acrocorinthus 361, 377, 379, 385.
 Acroclissus sinus Lasi 315.
 Acrothod opp. in monte Atho 331, frg. 33, 35.
 Actaeon rex Atticae 397.
 Acte l. q. Attica 391. 397. l. q. Acarnania 451, 661. ora Argolicae pars 389, 390.
 Actia Iuli Apollinis 325.
 Actiacum bellum 359, 387, 485.
 Actiacus Apollo 450.

- Actium prom. et opp. Acarnaniae 325, 417, 450, 451, 459, 794.
 Acusilaus Argivus 472.
 Acyras opp. Thessaliae 434.
 Ada Hecatomni filia 656, 657. Pixodari f. 657.
 Adada opp. Pisidiae 570.
 Adae opp. Aeolidis 622.
 Adaea Iuvius 192, 204, 209, 213.
 Adherbal 831.
 Adimantes Lampacenus 589.
 Adiabene regio Assyriae 503, 530, 735, 739, 745.
 Adiatorix Domneclae f. 542, 543. Dytruti pater 558.
 Admetus rex Phorazarum 447.
 Adobogionis Mithridatae Pergameni mater 625.
 Adonis Bybli colitur 755. f. Phoenices ibid.
 Adon Armenius 529.
 Adramyttene regio Mysiae, Adramyttium et Adramytti 472, 581, 583, 603, 611, 612, 613, 614, Adramytteneus sinus 584, 605, 606, 615, 624.
 Adrastea s. Adrasteae campus opp. Mysiae 585, 588, mons prope Cyzicum 575. Adrastea i. q. Nemesis 588.
 Adrastus rex Argorum 404, 432, rex Adrasteae 588.
 Adria opp. Piceni 241.
 Adria, mare Adriaticum, sinus Adriaticus 2, 21, 48, 57, 92, 93, 105, 108, 123, 195, 210—214, 219, 228, 240, 280, 316, 317, 319, 322, 339, 421, 507.
 Aërumetum opp. Africæ 834.
 Adula mons 192, 204, 213.
 Aea urbs Colchorum 21, 45, 46. fons Macedonias 339, frg. 16, 21, 23.
 Aea ins. Circæ 21, 46.
 Aecidae reges Molossorum 324, 375, 394, 594.
 Aeacus Aeginæ rex 375.
 Aeanes 425.
 Aedepsus opp. Euboeae 60, 425, 445.
 Aedui pop. Galliae 158, 192, 193.
 Aetes rex Colchidis 45, 48.
 Aega prom. Aeolidis 615, opp. Achaiae 385—387, opp. Euboeae 385, 386, 405.
 Aegae opp. Mysiae 621. Aegaeae s. Argae opp. Ciliciae 676, opp. Laconicae 364, 426.
 Aegaeum mare 124—126, 128, 317, 323, 330, frg. 32, 386.
 Aegaleus Messeniae mons 359.
 Aegreata opp. Siciliae 254, 260, 272, 275, 608.
 Aegrestes Troianus 254, 272.
 Aegus Pandionis f. 392.
 Aegialea s. Aegialus 333, 349, 383, 385.
 Aegialenses 372, 383.
 Aegiali (7) i. q. Sicyon 382.
 Aegialus ora et vicus Paphlagoniae 643, 645.
 Aegilenses pagus Atticae 398.
 Aegilips locus insulae Leucadis 452, 453.
 Aegimius Dorum rex 427.
 Aegimurus insula 123, 277, 834.
 Aegina opp. Argolidis 375. insula et oppidum 54, 124, 303, 374, 375, 376, 394, 433.
 Aeginium opp. Thessaliae 327.
 Aegira opp. Achaiae 385, 386.
 Aegirus opp. Lesbii 617.
 Aegisthus 16.
 Aegium opp. Achaiae et Argiensis 335, 337, 385, 386, 387, 389, 449.
 Aegleus cognomen Apollinis 45, 484.
 Aegus potami opp. et f. 247, 331. frg. 53.
 Aegus (7) opp. Hispaniae 141.
 Aegyptium mare 30, 35, 58, 121, 125, 400, 474, 681, 749.
 Αἰγυπτιος λιμὴν Tyrionum portus 757.
 Αἰγυπτίων χώρα prope Catabathrum 799.
 Aegyptus et Aegyptii 785—811, ..., Aegyptus i. q. Nilus 29, 35, 69.
 Aegyus opp. et regio Laconicae 446.
 Aelana s. Aela opp. Arabiae Petraeae 759, 768. Αἰλαντίης μυχός 759, 768, 776, 777, 809.
 Aellus Gallus praefectus Aegypti 118, 780, 782, 806, 816, 819, 820.
 Aellus Cates 303.
 Aemilia via 217.
 Aemilianus Q. Fabius Maximus 185, Scipio 699, 832.
 Aemilius Paulus 322.
 Aenea opp. Troadis 663, opp. Macedoniae 330, frg. 21, 24.
 Aeneas et errores eius 48, 150, 608. in Latium adventus 229, 232, 233, 608.
 Aenesippus insula 799.
 Aenesiphys prom. Aegypti 799.
 Aenianes Thessaliae populus 61, 427, 428, 442, 459. in Vidia 598, 531. ultra Armeniam habitantes 531.
 Aeniatex 553.
 Aenius f. Troadis 663.
 Aenobarbus Gn. 155. Domitius 191, 649.
 Aenus opp. Thraciae 319, 331, frg. 82, 68. (Cephaleniae mons 456.)
 Aeolus 61, 229, 333, 423, 581, 582. Aeolicae coloniae 10, 492, 582, 584, 621, 632, urbes 610, 622. Aeolica dialectus 333, expeditio 401, 402, 582. Aeolicum litus 623. Aeolis 124, 445, 559, 582, 583, 586, 600, 725.

- Aeolia insula Aeoli 40.
 Aeolus 20, 23, 24, 25, 57, 276, 438, Euripidis fabula 356. Aeoli insulae 54, 57, 123, 129, 256, 267, 275.
 Aepasius campus regio Triphyliae 248.
 Aspra opp. Messeniae 360.
 Aepy opp. Triphyliae 349.
 Aepyus Nebel f. 633.
 Aequi pop. Italiae 228, 231, 237.
 Aequum Faliscum opp. Etruscae 226.
 Aëria opp. Cavarorum 185.
 Aëtar f. Etruscae 222.
 Aëtarus f. prope Crotonem 262.
 Aesepus f. Mysiae 552, 564, 565, 576, 583, 585, 595, 602, 603.
 Aesernia opp. Samnitiū 238, 250.
 Aëlis f. Umbriae 217, 227, 241, 285.
 Aesum opp. Umbriae 227.
 Aesyti sepulcrum 597, 599.
 Aeschines Atheniensis 471, Mithras 635.
 Aeschylus poeta 33, 43, 183, 189, 221, 255, 299, 360, 341, 387, 393, 447, 476, 589, 616, 728.
 Aesculapius 327, 647. templum eius Tricacae 369, 374, 437. Panticapaei 74. Gerontiae 396. Oleni 386. Epidauri 374, 567. Celsa in Troade 663. in insula Co 667. Carthagine 832. nemus eius inter Betyum et Sidonem 756.
 Aethalia insula 123, 223—225.
 Αἰθάλια f. Scepidae 473.
 Aethices pop. Epiri et Thessaliae 326, 327, 430, 434.
 Aethicia 327, 430.
 Aethiopes, Athiopia 2, 3, 7, 9, 16, 29—35, 38—49, 97, 98, 709—779, 784—790, 808, 815, 818—823. Aethiopes occidentales 99, 101, 120, 157, 827—829.
 Aetna 20, 23, 54, 247, 248, 258, 267—269, 272—274, 626, opp. Siciliae 268, 273.
 Aetolia et Aetoli 321, 434, 449—457, 469—466.
 Aetolica Diana 215. promontoria 59. Aetolica montes 417, 429.
 Aëtulus f. Eadymicola 357, 423, 463, 464.
 Aex prom. Troadis 615.
 Aexonienses pagus Atticae 335.
 Afranius legatus Pompeii 161.
 Agamedes templi Delphici conditor 421.
 Agamemno 10, 49....
 Agapenor Papli conditor 683.
 Agatha opp. Galliae 180, 182.
 Agatharchides Cnidius 653, 779.
 Agathoclea Ptolemaei Philopatoris concubina 755.
 Agathocles Lysimachi pater 623. Lysimachi f. 1544. Siciliae tyrannus 236, 289, 534.
 Agathyrus opp. Siciliae 268.
 Agdistis vel Agdistis decorum mater 469, 567.
 Agestilus Archidami pater 289.
 Agidae 366.
 Agis Eurysthenis f. 365, 366.
 Αγίου νάχα prom. Aegypti 801.
 Agoracritus Parus sculptor 393.
 Agra vicus Atticae 409.
 Agradates Cyri nomen 729.
 Agraea regio Aetoliae 315.
 Agrael pop. Aetoliae 449, 451, 461, 465, pop. Arabiae 767.
 Agraeus Temeni f. 389.
 Agri pop. Maoticus 499.
 Agrionae pop. Thraciae 317, 318, 331, fr. 36, 37, 41.
 Agrigentum portus 266, 272.
 Agrigentum opp. Siciliae 272, 275.
 Agrii pop. Aethiopiae 771.
 Agrippa 194, 206, 208, 245, 339, 590, 756.
 Agrius princeps Aetoliae 43, 465.
 Agylla opp. Etruscae 220, 226.
 Alax f. Blyriae 271, 318, f. Telamonia 394, 408, 595, 596, 600, 672. Locrus 423, 600, 601.
 Alcleas Eretriae conditor 321, 445, 447.
 Alabanda opp. Cariae 587, 658—660, 663.
 Alabandenses 655, 660, 661.
 Alaea opp. Siciliae 266, 272.
 Alalcomenae opp. Boeotiae 410, 411, 415, opp. Asteriae insulae 457.
 Alalcomenium templum Minervae 410, 413.
 Alaxia opp. Mysiae 550, 561.
 Alaxones 559, 561, 603.
 Alazonia s. Alazonium opp. Troadis 552, 603.
 Alazonius f. Albaniae 500, 592.
 Alba 229, 231. Alba Fucentina 235, 238, 240.
 Albania 491, 497, 500—503, 509, 528. Albanal pop. Caucasum accolens 118, 129, 288, 501—503, opp. Latii 230, 231. Albanus mons 229, 234, 237, 239, 240.
 Albia l. q. Alpia 202. Albium Alpium pars in Iapodum terra 202, 314.
 Albinea (Αλβεία) gens Alpina 203.
 Albinganum opp. Ingaunorum 202.
 Albiocci gens Alpina 203.
 Albia 14, 290—292, 294.
 Albium Intemellum opp. Ligurum 202.
 Albulia 238.
 Alcaeus poeta 37, 411, 412, 609, 606, 617, 618, 661.
 Alcotia Pellae filia 45.
 Alcaedamnia rex Rhamnecorum 753.
 Alcaenon Amphiarai f. 325, 328, 423, 462.
 Alcaenon poema 452.

- Aleman poeta 43, 299, 340, 360, 416, 487, 580.
 Alcmæna 353.
 Alcomenæ opp. Epiri 327.
 Ἀλκυονίδες Φαλαγγα pars sinas Crisæi 330, 393, 400.
 Ἀλῆα Ἀθήνα 388.
 Aleus campus in Cilicia 555, 676.
 Alesia opp. Mandublorum 191.
 Alcalaum opp. Eridia 341.
 Aletes Corinthi conditor 350.
 Aletia opp. Calabriae 282.
 Aletrium opp. Latii 237.
 Aleus rex Arcadiæ 615.
 Alexander f. Priami 41, 183, 309, 536, 608.
 Aetolus poeta 566, 648, 681.
 ὁ Ἀττικός Ephesus 642. ὁ Φαλαγγίτης 580.
 Antiochi f. 624. Raja 751. rex Iudææ 762. rex Moabitarum 255, 280, 281, Philippi f. 14, 48, 60, 70, 79, 90, 232, 331.
 Alexandria Iudi 644.
 Alexandria opp. Aegypti et Alexandrini 7, 25, 58, 62, 558, 653, 673, 675, 782, 791—793, 819. Al. Troas 134, 472, 473, 581, 593, 594, 597, 599, 604, 697, 613. opp. Ariæ 514, 516, 723. opp. Syriæ 676. mons Mysiae 606.
 Alexandrium castellum Iudææ 763. locus Alexandri Teo vicinus 614.
 Alexarchus Antipatri f. 331. frg. 35.
 Algidum opp. Latii 237, 239.
 Alinda opp. Cariae 657.
 Alitrochades Sandrocotili f. 70.
 Alisium (Ἀλυσίου κολώνη) opp. Eridia 341.
 Alisus fl. Eridia 342.
 Allifæ opp. Samnii 238.
 Allobroges 185, 186, 193, 203, 703.
 Allotriges pop. Hispaniæ 155.
 Aloha vel Alopa i. q. Alyba 550—552, 603.
 Alopa opp. Locrorum Opuntiorum 60, 426, 427, 432. opp. Locrorum Ozolæarum 427. opp. Philiotidis 427, 432.
 Alopecra insula 493.
 Alopeconnesus opp. Thraciæ 331. frg. 52.
 Alorium opp. Triphyliæ 350.
 Alorus opp. Batlasæ 330. frg. 20, 22.
 Alpes 71, 178, 179—179, 185—187, 201—204, 206, 207.
 Alphaea fl. Eridia 267, 270, 271, 275, 336, 339, 343, 344, 347, 350, 353, 356, 357, 359.
 Alponus opp. prope Thermopylas 69.
 Alisum opp. Etruriæ 215, 230.
 Altes rex Lelegum 584, 585, 603, 619.
 Althæa Thestil filia 406.
 Althæmenes Cissi f. Argivus 479, 481, 653.
 Altium opp. Galliae cisalpinæ 214.
 Alyattes rex Lydorum 420, 627, 680, 735.
 Alyba et Alubum 549, 550, 552, 603.
 Alyba 550.
 Alyceus Icarii f. 452.
 Alyzia opp. Acarnaniæ 450, 459.
 Amadocus rex Odrysarum 511. frg. 48.
 Amalthæe coram 151, 458, 459.
 Amasides portæ 676, 751.
 Amasus 521, 533, 676, 678, 737, 749, 761.
 Amardi pop. Asiæ 507, 508, 510, 514, 523, 524.
 Amarynthus opp. Euboeæ 448.
 Amasia opp. Ponti 547, 556, 560, 561, 614. Amasenses 550, 561.
 Amasias fl. Germaniæ 290, 291.
 Amastriana regio 544.
 Amastria uxor Diosysi Heracleotæ 544.
 urbs Paphlagoniæ 509, 540, 543, 553.
 Amathus fl. Eridia 330, 339, 344, 361. opp. Laconicæ 383. opp. Cypri 683.
 Amathusii 340.
 Amazonas 52, 57, 126, 503—505, 544, 547, 550—552, 554, 573, 623.
 Ambarvalla 230.
 Ambiani pop. Galliae 194, 208.
 Amblada opp. Pisidiæ 570.
 Ambracia opp. Theoprotiæ 325, 430, 452.
 Ambracius sinus, Ambracium mare 1:3, 324, 325, 329. frg. 6, 331. frg. 58, 428, 430—452.
 Ambrones victi a Mario 183.
 Ambrysus opp. Phocidis 423. sq.
 Amenasus fl. Siciliæ 240.
 Ameria opp. Umbriæ 227. opp. Ponti 557.
 Amisus opp. Ponti et Amisena regio 68—71, 73, 74, 126, 468, 519, 543—545, 560.
 Amiternum opp. Sabinarum 228. Amiter-nina regio 241.
 Ammo prom. Littoris Carthaginiensis 534, 825, 838. sedes uraculi 53, 56, 329, 709.
 813, 814, 825, 838, 839. Ammonis sacrum 49, 50, 329. frg. 1, 790, 873.
 Ammonia opp. Aegypti 799.
 Amnisus fl. Paphlagoniæ 562.
 Amnisus portus Croasi 470.
 Amorgus insula m. Aegæi 487.
 Amorium opp. Phrygiæ maioris 576.
 Ampelus prom. Sami 488, 637.
 Amphaxilia regio Macedoniæ 319. frg. 11, 330. frg. 23.
 Amphiala prom. Atticæ 395.
 Amphiaræus Argivus 393, 404, 462, 762.
 Amphictyones 419, 420, 421, 427, 429.
 Amphictyonia 374.
 Amphictyonicum concilium 412, 420.
 Amphigesia opp. Triphyliæ 349.

- Amphidolia vel Amphidolis opp. Elidis 341, 349.
 Amphilochoi incolae Argorum Amphilocho-
 corum 271, 321, 326, 429, 449, 490, 492.
 opp. Hispaniae 187.
 Amphilocheum Argos cf. Argos.
 Amphilocheus f. Amphilarum 187, 271, 326,
 362, 462, 642, 668, 676, 678.
 Amphimalla opp. Cretae 478.
 Amphinonius Peneleus pater 328. Ca-
 tinensis 269.
 Amphio rex Thebarum 369, 411.
 Amphipolis opp. Thraciae 134, 331, frg.
 35, 36, 48.
 Amphissa opp. Locorum Ozolurum 419,
 426, 427. Amphissenses 419.
 Amphistratus Castoris et Pollucis auriga 496.
 Amphitruo 456, 490, 461.
 Amphrysus s. Thessaliae 433, 435.
 Amulius rex Albae 229.
 Amyclae opp. Laconicae 363—365. Amy-
 claeum 218.
 Amydo opp. Macedoniae 330, frg. 20, 23.
 Amymona Nauplii mater 368, fons 371.
 Amynae drus rex Athamanum 427.
 Amyntas Philippi pater 367, 330, frg. 21,
 22, 24. Delotari regis successor 567—
 569, 571, 577, 671, 849.
 Amyntor Phoenicis pater 438, 439.
 Amythaonidae Argorum reges 372.
 Amyza opp. Cariae 638.
 Anabura opp. Pisidae 570.
 Anacharsis Scythiae 301, 303, 694.
 Anacreon 151, 633, 638, 644, 661.
 Anactonium opp. Acarnaniae 459—462.
 Anacyndaraxes Sardapalae pater 672.
 Anadatus deus Persarum 512.
 Anaea, Anaitis dea Persarum et Armenio-
 rum 512, 532, 550, 733, 738.
 Anagala opp. Hemicorum 238.
 Anagyraei pagus Atticae 398.
 Anapha insula 46, 484.
 Anaphlystus, Anaphlystii, pagus Atticae
 398.
 Anapias Catinensis 269.
 Anarlara 508.
 Anarlarae pop. mare Caspium accolens
 507, 508, 514.
 Anas s. Hispaniae 129, 140, 142, 148, 153,
 162, 849.
 Anaxus s. Magnesiae 436.
 Anaxagoras Clazomenius physicus 645.
 Anaxarchus 594.
 Anaxenor Magnesium citharoedus 648.
 Anaxicrates Alexandri comes 769.
 Anaxilas rex Rhegi 257.
 Anaximander Milesius 1, 7, 635.
 Anaximenes Milesius 645. Lampsacenus
 s. 8, 635.
 Ascara opp. Umbriae 218.
 Aschlala opp. Ponti 319, opp. Ciliciae
 671, 672.
 Aschises 229, 698.
 Aschoa locus Bocotiae et Iacus 697.
 Ascona opp. Piceni 211, 227, 240, 241, 314.
 Ancyra opp. Galatiae 187, 567. opp.
 Phrygiae 567, 576.
 Andania opp. Arcadiae 339, 350, 360, 438,
 445.
 Andetrium opp. Dalmatiae 316.
 Andira opp. Mysiae 610, 614.
 Andirus s. Troadis 692.
 Andizelli gens Pannoniae 314.
 Andraemon Pylius Colophonis conditor 633.
 Andriaca opp. Thraciae 319.
 Andricus mons Ciliciae 609.
 Androclus f. Cedri 632, 633, 640.
 Andromacha 585, 594.
 Andromeda 43, 799.
 Andron rerum scriptor 392, 456, 476, 476.
 Andronicus Rhodius 655.
 Andropompas Lebedi conditor 633.
 Androthoea Thasius 766.
 Andrus insula et Andrii 330, fr. 31, 448,
 485, 487.
 Anemora vel Anemolea opp. Phocidis
 423, 424.
 Anemurium prom. Ciliciae 669, 670, 682.
 Anias s. Arcadiae 389.
 Anigrus s. Triphylliae 344, 346, 347. Ani-
 griadum nymphaeum antrum 346.
 Anio s. Latii 235, 238.
 Anniteris Cyrenaeus 837.
 Antaei monumentum in Libya apud Lin-
 gem 829.
 Antalcidas Spartanus 287.
 Antandrus opp. Troadis 470, 606, 612, 613.
 Antemnae opp. Latii 230.
 Antenor Troianus 48, 150, 157, 212, 544,
 607, 608. Antenoridae 596, 607.
 Anthedon opp. Bocotiae 16, 460, 404, 405,
 468, 410.
 Anthemis et Anthemus i. q. Samus 457,
 637.
 Anthemasia regio Mesopotamiae 747, 748.
 Anthes rex Troezenis Halicarnassi condi-
 tor 374, 576.
 Anthia opp. Messeniae 360.
 Antigonia opp. Elthyinae 565. opp. Troa-
 dis 593, 597, 594, opp. Syriae 759.
 Antigonus Philippi f. 593, 593, 597, 604,
 607, 646, 657, 672, 759, rex Macedoniae
 385.
 Antiscasius mons Syriae 751.
 Anticimolis opp. Paphlagoniae 545.
 Anticirra s. Anticyra opp. Phocidis 416,
 418. opp. Locridis 434. opp. ad sinum
 Mallacum 428, 434.

- Anticites fl. Macotarem 494, 495.
 Anticites rerum scriptor 221.
 Anticragus mons Lyciae 665.
 Antilibanus mons Syriae 753, 756.
 Antiochus Nestoris f. 596.
 Antimachus poeta 345, 364, 387, 400, 588.
 Antimenidas Alraei frater 617.
 Antimnestus Chalcidensis 257.
 Antiochia opp. Cariae 630, 647, 648, 663.
 opp. Phrygiae 557, 569, 577. opp.
 Syriae 775, 779, 749, 750. opp. Margi-
 nae 516. opp. Mygdoniae 747. Antioche-
 ses Syriae 751. ad Macandrum 630.
 Antiochicum bellum 683.
 Antiochis regio Syriae 751. Achaei filia,
 mater Attali 624.
 Antiochus Syracusanus rerum scriptor
 242, 253, 254, 255, 257, 263, 264, 265,
 278. Ant. Magnus 287, 528, 631, 540,
 563, 594, 624, 744, 759. Ant. Soter
 Seleuci f. 516, 578, 624. Demetrii f.
 rex Syriae 608. Ant. Epiphanes 750.
 Ant. Hierax 754. philosophus Ascalonita
 759.
 Antiope Nyctei filia 404.
 Antipater Macedo 331. frg. 35, 374, 433,
 565. Derbutes 535, 569, 679. Stalida f.
 535. Tarsensis 674. Tyrus 757.
 Antiphanes Bergaeus 47, 102, 104. cf. 100.
 Antiphellus opp. Lyciae 604.
 Antiphili portus in Troglodytica 771.
 Antiphrae opp. Marmaricae 759.
 Antiphros Thessali f. 444.
 Antipolis opp. Galliae 178, 183, 184, 185.
 Antirrhium prom. Aetoliae 335, 336, 387,
 390, 437, 460.
 Antirrhodus insula 794.
 Antissa opp. Lesbi 60, 618.
 Antitaurus 521, 527, 528, 535.
 Antium opp. Volscorum 231, 232, 239.
 Antonius triumvir 141, 325, 359, 455,
 Galus 455.
 Antro opp. Thessaliae 432, 435. Άντρο-
 ρος όνος scopulus 435.
 Anthe 805, 812.
 Aones pop. Boeotiae 321, 397, 401.
 Aonia campus in Boeotia 412.
 Aenus castellum Indiae 658.
 Aesai pop. Asiae 492, 506.
 Aeus fl. Illyrici 318. cf. Alax.
 Aepetes opp. Troadis 589. cf. Paetus.
 Apama Seleuci Nicatoris conflux 578, 749.
 Prusiae conflux 583.
 Apamea opp. Syriae ad Orontem, 275,
 749, 751 — 753. ή Κιβωτός opp. Phry-
 giae 569, 576 — 580, 629, 663. opp.
 Mediae 514, 524. Bithyniae 563.
 Apamenses 564, 579, 631, 653, 655, 750,
 752, 753, 756.
 Apasai gens Daorum. cf. Parsi.
 Apastacae gens Scythicae 513.
 Apaturum templum Veneris 495.
 άπηλιώτης άνεμος 29, 34.
 Apelles philosophus 15. pictor Ephesus
 642, 657.
 Apellico Teias 609, 644.
 Apenninus mons 128, 201, 211, 212, 216,
 219, 227, 228, 631, 240, 253, 283, 286.
 Aphamiotae Cretensium servi 701. cf. 542.
 Aphetae opp. Thessaliae 436, 439.
 Aphidna et Aphidnae pagus Atticae 286,
 397.
 Aphnris Pixodari uxor 657.
 Aphnii 589, 587.
 Aphnitis palus i. q. Dascyllitis in Mysia
 59, 587.
 Aphrodisias opp. Phrygiae 576, 670.
 Aphrodisium opp. Cypri 682. Veneris
 templum cf. Venus.
 Άφροδίτης όρμος i. q. Μνός όρμος
 709. πόλις opp. Aegypti 802, 809, 813,
 817.
 Aphytia opp. Palleneae 330. frg. 27.
 Apia Peloponnesus 371.
 Apiae campus in Mysia 618.
 Apidanus fl. Thessaliae 356, 432.
 Apidonea Peloponnesi 371.
 Apolae opp. Volscorum 231.
 Apis opp. Marmaricae 799. deus Aegyptio-
 rum 803, 805, 807.
 Apobathra locus prope Sextum 591.
 Apocaea Atheniensis Tei conditor 633.
 Apollo 237, 760, 320, 374. Μουσηγέτης
 468. Κιλλαιος 612, 618. Ποσειδών
 612. Σμινθεός 603, 613, 618. Σμίν-
 θιος 486. Γρυνεός 618. Ούλιος 635.
 Κιάριος 632. Έκατος 618. Φύλ-
 λιος 435. Αμφραίος 439. Αιγλήτης
 484. Άκαίος 588. Apollinis sacra,
 oracula, nemora: Apolloniae 319, in in-
 sula Chio 645. Amyclis 363. In Argolide
 et Boeotia 368, 403. In insula apud Les-
 bum 619. in insula Anapha 484. Deli
 485. apud Branchidas 518, 634, 814.
 apud Rhodios 613. Orobitis 445. apud
 Calydenem 439. Chrysaee 604, 611, 612.
 Col 487. Teneae 380. Gryni 622. apud
 Adraeam 588. apud Clarum 642. inter
 Smyrnam et Clazomenas 645. apud
 Actium 325. apud Abydum Aegypti 813.
 in Cypro 683. Άκτίον 323, 450, 451.
 Αευθατα 451. Δελφινίου 179, 188.

- 257, 275, 418, 420, 464, 482. Θυρ-
βαίων 698. Κατάστροφος 537. Κιλ-
λαίων 672. Λακισσηνός 620. Μαγ-
μαρίνου 446. Πυθίου 417. Τίλω-
αίων 411.
- Apollocrates Dionysi f. 259.
- Apollodorus grammaticus 31, 43—45, 61,
208, 254, 258—261, 363, 328, 330, 368,
370, 405, 431, 453, 454, 457, 460, 464,
514, 551, 553, 555, 661, 677—681. Ar-
temidorus historicus 118, 500, 514, 516,
519, 525, 685. rhetor 635.
- Ἀπολλωνόνησοι i. q. Ἐκατόνησοι
618.
- Ἀπολλωνόπολις opp. Aegypti 815, 817.
- Apollonia opp. Moesia 319. opp. Mace-
doniae ad lacum Bolben 330, frg. 21,
331, frg. 33, 35, 57. opp. Epiri 134, 272,
316, 322, 326, 357, 424, 763. opp. Ly-
diae 625. opp. Cyreniticae 838. opp.
Syriae 752. opp. Mysiae 575. opp.
Phrygiae apud Apameam 509, 576.
- Apolloniatis regio Babylonica 624, 732,
735. lacus Mysiae 575.
- Apollonides scriptor 369, 523, 528.
- Apollanis Attali uxor 624, 625. opp. Ly-
diae 625, 646.
- Apollonium prom. sinus Carthaginiensis
832.
- Apollonius ὁ Μῦς Erythraeus 645. me-
dicus Citiensis 683. stoicus 650. ὁ Κρό-
νος Cyrenaeus 628, 838. ὁ παλαῖος
Alabandensis 655, 660, 661. Tyrias 757.
Rhodius 635.
- Appaltes gens Pontica 548.
- Appia via 233, 234, 237, 239, 249, 283.
- Apas fl. Illyrici 316.
- Apaysthis regio Thraciae 331, frg. 58.
- Apayrtidos insulae 124, 315.
- Apayrtos 315.
- Aptera opp. Cretae 479.
- Apulia et Apuli 242, 272, 277, 283, 285.
- Aquae Stati-liae opp. Galliae cisalpiniae 217.
- Aquilaia 123, 206—208, 214.
- Aquinum opp. Latii 237.
- Aquitania et Aquitani 161, 165, 176, 177,
180, 190, 191, 199, 208.
- Arabes et Arabia 39, 41, 42, 130, 209,
695, 696, 729, 741, 767—785. Arabia
felix 39, 42, 84, 85, 118, 130, 726, 748,
756, 765, 767, 779, 782, 819. deserta
767. in Aegypto 42, 130, 784, 815, 816,
829. in Syria 268, 736, 748, 749, 755,
756. Mesuri 730. Scenitiae 723, 739, 747
753, 765—767, 815, 819.
- Arabicus sinus 39, 35, 38, 42, 47, 85, 169,
708, 778. Ἀραβίου κόλπου मुखός
85, 98, 767, 804, 836.
- Arachaea regio Arianae 516.
- Arachoti opp. Arachosiae 514. pop. Aria-
nae 513, 524, 721, 723, 725.
- Aracynthus mons Astoliae 430, 409.
- Aradus ins. sinus Persici 705, 784. opp.
Phoenices 703, 734, 756, 769, 784. Aradii
753—755.
- Arachthra regio Argolidis 282.
- Aragus fl. Iberiae 500.
- Aramael 42, 627, 784, 785.
- Arambi 784.
- Arar fl. Galliae 186, 191—193.
- Ararene regio Arabiae 781.
- Arathus vel Arachthos vel Aracithus fl.
Epiri 325.
- Aratus poeta Solensis 163, 364, 367, 478,
484, 486, 671. Sicyonius dux Achaee-
rum 382, 385.
- Arausio opp. Cavarorum in Gallia 185.
- Araxeus regio Armeniae 73, 509.
- Araxenus campus in Armenia iuxta Al-
baniam 527—529, 531.
- Araxes fl. Armeniae 61, 401, 501, 523,
527, 528, 531. fl. Scythiae 512. fl. Per-
sidis 729.
- Araxus prom. Elidis 325—327, 388, 458.
- Arbaeas 737.
- Arbela opp. Assyriae 79, 532, 737, 738, 814.
- Arbela conditor Arbolorum 737.
- Arbiles pop. Gedrosiae 729.
- Arbis fl. Gedrosiae 710.
- Arcades et Arcadia 60, 221, 230, 283, 333,
335—337, 345, 348, 359, 355, 357, 362,
388, 389, 438, 572, 582, 608.
- Arcades 557, 577, cf. Μῆν.
- Arcefilaus Atheniensis 15. 614.
- Arceuthus fl. Syriae 761.
- Archaeanax Mytilenaeus 599.
- Archelaus Cappadociae rex 533—535, 546,
595, 596, 671, 706. sacerdos 558, 706.
pater sacerdotis ibid. Pentili f. 582.
physicus 645. drama Euripidis 221.
- Archedemus Tarsensis 674.
- Archemachus rerum Euboicarum scriptor 468.
- Archias Corinthius, Syracusarum conditor
262, 269, 270, 380, dux Antipatri 374.
- Archidamus Agallai f. 280.
- Archilochus poeta Patius 370, 457, 487,
540, 647.
- Archimedes 54, 65, 703.
- Archytas Tarentinus 289.
- Arconessa ins. vicinis Halicarnasso 695.
ead. q. Ἀρκίς 643.
- Ἀρχτων ὄρος prope Cyzicum 575.

- Arcturus 133, 601, 602.
 Aretus sidos 3, 4, 13, 76, 77, 132, 133.
 Ardanis s. Ἀρδανίτις (Igd. Ἀρδανίς)
 prom. Mæmaricæ 40, 528.
 Ardea opp. Histalorum 228, 231, 232, 240.
 Ardia regio Dalmatiæ 311.
 Ardiaci gens Dalmatica 314—318, 320,
 frg. 4.
 Ardium mons Dalmatiæ 315.
 Arduenna silva in Gallia 194.
 Arecomici cf. Volcae.
 Aregon pictor 343.
 Arelate opp. Galliae 161.
 Arena opp. Triphyliae 346—348, 352, 361.
 Areopagus 260.
 Areta Aristippi filia 781.
 Aretas Arabiae princeps 781.
 Arethusa castellum Syriæ 733, fons Chal-
 cidis 58, 449, fons Ortygiæ insulae
 270, 271, opp. Macedoniae 331, frg. 36.
 Arevaci pop. Celtiberorum 162.
 Argæus mons Cappadociae 73, 638.
 Arganthion rex Tartessi 161, mons Il-
 luthiae 564.
 Argea (Ἀργεῖα) et Argivi 35, 65, 724, 215,
 275, 335, 336, 537, 362, 368, 369, 371—
 377, 382, 389, 404, 426.
 Argeadae in Macedonia 329, frg. 11, 20.
 Argennum prom. Ioniae 644.
 Argestes ventus 29, 29, 391.
 Argilus opp. Macedoniae 331, frg. 33.
 Arginassae insulae 616, 617.
 Argissa postea Argura opp. Pelasgiotidis
 430, 440.
 Argo 43, 46, 224, 436, 661.
 Argolicus sinus 335, 368. Argolici equi 368.
 Ἀργολικὴ ἡπειρος 376.
 Argonautae 21, 45, 46, 215, 224, 232, 347,
 414, 436, 443, 576.
 Ἀργονόες λιμὴν portus Aethaliae 224.
 Argæ castellum Cappadociae 357. Achai-
 cum l. q. Peloponnesus 365, 369. Am-
 philochicum opp. Acarnaniae 271, 316,
 325, 326, 450, 462. Hippium l. q. Arpi
 215, 283, Iassum l. q. Peloponnesus 369,
 371. Oresticum opp. Epiri vel Mace-
 doniae 326. Pelasgiicum pars Thessaliae
 vel Thessalia ipsa 231, 360, 431, regio
 Peloponnesi 369—372, 374, 424, opp.
 Argolidis 23, 316, 368—371, 376, 377,
 383, 387, 389, 404, 440, 481, 653, 676.
 Argura opp. Pelasgiotidis 440.
 Arguria opp. Troadis 653, 603.
 Argyrippa l. q. Argæ Hippium et Argy-
 rippid 283.
 Argurus mons Baeticae 148, 161.
 Argyrusci 231.
 Aria regio Persidis 72—74, 511, 515, 516,
 522, 723.
 Ariamazi rupes 517.
 Ariana et Ariani 42, 78, 81, 83, 81, 130,
 492, 516, 523, 688, 690, 695, 720—725.
 Ariarathes rex Cappadociae 534, 538, 539,
 624.
 Aricia opp. Latii 231, 239.
 Aridæus Alexandri frater 794.
 Arri incolae Ariæ 511, 514, 518, 723, 724.
 Arima monstra Ciliciæ 627.
 Arimæi l. q. Aramæi 42, 785.
 Arimaçi gens Seythica 566. Ἀριμα-
 χίται ἐπὶ 21.
 Arimi 555, 579, 616, 627, 750, 764, 765.
 Arimæus rex Catacecaumenes 628.
 Ariminum opp. Umbriae 210, 217, 219,
 226, 227, 240.
 Ariminus fl. Umbriae 217.
 Arion citharoedus 618. Adrastus equus 401.
 Arisbarzanes rex Cappadociae 540.
 Arisba opp. Troadis 685, 590, 630.
 Aristarcha sacerdos Massaliensis 179.
 Aristarchus grammaticus 30—33, 36, 103,
 609, 650.
 Aristæus Proconnesius 21, 589, 639.
 Aristides pictor 581.
 Aristio tyrannus Atheniensis 338.
 Aristippus philosophus 837.
 Aristo Atheniensis 15. C-us 486, 688, 790.
 C-us 658, citharoedus Rhodius 260.
 Aristobulus rerum scriptor 569, 518, 672,
 691—693, 695, 701, 706, 707, 714, 720,
 741, 768, 824, rex Iudaeæ 762.
 Aristoteles Rhodius 635.
 Aristocratus rex Orchomeni 362.
 Aristodemus rhetor et grammaticus 650.
 Aristonicus grammaticus 38. Pergamæus
 646.
 Aristopatra Crateri mater 702.
 Aristoteles Stagiritæ 29, 94, 95, 102, 143,
 153, 182, 229, 321, 331, 345, 373, 374,
 386, 445, 447, 448, 608—610, 618, 605,
 703, 767, 790.
 Aristoxenus musicus 16.
 Aristus Cypricus historicus 682, 730.
 Arius fl. Ariæ 514, 518. Augusti amicus
 670.
 Ariusius ager in Chio insula 643.
 Armenia opp. Papthagostae 541.
 Armenia et Armenii 41, 42, 45, 48, 49,
 61, 73, 79, 80, 117, 129, 130, 288, 399,
 492, 498, 500, 501, 503, 596, 599, 511,
 520—524, 528, 535, 747, maior 321, 635,
 742, minor 521, 527, 528, 541, 547, 548,
 553, 560, 678.
 Armeniaca ventus 500, 525, 570.
 Armenici montes 74, 77, 78, 80, 82, 83

- 497, 508, 527, 539. Armeniacae portae 50, 82.
 Armenium opp. Thessaliae 503, 530.
 Armenus Thessalus 503, 530, 531.
 Armenius dux Chersonesorum 201, 292.
 Arnaei Thessaliae incolae 401, 411.
 Arnaeus 531.
 Arna opp. Thessaliae 401, 411, 435, 439.
 Arnus fl. Etrusciae 222.
 Aroa opp. Lyrinae 659.
 Arotrebae l. q. Artabri.
 Arotria l. q. Eretria.
 Arpi opp. Daunorum v. Argos Hippium et Argyrippa.
 Arretium opp. Etrusciae 222, 226.
 Arribasens princeps Lyncestarum 321.
 Arrhēchi natio Maeotica 495.
 Arsatae reges Parthorum 702, 749.
 Artaeus Scythia 513, 515. Pharnaces f. 560.
 Arsacia opp. Mediae eadem q. Parysata.
 Arsene lacus Armeniae 529.
 Arses rex Persarum 736.
 Arsinon opp. Ciliciae 670. duo oppida Cyprī 682, 683. opp. Aethiopiae 769, 773. opp. Cyrenaeae 816, 837. opp. Aegypti ad alium Arabicum 804. in pago Arsinoitico dicta antea *Ἀρσινόειαν πόλιν* 811, 812. opp. Aetoliae 490. l. q. Ephesus 690. l. q. Patara 695. prom. Cyprī 683.
 Arsinoites pagus 789, 809—812.
 Arsinoz 371, cf. Erasinos.
 Arsiton satrapa Phrygiae 766.
 Artabazus Apamae pater 578.
 Artabri s. Arotrebae pop. Lusitaniae 120, 137, 147, 153, 154, 175.
 Artea mons 576. insula 576. opp. ibi situm 582, 635.
 Artacena opp. Arliae 516.
 Artacene 738.
 Artagerae castellum Armeniae 529.
 Artanes Sophenus 532.
 Artavasdes rex Armeniae 524, 529, 530, 532.
 Artaxata opp. Armeniae 527—529.
 Artaxerxes 49, 636.
 Artaxias rex Armeniae 528, 531, 532.
 Artaxiastata l. q. Artaxata.
 Artemidorus Ephesus geographus 137, 138, 148, 157, 159, 164, 167, 170, 172, 183, 185, 198, 224, 245, 261, 267, 285, 335, 364, 389, 433, 436, 489, 490, 475, 483, 496, 570, 511, 623, 632, 640, 641, 642, 663, 665, 670, 677, 719, 760, 769—779, 801, 804, 823, 825, 830. Cnidius 650. Tarsensis 675.
 Artemida Mausoli soror et uxor 636.
 Artemisium opp. Beroeae 159, 161. prom. Cariae cum Dianae templo 631.
 Artemita opp. Assyriae 519, 744. una Echinadum 59.
 Artis locus quo Lebedus condita est 633.
 Arupium opp. Iapodum 207, 314.
 Arversi pop. Galliae 189—191, 193, 195, 196.
 Arxata opp. Armeniae 529.
 Asander rex Bosporanorum 311, 495, 625.
 Asca opp. Arabiae 782.
 Ascalon opp. Iudaeae 759.
 Ascania regio Phrygiae 551, 564, 680, 681. regio Mysiae aut Bithyniae 564, 565, 680. lacus Bithyniae 563—565, 681. vicus Mysiae 681.
 Astanlus fl. Bithyniae 565, 681. Aeneae f. 220, 607, 608. dux Phrygum et Mysorum 565.
 Asclepiadae in Thessalia 434, 438.
 Asclepiades Myrleus 157. Prusensis 566.
 Asera opp. Boeotiae 490, 413, 423, 622.
 Asculum Picenum 241.
 Asca vicus Arcadiae 275, 343.
 Asfa 14, 32, 35. . . Romanorum provincia 624.
 Asiarchoe magistratus provinciae Asiae 649.
 Asias heros 650.
 Asii gens Scythica 511.
 Asinaeus sinus l. q. Messeniacus sinus 359, 360.
 Asina opp. Messeniae 359, 360, 373. opp. Lacronicae 353. opp. Argolidis 360, 373.
 Asinidus (Pollis) 193.
 Asionenses et Esionenses 627.
 Asium pratum 650.
 Asius Dymanitis f. 590. Hyrtacides Trolanus 585, 590. Asius porta 265.
 Asopia pagus Sicyoniae 382, 408.
 Asopides Thebae 387.
 Asopus fl. Sicyoniae 271, 382, 408. s. Boeotiae 382, 408, 409, 411. fl. Phlebotidis 382, 408, 428. s. Pari insulae 382. opp. Lacronicae 364.
 Aspanus locus prope Idem 606.
 Aspendus opp. Pamphyliae 574, 657.
 Asphallus cognomen Neptuni 57.
 Aspinol satrapia 517.
 Aspis opp. ad Syrtim maiorem 838. opp. Carthaginiensium 277, 834. (v. Clypea) insula 643.
 Aspliden opp. Boeotiae 415.
 Aspordeus s. Asporeus mons 619.
 Asporeus cognomen matris deum l. q. Aspordeus 619.
 Aspuriani Maeotica gens 496, 550.
 Asaxani terra in India 691, 698.
 Assus opp. Mysiae 581, 665, 670, 674, 676, 735.

- Assyria 532, 736, 743.
 Assyrii 42, 672, 736, 745, 746.
 Asia opp. Iberiae 140, 141, 143.
 Astaberas fl. Athlopias 770, 771, 780, 821.
 Astaceni gens Indica 698.
 Astacenus sinus 459, 563.
 Astacus opp. Bithyniae 459, 463 opp.
 Acaenariae 459.
 Astae pop. Thraciae 319, 320, 331, frg. 48.
 Astapus fl. Aethiopiae 771, 780, 821.
 Astasobas fl. Aethiopiae 771, 780, 821.
 Asteria et Asteris insula 59, 456, 457.
 Asteron opp. Thessaliae 438, 439.
 Asteropaeus Pelegonis f. 331, frg. 38, 39.
 Asdigis opp. Hispaniae 141.
 Astures s. Astyres 152, 155, 160, 162, 167.
 Astyages rex Medorum 524, 730.
 Astypalaea prom. Atticae 398, prom. Ca-
 riae 658, vetus Coorum oppidum 457.
 Sporadum una 488.
 Astypalaecenses Rheetel incolae 601.
 Astyra opp. Mysiae 606, 613, opp. Troa-
 dis 591.
 Atabyria mons Rhodi 454, 636.
 Atagis fl. Ractiae 207.
 Atalanta ins. Atticae vicina 393, 423, ins.
 Euboeae vicina 61, 203, 425.
 Atargatis dea Syria 748, 785.
 Ataraitae 611.
 Atarnenus opp. Mysiae s. Troadis 581, 607.
 610, 614, 615, 622, 680.
 Atax fl. Galliae 181, 189, 849.
 Atens rex Bosphororum 307.
 Ategua opp. Hispaniae 141.
 Atella opp. Campaniae 249.
 Ateporix tetrarcha Galatarum 560.
 Aternum opp. Vestinorum 241, 242.
 Aternus fl. Italiae 241, 242.
 Atesinus fl. Ractiae 207.
 Athamanes et Athamania 321, 328, 427.
 429, 430, 434, 435, 440, 442, 440, 540.
 Athamantis Tei cognomen 633.
 Athamas Ball conditor 433. Tei conditor
 633.
 Athenae Atticae 15, 79, 396-398, opp.
 Boeotiae 407. Athenae Diades opp.
 Euboeae 446.
 Athenaeum Minervae aedes in Campana
 22, 247. Ephesi 634, 640, prom. Cam-
 paniae 22, 60, 242, 247.
 Athenaeus Attali f. 624, peripateticus 670.
 Athenais vates Erythraea 645, 814.
 Athenocles Amisum colebam Athenien-
 sium deducit 547.
 Athenedorus phrysius 6, 55, 173, ὁ Κορ-
 δουλίων Tarso oriendus 674, 676, ὁ
 Κανανίτης Sardonis f. 674, 676, 779.
 Athos 6, 330, frg. 31 32, 331, frg. 33-
 35, 447, 641.
 Athribis opp. Aegypti 802.
 Athribitae 813.
 Athribites pagus 802.
 Athraia opp. Arabiae 782.
 Athymbradus Lacedaemonius 650.
 Athymbrus Lacedaemonius 650.
 Athyras fl. Thraciae 331, frg. 56.
 Atintanes gens Epirotica 320.
 Atlanticum mare 5, 12, 26, 767.
 Atlantides Atlantis filius 346.
 Atlantis insula 102.
 Atlas Calypsus pater 26. mons Maurita-
 niae 825-827.
 Atmoni tribus Bastarnarum 306.
 Atrox opp. Pelasgiotidis 438, 440, 441.
 Atreballi pop. Galliae 194.
 Atreus 23, 372.
 Atria opp. Galliae cisalpiniae 214.
 Atridae 39, 372.
 Atropatens s. Atropatia s. Media Atru-
 patia 506, 522-524, 526, 527, 529, 532.
 Atropates satrapa Mediae 523.
 Attalia opp. Pamphyliacae 607.
 Attalici reges 228, 543, 563, 566, 567.
 588, 609, 623, 624, 642, 617.
 Attalus primus rex Pergami 603, 610, 624.
 Philadelphus Eumenis frater 624, 641.
 643, 607. Philometor Eumenis f. 624.
 646. Philotaeri frater 624.
 Attasii tribus Massagetarum 513.
 Attea opp. Troadis 607.
 Attilis l. q. Attira 396, 397, dial-ctus
 Attica 333, historia Atticae 221, 392.
 Attica et Attici 28, 28, 147, 221, 304, 333,
 390, 397, 400, 403, 600, 604.
 Atticae sodinae 147, 390, Atticum mel
 399, 490. Attica cotula 735.
 Aturia pars Assyriae 736, 737.
 Atys Tyrrheni pater 219, 221.
 Avenio opp. Cavarorum 185.
 Aveninus 180, 234.
 Avernus Campaniae sinus 26, 244-246.
 Aspidus fl. Apuliae 253.
 Aega Alci filia Telephi mater 615.
 Aegaeus Epeorum rex 338, 341, 354-356,
 359.
 Aegiae opp. Laconicae 364, opp. Locridia
 364, 426.
 Aegula regio supra Cyrenaliam sita 838.
 Augusta opp. Salassorum 206. Emerita
 opp. Turdulorum in Hispania 151, 166.
 Aulis opp. Boeotiae 298, 400, 401, 403,
 404, 408, 444.
 Aulon Messeniae 350. Aulon regius in
 Syria 358.
 Aulonia (cf. Caulonia) 261.
 Ausci pop. Aquitaniae 190, 191.

Ausones pop. Campaniae 232, 233, 271, 243, 255.
 Ausonium mare 123, 128, 213, 324.
 Ausaridae gens Illyrica 313, 315—318, 320, *frg.* 4.
 Autoleo pater Therae 347.
 Autolyceus Sinopes conditor 439, 546.
 Automala opp. Cyrenaeae 123, 836.
 Auximum opp. Piceni 241.
 Ἀχαιοὶ πόλις 298, 300.
 Axios fl. Macedoniae 6, 327, 329, *frg.* 4, 12, 330, *frg.* 20, 21, 23, 24, 30.
 Azamora opp. Caranae 637.
 Azanes pop. Arcadiae 336, 358.
 Azani et Azanitis opp. et regio Phrygiae 576.
 Azara (αἰὲν Zara) opp. Armeniae 627. *opp.* Elymalidis 744.
 Azaritus fons 563.
 Azonenses pagus Atticae 398.
 Azorus opp. Pelagoniae 327.
 Azotii Iudaeae pop. 749.
 Azotus opp. Iudaeae 769.

B.

Babatonum opp. Ponti 561.
 Babylon Babylonica et Babylonii 7, 77, 78, 89, 81—91, 103, 741—743, 745, *opp.* Aegypti 807, 812.
 Babrysa castellum Armeniae 529.
 Babys pater Pherecydis Syrii 487.
 Baecheae 656, 658.
 Baecladae gens Corinthiorum 326, 378.
 Baeclidae dux Sinopensium 546.
 Baeclus 27, 48, 171, 193, 468—471, *trump.* eius in Limis 363. Rhodi 632. *πυργιστής* 628. *μηροτραφής* 687. *Διονυσιακαὶ τέχνη* 474. *δρυα* 476.
 Baeclides Cens 488, 688.
 Baetra Baetiana et Baetris 14, 35, 63, 69, 70, 71, 72, 74, 75, 118, 120, 134, 472, 511, 513, 514, 516, 517, 518, 531, 686, 692, 697, 723, 724, 730, 816, 839.
 Badax fl. Syriae 728.
 Baenis fl. Lusitaniae 153.
 Baetora opp. Galliae Narbonensis 182.
 Baetica 129, 160, 162, 165.
 Baetis fl. Hispaniae 139, 140, 142, 148, 163, 174, 840. *opp.* Hispaniae 141.
 Baetrix pater Deudorigis 292.
 Baeturia regio Hispaniae ad Anam sita 142.
 Baetylus l. q. Oetylus opp. Laconicae 360.
 Bagadaenla regio Cappadociae 73, 539.
 Bagas nomen Paphlagonum 533.
 Bagous emucuae 738.

Bagradas fl. Africae 832.
 Balaie opp. Campaniae 227, 243—246, 248.
 Balas comes Ulixis 20, 215.
 Balanaca opp. Syriae 753.
 Balari pop. Sardis 225.
 Balbus Gaditanus 169.
 Balbura opp. Lyciae 631.
 Balcariides a. Ballarides insulae 167. (*cf.* *Gymnestae*)
 Ballaricus Metellus 167.
 Ballithonis promontorium 834.
 Bambyca opp. Syriae 748, 751.
 Bandobene regio Indiae 697.
 Barathra a. Berethra paludes circa Casium montem 59, 741, 760, 803.
 Barbarium prom. Lusitaniae 151.
 Barca opp. Cyrenaeae 837.
 Barcas Hannibalis pater 161, 158.
 Bard poetae Colitarum 197.
 Bardyl, Bardyetae, Bardyliae pop. Hispaniae 165, 162.
 Bargaia opp. Cariae 656.
 Bargaia opp. Indiae 720.
 Bargas fl. Illyriae (*cf.* *Margus*) 318.
 Barylia opp. Cariae 611, 638.
 Baridis (?) templum 531.
 Baris opp. Messapiae 281, 282. *cf.* *Veretum*.
 Barium opp. Peucestiae 283.
 Barnichius fl. Elidis 356.
 Baras opp. Macedoniae 323.
 Basgoedaria castellum Armeniae 565.
 Basilus fl. Mesopotamiae 747.
 Basoropeda regio Armeniae 528.
 Baxas Caecilii 762, 753.
 Bastanae 53, 118, 128, 259, 294, 296, 305, 366.
 Bastetania et Bastetani a. Bastuli pop. Hispaniae 139, 141, 155, 156, 162, 163.
 Bata opp. Ponti 490, 497.
 Βαθύς λιμὴν apud Aulidem 403.
 Batiae opp. Cassopaeorum 324.
 Batia collis in agro Troiano 573, 597, 623.
 Bato dux Pannoniorum 314. Sinopensis Persicarum rerum scriptor 546.
 Battas Cyrenae conditor 837.
 Bebryces 295, 541, 542, 554, 580, 678.
 Belthia insula 376, 398.
 Belgae 176, 177, 191, 194, 196.
 Bell sepulcrum 738. sacrum apud Elymaeos 744.
 Bello fl. Lusitaniae 153.
 Bellerophonites 379, 573, 630, 667.
 Belo opp. et fl. Baeticae 140.
 Bellocaci pop. Galliae 194, 196, 208.
 Bembia opp. Argolidis 377.
 Breaeus lacus Italiae 209.

- Bondidea sacra* apud Athenienses 470, 471.
Boneventum opp. Samnii 249, 250, 262, 283.
Boreocytas et *Boreocynfla* regio 460, 471, 472, 550, 680, 681.
Boreonica filia Salomae 765. opp. Cyrenalicae 835, 837. opp. Troglocladiorum 771, 815. opp. Aegypti 133, 769, 770, 815.
Boreonice coma 3.
Berga vicus Macedoniae 331, frg. 36, cf. in *Antiphanes*.
Berisades rex *Odrysurum* 331, frg. 48.
Bernulus mons Macedoniae 330, frg. 25, 26, 690.
Beroea opp. Macedoniae 330, frg. 26. opp. Syriae 751.
Berones pop. Hispaniae 158, 162.
Berticus mons Macedoniae 329, frg. 10.
Berytus opp. Phoenices 683, 755, 730.
Besa et *Besacenses* pagus Atticus 426.
Besbicus insula 572.
Bessa locus silvestris Locridis 426.
Bessi gens Thraciae 318, 331, frg. 48.
Bessas 513, 518, 697, 724.
Betara (Yetera?) opp. Hispaniae 160.
Bia Prienensis 636.
Biaxas nomen Paphlagonum 553.
Bibracte castellum Aeduarum 192.
Biblis opp. Celtiberorum 162.
Billarus Sinopensis sphaerae artifex 546.
Bio astrologus 29, *Berythenia* 15, 486.
Bia fons Elidis 356 (cf. *Pia*).
Bissaltae pop. Macedoniae 329, frg. 11, 331, frg. 36.
Bistones gens Thraciae 331, frg. 44.
Bistonis lacus Thraciae 59, 331, frg. 44, 47.
Bithyni et *Bithynia* 129, 205, 534, 541, 543, 544, 562—566, 574, 594, 635, 840.
Bitoriges Cabi 191.
Bitytes Arverni 191.
Bithona opp. Noesiae 54, 319.
Bixya opp. Thraciae 331, frg. 48.
Blaeno regio Paphlagoniae 502.
Blaeo insula 181.
Blaudus opp. Phrygiae 567.
Bleminatiae, ager Bleminae in Laconica 343.
Blemmyes pop. Aethiopiae 765, 819.
Blera opp. Eiruriae 726.
Blesino opp. Corsicae 224.
Blucium (Locellum?) castellum Tollistoboglorum 567.
Boagrius fl. Locridis 60, 426.
Bocalla a. *Bocarus* fl. Salaminis 394.
Bocchus rex Mauritaniae 828.
Boea opp. Laronicae 364.
Boeba opp. Magnesiae 436, 438, 536.
Boebis lacus Thessaliae 430, 436, 438, 441—443, 503, 530.
Boeota opp. Elidis 338.
Boeoti opp. Laconicae 360.
Boeotia et *Boeoti* 10, 63, 321, 332, 336, 397, 400—416.
Boeotus f. *Melanippae* 265.
Boerebistas (Byrebastas) rex Getarum 298, 303, 304, 762.
Boethus Sidonius 757. *Tarsensis* 674.
Boeum urbs Dorica 427, 475.
Bogus rex Mauritaniae 100—102, 330, 827, 828.
Bolanum opp. Samnitium 250.
Boli pop. Galliae 195, 206, 212, 213, 215, 293, 296, 304, 313, 315. *Bolorum* desertum 292.
Bolis mons Orisidis 329, frg. 6.
Bolba lacus Macedoniae 331, frg. 36.
Bolbitinum castrum Nilii 801.
Bonienses gens Aetoliae 451.
Bonones f. *Phraatis* 748.
Bononia opp. Italiae 216.
Boog αὐλὴν antrum Euboeae 445.
Bosura opp. Cyprae 693.
Borium prom. Cyrenalicae 836.
Borrhama arx montis Libani 755.
Borsippa opp. Babylonicae 739.
Borythenes 62, 71, 73—75, 167, 114, 116, 125, 126, 135, 298, 306.
Bosporani a. *Bosporiani* 367, 369—372, 492, 493, 762.
Bospori l. q. *Bosporiani* 316.
Bosporus Cimmericus 6, 20, 73, 109, 125, 293, 307, 310, 312, 492, 494, 495, 506, 547, 553, 625. *Thracius* 123, 319, 506.
Botrys castellum Syriae 755.
Bottia et *Bottiae* pop. Macedoniae 279, 282, 329, frg. 11, 330, frg. 20.
Botto dux Bottiaeorum 329, frg. 11.
Boxus s. *Boxes* Persa 779.
Brachmanes philosophi Iudorum 712—719.
Branchidae sacerdotes Apollinis 421, 518, 634, 814. eorum oppidum in Sogdiana 518.
Branchus antistes Tempii Apollinis 421, 634.
Brauto opp. Atticae 371, 397, 399.
Brenae pop. Thraciae 331, frg. 48.
Brennus dux Gallorum 187.
Breuci pop. Pannoniae 314.
Breuni gens Illyrica 266.
Brigantii pop. Vindelicorum 206.
Brigantium opp. Brigantium 179, 206.
Briges pop. Thraciae 295, 330, frg. 25.
Briessius mons Atticae 399.
Brisels 684.
Britannia et *Britanni* 63, 75, 114—116, 118, 199—201.
Britannicae insulae 93, 114, 129, 147.

Britomartis nympba 479.
 Brixia opp. Isauriae 213.
 Bructeri pop. Germaniae 291, 292.
 Brundisium opp. Iapygiae 233, 249, 277,
 281—283, 285, 324.
 Brutii regio et populus Italiae 211, 228,
 251, 253—256, 261, 282.
 Brutus Calliacus, 152, 153, 155. Decimus
 205. victus ad Philippum 331, frg. 41.
 Bryanum opp. Macedoniae 327.
 Bryges s. Brygi l. q. Phryges 550.
 Brygi pop. Epiri 325, 327.
 Bubastus opp. Aegypti 505.
 Bubo opp. Lyciae 631.
 Bura opp. Frontanorum 212, 285.
 Bucephalus Alexandri equus 698.
 Bucephalia opp. Indiae 698.
 Buchetium opp. Cassopaeorum 324.
 Bucoli in Aegypto 792, 802. Βουκόλων
 μέλισ in Iudaea 738.
 Budorus s. Euboeae 445. mons Salaminis
 ibid.
 Eulaemum Marobodi sedes 290.
 Eupradum opp. Elydis 340, 341, 345,
 349, 352, 357, 357, 453.
 Eura opp. Achaiae 54, 59, 371, 383, 386.
 Eurdigala opp. Galliae 190.
 Eusiris rex Aegyptiorum 802. opp. Ae-
 gypti ibid.
 Euthrotum opp. Epiri 324.
 Eutica palus in Aegypto 802.
 Eutones pop. Germaniae 290.
 Eutrium opp. Umbrosum 214.
 Euses opp. Aegypti 802.
 Eyllus opp. Phoenices 755.
 Eyllace regio Illyrici 316.
 Eyllones pop. Illyrici 326.
 Eyrchanis insula 291.
 Eyrrebiatas v. in Boerebiatas.
 Byrsa arx Carthagini 812, 833.
 Byzacii pop. Libyae 131.
 Byzantiacum ostium 21, 49, 71, 125, 318,
 363.
 Byzantium et Byzantii 51, 63, 74, 76, 106,
 115, 125, 134, 135, 318—320, 341, 545,
 578, 584, 656, 677.
 Byzaces gens Pontica 549.

C.

Cabacum prom. Ostimorum 64.
 Cabalenses i. q. Solymi 630.
 Caballa opp. et regio Phrygiae et Lyciae
 629—631.
 Caballa opp. Armeniae 529.
 Caballio opp. Galliae 179, 185.
 Cabira opp. Ponti 556, 557.

Cabira et Cabirides nympbae 472.
 Cabiri 331, frg. 51, 465, 479, 472, 473.
 Cabirus mons Berytyllae 472.
 Cahyllium opp. Galliae 192.
 Cadena opp. Cappadociae 537.
 Cadi opp. Phrygiae 576.
 Cadma l. q. Priene 636.
 Cadmea arx Thebaram 321, 401, 412.
 Cadmus Cadmeae conditor 321, 328, 401,
 447, 680. Milesius rerum scriptor 18,
 635. s. et mons Phrygiae 578.
 Cadzari pop. Galliae 190, 191.
 Cadzari pop. Asiae 507, 508, 510, 514,
 523, 524.
 Caedias ventus 29.
 Caecubum ager Latii 231, 233, 234.
 Caelia opp. Apuliae 292.
 Caellus mons 234.
 Caeni pop. Thraciae 624.
 Καῖνον χωρίον castellum Ponti 557.
 Caenys prom. Italiae 257, 265.
 Caepio dux Romanus 180, 188, 269.
 Caepionis turris 140.
 Caeratus l. q. Cnosus 476.
 Caere opp. Etruscae 220, 226.
 Cnesaraugusta opp. Celtiberorum 151,
 161, 162.
 Caesarea opp. Numidia 831.
 Caesarium templum Alexandriae 794.
 Caesena opp. Italiae 217.
 Calcut s. Mysiae 571, 581, 582, 607, 611,
 615. Calci fontes 572, 616. Calci cum
 pos 576, 615, 616, 624, 691.
 Calcia prom. Latii 233.
 Calabria et Calabriae 277, 282.
 Calachene regio Assyriae 536, 736.
 Calaguris opp. Hispaniae 161.
 Calania statuaris 319.
 Calanus Indus 696, 715—718.
 Calazarna opp. Lucaniae 224.
 Calatia opp. Campaniae 248, 249, 263.
 Calauria insula 124, 369, 373, 374.
 Calbis s. Cariae 651.
 Calchas vates 284, 570, 642, 643, 668,
 678.
 Calcs et Caleni in Campania 237, 243, 249.
 Caloti pop. Galliae 189, 194, 199.
 Callaici pop. Hispaniae 147, 152, 155,
 157, 162, 164, 165.
 Callas s. Euboeae 445.
 Callistaeus v. Demetrius.
 Callatis opp. Moesia 318, 319, 542.
 Calliaraus opp. Locridia 426.
 Callias Lesbii 618.
 Calliocolona collis Troadis 597, 598.
 Callidromus pars Oetae 428.
 Callimachus poeta Cyrenaeus 44, 46, 216,
 290, 347, 353, 397, 438, 484, 479, 638,
 656, 805, 837, 838.

- Callinicus cf. Seleucus.
 Callinus poeta 604 627, 633, 647, 648, 668.
 Calliopa Corybantium mater 472.
 Callipidae gens Seythica 530.
 Callipolis opp. Siciliae 272. opp. Chersonesi Thraciae 331, frg. 50, 589. opp. Macedoniae 331, frg. 36.
 Callista l. q. Thera 347, 837.
 Calliasthenes historicus 302, 517, 531, 542, 558, 594, 611, 627, 635, 667, 680, 719, 790, 814.
 Callydium castellum Mysiae 574.
 Calpa opp. Hispaniae 51, 140, 141. mons Hispaniae 106, 139, 148, 156, 168—170.
 Calpas fl. Bithyniae 543.
 Calyba opp. Astarum 320.
 Calycadnus fl. Ciliciae 627, 670.
 Calydnia l. q. Tenedus 604.
 Calydniae insulae 488, 489, 604.
 Calydon opp. Aetoliae 427, 450, 451, 459, 460, 463, 465. Calydonius aper 389, 466.
 Calymna s. Calymnae insula 489.
 Calynda opp. Cariae 651.
 Calypsus insula 44, 299.
 Camarina opp. Siciliae 266, 272.
 Cambyasene regio Armeniae 501, 502, 528.
 Cambysses 473, 736, 799, 805, 816, 820.
 Camerinum opp. Umbriae 227.
 Camici opp. Siciliae 273, 279.
 Camillus Vulcani f. 472.
 Camirenses 655.
 Camirus opp. Rhodi 653—656.
 Camissa castellum Ponti 509.
 Camisene regio Cappadociae 546, 560.
 Campani et Campanis 219, 231—233, 237, 240, 242—249.
 Campodunum opp. Vindelicorum 206.
 Campstani pop. Germaniae 291.
 Camuni pop. Haetorum 206.
 Canae opp. Aetolidis 406, 615. s. Cana mons et prom. Aetolidis 581, 600, 607, 615—617.
 Canaea ager Canarum 615.
 Cananitis v. Apollodorus.
 Canastrum prom. Macedoniae 330, frg. 25.
 Canastrum prom. Pallene 330, frg. 32.
 Candacia regina Aethiopum 820, 821.
 Candavia montes Illyrici 323, 327.
 Canthus colitis Euboeae 447.
 Canidius dux Romanorum 501.
 Cannae opp. Apuliae 235.
 Canobus stella 3, 119. opp. Aegypti 85, 686, 800, 801. Menelai gubernator 801.
 Canobicum Nilii ostium 64, 85, 91, 786, 788, 791, 800, 801. Canobica porta Alexandriae 795, 800. Canobica fossa 795, 800, 801.
 Cantabri 153. Cantabri Coniaci 102.
 Cantabria 153, 157, 163, 821.
 Cantharum prom. Sami 639.
 Cantharoletum locus prope Olynthum 320, frg. 20.
 Cantium regio Britanniae 63, 193, 190.
 Canusinus portus ad Aufidem 283.
 Canusium opp. Apuliae 282, 283.
 Capedunum opp. Scordiscorum 318.
 Caphereus prom. Euboeae 368.
 Caphyrses opp. Arcadiae 388.
 Capitulum opp. Latii 238.
 Capitulum 200, 230, 234, 236, 278, 319, 557, 637.
 Capnobatae epitheton Myserum 296, 297.
 Cappadoces et Cappadocia 73, 288, 533—540. ad Pontum 532, 534, 678.
 Capreae insula 22, 69, 123, 247, 248, 258, 259.
 Capria lacus Paphlagoniae 667.
 Caprus portus Chalcidicae 331, frg. 33, 35. insula 331, frg. 33, 35. fl. Phrygiae 578. fl. Assyriae 738.
 Capsa opp. Numidiae 831.
 Capus opp. Campaniae 237, 242, 246, 249, 283.
 Capys opp. Arcadiae 668.
 Capys Trolanus 608.
 Caralis opp. Sardis 224.
 Carambis prom. Paphlagoniae 125, 309, 406, 545, 546.
 Carana opp. Ponti 500.
 Caraditis 500.
 Carathiocerta opp. Armeniae 527.
 Carcinotus sinus 307, 308, 311.
 Carcoras fl. Norici 307, 314.
 Cardaces 734.
 Cardamyla opp. Messeniae 369, 361.
 Cardia opp. Chersonesi Thraciae 331, frg. 52, 54.
 Carduchi pop. Asiae 747.
 Carenitis regio Armeniae 528.
 Cares 6, 631—664.
 Carasene regio Troadis 602, 603.
 Carus opp. Troadis 554, 602, 603. fl. Troadis 602, 603.
 Caria 65, 631—664. Cariae fines 563. montes 632. litus 383, 665. Carica 65.
 Caricus Iuppiter 669. Caricus imperator (Hybreas) 669. Carica arma 661.
 Carmalis fl. Catanzoniae 537.
 Carmania 78—80, 723—727.
 Carmani 720, 726.
 Carmelus mons Iudaeae 758, 759.
 Carmentis Euantri mater 230.
 Carmon opp. Hispaniae 141.
 Carmylessus opp. Lyciae 665.
 Carua s. Caruana opp. Arabiae 768.
 Carneades Academicus 828.

- Carnestes mons Sicyoniæ 382.
 Carni gens Alpina 206, 207, 216, 292, 314.
 Carnus opp. Syriæ 753.
 Carnuti pop. Galliae 191, 193.
 Carpasia opp. Cypri 682.
 Carpasiae insulae ibid.
 Carpathium mare 124, 488, 489.
 Carpathus insula 124, 489.
 Carpetani 133, 141, 192, 193.
 Carpetania regio Hispaniae 142.
 Carthae opp. Mesopotamiae 747.
 Carseoli opp. Latii 238.
 Carsulæ opp. Umbriae 227.
 Carta opp. Hyrcaniae 508.
 Cartillas opp. Hispaniae 139.
 Cartela opp. Hispaniae 141, 145, 148, 151.
 Carthæ vicus Thraciae 331, frg. 44.
 Carthaea opp. Cei insulae 456.
 Carthaginienses 61, 832—836.
 Carthaginiensis sinus 832, 834, lapis 830, 835. ager in Africa 131, 207, 831, 832. in Hispania 161.
 Carthago 64, 832—834. Carthago nova opp. Hispaniae 147, 148, 155, 158, 159, 161, 163, 167, 175, 827, 828.
 Carura opp. Phrygiae 557, 578, 580, 630, 683.
 Caryanda opp. et insula Cariae 638.
 Caryandenses ibid.
 Carystius lapis 437, 446.
 Carystus opp. Euboeae 416, 446, locus Laconiae 446.
 Casander rex Macedoniae 330, frg. 21, 24, 25.
 Casandra 264, 600.
 Casandrea opp. Macedoniae 330, frg. 25, 27, 31.
 Casiana castellum Syriæ 752.
 Casilinum opp. Campaniae 237, 238, 249, 253.
 Casinum opp. Latii 237.
 Casium mons Aegypti 38, 50, 55, 58, 741, 753—759, 796. mons Syriæ 742, 750, 751.
 Caspiae portae 69, 64, 78—81.
 Caspiae regio Albaniae 592, 528.
 Caspi 497, 502, 505, 514, 517, 520.
 Caspium mare 35, 491—531.
 Caspius mons Caucasi 91, 92, 497, 514.
 Castlepa stella 134, 135.
 Castiopa portus Epiri 324.
 Castus Caesaris percussor 331, frg. 41, 752.
 Cassopaei pop. Epiri 321, 324, 325.
 Castabala opp. Ciliciae 535, 537.
 Castalia fons 418.
 Castellum portus Firmi Piceni 241.
 Castianaea opp. Magnesia 438, 443.
 Castor pater Delotari 502. Sacocondari f. Delotari gener 508.
 Castrum a. Castrum novum opp. Piceni 241.
 Castulo opp. Hispaniae 142, 148, 152, 160, 165.
 Casus insula 489.
 Casytes portus Erythraeorum 644.
 Catabathmus mons et opp. Aegypti 791, 798, 825, 838.
 Catacecaumene regio Mysiae vel Lydiae 576, 579, 626, 628. Catacecaumena vinum 628, 637.
 Catanae 219, 272, 274, 628.
 Catana opp. Siciliae 245, 247, 266—268, 272. Catinnenses 268, 269, 272.
 Catæ Apollo 537.
 Catanes pop. Taurum accolens 130, 528, 531, 535, 537, 678.
 Catania pars Cappadociae 53, 134, 521, 531—536, 675, 680.
 Cataracta fl. Pamphyliæ 657. Anienis 228. Euphratis 746. Nile 785, 787, 817, 818.
 Catennenses gens Pisidia 570.
 Cathaea regio Indiae 699.
 Cathael ibid.
 Cathylæi pop. Germaniae 292. cf. Caulæ.
 Cato Ulicensis 515, 674, 684, 685, 835.
 Κάτωπύργος χώρος in Parnasso 423.
 Cateuiges gens Alpina 204.
 Cattabenses pop. Arabiae 768.
 Cattabasia ibid.
 Catiliterides insulae 120, 129, 147, 175.
 Cavares pop. Galliae 165, 166.
 Caucasus isthmus 129, 491, 499.
 Caucasus 68, 497—499, 504—506, 688—690.
 Caei pop. Germaniae 291.
 Caeson fl. Achaiae 342, 387.
 Caesones in Elide 321, 322, 337, 342, 345, 346, 353, 355, 387, 554, 572.
 Caesonia vetus Elidis nomen 345.
 Caesontidae a. Caesontidae in Paphlagonia 345, 541, 542, 678, 680.
 Caesonis monumentum in Elide 345.
 Caedium opp. Samnitiū 243, 283.
 Cauli pop. Germaniae 291.
 Caulonia opp. in Brutillis 261. (v. Aulonia) opp. Siciliae ibid.
 Caunū 651, 652.
 Causus opp. Cariae.
 Caystriani Lariani 621.
 Caystrius heros 639.
 Caystrus fl. Ioniae 621, 641, 642, 650, 691. Caystri campus 440, 629, 625, 627, 629, 691.
 Cebren a. Cebrene opp. Troadis 506, 604, 607.

- Cebreni in Troade 590, 597, 606, in Thracia 590.
 Cebrenia pars Troadis 596, 597.
 Cebrenes 594.
 Cecropia arx Athenarum 397.
 Cecrops 321, 397, 407.
 Celadon fl. Elidis 343, 348.
 Celasae collis Troadis 577. opp. Phrygiae 577—579, 616, 629.
 Celasno una e Danaidibus 579.
 Celaeus f. Neptuni 579.
 Celenderis opp. Ciliciae 670, 760.
 Celmis una e Dactylis 473.
 Celosia mons Sicyoniae 382.
 Coisa opp. Hispaniae 161.
 Celtas 16, 176—178, 193—201.
 Celtiberi 33, 161—164.
 Celtiberia 142, 148, 162, 163, 165.
 Celtibericum bellum 162.
 Celtica 7, 176—193, cisalpinia 195, 211, 212, 217, 218, 227, 240, 287, 292. Celtici populi 128, 165, 212, 288, 298, 313, sinus 137. Celtica armatura 313.
 Celtici pop. Hispaniae 139, 141, 151, 153.
 Celtoligyes 203.
 Celtoscythae 33, 507.
 Cemoni montes in Gallia 128, 146, 177, 178, 182, 185, 187, 189—191, 208.
 Canacum prom. Euboeae 60, 426, 429, 435, 444, 446.
 Cenchreae portus Corinthiorum 54, 56, 369, 389. opp. Argolidis 376.
 Cenchrius fl. prope Ephesum 639.
 Cenomani pop. Galliae cisalpiniae 216.
 Centauri 346, 427, 434, 439.
 Centrones gens Alpina 204, 205, 208.
 Centuripae opp. Sicillae 272, 273.
 Ceos insula 485, 486, 486.
 Cephalae prom. in Syrti maiori 835, 836.
 Cephalenes s. Cephalenii 452, 456, 461.
 Cephalenia 124, 333, 338, 451—458, 637.
 Cephaleniaceum fretum 351, 455.
 Cephaloedium opp. Sicillae 266, 267.
 Cephalon Gergithus 580.
 Cephalus f. Delonci 452, 456, 459, 461.
 Cephoes 42.
 Cephisia opp. Atticae 397.
 Cephisus lacus Boeotiae 407, 411.
 Cephisus. fl. Phocidis et Boeotiae 16, 405—407, 424, 427. fl. Atticae 406, 424. fl. Sakaminis 424. Sicyoniae, Neryi, Argolidis ibid. fons Apolloniæ ibid.
 Ceph opp. Bospori Cimmerii 495.
 Ceramietae pop. Cariae 666.
 Ceramus opp. Cariae 656.
 Cerasas opp. Ponti 548.
 Cerasa montes Atticae 205.
 Ceraunia in ora Illyrica 21, 105, 281, 283, 288, 316—318, 324, 326, 390. pars Caucasi 501, 504.
 Cerberus 363.
 Cerberii pop. Phrygiae 389. Cerberium carmen ibid.
 Cercaphus Ormeni pater 438.
 Cercosura opp. Aegypti 805.
 Cercotae pop. Asiae 492, 496, 497.
 Cercotus mons Icariae 488.
 Cerciona insula et opp. 123, 831, 834.
 Cercinnitis insula 834.
 Cercitae pop. Ponti 548.
 Cereate opp. Latii 238.
 Ceres 331, frg. 50, 393, 468. colitur in insula Britanniae vicina 198. Eunae 272. Pyli 435. Romae 381. Pyraei 435. Pyliis 420, 429. Eleusine 485. Ephesi 633.
 Cereus fl. Euboeae 449.
 Cerilli opp. Bruttiorum 256.
 Cerinthus opp. Euboeae 445, 446.
 Cerna insula 47.
 Cerrhetani pop. Hispaniae 162.
 Cersobleptes rex Odrysarum 331, frg. 45.
 Cerynea opp. Achaiae 387.
 Cestrus fl. Pamphyliæ 571, 667.
 Cetei 616, 620, 678, 686.
 Ceteum fl. Myliae 616.
 Chaa opp. Triphyliæ 348.
 Chaadla opp. Arabiae 782.
 Chaetone regio Arianæ 725.
 Chabaca opp. Ponti 548.
 Χαλβίων χάραξ vicus Aegypti 760.
 χαρμή in Delta Aegypti 803.
 Chabum opp. Chersonesi Tauricae 312.
 Chacanotae pop. Caucasi 506.
 Chaeremon Alexandrinus 896.
 Chaeronea opp. Boeotiae 407, 413, 414.
 Chaeroneus 424.
 Chalastra opp. Macedoniac 330, frg. 201, 21, 23, 24.
 Chaldaei sapientes Babylonii 23, 739, 762, 896. pop. Babyloniac 687, 739, 763—767. pop. Ponti 565, 549, 551, 555.
 Chalcedon opp. Bithyniae 320, 541, 543, 563, 568, 609.
 Chalcedoni 319, 320, 543, 546, 548, 563.
 Chalcedonicum litus 320, 563. sacrum 313, 543, 563.
 Chalcedores (non Chalcedor) opp. Cariae 636, 658.
 Chalcia s. Chalcis mons Aetoliae 451, 459, 460.
 Chalcia una Sporadum 485, 655.
 Chalcedenses in Euboea 243, 246, 247, 257, 260, 447, 449, 472. in Ionia 614. in Thracia 329, frg. 11.

- Chalcidica terra 576.
 Chalcidice regio Syriae 753.
 Chalcidici 331, frg. 33.
 Chalcidicum fretum (Euripus) 35, 56, 400, 403, 447.
 Chalcis opp. Euboeae 403, 445—448, 451, 465. opp. Aetoliae 427, 447, 451, 460. opp. Triphylliae 343, 350, 351, opp. Syriae 753, 755, f. Triphylliae 343, 351. mons Aetoliae cf. Chalcis.
 Chalcoitis regio Assyriae 529, 736.
 Chalyba opp. Ponti 349, 551.
 Chalybae pop. Ponti 528, 549—551, 675.
 Chalybodium vinum 735.
 Chamanene praefectura Cappadociae 534, 540.
 Chanes f. Albaniae 500.
 Chaones gens Epirotica 323, 324.
 Characoma castellum frg. 48.
 Charadra opp. Messeniae 360.
 Charadru castellum Ciliciae 609.
 Charax opp. Corsicae 234. locus ad Syrtim maiorem situs 836. Chabriae cf. Chabrias. Patroeli cf. Patroclus, Melagri cf. Melaeus. Sesostris 769, 790.
 Charaxus frater Sapphus 808.
 Chares Lindius 692.
 Chares f. Colchidis 490.
 Chariacus rex Sparta 482.
 Χαρισμόν βασις in ora Aethiopica 774.
 Charmides pater Phidias 353.
 Charmolus Massiliensis 165.
 Carmothas opp. et portus Arabiae 777.
 Charon Lampacenus 583, 589.
 Charondas legum lator 539.
 Charonides 579, 636, 649. cf. Plutonium.
 Charybdis in freto Siculo 5, 20, 21, 23, 25, 26, 43, 208. terrae hiatus in Syria 275.
 Chatramotilae pop. Arabiae felicia 768.
 Chatramotitis ibid.
 Chatti pop. Germaniae 291, 292.
 Chathauri pop. Germaniae 291, 292.
 Chaubi pop. Germaniae 291.
 Chauletaci pop. Arabiae 767.
 Chazene regio Assyriae 736.
 Chelidoniae insulae prope oram Pamphyliae 520, 651, 663, 666, 677, 682.
 Cholenatas prom. Elidis 335, 338, 342, 343, 348, 456 (536).
 Chelonephagi 773.
 Χελωνών νησος Ins. Aethiopiae 773.
 Chersonesitae incolae Chersonesi Tauricae 308—312.
 Chersonesus opp. Chersonesi Tauricae 308, 309, 312, 542. i. q. Apamea in Syria 792. portus Lyci in insula Creta 479, 838. castellum Aegypti 799. prom. et portus Cyrenalicae 338. opp. Hispaniae 159.
 Chersonesus Thracica ad Hellespontum 92, 108, 124, 125, 331, frg. 52—54, 459, 589, 591, 595. Taurica vel Scythica ad Maeotim paludem 308—312, 545. maior 307, minor 308.
 Chersicrates Heraclides Corcyrae conditor 209.
 Chersiphron architectus 640.
 Chersici pop. Germaniae 291, 292.
 Chilicomum ager Amasenorum 561.
 Chimaera monstrum 605. vallis Lyciae 605, 606.
 Chimerum prom. Epiri 324.
 Chirocrates (igd. Dinocrates) architectus 641.
 Chium vinum 637, 657. figlinum 317.
 Chius insula 124, 482, 488, 583, 619, 621, 632, 633, 645. opp. insulae 601, 645.
 Chloris mater Nestoris 347.
 Choaspes f. Indiae 697, f. Persidis 47, 728, 729.
 Choesicles in ora Sinopentium 545.
 Choerilus poeta 303, 672.
 Chona opp. Lucaniae 254, 255.
 Chones incolae Lucaniae 253—255, 264.
 Chosia 634.
 Chorasmii pop. Sacarum vel Massagetarum 513.
 Chordiraza opp. Mygdonum in Mesopotamia 747.
 Chorizene regio Armeniae 528.
 Chrysa, opp. Troadis, vetus 605, 611—613. nova 604, 612, 613, 602.
 Χρυσόπολις Ζεύς 609.
 Χρυσόπολιν s. Χρυσόπολιν σύστημα in Caria 600.
 Chryseis 583, 611—613.
 Chrysippus Solensis stoicus 301, 610, 671.
 Chrysopolis vicus Bithyniae 563.
 Chrysorrhoas f. Syriae 735.
 Chytrium locus Clazomenis vicinus 645.
 Cibotus portus Alexandriae 792, 795.
 Cihyra maior opp. Phrygiae 630, 631, 665.
 Cihyratae 631. minores in Pamphylia 667.
 Cihyratis s. Cihyratica 629, 631, 651.
 Cicero 455, 660, 798.
 Cichyrus i. q. Ephyrus Thesprotorum 324.
 Cicones pop. Thraciae 330, frg. 18, 331, frg. 58.
 Cicynechus insula in sinu Pagasaeo 436.
 Cidenas Chaldaeus 739.
 Cierus opp. Thessaliae 425.
 Cilibianus campus in Lydia 629.

- Cilices in Troade 221, 586, 603, 606, 611, 612. in Cilicia 125, 608—676.
 Cilicia 48, 608—676. ἡ Τρωαδὶς ἢ Τρωαδῆς 533—535, 537, 540, 569, 571, 607—609, 671, 672, 681, 682.
 Ciliciae portae 537, 539, 670. Cilicis Taurus 513, 535, 566. Cilicium mare 84, 492. litus 683.
 Cilla opp. Troadis 612, 613.
 Cillaeus mons Troadis 612. mons Lesbi 612.
 Cillaeus Apollo 612, 613, 618.
 Cillaneus campus in Phrygia 629.
 Cillus fl. prope Cilliam 612. Pelopis auriga 613.
 Cimaros prom. Cretae 474, 475.
 Cimbri gens Germaniae 103, 193, 195, 214, 291—294.
 Cimiata castellum Paphlagoniae 562.
 Cimiataene regio Paphlagoniae 562.
 Ciminia palus in Etruria 226.
 Cimmericus vicius in Bosphoro Cimmerico 494.
 Cimmericum opp. Bosphori Cimmerii ibid.
 Cimmericus Bosphorus cf. Bosphorus, sinus 309.
 Cimmerii 6, 30, 61, 149, 244, 293, 399, 494, 511, 543, 552, 553, 573, 627, 647, 648.
 Cimmeris urbs apud Hecataeum 220.
 Cimmerius mons in Chersoneso Taurica 309.
 Cimolus insula 484, 485.
 Cimaethium opp. Laconicae 360.
 Cindya vicus Cariae 668.
 Cindyas Diana 658.
 Cineas historicus 329.
 Cinnamomophoras 61, 73, 74, 119, 133, 769, 774, 778, 782, 783, 790.
 Cinoelis opp. Paphlagoniae 545.
 Cinyras Iybbi tyrannus 755.
 Circe 21, 43, 44, 46, 224, 232, 395.
 Circaeum prom. Latii 23, 231, 232.
 Cirphis opp. Phocidis 416. mons Phocidis 418.
 Cirrha opp. Phocidis 416, 418.
 Cirta opp. Numidiae 828, 832.
 Cissamus opp. Cretae 479.
 Cisset rex Thraciae 330, frg. 21.
 Cissens Iphidamantis avus 330, frg. 24.
 Cissia Memnonis mater 728.
 Cissii l. q. Susii 728.
 Cissus Althaeamena pater 389, 481.
 Cistus opp. Macedoniae 330, frg. 21, 24.
 Cisthena opp. Mysiae 606.
 Cisthena insula prope Lyciam 606.
 Cithaeron 26, 380, 393, 404, 405, 498, 499, 411.
 Citium opp. Cypri 682, 683.
 Citus Zeno 616.
 Citrum opp. Macedoniae 330, frg. 22.
 Clus Hercules comes 554.
 Clus opp. Nithysiae 562, 563.
 Clazari arx Phazemonitidis 569.
 Clanis fl. in Alpibus Norici 297. fl. Latii 233, 235.
 Clarus opp. Ioniae 642, 643, 668.
 Clastidium opp. Galliae cisalpiniae 217.
 Clautinatii pop. Vindelicorum 286.
 Clazomenae opp. Ioniae 54, 613, 645.
 Clazomenii 331, frg. 52, 494, 644, 645.
 Cleonactidae tyranni Mytilenae 617.
 Cleandria opp. Troadis 603.
 Cleandridas dux Therorum 281.
 Cleantes Stoicus 610. pictor 343.
 Cleo sacerdos Iovis Abretteni 574.
 Cleobulus Lindius 655.
 Cleomachus Magnes 648.
 Cleombrotus Heraeae conditor 337.
 Cleonae opp. in monte Atho 331, frg. 33 35. opp. Argolidis 377, 382.
 Cleonaci Mycenae evertunt 377.
 Cleonymus Heraeae conditor 280, 337.
 Cleopatra Auletiae filia 288, 325, 558, 595, 668, 671, 672, 684, 685, 793—797, 824.
 Evergetis coniux 90. ἡ Σελήνη 793.
 Cleopatra opp. Aegypti 750, 804.
 Cleocharis Myricaeus rhetor 569.
 Cleus dux Aetolium 582.
 Clides insulae 682, 684.
 Climax mons Lyciae 656. mons Coelestriae 785.
 Clitarchus historicus 224, 293, 491, 505, 718.
 Cliterna opp. Aequorum 216.
 Clitor opp. Arcadiae 389.
 Clisini 230.
 Clusinus ager 235.
 Clusium opp. Etruscae 226.
 Clymena 33.
 Clypea opp. Carthaginiensium cf. Aspis.
 Cnemides opp. Locrorum 426.
 Cnemis mons in Locris 419, 425.
 Cnidia ager Cnidiorum 488.
 Cnidii 275, 315, 653, 656. Caidium vinum 637.
 Cnidus opp. Cariae 119, 653, 656, 807.
 Cnopia Thebaica vicus Boeotiae 404.
 Cnopus Codri l. 633.
 Cnosii 477, 478.
 Cnosus opp. Cretae 476, 477, 479, 481.
 Cnephia Aegyptiorum deus 817.
 Cobalus vicus Paphlagoniae 545.
 Cohus rex Trerum 61.
 Cocalus rex 273, 279.
 Cocceius architectus 245.

- Cocoon cf. Ptolemaeus.
 Codridae 383.
 Codrus 321, 393, 603, 632, 633, 653.
 Coelestis 741, 749, 757.
 Coelestria 755.
 Cogonus mons et fl. in Getis 298.
 Colaptes fl. in Ispodibus 297, 314.
 Colchici 14, 497—499.
 Colchici populi 527. montes 491. Colchicum mare 492. litus 52, 448, 497. Colchicus isthmus 491.
 Colchis 6, 497—499.
 Colfaxia opp. Latii 230.
 Collina portus Romae 228, 234, 272.
 Colina lacus Lydiae 626, 627.
 Colobi pop. Troglodyticae 771, 773.
 Colossae opp. prope Lampasacum, in Thessalia, Phoride, Erythraca 589. in Troade 589, 604, 612.
 Colophon opp. Ioniae 633, 634, 643.
 Colophonii 634, 643.
 Colossae opp. Phrygiae 576. Colosseni lana 578.
 Colotes sculptor 337.
 Colyttus pagus Atticae 65, 66.
 Comanae opp. Cataeniae 531, 535, 536, 557. opp. Ponti 535, 547, 557—559, 574, 796.
 Comarus portus Epiri 334.
 Comisens regio Parthionens 514. regio Armeniac 528.
 Commagene regio Syriae 521, 522, 527, 533, 535, 654, 678, 746, 747, 749, 750.
 Commagene 521, 527.
 Comum opp. Galliae cisalpiniae 192, 204, 206, 213.
 Concordia opp. Galliae cisalpiniae 214.
 Coniaci pop. Hispaniae 156. pop. Indiae 690, 690.
 Coniatus deus Atticorum 588.
 Conisci cf. Cantabrit.
 Conistorgis opp. Hispaniae 141.
 Κόνιστος βασις in Troglodytica 771.
 Conopa opp. Aetoliae 460, cf. Araxoa.
 Consentia opp. Bruttiorum 266.
 Coovenae pop. Galliae 190, 191.
 Copae opp. Boeotiae 496, 497, 410, 411.
 Copals palus 59, 496—498, 410, 411, 413, 415, 424.
 Cephes fl. Indiae 697, 698.
 Cephus portus Pallesnes 330, frg. 32.
 Cepiae l. q. Thuri 263.
 Cephatae fl. Suslaniae 729.
 Cepria litus Tauroomeniae 268.
 Ceptus opp. Aegypti 781, 782, 816.
 Cera opp. Latii 237.
 Coracium opp. Ciliciae 667, 668, 670.
 Coralli palus in Lycania 568.
 Corallus fl. Boeotiae 411.
 Κορακίου χώρα in Aethiopia 771.
 Coracius mons Ioniae 643.
 Coralli pop. Thraciae 318.
 Corassiae insulae 488, 636.
 Κοράσιον κυνήγιον 771. φρούριον ibid.
 Corax mons Aetoliae 329, frg. 6, 417, 450.
 Corbiana Elymaeorum provincia 745.
 Corbilo opp. Galliae 190.
 Coreyra 44, 103, 106, 124, 269, 290, 324, 325, 329, frg. 6, 7, 8, 449. Nigra 124, 318.
 Cordaba opp. Baeticae 141, 142, 160.
 Coriesia opp. Cei 496.
 Corsesus mons prope Ephesum 634, 640.
 Corfium opp. Mavrucciorum 238, 241, 242.
 Corinthis ager Corinthiorum 379—381, 646.
 Chorinthiacus isthmus, 171, 324, 325, 378, 380, 381, 392. sinus 54, 123, 124, 323, 324, 372, 384—386.
 Corinthi 59, 95, 316, 320, frg. 25, 378, 380, 381, 393, 414, 492.
 Corinthus 210, 269, 277, 338, 338, 347, 361, 372, 378—382.
 Coriscus philosophus 698.
 Cornelius Gallus praefectus Aegypti 819.
 Corocandama opp. Bospori Cimmerii 494, 496.
 Corocandamitis palus 494.
 Corochus Eleus 365.
 Corona opp. Messeniae 360, 361.
 Coronea opp. Boeotiae 410, 411, 414, 424. opp. Thessaliae 411, 424.
 Coronaca ager Coroneae 497, 411.
 Coronii incolae Coroneae 411.
 Coropassus opp. Lycaniae 663, 663.
 Corpili pop. Thraciae 331, frg. 48.
 Corpilica in Hellesponto 331, frg. 58.
 Corsica (Cyrnus) 123, 223—228, 232, 654, 840.
 Corsura insula 834.
 Corus l. q. Cyrus fl. Iberiae 500.
 Corybantae 331, frg. 51, 468—473.
 Corybantium prope Hamaxitum 473.
 Corybissa prope Scepsin 473.
 Corycae piratae Ioniae 644.
 Corycium antrum 417, 627, 671, 683. iugum 683.
 Corycus mons et prom. Ioniae 644, prom. Cretae 363, 738. prom. Ciliciae 670, 683. litus Lyciae 666. opp. Lyciae 667, 671.
 Corydalenses pagus Atticae 395.
 Corydalis mons Atticae 395, 399.

- Coryphantis opp. Mytilenaeorum 607.
 Coryphasium mons et prom. Messeniae 339, 348, 351, 353, 359. opp. Messeniae 348.
 Cos insula 124, 331, frg. 58, 488, 489, 573, 637, 653, 657, 686, 701. — oppidum 374, 573, 651, 657, 686, 701.
 Cosa fl. Latii 237.
 Coscilela opp. Cariae 587, 650.
 Cosmi magistratus Cretensium 482, 484.
 Cossa s. Cossae opp. Etruriae 222, 225.
 Cossaea regio Asiae 744.
 Cossaei 522, 524, 741, 744. Cossaei montes 524, 742.
 Cossura insula et opp. 123, 277, 834.
 Cotes prom. Mauritaniae 825—827.
 Cothon insula et portus Carthaginiensium 832, 833.
 Cothus frater Aeoli et Eliopis 321, 445, 447.
 Cotialam opp. Phrygiae 576.
 Cotinae opp. Baeticae 142.
 Cottii ager in Alpibus 178, 179, 204, 217.
 Cotuanili pop. Baetorum 266.
 Cotylus cacumen Idae montis 602.
 Cotys princeps Sapaeorum 556. rex Odyssaeum 331, frg. 48. dea Edeaeorum 470.
 Cotytto 470.
 Cragus opp. Lyciae 665. mons et prom. Lyciae 665. rupes Ciliciae 669.
 Crabusa opp. Lyciae 660. insula Ciliciae 670.
 Cranna insula 399.
 Cranal Atheniensis 397.
 Cranaus rex Atheniensium 397.
 Cranii opp. Cephalenienses 455, 456.
 Crannon opp. Thessaliae 329, frg. 14, 330, frg. 16, 441, 442.
 Crannoni 329, frg. 14, 330, frg. 16, 18, 331, frg. 58, 441, 442.
 Crassus triumvir 747, 748. consul 170, 646.
 Crater sinus Campaniae 242, 243, 247.
 Craterus dux Alexandri 702, 721, 725. *us*
 Crates ὁ μεταλλευτής 407. Mallot 3—5, 40—32.
 Crathis fl. Achaiae 350. fl. Italiae 263, 356, 440.
 Cratippus Trallianus 640.
 Cremaia opp. Thessaliae 440.
 Cremona opp. Pisdiae 509, 510.
 Cremona opp. Italiae 216, 247.
 Cronides opp. Macedoniae 331, frg. 34, 41, 43.
 Creontades Eleae conditor 283.
 Creophagi gens Aethiopica 771, 772.
 Creophylas Samius 638, 639.
 Creopolium mons Argolidis 376.
 Cresphontes 361, 389.
 Crestonia opp. Thraciae 331, frg. 41.
 Creia 46, 474—484.
 Cretenses 270, 480—484.
 Creusa s. Creusia opp. Boeotiae 400, 405, 409.
 Crimisa castellum Lucaniae 254.
 Crinacus nomen barbarum 321.
 Crinagoras Mytilenacus 617.
 Crisa opp. Phocidis 265, 306, 416, 418, 419.
 Crisari 418, 419.
 Crisaeum mare 390, 400, 405. bellum 418, 421. Crisacus sinus 259, 323, 329, frg. 13, 334, 336, 379, 390. campus 418, 419, 427.
 Critasrus rex Bolorum 304, 313.
 Crithota prom. Acarnaniae 453. opp. Chersonesi Thraciae 331, frg. 56, 459.
 Κριού μέτωπον prom. Cretae 106, 474, 837. prom. Chersonesi Tauricae 125, 309, 496, 545.
 Crobryz gens Thraciae 318.
 Crocius campus in Thessalia 433, 435.
 Crocodilerum urbs in Aegypto 811, 817. in India 758.
 Crocylus locus Acarnaniae 376, 452, 453.
 Croessa 420, 421, 534, 564, 601, 626, 627, 640, 689, 735.
 Crommyon opp. Negaridis 380, 390, 391.
 Crommyonias ager 380, 392. Crommyonia s. 380.
 Κρομμύου άκρη prom. Cypri 680, 682, 683.
 Cronium Saturni aedes Gadibus 169, 175.
 Cronna opp. Paphlagoniae 544.
 Croton 280, 261, 262, 269, 387.
 Crotoniatae 261—263, 269.
 Crotoniatis 254, 261, 272.
 Cruni opp. Moesia 319. fons Triphyliae 343, 350, 351.
 Crusis regio Macedoniae 330, frg. 21.
 Ctenas (Κρένους) portus Chersonesi Tauricae 308, 312.
 Ctesias Cratidis 43, 508, 656, 693, 770, 783.
 Ctesipho opp. Assyriae 743.
 Cūma 453.
 Cūstae Thraeces 296.
 Cuarius fl. Thessaliae et Boeotiae 411, 412, 435.
 Cubi cf. Bituriges.
 Cuculum opp. Latii 238.
 Culupene regio Ponti 560.
 Cuneus prom. Lusitaniae 137.
 Curalius fl. Thessaliae 438.
 Cures opp. Sabinorum 228.
 Curetes pop. Aetoliae 321, 423, 429, 431.

- 482—483, 472, 473. sacerdotes 331, frg. 51, 466—474, 480, 640.
 Curetis l. q. Pleuronius ager 451, 465.
 Curias prom. Cypri 683. litas ibid.
 Curiam opp. Cypri 683. mons Aetoliae 451, 465.
 Cutiliae opp. Sabiaorum 228.
 Κυάνιος πέτρας s. Συμπληγάδες 21, 91, 92, 125, 140, 319, 320, 331, frg. 56, 57, 445.
 Κυανή λίμνη in Armeniae 329. cf. Mantiane.
 Cyaxares rex Medorum 891.
 Cybela (Cybeba) dea 469, 470, 567.
 Cybela mons Phrygiae 567.
 Cybella opp. Ioniae 645.
 Cyblosactes rex Aegyptiorum 796.
 Cybistra opp. Cataoniae 535, 537.
 Cycetium opp. Pisatidis 356, 357.
 Cyehrea l. q. Salamis 393.
 Κυχραιδης δαρις ibid.
 Cyehreus heros 393.
 Cyciades insulae 58, 124, 308, 474, 485, 488, 538, 539.
 Cyclopes 20—22, 40, 373, 502, 592.
 Cyclopi opera 369, 373.
 Cycnos rex Colonaum 380, 589, 604.
 Cydippe Cercaphi uxor 651.
 Cydonas fl. Ciliciae 47, 672, 673, 676.
 Cydones et Cydonia opp. Cretae 376, 475, 476, 478, 479.
 Cydrae opp. Epiri 327.
 Cydreas Codri f. 633.
 Cyfinda castellum Ciliciae 672.
 Cyflene opp. Elidis 337, 338, 341, 456, mons Arcadiae 388.
 Cyma Phriconia opp. Aetoliae 242, 243, 245, 331, frg. 52, 409, 440, 565, 580, 582, 589, 606, 621—623, 646, 667, opp. Campaniae 25, 243—246, 248, 274, 626.
 Cynaetha opp. Arcadiae 388.
 Cynamolgi pop. Aethiopiae 771.
 Cynia palus in Aetolia 459.
 Cynoccephali pop. Aethiopiae 43, 299, 774.
 Cynopolites pagus 812.
 Κυνός κεφαλαί locus Thessaliae 441.
 πόλις opp. Aegypti 802. σῆμα prom. Cariae 656. locus in ora Aegypti 790.
 l. q. Ἐκάρης σῆμα q. v.
 Κυνών πόλις opp. Aegypti 812.
 Cynthus mons Deli 485.
 Cynuria regio Argolidis 65, 379, 376.
 Cynus opp. et prom. Locridis 66, 425, 426, 446, 615.
 Cyparissia fl. Messeniae 349. fl. Triphyllae 348, 349.
 Cyparissia opp. Triphyllae 348, 349, opp. Messeniae 345, 349, 359, 361, opp. Laconiae 363.
 Cyparissiensis 345, 348, 359.
 Cyparissus opp. Phocidis 423.
 Cyphas mons Thessaliae 442, opp. Thessaliae 441, 442.
 Cypselia opp. Thraciae 322, 329, frg. 9, 10, 331, frg. 48, 57.
 Cypselus tyrannus Corinthei 325, 353, 378, 452.
 Cypsa l. q. Iuno 241.
 Cypsa l. q. Cyprus 609.
 Cyprii, Cypri incolae 341, 682, 684.
 Cyprus 6, 681—685,
 Cyra opp. Bactrianae 517.
 Cyrbantes l. q. Corybantes.
 Cyrbas conditor Hierapytae 472.
 Cyrene et Cyrenaica 56, 57, 123, 131, 133, 347, 474, 475, 484, 791, 798, 814, 829, 836, 837, 838, 840.
 Cyri campus in Lydia 628, 619.
 Cyrrhensis pars Syriae 751.
 Cyrsilus Pharsalius historicus 530.
 Cyrtii pop. Mediae 523, 527.
 Cyrus Persarum rex 61, 252, 507, 512,
 fl. Persidis 729. fl. Iberiae et Albaniae 61, 491, 498, 500, 501, 506, 514, 528.
 Cythera insula et opp. 124, 363, 368, 475.
 Cytherius fl. Pisatidis 356.
 Cytherus opp. Atticae 397.
 Cythnus insula 485.
 Cytinium opp. Locridis 427, 476.
 Cytorum opp. Paphlagoniae 542, 544, 545.
 Cytosus opp. Ponti 548. Phixi f. 544.
 Cyzicus et Cyziceni 33, 125, 331, frg. 58, 564, 565, 575, 576, 581—583, 585—589, 636, 656, 681.
 D.
 Dae l. q. Daci 301. gens Scythica 364, 508, 511, 515.
 Daci 267, 212, 213, 304, 305, 312.
 Dactyli Idaci 331, frg. 51, 355, 466, 413.
 Daedala opp. Cariae 631, 654. mons Lycaiae 654.
 Daedalus pater Iapygis 279, 447.
 Daes Colonaum 612.
 Daestiliatae gens Pannoniae 314.
 Dalicon fl. Triphyllae 344.
 Dalmatae 315, 317.
 Dalmatia s. Dalmatica 314, 315.
 Dalmium vel Delmium opp. Dalmatarum 315.
 Danasteni 753, 756.

- Damascus opp. Syriae 755, 756.
 Damasia opp. Licetiorum 208.
 Damastes rerum scriptor 47, 583, 684.
 Damastium in Epiro 328.
 Damasus Atheniensis 633. Scombrus Tral-
 lianus 649.
 Dammameus unus Dactylorum Mæorum
 473.
 Danae Persæ mater 487.
 Danai 309, 371, 574.
 Danaides 371, 579, 654, 655. Aeschyl
 drama 221.
 Danaia (?) castellum Galataram 567.
 Danaus 23, 321, 370—372.
 Dandarii gens Macotica 495.
 Danthelethae pop. Thraciae 318.
 Danubius 289, 304, 314.
 Daorici gens Dalmatica 315.
 Daphitis grammaticus 647.
 Daphne opp. Syriae 719, 749, 750.
 Daphnia cognomen Danae 343.
 Daphnus opp. Phocidis s. Locridis 416,
 424—426, portus Aethiopiae 774.
 Darada opp. Troglodyticae 771.
 Darapsa pop. Bactrianæ 516, 725.
 Dardania s. Dardania regio Troas 330,
 frg. 50, 595, 592, 593, 595, 602, 605.
 Dardanidae s. Dardani pop. Illyrici 313,
 315, 316, 318, 329, frg. 4, 389.
 Dardani s. Dardani Troiani 453, 585, 592,
 605, 602.
 Δαρδανίς s. Δαρδάνιος ἄκρον prom.
 Troas 587, 595.
 Dardanus opp. Troas 587, 590, 595, 600.
 Iasonis frater 331, frg. 50, 348, 592.
 Darieces Darii nomen 785.
 Darius Hystaspis f. 98, 100, 301, 303, 305,
 391, 635, 638, 735, 736, 738, 804, ab
 Alexandro victus 79, 544, 594, 676,
 697,..... Longimanus 735.
 Dascyllidis lacus Mysiae 550, 575, 576. cf.
 Aphettis.
 Dascyllium opp. Mysiae 575, 582.
 Daxmenda castellum Cappadociae 540.
 Daxaretii pop. Illyrici 316, 318.
 Dastarcum castellum Cataoniae 537.
 Dastira opp. Armeniae 535.
 Datis Persa 399.
 Dalum opp. Thraciae 331, frg. 33, 36.
 Daulla s. Daulla opp. Phocidis 321, 323,
 416, 423, 424.
 Daullus rex Crissae 265.
 Daunia l. q. Apulia 279, 283, 284.
 Daunii 215, 242, 277, 281—285, 654.
 Dazimonitis regio Ponti 547.
 Debae pop. Arabiae 777.
 Decanensis vates Getarum 298, 304, 762.
 Declea opp. Atticae 396, 397.
 Decletae pop. Ligurum 292.
 Declmus Bretas 205.
 Degmenus Epheus 337.
 Delanira Oenoe filia 381, 451, 458.
 Delmachas scriptor 68—70, 72—77, 606.
 Delonensis Cephalii pater 452, 455, 459.
 Delotarus princeps Galataram 547, 567,
 568, Paphlagoniae rex 562.
 Delphontes Actes Argolicae rex 289.
 Delium opp. Boeotiae 308, 463, sacrum
 Apollinis in Argolide 368.
 Delius historicus 523.
 Delphi opp. Phocidis 118, 417—419,.....
 incolae Delphorum 418, 421—423, 647.
 Delphicum sa- rum 179, 419—421, 482.
 oraculum 417—422.
 Delphinium opp. et portus Boeotiae 463.
 Delta Nilii 30, 66, 701, 786—788, 801, 803,
 805, 818. Indi (Patalene) 701. vicus
 Aegypti 788.
 Delta insula 374, 485—487, 608.
 Demaratus pater Lucumonis 219, 328.
 Demetrius opp. Assyriae 738. opp. Thessa-
 liae 428, 436, 443, 441, 443.
 Demetrius Cereis templum 381, 435.
 Δημητρίου οὐκονία ad sinum Arab. 771.
 Demetrius Poliorceta 54, 232, 382, 426,
 nepos Poliorcetae 361, 563. Callistinus
 60. Pharius 315, 361. Phalerensis 147,
 398. Autolicus 451. Laco 658. Euthy-
 demis f. 531. Ratheni f. 548. Seleuci f.
 624. Serepsius 45, 46, 58, 59, 328, 339,
 344, 375, 438, 439, 456, 472, 473, 489,
 539—532, 594—600, 602—611, 626, 627,
 680.
 Democles historicus 58.
 Democoon f. Priami 585.
 Democritus l, 61, 65, 703.
 Demosthenes orator 121, 374, 424, 445, 471
 Demus Ithacae 299.
 Derba opp. Lycaoniae 535, 599.
 Derbices pop. Margianae 514, 520.
 Derecto cf. Atargatis.
 Derdas pop. Indiae 766.
 Deris portus Marmaricae 769.
 Derribis prom. Macedoniae 330, frg. 31, 32.
 Dertona opp. Italiae 217.
 Dertosa opp. Hispaniae 159, 160.
 Deucalio rex Thessaliae 383, 425, 432,
 443, 444, insula 435.
 Deudorix Sigambra 292.
 Deuriops pop. Macedoniae 327.
 Deuriops regio Macedoniae 326.
 Dia insula prope Cretam 484. in sine
 Arabica 777. l. q. Hebe 382.
 Diacopene regio Ponti 561.
 Diades cf. Athenae Diadex.
 Diagebenses pop. Sardiniae 225.

- Diana 180, 237, 343, 387, 485, 635, 643, 739. Anarynthia 448. Daphnia 343. Elaphia ibid. Taaropolus 239, 240, 535, 537. Ulaiae sacrum 639, 744. Ephesia 169, 179, 180, 184, 387, 639, 647. Nemysiae 342. Heliae 398. τὸ ἐν Αἰγναίς 392. Αἰγναίον τὸ ἐν Σαῳτῇ 392. Astyrenae 613. Brauroniae 399. Cindysae 638. Colacinae 625. Leucophrynae 647. Musichiae 639. Perastiae 537. Pergaeae 667. Sarpedonae 670. nemus Dianae Aetolidis 215. Alpheosiae κ. Alpheusae 343. Astyrenae 666. Dianae signum 189. Artemisium 169. 239, 240, 343, 661.
 Dianium opp. Hispaniae 189.
 Dicaea opp. Thraciae 331, frg. 44, 47.
 Dicacarchia opp. Campaniae 20, 99, 145, 245, 248, 285, 793.
 Dicacarchus geographus 2, 104—106, 170.
 Dicta mons Cretae 472, 478, 479. locus prope Scopolin in Troade 472.
 Dictaeum templum Iovis Praedii 479.
 Dictynna cf. Britomartis.
 Dictynnaeum sac. 479. promontorium 484.
 Dictys Scirphius 487.
 Dido Charthaginiens condit 532.
 Didyma montes Thessaliae 647, 647. opp. Branchidarum 421, 634.
 Didyma insula prope Siciliam 276, 277. opp. Hispaniae 169. cf. Gades.
 Diegylis rex Caenorum 624.
 Didymena mater Deorum 46, 469, 470, 567, 575, 626, 647.
 Didymum mons prope Pessinuntem 567. prope Cyzicum 45, 575.
 Dinocrates scriptor 641.
 Dio Syracusanus 253. academicus 796.
 Διογάδορος πύλαι Athenis 395.
 Diodorus grammaticus Tarsensis 675. dux Adramyttienorum 614. Zonas orator 627. minor Strabonis amicus 628. Cronus 658, 838.
 Diodotus Sidonius 787. sculptor 396. Trypho 635, 658, 782, 786.
 Diogenes cynicus Sinopenis 546, 716. Tarsensis 675. Babylonius stoicus 744.
 Diomedes insulae 124, 215, 284.
 Diomedes rex Argorum 17, 150, 214, 215, 283, 284, 375, 423, 462. Hlacionem rex 331, frg. 44.
 Diomedes campus in Apulia 284.
 Diona colitur Dodonae 329.
 Dionysides Tarsensis poeta tragicus 675.
 Dionysius maior Siciliae tyrannus 161, 212, 226, 241, 258. minor 265, 268, 269. tyrannus Heracleae 544. Ithynus 556. Atticus 625. Thrax 655. Halicarnassensis 665. Syrius 751.
 Dionysocles Traillianus orator 649.
 Dioxydorus mathematicus 548.
 Diophanes Mytilenaeus 617.
 Diophantus dux Mithridatis 306, 312.
 Dioscuri 48, 232, 261, 364, 396, 496, 791.
 Dioscurias opp. Colchidis 47, 125, 126, 497—499, 503, 505.
 Diospolis opp. Ponti (cf. Cabira) 557. opp. Aegypti 802. i. q. Thebae 805, 815. minor 814.
 Diodimus f. Strombichi 47.
 Diotrophes sophista Antiochenus 630, 659.
 Diphilus poeta comicus 546.
 Dira opp. Aethiopiae 769, 773. prom. Aethiopiae 769, 772—774.
 Dirca fons prope Thebas 388, 408. prope Pharam 388.
 Dircaea Thebae 387.
 Ditionis gens Pannonica 314.
 Dium opp. Macedoniae prope Olympum 339 frg. 17, 18, 20, 22. ad Athensem 331, frg. 33, 35. opp. Euboeae 446.
 Dius 285. pater Hesiodi 409, 662.
 Doberus mons Macedoniae 331, frg. 36.
 Doemia opp. Phrygiae 437, 477, 577.
 Dodona opp. Epiri 28, 286, 327—329, frg. 1, 3, 420, 762.
 Dodonaeus Iuppiter 221. Dodonaea quercus 329, frg. 2.
 Doedalus conditor Astaci 563.
 Dolabella 646, 752.
 Dolicha 458, cf. Dulichium.
 Doliones pop. Mysiae 564, 575, 678, 681.
 Dolionis regio Mysiae 576, 681.
 Dolomene regio Asyriae 736.
 Dolops 28, 431, 433, 434, 437, 440, 450.
 Dolopia 430, 432, 437.
 Domanitis regio Paphlagoniae 562.
 Domitius Ahenobarbus 183, 191, 649.
 Domnedius tetrarcha Galatarum 543.
 Doracia insula sinus Persici 767.
 Dorae 61.....
 Dorica tetrapolis 417, 425, 427, 476. dialectus 333.
 Doricha meretrix 808.
 Doris ad Parnassum 373, 434. i. q. Histiaeotis Thessaliae 437, 475, 476.
 Doriscus opp. Thraciae 331, frg. 48.
 Dorium in Messenia 350.
 Dorus f. Helienis 382, 383.
 Dorylaeum opp. Phrygiae 576.
 Dorylaeus tacticus, ahavus Strabonis 427, 478, 577. Philotaci f. 478, 557.
 Dosi gens Maeotica 495.
 Dotium campus Thessaliae 61, 442.
 Drabescus opp. Macedoniae 331. frg. 33.
 Drabus opp. Thraciae 331, frg. 51. fl. Norici ad Pannoniam 314.
 Dracaeum opp. Icariae 639.

Draco comes Ulixis 253. Pytho 421, 422.
 Typho 751.
 Dranga regio Arianae 514.
 Drangae pop. Arianae 721, 723, 724.
 Drangiana 516, 723.
 Drecanum in Co insula 637.
 Drepanum prom. Achidae 335. Icariae 637,
 639. Marmaricae 799.
 Drilo fl. Dalmatiae 316.
 Drium collis in Daunia 284.
 Dromichaetes rex Getarum 391, 395.
 Druentia fl. Galliae 179, 185, 201, 217.
 Droidae philosophi Coltarum 197, 198.
 Drusus Germanicus Tiberii frater 205,
 290, 291. Tiberii f. 288.
 Drymas nomen barbaricum 321.
 Drymus in Euboea 445.
 Dryaemetus in Galatia 567.
 Dryopes pop. Graeciae 321, 373, 434, 566.
 Dryopsis 433, 434.
 Dryops Arcas 373.
 Dubia fl. Galliae 186, 189, 192.
 Dulichium insula 336, 340, 453, 455, 456,
 458.
 Dunax mons Thraciae 208.
 Duras fl. Nesci 207.
 Durias fl. Italiae 203, 205, 217.
 Duria historica 60.
 Duria fl. Hispaniae 152-154, 162.
 Durocortorum opp. Galliae 194.
 Dyma opp. Achiae 337.....
 Dymaea ager Dymae 337, 388.
 Dymaei 341, 388.
 Δυο κοράκων λιμὴν 108.
 Dyrras fl. Thessaliae 428.
 Dyris i. q. Atlas 825.
 Dyrhachium opp. Illyrici 316, 329. frg.
 19. cf. Epidamnus.
 Dyspontium opp. Pisatidis 357.
 Dyteutus Adiatoris f. 558, 560.

E.

Ebrodunum vicus Galliae 179.
 Eburia opp. Hispaniae 140.
 Eburones pop. Galliae 194.
 Ebyus insula et opp. 123, 159, 167.
 Echatana caput Mediae 79, 473, 522, 524,
 525, 531, 724, 731, 742, 743.
 Echodorus fl. Macedonae 330, frg. 21.
 Echiae opp. Laconicae 360.
 Echinades insulae 59, 124, 335, 340, 351,
 453, 455, 458, 459.
 Echius opp. Phthiotidis 60, 433, 435,
 442.
 Ἐκρηγμα τὸ κατὰ τὰς στήλας 38, 57.
 τὸ κατὰ Σαρδωνίδα λίμνην 68, 760.

Edessa opp. Macedonae 323, 449. opp.
 Syriae 748. cf. Hambyra.
 Edetani pop. Hispaniae 156, 162. cf. Si-
 detani.
 Edones Edonorum pars 329, frg. 11.
 Edoni pop. Thraciae 329, frg. 11, 331,
 frg. 36, 470, 471, 687.
 Eetio rex Thebae 585, 611, 612, 619.
 Egelasta opp. Hispaniae 160.
 Egeria fons 340.
 Egertius Cili conditor 613.
 Egnatia opp. et portus Apuliae 282, 283,
 via 322, 323, 327, 329, frg. 10, 13, 330,
 frg. 21.
 Egra opp. Arabiae 782.
 Eleos vicus Argolidis 373.
 Ela i. q. Vella 252.
 Elaea opp. Mysiae 607, 615, 622. portus
 sinus Arabici 770, 771.
 Eleasus v. Eleas.
 Eleassus ins. et opp. Ciliciae 535, 537,
 671. cf. Eleassus.
 Elaiticus sinus 531.....
 Elaitis ager Eleasae 571, 615, 616.
 Elata Tilyi mater 423.
 Elarium antrum Euborae 423.
 Elatra opp. Phocidis 60, 407, 418, 424,
 426, 434.
 Elatria opp. Cassopaeorum 324.
 Elea 326-358.....
 Electrudes insulae 215.
 Elces fl. Locris 252.
 Elephantine insula 767, 803, 817, 819,
 820.
 Elephantophagi 772.
 Elephas mons Mauritaniae 827. Aethio-
 piae 774.
 Eleas opp. Thraciae 331, frg. 51, 55, 56,
 595.
 Eleasis opp. et pagus Atticae 380, 392,
 393, 395-397. opp. Boeotiae 497. Ae-
 gypti 800.
 Eleussa ins. prope Atticam 398, prope
 Rhodum 651, 652, 655, prope Atarcea
 645. cf. Eleassus.
 Eleutheriae opp. Boeotiae 375, 472.
 Eleutheria 411.
 Eleutherothracos 366.
 Eleutherus fl. Syriae 753.
 Elimia regio Macedonae 395.
 Elimioteae 434.
 Elipseus i. q. Enipseus fl. Thessaliae 356.
 Elis opp. Eleorum 336..... κοίλη
 336-341.....
 Elia s. Eliso fl. Elidis 338.
 Eliax fl. Cei 487.
 Elona opp. Thessaliae 449.
 Elipae opp. Dauntorum 634.

- Elymasi et Elymata 522, 524, 732, 736, 739, 744, 745.
 Elymus Troiaens 608.
 Elymus campus 3, 150.
 Enathia l. q. Macedoniae 329, frg. 11. opp. Macedoniae ibid.
 Emeseni pop. Syriae 753.
 Emodi montes pars Tauri 511, 689, 698, 719.
 Empedocles philosophus 274, 276, 304.
 Emporice sinus in Mauritania 825, 826, 829.
 Emporice in Hispania 160.
 Emporium opp. Hispaniae 150. Alexandriae 794. Medusae 250. ad Syrtin maiorem 835. Segestanorum 266, 267.
 Encheili pop. Epiri 328.
 Endera opp. Aethiopiae 771.
 Endymion Aetoli pater 357, 463, 636.
 Enea (?) opp. Troadis 531.
 Encaia opp. Paphlagoniae 543, 553.
 Eneti pop. Paphlagoniae 48, 61, 180, 212, 314, 542-544, 552, 688.
 Enconiae opp. Coesiae 224.
 Enipeus fl. Pisatidis 356. Thestaliae 356, 432.
 Enlepa opp. Arcadiae 388.
 Enna opp. Siciliae 272, 273.
 Έννία ὄδοι opp. Macedoniae 331, frg. 35.
 Ennius poeta 282.
 Enopa opp. Metzeniae 300.
 Enotometae 70, 711.
 Enydra opp. Syriae 735.
 Έρυοῦς ἱερὸν 535.
 Eordi pop. Macedoniae 323, 326.
 Epacria opp. Atticae 397.
 Epaminondas 388, 401, 492, 414.
 Epaphus 445.
 Epei pop. Eliadis 335, 340-342....
 Epeus Lagariae conditor 263.
 Ephesi 540, 620, 633, 634, 639-642, 646, 647. Ephesium vinum 637.
 Ephesus opp. Ioniae 179, 639-642....
 Ephialtes Graecorum proditor 10. territorialium 19.
 Ephorus Cynaetus 1, 2, 33, 34, 138, 199, 221, 298, 299, 292, 265, 267, 279, 279, 293, 302, 303, 303, 325, 328, 322, 334, 337, 338, 361, 364, 365, 366, 374, 375, 389, 400, 401, 402, 408, 422, 423, 427, 452, 462, 464, 465, 476, 477, 479, 480, 544, 550, 583, 600, 622, 623, 634, 635, 677-680.
 Ephya opp. Eliadis 328, 333, 338, opp. Epiri 324, 328, 338, 444. l. q. Corinthus 338. l. q. Crano 338, 442. opp. Thes-
 saliae 338. opp. Perhaebiae ibid. vicus Aetoliae ibid.
 Ephyri 329, frg. 14, 330, frg. 16, 338, 342.
 Epicharmus poeta 364.
 Έπίκλητος Αἰτωλία 499, 500. Φρυγία 130, 534, 563, 564, 576.
 Epicurus philosophus 589, 638.
 Epidamnus opp. Illyriae 93, 106, 283, 322-324, 327, 367.
 Epidaurus opp. Argolidis 368, 369, 374, 375. Limera opp. Laconiae 368.
 Epigonorum bellum 325, 401, 412, 413, 462.
 Epimenides Cretensis 479.
 Epirus 123, 323-330....
 Epirotae et Epirotis 124, 129, 325, 326, 329, frg. 11, 12, 437, 430, 434, 433.
 Epirotici populi 221....
 Epistrophus dux Halizonum 551, 554, 612.
 Epitalium opp. Triphyliae 343, 349.
 Epopeus colias Pitheccusarum 248.
 Epopis mons Loricus in Italia 259.
 Eporedia opp. Salassorum 205.
 Erac opp. Ioniae 644.
 Eranna opp. Neassoniae 348, 361.
 Erastus fl. Argolidis 275, 371, 389.
 Erastriatus medicus Cens 483. Erastriati medici 580.
 Erastus Scopiae Socraticus 608.
 Eratosthenes Cyrenensis 1, 7, 14, 15, 16, 17, 18, 22, 23, 26, 28, 30, 38, 47, 48, 49, 54, 55, 62-69, 70, 76, 77, 78, 80, 87, 88, 89, 91, 92, 93, 94, 104, 106, 107, 108, 126, 148, 159, 170, 224, 298, 299, 317, 389, 455, 475, 490, 497, 507, 510, 513, 514, 522, 529, 554, 587, 688, 689, 690, 698, 693, 723, 724, 727, 741, 743, 746, 764, 765, 766, 767-769, 786, 802, 810, 825, 829, 837, 838.
 Erastya opp. Macedoniae 326.
 Erechtheus 383.
 Erebi 2, 39, 38, 41, 42, 784.
 Eresos opp. Lesbii 618.
 Eretria opp. Euboeae 403, 445-448, 453.
 Eretrienses 247, 747. opp. Thessaliae 434, 447. pagus Atticae 445, 447.
 Eretricus Eretriae conditor 447.
 Eretum opp. Sabinae 228, 238.
 Erginus rex Orchomenorum 414.
 Erichthonius 604.
 Ericassa s. Eriodes insula 276, 277.
 Eridanus fl. Atticae 397. fl. Italiae 218.
 Erigon fl. Macedoniae 327, 329, frg. 12, 330, fr. 20, 22, 23, fl. Thraciae 331, frg. 49.
 Erineus opp. Doridis 362, 427, 476.
 Phthiotidis 424.
 Eros Praxitelis opp. 410.
 Erymanthus fl. Arcadiae 343, 357.

- Erymnæ opp. Magnesiae 443.
 Erysiæ pop. Actollae 469.
 Erythea insula 148, 169, 269.
 Erythini s. Erythrii scopuli 545.
 Erythrae opp. Boeotiae 404, 409. Ioniae 404, 648, 653, 644, 645, 814.
 Erythraea ager Erythraeorum 589, 644.
 Erythraei 588, 613, 644.
 Erythras Persa 705, 779, 799.
 Erythras portus in Ionia 644.
 Eryx mons Siciliae 254, 272, 273, 608. opp. Siciliæ 272, 608.
 Estionenses s. Asionenses 637.
 Esquilinus mons 234. campos 237.
 Estiones pop. Vindelicorum 260.
 Eteocles rex Orchomeni 414, 415.
 Eteocretes pop. Cretae 221, 475, 478.
 Eteocrus opp. Boeotiae 298, 498, 469. etoliae 97, 144, 690-692.
 Etrusci 219, cf. Tyrrheni.
 Euacmon Ormeni f. 438.
 Euander Arcas 230.
 Euanthes coloniam Locros deducit 259.
 Euboea insula 58, 444-449....., opp. Euboeae 447. opp. Siciliæ 272, 449. opp. Macedoniae 449. locus in ins. Corcyra, Lemno, collis in Argolidæ ibid.
 Euboeenses 445, 448, 449, 504.
 Eubolæ fluvii Cereus et Nereus 449.
 Eucarpia opp. Phrygiae 576.
 Euclidis Socraticus 393.
 Eucratidas rex Bactrianorum 515, 517, 686.
 Eucratidia opp. Bactrianorum 516.
 Eudemus Rhodius 658.
 Εὐδαιμόλιος l. q. Aspledon 415.
 Endoxus Cyzicenus 98-101 (103). Caidius mathematicus 1, 119, 378, 379, 380, 413, 465, 474, 510, 550, 562, 582, 630, 809, 807.
 Euenus s. Actollae 327, 335, 451, 459, 460. s. Mysiae 614.
 Emergetæ pop. Ariane 724.
 Euhemerus Messenius 47, 162, 164, 269.
 Eulaeus s. Sasanæ 728, 735.
 Eumedes Ptolemaidis conditor 770.
 Eumenes Philaetri frater 624. Eumenis f. 623. Attali f. 537, 577, 624, 665, 672.
 Eumenia opp. Phrygiae 576.
 Eumenis locus in Troglodytica 771, 772.
 Eumelus Admeti f. 43, 436, 439, 442, 443.
 Eumolpus Thrax 321, 383, 471.
 Euneus Iasonis f. 41, 45, 46.
 Eunomia elegia Tyrtæi 362.
 Eunomus ciclaræodus 260.
 Eunosti portus prope Alexandriam 792, 795.
 Eunous servorum dux 272, 273.
 Euponymus ins. Liparæorum 276.
 Eupalius opp. Locrorum Ozolæorum 427, 459.
 Eupatoria opp. Ponti 556. cf. Magnopolis.
 Eupatorium opp. Chersonesi Tauricae 312.
 Euphoris poëta Chalridensis 364, 506, 681. poëta Orneata 382.
 Euphrantæ turris in Syrti maiori 836.
 Euphrates 47, 739-742, 746-749...
 Eusebia s. Mysiae 473.
 Eusepius poëta 27, 33, 231, 356, 360, 367, 371, 377, 379, 415, 469, 494, 520, 615, 616, 645, 670, 687.
 Eustipus Chalcidicus 16, 35, 55, 400, 493, 429, 443, 445-447. Pyrrhæorum 617. in Aegypto 864. prope Carthaginem 832.
 Eutromus opp. Cariae 636, 658.
 Europa 14...
 Europus opp. Mediae 524. cf. Rhagae. Macedoniae 327. s. Thessaliae 329, frg. 14, 15, 441.
 Euratas s. Laconiae 275, 243, 363, 369.
 eurus 29, 102, 455.
 Euryela statua Thrasoæ 641.
 Eurycles dux Lacedaemoniorum 363, 365.
 Euryedius locus in Elide 346.
 Eurydica Philippi mater 326.
 Eurylochus 393. Thessalus 418, 421.
 Eurymedon Atheniensis 399. s. Panphy-liae 571, 667.
 Eurypon Proelia f. 366.
 Eurypylus f. Euacmonis 432. f. Telephi 584.
 Eurythænes Proelia frater 364, 366, 369.
 Eurytheus rex Myconarum 377.
 Eurytanes pop. Actollae 448, 451, 466.
 Eurytus Oechaliensis 329, 550, 438.
 Eusebia ad Taurum l. q. Tyana 537. ad Argæum l. q. Nazara ibid.
 Euthydemus rex Bactrianorum 515, 516. orator Mylasensis 659.
 Euthymus pagus 355.
 Eutresis vicus Theoplorum 411.
 Euxinus pontus 48... Euxini ponti litus et ostium 491, 677...
 Euxynthetas Cretensis 478.
 Exitanorum urbs in Baetica 156, 170.

F.

- Fabius historicus 228.
 Fabius Maximus 278.
 Fabrateria opp. Latii 237.
 Falceri opp. Etruscae 226.
 Falisci pop. et opp. Etruscae 226.
 Faventia opp. Galliae cisalpinæ 217

Faustulus sebalicus 229.
 Peronia opp. Etruriae 226.
 Festi opp. Latii 230.
 Fidenae opp. Latii 226, 230.
 Fimbricia Valerii Flacci quaestor 594.
 Firmum Picenum 241.
 Flaminia via 217.
 Flaminiae Galus consul 217, 227. Titus, praetor Siciliae 277.
 Formiae opp. Latii 233.
 Fortuna 217, 233, dicitur Fortunae in via Latina 240.
 Foruli opp. Sabrinorum 228.
 Forum Iulium opp. Galliae 184, 185. Cornelli opp. Galliae cisalpinas 215. Flaminii opp. Umbriae 227. Sempronii opp. Umbriae ibid.
 Fregellae opp. Latii 233, 237, 238.
 Fregena opp. Etruriae 225, 226.
 Frontani pop. Italiae 241, 242, 251, 283 285.
 Frusino opp. Latii 227.
 Fucinus lacus 240.
 Fundanum vinum 234.
 Fundi opp. Latii 233.

G.

Gabae opp. Persidis 728.
 Gabala opp. Syriae 753.
 Gabalenses pop. Aquitaniae 191.
 Gabilana provincia Elymaedis 745.
 Gabil opp. Latii 237, 238.
 Gabinus historicus 829. consul 558, 796.
 Gaebeta silva Germaniae 221.
 Gadera opp. Iudaeae 769.
 Gadaris ager Gadarorum 759, 764.
 Gades insula 129, 140, 148, 168, 169, 175, opp. 38, 167-169...
 Gaditani opp. Ponti 547.
 Gaditana ager Gaditanae 545.
 Gaditani 99, 141, 157, 169, 173, 174. portus Gaditanae 170, 172.
 Gacesatas pop. Galliae cisalpinas 212, 216.
 Gaetuli pop. Libyae 131, 826, 829, 838.
 Galus Antonius 445. Flaminius 217. Scipio 213.
 Galabrii pop. Illyrici 316.
 Galactophagi v. Abii
 Galatae. cf. Celtae. in Europa 61, 107, 116, 181, 192, 210, 220, 290, 293, 296, 313, 315, 385. in Phrygia 57, 539-541...
 Galatia Phrygiae pars 130, 537.
 Galaticus a. Celticus sinus 106, 115, 122, 128, 137, 169, 181, 199.

Galestus opp. Macedoniae 331, arg. 33, 35, 41.
 Gallaea regio Iudaeae 769, 763.
 Galliesium mons Ioniae 642.
 Gallinaria silva in Campania 243.
 Gallograeci 120.
 Gallograecia i. q. Galatia 505.
 γαλλοὶ ἀπὸ κοινοῦ 639.
 Gallus s. Phrygius 543. cf. Aelius et Coraellus.
 Gamabrivii pop. Germaniae 291.
 Gambarus princeps Syriae 753.
 Gandaris regio Indiae 699.
 Gandaritis regio Indiae 697.
 Ganga opp. Indiae 719.
 Ganges fl. Indiae 685, 689, 690, 696, 702, 718, 719.
 Gangra opp. Paphlagoniae 562.
 Ganymedes 587.
 Garamantes pop. Libyae 131, 830, 835, 838.
 Garesus opp. Macedoniae 330, arg. 21, 36.
 Gargassus mons 284, 285.
 Gargara opp. Troas 512, 583, 606, 610.
 Gargarensis Gargarorum incolae 606, 611. pop. Caesari 594.
 Gargaris ager Gargarorum 610.
 Gargarum pars montis Idae 583.
 Gargettus pagus Atticae 377.
 Gariadaci pop. Arabiae 776.
 Garmantes philosophi Indorum 712, 713.
 Garsasira vicus Cappadociae 537, 539, 568, 663.
 Garsaritius prov. Cappadociae 534.
 Garsuna s. Galliae 177, 189, 190, 193, 199.
 Gasys nomen Paphlagonum 553.
 Gaudus insula 44, 277, 299.
 Gaugamela vicus Aturiae 79, 737.
 Gaza opp. Iudaeae 756, 759, 769, 768.
 Gazara opp. Mediae 523.
 Gazarene regio Ponti 513.
 Gazael 749. Gazaeorum portus 759.
 Gazalonitis regio Ponti 553.
 Gazelotis regio Ponti 560.
 Gazura opp. Ponti 547.
 Gedrosia 130, 131, 133, 134, 686, 721, 722, 726, 746.
 Gedrosii a. Gedroseni pop. Arianas 723, 724.
 Gela opp. Siciliae 272.
 Gelae gens Strythica 503, 504, 510.
 Gelo tyrannus 98, 443.
 Genauni pop. Illyrici 266.
 Genetes prom. et fl. Ponti 548.
 Genesartius locus et pagus Iudaeae 765, 764.
 Genoa 291-293, 211, 216, 217.

- Georgi Scytharum pars 311.
 Gephyra et Gephyrisml in Attica 400.
 Gephyraei l. q. Tanagraei 404.
 Gerastus opp. et prom. Euboeae 444, 446.
 Geranus fl. Elis 340.
 Gerena s. Gerenia opp. Messeniae 290, 339, 340, 353, 360.
 Gerenus locus in Elis 340.
 Geres Boeotus 663.
 Gergitha opp. Troadis 589, 616. vicus ad fontes Calci 616.
 Gergithes opp. Cymaeae 559.
 Gergithium locus prope Lampsacum 559. in Cymaea ibid.
 Gergithius (Cephale) 559.
 Gergovia opp. Arvernorum 191.
 Germani 10.....
 Germania 14, 289—292....
 Germanici populi 93, 193, 194, 196, 289—291. montes 71.
 Germanicus Tiberii f. 288, 292.
 Geron fl. Elis 340.
 Gerra opp. Aegypti 50, 56, 760. Arabiae 766.
 Gerraal 765, 778.
 Gerraecidae portus Teiorum 644.
 Geryones 22, 144, 150, 163, 220, 245.
 Getae 93, 118, 128, 290, 294—298, 304, 313, 762.
 Getarum desertum 305, 306.
 Getariorum Paphlagoniae princeps 562.
 Gigantes 243, 245, 281, 330, frg. 25, 27, 489, 495.
 Gigantum castellum Syriae 765.
 Gindarus opp. Syriae 751.
 Gingenum mons Umbriae 227.
 Glancias tyrannus 601.
 Glaucopi sacrum 600.
 Glaucopium arx Athenarum 299.
 Glaucus Anthedonius 403. Pontius Aeschylus drama 447. Potensiensis 403. fl. Colchidis 498, 509. sinus Cariae 631.
 Glisas opp. Boeotiae 412.
 Glycera meretrix 410.
 Glyceus sinus et portus Epizi 324.
 Gnaeus Piso praefectus Libyae 130. Carbo 214. Ahenobarbus 153. Pompeii f. 141.
 Gogarene regio Armeniae 528.
 Gomphi opp. Thessaliae 437.
 Gonnus opp. Thessaliae 440.
 Gerbeus opp. Phrygiae 568.
 Gordium opp. Phrygiae 568, 574.
 Gordius rex Phrygiae 568.
 Gordus locus Troadis 603.
 Gordyaea vel Gordyene prov. Armeniae 527, 739, 746, 747, 750.
 Gordyaei pop. Mesopotamiae 50, 522, 529, 730, 747.
 Gordyaeus Gordyaeorum princeps 532.
 Gordys Trypitolens f. 747, 750.
 Gorgopia opp. Siderum 495.
 Gorgones 19, 22, 290, Gorgonia caput 379, 487.
 Gorgus Cypseli f. 325. metallentes 700.
 Gortyna s. Gortyn opp. Cretae 476, 478, 479, 647.
 Gortynii 477—479.
 Gortynii urbs in Macedonia 329, frg. 4.
 Gorys opp. Indiae 697.
 Graca opp. Boeotiae 404, 410.
 Graeci 9.... Γραικοί 40, 216.
 Graecia 10.... Magna 253.
 Granicus fl. Mysiae 581, 587, 587, 593, 602.
 Gras Pentheli f. 582.
 Gratiae 41, 414.
 Gravisci opp. Etruriae 225, 226.
 Grum moss Cariae 638.
 Grumentum opp. Lucaniae 254.
 Gryneus cognomen Apollinis 618.
 Grynum opp. Aetolis 622.
 Guranii pop. Armeniae 531.
 Gyarus insula 485.
 Gygaia lacus Lydiae postea Coloe 626.
 Gygas prom. Troadis 590.
 Gyges rex Lydiae 421, 590, 686.
 Gynestiae insulae s. Balcerides 123, 129, 144, 159, 167, 168, 654.
 Γυναικων πόλις in Aegypto 803.
 Gyrtion s. Gyrtone opp. Thessaliae 329, frg. 14, 16, 439, 441—443.
 Gyrtionii 329, frg. 14, 330, frg. 16, 442.
 Gythium opp. Laconicae 343, 363.

H.

- Hades 48....
 Haemon Thessali pater 443, 444. Oxyli pater 463, 464.
 Haemonia l. q. Thessalia 443, 444.
 Haemus s. Haemum mons 208, 301, 313, 318, 319, 323, 329, frg. 10, 331, frg. 38, 440.
 Halae opp. Boeotiae 405, 425. pagus Atticae 405. Araphenides 599, 446. Aexonides 398.
 Halaeum Aexonici pagus Atticae 398.
 Halesius campus in Troade 606.
 Halex fl. Britanni 260.
 Hallacmon fl. Macedoniae 329, frg. 5, 12, 14, 330, frg. 20, 21.
 Hallartia ager Hallarti 407, 410—412.
 Hallartus opp. Boeotiae 16, 298, 407, 410, 411. Hallartus l. q. Copsa 411.
 Halicarnassenses 683.
 Halicarnassus 374, 611, 635, 638, 657.
 Halicyna pagus Aetoliae 459.

- Halienses opp. et regio Argolidis 373.
 Halimusi pagus Atticus 328.
 Halisarna in Co insula 667.
 Halus opp. Locridis 432.
 Halizoni 543, 550, 582, 611—680.
 Halonnex insula vicina Magnesia 436, vicina Ioniae 644.
 Halus opp. Phthiotidis 432, 433, 435. opp. Locridis 432.
 Halys 126...
 Hamaeum locus Iovis in Achaia 385, 387.
 Hamaxia opp. Cilicis 669.
 Hamaxitia 473.
 Hamaxitenses 666.
 Hamaxilus opp. Troadis 430, 473, 604—605, 612, 620.
 Hamaxocci gens Scythica 126, 294, 296, 300, 307, 492.
 Hannibal 158, 180, 300, 216, 217, 226, 245, 249—251, 255, 256, 287, 528, 563.
 Harna vicus Boeotiae 404, 405. opp. Atticae 404.
 Harmatus prom. Aeolidis 622.
 Harmonia Cadmi coniux 326.
 Harmozon prom. Carmaniae 726, 763.
 Harpagia opp. Mysiae 587.
 Harpagus aux Cyri 252.
 Harpalus Macedo 827.
 Harpina opp. Pisatidis 336.
 Harpyiae 362.
 Haadruhal Carthaginis novae conditor 528, 531, 532.
 Heba l. q. Dia 362.
 Hebrus & Thraciae 322, 323, frg. 9, 10, 331, frg. 48, 51, 57, 590.
 Hecataeus Milesius 1, 7, 18, 211, 290, 316, 321, 341, 550, 552, 553, 635. Teius & Abderita 644.
 Hecate 435, 472, 641, 690.
 Hecateros (?) 471.
 Hecatomnus rex Cariae 656, 650.
 Hecatompylus opp. Parthorum 514.
 Hecatonnesi & Apolononnesi 618.
 Hecatus cognomen Apollinis 618.
 Hector 585, 594—596...
 Hecuba 477, 595. *Ἐκάβης στήμα* castellum Thraciae 331, frg. 95.
 Hedyllum mons Boeotiae 434.
 Hedyllus poeta 683.
 Hedypho & Babyloniae 744.
 Hegesanax historicus 674.
 Hegesias oecor 390, 643.
 Heli l. q. incolae 368.
 Helena insula, cf. Cranaa 393, 485. Tyn-darei filia 41, 183, 300, 390, 595, 600. *Ἠλέ-νης ἀπαίτησις* Sophoclis drama 643.
 Heleon pagus Tanagraeus 404—406, 439.
 Heliadae filii Solis 654.
 Heliades filiae Solis ad Padum 215.
 Helica opp. Achaiae 59, 384, 385, 387. opp. Thessaliae 385.
 Helicenses 385.
 Helicon mons Boeotiae 261...
 Heliopolitae milites Aristonici 646.
 Heliopolites pagus 805.
 Heliopolis opp. Syriae 753. opp. Aegypti 803, 805—807.
 Helios Persae l. 363.
 Hellanicus historicus Lesbios 43, 366, 426, 451, 456, 608, 590, 602, 610, 618.
 Hellas opp. Phthiotidis 431, 432. l. q. Thessalia meridionalis 444. quid sit apud Homerum 431, 531, 532.
Ἠλλης πορθμός Hellespontus 331, frg. 58.
 Helles Deucalionis f. 383, 432, 444.
 Hellesus opp. Hispaniae 157.
 Hellespontia l. q. Phrygia ad Hellespon-tum 129, 534.
 Hellespontii 508.
 Hellespontus 48... Hellespontii ostium 591.
 Helli acculae Dodonae 328.
 Heliopia regio Dodonam adiacens 328. l. q. Euboea 445, 446. opp. Euboeae 445.
 Helotes servi Spartanorum 278, 280, 366, 366, 542, 701.
 Helvetii 183, 191—193, 196, 206, 208, 202—204, 313.
 Helvii pop. Galliae 190.
 Helus opp. Laconicae 343, 349, 366, 363, 365, 406. in Triphylia & Messenia 359.
 Hemeroscopium opp. Hispaniae 159, 161.
 Hemicytes 43, 299.
 Heneti pop. Italiae 61, 210—216, 543, 608.
 Henetica Henetorum terra 314, 543, 608.
 Heniochi pop. Asiae 129, 492, 495—497, 500, 839.
 Heniochia Heniochorum terra 496.
 Heorta opp. Scardiacorum 318.
 Heptacometae pop. Ponti 548, 549.
 Heptaporus & Mysiae 554, 602.
 Heptastadium Hellespontii 591. agger inter Alexandriam et Pharum 792, 794.
 Heraclea opp. Magnae Graeciae 254, 280, 281. Elidia 350. Mediae 514, 524. Ponti 541—543, 553. Mytilenaeorum in Troade 607. Ioniae 635. Cariae 658. Syriae 751.
 Trachia opp. Thessaliae 69, 382, 389, 408, 428, 429, 434, 472. opp. Hispaniae l. q. Calpa 140. Pisandri poema 656, 658.
 Heracles Dionysii pater 751.

- Heracleotae in Italia 364, in Chersoneso
 Taurica 368, 542, in Paphlagonia 543,
 in Aegypto 812.
 Heracleotae s. Heracleoticus pagus 789,
 809, 812.
 Heracleotis regio Ioniae 642.
 Heracleum opp. Siciliae 299. ad Macotim
 494. Syriae 781. Cyrenalicae 838. Cretae
 476, 484. Aegypti 85, 788, 801. Herculis
 templum Gadibus 169, 170, 172, 174,
 176. prom. Italiae 259. prom. Ponti
 548.
 Heracidae 269. . . . Heracidarum reditus
 354, 359, 365, 372, 383, 389, 392,
 451, 582, 651.
 Heracles Ponticus philosophus 98, 100,
 384, 541, 604. medicus 645.
 Heracitus philosophus Ephesus 3, 642,
 784. poeta Halicarnassensis 635.
 Heraclea opp. Arcadiae 337, 388.
 Heracleum lunonis templum ad Mycenae
 368, 372. Sami 637 in prom. Lacinio
 261. Proxymae 373. Pharygis 426.
 Heracleum opp. Campaniae 246, 247.
 Hercules 9. . . . Cornepio ibid. Iphocleus
 613. Macistius 348. opus Lysippi 278.
 Myronis 637. tabula Aristidis 381. Her-
 culis bella 2, 149, 169, 170, 338, 505,
 680. labores 19, 26, 459. liberti 225,
 377. progenies 219. socii 564. altare
 826. columnae 21, 47—49, 105—108 etc.
 insula 159, 170. portus 225, 266, 459.
 sacrum 138, 202, 801. templum 185. ther-
 mae 425. urbs 812.
 Hercynia silva 267, 280, 292, 293, 295.
 Herdonia opp. Apuliae 282.
 Hermaea opp. in oca Carthaginensium
 834. prom. 832, 834.
 Hermagoras Temnii rhetor 621.
 Hermas Iudaei 719.
 Hermi campus 625, 626, 691.
 Hermias tyrannus Atarnitarum 610, 614.
 Hermionia opp. Argolidis 369, 373, 374, 385.
 Hermionenses 373.
 Hermionicus sinus 59, 335, 368, 369, 380,
 390. Hermioniscum promontorium 368,
 373, 484.
 Hermocreo architectus 588.
 Hermodorus Ephesus 642.
 Hermonactis vicus 366.
 Hermonassa opp. Ponti 548. ad lacum
 Coreondamitum 495.
 Hermouchis opp. Aegypti 817.
 Hermopolitae in Aegypto 812.
 Ερμολιτική φυλακή 812.
 Ερμού πόλις opp. Aegypti 803.
 Hermunduri pop. Germaniae 290.
 Hermus fl. Lydiae 534.
- Hernal pop. Latii 22, 231, 237.
 Herodes rex Iudaeae 769, 765.
 Herodotus Halicarnassensis 36, 36, 43,
 61, 98, 100, 151, 282, 361, 428, 448,
 473, 568, 531, 532, 534, 536, 544, 550,
 573, 611, 618, 626, 627, 650, 668, 691,
 823, 829.
 Herophilus medicus 580, 645.
 Herostatus Ephesus 640.
 Ηρώων πόλις in Aegypto 85, 759,
 767. . . .
 Herpa s. Herphae opp. Cappadociae 537,
 539, 663.
 Heras turris prope Abydum 591.
 Hesiodus poeta 23, 29, 42, 43, 59, 221,
 290, 308, 362, 322, 327, 328, 342, 364,
 370, 388, 393, 490, 413, 424, 442, 438,
 471, 507, 588, 622, 642, 674, 676.
 Hesione filia Laomedontis 506.
 Hesperides opp. Cyrenalicae 123, 458, 647,
 836. Nymphae 150, 183, 209.
 Hesperides Libyes 647.
 Hestiae Alexandrina 559.
 Hestiaeotis pars Thessaliae 436, 434, 437,
 438, 440, 476.
 Hibernia insula 63, 72, 73, 75, 115, 119,
 201.
 Hiccius medicus Smyrnaeus 580.
 Hiclaon Troianus 586.
 Ηερὰ ἄκρα prom. Lyciae 686.
 Ηεράκων νῆσος in sinu Arabico 173.
 πόλις opp. Aegypti 817.
 Hiera insula i. q. Thermessa 275, 277.
 Hierapolis opp. Syriae 748. Phrygiae 437,
 579, 629, 630.
 Hierapytna opp. Cretae 440, 472, 475.
 Hierapytni 479.
 Hiericho opp. Iudaeae 769, 763, 779.
 Hiero rex Syracusarum 247, 268. Laodi-
 censis 578.
 Hierocopia s. Hierocopia opp. Cypri 683,
 684.
 Hierocles orator Alabandensis 651.
 Ηερών ἀκρωτήριον in Hispania 106,
 108, 119, 137—140, 143, 148, 151.
 Ηερών όρος in Thracia 331, frg. 56.
 Ηερών στόμα Ηερόν 308, 312, 319.
 Hieronymus Rhodius 378, 443, 475, 635.
 Hierosolyma 759—762.
 Hilesum opp. Boeotiae 406.
 Himeria opp. Siciliae 272, 275. s. Siciliae
 266.
 Hipparchus astronomus 2, 5, 7, 14—16,
 27, 54, 67, 62, 63, 68—72, 74—77, 79—
 94, 106, 113—115, 131, 132, 138, 328,
 332, 519, 566.

- Hippemolgi cf. Abil.
 Hippel insula prope Erythras 644.
 Ἰπποβορὸς λεῖμων in Armenia 525.
 Ἰπποβορῶν πολιτεία Chalcide 447.
 Hippocles conditor Comarum 243.
 Hippocoon rex Spartae 661.
 Hippocoonia opp. Troadis 472.
 Hippocoronium opp. Cretae 472.
 Hippocrates medicus 657.
 Hippou opp. Carthaginiensium 832. Numidiae ibid.
 Hipponax poeta 340, 633, 636, 642.
 Hippodates sinas 234, 235, 261.
 Hipponium opp. Bruttiorum 256.
 Ἰππου κρήνη 370, 410.
 Hippus d. Colchidis 498, 500.
 Hirpal pop. Samii 250.
 Hispalis opp. Hispaniae 141, 242.
 Hispania l. q. Iberia 166.
 Hispellum opp. Umbriae 227.
 Iliasi prom. Icariae insulae 639.
 Histiaeia opp. Euboeae 445, 446. cf. Orcus.
 Histiaeenses 437, 445. pagus Atticae 445.
 Histiaeotis s. Nestiaeotis in Thessalia 430, 434, 437, 438, 441, 446, 476. in Euboea 437, 445.
 Holmi opp. Phrygiae 663. Ciliciae 670.
 Homerum porticus Smyrnae 646. numus Smyrnaeorum ibid.
 Homeridae in insula Chio 645.
 Homerus 1, 2, 3, 4, 6, 7, 15, 16, 17, 18, 20, 21, 25, 27, 28, 30, 33, 36, 37, 40, 41, 43—46, 50, 103, 133—146, 149, 150, 157, 224, 235, 236, 276, 285, 288, 289, 301, 328, 330, 332, 336, 338, 340, 341, 351, 352, 354, 355, 356, 357, 360, 364, 368, 369, 370, 375, 376, 380, 387, 392, 401, 405, 408, 414, 420, 423, 425, 426, 429, 430, 431, 435, 441, 442, 445, 451, 452, 453, 454, 455, 463, 465, 476, 479, 482, 494, 503, 536, 549, 551, 552, 553, 554, 555, 555, 572, 573, 580, 581, 582, 581, 585, 588, 590, 600, 601, 611, 612, 616, 622, 625, 628, 630, 643, 645, 616, 650, 653, 661, 662, 667, 674, 678, 680, 687, 736, 737, 834.
 Homola s. Homolium opp. Magnesia 443.
 Homenadenses pop. Pisidiae 569, 570, 668, 679.
 Hormiae l. q. Formiae 213.
 Hormina s. Hyrmia prom. Elidis 341.
 Hortensius orator 515.
 Hya l. q. Hyampolis 424.
 Hyacinthia dies festi apud Lacedaemonios 278.
 Hyamitis (Hyamia) regio s. opp. Lacedaemone 361.
 Hyampolis opp. Boeotiae 416, 424. Phocidis 401, 424.
 Hyantes 321, 401, 424, 464.
 Hyantis d. Indiae 694, 697, 699.
 Hybla maior opp. Siciliae 268. minor s. Megara 267, 387.
 Hyblari 357.
 Hyblaeum mel 267.
 Hybreae Mylasensis 630, 669, 680.
 Hybrianes gens Illyrica 318.
 Hyda opp. Lydiae 407, 408, 626.
 Hydara castellum Armeniae 555.
 Hydarnes Persa 531.
 Hydaspes d. Indiae 686, 691, 690.
 Hydra prom. Aetolis 622. lacus Aetoliae postea Lysimachia 450.
 Hydracae pop. Indiae 687. cf. Sydracae.
 Hydrelus opp. Cariae 650. Lacedaemoniae ibid.
 Hydruntum opp. Calabriae 281.
 Hydrussa insula Atticae vicina 395.
 Hyla opp. Boeotiae 407, 408, 626.
 Hylae opp. Boeotiae 407.
 Hylas comes Herculis 564.
 Hylia palus in Boeotia 407, 768.
 Hyllobi philosophi Indorum 713.
 Hyllus f. Herculis 427. d. Lydiae 564, 626.
 Hymettus mons Atticae 399, 491.
 Hypaepa opp. Lydiae 627.
 Hypaesia regio Triphyliae 347.
 Hyphantium (f) mons prope Orchomenum 424.
 Hypana opp. Triphyliae 344.
 Hypanis d. Sarmatiae 107, 295, 306, 494. Indiae 516, 686, 691, 697, 698, 700—703, l. q. Antioches 494, 496.
 Hypaxil pop. Indiae 691, 698.
 Hypates mons Boeotiae 412.
 Hypelaeus fons prope Ephesum 634, 640.
 Hyperborei 61, 62, 295, 507, 711.
 Hyperesia opp. Achaiae 383.
 Hyperia fons in agro Pharaeorum 432. in urbe Pharaeorum 439.
 Hyperostil 61, 62.
 Hypschaleis opp. Aetoliae 451.
 Hypacremus vicus Ioniae 644, 645.
 Hypothebae pars Thebarum 412.
 Hypaterates historicus 311, 504, fortasse etiam 827, ubi libri Ἰπτατέρης.
 Hypaones opp. Elidis 349.
 Hyrcani 129, 507, 509, 510, 514, 515, 520.
 Hyrcania 14, 508—511.....
 Hyrcanum castellum Iudaeae 763.
 Hyrcanum mare 68, 73, 74, 94, 119, 121, 129, 492, 507—513, 516, 823, 824.
 Hyrcaninus campos in Lydia 629.
 Hyrcanus rex Iudaeae 762.
 Hyria opp. Iapygiae 282. Boeotiae 404, 468.

- Hyrcanenses 404.
 Hyrcanus pater Orionis 404.
 Hyrmia s. Hormina prom. Elidis 341.
 Hyrmia opp. Elidis 341.
 Hysiae opp. Boeotiae 404. Argolidis 376, 404.
 Hysiae 404.
 Hyspiratis regis Armeniae 529.
 Hystaspes pater Darii 306, 638, 730, 737.
- I.**
- Iaccetania et Iaccetani in Hisp. 161.
 Iacchus l. q. Bacchus 418.
 Ialmenus dux Orchomeniorum 416.
 Ialysii 635.
 Ialysus s. Ielysus opp. Rhodi 654, 656.
 tabula Protegentis 652.
 Iamblichus princeps Emisenorum 753.
 Iamnia opp. Iudaeae 769.
 Iamnes 392, 467.
 Iapoda 202, 207, 313—315.
 Iapygium promontorium 100,
 Iapyges 169, 254, 261, 292, 270.
 Iapygia 105, 254, 265, 277, 281, 282, 285, 405.
 Iapyx Daedali f. 279, 282.
 Iardanes s. Pisatidis 342, 343, 347.
 Iardani sepulchrum 347, 348.
 Ias l. q. Attica 392. dialectus Attica 333.
 Iasidae 371.
 Iasio Dardani frater. 331, frg. 50.
 Iasom 2...
 Iasoula heros 45. 503, 526, 531, 548.
 Iasonium mons Mediae 525. prom. Ponti 548.
 Iasum Argos 369, 371.
 Iasus opp. et insula Cariae 658.
 Iaxartes s. Sogdianae 507, 510, 514, 517, 518.
 Iaxyes 294, 306.
 Iberes pop. Hispaniae 5. pop. Caucasum accoleas 118.
 Iberia l. q. Hispania 3, 136—176. ad Caucasum 44, 499—501.
 Ibericum litus 122, 164, mare 122. promontorium 166, 116, 161. Ibericus isthmus 137. Iberici populi 192, 164.
 Iberus s. Hispaniae 156, 188—162, 167, 175.
 Ibycus poeta 58, 271.
 Icarus s. Icarus insula 488, 635, 637, 639.
 Icarium mare 124, 488, 639.
 Icarus pater Penelopae 452, 461.
 Icarus Daedali f. 639. insulae 766.
 Ichnae opp. Thessaliotis 435.
 Ichthyophagi 95. in Gedrosia 131, 133. in
- Carmania 720, 726. ad sinum Arabicum 769, 770, 772, 773.
 Ichthyus prom. Elidis 343, 836.
 Iconii gens Alpinae 185, 203.
 Iconium opp. Lyconiae 558.
 Ictinus architectus 395, 396.
 Ictumuli vicus Galliae cisalpiniae 218.
 Icus insula Thessaliae vicina 436.
 Ida mons Troadis 22, 321, 331, frg. 50, 466, 469, 470. mons Cretae 471, 604.
 Idaea mater 45, 469, 875.
 Idaei Dactyli 331, frg. 51. 333, 466, 473.
 Idaeus sinus 584, 605.
 Idanthyrus Scythia 687.
 Idessa opp. Hispaniae 45, 499.
 Ideonni ager in Taurinis 294.
 Idomena opp. Macedoniae 321, frg. 30, 389.
 Idomenaea Cretensis 479, 480. Lampacenus 559.
 Idriensis pop. Cariae 678.
 Idriens Hecatomni f. 656.
 Idubeda mons Hispaniae 161, 162.
 Idumaci pop. Iudaeae 749, 760.
 Igletos incolae Hispaniae cis Iberum 106.
 Ignivium opp. Umbriae 227.
 Iliacrus rex Arabum Rhamanitarum 782.
 Ilerda opp. Hispaniae 161.
 Ilergetae gens Hispaniae 160.
 Iliacum bellum 20, 24, 30, 584. Iliara classis 262. Iliacus campus 573, 595—598.
 Ilienses 584, 593, 594, 596, 597, 600—602.
 Iliocolona in agro Pariano 589.
 Iliop opp. Turditaniae 141, 142, 174, 175.
 Ilius s. Atticae 307, 409.
 Iithyas urbs in Aegypto 817. sacrum 226, 476, 817.
 Ilium vetus 17, 592—601. novum 593—596, 598, 599, 601, 602.
 Iliberis opp. et s. Galliae 182.
 Ilyrici populi 214, 283, 289, 313, 318, 326, 332. montes 71, 313. Ilyricum litus 105, 128, 283, 314—318.
 Ilyrii 206, 313—318.
 Ilyris 108.
 Ius Ili conditor 593, 597.
 Imandes 811. cf. Imandes.
 Imarus s. Imalus mons 129, 511, 519, 699. cf. Iasus.
 Imbrasides dux Thracum 321, frg. 58.
 Imbrassus s. Sami 457, 637.
 Imbrus insula 28, 124, 231, 331, frg. 48, 457, 473. castellum Cariae 651.
 Imachus s. Argolidis 271, 326, 330, 371.
 387. s. Acarnaniae 271, 316, 326, 327, 370.
 Inaros rex Aegypti 801.

- Indi 7, 685-720.
 India 7, 685-720. Indiae fines 314,
 317.
 Indictae gens Hispaniae 156, 100.
 Indici philosophi 685, 711-720.
 Indicum mare 118, 129, 514, 519. Indici
 fuvii 690-692, 696, 697, 700, 711, 718,
 739, montes 68, 505, 596, 510, 689.
 Indus 64, 688-690.
 Ingauni pop. Ligurum 202.
 Innesa opp. Siciliae 208.
 Inopus s. Deli 271, 465.
 Insubres 212, 213, 216, 218, 292.
 Intemelii pop. Liguriae 202.
 Intemelium 202. cf. Albium.
 Interamna opp. Umbriae 227. Interamnium
 Latii 237.
 Interctia opp. Caliberorum 162.
 Interocrea opp. Sabiosorum 228.
 Io mater Epaphi 445, 673, 756.
 Iol opp. Masacyllorum 831.
 Iolaenses pop. Sardiniae 225.
 Iolus 225, 317.
 Iolcius i. q. Iason 45.
 Iolcus opp. Magnesia 331, frg. 44, 414,
 436, 438.
 Ion Xuthi f. 321, 383, 397. poeta 60, 364,
 645, s. Thessaliae 356.
 Iones 50.
 Ionia in Asia 6, 632-650. i. q.
 Achaia 383. i. q. Attica 392, 397.
 Ionium mare 123, 259, 281, 316, 317, 322,
 326, 329, frg. 6, 332, frg. 67.
 Iopa opp. Iudaeae 43, 708, 759.
 Ioras s. Iurasus mons 193, 208.
 Iordanus s. Iudaeae 755.
 Iora cf. Iulia.
 Iphicrates dux Atheniensium 389. Iphi-
 crates (7) scriptor 877.
 Iphidamas f. Antenoris 330, frg. 21, 24.
 Iphigenia 535, drama Euripidis 377.
 Iphitus Eleus 358.
 Ipnus opp. Magnesia 443.
 Ira opp. Messeniae.
 Iris f. Ponti 52, 547, 556, 561.
 Irbia filia Arrhabeae 326.
 Is Sybaris conditor 262.
 Isadici pop. Caesari 506.
 Isamus s. Indiae 516.
 Isar, s. Galliae 185, 191, 204.
 Isaras f. Vindeliciae 207.
 Isaura opp. Isauriae 563, 569, 605, 608.
 Isaurica pars Lycasolae 568, 569.
 Ischopolis opp. Ponti 548.
 Isinda opp. Pisidia 631.
 Isle 803, 822.
 Ismandes Labyrinthi conditor 813.
 Ismaria lucus Thraciae 331, frg. 44.
 Ismarus s. Ismara opp. Ciconum 343, frg. 44.
 Ismenus f. apud Thebas 408.
 Isocrates orator 622.
 Ἰσοδρόμη μήτηρ dea 440.
 Issa Liburnorum insula 124, 315, 317.
 i. q. Lesbos 60.
 Issenses 315.
 Issicum mare 47.
 Issus opp. Ciliciae 125.
 Istor fuvius 6, 289. Istri fontes 207,
 289, 292, 304, ostia 280, 312, 318, 319.
 Istri 57, 216, 216, 314.
 Istria Italiae regio 209, 215, 314.
 Istrus opp. Moesia 318, 319.
 Issus regio Boeotiae 403.
 Itali 169, 208-216.
 Italia 6, 21-23, 209-258.
 Italica opp. Hispaniae 141. Pelignorum 241.
 Ithaca 22, 454, 455.
 Ithacensi 22, 461.
 Ithoma mons et opp. Messeniae 358, 361,
 437, opp. Thessaliae 437, 438.
 Ithum opp. et portus Galliae 199.
 Itonus opp. Thessaliae 433, 435.
 Ituraei pop. Syriae 753, 755, 756.
 Itymoneus 352.
 Iuba rex Numidia 288, 828, 829, 831,
 840.
 Iudaea 749, 760-765.
 Iudaei 726, 760-765.
 Iugurtha 831.
 Iulia Iona opp. Baeticae 140.
 Iulipollis opp. Phrygiae 574.
 Iulia opp. Cei 489.
 Iulius 595.
 Iulus f. Aeneae 595.
 Iuncarius campus in Hispania 160.
 Iuno 334, 413, 583, 649. a Tyrrhenis Cy-
 pra appellata 241. Iunonis sacrum 261,
 373. Argosiae 232. Pharygaeae 436.
 Iuvola 168, 170. Argivae Iuvus 215.
 Aetnaeae oraculum 389.
 Iuppiter 183. Abrettenus 574. Dado-
 nacus 221. Larissus 440, 649. Olympius
 333. Ombrios 718. Pelagius 231, 329.
 Sosipolis 648. Iovis sacrum in Larissa
 Argiva 370. Oibae 672. Venasae 537.
 Aemili 456. Atabyrii 655. Carli 659.
 Cassi 700. Χρυσονόμος 659. Di-
 ctaei 475, 478. Eleutherii 412. Labran-
 deni 639. Lycali 358. Osogo 659. Sote-
 ris 396. Iovis antrum 476, 482, 762.
 Iuvus 382, 683. oraculum Olympi 353.
 Trophoeni 414. colossus 278, 567, 673.
 Astrapaei altare 494.
 Iurasus cf. Ioras.
 Iux insula 684.
 Ixia opp. Rhodi 656.
 Ixion Lapitharum rex 320, frg. 14, 16.

L.

- Labanac aquae in Italia 238.
 Labicana via 237.
 Labicum opp. Latii 230, 237.
 Labienus praefectus Asiae 574, 650.
 Labotas f. Syriae 751.
 Labranda opp. Cariae 650.
 Labyrinthus in insula Creta 477, prope Naupliam 369, in Aegypto 757, 811.
 Lacedaemon 264, 345-347, 367, 368...
 Lacedaemonii 63, 364-367...
 Lacceter prom. Co insulae 637.
 Lacinium prom. Bruttiorum 261, 262, 281.
 Lacmus mons Antoliae 271, 316.
 Lacones 157...
 Laconica Instituta 154, 260, 481, 482, convivia 480, 482, 701, Laconicus sinus 325, 362, 368, Laconica insula l. q. Thera 837.
 Laconica 92, 362-368...
 Lada insula prope Nileum 635.
 Ladon fl. Arcadiae 60, 389.
 Laertes 59, 451-453, 458, 460.
 Laestrygones pop. Siciliae 20, 23, 40.
 Lagaria castellum prope Thurios 263.
 Lagaritanum vinum ibid.
 Lagetas Strabonis avus 477, 478.
 Lagidas reges Aegypti 795.
 Lagina opp. Cariae 660, 663.
 Langebardi gens Germaniae 298, 292.
 Lages Ptolemaei pater 361.
 Lagusa insula Cretae vicina 484.
 Lania opp. Thessaliae 60, 433-435, 450, terriculum 19.
 Laniacum bellum 433, 445.
 Lampensae opp. Cretae 475.
 Lampla mons Arcadiae 341.
 Lamponia opp. Troadis 610.
 Lampsacene 587, 589.
 Lampsaceni 589.
 Lampacus opp. Mysiae 331, frg. 56, 58, 587, 589-591, 636.
 Lampitrenses pagus Atticae 308.
 Lamos fl. et opp. Ciliciae 671.
 Landi pop. Germaniae 290, 292.
 Laodicea (ἡ λαοδικεα) opp. Lycaniae 663, Coelestriae 735, Mediae 624, Phrygiae 576, 578, 580, 620, 630, 663, Syriae 749, 751, 752.
 Lapa opp. Lesbii 426.
 Lapathea opp. Cyprae 682.
 Lapersae cognomen Dioscurorum 364.
 Lapiithae pop. Thessaliae 8, 329, frg. 14, 15, 439-443.
 Lapiithes l. e. Mopsus 443.
 Laranda opp. Lycaniae 569.
 Larisa Piasi filia 621, opp. Pelasgiotidis 389, 430, 431, 438, 440, 441, 443, 503
 530, Phthiotidis (Cremaste et Pelasgia) 60, 435, 440, Thessaliae ad Ossa 440.
 Aiticae ibid. Cretae ibid. In confinis Elidis et Achaeae ibid. Syriae, Pontii ibid. Troadis 440, 604, 620, Ephesia vicus in Caystri campo 440, 620, Phri-conis opp. Acolidis 416, 620-632, arx Argorum 370, 371, 410.
 Larisaea 605.
 Larisaeae rupes Lesbii 440.
 Larisaei 60, 440, 631, 691.
 Larisus campus 440.
 Larisus fl. Achaeae 387, 440.
 Larus laeus 192, 204, 209, 213.
 Lartolactae pop. Hispaniae 159.
 Larymna opp. Boeotiae 105, 405, 406.
 Locridis 408.
 Las opp. Laconicae 364.
 Lathon & Lethaeus fl. Cyrepaicae 647, 836.
 Latina Regia 137, 160, 258, via 236-238.
 Latini 218, 229, 231-243, 235, 237, 238, 240, 287.
 Lalinus rex Aboriginum 229.
 Latium 145, 228-240...
 Latonicus sinus in Ionia 635.
 Latus mons Cariae 635, 636, opp. Cariae 635.
 Latona 374, 485, 639, 640, eius templa 349, 631, 632, 665, 802.
 Latopolis opp. Aegypti 812, 817.
 Latopolitas ibid.
 Lariansene prov. Cappadociae 534, 549, 560.
 Lavinia Latini filia 229.
 Lavinius opp. Latii 230-232, 264, 608.
 Laurentum opp. Latii 229, 232.
 Laus opp. Lucaniae 253, f. Lucaniae 253-255, sinus Lucaniae 253.
 Lautumiae insulae sinus Arabici 770.
 Lebaea opp. Boeotiae 414, 423.
 Lebedii 643.
 Lebedus opp. Ioniae 633, 643.
 Leben opp. et portus Cretae 478.
 Lebinthos insula 487.
 Lechaicum portus Corinthi 56, 378, 380.
 Lecium prom. Troadis 581, 582, 584, 586, 592, 604, 606, 618, 618.
 Leda Tyndarei coniux 461.
 Leetani pop. Hispaniae 159.
 Lelantum plantities Euboeae 55, 447, 448, 465.
 Leleges 321...
 Lelegia temula et arces Lelegum 321, 611.
 Lelux Leucadias 322.
 Lemaeus lacus 186, 264, 269, 271.
 Lemnus 28, 45, 46, 124, 221, 330, frg. 32, 331, frg. 35, 44, 45...
 Lenovices pop. Galliae 190.
 Lenae l. q. Baechi 418.

- Leocorium Athenis 306.
 Leonidas Spartanus 10, 429, 467.
 Leonides Rhodius stoicus 555.
 Leonatus Alexandri amicus 433.
 Leonorius dux Galataram 565.
 Leonteus Lampacenus 389.
 Leontine ager Leontinorum 20, 272, 273.
 Leontini opp. Siciliae 272, 273.
 Leontopolis opp. Aegypti 892.
 Leontopollitas 812.
 Leontopolites pagus 892.
 Λεοντοπόλις ὀνομή, Λεοντοπόλις βουαί in Aethiopia 774.
 Λεόντων πόλις in Phoenicia 766.
 Leosthenes Atheniensis 433.
 Lepontii gens Alpina 204, 206.
 Lepreatae Leprei incolae 345, 355.
 Lepreatae ager Leprei 3.
 Lepreum opp. Triphyliac 342, 344—346, 355.
 Leptis opp. Africae 835.
 Leria l. q. Lerus 487.
 Lerna d. Argolidis 308. lacus Argolidis 368, 371.
 Leron insula maris Tyrrheni 385.
 Lesbia l. q. Lesbos 331, frg. 58.
 Lesbii 581, 590, 617, 621.
 Lesbocles Mytilenaeus 617.
 Lesbos 45, 617—619,
 Letha d. Lusitaniae 163.
 Lethaena d. Cretae 478. Magnesia 554, 647. Thessaliae 647. Libyae 835.
 Letopolites pagus 897.
 Leuca opp. Calabriae 281. mons Cretae 478. insula 125, 306. Λευκή κοίτη opp. Nabataeorum 780, 781. ὀκρυή prom. Euboeae 399. Libyae 499, 709. in Thracia 331, frg. 60. planities Laconicae 363.
 Leucadii 322, 432.
 Leucadius frater Penelopae 452.
 Leuca opp. Ioniae 646.
 Leucas insula et opp. 59, 165, 322, 329, frg. 0, 450—453, 459, 461.
 Leucaspis portus Marmaricae 790.
 Leucatas prom. Leucadis 452, 456, 461.
 Leuci pop. Galliae 193.
 Leucimma prom. Corcyrae 324.
 Leucippus Achaeorum dux 263.
 Leuco rex Bospori 301, 310, 311.
 Leucoromas Lebeutis 478.
 Leucolla portus Cyprj 682.
 Leuconotus ventus 29, 837.
 Leucopetra prom. Italiae 211, 269.
 Leucophrys l. q. Tenedus 694.
 Leucothaeae sacrum apud Moschos 498.
 Leucostia insula 123, 252, 258.
 Leucosyri 542, 544, 545, 592—554, 678, 737.
 Leuctra opp. Boeotiae 360, 384, 414, 445.
 Leuctrum opp. Laconicae 360, 361. vicus Achiae 387.
 Leuterola litus Calabriae 281.
 Leuteroli gigantes Phlegrae 281.
 Lexovii pop. Galliae 189, 194.
 Libanus mons 742, 764—766.
 Libes Chalciorum sacerdos 292.
 Libethra s. Libethrum opp. Pieriae 330, frg. 18, 410, 471.
 Libethriades s. Libethrides nymphae 410, 471.
 Libophoenices pop. Libyae 835.
 Liburna urbs l. q. Scardon 315.
 Liburni Corcyra expulsi 269, 317.
 Liburnicae insulae 134, 316, 317.
 Libya 2, 824—839,
 Libycum mare 122, vinum 799. Libyici montes 789, 819.
 Libyes 10, 179, 737, 769, 822, 828, 838. Hesperidae 647.
 Licatli pop. Vindelectorum 206.
 Lichades insulae 60, 426.
 Lichas Herculis comes 426, 773, 774.
 Licymna arx Tyrinthis 373.
 Licymniae Tiepolemi avunculus 373, 633.
 Liger d. Galliae 177, 180, 190, 191, 193, 195, 198, 198.
 Ligurens 128, 202—204,
 Liguria 128, 165, 177, 203,
 Ligurensi l. q. Tauriaci 205.
 Ligusticum litus 122, 184, 187, 202, 203, 211. mare 106, 122, 123, 128. Ligustici populi 204, 212, 216.
 Lilia opp. Phocidis 16, 467, 474.
 Lilybaeum prom. Siciliae 122, 205—207, 834. opp. Siciliae 267, 272, 608.
 Limacra d. Lusitaniae 163.
 Limeria opp. Cyprj 683.
 Limnas opp. Messeniae 257, 279, 302, 363. Chersonesi Thraciae 331, frg. 52, 635. suburbium Spartae 363, 364.
 Limon prope Nysam Ioniae 650.
 Limona l. q. Elona 449.
 Limyra opp. Lyciae 666.
 Limyras d. Lyciae 668.
 Lindii 635, 671.
 Lindus opp. Rhodi 695, 695.
 Lingones s. Lincasii pop. Galliae 189, 193, 268.
 Linx opp. Mauritaniae 825—827, 829.
 Linum opp. Myliae 588.
 Linusiae cochleae 588.
 Lipara insula 20, 208, 275—277.
 Liparacorum insulae 54, 57, 123, 248, 256, 274—276.
 Lips ventus 29, 246, 269, 376, 554.

- Liris* fl. Latii 233, 237, 238.
Lissus opp. Dalmatiae 316.
Literum opp. Campaniae 243.
Literus fl. Campaniae 243.
Lithodes campus prope Massiliam 182.
Lithrus mons Ponti 558.
Lixus opp. Mauritaniae 825, 829. fl. Mauritaniae 99.
Lochias prom. Aegypti 791, 794.
Locri pop. Graeciae 311..... *Epixephyrii* a. *Hesperii* 255, 256, 259—261, 427. opp. *Locrorum* *Epixephyriorum* 123, 259, 260, 835. *Epiconemidii* 334, 336, 416, 418, 425—427, 430. *Oxolae* 259, 332, 416—418, 425—427, 450. *Opuntii* 259, 322, 416, 424—426.
Locricus mons l. q. *Phricium* 562.
Locrides virginis 609, 601.
Locris 406, 425—429. in Italia 259, 260, 270.
Locrius fons 259.
Lopadussa insula 834.
Loryma mons et litus Cariae 652, 655, 656.
Lotophagi 25, 157, 829, 834.
Lotophagitis nomen *Syrtilis* minoris 834.
Luca opp. *Lipurum* 217, 218.
Lucani 211, 228, 232—235, 251, 263, 289, 293.
Lucania 252—255.
Luceria opp. Daunorum 264, 284.
Lucius *Tarquinius Priscus* 229. *Nummius* 381.
Lucotocia opp. *Parisi* 194.
Lucrilius sinus 244, 245.
Lucullus *Lucius* 532, 535, 546, 547, 557, 558, 567, 576. *Marcus* 319, 381.
Lucumo f. *Demarati* 219.
Ludias fl. et lacus *Macedoniae* 339, frg. 20, 22, 23.
Lucius *Arverus* 191.
Lugdunum opp. *Aquitaniae* 109. *Segusianorum* 177, 186, 191—193, 208.
Lugenum palus in *Alpibus* 314.
Lull pop. *Germaniae* 290.
Luna opp. et portus *Ligurum* 217, 218, 222.
Lupia fl. *Germaniae* 291.
Lupiae opp. *Calabriae* 282.
Lusitani 139, 147, 152, 154, 155, 163, 166.
Lusitania 129, 147, 151—156, 166.
Lusones pop. *Hispaniae* 162.
Lycabettus mons *Atticae* 399, 454.
Lycæum mons *Arcadiae* 298, 348, 388.
Lycæon 41. *Priami* f. 585, 620.
Lycæones 130, 533, 534, 554, 568, 678, 680.
Lycæonia 130, 568—570.....
Lycæus opp. *Cretae* 479.
Lycæum *Athenis* 395, 397, 409.
Lychaidus opp. *Epiri* 323, 327.
Lycia 21, 664, 667..... in *Troade* 563, 585.
Λυκιακὸν σὺστημα 664, 666, 667.
Lycharches 665.
Lycii 6, 664—667..... in *Troade* 453, 565, 572, 585, 597, 599, 598, 662.
Lycomedes sacerdos *Comanorum* 568 rex *Scyri* 435. *Pharnacia* f. 509.
Λύκων πόλις in *Aegypto* 813.
Lycopolitis 812.
Lycorea opp. *Phocidis* 418, 423.
Lycormas l. q. *Euenos* 327.
Lyceti 475, 476, 479, 481.
Lycius opp. *Cretae* 475, 479.
Λύκου πόλις opp. *Aegypti* 892.
Lycærgium vicus *Argolidis* 376.
Lycurgus *Laodæmonius* 365, 369, 481, 482, 762. *Edenorum* rex 471, 687. *Atticus* orator 601.
Lycus *Pandionis* f. 392, 573, 667. fl. *Assyriae* 79, 737. *Syriae* 755. *Phrygiae* 578. *Armeniae* et *Ponti* 529, 547, 556.
Lydi 130, 572—574.....
Lydia 58, 61, 139, 219, 383, 407, 408, 626—628.
Lydia sacra 469. *Lydiae* portae *Adramyttii* 613.
Lydas f. *Atylis* 219. nomen *Phrygium* 304.
Lygaeus avus *Penelopeae* 461.
Lygdamis dux *Cimmeriorum* 61, 627.
Lyncæstae pop. *Macedoniae* 323, 326, 327.
Lycæum mons *Argolidis* 379, 376, 424. vicus *Argolidis* 271.
Lyrnessus in *Troade* 586.
Lyrnessus opp. *Troadis* 584, 585, 607, 612. *Pamphyliæ* 667, 676.
Lylias castellum *Iudææ* 763. opp. *Syriae* 762. *Phrygiae* 576.
Lysimachia opp. *Chersonesi* *Thraciae* 134, 331, frg. 52, 54. opp. et lacus *Aetoliae* 460.
Lysimachus *Agathoclis* f. 302, 305, 319, 563, 565, 593, 597, 604, 607, 623, 640, 646.
Lysiodi 648.
Lysippus sculptor 278, 459, 599.
Lysis poeta 648.

M.

- Ma* l. q. *Bellona* 535.
Macae opp. *Arabiae* *felicis* 765.
Macaria pars *Messeniae* 361. fons *Atticae* 377.
Macaris urbs l. q. *Leshus* 356, 566.
μακάριων πηγὴς 3, 150.

- Macedones 127, 329, frg. 9—42...
 Macedonia 28, 329, frg. 9—331, frg. 42...
 Macedonici reges 436, 837, populi 417.
 sinus 92, 124. Macedonia urbs 474.
 Macedonicum litus 329, frg. 13.
 Macella femina l. q. Macedonia 477.
 Machaerens Delphus 421.
 Machaerus castellum Iudaeae 763.
 Macistia 342, 348, 349.
 Macistii 343, 344.
 Macistum s. Macistus opp. Triphyliae
 257, 345, 346, 349, 447.
 Macras s. Macra campus Syriae 755.
 Macres fl. Etruscae 222.
 Macris l. q. Euboea 444.
 Macri campi in Gallia cisalpina 216.
 Macrocephali 42, 529.
 Μακρόν τεῖχος in Thracia 331, frg. 53.
 Macrones pop. Ponti 548.
 Macropogones pop. supra Pontum 492.
 Maeyna opp. Aetoliae 451, 369.
 Maeyda Syriae 61.
 Madytus opp. Chersonesi Thraciae 331,
 frg. 53.
 Macander fl. Phrygiae et Cariae 554,
 577—580, 629, 630, 636, 659, 661, 663.
 Maecandri campus 577, 648, 691.
 Maecandrus rerum scriptor 532.
 Maecene regio Arabiae 767.
 Maedi pop. Thraciae 318, 318, 331, frg. 36.
 Maedobithyni gens Thracia 395.
 Maenaca opp. Baeticae 150.
 Maenalis mons et opp. Arcadiae 388,
 389.
 Maenoba opp. Baeticae 143.
 Maenones antiqui Lydiae incolae 550, 572,
 578, 585, 620, 625, 678—680.
 Maenolia 576.
 Maetiae 14, 114, 129, 492—495.
 Maetilis palus 52, 307—312...
 Magara opp. Ciliciae 676.
 Magi sacerdotes Persarum 98, 100, 515,
 717, 727, 730, 733, 735, 736, 762.
 Magnesia s. Magnesia regio Thessaliae
 329, frg. 12, 14, 16, 330, frg. 25, 422,
 436, 437, 441, 443.
 Magnesia opp. Cariae 551, 554, 579, 630,
 647, 648, 661. Lydiae ad Sipylum 571,
 579, 622.
 Magnetes Thessaliae 28, 429, 430, 441,
 442, 636. Cariae 577, 647, 648.
 Magneticum litus 430, 437, 443. mare
 432.
 Magnesia urbs l. q. Gyrtos 329, frg. 14, 16.
 Magnopoli opp. Ponti 556.
 Nagodi l. q. Lysiodi 648.
 Malaca opp. Baeticae 150, 158, 161, 163.
 Malaeus conditor Cymae 382.
 Malae prom. Laconicae 25, 92, 105, 108,
 335, 392—394, 398, 399, 378, 399, 475.
 Maleos Pelasgus 225.
 Malla prom. Lesbi 616, 617.
 Mallacus sinus 330, frg. 32...
 Mallenses 10, 28, 313, 416, 429, 433, 442,
 444.
 Malli pop. Mesopotamiae 748.
 Malli pop. Indiae 701.
 Malletis ager Malli urbis 676.
 Mallos opp. Ciliciae 539, 675, 676.
 Malotha opp. Arabiae 762.
 Malus in Troade 603.
 Mammas fl. Triphyliae 344.
 Mamertini 268. Mamertinum vinum ibid.
 Mamertium opp. Bruttiorum 261.
 Mandanes unus e Brachmanis 715, 716,
 718.
 Mandabii pop. Galliae 191.
 Manes nomen Phrygium 304. Paphlago-
 nium 553, fl. Locridae 426, cf. Boagrius.
 Manus Aquilius 646.
 Mantiana lacus Armeniae 49, 529.
 Mantinea opp. Arcadiae 337, 388, 414,
 608.
 Manto filia Thesiae 443, 642, 675.
 Mantua 213.
 Maranitia pop. Arabiae 776.
 Marathesium opp. Ioniae 639.
 Marathon pagus Atticae 375, 377, 383,
 396, 399, 446. campus Hispaniae 160.
 Marathus opp. Phocidis 423. Phoeniciae
 753.
 Marcellus conditor Cordubae 141. Celti-
 bericus 162. Octaviae f. 675.
 Marcia uxor Catonis 515.
 Marcia aqua Romana 240.
 Marcina opp. Campaniae 251.
 Marcomani pop. Germaniae 290.
 Mardi pop. Persidis et Armeniae 523,
 524, 727.
 Mardonius 472.
 Mareoticum vinum 799.
 Mareotis s. Maria lacus Aegypti 789, 792,
 793, 795, 799, 863, 866.
 Margala s. Margalae opp. Triphyliae 349.
 Margiana regio Asiae 72, 73, 515, 516.
 Margiani 510.
 Margas fl. Margianae 516. Myriae 318.
 Mariaba opp. Sabacorum 768, 778.
 Mariandyni pop. Paphlagoniae 295, 345,
 511, 542, 544, 554, 563, 678.
 Mariandynus Paphlago 542.
 Maritus fl. Daciae 394.
 Marius Ambronum victor 183, 239.
 Marmaridae pop. Africae 131, 798, 825,
 838.
 Narmarium opp. Euboeae 446.
 Narmolitis regio Paphlagoniae 362.

- Marobandi imperium 290.
 Maronea opp. Thraciae 331, frg. 44, 45, 47, 48.
 Marrubium opp. Italiae 241.
 Marrucina 241.
 Marrucini pop. Italiae 241, 242.
 Mars 153, 185, 229, 240, 290, 573, 597, 598, 727.
 Marsi pop. Italiae 219, 236, 237, 238, 240, 241. Germaniae 290.
 Marsiaba opp. Arabiae 782.
 Marsicum bellum 238, 241, 258.
 Marxyas tibicen 470, 578, 616. f. Phrygiae 554, 577, 578.
 Martius campus 236, 249.
 Massaeisylli s. Massaeisylli pop. Numidiae 131, 827—829, 831, 833, 835, 836.
 Masses opp. Argolidis 376.
 Mastiani pop. Indiae 698.
 Masinissa 829, 832, 833.
 Mastium mons Armeniae 566, 522, 527, 547.
 Massabatica regio Mediae 524, 744.
 Mastaga opp. Indiae 698.
 Massagetae pop. Scythiae 507, 511—513.
 Massilia 63, 179—181...
 Massilienses 129, 179—181...
 Massilioticus sinus 181. Massilioticum litus 187, 208. *Μασιλιωτικὸς πελάγους* 202.
 Maasyra regio Syriae 763, 765, 766.
 Mastaura opp. Lydiae 650.
 Maasylienses pop. Numidiae 131, 829—832.
 Matalum portus Gortynae 478, 479.
 Mataurus opp. Siciliae 275.
 Matiana regio Mediae 73, 509, 523, 525.
 Matiani s. Matieni 49, 514, 523, 531.
 Matrinum portus Adriae 241.
 Matrinus fl. Piceni 241.
 Mauri l. q. Maurusii 825.
 Maurusia 3, 99, 109, 131, 132, 139, 140, 143, 150, 153, 157, 288, 825.
 Maurusii 5, 131, 137, 825, 827, 828.
 Mausoleum Halicarnassi 636. Romae 236.
 Mausolus rex Cariae 611, 636.
 Maximus Aemilius 191.
 Mazaca opp. Cappadociae 537—539, 663. cf. Eusebia.
 Mazaceni 538, 539.
 Mazael pop. Pammoniae 314.
 Mazen rex insulae Doractae 707.
 Mazusia prom. Chersonesi Thraciae 331, frg. 52.
 Mecestus fl. Phrygiae 576.
 Mecona l. q. Sicyon 382.
 Meryberna portus Olynthi 330, frg. 29.
 Medea 21, 45, 46, 215, 224, 315, 526, 531.
 Medeon opp. Phocidis 410, 422. Boeotiae 410, 423.
 Medi 800, 507, 509, 514, 522, 524—526, 528—532, 724, 732, 735, 737, 739, 745, 801.
 Media 45, 522—526, 530—532, ...
 Medici populi 130. montes 74. Medica herba 525, porta 525. Medicus sorus 525.
 Mediolanum opp. Galliae transalpinae 190. cisalpinae 213.
 Mediomatrici pop. Galliae 193.
 Medma opp. Nagnae Graeciae 256, 257.
 Medonai pop. Italiae 216.
 Medonacus fl. Italiae 213. portus Patavii 213.
 Medon comes Philoctetae 437.
 Medus f. Medonae 526.
 Medylli gens Alpina 185, 203, 204.
 Megabari pop. Aethiopiae 785, 819.
 Megabathes dux Persarum 403.
 Megabyxi sacerdotes Ephesiorum 641.
 Megalocephali 299.
 Megalopolis opp. Arcadiae 309, 385, 388, 738. Ponti 560.
 Megalopolitas 728.
 Megalopolitis Arcadiae regio 335, 343, 385. Ponti 557, 559.
 Megara opp. Graeciae 331, 391—393, 395, 411, 423, 653. Siciliae 267, 269, 270, 387. Syriae 753.
 Megaresenses in Graecia 267, 319, 320, 322, 333, 380, 385, 392, 394, 395, 563. in Sicilia 267, 272, 387.
 Megarici montes 405. vici 394.
 Megarici philosophi 393.
 Megaris s. Megarica 171, 329, frg. 3, 379, 380, 390—393, 395, 400, 405.
 Megasthenes Chalcidensis conditor Cumarum 243. rerum scriptor 68—70, 76, 77, 685, 687, 689, 699, 693, 702—707, 709—712.
 Meges f. Phylei 338, 439, 436, 459.
 Megillus rerum scriptor 692.
 Megista insula 606.
 Melaeus prom. Ioniae 645. Chii 645.
 Melaeus vicus Troadis 693.
 Melaeus s. Melania opp. Ciliciae 670, 709.
 Melampus 346.
 Melamphyllus l. q. Samus 457, 637.
 Melanchrus tyrannus Lesbii 617.
 Melanels l. q. Eretria 448.
 Melania l. q. Melaeus.
 Melanippa Boeotii mater 265.
 Melantii scopuli in mari Argaeo 536.
 Melanthus pater Codri 359, 393, 633.
 Melaeus prom. Myliae 578.
 Melas sinus 28, 92, 124, 323, 331, frg. 52, 54, 58.

- Melas fl. Achaisae 386. Boeotiae 407, 415.
 Cappadociae 538. Pamphyliæ 667.
 Thessaliæ 628. Thraciæ 331, frg. 52, 53.
 Melidi pop. Galilæa 194.
 Meliager Althæas f. 466. Gadarensis
 739.
 Μελιάρου χώρας prope Antiochiam
 751.
 Melas fl. prope Smyrnam 534, 646.
 Mella Toneri mater 413.
 Mellibœa opp. Thessaliæ 254, 436, 443.
 Meligaris i. q. Lipara 275.
 Mellî 464.
 Melinus portus sinus Arabici 771.
 Melita pagus Atticæ 65, 66, lacus prope
 Oenadæ 459. Insula 277, 534. i. q.
 Samothrace 472.
 Melitæa opp. Phthiotidis 432, 434.
 Melitæa caluli 277.
 Melitenses 432.
 Melitena regio Cappadociae 521, 528,
 543—537.
 Melitoni 527.
 Mellaria opp. Hispaniæ 140.
 Melon dux Sicamborum 291, 292.
 Melpis fl. Latii 237.
 Melus fl. Astoriæ 167.
 Melus insula 484, 485.
 Memnon Tithoni f. 728, 813. Rhodius
 610. dithyrampus Simonidis 728.
 Memnonis vicus in Mysia 587.
 Memnecium Thebæ Aegyptiacis 813, 816.
 Ahydi 812, arx Susorum 718.
 Memphis opp. Aegypti 473, 803—808,
 812, 814, 817.
 Men Asæus, eius templum Antiochiæ
 ad Pisidiæ 537, 577. Men Caræ, eius
 templum in Caria 579. Men Pharnacis,
 eius templum in Ponto 557.
 Menander poeta 297, 452, 486, 637, 638.
 rex Bactrianorum 516.
 Menapii pop. Germaniæ 194, 198.
 Menas conditor Mesembriæ 319.
 Menda opp. Macedoniæ 330, frg. 27.
 Mendes opp. Aegypti 802, 812.
 Mendesi 813.
 Mendesium ostium Nili 801, 802.
 Mendesium pagus in Aegypto 802.
 Mesembria i. q. Mesembria 319.
 Menecles Alabandensis 655, 661.
 Menecrates Elaita 550—552, 572, 621.
 Nysæus 650.
 Menodæmus Eretrius philosophus 393,
 448.
 Menelaites pagus in Aegypto 801.
 Menelaus Atrei f. 37—42,.... frater
 Ptolemæi primi 801. opp. Aegypti 803.
 opp. et portus Cyrenicæ 46, 801, 838.
 Menesthei portus in Æætica 140.
 Menestheus Scyllitæ et Eliacæ conditor
 140, 159, 261, 622.
 Menesthius Spurchel f. 433.
 Meninx insula 25, 153, 157, 834.
 Menippus Gadarensis 739. Stratonicensis
 680.
 Mennæus pater Ptolemæi reguli 751.
 Meno Alexandri comes 529.
 Menodorus Trallianus 649.
 Menodotus Pergamenus 625.
 Menoclius Patrocli pater 425.
 Montes Taphlorum rex 456, 459.
 Menon cf. Macones.
 Meonia (cf. Maconia) 637, 628.
 Mercurius 104, 816.
 Mermodalis fl. in terra Amazonum 503.
 Mermodas fl. in terra Amazonum 504.
 Meron soror Campysis 790. Insula 32,
 771, 786, 821, 822. caput Anthiopiæ
 62, 786, 821, 822....
 Merones i. q. Mysi 550.
 Meropidae 586.
 Merops i. q. Cos 686, 701.
 Merops terra 299.
 Merops Clymenæas conflux 33. Perceus
 581.
 Merus mons Indiæ 687.
 Mesembria opp. Thraciæ 319, 440.
 Mesembriani 319.
 Mesena regio Babyloniacæ 84.
 Meseni Arabes 739.
 Messogis mons Lydiæ 446, 629, 636,
 618—630.
 Mesogites vinum 637, 659.
 Mesopotamia 41, 746—748....
 Messa opp. Laconicæ 364.
 Messæi in Laconia 367.
 Messala 266.
 Messana opp. Siciliæ 253, 266, 268.
 Messani 268.
 Messapia i. q. Iapygia 277, 282, 405.
 Messapii 277, 280, 282.
 Messapum mons prope Anthedonem
 405.
 Messapus Boeotus 405.
 Messæis fons Thessaliæ 432.
 Messena opp. Messeniæ 157, 257, 273,
 279, 358, 361, 389.
 Messenia s. Messena 123, 399—362, 365—
 368....
 Messeniacus sinus 335, 339, 360, 362,
 παραγλιος 362. Messeniaca planities
 361. Messeniacum bellum 257, 278,
 279, 362.
 Messenii 257, 359—362,....
 Messoa pars Spartæ 364.
 Messola opp. Messeniæ 369.

- Metabi herosum 265.
 Metabum i. q. Metapontium 265.
 Metagonium prom. Mauritaniae 170, 827—829.
 Metapontina ager Metapontii 235, 295.
 Metapontium 222, 234, 235, 264, 265, 278.
 Metapontus heros 265.
 Metaurus fl. Umbriae 227, fl. Bruttiorum 250.
 Metellus Q. (Metellus) Pius 162, Balericus 167, 168.
 Methana s. Methona opp. et peninsula prope Troezenem 59, 374, 375.
 Methona opp. Messeniac 350, 359, 431.
 Macedoniac 330, frg. 20, 21, 374, 376, 435, Magnesia 436, Thraciac 436.
 Methydrium opp. Arcadiac 388.
 Methymna opp. Lesbii 426, 440, 616, 618.
 Methymnana ager Methymnac 617.
 Methymnaei 590, 610.
 Metrodorus Scythius 504, 609, 775.
 Lampasacenus Epicuri discipulus 589.
 Metropolis opp. Thessalica 437, 438.
 Magnae Phrygiae 576, 663, Lydiae 632.
 Metropolitae 437.
 Metropolis vinum 637.
 Metroon sedes matris Deorum 646.
 Metulum opp. Iapodem 207, 314.
 Mevania opp. Umbriae 227.
 Micipsa Masinissae f. 829, 832, 833.
 Micythus tyrannus Siculus 253.
 Midalum opp. Phrygiae Epicteti 576.
 Midas rex Phrygiae Magnae 61, 568, 571, 680, nomen Phrygium 304.
 Midea opp. Argolidis 373, Boeotiae ibid.
 Midea opp. Boeotiae 59, 413.
 Milesia ager Mileti 321, 636.
 Mileti 331, frg. 62, 634—636.
 Miletopolites palus in Mysia 578.
 Miletropolis opp. Mysiae 576, 611, 681.
 Miletus opp. Ioniac 141, 554, 573, 577, 611, 632—636, Cretae 479, 573, 634.
 Milo Crotonates 263.
 Milicades Atheniensis 399.
 Milya s. Milyas regio Pisidiac vicina 570, 631, 636.
 Milyae 564, 573, 667, 678.
 Mimallones Baecii familiae 408.
 Mimas mons Ioniac 613, 645.
 Minnermus Colophonis 46, 633, 634, 643.
 Minaea regio Arabiae felices 768.
 Minaei pop. Arabiae 768, 776.
 Mincius fl. Galliae transpadanae 209.
 Minerva 264, Alaicomenis 413.
 Alea 388, Cyrrhestis 751, Ilias 264, 601, Itonia 411, 437, Lindia 655, Ne-
 dustia 309, 487, Pollas 394, 396, Scil-
 luntia 344, Sciras 393, Eius templa.
 Alaicomenis 413, in Athegaeo 22, 147.
 Athenis 395, 396, in insula Geo 369,
 487, in monte Circae 232, Coronae
 411, apud Cossaeos 744, Ephesi 634,
 in vico Ilio 593, in Laconica 360, Lindi
 655, Luceriae 284, Odysseae in Iberia
 157, Sai 892, in Salentinis 281, Scil-
 luntia 344, Sidae 657, in Syria 751,
 Troiae 609, 691.
 Minus fl. Hlaspasiae 153, cf. Harnis.
 Minos opp. Argolidis 367, Cretae 473,
 prom. Megaridis 391, 392.
 Minos rex Cretae 3, 48, 150, 273, 279,
 282, 373, 476, 477, 479, 482, 573, 661,
 762.
 Minotaurus 477.
 Mintha mons prope Pylam 341, pellex
 Pionis ibid.
 Minturnae opp. Latii 233, 237, 238.
 Minyas in Triphylia 337, 338, 347, 374,
 461, 414.
 Minyens s. Minyetus fl. Triphyliae 346,
 347, 352.
 Misenum prom. et portus Campaniae 60,
 234, 242—245, 247.
 Misenus comes Ulixia 26, 245.
 Mithradates dies festus apud Persas 530.
 Mithras deus Persarum 732.
 Mithridates Pergamenus 625, Cistius rex
 Ponti 562, Euergetes rex Ponti 477.
 Eupator rex Ponti 14, 305—312,
 Mithridaticum bellum 398, 497, 544, 561,
 575, 594, 614, 649.
 Mithridaticum arx Galatarum 567.
 Mithrocastes Persa 765.
 Minasiles poeta 412.
 Mnaxyrium opp. Rhodi 653.
 Mnecus deus Aegyptiorum 895, 896.
 Mnecus servi publici Cretensium 542.
 Moagetes tyrannus Cibyrae 631.
 Moaphernes patruus matris Strabonis 499,
 557.
 Moasada castellum Iudaeae 764.
 Moehus Sidenus philosophus 757.
 Modra opp. Phrygiae 543.
 Moeris lacus Aegypti 69, 789, 810—812.
 Moesi pop. Thraciae 293, 296, 393, 542.
 Molo Alabandensis 652, 653.
 Molochath fl. Mauritaniae 827, 829.
 Molotti gens Epirotica 321—324, 325, 328,
 329, frg. 1, 2, 430, 594.
 Molycria opp. Aetoliae 427, 451, 460.
 Μολύκριον ὄριον i. q. Ἀντίρριον 334.
 Momemphis opp. Aegypti 893.
 Momemphitae 603.
 Momemphites pagus in Aegypto 893.

Menarites vinum 538.
 Menetium opp. Ispodum 207, 314.
 Menoecei Herculis sacrum 202.
 Menoecei portus et opp. Liguriae 201, 202.
 Mesapium opp. Thessaliae 441, 443.
 Mesopota I. q. Attica 397, 443.
 Mesopotas Atticae rex 397, 443.
 Μεσσηνία opp. Ciliciae 676.
 Messus Lapitha 443. Mantus f. 443, 642, 668, 676, 678.
 Morena regio Mysiae 574.
 Morgantium opp. Siciliae 257, 270.
 Morigetes ex Italia in Siciliam migrant 257, 270.
 Norimena regio Cappadociae 534, 537, 539.
 Noriment 538.
 Norini pop. Galliae 194, 199, 200.
 Noron opp. Lusitaniae 152.
 Norzeus rex Paphlagoniae 562.
 Noschi 497.
 Noschica regio Colchidis 498, 499. Noschlei montes 61, 492, 497, 521, 527, 548.
 Notes 709—762.
 Nosynoceri pop. Ponti 528, 549.
 Nositones pop. Germaniae 298.
 Nunda caput Turdetanae 141, 160. fl. Lusitaniae 133.
 Nanychia portus Atheniensium 395.
 Nereia 631, 679.
 Naxae 41, 339, 350, 410, 468, 471.
 Naxaeus Thrac 471, 762.
 Naxos Alexandriae 793, 794.
 Nasicani terra 694, 701, 710.
 Naxos opp. Italiae 205, 216, 218.
 Naxos prom. Ioniae 6, 611, 629, 632, 636, 642, 639.
 Naxosensis vicus Boeotiae 404, 406, 410.
 Naxos opp. Argolidis 221, 368, 372, 377.
 Naxosia 371, 372.
 Naxosiae 372, 373.
 Naxos portus Phocidis 409, 433.
 Naxos insula 485, 487.
 Naxos e Thracia in Asiam profecti 295, 329. frg. 11, 331. frg. 36, 564, 575. pop. Mesopotamiae 527, 735, 747.
 Naxos et Naxos pars Mysiae 331. frg. 41, 559, 576, 588. pars Mesopotamiae 747.
 Naxos opp. Siciliae 205, 372.
 Naxos opp. Cariae 558—600.
 Naxosensis 629, 660.
 Naxos ager Myndiorum 538.
 Myndi 567.
 Myndus opp. Cariae 611, 658.
 Myndus rex Lycaoniae 584, 585, 612, 619.
 Myndus insula 435, 618. opp. Ioniae 643.

Μυσοῦ ὄρεος portus Aegypti ad sinum Arabicum 118, 769, 781, 782, 816.
 Myra opp. Lyciae 666.
 Myrcinus opp. Macedoniae 331. frg. 33.
 Myriandrus opp. Syriae 676.
 Myrina Amazon 573, 623. opp. Aegolis 508, 530, 573, 623.
 Myrinae 622.
 Myrica opp. Bithyniae 531, 563.
 Myricani 575.
 Myricas 551.
 Myrmecium opp. Taurorum 310, 494.
 Myrmidones 375, 433. tragoedia Aeschyl 616.
 Myrrineus pagus Atticae 399.
 Myrsilus historicus 69, 610. tyrannus Mytilenae 617.
 Myro statuaris 637.
 Myrsinus opp. Euboeae 341.
 Myrtoem mare 124, 323, 331. frg. 58, 335, 360, 378.
 Myrtostium opp. Euboeae 341. aestuarium prope Leucada 469.
 Myrsellus Achaeus 262, 269, 287.
 Myri pop. Thraciae 6, 205, 256, 298, 300, 303, 305, 317, 318... in Asia 129, 295, 303, 541, 542, 550, 564—566.... οἱ περὶ Ὀλύμπου 568, 571, 574, 575. tragoedia Sophoclis 356.
 Myra 10, 561—563... Abretteia 576.
 Mysia f. Mysiae 616. Mysias deus i. q. Abretteus Iuppiter 574. Boeotus 508. Olympus 574.
 Mytilena opp. Lesbii insulae 440, 617, 618.
 Mytilenae 311. frg. 52, 600, 605, 607, 617, 618.
 Myus opp. Cariae 579, 632, 633, 636.
 Myusi 648, 651.

N.

Nabataea regio Arabiae 777, 783, 784.
 Nabataei pop. Arabiae 760, 767, 777, 779, 780, 783, 801.
 Nabataei pop. Caucasum incolens 566.
 Nabodrosorus Chaldaeus 587.
 Nabataei opp. Baeticae 140, 143.
 Nabataei Chaldaei mathematicus 739.
 Nacolea opp. Phrygiae Epicteti 576.
 Nacidas opp. Ciliciae 670, 682.
 Nades Barchi famulae 468.
 Namolite pop. Aquitaniae 190.
 Nanno Mimnermi poema 633, 634.
 Nantusae gens Alpina 204.
 Napa opp. prope Methymnam 428.
 Napata opp. Aethiopiae 820.
 Napetius sinus 255.
 Nar fl. Umbriae 227, 235.

- Narbo opp. Galliae 165. . . .
 Narbonensis Gallia 177—189. palus
 181. Narbonense litus 190.
 Narcissi monumentum 404.
 Narnia opp. Umbriae 227.
 Naron fl. Dalmatiae 315, 317.
 Nartachium opp. Thessaliae 434.
 Narthecia insula 637.
 Narycus opp. Locrorum Opuntiorum 425.
 Nasamonae gens Africae 131, 836, 838.
 Nasica Cornelius Scipio 315.
 Nalison fl. prope Aquileiam 214.
 Naucis Cœtri f. 633.
 Naucratis opp. Aegypti 801, 803, 808.
 Naucratis 808.
 Naulothus opp. Moesiae 319, 440.
 Naupactus opp. Locrorum Oxolarum 426,
 427, 450.
 Nauplia opp. Argolidis 308, 309, 373.
 Naupliensis 373, 374.
 Nauplius Neptuni f. 398.
 Nauportus opp. Tauriscorum 314.
 Ναύσταθμον Ἰλίου 595, 598, 599.
 Ναύσταθμον portus Cyrenalcae 838.
 Naxi in Sicilia 268, 272, 273.
 Naxos insula 485, 487. opp. Siciliae 267,
 269.
 Νέα κώμη (cf. Enea et Aenea) in agro
 Trolano 603.
 Neaethus fl. Magnae Graeciae 202.
 Neandria opp. Troadis 604.
 Neandriensis 605.
 Neandris 472.
 Neanthas Cyzicenus 45.
 Neapolis opp. Chersonesi Tauricae 312.
 Macedoniae 339. frg. 32. Samlorum in
 ora Ephesiaca 639. Ponti 660. Cartha-
 ginensium 834. ad Syrtim minorem i.
 q. Lepiti 835. Campaniae 23, 26, 134,
 245, 246, 248, 253.
 Neapolitae in Italia 23, 26, 246, 248.
 Nearchus praefectus classis Alexandri M.
 70, 601—693. . .
 Necropolis suburbium Alexandriae 195,
 199.
 Neda fl. Peloponnesi 344, 348, 349, 351,
 360.
 Nedon fl. Laconicae 353, 360. vicus Mes-
 seniae 360.
 Negrana opp. Arabiae 781, 782.
 Neium in insula Ithaca 454.
 Nelcus pater Nestoris 351, 352, 355. Py-
 llus Milleti conditor 633, 635. Cortaci f.
 603. fl. Euboeae 449.
 Nella opp. Magnesiae 426.
 Neidiae 264, 359.
 Nemausus opp. Galliae 178, 179, 186, 187,
 203.
 Nemea fl. prope Corinthum 382. opp. Ar-
 golidis 377. Iudi 377.
 Nemeaeus leo 377.
 Nemesia Rhomusiae 396, 399. Adraetae 588.
 Nemosus caput Avernorum 191.
 Nemus adae Dianae prope Ardicam 239.
 Neocles Epicuri pater 438.
 Νέον τείχος prope Cymam 621.
 Neon opp. Parnasso vicinum 430.
 Nephria castellum Carthaginiensium 834.
 Neoptolemus f. Achillis 326, 421, 436,
 584. imperator Mithridatis 73, 306, 307.
 Parianus glossarum scriptor 599.
 Nepete opp. Etruriae 226.
 Neptunus 343, 374, 384—386, 489, 579,
 601, 639. Argaeus 408. Asphalius 57.
 Heliconius 384, 639. Isthmici 369, 380.
 Samius 343—345. Neptuni sacra et dies
 festi 239, 339, 343, 344, 346, 347, 351,
 363, 369, 373, 374, 380, 384, 386, 405,
 412, 446, 487, 488, 637, 639, 794.
 Neritum mons Ithacae 453, 454.
 Nesilus opp. Leucadis 59, 452, 454.
 Nerium prom. Hispaniae 157, 163.
 Nerosus castellum Cappadociae 537.
 Nervii pop. Germaniae 194.
 Nesaea regio Hyrcaniae 509, 511.
 Nesaui equi 525, 539.
 Nesso Thessalus 444.
 Nessonis palus in Thessalia 436, 440, 441,
 444.
 Nessus Centaurus 427, 451.
 Nestor Nelei f. S. . . . Tarsensis Stoicus
 674. Academicus 675.
 Nestos fl. Thraciae 323, 331, frg. 33, 35
 41, 44, 47.
 Νευσθεν ὄρη in Sicilia 274.
 Nibarus mons Armeniae 527, 531.
 Nicaea caput Bithyniae 134, 564, 565, 587.
 opp. Massiliensium 150, 181. Locridis
 426, 428. Indiae ad Hydaspem 698. Alia
 Antipatri uxor Lysimachi 505.
 Nicander porta 823.
 Nicaetium mons Assyriae 737.
 Nicophorium lucus Pergami 624. opp.
 Mygdonum Mesopotamiae 747.
 Nicias tyrannus Coorum 658.
 Νίκιον κώμη in Aegypto 799.
 Nicolaus Damascenus 719, 720.
 Nicomedes rex Bithyniae 592, 593, 646.
 f. Prusias 624.
 Nicomedia opp. Bithyniae 439, 543, 563,
 587.
 Niconia opp. Tyregetarum 306.
 Nicopolis opp. Epiri 324, 325, 450. Ar-
 meniae minoris 535. Ciliciae 676. Ae-
 gypti 705, 800.
 Nicostrata mater Euandri 239.

- Nigretes s. Nigritae pop. Africae 131, 826, 828.
 Nilus regio Aethiopiae 774. fl. Aegypti 29, 786—790. Nilii canales 38, 780, 788, 804, 803. fontes 696, 780, 819, 826. insulae 817, 819. ostia 1, 2, 29, 30, 85, 128, 688, 780, 788, 801, 802.
 Nisia opp. Dalmatiae 316.
 Nisus rex Assyriae 84, 737. opp. Assyriae 84, 332, 735—737.
 Nioba 353, 571, 580. tragoedia Aeschyli 680. [529.
 Niphates mons Armeniae 522, 523, 527.
 Nisa opp. Bocoliae 403. Megaridis ibid.
 Nissae portus Megarae 334, 373, 391—393.
 Nisibis opp. Myrionum Mesopotamiae 527, 527, 736, 747.
 Nissus pater Scylliae 373, 392.
 Nisyriorum insulae 488, 489.
 Nisyris insula 458, 459, 656, 657. opp. Nisyri insulae 488, 657. Carpathi 489.
 Nitidifrons pop. Aquitaniae 190.
 Nitriotes pagus in Aegypto 803.
 Noarus fl. Illyriae 314, 318.
 Noega opp. Asturum 167.
 Nomades 4, 300—303.
 Notium ora et prom. Chili 625.
 Νότου κέρας prom. Aethiopiae 774. notas ventas 29, 62.
 Novocomenses 213. [213.
 Novum Conuum opp. Galliae cisalpiniae
 Nubae pop. Africae 786, 819.
 Nuceria opp. Umbriae 227. Campaniae 247, 249, 251.
 Numa Pompilius 228, 230.
 Numantia opp. Hispaniae 153, 162, 287.
 Numantini 162, 287.
 Numidae 131, 833.
 Numitor rex Alban Longae 229.
 Nycteus pater Antiochae Hysiarum conditor 404.
 Nymphae 468, 587. Cabirides 472, 473. Ioniades 356. Libethriades 410, 471.
 Nympharum templa et astra 59, 316, 336, 343, 366, 410, 471—473, 751.
 Nymphaeum opp. Chersonesi Tauricae 399. prom. Athenis 330, frg. 32. rupes et vicus apud Apolloniam 346.
 Nysa vicus Bocoliae 403. opp. Cariae 648—650. opp. et mons Indiae 687.
 Nysaei pop. Indiae 687, 688.
 Nysaenses in Caria 649, 650.
 Nysis regio Lydiae 519, 629.
 Nyselum mons Thraciae 687.
- O.**
- Oases in Libya 130, 790, 791, 813
 Obelisci 803, 810.
 Obidiacesi Maotica gens 495.
 Obotas rex Nabataeorum 781.
 Ocalae opp. Bocoliae 410.
 Oceanus 21, 31—35.
 Ocelum opp. Galliae cisalpiniae 179, 247.
 Ocha nomen Euboeae 445. mons Euboeae 445, 446.
 Ochus s. Hactrianae et Hyrcaniae 509—511, 515, 518.
 Ochryoma arx Ialyssi 635.
 Oera mons 202, 207, 211, 214.
 Oetricoli opp. Umbriae 220, 227.
 Octavia soror Augusti 675.
 Odessus opp. Moesia 319, 331, frg. 48.
 Odeum Athenis 396.
 Odius Balizenum dux 550, 551.
 Odontantes pop. Macedoniae 331, frg. 36.
 Odontantis regio Armeniae 528.
 Odrysae pop. Thraciae 331, frg. 48.
 Odrysae s. Mysiae 550, 551.
 Odyssaei poema 149, 256, 328, 461, 380. opp. Tardetaniae 149, 157.
 Oeanthea opp. Locrorum Ozolorum 427.
 Oeason opp. Vaeconum Hispaniae 161.
 Oechalia opp. Euboeae 448. Aetoliae ibid.
 Arradiae postea Andania 339, 350, 360, 448. Thessaliae, Trachiniae 339, 438, 448. ἡ περὶ Τρέκην 448.
 Οἰκαλίης ἀλώσις poema 438, 638.
 Oedanes fl. Indiae 719.
 Oedipus 380.
 Oenaea (sgl. Oenecadae) 450.
 Oenecadae opp. Thessaliae 434.
 Oenomaus pater Deianirae 438, 459, 462, 465, 466.
 Oenidae opp. Aetoliae 458, 459.
 Oenidatrum palus in Aetolia 459.
 Oenoa opp. Atticae 383. Euboeae 338. ca. stellum Corinthiorum 380, 409. opp. insulae Icariae 639.
 Oenoanda opp. Lyciae 631.
 Oenomaus rex Elis 356.
 Oenona uxor Paridis 890. l. q. Aegina 375. duo pagi Atticae ibid.
 Oenoparas fl. Syriae 751.
 Oenotri antiqui Locaniae incolae 253—255, 257, 265.
 Oenotria 209, 254, 268, 277.
 Oenotrici reges 256. Oenotricus populus 255.
 Oenotrides insulae 352, 358.
 Oeta mons 329, frg. 6, 331, 417, 418, 427—430, 442, 450. [450.
 Oetaea regis Thessaliae 417, 430, 432, 434.
 Octaei pop. Graeciae, 416, 449, 490, 613.
 Octaeus hellichorus 418.
 Oetulus opp. Laconiae 369.
 Ogyges ultimus Achaeorum rex 354.

- Ogygia l. q. Boeotia 407.
 Ogyium mons fabulosus 299.
 Ogyria insula maris rubri 705, 767.
 Olana arx Armeniae 329.
 Olbia opp. Ciliciae 672.
 Olbia opp. Massiliensium 185, 184. Pam-
 phyliae 668, 687. ad Boryathenem 360.
 Oleastrum opp. Hispaniae 159.
 Ὀλεβὴν πέτρην in Elide 341, 382, 387.
 αἶψ 387.
 Olonus opp. Achaiae 384, 386—388, Ae-
 toliae 386, 451, 480.
 Olusysa mons Paphlagoniae 502.
 Oliarus una Cycladem 485.
 Olisysus nomen Paphlagonum 553.
 Olizon opp. Magnesiae 436.
 Olmiae prom. sinus Corinthii 380, 409.
 Olmiae l. Boeotiae 407, 411.
 Olonsson opp. Thessaliae 449.
 Olophysis opp. Macedoniae 331, frg. 33, 35.
 Oluris s. Olura opp. Messeniae 350.
 Olympena regio Mysiae 576.
 Olympen 568, 574.
 Olympia 270, 335, 337, 341, 343, 344, 353
 — 357, 367, 378, 389.
 Olympici ludii 261, 262, 353—355, 364.
 Olympicum s. Olympium Athenis 396, 404.
 Olympionicae 262.
 Olympus inventor tibiae 470, 578. opp.
 Lyciae 605, mons et castellum Ciliciae
 671. mons Cypri 682, 683. Pisatidis 336.
 Thessaliae 60, 268, 329, frg. 11, 14—16,
 330, frg. 17, 18, 356, 430, 440—442,
 471, 531. Mysiae 470, 564, 565, 571,
 572, 574, 575.
 Olynthus opp. Macedoniae 121, 329, frg.
 11, 330, frg. 28—30, 408, 447.
 Olysiop opp. Lusitaniae 152.
 Olyssen opp. Cretae 479.
 Omanus deus Persarum 512, 733.
 Omphala Herculis conflux 219. tragoedia
 Ionis 60.
 Omphallo Pisaeus 372.
 Onchesmus portus Epiri 324.
 Onchestus opp. Boeotiae 410, 412.
 Ὀνησιότα ὄρη in Megaride 390, 393.
 Onesicritus rerum scriptor 70, 517, 689—
 695, 698, 699, 701, 705, 707, 715.
 Onesitorum aquae in Aquitania 190.
 Onoba opp. Baeticae 143, 170.
 Onomarchus Phocensium dux 421.
 Ὄρου γνάθος peninsula Laconicae 363,
 364.
 Onthyrium opp. Thessaliae 438.
 Opheliae περίπλους 826.
 Ophienses pop. Aetoliae 451, 465.
 Ὀφιόγενεὶς 688.
 Ophiodorus insulae sinus Arabici 770.
 Ophiussa l. q. Rhodus 653, opp. Tyrega-
 tarum 305. ins. prope Hispaniam 167.
 Ophiolus mons Ponti 565.
 Ophryniun opp. Troadis 505.
 Opici pop. Campaniae 242, 250, 654.
 Opis opp. Assyriae 80, 529, 739, 740.
 Opistholepria pars Ephesi 633.
 Opistomarchus opp. Phocidis 423.
 Optergium opp. Galliae cisalpiniae 214.
 Opicella opp. Cantabriae 157.
 Opunti in Elide 425.
 Opuntiae sinus 416, 425, 426.
 Opus opp. Locrorum 60, 416, 425.
 Orbelus mons Macedoniae 329, frg. 10.
 Orbis l. Galliae 182.
 Orcaorici vices Phrygiae 507, 568, 576.
 Orcheni astronomi Chaldaici 739.
 Orchistesa regio Armeniae 528.
 Orchomena ager Orchomenorum 401, 407
 414, 416.
 Orchomenii 401, 414—416.
 Orchomenus opp. Boeotiae 338, 347, 374,
 407, 411, 414—416, 424. Arcadiae 338,
 388. Euboeae 416.
 Orestae pop. Epiri 236, 434. in Macedo-
 nia 329, frg. 6, 336, frg. 20.
 Orestes 328, 383, 401, 535, 537, 582, tra-
 goedia Euripidis 377.
 Orestia pars Macedoniae 331, frg. 38.
 Orestias regio Epiri 328.
 Orestis regio Macedoniae 329, frg. 6.
 Orestani pop. Hispaniae 159, 162, 166, 162,
 163.
 Orestania 129, 141, 156, 162.
 Orestus opp. Euboeae 60, 445, 446.
 Oria opp. Hispaniae 152, pagus Euboeae
 445.
 Orium opp. Illyriae 316.
 Oris 401, 445. sidus 4.
 Oritae Orei incolae 445. pop. Gedrosiae
 720, 723.
 Orithya 295.
 Ormenium s. Orminium opp. Thessaliae
 432, 436, 438, 442, 530.
 Ormenus s. Ormenides 438, 439.
 Orneae opp. prope Corinthum 376, 382,
 587. vicus Argolidis 376.
 Orneates Priapus 382.
 Ὀρνίθων πόλις in Phoenicia 758.
 Orotis l. Persidis 727, 729.
 Orobil opp. Euboeae 405, 445.
 Orodus rex Parthorum 702.
 Orontes l. Syriae 250, 275, 670, 676, 760
 — 762, 766, 760. vir, a quo fumen no-
 men traxit 759. rex Armeniae 531.
 Oropia ager Oropiorum 391.
 Oropii 399.

Oropus opp. Boeotiae 65, 66, 301, 399, 400, 403, 404.
Orospea mons Hispaniae 161 — 163.
Orpheus Thrac 330, frg. 17, 18, 331, frg. 35, 471.
Orphica sacra 470. *Orphicae artes* 474.
Oritha arx Thessaliae 440.
Orthagoras rerum scriptor 708.
Orthagoria opp. Thraciae 331, frg. 48.
Orthanes dens Atticorum 588.
Orthopellis opp. Macedoniae 331, frg. 36.
Orthosia opp. Syriae 670, 753, 756, 760. Cariae 659.
Orthochus pater Dioclis 367.
Orion portus Frentanorum 242.
Orticonium in Frentanis 242.
Ortopana opp. Paropamisadum 514, 723.
Orygia nutritrix Latonae 639, 640. locus prope Ephesum 639, 640. i. q. Delos 486. insula et pars Syracusarum 23, 59, 270, 271.
Osea opp. Hispaniae 161.
Osci pop. Campaniae 232, 233, 237, 242, 247.
Ostris 803, 807, 809, 814.
Ossa mons Thessaliae 60, 61, 203, 329, frg. 14, 15, 429, 430, 436, 440—443, 531. mons Piontidiae 368.
Osseneha opp. Hispaniae 143.
Ostia opp. Latii 145, 219, 222, 226, 226, 229, 231, 232, 234.
Ostimid pop. Galliae 63, 64, 195.
Othryades Lacedaemonius 376.
Othrys mons Thessaliae 350, 432, 433, 435.
Otreus 556.
Otroea opp. Bithyniae 566.
Otus Cyllenias 456.
Ὀτρεῖος ὄρεος ad Achelei ostia sitae 551, 458, 459.
Oxi rupes in Segdiana 517.
Oxus f. Bactrianae 73, 507, 509, 510, 513, 514, 516 — 518.
Oxyartes pater Roxanae 517.
Oxyathres Daril Codomanni frater 544.
Oxybil pop. Liguria 155, 202.
Oxybilus portus in Liguria 183.
Oxyllas Aetolorum rex 333, 354, 355, 357, 358, 389, 463.
Oxynea opp. Thessaliae 327.
Oxyrynchus opp. et pagus Aegypti 812.

P.

Pachetium bellum 600.
Pachynus prom. Siciliae 106, 123, 134, 265 — 267, 272, 277, 363.
Pacorus Parthorum dux 748, 751.

Pactolus f. Lydiae 654, 591, 625, 626.
Pactya opp. Chersonesi Thraciae 331, frg. 52, 54, 56.
Pactyes mons agri Ephesi 636, 647.
Pados f. Italiae 192, 203, 204, 209, 212 — 217, 242, 287.
Paesones pop. Macedoniae 6, 28, 316, 318, 323, 329, frg. 11, 12, 330, frg. 20, 23, 331, frg. 36, 38.
Paesonia 313, 318, 329, frg. 4, 331, frg. 34, 36, 38, 39, 429.
Paesoni montes 28, 313, 318, 323. populi 316, 323.
Paeseni 559.
Paesus opp. Troadis 589, 635. f. Troadis 589.
Paestanus sinus 251.
Paestum opp. Lucaniae 251.
Pagae s. Pegae opp. Megaridis, 334, 380, 391, 460, 469.
Paganae opp. Magnesia 436.
Pagasticus sinus 330, frg. 32, 436, 438.
Pagrae castellum Syriae 761.
Paladium opp. Chersonesi Tauricae 312.
Palacus Scythia 306, 309.
Palaea opp. Mysiae 614. opp. Cyprae 683.
Παλαιὰ πόλις prior urbs Emperitarum 169.
Palaebyblus opp. Phoeniciae 756.
Palaecephalus opp. Cyprae 683.
Palaecephalus opp. Thessaliae 431, 796.
Palaecephalus rerum scriptor 550 — 552.
Palaeus opp. Acarnaniae 450, 469.
Palaecephalus opp. Troadis 603, 606, 607.
Palaeestina 776.
Palaeus opp. Phoeniciae 758.
Palamedes Nauplii f. 368. tragoedia Euripidis 470.
Palatium collis urbis Romae 224, 226.
Palenaes opp. Cephaleniae 436, 435, 456.
Palibothra s. Palimbothra opp. Indiae 70, 689, 690, 698, 702. [702.
Palibothrus cognomen regum Prasiolorum
Palici in Sicilia 275.
Palinthus sepulchrum Danae in foro Argorum 371.
Palinurus prom. Lucaniae 252, 253.
Pallurus opp. Cyrenalicae 838.
Pallantia opp. Hispaniae 162.
Pallas f. Pandionis 392.
Pallena peninsula Macedoniae 330 frg. 25, 27, 447, 550.
Palma opp. Balearum 167.
Paltus opp. Syriae 728, 735.
Pambocotia 411.
Pamissus f. Nestenae 267, 353, 361 366, 367. f. Laconicae 361. Elidis 330, 344, 361.

- Pamphyli 130, 520, 554, 570, 632, 684, 687, 688, 678, 688.
 Pamphylia 125, 687, 668....
 Pamphylicae urbes 570.
 Pamphylicum mare 121, 125, 126, 571, 685, 681. Pamphylicus παράπλους 687. τρώπος 670.
 Pan 802, 822.
 Panchaia in mari Erythraeo 104, 299.
 Pandarus Lyciorum rex 585, 583, collitur Pinarac 685.
 Pandateria insula 123, 233.
 Pandion Lyci pater 573, rex Indiae 686.
 Pandionidae 392.
 Pandora mater Deucalionis 442, nomen Thessaliae meridionalis ibid.
 Pandosia opp. Brutiorum 256. Thesprotiae 256, 324.
 Panaenus pictor 354.
 Panaeus Rhodius stolicus 650, 655, 676.
 Panhellene 370.
 Panes Baechi comites 70, 470.
 Panem Anaphlystii 398, Alexandriae 705.
 Pangaeum mons Macedoniae 331, frg. 34, 41, 680.
 Panionia 384, 630.
 Paniosicum sacrum 394.
 Paniosium 630.
 Panna opp. Samnii 250.
 Pannonii 297, 292, 313, 314, 317.
 Πανών πόλις opp. Aegypti 813.
 Panopenses 422, 424.
 Panopeus opp. Phocidis 416, 422, 423.
 Panormes opp. Sticillae 266, 272, Ep̄ri 316, 324, portus Ephesi 639.
 Pastaleon Omphalionis f. 392.
 Panticapaenses 74, 494.
 Panticapaeum opp. Chersonesi Tauricae 307, 309—311, 494, 495.
 Panxani pop. Caucasum accolens 506.
 Paphlagoniae 129....
 Paphlagonia 61, 134, 212, 228, 309, 345, 541—544, 552, 553, 562, 563, 568, 574.
 Paphus opp. Cypri 681, 683. Palaepaphus 683, 684.
 Paracheloitae in Thessalia 434. in Aetolia ibid.
 Paracheloitae regio Aetoliae 458, 459.
 Paracanthras mons Mediae 511, 514, 521, 522, 527.
 Paradius opp. Coelesyriae 755.
 Paractaeae s. Paractaeni pop. Mediae 522, 524, 729, 732, 736, 739, 744.
 Paractaena 80, 522, 723, 728, 744.
 Paraetonium portus Marmaricae 40, 708, 709, 803, 814, 838.
 Paralus Clazomenarum conditor 633.
 Parapetamia s. Paropetamii opp. Phocidis 407, 416, 424.
 Parapetamia regio Syriae 753.
 Parasopia regio Boeotiae 404, 408.
 Parasopias in Thessalia 434.
 Parastopli Asopi accolae 408, 409. vicus Thessaliae 382.
 Parati pop. Sardiniae 225.
 Pariana ager Parianorum 589—590, 605.
 Pariani Parii incolae 587, 588.
 Parii pop. Daarum 515. incolae Pari insulae 217, 316, 487, 588.
 Parissades nomen complurium dynastarum Chersonesi Tauricae 309, 310.
 Parisii pop. Galliae 194.
 Parisus s. Pannoniae 313.
 Parium opp. Mysiae 331, frg. 57, 58, 487, 583, 588—590.
 Parma opp. Galliae cisalpiniae 216.
 Parmenides Eleates 94, 95, 252.
 Parmenio 531, 724.
 Parnassii Parnassi incolae 422, 508.
 Parnassus 26, 208, 329, frg. 6, 373, 379, 383, 401, 409, 410, 416—418, 422—425, 428, 429, 430, 430, 475.
 Parnes mons Atticae 399.
 Parri et Aparri pop. Daarum 508, 511, 515.
 Paropamisadae Paropamisti accolae 130, 688, 691, 697, 723—725.
 Paropamisus mons Asiae 511, 514, 689, 697, 723—725.
 Paroraia regio Ep̄ri 325.
 Paroraei pop. Ep̄ri 328.
 Parorbella regio Macedoniae 331, frg. 36.
 Parorentae pop. Triphylliae 345.
 Parrhasii pop. Arcadiae 336, 358, 508.
 Parrhasius pictor Ephesus 642.
 Parri i. q. Parrhasii 508.
 Parthenia i. q. Samus 437, 637.
 Partheniae 278—280.
 Partheniae s. Elidis 357.
 Parthenium mons Arcadiae 376, 389, prom. Chersonesi Tauricae 308, vicus ad Bosperum Cimmericum 308, 310, 494, templum Dianae in Chersoneso Taurica 308.
 Partheniae s. Sami 457. cf. Imbrosus.
 Parthenon templum Minervae 305, 306.
 Parthenopa opp. Campaniae 654. una Sirenum 23, 26, 246.
 Παρθενος i. q. Diana 306.
 Parthica instituta 515. urbs (Ctesipho) 743. Parthici 526. Parthicum foedus 680, bellum Romanos 10, 623, 558, 748. Parthicus imperator (Labienus) 600. Parthici rerum scriptores 118, 655.

- Parthi 10, 514, 515, ...
 Parthia 491, 514, 515, 524, 723, 734, 726.
 Parthini pop. Ilyriacae 328.
 Parthya rex Parthorum 744, 751.
 Parus Cyclophorus una 224, 455, 457, ins.
 Liburnica 124, 315, cf. Pharus.
 Paryadres mons Armeniacae 497, 505, 521,
 527, 528, 547, 548, 555, 558.
 Parysatis 785.
 Passagadae opp. Persidis 717, 728-730.
 Pasiani gens Scythica 511.
 Passigra 729.
 Patala opp. Indiae 701.
 Patalena regio Indiae 516, 590, 592, 593,
 700, 701, 729.
 Patara opp. Lyciae 605, 606.
 Patarus conditor Patavorum 665.
 Patavini equites 108, 213.
 Patavium opp. Galliae cisalpiniae 213,
 218.
 Patiscorense gens Persica 727.
 Patmus Sporadum una 458.
 Patraeus opp. Bospori 494.
 Patrae opp. Achaiae 338, 337, 354-388,
 403.
 Patroclus rerum scriptor 68-70, 74, 503,
 509, 518, 589.
 Patroclus dux Myrmidonum 351, 425, 433,
 584, 596, 620.
 Πατρόκλου χάραξ insula 398.
 Paulus Aemilius Persei victor 322, 331,
 frg. 48.
 Pausanias rex Spartanorum 368.
 Pax Augusta opp. Hispaniae 151.
 Pedallium prom. Cyprae 682.
 Pedasa opp. Cariae 611.
 Pedasia ibid.
 Pedasum opp. Cariae ibid.
 Pedasus opp. Lelugum in Troade 321,
 584, 605, 611, Messoniacae 359, 360, .
 Pegaeus 379.
 Pelium arx Tolistobagiorum 567.
 Pelagones pop. Macedoniacae 327, 331, frg.
 38, 39, 48, 434. Titanes 331, frg. 40.
 Pelagonia pars Macedoniacae 326, 327, 331,
 frg. 38.
 Pelona opp. Messoniacae 369.
 Pelargi l. q. Pelasgi 221, 397.
 Pelasgi 219-221, 226, 247, 321, 327, 328,
 331, frg. 35, 345, 397, 401, 402, 410,
 443, 542, 571, 620, 621, 631.
 Pelasgia Peloponnesus 221, regio Thessa-
 liae 329.
 Pelasgicum pars Athenarum 401.
 Pelasgius Iuppiter 327. Pelasgici campi
 426, 443. Argi 221, 369, 431. Pelas-
 gicum sacrum 402.
 Pelasgiotae l. q. Graeci 371. incolae
 Pelasgiotidis 430, 441.
 Pelasgiotis pars Thessaliae 430, 436, 441.
 Pelepon Asteropaei pater 331, frg. 38, 39.
 Pelicronium in monte Pelio 229.
 Pelicus 425, 432-434.
 Pellados filiae Peliae 45.
 Pelias Iolci rex 43, 45, 436.
 Peligni pop. Italiae 219, 231, 238, 241,
 242.
 Pellinaeum opp. Histiaeotidis 437.
 Pellinaeus mons Chii 645.
 Pellum mons Thessaliae 22, 25, 268, 299,
 329, frg. 15, 428-430, 433, 438, 439,
 441-443.
 Pelia opp. Macedoniacae 320, 323, 330, frg.
 22, 23, 48, 752. Syriacae 752.
 Pellaea regio Macedoniacae 330, frg. 20.
 Pellana opp. Laconicae 388.
 Pellona opp. Achaiae 385, 386. vicus
 Achaiae 386.
 Pellesia pallia 386.
 Πελοπιδης λιμήν in Egiro 334.
 Pelopidae 356, 372, 377, 680.
 Peloponnesiacum bellum 600, 654.
 Peloponnesi 54, 171, 333, 369, 392, 393,
 396, 463.
 Peloponnesus 27, 335-359.... Pelopon-
 nesi figura 83, 92, 335. sinus 838. in
 salae 474. populi 335. situs 336, pro
 monteria 831.
 Pelops 321, 356, 360, 365, 371, 613.
 Pelori sepulcrum 10. turris 171.
 Pelorias prom. Siciliae 22, 23, 257, 285-
 286.
 Peltae opp. Phrygiae 516.
 Pelteus campus in Phrygia 629.
 Pelusiaceum ostium Nili 64, 670, 760, 786,
 788, 791, 801, 802.
 Pelusium opp. Aegypti 35, 38, 50, 58, 85,
 88, 89, 491, 741, 756, 759, 760, 783,
 791, 795, 802-804.
 Penestae servi Thessalorum 542.
 Penelopa 221, 369, 452, 451, 551, 641.
 Pencus s. Peloponnesi 337, 338. Thessa-
 liae 0, 221, 327, 329, frg. 4, 12, 14-16,
 331, frg. 36, 334, 583, 589, 629, 430,
 432, 453, 438-443, 631, 621, 691.
 Pentalicium marmor 398.
 Pentheus filius Agaveae 408.
 Pentheus Orestis f. 402, 447, 582.
 Peperethus insula 124, 436.
 Perocota opp. Mysiae 585, 586, 590.
 Perdiccas 619, 794.
 Pergamena ager Pergami 571, 576, 624.
 Perga opp. Pamphyliacae 667.
 Pergamensis 616, 625.
 Pergamum opp. Mysiae 603, 609, 619,

- 623—625, 680. Bibliotheca Pergami 609, 624.
 Periander Corinthiorum tyrannus 600.
 Pericles Atheniensis 395, 445, 638.
 Perinthus opp. Thraciae 331, frg. 41, 56—58.
 Perisadyes pop. Epiri 326.
 Permessus fl. Boeotiae 407, 411.
 Perperena opp. Mysiae 607.
 Perperna Aristonici victor 646.
 Perriaebi pop. Thraciae 61, 329, frg. 14, 15, 338, 434, 437, 439—442, 446, 450.
 Perriaebis Thessaliae pars 440—442.
 Perriaebicae urbes 329, frg. 14, 16, 440, 441.
 Persae 10, 727—736...
 Persopolis 78, 80, 727—730.
 Perses rex Macedonum 330, frg. 22, 331, frg. 48, stella 134.
 Persica s. Persicum bellum 331, frg. 56, 336, 376, 377, 396, 398, 402, 546.
 Persica regna 223, 728. Persica gaza 694, vestis 525. cantilena 742. classis 443.
 Persicae litterae 301. portae 729. Persici mores 525, 732. dei 512, 559, 732, 733. Persicum litus 728, 739, 765.
 Persicus parasanga 518. sinus s. Persicum mare 42, 765—767.....
 Persis s. Persica 79—81.
 Persusia opp. Etruriae 236.
 Pessinuntis cognomen Ikheae 459.
 Pessinus opp. Phrygiae 543, 567.
 Petalia insula 444.
 Petelia opp. Lecanorum 254.
 Peteon vicus Boeotiae 410.
 Petnelixus opp. Pisidiæ 570, 667.
 Πέρηξ Ναβαταίων opp. Arabiae 767, 776, 779, 781.
 Petraei incolae Petrae 779.
 Petreus legatus Pompeii 161.
 Petrocorii pop. Aquitaniae 190, 191.
 Petronius praefectus Aegypti 788, 819—821.
 Peuca insula Istri 301, 305, 306.
 Peucestii pop. Italiae 211, 277, 281—283, 285.
 Pencini pop. Bastarnarum 305, 306.
 Pencolatis opp. Indiae 698.
 Phabdia opp. Ponti 548.
 Phabra insula Atticae vicina 388.
 Phacusa opp. Aegypti 805.
 Phaeaces 28, 423.
 Phaeo Eleus Socraticus 393.
 Phaedrus dux Atheniensium 446. dialogus Platonis 296, 400.
 Phaestus opp. Cretae 478, 479.
 Phaethosolis f. 215. tragoedia Euripidis 33.
 Phages opp. Macedoniae 331, frg. 33.
 Phagrosiopis opp. Aegypti 895.
 Phagrosiopolites pagus in Aegypto ibid.
 Phalacrum prom. Coreyrae 324.
 Phalanna opp. Thessaliae 440.
 Phalanthus Partheniorum dux 278, 279, 282.
 Phalaris opp. Thessaliae 60, 436.
 Phalastrum opp. Cretae 474, 479.
 Phalces Sicyonis conditor 389.
 Phalerenses pagus Atticae 398.
 Phalerus Atheniensis 583.
 Phanae portus Chili insulae 646.
 Phanagoria opp. Bosporanorum 307, 310, 494, 495.
 Phanaroen regio Ponti 73, 547, 556, 557, 559, 560.
 Phantas Eressius peripateticus 618.
 Phanotenses 497, 423.
 Phanotus opp. Phocidis 407, 423, 424.
 Phara opp. Achalae 388. Messeniae, ibid. cf. Pharae. Charchaginionum 531.
 Pharae vicus agri Tanagrae 405. opp. Thessaliae 503. cf. Pharae.
 Pharasae in Messenia 388.
 Pharbettus pagus in Aegypto 802.
 Pharcadon opp. Thessaliae 438.
 Pharences s. Pharienses in Achala 388—389.
 Pharia insula l. q. Pharus 30.
 Pharis opp. Laconicae 363.
 Pharmacusae insulae prope Salamina 385.
 Pharnaces rex Bosporanorum 493, 498, 506, 545—547, 560, 577, 625.
 Pharnacia opp. Ponti 126, 320, 499, 547—549, 551, 555, 556, 577.
 Pharsalia ager Pharsallorum 430.
 Pharsalii 431, 433.
 Pharsalus opp. Thessaliae, vetus Palaepharsalus 431, 780. nova 356, 431—434, 447.
 Pharus insula Liburnica 124, 315. vicina Alexandriae 30 37, 57, 58, 140, 538, 791, 793, 794, 800, 892. tarris in hac insula 140, 791, 792, 794.
 Pharusii pop. Libyae 131, 826, 828.
 Pharygae opp. Locridis 425. Argolidis ibid.
 Pharygium prom. Phocidis 324.
 Phaziris l. q. Parysatis 785.
 Phaselis opp. Lyciae 666, 667, 671.
 Phasis opp. Colchidis 497, 498, 500, 6.
 Colchidis 45, 82, 91, 92, 258, 259, 497, 498, 500, 529.
 Phaeiticum ostium Nili 501, 802.
 Phauena regio Armeniae 528.
 Phaenitis regio Armeniae 528.
 Phazemon opp. Ponti 550.
 Phazemonitis 550

- Phazemonitis regio Ponti 553, 556, 561.
 Phea s. Pheo opp. Pisatidis 350, 351.
 Phea opp. Pisatidis 342, 343, 348, prom.
 Pisatidis 342, 343.
 Phelias opp. Lyciae 556.
 Phemonoa prima Apollinis Delphici sacerdos 419.
 Pheneus opp. Arcadiae 358, 359.
 Pherae opp. Thessaliae 403, 436, 439, 443, 503, 530. Messeniae 359—361, 367.
 cf. Phara.
 Pheraea opp. Arcadiae 357.
 Pherael 439.
 Pherocydes Syrius 18, 150, 456, 472, 487, 632, 633, 643. Atheniensis 487.
 Phidias statuarius 353, 354, 372, 396.
 Philippus Thessali f. 444, 653.
 Philo Argivus 358, 376.
 Philalia opp. Arcadiae 348.
 Philadelphia opp. Lydiae 579, 628. In-
 daeae 760, 763.
 Philae ins. et opp. Aegypti 40, 803, 818, 820.
 Philaeorum altaria in Libya 171, 836.
 Philaethes pater Alexandri medici 589.
 Philomen Solensis poeta comicus 671.
 Philotaurus frater Dorylai 478, 557. Tia-
 nus 543, 623. Attali f. 624.
 Philotas Coos poeta 168, 364, 657.
 Philippi opp. Macedoniae 331, frg. 34, 41, 43, 674, 797.
 Philippus Amyntae f. 307, Persel
 pater 287, 328, 361, 441, 653. Caricorum
 auctor 682.
 Φίλιππου νῆσος in sinu Arabico 773.
 Philippopolis opp. Macedoniae 331, frg. 36.
 Philistides tyrannus Euboeae 446.
 Philo historicus 77. architectus 395.
 Philochorus rerum scriptor 328, 361, 392, 397, 404.
 Philocteta 254, 272, 432, 436, 443.
 Philodemus Gadarensis Epicureus 759.
 Philogenes Atheniensis Photaeae conditor 633.
 Philomela Procnas soror 423.
 Philomelium opp. Phrygiae 577, 663.
 Philonemus prodit Laconicam Heraclidis
 364, 365.
 Φίλωνος κώμη in Aegypto 805.
 Philopoemen dux Achaearum 383.
 Philotas Priensis conditor 633, 636. f.
 Parmenionis 676, 724.
 Philotera opp. Aegypti. 769. soror Pto-
 lemaei secundi 769.
 Phineas nuptus ab Harypis 302.
 Phinappia opp. Thraciae 319.
 Phlegra l. q. Pallena 330, frg. 25, 27.
 Phlegra et Phlegraeus campus prope
 Cumas 243, 245, 281.
 Phlegyae pop. Thessaliae 336, frg. 14,
 10, 442.
 Phlegyas frater Ixionis 442.
 Philasia ager Philastorum 382.
 Philadia mons Norici 207.
 Philus opp. Argolidis 377, 383, 385.
 Phocaea opp. Ioniae 252, 583, 601, 621,
 626, 631, 633, 647, 663.
 Phocaenenses 170, 252, 621.
 Phocaicae urbes 166.
 Phoenices incolae Phocidis 188, 203, 332,
 336, 402, 405, 407, 416—425.
 Phocidi montes 407, 416. Phocicum bel-
 lum 420. lauretum 60.
 Phocis 321, 334, 379, 390, 401, 409, 416—
 425, 589.
 Φωκῶν νῆσος in sinu Arabico 773,
 776.
 Phoebia l. q. Rhagium 258.
 Phoenicea opp. Epiri 324.
 Phoenices 2, 750—760,
 Phoenicia G, 756—760,
 Phoenicicum mendacium 170.
 Phoenicidum urbes 754.
 Phoenicis opp. Boeotiae l. q. Medeon
 410.
 Phoenicis mons Boeotiae 410.
 Phoenicus mons Lyciae 666. opp. et por-
 tus Marmaricae 790.
 Phoenicussa Liparaeum insula 276.
 Phoenix rex Dolopum 431, 434, 438, 439.
 mons Cariae 651, 652. castellum Cariae
 652. opp. Cretae 476. s. Phthiotidis
 428.
 Pholegandrus una Cycladum 484, 486.
 Pholoa mons Arcadiae 336, 338, 357, 368,
 587.
 Φώλων λιμὴν in Africa 305.
 Phoreneus 471.
 Phoronis carmen 472.
 Phraates nomen regum Parthorum 288,
 702, 748, 749.
 Phranicatus dux Parthorum 781.
 Phricium mons Locridis 583, 621.
 Phriconis l. q. Cuma 582. Larisa 621.
 Phrixa opp. Triphylliae 343.
 Phrixum templum Phrixi 45.
 Phrixus 45, 46, 498, 499, 544.
 Phryges 61, 508—572,
 Phrygia magna 49, 58, 130, 187, 271, 321,
 473, 533, 539, 557, 564, 566—568, 571,
 576, 577, 580, 628—639, 663, 675, 680,
 706. minor s. Hellespontica 129, 543,
 563, 565, 571. s. Epictetus 130, 334,
 543, 563, 564, 566, 567, 571, 576, 628,
 παραφρυγία 569, 575, 577, 663.

- Phrygia dea magna Rhea 469. sacra 469—
471. Phrygiae ubi 471. Phrygiae cam-
pus 629.
Phrygia l. q. res Phrygiae 468.
Phrygius s. Lydiae et Ioniae 576.
Phrynae pop. Indiae 518.
Phrynichus poeta tragicus 635.
Phryno victor Olympicus 599, 600.
Φρύων ὄρος apud Homerum 635.
Phthia Thessaliae pars 383, 431, 432, 434,
438.
Phthia incolae Phthiae 432.
Phthiotae 363, 383, 429, 433, 434, 495.
Phthiotides Thesiae 431, 433.
Phthiotia pars Thessaliae 430, 432, 433,
437.
Phthiotis Achaiae 45.
Phthiophagi pop. Caucasum incolens
492, 497, 499.
Phycus prom. Cyrenalicae 363, 837. opp.
Cyrenalicae 837.
Phyla pagus Atticae 396, 404.
Phylaea opp. Phthiotidis 433, 435. Her-
mopolitica in Aegypto 813. Thebaica
ibid.
Phylarchi principes Arabum 130, 748, 753,
839.
Phyleus Augae f. 459.
Phyllus opp. Thessaliae 435.
φύσσις terrae hiatus in Catacaenumena
628.
Physcus opp. Cariae 632, 639, 653, 667.
Pisus Pelasgorum rex 621.
Picientes pop. Campaniae vicinus 251.
Picientia opp. Picentium 251.
Picientina ager Picens 227, 240—242.
Picentia 251.
Πικρὸν ὕδωρ s. Ciliciae 671.
Pictae diversorium in via Latina 237.
Pictones pop. Galliae 198.
Pierae et Pieriotae pop. Macedoniae 329,
frg. 11, 418, 443, 471.
Pieria s. Pieris regio Macedoniae 329,
frg. 11, 14, 330. frg. 38, 410.
Pieria mons Thraciae 471. regio Syriae
316, 676, 749. mons Syriae 751. Pierium
littus 330, frg. 22.
Pierica urbs (Pydna), 330, frg. 20, 22.
Pimolissena et Pimolistis regio Ponti 553,
581, 562.
Pimpia s. Pimplea opp. Macedoniae 330,
frg. 17, 18, 410, 471.
Pinaca opp. Mesopotamiae 747.
Pinara opp. Lyciae 685.
Pinarus s. Ciliciae 676.
Pindarus poeta 155, 170, 172, 248, 268, 279,
321, 328, 404, 411, 412, 419, 431, 469, 485,
544, 626, 627, 643, 645, 685, 711, 802.
Pindus mons Thessaliae 221, 327, 329,
frg. 6, 14, 15, 428, 430, 434, 437, 438,
440, 442, 449, 450, opp. Locridis 427,
434. s. Locridis 427.
Pionia opp. Lelegum in Mysia 610.
Piraeus portus Athenarum 58, 391, 395,
398, 399, 400, 654. l. q. Anisus 547.
Pirena fons Acrocorinthi 379.
Pirithous Ixionis f. 48, 329, frg. 14, 16,
434, 439.
Pirrossus opp. Mysiae 589.
Pirus s. Achaiae 342, 346.
Pirustae gens Pannonicae 314.
Pisa opp. Euboeae 356. fons ibid. et Pisae
opp. Etruriae 217, 222, 225.
Pisander poeta Rhodius 655, 688. Solio-
rephontis f. 573, 630, 631.
Pisariae in Euboea 222, 338, 347, 343, 353,
355, 362. in Etruria 223, 225.
Pisatis regio Euboeae 337, 339, 341—343,
353—358, 367, 372, 374, 377. regio Etru-
riae 211, 212.
Pisidia 130, 491, 554, 569, 570, 631, 678,
679.
Pisidia terra Asiae 21, 34, 557, 569—571,
576, 577, 611, 631, 668, 668, 671.
Pisidici 34. montes 668. Pisidicus Taurus
565. Pisidica lingua 631. Pisidicae urbes
570, 571, 631.
Pisilis opp. Cariae 651.
Pisistratus Nestoris f. 350, 367. tyrannus
Atheniensium 394, 397.
Pissuri pop. Daorum 511.
Pitana opp. Mysiae 581, 607, 614, 622.
Pitanae incolae Pitanae 611.
Pitanatae in Samio 250.
Pitheculassa s. Pithecussae insulae 54, 57,
60, 123, 247, 248, 258, 626.
Pitheculassae 246.
Pitoniis opp. Lycaniae 508.
Pittacus Mytilenaeus 690, 617.
Pitheus f. Pelopis 374.
Pitya s. Pityea opp. Mysiae 565, 587, 588,
602.
Pityassus opp. Pisidiae 570.
Pityocampes 391.
Pityus pagus Troadis 588. magna, ora
Colchicae pars 496, 407.
Pityussa l. q. Lampascus, Salamis, Chios
q. v.
Pityussae insulae 187.
Pixodarus rex Cariae 636, 657.
Piacentia opp. Galliae cisalpiniae 210—
218.
Piacus mons 614.
Pianasia insula 123, 185.
Pianciae rapae freti Siculi 11, 149, 170.
Pianesia ins. Hispaniae 159.
Platacae opp. Euboeae 382, 402, 406.

- 409, 411, 412, 414. pagus Sicyoniae 412.
 Platanodes prom. Messeniae 348.
 Platanistis litus Ciliciae 609. l. q. Maci-
 tus 345.
 Plato philosophus 102, 200, 200, 301, 400,
 408, 471, 476, 502, 610, 656, 713, 762,
 788, 805.
 Pictas, Pictades sides 601, 602, 724, 824.
 Pictas postarum 675.
 Picturium opp. Indiae 697.
 Picturini pop. Hispaniae 155.
 Pictus pop. Dalmatiae 313, 318.
 Pictus opp. Aetoliae, vetus et nova 450,
 451, 459, 460, 463, 465.
 Picturina Picturinus ager 451, 455, 465.
 Picturini pop. Hispaniae 155.
 Picturina opp. Aegypti 799.
 Pictus d. Phocidis 418.
 Pictaria insula 159.
 Pictades philosophus Tarsensis 675.
 Picta 147, 649.
 Pictoria 244, 579, 629, 636, 649.
 Pictus portus Marmaricae 838.
 Pictoria opp. Piceni 241.
 Pictus opp. Marmaricae 799.
 Picturini heroum 2 4.
 Pictaria opp. Laconicae 360.
 Πικρία πέτρα in Cilicia 670.
 Pictici l. q. Picentii 217, 282.
 Pictaria opp. Cel insulae 486, 487.
 Pictandis l. q. Tanagrae 494.
 Πικραί αι τραγικαί 175.
 Pictaria Alpium pars 205, 207, 208.
 Pictum mons Graeciae 327.
 Pictus portus Troezenis 373.
 Picta opp. Itriae 200, 215, 216, 314.
 Pictus Pharaonis l. rex. Pontis 493, 495,
 496, 550, 556, 558, Laodiceensis Zenonis
 l. 578, philosophus 614. periegetes 15,
 306.
 Pictina opp. Troadis 663, 667.
 Pictum opp. Lucaniae 254.
 Pictaria s. Pictum opp. Troadis 661.
 Pictus Ulixis comes 255. Priami f. 599.
 Pictoria opp. in Balaerium insularum
 maiore 167.
 Pictoria opp. Thraciae 319.
 Pictus mons Eprii 327.
 Pictus historicus 2, 20, 23, 24, 25, 26,
 35, 97, 98, 104—109, 139, 145, 162, 163,
 172, 183, 190, 202, 208, 209, 211, 214,
 222, 242, 261, 270, 285, 287, 313, 317,
 322, 332, 335, 381, 385, 389, 422, 465,
 797, 798.
 Pictus gigas 489.
 Pictus Tenae Oedipum educat 380.
 Pictaria mater Penelopeae 451.
 Pictus historicus 510, 729, 735, 742.
 statuaris 372.
 Pictus Sami tyrannus 637, 638.
 Pictus Trolaeus 599.
 Pictus Lycargi frater 482. rex Scri-
 phorum 487.
 Pictum opp. Troadis 605, 616.
 Pictus musici Colophonius 643.
 Pictus 201, 506.
 Pictus Lapharum rex 439, 441.
 Pictus f. Troadis 602. cf. Heptaporus.
 Pictus in ins. Creta 479.
 Pictus l. q. Praenestis 238.
 Pictus f. Sogdianae 518.
 Pictus tragedia Sophoclis 470.
 Pictus campus in Latia 231, 232.
 Pictus dux Marsorum 241.
 Pictus opp. Campaniae 247.
 Pictus l. q. Pictoria, l. q. Soli
 664, 665, 671.
 Pictus Magnus 161, 555—560.....
 Pictus 111 141, 161, 650. monumenta
 156, 159, 160, 178.
 Pictus Strabo pater Pictus Magni
 213. f. Theophrasti 618.
 Pictus s. Pictus opp. Hispan-
 nae 161.
 Pictus opp. Paphlagoniae 502.
 Pictus insula 123, 233.
 Pictus l. q. Pictus 546.
 Pictus provincia 541, 543, 544, 561. Pon-
 ticum litus 318, 533.
 Pictus 511, 538, 539. reges 547.
 Pictus castorum 163.
 Pictus s. Cappadocia ad Pontum 534,
 539—566, 574, 600, 614, 649, 678, 687,
 688.
 Pictus Euxinus 21, 124—126..... Pont
 Eux. ostium 319, 323, 563. pars dextra
 61, 494, 497. sinistra 320, 440, 540, 680.
 orientalis 548. septentrionalis 294.
 Pictus opp. Etruscae 222, 223, 226.
 Pictus s. Pictus insula 618, 619.
 Pictus cognomen Apollinis 613. men-
 sis ibid.
 Pictus rex Clusinarum 220.
 Pictus Actolorum reges 463, 465.
 Pictus rex Indiae 701.
 Pictus rex Indiae 686, 691, 698, 719, rex
 Gandaridis 690. s. Achaeae 342.
 Pictus prom. et opp. Eprii 324. prom.
 Thessaliae 330. frg. 32. Chli 644, 645.
 Milesiorum 633, 634, 651, 658. Lucaniae
 252. Sami cum templo Neptuni 637.
 Arabiae 776. opp. Syriae 751, 753.
 Pictus in insula Teno 457. opp. Luca-
 nae 251, 252, 373, 397.
 Pictus sinus l. q. Paestanus sinus
 21, 22, 209, 211, 251, 252.

- Posidonium prope Rhegium 257.
 Posidonius stolcus 2, 4, 6, 41, 54, 55, 60,
 94—98, 100, 102, 103, 135, 138, 144,
 147, 151, 157, 163, 165, 170, 172, 173,
 174, 175, 182, 183, 188, 198, 215, 236,
 269, 273, 277, 293—298, 316, 332, 491,
 492, 514, 615, 653, 655, 743, 750, 753,
 765, 767, 764, 784, 789, 796, 803, 827, 830.
 Potamia regio Paphlagoniae 592.
 Potamon Mytilenaeus 617.
 Potamus pagus Atticae 398.
 Potentia opp. Piceni 241.
 Potidea opp. Macedoniae 330, frg. 25,
 27, 28.
 Ποτειδάς Ἰνκροί 409.
 Potelae opp. Boeotiae 409, 412.
 Practus d. Mysiae 563, 586, 590.
 Praeneste 238, 239.
 Praenestina via 237, 238.
 Praenestini 239, 249.
 Pramnac sapientes Indi 718, 719.
 Prasia pagus Atticae 399.
 Prasinae opp. Argolidis 368, 374.
 Prasil pop. Indiae 702, 703, incolae Prasi
 urbis 472, 478.
 Prasia opp. Cretae 475, 478, 479.
 Prasi pop. Galliae 187.
 Praxander conditor Lapathi in Cypro 682.
 Praxiteles statuarius 419, 641.
 Praxiphanes Rhodius 655.
 Premnis opp. Aethiopiae 820.
 Prepesinthus una Cycladum 485.
 Priamon opp. Dalmatarum 315.
 Priamus 552, 573, 584—586, 596, 607, 650,
 Priapena regio Mysiae 587, 589, [581].
 Priapus Bacchi f. 382, 587, opp. Mysiae
 231, frg. 58, 565, 576, 582, 587.
 Priena opp. Ioniae 551, 577, 579, 633, 636.
 Priomentes 384, 639.
 Prion mons prope Ephesum 633.
 Privernum opp. Latii 237.
 Probalinthus opp. Atticae 353, 399.
 Prochyta insula 69, 113, 247, 268.
 Procles Eurysthenis frater 364, 366, 389,
 481, conditor Sami 633.
 Proclidas 366.
 Proena soror Philomelae 423.
 Proconessus ins. Propontidis 331, frg. 56,
 587, 588, 618.
 Proerna opp. Pithiotidis 434.
 Proetides 346, 370.
 Proetus rex Tyrinthi 372.
 Prometheus 133, 505, 688.
 Pronesus opp. Cephaloniae 455.
 Prophastias opp. Drangianae 614, 723.
 Propontis 6, 331, 581—584, ...
 Proschium opp. Aetoliae 541.
 Proserpina 198, 256, 344.
 Prosopites pagus in Aegypto 802.
 Prosymna opp. Argolida 373.
 Protarchus Epicureus 654.
 Proteasileum in Chersoneso Thracia 331,
 frg. 52, 505.
 Proteasileus rex Thessalorum 206, 304,
 432—435.
 Proteus pater Cabirae 37, 39, 150, 472.
 Protogenes pictor 652.
 Prusa opp. Mysiae 563, 564.
 Prusias opp. Bithyniae 563, 564, rex Bi-
 thyniae 563, 564, 624.
 Prusianae incolae Prusadis 551, 556.
 Psammithus rex Aegypti 61, 118, 119,
 770, 785, 801, 802, 804, 820.
 Psaphis vicus Oropiorum 339.
 Psabo lacus Aethiopiae 822.
 Psichis opp. Aethiopiae 820.
 Ψευδοπεννιάς ἄκρα in Syrti maiore
 836.
 Pseudophilippus 331, frg. 48, 624.
 Psyllis d. Bithyniae 543.
 Πύργου λίμνη portas oras Aethiopi-
 cae 774.
 Payli pop. Libyae 131, 588, 814, 838.
 Payra insula prope Chium 645.
 Paytalia ins. prope Salamina 395.
 Pteleasium regio Triphylliae 350.
 Pteleos lacus agri Troiani 596, 595.
 Pteleum mons Epiri 329, frg. 8, opp. Tri-
 phylliae 349, Thessaliae 349, 433, 435.
 Pterelas a Cephalo amatus 452.
 Ptolemaeus in Phoenicia 758.
 Ptolemaeus Lagi 361, 723, 791, 794, 795,
 801, 836. Philadelphus 421, 460, 666,
 769, 770, 789, 795, 801, 815. Euergetes
 795, 836. Philopator 478, 739, 793. Epi-
 phanes 795. Philometor 751, 793. Euer-
 getes secundus a. Physron 98, 99, 101,
 103, 793, 797, 798. Lathurus 793. Au-
 letas 538, 795, 796, 798. Asietas f.
 796. rex Cypru 584. Cocces Parianctus
 794. Ceraunus 623. Menneal f. Ituraeo-
 rum rex 753. Iuba f. rex Numidiae et
 Mauritaniae 838, 831, 840.
 Πτολεμαῖον πόλις in Aegypto 812.
 Ptolemaei reges 118, 563, 684, 789, 791,
 795—797.
 Ptolemais opp. Phoeniciae 134, 758. Pam-
 phylia 667. Cyrenalicae 837. Troglody-
 ticae 133, 768, 770, 778.
 Ptoom mons Boeotiae 413.
 Publius Crassus 176, 646. Claudius Pul-
 cher 654. Servilius Isauricus 568.
 Puteoli opp. Campaniae 245, cf. Dicse-
 archia.
 Pycata 583.

- Pydna opp. Macedoniae 330, arg. 20, 22, 331, arg. 36.
 Pygeia opp. Ioudae 551, 639.
 Pygmaei 35, 37, 42, 70, 299, 711, 921.
 Pylagorae s. Pylagori 420.
 Pylae s. Thermopylae 10, 420, 428, 429, 435.
 Pylaea conventus Amphictyonum 420, 429.
 Pylaeones Eneorum dux 541, 543.
 Pylaeum mons Lesbii 621.
 Pylaeus rex Pelasgorum 621.
 Pylaica concio 426.
 Pylaeus sinus 439.
 Pylena opp. Aetoliae 451, 460.
 Pylla ager Pyllorum 351. Pyllum mare 348.
 Pylli Pyli incolae 222, 264, 344, 348, 350—354, 359, 433.
 Pylon opp. Illyriae 323.
 Pylos pars Elidis Nestoris regnum 336, 337, Nestoris urbs 336, 337, 339, 344, 350—353, 355, 358, 363, 633. Eliaca 339, 351, 352. Triphyliaca s. Lepreatica s. Arcadica 337, 339, 343—345, 348, 350—353, 355, Messeniaca 339, 346, 348, 351—353, 359, 361, 633.
 Pyraechmes Aetolus 357.
 Pyraethrae templa in Cappadocia 733.
 Pyraethri in Cappadocia ibid.
 Pyramides in Aegypto 807—809, 811.
 Pyramus fl. Ciliciae 52, 53, 536, 675, 676, 682.
 Pyrasus opp. Phthiotidis 435.
 Pyrena s. Pyrenaei montes 71, 127—129, 160—162.
 Pyrgi opp. Triphyliacae 348. Etruriae 226.
 Pyrgitae in Triphyliis 348.
 Pyrrhilegethon fl. prope Dicaearchiam 26, 244.
 Pyrrha uxor Deucalionis 425, 432, 443, opp. Thessaliae 432. Ioudae 636. Lesbii 617, 618. insula 435, prom. Thessaliae 435. Mysiae 605.
 Pyrrhaea l. q. Thessalia 443.
 Pyrrhaeorum curia in Lesbo insula 617.
 Pyrrhichus inventor pyrrhichae 467, 480.
 Pyrrho philosophus 393.
 Pyrrhus Achilles f. 326. rex Epiri 258, 280, 287, 320, 376, 381. Neoptolemi fil. 326.
 Πυθαγόρου λαμὴν, βασιλεὺς, ἀλεπτύντων κινήτων 773, 774.
 Pythagoras philosophus 243, 297, 638, 716.
 Pythagorei 10, 292, 263, 297, 384, 468, 762.
 Pythagorea philosophia 280, 295, 716.
 Pythaeidae 404.
 Pythaeas rerum scriptor 63, 64, 71, 75, 162, 164, 114, 115, 136, 148, 158, 190, 201, 298.
 Pythia 419, 762.
 Pythia s. Pythium certamen 260, 419, 421.
 Pythias pompa Athenis Delphos ducta 422.
 Pythicus medus 421.
 Pythium templum Apollinis 404, vicus Atticae 392.
 Pytho opp. Phocidis 220, 374.
 Pythodorus uxor Polemonis regina Ponti 409, 535, 537, 539, 560, 649.
 Pythodorus pater Pythodoridae 535, 649.
 Pytholai promontorium in Aethiopia 774. altaria ibid.
 Python draco 422, 423.
 Pytna pars montis Idae 472.
 Pyxus prom. fl. opp. Lucaniae 253.
- Q.**
- Quadi pop. Germaniae 290.
 Quintus Fabius Maximus Aemilianus 185.
 Quirinalis mons Romae 234.
 Quirinus 569.
 Quirites 228, 230, 231.
- R.**
- Raeti (7) pop. Latii 231.
 Raeti 193, 204, 206, 209, 213, 292, 313.
 Raetia 314.
 Raeticum vinum 206.
 Ravenna 210, 213, 214, 217, 219, 227.
 Rea Silvia Numitoris filia 220.
 Reate opp. Sabrinorum 228. Reatini mull ibid.
 Regisvilla opp. Etruriae 225.
 Remi pop. Galliae 194.
 Remus Romuli frater 220, 230.
 Rhacotis pars Alexandriae 792, 802.
 Rhadamanthus legumator 476, 482. frater Minos 3, 150, 423, 476, 573. tragoedia Euripidis 366.
 Rhadina carmen Stenichori 347.
 Rhaga s. Rhagae opp. Mediae 60, 514, 524, 525.
 Rhamanidae pop. Arabiae 782.
 Rhammael pop. Syriae 753.
 Rhamis Uromirti filia 292.
 Rhamnus opp. Atticae 396, 399.
 Rhaphia opp. Iudaeae 759.
 Rhaethenus pater Demetrii 548.
 Rhatotes nomen Paphlagonum 563.
 Rhauraris (Auraris) fl. Galliae 182.
 Rhea mater Deorum 368, 468—470, 472.

(cf. Agdistis, Cybeba, Cybela, Dindymena, Idaea, Peassimonia, Phrygia magna Dea. Sipylea 469, 470).
 Rhecas (Crecas) Dioscurorum auriga 496.
 Rhegnae ager Rheginus 60, 123, 211, 258, 260.
 Rhegini 171, 257, 260, 261, 265, 268.
 Rhegium opp. Bruttiorum 253, 257, 263, 260, 268, 283. Galliae transpadanae 213.
 Lepidum opp. Galliae cispadanae 216.
 Rhegma ad ostia Cydal 672.
 Rhenea ins. Delo vicina 486.
 Rhenus 128, 191—196, 199, 204, 206—208, 213, 289—291, 294, 312, 313, 839. Rheni fontes 177, 192, 204, 213, 292. ostia 63, 177, 193, 194, 199, 204.
 Rhesus rex Thraciae 331, frg. 35, 590. f. Troadis 554, 593, 590, 602.
 Rhiginia f. Thraciae 331, frg. 49.
 Rhinocolura s. Rhinocutura opp. Phoeniciae 741, 759, 781.
 Rhipa opp. Arcadiae 388.
 Rhipaci montes 295, 299.
 Rhium prom. Achatae 335, 336, 387, 390. opp. Messeniae 350, 361.
 Rhizaeorum sinus in ora Illyrica 316.
 Rhizon opp. orae Illyricae 316.
 Rhizonicus sinus in ora Illyrica 314, 316.
 Rhizophagi pop. Aethiopiae 771.
 Rhizus opp. Thessaliae 436, 443.
 Rheo opp. Galliae 180.
 Rhodanus f. Galliae 165, 177, 180, 181, 183—186, 189, 191—193, 203, 204, 208, 271.
 Rhodaspe f. Phraatis 748.
 Rhodia ins. Rhodiorum 67, 106, 115, 116, 118, 119, 123, 134, 624, 673. Rhodiorum ager in Caria 631, 673, 681.
 'Ροδιακὸν κλίμα 119.
 Rhodii 57, 682—685. 'Ροδίων πε-
 ραία 490, 631, 681, 683, 684, 686, 673, 677, 681.
 Rhodius f. Troadis 554, 595, 603.
 Rhodopa opp. Hispaniae 160. mons Thraciae 208, 313, 329, frg. 10, 331, frg. 35, 37.
 Rhodus insula 26, 70, 79, 85, 87, 93, 103, 114, 652—655. opp. 278, 295, 575, 603, 652—654. opp. Hispaniae 654.
 Rhodopis meretrix 808.
 Rhoduntia arx vicina Thermopylis 428.
 Rhoetaces f. Albaniae 500.
 Rhoeteenses 595.
 Rhoeteum opp. Troadis 595, 597, 601, 602.
 Rhoites f. Troadis 602.
 Rhombites maior sinus Maeotidis 493. minor ibid.
 Rhosus f. Syriae 676, 781.

Rhoxana coniux Alexandri 517, 744.
 Rhoxolani gens Scythica 114, 294, 305, 307, 309.
 Rhocandii pop. Ractorum 206.
 Rhyedacus f. Mysiae 550, 575, 576.
 Rhyppes opp. Achatae 385, 387.
 Rhyppis ager Rhyppensium 385, 387.
 Rhytia mater Corybantum 472.
 Rhytium opp. Cretae 479.
 Roma 134, 234—236.
 Romani 2, 229, 230.
 Romulus, 229—431.
 Rubico f. Italiae 217, 227.
 Rubrum mare 32. Rubri maris sinus 50, 56.
 Rudiae opp. Calabriae 281, 282.
 Ruscino opp. Galliae 182. f. Galliae ibid.
 Ruspium opp. Nemidiae 831.
 Ruteni pop. Aquitaniae 101.
 Rutuli pop. Latii 228, 229, 231, 232.

S.

Saba portus sinus Arabici 770.
 Sabae opp. Troglodyticae 771.
 Sabael pop. Arabiae felicitis 768, 778, 780.
 Sabata palus in Etruria 226. opp. Arabiae 768.
 Sabata s. Sabaton Vada opp. Liguria 201, 202, 216, 217.
 Sabazia sacra 471.
 Sabazius deus Phrygum 470.
 Sabelli Samnites 250.
 Sabini pop. Italiae 218—220, 228, 230, 250, 287.
 Sahinus ager 219, 228, 237, 240.
 Sabus rex Arabiae 781. rex Indiae 701.
 Sacae gens Scythica 503, 507, 511—514.
 Sacra dies festus apud Persas 512.
 Sacrauli gens Scythica 511.
 Sacasena regio Armeniae 73, 509, 511, 529.
 Sacropodes l. q. Adiabeni 743.
 Sacrum ('Ιερὸν) Byzantium, Chalcedoniorum 319, 546, 548.
 Sadacora opp. Cappadociae 683.
 Sadracae regia Daril prope Arbela 738.
 Saetabis opp. Hispaniae 160.
 Sagalaenses 576.
 Sagalaesus opp. Pisidiae 569, 570, 631.
 Sagapeni pop. Assyriae 745.
 Sagra f. Bruttiorum 201, 262.
 Sagra f. Italiae 242.
 Saguntum opp. Hispaniae 159, 160, 167.
 Sagyllum arx Ponti 560, 581.
 Sali pop. Thraciae 457, 549.
 Sais opp. Aegypti 802, 803.
 Saltae 812.

- Salticum setum Nilii 802.
 Salticus pagus in Aegypto 891.
 Salaminiacus sinus 335.
 Salamini 394.
 Salamiselas caesus 395.
 Salamis opp. Cypri 652. insula (antea Cy-
 chera, Sciras, Pityussa) 124, 375, 377,
 393—395, 398, 424. opp. insulae 393.
 Salapia opp. Apuliae 283, 284.
 Salaria via 228.
 Salas fl. Germaniae 291.
 Salasti pop. Galliae cisalpiniae 203—205.
 208—210.
 Saldas portus Mauritaniae 831.
 Salentini pop. Iapygiae 377, 281.
 Salentinus ager 277, 281, 282.
 Salernum opp. Campaniae 251.
 Salgneus Boeotus 10, 403. opp. Boeotiae
 400, 403.
 Salmacis fons prope Halicarnassum 656.
 Salmona opp. Pisatidis 365. fons Enipet
 ibid.
 Salmonius rex Etruriae 356, 357.
 Salmonium s. Samonium prom. Cretae
 106, 472, 474, 475, 478, 489.
 Salmydessus opp. et ora Thraciae 50, 52,
 315, 541.
 Saloma soror Nereidis 705.
 Salom opp. Dalmatarum 315. Bithyniae 565.
 Saloniensis caesus 565.
 Saltetiae pop. Lusitaniae 144.
 Salyes pop. Galliae transalpiniae 178, 180,
 181, 184—188, 203.
 Sama opp. Cephaloniae 453, 455, 456.
 Samaei in Cephalonia 453.
 Samaria opp. Iudaeae 760.
 Samaritana opp. Hyrcaniae 508. [639.
 Samia l. q. Samus 636. [639.
 Samicae induciae 343. Samicum fretum
 Samicum arx Triphylliae 343, 344, 345, 347,
 349, 351. planities Triphylliae 347.
 Samii incolae Sami 457, 458, 637—639.
 Samnites 219, 249—251. Samnitium
 feminae in insula Galliae 198.
 Samniti montes 219.
 Samnium 242, 249, 251, 253.
 Samonium campus Troadis 472. prom.
 Cretae cf. Salmonium.
 Samosata opp. Syriae 664, 749.
 Samothracia insula 28, 124, 198, 331, frg.
 48, 50, 51, 338, 457, 472.
 Samothracae 331, frg. 48, 456.
 Samoliceranus princeps Emiscenorum 753.
 Samus ins. maris Icarii 124, 333, 347, 457,
 458, 554, 636—639, 821. opp. insulae
 Sami 458, 633, 637. opp. Triphylliae 346,
 347. et Sama l. q. Cephalonia et opp.
 huius insulae 453, 455—457. Thracia l.
 q. Samothracia 457.
 Sana opp. Palleniae 330, frg. 27.
 Sanaus opp. Phrygiae 576.
 Sandalium arx Pisidiae 596.
 Sandobanes fl. Albaniae 590.
 Sardon pater Athenodori 674.
 Sarcocottus rex Prasilorum 10, 702, 709,
 724, 752.
 Sangarius fl. Bithyniae 543, 563, 567
 Sangia vicus Phrygiae 543.
 Saniensis regio Paphlagoniae 562.
 Sanni pop. Ponti 543.
 Santones pop. Galliae 190, 208.
 Sarcodarius, pater Castoris, princeps Ga-
 litarum 568.
 Sapae s. Sapaesi pop. Thraciae 331, frg.
 44, 48, 457, 549, 556.
 Sapis fl. Galliae cisalpiniae 217.
 Sappho 40, 492, 615, 617, 618, 808.
 Σαρπη λίμνη ad Chersonesum Tauri
 cum 308, in Troade 614.
 Saramena regio Ponti 547.
 Sarastus rex Indiae 516.
 Sarapana castellum Colchidis 498, 500.
 Saraparae pop. ultra Armeniam habitans
 531.
 Sarapis deus Aegyptiorum 801, 803.
 Sarapion templum Sarapidis 795, 807.
 Saravena praefectura Cappadociae 534.
 Sardanapallus rex Assyriae 671, 672, 737.
 Sardes opp. Lydiae 61, 578, 624—627, 648.
 Sardiana ager Sardiniae 628.
 Sardinianus campus 628.
 Sardiola insula 106, 117, 123, 145, 222—
 223, 802, 840.
 Sardoum s. Sardonium mare 60, 54, 105,
 106, 122, 218.
 Sardous sinus 144.
 Sarparasena praefectura Cappadociae 534,
 537.
 Sarisa opp. Gordyena 747.
 Sarinatae 114, 128, 129, 294, 296, 302,
 306, 309, 312, 492, 497, 498, 500, 507,
 508. [553.
 Sarnica fl. Hyrcaniae 511. [553.
 Sarnus fl. Campaniae 247.
 Saronium mare 124, 335, 369.
 Saronicus sinus 335, 369, 374, 380.
 Sarpodon prom. Ciliciae 627, 670, 682.
 Thraciae 331, frg. 52. frater Minois Mi-
 leti conditor 573, 634, 667. Syrorum dux
 758.
 Sarsina opp. Umbriae 227.
 Sarus fl. Cappadociae et Ciliciae 535.
 Saxon insula 281.
 Satalca opp. Mesopotamiae 747.
 Satnioes fl. Troadis 321, 605, 606.
 Saturnus 498, 472, 654.
 Satyri 466, 468—470.
 Satyrium prope Tarentum 279.

- Satyrus a Protogene pictus 652. rex Bospori 361, 310, 494. urbis Philoterac conditor 769.
 Saus s. Savas f. Norici et Pannoniae 207, 314.
 Scenae portae in urbe Troia 530.
 Scaei Thraeces quidam 530.
 Σκαίων τείχος et Σκαίος ποταμός in Troade 530.
 Scamander fl. Troadis 58, 595, 597 — 599, 602, Siciliac 608.
 Scamandrius Hectoris f. 607, 608, 680, 681.
 Scamandrius campos 597, 598.
 Scandarium prom. insulae Co 657.
 Scardi opp. orae Illyricae 315.
 Scardus mons Macedoniac 329, frg. 16.
 Scarpha opp. Boeotiac 408. s. Scarphica opp. Locrorum Epicaemidiorum 60, 426.
 Scarphianus 426.
 Searthos fl. (7) 537.
 Scaurus viam Aemiliam sterilit 217.
 Scenae opp. Mesopotamiae 748.
 Secutiae in Arabia, Mesopotamia, Syria, alibi 39, 130, 288, 492, 515, 735, 730, 747 — 749, 753, 765, 767, 776.
 Scopia ager Scepsatorum, 472, 473, 597, 606.
 Scepsii 504, 597, 607, 608.
 Scepsia opp. Troadis 552, 607 — 609, 635.
 Scepsuchiae s. Scepsuchi apud Mactas 406, 408.
 Schedia opp. Aegypti 800, 801, 803.
 Schedicum sepulcrum Schedii 424.
 Scheria i. q. Corcyra 44, 209, 209.
 Schoenus opp. Boeotiac 468, f. Boeotiac ibid. portus Corinthi 369, 380, 391, planities Hispaniae 160.
 Sciathus las. Magnesia vicina 436.
 Scillus opp. Triphylicae, 343.
 Scilurus rex Scytharum 306, 309, 312.
 Sciona opp. Pallena 330, frg. 27.
 Scipio contra Caesarem pugnat 828, 831. Aemilianus 609, 832. Africanus 150, 243. Galus Comum colonos deducit 213.
 Scira vicus Atticac 393.
 Sciras i. q. Salamis 393.
 Sciron a Theseo interfectus 391.
 Scirones i. q. Zephyri, Argentei 28, 391.
 Scironides rupes in Megaride 28, 380, 391, 393.
 Scrophorion mensis 393.
 Scollis mons Eliidis 340, 341, 387.
 Scollum in Elide 339.
 Scolus opp. Boeotiac 408, 409.
 Scombraria las. Hispaniae vicina 159.
 Scopas statuarius 694, 640, 695.
 Scordisci s. Scordisci Galatae pop. Istrum incolens 293, 295, 313 — 315, 417, 318.
 Scordistae i. q. Scordisci 296.
 Scotussa opp. Pelasgiidis 329, frg. 1, 331, frg. 36, 441.
 Scultanna f. Galliae cisalpinac 218.
 Scydices mons Armeniac 497, 537, 548.
 Scylacium opp. Bruttiorum 261.
 Seytax Caryandensis 566, 583, 658, f. Ponti 547.
 Seylla monstrum 21, 22, 24 — 26. filia Nisi 373.
 Scyllaeum prom. et portus Italiae 20, 21, 23 — 25, 256, 257. prom. Argolidis 368, 373, 484.
 Scylleticus sinus 254, 255, 261.
 Scyllium i. q. Scylliarum 261.
 Scyrus lapis 437. Scyrus caprae ibid.
 Scyrus insula 124, 421, 436, 437.
 Scythae 4, 300 — 305...
 Scythia 7, 34, extrema 7, 119, 490, deserti 737, minor s. Taurica 311, 318, 535.
 Scythici populi 165, 313, 511, 518, 743...
 Scythicus exercitus 743, arcus 126.
 Scythica consuetudo 239, 503, 515, 517.
 Scythopolis opp. Gallitac 763.
 Sebastia opp. Ponti 557. i. q. Samaria 760.
 Sebennytica urbs in Aegypto 892.
 Sebennyticum ostium Nili 801, 802.
 Sebennyticus pagus in Aegypto 802.
 Segesana opp. Vaccasorum 102.
 Segestes pater Segimuntii 291, 292.
 Segestica opp. Pannoniac 297, 313, 314, 318.
 Segida opp. Arevacorum 162.
 Segimeras Cheruscorum princeps 292.
 Segimuntius princeps Cheruscorum 291.
 Segobriga opp. Celtiberorum 162.
 Segusiani pop. Galliae 186, 192.
 Selena cognomen Cleopatrae 743.
 Seleaceus Ciliciae 670. Assyriae 743, 744. Syriac 751.
 Seleucia opp. Nisibianae 744. Assyriae 521, 522, 529, 738, 739, 743, 746, 748, 750. Syriac 316, 670, 750, 751, castellum Mesopotamiae 749. opp. Ciliciae 670.
 Seleucus para Syriac 749, 750, 753, 756.
 Seleucus Babylonius 6, 174, 733. Nicator rex Syriac 524, 578, 623, 624, 693, 686, 724, 738, 749, 750, 772. Callinicus rex Syriac 513, 750, 754.
 Selga opp. Pisidia 570, 571.
 Seligenae 539 — 571.
 Seligi montes 571. Selgica iris ibid.
 Selinuntiae aquae in Sicilia 275.
 Selinuntius Apollo colitur Orchidis 465.
 Selinus opp. Siciliac 272. Ciliciae 669, 682. f. Siciliac 387, 834, prope Ephesum 387, f. Eliidis Achaiae ibid.
 Selinusiac lacus prope Ephesum 642.

- Sellaia f. prope Sicyonem 338. f. Elidis 328, 328, 330. Troadis 590.
 Selli pop. Epiri 28, 328.
 Selurus iatro 273.
 Selybria opp. Thraciae, 319, 331, frg. 56.
 Sombrias Aegypti a Paamiticho in exsilium acti 770, 786.
 Semiramia Nini conflux 80, 84, 529, 537, 550, 646, 687, 723, 737.
 Semones pop. Germaniae 290.
 Sena opp. Umbriae 227.
 Senones pop. Galliae 194. pop. Italiae 195, 212, 216.
 Sentinum opp. Umbriae 227.
 Sepias prom. et ora Thessaliae 330, frg. 33, 443. opp. Magnesia 436.
 Septem fratrum monumenta in Mauritania 627, miracula 652, 656, 738. putei in Arabia 782.
 Septempeda opp. Piceni 241.
 Sequana f. Galliae 189, 192—195, 199.
 Sequani pop. Galliae 186, 192, 193, 195, 206, 208.
 Seraspadanes f. Phraatis 748.
 Seres pop. Indiae 761, 762.
 Serica tela 693.
 Serruntia opp. Celtiberiae 102.
 Seriphi 487.
 Seriphus una Cyrenarum 455, 487.
 Serphium prom. Thraciae 331, frg. 48.
 Sertorius 158, 159, 161, 162, 287, 829.
 Servillus Inauricus 568, 665, 671.
 Servus rex Romanorum 234.
 Sexamus opp. Paphlagoniae 544.
 Sezarethi pop. Epiri 226.
 Sesthacus dux Cheruscorum 292.
 Sesostris rex Aegypti 38, 61, 656, 769, 770, 190, 804.
 Σηστρίς ἄναξ prom. Chersonesi Thraciae 331, frg. 53.
 Sestus opp. Chersonesi Thraciae 108, 124, 331, frg. 52, 56, 581, 584, 590, 591.
 Sethroites pagus in Aegypto 804.
 Setia opp. Latii 231, 237.
 Setinus ager 231, sinus 234. Setinum vinum 234, 237.
 Setium prom. Galliae Narbonensis 181.
 Senthos rex Odrysarum 331, frg. 48.
 Seumora opp. Iberiae Caucasiae 501.
 Sextiae aquae prope Massiliam 178, 180.
 Sextus victor Salyum 180.
 Sextus Pompeius 141, 161, 243, 253, 250, 268, 270.
 Sibae pop. Indiae 688, 761.
 Sibini pop. Germaniae 290.
 Sibylla Erythraea 587, 645, 813, 814.
 Sicani pop. Siciliae 270.
 Sicellotae f. 257, 270, 420.
 Sicilia 21—23, 265—275....
 Sicinus ins. apud Creiam 484.
 Siculae urbes 243. Siculum bellum 268. fretum 25, 43, 54, 55, 67, 93, 118, 119, 122, 128, 149, 209—211, 242, 264, 267, 378. litus 255. mare 23, 50, 55, 123, 124, 211, 233, 255, 267, 267, 323, 334, 335.
 Siculi f. 257, 270, 420.
 Sicyon opp. Peloponnesi 271, 335, 338, 372, 376, 382, 385, 389, 411, 418.
 Sicyonia 271, 335, 379, 392, 408, 412.
 Sicyonii 381, 382.
 Sida opp. Ponti 548. Pamphyliacae 570, 664, 667, 682.
 Sidena regio Ponti 52, 126, 547, 548, 556. opp. et regio Mysiae 587, 601.
 Sidetani in Hispania 162, 163.
 Sidicini pop. Italiae 237.
 Sidicium cf. Teanum.
 Sidon opp. Phoeniciae 40, 58, 134, 753—758.
 Sidones pop. Bactrianarum 306.
 Sidonia ins. ad oram Aegypti 790.
 Sidoni incolae Sidonis urbis 2, 30, 38, 40—42, 757, 758, 784.
 Siga opp. Maesyliorum 820.
 Sigeum promontorium Troadis 593, 604. opp. Troadis 331. frg. 52, 58, 595—602.
 Σιγῆλου μνημα̃ς tumulus Narcissi 404.
 Sigertis rex Indiae 516.
 Siga locus in quo Alexandria Troas condita est 604.
 Siginii pop. mare Caspium accolens 520.
 Signa opp. Latii 237.
 Signinum vinum 237.
 Sigrana regio Mediae 525.
 Sigrum prom. Lesbi 331, frg. 58, 616—618.
 Silaceni pop. Assyriae 745.
 Silanus rerum scriptor 172.
 Silaris f. Campaniae 251, 252, 255.
 Silas silva Brutiorum 261. f. Indiae 763.
 Sileni famuli Bacchi 466, 468.
 Silenus 470.
 Silli pop. Aethiopiae 772.
 Silphioferus regio vicina Cyrenalcae 133, 837, 830.
 Silta in Thracia 331, frg. 56.
 Silvium opp. Peuceolorum 283.
 Simmas Rhodius grammaticus 364, 655.
 Simoes f. Troadis 595, 597—599, 601. Siciliae 608.
 Simoisius campus in Troade 597.
 Simonides Coes 441, 450, 711. Amorgius 487, 728.
 Simuntis cognomen Troiae 387.
 Simus Coos medicus 657. poeta lyricus 648.
 Simyra opp. Syriae 753.
 Sinda opp. Pisidiae 570, 630.
 Sindii gens Nacotica 493.

- Sindica regio ad Bosporem Cimmericum
 sita 311, 492, 495, 555.
 Sindicum mare 492. Sindicus portus 495.
 Sindomana opp. Indiae 701.
 Singiticus sinus in Macedonia 330, frg.
 31, 32, 331, frg. 33.
 Singus opp. Macedoniae 330, frg. 31.
 Sinnaca opp. Mygdonum in Babylonia 747.
 Sinnas rex Libani adiacens 755.
 Sinope opp. Ponti 46, 68, 73, 74, 134,
 320, 477, 495, 498, 534, 545, 547, 553,
 654, 677, 678.
 Sinopenses 544, 545.
 Sinopica terra 144, 540, 562. rubrica 540.
 Sinopia et Sinopitis ager Sinopensis 540.
 Sinoria castellum Armeniae 555. [561].
 Sinotium opp. Dalmatarum 315.
 Sintae pop. Libyae 131.
 Steti (Sinties) pop. Thraciae 331, frg. 30,
 46, 457, 549.
 Sinnessa opp. Latii 219, 231, 233, 234,
 237, 242, 243, 283.
 Siphnius astragalus 484.
 Siphnus insula 484.
 Sipus opp. Apolliae 284.
 Sipylus cognomen Rheae 609.
 Sipylus mons Lydiae 58, 571, 579, 621,
 669. opp. Lydiae 58, 571.
 Siracena Siracum terra 604.
 Siraces et Siraci pop. Caucasum accolens
 492, 500.
 Sirbis fl. Lyciae (Xanthus) 655.
 Sirbonis s. Sirbonitis palus in Aegypto 50,
 760, 763, 809.
 Sirenes 22, 23, 25, 245, 252.
 Sirenessae s. Sirenessarum promontorium
 in Campania 22, 23, 25, 247, 251, 252, 258.
 Siris fl. Lucaniae 254.
 Siritia regio et opp. Lucaniae 255, 264, 265.
 Sirmium opp. Pannoniae 114.
 Sisapo opp. Hispaniae 142.
 Siacia opp. Pannoniae 314.
 Sisimithris rupes in Bactriana 517.
 Sisines Cappadocum princeps 537.
 Sisis pater Antipatri 555.
 Sisyphum in Acrocorintho 379.
 Sisyra Amazon 633.
 Sisyritae Ephesiorum pars 633.
 Sitacena regio Babyloniae 524, 732, 739,
 744, cf. Apolloniatis.
 Sitaceni gens Maenotica 495.
 Sithones pop. Macedoniae 329, frg. 11.
 Smilnthia prope Hamaxitum in agro Pa-
 riano, Rhodi, Lindi alibi 605.
 Smintium templum Apollinis prope Ha-
 maxitum 473, 601.
 Smyrna opp. Ioniae 505, 550, 554, 589,
 632—634, 645, 663. pars Ephesi 633.
 Amazon 633.
 Smyrnaei 621, 633, 634, 646.
 Smyrnaeorum sinus 645, 646.
 Smyrnaeum vinum 637.
 Soandus opp. Cappadociae 663.
 Soanes pop. Caucaso vicinus 497, 499.
 Soatra opp. Lycaoniae 508.
 Socrates Atheniensis 295, 403, 716.
 Socratici philosophi 393, 609.
 Soelma opp. Iudaeae 764.
 Sogdiana 73, 511, 517, 518.
 Sogdiani s. Sogdii 72, 129, 511, 513, 514,
 517, 724.
 Sol deus 22, 472, 652, 805.
 Soli opp. Ciliciae 388, 687, 610, 663—665,
 668, 669, 671, 675, 678. opp. Cypri 683.
 Solmissus mons prope Ephesum 639.
 Solota opp. Elymaeorum 744.
 Solon Atheniensis 102, 394.
 Solyra montes Lyciae 656.
 Solymi pop. Lyciae 6 21 34 554 573,
 630, 631, 667, 678, 680.
 Solyms mons Pisidiae 639.
 Sophena regio Armeniae 621, 622, 627,
 628, 635, 655, 663.
 Sopheni 530, 632, 535.
 Sopheni rex Sophenorum 535 (cf. 532).
 Sophocles poeta 27, 271, 295, 355, 364,
 370, 392, 393, 433, 458, 470, 473, 686,
 638, 643, 675, 687.
 Sophites rex Isodorum 609, 709.
 Nora opp. Latii 228.
 Soracte mons Latii 226.
 Sosicrates scriptor 474.
 Sosinatti pop. Sardiniae 225.
 Sostratus architectus Cnidiae 791. gram-
 maticus Nysaeus 650.
 Sostrades 345. poeta 645.
 Σωτήρας λιμὴν in sinu Arabico 770.
 Σωτήρης cognomen Diocuratorum 232.
 Spadinea rex Aorsorum 506.
 Sparta 183, 343, 359, 359, 362—365, 368,
 370, 377, 446, 481. cf. Lacedaemon.
 Spartiatas 257, 385, 386, 481, 482.
 Sparta palus in Media 513.
 Sperchius fl. Thessaliae 60, 373, 428, 429,
 432, 435.
 Spermothagi pop. Aethiopiae 771.
 Sphagia s. Sphacteria insula 348, 359.
 Sphettus opp. Atticae 397.
 Spina opp. Galliae cisalpiniae 214.
 Spinthae 214, 421.
 Spitamenes Persa 513, 518.
 Spoletum opp. Umbriae 227.
 Sporades insulae 124, 474, 483, 487—489,
 655.
 Stadia (?) i. q. Rhodus 653.
 Stagirus s. Stagira opp. Macedoniae 331,
 frg. 33, 35.

- Staphylus histericus* 475.
Stasaneum Cyprius 683.
Stataneum vicum 234, 243.
Statonia opp. Etruriae 225.
Steacyclarus opp. Messeniae 361.
Steropa uxor Dorylæ tactici 477.
Stealchorus Himeræus 42, 148, 347, 356.
Steimbrotus Thasius 472.
Stebodius rex Mycenarum 377.
Stenias statuaris 545.
Stiphana lacus Pontii 560.
Stiria pagus Atticæ 399.
Stirienas 445.
Stobi opp. Macedoniæ 329, *fig. 4*, 389.
Stoechades insulae Massiliensium 184.
Stomalina vicus insulae Co 657.
Stoni pop. Alpibus 264.
Strabo geographus: eius patria 547, 561, *gens* 477, 557, *magistr.* 650, 670, 757, *amici* 118, 130, 779, 816, *actas* 258, *itiner.* 55, 101, 113, 117, 118, 224, 377, 379, 485, 518, 535, 705, 806, 816, 818, *commentaria* *historica* 13, 70, 515.
Strabo Pompeius 212.
Stratarchas frater avi Strabonis 477.
Stratia opp. Arcadiæ 358.
Stratius sacerdos Pontisopæi 74.
Strato tyrannus 547, *physicus* 49—52.
Stratocles Atheniensis 359, *Rhedi.* 655.
Stratonice uxor Eumenis 624.
Stratoniceas opp. Cariae 638, 660, ad Tau-
 rum montem 650.
Stratoniceas 611, 650.
Stratoniceus citharista 610, 651.
Stratonis insula in sinu Arabico 770, tur-
 ris in Iudæa 758.
στρατοπόλει apud Galatas 567, apud
 Indos 767.
Stratus opp. Acarnaniæ 450, Achaiae
 (postea Dyma) 387.
Strongylis una ex insulis Liparæorum
 276, 377.
Strophades insulae 350.
Struthophagi in Aethiopia 772.
Strymon fl. Thraciae 323, 329, *fig. 4*,
 331, *fig. 33—37*.
Strymonicus sinus 330, *fig. 32*, 331, *fig.*
 33, 35, 41.
Stura fl. Latii 232.
Stygia aqua ad lacum Avernum 244, *prope*
Phesecum 389, ea utuntur Telchines 654.
Stymbara opp. Deuriopoli 327.
Stymphali *Stymphali* incolae 389.
Stymphalis palus 371, 389.
Stymphalides aves 371.
Stymphales opp. Arcadiæ 275, 371, 382,
 388, 389.
Styra opp. Euboeae 446.
- Σούριον ἱερὸν* in ora Trogledytica 770.
Suchus crocodilus sacer 511.
Sucro fl. Hispaniae 158, 159, 163, opp
 Hispaniae 158, 167.
Sudines Chaldaeus mathematicus 739.
Suessa opp. Volturnum 231.
Suessiones pop. Galliae 104, 196.
Succasula opp. Campaniae 249.
Suevi pop. Germaniae 194, 207, 290, 292, 294.
Sugambri pop. Germaniae 194, 200, 292, 294.
Suidas rerum scriptor 329.
Sulchi opp. Sardiniae 234.
Sulgas fl. Galliae 185, 191.
Sulla (L. Cornelius) 223, 249, 305, 308,
 447, 558, 594, 693, 699, 654, 796.
Sulmo opp. Pedignorum 241.
Suniam prom. Atticae 92, 108, 124, 323,
 329, *fig. 13*, 390, 391, 398—401, 403, 444,
 445, 474, 485, 636, *pagus* Atticæ 395.
Surena dux Parthorum 747.
Surrentinum vinum 243.
Surrentum opp. Campaniae 22, 247.
Susa opp. Susianae 47, 78, 80, 86, 87,
 727—731, 735, 739, 744.
Susiana regio 732, 736, *vicus* Aglaia 729.
Susil 130, 524, 525, 728, 732, 739, 744, 765.
Susis s. *Susian* l. q. *Susiana* 134, 692,
 727—729, 731, 732, 743, 744.
Sutrium opp. Etruriae 225.
Syangela opp. Cariae 611.
Sybaris opp. Lucaniae 292, 293, 386, *Brut-*
torum 294, 654, fl. *Lucaniae* 292, 293,
 386, *fons* Achaiae 385.
Sybaritae 251—253, 264, 421.
Sybota insulae 124, 324.
Συκαμίνων πόλις in Iudæa 758.
Sydracae pop. Indiae 657, 761.
Sydera opp. Ciliciae 669.
Syena opp. Aegypti 32, 817—826...
Syltaeus Nabataeorum praefectus 780—
 782, 810.
Syllium opp. Pamphyliæ 667.
Syloso tyrannus Samiorum 638.
Syma insula Cariae 656.
Symaethus fl. Siciliae 272.
Symbaca opp. Armeniae vel Mediae 523.
Συμβόλων λιμήν in Chersoneso Tau-
 rica 308, 309.
Symplegades ad Bosporum Thracicum 21,
 149, 170.
Synnada opp. Phrygiae 576, 577.
Synnadicus lapis 437, 577.
Synoria cf. *Sinceria*.
Syphax rex Maesyliorum 829.
Syracusan 23, 50, 123, 134, 259, 262, 263—
 272, 380.
Syracusani 134, 241, 247, 269, 268—270
 272, 273, 449.

Syri 36, 735—737.....
 Syria 40, 749—765..... superior 134.
 inferior 692, 742. cava 133, 749, 760,
 763—765, 765, 767.
 Syria l. q. Syrus insula 487.
 Syriacum mare 84, 535, 749.
 Syrmus rex Triballorum 301.
 Syrtis in ora Africae 123, 130, 131, 171, 267,
 825, 826, 829, 832, 835, 836. maior 123, 126,
 833, 836, 838. minor 123, 157, 834, 835.
 Syrus nomen servorum 304.
 Syrus una Cycladum 485, 487.
 Syapiritis regio Armeniae 503, 530.

T.

Tabac opp. Phrygiae 576, 576.
 Tabanus campus 629.
 Tacmarus lapis 367.
 Taenarum prom. Laconicae 124, 267, 335,
 369, 392, 393, 397, 374, 618, 837. opp.
 Laconicae 369.
 Talabroca opp. Hyrcaniae 508.
 Talaros pop. Epiri 434.
 Tamarus prom. Indiae 519.
 Tamasus opp. Cyprici 255, 265, 684.
 Tamna opp. Arabiae feliciae 768.
 Tamyrae opp. Euboeae 447.
 Tamyraea prom. 308.
 Tamyraea s. Carcinites sinus in Cherso-
 neso Taurica 307, 308.
 Tamyrae fl. Phoeniciae 756.
 Tanagra opp. Boeotiae 403—405, 409, 310.
 Tanagraea s. Tanagrica, ager Tanagraeus
 400, 404.
 Tanagrael 403, 404.
 Tanais opp. ad Tanaim fl. sita 310, 493,
 495. Sumen 65, 490—495.....
 Tanis opp. Aegypti in Delta sita 802.
 Thebaidis 813.
 Tanites pagus in Aegypto 802.
 Taniticum ostium Nili 801, 802.
 Tantalus Phryx 58, 571, 580, 680.
 Tapa opp. Persarum 728.
 Tapa opp. Hyrcaniae 508.
 Taphiae l. q. Taphus 456.
 Taphiasus mons Aetoliae 427, 451, 409.
 Taphi insulae Taphi insulae 455, 459, 461.
 Taphitis prom. orae Carthaginiensis 834.
 Taphi in Chersoneso Taurica 308.
 Taphus loc. Acarnaniae vicina 455, 459, 461.
 Tapesiris opp. Aegypti 799. minor opp.
 Aegypti 799, 809.
 Taprobana insula 63, 72, 74, 119, 139,
 133, 690, 691.
 Tapyri pop. Asiae 514, 515, 520, 523.
 Tapyria Tapyrorum terra 517.
 Teras heros Tarentinorum 279.
 Tarbassus opp. Pisidiae 510.

Tarbelli pop. Galliae 190.
 Tarco Tarquiniorum conditor 219.
 Tarcondimotus rex Cilliciae 676.
 Tarentini 250, 254, 259, 262—265, 280,
 281, 287.
 Tarentinus ager 254, 280, 282. sinus 280,
 211, 253, 261, 262, 278, 281, 282.
 Tarentum opp. Iapygiae 233, 253, 284,
 294, 295, 277—283, 321.
 Taricheae opp. Iudaeae 764. insulae prope
 Carthaginensem 834.
 Tarna opp. Boeotiae 413. Lydiae ibid.
 Tarpeles gens Maeolica 495.
 Tarpha opp. Leocrorum 60, 436.
 Tarquinienus 219.
 Tarquinii opp. Etruriae 219, 220.
 Tarquinius Priscus 219, 220, 231. Super-
 bus 230, 231, 286.
 Tarracina opp. Latii 231, 233.
 Tarraco opp. Hispaniae 159, 160, 161, 167.
 Tarracensis Tarsi incolae 673—675.
 Tarsus fl. Myasae 587.
 Tarsus opp. Cilliciae 125, 654, 658, 672—
 674, 677, 760.
 Tartarus 140.
 Tartessii 33.
 Tartessus Tartessiorum ager 143, 149.
 Tartessus opp. Hispaniae 145, 151. fl.
 Hispaniae 145, 149.
 Tarusco opp. Galliae 178, 179, 187.
 Tasius dux Rexolanorum 366.
 Tatta palus in Phrygia 598.
 Tauchira opp. Cyrenaeae 836, 837.
 Taviu castellum Galatiae 567.
 Taulantii pop. Epiri 328.
 Tauri gens Scythica 308, 309, 311. mon-
 tes Troglodyticae 770.
 Tauriana regio Bruttiorum 254.
 Taurica chersonesus 308, 309.
 Taurini pop. Liguria 204, 209.
 Taurisci s. Tauristae pop. Galliae 209—
 208, 212, 293, 296, 304, 313, 314.
 Taurontium opp. Galliae 180, 184.
 Tauromenitas 272.
 Tauromenium opp. Siciliae 266—268.
 Tauromenius ager 268.
 Tauropollum templum Dianae 639, 766.
 Taurus castellum Iudaeae 763. mons Asiae
 21, 519—522..... Cillicus 533, 535,
 568. Pisidicus 508. terrae intra Taurum
 129... extra Taurum 129...
 Taxila opp. Indiae 691, 698, 714.
 Taxiles rex Taxilorum 698, 699, 716.
 Taygetus mons Laconicae 268, 560, 363,
 367, 454, 475.
 Teanum Sidicinum opp. Campaniae 237,
 245, 249, 285. Apulum 242, 285.
 Tearcon s. Tearcos Aethiops 61, 685, 687.
 Teatea opp. Marrucinorum 641.

- Tectostages pop. Galliae Narbonensis 187,
 188, 190. pop. Galatiae 566, 567.
 Tegae opp. Arcadiae 337, 375, 376, 388.
 Tegestae 377, 389.
 Tegestis 389.
 Tell 643, 644.
 Telamo Teucrum petit 682.
 Telchines Rhodi incolae 466, 472, 653, 654.
 Telchis i. q. Rhodus 653.
 Teleboae filii Teleboae 322, 323, 456, 459.
 Teleboae rex Leucadia 322. [461].
 Teleclus rex Lacedaemoniorum 279, 360.
 Telemachus 37, 344—346. . .
 Telephus Eurypyli pater 571, 572, 584.
 Telesia opp. Samnitium 250. [580, 615].
 Teloethrum mons Euboeae 445.
 Telleneae opp. Latii 231.
 Τελυσσός ἄνθρωπος in Lycia 655.
 Telmessus opp. Lyciae 665.
 Telus una Sporadum 488.
 Tembris conditor Sami 457, 633.
 Temenium opp. Argolidis 368.
 Temenus dux Heraclidarum 357, 358, 368,
 389.
 Temesa opp. Magnae Graeciae postea
 Tempae dicta 6, 255, 256, 551.
 Temmices Boeotiam occupant 321, 401.
 Temessamoni in Mysia 616. opp. Mysiae 621.
 Tempe vallis Thessaliae 329, frg. 14, 15,
 389, 428, 430, 438, 439, 441—443, 531.
 Tempae cf. Temesa.
 Tempyra opp. Thraciae 331, frg. 48.
 Teneae opp. Corinthiorum 380.
 Teneae d. Umbriae 227, 235.
 Teneates 380.
 Tenedii 271, 380, 398, 603, 604.
 Tenedos ins. et opp. 134, 271, 488, 564,
 581, 604, 618, 619.
 Tenebris campus in Boeotia 412, 413.
 Tenebris f. Apollinis vates 413.
 Tenessis regio Aethiopiae 770, 771.
 Tenos Cycni f. 380, 604.
 Tentyra opp. Aegypti 814.
 Tentyritae 814, 815.
 Tenus una Cycladum 485, 487.
 Teos opp. Ioniae 633, 638, 643, 644. [539].
 Teos opp. Mysiae 503, 589. Teos mons
 Tereos opp. Babyloniae 80, 765.
 Tereos Varro Salassarum victor 205.
 Tereus Thrac rex Dauidis 321, 423.
 Tergeste opp. Istriae 215, 314.
 Terina opp. Bruttiorum 236.
 Termerium prom. Cariae 657.
 Termerum opp. Cariae ibid.
 Termessus 630.
 Termessus opp. Pisidiae 570, 636, 631, 636.
 Termisae Lyciam incensit 573, 667, 678.
 Terpander Lesbii 618.
 Tetraspyrgia in Cyrenaica 838.
 Tetrarchae et Tetrarchiae apud Galatas
 541, 560, 567.
 Teucer f. Telamoni 157, 572, 682. Atti-
 cus 604. Teucris gens et sacrum in urbe
 Olba 672.
 Teucris Troadis incolae 61, 604, 613.
 Teumessus opp. Boeotiae 409, 412.
 Teuthaea opp. Achaiae 342.
 Teuthes d. Achaiae ibid.
 Teuthrasia regio Mysiae 551, 571, 615.
 Teuthras d. Bruttiorum 254, rex Teu-
 thrasiae 571, 572, 586, 615.
 Teutones Belgae aggrederentur 196.
 Thala opp. Numidiae 831.
 Thalamae opp. Laconicae 360.
 Thales Milesius 7, 635. Cretensis poeta
 480, 482.
 Thalestria regina Amazonum 565.
 Thamyris Thrac 331, frg. 35, 339, 350, 471.
 Thapsacus opp. Babylonis 77. pons
 ad Thapsacum 746, 747. cf. 79, 80.
 Thapsus opp. Africae 831, 834.
 Thasos insula 28, 124, 317, 331, frg. 44,
 48, 370, 487, 647.
 Thaumaci opp. Phthiotidis 389, 434.
 Thaumacia opp. Magnesia 436.
 Theba opp. Pamphyliae 657, 676. vel Thebae
 opp. Troadis 584, 585, 588, 611, 612, 614.
 Thebae opp. Boeotiae 41, 362, 401, 404,
 408, 409, 411, 412, 633 Aegypti 9, 29,
 35, 40, 551, 735, 805, 812, 813, 815, 816.
 Phthiotides opp. Thessaliae 431, 433, 435.
 Thebae campus in Troade 586.
 Thebata, Thebalca, Thebais pars Boeotiae
 404, 405, 408—410, 412.
 Thebalca regio Troadis 588. custodia in
 Aegypto 813.
 Thebais Aegypti pars 42, 693, 781, 787,
 790, 804, 813, 818—820.
 Themellas princeps Arabum 763.
 Themis 422, 423. Ichnaea 425.
 Themiscyra regio Ponti 52, 126, 497, 504,
 505, 544, 547, 548, 556.
 Themiscionum opp. Phrygiae 576.
 Themistocles 586, 636, 647.
 Thesa opp. Africae 831, 834.
 Theocles Atheniensis 267.
 Theocritus Chios 645.
 Theodectes poeta 625.
 Theodoros Gadarensis 739. eius schola 625.
 Theodosia opp. Chersonesi 300—311.
 Theodosius mathematicus 595.
 Theonnestus Cois musicus 658.
 Θεών λιμήν opp. Numidiae 829.
 Theophanes Mytilenaeus 483, 503, 526, 530
 555.
 Theophilus propinquus Strabonis 557.

- Theophrastus peripateticus 308, 478, 608, 609, 618.
 Theopompus Cnidius 605. Chius historicus 43, 203, 317, 323, 324, 373, 375, 424, 440, 445, 542, 547, 591, 629, 643.
 Thera insula 46, 57, 347, 484, 537.
 Theraci 537.
 Therapnæ opp. Thebanorum 400.
 Theras Theras conditor 347.
 Therasia insula 57, 484.
 Therma opp. Macedoniarum 330, frg. 20, 21, 23, Thermæ sinus 92... [24].
 Thermessa insula 275, 276.
 Thermodon fl. Ponti 52, 298, 505, 529, 547.
 Thermopylae 10...
 Thernum s. Therma opp. Actoliarum 463.
 Theaeum Athenis 396... [399, 477].
 Theus 19, 20, 48, 282, 380, 398, 397.
 Thepliae opp. Boeotiae 400, 403, 405, 409.
 Theplenses 409, 410. [410, 414].
 Theproti 6...
 Theprotia 256.
 Thessali 45...
 Thessalia 229, 429—444.... Thessalici campi 430, 431, 440, 441. montes 28, Thessalica equitatio 449, 531. vestis 530.
 Thessaliotæ et Thessaliotis pars Thessalicae 430, 435, 438.
 Thessalonica uxor Cassandri 330, frg. 21. opp. Macedoniarum 106, 124, 323, 329, frg. 10, 13, 330, frg. 20, 21, 24, 25, 331, frg. 48, 391, 400.
 Thessalus Haemonia f. 443, 444.
 Thestidae fratres Althaeae 460.
 Thestius pater Ledaë 461. pater Althaeae Thetidium templum Thetidis 431. [450].
 Θεοῦ ἡρώδου prom. Syriac 754, 753.
 Thimbro rex Cyrenae 537.
 Thilba v. Thibae opp. Boeotiae 16, 208, 411.
 Θούη insulae 331, 458.
 Theantium orae Rhodiae pars 655.
 Thoafl. q. Achelous 459. rex Actolorum 255.
 Thonix rex Aegypti 800. opp. Aegypti 810.
 Thopitis lacus Armeniae 529, 746.
 Thorax mons Lydiae 647.
 Thorensis pagus Atticus 398.
 Thoricus opp. Atticae 307—309, 485.
 Thornax mons Laconicae 364.
 Thraces 28....
 Thracia 105, 331, frg. 48—58.... Thraciae chersonesus 92, 108, 109, 124, 129, 329, frg. 13, 331, frg. 52, 53. Thracius Bosporus 125, 325, 568. Thracii populi 289, 295, 304, 313, 315, 316, 331, frg. 46, 541, 549, 564. montes 71, 268, 313, 317, 318, 320, 329, frg. 4, 471. Thracium litus 6, 223. mare 28. Thracia musica 471. insula 437. Thraciae fodinae 650.
 Thraso sculptor 641.
 Thrasyalces Thasius 20, 790.
 Thrasylbulus Atheniensis 308.
 Threx castellum Iudaeae 763.
 Thrissius campus in Attica 302, 395.
 Thriacis l. q. Sicilia 265.
 Thronii, Thronii incolae 60.
 Thronium opp. Locridis 60, 426.
 Throni prom. et opp. Cyprici 683.
 Thryossa s. Thyrium opp. Triphylliae 349.
 Thocyrides. [352, 353].
 Thula 63, 64, 104, 114, 201.
 Thumelicus Arminii f. 292.
 Thunatae gens Illyrica 318.
 Thuria opp. Messeniae 350, 361. fons 253.
 Thuriorum ager 290.
 Thuri opp. Lucaniae 254, 255, 260, 263, 264, 656. Thurinum vinum 264.
 Thusselda filia Segestis 291.
 Thyamis fl. Epiri 324.
 Thybra campus prope Ilum 593.
 Thybria pagus Cariae 636.
 Thybrius fl. prope Ilum 598.
 Thyri pop. Bithyniae 253, 541, 554.
 Thynia insula 543.
 Thynias prom. et regio Thraciae 319, 541.
 Thyreas opp. Cynarum 65, 376.
 Thyridis insula et prom. Laconicae 335, 509, 362.
 Thyrsus opp. Macedoniarum 331. frg. 33, 35.
 Tians Tio urumdes (Philetæus) 623.
 Tibarani s. Tibarini 527, 534, 540, 548, 555.
 Tibarania regio Ponti 369.
 Tibarantii populi 129. [234, 235].
 Tiberis 216, 218, 219, 222, 226—229, 231.
 Tiberius imperator 156, 206, 208, 292, 534, 579, 819, 627, 821. cf. Gracchus.
 Tibias propinquus Strabonis 557. nomen Paphlagonum 304, 553.
 Tibur opp. Latii 238.
 Tiburtinus lapis 238. [428].
 Τίτυρος castellum prope Thermopylas
 Tiedum opp. Galliae cisalpinæ 217.
 Tictus fl. Galliae cisalpinæ 209, 217.
 Ticum opp. Bithyniae 542, 543, 565.
 Tige opp. Mauritaniae 827.
 Tigranes rex Armeniae 529, 530, 532, 539, 610, 745, 747, 749, 751. [747].
 Tigranocerta opp. Armeniae 522, 532, 539.
 Tigris 47.... eius fontes 521, 522. aestia 321, 527, 529, 728, 729.
 Tigridi vicus a Mario 293.
 Tilphessa fons Boeotiae 410, 411, 413.
 Tilphossium mons Boeotiae 411, 413. opp. Boeotiae 410, 413.
 Timæus historicus 183, 248, 260, 271, 600.
 Timagenes historicus 188, 711. [640, 654].
 Timavum templum Diomedis 214, 215.

- Timavus fl. Istriae 214, 215, 275.
 Timonitis regio Paphlagoniae 562.
 Timonum Alexandriae 794.
 Timosthenes praefectus classis Ptolemaei
 secundi 29, 92—94, 140, 421, 618, 827.
 Timotheus Patrio Sinopensis 643.
 Tingia opp. Mauritaniae 140.
 Tirostas 411, 413, 443, 642, 762.
 Tiriatis prom. Haemi cum arco 319.
 Tiryas opp. Argolidis 372, 373, 653.
 Tisamenus f. Orcatis 383, 384, 389.
 Tisaneis opp. Numidiae 831.
 Titanus 331, frg. 40, 472.
 Titanus opp. Thessaliae 439.
 Titaresius fl. Thessaliae 329, frg. 14, 15, 441.
 Titarius mons Thessaliae 329, frg. 14, 15.
 Titithous pater Memnonis 587, 728, [441].
 Titus procurator Syriae 748.
 Titus Tades 228, 230, 234.
 Titus Quintus victor Philippi 441. Fla-
 minius praepositus Siciliae 277.
 Tityri famuli Bacchi 466, 468, 470.
 Tityrus mons Cretae 479.
 Tityrus rex Penopel 422, 423.
 Tlepolemus Heraculis f. 338, 653, 664.
 Tlos opp. Lyciae 655.
 Tmolus mons Lydiae 554, 591, 610, 620,
 623, 627, 629, 637, 650.
 Tochari Scythiae trans Iaxartem 511.
 Togail in Hispania 151, 167.
 Toisistobogii pop. Galatiae 187, 547, 556, 557.
 Tolosa opp. Galliae 188.
 Tomarus s. Tmarus mons prope Dedonem
 327, 328, 434.
 Tomis opp. Moesia 318, 319.
 Tomisa s. Tomisae castellum Cappadociae
 639, 653, 664.
 Tomuri a monte Tomaro nominati 328, 329.
 Topira opp. Thraciae 331, frg. 45.
 Torontae Maedica gens 495.
 Torontaeus s. Toronticus situs in Macedo-
 nia 330, frg. 29, 31, 32.
 Toygeni victi a Mario 183, 293.
 Trachia regio ad Corcorum montem in
 qua Ephesus 634.
 Trachin opp. Phocidis 423. opp. Thessa-
 liae 60, 423, 428, 432.
 Trachina v. Tarracina.
 Trachina regio Thessaliae 334, 432, 433.
 Trachinai 423. [448].
 Trachiotas incolae Ciliciae asperae 130,
 568, 654, 658, 676.
 Trachiotis s. Trachia v. Cilicia.
 Trachones montes prope Damascus 755.
 Tragaecae insulae prope Miletum 635. [736].
 Τραγασίων ἀλοπήγιον salinae apud
 Hamaxitum 603.
 Tragium opp. Larenicae 300.
 Tragurium insula 124, 315.
 Tralles opp. Lydiae 440, 618, 663, 683.
 Trailliani 379, 648, 649.
 Trapezon collis Syriae 751.
 Trapezus opp. ponti 309, 320, 331, frg.
 55, 497, 499, 548, 555. mons Chersonesi
 Tauricae 309.
 Trapezusia ager Trapezuntiorum 547.
 Trarion opp. Mysiae 607.
 Trasimenus lacus 226.
 Trebia fl. Galliae cisalpiniae 217.
 Trebonius percussor Caesaris 646.
 Trebulis opp. Sabinae 228.
 Trephila lacus Boeotiae 407.
 Trepsium opp. Latii 237.
 Treres pop. Thraciae 59, 61, 511, 552, 573.
 Trerus fl. Latii 237. [586, 627, 647].
 Trota opp. Cyprae 683.
 Troium prom. Numidiae 829, 831, 832.
 Treviri pop. Galliae 194.
 Triballii gens Thraciae 301, 305, 315, 317, 318.
 Tribocchi pop. Galliae 193, 194.
 Tricca opp. Thessaliae 327, 360, 374, 437,
 438, 448, 647.
 Trichalces cognomen Dorum 476.
 Trichonium opp. Aetoliae 450.
 Triclarum in Thessalia 330, frg. 29.
 Tricoriti pop. Galliae 185, 203.
 Tricorynthus opp. Atticae 377, 383, 390.
 Tridentalis 204.
 Trieres opp. Syriae 754.
 Trinacria i. q. Sicilia 266.
 Trinemenses pagus Atticae 400.
 Trinx opp. Mauritaniae 829.
 Triphylia pars Elidis 337, 339, 342—348,
 355, 357—359, 367, 372, 447.
 Triphyliana Pylus 337.
 Triphyliarum mare 345, 353.
 Triphylii 337, 343, 353, 355, 367.
 Tripodes s. Tripodiscium opp. Megaridis
 394.
 Tripolis opp. Phoeniciae 754, 755.
 Tripolitae cf. Pelagones.
 Triptolemus pater Gordyis 27, 675, 747,
 750. tragedia Sophoclis 27.
 Tritaea opp. Achaiae 341, 342.
 Tritaenenses 341, 350.
 Triton opp. Boeotiae 407.
 Tritonia lacus Cyrenaicae 830.
 Troades Trojanae 262, 264, 330, frg. 25.
 Troas regio 6, 581—616,
 Troeni pop. Galatiae 187, 561, 565, 567.
 Troezen Pelopis f. 374. opp. Argolidis
 Troezenii 555. [369, 373—375].
 Trogilius prom. et ins. Ioniae 636.
 Troglitis palus in Lycania 568.
 Troglodytae ad sinum Arabicum 2, 42, 318,
 774—776, 784—785, 819, in Caucaso 506,
 709—770.

- Troglodytica 131, 133, 696, 768, 780, 798.
 Troia opp. Troas 58, 149, 321, 326, 330, 336, 337, 338, 339, 340, 341, 342, 343, 344, 345, 346, 347, 348, 349, 350, 351, 352, 353, 354, 355, 356, 357, 358, 359, 360, 361, 362, 363, 364, 365, 366, 367, 368, 369, 370, 371, 372, 373, 374, 375, 376, 377, 378, 379, 380, 381, 382, 383, 384, 385, 386, 387, 388, 389, 390, 391, 392, 393, 394, 395, 396, 397, 398, 399, 400, 401, 402, 403, 404, 405, 406, 407, 408, 409, 410, 411, 412, 413, 414, 415, 416, 417, 418, 419, 420, 421, 422, 423, 424, 425, 426, 427, 428, 429, 430, 431, 432, 433, 434, 435, 436, 437, 438, 439, 440, 441, 442, 443, 444, 445, 446, 447, 448, 449, 450, 451, 452, 453, 454, 455, 456, 457, 458, 459, 460, 461, 462, 463, 464, 465, 466, 467, 468, 469, 470, 471, 472, 473, 474, 475, 476, 477, 478, 479, 480, 481, 482, 483, 484, 485, 486, 487, 488, 489, 490, 491, 492, 493, 494, 495, 496, 497, 498, 499, 500, 501, 502, 503, 504, 505, 506, 507, 508, 509, 510, 511, 512, 513, 514, 515, 516, 517, 518, 519, 520, 521, 522, 523, 524, 525, 526, 527, 528, 529, 530, 531, 532, 533, 534, 535, 536, 537, 538, 539, 540, 541, 542, 543, 544, 545, 546, 547, 548, 549, 550, 551, 552, 553, 554, 555, 556, 557, 558, 559, 560, 561, 562, 563, 564, 565, 566, 567, 568, 569, 570, 571, 572, 573, 574, 575, 576, 577, 578, 579, 580, 581, 582, 583, 584, 585, 586, 587, 588, 589, 590, 591, 592, 593, 594, 595, 596, 597, 598, 599, 600, 601, 602, 603, 604, 605, 606, 607, 608, 609, 610, 611, 612, 613, 614, 615, 616, 617, 618, 619, 620, 621, 622, 623, 624, 625, 626, 627, 628, 629, 630, 631, 632, 633, 634, 635, 636, 637, 638, 639, 640, 641, 642, 643, 644, 645, 646, 647, 648, 649, 650, 651, 652, 653, 654, 655, 656, 657, 658, 659, 660, 661, 662, 663, 664, 665, 666, 667, 668, 669, 670, 671, 672, 673, 674, 675, 676, 677, 678, 679, 680, 681, 682, 683, 684, 685, 686, 687, 688, 689, 690, 691, 692, 693, 694, 695, 696, 697, 698, 699, 700, 701, 702, 703, 704, 705, 706, 707, 708, 709, 710, 711, 712, 713, 714, 715, 716, 717, 718, 719, 720, 721, 722, 723, 724, 725, 726, 727, 728, 729, 730, 731, 732, 733, 734, 735, 736, 737, 738, 739, 740, 741, 742, 743, 744, 745, 746, 747, 748, 749, 750, 751, 752, 753, 754, 755, 756, 757, 758, 759, 760, 761, 762, 763, 764, 765, 766, 767, 768, 769, 770, 771, 772, 773, 774, 775, 776, 777, 778, 779, 780, 781, 782, 783, 784, 785, 786, 787, 788, 789, 790, 791, 792, 793, 794, 795, 796, 797, 798, 799, 800, 801, 802, 803, 804, 805, 806, 807, 808, 809, 810, 811, 812, 813, 814, 815, 816, 817, 818, 819, 820, 821, 822, 823, 824, 825, 826, 827, 828, 829, 830, 831, 832, 833, 834, 835, 836, 837, 838, 839, 840, 841, 842, 843, 844, 845, 846, 847, 848, 849, 850, 851, 852, 853, 854, 855, 856, 857, 858, 859, 860, 861, 862, 863, 864, 865, 866, 867, 868, 869, 870, 871, 872, 873, 874, 875, 876, 877, 878, 879, 880, 881, 882, 883, 884, 885, 886, 887, 888, 889, 890, 891, 892, 893, 894, 895, 896, 897, 898, 899, 900, 901, 902, 903, 904, 905, 906, 907, 908, 909, 910, 911, 912, 913, 914, 915, 916, 917, 918, 919, 920, 921, 922, 923, 924, 925, 926, 927, 928, 929, 930, 931, 932, 933, 934, 935, 936, 937, 938, 939, 940, 941, 942, 943, 944, 945, 946, 947, 948, 949, 950, 951, 952, 953, 954, 955, 956, 957, 958, 959, 960, 961, 962, 963, 964, 965, 966, 967, 968, 969, 970, 971, 972, 973, 974, 975, 976, 977, 978, 979, 980, 981, 982, 983, 984, 985, 986, 987, 988, 989, 990, 991, 992, 993, 994, 995, 996, 997, 998, 999, 1000.
- Tyrrhenus Atylis f. 219, 221.
 Tyrtaeus poeta 279, 362, 368.
 Tyrtamus l. q. Theophrastus 618.
 Tyrus opp. Phoeniciae 58, 134, 750, 754, 756—58, 760, 832. ins. insula Persico 760.
- U. V.**
- Vaccas pop. Hispaniae 152, 153, 162.
 Vacua f. Lusitaniae 153.
 Vaga opp. Numidiae 831.
 Valeria via 237, 238, 240.
 Valerius Flaccus consul 534.
 Vapantes opp. Corsicae 234.
 Vardae l. q. Ardian 315.
 Vari pop. Galliae 185.
 Varia opp. Celtiberiae 162. Latii 238.
 Varus f. Galliae 177, 178, 184, 203, 209.
 Varus Quinctilius 201.
 Vascones pop. Hispaniae 155, 161.
 Ubi pop. Germaniae 194.
 Ucronius Jux Chatterum 202.
 Veli opp. Etruscae 226.
 Vellia opp. Lucaniae 252, 253.
 Velitiae opp. Latii 237.
 Velliae pop. Galliae 190.
 Venafrum opp. Campaniae 238, 242, 250.
 Venasa opp. Cappadociae 537.
 Vendors opp. Iapodum 207, 314.
 Veneti pop. Galliae 194, 195, 212.
 Vennones pop. Viandellorum 204, 206.
 Ventidius Pacori victor 781.
 Venus 657, 732, 745, 803, 815. templum in monte Pyrenaeo 178, 181. Lavinii 232. in monte Eryce 272. in Elide 343. Corinthi 378. Acrocorinthi 379. in prom. Pedalio Cyprj 652. in prom. Pyrrhae 606. Memphis 607. in insula Tritonidis paludis 836. Coliadis 398. Casteletidis 438. Apaturi 495. Acratae 682. Paphiae 683. Aratone 800. Anadyomene Apellis tabula 657.
 Venusia opp. Samniti 250, 254, 283.
 Vera castellum Median 521.
 Veragri pop. Alpinae 204.
 Verbanus lacus 209.
 Vercelli vicus Galliae cisalpinas 218.
 Verdingetorix Arverens 191.
 Verestis f. Latii 239.
 Veretum opp. Salentinorum 281, 282.
 Verona opp. Galliae cisalpinas 206, 213.
 Vertinae opp. Lucaniae 254.
 Vesta dea 220, 229.
 Vestina regio Italiae 233, 241.
 Vestini 219, 228, 241.
 Vesuvius mons 26, 247.
 Vetera opp. Hisp. 160.
 Vettiones pop. Hispaniae 159, 162, 163, 164.
 Ugerum opp. Galliae 178.
 Vibiae Bituriges 190.

Vibosa Valentia opp. Brutiorum 255.
 Vicetia opp. Galliae cisalpinæ 214.
 Vicena caput Allobrogum 185, 186.
 Viminalia collis 224. porta 234.
 Vindelic 193, 206, 207, 222, 313.
 Visurgis fl. Germaniae 291.
 Vistia opp. Hyrcaniae 508.
 Vitii pop. Hyrcaniae 508, 514.
 Vitix 11, 20—27, 38, 46, 43—45...
 Umbria et Umbri pop. Italiae 214, 216,
 217, 219, 227, 235, 240, 250, 376.
 Undulus opp. Galliae 385.
 Vecontii pop. Galliae 178, 179, 185, 187, 203.
 Volaterrae opp. Etruriae 223.
 Volaterrani 223. [203. Tectosages 187.
 Volcae Arecomisci pop. Galliae 186, 187,
 Volaci pop. Italiae 228, 231, 237.
 Volsinii opp. Tyrrhenorum 226.
 Uransopolis opp. Macedoniae 231, frg. 35.
 Urgi (?) pop. Sarmatarum 306.
 Uria opp. Calabriae 282, 283. lacus Astollae
 Uriathus latro 158, 287. [459.
 Urtum opp. Apuliae 284.
 Uroa opp. Baeticae 141.
 Usipii pop. Germaniae 222.
 Utica opp. Carthaginiensium 831, 832.
 Vulcanus 41, 472, 473. *Hypaloros ἀγορά*
 245. Hiera l. q. Thermae insula 275.
Hypaloros 807.
 Vulturum et Vulturum opp. et fl. Campa-
 niae 238, 243, 249.
 Uxia regio Persidis 729, 744.
 Uxii pop. Persidis 524, 728, 729, 732.
 Uxissima insula 64.
 Uxita opp. Numidia 831.

X.

Xanthia opp. Ciconum 331, frg. 44.
 Xanthii in Lydia 665. Thracae 599. s. Parli
 pop. Daorum 511, 515.
 Xanthus opp. Lyciae 134, 665. fl. Lyciae 655.
 Treas 690. rex Bactarum 293. Lycus
 historicus 49, 50, 572, 579, 627, 628, 680, 681.
 Xenarchus Seleucensis peripateticus 670.
 Xenodorus custos thesauri Alexandri 69.
 orator Adramythenus 614, 669.
 Xenocrates Bithynus 550, 560, 610.
 Xenophanes physicus et poeta 643.
 Xenophon 357, 402.
 Xerxena regio Armeniae minoris 528.

Xerxes Darii f. 10.
 Ximena regio Ponti 561.
 Xiphodae prom. in Sicilia 367.
 Xoia lux. et opp. Aegypti 802.
 Xuthus Iouis pater 383.
 Xypeteon tribus Atticae 604.

Z.

Zacynthii 159.
 Zacynthus insula 124, 335, 458, 636.
 Zagrus, Zagrus mons Asiae 522—25, 736.
 Zaleucus legum lator 269. [739, 744.
 Zama opp. Numidia 829, 831.
 Zamolxis Geta 297, 298, 304, 792.
 Zancle opp. Siciliae 208.
 Zancleari 257, 268, 272.
 Zardocae nomen Paphlagonum 553.
 Zariadris dux Armeniorum 528, 531.
 Zariampa l. q. Baetra 514, 516.
 Zarmaochegas sapientia Indus 726.
 Zela opp. Ponti 512, 557, 559—561.
 Zelas Prusias pater 563.
 Zelen opp. Troadis 551, 562, 565, 576, 583,
 597—580, 596, 603.
 Zelis opp. Mauritaniae 140, 827.
 Zelitis ager Zela 557, 559, 561.
 Zella opp. Numidia 831.
 Zencetes Cilix 671.
 Zeno Eleata 252. orator Laodicensis 578,
 660. Citiensis Stoicus 15, 41, 209, 610, 614.
 Zenodorus latro 736. [683, 757, 784.
 Zenodorus grammaticus 413, 543, 553.
 Zenophanes tyrannus Ciliciae 672.
 Zephyria l. q. Halicarnassus 636.
 Zephyria prom. Cypri 683.
 Zephyrium prom. Italiae 259, 270. Cariae
 558. Ciliciae 670, 671. Aegypti 800.
 locus in litore Marmaricae 799. [58.
 Zephyrus ventus. 2, 28, 29, 30, 159, 331, frg.
 Zeugma ad Thapsum 70, 80, 524, 532, 738,
 746, 747. ad Samosata 532, 664, 745, 747,
 749. [749.
 Zeuxis medicus 559.
 Zincha opp. Numidia 831.
 Zodiacus 13, 51, 110, 136.
 Zeilos orator 371.
 Zonas cf. Diodes.
 Zoster prom. Atticae 328.
 Zuchis lacus et opp. Libya 836.
 Zumi pop. Germaniae 250.
 Zygi pop. Caucasum accolens 129, 492.
 Zygopola opp. Ponti 548. [495—497.





CATALOGUED.

44

"A book that is shut is but a block"

CENTRAL ARCHAEOLOGICAL LIBRARY

GOVT. OF INDIA
Department of Archaeology
NEW DELHI.

Please help us to keep the book
clean and moving.